

56वीं
वार्षिक
रिपोर्ट
2024-25



भारत की आकांक्षाओं का वित्तपोषण स्थायी भविष्य का सृजन





विषय - सूची



हमारी विकास गाथा	02
निदेशक मण्डल	20
निदेशकों का परिचय	21
नेतृत्व टीम	24
पांच वर्षों में प्रदर्शन	25
एकीकृत रिपोर्टिंग	30
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	39
एजीएम की सूचना	45
बोर्ड की रिपोर्ट	59
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट	89
कॉर्पोरेट सुशासन संबंधी रिपोर्ट	100
कॉर्पोरेट सुशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र	130
कारोबार दायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट	131
स्वतंत्र उचित आश्वासन रिपोर्ट	181
सचिवालयी लेखापरीक्षा रिपोर्ट	184
संबंधित पक्षकारों के साथ संविदाओं या व्यवस्थाओं का विवरण	187
सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट	188
डिबेंचर न्यासियों के विवरण	204
स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	214
गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	223
स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां	225
स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण	226
समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	326
समेकित वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां	333
समेकित वित्तीय विवरण	334
हमारे कार्यालय	439



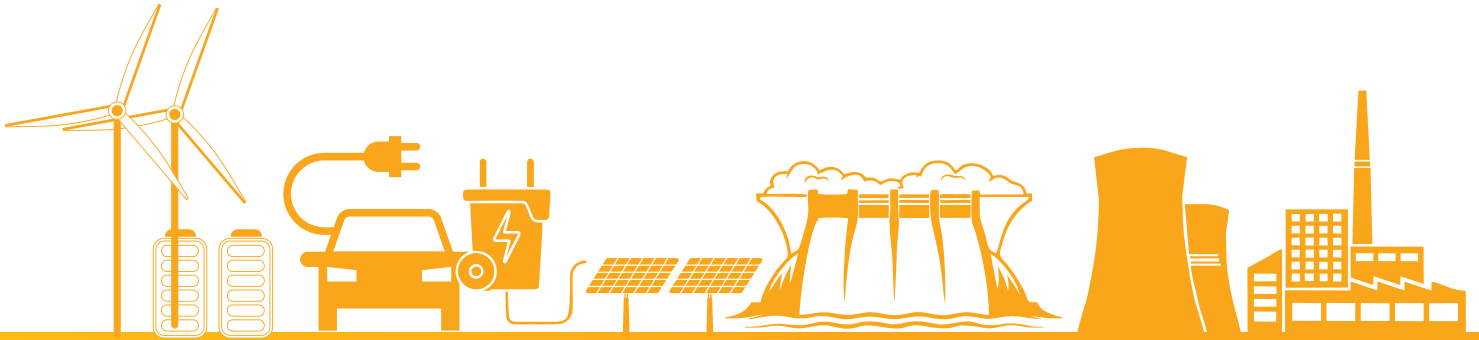
हमारी विकास-गाथा



आरईसी लिमिटेड एक अग्रणी 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है और भारत की एक बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। वर्तमान में आरईसी अपने अभिनव वित्तीय समाधानों के बल पर पूरे विद्युत क्षेत्र के वैल्यू चेन में भारत की विकास-यात्रा के प्रत्येक चरण में भागीदार रही है। देश की संवृद्धि को गति देते हुए, आरईसी ने गैर-विद्युत अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के वित्तपोषण की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। आरईसी में, हम न केवल मजबूत असंरचना का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन-स्तर को समृद्ध बना रहे हैं।



वर्ष पर एक दृष्टि



₹15,713 करोड़
निवल लाभ



₹5.67 लाख करोड़
ऋण बही



₹77,638 करोड़
निवल मूल्य



भारत में **हर चौथे बल्ब**
को ऊर्जा प्रदान करने का कार्य



एक वित्तीय वर्ष में अब तक का
सबसे अधिक संवितरण
₹1,91,185 करोड़



लोन बुक वर्ष दर वर्ष
~11% की मजबूत दर से बढ़ी है

आरईसी की गौरवपूर्ण उपलब्धियां



हमारी यात्रा पर एक दृष्टि

नवरत्न का दर्जा प्रदान किया गया,
आईपीओ लाया गया जो 27 गुना
सब्सक्राइब किया गया

2008

मिनीरत्न (श्रेणी-1) का
दर्जा प्रदान किया गया

2002

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत अवसंरचना
के विकास के लिए स्थापित हुई

1969

2010

आरबीआई द्वारा
आईएफसी का दर्जा

2003

विद्युत के सभी क्षेत्रों के
वित्तपोषण हेतु अधिदेश का
विस्तार किया गया

1998

आरबीआई में एनबीएफसी के रूप
में पंजीकृत



पीएमसूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए
राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी के
रूप में नियुक्त, 61.1 बिलियन जेपीवाई
का एकल येन बॉण्ड जारी किया गया



2024

सीपीएसई के लिए उच्चतम
'महारत्न' कंपनी का दर्जा प्रदान
किया गया तथा अवसंरचना एवं
लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में प्रवेश

2022

नोडल एजेंसी के रूप
में 100% आवास
विद्युतीकरण किया
गया

2025

आरईसी आईएसओ 3100:2018
प्राप्त करने वाली प्रथम सार्वजनिक
क्षेत्र की एनबीएफसी बनी
बीएसआई द्वारा स्वतंत्र वैचारिक
टिप्पणी

2023

जी 20 अध्यक्षता के बाद पहली बार
दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में 750
मिलियन यूएस डॉलर का सबसे बड़ा
ग्रीन बॉण्ड जारीकर्ता

2021

आरडीएसएस के लिए
नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त

2017

लंदन स्टॉक एक्सचेंज में
यूएसडी ग्रीन बाण्ड जारी
करने वाला प्रथम भारतीय
पीएसयू



हमारे कार्य



आरईसी देश में परिसंपत्तियों के सृजन और अन्य आवश्यकताओं के लिए राज्य, केन्द्र और निजी क्षेत्र की कंपनियों को दीर्घावधिक ऋण और अन्य वित्तीय उत्पाद प्रदान करती है। आरईसी निम्नलिखित क्षेत्रों को वित्तपोषित करती है:

विद्युत क्षेत्र अवसंरचना



उत्पादन



वितरण

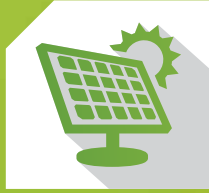


पारेषण



कोयला खदानें

नवीकरणीय ऊर्जा एवं नवीन तकनीक



सौर



पवन



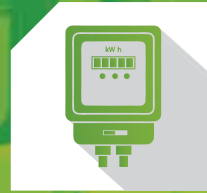
पंप भंडारण



ग्रीन हाइड्रोजन



बीईएसएस



स्मार्ट मीटर



ई-मोबिलिटी



बायो मास



अन्य

अवसंरचना एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र (गैर-विद्युत)

मेट्रो



एयरपोर्ट



बंदरगाह और
जलमार्ग



स्वास्थ्य
क्षेत्र



सड़कें और
राजमार्ग



आईटी इंफ्रा /
फाइबर ऑप्टिक्स



अन्य

**भारत सरकार की
भागीदार**



आरईसी विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने तथा विकास और समृद्धि के प्रकाश को राष्ट्र के हर कोने तक ले जाने में भारत सरकार के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक रही है।

हर गांव और हर घर में बिजली पहुंचाने से लेकर बिजली वितरण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लागू करने तक, आरईसी अनेक योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन में सरकार की एक विश्वसनीय संस्था है।

सरकार की एक विश्वसनीय संस्था





मिशन एवं विजन



तीव्र विकास के लिए और ग्रामीण और शहरी आबादी के जीवन की गुणवत्ता को समृद्ध करने हेतु बिजली की उपलब्धता को सुगम बनाना।

देश में विद्युत उत्पादन, विद्युत संरक्षण, विद्युत पारेषण और विद्युत वितरण नेटवर्क को शामिल करने वाली परियोजनाओं को बढ़ावा देने हेतु एक प्रतिस्पर्धी, ग्राहक-अनुकूल एवं विकास-उन्मुख संगठन के रूप में कार्य करना।



हमारे उत्पाद



दीर्घकालिक ऋण

विद्युत और बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के लिए राज्य, केंद्र और निजी क्षेत्र की कंपनियों को दीर्घकालिक ऋण।



ऋण पुनर्वितीयन

उधारकर्ताओं के लिए उनकी ब्याज लागत को कम करने के लिए ऋण पुनर्वितीयन योजना। यह सुविधा सामान्य तौर पर शुरू हो गई परियोजनाओं के लिए उपलब्ध है।



उपकरण विनिर्माण का वित्तपोषण

विद्युत क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों या सामग्रियों के निर्माताओं को आवधिक ऋण।



लघु अवधि ऋण/ मध्यम अवधि ऋण

उधारकर्ताओं एवं विद्युत संस्थाओं को उनकी आत्यंतिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 1 से 3 वर्ष की अवधि के लिए ऋण की पेशकश की जाती है, जिसमें विद्युत संयंत्रों, प्रणालियों और नेटवर्क के रख-रखाव आदि के लिए ईंधन की खरीद शामिल है।



परिक्रामी बिल भुगतान सुविधा (आरबीपीएफ)

विद्युत खरीद बकाया और उत्पादन कंपनियों तथा पारेषण कंपनियों निजी क्षेत्र की पारेषण कंपनियों, आईपीपी एवं और आरई उत्पादकों के पारेषण शुल्क के भुगतान हेतु डिस्कॉम के लिए उपलब्ध



अन्य

आरईसी बैंक गारंटी के स्थान पर लेटर ऑफ अंडरटेकिंग (एलओयू) जैसे अनेक गैर-निधि आधारित उत्पाद भी प्रदान करती है।



कॉर्पोरेट उद्देश्य



आरईसी में, हमारे कॉर्पोरेट उद्देश्य व्यापक रूप से हमारे राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं।

उन्नत वित्तीय समाधानों और सुव्यवस्थित परिचालन के साथ, हम हर भारतीय की आकांक्षाओं का समर्थन करने वाले मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण करते हुए अपने राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।



एकीकृत दृष्टिकोण

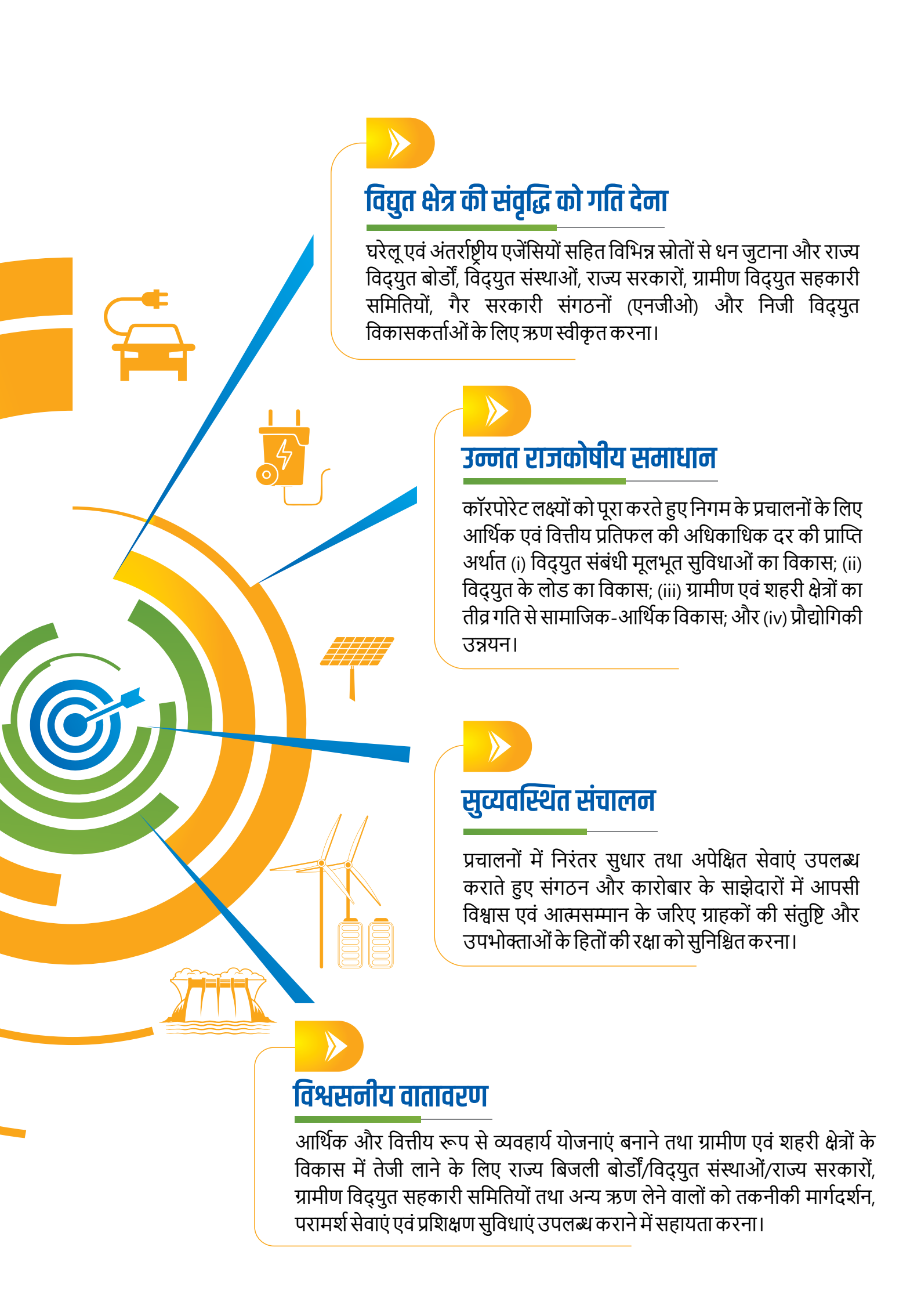
समन्वित तंत्र सुधार, विद्युत उत्पादन, विकेंद्रित एवं ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों के प्रोत्साहन, ऊर्जा संरक्षण, उन्नयन एवं अनुरक्षण, पंपसेट ऊर्जायन पर जोर के साथ विद्युत वितरण पर केंद्रित परियोजनाओं का प्रोत्साहन एवं इनका वित्तपोषण तथा भारत सरकार की दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना का क्रियान्वयन।



अन्य संबंधित क्षेत्रों में विविधीकरण

दुर्गम, पर्वतीय, रेगिस्तानी, जन-जातीय, तटवर्ती और अन्य असुगम/सुदूरवर्ती क्षेत्रों सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की बेहतर व्यवस्था के लिए विकेंद्रित विद्युत उत्पादन से संबंधित परियोजनाओं का वित्तपोषण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का प्रयोग, परामर्शी सेवाएं पारेषण, उप-पारेषण एवं वितरण प्रणाली, नवीकरण, आधुनिकीकरण एवं अनुरक्षण जैसे अन्य क्षेत्रों और गतिविधियों का विस्तार करना और इनमें विविधता लाना।





विद्युत क्षेत्र की संवृद्धि को गति देना

घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों सहित विभिन्न स्रोतों से धन जुटाना और राज्य विद्युत बोर्डों, विद्युत संस्थाओं, राज्य सरकारों, ग्रामीण विद्युत सहकारी समितियों, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और निजी विद्युत विकासकर्ताओं के लिए ऋण स्वीकृत करना।

उन्नत राजकोषीय समाधान

कॉर्पोरेट लक्ष्यों को पूरा करते हुए निगम के प्रचालनों के लिए आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिफल की अधिकाधिक दर की प्राप्ति अर्थात (i) विद्युत संबंधी मूलभूत सुविधाओं का विकास; (ii) विद्युत के लोड का विकास; (iii) ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का तीव्र गति से सामाजिक-आर्थिक विकास; और (iv) प्रौद्योगिकी उन्नयन।

सुव्यवस्थित संचालन

प्रचालनों में निरंतर सुधार तथा अपेक्षित सेवाएं उपलब्ध कराते हुए संगठन और कारोबार के साझेदारों में आपसी विश्वास एवं आत्मसम्मान के जरिए ग्राहकों की संतुष्टि और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा को सुनिश्चित करना।

विश्वसनीय वातावरण

आर्थिक और वित्तीय रूप से व्यवहार्य योजनाएं बनाने तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विकास में तेजी लाने के लिए राज्य बिजली बोर्डों/विद्युत संस्थाओं/राज्य सरकारों, ग्रामीण विद्युत सहकारी समितियों तथा अन्य ऋण लेने वालों को तकनीकी मार्गदर्शन, परामर्श सेवाएं एवं प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता करना।

आरईसी में ईएसजी



2023
जनवरी

आरईसी ईएसजी नीति
आरईसी ने ईएसजी नीति को अपनाया

2023
जून

ईएसजी लक्ष्य

त्रैमासिक अनुपालन के लिए कंपनी को व्यापक ईएसजी लक्ष्य दिए गए

2024
फरवरी

ईएसजी अंतराल मूल्यांकन

ईएसजी से संबंधित नवीन नीतियां प्रस्तुत की गईं, मानवाधिकार और कल्याण प्रशिक्षण आयोजित किए गए

2024
अप्रैल

जीएचजी उत्सर्जन की आधार रेखा

सभी आरईसी के कार्यालयों के जीएचजी उत्सर्जन का आकलन

2024
अगस्त

ईएसजी रिपोर्ट

जीआरआई प्रारूप के संदर्भ में पहली बार ईएसजी रिपोर्ट प्रकाशित की गई

2024
अक्टूबर

आरईसी की नेट जीरो योजना

आरईसी नेट जीरो स्कोप 1 एवं 2 उत्सर्जन के लिए प्रतिबद्ध है

2025
जनवरी

हितधारक ईएसजी मूल्यांकन

निजी उधारकर्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं का ईएसजी मूल्यांकन प्रारम्भ हुआ

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ईएसजी प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं



पर्यावरण

वित्त वर्ष 25 के लिए वित्त पोषित आरई परियोजनाओं के उत्सर्जन से बचा गया (पीसीएएफ विधि)

6.1 मिलियन टी कार्बन डाई ऑक्साइड (17.4%↑)

आरईसी द्वारा स्वीकृत कुल आरई क्षमता

52 गीगावाट

आरईसी द्वारा समर्थित आरई परियोजनाएं

₹82,275 करोड़

आरई लोन बुक में वृद्धि

49%

आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में एसटीपी है जो 100% अपशिष्ट जल का उपचार करता है

शून्य निर्वहन

पारंपरिक कार्यालय वाहनों का ईवी में रूपांतरण

76%

कार्यालय की बिजली की खपत में रूफ टॉप सोलर का योगदान

34.7%

अपशिष्ट प्रबंधन

नियुक्त अधिकृत विक्रेता



सामाजिक

मानवाधिकार और पॉश पर शिकायतें

शून्य

सामुदायिक व्यय

₹289 करोड़ (17%↑)

लॉस्ट टाइम इंजरी फ्रिकेन्सी रेट (एलटीआईएफआर)

शून्य

डेटा उल्लंघनों के उदाहरण

शून्य

कर्मचारी टर्नओवर अनुपात

6.08%

महिला कर्मचारी अनुपात

15%

ग्रेड स्तर पर लैंगिक वेतन अंतर

शून्य

स्नातक प्रशिक्षु समर्थित (सं.)

44



शासन

बोर्ड की कुल बैठकें

15

बीओडी और केएमपी को एनजीआरबीसी एवं ईएसजी से संबंधी प्रशिक्षण

100%

आरईसीआईपीएमटी द्वारा कार्मिकों और हितधारकों को प्रशिक्षण के दिवस

18,935

नैतिकता, आचार संहिता पर प्रशिक्षण के दिवस

437

बोर्ड में महिलाओं का अनुपात

16.67%

सस्टेनिक्स द्वारा ईएसजी जोखिम रेटिंग

17.1 (कम जोखिम)

क्रिसिल द्वारा ईएसजी स्कोर

62 (1मजबूत)

एसईएस द्वारा ईएसजी स्कोर

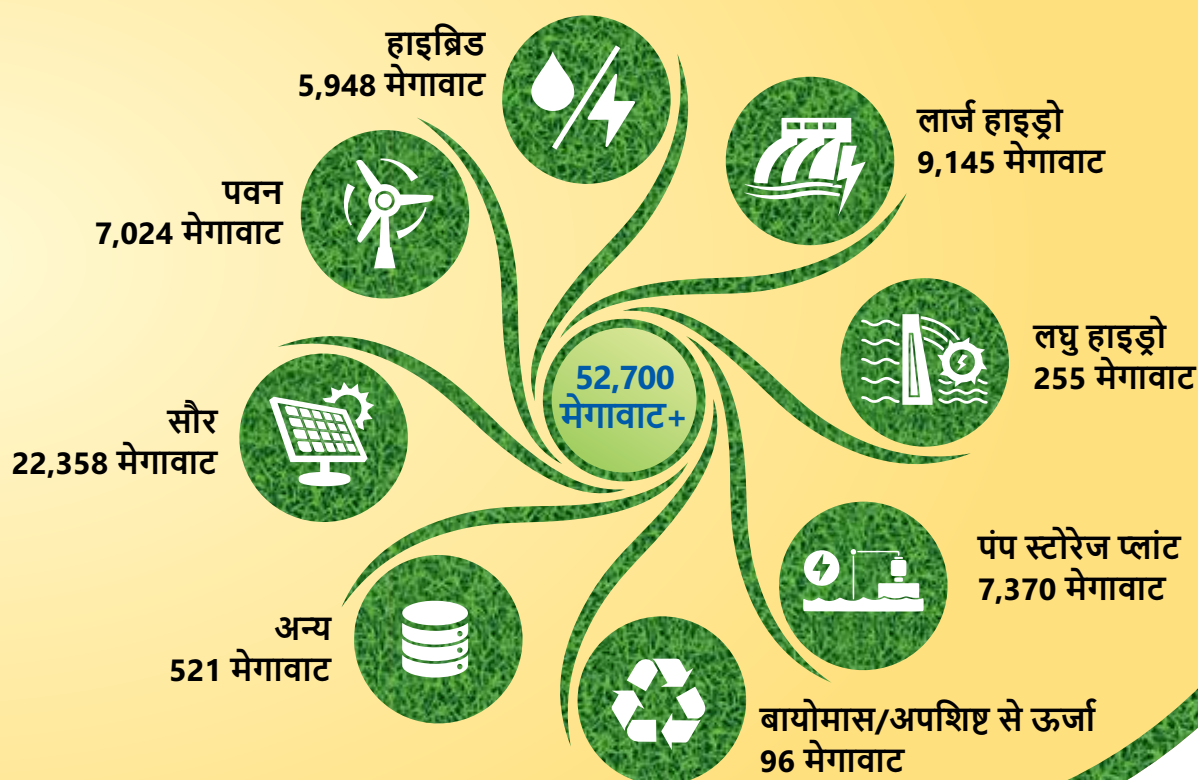
76.3 (1बी+)

स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आरईसी का योगदान



भारत की ऊर्जा क्रान्ति का एक मजबूत स्तम्भ होने के कारण आरईसी ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा स्रोतों के दोहन को राष्ट्र की प्रतिबद्धताओं के साथ संरेखित करने के लिए अपनी उधार रणनीतियों को तैयार किया है।

समर्थित परियोजनाएं



नवीकरणीय ऋण परिसंपत्तियाँ (₹ करोड़ में)

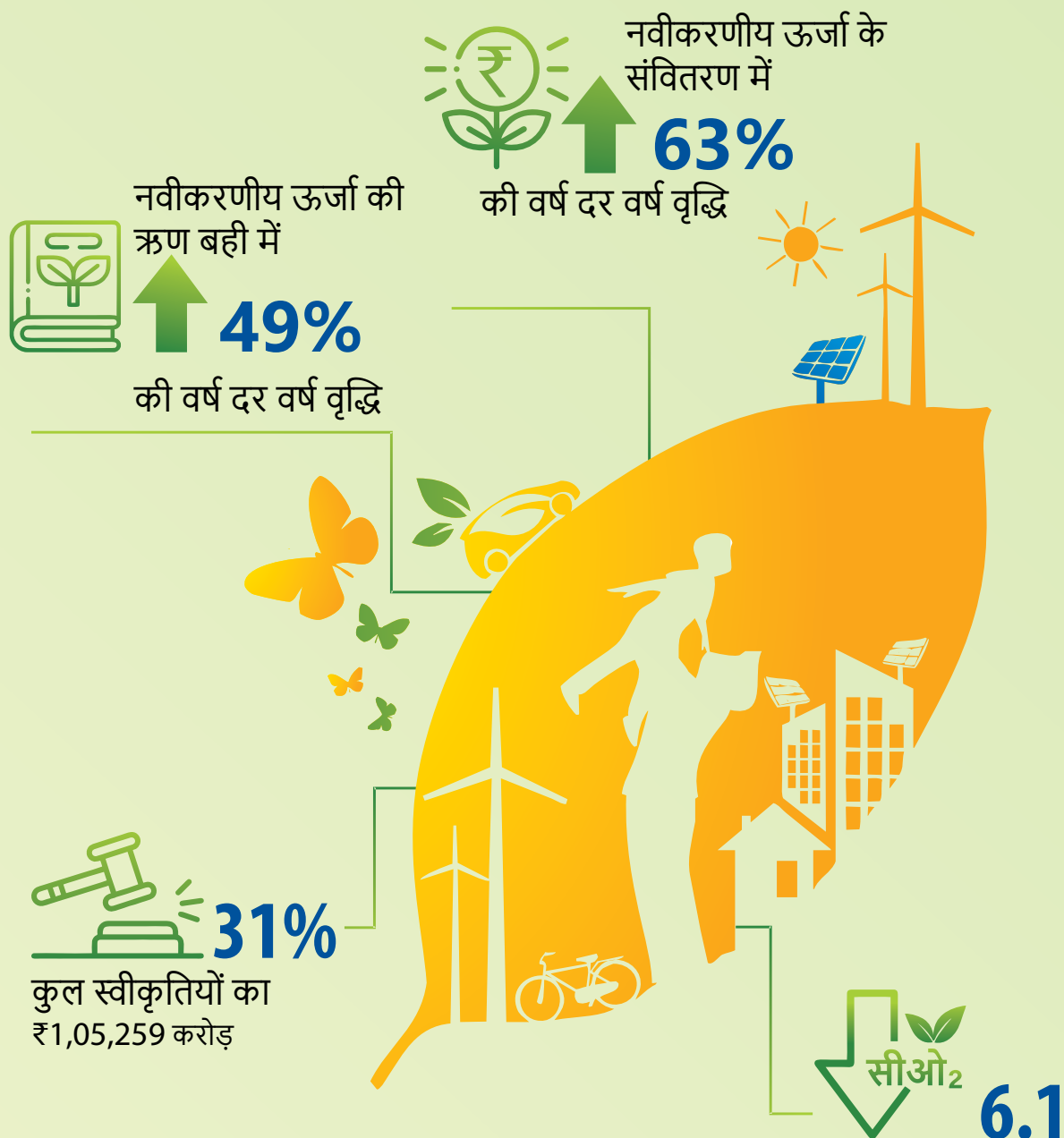
नवीकरणीय ऋण बही: ₹57,994 करोड़



एक सतत भविष्य के लिए रणनीतिक ऋण



आरईसी, हरित अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से, 'पंचामृत' लक्ष्यों और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।



31 मार्च, 2025 तक के आंकड़े

'पंचामृत' रणनीति जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में 5 सूत्री प्रतिबद्धता है।

6.1 मिलियन टन कार्बन डाई
ऑक्साइड, पीसीएएफ पद्धति के
आधार पर वित्त वर्ष 2024-25 में
कुल परिहार्य वित्तपोषित उत्सर्जन

कंपनी का परिचय



कॉर्पोरेट पहचान संख्या



L40101DL1969GOI005095

पंजीकृत कार्यालय



कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड,
नई दिल्ली - 110003
दूरभाष: +91-11-4309 1500

मुख्य सतर्कता अधिकारी



श्रीमती विनीता नरेरा

कॉर्पोरेट वेबसाइट एवं ईमेल



- www.recindia.nic.in
- contactus@recindia.com

सांविधिक लेखा परीक्षक



- मेसर्स कैलाश चंद जैन एवं कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट
- मेसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट

बैंकर्स



पुरस्कार एवं प्रशस्तियां



ग्रीन रिबन चैंपियंस
2024 में 'एक्सीलेंस
इन ग्रीन फाइनेंसिंग
अवार्ड'

वित्त वर्ष 2023-24
के लिए वित्तीय
रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता
के लिए आईसीएआई
अवार्ड में गोल्ड
शील्ड

सस्टेनेबिलिटी
चैंपियन -
एडिटर्स चॉइस
अवार्ड

संस्कृति मंत्रालय
से सीएसआर
अवार्ड

भारत इलेक्ट्रिसिटी,
पावरजेन इंडिया और
इंडियन यूटिलिटी वीक द्वारा
'वर्ष की नोडल एजेंसी'
पुरस्कार

'सर्वोत्तम
वित्तपोषण समाधान'
(बेस्ट फंडिंग
सोल्यूशन) के लिए
एडम स्मिथ अवार्ड्स
एशिया 2024

8वें राष्ट्रीय मीडिया
कॉन्क्लेव 2024 में
सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट फिल्म
का पुरस्कार

गवर्नेंस नाउ द्वारा
उभरती प्रौद्योगिकियों के
सर्वोत्तम उपयोग के लिए
'अवार्ड फॉर
एक्सलेन्स'

इंस्टीट्यूट ऑफ
डायरेक्टर्स की ओर
से 'डिस्टिंग्विश
फेलो अवार्ड 2024'

आईओडी द्वारा
कॉर्पोरेट सुशासन में
उत्कृष्टता के लिए
'गोल्डन पीकॉक
अवार्ड 2024'

आरईसी को
जनरेटिव एआई
कार्यान्वयन के लिए
'टेक्नोलॉजी
एक्सलेन्स अवार्ड'

चुनौतीपूर्ण आकांक्षी
जिलों में सर्वश्रेष्ठ
सीएसआर योगदान के
लिए 'एसोचैम अवार्ड'

गवर्नेंस नाउ द्वारा
ब्रांड बिल्डिंग,
रेस्पुटेसन मैनेजमेंट
एंड बेस्ट यूज ऑफ
स्टोरीटेलिंग अवार्ड

'वित्तीय सेवा क्षेत्र'
श्रेणी में 2023
वार्षिक रिपोर्ट के
लिए 'सर्टिफिकेट
ऑफ मेरिट'



निदेशक मण्डल

1 जुलाई, 2025 के अनुसार



श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं
निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)



श्री हर्ष बवेजा

निदेशक (वित्त) एवं
मुख्य वित्तीय अधिकारी



श्री शशांक मिश्र

सरकार द्वारा नामित निदेशक



श्री मनोज शर्मा

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा
नामित निदेशक



श्री नारायणन तिरुपति

स्वतंत्र निदेशक



डॉ. गंभीर सिंह

स्वतंत्र निदेशक



डॉ. दुर्गेश नंदिनी

स्वतंत्र निदेशक



निदेशकों का परिचय



श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव

(डीआईएन: 06817799)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं

निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव 22 अप्रैल, 2025 से आरईसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं। आप बिहार कैडर (2000 बैच) के आईएएस अधिकारी हैं और 25 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ एक अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी हैं। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की है तथा साथ ही कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से एमबीए (वित्त) भी किया है।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव जनवरी 2023 से जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। इससे पहले वे बिहार सरकार के गृह विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में सचिव के पद पर कार्यरत थे। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने भारत सरकार और बिहार सरकार में कई प्रमुख प्रशासनिक और नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाई हैं।

उनकी नियुक्तियों में वित्त, विद्युत क्षेत्र, शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

आप आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) के बोर्ड के पदेन अध्यक्ष भी हैं।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव के पास कंपनी में शून्य इक्विटी शेयर हैं। इसके अतिरिक्त, आपका कंपनी के किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।



श्री हर्ष बवेजा

(डीआईएन: 09769272)

निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ)

श्री हर्ष बवेजा 14 मई 2024 से आरईसी लिमिटेड के निदेशक (वित्त) और सीएफओ हैं। एक अनुभवी चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ-साथ श्री बवेजा के पास कई संस्थानों में वित्तीय कार्यों के प्रबंधन के क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक समय का अनुभव है। आप इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के फेलो सदस्य हैं और आईसीएआई से इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स ऑडिट में डिप्लोमाधारक हैं, आपकी अर्हताएँ जटिल वित्तीय स्थितियों का समाधान करने में आपके बेहतर ट्रेक रिकॉर्ड को दर्शाती हैं।

तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, आरईसी में कार्यपालक निदेशक (वित्त) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आपने सरकारी एवं और निजी दोनों क्षेत्रों के वित्तपोषण कार्यों का नेतृत्व करके अपनी निपुणता दिखाई है तथा विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों एवं वित्तीय विभागों के प्रबंधन में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है। आरईसी में अपने कार्यकाल के दौरान आपने विभिन्न वित्तीय चुनौतियों का समाधान करते हुए संगठन के कार्यों के प्रबंधन का दायित्व निभाया है और वित्तपोषण के क्षेत्र में अपनी व्यापक समझ दर्शाई है। संगठनात्मक और वित्तीय नियोजन, वित्तीय नीतियों का निर्माण, वित्तीय लेखांकन, प्रबंधन नियंत्रण प्रणाली, उधार संचालन, नकद और निधि प्रबंधन, कर योजना, वित्तीय संसाधनों का उचित उपयोग, वित्तीय संसाधनों का संग्रह एवं अनुकूलन, वित्तीय संस्थानों एवं पूंजी बाजार की संस्थाओं के साथ सामंजस्य तथा सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ समन्वय आपकी विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं।

प्रमुख स्थानों पर आरईसी के व्यवसाय की देख-रेख के व्यापक अनुभव के साथ श्री हर्ष बवेजा को ऊर्जा क्षेत्र की आंतरिक जटिल वित्तीय स्थितियों की गहरी समझ है। निदेशक (वित्त) के रूप में, श्री हर्ष बवेजा आरईसी की वित्तीय रणनीतियों का नेतृत्व कर रहे हैं, निरंतर रूप से कंपनी की वित्तीय सुगम्यता को सुनिश्चित कर रहे हैं तथा सतत विकास की दिशा में की जा रही पहलों के प्रबंधन का दायित्व संभाल रहे हैं। आप आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) के बोर्ड में निदेशक भी हैं, जो आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। आप जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और आंध्र प्रदेश लिमिटेड की दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के बोर्ड में आरईसी लिमिटेड की ओर से नामित निदेशक भी हैं।

श्री हर्ष बवेजा के पास कंपनी में प्रत्येक ₹10/- के 6,745 इक्विटी शेयर हैं। इसके अतिरिक्त, आपका कंपनी के किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।



श्री शशांक मिश्र

(डीआईएन: 08364288)
सरकार द्वारा नामित निदेशक

श्री शशांक मिश्र 21 अगस्त 2023 से आरईसी लिमिटेड के बोर्ड में सरकार के नामित निदेशक हैं। आप एक आईएस अधिकारी (मध्य प्रदेश:2007) हैं, आपने आईआईटी दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी. टेक की डिग्री प्राप्त की है। वर्तमान में आप भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। विद्युत मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व आपने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग, भारत सरकार में कार्य किया है।

आपने मध्य प्रदेश सरकार में विभिन्न पदों पर भी कार्य किया है, जिसमें मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड, मध्य प्रदेश भवन विकास निगम लिमिटेड, मध्य प्रदेश राज्य परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अध्यक्ष और मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में कार्य करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, आप पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में सरकार द्वारा नामित निदेशक भी हैं।

श्री शशांक मिश्र के पास कंपनी में शून्य इक्विटी शेयर हैं। इसके अतिरिक्त, आपका कंपनी के किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।



श्री मनोज शर्मा

(डीआईएन: 06822395)
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा
नामित निदेशक

श्री मनोज शर्मा को 11 जुलाई, 2023 से आरईसी लिमिटेड के बोर्ड में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। लॉ (एलएलबी) में डिग्री होने के साथ-साथ आप एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और वर्तमान में पीएफसी में निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में कार्यरत हैं।

आपके पास विद्युत क्षेत्र में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है। पीएफसी में, आपने संस्थागत मूल्यांकन और विकास, इकाई मूल्यांकन, कानून एवं दस्तावेजीकरण, कराधान, बजट, लेखापरीक्षा, वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तैयारी, वित्तीय विश्लेषण, संसाधन जुटाना, ऋण सिंडिकेशन और विद्युत क्षेत्र में वित्तीय/वाणिज्यिक पहलुओं पर परामर्श संबंधी कार्यों सहित कई क्षेत्रों और डोमेन को संभाला है। पिछले तीन दशकों के दौरान, आप पीएफसी की ऋण परिसंपत्तियों के समूचे क्षेत्र से जुड़े रहे हैं, जिसमें ऋण देने की नीतियों का निर्माण, मूल्यांकन हेतु नीतिगत ढाँचा तैयार करना, लागू नियामक और वैधानिक ढाँचों का अनुपालन, शर्तों की निगरानी, संवितरण को सुगम बनाना और दवाबग्रस्त खातों के समाधान तंत्र शामिल हैं। आप पीएफसी की एक अनुषंगी कंपनी, पीएफसी परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष हैं, जो दवाबग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए पीएफसी द्वारा ऋणदाताओं की समर्थित समाधान योजना प्रस्तुत करने हेतु एक एसपीवी है एवं आप झारखंड इफ्रापावर लिमिटेड के अध्यक्ष भी हैं। इसके अतिरिक्त, आप बिहार मेगा पावर लिमिटेड, देवघर मेगा पावर लिमिटेड, पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड और पीएफसी इफ्रा फाइनेंस आईएफएससी लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक भी हैं।

श्री मनोज शर्मा के पास कंपनी में शून्य इक्विटी शेयर हैं। इसके अतिरिक्त, आपका कंपनी के किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।



श्री नारायणन तिरुपति

(डीआईएन: 10063245)
स्वतंत्र निदेशक

श्री नारायणन तिरुपति को 6 मार्च 2023 से आरईसी लिमिटेड के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। आपने मद्रास विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है और आप तमिलनाडु के एक लोकप्रिय टेलीविजन डिबेटर और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। आप 37 वर्षों से अधिक समय से गरीब, दलित लोगों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

श्री नारायणन तिरुपति एक सामाजिक मंच "थीरवु" के संस्थापक हैं, जिसका अर्थ है न्याय, जिसके माध्यम से उन्होंने देश की सामाजिक-आर्थिक और औद्योगिक नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा की है और तमिलनाडु के लोगों के बीच सुशासन की अवधारणा को लोकप्रिय बनाया है। आपको शांति, सामुदायिक सद्भाव और सामाजिक न्याय के निर्माण में आपके अथाह योगदान के लिए जाना जाता है।

श्री नारायणन तिरुपति के पास कंपनी में शून्य इक्विटी शेयर हैं, इसके अतिरिक्त, आपका कंपनी के किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।



डॉ. गंभीर सिंह

(डीआईएन: 02003319)
स्वतंत्र निदेशक

प्रोफेसर डॉ. गंभीर सिंह को 17 अप्रैल, 2025 से आरईसी लिमिटेड के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले आप 15 नवंबर, 2021 से 14 नवंबर, 2024 तक आरईसी के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के पद पर थे।

डॉ. गंभीर सिंह ने गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल से एमबीबीएस और जी.आर. मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर से मास्टर ऑफ सर्जरी की डिग्री हासिल की है। आप एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आजीवन सदस्य भी हैं।

वर्तमान में, आप रायपुर आयुर्विज्ञान संस्थान, छत्तीसगढ़ के संकायाध्यक्ष (डीन) हैं। आपके पास 25 से अधिक वर्षों का शिक्षण अनुभव है और आपने जी.आर. मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर और पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर में सेवा प्रदान की है। आप वर्ष 2008 से रायपुर में 50 बेड वाले मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन कर रहे हैं।

आप नियमित रूप से जीपीएम जिलों के ग्रामीणों को औषधीय पौधे लगाने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं, जिससे कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

आपने विभिन्न इंडेक्स जर्नल में अपने 10 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्र भी प्रकाशित किए हैं तथा आप स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं के परीक्षक भी रहे हैं।

डॉ. गंभीर सिंह के पास कंपनी में शून्य इक्विटी शेयर हैं। इसके अतिरिक्त, आपका कंपनी के किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।



डॉ. दुर्गेश नंदिनी

(डीआईएन: 09398540)
स्वतंत्र निदेशक

डॉ. दुर्गेश नंदिनी को 17 अप्रैल, 2025 से आरईसी लिमिटेड के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले आप 30 दिसंबर, 2021 से 26 दिसंबर, 2024 तक आरईसी के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के पद पर कार्यरत थीं।

डॉ. (श्रीमती) दुर्गेश नंदिनी ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से शिक्षा में स्नातकोत्तर तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की है।

पूर्व में आपने एक प्रतिष्ठित गर्ल्स इंटर-कॉलेज में प्रिंसिपल के रूप में काम किया था और हरियाणा सरकार के प्रारंभिक शिक्षा विभाग में प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों और प्रशिक्षण मॉड्यूल के संपादन में सहयोग करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आपने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपको राष्ट्रीय स्तर के स्वयंसेवी संगठन "जागृति" के साथ प्रमुख सामाजिक मुद्दों के क्षेत्र में काम करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

आप स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। आप महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं तथा सामाजिक न्याय के मुद्दों के लिए अपराजिता फाउंडेशन के साथ सहयोग कर रही हैं।

डॉ. (श्रीमती) दुर्गेश नंदिनी के पास कंपनी में शून्य इक्विटी शेयर हैं। इसके अतिरिक्त, आपका किसी अन्य निदेशक अथवा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।

नेतृत्व टीम

1 जुलाई, 2025 के अनुसार



श्रीमती विनीता नरेरा
मुख्य सतर्कता अधिकारी



श्री टी.एस.सी.बोष
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी) एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी-
आरईसीपीडीसीएल



श्री जे.एस.अमिताभ
कार्यपालक निदेशक (विधि) एवं
कंपनी सचिव



श्रीमती वल्ली नटराजन
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री राजेश कुमार
कार्यपालक निदेशक (वित्त)



श्री एन.वेंकटेशन
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री अरुण कुमार त्यागी
कार्यपालक निदेशक (वित्त) एवं
मानव संसाधन



श्री कुलदीप राय
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री सौरभ रस्तोगी
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री धर्मेन्द्र नागपाल
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री प्रभात कुमार सिंह
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री जे.के.नायक
कार्यपालक निदेशक (वित्त)



श्री प्रदीप फैलोड़
कार्यपालक निदेशक (सीएसआर)



श्री डी.बी. लोंधे
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री एम.एल. कुमावत
कार्यपालक निदेशक (वित्त)



श्री सुब्रत आइच
कार्यपालक निदेशक (वित्त) एवं सीआरओ



श्री नरेंद्र कुमार मोर्य
कार्यपालक निदेशक (वित्त)



श्री चन्द्र शेखर सखामुरि
कार्यपालक निदेशक
(पीएमएसजीएमबीवाई)



श्रीमती सरस्वती
कार्यपालक निदेशक (तकनीकी)



श्री वी. लक्ष्मण चार्युल्
कार्यपालक निदेशक (वित्त)



पाँच वर्षों में प्रदर्शन



(₹ करोड़ में)

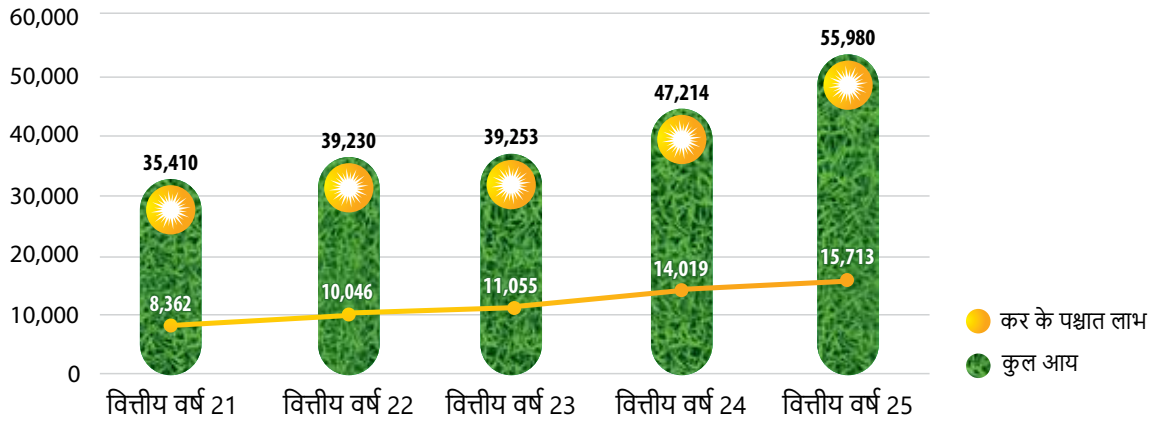
विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2020-21
शेयरधारकों की निधि (वर्ष के अंत में)					
इक्विटी शेयर कैपिटल	2,633.22	2,633.22	2,633.22	1,974.92	1,974.92
पूरी तरह से इक्विटी प्रकृति के इन्स्ट्रुमेंट्स	558.40	558.40	558.40	558.40	558.40
अन्य इक्विटी/आरक्षित एवं अधिशेष	74,446.35	65,591.53	54,448.05	48,452.28	40,893.05
निवल मूल्य	77,637.97	68,783.15	57,679.67	50,985.60	43,426.37
उधारियां (वर्ष के अंत में)					
भारत सरकार /एनएसएसएफ से	10,000.00	10,000.00	10,000.00	10,000.00	10,000.00
बॉण्ड/डिबेंचर	2,56,433.17	2,25,589.17	1,98,115.65	1,83,291.97	2,04,119.67
वित्तीय संस्थानों से	2,500.00	8,050.00	6,000.00	6,800.00	5,800.00
विदेशी मुद्रा उधार	1,22,857.44	1,00,169.39	78,440.04	65,957.45	47,486.43
बैंकों से आवधिक ऋण	41,879.47	50,612.28	56,298.20	42,878.32	29,938.58
वाणिज्यिक पत्र	-	-	-	-	-
अल्पावधि/मांग ऋण/अन्य	54,588.43	43,522.75	25,762.53	17,916.55	25,166.32
कुल	4,88,258.51	4,37,943.59	3,74,616.42	3,26,844.29	3,22,511.00
निधियों का संग्रह (वर्ष के दौरान)	1,42,203.99	1,46,747.00	86,984.00	73,962.93	99,244.53
वित्तपोषण परिचालन (वर्ष के दौरान)					
अनुमोदित परियोजनाएं (संख्या में)	713	782	562	370	441
संस्वीकृत वित्तीय सहायता	3,37,179.37	3,58,816.34	2,68,460.54	54,421.76	1,54,820.87
संवितरण*	1,91,184.67	1,61,462.28	97,911.86	69,467.87	97,928.11
उधारकर्ताओं द्वारा मूलधन की चुकौती	1,30,942.58	86,414.33	46,294.55	56,197.10	37,994.03
वर्ष के अंत में बकाया	5,66,883.29	5,09,370.95	4,35,011.79	3,85,371.26	3,77,418.15
कार्यपालक परिणाम (वर्ष के दौरान)					
कुल आय	55,979.62	47,214.15	39,252.73	39,230.45	35,410.44
शुद्ध विनिमय हानि, शुल्क और कमीशन व्यय सहित वित्त लागत	34,356.79	30,140.10	24,867.99	22,868.69	21,829.29
वित्तीय लिखतों पर प्रावधान और आकस्मिकताएं/इंपेयरमेंट	1,019.41	(1,358.39)	114.91	3,473.31	2,419.62
अन्य खर्च	719.25	628.08	506.97	445.59	395.87
अवमूल्यन	24.39	23.72	24.09	17.96	9.53
कर से पहले लाभ	19,859.78	17,780.64	13,738.77	12,424.90	10,756.13
कराधान/कर व्यय के लिए प्रावधान	4,146.57	3,761.43	2,684.13	2,378.98	2,394.35
कर के पश्चात लाभ	15,713.21	14,019.21	11,054.64	10,045.92	8,361.78
अवधि के लिए अन्य व्यापक आय	(1,516.80)	1,044.27	(971.04)	(59.07)	456.52
कुल व्यापक आय	14,196.41	15,063.48	10,083.60	9,986.85	8,818.30
इक्विटी पर लाभांश	4,739.80	4,213.16	3,317.86	3,021.62	2,510.12

* इसमें विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत सरकार से प्राप्त अनुदान/सब्सिडी के साथ-साथ ऋणों का संवितरण भी शामिल है।

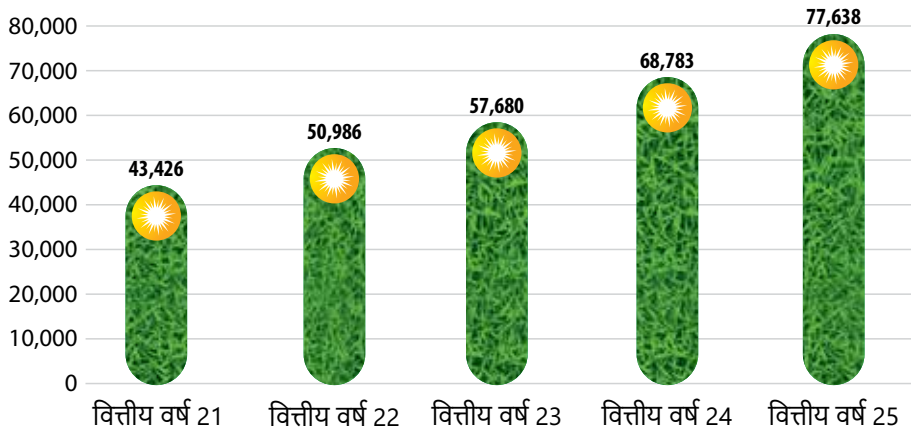
पाँच वर्षों में प्रदर्शन



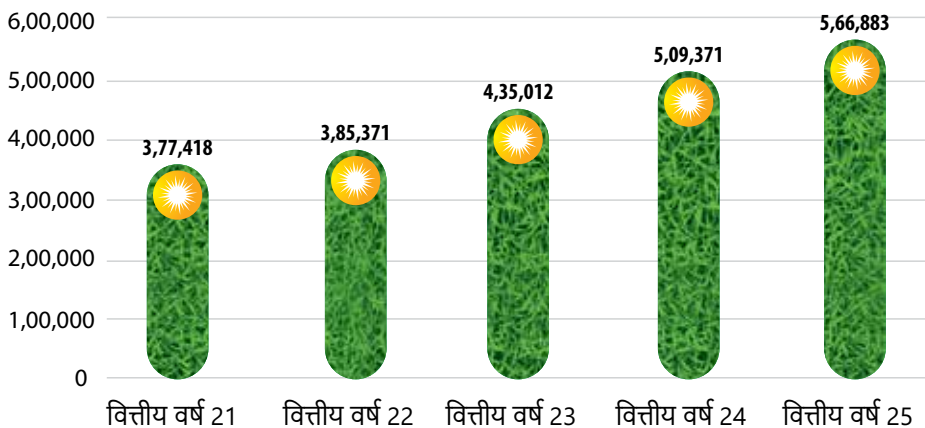
कुल आय एवं कर के पश्चात लाभ (₹ करोड़ में)



निवल मूल्य (₹ करोड़ में)

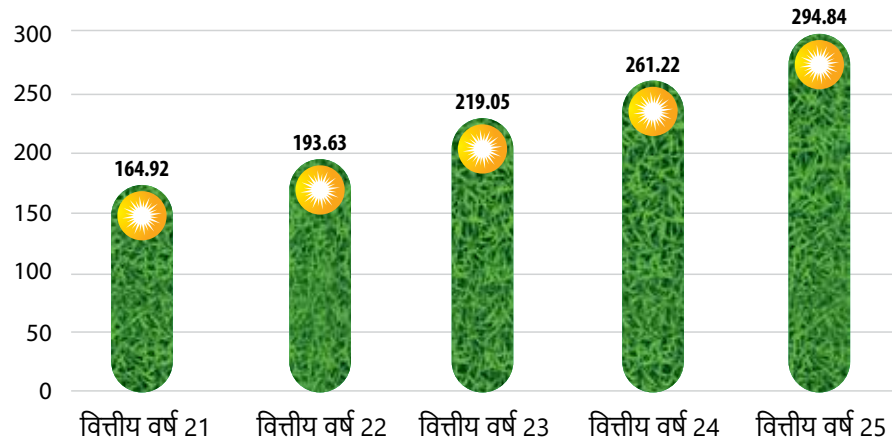


ऋण बही (₹ करोड़ में)

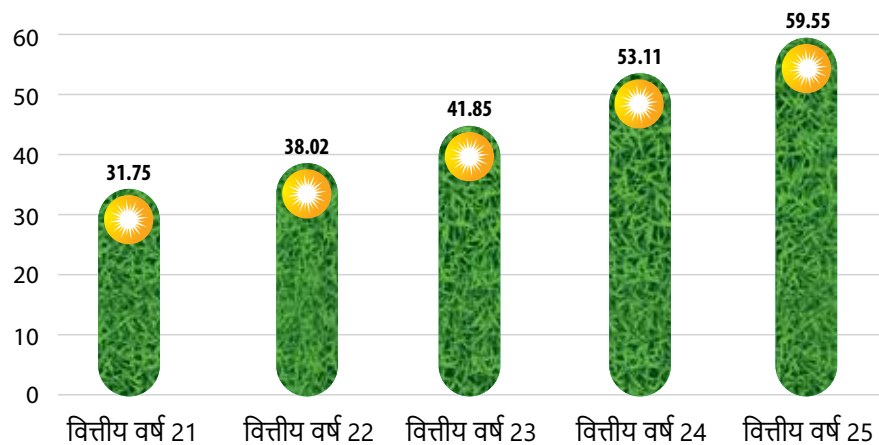




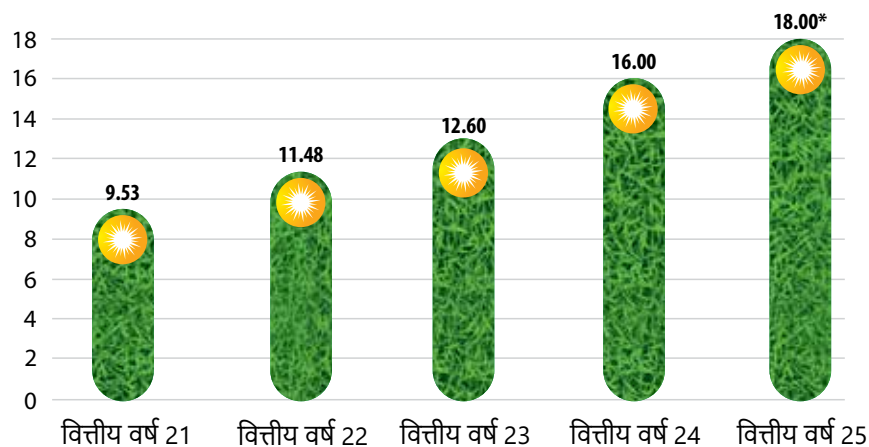
प्रति शेयर बही मूल्य (₹)



प्रति शेयर कमाई (₹)



प्रति शेयर लाभांश (₹)



*इसमें शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन प्रति शेयर ₹2.60 का अंतिम लाभांश शामिल है।

टिप्पणी : उपर्युक्त ग्राफ में पिछले वर्षों के बुक वैल्यू ईपीएस और लाभांश के आंकड़े वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1:3 के अनुपात में बोनस शेयर जारी होने के कारण समायोजित किए गए हैं।

अखिल भारतीय उपस्थिति

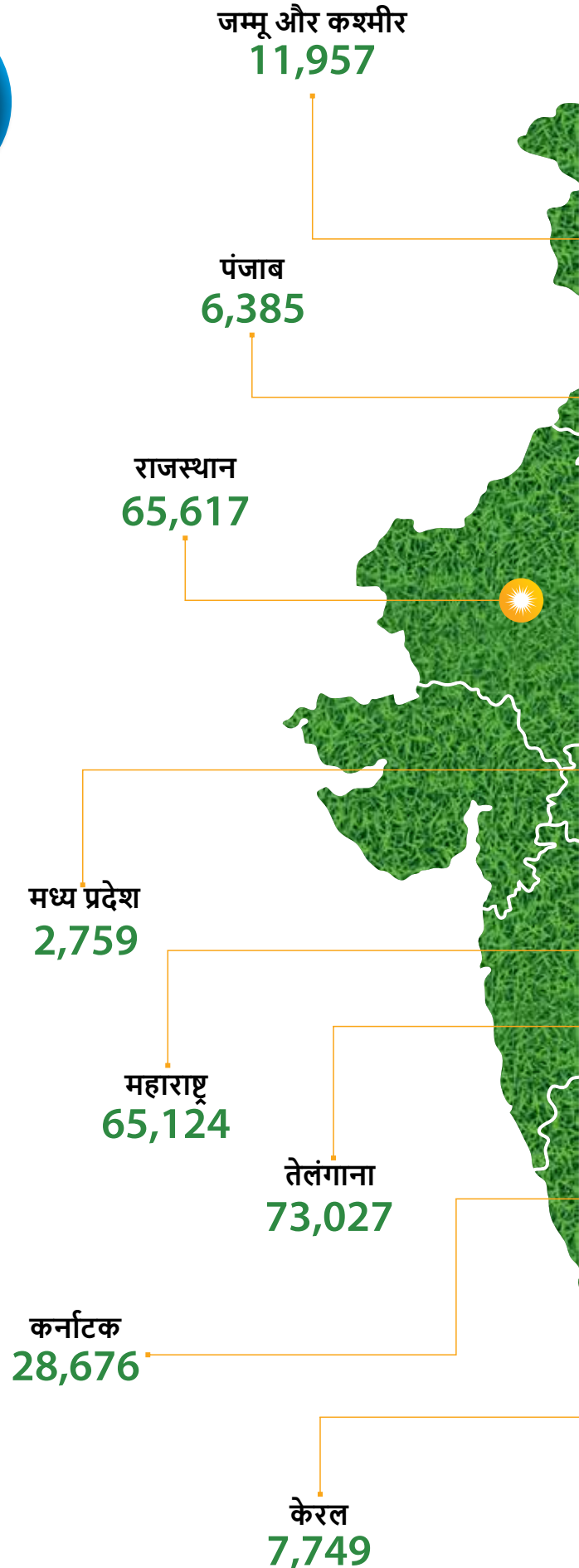


ऋण बढी

राज्य / संयुक्त क्षेत्र के उधारकर्ता
₹4,94,578 करोड़

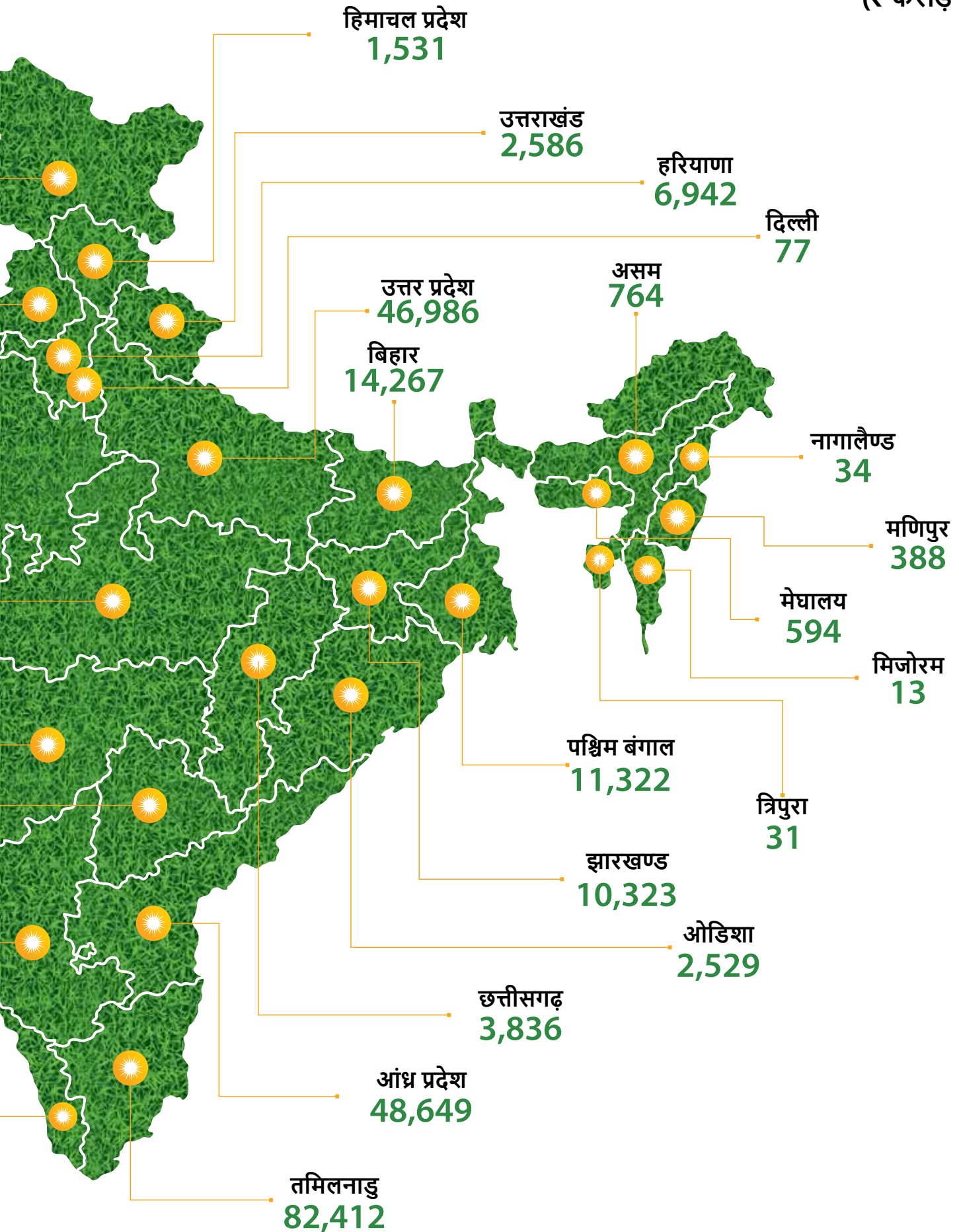
निजी क्षेत्र के उधारकर्ता
₹72,305 करोड़

कुल बकाया ऋण
₹5,66,883 करोड़





(₹ करोड़ में)



नोट: मानविय पैमाने पर नहीं है और केवल चित्रण के उद्देश्य से है

एकीकृत रिपोर्टिंग

एकीकृत रिपोर्टिंग (आईआर) किसी संगठन की कार्यनीति, अभिशासन, कार्य-निष्पादन और भावी दृष्टिकोण का संक्षिप्त और समग्र दृष्टिकोण इसके बाहरी वातावरण के संदर्भ में प्रस्तुत करती है। आईआर कार्यवाही का यह दर्शन के लिए बनाया गया है कि किस प्रकार कोई संगठन अपने उन संसाधनों और संबंधों, जिन पर वह विश्वास करता है, पर अल्प, मध्यम और दीर्घ अवधि में मूल्य सृजित करता है। आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय योगदानों सहित वित्तीय और गैर-वित्तीय पहलुओं को शामिल कर - आईआर अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शिता और जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करता है। कंपनी ने इस रिपोर्ट को तैयार करने में स्वेच्छिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत संसूचन परिषद (आईआईआरसी) ढाँचे को अपनाया है। वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त कार्यवाही, सूचित निर्णय लेने की क्षमता और दीर्घवधिक कार्यनीतिक आयोजना का समर्थन करते हुए पूँजी के सभी छह रूपों के प्रकटन को प्रोत्साहित करता है।



आरईसी लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है, जिसे एक अवसंरचना वित्त कंपनी (आईएफसी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह कंपनी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए, नवीकरणीय और परंपरागत ऊर्जा दोनों स्रोतों के लिए उत्पादन, पारेषण और वितरण को शामिल करते हुए विद्युत क्षेत्र की व्यापक वित्तीय सेवा समूह प्रदान करती है। इसके अलावा, आरईसी ने गैर-विद्युत अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों को निम्नानुसार शामिल करने के लिए अपने ऋण पोर्टफोलियो को विविधीकृत किया है:



आरईसी भारत सरकार की राष्ट्रीय महत्व की कई पहलों के लिए एक नोडल एजेंसी और परियोजना कार्यान्वयन/प्रबंधन भागीदार के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एक सरकारी कंपनी के रूप में, आरईसी विद्युत मंत्रालय (एमओपी), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करती है। वित्तीय वर्ष 2018-19 से, आरईसी में अधिकांश इक्विटी स्टैक पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी), जो विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है, के पास रहा है। आरईसी की वार्षिक कार्य योजना के लक्ष्य पीएफसी (पूर्व में विद्युत मंत्रालय के पास) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के द्वारा औपचारिक रूप से निर्धारित किए गए हैं और इनका आकलन लोक उद्यम विभाग (डीपीई) और प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा स्थापित कार्यवाही के अंतर्गत किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, समझौता ज्ञापन के अंतर्गत आरईसी के कार्य-निष्पादन को लोक उद्यम विभाग द्वारा अंतिम मूल्यांकन किए जाने के अधधीन "उत्कृष्ट" रेटिंग मिलने की उम्मीद है। कंपनी को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए "उत्कृष्ट" रेटिंग प्राप्त हुई।

आरईसी का अभिशासन कार्यवाही इसके बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या में कमी को छोड़कर सभी लागू सांविधिक कानूनों और विनियमों का अनुपालन करता है, जिसका ब्यौरा निगमित अभिशासन संबंधी रिपोर्ट में दिया गया है। एनबीएफसी के रूप में, आरईसी भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए निदेशों का भी पालन करता है। कंपनी के अभिशासन दर्शन को निगमित अभिशासन संबंधी आंतरिक दिशानिर्देशों में संहिताबद्ध किया गया है, जो <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

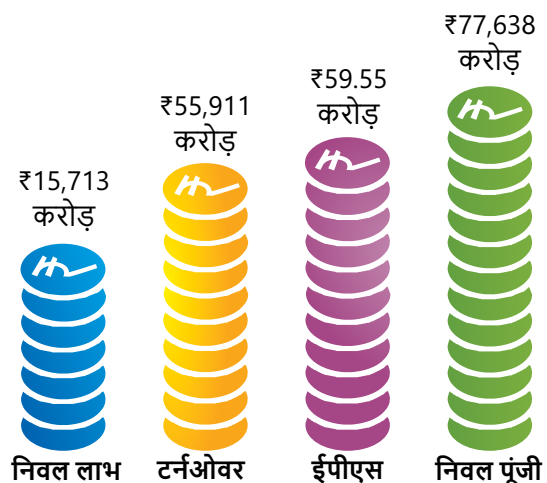
आरईसी अपनी स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार मार्च, 2030 तक अपनी कुल लोन बुक के लगभग 30% तक करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यनीतिक लक्ष्य को सभी छह पूँजियों अर्थात् वित्तीय पूँजी, निर्मित पूँजी, बौद्धिक पूँजी, सामाजिक और संबंध पूँजी, मानव पूँजी और प्राकृतिक पूँजी में लक्षित निवेशों के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। इन पूँजियों में से प्रत्येक पूँजी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जिससे आरईसी सतत विकास को आगे बढ़ाने और दीर्घवधिक मूल्य सृजित करने में सक्षम हो पाता है, जिसका विवरण नीचे खंड में दिया गया है:

वित्तीय पूँजी



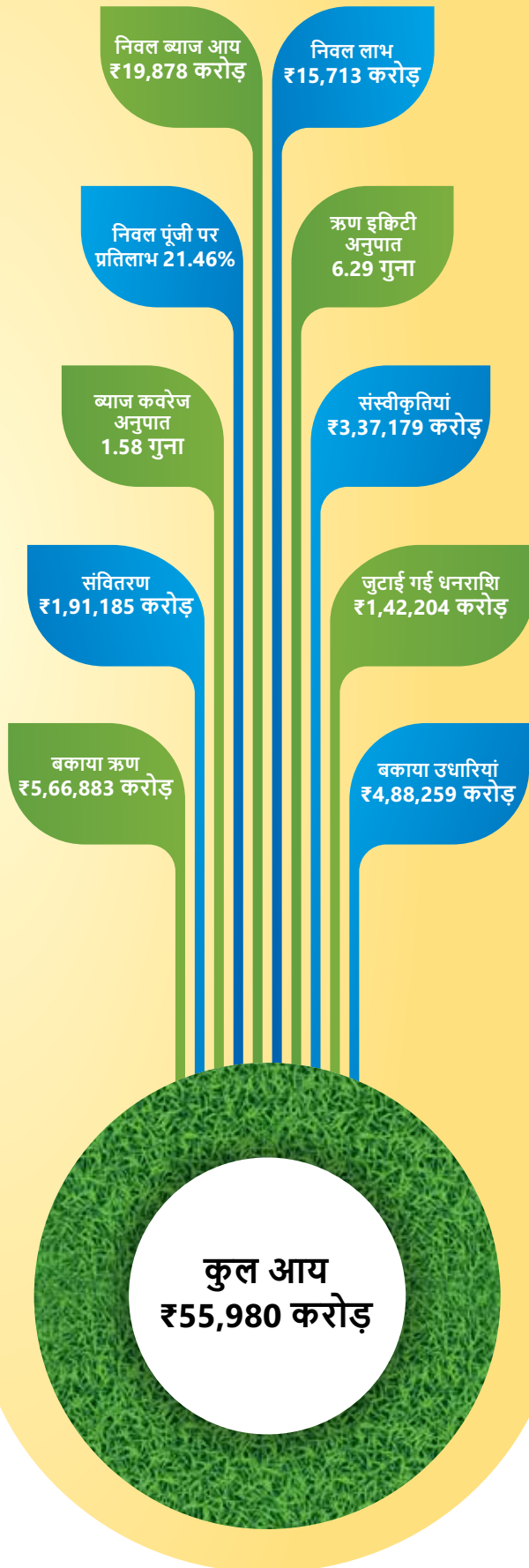
आरईसी के संदर्भ में, वित्तीय पूँजी, विद्युत, अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों को ऋण देने के लिए उपलब्ध निधियों का द्योतक है। यह पूँजी आरईसी को सभी हितधारकों के लिए मूल्य बढ़ाना जारी रखते हुए ग्राहकों की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी बने रहने में सक्षम बनाती है।

आरईसी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान शानदार कार्य-निष्पादन किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:





वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वित्तीय विशेषताएं निम्नानुसार हैं:



आरईसी के व्यापार की प्रकृति को देखते हुए, उधारियां ही वित्तपोषण का प्रमुख स्रोत हैं। इसमें अनेक प्रकार के तंत्र जैसे संस्थागत बॉन्ड, विदेशी मुद्रा ऋण, एफसीएनआर (बी) ऋण, पूंजीगत लाभ बॉन्ड, कर-मुक्त बॉन्ड, अवसंरचना बॉन्ड, वाणिज्यिक पत्र और बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बहुपक्षीय एजेंसियों से ऋण शामिल हैं। प्रतिस्पर्धी दरों पर निधियां प्राप्त करना वित्त क्षेत्र में लाभप्रदता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। आरईसी ने प्रभावी तरीके से पूंजी जुटाने की अपनी क्षमता को निरंतर दर्शाया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान निधियों की समग्र वार्षिक लागत 7.11% थी।

आरईसी की क्रेडिट रेटिंग निम्नानुसार है:

विवरण	क्रेडिट रेटिंग
घरेलू दीर्घावधिक ऋण	क्रिसिल एएए, आईसीआरए एएए, केयर एएए, ईड एएए
घरेलू दीर्घावधिक मूलधन संरक्षित बाजार-संबद्ध डिबेंचर	क्रिसिल पीपी-एमएलडी एएए, आईसीआरए पीपी-एमएलडी एएए
घरेलू स्थायी बॉण्ड	क्रिसिल एएए, केयर एएए
घरेलू अल्पावधिक ऋण	क्रिसिल ए1+, आईसीआरए ए1+, केयर A1+, ईड ए1+
अंतर्राष्ट्रीय दीर्घावधिक जारीकर्ता रेटिंग	बीबीबी- (फिच), बाए3 (मूडीज), बीबीबी+ (जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी)

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, आरईसी के ऋण पोर्टफोलियो को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया था:



आरईसी ऋण पोर्टफोलियो



आरईसी की गैर-निष्पादन परिसंपत्तियां (एनपीए) उद्योग में सबसे कम हैं, जो कंपनी के मजबूत क्रेडिट मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन कार्यपद्धतियों को दर्शाती हैं। अपनी वित्तीय पूंजी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से, आरईसी ने निरंतर रूप से न केवल अपने शेयरधारकों और निवेशकों को मूल्य प्रदान किया है, बल्कि देश के व्यापक आर्थिक विकास में भी योगदान दिया है। कंपनी ने मजबूत लाभप्रदता बनाए रखी है और इसका नियमित लाभांश भुगतान का ट्रैक रिकॉर्ड है, जो शेयरधारकों की आय और वित्तीय अनुशासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत बनाता है।

हरित वित्त

आरईसी की हरित वित्त के प्रति प्रतिबद्धता

आरईसी में, हम वित्तीय संस्थानों द्वारा वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में निभाई गई भूमिका को मानते हैं। सतत वित्त के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, भावी पीढ़ियों के लिए हमारे प्लेनेट का स्वास्थ्य सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में हमारे समर्पण को दर्शाता है। हम अपनी ऋण देने की कार्यपद्धतियों, निवेश कार्यनीतियों और कॉर्पोरेट नीतियों में पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) दृष्टिकोणों को एकीकृत करने के प्रति समर्पित हैं।



हरित वित्त कार्यवाही

सतत वित्तपोषण पहल के भाग के रूप में, आरईसी ने हरित बांड, ऋण और किसी अन्य वित्तीय तंत्र ("हरित वित्तपोषण तंत्र") जारी करने के आधार के रूप में हरित वित्त कार्यवाही स्थापित किया है, जिसका उपयोग पात्र हरित परियोजनाओं का वित्तपोषण करने और/अथवा पुनः वित्तपोषण करने के लिए किया जाता है। इस कार्यवाही का उद्देश्य सभी भावी हरित वित्तपोषण के लिए लागू एकमात्र पद्धति रखना है, जो आरईसी के सतत मूल्यों के अनुरूप हो। इस

कार्यवाही को क्लाइमेट बांड स्टैंडर्ड वर्जन 3.0; आईसीएमए द्वारा प्रकाशित द ग्रीन बांड प्रिंसिपल 2021 और एलएमए, एपीएलएमए और एलएसटीए द्वारा प्रकाशित द ग्रीन लोन प्रिंसिपल 2021 के अनुरूप बनाया गया है। आरईसी का द ग्रीन बांड फ्रेमवर्क का प्रारूप जीबीपी/जीएलपी के चार प्रमुख घटकों: आय का उपयोग; परियोजना मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया; प्राप्त आय का प्रबंधन और संसर्जन के अनुरूप तैयार किया गया है।

हरित परियोजनाओं के लिए पात्रता मानदंड



नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ

सौर (सौर संसाधनों से >85% विद्युत), पवन, जल विद्युत, बायोमास भूतापीय, समुद्र और महासागर से प्राप्त ऊर्जा स्रोतों, ऊर्जा वितरण और प्रबंधन, ऊर्जा भंडारण, विद्युत यूटिलिटीयों के लिए वित्तीय सहायता, आदि।

01



ऊर्जा दक्षता परियोजनाएँ

इन परियोजनाओं का लक्ष्य ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना और विद्युत ग्रिड की हानि, तापीय ऊष्मा भंडारण, सामुदायिक तापन प्रणालियों (जिसमें कोल-फायर संसाधन शामिल नहीं हैं) को कम करना है।

02



सतत जल प्रबंधन

जल संग्रहण, आशोधन, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग, प्रौद्योगिकियों और अवसंरचना तथा पुनर्चक्रित जल का उपयोग करते हुए सीवेज आशोधन सुविधाओं में निवेश।

03



सतत अपशिष्ट प्रबंधन

अपशिष्ट न्यूनीकरण, संग्रहण, प्रबंधन, परिवहन, निपटान, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण जिसमें अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र भी शामिल हैं, का वित्तपोषण।

04



प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण

बिजली और/अथवा ऊष्मा उत्पादन हेतु अपशिष्ट-से-ऊर्जा सुविधाएँ।

05



स्वच्छ परिवहन

इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों सहित कम ऊर्जा खपत/कम उत्सर्जन वाला परिवहन, तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग अवसंरचना।

06



अपवर्जन सूची

हरित वित्त कार्यवाहों के अंतर्गत, आरईसी इस बात को स्वीकारता है कि यह निम्नलिखित से संबंधित किसी भी परियोजनाओं के प्रति वित्तपोषण को स्पष्ट रूप से शामिल नहीं करेगा:

कोयला अथवा गैस फायर्ड विद्युत उत्पादन परिसंपत्तियाँ।

लैंडफिल प्रचालन और अलग-अलग न किए गए अपशिष्ट परिसंपत्तियों का दहन।

नए तेल और गैस क्षेत्रों का अन्वेषण और विकास।

कोयला खनन और ढुलाई।

जीवाश्म ईंधन से संबंधित कार्यक्रम जिनमें जीवाश्म ईंधन का परिष्करण और ढुलाई, तथा अनुसंधान और विकास में अंतर्निहित निवेश शामिल है।

100 ग्राम सीओ₂/ई/केडब्ल्यूएच से अधिक की उत्सर्जन गहनता वाली तापीय अथवा विद्युत सुविधाएँ।

आण्विक विद्युत उत्पादन परिसंपत्तियाँ।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में मज़बूत साइबर सुरक्षा ढाँचे की स्थापना के साथ साइबर सुरक्षा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आरईसी के पास आईएसओ 27001:2013 प्रमाणन है और एक निगरानी ऑडिट बीएसआई द्वारा सफलतापूर्वक किया गया है। वर्तमान में इसे आईएसओ 27001:2022 संस्करण में अपग्रेड किया जा रहा है।

अनेक जागरूकता सत्र कर्मचारियों के लिए, डेटा सुरक्षा बनाए रखने हेतु उभरते साइबर खतरों और रोकथाम तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आंतरिक रूप से और साइबर सुरक्षा के बाहरी विशेषज्ञों दोनों के साथ आयोजित किए गए हैं। आरईसी ने "हमारी दुनिया को सुरक्षित रखें" विषय के साथ सभी कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रम और कार्यक्रमलाप आयोजित कर अक्टूबर, 2024 के दौरान राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह सफलतापूर्वक संपन्न किया है।

असुरक्षितता आकलन और पहुँच परीक्षण सुरक्षा संबंधी आरक्षितताओं की पहचान कर और उसे कम कर संगठन की साइबर सुरक्षा में सुधार लाने के लिए छाहरी आधार पर किया गया था। आरईसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन प्रचालनों को दक्षतापूर्वक और प्रभावी तरीके से पुनः चालू किया जा सके, छाहरी आधार पर सफलतापूर्वक डीआर ड्रिल्स संपन्न किए।

सामाजिक इंजीनियरिंग संबंधी कार्य सभी कर्मचारियों के लिए किए गए थे जिसमें वास्तविक विश्व के परिदृश्यों से अवगत कराया गया तथा उसका लक्ष्य कर्मचारियों की जागरूकता बढ़ाना और साइबर खतरों से सुरक्षा प्रदान करना था।

विनिर्मित पूंजी



एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में, आरईसी किसी विनिर्माण सुविधा को संचालित नहीं करती है। तथापि, यह पूरे भारत में ऊर्जा अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विद्युत क्षेत्र के वित्तपोषण में एक अग्रणी संस्थान के रूप में कार्यरत है। हाल ही में, आरईसी ने अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया है जिसमें अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों को शामिल किया गया है और इन क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए कुल ₹43,239.44 करोड़ संस्वीकृत किए गए हैं। यह देखते हुए कि विद्युत औद्योगिक कार्यक्रमलाप, सेवा क्षेत्र और दैनिक जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है, आरईसी का योगदान राष्ट्र के अवसंरचनात्मक ढाँचे को मजबूत करने और समावेशी विकास का समर्थन करने में महत्वपूर्ण है।

आरईसी ने प्रचालन संबंधी दक्षता, सुरक्षा और डिजिटल परिवर्तन को सहायता प्रदान करने के लिए अपनी आईटी अवसंरचना में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि की है। ईआरपी सिस्टम को ओरेकल ई-बिज़ सुइट 11i से आर12 में अपग्रेड कर दिया गया है और आरईसी के डेटा सेंटर में निजी क्लाउड की ओर माइग्रेट कर दिया गया है तथा इसे जीएसटी, इंड-एस और बढ़ती हुए आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर सुधारों के साथ उन्नत स्वचालन विशेषताओं की ओर परिवर्तित किया है।

एनआईसी के ई-ऑफिस समाधान ने कंपनी में दक्षता, पारदर्शिता और कागज़ रहित वातावरण को बढ़ावा देते हुए वर्कफ्लो और दस्तावेज़ प्रबंधन को कारगर बनाया है। एआई सहायक कोपायलट, टीम्स, शेयरपॉइंट और वनड्राइव के साथ एकीकृत एक नया माइक्रोसॉफ्ट 365 ईमेल समाधान, 99.9% अपटाइम के साथ सुरक्षित, विश्वसनीय संचार सुनिश्चित करता है। नेटवर्क अवसंरचना को एमपीएलएस वीपीएन और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से पुनर्गठित किया गया है, जो महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों जैसे ईआरपी और ई-ऑफिस तक निर्बाध दूरस्थ पहुँच बनाने में सक्षम है। प्राथमिक डेटा केंद्र और आपदा पुनर्प्राप्ति केंद्र दोनों ही आईएसओ/आईसी 27001:2013 प्रमाणित हैं और ये भारत की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति का अनुपालन करते हैं।

आरईसी, मज़बूत आईटी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एनबीएफसी के लिए आरबीआई के आईटी ढाँचे का पालन करता है। इन-हाउस डिजिटल पहल जिसमें पोर्टलों के लिए सिंगल-साइन-ऑन तथा ई-गवर्नेंस और हरित लक्ष्यों के अनुरूप डिजिटलीकरण के लिए केंद्रीकृत स्कैनिंग शामिल है, उनका भी पालन करता है। उन्नत साइबर सुरक्षा समाधान वास्तविक समय में खतरे की निगरानी करने और उसके संबंध में कार्रवाई करने में सक्षम बनाता है, जबकि व्यापक आईटी प्रशिक्षण और 100% कंप्यूटर से कर्मचारी अनुपात कार्यबल को त्वरित कार्रवाई करने हेतु सशक्त बनाता है। ये पहले सामूहिक रूप से आरईसी को प्रचालन उत्कृष्टता और अनुपालन के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करने में एक अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित करती है।

बौद्धिक पूंजी



बौद्धिक पूंजी में संगठन संवाहित ज्ञान-आधारित अमूर्त परिसंपत्तियाँ हैं और यह कंपनी के ब्रांड और ख्याति से जुड़ी हुई है। इसमें पेटेंट, कॉपीराइट, संगठनात्मक कार्यवाहों, संगठन द्वारा विकसित प्रचालन संबंधी कार्यपद्धतियाँ और अन्य बौद्धिक संपदा शामिल हैं। यह नवाचार, दीर्घावधिक प्रतिस्पर्धात्मकता और संस्थागत अधिगम के लिए आधार के रूप में कार्य करती है। बौद्धिक पूंजी इन व्यापारों को अपनी प्रक्रियाओं को उन्नत बनाने, नए उत्पादों को बाज़ार में लाने और बाज़ार में अपनी स्थिति मज़बूत करने में सहयोग प्रदान करती है।

आपकी कंपनी, विद्युत एवं अवसंरचना क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से भारत सरकार की पहलों को सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह केंद्र सरकार के प्राधिकारियों, राज्य प्रशासनों, विद्युत यूटिलिटीयों, क्षेत्रीय मध्यवर्तियों और निजी कंपनियों के साथ नीतियाँ बनाने में और उन्हें लागू करने तथा भारत के विद्युत क्षेत्र में प्रचालन संबंधी और अवसंरचना संबंधी सुधार लाने में निकटता से कार्य करती है। यह कंपनी विद्युत क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे कि पीएम सूर्य घर मुक्त विद्युत योजना, संशोधित वितरण क्षेत्र स्कीम (आरडीएसएस), राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ) और विलंबित भुगतान अधिभार (एलपीएस) नियम, 2022 के लिए नोडल एजेंसी के रूप में सक्रिय रूप से भाग लेती है।

इस क्षेत्र के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के अनुरूप, आरईसी ने दक्ष आंतरिक प्रणालियाँ, कार्यविधियाँ और प्रोटोकॉल भी बनाए हैं जो इसे कार्यनीतिक लाभ प्रदान कर रहे हैं और बाज़ार में इसके ब्रांड मूल्य को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। चूँकि बौद्धिक पूंजी मुख्य रूप से मानव संसाधन आधार से जुड़ी हुई है, अतः आरईसी ने दक्ष मानव संसाधन अर्जन और प्रतिधारण प्रणाली को अपनाया है, शीर्ष कॉर्पोरेट कार्यपद्धतियों के निमित्त बेंचमार्क निर्धारित किया है, अपनी प्रचालन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ध्यानपूर्वक डिज़ाइन किया है। इन प्रणालियों, कार्यविधियों और आंतरिक कार्यवाहों के माध्यम से, जो मिलकर इसकी बौद्धिक पूंजी बनाते हैं, आरईसी ने अपेक्षित जानकारी और कौशल अर्जित किए हैं जो इसके कार्यचालन और और संगठनात्मक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक हैं। तेज़ी से विकसित व्यापार परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए, आरईसी अपने कार्यबल को विकसित करना और बौद्धिक पूंजी बनाना जारी रखता है जो किसी प्रकार के व्यवधानों के अनुकूल होने में सक्षम हो, नवाचार को बढ़ाने में सक्षम हो और उभरते हुए व्यापार मॉडलों के कारण होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप अपने आप को ढाल सके।

सामाजिक और संबंध पूंजी



सामाजिक और संबंध पूंजी का संदर्भ किसी संगठन के किसी कार्य में लगे रहने और बाहरी हितधारकों, जिसमें ग्राहक, निवेशक, आपूर्तिकर्ता, समुदाय, सरकारी निकाय और विनियामक प्राधिकारी शामिल हैं, उनके साथ सहयोग करना है।

आरईसी वित्तीय संस्थान से ज्यादा है और यह भारत के विद्युत क्षेत्र और समग्र रूप से राष्ट्र के व्यापक विकास के प्रति समर्पित है। आरईसी ने अब अपनी उपस्थिति का विस्तार अवसंरचना और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में भी किया है। भारत सरकार की संशोधित वितरण क्षेत्र स्कीम और अन्य योजनाओं की नोडल एजेंसी होने के कारण, कंपनी विद्युत क्षेत्र के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारत सरकार की एक विश्वसनीय भागीदार बनी रहेगी।

आरईसी अपनी सीएसआर शाखा, आरईसी फाउंडेशन के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कल्याण के लिए भी सहयोग प्रदान कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसी ने विभिन्न सीएसआर परियोजनाओं पर ₹294.01 करोड़ (जिसमें पिछले वर्ष से अप्रेषित की गई ₹5.15 करोड़ की खर्च की गई आधिक्य राशि शामिल है) खर्च किए, जिनमें चिकित्सा उपकरण, मोबाइल मेडिकल यूनिट की खरीद और संस्थापना करना शामिल हैं; इसमें जन्मजात हृदय रोग वाले 2,100 बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान करना; पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और अबोहर जिलों में बीएसएफ सैनिकों के कार्यस्थलों पर 500 शौचालय ब्लॉकों का निर्माण करना; उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में सेवार्थ संस्थान सेठ बिमल कुमार जैन ट्रॉमा और फिजियोथेरेपी धर्मार्थ समिति द्वारा स्थापित ट्रॉमा सेंटर में लीनियर एक्सेलरेटर

मशीन की खरीद करना; मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए 8,000 लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने हेतु एक पहल 'सभी के लिए नेत्र देखभाल' परियोजना हेतु सीएसआर सहायता; भक्तिवेदांत अस्पताल, बरसाना, मथुरा में '5,000 फेको फेकोइमल्सीफिकेशन सर्जरी' परियोजना हेतु सीएसआर सहायता, कश्मीर और लद्दाख में जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण प्रयोगशाला और प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, अलकनंदा नदी पर बद्रीनाथ शहर में पैदल यात्री पुल, जो स्मार्ट हिल टाउन, बद्रीनाथ, उत्तराखंड के लिए मास्टर प्लान का हिस्सा है, का निर्माण और सिक्किम के प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त अवसंरचना की बहाली, पुनर्स्थापन आदि शामिल हैं।

आरईसी खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोचों के अधीन विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुलभ कराकर मुक्केबाजी, महिला हॉकी, एथलेटिक्स और अन्य जैसे खेलों को बढ़ावा देने के प्रति समर्पित है। इस सहयोग में वैश्विक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अवसरों के साथ-साथ तकनीकी, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन भी शामिल हैं।

इसके अलावा, आरईसी युवाओं में मजबूत नैतिक मूल्य मन में बिठाने के लिए स्कूलों में एकता क्लबों की स्थापना में सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान करती है। इन क्लबों का उद्देश्य सामाजिक और नैतिक रूप से ज़िम्मेदार नागरिकों को प्रोत्साहित करना और छात्रों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध खड़े होने के लिए सशक्त बनाना है, जो अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शी और जवाबदेह समाज बनाने में योगदान करता है।



विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर, आरईसी में रक्तदान शिविर का नेतृत्व श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा किया गया था और इस प्रकार स्वैच्छिक दान के माध्यम से जीवन बचाने की भावना का संवर्धन किया गया।



श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय मंत्री (विद्युत और आवासन एवं शहरी कार्य) द्वारा श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आरईसी लिमिटेड को राजभाषा दीप्ति शिल्ड प्रदान की गई।

मानव पूंजी



मानव पूंजी किसी संगठन के कार्यबल की उनके समर्पण के साथ-साथ कौशल, क्षमताओं और विशेषज्ञता का द्योतक है और यह कर्मचारियों को प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मानव संसाधन (एचआर) एक विनियोजित और उच्च निष्पादन करने वाले कार्यबल को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो कंपनी के निरंतर विकास और सफलता के लिए आवश्यक है। विकास कर रहे संगठन के मध्य में विभिन्न विषयों के शीर्ष प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने, उनका विकास करने और उन्हें प्रतिधारित करने की क्षमता रहती है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने देश भर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आकर्षित कर सीधी भर्ती अभियान के माध्यम से 94 कार्यपालकों की नियुक्ति कर अपने पेशेवर आधार को मजबूत किया। 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, कंपनी की कुल जनशक्ति 575 कर्मचारी रही, जिसमें 556 कार्यपालक और 19 गैर-कार्यपालक शामिल थे।

विकसित हो रहे रोजगार गतिशीलता के अनुरूप, मानव संसाधन विभाग सक्रिय रूप से जनशक्ति आयोजना, कार्यबल का विकास और संगठनात्मक विकास में कार्यनीतिक भूमिका निभाता रहा है। हमारा मानव संसाधन दल लक्षित भर्ती पहलों, व्यापक प्रेरण कार्यक्रमों और कार्यनीतिक आयोजना प्रक्रियाओं के माध्यम से मूल्य संवर्धन करने के प्रति कृत-संकल्पित है। ये प्रयास भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण हैं और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत और अवसंरचना क्षेत्रों में एक पसंदीदा रोजगारप्रदाता बनी रहे।

मानव पूंजी में वृद्धि करना महत्वपूर्ण रूप से विभिन्न कार्यस्थलों पर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर निर्भर करता है, जो कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए उच्च-स्तरीय अवसंरचना के प्रावधान के द्वारा प्राप्त की जाती है। आरईसी इस पहलू को प्राथमिकता देती है और यह सुनिश्चित करती है कि कर्मचारियों को उत्कृष्ट सुविधाएं सुलभ हों। इसके अलावा, गुरुग्राम में प्रस्तावित टाउनशिप के निर्माण का शुभारंभ वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किया गया था।

मानवाधिकारों को बनाए रखना एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा है। हमारी व्यापक मानवाधिकार नीतियों और

कार्यपद्धतियों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य अपने कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापक समुदाय पर एक सकारात्मक प्रभाव डालना है। मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता नैतिक आचरण, सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत व्यापार कार्यपद्धतियों के प्रति हमारे समर्पण को परिलक्षित करती है। आरईसी हर प्रकार के मानव तस्करी, जबरन श्रम और बाल श्रम को अपने प्रचालनों और मूल्य शृंखला के भीतर प्रतिबंधित करती है। आरईसी भर्ती, हायरिंग, पदोन्नति, मुआवजा और सेवासमाप्ति सहित रोजगार के सभी पहलुओं में समान मूल्य के कार्य के लिए समान पारिश्रमिक प्रदान करने और भेदभावरहित व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रति कृत-संकल्पित है। हम लिंग, आयु, धर्म, दिव्यांगता, सेक्सुअल ओरिएंटेशन अथवा किसी अन्य प्रकार की संरक्षित विशेषता के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करते हैं।

कर्मचारी का कल्याण एक अन्य मुख्य क्षेत्र है। आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में नियमित स्वास्थ्य जाँच, स्वास्थ्य संगोष्ठियाँ और सुसज्जित व्यायामशाला तक पहुँच सहित कल्याणोन्मुख नीतियों के माध्यम से कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देती है। यह कंपनी समग्र विकास और कर्मचारी के विनियोजन को बढ़ावा देकर खेल-कूद, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेने को भी प्रोत्साहित करती है। इन कार्यनीतिक पहलों के माध्यम से, आरईसी एक सक्षम, विविध और लचीले कार्यबल का निर्माण करना और उसे पोषित करना जारी रखती है जो कंपनी के सतत निष्पादन और विकास में सार्थक रूप से योगदान करता है।

आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी) आरईसी के तत्वावधान में एक प्रमुख विद्युत क्षेत्र प्रशिक्षण संस्थान है। हैदराबाद में वर्ष 1979 में स्थापित, यह संस्थान विद्युत क्षेत्र के संगठनों के इंजीनियरों और प्रबंधकों की प्रशिक्षण और विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। पिछले चार दशकों के दौरान, आरईसीआईपीएमटी ने विद्युत यूटिलिटीयों के 80,424 इंजीनियरों/प्रबंधकों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें उत्पादन, पारेषण और वितरण कंपनियाँ, विद्युत विभाग, ग्रामीण विद्युत सहकारी समितियाँ, विद्युत विनियामक आयोग आदि शामिल हैं। आरईसीआईपीएमटी अंतर्राष्ट्रीय विद्युत क्षेत्र के संगठनों के कार्यपालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु विदेश मंत्रालय, भारत सरकार (एमईए) के साथ एक भागीदार प्रशिक्षण संस्थान भी रहा है। वर्ष 2005 से लेकर अब तक, आरईसीआईपीएमटी ने 113 ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और इसने 102 देशों के 1,936 कार्यपालकों को प्रशिक्षित किया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसीआईपीएमटी ने 6,168 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है और इस प्रकार इसने कुल मिलाकर 18,935 मानव दिवस का लक्ष्य प्राप्त किया है।

नीतिगत कार्यवाही और अभिशासन

आरईसी की एक मानवाधिकार नीति है जिसे कंपनी से जुड़े सभी हितधारकों तक विस्तारित किया गया है, जिनमें सभी कर्मचारी (स्थायी अथवा संविदात्मक), ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता, भागीदार और परामर्शदाता शामिल हैं। आरईसी के मानवाधिकार नीतिगत ढाँचे में समग्र कॉर्पोरेट अभिशासन ढाँचे को शामिल किया गया है। प्रमुख संघटकों में निम्नलिखित शामिल हैं:



मानवाधिकार नीति

हमारे व्यापार के सभी पहलुओं में मानवाधिकारों का सम्मान करने, उन्हें संरक्षित करने और बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए एक व्यापक नीति।



बोर्ड का पर्यवेक्षण

आरईसी का निदेशक बोर्ड अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करते हुए हमारी मानवाधिकार नीतियों के कार्यान्वयन और उनकी प्रभावशीलता का पर्यवेक्षण करता है।



आंतरिक लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ

हमारे प्रचालनों और व्यापार संबंधों से जुड़े किसी भी संभावित मानवाधिकार जोखिमों की पहचान करने, उसे रोकने और कम करने हेतु नियमित लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ।

कार्मिक अधिकार और कार्यस्थल कार्यपद्धतियाँ

हम एक ऐसा कार्यस्थल का निर्माण करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं जो सभी कर्मचारियों के अधिकारों का सम्मान करता हो और उन्हें बढ़ावा देता हो।

निष्पक्ष नियोजन कार्यपद्धतियाँ

जाति, लिंग, आयु, धर्म अथवा अन्य संरक्षित विशेषताओं पर ध्यान दिए बिना सभी कर्मचारियों के लिए भेदभावरहित भर्ती कार्यपद्धति, न्यायोचित वेतन और अवसर सुनिश्चित करना।



सुरक्षित कार्य स्थितियाँ

पेशागत स्वास्थ्य और सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण बनाए रखना।



हमारी आपूर्ति शृंखला में मानवाधिकार

हम अपनी पूरी आपूर्ति शृंखला में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के महत्व को समझते हैं। हमारी कार्रवाईयों में निम्नलिखित शामिल हैं:



आपूर्तिकर्ता की आचरण संहिता

एक आचरण संहिता जो सभी आपूर्तिकर्ताओं के मानवाधिकारों, श्रम कार्यपद्धतियों और पर्यावरण मानकों के संबंध में हमारी आशाओं का उल्लेख करती है।



आपूर्तिकर्ता की लेखापरीक्षा

हमारे मानवाधिकार मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हमारे आपूर्तिकर्ताओं की नियमित लेखापरीक्षण और आकलन।



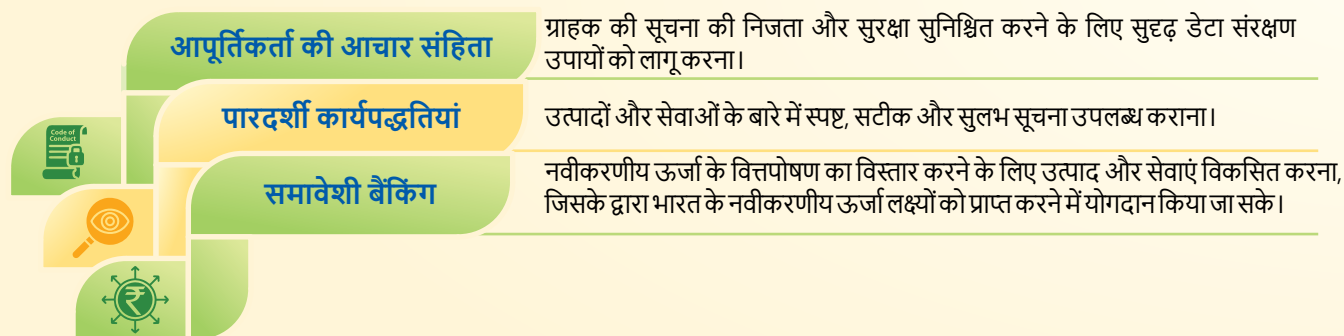
क्षमता निर्माण

आपूर्तिकर्ताओं के साथ प्रशिक्षण और सहायता पहलों के माध्यम से उनकी मानवाधिकार कार्यपद्धतियों में सुधार लाने के लिए कार्य करना।



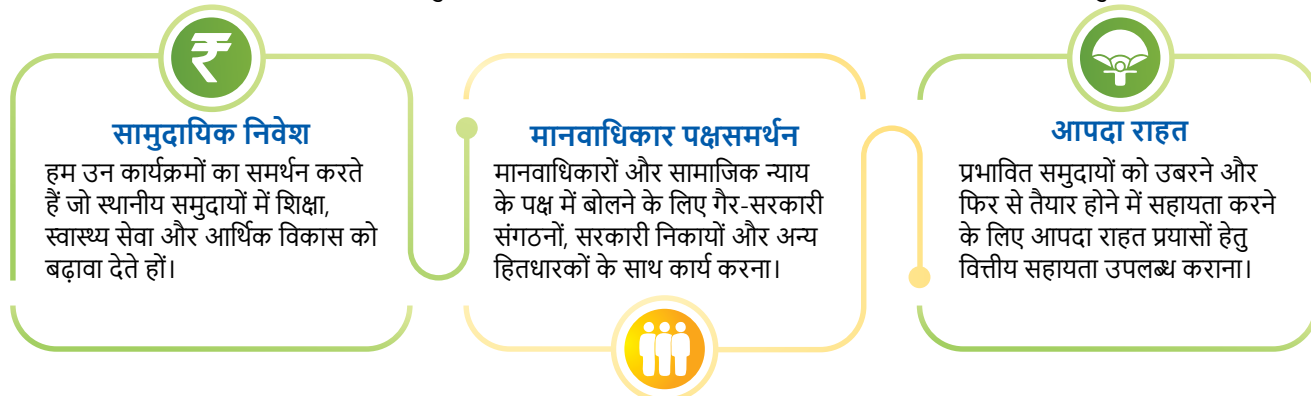
ग्राहक के अधिकार और वित्तीय समावेशन

आरईसी में, हम अपने ग्राहकों के अधिकारों का संरक्षण करने के लिए समर्पित हैं और हम वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हैं। हमारी पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:



समुदाय विनियोजन और सामाजिक प्रभाव

मानव अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता उन समुदायों, जिनकी हम सेवा करते हैं, के हमारे तत्काल प्रचालनों से आगे तक फैली हुई है।



शिकायत निवारण तंत्र और इसका निराकरण

हमने मानवाधिकार संबंधी चिंताओं और शिकायतों को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए तंत्र स्थापित किए हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:



सतत सुधार और रिपोर्टिंग

हम अपने मानवाधिकार कार्यपद्धतियों में निरंतर सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नियमित प्रशिक्षण

मानवाधिकार से संबंधित मुद्दों और सर्वोत्तम कार्यपद्धतियों के संबंध में कार्मिकों के लिए निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करना।



कार्य-निष्पादन निगरानी

नियमित मूल्यांकनों और लेखापरीक्षणों के माध्यम से हमारे मानवाधिकारों के निष्पादन की निगरानी करना और उनका मूल्यांकन करना।



पारदर्शिता और रिपोर्टिंग

हमारी संधारणीयता रिपोर्ट में पारदर्शी तरीके से हमारे मानवाधिकार निष्पादन और प्रगति को रिपोर्ट करना।



प्राकृतिक पूंजी



प्राकृतिक पूंजी में वे प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं जिनका उपयोग आरईसी अपने प्रचालनों में करती है तथा जो उनके द्वारा प्रभावित होते हैं।

आरईसी संसाधन खपत और अपशिष्ट को कम से कम करने का प्रयास करते हुए पर्यावरणीय संरक्षण के प्रति गहन रूप से प्रतिबद्ध है। विद्युत क्षेत्र में एक अग्रणी वित्तीय संस्थान के रूप में, आरईसी ने अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का निरंतर रूप से विस्तार किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने अन्य बातों के साथ-साथ 16,743.20 मेगावाट की कुल संस्थापित उत्पादन क्षमता के साथ 92 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कुल ₹1,05,258.87 करोड़ के ऋण संस्वीकृत किए।

जिम्मेदार वित्तपोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में, आरईसी ने आधिकारिक विकास सहायता के एफडब्ल्यू-111।।। ढांचे के अंतर्गत एक पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव विश्लेषण (ईएसआईए) रिपोर्ट तैयार की। यह रिपोर्ट नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण में पर्यावरणीय और सामाजिक दृष्टिकोण का समाधान करने के लिए एक कार्यनीतिक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है।

सरकारी निर्देशों के अनुरूप, आरईसी ताप विद्युत संयंत्रों में प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकियों को स्थापित करने में भी सहयोग प्रदान करती है। इसमें फ्लू गैस डिस्ल्फराइजेशन (एफजीडी), सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स (ईएसपी) के लिए वित्तपोषण शामिल है, जो हानिकारक उत्सर्जन और पार्टिकुलेट मैटर को कम करने में मदद करते हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसी ने प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों, कोयला खनन परियोजनाओं के कार्यान्वयन, कोयले की खरीद आदि सहित उत्पादन परियोजनाओं (जल विद्युत परियोजनाओं को छोड़कर) के लिए 72 ऋण संस्वीकृत किए और ₹89,631.59 करोड़ की कुल ऋण सहायता संस्वीकृत की।

आरईसी का ईएसजी नीतिगत ढाँचा पर्यावरणीय प्रभाव आकलन को अपने प्रचालनात्मक, वित्तीय और जोखिम प्रबंधन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में एकीकृत करता है। स्वच्छ ऊर्जा वित्तपोषण को और अधिक समर्थन देने के

लिए, यह संगठन विशिष्ट पर्यावरणीय, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक (ईएचएसएस) आवश्यकताओं को ऋण करारों तथा संस्वीकृति की शर्तों में शामिल करता है।

गुरुग्राम में अवस्थित आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय भवन का डिजाइन और निर्माण ऊर्जा को संरक्षित करने के उद्देश्य से इस भवन में लगभग 30% एचवीएसी लोड आवश्यकता को कम करने हेतु ऊर्जा बचत फैकेड और रेडिएंट कूलिंग स्लैब का उपयोग कर किया गया है। ऊर्जा का संरक्षण करने के लिए इस भवन में ऊर्जा दक्ष उपकरणों और एलईडी लाइटों का उपयोग किया जा रहा है। प्रकाश प्रबंधन प्रणाली भी ऊर्जा संरक्षण में वृद्धि करने के लिए कार्यान्वित की गई है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करने के उद्देश्य से, 979 केडब्ल्यूपी सौर संयंत्र ऊर्जा स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत का उपयोग कर आरईसी कार्यालय की भार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भवन के ऊपर (सौर परगोला संरचना द्वारा समर्थित) संस्थापित किया गया है। इस सौर संयंत्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 13.37 लाख यूनिट विद्युत उत्पादित की है।

आरईसी ने सतत और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के भाग के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद की है। यह कार्बन उत्सर्जन कम करने और अपेक्षाकृत हरित पर्यावरण में योगदान करने की परिकल्पना के अनुरूप है। इन इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रचालन संबंधी लागत बहुत कम होती है और इससे ऊर्जा क्षमता में वृद्धि होती है।

आरईसी नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान चलाती है और इसने सभी अपशिष्टों के पुनर्चक्रण और निपटान के लिए एजेंसियों के साथ साझेदारी की है। बोर्ड रूम को शून्य प्लास्टिक उपयोग अपनाने के लिए कांच की बोतलों से सुसज्जित किया गया है। महिलाओं का स्वास्थ्य और स्वच्छता आरईसी के लिए हमेशा प्राथमिकता रही है। आरईसी की महिला कर्मचारियों के कल्याण को और अधिक बढ़ाने के लिए एक कदम के रूप में, 3 सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें हमारे कॉर्पोरेट कार्यालय में लगाई गई हैं।



पंजाब के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया आरईसी की सीएसआर वित्तपोषण के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट परियोजना को हरी झंडी दिखाकर आरंभ करते हुए।



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

“
वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹1,91,185 करोड़
का रिकॉर्ड संवितरण विद्युत एवं अवसंरचना
के क्षेत्र की नई पूंजीगत जरूरतों को पूरा
करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है।
”

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा
निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)



प्रिय सम्मानित हितधारकों,

यह मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि मैं आपके लिए आपकी कंपनी की 56वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो कार्यनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ प्रचालन के तौर पर सुगम्य वर्ष का एक प्रमाण है।

जब हम वित्तीय वर्ष 2024-25 को देखते हैं, तो यह ज्ञात होता है कि इस अवधि के दौरान विश्व में बड़े परिवर्तन हुए हैं। भू-राजनीतिक परिवर्तनों एवं तकनीकी व्यवधानों के उत्तर में दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं ने समायोजन करना एवं स्थायित्व की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ना जारी रखा। इस प्रकार से विकसित हो रहे वैश्विक संदर्भ में, संस्थानों से सुगम्यता, चपलता एवं सोद्देश्यता प्रदर्शित करना अपेक्षित था। यह वर्ष आर्थिक शक्ति, संस्थागत संकल्प एवं कार्यनीतिक दूरदर्शिता की परीक्षा का वर्ष था।

मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि आरईसी ने न केवल इन कठिनाइयों का समाधान किया बल्कि रिकॉर्ड वित्तीय निष्पादन प्रदान करते हुए, अपने कार्यनीतिक पहुँच का विस्तार किया और भारत के विद्युत और अवसंरचना क्षेत्र के वित्तपोषक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को सुदृढ़ और निर्णायक रूप से उन्नत किया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिसमें एक वित्तीय वर्ष में अब तक का सबसे अधिक ₹1,91,185 करोड़ का संवितरण और ₹15,713 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक कर पश्चात वार्षिक निवल लाभ है।

इस वर्ष की हमारी यात्रा केवल संख्या और अनुपात की यात्रा नहीं है, यह प्रभाव, सुगम्यता, नवाचार और सबसे बढ़कर, राष्ट्र निर्माण के लिए अटूट प्रतिबद्धता की है। भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप एक आत्मनिर्भर, ऊर्जा-सुरक्षित और टिकाऊ भारत के लिए आरईसी ने ऊर्जा के सम्पूर्ण वैल्यू चेन में विकास के परिणामों को उत्प्रेरित करने हेतु कई भरोसेमंद कदम उठाए हैं।

मैं पुनः यह उल्लेख करता हूँ कि हम कॉर्पोरेट सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और अपने हितधारकों के हितों की सुरक्षा हर कदम पर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने वित्तीय प्रदर्शन की गति को तेज करने, अपने शेयरधारकों को लगातार प्रतिलाभ देने और एक विश्वसनीय संस्थान और विद्युत क्षेत्र में एक जिम्मेदार अग्रगामी संगठन के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध

हैं। यह प्रतिबद्धता वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹18/- प्रति इक्विटी शेयर के कुल लाभांश की घोषणा के साथ पिछले कई वर्षों से लाभांश के निरंतर भुगतान में भी परिलक्षित होती है, जिसमें ₹2.60 प्रति इक्विटी शेयर की दर से अंतिम लाभांश शामिल है, जो आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

आर्थिक अवलोकन: वैश्विक अवसरों को अपने अनुकूल बनाना

वैश्विक अर्थव्यवस्था आज एक निर्णायक समय में है। कोविड-19 महामारी, आपूर्ति शृंखला एवं भू-राजनीतिक व्यवधानों की असाधारण अशांति के कई वर्षों को सहन करने के बाद, वित्तीय वर्ष 2024-25 स्थायित्व के प्रारम्भिक संकेत लेकर आया था। अब मुद्रास्फीति का दबाव, जो कई दशकों के उच्च स्तर पर पहुँच गया था, धीरे-धीरे कम होने लगा है।

इन सुधारों के बावजूद, वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण बढ़ती अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। प्रायः बदलते भू-राजनीतिक गठबंधनों, उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं और एक विकसित जलवायु एजेंडा के जवाब में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत प्राथमिकताओं को फिर से व्यवस्थित किया जा रहा है। ये परिवर्तन न केवल वैश्विक व्यापार संबंधों को नया आकार दे रहे हैं बल्कि आर्थिक अस्थिरता और आकस्मिकता की स्थिति के पुनः वापस लौटने में भी योगदान दे रहे हैं।

वर्तमान परिदृश्य की सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक वैश्विक व्यापार और औद्योगिक नीति का पुनर्गठन है। सरकारें तेजी से संरक्षणवादी उपायों को अपना रही हैं, आपूर्ति शृंखलाओं को फिर से संगठित कर रही हैं और घरेलू विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन का प्रस्ताव दे रही हैं। यद्यपि, ये नीतिगत बदलाव आंतरिक सुगम्यता को मजबूत कर सकते हैं, पर इससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त प्रणालियों में वैश्विक अनिश्चितता भारी एकीकृत अर्थव्यवस्थाओं के लिए विशेष रूप से बढ़ गई है।

इन परिवर्तनों का विस्तार और गति वैश्विक आर्थिक सुगम्यता पर नए तनाव डाल रहे हैं। व्यापार तनाव के तेजी से बढ़ने और निरंतर नीतिगत अस्पष्टता से निवेश संबंधी भावना और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक गतिविधि पर बड़ा असर पड़ने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की वैश्विक आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट (अप्रैल 2025) के अनुसार, अनुमानित वैश्विक विकास के 2024 में 3.3% से 2025 में 2.8% तक धीमा होने का अनुमान है, इससे पहले कि 2026 में मामूली रूप से 3% तक रिबाउंडिंग हो। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की संवृद्धि को 2026 में 3.9% तक टिकने से पहले, 2024 में 4.3% से 2025 में 3.7% तक मध्यम होने की उम्मीद है।

वैश्विक विद्युत क्षेत्र तीव्र परिवर्तन की अवधि से गुजर रहा है, जिसे मांग में तेजी और कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों की ओर निरंतर बदलाव द्वारा आकार दिया जा रहा है। यह गति पिछले वर्षों में देखी गई सबसे तेज विद्युत खपत की वृद्धि की गति प्रदान कर रही है। वर्ष 2024 में वैश्विक विद्युत की मांग में 4.3% की वृद्धि हुई और वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष लगभग 4% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो तीन वर्षों में अतिरिक्त 3,500 टीडब्ल्यूएच विद्युत की खपत के बराबर है। मांग में इस वृद्धि को बढ़ावा देने वाले कई प्रमुख रुझानों में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक उत्पादन की निरंतर वृद्धि, बढ़ते वैश्विक तापमान, एयर कंडीशनिंग के बढ़ते उपयोग, परिवहन, तापन और औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युतीकरण की घनता तथा एआई वर्कलोड और डेटा केंद्रों सहित डिजिटल अवसंरचना से ऊर्जा आवश्यकताओं को बढ़ाना शामिल है।

इस मांग के उत्तर में, नवीकरणीय ऊर्जा वैश्विक विद्युत मिश्रण में तेजी से प्रमुख भूमिका निभा रही है। 2025 तक, नवीकरणीय ऊर्जा से वैश्विक विद्युत के एक तिहाई से अधिक की आपूर्ति होने की उम्मीद है जो इतिहास में पहली बार कोयले से अधिक की जाने वाली आपूर्ति है। नई उत्पादन क्षमता में सर्वाधिक योगदान देते हुए सौर पीवी और पवन ऊर्जा इस विस्तार का नेतृत्व कर रहे हैं। 2027 तक अतिरिक्त विद्युत की मांग का लगभग 95% नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूरा होने का अनुमान है। यह बदलाव न केवल जीवाश्म ईंधन आधारित पीढ़ी को विस्थापित कर रहा है बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु लक्ष्यों में भी योगदान दे रहा है। परमाणु ऊर्जा में भी सुधार देखा जा रहा है, वैश्विक परमाणु उत्पादन 2025 में रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचने का अनुमान है, इसमें आने वाले वर्षों में निरंतर वृद्धि का अनुमान है।

इस प्रगति के बावजूद, विद्युत क्षेत्र को महत्वपूर्ण चुनौतियों विशेष रूप से जलवायु से संबंधित व्यवधानों का सामना करना पड़ता है।

भारत की शक्तिशाली संवृद्धि की ऊर्जा का प्रक्षेपक

वित्तीय वर्ष 2024-25 से, भारत अपनी आर्थिक गति के साथ मजबूती से आगे बढ़ा है। जिसने वैश्विक विकास के प्रमुख इंजन के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की वैश्विक आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट (अप्रैल 2025) के अनुसार, 2026 तक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने का अनुमान है, जिसमें 2025 में 6.2% और 2026 में 6.3% की वृद्धि का अनुमान है। यह निरंतर प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब वैश्विक विकास धीमा हो रहा है, जो भारत के घरेलू मूल सिद्धांतों की ताकत और लक्षित नीतिगत उपायों की प्रभावकारिता को रेखांकित करता है।

संरचनात्मक सुधारों, अवसंरचना के विकास पर निरंतर जोर, डिजिटल नवाचार और वित्तीय समावेशन पर मजबूत बल ने सामूहिक रूप से भारत को उभरती और उन्नत दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक असाधारण प्रदर्शन करने वाले देश के रूप में स्थापित किया है। वैश्विक व्यापार व्यवधानों से लेकर वित्तीय अस्थिरता तक बाहरी अनिश्चितताओं के सामने, भारत की आर्थिक प्रक्षेपक सुगम्यता और कार्यनीतिक अनुकूलन क्षमता दोनों को दर्शाता है।

भारत के विद्युत क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान एक मजबूत सुधार का अनुभव किया, जो बढ़ती घरेलू मांग और डीकार्बोनाइजेशन के लिए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता से स्पष्ट रूप से प्रेरित है। वर्ष के दौरान कुल विद्युत उत्पादन 5% बढ़कर 1,830 बिलियन यूनिट (बीयू) तक पहुंच गया। विशेष रूप से, उत्पादन मिश्रण एक निर्णायक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिसमें गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत उल्लेखनीय रूप से प्रमुखता प्राप्त कर रहे हैं। इन स्रोतों से उत्पादन में वर्ष-दर-वर्ष 12% की वृद्धि हुई, जिससे कुल उत्पादन में उनका हिस्सा बढ़कर 25% हो गया।

इस परिवर्तन को पर्याप्त क्षमता परिवर्धन द्वारा सक्षम बनाया गया था। वित्तीय वर्ष के दौरान नई उत्पादन क्षमता के लगभग 33 गीगावाट (जीडब्ल्यू) जोड़े गए, जिनमें से रिकॉर्ड तोड़ 30 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से आया था। मार्च 2025 के अंत में, भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 475 गीगावाट थी, जिसमें गैर-जीवाश्म ईंधन का कुल योगदान 48% था जो एक वर्ष पूर्व के 45% से अधिक है।

यह उपलब्धि भारत की ऊर्जा क्रांति की त्वरित गति को उजागर करती है। देश का स्वच्छ ऊर्जा अभियान न केवल अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करता है बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और नवाचार को बढ़ावा देता है तथा भारत को नवीकरणीय ऊर्जा ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में स्थान दिलाता है।

ग्रिड-पारेषण एवं वितरण अवसंरचना का विस्तार

पारेषण अवसंरचना भारत की विद्युत वितरण प्रणाली की रीढ़ है, जो प्रायः दूरदराज के भौगोलिक क्षेत्रों में, उत्पादन केंद्रों को देश भर में घने खपत केंद्रों से जोड़ता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पारेषण लाइनों, सबस्टेशनों और परिवर्तन क्षमता में निरंतर विस्तार देखा गया, जो विशेष रूप से नवीकरणीय समृद्ध राज्यों से उच्च मांग वाले शहरी क्षेत्रों तक समान विद्युत वितरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

भारत की अंतर-क्षेत्रीय पारेषण क्षमता, जो वर्तमान में 119 गीगावाट है, 2027 तक बढ़कर 143 गीगावाट और 2032 तक 168 गीगावाट होने की उम्मीद है। वितरण के क्षेत्र में, विद्युत मंत्रालय ने डिस्कॉम संबंधी सुधारों, प्रौद्योगिकियों को अपनाने और वित्तीय व्यवहार्यता पर अपना ध्यान दोगुना कर दिया है। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) इस परिवर्तन के मूल में है जिसका लक्ष्य है - सकल तकनीकी और वाणिज्यिक (एटी एंड सी) हानियों को कम करना और बिलिंग दक्षता बढ़ाना।

ऊर्जा पहुंच का लोकतंत्रीकरण

ऊर्जा पहुंच को विकेंद्रीकृत करने और स्वच्छ ऊर्जा को घरेलू वस्तु बनाने के लिए एक साहसिक कदम के रूप में, भारत सरकार ने 13 फरवरी, 2024 को पीएम सूर्य घर मुफ्त विद्युत योजना का शुभारंभ किया है। यह महत्वाकांक्षी रूफटॉप सौर योजना एक करोड़ भारतीय परिवारों को प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त विद्युत के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती है, जो एक मजबूत पूंजीगत सब्सिडी द्वारा समर्थित है।

आरईसी ने इस राष्ट्रीय मिशन को प्रचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 31 मार्च, 2025 तक, 11.05 लाख इंस्टॉलेशन (2.5 लाख घरों को कवर करने वाले आरडब्ल्यूए परिवारों सहित) पूरे हो चुके हैं। कुल स्थापित क्षमता 3.3 गीगावाट तक पहुंच गई है और वित्तपोषण चैनलों को सुव्यवस्थित करने तथा शहरी और अर्ध-ग्रामीण दोनों के लिए कुशल तैनाती को सक्षम बनाने हेतु ₹5,437.21 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) वितरित कर दी गई है। यह कार्यक्रम भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति में एक मील का पत्थर है। यह आरईसी की स्थिति को न केवल एक विद्युत वित्तपोषक के रूप में बल्कि एक विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रवर्तक के रूप में भी स्थापित करता है।

भविष्य को ऊर्जान्वित करना

ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए भारत के रोडमैप को राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से फिर से परिभाषित किया जा रहा है, यह भारत सरकार की भविष्य की एक साहसिक पहल है जो देश को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए शुरू की गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ₹19,744 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ अनुमोदित, मिशन का लक्ष्य 2030 तक 5 मिलियन टन वार्षिक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता स्थापित करना है।

निधियों का आवंटन नीतिगत प्रोत्साहनों, नवाचार समर्थन, अवसंरचना के निर्माण और वैश्विक सहयोग में अपनाए जा रहे व्यापक और बहु-हितधारक दृष्टिकोण को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, इस क्षेत्र में योजना तैयार करने से लेकर कार्यान्वयन तक निर्णायक वृद्धि देखी गई है।

विकसित भारत की इन्फ्रा बैकबोन

2047 तक विकसित भारत की नींव, जिसे हम "विकसित भारत" के रूप में देखते हैं, वह मजबूत अवसंरचना पर टिकी हुई है। सड़कें, बंदरगाह, ऊर्जा कॉरीडोर, हवाई अड्डे और स्वच्छ जल प्रणालियां केवल विकासवात्मक प्रतिमान भर नहीं हैं; ये समृद्धि के वाहक हैं। इस प्रकार, अवसंरचना निवेश विकास का गुणक और नीतिगत अनिवार्यता दोनों बन गया है।

केंद्रीय बजट 2025-26 से इस दृष्टि में और अधिक वृद्धि हुई है तथा राज्य द्वारा संवृद्धि को बढ़ावा देते हुए मुख्य क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए एक



गतिशील रूप-रेखा तैयार की गई है। प्रमुख उद्घोषणाओं में: 'विकास केंद्र के रूप में शहरों', शहरों के रचनात्मक पुनर्विकास तथा 'जल और स्वच्छता' के प्रस्तावों को लागू करने के लिए ₹1 लाख करोड़ का शहरी चुनौती कोष, पुनर्विकास के माध्यम से स्थायी शहरों को बढ़ावा देना, एक नई जलपोत निर्माण वित्तीय सहायता नीति और 49% केंद्र सरकार के योगदान के साथ ₹25,000 करोड़ का समुद्री विकास कोष हैं।

अवसंरचना पर यह बल आरईसी के विस्तारित जनादेश के साथ पूरी तरह से संरेखित है। पिछले एक वर्ष में, हमने न केवल पारंपरिक विद्युत परिसंपत्तियों को वित्तपोषित किया है, बल्कि हम महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं के प्रमुख प्रवर्तक भी बन गए हैं। हमारी संस्थागत कुशलता और क्षेत्रीय समझ आपकी कंपनी को दीर्घकालिक विकास, पूंजी-गहन और नीतिगत रूप से महत्वपूर्ण अवसंरचना के उपक्रमों के लिए पसंदीदा वित्तपोषक बनाती है। जैसे-जैसे विकसित भारत आगे बढ़ रहा है, आपकी कंपनी पूंजी, क्षमता और आत्मविश्वास के उत्प्रेरक के रूप में सेवा करने के लिए विशिष्ट रूप से कार्य कर रही है।

भारत की ऊर्जा और अवसंरचना क्रांति में आरईसी की उत्प्रेरक भूमिका

व्यापक आर्थिक और क्षेत्र संबंधी पृष्ठभूमि के सापेक्ष, आपकी कंपनी ने अपने प्रभाव को बढ़ाते हुए पारंपरिक ऋण से परे एक परिवर्तनकारी नेतृत्व की भूमिका में कदम रखा है। विद्युत, नवीकरणीय, रसद और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों पर विशेष बल के साथ भारत के सार्वजनिक अवसंरचना के वित्तपोषक के रूप में, हम केवल राष्ट्रीय परिवर्तन में भाग नहीं ले रहे हैं; हम सक्रिय रूप से इसे आकार दे रहे हैं।

हमारी रणनीतिक स्थिति भारत सरकार की ऊर्जा प्राथमिकताओं, वैश्विक ईएसजी अनिवार्यताओं और उभरते पूंजी बाजार के रुझानों के अभिसरण में निहित है। अनुशासित पूंजी आवंटन, मिशन-संचालित परियोजना वित्तपोषण और अग्रणी डिजिटल अंगीकरण के माध्यम से, आपकी कंपनी एक सार्वजनिक वित्तीय संस्थान के एक नए मूलरूप का समर्थन कर रही है, जो चपल, हरित-संरेखित और भारत के विकास एजेंडे से अंतर्निहित है।

हम अपनी विश्वास की विरासत, मजबूत क्रेडिट स्टैंडिंग और नियामक संरेखण का लाभ अवसंरचना को अंडरराइट करने के लिए उठा रहे हैं जो न केवल बैंक योग्य है बल्कि न्यायसंगत, जलवायु अनुकूल तथा भविष्य के अनुरूप है।

रूफटॉप सोलर से लेकर ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट तक, शहरी मोबिलिटी कॉरीडोर से लेकर स्मार्ट सबस्टेशनों तक, आरईसी वह जगह है जहां भारत के अवसंरचना क्षेत्र को अपने विकास के लिए सबसे अग्रणी एवं भरोसेमंद वित्तीय भागीदार मिल जाता है।

वित्तीय प्रदर्शन – उपलब्धियों का वर्ष

समीक्षाधीन वर्ष में आरईसी ने कई प्रचालन संबंधी बेंचमार्क को पार किया है, जिससे प्रदर्शन-संचालित सार्वजनिक वित्तीय संस्थान के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। वित्तीय वर्ष में ₹3,37,179 करोड़ के रिकॉर्ड ऋण को संस्वीकृति प्रदान की गई, जो विद्युत और अवसंरचना के परिदृश्य में उभरती पूंजी जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता का एक स्पष्ट संकेतक है। इसी उल्लेखनीय रूप से हमने अब तक के उच्चतम ₹1,91,185 करोड़ के संवितरण की उपलब्धि भी हासिल की, जो वास्तविक अर्थव्यवस्था में निवेश के हमारे प्रयास की सफलता को रेखांकित करता है।

ये परिणाम एक दूरदेशी रणनीति, मजबूत जोखिम शासन और ऊर्जा, रसद और अवसंरचना के पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख हितधारकों के साथ गहरी भागीदारी बनाए रखने की हमारी क्षमता का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। जिम्मेदार ऋण देने पर एक अटूट ध्यान के साथ, हमने बाजार में उतार-चढ़ाव और क्षेत्रीय चुनौतियों के बावजूद, वर्ष-दर-वर्ष 11% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए अपनी ऋण बही को ₹5.67 लाख करोड़ तक बढ़ा दिया। इस वृद्धि को विवेकपूर्ण परिसंपत्ति गुणवत्ता प्रबंधन और तेज पूंजी आवंटन निर्णयों द्वारा रेखांकित किया गया था।

हमारी निवल संपत्ति बढ़कर ₹77,638 करोड़ हो गई है, यह पिछले वर्ष की तुलना में 13% वृद्धि को दर्शाती है, जो भविष्य में विस्तार के लिए हमारी बैलेंस शीट को मजबूती प्रदान करती है और हमें नवीकरणीय ऊर्जा, पारेषण, लॉजीस्टिक्स एवं राज्यों की संस्थाओं के प्रचालन में परिवर्तन हेतु पूंजी के निवेश के लिए हमें सक्षम बनाती है।

आरईसी के वित्तीय इंजन की ताकत हमारे लाभप्रदता के मैट्रिक्स में भी दिखाई देती है। हमारी कुल आय 19% बढ़कर ₹55,980 करोड़ हो गई है, जो ब्याज आय में निरंतर वृद्धि और मजबूत परिचालन से प्रेरित है। हमारी निवल ब्याज आय 27% की तीव्र गति से बढ़कर ₹19,878 करोड़ हो गई है, जबकि हमारा कर पश्चात निवल लाभ ₹15,713 करोड़ हो गया है जो वर्ष-दर-वर्ष 12% की वृद्धि को दर्शाता है।



माननीय केंद्रीय मंत्री (विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य) श्री मनोहर लाल जी के साथ आरईसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव जी द्वारा भारत के ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में आरईसी के योगदान पर विचार-विमर्श

ये परिणाम राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय सुधारों के साथ संरेखण को सुनिश्चित करते हुए, बाजार चक्रों में निरंतर मूल्य उत्पन्न करने के लिए आरईसी की क्षमता को दर्शाते हैं।

इसके अलावा, हमारा पूंजी पर्याप्तता अनुपात 23.76% पर टियर- I पूंजी के साथ 25.99% मजबूत था, जो विकास के लिए पर्याप्त अवसर सुनिश्चित करता है और सहकर्म संस्थानों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करता है। एक ऐसे क्षेत्र में जहां वैश्विक निवेशकों और संप्रभु निगरानीकर्ताओं द्वारा उत्तोलन अनुपात को गहनता से देखा जाता है, आरईसी की पूंजी संरचना आत्मविश्वास और स्थिरता को प्रेरित करती रहती है।

ये प्रदर्शन संकेतक हमारे विकसित व्यापार मॉडल के उत्पाद हैं, जो विविधीकरण, डिजिटल नवाचार, मजबूत निगरानी ढांचे और क्षेत्रीय बदलावों की गहरी समझ द्वारा चिह्नित हैं। परिणामस्वरूप, आपकी कंपनी एक पारंपरिक ऋणदाता से एक कार्यनीतिक पूंजी भागीदार के रूप में परिवर्तित हो गई है, जो भारत की शक्ति और अवसररचना के परिवर्तन का अभिन्न अंग है।

निधि संकलन: हमारे वित्तीय कोष का संवर्धन

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागत प्रभावी पूंजी तक लगातार पहुंचने की हमारी क्षमता, हमारी दीर्घकालिक रणनीतिक योजना की आधारशिला है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरईसी ने वित्तीय बाजारों में अद्वितीय कुशलता का प्रदर्शन किया, और कई मुद्रा प्लेटफॉर्मों में सफलतापूर्वक ₹1,42,204 करोड़ (छूट और प्रीमियम के समायोजन के बाद) का संकलन किया। इस उपलब्धि ने न केवल महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए तरलता को सुनिश्चित किया, बल्कि भौगोलिक क्षेत्रों में हमारी संस्थागत विश्वसनीयता को भी सिद्ध किया।

इस वर्ष आरईसी ने यूएसडी और जेपीवाई में बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी), विदेशी मुद्रा अनिवासी ऋण, दीर्घकालिक और अल्पकालिक रूपी ऋण और संरचित कर-बचत बॉण्ड के मिश्रण के माध्यम से पूंजी जुटाई है।

हमारे धन की औसत लागत प्रभावी रूप से 7.11% थी, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि हमारे सूचीबद्ध बॉण्ड जारी करने की कीमत 7.31% प्रति वर्ष थी, जो अन्य सीपीएसई द्वारा जारी तुलनीय लिखतों की तुलना में 19 आधार अंक कम है। यह मूल्य निर्धारण लाभ न केवल हमारी क्रेडिट शक्ति को दर्शाता है, बल्कि विशेष रूप से नवीकरणीय और अवसररचना क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और पूंजी-गहन परियोजनाओं के लिए आरईसी की प्रतिस्पर्धी उधार दरों की पेशकश करने की क्षमता में वृद्धि करता है।

ये परिणाम सभी चार प्रमुख घरेलू रेटिंग एजेंसियों क्रिसिल, आरईसीआरए, केयर और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च से हमारी एए रेटिंग का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। हमारी अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट प्रोफाइल बीएएए3 (मूडीज), बीबीबी- (फिच) और बीबीबी+ (जॉपान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) की संप्रभु-संरचित रेटिंग के साथ समान रूप से मजबूत है। ये रेटिंग हमारे मजबूत वित्तीय प्रबंधन को मान्यता प्रदान करने वाले समर्थन और सक्षमकर्ता दोनों के रूप में काम करती हैं और हमें अनुकूल शर्तों पर वैश्विक संस्थागत पूंजी समूह तक पहुंचने में सहयोग करती हैं।

हम टियर- II और टियर- III ऊर्जा कॉर्रीडोर, शहरी नवीकरण परियोजनाओं और ऊर्जा अवसररचना के आधुनिकीकरण में विकास को उत्प्रेरित करने के लिए इस वित्तीय मजबूती का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा में अपना सहयोग देते हैं।

जोखिम प्रबंधन

आरईसी में एक मजबूत और लचीला जोखिम प्रबंधन ढांचा है जो न केवल विभिन्न नियामकों की वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करता है बल्कि विभिन्न हितधारकों के विश्वास को भी बनाए रखता है। आरईसी अपनी जोखिम प्रबंधन संस्कृति को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, जैसा कि इसकी कई प्रमुख पहलों से पता चलता है।

आरईसी ने संशोधित एकीकृत जोखिम प्रबंधन नीति में विकसित बाजार गतिशीलता और सर्वोत्तम उद्योग प्रथाओं के साथ संरेखित करने के लिए अपने जोखिम प्रबंधन ढांचे की समीक्षा की है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि आरईसी के जोखिम प्रबंधन प्रथाएं सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में वैश्विक मानकों को पूरा करती हैं।

नवीकरणीय और गैर-जीवाश्म संबंधी कार्य

भारत की ऊर्जा संरचना का परिवर्तन गैर-जीवाश्म उत्पादन स्रोतों के विस्तार में निहित है। सघन जलवायु कार्रवाई के लिए निर्दिष्ट वर्ष के रूप में, वित्तीय वर्ष 2024-25 में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का अब तक का सबसे त्वरित प्रयास देखा गया—जिसमें आरईसी वित्तीय भागीदार की आधारशिला के रूप में उपस्थित रहा।

भारत ने रिकॉर्ड 30 गीगावॉट नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है, जिससे गैर-जीवाश्म क्षमता का कुल स्थापित आधार लगभग 220 गीगावॉट हो गया है। इस विस्तार का नेतृत्व सौर ऊर्जा ने किया, जिसमें पिछले वर्ष में 15 गीगावॉट से 24 गीगावॉट की वृद्धि हुई, जिससे संचयी स्थापित सौर क्षमता 106 गीगावॉट हो गई। इस आंकड़े में ग्राउंड-माउंटेड यूटिलिटी-स्केल प्लांट्स से 81 गीगावॉट, रूफटॉप इंस्टॉलेशन से 17 गीगावॉट, हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स से 3 गीगावॉट और ऑफ-ग्रिड सिस्टम से 5 गीगावॉट शामिल हैं।

पवन ऊर्जा क्षमता में भी संवर्धन देखा गया, जिसमें नीतिगत स्पष्टता, बेहतर पवन मानचित्रण और विभिन्न राज्यों में नए सिरे से निवेशकों की रुचि के कारण कुल 50 गीगावॉट तक पहुंचने के लिए 4 गीगावॉट की वृद्धि हुई।

इस विस्तार में आरईसी की भूमिका बहुआयामी रही है, क्योंकि हमने एंड-टू-एंड सौर पारिस्थितिक तंत्र को वित्तपोषित किया है। हमने राउंड-द-क्लाक (आरटीसी) नई-नई नवीकरणीय परियोजनाओं के लिए सहयोग दिया तथा सौर, पवन और भंडारण को प्रेषण योग्य हरित ऊर्जा समाधानों में संयोजित किया। विशेष रूप से, आरईसी ने प्रारंभिक चरण की ग्रीन हाइड्रोजन पहलों को वित्तपोषित करना शुरू कर दिया है। ये परियोजनाएं भारत की भविष्य की ऊर्जा रणनीति के विकेंद्रीकृत, विविध और डिजिटल रूप से सक्षम होने की अग्रदूत हैं। मजबूत वित्तपोषण ढांचे और नियामक तंत्रों द्वारा समर्थित ये उभरते कार्यक्षेत्र, भारत की 21 वीं सदी की ऊर्जा अर्थव्यवस्था के निर्माण के क्षेत्र बनेंगे।

कॉर्पोरेट सुशासन उत्कृष्टता एवं ईएसजी नेतृत्व

पर्यावरण एवं सामाजिक

आरईसी में, हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ वित्तपोषण परियोजनाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हम भारत के लिए एक हरित, समावेशी और लचीले ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण को सक्षम बनाने के लिए समर्पित हैं। ईएसजी सिद्धांत हमारे द्वारा लिए गए हर निर्णय का मार्गदर्शन करते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि स्थिरता एक अलग उद्देश्य नहीं है, बल्कि मुख्य तत्व है कि हम कैसे राष्ट्र का नेतृत्व करते हैं, निवेश करते हैं और प्रभावित डालते हैं। बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी पॉलिसी फ्रेमवर्क अब हमारे सभी मुख्य कार्यों को निर्देशित करता है तथा हमारे प्रचालन के केंद्र में स्थिरता को शामिल करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, हमारे ईएसजी जागरूकता सप्ताह ने कार्मिकों, नेतृत्व और भागीदारों को एकजुट करने तथा एक साझा "ईएसजी-प्रथम" मानसिकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं जहां प्रत्येक व्यक्ति ईएसजी को अपनी भूमिका के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देता है, इस प्रकार न केवल क्षमताओं बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक मानसिकता का निर्माण करता है।

पर्यावरण के प्रति किए जाने वाले कार्यों में हमारे प्रयास हमारे मिशन के केंद्र में हैं और सामाजिक दायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ गहराई से जुड़े हैं। भारत की हरित ऊर्जा क्रांति में सबसे अग्रणी, आरईसी नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों की ओर देश के परिवर्तन को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में कार्यरत है। नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी ऋणों में 49% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि और इसी अनुरूप संवितरण में 63% वृद्धि ने हरित ऊर्जा के वित्तपोषण के अंतर्गत आरईसी की सक्रिय पहल को प्रदर्शित किया है, जो इसे भारत के ऊर्जा परिदृश्य को नया आकार देने में आरईसी को एक प्रमुख इकाई के रूप में स्थापित करता है। प्रचालन के क्षेत्र में, आरईसी डीकार्बोनाइजेशन के लिए महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है तथा विद्युत अब हमारे स्कोप 1 और 2 उत्सर्जन के 85% के लिए जिम्मेदार है, हम अपनी ऑन-साइट सौर क्षमता को दोगुना कर रहे हैं और वित्तीय वर्ष 2025-26 से हमने अपने मुख्यालय में हरित ऊर्जा का स्रोत 100% करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त, हमारे कॉर्पोरेट कार्यालय के कुल वाहनों का 76% इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित हो गया है और हम सभी वाहनों में नवीन ऊर्जा-प्रबंधन तकनीक को लागू कर रहे हैं।

हमारी पर्यावरणीय पहलों के साथ-साथ, हम सभी ऋण मूल्यांकनों में सामाजिक सुरक्षा उपायों को शामिल करते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि सामुदायिक अधिकार, श्रम मानकों और समावेश को समस्त वित्त पोषण संबंधी निर्णयों में प्राथमिकता दी जाए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में,



हमारे प्रशिक्षण संस्थान आरईसीआईपीएमटी द्वारा हमारी सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हुए कार्मिकों और हितधारकों को कल्याण, मानवाधिकारों और सुरक्षा विषय पर 18,935 दिनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिक्षा, स्वास्थ्य-देखभाल, कौशल विकास और ऊर्जा पहुंच में हमारे सीएसआर कार्यक्रमों का विस्तार जारी है, जो सीधे उन समुदायों को लाभान्वित करते हैं जिनकी हम सेवा करते हैं। हमें शून्य-ग्राहक शिकायत दर और शून्य डेटा उल्लंघनों की रिपोर्ट पर भी गर्व है, जो हितधारकों के साथ विश्वास स्थापित करने वाली जिम्मेदार और पारदर्शी प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

निगमित सुशासन

हमने अपनी कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रथाओं को विकसित करना का कार्य जारी रखा है, अपने हितधारकों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, हम सभी स्तरों पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं। हमने प्रत्येक ऋण और विक्रेता निर्णय में ईएसजी मानदंडों को शामिल किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सुशासन और स्थायित्व हमारे व्यावसायिक व्यवहार का केंद्र बना रहे। हमारी सुशासन प्रतिबद्धता को निगमित सुशासन में उत्कृष्टता के लिए गोल्डन पीकाक अवार्ड 2024 और नेटवर्क 18 ग्रीन फाइनैसिंग अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

हमारा ध्यान नेट-शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारत की यात्रा में तेजी लाने के लिए हरित और समावेशी ऊर्जा वित्त को बढ़ाने पर बना हुआ है। हम नवीकरणीय ऊर्जा, उच्च दक्षता और स्वच्छ गतिशीलता के उपयोग के माध्यम से नेट-शून्य प्रचालन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसा कि हम अपनी आंतरिक ईएसजी क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं, हम पारदर्शी प्रदर्शन ट्रेकिंग को सुनिश्चित करेंगे और नए बेंचमार्क स्थापित करेंगे।

डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय नवाचार

उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था में, जहां गति, सुरक्षा और सेवा उत्कृष्टता व्यापार मॉडल को पुनः परिभाषित कर रही है, आरईसी ने प्रौद्योगिकी को एक सक्षमकर्ता और विभेदक दोनों रूप में अपनाया है। आरईसी हमेशा विकसित होने वाली ऊर्जा और विद्युत परिदृश्य में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने मूल मूल्यों द्वारा निर्देशित होते हुए लगातार जिम्मेदार एवं टिकाऊ विकास के नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

इस वर्ष, हमने अपने डिजिटल लेंडिंग इकोसिस्टम का व्यापक उन्नयन किया है। पूंजी बाजार की तरफ, हम हरित वित्त में अग्रणी बने हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरईसी ने ग्रीन बॉण्ड की अपनी नवीनतम किश्त जारी की, जिसे ईएसजी-केंद्रित संप्रभु और संस्थागत निवेशकों से भारी प्रतिक्रिया मिली। इन निधियों को यूटिलिटी-पैमाने पर सौर और पवन, मेट्रो और स्वच्छ शहरी परिवहन और ऊर्जा-कुशल सार्वजनिक अवसंरचना सहित अनेक योग्य हरित परियोजनाओं की ओर निर्देशित किया जा रहा है।

समानांतर रूप से, हम विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों और प्रौद्योगिकियों के लिए शून्य-कूपन कर योग्य बॉण्ड जैसे नए वित्तीय साधनों की संरचना कर रहे हैं। यह विविधीकरण भारत के जलवायु और विकास लक्ष्यों का समर्थन करने वाली परियोजनाओं के साथ पूंजी मिलान करने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है।

आरईसी स्मार्ट मीटरिंग, प्रीपेड बिलिंग सिस्टम, डेटा टेलीमेट्री और ऊर्जा प्रबंधन प्लेटफार्मों के लिए समर्थन के माध्यम से डिस्कॉम के वित्त को डिजिटाइज करने में भी तीव्र गति से सक्रिय भूमिका निभा रही है। राज्य यूटिलिटियों के साथ हमारे सहयोग ने बिलिंग दक्षता, राजस्व संग्रह और एटी एंड सी हानियों को कम करने में औसत दर्जे का सुधार किया है, जो पिछले कई वर्षों से चली आ रही यूटिलिटियों की चुनौतियों का समाधान करने में प्रौद्योगिकी की शक्ति को मान्यता प्रदान करता है। संक्षेप में, आरईसी का डिजिटल परिवर्तन स्वचालन तक सीमित नहीं है, यह संस्थागत चपलता, भविष्य द्रष्टा बुद्धिमत्ता और स्मार्ट पूंजी परिनियोजन के बारे में भी है, जो पूरे भारत की ऊर्जा और अवसंरचना के पारिस्थितिकी तंत्र में हमारी भूमिका को भविष्य में प्रमाणित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

एमओयू रेटिंग और पुरस्कार

वित्तीय वर्ष के लिए डीपीई, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के संदर्भ में कंपनी को अपने प्रदर्शन के लिए वर्ष 2024-25

में डीपीई द्वारा "उत्कृष्ट" रेटिंग दिए जाने की उम्मीद है जो अभी अंतिम मूल्यांकन के अधीन है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए भी कंपनी को "उत्कृष्ट" रेटिंग दी गई थी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी को विभिन्न पुरस्कारों और प्रशस्तियों से सम्मानित किया गया है जिसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता हेतु आईसीआई गोल्ड शील्ड, ट्रेजरी टुडे ग्रुप द्वारा 'बेस्ट फंडिंग सॉल्यूशन' के लिए एडम स्मिथ अवार्ड्स एशिया 2024, नेटवर्क 18 द्वारा आयोजित ग्रीन रिबन चैंपियंस 2024 में ग्रीन फाइनैसिंग में उत्कृष्टता पुरस्कार, भारत इलेक्ट्रिसिटी, पॉवरिंग इंडिया अवार्ड्स 2024 में 'नोडल एजेंसी ऑफ द ईयर' अवार्ड, एलेट्स इंडिया एआई समिट 2024 में 'जनरेटिव एआई इम्प्लीमेंटेशन इन आरईसी' के लिए 'टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड', आउटलुक प्लेनेट सस्टेनेबिलिटी समिट एंड अवार्ड्स 2024 में 'सस्टेनेबिलिटी चैंपियन - एडिटर्स च्वाइस अवार्ड' शामिल हैं।

सहायक कंपनी

आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अर्थात आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) विद्युत क्षेत्र में परियोजना कार्यान्वयन और परामर्श सेवाओं के व्यवसाय में लगी हुई है और यह वितरण प्रणाली सुदृढीकरण कार्यों के कार्यान्वयन, ग्रिड/ऑफ-ग्रिड सौर (पीवी) परियोजनाओं के कार्यान्वयन, स्मार्ट मीटरों की स्थापना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, तृतीय पक्ष निरीक्षण, प्रेषण पूर्व सामग्री निरीक्षण और डीडीयूजीजेवाई, आईपीडीएस जैसी अनेक राज्य/केन्द्र वित्तपोषित स्कीमों की कुछ परियोजनाओं के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसीपीडीसीएल ने पिछले वित्तीय वर्ष में ₹390.64 करोड़ की आय की तुलना में ₹551.57 करोड़ की आय दर्ज की। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर के बाद लाभ ₹261.65 करोड़ था, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में ₹149.64 करोड़ था। इसके अलावा, 31 मार्च, 2025 तक आरईसीपीडीसीएल की कुल संपत्ति ₹738.19 करोड़ थी, जबकि 31 मार्च, 2024 को कुल संपत्ति ₹567.17 करोड़ थी।

नीतिगत पहल

कंपनी नियमित रूप से व्यावसायिक मूल्यों को बढ़ाने और वैधानिक आवश्यकताओं और संशोधनों को पूरा करने के लिए अपने नीतिगत ढांचे की समीक्षा, अद्यतन और संवर्धन करती है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने विभिन्न नीतियों की शुरुआत करने और इन्हें संशोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी ने विभिन्न नीतियों की शुरुआत की है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ आंकड़ों की गोपनीयता नीति, हितधारक संबंध नीति, सार्वजनिक और नियामक निकायों के साथ जिम्मेदार एडवोकेसी पर नीति, मानवाधिकार नीति, सतत खरीद नीति, निजी और राज्य क्षेत्र की संस्थाओं की गैर-शक्ति अवसंरचना और रसद परियोजनाओं के वित्तपोषण, तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए नीति, राज्य और निजी क्षेत्र की संस्थाओं हेतु कंसंट्रेशन मानदंडों के लिए नीति, निजी और राज्य क्षेत्र की सड़क क्षेत्र की परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए परियोजना मूल्यांकन दिशा-निर्देश, व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा नीति तथा कोयला खनन परियोजनाओं पर नीति।

लोग एवं संस्कृति: आरईसी 2.0 का निर्माण

आरईसी में, हम मानते हैं कि हमारी मानव पूंजी हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक संपत्ति है जिसे निरंतर निवेश, संवर्धन और सशक्तिकरण की आवश्यकता है। जैसे-जैसे भारत का अवसंरचना परिदृश्य विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे आरईसी को सशक्त बनाने वाले लोगों की क्षमताएं, मानसिकता और सुगम्यता भी विकसित हो रही है।

हमने सीधी भर्ती अभियान के माध्यम से तकनीकी, वित्तीय और अन्य विषयों में 94 नए अधिकारियों की भर्ती की है। 31 मार्च, 2025 तक, हमारे कार्मिकों की कुल संख्या 575 थी।

इस वर्ष, हमारी मानव संसाधन रणनीति तीन प्राथमिकताओं द्वारा निर्देशित थी: भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को आकर्षित करना, नेतृत्व की रूप-रेखा का विकास करना और प्रदर्शन-उन्मुख संस्कृति को संस्थागत बनाना। इस दृष्टि के अनुरूप, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान संगठन के सभी स्तरों पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ये प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने, तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल में वृद्धि करने और कर्मिकों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक दक्षताओं से युक्त बनाने के लिए तैयार किए गए थे।

कुल मिलाकर, 416 कर्मिकों ने पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया, और 2,346 प्रशिक्षण दिनों का योगदान दिया। इन कार्यक्रमों में समकालीन और कार्यनीतिक की विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल रही, जिसमें नेतृत्व विकास, निगमित सुशासन, विद्युत क्षेत्र की प्रवृत्तियाँ एवं परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित वित्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल परिवर्तन आदि शामिल हैं।

सीएसआर नेतृत्व

आरईसी में, हम विकास की एक समग्र दृष्टि से निर्देशित होते हैं, जो पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक समानता के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करती है। सतत और समावेशी प्रगति के लिए हमारी प्रतिबद्धता उन पहलों में गहराईपूर्वक अंतर्निहित है जिनका हम समर्थन करते हैं। इसका उद्देश्य हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करना, वंचित समुदायों का उत्थान करना और पूरे देश में विवेकपूर्ण विकास को बढ़ावा देना है।

अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहलों के माध्यम से, हम अपने प्रयासों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हैं। हम आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित समुदायों को सशक्त बनाने पर विशेष जोर देते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि हम उन लोगों के जीवन को बेहतर बना पाएँ जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरईसी ने वैधानिक आवश्यकताओं से बढ़कर ₹294.01 करोड़ का अपना अब तक का सर्वाधिक सीएसआर व्यय हासिल किया। इन प्रयासों में स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता सहित कई क्षेत्रों में सार्थक और मापने योग्य परिवर्तन लाने के हमारे संकल्प को रेखांकित किया गया है।

यह अत्यंत गर्व का विषय है कि मैं राष्ट्र निर्माण में आरईसी की निरंतर भूमिका को साझा कर रहा हूँ। हमारा दृष्टिकोण पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ आर्थिक उन्नति को एकीकृत करता है, जो इस विश्वास में निहित है कि वास्तविक प्रगति न्यायसंगत और स्थायी दोनों होनी चाहिए।

हमारा सीएसआर व्यय स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण, शिक्षा और कौशल विकास, अवसंरचना और ग्रामीण विकास, खेल और राष्ट्र निर्माण पहल, आपदा राहत और पर्यावरण पहल, सामाजिक एवं सहचर्या पूंजी पर केन्द्रित था।

विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करना

वित्तीय वर्ष 2024-25 केवल एक राजकोषीय चक्र नहीं था, यह राष्ट्र-निर्माण की कहानी में आरईसी का एक निश्चित अध्याय था। ऐतिहासिक वित्तीय प्रदर्शन से लेकर सफल ईएसजी पहल तक; ग्रिड परिवर्तन से लेकर ग्रीन हाइड्रोजन पायलट तक; परंपरागत ऋण देने से लेकर भविष्य के वित्तपोषण तक, आरईसी ने भारत के अवसंरचना और ऊर्जा विकास के केंद्रीय स्तंभ के रूप में अपनी जगह सुनिश्चित किया है।

जैसे-जैसे हम अमृत काल की ओर बढ़ रहे हैं, अगले 25 वर्ष एक चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करते हैं। 2030 तक, भारत का लक्ष्य 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता स्थापित करना, 2070 तक कार्बन तटस्थता प्राप्त करना, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण शक्ति के साथ उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करना है।

आरईसी इस बदलाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम पूंजी को क्षमता में, निवेश को प्रभाव में और रणनीति को साझा राष्ट्रीय परिणामों में बदलने के कार्य में उत्प्रेरक बनेंगे।

भविष्य को देखते हुए, आरईसी के रोडमैप में उभरते अवसंरचना (ईवी, बंदरगाहों, हाइड्रोजन, डिजिटल राजमार्गों) क्षेत्र में सघन भागीदारी, हरित एवं परिवर्तनकारी वित्त के माध्यम से वैश्विक पूंजी जुटाना, एकीकृत ईएसजी प्रकटीकरण के माध्यम से हितधारक पारदर्शिता एवं राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) तथा पीएम गति शक्ति के साथ नीतिगत संरेखण शामिल है।

हम न केवल अपने शेयरधारकों के लिए बल्कि हर उस भारतीय के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर केंद्रित हैं, जिसका जीवन विद्युत और अवसंरचना से प्रभावित है जिसका हम वित्त पोषण करते हैं।

भारत जिसकी आबादी विश्व का लगभग छठा हिस्सा है, 2047 तक एक विकसित देश बनने की इच्छा रखता है। इसके लिए अवसंरचना के महत्वपूर्ण निर्माण और विनिर्माण आधार के विस्तार की आवश्यकता है जिसके लिए ऊर्जा की मांग को बढ़ाने की आवश्यकता है। विद्युत क्षेत्र में आरईसी की विशेषज्ञता इसे इस विकास के अवसर को भुनाने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित बनाती है। भारत की जनसांख्यिकीय ताकत, एक बड़ी और युवा आबादी तथा विद्युत की विशाल अव्यक्त मांग के साथ विद्युत क्षेत्र में तेजी से विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

आभार

पिछले पांच दशकों में, आरईसी ने भारत के विद्युत क्षेत्र को आकार देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। ग्रामीण घरों को रोशन करने से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में तेजी लाने तक, हमारी पहलों ने न केवल विभिन्न समुदायों को सशक्त बनाया है बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि और सतत विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस उल्लेखनीय यात्रा पर विचार करते हुए, मैं माननीय विद्युत और नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, माननीय विद्युत राज्य मंत्री, सचिव (विद्युत) और विद्युत मंत्रालय के सभी प्रतिष्ठित अधिकारियों को उनके दृढ़ समर्थन और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं हमारी होल्डिंग कंपनी, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भी उनकी स्थायी साझेदारी और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मैं वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम विभाग, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग, नीति आयोग, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंजों और डिपॉजिटरीज के अधिकारियों को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक सराहना करता हूँ।

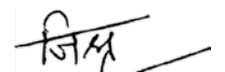
निगमित सुशासन के उच्चतम मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में, मैं भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, हमारे सांविधिक लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों, रजिस्ट्रारों और आरईसी से जुड़े सभी पेशेवरों के निरंतर परिश्रम और विशेषज्ञता के लिए उनकी भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

आरईसी की सफलता हमारे हितधारकों के अटूट विश्वास और समर्थन पर विकसित हुई है। मैं अपने शेयरधारकों, डिबेंचर धारकों, निवेशकों, ऋणदाताओं, उधारकर्ताओं और राज्य सरकारों, राज्य विद्युत संस्थाओं और निजी क्षेत्र के भागीदारों सहित सभी ग्राहकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ जिनका सहयोग हमारी उपलब्धियों का अभिन्न अंग रहा है।

अंत में, मैं बोर्ड में अपने सहयोगियों को उनकी बुद्धिमत्ता और रणनीतिक अंतर्दृष्टि के लिए और पूरी आरईसी टीम के प्रति उनके असाधारण समर्पण के लिए गहरा आभार व्यक्त करता हूँ। आपके निरंतर समर्थन के साथ, हम एक रोमांचक एवं नवीन अध्याय का शुभारंभ करने और आरईसी को और भी अधिक ऊँचाइयों तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं। धन्यवाद!

जय हिंद!

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,



स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 25 जुलाई, 2025

जितेंद्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और
निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)



आरईसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

पंजीकृत कार्यालय: कोर -4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली -110003

कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट नंबर I-4, सेक्टर 29, गुरुग्राम, हरियाणा-122001

दूरभाष: +91 124 444 1300 | वेबसाइट: www.recindia.nic.in | सीआईएन: L40101DL1969GOI005095

सूचना

एतद्वारा द्वारा सूचित किया जाता है कि आरईसी लिमिटेड ("आरईसी" / "कंपनी") की छप्पनवीं (56वीं) वार्षिक आम बैठक ("एजीएम") **बुधवार, 27 अगस्त, 2025 को सुबह 11:00 बजे**, भारतीय मानक समय ("आईएसटी") वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों ("वीसी / ओएवीएम") के माध्यम से निम्नलिखित व्यवसायों को पूरा करने के लिए आयोजित की जाएगी:

साधारण व्यवसाय:

मद संख्या 1: 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय विवरणों को प्राप्त करने, विचार करने, अनुमोदित करने और अपनाने के साथ-साथ निदेशक मंडल, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और उस पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां भी प्राप्त करना।

मद संख्या 2: वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के इकिटी शेयरों पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ अंतरिम लाभांश के भुगतान पर ध्यान देना तथा अंतिम लाभांश घोषित करना।

मद संख्या 3: श्री शशांक मिश्र (डीआईएन: 08364288) के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति करना, जो रोटेशन से सेवानिवृत्त हो रहे हैं तथा पात्र होने के कारण, पुनः नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं।

मद संख्या 4: वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वैधानिक लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक निर्धारित करना।

विशेष व्यवसाय:

मद संख्या 5: अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (डीआईएन: 06817799) की नियुक्ति।

निम्नलिखित प्रस्ताव पर विचार करना तथा यदि उचित समझा जाए तो उसे संशोधन सहित या उसके बिना **साधारण प्रस्ताव** के रूप में पारित करना:

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 152, 196 और अन्य लागू प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों, विनियम 17(1सी) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अन्य लागू प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों (किसी भी वैधानिक संशोधन, संशोधन या पुनः अधिनियमन सहित, जो वर्तमान में लागू हैं) के अनुसार, कंपनी के एसोसिएशन के लेख, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति द्वारा जारी दिनांक 18 अप्रैल, 2025 के संचार को विद्युत मंत्रालय ("एमओपी"), भारत सरकार द्वारा जारी दिनांक 21 अप्रैल, 2025 के आदेश के साथ पढ़ा जाए, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, आईएएस (डीआईएन: 06817799), जिन्हें नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर निदेशक मंडल द्वारा कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में नियुक्त किया गया था, और भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव का वेतन, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि अर्थात् 22 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा और जिसके संबंध में कंपनी को अधिनियम की धारा 160 के तहत निदेशक पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए लिखित रूप में एक सूचना प्राप्त हुआ है, उन्हें कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है और भारत सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति के नियमों और शर्तों के संबंध में जारी किए गए किसी भी आगे के आदेश के अधीन है और वह रोटेशन से सेवानिवृत्त होने के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।"

मद संख्या 6: अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319) की नियुक्ति।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और यदि उचित समझा जाए, तो संशोधन के साथ या उसके बिना, एक **विशेष संकल्प** के रूप में पारित करना:

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 149, 152 और अन्य लागू प्रावधानों और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों, विनियम 17 (1सी) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अन्य लागू प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों (किसी भी वैधानिक संशोधन, संशोधन या पुनः अधिनियमन सहित, जो वर्तमान में लागू हैं) के अनुसार, कंपनी के एसोसिएशन के लेख और 17 अप्रैल, 2025 के आदेश को विद्युत मंत्रालय ("एमओपी"), भारत सरकार द्वारा जारी 21 मई, 2025 के निवलिपत्र के साथ पढ़ा जाए, डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319), जिन्हें निदेशक मंडल द्वारा नामांकन और पारिश्रमिक समिति के सदस्य, श्री. के. श्रीनिवासन को कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में 17 अप्रैल, 2025 से नियुक्त किया गया है और जिनके संबंध में कंपनी को अधिनियम की धारा 160 के तहत निदेशक पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए लिखित में एक सूचना प्राप्त हुआ है, एतद्वारा उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तारीख (अर्थात् 17 अप्रैल, 2025) से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, उन्हें कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है, जो उनकी नियुक्ति के नियमों और शर्तों के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी किए गए किसी भी अन्य आदेश के अधीन होगा और वे रोटेशन से सेवानिवृत्त होने के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।"

मद संख्या 7: डॉ. दुर्गेश नंदिनी (डीआईएन: 09398540) अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और यदि उचित समझा जाए, तो संशोधन के साथ या उसके बिना, एक **विशेष संकल्प** के रूप में पारित करना:

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 149, 152 और अन्य लागू प्रावधानों और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों, विनियम 17 (1सी) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अन्य लागू प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों (किसी भी वैधानिक संशोधन, संशोधन या पुनः अधिनियमन सहित, जो वर्तमान में लागू हैं) के अनुसार, कंपनी के एसोसिएशन के लेख और 17 अप्रैल, 2025 के आदेश को विद्युत मंत्रालय ("एमओपी"), भारत सरकार द्वारा जारी 21 मई, 2025 के निवलिपत्र के साथ पढ़ा जाए, डॉ. दुर्गेश नंदिनी (डीआईएन: 09398540), जिन्हें निदेशक मंडल द्वारा नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सदस्य को कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में 17 अप्रैल, 2025 से नियुक्त किया गया है और जिनके संबंध में कंपनी को अधिनियम की धारा 160 के अंतर्गत निदेशक पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त हुई है, उन्हें एतद्वारा कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।"

उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि (अर्थात् 17 अप्रैल, 2025) से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, भारत सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति के नियमों और शर्तों के संबंध में जारी किए गए किसी भी अन्य आदेश के अधीन, और वे रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होने के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी।"

मद संख्या 8: प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के लिए अनुमोदन।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और यदि उचित समझा जाए, तो संशोधनों के साथ या बिना संशोधनों के, एक **विशेष संकल्प** के रूप में पारित करना:

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों (वर्तमान में लागू किसी भी वैधानिक संशोधन या पुनर्अधिनियम सहित) की धारा 42 और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के अनुसार, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 और उसके किसी भी संशोधन और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य लागू सेबी विनियमों और दिशानिर्देशों, परिपत्रों/निर्देशों/दशानिर्देशों सहित किसी भी अन्य लागू कानूनों के अनुसार, कंपनी के मेमोरेण्डम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के प्रावधानों और आवश्यक अनुमोदनों की प्राप्ति के अधीन, जो लागू हो सकते हैं और ऐसे अन्य अनुमोदन, अनुमतियाँ और स्वीकृतियाँ, जो आवश्यक हो सकती हैं, जिसमें किसी भी मौजूदा ऋणदाता का अनुमोदन शामिल है / डिबेंचर धारकों के ट्रस्टी, यदि शर्तों के तहत ऐसा आवश्यक हो समझौते/विलेख के अधीन और ऐसी शर्तों और संशोधनों के अधीन जो उनमें से किसी के द्वारा निर्धारित या लगाए जा सकते हैं, ऐसे अनुमोदन, अनुमति और प्रतिबंध प्रदान करते समय जिन पर कंपनी के निदेशक मंडल ("बोर्ड") या बोर्ड की किसी विधिवत गठित समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऐसे अन्य प्राधिकरण द्वारा सहमति व्यक्त की जा सकती है, शेयरधारकों की सहमति इस प्रस्ताव के पारित होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के दौरान ₹1,55,000 करोड़ तक के असुरक्षित/सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय बॉण्ड/ डिबेंचर के निजी प्लेसमेंट के माध्यम से धन जुटाने के लिए दी जाती है, एक या एक से अधिक किशतों में, ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को, जो कंपनी के बॉण्ड/डिबेंचर धारक हो भी सकते हैं और नहीं भी, जैसा कि बोर्ड (या बोर्ड की किसी विधिवत गठित समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऐसा अन्य प्राधिकरण) अपने विवेकाधिकार से तय कर सकता है, जिसमें पात्र निवेशक (चाहे निवासी और/या अनिवासी और/या संस्थान/निगमित निकाय और/या व्यक्ति और/या ट्रस्टी और/या बैंक या अन्यथा, घरेलू और/या एक या एक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निवेश किया जाएगा) जिसमें अनिवासी भारतीय, विदेशी संस्थागत निवेशक ("एफआईआई"), वेंचर कैपिटल फंड, विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशक, राज्य औद्योगिक विकास निगम, बीमा कंपनियाँ, भविष्य निधि, पेंशन फंड, विकास वित्तीय संस्थान, निगमित निकाय, कंपनियाँ, निजी या सार्वजनिक या अन्य संस्थाएँ, प्राधिकरण और ऐसे अन्य व्यक्तियों को एक या एक से अधिक संयोजनों में एक या एक से अधिक चरणों में निजी प्लेसमेंट के माध्यम से और ग्रीन-शू विकल्प (ऊपर बताए अनुसार ₹1,55,000 करोड़ की समग्र सीमा के भीतर) का प्रयोग शामिल है।"

यदि कोई हो, तो दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित शर्तों पर, जो लागू हो सकती हैं और बोर्ड या बोर्ड की किसी विधिवत गठित समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा अंतिम रूप दिए जा सकने वाले नियमों और शर्तों पर।

"इसके अलावा यह भी प्रस्ताव किया गया कि असुरक्षित/प्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय बॉण्डों/डिबेंचर के किसी भी निजी प्लेसमेंट को प्रभावी करने के उद्देश्य से, कंपनी के निदेशक मंडल ("बोर्ड") या बोर्ड की विधिवत गठित समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऐसा कोई अन्य प्राधिकारी, निर्गम की शर्तों को निर्धारित करने के लिए एतद्वारा अलग-अलग अधिकृत होगा, जिसमें निवेशकों का वह वर्ग शामिल है, जिन्हें बॉण्ड/डिबेंचर आवंटित किए जाने हैं, प्रत्येक चरण में आवंटित किए जाने वाले बॉण्डों/डिबेंचर की संख्या, निर्गम मूल्य, अवधि, ब्याज दर, तत्कालीन प्रचलित बाजार मूल्य पर प्रीमियम/छूट, निर्गम की राशि, बॉण्ड/डिबेंचर धारकों के एक वर्ग को निर्गम मूल्य पर छूट, लिस्टिंग, कोई घोषणा/वचन जारी करना आदि, जिन्हें निजी प्लेसमेंट प्रस्ताव पत्र में शामिल करना आवश्यक है और ऐसे सभी कार्य, कर्म और चीजें करना और निष्पादित करना, जैसा कि वर्तमान में लागू किसी अन्य नियामक आवश्यकता के तहत आवश्यक हो सकता है।"

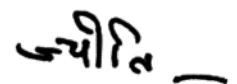
मद संख्या 9: सचिवीय लेखा परीक्षक की नियुक्ति।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और यदि उचित समझा जाए, तो संशोधन सहित या उसके बिना, एक **साधारण संकल्प** के रूप में पारित करना:

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 204 और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हों, के अनुसरण में, कंपनी (प्रबंधकीय कार्यों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 9 के साथ पठित, (इसमें वर्तमान में लागू किसी भी वैधानिक संशोधन या पुनः अधिनियमन सहित) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 24ए, जैसा कि संशोधित किया गया है, समय-समय पर जारी परिपत्रों के साथ और कंपनी की लेखा परीक्षा समिति और निदेशक मंडल की सिफारिश के आधार पर, मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव (फर्म पंजीकरण संख्या 10001) की नियुक्ति के लिए शेयरधारकों की सहमति प्रदान की जाती है। P2003DE049100) को कंपनी के सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में वित्तीय वर्ष 2025-26 से वित्तीय वर्ष 2029-30 तक, लगातार पाँच (5) वित्तीय वर्षों की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। इस अवधि में कंपनी का सचिवीय लेखा-परीक्षण किया जाएगा और कंपनी के निदेशक मंडल (उसकी किसी भी समिति सहित) द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक सहित ऐसे नियमों और शर्तों पर सचिवीय लेखा-परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।"

"इसके अतिरिक्त, यह भी संकल्प लिया जाता है कि कंपनी सचिव को ऐसे सभी कार्य, विलेख, कार्य करने और ऐसे सभी दस्तावेजों और लेखों पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत किया जाता है जो इस संकल्प को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं, जिसमें कंपनी रजिस्ट्रार और अन्य वैधानिक प्राधिकरणों के पास आवश्यक प्रपत्र दाखिल करना भी शामिल है।"

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते आरईसी लिमिटेड



स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 25 जुलाई, 2025

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक और कंपनी सचिव



टिप्पणियाँ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 102 के अनुसार व्याख्यात्मक विवरण, जिसमें संलग्न सूचना के मद संख्या 5 से 9 के अंतर्गत व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य दिए गए हैं, इसके साथ संलग्न है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 24 जुलाई, 2025 को आयोजित अपनी बैठकों में यह विचार किया कि सूचना के मद संख्या 5 से 9 में उल्लिखित विशेष व्यवसाय की मदें, अपरिहार्य प्रकृति की होने के कारण, कंपनी की 56वीं वार्षिक आम बैठक में निष्पादित की जाएंगी।
2. दिनांक 19 सितंबर, 2024 के परिपत्र को दिनांक 25 सितंबर, 2023, 28 दिसंबर, 2022, 5 मई, 2020, 13 अप्रैल, 2020 और 8 अप्रैल, 2020 के परिपत्रों और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अन्य प्रासंगिक परिपत्रों ("एमसीए परिपत्र") और दिनांक 3 अक्टूबर, 2024, 7 अक्टूबर, 2023, 5 जनवरी, 2023, 13 मई, 2022, 15 जनवरी, 2021 और 12 मई, 2020 के परिपत्रों और भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड ("सेबी परिपत्र") द्वारा जारी अन्य प्रासंगिक परिपत्रों के साथ पढ़ें और अधिनियम और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम") के प्रावधानों के अनुपालन में, कंपनी की 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से आयोजित की जा रही है, जिसमें सदस्यों की एक ही स्थान पर भौतिक उपस्थिति के बिना आयोजित किया जाएगा, 56वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में किया जाएगा।
3. ऊपर उल्लिखित एमसीए और सेबी परिपत्रों के अनुसार, वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में सदस्यों की भौतिक उपस्थिति और प्रॉक्सी नियुक्त करने की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। तदनुसार, उपस्थिति पर्वी, प्रॉक्सी फॉर्म और रूट मैप इस सूचना के साथ संलग्न नहीं हैं। हालाँकि, अधिनियम की धारा 112 और धारा 113 के अनुसरण में, वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से पहले रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान करने, वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने और वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के लिए सदस्यों के प्रतिनिधियों की नियुक्ति की जा सकती है।
4. वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से 56वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों की उपस्थिति को अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम की गणना के उद्देश्य से गिना जाएगा।
5. संयुक्त धारकों द्वारा मतदान के मामले में, ऐसे संयुक्त धारक द्वारा मतदान, जो कट-ऑफ तिथि के अनुसार कंपनी के सदस्यों के रजिस्टर के अनुसार नामों के क्रम में उच्चतर है, इस बैठक के उद्देश्य के लिए हकदार होगा और गिना जाएगा।
6. उपरोक्त एमसीए और सेबी परिपत्रों के अनुरूप, 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना और वार्षिक रिपोर्ट उन सभी सदस्यों को ई-मेल द्वारा भेजी जा रही है, जिनकी ई-मेल आईडी कंपनी/ डिपॉजिटरी(यों) में पंजीकृत हैं। सूचना सहित वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट www.recindia.nic.in, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.nseindia.com, बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ("एनएसडीएल") की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध है।

कंपनी ने भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को वित्तीय वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट और कंपनी के अन्य अपडेट प्राप्त करने के लिए अपनी ई-मेल आईडी पंजीकृत/अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन भी प्रकाशित किए थे।

जो शेयरधारक अभी तक अपनी ई-मेल आईडी अपडेट नहीं कर पाए हैं, वे ई-मेल आईडी के पंजीकरण के लिए नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन कर सकते हैं।

- यदि शेयर डीमैट मोड में रखे गए हैं, तो सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने डिपॉजिटरी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) से संपर्क करें और डीपी द्वारा

बताई गई प्रक्रिया के अनुसार अपने डीमैट खाते में ईमेल पता पंजीकृत/अपडेट करें।

- यदि शेयर भौतिक मोड में रखे गए हैं, तो कृपया फोलियो नंबर, नाम, शेयर प्रमाणपत्र (आगे और पीछे) की स्कैन की गई प्रति, पैन कार्ड और आधार कार्ड का उल्लेख करते हुए virenders@alankit.com या complianceofficer@recindia.com पर ईमेल भेजें।
7. संस्थागत निवेशकों सहित कंपनी के सभी सदस्यों को वार्षिक आम बैठक में उपस्थित होने और वार्षिक आम बैठक में निपटाए जाने वाले मदों पर मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कॉर्पोरेट सदस्य/संस्थागत निवेशक, जो अधिनियम की धारा 113 के अनुसार अपने अधिकृत प्रतिनिधियों को वीसी/ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक आम बैठक में उपस्थित होने के लिए नियुक्त करना चाहते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे बोर्ड के प्रस्ताव/प्राधिकरण पत्र की एक प्रमाणित प्रति, sachincs2022@gmail.com पर ईमेल द्वारा संवीक्षक को भेजें, जिसकी एक प्रति evoting@nsdl.com पर भी भेजी जाए।
 8. कंपनी ने 56वीं वार्षिक आम बैठक में किए जाने वाले व्यवसाय के मद(मदों) पर मतदान की पात्रता निर्धारित करने के लिए **कट-ऑफ तिथि बुधवार, 20 अगस्त, 2025** निर्धारित की है, जैसा कि सूचना में विस्तृत है। कोई भी व्यक्ति जो कंपनी के शेयर प्राप्त करता है और सूचना भेजने के बाद कंपनी का सदस्य बनता है और कट-ऑफ तिथि तक शेयर धारण करता है, वह evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेजकर ई-वोटिंग के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। हालाँकि, यदि वह पहले से ही रिमोट ई-वोटिंग के लिए एन एस डी एल के साथ पंजीकृत है, तो वह वोट डालने के लिए अपनी मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है। कोई भी शेयरधारक जो अपनी शेयरधारिता का निपटान इस प्रकार करता है कि वह कट-ऑफ तिथि तक सदस्य नहीं रहता है, उसे इस सूचना को केवल सूचना के उद्देश्य से लेना चाहिए।
 9. कंपनी सचिव, सचिन अग्रवाल (एफसीएस संख्या 5774) और उनकी अनुपस्थिति में, मैसर्स अग्रवाल एस एंड एसोसिएट्स, कंपनी सेक्रेटरीज से सीएस श्वेता जैन (एफसीएस संख्या 7152) को 56वीं वार्षिक आम बैठक में किए जाने वाले व्यवसाय के मदों के संबंध में शेयरधारकों द्वारा डाले गए वोटों की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करने के लिए स्कूटिनाइजर के रूप में नियुक्त किया गया है।
 10. ऊपर उल्लिखित एमसीए और सेबी परिपत्रों के प्रावधानों, कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 के साथ पठित अधिनियम की धारा 108, लिस्टिंग विनियमों के विनियम 44 और भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा जारी सामान्य बैठकों पर सचिवीय मानकों के अनुपालन में, कंपनी शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान कर रही है ताकि वे सूचना में उल्लिखित मदों पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकें। जो शेयरधारक रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट डालने का विकल्प नहीं चुनते हैं, वे वार्षिक आम बैठक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के माध्यम से अपना वोट डाल सकते हैं।

एनएसडीएल रिमोट ई-वोटिंग, वीसी/ओएवीएम के माध्यम से 56वीं एजीएम में भागीदारी और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के माध्यम से 56वीं एजीएम के दौरान मतदान की सुविधा प्रदान करेगा। रिमोट ई-वोटिंग की अवधि **रविवार, 24 अगस्त, 2025 (0900 बजे)** से शुरू होकर **मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 (1700 बजे)** को समाप्त होगी। इसके बाद, मतदान के लिए एनएसडीएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

सदस्य 56वीं वार्षिक आम बैठक (वीसी/ओएवीएम) में वीसी/ओएवीएम के माध्यम से शामिल हो सकते हैं, जो **27 अगस्त, 2025 को सुबह 10:45 बजे (आईएसटी)** से, यानी निर्धारित समय से 15 मिनट पहले, सदस्यों के लिए खुली रहेगी और कंपनी वीसी/ओएवीएम सुविधा में शामिल होने के लिए समय सीमा निर्धारित समय के 30 मिनट बाद, यानी वार्षिक आम बैठक की तिथि को सुबह **11:30 बजे** तक बंद कर सकती है। कृपया इस सूचना के साथ संलग्न रिमोट ई-वोटिंग, वीसी/ओएवीएम के माध्यम से 56वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लेने और वार्षिक आम बैठक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के लिए विस्तृत निर्देश देखें।

कंपनी, लिस्टिंग विनियमों के अनुपालन में, एनएसडीएल की वेबसाइट पर वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की कार्यवाही का वेबकास्टिंग करेगी। सदस्य अपने सुरक्षित लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर लॉग इन करके कार्यवाही देख सकते हैं।

11. कंपनी के एसोसिएशन के लेखों के अनुच्छेद 114 के अनुसरण में, अधिनियम की धारा 123 और उसके तहत बनाए गए नियमों के साथ, समय-समय पर संशोधित, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए चार बार अंतरिम लाभांश घोषित और भुगतान किया, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है:

क्र. सं.	विवरण	प्रति राशि इक्विटी शेयर (₹)	घोषणा की तिथि	भुगतान की तिथि
1.	पहला अंतरिम लाभांश	3.50	27 जुलाई, 2024	23 अगस्त, 2024
2.	दूसरा अंतरिम लाभांश	4.00	26 अक्टूबर, 2024	22 नवम्बर, 2024
3.	तीसरा अंतरिम लाभांश	4.30	06 फरवरी, 2025	06 मार्च, 2025
4.	चौथा अंतरिम लाभांश	3.60	19 मार्च, 2025	16 अप्रैल, 2025

इसके अलावा, कंपनी के निदेशक मंडल ने 8 मई, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹2.60 प्रति इक्विटी शेयर की दर से अंतिम लाभांश की सिफारिश की थी और उक्त लाभांश, यदि आगामी एजीएम में सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो कंपनी की 56वीं एजीएम की तारीख से तीस दिनों के भीतर सदस्यों को या उनके अधिदेश के अनुसार भुगतान किया जाएगा:

(क) **गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 ('रिकॉर्ड तिथि')** को व्यावसायिक घंटों की समाप्ति तक, डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध कराए जा सकने वाले आंकड़ों के अनुसार डिमटेरियलाइज्ड रूप में रखे गए शेयरों के संबंध में सभी लाभकारी मालिकों के लिए।

(ख) **गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 ('रिकॉर्ड तिथि')** को व्यावसायिक घंटों की समाप्ति के अनुसार कंपनी के साथ दर्ज वैध ट्रांसमिशन या ट्रांसपोज़िशन अनुरोधों को प्रभावी करने के बाद भौतिक रूप में रखे गए शेयरों के संबंध में सभी सदस्यों के लिए।

सेबी ने 23 जून, 2025 के अपने मास्टर परिपत्र और अन्य लागू परिपत्रों के माध्यम से, आरटीए द्वारा निवेशक सेवा अनुरोधों के प्रसंस्करण के लिए सामान्य और सरलीकृत मानदंड और पैर, केवाईसी (संपर्क विवरण, बैंक विवरण और नमूना हस्ताक्षर) और नामांकन विवरण प्रस्तुत करने के मानदंड निर्धारित किए हैं। उक्त परिपत्र के अनुसार, प्रतिभूतियों को भौतिक रूप में रखने वाले शेयरधारकों के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पैर, केवाईसी और नामांकन विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जिन भौतिक फोलियो में उक्त विवरण उपलब्ध नहीं हैं, वे आवश्यक विवरण दर्ज करने के बाद ही शिकायत दर्ज करने या कोई सेवा अनुरोध करने के पात्र होंगे। ऐसे फोलियो के संबंध में लाभांश सहित कोई भी भुगतान 1 अप्रैल, 2024 से आवश्यक विवरण दर्ज करने पर केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाएगा। इसके अलावा, सेबी द्वारा अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित प्रासंगिक अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न को निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: <https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doFaq=yes>

इसके अलावा, वित्त अधिनियम, 2020 के अनुसार, शेयरधारकों के हाथों में लाभांश आय कर योग्य है और कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 ("आईटी अधिनियम") में निर्धारित दरों पर सदस्यों को दिए गए लाभांश से स्रोत पर कर ("टीडीएस") काटना आवश्यक है। भविष्य में कंपनी द्वारा घोषित लाभांश के संबंध में टीडीएस आवश्यकताओं के अनुपालन को सक्षम करने के लिए, सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक आधार पर फॉर्म 15जी/15एच जमा करें और अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के

साथ या भौतिक रूप में रखे गए शेयरों के मामले में, कंपनी/आरटीए के साथ आईटी अधिनियम के अनुसार अपनी आवासीय स्थिति, पैर, श्रेणी के बारे में विवरण अपडेट करें, ताकि भविष्य में कंपनी द्वारा किए गए लाभांश भुगतान के संबंध में लागू दरों के अनुसार स्रोत पर कर, यदि कोई हो, काटा जा सके।

12. सूचीकरण विनियमों के विनियम 36 और सचिवीय मानक-2 के अंतर्गत अपेक्षित नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति चाहने वाले निदेशकों का संक्षिप्त बायोडाटा/प्रोफाइल इसके साथ संलग्न है और सूचना का हिस्सा है।
13. अधिनियम की धारा 139(5) के अनुसार, किसी सरकारी कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएडएजी) द्वारा की जाती है और अधिनियम की धारा 142 के अनुसार, उनका पारिश्रमिक कंपनी द्वारा एक आम बैठक में या कंपनी द्वारा एक आम बैठक में निर्धारित तरीके से तय किया जाएगा।

20 अगस्त, 2024 को आयोजित कंपनी की 55वीं वार्षिक आम बैठक में, शेयरधारकों ने अधिनियम की धारा 142 सहपठित धारा 139(5) के अनुसरण में निदेशक मंडल को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक निर्धारित करने और अनुमोदित करने हेतु अधिकृत किया। तदनुसार, निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹68,00,000/- (केवल अड़सठ लाख रुपये) के पारिश्रमिक और लागू करों के भुगतान को मंजूरी दी, जिसे सांविधिक लेखा परीक्षकों, अर्थात् मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। बोर्ड ने यह भी अनुमोदित किया है कि उक्त पारिश्रमिक के अतिरिक्त, सांविधिक लेखा परीक्षकों को बाहरी लेखा परीक्षा कार्य के लिए वास्तविक उचित यात्रा भत्ता और जेब खर्च का भुगतान किया जा सकता है, जैसा कि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/निदेशक (वित्त) द्वारा तय किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति अभी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा की जानी है। इसके अतिरिक्त, सदस्यों से अनुरोध है कि वे कंपनी के निदेशक मंडल को कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, जैसा भी उचित समझा जाए, उचित पारिश्रमिक निर्धारित करने के लिए अधिकृत करें।

14. समय-समय पर संशोधित लिस्टिंग विनियमों के विनियम 40 के अनुसार, प्रतिभूतियों का हस्तांतरण, प्रेषण और स्थानांतरण केवल डीमैट रूप में ही किया जाएगा। तदनुसार, हम सभी शेयरधारकों से अनुरोध करते हैं कि वे अपने शेयरों को डीमैट रूप में ही रखें क्योंकि इससे भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों के क्षतिग्रस्त/खो जाने और जालसाजी की संभावना समाप्त हो जाती है और शेयरों का कागज़ रहित व्यापार आसान और सुविधाजनक हो जाता है। सदस्य इस संबंध में सहायता के लिए कंपनी या अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड (आरटीए) से संपर्क कर सकते हैं।

(क) इसके अलावा, एक से अधिक फोलियो में समान नाम क्रम में भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे कंपनी या आरटीए को शेयर प्रमाणपत्रों सहित ऐसे फोलियो का विवरण भेजें और साथ ही अपनी होल्डिंग को एक फोलियो में समेकित करने के लिए आवश्यक केवाईसी दस्तावेज भी भेजें। शेयर प्रमाणपत्रों के समेकन के अनुरोधों को डीमैट रूप में संसाधित किया जाएगा।

(ख) सेबी ने 25 जनवरी, 2022 के अपने परिपत्र और अन्य लागू परिपत्रों के माध्यम से सूचीबद्ध कंपनियों को सेवा अनुरोधों जैसे डुप्लिकेट प्रतिभूति प्रमाणपत्र जारी करना; दावा न किए गए सर्वेस खाते से दावा; प्रतिभूति प्रमाणपत्र का नवीनीकरण/विनियम; पृष्ठानकन; प्रतिभूति प्रमाणपत्र का उप-विभाजन/विभाजन; प्रतिभूति प्रमाणपत्र/फोलियो का समेकन; प्रेषण और स्थानांतरण पर कार्यवाई करते समय केवल डीमैट रूप में प्रतिभूतियां जारी करने का आदेश दिया है। इसलिए, सदस्यों से अनुरोध है कि वे विधिवत भरा हुआ और हस्ताक्षरित फॉर्म आईएसआर-4 जमा करके सेवा अनुरोध करें, जिसका प्रारूप कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/forms49> और कंपनी के आरटीए



की वेबसाइट <https://alankitassignments.com/investor-charter> पर उपलब्ध है। कृपया ध्यान दें कि किसी भी सेवा अनुरोध पर शेयरधारकों द्वारा केवाईसी का अनुपालन करने के बाद ही कार्रवाई की जा सकती है।

- (ग) सेबी के दिशानिर्देशों/परिपत्रों के अनुसार, सुरक्षा धारक जिनके फोलियो में पैन्, नामांकन का विकल्प, संपर्क विवरण, बैंक खाता विवरण और नमूना हस्ताक्षर अपडेट नहीं हैं, वे पैन्, केवाईसी विवरण और नामांकन प्रस्तुत करने के बाद ही आरटीए से शिकायत दर्ज करने या कोई सेवा अनुरोध प्राप्त करने के पात्र होंगे। तदनुसार, भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से एक बार फिर अनुरोध किया जाता है कि वे पैन्, केवाईसी विवरण और अन्य विवरण कंपनी के आरटीए को निर्धारित प्रपत्रों में तुरंत प्रस्तुत करें, जो कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/forms> या आरटीए <https://alankitassignments.com/investor-charter> पर उपलब्ध है।

इसके अलावा, कंपनी ने संबंधित शेयरधारकों को भी इस संबंध में सूचना भेज दी है। इसके अलावा, डीमैट मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट ("डीपी") के साथ अपने केवाईसी, बैंक और अन्य आवश्यक विवरण अपडेट कर लें।

15. चूंकि सेबी ने निवेशकों को भुगतान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक भुगतान मोड का उपयोग अनिवार्य कर दिया है, इसलिए सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे अपने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सिस्टम (एनईसीएस)/राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी)/ डायरेक्ट क्रेडिट मैडेट या उसमें बदलाव जमा करें, ताकि कंपनी लाभांश का भुगतान कर सके। भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारक कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध एनईसीएस/एनईएफटी/डायरेक्ट क्रेडिट मैडेट फॉर्म को कंपनी के आरटीए को इस पते पर भेज सकते हैं यानी **अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, यूनिट: आरईसी लिमिटेड, 205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055**। इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारक एनईसीएस / एनईएफटी / डायरेक्ट क्रेडिट मैडेट फॉर्म सीधे अपने डीपी को भेज सकते हैं।
16. जिन सदस्यों ने अपने लाभांश वारंट/डिमांड ड्राफ्ट को उसकी वैधता अवधि के भीतर प्राप्त/नकद नहीं किया है, वे वारंट/डिमांड ड्राफ्ट को पुनः मान्य करने या ऐसे वारंट/डिमांड ड्राफ्ट के बदले ऑनलाइन भुगतान के लिए कंपनी के पंजीकृत कार्यालय या कंपनी के आरटीए को लिख सकते हैं।
17. सदस्यों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखापरीक्षा, स्थानांतरण एवं वापसी) नियम, 2016 ("आईईपीएफ नियम") के साथ पठित अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यदि लाभांश कंपनी के अवैतनिक लाभांश खाते में स्थानांतरण की तिथि से 7 वर्ष की अवधि के भीतर भुनाया नहीं जाता है, तो उसे निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि ("आईईपीएफ") में स्थानांतरित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, वे सभी शेयर जिनके लाभांश अवैतनिक लाभांश खाते में स्थानांतरण की तिथि से लगातार 7 वर्ष या उससे अधिक समय तक बिना दावे के रहे हैं, उन्हें भी आईईपीएफ में स्थानांतरित किया जाना आवश्यक होगा। इसे देखते हुए, सदस्यों से अनुरोध है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर कंपनी से अपने लाभांश का दावा करें। अधिनियम और आईईपीएफ नियमों के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के पास पड़ी अवैतनिक और दावा न की गई राशियों का अपेक्षित विवरण कंपनी की वेबसाइट (www.recindia.nic.in) और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इसके अलावा, निवेशक-वार राशियों और शेयरों का विवरण, जो कंपनी द्वारा पहले ही आईईपीएफ में स्थानांतरित कर दिया गया है, कंपनी की वेबसाइट यानी www.recindia.nic.in पर उपलब्ध है।

इसके अलावा, अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए दावा न किया गया अंतिम लाभांश और वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए दावा न किया गया अंतरिम लाभांश क्रमशः अक्टूबर, 2025 और अप्रैल, 2026 में आईईपीएफ में स्थानांतरित होने के लिए देय होगा।

सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे वित्तीय वर्ष 2017-18 और उसके बाद के अंतिम लाभांश के संबंध में अवैतनिक/अदावाकृत लाभांश राशि, यदि कोई हो, का दावा कंपनी के आरटीए, यूनिट: आरईसी लिमिटेड, 205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान, एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055 को अनुरोध भेजकर या 91-1142541234 पर कॉल करके या 'virenders@alankit.com' पर ईमेल करके करें। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2017-18 और पहले के लाभांश के लिए अंतरिम लाभांश से संबंधित लाभांश की अवैतनिक/अदावाकृत राशि कंपनी द्वारा पहले ही आईईपीएफ में स्थानांतरित कर दी गई है और तदनुसार, ऐसी राशियों के संबंध में कोई भी दावा वैधानिक प्रावधानों के अनुसार सीधे आईईपीएफ प्राधिकरण को किया जाना है।

जिन सदस्यों के अवैतनिक लाभांश और/या शेयर आईईपीएफ में स्थानांतरित कर दिए गए हैं, वे कंपनी या आरटीए से संपर्क कर सकते हैं और पात्रता पत्र जारी करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा कर सकते हैं। सदस्य पात्रता पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर सकते हैं और लाभांश और/या शेयरों का दावा करने के लिए <https://www.mca.gov.in> पर उपलब्ध आईईपीएफ-5 फॉर्म भर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/iepf-details> देखें।

18. अधिनियम की धारा 72 के प्रावधानों के अनुसार, सदस्यों को उनके द्वारा धारित शेयरों के संबंध में नामांकन करने की सुविधा उपलब्ध है। जिन सदस्यों ने अभी तक अपना नामांकन पंजीकृत नहीं कराया है, उनसे अनुरोध है कि वे फॉर्म संख्या एसएच-13 जमा करके नामांकन दर्ज कराएं। यदि कोई सदस्य पूर्व नामांकन से बाहर निकलना या उसे रद्द करके नया नामांकन दर्ज कराना चाहता है, तो वह फॉर्म आईएसआर-3 या एसएच-14, जैसा भी मामला हो, जमा करा सकता है। उक्त फॉर्म कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/forms> से डाउनलोड किए जा सकते हैं। सदस्यों से अनुरोध है कि यदि शेयर उनके पास डीमैट रूप में हैं, तो वे उक्त विवरण अपने डीपी को और यदि शेयर भौतिक रूप में हैं, तो कंपनी के आरटीए को जमा कराएं।
19. अधिनियम के तहत निर्धारित वैधानिक रजिस्टर और सूचना में उल्लिखित सभी दस्तावेज, इस सूचना के प्रसारित होने की तिथि से लेकर वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की तिथि अर्थात् 27 अगस्त, 2025 तक, सदस्यों द्वारा बिना किसी शुल्क के, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे। उक्त दस्तावेजों के निरीक्षण के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे कंपनी को complianceofficer@recindia.com पर एक ई-मेल भेजें।
20. इस बैठक के किसी भी कार्य-वस्तु के बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपना नाम, डीमैट खाता संख्या/फोलियो संख्या, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर सहित एक ई-मेल complianceofficer@recindia.com पर वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की तिथि से कम से कम सात दिन पहले भेजें और कंपनी द्वारा उसका उचित उत्तर दिया जाएगा।
21. संवीक्षक वार्षिक आम बैठक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक मतदान की समाप्ति के बाद, इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली के माध्यम से बैठक में डाले गए मतों का मूल्यांकन करेगा, उसके बाद, दूरस्थ ई-वोटिंग के माध्यम से डाले गए मतों को अनब्लॉक करेगा और एक समेकित संवीक्षक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे बैठक के अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा।
22. ई-वोटिंग के परिणाम, जिसमें प्रत्येक प्रस्ताव के पक्ष या विपक्ष में डाले गए मतों की संख्या, अमान्य मत और प्रस्ताव लागू हुआ है या नहीं, संवीक्षक रिपोर्ट के साथ, कंपनी की वेबसाइट (www.recindia.nic.in)

और एनएसडीएल की वेबसाइट (www.evoting.nsdl.com) पर अपलोड किए जाएंगे और निर्धारित समय-सीमा के भीतर बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड को भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा, यदि प्रस्ताव शेयरधारकों द्वारा पारित कर दिया जाता है, तो उसे 56वीं वार्षिक आम बैठक की तिथि को पारित माना जाएगा।

23. जो सदस्य वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान अपने विचार व्यक्त करना चाहते हैं या प्रश्न पूछना चाहते हैं, वे अपने पंजीकृत ईमेल पते से अपना नाम, डीपी आईडी और क्लाइंट आईडी/फोलियो नंबर, पैन, मोबाइल नंबर सहित complianceofficer@recindia.com पर **रविवार, 24 अगस्त, 2025 (शाम 5:00 बजे आईएसटी)** तक अनुरोध भेजकर स्वयं को वक्ता के रूप में पंजीकृत करा सकते हैं। जिन सदस्यों ने स्वयं को वक्ता के रूप में पंजीकृत किया है, उन्हें केवल वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान ही अपने विचार व्यक्त करने/प्रश्न पूछने की अनुमति होगी। कंपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के लिए समय की उपलब्धता के आधार पर वक्ताओं की संख्या को सीमित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।
24. सेबी ने 31 जुलाई, 2023 और 4 अगस्त, 2023 के परिपत्रों के माध्यम से, 31 जुलाई, 2023 के मास्टर परिपत्र और अन्य सभी लागू परिपत्रों (उनके अद्यतन/संशोधन सहित) के साथ पठित, भारतीय प्रतिभूति बाजार में उत्पन्न होने वाले विवादों के समाधान के लिए एक सामान्य ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल ("ओडीआर पोर्टल") स्थापित किया है। उपर्युक्त परिपत्रों के अनुसार, आरटीए/कंपनी के साथ सीधे और मौजूदा एससीओआरईएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी शिकायतों का समाधान करने के विकल्प समाप्त होने के बाद, निवेशक ओडीआर पोर्टल (<https://smartodr.in/login>) के माध्यम से विवाद समाधान शुरू कर सकते हैं और इसे कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/smart-odr-portal> के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है।
25. धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने के लिए, सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे उचित सावधानी बरतें और किसी भी सदस्य के पते में किसी भी बदलाव या निधन के बारे में जल्द से जल्द कंपनी को सूचित करें। सदस्यों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे अपने डीमैट खाते को लंबे समय तक निष्क्रिय न छोड़ें। संबंधित डीपी से होल्डिंग्स का आवधिक विवरण प्राप्त किया जाना चाहिए और समय-समय पर होल्डिंग्स का सत्यापन किया जाना चाहिए।
26. सेबी के 2 जुलाई, 2025 के परिपत्र के अनुसार, 7 जुलाई, 2025 से 6 जनवरी, 2026 तक छह महीने की अवधि के लिए एक विशेष विंडो खोली गई है, जो केवल उन भौतिक शेयरों के हस्तांतरण विलेखों को पुनः दाखिल करने के लिए है, जो 1 अप्रैल, 2019 से पहले दाखिल किए गए थे और दस्तावेजों/प्रक्रिया में कमियों या अन्य कारणों से अस्वीकृत, वापस कर दिए गए थे या उन पर ध्यान नहीं दिया गया था। हस्तांतरण के लिए पुनः दाखिल किए गए शेयर, उचित प्रक्रिया पूरी करने के बाद केवल डीमैट मोड में जारी किए जाएंगे। पात्र शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना अनुरोध कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट को प्रस्तुत करें।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102(1) के अनुसार विवरण

निम्नलिखित विवरण में सूचना में उल्लिखित विशेष व्यवसायों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्य दिए गए हैं।

मद संख्या 5: श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (डीआईएन: 06817799) की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्ति।

आरईसी एक सरकारी कंपनी है और इसके संघ के अनुच्छेदों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति को कंपनी के अध्यक्ष/ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक और अध्यक्ष/ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से अन्य निदेशकों की नियुक्ति करने का अधिकार है। इसके अलावा, सूचीबद्धता विनियमनों के विनियमन 17(1ग) के अनुसार, निदेशक मंडल में किसी व्यक्ति की नियुक्ति के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन अगली आम बैठक में प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति ("एसीसी"), कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार ने अपने दिनांक 18 अप्रैल, 2025 के पत्र द्वारा श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, आईएस (बीएच:2000),

संयुक्त सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय को भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन पर आरईसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ("सीएमडी") के रूप में नियुक्त करने की सूचना दी थी। इसके अलावा, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ("एमओपी") ने भी श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव को पदभार ग्रहण करने की तिथि से आरईसी के सीएमडी के रूप में नियुक्त करने के संबंध में दिनांक 21 अप्रैल, 2025 का आदेश जारी किया है। इसी के मद्देनजर, श्री श्रीवास्तव ने 22 अप्रैल, 2025 को आरईसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

इसके अलावा, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर, कंपनी के निदेशक मंडल ने श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव को कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है, जो 22 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा, जो शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन होगा। लिस्टिंग विनियमों और सचिवीय मानक-2 के संदर्भ में श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव का संक्षिप्त परिचय इस सूचना के साथ संलग्न है।

कंपनी के एसोसिएशन के नियमों के अनुसार, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक होने के नाते, रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त नहीं होंगे। इसके अलावा, उनकी नियुक्ति के नियम और शर्तें 18 अप्रैल, 2025 के एसीसी संचार, 21 अप्रैल, 2025 के विद्युत मंत्रालय आदेश और/या भारत सरकार द्वारा जारी किए गए किसी अन्य आदेश द्वारा नियंत्रित होंगी।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और उन्होंने यह भी घोषित किया है कि उन्हें सेबी या किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है। इसके अलावा, अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, उन्हें कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए अयोग्य नहीं ठहराया गया है और उनका कंपनी के किसी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक से कोई संबंध नहीं है। इसके अलावा, कंपनी को अधिनियम की धारा 160 के अनुसार निदेशक पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए एक लिखित सूचना प्राप्त हुई है।

इस प्रस्ताव से संबंधित सभी दस्तावेज इस सूचना के प्रसारित होने की तिथि से लेकर वार्षिक आम बैठक की तिथि तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कंपनी के निदेशक मंडल ने 22 अप्रैल, 2025 से प्रभावी रूप से श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा इस सूचना के मद संख्या 5 पर साधारण प्रस्ताव पारित करने की सिफारिश की है।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव को छोड़कर, किसी भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदारों का उक्त साधारण प्रस्ताव पारित करने में कोई वित्तीय या अन्य हित या सरोकार नहीं है, सिवाय कंपनी में उनकी शेयरधारिता की सीमा के।

उपरोक्त के मद्देनजर, इस सूचना के मद संख्या 5 में दिए गए साधारण प्रस्ताव को पारित करके, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव को कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

मद संख्या 6: डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319) की अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति।

आरईसी एक सरकारी कंपनी है और इसके एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति को कंपनी के अध्यक्ष/ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक और अन्य निदेशकों को अध्यक्ष/अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से नियुक्त करने का अधिकार है। इसके अलावा, लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17(1ग) के अनुसार, निदेशक मंडल में किसी व्यक्ति की नियुक्ति के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन अगली आम बैठक में प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

विद्युत मंत्रालय (एमओपी) ने 17 अप्रैल, 2025 के अपने आदेश और 21 मई, 2025 के निवलपत्र के साथ, डॉ. गंभीर सिंह को आरईसी का अंशकालिक



गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, के लिए है। इसके अलावा, वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर, कंपनी के निदेशक मंडल ने 17 अप्रैल, 2025 से शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन, डॉ. गंभीर सिंह को कंपनी का अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, उनका कार्यकाल उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष तक या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, रहेगा।

सूचीबद्धता विनियमनों और सचिवीय मानक-2 के अनुसार, डॉ. गंभीर सिंह का संक्षिप्त परिचय इस सूचना के साथ संलग्न है। कंपनी के संविधान के अनुच्छेदों और लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, डॉ. गंभीर सिंह रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त नहीं होंगे। इसके अलावा, उनकी नियुक्ति के नियम और शर्तें 17 अप्रैल, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश और 21 मई, 2025 के निवलिपत्र और/या भारत सरकार द्वारा जारी किसी अन्य आदेश द्वारा शासित होंगी।

डॉ. गंभीर सिंह अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और वे कंपनी के प्रबंधन से स्वतंत्र हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि उन्हें सेबी या किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है और वे अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य नहीं हैं। इसके अलावा, वह कंपनी के किसी भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक से संबंधित नहीं हैं। कंपनी को अधिनियम की धारा 160 के अनुसार निदेशक पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए एक लिखित सूचना प्राप्त हुई है।

इस व्यावसायिक प्रस्ताव से संबंधित सभी दस्तावेज़ इस सूचना के प्रसारित होने की तिथि से लेकर वार्षिक आम बैठक की तिथि तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कंपनी के निदेशक मंडल ने 17 अप्रैल, 2025 से प्रभावी, डॉ. गंभीर सिंह को अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा इस सूचना के मद संख्या 6 पर विशेष प्रस्ताव पारित करने की सिफारिश की है।

डॉ. गंभीर सिंह के अलावा, किसी भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदारों का उक्त विशेष प्रस्ताव पारित करने में, कंपनी में उनकी शेयरधारिता की सीमा को छोड़कर, कोई वित्तीय या अन्य संबंध या हित नहीं है।

उपरोक्त के मद्देनजर, इस सूचना के मद संख्या 6 में दिए गए विशेष प्रस्ताव को पारित करके, डॉ. गंभीर सिंह को कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों की स्वीकृति प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

मद संख्या 7: अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में डॉ. दुर्गेश नंदिनी (डीआईएन: 09398540) की नियुक्ति।

आरईसी एक सरकारी कंपनी है और इसके एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति को कंपनी के अध्यक्ष/अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक और अन्य निदेशकों को अध्यक्ष/अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से नियुक्त करने का अधिकार है। इसके अलावा, लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17(1सी) के अनुसार, निदेशक मंडल में किसी व्यक्ति की नियुक्ति के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन अगली आम बैठक में प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

विद्युत मंत्रालय (एमओपी) ने 17 अप्रैल, 2025 के अपने आदेश और 21 मई, 2025 के निवलिपत्र के माध्यम से, डॉ. दुर्गेश नंदिनी को आरईसी का अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है, जो उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, होगा। इसके अलावा, वैधानिक प्रावधानों के

अनुपालन और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर, कंपनी के निदेशक मंडल ने 17 अप्रैल, 2025 से डॉ. दुर्गेश नंदिनी को कंपनी का अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है, जो शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। इसके अलावा, उनका कार्यकाल उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रहेगा।

सूचीबद्धता विनियमनों और सचिवीय मानक-2 के संदर्भ में डॉ. दुर्गेश नंदिनी का संक्षिप्त विवरण इस सूचना के साथ संलग्न है। कंपनी के संविधान के अनुच्छेदों और लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, डॉ. दुर्गेश नंदिनी रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त नहीं होंगी। इसके अलावा, उनकी नियुक्ति के नियम और शर्तें 17 अप्रैल, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश और 21 मई, 2025 के निवलिपत्र और/या भारत सरकार द्वारा जारी किसी अन्य आदेश द्वारा शासित होंगी।

डॉ. दुर्गेश नंदिनी अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करती हैं और वह कंपनी के प्रबंधन से स्वतंत्र हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि उन्हें सेबी या किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा निदेशक के रूप में नियुक्त करने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है और अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, वह कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य नहीं हैं। इसके अलावा, वह कंपनी के किसी भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक से संबंधित नहीं हैं। कंपनी को अधिनियम की धारा 160 के अनुसार निदेशक पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए एक लिखित सूचना प्राप्त हुई है।

इस प्रस्ताव से संबंधित सभी दस्तावेज़ इस सूचना के प्रसारित होने की तिथि से लेकर वार्षिक आम बैठक की तिथि तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कंपनी के निदेशक मंडल ने 17 अप्रैल, 2025 से डॉ. दुर्गेश नंदिनी को अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा इस सूचना के मद संख्या 7 पर विशेष प्रस्ताव पारित करने की सिफारिश की है।

डॉ. दुर्गेश नंदिनी के अलावा, किसी भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदारों का उक्त विशेष प्रस्ताव पारित करने में कोई वित्तीय या अन्य हित या सरोकार नहीं है, सिवाय कंपनी में उनकी शेयरधारिता की सीमा तक।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, इस सूचना के मद संख्या 7 पर दिए गए विशेष प्रस्ताव को पारित करके डॉ. दुर्गेश नंदिनी को कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

मद संख्या 8: प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के लिए अनुमोदन।

कंपनी (प्रॉस्पेक्टस और प्रतिभूतियों का आवंटन) नियम, 2014 के नियम 14 और कंपनी (शेयर पूंजी और डिबेंचर) नियम, 2014 के नियम 18 के साथ पठित अधिनियम की धारा 42 के प्रावधानों के अनुसार, कोई कंपनी अपनी प्रतिभूतियों का निजी प्लेसमेंट तब तक नहीं करेगी जब तक कि प्रतिभूतियों के प्रस्तावित प्रस्ताव या प्रतिभूतियों में अभिदान के लिए आमंत्रण को कंपनी के शेयरधारकों द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव या आमंत्रण के लिए एक विशेष प्रस्ताव द्वारा पूर्व में अनुमोदित न कर दिया गया हो। हालाँकि, "अपरिवर्तनीय डिबेंचर" के लिए प्रस्ताव या आमंत्रण के मामले में, यह पर्याप्त होगा यदि कंपनी वर्ष के दौरान ऐसे डिबेंचर के सभी प्रस्तावों या आमंत्रणों के लिए वर्ष में केवल एक बार पूर्व विशेष प्रस्ताव पारित करे। इसलिए, कंपनी को इस प्रस्ताव के पारित होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के दौरान, अर्थात् 26 अगस्त, 2026 तक, एक या एक से अधिक किश्तों में, ₹1,55,000 करोड़ तक के असुरक्षित/सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय बॉण्ड/डिबेंचर के निजी प्लेसमेंट के माध्यम से धन जुटाने में सक्षम बनाने के लिए एक विशेष प्रस्ताव पारित करने का प्रस्ताव है। यह धन ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को दिया जाएगा, जो कंपनी के बॉण्ड/डिबेंचर धारक हो भी सकते हैं और नहीं भी, समग्र बाजार उधार कार्यक्रम के अंतर्गत, जिसे कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा समय-समय पर अनुमोदित

किया जा सकता है। इसके अलावा, ₹1,55,000 करोड़ की उक्त सीमा कंपनी की समग्र उधार सीमा के भीतर होगी।

इसके अलावा, कंपनी का निदेशक मंडल ('बोर्ड') या बोर्ड द्वारा विधिवत गठित कोई समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित कोई अन्य प्राधिकरण, निर्गम की शर्तों को निर्धारित करने के लिए अधिकृत होगा, जिसमें निवेशकों का वह वर्ग शामिल है जिन्हें बॉण्ड/डिबेंचर आवंटित किए जाने हैं, प्रत्येक किश्त में आवंटित किए जाने वाले बॉण्ड/डिबेंचर की संख्या, निर्गम मूल्य, अवधि, ब्याज दर, तत्कालीन प्रचलित बाजार मूल्य पर प्रीमियम/छूट, निर्गम राशि, बॉण्ड/डिबेंचर धारकों के एक वर्ग को निर्गम मूल्य पर छूट, सूचीबद्धता, कोई घोषणा/उपक्रम जारी करना आदि, जो निजी प्लेसमेंट प्रस्ताव पत्र में शामिल किए जाने आवश्यक हैं और किसी भी अन्य नियामक आवश्यकता के तहत ऐसे सभी कार्य, विलेख और कार्य करने और निष्पादित करने के लिए अधिकृत होगा।

इस व्यावसायिक प्रस्ताव से संबंधित सभी दस्तावेज इस सूचना के प्रसारित होने की तिथि से लेकर वार्षिक आम बैठक की तिथि तक इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे। व्यवसाय की अपरिहार्य प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कंपनी के निदेशक मंडल ने 4 जून, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में उपरोक्त प्रस्ताव को मंजूरी दी और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा इस सूचना के मद संख्या 8 पर विशेष प्रस्ताव पारित करने की सिफारिश की।

निदेशकों या प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों या उनके रिश्तेदारों का कंपनी में अपनी शेयरधारिता की सीमा को छोड़कर, उक्त विशेष प्रस्ताव पारित करने में कोई वित्तीय या अन्य हित या सरोकार नहीं है।

उपरोक्त के मद्देनजर, इस सूचना के मद संख्या 8 पर निर्धारित विशेष प्रस्ताव पारित करके, प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

मद संख्या 9: सचिवीय लेखा परीक्षक की नियुक्ति।

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 204 और अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार, कंपनी (प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 9 (इसमें किसी भी वैधानिक संशोधन या पुनर्अधिनियमन सहित, जो वर्तमान में लागू है) के साथ, प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी और कुछ अन्य निर्धारित श्रेणियों की कंपनियों को अधिनियम की धारा 134(3) के तहत तैयार की गई अपनी बोर्ड रिपोर्ट के साथ एक कार्यरत कंपनी सचिव द्वारा जारी एक सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट संलग्न करनी होगी।

इसके अलावा, सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 24A में हाल ही में किए गए संशोधनों और उसके अंतर्गत जारी परिपत्रों के अनुसार, प्रत्येक सूचीबद्ध इकाई को वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन से लगातार पाँच वर्षों की अवधि के लिए एक सचिवीय लेखा परीक्षक नियुक्त करना होगा। तदनुसार, लेखा परीक्षा समिति और निदेशक मंडल ने 24 जुलाई, 2025 को आयोजित अपनी-अपनी बैठकों में, मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिवों (सहकर्मी समीक्षा संख्या 2725/2022 और फर्म

पंजीकरण संख्या P2003DE049100) को निम्नलिखित नियमों और शर्तों पर कंपनी के सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है:

क. नियुक्ति की अवधि: 1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2030 तक लगातार 5 (पाँच) वित्तीय वर्षों की अवधि के लिए।

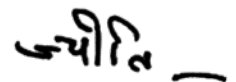
ख. कंपनी के निदेशक मंडल ने सचिवीय लेखा परीक्षक को उनके कार्यकाल के दौरान देय वार्षिक पारिश्रमिक, जिसमें जेब से किए जाने वाले खर्च भी शामिल हैं, निर्धारित किया है। लेखा परीक्षा समिति और निदेशक मंडल की सिफारिशें अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों और सूचीकरण विनियमों के तहत निर्धारित पात्रता मानदंडों और योग्यताओं की पूर्ति पर आधारित हैं। इसके अलावा, मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव, एक अनुभवी पेशेवर फर्म है, जिसके पास विविध उद्योगों में सचिवीय लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट अनुपालन में विशेषज्ञता वाला समृद्ध अनुभव है।

इस व्यावसायिक प्रस्ताव से संबंधित सभी दस्तावेज इस सूचना के प्रसारित होने की तिथि से वार्षिक आम बैठक की तिथि तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे। व्यवसाय की अपरिहार्य प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कंपनी के निदेशक मंडल ने 24 जुलाई, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में उपरोक्त प्रस्ताव को मंजूरी दी और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा इस सूचना के मद संख्या 9 पर साधारण प्रस्ताव पारित करने की सिफारिश की।

निदेशकों या प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों या उनके रिश्तेदारों का उक्त साधारण प्रस्ताव को पारित करने में कोई वित्तीय या अन्य प्रकार का संबंध या हित नहीं है, सिवाय कंपनी में उनकी शेयरधारिता की सीमा के।

उपरोक्त के मद्देनजर, इस सूचना के मद संख्या 9 में निर्धारित साधारण प्रस्ताव पारित करके सचिवीय लेखा परीक्षक की नियुक्ति के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते आरईसी लिमिटेड



जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक और कंपनी सचिव

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 25 जुलाई, 2025



आईसीएसआई द्वारा जारी लिस्टिंग विनियमों और सचिवीय मानक-2 के अनुसार, इस सूचना में निर्धारित अनुसार नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति चाहने वाले निदेशक(ओं) का संक्षिप्त प्रोफाइल।

निदेशक(ओं) का नाम	श्री शशांक मिश्र	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव	डॉ. गंभीर सिंह	डॉ. दुर्गेश नंदिनी
डीआईएन	08364288	06817799	02003319	09398540
जन्म तिथि	16 मार्च, 1983	19 नवंबर, 1974	11 जून, 1968	1 जुलाई, 1971
आयु	42 वर्ष	50 वर्ष	57 वर्ष	54 वर्ष
बोर्ड में पहली नियुक्ति की तिथि	21 अगस्त, 2023	22 अप्रैल, 2025	17 अप्रैल, 2025 (उन्होंने 15 नवंबर, 2021 से 14 नवंबर, 2024 तक कंपनी में अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का पद संभाला है। 17 अप्रैल, 2025 से उन्हें फिर से अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।)	17 अप्रैल, 2025 (उन्होंने 30 दिसंबर, 2021 से 26 दिसंबर, 2024 तक कंपनी में अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का पद संभाला है। 17 अप्रैल, 2025 से उन्हें फिर से अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।)
योग्यताएं	आईएएस (एमपी: 2007), आईआईटी दिल्ली से बी.टेक (इलेक्ट्रिकल)	आईएएस (बीएच:2000), कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर और हंसराज कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) से अर्थशास्त्र (ऑनर्स) में बी.ए.	गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल से एमबीबीएस और जीआर मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर से सर्जरी में मास्टर डिग्री।	गोरखपुर विश्वविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से शिक्षा में स्नातकोत्तर तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि।
कौशल और क्षमताओं सहित विस्तृत प्रोफाइल/ बायोडेटा	श्री शशांक मिश्र, सरकारी नामित निदेशक, वर्तमान में विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। विद्युत मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, उन्होंने राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में कार्य किया है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार में विभिन्न पदों पर भी कार्य किया है, जिनमें मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड, मध्य प्रदेश भवन विकास निगम लिमिटेड और मध्य प्रदेश राज्य परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अध्यक्ष और मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद शामिल हैं।	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव बिहार कैडर (2000 बैच) के आईएएस अधिकारी हैं और दो दशकों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ एक अनुभवी सिविल सेवक हैं। इन वर्षों में, उन्होंने भारत सरकार और बिहार सरकार में कई प्रमुख प्रशासनिक और नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाई हैं। श्री श्रीवास्तव जनवरी 2023 से जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, वे बिहार सरकार के गृह विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में सचिव के रूप में कार्यरत थे।	डॉ. गंभीर सिंह वर्तमान में छत्तीसगढ़ के रायपुर आयुर्विज्ञान संस्थान के डीन हैं। उन्हें 25 वर्षों से अधिक का शिक्षण अनुभव है, उन्होंने जी.आर. मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर और पंडित जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर में अपनी सेवाएँ दी हैं। डॉ. गंभीर सिंह 2008 से रायपुर में 50 बिस्तरों वाला मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल चला रहे हैं। वह नियमित रूप से जीपीएम जिले के ग्रामीणों को औषधीय वृक्षों के रोपण के लिए शिक्षित कर रहे हैं, जिनके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। उन्होंने विभिन्न सूचकांक पत्रिकाओं में 10 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्र भी प्रकाशित किए हैं और स्नातक तथा स्नातकोत्तर परीक्षाओं के परीक्षक भी रहे हैं।	डॉ. दुर्गेश नंदिनी पूर्व में एक प्रतिष्ठित गर्ल्स इंटर कॉलेज में प्रिंसिपल के रूप में कार्य कर चुकी हैं और हरियाणा सरकार के प्रारंभिक शिक्षा विभाग में प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों और प्रशिक्षण मॉड्यूल के संपादन में अपनी भागीदारी के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे चुकी हैं। डॉ. दुर्गेश नंदिनी को राष्ट्रीय स्तर के स्वयंसेवी संगठन "जागृति" के बैनर तले प्रमुख सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने का समृद्ध और विविध अनुभव है। वह स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। वह महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए एक परियोजना पर काम कर रही हैं और सामाजिक न्याय के मुद्दों के लिए अपराजिता फाउंडेशन के साथ सहयोग कर रही हैं।

निदेशक(ओं) का नाम	श्री शशांक मिश्र	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव	डॉ. गंभीर सिंह	डॉ. दुर्गेश नंदिनी
विशिष्ट कार्यात्मक क्षेत्रों में विशेषज्ञता की प्रकृति	श्री शशांक मिश्र, वित्तीय प्रबंधन, विद्युत क्षेत्र डोमेन विशेषज्ञता, परियोजना मूल्यांकन, कॉर्पोरेट योजना और रणनीति, जोखिम प्रबंधन, नेतृत्व, बोर्ड प्रथाओं और सुशासन, पर्यावरण और सामाजिक क्षेत्रों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं।	श्री श्रीवास्तव की नियुक्तियों में वित्त, विद्युत क्षेत्र, शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्यभार शामिल है।	डॉ. गंभीर सिंह वित्तीय प्रबंधन, विद्युत क्षेत्र डोमेन विशेषज्ञता, कॉर्पोरेट योजना और रणनीति, नेतृत्व, बोर्ड प्रथाओं और सुशासन, व्यापार विकास, पर्यावरण और सामाजिक क्षेत्रों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं।	डॉ. दुर्गेश नंदिनी वित्तीय प्रबंधन, विद्युत क्षेत्र डोमेन विशेषज्ञता, कॉर्पोरेट योजना और रणनीति, नेतृत्व, बोर्ड प्रथाओं और सुशासन, व्यवसाय विकास, पर्यावरण और सामाजिक क्षेत्रों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखती हैं।
नियुक्ति की शर्तें एवं नियम तथा भुगतान किया जाने वाला प्रस्तावित पारिश्रमिक	उनकी नियुक्ति के नियम व शर्तें विद्युत मंत्रालय के 21 अगस्त, 2023 के कार्यालय आदेश और/या इस संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी किसी अन्य आदेश आदि द्वारा शासित होंगी। भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार, सरकारी नामित निदेशक कंपनी से कोई भी बैठक शुल्क प्राप्त करने का हकदार नहीं है। हालाँकि, उनके द्वारा भाग लेने वाली बोर्ड या समिति की बैठकों के संबंध में यात्रा/दैनिक भत्ता, जेब से होने वाले खर्च आदि का भुगतान/प्रतिपूर्ति, यदि कोई हो, कंपनी द्वारा वहन की जाएगी।	उनकी नियुक्ति के नियम और शर्तें 18 अप्रैल, 2025 के एसीसी संचार, 21 अप्रैल, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश और/या भारत सरकार द्वारा जारी किसी अन्य आदेश आदि द्वारा शासित होंगी।	उनकी नियुक्ति के नियम और शर्तें 17 अप्रैल, 2025 और 21 मई, 2025 के एमओपी आदेश और/या भारत सरकार द्वारा जारी किसी अन्य आदेश आदि द्वारा शासित होंगी। वह आरईसी की बोर्ड या समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए, बोर्ड द्वारा समय-समय पर तय किए गए अनुसार, बैठने का शुल्क प्राप्त करने का हकदार है। इसके अलावा, ऐसी बोर्ड या समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए हवाई टिकट, होटल आवास, वाहन किराये, जेब खर्च, स्थानीय परिवहन आदि का भुगतान/प्रतिपूर्ति आरईसी द्वारा वहन की जाएगी।	उनकी नियुक्ति के नियम और शर्तें 17 अप्रैल, 2025 और 21 मई, 2025 के एमओपी आदेश और/या भारत सरकार द्वारा जारी किसी अन्य आदेश आदि द्वारा शासित होंगी। वह आरईसी की बोर्ड या समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए, बोर्ड द्वारा समय-समय पर तय किए गए अनुसार, बैठने का शुल्क प्राप्त करने की हकदार हैं। इसके अलावा, ऐसी बोर्ड या समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए हवाई टिकट, होटल आवास, वाहन किराये, जेब खर्च, स्थानीय परिवहन आदि का भुगतान/प्रतिपूर्ति आरईसी द्वारा वहन की जाएगी।
कंपनी में शेयरधारिता, जिसमें लाभकारी स्वामी के रूप में भी शामिल है	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बोर्ड की बैठकों में भाग लेने वालों की संख्या	वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 13 बोर्ड बैठकों में भाग लिया।	लागू नहीं।	वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने कार्यकाल के दौरान 8 बोर्ड बैठकों में भाग लिया।	वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने कार्यकाल के दौरान 11 बोर्ड बैठकों में भाग लिया।
वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भाग ली गई समिति की बैठकों की संख्या	वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 2 समिति बैठकों में भाग लिया।	लागू नहीं।	वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने कार्यकाल के दौरान 15 समिति बैठकों में भाग लिया।	वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने कार्यकाल के दौरान 17 समिति बैठकों में भाग लिया।



निदेशक(ओं) का नाम	श्री शशांक मिश्र	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव	डॉ. गंभीर सिंह	डॉ. दुर्गेश नंदिनी
अन्य कंपनियों / सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशक पद	पावर फाइनैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड।	समर्पण हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड	शून्य
पिछले तीन वर्षों में जिन सूचीबद्ध संस्थाओं से इस्तीफा दिया गया उनका विवरण	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
31 मार्च, 2025 तक आरईसी के अलावा सभी सार्वजनिक कंपनियों की समिति की सदस्यता/अध्यक्षता	- पावर फाइनैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - लेखा परीक्षा समिति (अध्यक्ष) - नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (अध्यक्ष) - हितधारक संबंध समिति (अध्यक्ष) - जोखिम प्रबंधन समिति (अध्यक्ष) - आईटी रणनीति समिति (अध्यक्ष) - सीएसआर समिति (सदस्य)	लागू नहीं.	लागू नहीं.	लागू नहीं.
निदेशकों एवं केएमपी के बीच संबंध	कंपनी के किसी अन्य निदेशक या केएमपी के साथ कोई पारस्परिक संबंध नहीं	कंपनी के किसी अन्य निदेशक या केएमपी के साथ कोई पारस्परिक संबंध नहीं	कंपनी के किसी अन्य निदेशक या केएमपी के साथ कोई पारस्परिक संबंध नहीं	कंपनी के किसी अन्य निदेशक या केएमपी के साथ कोई पारस्परिक संबंध नहीं

सदस्यों के लिए दूरस्थ ई-वोटिंग, वीसी ओएवीएम के माध्यम से 56वीं एजीएम में भाग लेने तथा एजीएम के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के निर्देशक) 56वीं वार्षिक आम बैठक से पहले रिमोट ई-वोटिंग प्रणाली के लिए निर्देश

रिमोट ई-वोटिंग अवधि **रविवार, 24 अगस्त, 2025 (0900 बजे) से शुरू होकर मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 (1700 बजे)** को समाप्त होगी। इसके बाद वोटिंग के लिए एनएसडीएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को निष्क्रिय कर दिया जाएगा। वे सदस्य, जिनके नाम **कट-ऑफ तिथि** के अनुसार सदस्यों/लाभार्थी स्वामियों के रजिस्टर में दिखाई देते हैं। दिनांक यानी **20 अगस्त, 2025 ("कट-ऑफ तिथि")** को मतदान करने वाले लोग इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। शेयरधारकों का मतदान अधिकार उक्त कट-ऑफ तिथि पर उनकी शेयरधारिता के अनुपात में होगा। एनएसडीएल ई-वोटिंग प्रणाली पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने के लिए, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दो-चरणीय प्रक्रिया का पालन करना होगा:

चरण 1: एनएसडीएल ई-वोटिंग प्रणाली तक पहुंच

क) डीमैट मोड में शेयर रखने वाले व्यक्तियों के लिए ई-वोटिंग और वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए लॉगिन विधि:

सूचीबद्ध संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली ई-वोटिंग सुविधा पर 9 दिसंबर, 2020 के सेबी परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में शेयर रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों को डिपॉजिटरी/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास रखे गए अपने डीमैट खाते के माध्यम से वोट करने की अनुमति है। शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए अपने डीमैट खातों में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल पता सही ढंग से अपडेट करें।

(i) डीमैट मोड में शेयर रखने वाले व्यक्तियों के लिए लॉगिन विधि नीचे दी गई है:

शेयरधारकों का प्रकार	लॉगिन विधि
एनएसडीएल के पास डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	- ओटीपी आधारित लॉगिन के लिए आप https://eservices.nsdl.com/SecureWeb/evoting/evotinglogin.jsp पर क्लिक कर सकते हैं। आपको अपनी 8 अंकों की डीपी आईडी, 8 अंकों की क्लाइंट आईडी, पैन नंबर, सत्यापन कोड दर्ज करना होगा और ओटीपी जनरेट करना होगा। पंजीकृत ईमेल आईडी/मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें और लॉगिन पर क्लिक करें। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आपको एनएसडीएल डिपॉजिटरी साइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा जहाँ आप ई-वोटिंग पृष्ठ देख सकते हैं। कंपनी के नाम या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एनएसडीएल पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने और मीटिंग के दौरान वोट करने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा। - मौजूदा आईडीईएस यूजर एनएसडीएल की ई-सेवा वेबसाइट https://eservices.nsdl.com पर पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल पर जा सकते हैं। ई-सेवा होम पेज पर "लॉगिन" के अंतर्गत "लाभकारी स्वामी" आइकन पर क्लिक करें जो 'आईडीईएस' अनुभाग में उपलब्ध है, यह आपको अपनी मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड दर्ज करने के लिए प्रेरित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आप मूल्य वर्धित सेवाओं के अंतर्गत ई-वोटिंग सेवाएं देख पाएंगे। ई-वोटिंग सेवाओं के अंतर्गत "ई-वोटिंग तक पहुंच" पर क्लिक करें और आप ई-वोटिंग पेज देख पाएंगे। कंपनी के नाम यानी आरईसी लिमिटेड या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एनएसडीएल पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या मीटिंग के दौरान वर्चुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा। - यदि आप आईडीईएस ई-सेवाओं के लिए पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण का विकल्प https://eservices.nsdl.com पर उपलब्ध है। "आईडीईएस पोर्टल के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करें" चुनें या https://eservices.nsdl.com/SecureWeb/IdeasDirectReg.jsp पर क्लिक करें। - यूआरएल https://www.evoting.nsdl.com/ टाइप करके वेब ब्राउजर खोलें। ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज लॉन्च होने के बाद, 'शेयरधारक/सदस्य' सेक्शन में उपलब्ध "लॉगिन" आइकन पर क्लिक करें। एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपनी यूजर आईडी (यानी एनएसडीएल के साथ आपका 16 अंकों का डीमैट खाता नंबर), पासवर्ड/ओटीपी और एक सत्यापन कोड दर्ज करना होगा, जैसा कि स्क्रीन पर दिखाया गया है। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आपको एनएसडीएल डिपॉजिटरी साइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा, जहाँ आप ई-वोटिंग पेज देख सकते हैं। कंपनी के नाम यानी आरईसी लिमिटेड या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एनएसडीएल पर क्लिक करें - शेयरधारक/सदस्य निर्बाध मतदान अनुभव के लिए नीचे उल्लिखित क्यूआर कोड को स्कैन करके एनएसडीएल मोबाइल ऐप "एनएसडीएल स्पीड" सुविधा भी डाउनलोड कर सकते हैं।
सीडीएसएल के पास डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	- मौजूदा यूजर जिन्होंने सीडीएसएल इजी/इजीएस्ट का विकल्प चुना है, वे अपने यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। बिना किसी अतिरिक्त प्रमाणीकरण के ई-वोटिंग पेज पर पहुंचने के लिए विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। इजी/इजीएस्ट लॉगिन करने वाले यूजर से अनुरोध है कि वे सीडीएसएल की वेबसाइट www.cdslindia.com पर जाएं और लॉगिन आइकन और न्यू सिस्टम माईइजी टैब पर क्लिक करें और फिर अपना मौजूदा माईइजी यूजर नाम और पासवर्ड दर्ज करें। - इजी/इजीएस्ट के सफल लॉगिन के बाद, यूजर उन पात्र कंपनियों के लिए ई-वोटिंग विकल्प भी देख पाएगा, जहाँ कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ई-वोटिंग चल रही है। ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करने पर, यूजर रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने और मीटिंग के दौरान वोटिंग करने के लिए ई-वोटिंग सेवा प्रदाता का ई-वोटिंग पेज देख पाएगा। इसके अतिरिक्त, सभी ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की प्रणाली तक पहुंचने के लिए लिंक भी दिए गए हैं, ताकि यूजर सीधे ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की वेबसाइट पर जा सके। - यदि यूजर इजी/इजीएस्ट (Easi/Easiest) के लिए पंजीकृत नहीं है, तो पंजीकरण करने का विकल्प सीडीएसएल वेबसाइट www.cdslindia.com पर उपलब्ध है और लॉगिन और न्यू सिस्टम माईइजी टैब पर क्लिक करें और फिर पंजीकरण विकल्प पर क्लिक करें। - वैकल्पिक रूप से, यूजर होम पेज पर https://www.cdslindia.com लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन प्रदान करके सीधे ई-वोटिंग पेज तक पहुंच सकता है। सिस्टम डीमैट खाते में दर्ज किए गए पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर यूजर को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, यूजर को संबंधित ई-वोटिंग सेवा प्रदाता (ईएसपी) यानी एनएसडीएल के लिए लिंक प्रदान किया जाएगा जहाँ ई-वोटिंग चल रही है।





शेयरधारकों का प्रकार

लॉगिन विधि

व्यक्तिगत शेयरधारक (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां धारण करने वाले) अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन करते हैं

आप ई-वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल/सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके भी लॉगिन कर सकते हैं। लॉग इन करने पर, कृपया देखें कि ई-वोटिंग विकल्प उपलब्ध है या नहीं। ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करें, सफल प्रमाणीकरण के बाद आपको एनएसडीएल/सीडीएसएल साइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा, जहाँ आप ई-वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। कंपनी के नाम यानी आरईसी लिमिटेड या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एनएसडीएल पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या वर्युअल मीटिंग में शामिल होने और मीटिंग के दौरान वोट करने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा।

टिप्पणी: जो सदस्य यूजर आईडी/पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, उन्हें उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध 'यूजर आईडी भूल गए' या 'पासवर्ड भूल गए विकल्प' उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

डिपॉजिटरी यानी एनएसडीएल और सीडीएसएल के माध्यम से लॉगइन से संबंधित किसी भी तकनीकी समस्या के लिए डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए हेल्पडेस्क।

लॉगिन प्रकार

हेल्पडेस्क विवरण

एनएसडीएल के पास डीमैट मोड में शेयर रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेजकर एनएसडीएल हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं या टोल फ्री नंबर: 022-4886 7000 पर कॉल कर सकते हैं।
सीडीएसएल के पास डीमैट मोड में शेयर रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	helpdesk.evoting@cdslindia.com पर अनुरोध भेजकर एनएसडीएल हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं या टोल फ्री नंबर: 1800-21-09911 पर कॉल कर सकते हैं।

ii) डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले शेयरधारकों (व्यक्तिगत शेयरधारकों के अलावा) और भौतिक मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग और वर्युअल मीटिंग में शामिल होने के लिए लॉगिन विधि।

1. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएँ। अपने पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल पर निम्न URL: <https://www.evoting.nsdl.com/> टाइप करके वेब ब्राउज़र खोलें।
2. ई-वोटिंग प्रणाली का होम पेज लॉन्च होने के बाद, 'शेयरधारक/सदस्य' अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध "लॉगिन" आइकन पर क्लिक करें।

3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी, पासवर्ड/ शेयर रखने का तरीका अर्थात डीमैट (एनएसडीएल या सीडीएसएल) या भौतिक ओटीपी और एक सत्यापन कोड दर्ज करना होगा जैसा कि स्क्रीन पर दिखाया गया है।

आईडीईएस के लिए पंजीकृत हैं तो आप अपने मौजूदा आईडीईएस लॉगिन के साथ <https://eservices.nsdl.com/> पर लॉग-इन कर सकते हैं। एक बार जब आप अपने लॉग-इन के डेशियल का उपयोग करके एनएसडीएल ई-सेवाओं में लॉग-इन करते हैं, तो ई-वोटिंग पर क्लिक करें और आप चरण 2 यानी इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालने के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

4. एनएसडीएल ई-वोटिंग पोर्टल पर लॉग इन करने के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड का विवरण:

शेयर रखने का तरीका अर्थात डीमैट (एनएसडीएल या सीडीएसएल) या भौतिक

यूजर आईडी

क) उन सदस्यों के लिए जो एनएसडीएल के पास डीमैट खाते में मोचर रखते हैं।	8 अक्षर वाली डीपी आईडी के बाद 8 अंक यानी क्लाइंट आईडी उदाहरण के लिए: यदि आपकी डीपी आईडी आईएन300*** है और क्लाइंट आईडी 12***** है तो आपकी यूजर आईडी आईएन300*** 12***** होगी।
ख) उन सदस्यों के लिए जो सीडीएसएल के पास डीमैट खाते में शेयर रखते हैं।	16 अंकों की लाभार्थी आईडी होगी। उदाहरण के लिए: यदि आपकी लाभार्थी आईडी 12***** है तो आपकी यूजर आईडी 12***** है।
ग) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए।	सम संख्या के बाद कंपनी के साथ पंजीकृत फोलियो संख्या उदाहरण के लिए: यदि फोलियो संख्या 001*** है और सम संख्या 101456 है तो यूजर आईडी 101456001*** होगी।

5. व्यक्तिगत शेयरधारकों के अलावा अन्य शेयरधारकों के लिए पासवर्ड विवरण नीचे दिया गया है:

- क) यदि आप पहले से ही ई-वोटिंग के लिए पंजीकृत हैं, तो आप लॉगिन करने और अपना वोट डालने के लिए अपने मौजूदा पासवर्ड का उपयोग कर सकते हैं।
- ख) यदि आप पहली बार एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको प्रारंभिक पासवर्ड पुनः प्राप्त करना होगा जो आपको सूचित किया गया था। एक बार जब आप अपना 'प्रारंभिक पासवर्ड' पुनः प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको प्रारंभिक पासवर्ड दर्ज करना होगा और सिस्टम आपको अपना पासवर्ड बदलने के लिए मजबूर करेगा।
- ग) अपना प्रारंभिक पासवर्ड कैसे प्राप्त करें?
 - (i) यदि आपका ईमेल आईडी आपके डीमैट खाते या कंपनी के साथ पंजीकृत है, तो आपका 'प्रारंभिक पासवर्ड' आपको आपके ईमेल आईडी पर सूचित किया जाता है। अपने मेलबॉक्स से एनएसडीएल द्वारा आपको भेजे गए ईमेल को देखें। ईमेल खोलें और अटैचमेंट यानी पीडीएफ फाइल खोलें। पीडीएफ फाइल खोलने का पासवर्ड एनएसडीएल खाते के लिए आपकी 8 अंकों की क्लाइंट आईडी, सीडीएसएल खाते के लिए क्लाइंट आईडी के अंतिम 8 अंक या भौतिक रूप में रखे गए शेयरों के लिए फोलियो नंबर है। पीडीएफ फाइल में आपका 'यूजर आईडी और आपका 'प्रारंभिक पासवर्ड' होता है।
 - (ii) यदि आपकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है, तो कृपया उन शेयरधारकों के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें जिनकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है।
6. यदि आप "प्रारंभिक पासवर्ड" प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या अपना पासवर्ड भूल गए हैं:
 - क) यदि आपने एनएसडीएल या सीडीएसएल के साथ डीमैट मोपार रखे हैं तो www.evoting.adl.com पर उपलब्ध यूजर विवरण/पासवर्ड भूल गए विकल्प पर क्लिक करें।
 - ख) यदि आप भौतिक रूप में शेयर धारण कर रहे हैं, तो www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध भौतिक यूजर रीसेट पासवर्ड विकल्प पर क्लिक करें।
 - ग) यदि आप उपरोक्त दो विकल्पों से भी पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, तो आप अपना डीमैट खाता संख्या/फोलियो संख्या पेन, नाम और पंजीकृत पता बताते हुए evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं।

घ) एनएसडीएल की ई-वोटिंग प्रणाली पर वोट डालने के लिए सदस्य ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) आधारित लॉगिन का भी उपयोग कर सकते हैं।

- अपना पासवर्ड दर्ज करने के बाद, चेक बॉक्स पर चयन कर "नियम और शर्तों" से सहमत पर टिक करें।
- अब आपको 'लॉगिन बटन पर क्लिक करना होगा।
- लॉगिन बटन पर क्लिक करने के बाद ई-वोटिंग का होम पेज खुल जाएगा।

चरण 2: अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक रूप से डालें और एनएसएम ई-वोटिंग प्रणाली पर आम बैठक में शामिल हो

- चरण 1 में सफलतापूर्वक लॉगिन करने के बाद आप उन "ईवीईएन" कंपनियों को देख पाएंगे जिनमें आपके शेयर हैं और जिनका चक्र और आम बैठक सक्रिय स्थिति में है।
- रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान जिस कंपनी के लिए आप वोट डालना चाहते हैं, उसका "ईवीईएन" चुनें और जनरल मीटिंग के दौरान अपना वोट डालें। वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने आपको जॉइन जनरल मीटिंग के अंतर्गत दिए गए "वीसी/ओएवीएम" लिंक पर क्लिक करना होगा।
- वोटिंग पेज खुल गया है, अब आप ई-वोटिंग के लिए तैयार हैं।
- उचित विकल्प अर्थात सहमति या असहमति का चयन करके अपना वोट डालें, उन शेयरों की संख्या सत्यापित/संशोधित करें जिनके लिए आप अपना वोट डालना चाहते हैं और संकेत मिलने पर "सबमिट" और "पुष्टि" पर क्लिक करें।
- पुष्टि होने पर, "वोट सफलतापूर्वक डाला गया" संदेश प्रदर्शित होगा।
- आप पुष्टि पृष्ठ पर प्रिंट विकल्प पर क्लिक करके अपने द्वारा डाले गए वोट का प्रिंटआउट भी ले सकते हैं।
- एक बार जब आप प्रस्ताव पर अपना वोट पुष्टि कर देंगे, तो आपको अपना वोट संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ख. वीसी/ओएवीएम के माध्यम से 56वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लेने के लिए सदस्यों के लिए निर्देश निम्नानुसार हैं:

- सदस्यों को एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से वीसी ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। सदस्य <https://www.evoting.nsdl.com> पर शेयरधारक/सदस्य लॉगिन के अंतर्गत रिमोट ई-वोटिंग क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके इसे एक्सेस कर सकते हैं। सफल लॉगिन के बाद, आप कंपनी के नाम के सामने स्वाइन मीटिंग मेनू के अंतर्गत 'वीसी/ओएवीएम' का लिंक देख सकते हैं। वीसी/ओएवीएम के लिए लिंक शेयरधारक सदस्य लॉगिन में उपलब्ध होगा जहाँ कंपनी की ईवीएन प्रदर्शित होगी। कृपया ध्यान दें कि जिन सदस्यों के पास ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड नहीं है या वे यूजर आईडी और पासवर्ड भूल गए हैं, वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए सूचना में उल्लिखित रिमोट ई-वोटिंग निर्देशों का पालन करके इसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं।
- सदस्यों को बेहतर अनुभव के लिए लैपटॉप के माध्यम से बैठक में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- बैठक के दौरान किसी भी व्यवधान से बचने के लिए सदस्यों को कैमरा ऑन रखने की अनुमति देनी होगी तथा अच्छी गति से इंटरनेट का उपयोग करना होगा।
- कृपया ध्यान दें कि मोबाइल डिवाइस या टैबलेट या लैपटॉप से मोबाइल हॉटस्पॉट के माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को अपने संबंधित नेटवर्क में उतार-चढ़ाव के कारण ऑडियो/वीडियो हानि का अनुभव हो सकता है। इसलिए इस तरह की किसी भी तरह की गड़बड़ी को कम करने के लिए स्थिर वाई-फाई या लैन कनेक्शन का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

ग. 56वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने के लिए सदस्यों के लिए निर्देश

- बैठक में सूचना के सभी मर्दों पर चर्चा पूरी हो जाने के बाद, वार्षिक आम बैठक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के माध्यम से प्रत्येक प्रस्ताव पर मतदान किया जाएगा। कॉर्पोरेट सदस्यों से अनुरोध है कि वे बोर्ड के प्रस्ताव प्राधिकरण पत्र की प्रमाणित प्रति ई-मेल के माध्यम

से जांचकर्ता को sachincs2022@gmail.com पर भेजें, जिसकी एक प्रति evoting@nsdl.com पर मार्क की गई हो।

- वार्षिक आम बैठक के दिन ई-वोटिंग की प्रक्रिया रिमोट ई-वोटिंग के लिए ऊपर बताए गए निर्देशों के समान ही है।
- केवल वे सदस्य/शेयरधारक, जो वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से वार्षिक आम बैठक में उपस्थित होंगे और जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना वोट नहीं डाला है और अन्यथा ऐसा करने से प्रतिबंधित नहीं हैं, वार्षिक आम बैठक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली के माध्यम से वोट देने के पात्र होंगे।
- जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान किया है, वे वार्षिक आम बैठक में भाग लेने के पात्र होंगे। हालाँकि, वे वार्षिक आम बैठक के दौरान मतदान करने के पात्र नहीं होंगे।
- वार्षिक आम बैठक के दिन ई-वोटिंग सुविधा से संबंधित किसी शिकायत के लिए जिस व्यक्ति से संपर्क किया जा सकता है उसका विवरण वही होगा जैसा कि रिमोट ई-वोटिंग के लिए ऊपर उल्लेख किया गया है।

घ. उन शेयरधारकों के लिए प्रक्रिया जिनकी ईमेल आईडी डिपॉजिटरी के पास पंजीकृत नहीं है। इस सूचना में निर्धारित प्रस्तावों के लिए ई-वोटिंग हेतु यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने और ई-मेल आईडी के पंजीकरण के लिए:

- यदि शेयर भौतिक रूप में रखे गए हैं तो कृपया फोलियो नंबर शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाणपत्र की स्कैन की गई प्रति (सामने और पीछे), पेन (पैन कार्ड की स्वयं सत्यापित स्कैन की गई प्रति) आधार (आधार कार्ड की स्वयं सत्यापित स्कैन की गई प्रति) ईमेल (complianceofficer@recindia.com) प्रदान करें।
- यदि शेयर डीमैट मोड में रखे गए हैं, तो कृपया डीपी आईडी सीएलआईडी (16 अंकों की डीपीआईडी सीएलआईडी या अंकों की लाभार्थी आईडी, नाम, क्लाइंट मास्टर या समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति, आधार (आधार कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति) (complianceofficer@recindia.com) पर उपलब्ध कराएं। यदि आप डीमैट मोड में प्रतिभूतियों रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक हैं, तो आपसे अनुरोध है कि आप चरण (ए) में बताई गई लॉगिन विधि अर्थात ई-वोटिंग के लिए लॉगिन विधि और डीमैट मोड में प्रतिभूतियों रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने की विधि का संदर्भ लें।
- वैकल्पिक रूप से, शेयरधारक/सदस्य उपर्युक्त दस्तावेज प्रदान करके ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने के लिए evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं।
- सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ई-वोटिंग सुविधा पर 9 दिसंबर, 2020 के सेबी परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास रखे गए अपने डीमैट खाते के माध्यम से वोट करने की अनुमति है। ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए शेयरधारकों को अपने डीमैट खाते में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सही ढंग से अपडेट करना आवश्यक है।

शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश

यह दृढ़ता से अनुशंसा की जाती है कि आप अपना पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें और अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने के लिए अत्यंत सावधानी बरतें। सही पासवर्ड दर्ज करने के पाँच असफल प्रयासों पर ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉगिन अक्षम कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में, आपको पासवर्ड रीसेट करने के लिए www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध यूजर विवरण/पासवर्ड भूल गए या 'भौतिक यूजर रीसेट पासवर्ड विकल्प से गुजरना होगा।

किसी भी प्रश्न के मामले में, आप www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका देख सकते हैं या 022-4886 7000 पर कॉल कर सकते हैं या evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं या सुश्री पल्लवी म्हात्रे, वरिष्ठ प्रबंधक, नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड, तीसरा तल, नमन चेंबर, प्लॉट सी - 32, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400051 को निर्दिष्ट ईमेल पते पर अनुरोध भेज सकते हैं: सदस्य कंपनी के ईमेल पते complianceofficer@recindia.com पर कंपनी सचिव को भी लिख सकते हैं।



बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारकों,

आपके निदेशक 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आपकी कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ 56वीं वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

1. कार्य निष्पादन की मुख्य विशेषताएं

1.1 कार्य निष्पादन का सारांश

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आपकी कंपनी के निष्पादन की मुख्य विशेषताएँ, पिछले वर्ष के निष्पादन की तुलनात्मक स्थिति के साथ, निम्नानुसार थीं:

मानदण्ड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
स्वीकृत ऋण	3,37,179.37	3,58,816.34
संवितरण	1,91,184.67	1,61,462.28
वसूलियाँ (ब्याज सहित)	1,79,694.70	1,31,041.76
कुल प्रचालन आय	55,911.12	47,146.30
कर-पूर्व लाभ	19,859.78	17,780.64
कर-पश्चात लाभ	15,713.21	14,019.21
कुल व्यापक आय	14,196.41	15,063.48

1.2 वित्तीय निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आपकी कंपनी की कुल प्रचालन आय ₹55,911.12 करोड़ थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यह ₹47,146.30 करोड़ थी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर-पश्चात लाभ और कुल व्यापक आय क्रमशः ₹15,713.21 करोड़ और ₹14,196.41 करोड़ थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए यह क्रमशः ₹14,019.21 करोड़ और ₹15,063.48 करोड़ थी।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस) ₹10/- अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर ₹59.55 थी, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में ईपीएस ₹53.11 प्रति शेयर थी। 31 मार्च, 2025 के अनुसार कंपनी की कुल संपत्ति बढ़कर ₹77,637.97 करोड़ हो गई है, जो 31 मार्च, 2024 तक की कुल संपत्ति ₹68,783.15 करोड़ से 12.87% अधिक है।

31 मार्च, 2025 के अनुसार आपकी कंपनी की सकल ऋण परिसंपत्ति बही ₹5,66,883.29 करोड़ थी, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह ₹5,09,370.95 करोड़ थी। इसके अलावा, 31 मार्च, 2025 तक बकाया ऋण ₹4,88,258.51 करोड़ था।

1.3 लाभांश

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने ₹10/- अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर ₹2.60/- (चुकता शेयर पूंजी का 26%) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है, जो 27 अगस्त, 2025 को होने वाली 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। उपरोक्त लाभांश 23 अगस्त, 2024 को दिए गए ₹3.50/- प्रति इक्विटी शेयर (चुकता शेयर पूंजी का 35%) के पहले अंतरिम लाभांश, 22 नवंबर, 2024 को दिए गए ₹4.00/- प्रति इक्विटी शेयर (चुकता शेयर पूंजी का 40%) के दूसरे अंतरिम लाभांश, 28 मार्च, 2024 को दिए गए ₹4.30/- प्रति इक्विटी शेयर (चुकता शेयर पूंजी का 43%) के तीसरे अंतरिम लाभांश और 16 अप्रैल, 2025 को दिए गए ₹3.60/- प्रति इक्विटी शेयर (चुकता शेयर पूंजी का 36%) के चौथे अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल लाभांश, अंतिम लाभांश सहित, ₹10/- अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर ₹18/- है, जो चुकता शेयर पूंजी का 180% है। पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, कंपनी ने ₹10/- अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर ₹16/- का लाभांश दिया था, जो चुकता शेयर पूंजी का 160% था।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल लाभांश भुगतान, अंतिम लाभांश सहित, ₹4,739.80 करोड़ होगा। लाभांश का भुगतान कंपनी की लाभांश वितरण नीति के अनुसार किया जाता है, जो <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

1.4 शेयर पूंजी

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी 5,000 करोड़ थी, जिसमें ₹10/- प्रत्येक के 500 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल थे। कंपनी की जारी और चुकता शेयर पूंजी ₹2,633.22 करोड़ थी, जिसमें ₹10/- प्रत्येक के 2,63,32,24,000 इक्विटी शेयर शामिल थे। भारत सरकार के उपक्रम, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) के पास 31 मार्च, 2025 तक कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 52.63% हिस्सा था, जिसमें ₹10/- प्रत्येक के 1,38,59,93,662 इक्विटी शेयर शामिल थे और शेष 47.37% चुकता इक्विटी शेयर पूंजी सार्वजनिक शेयरधारकों के पास थी।

1.5 नीतिगत पहलें

कंपनी अपने व्यावसायिक मूल्य को बढ़ाने और सांविधिक आवश्यकताओं व संशोधनों को पूरा करने के लिए नियमित रूप से अपनी नीतिगत रूपरेखा की समीक्षा करती है, उन्हें अद्यतन और उनका सुदृढ़ीकरण करती है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने विभिन्न नीतियों को लागू करने और उनमें संशोधन करने पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी ने विभिन्न नीतियाँ लागू की हैं, जिनमें अन्य बातों के अलावा, डाटा गोपनीयता नीति, हितधारक सहभागिता नीति, सार्वजनिक और नियामक निकायों के साथ उत्तरदायी परामर्श नीति, मानवाधिकार नीति, सतत खरीद नीति, संकटग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान हेतु नीति, गैर-विद्युत परियोजनाओं का वित्तपोषण, बुनियादी ढांचा और लॉजिस्टिक परियोजनाएँ, संकेन्द्रण मानदंडों हेतु नीति, सड़क क्षेत्र की

परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु परियोजना मूल्यांकन दिशानिर्देश, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा नीति, कोयला खनन परियोजनाओं संबंधी नीति और निजी क्षेत्र के उधारकर्ताओं की बाह्य ऋण रेटिंग नीति। इसके अलावा, कंपनी ने विभिन्न नीतियों में संशोधन/आशोधन भी किया है, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ आरईसी ईएसजी नीति, दीर्घकालिक निवेश (एलटीआई) नीति, राज्य क्षेत्र की उपयोगिताओं के

लिए विशेष सावधि ऋण नीति, 'बोर्ड की विविधता और कौशल संबंधी नीति, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की नियुक्ति के मानदंड और निदेशकों, केएमपी और अन्य कार्मिकों के पारिश्रमिक' तथा कंपनी की एकीकृत जोखिम प्रबंधन (आईआरएम) नीति और मानव संसाधन तथा प्रशासन एवं संपदा के लिए व्यावसायिक निरंतरता योजनाएं (बीसीपी) शामिल हैं।

2. वित्तीय समीक्षा

2.1 वित्तीय परिणामों का सारांश

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश, निम्नानुसार दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	स्टैंडअलोन		समेकित	
	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
प्रचालन से राजस्व	55,911.12	47,146.30	56,366.55	47,504.75
अन्य आय	68.50	67.85	67.48	66.48
कुल आय	55,979.62	47,214.15	56,434.03	47,571.23
वित्तीय लागत	34,134.98	29,949.27	34,131.29	29,947.74
निवल परिवर्तन/ लेनदेन विनिमय हानि	208.15	166.57	208.15	166.57
शुल्क और कमीशन व्यय	13.66	24.26	13.66	24.26
वित्तीय लिखितों पर मूल्यहास	1,019.41	(1,358.39)	1,021.58	(1,379.58)
अन्य व्यय	743.64	651.80	941.88	852.30
कुल व्यय	36,119.84	29,433.51	36,316.56	29,611.29
कर पूर्व लाभ	19,859.78	17,780.64	20,117.47	17,959.94
कर व्यय	4,146.57	3,761.43	4,233.24	3,814.48
कर पश्चात लाभ	15,713.21	14,019.21	15,884.23	14,145.46
अवधि के लिए अन्य व्यापक आय	(1,516.80)	1,044.27	(1,516.80)	1,044.27
कुल व्यापक आय	14,196.41	15,063.48	14,367.43	15,189.73
जोड़ें : प्रतिधारित आय और अन्य व्यापक आय का प्रारंभिक शेष	13,149.12	8,719.48	13,658.39	9,102.50
विनियोजन के लिए उपलब्ध राशि	27,345.53	23,782.96	28,025.82	24,292.23
घटाएं : विनियोग				
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	(3,550.57)	(3,066.94)	(3,550.57)	(3,066.94)
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के तहत अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	(841.80)	(687.76)	(841.80)	(687.76)
भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आई सी के तहत आरक्षित निधि	(3,142.64)	(2,803.84)	(3,142.64)	(2,803.84)
सामान्य आरक्षित	(750.00)	-	(750.00)	-
पूर्णतः इक्विटी प्रकृति के लिखत पर कूपन भुगतान (स्थायी ऋण साधन) (करों का निवल)	(33.30)	(33.30)	(33.30)	(33.30)
उप-जोड़: विनियोग	(8,318.31)	(6,591.84)	(8,318.31)	(6,591.84)
घटाएं – स्वामियों को लाभांश भुगतान (संबंधित करों सहित):				
लाभांश	(5,371.78)	(4,042.00)	(5,371.78)	(4,042.00)
प्रतिधारित आय और अन्य व्यापक आय का अंतिम शेष	13,655.44	13,149.12	14,335.73	13,658.39



2.2 राष्ट्रीय राजकोष में योगदान

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने राष्ट्रीय राजकोष में 4,341.42 करोड़ का योगदान दिया, जिसमें प्रत्यक्ष करों के लिए 4,182.56 करोड़ तथा माल और सेवा कर (जीएसटी) के लिए 158.86 करोड़ शामिल हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में, राष्ट्रीय राजकोष में कुल योगदान 3,346.61 करोड़ था।

2.3 अनुपात विश्लेषण

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के महत्वपूर्ण अनुपातों का तुलनात्मक विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
प्रति शेयर आय (₹)	59.55	53.11
औसत निवल मूल्य पर रिटर्न (%)	21.46	22.17
प्रति शेयर बही मूल्य (₹)	294.84	261.22
ऋण-इक्विटी अनुपात (गुना)*	6.29	6.37
मूल्य-आय अनुपात (गुना)#	7.21	8.49
ब्याज कवरेज अनुपात (गुना)	1.58	1.59

* निवल ऋण, बकाया मूलधन को दर्शाता है, जिसमें से नकदी और उपलब्ध नकदी समतुल्य राशि को घटाया जाता है।

पीई अनुपात की गणना आरईसी की इक्विटी के क्रमशः 28 मार्च, 2025 और 28 मार्च, 2024 को (अंतिम ट्रेडिंग दिवस) एनएसई पर शेयर के समापन मूल्य के आधार पर की जाती है।

2.4 संसाधन जुटाना

2.4.1 वित्तीय वर्ष के दौरान कुल संसाधन जुटाना

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने बाजार से ₹1,42,203.99 करोड़ की धनराशि जुटाई। इसमें विभिन्न मुद्राओं में बाह्य वाणिज्यिक उधारी से ₹32,147.07 करोड़, 2,374.10 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 2,21,559.11 मिलियन जापानी येन, एफसीएनआर(बी) ऋणों से ₹42,410.17 करोड़ (4,818.74 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 34,228.99 मिलियन जापानी येन के बराबर), बैंकों और वित्तीय संस्थानों से क्रमशः 2,900 करोड़ और ₹1,600 करोड़ के दीर्घ और लघु रुपया अवधि ऋण (6 महीने से अधिक), पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड से ₹7,634.75 करोड़ (प्रतिदाय के बाद और 31 मार्च, 2025 तक लंबित आवंटन शामिल) और संस्थागत बॉण्ड से 55,512 करोड़ (छूट और प्रीमियम के समायोजन के बाद) शामिल हैं।

2.4.2 विमोचन और पूर्व-भुगतान

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने ₹88,259.87 करोड़ की राशि का भुगतान किया। इसमें संस्थागत बॉण्ड के लिए ₹24,258 करोड़, पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड के लिए ₹6,157.82 करोड़, 1,425 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 72.08 मिलियन सिंगापुर डॉलर के बराबर बाह्य वाणिज्यिक उधार के लिए ₹12,456.09 करोड़, 2,789 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 34,228.99 मिलियन जापानी येन के बराबर विदेशी मुद्रा विनिमय दर (एफसीएनआर) ऋण के लिए ₹25,357.43 करोड़ और 248.53 करोड़ अमेरिकी डॉलर और 5.26 मिलियन यूरो के बराबर आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) ऋण शामिल हैं। कंपनी ने विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ₹17,182 करोड़ के दीर्घकालिक ऋण और ₹2,600 करोड़ के अल्पकालिक ऋण (6 महीने से अधिक) भी चुकाए हैं।

2.4.3 उधार लेने की लागत

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान निधियों की कुल वार्षिक लागत 7.11% थी।

इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने सूचीबद्ध बॉण्ड के माध्यम से 7.31% प्रति वर्ष की दर से ₹55,831 करोड़ (स्थायी ऋण लिखतों के अलावा) (₹5,000 करोड़ के अंकित मूल्य पर शून्य कूपन बॉण्ड पर विचार करते हुए) की धनराशि जुटाई थी, जो अन्य सीपीएसई/संस्थाओं द्वारा जारी समान रेटिंग वाले लिखतों की दरों (रॉयटर्स से अधिक मार्जिन) से 19 बीपीएस कम है।

2.4.4 नकद ऋण सुविधाएँ

कंपनी के पास अपने दैनिक कार्यों के लिए विभिन्न बैंकों से ₹14,608 करोड़ की स्वीकृत नकद ऋण/कार्यशील पूंजी माँग ऋण/ओवरड्राफ्ट सीमा है, जिसमें से 31 मार्च, 2025 तक ₹2,170.42 करोड़ का लाभ उठाया गया।

2.4.5 स्थायी ऋण लिखत

आपकी कंपनी ने निम्नानुसार स्थायी ऋण लिखतों (पीडीआई) को जुटाया है:

शृंखला	राशि (₹ करोड़ में)	अंकित मूल्य (₹)	आवंटन की तिथि	ब्याज दर (%)
206	558.40	10,00,000	22 जनवरी, 2021	7.97
222	2,000.00	1,00,00,000	28 अप्रैल, 2023	7.98
226	1,090.00	1,00,00,000	27 सितंबर, 2023	8.03
244	1,995.00	1,00,00,000	27 फरवरी, 2025	7.99

31 मार्च, 2025 तक, उक्त लिखत कंपनी की टियर-1 पूंजी का 7.10% हिस्सा बनाते हैं। इन पीडीआई की कोई परिपक्वता नहीं है और इन्हें 10 वर्षों के बाद कंपनी के विकल्प पर ही वापस लिया जा सकता है। पीडीआई पर प्रासंगिक विस्तृत प्रकटीकरण इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग होने वाले एकल वित्तीय विवरणों की लेखा टिप्पणियों में प्रदर्शित किया गया है।

2.4.6 आरईसी द्वारा जारी ग्रीन बॉण्ड

कार्बन उत्सर्जन और कार्बन तीव्रता को कम करने के अंतिम उद्देश्य के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने हेतु भारत की जलवायु कार्य योजना के अनुरूप, आरईसी समय-समय पर बाजार की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए ग्रीन बॉण्ड के माध्यम से धन जुटाता है।

ग्रीन बॉण्ड के लिए वार्षिक प्रभाव रिपोर्टिंग - वित्तीय वर्ष 2024-25

आरईसी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 तक निम्नलिखित ग्रीन बॉण्ड जुटाए थे:

क्र. सं.	जुटाई गई निधियां (एफसीवाई)	माह और वर्ष	अवधि
1	450 मिलियन अमेरिकी डॉलर ग्रीन बॉण्ड	जुलाई 2017	10 वर्ष
2	450 मिलियन अमेरिकी डॉलर ग्रीन बॉण्ड	अप्रैल 2023	5 वर्ष
3	61.1 बिलियन ग्रीन बॉण्ड जापानी येन - 31.0 बिलियन ग्रीन बॉण्ड जापानी येन - 27.4 बिलियन ग्रीन बॉण्ड जापानी येन - 2.7 बिलियन ग्रीन बॉण्ड जापानी येन	जनवरी 2024	5 वर्ष
4	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर ग्रीन बॉण्ड	सितम्बर 2024	5 वर्ष

देश और दुनिया के लिए एक हरित भविष्य की दिशा में योगदान देने के उद्देश्य से, आरईसी ने अपने 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के वैश्विक मध्यम सावधि टिप्पणी प्रोग्राम से ग्रीन बॉण्ड के माध्यम से पांच साल की

अवधि के लिए सितंबर, 2024 में 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए। इन बॉण्ड से प्राप्त आय का उपयोग आरईसी के ग्रीन फाइनेंस फ्रेमवर्क के अनुसार पात्र ग्रीन परियोजनाओं के लिए किया जाता है, जिसमें धारणीय फिच की दूसरे पक्ष की राय भी शामिल है। वैश्विक ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट (जीजीजीआई) ने जारी करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की और पुष्टि की कि आरईसी का ग्रीन वित्त ढांचा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। ये बॉण्ड विशेष रूप से आईएफएससी स्टॉक एक्सचेंजों अर्थात् इंडिया आईएनएक्स और गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में एनएसई आईएफएससी में सूचीबद्ध हैं।

प्राप्तियों का उपयोग: प्राप्तियों का उपयोग आरईसी के ग्रीन वित्त ढांचे में यथापरिभाषित किए गए अनुसार पात्र हरित परियोजनाओं के वित्त-पोषण के लिए किया गया है जो सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव डालती हो और जीवाश्म ईंधन निर्भरता को कम करके भारत की ऊर्जा सुरक्षा को भी सुदृढ़ करती हों।

हरित वित्त ढांचे के अनुसार, आरईसी ने एक 'ग्रीन पोर्टफोलियो' बनाया है, जिसे एक अच्छी तरह से तैयार की गई आंतरिक ट्रेकिंग प्रणाली के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है, जिसे नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है, ताकि ऐसे ग्रीन पोर्टफोलियो के लिए आय के आवंटन की निगरानी, स्थापना और लेखा-जोखा किया जा सके।

क्लाइमेट बॉण्ड्स स्टैंडर्ड बोर्ड द्वारा पात्र ग्रीन बॉण्ड के जारी होने के बाद का प्रमाणन आरईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

प्राप्तियों का प्रबंधन: ग्रीन बॉण्ड से प्राप्त निवल आय को पात्र परियोजनाओं के प्रति आवंटित किया गया था और उस का विवरण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुबंध क में दिया गया है। आरईसी अपने हरित वित्त ढांचे की आवश्यकताओं का अनुपालन कर रहा है। अपने निरंतर दायित्वों के अनुसार, आरईसी यह सुनिश्चित करेगा कि ग्रीन बॉण्ड के माध्यम से जुटाई गई राशि बॉण्ड की अवधि के दौरान हरित वित्त ढांचे के अनुसार पात्र परियोजनाओं में निवेशित रहे।

2.4.7 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विकास

आरईसी के पास केएफडब्ल्यू के साथ अधिकारिक विकास सहायता क्रेडिट की 7 लाइनें हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, आरईसी ने 215.56 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ओडीए सावधि ऋण का लाभ उठाने के लिए केएफडब्ल्यू के साथ छठी लाइन ऑफ क्रेडिट पर हस्ताक्षर किए। इंडो-जर्मनिक डेवलपमेंट कोऑपरेशन के तहत इस लाइन ऑफ क्रेडिट का उपयोग भारत सरकार की संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के साथ संरेखण में डिस्कॉम के वितरण अवसंरचना में निवेश का पुनर्वित्त-पोषण करने के लिए किया जा रहा है। इस सुविधा के तहत, 31 मार्च 2025 तक कुल 72.75 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि आहरित की गई है।

इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरईसी ने 200 मिलियन यूरो के ओडीए सावधि ऋण का लाभ उठाने के लिए केएफडब्ल्यू के साथ सातवीं लाइन ऑफ क्रेडिट पर हस्ताक्षर किए। इंडो-जर्मनिक डेवलपमेंट कोऑपरेशन के तहत इस लाइन ऑफ क्रेडिट का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में निवेश का पुनर्वित्त-पोषण करने के लिए किया जाएगा, जिसमें नवाचारी तकनीक के साथ परियोजनाओं पर विशिष्ट फोकस होगा। इस सुविधा के अंतर्गत 31 मार्च, 2025 तक कोई राशि आहरित नहीं की गई है।

उपरोक्त के अलावा, आरईसी के पास जेआईसीए, जापान के साथ जेआईसीए-1 और II ओडीए ऋणों के तहत ओडीए क्रेडिट की दो लाइनें थीं, जिन्हें पूरी तरह से चुका दिया गया है।

2.5 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग

आरईसी के घरेलू ऋण उपकरणों को पूरे वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान "एएए" रेटिंग प्राप्त होती रही, जो क्रिसिल, केयर, आईसीआरए और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों) द्वारा दी गई उच्चतम रेटिंग है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आरईसी को दी गई रेटिंग में कोई संशोधन नहीं हुआ।

इसके अलावा, आरईसी को अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों यानी मूडीज, फिच और जापान से क्रमशः "बीएए3", "बीबीबी-" और "बीबीबी+" की अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग प्राप्त है, जो भारत की संप्रभु रेटिंग के बराबर है।

2.6 वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए निवेश

उच्च गुणवत्ता वाली नकदी परसंपत्तियों पर आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान राज्य सरकार की प्रतिभूतियों और कॉर्पोरेट बॉण्ड में निवेश किया है। कंपनी द्वारा किए गए निवेश का अन्य विवरण एकल वित्तीय विवरणों की लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी संख्या 11 में दिया गया है।

2.7 वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर वित्तीय स्थिति

वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्ति पर, आपकी कंपनी के कुल संसाधन ₹6,13,555.48 करोड़ थे। इसमें से, इक्विटी शेयर पूंजी का योगदान ₹2,633.22 करोड़ था, पूर्णतः इक्विटी प्रकृति के लिखत 558.40 करोड़ के थे, आरक्षित और अधिशेष सहित अन्य इक्विटी ₹74,446.35 करोड़ थी, उधार और अन्य वित्तीय देनदारियों सहित वित्तीय देनदारियाँ ₹5,35,518.57 करोड़ थीं और प्रावधानों सहित गैर-वित्तीय देनदारियाँ ₹398.94 करोड़ थीं।

इन निधियों को ₹6,09,517.39 करोड़ के दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण, निवेश आदि सहित वित्तीय परिसंपत्तियों और ₹4,038.08 करोड़ की संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण, कर परिसंपत्तियाँ आदि सहित गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में नियोजित किया गया था, इसके अलावा 0.01 करोड़ की बिक्री के लिए वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ भी थीं।

3. स्वीकृत ऋण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष के ₹3,58,816.34 करोड़ की तुलना में ₹3,37,179.37 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत ऋण 25 में पारंपरिक उत्पादन परियोजनाओं (कोयला खरीद/खनन सहित) के लिए ₹89,631.59 करोड़, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं (बड़ी जलविद्युत सहित) के लिए ₹1,05,258.87 करोड़, चक्रीय बिल भुगतान सुविधा (आरबीपीएफ) और विलंब भुगतान अधिभार (एलपीएस) के अंतर्गत ऋण सहित टीएंडडी परियोजनाओं के लिए ₹85,040.47 करोड़, अवसंरचना और लॉजिस्टिक परियोजनाओं के लिए ₹43,239.44 करोड़ और अल्पकालिक एवं मध्यम अवधि के ऋणों के लिए ₹14,009 करोड़ शामिल हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान श्रेणीवार स्वीकृतियों का विवरण इस रिपोर्ट में बाद में दिया गया है।

4. संवितरण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने कुल ₹1,91,184.67 करोड़ का संवितरण किया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह राशि ₹1,61,462.28 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संवितरण में उत्पादन परियोजनाओं के लिए ₹27,478.44 करोड़, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ₹26,186.43 करोड़, टीएंडडी परियोजनाओं के लिए ₹38,405.35 करोड़, विद्युत अवसंरचना परियोजनाओं के लिए ₹7,848.58 करोड़, अवसंरचना और लॉजिस्टिक परियोजनाओं के लिए ₹10,772.32 करोड़, अल्पावधि और आरबीपीएफ सहित अन्य ऋणों के लिए ₹78,846.66 करोड़ और भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रति-भाग वित्त-पोषण के लिए 1,646.89 करोड़ शामिल हैं।

5. वसूलियाँ

5.1 वित्तीय वर्ष के दौरान वसूलियाँ

आपकी कंपनी मूलधन, ब्याज आदि के अपने बकाये की समय पर वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, मानक परिसंपत्तियों (चरण I और II) के लिए ब्याज सहित वसूली के लिए देय राशि 1,80,907.83 करोड़ थी, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान यह 1,31,403.85 करोड़ थी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान मानक परिसंपत्तियों (चरण I और II) के लिए कुल 1,79,694.70 करोड़ की राशि वसूल की, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 1,31,041.76 करोड़ थी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 99.33% की वसूली दर हासिल की। 31 मार्च, 2025 तक मानक परिसंपत्तियों (चरण I और II) से संबंधित चूककर्ता उधारकर्ताओं पर मूल बकाया राशि 864.33



करोड़ थी। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऋण क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों (चरण III) से 4,462.47 करोड़ की राशि वसूल की गई है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में 137.09 करोड़ की राशि वसूल की गई थी।

5.2 ऋण क्षतिग्रस्त संपत्तियाँ

आपकी कंपनी की ऋण क्षतिग्रस्त संपत्तियाँ (चरण III) निम्न स्तर पर बनी हुई हैं। कंपनी ने अपने लाभ से "क्षति आरक्षित निधि" बनाई है, जो आरबीआई द्वारा जारी आय मान्यता, संपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान (आईआरएसीपी) मानदंडों (मानक संपत्ति प्रावधान सहित) के तहत निर्दिष्ट न्यूनतम आवश्यकता से अधिक है।

31 मार्च, 2025 तक सकल ऋण क्षतिग्रस्त संपत्तियाँ (चरण III) 7,652.65 करोड़ थीं, जो सकल ऋण संपत्तियों का 1.35% है और निवल ऋण क्षतिग्रस्त संपत्तियाँ (चरण III) 2,163.17 करोड़ थीं, जो सकल ऋण संपत्तियों का 0.38% है।

5.3 दबावग्रस्त परिसंपत्ति प्रबंधन

आरईसी, आरबीआई ढांचे और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत समाधान सहित विभिन्न ढाँचों के माध्यम से, दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान की दिशा में निरंतर कार्य करता है। आरईसी अपने एनपीए को न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने में सक्षम रहा है, अर्थात् विद्युत क्षेत्र की समकक्ष कंपनियों में यह सबसे कम है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसी ने नीचे दिए गए विवरण के अनुसार, पाँच दबावग्रस्त विद्युत परियोजनाओं का सफलतापूर्वक समाधान किया है:

(₹ करोड़ में)			
क्रम. सं.	उधारकर्ता का नाम	आरईसी का एक्सपोजर	टिप्पणियाँ
1	लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड	2,214.21	आईबीसी के तहत समाधान किया गया
2	नागाई पावर प्राइवेट लिमिटेड	560.99	आईबीसी के तहत समाधान किया गया
3	केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड	2,596.36	आईबीसी के तहत समाधान किया गया
4	लिंग्स इंडिया लिमिटेड	1.96	डीआरटी और व्यक्तिगत गारंटर के एकमुश्त निपटान के माध्यम से समाधान किया गया
5	कॉर्पोरेट पावर लिमिटेड	797.00	परिसंपत्ति पुनर्निमाण कंपनी को ऋण-समनुदेशन के माध्यम से
कुल		6,170.52	

6. वित्तपोषण हेतु मूल्यांकन प्रणाली

6.1 निजी क्षेत्र की परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु मूल्यांकन प्रणाली

आपकी कंपनी के पास निजी क्षेत्र की परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु अपने स्वयं के दिशानिर्देश हैं। प्रमोटर निकाय का मूल्यांकन प्रमोटर संस्थाओं के वित्तीय निष्पादन, साख, प्रबंधन दक्षता और क्षेत्रीय अनुभव के आधार पर किया जाता है। परियोजना का मूल्यांकन विभिन्न तकनीकी मानदंडों जैसे वैधानिक मंजूरी, पीपीए, बुनियादी ढाँचा आदि के आधार पर किया जाता है। इस प्रकार, परियोजना की 'एकीकृत रेटिंग' इकाई और परियोजना की संयुक्त रेटिंग के आधार पर निर्धारित की जाती है। आरईसी की ब्याज दरें और सुरक्षा संरचना निजी क्षेत्र की परियोजनाओं को दी गई ऐसी एकीकृत रेटिंग से जुड़ी होती हैं।

6.2 राज्य विद्युत उपयोगिताओं, संयुक्त उद्यमों, कंपनियों, संस्थाओं आदि की ग्रेडिंग

आपकी कंपनी के पास राज्य विद्युत उपयोगिताओं (राज्य डिस्कॉम, राज्य विद्युत बोर्ड (एसईबी)/एकीकृत संचालन वाली उपयोगिताओं और विद्युत विभागों को छोड़कर) की ग्रेडिंग के लिए एक सुपरिभाषित नीति और दिशानिर्देश हैं। वित्तपोषण के उद्देश्य से, आपकी कंपनी ने उपयोगिताओं/संस्थाओं को ए++, ए+, ए, बी और सी श्रेणियों में वर्गीकृत किया है।

राज्य पारेषण उपयोगिताओं और राज्य व्यापारिक उपयोगिताओं की ग्रेडिंग, विशिष्ट मापदंडों, प्रचालन और वित्तीय निष्पादन, नियामक अनुपालन, वार्षिक वित्तीय परिणामों आदि के आधार पर उपयोगिता के प्रदर्शन के मूल्यांकन के आधार पर की जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने 23 उपयोगिताओं के संबंध में ग्रेडिंग पूरी कर ली है। इसके अलावा, 3 उपयोगिताएँ अनुत्तरदायी थीं, इसलिए उन्हें ग्रेड नहीं दिया गया।

इसके अलावा, राज्य उत्पादन/धारक उपयोगिताओं की ग्रेडिंग पीएफसी द्वारा की जाती है और आरईसी द्वारा अपनाई जाती है। राज्य विद्युत वितरण उपयोगिताओं (एसईबी/एकीकृत संचालन वाली उपयोगिताओं और विद्युत विभागों सहित) के संबंध में, कंपनी भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ("एमओपी") द्वारा रूपरेखा और रेटिंग के अनुमोदन के बाद, बाहरी सलाहकार द्वारा की गई अंतिम वार्षिक एकीकृत रेटिंग को अपनाती है। डिस्कॉम की एकीकृत रेटिंग के लिए रेटिंग रूपरेखा की समीक्षा और आशोधन बाहरी सलाहकार द्वारा किया गया है।

6.3 परियोजना निगरानी

आरईसी जैसे बड़े और विविध वित्तीय संस्थान के लिए, परियोजनाओं पर कड़ी नज़र रखना महत्वपूर्ण है। आरईसी ने व्यापक परियोजना निगरानी दिशानिर्देश स्थापित किए हैं जिनमें निर्माणाधीन और चालू दोनों परियोजनाओं की गहन निगरानी के लिए प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। ये दिशानिर्देश परियोजना कार्यान्वयन की व्यवस्थित निगरानी और ट्रैकिंग, समय और लागत में वृद्धि को कम करने के लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले संभावित जोखिमों की सक्रिय पहचान को सक्षम बनाते हैं। निगरानी गतिविधियों की आवधिकता ऋण क्षेत्र, परियोजना के प्रकार, निर्माण चरण, ऋण की राशि और संवितरण की स्थिति आदि के आधार पर निर्धारित की जाती है।

समग्र परियोजना निगरानी गतिविधियों की देखरेख कॉर्पोरेट स्तर पर एक समर्पित समूह द्वारा की जाती है। परियोजना निगरानी देश भर में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों और कॉर्पोरेट स्तर पर संबंधित प्रभागों द्वारा की जाती है। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र की परियोजनाओं की कुशल निगरानी सुनिश्चित करने के लिए, स्वतंत्र परियोजना प्रबंधन एजेंसियाँ (पीएमए) भी नियुक्त की जाती हैं। पीएमए भौतिक प्रगति, किसी भी प्रमुख मुद्दे आदि को शामिल करते हुए आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करती हैं, जिससे कुशल निगरानी सुनिश्चित होती है। निगरानी के महत्वपूर्ण अवलोकनों को नियमित आधार पर समाधान के लिए परियोजना डेवलपर्स के साथ उठाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी के प्रबंधन को परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने में सक्षम बनाने के लिए एक समर्पित आरईसी डिजिटल प्लेटफॉर्म भी विकसित किया गया है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म विभिन्न स्तरों पर की गई परियोजना निगरानी का विवरण शामिल करते हुए एक मासिक एमआईएस भी तैयार करता है।

7. वित्तीय वर्ष के दौरान वित्तपोषण गतिविधियाँ

आपकी कंपनी विद्युत उत्पादन (पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा सहित), पारेषण और वितरण परियोजनाओं, गाँवों के विद्युतीकरण सहित बुनियादी ढाँचा और लॉजिस्टिक्स परियोजनाओं और भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती रही है।

वित्तीय वर्ष के दौरान प्रमुख वित्तपोषण गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है:

7.1 उत्पादन

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के कार्यान्वयन, निष्पादन सुधार, कोयला खनन परियोजनाओं, कोयले की खरीद, थर्मल परियोजनाओं के नवीकरण और आधुनिकीकरण (आरएंडएम) आदि सहित उत्पादन परियोजनाओं (हाइड्रो परियोजनाओं को छोड़कर) के लिए 72 ऋण स्वीकृत किए और कुल 89,631.59 करोड़ की ऋण सहायता स्वीकृत की, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	ऋणों की संख्या	ऋण राशि
राज्य क्षेत्र	66	87,482.13
नए ऋण	59	72,672.03
अतिरिक्त ऋण	7	14,810.10
निजी क्षेत्र	6	2,149.46
नए ऋण	6	2,149.46
अतिरिक्त ऋण	-	-
कुल	72	89,631.59

7.2 नवीकरणीय ऊर्जा

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने 16,743.20 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता वाली 92 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं (बड़ी हाइड्रो परियोजनाओं और पम्पड स्टोरेज परियोजनाओं सहित), सौर पार्क परियोजनाओं के लिए कुल 1,05,258.87 करोड़ की ऋण सहायता स्वीकृत की, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	ऋणों की संख्या	ऋण राशि
राज्य क्षेत्र	23	27,859.10
नए ऋण	20	23,536.72
अतिरिक्त ऋण	3	4,322.38
निजी क्षेत्र	69	77,399.77
नए ऋण	65	74,927.75
अतिरिक्त ऋण	4	2,472.02
कुल	92	1,05,258.87

उपरोक्त ऋणों में 1,567 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 7 बड़े हाइड्रो परियोजनाएं, 9,850.60 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 49 सौर ऊर्जा परियोजनाएं, 1,598 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 9 पवन ऊर्जा परियोजनाएं, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 3,247.60 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 14 सौर+पवन हाइब्रिड परियोजनाएं, 480 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 3 पम्पड स्टोरेज परियोजनाएं, 1 सौर मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र, 2 पवन टरबाइन विनिर्माण संयंत्र, 3 सौर इन्फ्रा पार्क, 1 बैटरी विनिर्माण संयंत्र और हाइड्रो परियोजनाओं के लिए 3 आरएंडएम कार्य शामिल हैं।

7.3 पारेषण और वितरण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने भारत सरकार की आरबीपीएफ, आरडीएसएस, एलपीएस, विशेष ऋण और स्मार्ट मीटर योजनाओं सहित कुल 85,040.47 करोड़ की ऋण सहायता वाली 512 पारेषण और वितरण (टीएंडडी) योजनाओं/परियोजनाओं को स्वीकृत किया।

टीएंडडी श्रेणी के तहत स्वीकृत ऋणों का विवरण निम्नलिखित है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	ऋणों की संख्या	ऋण राशि
राज्य क्षेत्र	504	79,533.55
पारेषण ऋण	254	17,559.35
वितरण ऋण	236	47,774.20
एलपीएस के तहत ऋण	1	500.00
आरबीपीएफ	13	13,700.00
निजी क्षेत्र	8	5,506.92
वितरण ऋण	8	5,506.92
कुल	512	85,040.47

7.4 अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने राजमार्गों/सड़कों, बंदरगाहों और शहर गैस वितरण आदि जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवसंरचना परियोजनाओं में कुल 43,239.44 करोड़ की ऋण सहायता वाली 9 अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स परियोजनाओं को स्वीकृत किया।

अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स ऋणों का विवरण निम्नवत है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	ऋणों की संख्या	ऋण राशि
राज्य क्षेत्र	5	37,880.62
बंदरगाह	1	20,014.80
सड़कें	2	14,000.00
अन्य	2	3,865.82
निजी क्षेत्र	4	5,358.82
सड़कें	2	1,409.74
शहर गैस वितरण	1	1,949.08
अन्य	1	2,000.00
कुल	9	43,239.44

7.5 अल्पकालिक/मध्यमकालिक ऋण और अन्य ऋण सहायता

आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न विद्युत क्षेत्र के उधारकर्ताओं को उनकी अल्पकालिक, मध्यमकालिक और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए कुल 14,009 करोड़ के 28 अल्पकालिक और मध्यमकालिक ऋण स्वीकृत किए।

7.6 पूर्वोत्तर राज्यों में वित्तपोषण गतिविधियां

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने पूर्वोत्तर राज्यों में 6 परियोजनाओं के लिए कुल 6,198.44 करोड़ की वित्तीय सहायता स्वीकृत की।

8. वर्तमान टी एंड डी परिदृश्य और अन्य सुधार

चूंकि देश की संस्थापित उत्पादन क्षमता 475 गीगावॉट (31 मार्च, 2025 तक की स्थिति के अनुसार) से अधिक के उच्च स्तर पर है, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नियोजित बड़ी क्षमता के साथ पारेषण और वितरण (टीएंडडी) क्षेत्र में वृद्धि देखे जाने की आशा है। तकनीकी रूप से प्राचीन और पुराने होते वितरण ढांचे को मजबूत किए जाने की भी आवश्यकता है। समय की मांग है कि एक अत्याधुनिक मजबूत और विश्वसनीय पारेषण और वितरण प्रणाली स्थापित की जाए, जो अधिक भार को संभालने में सक्षम हो। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, जैसे नवीकृत वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के



आरईसी द्वारा वित्त-पोषित 4x82.5 मेगावाट अलकनंदा हाइड्रो पावर प्रा. लि. (उत्तराखंड) का बांध और जलाशय

अंतर्गत बहुत से डिस्कॉम स्तरीय सुधारों के साथ विद्युत क्षेत्र में वितरण सर्वाधिक बल प्रदान किया जाने वाला क्षेत्र है। इसलिए, टीएंडडी खंड इस क्षेत्र को विश्वसनीय, किफायती और भविष्य के विकास को अवशोषित करने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आपकी कंपनी, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की वित्त व्यवस्था एजेंसी के रूप में, नई अवसंरचना के निर्माण और मौजूदा नेटवर्क को बढ़ाने/मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाती है। आपकी कंपनी व्यापक रूप से प्रणाली सुधार और संवर्धन, हानि में कमी के उपायों, आईटी आधारित प्रणाली कार्यान्वयन, उपभोक्ता संतुष्टि आदि के उद्देश्यों के साथ परीक्षण और वितरण परियोजनाओं के सभी पहलुओं को वित्त पोषित करती है, और इस प्रकार विद्युत क्षेत्र के विकास और स्थिरता तथा देश की समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

8.1 वितरण क्षेत्र में प्रमुख सुधार

वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के वित्तीय और प्रचालन कार्य निष्पादन में सुधार के लिए सरकार ने हाल ही में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू किया है। वितरण क्षेत्र का सहयोग करने के लिए सरकार के नीतिगत ढांचे में दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य), उज्ज्वल डिस्कॉम आश्वासन योजना (उदय), एकीकृत विद्युत विकास योजना (आईपीडीएस), राष्ट्रीय विद्युत कोष (एनईएफ), चलनिधि अंतःवोशन स्कीम (एलआईएस), विलंबित भुगतान अधिभार (एलपीएस) आदि जैसी पहलें शामिल हैं।

इसके परिणामस्वरूप प्रमुख अवसंरचना सृजन हुआ है और वितरण क्षेत्र में आपूर्ति पक्ष के अंतरों को पाटा गया है। डिस्कॉम को वांछित उपभोक्ता सेवा मानकों को पूरा करने के लिए अपनी प्रचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

यह इस उद्देश्य और 24x7 निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और सस्ती विद्युत आपूर्ति प्रदान करने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता के साथ सुधार-आधारित और परिणाम-संयोजित नवीकृत वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) 2021 में डिस्कॉम में सुधार करने और समयबद्ध

तरीके से प्रदर्शन में सुधार करने के लिए समर्थन देने के लिए शुरू की गई थी। भारत सरकार की इस फ्लैगशिप योजना के लिए नोडल एजेंसी के रूप में आपकी कंपनी को योजना के कार्यान्वयन की देखरेख और निगरानी के लिए 19 राज्यों / संघ राज्यक्षेत्रों को सौंपा गया है, अर्थात् असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गोवा, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और त्रिपुरा। शेष राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को पीएफसी को सौंपा गया है।

शेष गैर-विद्युतीकृत घरों का विद्युतीकरण सुनिश्चित करने के लिए आरडीएसएस के अंतर्गत संबंधित प्रस्तावों को भी मंजूरी दी जा रही है। भारत सरकार ने हाल ही में 15 नवंबर, 2023 को पीएम जनमन योजना शुरू की है जिसका उद्देश्य 18 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के लक्षित विकास का है। विद्युत मंत्रालय पीएम-जनमन के उद्देश्यों के साथ संरेखित करते हुए पीवीटीजी परिवारों के विद्युतीकरण के लिए आरडीएसएस ढांचे का उपयोग करता है। इसके अलावा, वीवीपी (वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम) के तहत पहचाने गए गांवों में घरों के विद्युतीकरण के प्रस्तावों को भी आरडीएसएस के तहत मंजूरी दी जा रही है। इसके अलावा, आरडीएसएस के अंतर्गत डीए-जेजीयूए के एकीकरण द्वारा सरकार का सभी अनुसूचित जनजाति समुदायों के लिए विद्युत पर साम्यतापूर्ण पहुंच को सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखती है।

आपकी कंपनी डिस्कॉम को सुधारों में तेजी लाने और सर्वोत्तम प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिसमें प्रणाली और स्मार्ट ग्रिड के आधुनिकीकरण और स्वचालन, मीटरिंग और उपभोक्ता सेवाओं के लिए आईटी-सक्षम प्रणाली और वितरण क्षेत्र के अन्य तकनीकी हस्तक्षेप शामिल हैं।

सभी के लिए किफायती, विश्वसनीय और टिकाऊ ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु हमारे महत्वाकांक्षी विकास कार्यक्रमों को और तेज करने के लिए, विद्युत मंत्रालय ने विद्युत संशोधन नियम, उपभोक्ता अधिकांश नियम, ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस को सक्षम करना और सब्सिडी मानक संचालन प्रक्रिया आदि के माध्यम से प्रमुख सुधार किए हैं। ये नियम वितरण क्षेत्र में आवश्यक नीति और नियामक परिवर्तनों को लागू करने का लक्ष्य रखते हैं, जिससे इसकी वित्तीय व्यवहार्यता, दक्षता और उपभोक्ता केंद्रितता बढ़े।

प्रमुख सुधार निम्नलिखित नियमों में संशोधन लाने के माध्यम से लाए गए हैं:

1. विद्युत नियम, 2005 में संशोधन

- क. विद्युत (संशोधन) नियम, 2022; ईंधन और विद्युत प्रापण समायोजन अधिभार (एफपीपीएस) के स्वतः पासथ्रू के लिए फार्मूला और प्रक्रिया के कार्यान्वयन को निर्धारित करता है।
- ख. विद्युत (संशोधन) नियम, 2023; सरकार ने अधिनियम की धारा 42 के अंतर्गत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए मंच की स्थापना, राज्य आयोगों द्वारा ओम्बड्समैन की नियुक्ति आदि जैसे पहलुओं को शामिल किया है।
- ग. विद्युत (दूसरा संशोधन) नियम, 2023; सब्सिडी लेखांकन और भुगतान, वित्तीय स्थिरता के लिए फ्रेमवर्क, एटी एंड सी हानि प्रक्षेपवक्र पर राज्यों का मार्गदर्शन करने, हरित ऊर्जा खुली पहुंच आदि के माध्यम से अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने को अधिसूचित किया गया।
- घ. विद्युत (संशोधन) नियम, 2024; ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त अधिभार प्रभार, लागत परिवर्तक प्रशुल्क आदि प्रभाविता करने को कवर किया गया है।

2. विद्युत (उपभोक्ता अधिकार) नियम, 2020:

- क. विद्युत (उपभोक्ता अधिकार) संशोधन नियम, 2021: रूफटॉप सौर प्रणाली से संबंधित तीन प्रमुख शब्दों की परिभाषा में संशोधन करके प्रोसूअर पर ध्यान केंद्रित करने वाले विभिन्न प्रावधानों को अधिसूचित किया गया, जैसे कि ग्रॉस-मीटरिंग, नेट-बिलिंग या नेट फीड-इन और नेट-मीटरिंग।
- ख. विद्युत (उपभोक्ता अधिकार) संशोधन नियम, 2022: उपभोक्ताओं को 24x7 निर्बाध विद्युत आपूर्ति और डीजल जनरेटर सेट पर निर्भरता कम करने के लिए, विशेष रूप से मेट्रो और 1,00,000 से अधिक आबादी वाले शहरों में बढ़ते प्रदूषण स्तरों को नियंत्रित करने के लिए प्रावधानों को अधिसूचित किया गया।
- ग. विद्युत (उपभोक्ता अधिकार) संशोधन नियम, 2023: स्मार्ट मीटर की रिमोट रीडिंग, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के

लिए 10 किलोवाट से अधिक अधिकतम मांग वाले टाइम-ऑफ-डे टैरिफ को 1 अप्रैल, 2024 तक और अन्य उपभोक्ताओं (कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर) के लिए 1 अप्रैल, 2025 तक लागू करने के प्रावधान अधिसूचित किए गए।

- घ. विद्युत (उपभोक्ता अधिकार) संशोधन नियम, 2024: उपभोक्ता आवेदन प्रसंस्करण, ऊर्जा मीटरों के परीक्षण आदि के लिए कम समयसीमा पर ध्यान केंद्रित करने वाले प्रावधान अधिसूचित किए गए।

3. विद्युत (नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस) नियम, 2022 और इसके परवर्ती संशोधन:

सभी के लिए किफायती, विश्वसनीय और टिकाऊ ग्रीन ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से अधिसूचित किया गया। इन नियमों के सक्षम प्रावधानों ने वाणिज्यिक, औद्योगिक, कृषि और डिस्कॉम उपभोक्ताओं को ग्रीन ऊर्जा खरीदने की अनुमति दी, जिसमें 100 किलोवाट या उससे अधिक की अनुबंधित मांग वाले और कृषि उपभोक्ताओं के लिए कोई लोड सीमा नहीं है। मासिक आधार पर बैंकिंग की अनुमति दी गई, जिसमें डिस्कॉम को प्रतिपूर्ति दी गई है।

8.2 पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस)

8.2.1 सिंहावलोकन

आरईसी और पीएफसी भारत सरकार द्वारा 20 जुलाई, 2021 को अधिसूचित सुधार-आधारित और परिणाम-संयोजित आरडीएसएस के लिए नोडल एजेंसियां हैं, जिसमें 3,03,758 करोड़ का परिव्यय और केंद्र सरकार से 97,631 करोड़ का अनुमानित सकल बजटीय समर्थन (जीबीएस) 5 वर्षों की अवधि अर्थात् वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक के लिए है। आरईसी, नोडल एजेंसी के रूप में, 19 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को योजना के कार्यान्वयन की निगरानी और देखरेख के लिए सौंपा गया है। शेष राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को पीएफसी को सौंपा गया है।

सभी डिस्कॉम और राज्य/संघ राज्यक्षेत्रों के विद्युत विभाग, निजी क्षेत्र डिस्कॉम को छोड़कर, इस योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए पात्र हैं। यह योजना डिस्कॉम के लिए वैकल्पिक है और इसे सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों (निजी डिस्कॉम को छोड़कर) के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाना है। यह योजना राज्यों को विशिष्ट



खावडा - भुज ट्रांसमिशन लिमिटेड (गुजरात) में आरईसी द्वारा वित्त-पोषित जीआईएस सबस्टेशन



आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित सुधार उपायों और अवसंरचना कार्यों को अपनाने की अनुमति देती है, जिसे भारत सरकार की स्वीकृति के साथ लागू किया जाता है।

8.2.2 उद्देश्य

योजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. वित्तीय रूप से टिकाऊ और प्रचालनात्मक रूप से कुशल वितरण क्षेत्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और किफायतीपन में सुधार करना;
2. वित्तीय वर्ष 2024-25 तक एटीएंडसी हानियों को अखिल भारतीय स्तर पर 12-15% तक कम करना; और
3. वित्तीय वर्ष 2024-25 तक एसीएस-एआरआर अंतर को शून्य करना।

प्रत्येक वर्ष एटीएंडसी हानियों/एसीएस-एआरआर राजस्व अंतर में कमी लाने के लिए राज्यवार लक्ष्य, एटीएंडसी हानियों और एसीएस-एआरआर अंतर के वर्तमान स्तर पर निर्भर करेगा।

8.2.3 घटक

भाग क – मीटरिंग और वितरण अवसंरचना कार्य:

घटक-I: मीटरिंग

- इस घटक के तहत, उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग और फीडर और वितरण ट्रांसफार्मर स्तर पर संचार सुविधा के साथ प्रणाली मीटरिंग, संबद्ध उन्नत मीटरिंग अवसंरचना (एएमआई) के साथ टोटेक्स मोड में पीपीपी के माध्यम से की जाएगी, ताकि वितरण हानियों को कम करने और ऊर्जा प्रवाह और ऊर्जा लेखा के स्वचालित मापन के साथ-साथ लेखापरीक्षा को सक्षम बनाया जा सके।

घटक-II: वितरण अवसंरचना कार्य

- वितरण अवसंरचना कार्य घटक के अंतर्गत, डिस्कॉम 66 केवी स्तर पर हानि कम करने और प्रणाली सुदृढीकरण से संबंधित कार्य कर सकती है और इससे कम क्षमता वाले लोग इस घटक के अंतर्गत पात्र होंगे। जिन क्षेत्रों में 33 केवी प्रणाली उपलब्ध नहीं है, वहाँ 110 केवी की अनुमति संबंधित डिस्कॉम द्वारा डीपीआर में दिए गए उपयुक्त औचित्य के अधीन दी जाएगी, जिसमें ऐसे कार्यों को शामिल करने के लिए उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार सहित इसके लाभों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऐसे कार्यों की स्वीकृति डिस्कॉम द्वारा दिए गए औचित्य के संबंध में नोडल एजेंसियों और निगरानी समिति की संतुष्टि के अधीन होगी।
- इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सार्वजनिक चार्जिंग अवसंरचना को कनेक्टिविटी प्रदान करने से संबंधित कार्य सामान्य रूप से उपभोक्ता (यहां सार्वजनिक चार्जिंग अवसंरचना स्वामी) या संबंधित डिस्कॉम द्वारा संबंधित एसईआरसी/जेईआरसी के आपूर्ति कोड के प्रावधानों के अनुसार किए जाएंगे। डिस्कॉम की जिम्मेदारी के कार्यों के लिए, डिस्कॉम 'भाग क – वितरण अवसंरचना' के तहत आरडीएसएस से वित्त-पोषण का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न क्षेत्रों में आगामी चार्जिंग आधारभूत ढांचे के कारण आवश्यक होने वाले सामान्य अपस्ट्रीम नेटवर्क विस्तार के लिए योजना के अंतर्गत भी वित्त-पोषण का लाभ डिस्कॉम द्वारा लिया जा सकता है।
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जनवरी 2021 में जारी विद्युत क्षेत्र के लिए आपदा प्रबंधन योजना और इसके भविष्य के संशोधनों, यदि कोई हो, और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा निर्दिष्ट आपदा प्रतिरोधी कार्यों को इस योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए अनुमति दी जाएगी। ऐसे कार्यों को डिस्कॉम द्वारा डीपीआर में एक अलग घटक के रूप में शामिल किया जा सकता है, जिस पर हानि में कमी के लिए डीपीआर के साथ या आधुनिकीकरण और प्रणाली संवर्धन के लिए डीपीआर के साथ मंजूरी के लिए विचार किया जा सकता है।

घटक-III: परियोजना प्रबंधन

- प्रत्येक डिस्कॉम द्वारा परियोजना निर्माण और प्रबंधन के लिए एक या अधिक परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) नियुक्त की जाएगी जो परियोजना के विभिन्न चरणों में उनकी आवश्यकता के आधार पर होगा। पीएमए का दायरा योजना तैयार करना, डीपीआर, निविदा दस्तावेज, कार्य देना, निगरानी, गुणवत्ता आश्वासन, सामग्री निरीक्षण, परिणाम मूल्यांकन या अन्य संबंधित कार्य (संयुक्त मापन प्रमाणपत्र को हस्ताक्षर किए जाने को छोड़कर) शामिल हो सकता है।

भाग ख – प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण तथा अन्य सक्षम और सहायक गतिविधियां:

- मानव कौशल के उन्नयन, प्रक्रिया सुधार, नोडल एजेंसी शुल्क, एमओपी के सक्षम घटकों (संचार योजना, प्रचार, उपभोक्ता सर्वेक्षण, उपभोक्ता जागरूकता और अन्य संबद्ध उपाय जैसे तृतीय-पक्ष मूल्यांकन आदि), स्मार्ट ग्रिड नॉलेज सेंटर का विस्तार (एआई, क्षेत्र स्तर पर योजना के निष्पादन में शामिल कर्मियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सहित), पुरस्कार और सम्मान आदि पर ध्यान केंद्रित करना।

चल रही स्वीकृत परियोजनाएं: आईपीडीएस, डीडीयूजीजेवाई और जम्मू और कश्मीर के पूर्व राज्य के लिए पीएमडीपी 2015 की योजनाओं को इस योजना में शामिल किया जा रहा है और इनके मौजूदा दिशानिर्देशों और शर्तों के तहत लागू किया जाएगा। इन योजनाओं के तहत कोई नई परियोजना स्वीकृत नहीं की जाएगी, लेकिन आईपीडीएस और डीडीयूजीजेवाई के तहत पहले से स्वीकृत परियोजनाएं इस योजना के तहत 31 मार्च, 2022 तक धन प्राप्त करने के लिए पात्र होंगी। हालांकि, आईपीडीएस के तहत अयोध्या, उत्तर प्रदेश के लिए स्वीकृत परियोजनाएं और पीएमडीपी 2015 के तहत स्वीकृत परियोजनाएं 31 मार्च, 2025 तक निधियां प्राप्त करेंगी।

8.2.4 वित्तपोषण पैटर्न

मूल्यांकन ढांचे के अंतर्गत निर्धारित परिणामों और सुधारों की उपलब्धि से जुड़ी योजना के अधीन निम्नानुसार निधि जारी की जाएगी:

भाग क - मीटरिंग और वितरण अवसंरचना कार्य

घटक-I: मौजूदा अवसंरचना के एकीकरण सहित उपभोक्ता, डीटी और फीडर स्तर पर प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग समाधानों को जीबीएस के माध्यम से निम्नानुसार वित्त पोषित किया जाएगा:

- विशेष श्रेणी के अधिसूचित राज्यों को छोड़कर" डिस्कॉम के लिए प्रति उपभोक्ता मीटर ₹900 की एक निश्चित राशि, या पूरी परियोजना के लिए आकलित प्रति उपभोक्ता मीटर लागत का 15%, जो भी कम हो।
- विशेष श्रेणी के अधिसूचित राज्यों में डिस्कॉम के लिए, प्रति उपभोक्ता मीटर ₹1,350 की एक निश्चित राशि, या पूरी परियोजना के लिए आकलित प्रति उपभोक्ता मीटर लागत का 22.5%, जो भी कम हो।

दिसंबर 2023 तक स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की संस्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए, स्क्रीम के तहत निम्नानुसार प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं:

- विशेष श्रेणी के अधिसूचित राज्यों को छोड़कर डिस्कॉम के लिए प्रति उपभोक्ता मीटर ₹450 की एक निश्चित राशि, या पूरी परियोजना के लिए आकलित प्रति उपभोक्ता मीटर लागत का 7.5%, जो भी कम हो।
- विशेष श्रेणी के अधिसूचित राज्यों में डिस्कॉम के लिए, प्रति उपभोक्ता मीटर ₹675 की एक निश्चित राशि, या पूरी परियोजना के लिए आकलित प्रति उपभोक्ता मीटर लागत का 11.25%, जो भी कम हो।

घटक-II: एससीएडीए, डीएमएस, एबी केबलों, फीडर पृथक्करण सहित वितरण अवसंरचना कार्य जीबीएस के माध्यम वित्त पोषित की

जाने वाली अधिकतम वित्तीय सहायता इस प्रकार होगी:

- विशेष श्रेणी के राज्यों के अलावा डिस्कॉम के लिए, अनुमोदित परियोजना लागत का 60% तक, और
- विशेष श्रेणी के राज्यों में डिस्कॉम के लिए, अनुमोदित परियोजना लागत का 90% तक।

भाग ख – प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण तथा अन्य सक्षमकारी और समर्थकारी क्रियाकलाप:

- अनुमानित परियोजना लागत का 100% जीबीएस के माध्यम से वित्त-पोषण के लिए पात्र होगा।

जारी अनुमोदित परियोजनाएं: आरडीएसएस में समामेलित पीएमडीपी 2015 के तहत संस्वीकृत परियोजनाएं, संस्वीकृति के मौजूदा दिशानिर्देशों और निबंधनों एवं शर्तों के संदर्भ में आरडीएसएस के तहत निधियों का अनुदान प्राप्त करने की पात्र होंगी।

8.2.5 विद्युत वितरण क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग

भारत सरकार वितरण क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों को विकसित करने और इस क्षेत्र में केंद्रित स्टार्टअप्स, उद्यमियों सहित प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाताओं (टीएसपी) को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आरडीएसएस भी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/परिचालन प्रौद्योगिकी (ओटी) उपकरणों जैसे प्रणाली मीटर और प्रीपेड स्मार्ट मीटर से उत्पन्न डाटा का विश्लेषण करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने पर विशेष जोर देता है।

इसके बाद, स्थापित टीएसपी और इनक्यूबेटर्स के मौजूदा नेटवर्क का लाभ उठाने और डिस्कॉम में उपयोग के मामलों को परीक्षण करने और बढ़ाने के लिए और विद्युत वितरण क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए एक मंच स्थापित करने के लिए दो-आयामी रणनीति तैयार की गई थी। रणनीति के पहले भाग के लिए, 7 फरवरी, 2022 को "पावरथॉन-2022" प्रतियोगिता शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य एआई/एमएल, ब्लॉकचेन, आईओटी, वीआर/एआर आदि जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित तत्काल उपलब्ध समाधानों के साथ टीएसपी की पहचान और चयन करना था। इस प्रतियोगिता में 10 समस्या क्षेत्रों में 275 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 37 टीएसपी को प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) चरण के लिए चुना गया और 33 ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके बाद, 7 टीएसपी ने पायलट परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया

और आगे 3 टीएसपी को चयनित डिस्कॉम में बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए चुना गया, जिसमें प्रत्येक टीएसपी का समाधान 2 डिस्कॉम में लागू किया जा रहा है।

आगे बढ़ते हुए, पावरथॉन के चरण-2 अर्थात "पावरथॉन-2024" के लिए ढांचा तैयार किया गया है, जो विद्युत वितरण क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए आधारशिला स्थापित करने के लिए है। चरण-2 तत्काल उपलब्ध समाधानों, विचार/अवधारणा वाले टीएसपी को संसाधन, मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसर प्रदान करके इन विचारों को व्यवहार्य, बाजार-तैयार तकनीकी समाधानों में विकसित करने के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान करेगा। पावरथॉन-2024 के ढांचे को 11 नवंबर, 2024 को सचिव (विद्युत) की अध्यक्षता में आयोजित आरडीएसएस की निगरानी समिति की 43वीं बैठक में स्वीकृत किया गया है।

8.3 राष्ट्रीय विद्युत कोष

आरईसी राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ) के संचालन के लिए नोडल एजेंसी है, जो एक ब्याज सब्सिडी योजना है जिसमें 8,466 करोड़ (ब्याज सब्सिडी और अन्य आकस्मिक व्ययों के प्रति) का प्रावधान है, जिसे दो वित्तीय वर्षों अर्थात 2012-13 और 2013-14 के दौरान संस्वीकृत वितरण योजनाओं के लिए 23,973 करोड़ के ऋण संवितरण पर प्रदत्त ब्याज के लिए 14 वर्षों में प्रदान किया जाना है। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार वितरण क्षेत्र में अवसरचर्चा के सुधार के लिए सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में राज्य विद्युत उपयोगिताओं और वितरण कंपनियों द्वारा लिए गए ऋण के लिए भुगतान किए गए ब्याज पर ब्याज सब्सिडी प्रदान करता है। इस सुधार से जुड़ी योजना में, एनईएफ दिशानिर्देशों में उल्लिखित सुधार-आधारित मापदंडों की उपलब्धि पर, डिस्कॉम को 3% से 7% की सीमा में ब्याज सब्सिडी देय है।

आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों की उपयोगिताएं पहले ही इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं जिसमें 31 मार्च, 2025 तक 2,668.31 करोड़ की ब्याज सब्सिडी जारी की गई है।

8.4 डिस्कॉम उपभोक्ता सेवा रेटिंग

देश भर में डिस्कॉम (सार्वजनिक/निजी) के उपभोक्ता-केंद्रित सेवा और प्रचालन मापदंडों के आधार पर ग्रेडिंग के लिए आरईसी द्वारा



आरईसी द्वारा वित्त-पोषित मुंबई मेट्रो परियोजना



एक अभ्यास किया गया था। स्कोरिंग चार व्यापक मापदंडों पर फैली हुई है, अर्थात (i) प्रचालन विश्वसनीयता, (ii) कनेक्शन और अन्य सेवाएं, (iii) मीटरिंग, बिलिंग और संग्रहण, और (iv) दोष सुधार और शिकायत निवारण। डिस्कॉम की उपभोक्ता सेवा रेटिंग की चौथी संस्करण की रिपोर्ट (वित्तीय वर्ष 2023-24) आरईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है: <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-usri-crsd-report-fy-23-24-dt240225.pdf>

8.5 वितरण उपयोगिता रैंकिंग

विद्युत मंत्रालय ने देश भर में विद्युत सेवाओं की निगरानी के लिए विभिन्न सुधारों और नीतियों के साथ-साथ प्रथाओं को लागू किया है। डिस्कॉम की उपभोक्ता सेवा रेटिंग (सीएसआरडी) और वार्षिक एकीकृत रेटिंग और रैंकिंग (एआईआरआर) अभ्यास, जो क्रमशः आरईसी और पीएफसी द्वारा आयोजित किए जाते हैं, डिस्कॉम के प्रचालन और वित्तीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन की गई पहलों में से हैं। ये रिपोर्ट डिस्कॉम द्वारा उपभोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करने, प्रमुख नीति और नियामक मानकों का अनुपालन करने और वित्तीय प्रदर्शन की पारदर्शी और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन प्रदान करती हैं। हालांकि इन दो अभ्यासों में कुछ महत्वपूर्ण प्रदर्शन संकेतक शामिल हैं, डिस्कॉम के संपूर्ण मूल्यांकन के लिए अतिरिक्त मीट्रिक्स आवश्यक हैं। तदनुसार, सभी समावेशी रैंकिंग लाने के लिए विभिन्न हितधारकों के परामर्श से विद्युत मंत्रालय द्वारा "वितरण उपयोगिता रैंकिंग" पद्धति तैयार की गई थी। यह रैंकिंग मॉडल छह व्यापक पहलुओं को कवर करती है, अर्थात आईआर रिपोर्ट, सीएसआरडी रिपोर्ट, आरपीओ उपलब्धि, संचार योग्य प्रणाली मीटरिंग, मांग पक्ष प्रतिक्रिया और संसाधन पर्याप्तता।

विद्युत मंत्रालय ने आरईसी को वितरण उपयोगिता रैंकिंग अभ्यास करने और परिणामों को प्रतिवर्ष जनवरी के अंत तक प्रकाशित करने का कार्य सौंपा है। पहली संस्करण की रिपोर्ट 20 फरवरी, 2025 को लॉन्च की गई थी। इसे <https://recindia.nic.in/distribution-utilities-ranking> पर देखा जा सकता है।

8.6 राष्ट्रीय फीडर निगरानी प्रणाली

आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल), आरईसी की सहायक कंपनी, राष्ट्रीय फीडर निगरानी प्रणाली (एनएफएमएस) के कार्यान्वयन का नेतृत्व कर रही है, जो एक क्लाउड-आधारित केंद्रीय आईटी प्लेटफॉर्म है। यह प्लेटफॉर्म देश भर में विद्युत वितरण सब-स्टेशनों से 33/22/11 केवी आउटगोइंग वितरण फीडरों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अत्याधुनिक मशीन-टू-मशीन (एम2एम) डाटा ट्रांसमिशन विधि का उपयोग करता है, जो कुशल और सटीक डाटा संग्रह सुनिश्चित करता है और मैनुअल हस्तक्षेप से जुड़ी त्रुटियों को कम करता है। वितरण प्रणाली में ऊर्जा आदान-प्रदान के सटीक और प्रभावी ऑनलाइन रिकॉर्डिंग पर जोर देना प्रचालन त्रुटियों को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। डाटा संग्रह और ट्रांसमिशन को स्वचालित करके, यह पहल विद्युत वितरण की विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाने का लक्ष्य रखती है।

इसके अतिरिक्त, वेब-आधारित विश्लेषणात्मक प्लेटफॉर्म प्रदान करने पर ध्यान देना उल्लेखनीय है, क्योंकि यह हितधारकों को विभिन्न विद्युत उपयोगिताओं में फीडर डाटा से रिपोर्ट उत्पन्न करने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। यह क्षमता सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक है, जिससे हितधारकों को वितरण नेटवर्क के भीतर रुझानों, विसंगतियों और अनुकूलन के अवसरों की पहचान करने में मदद मिलती है। देश भर में सभी विद्युत उपयोगिताओं में लगभग 2.50 लाख फीडरों को कवर करना एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, लेकिन 2.06 लाख फीडरों का एकीकरण पहले से ही महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है। 68 विद्युत उपयोगिताओं और 30 राज्यों द्वारा दैनिक आधार पर

प्रणाली को डाटा भेजने के साथ, यह परियोजना निगरानी, विश्लेषण और निर्णय लेने को बढ़ाने के अपने मिशन में अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।

8.7 पारेषण परियोजनाओं का कार्यान्वयन

आरईसीपीडीसीएल लद्दाख पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (एलपीडीडी) की ओर से पीएमडीपी-15 के तहत लद्दाख के नुब्रा और ज़ांस्कर घाटी में 220 केवी पारेषण लाइनों (टीएल) और आधुनिक गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस) सहित पारेषण परियोजनाओं को लागू कर रहा है। यह परियोजना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे देश में, संभवतः विश्व में, समुद्र तल से 3 से 5 किमी की ऊंचाई पर, -45 डिग्री सेल्सियस से +35 डिग्री सेल्सियस तक के कठिन मौसम, भारी हिमपात और हिमस्खलन प्रवण क्षेत्र में निष्पादित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से लद्दाख क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को लाभ होगा।

8.8 स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग

आरईसीपीडीसीएल देश भर में परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) के रूप में उन्नत मीटरिंग अवसंरचना (एएमआई) परियोजनाओं को लागू कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक, आरईसीपीडीसीएल ने पीएमडीपी, एसडीपी और स्मार्ट ग्रिड परियोजना जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ में 7.45 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए हैं।

इसके अतिरिक्त, आरडीएसएस योजना के तहत, आरईसीपीडीसीएल जम्मू और कश्मीर के लिए 15 लाख स्मार्ट मीटर और गुजरात डिस्कॉम के लिए 98.58 लाख स्मार्ट मीटर की स्मार्ट मीटरिंग परियोजनाओं को लागू कर रहा है। इनमें से जम्मू और कश्मीर में 0.85 लाख स्मार्ट मीटर और गुजरात में 3.59 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए गए हैं।

8.9 11केवी ग्रामीण फीडर निगरानी योजना

एनएफएमएस शुरू करने से पहले, आरईसीपीडीसीएल 11केवी ग्रामीण फीडर निगरानी प्रणाली लागू कर रहा था, जिसका उद्देश्य "24x7 पावर फॉर ऑल" की उपलब्धि के लिए फीडर स्तर पर ग्रामीण विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता मापदंडों की निगरानी करना था।

आरएफएमएस के तहत, मॉडम/डीसीयू जैसे संचार उपकरणों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण, कृषि और मिश्रित (कृषि ग्रामीण) 11केवी फीडरों की निगरानी के लिए वेब-आधारित स्वचालित प्रणाली विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। हितधारकों को कई आवश्यक फीडर मीटर मापदंडों से प्राप्त डाटा के माध्यम से संज्ञानात्मक अंतर्दृष्टि और उपयोगी एमआईएस प्रदान किया गया।

आरएफएमएस ने देश भर में सभी ग्रामीण फीडरों को मजबूत किया और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता मापदंडों का अनुमान लगाने में काफी हद तक योगदान दिया। आरएफएमएस प्रणाली को 31 दिसंबर, 2024 को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया।

8.10 नवीकरणीय ऊर्जा पहल

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसीपीडीसीएल ने सीईआरसी से श्रेणी-I व्यापार लाइसेंस प्राप्त किया, जिससे कंपनी को भारत के सभी राज्यों और क्षेत्रों में विद्युत व्यापार करने में सक्षम बनाया गया, जिससे विद्युत बाजार में राष्ट्रीय स्तर की उपस्थिति सुनिश्चित हुई। इसके अतिरिक्त, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी (आरईआईए) के रूप में पैनलबद्ध किए जाने की जांच चल रही है।

इसके अलावा, आरईसीपीडीसीएल ने वित्तीय वर्ष के दौरान महाजेनको रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एमआरईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया, जिसमें संयुक्त उद्यम (जेवी) के गठन के लिए आरईसीपीडीसीएल ग्रीन ऊर्जा क्षेत्र में डेवलपर के रूप में कार्य करने

को तलाश रहा है, जो 2030 तक 500 गीगावाट स्थापित क्षमता के लिए भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा संक्रमण के प्रयासों को पूरक बनाएगा। यह कंपनी की ग्रीन ऊर्जा खंड में उपस्थिति को और बढ़ाएगा। इस संबंध में जेवी के गठन की स्वीकृति विद्युत मंत्रालय (एमओपी) के विचाराधीन है।

8.11 पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

भारत सरकार ने सौर रूफटॉप क्षमता बढ़ाने और आवासीय घरों को अपने विद्युत उत्पन्न करने के लिए सशक्त बनाने हेतु 29 फरवरी, 2024 को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी। इस योजना का परिचय 75,021 करोड़ (जिसमें 65,700 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल है) है और इसे वित्तीय वर्ष 2026-27 तक लागू किया जाना है। इस योजना को 16 मार्च, 2024 को आदेश संख्या 318/17/2024-ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप के माध्यम से प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी।

यह योजना 1 करोड़ आवासीय घरों में रूफटॉप सौर प्रणालियों को स्थापित करने का लक्ष्य रखती है, जो प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त/कम लागत वाली विद्युत प्रदान करती है। यह स्थापित क्षमता से 1,000 बिलियन यूनिट नवीकरणीय विद्युत उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती है, जिससे इन रूफटॉप सौर परियोजनाओं के 25 वर्ष के जीवनकाल में 720 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन को कम करने की उम्मीद है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढांचे के तहत भारत की राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है, जिसका लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2026-27 तक आवासीय क्षेत्र में 30 गीगावाट रूफटॉप सौर क्षमता प्राप्त करना है।

यह योजना 2 किलोवाट पावर की बेंचमार्क लागत का 60% और अतिरिक्त किलोवाट पावर की बेंचमार्क लागत का 40% कवर करने वाली पर्याप्त सब्सिडी प्रदान करती है, जो 3 किलोवाट पावर तक सीमित है।

क्र. सं.	आवासीय खंड का प्रकार	केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए)	सीएफए (विशेष श्रेणी राज्य)
1	आवासीय क्षेत्र (आरटीएस क्षमता के पहले 2 केडब्ल्यूपी या तत्संबंधी भाग)	₹30,000/ प्रति केडब्ल्यूपी	₹33,000/ प्रति केडब्ल्यूपी
2	आवासीय क्षेत्र (1 केडब्ल्यूपी या तत्संबंधी भाग की अतिरिक्त आरटीएस क्षमता)	₹18,000/ प्रति केडब्ल्यूपी	₹19,800/ प्रति केडब्ल्यूपी
3	आवासीय क्षेत्र (3 केडब्ल्यूपी से परे अतिरिक्त आरटीएस क्षमता)	कोई अतिरिक्त सीएफए नहीं	कोई अतिरिक्त सीएफए नहीं
4	ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी/ आवासीय वेल्फेयर एसोसिएशन (जीएचएस/ आरडब्ल्यूए) आदि को 500 केडब्ल्यूपी तक ईवी चार्जिंग सहित समान सुविधाओं के लिए (प्रति घर 3 केडब्ल्यूपी की दर से)	₹18,000/ प्रति केडब्ल्यूपी	₹19,800/ प्रति केडब्ल्यूपी

31 मार्च, 2025 तक प्रगति

31 मार्च, 2025 तक, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत कुल 48.8 लाख आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 11.05 लाख स्थापनाएं पूरी की गईं (जिनमें 2.5 लाख घरों को कवर करने वाले आरडब्ल्यूए घर शामिल हैं)। कुल स्थापित क्षमता 3.3 गीगावाट तक पहुंच गई और 5,437.21 करोड़ की सीएफए वितरित की गई।

इसके अतिरिक्त, रूफटॉप सौर योजना चरण II को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में शामिल किया गया है।

9. सरकारी कार्यक्रमों के तहत निष्पादन और उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान और 31 मार्च, 2025 तक संचयी रूप से विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के तहत निष्पादन और उपलब्धियां निम्नवत हैं:

9.1 वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आरडीएसएस और पीएमडीपी-2015 के तहत निष्पादन और उपलब्धियां:

क. स्वीकृति और वितरण: वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसी (नोडल एजेंसी) को सौंपे गए राज्यों में स्मार्ट मीटरिंग और नुकसान में कमी के कार्यों सहित पीएमए शुल्क के साथ 16,573.62 करोड़ की राशि आरडीएसएस के तहत स्वीकृत की गई।

भारत सरकार की सब्सिडी आरईसी के माध्यम से चैनलाइज की जाती है और संबंधित राज्य सरकार या कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा मिलान योगदान किसी वित्तीय संस्थान से ऋण या उनके स्वयं के स्रोतों से प्रदान किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को 7,948 करोड़ की कुल जीबीएस निधि जारी की गई और उपयोग की गई, जिसमें पीएमडीपी-2015 के लिए 630.81 करोड़ शामिल हैं।

ख. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भौतिक प्रगति:

- आरडीएसएस के तहत स्थापित स्मार्ट उपभोक्ता मीटरिंग की संख्या: 71,55,054
- आरडीएसएस के तहत नुकसान में कमी के कार्यों की भौतिक प्रगति: 29.57%

9.2 1 मार्च, 2025 तक संचयी प्रदर्शन

क. स्वीकृति और वितरण: आरडीएसएस के तहत, आरईसी (नोडल एजेंसी) को सौंपे गए राज्यों को ग्रामों में ग्रिड कनेक्टिविटी, नए सबस्टेशन की स्वीकृति, शेष कृषि फीडरो का पृथक्करण, स्मार्ट मीटरिंग के लिए सहायक वस्तुएं, अतिरिक्त घरेलू विद्युतीकरण (पीवीटीजी और डीए-जेजीयूए घरों सहित) और नोएडा के लिए आधुनिकीकरण कार्यों के लिए 1,59,371.24 करोड़ (पीएमए सहित) स्वीकृत किए गए।

योजना के शुभारंभ के बाद से, 31 मार्च, 2025 तक कार्यान्वयन एजेंसियों को आरईसी द्वारा नोडल एजेंसी के रूप में 15,355.34 करोड़ की भारत सरकार की अनुदान निधि वितरित की गई (जिसमें पीएमडीपी-2015: 2,170.18 करोड़ शामिल हैं)।

ख. आरडीएसएस के तहत भौतिक प्रगति

योजना की शुरुआत से 31 मार्च, 2025 तक निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए:

- आरडीएसएस के तहत स्थापित स्मार्ट उपभोक्ता मीटरिंग की संख्या: 87,05,085।

इसके अतिरिक्त, डीडीयूजीजेवाई और सौभाग्य योजना 31 मार्च, 2022 को बंद हो गई और इसके बाद इन योजनाओं के तहत धन या भौतिक प्रगति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

10. मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी

आपकी कंपनी वितरण प्रणाली क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करती है, जो सरकारी योजनाओं को लागू करने में राज्य विद्युत उपयोगिताओं को मजबूत समर्थन प्रदान करती है। कंपनी द्वारा जारी वितरण प्रणाली उपकरणों के लिए तकनीकी विनिर्देश, गारंटीकृत तकनीकी विवरण (जीटीपी), लेआउट चित्र, डाटा शीट और निर्माण मानक राज्य विद्युत उपयोगिताओं द्वारा उनके राज्य-विशिष्ट प्रथाओं के समर्थन में उपयोग किए जाते हैं।

आपकी कंपनी 19 राज्यों में आरडीएसएस के लिए नोडल एजेंसी है,



जो वितरण क्षेत्र को मजबूत करके उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और किफायतीपन में सुधार करती है। इस योजना के लिए जारी व्यापक गुणवत्ता दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, नोडल एजेंसी अर्थात आरईसी, डिस्कॉम द्वारा किए गए आंतरिक गुणवत्ता जांच और प्रक्रियाओं के अतिरिक्त, तृतीय-पक्ष गुणवत्ता निगरानी एजेंसियों (टीपीक्यूएमए) के माध्यम से आरडीएसएस गुणवत्ता कार्यों की समवर्ती जांच करती है। टीपीक्यूएमए द्वारा समवर्ती गुणवत्ता जांच में पावर ट्रांसफार्मरों के लिए प्री-डिस्पैच निरीक्षण, क्षेत्र सामग्री गुणवत्ता निरीक्षण शामिल हैं, जिसमें साइट स्टोर से यादृच्छिक नमूने लिए जाते हैं और और क्षेत्र में तीन चरणों में कार्यों के सत्यापन के लिए क्षेत्र कार्य गुणवत्ता निरीक्षण (एफडब्ल्यूक्यूआई) एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण द्वारा किए जाते हैं। इसके बाद, प्रमुख सामग्रियों के आपूर्ति किए गए लॉट के लिए डिस्कॉम/पीडी को सामग्री मंजूरी प्रमाणपत्र/सामग्री अस्वीकृति प्रमाणपत्र जारी किए गए। पावर ट्रांसफार्मरों का प्री-डिस्पैच निरीक्षण (पीडीआई) भी आयोजित किया गया। आरडीएसएस दिशानिर्देशों के अनुसार, एफडब्ल्यूक्यूआई के तीन चरण 30%, 80% और 100% भौतिक प्रगति के अनुरूप वित्तीय प्रगति के आधार पर किए जाने हैं। पात्र जिलों के लिए चरण-1 (30%) के लिए एफडब्ल्यूक्यूआई कॉल उठाए गए हैं।

11. जोखिम प्रबंधन

कंपनी की एक व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति है, जिसमें क्रेडिट जोखिम प्रचालन जोखिम, चलनिधि जोखिम और बाजार जोखिम सहित विभिन्न जोखिम शामिल हैं। कंपनी ने अपने विभिन्न जोखिमों की पहचान की है और उन्हें कम करने के लिए लगातार उचित कदम उठा रही है।

प्रमुख जोखिमों और उनके शमनीकरण उपायों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- (i) **ऋण जोखिम:** क्रेडिट जोखिम वित्त पोषण उद्योग में निहित जोखिम है और इसमें हानि होने का जोखिम शामिल है, जो उधारकर्ता की क्रेडिट गुणवत्ता में कमी से उत्पन्न होता है और वह जोखिम कि उधारकर्ता ऋण या अग्रिम के तहत संविदात्मक पुनर्भुगतान पर चूक करेगा।

इसे कम करने के लिए, कंपनी क्रेडिट जोखिम का आकलन करने के लिए व्यवस्थित संस्थागत और परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया का पालन करती है। इन प्रक्रियाओं में एक विस्तृत मूल्यांकन पद्धति, जोखिमों की पहचान और उपयुक्त संरचना और ऋण जोखिम कम करने के उपाय शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त, व्यावसायिक इकाइयों द्वारा नियमित समग्र निगरानी के अलावा, एक अधिक विस्तृत परियोजना जोखिम वर्गीकरण ढाँचा विकसित किया गया है, जिसमें चयनित परियोजनाओं के लिए परियोजना स्तर पर जोखिम मूल्यांकन किया जा रहा है और 'उच्च' या 'मध्यम' जोखिम श्रेणी वाली परियोजनाओं पर जोखिम प्रबंधन उप-समिति (आरएमएससी) की बैठकों में विचार-विमर्श किया जा रहा है।

- (ii) **प्रचालनात्मक जोखिम:** प्रचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं से उत्पन्न होता है।

कंपनी के प्रचालन जोखिमों का अध्ययन व्यवसाय, अनुपालन, वित्त, मानव संसाधन, साइबर सुरक्षा, कानूनी, प्रचालन और सामरिक जैसे सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में किया जाता है। कंपनी ने एक व्यापक जोखिम रजिस्टर लागू किया है, जिसके माध्यम से सभी प्रचालन जोखिमों को मापा जाता है और उन्हें उच्च, मध्यम या निम्न के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

- (iii) **चलनिधि जोखिम:** चलनिधि जोखिम मुख्य रूप से कंपनी की परिसंपत्तियों और देनदारियों से जुड़ी परिपक्वता के बेमेल के कारण उत्पन्न होता है। देनदारियों को पूरा करने में संभावित अक्षमता का जोखिम शामिल होता है क्योंकि वे देय हो जाती हैं। चलनिधि जोखिम में कंपनी की परिसंपत्तियों में वृद्धि को धन प्रदान करने, वित्त पोषण स्रोतों में अनियोजित परिवर्तनों का प्रबंधन करने और आवश्यकता पड़ने पर दायित्वों को पूरा करने में असमर्थता शामिल है। कंपनी को चलनिधि जोखिमों को सामना करना पड़ता है, जिसके लिए प्रतिकूल शर्तों पर धन जुटाने या परिसंपत्तियों को समाप्त करने की आवश्यकता हो सकती है।

चलनिधि जोखिम को कम करने के लिए, परियोजना संवितरण और परिपक्व दायित्वों के आधार पर भविष्योन्मुखी संसाधन जुटाने सहित रणनीतियों का मिश्रण शामिल होता है।



आरईसी द्वारा वित्त-पोषित जम्मू और कश्मीर में 624 मेगावाट का हाइड्रो विद्युत संयंत्र

(iv) **बाजार जोखिम:** कंपनी के बाजार जोखिम को कंपनी की आय और पूंजी के लिए जोखिम के रूप में परिभाषित किया गया है, जो बाजार की गतिशीलता में बदलाव के कारण उत्पन्न होता है, जैसे ब्याज दर या प्रतिभूतियों की कीमतें, विदेशी मुद्रा में उतार चढ़ाव।

कंपनी ने बाजार जोखिम को कम करने के लिए विभिन्न जोखिम सीमाएं लागू की हैं। कंपनी ने ब्याज दर जोखिम, तरलता जोखिम और विदेशी मुद्रा जोखिम सहित बाजार जोखिम के घटकों की निगरानी के लिए एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति का भी गठन किया है।

(v) **ब्याज दर जोखिम:** ब्याज दर जोखिम बाजार ब्याज दरों में उतार चढ़ाव से उत्पन्न होने वाली संभावित हानि है।

ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए, आपकी कंपनी समय-समय पर प्रचलित बाजार दरों के आधार पर अपनी उधार दरों और उधार की भारित औसत लागत की समीक्षा करती है।

(vi) **फॉरेक्स जोखिम:** विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम में मुद्राओं के बीच विनिमय दर में उतार-चढ़ाव शामिल होता है जो विदेशी मुद्रा मूल्यवर्ग की परिसंपत्तियों, देनदारियों और तुलन-पत्र से इतर व्यवस्था के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

कंपनी उचित हेजिंग रणनीतियों के माध्यम से विनिमय दर और ब्याज दर से जुड़े विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रबंधन करती है।

(vii) **पर्यावरण, सामाजिक और शासन संबंधी (ईएसजी) जोखिम:** ईएसजी संबंधी जोखिम पर्यावरणीय, सामाजिक और सुशासन कारकों से उत्पन्न होते हैं जिनका कंपनी के प्रचालन, वित्तीय प्रदर्शन और प्रबंधन पर प्रभाव पड़ता है। विश्व भर में संबंधित अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ती जलवायु चिंताओं और सरकारों के प्रोत्साहन के कारण, ईएसजी संबंधी जोखिमों पर बहुत महत्व दिया गया है।

आरईसी अपने प्रचालन, वित्तीय और जोखिम प्रबंधन से जुड़े निर्णय लेने में पर्यावरणीय प्रभाव संबंधी विचारों को शामिल

करता है। इस संबंध में, कंपनी ने फोकस क्षेत्रों को कवर करते हुए एक ईएसजी नीति तैयार और कार्यान्वित की है।

सूचना और साइबर सुरक्षा पहलें

वित्तीय वर्ष 2024-25 ने साइबर सुरक्षा में महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित किया है, जिसमें एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे की स्थापना की गई है। आरईसी के पास आईएसओ 27001:2013 प्रमाणन है, और बीएसआई द्वारा एक निगरानी लेखापरीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। इसे वर्तमान में आईएसओ 27001:2022 संस्करण में अपग्रेड किया जा रहा है।

कार्मिकों के लिए आंतरिक और बाहरी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ कई जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जो उभरते साइबर खतरों और डाटा सुरक्षा बनाए रखने की रोकथाम तकनीकों पर केंद्रित थे। आरईसी ने अक्टूबर 2024 में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह (एनसीएसएएम) को "सिक्वोर आवर वर्ल्ड" थीम के साथ सभी कार्मिकों के लिए विभिन्न आयोजनों और गतिविधियों का आयोजन करके सफलतापूर्वक समाप्त किया।

संगठन की साइबर सुरक्षा स्थिति को बेहतर बनाने के लिए सुरक्षा कमजोरियों की पहचान और शमन करने के लिए अर्ध-वार्षिक आधार पर जोखिम मूल्यांकन और पैठ परीक्षण (वीएपीटी) आयोजित किए गए। आरईसी ने संचालन को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से बहाल करने के लिए अर्ध-वार्षिक आधार पर डीआर ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित किए।

सभी कार्मिकों के लिए सोशल इंजीनियरिंग अभ्यास वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों का अनुकरण करके आयोजित किए गए, जिसका उद्देश्य कार्मिक जागरूकता बढ़ाना और साइबर जोखिमों से बचाव करना था।

11.1 जोखिम प्रबंधन समिति

कंपनी ने एक जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) की स्थापना की है जिसमें कंपनी के एकीकृत जोखिमों की निगरानी के लिए निदेशक शामिल हैं। आरएमसी की प्राथमिक भूमिका विभिन्न जोखिमों की निगरानी करना और कंपनी के संचालन और संबंधित मामलों से संबंधित शमन कार्यों की सिफारिश करना है। इसके अतिरिक्त, आरबीआई मानदंडों के अनुपालन में, कंपनी ने एक मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) नियुक्त किया है जो आरएमसी के संयोजक के रूप में कार्य करता है, प्रभावी समन्वय और जोखिम निरीक्षण सुनिश्चित करता है।



आरईसी बीएसआई से आईएसओ 31000 : 2018 'स्वतंत्र वैचारिक टिप्पणी' प्राप्त करने वाली पहली सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी बनी



11.2 परिसंपत्ति दायित्व प्रबंधन समिति

एनबीएफसी के लिए आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसरण में, कंपनी ने परिसंपत्ति दायित्व प्रबंधन (एएलएम) प्रणाली के लिए एक परिसंपत्ति दायित्व प्रबंधन समिति (एएलसीओ) का गठन किया है। एएलसीओ की अध्यक्षता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) करते हैं, जिसमें निदेशक (परियोजना), निदेशक (वित्त), कंपनी के वित्त और प्रचालन प्रभागों के कार्यपालक निदेशक (ईडी)/एचओडी और कंपनी के सीआरओ शामिल होते हैं। एएलसीओ ब्याज दरों, तरलता और मुद्रा दरों से संबंधित जोखिमों की निगरानी करती है।

12. जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा

कंपनी के पास अप्रैल 2022 से एक बोर्ड द्वारा स्वीकृत जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए) नीति/मैनुअल है, जो इसके समग्र जोखिम प्रबंधन ढांचे के साथ संरेखित है। यह निदेशक मंडल, लेखापरीक्षा समिति और वरिष्ठ प्रबंधन को कंपनी के आंतरिक नियंत्रण, जोखिम प्रबंधन और शासन प्रणालियों और प्रक्रियाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता के बारे में आश्वासन प्रदान करता है। यह 5,000 करोड़ और उससे अधिक की परिसंपत्ति आकार वाली सभी गैर-जमा लेने वाली एनबीएफसी द्वारा आरबीआईए ढांचे को लागू करने के आरबीआई के अधिदेश के अनुरूप है।

आरबीआईए ढांचा कंपनी को बोर्ड द्वारा निर्धारित रणनीतिक दिशा और उनकी प्राथमिकता के आधार पर जोखिमों की पहचान और समाधान करने में सक्षम बनाता है। इस ढांचे के तहत प्रमुख गतिविधियों में संचालन का स्वतंत्र जोखिम मूल्यांकन, लेखापरीक्षा परिधि की पहचान, जोखिम मैट्रिक्स का विकास, वार्षिक आरबीआईए योजना का निर्माण और आरबीआईए नीति में परिभाषित आवृत्ति के अनुसार आंतरिक लेखापरीक्षा का निष्पादन शामिल है।

13. पसंदीदा ग्राहक नीति

व्यवसाय प्रोत्साहन रणनीति के हिस्से के रूप में, वर्ष 2008 में एक पसंदीदा ग्राहक नीति तैयार की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य कंपनी के ग्राहकों को उन्नत स्तर की सेवाएं प्रदान करना और उनके साथ दीर्घकालिक पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध स्थापित करना था। यह नीति पात्रता मानदंड निर्धारित करती है, जो बकाया ऋण की राशि, ऋण संबंध की अवधि, उधारकर्ता का पुनर्भुगतान रिकॉर्ड आदि जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखती है, ताकि पसंदीदा ग्राहकों को निर्धारित किया जा सके और उन्हें विभिन्न बाहरी एजेंसियों के साथ-साथ आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी), हैदराबाद द्वारा आयोजित घरेलू/अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया जा सके।

14. सूचना प्रौद्योगिकी पहलें

आरईसी ने प्रचालन दक्षता, सुरक्षा और डिजिटल परिवर्तन का समर्थन करने के लिए अपनी आईटी अवसंरचना को काफी हद तक उन्नत किया है। आईआरपी प्रणाली को ओरेकल ई-बिजनेस सूट 11i से R12 में अपग्रेड किया गया है और इसे आरईसी के डाटा सेंटर में निजी क्लाउड पर स्थानांतरित किया गया है। यह जीएसटी, इंड-एस और उन्नत स्वचालन सुविधाओं का समर्थन करता है, जिसमें विकसित होने वाली जरूरतों को पूरा करने के लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं।

एनआईसी ई-ऑफिस समाधान ने कार्यप्रवाह और दस्तावेज प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया है, जिससे कंपनी में दक्षता, पारदर्शिता और कागज रहित वातावरण को बढ़ावा मिला है। माइक्रोसॉफ्ट 365 ईमेल समाधान, जिसमें एआई सहायक कोपायलट, टीम्स, शेयरपॉइंट और वनड्राइव एकीकृत हैं, 99.9% अपटाइम के साथ सुरक्षित और विश्वसनीय संचार सुनिश्चित करता है। नेटवर्क अवसंरचना को एमपीएलएस वीपीएन और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के साथ नवीनीकृत किया गया है, जिससे आईआरपी और ई-ऑफिस जैसे महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों तक निर्बाध रिमोट पहुंच संभव हो सकी है। प्राथमिक डाटा सेंटर (पीडीसी) और आपदा रिकवरी सेंटर (डीआरसी) दोनों आईएसओ/आईसी 27001:2013 प्रमाणित हैं और भारत की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति का अनुपालन करते हैं।

आरईसी एनबीएफसी के लिए आरबीआई के आईटी ढांचे का पालन करता है, जिससे मजबूत आईटी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इन-हाउस डिजिटल पहलें, जैसे पोर्टलों के लिए सिगल-साइन-ऑन और

डिजिटाइजेशन के लिए केंद्रीकृत स्कैनिंग, ई-गवर्नेंस और हरित लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। उन्नत साइबर सुरक्षा समाधान वास्तविक समय में खतरे की निगरानी और प्रतिक्रिया को सक्षम बनाते हैं, जबकि व्यापक आईटी प्रशिक्षण और 100% कार्मिक-कम्प्यूटर अनुपात कार्यबल को सशक्त बनाता है। ये पहलें सामूहिक रूप से आरईसी को प्रचालन उत्कृष्टता और अनुपालन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में अग्रणी बनाती हैं।

15. आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग

आरईसीआईपीएमटी, जो 1979 में हैदराबाद में स्थापित किया गया था, आरईसी के तत्वावधान में एक प्रमुख प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण संस्थान है। इसने भारतीय विद्युत क्षेत्र में इंजीनियरों और प्रबंधकों की प्रशिक्षण और विकास आवश्यकताओं को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले चार दशकों में, आरईसीआईपीएमटी ने कुल 80,424 पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है, जिसने क्षेत्र में तकनीकी, प्रचालन और प्रबंधकीय क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने राष्ट्रीय प्रभाव के अलावा, आरईसीआईपीएमटी ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (एमईए) के साथ साझेदारी में विश्व भर के विद्युत क्षेत्र संगठनों के अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में भी सक्रिय रूप से भाग लिया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 तक, संस्थान ने 113 कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनमें 102 देशों के 1,936 अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को मजबूती मिली है।

15.1 राष्ट्रीय नियमित कार्यक्रम (एनआरपी)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, राष्ट्रीय नियमित कार्यक्रम (एनआरपी) के तहत, आरईसीआईपीएमटी ने कक्षा-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जो तकनीकी और प्रबंधकीय विषयों की एक विस्तृत शृंखला को कवर करते थे। ये कार्यक्रम व्यावहारिक मुद्दों को संबोधित करने और विद्युत क्षेत्र के पेशेवरों की तकनीकी कुशाग्रता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 326 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें टैरिफ नीति और नियामक अनुपालन, आरडीएसएस योजना और डिस्कॉम के टिकाऊ संचालन के लिए स्मार्ट मीटरिंग, श्रम कानून और अदालती मामलों से संबंधित प्रक्रियाएं, भूमिगत केबल सिस्टम जिसमें चयन, आकार, बिछाने, निगरानी और दोष का पता लगाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, पावर ट्रांसफार्मर परीक्षण, कमीशनिंग, संरक्षण और रखरखाव, ऊर्जा संक्रमण और हरित ऊर्जा प्रोत्साहन, विद्युत उपयोगिताओं में एचआर सर्वोत्तम प्रथाएं, विद्युत व्यापार और ऊर्जा एक्सचेंज, सौर ऊर्जा संयंत्र विकास और उच्च-वोल्टेज (ईएचवी) सबस्टेशन संचालन जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र भी शामिल किए गए।

15.2 आरईसी प्रायोजित कार्यक्रम

उद्योग-व्यापी ज्ञान प्रसार के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए, आरईसीआईपीएमटी ने देश भर के विभिन्न विद्युत क्षेत्र संगठनों के लिए आरईसी द्वारा प्रायोजित कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य देश भर की विद्युत उपयोगिताओं के अधिकारियों के बीच जागरूकता और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, इन आरईसी प्रायोजित पहलों के माध्यम से कुल 5,282 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इनमें से विद्युत सुरक्षा कार्यक्रम, जिसमें 1,885 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया, ने क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण चिंताओं में से एक, अर्थात् संचालन और अवसंरचना में सुरक्षा को संबोधित किया। एक अन्य प्रमुख पहल परिवर्तन प्रबंधन, नेतृत्व और टीम निर्माण पर केंद्रित थी। इस तीन दिवसीय कक्षा कार्यक्रम ने विभिन्न जेनको, ट्रांसको और डिस्कॉम से 1,504 पेशेवरों को प्रशिक्षित किया और इसमें परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध का प्रबंधन, संचार कौशल, नेतृत्व विकास, ग्राहक संबंध और संघर्ष समाधान जैसे आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया। इसी तरह, आरईसी द्वारा प्रायोजित विद्युत उपयोगिताओं में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक समर्पित कार्यक्रम में 1,893 अधिकारियों ने भाग लिया और उपयोगिताओं में प्रचालन दक्षता में सुधार और सफल रणनीतियों को दोहराने पर ध्यान केंद्रित किया।

15.3 आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

इन बाहरी गतिविधियों के साथ-साथ, आरईसीआईपीएमटी ने आरईसी के कार्मिकों के लिए विशेष रूप से आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए। वर्ष के दौरान, 259 कार्मिकों को गैर-वित्त अधिकारियों के लिए वित्त, खरीद प्रक्रियाएं और जीईएम-आधारित ई-खरीद, उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी), सामान्य प्रबंधन, गैर-तकनीकी अधिकारियों के लिए तकनीकी जानकारी, उन्नत एमएस एक्सेल और पावरपॉइंट कौशल, अवसंरचना परियोजनाओं का वित्तपोषण और स्मार्ट वितरण प्रणालियों जैसे विविध विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। ये आंतरिक कार्यक्रम आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने और कार्मिक कौशल को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित करने में महत्वपूर्ण थे।

15.4 ग्राहक अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरईसीआईपीएमटी ने विभिन्न विद्युत क्षेत्र संस्थाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण समाधान प्रदान करने के अपने प्रयासों को जारी रखा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, संस्थान ने तकनीकी और प्रबंधकीय विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले कई अनुकूलित कक्षा-आधारित कार्यक्रम आयोजित किए। ये कार्यक्रम संगठन-विशिष्ट प्रचालन चुनौतियों को संबोधित करने और उनके रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में एचपीपीसीएल के लिए भारतीय लेखांकन मानक और जीएसटी, एपीईपीडीसीएल के लिए संरक्षण प्रणालियां और एचआर प्रथाएं, एमएसईटीसीएल के लिए स्थिति निगरानी और जीवनचक्र प्रबंधन और ट्रांसफार्मर संरक्षण, साथ ही एपीईपीडीसीएल के लिए ऊर्जा लेखा संपरीक्षा और तकनीकी हानि में कमी शामिल थी। अन्य विषयों में ईएचवी सबस्टेशन अर्थिंग और सुरक्षा प्रथाएं और भूमिगत केबल डिज़ाइन और दोष का पता लगाना शामिल था, जो सभी संबंधित संगठनों की प्रचालन आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित किए गए थे।

15.5 प्रशिक्षण उपलब्धियों का सारांश

कुल मिलाकर, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसीआईपीएमटी ने अपने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 6,168 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया, जिससे 18,935 प्रशिक्षण मानव-दिवस प्राप्त हुए। ये उपलब्धियां विद्युत क्षेत्र की क्षमताओं को निरंतर, उच्च-गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और विकास प्रयासों के माध्यम से आगे बढ़ाने में आरईसीआईपीएमटी की महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः पुष्ट करती हैं।

16. मानव संसाधन प्रबंधन

मानव संसाधन (एचआर) एक नियोजित और उच्च प्रदर्शन करने वाले कार्यबल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो कंपनी की निरंतर वृद्धि और सफलता के लिए आधारभूत है। एक समृद्ध संगठन के केंद्र में विविध विषयों में शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने, विकसित करने और बनाए रखने की क्षमता निहित है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने देश भर से प्रतिभा को आकर्षित करते हुए प्रत्यक्ष भर्ती अभियानों के माध्यम से 94 अधिकारियों की नियुक्ति करके अपने पेशेवर आधार को मजबूत किया। 31 मार्च, 2025 तक, कंपनी का कुल कार्यबल 575 कार्मिकों का था, जिसमें 556 कार्यपालक और 19 गैर-कार्यपालक शामिल थे।

बदलती रोजगार गतिशीलता के साथ संरेखण में, मानव संसाधन विभाग सक्रिय जनशक्ति नियोजन, कार्यबल विकास और संगठनात्मक वृद्धि में रणनीतिक भूमिका निभाता रहा है। आरईसी का एचआर दल लक्षित भर्ती पहल, व्यापक प्रेरण कार्यक्रम और रणनीतिक नियोजन प्रक्रियाओं के माध्यम से मूल्य जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। ये प्रयास भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करने और कंपनी को नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत और अवसंरचना क्षेत्रों में पसंदीदा नियोजक बनाए रखने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

16.1 रोजगार में आरक्षण

भारत सरकार द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्ति और पदोन्नति में आरक्षण के संबंध में जारी निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सदस्यों को आरक्षण प्रदान किया जाता है। 31 मार्च, 2025 तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों का समूहवार विवरण नीचे दिया गया है:

श्रेणी	कार्मिकों की संख्या			
	समूह क	समूह ख	समूह ग	कुल
एससी	68	1	4	73
एसटी	30	0	0	30
ओबीसी	141	1	3	145
सामान्य/अन्य	317	5	5	327
कुल कार्मिक	556	7	12	575
कुल महिला कार्मिक	80	0	3	83
पीडब्ल्यूबीडी (दिव्यांग) कार्मिक	12	1	1	14

16.2 प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास

कंपनी कार्मिकों को उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने और उच्च मनोबल की संगठनात्मक संस्कृति बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है। एक प्राथमिक तरीके में एचआर एक कंपनी के लिए मूल्य जोड़ता है, कंपनी के अग्रणियों को कार्मिकों को प्रशिक्षित करने और विकसित करने के लिए तैयार करता है। इस आशय से वित्तीय वर्ष के दौरान सभी स्तरों पर हमारे कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कंपनी की प्रशिक्षण और मानव संसाधन नीति का उद्देश्य सभी विभागों के वर्तमान दृष्टिकोण और भविष्य की अपेक्षाओं, संसाधनों की आवश्यकता और कंपनी से संबंधित उभरते अवसरों और खतरों पर प्रशिक्षण आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना है। बेहतर कार्मिक प्रदर्शन के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशल और दक्षताओं को परिष्कृत करने के लिए, सभी कार्मिकों को सभी संभव अवसर और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। व्यावसायिक आवश्यकताओं की बेहतर समझ को बढ़ावा देने के साथ-साथ कार्मिकों को सामाजिक-आर्थिक वातावरण जिसमें कंपनी का व्यवसाय किया जाता है, के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कार्मिकों को व्यावसायिक रूप से सुसज्जित करने के लिए आध्यात्मिक, स्वास्थ्य और व्यवहार परिवर्तन प्रक्रिया के विकास के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया था।

वित्तीय वर्ष के दौरान, कुल 416 कार्मिकों ने नेतृत्व, कॉर्पोरेट अभिशासन, विद्युत क्षेत्र के बदलते परिदृश्य, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित वित्त, कृत्रिम मेधा, महिला सशक्तिकरण, विविधता और समावेशन, परिवर्तन प्रबंधन, आईएसओ 31000 जोखिम प्रबंधन, केवाईसी, अवसंरचना परियोजनाओं का वित्तपोषण, तकनीकी कार्यक्रम, कौशल-विकास कार्यक्रम, करियर विकास, विदेशी प्रशिक्षण, कार्यशालाएं आदि जैसे विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षणों में भाग लिया। इन पहलों ने कंपनी को वर्ष के दौरान 2,346 प्रशिक्षण मानव-दिवस प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

मानवाधिकार, कंपनी की नीतियां, व्यावसायिक आचार, सीडीए नियम, निवारक सतर्कता, ईएसजी सिद्धांत, पीओएसएच अधिनियम, 2013 के बारे में जागरूकता आदि जैसे विषयों पर भी सभी कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

16.3 कार्मिक कल्याण

कार्मिकों को प्रसन्न, स्वस्थ और लाभप्रद बनाए बनाए रखना आपकी कंपनी का मूल लक्ष्य है। कार्मिकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करने के लिए, चिकित्सकों की अंशकालिक सेवाओं को ऑनसाइट चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए नियोजित किया गया था। कंपनी ने कार्मिकों के



लिए कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देने हेतु क्रेच डे केयर सुविधा का भी विस्तार किया है। मनोरंजन और स्वस्थ जीवन की सुविधा के लिए, परिसर में कर्मिकों के लिए जिमनेसियम भी उपलब्ध है। कंपनी द्वारा कर्मिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से विभिन्न योग कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए।

16.4 खेल गतिविधियाँ

खेल गतिविधियों में कर्मिकों की भागीदारी - एकता, सद्भाव और सहिष्णुता की भावना उत्पन्न करते हुए लोगों और देशों को एक साथ लाती है। एक आदर्श परिदृश्य में, व्यक्ति अक्सर एक आदर्श कार्यस्थल की तलाश में रहता है। एक ऐसा स्थान जो सहायक व्यवस्थाएं प्रदान करता है और स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन को प्रोत्साहित करता है। खेल को कार्यालय कार्यक्रम के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में शामिल करने से उस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। इस दृढ़ता के साथ, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक अंतर-सीपीएसयू टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी की। इसके अलावा, कंपनी ने पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (पीएससीबी) के तत्वावधान में विभिन्न विद्युत क्षेत्र सीपीएसयू द्वारा आयोजित शतरंज, क्रिकेट, वॉलीबॉल आदि जैसे विभिन्न अंतर-सीपीएसयू खेल टूर्नामेंटों को प्रायोजित किया। इसके अलावा, सभी कर्मिकों ने वित्तीय वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न किज, पेपर प्रस्तुतीकरण और सिमुलेशन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

16.5 महिला कर्मिकों का प्रतिनिधित्व

महिला सशक्तिकरण की अक्सर बहुत चर्चा होती है और आपके संगठन और आमतौर पर समाज को, महिलाओं के लिए शीर्ष पर पहुंचाने वाले मापनीय प्रभाव उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी पहलों पर फिर से विचार करना चाहिए। आरईसी ने महिला कर्मिकों को अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है। 31 मार्च, 2025 तक, कंपनी में 83 स्थायी महिला कर्मिक थीं, जो कुल कार्यबल का 14.43% प्रतिनिधित्व करती हैं। लिंग के आधार पर कर्मिकों का कोई भेदभाव नहीं होता है। कंपनी में महिला कर्मिकों के कल्याण और सर्वांगीण विकास की देखभाल के लिए एक महिला सेल कार्यरत है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को आरईसी महिला सेल द्वारा मनाया गया। इस उत्सव को चिह्नित करने के लिए, कंपनी ने अपनी महिला कर्मिकों के लिए विभिन्न टीम-निर्माण गतिविधियां, मजेदार खेल और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए। इसके अलावा, कंपनी लैंगिक समानता में विश्वास करती है और अपनी सभी महिला कर्मिकों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल कार्यस्थल प्रदान करती है।

16.6 औद्योगिक संबंध

नियोक्ता और कर्मिक संबंध सभी संगठनों की नींव होते हैं और आपकी कंपनी में सौहार्दपूर्ण संबंध वर्षों तक कायम रहते हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कंपनी में औद्योगिक संबंध परिदृश्य सौहार्दपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बना रहा। औद्योगिक अशांति के कारण मानव-दिवस का कोई नुकसान नहीं हुआ। कर्मिक कल्याण के मुद्दों पर आरईसी कर्मिक संघ और आरईसी अधिकारी संघ के साथ नियमित चर्चा की गई। इससे विश्वास और सहयोग का परिवेश बनाने में मदद मिली है, जिसके परिणामस्वरूप एक प्रेरित कार्यबल और निष्पादन में निरंतर सुधार हुआ है।

16.7 शिकायत निवारण

भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, कंपनी ने अपने कर्मिकों की शिकायतों के निवारण के लिए स्पष्ट और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित करने एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया है। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी के पास व्यापक रूप से जनता की शिकायतों के निवारण के लिए एक लोक शिकायत निवारण प्रणाली है। निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का त्वरित निवारण सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी को लोक शिकायत समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

17. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल का उद्देश्य सामाजिक रूप से लाभकारी परियोजनाओं का समर्थन करना है, ताकि लाभार्थियों के व्यापक स्पेक्ट्रम के माध्यम से अधिकतम पहुंच बनाई जा सके और एक मार्गदर्शी सिद्धांत के रूप में राष्ट्रीय चिंता के विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाया जा सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, समावेशी सामाजिक विकास को बढ़ावा देने और सुकर बनाने के लिए स्वच्छता और साफ-सफाई, स्वास्थ्य देख-रेख सुविधाओं को बढ़ावा देने, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रामीण ढांचागत विकास के क्षेत्र में सीएसआर पहलों की गई है।

कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों और कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014 के तहत बनाए गए यथासंशोधित नियमों के अनुरूप है और यह <https://recindia.nic.in/our-csr-initiatives> और <https://www.recfoundation.in/> पर उपलब्ध है।



अंतर सीपीएसयू बैडमिंटन प्रतियोगिता में आरईसी के अधिकारियों की टीम द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन

लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, जिसमें यह अनिवार्य है कि सीएसआर बजट का 60% "स्वास्थ्य एवं पोषण तथा प्रधानमंत्री इंटरनेशनल योजना" जैसे विषयों के लिए आवंटित किया जाए, विशेष रूप से आकांक्षी जिलों में, आरईसी ने इन फोकस क्षेत्रों में अपने हस्तक्षेपों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है। कंपनी ने निर्दिष्ट आकांक्षी जिलों में स्वास्थ्य सेवा के अवसरचना में लक्षित निवेश किया।

अधिनियम के लागू उपबंधों और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुरूप, बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 288.48 करोड़ के सीएसआर बजट को मंजूरी दी है। इसके प्रति, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 294.01 करोड़ खर्च किए हैं (पिछले वित्तीय वर्ष से अग्रेनीत किए गए 5.15 करोड़ के अतिरिक्त खर्च सहित)।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें विभिन्न परियोजनाओं में किए गए प्रभाव मूल्यांकन का विवरण शामिल है, इस वार्षिक रिपोर्ट के साथ संलग्न है, जो मापनयोग्य और सार्थक सामुदायिक प्रभाव के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

18. सतर्कता गतिविधियां

आरईसी लगातार कार्मिकों के मध्य शुचिता और अखंडता को इष्टतम करने और सभी प्रचालन क्षेत्रों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। आरईसी के सतर्कता विभाग का मुख्य उद्देश्य नीतियों की समीक्षा, संवेदनशील पदों पर रहने वाले कार्मिकों का रोटेशन और स्थानांतरण, लेखापरीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा, परियोजनाओं की समीक्षा, दी गई निविदाओं और अनुबंधों की समीक्षा, क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण, वार्षिक संपत्ति रिटर्न (एपीआर) की समीक्षा, आदि करके 'निवारक सतर्कता' को मूर्त रूप देना है।

इस संबंध में, निम्नलिखित प्रमुख क्रियाकलाप किए गए हैं:

- सीवीसी/विद्युत मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में चिन्हित संवेदनशील पदों से रोटेशनल स्थानांतरण के मामले की लगातार निगरानी की जा रही है।
- सीवीसी और विद्युत मंत्रालय को समय पर विहित आवधिक सांख्यिकीय विवरणी भेजना।
- लेखापरीक्षा रिपोर्टों अर्थात् आंतरिक, सांविधिक और नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक लेखापरीक्षा रिपोर्ट की नियमित समीक्षा।
- प्रदान की गई परियोजनाओं, निविदाओं और अनुबंधों की समीक्षा। जहां-कहीं भी विचलन पाया गया, मामले को संबंधित प्रभागों के साथ उठाया गया, जिससे मूल्यांकन प्रणाली को सुदृढ़ किया गया।
- क्षेत्रीय कार्यालयों, आरईसी द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं का क्षेत्र निरीक्षण और कार्यपालकों की एपीआर की संवीक्षा।
- ऋण, योजनाओं, निविदाओं, अन्य पक्ष के बिल आदि के लिए आईटी प्रणालियों और ऐप्लीकेशन के उपयोग पर बल।

यह सुनिश्चित किया जाता है कि निगम की प्रमुख नीतियां और जानकारी नीतियां आरईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हों।

18.1 सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

आरईसी ने 28 अक्टूबर, 2024 से 3 नवंबर, 2024 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024" मनाया, जिसकी थीम "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" थी, जो सीवीसी के दिनांक 1 अगस्त, 2024 के परिपत्र के अनुरूप थी। इस अभियान अवधि के दौरान, कार्मिकों में जागरूकता के प्रसार के उद्देश्य से विभिन्न रोचक गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पैराग्राफ लेखन, क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और वॉकथॉन आदि सहित विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ताकि

कार्मिकों और जनता में नैतिक जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके। वरिष्ठ प्रबंधन ने सप्ताह के पाठों को दैनिक दिनचर्या में एकीकृत करने के महत्व पर बल दिया, जिससे सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा मिले।

कंपनी के सभी कार्मिकों ने 28 अक्टूबर, 2024 को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ली। आरईसी के कार्यालयों में विभिन्न स्थानों पर बैनर और स्टैंडी प्रदर्शित किए गए। "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" का संदेश व्यापक रूप से प्रचारित किया गया।

सभी गतिविधियों में कार्मिकों की अत्यधिक भागीदारी देखी गई। कंपनी के सीएमडी और सीवीओ ने कार्मिकों से सप्ताह की शिक्षाओं को अपनी व्यक्तित्व में आत्मसात करने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में मदद करने का आह्वान किया।

- पैराग्राफ लेखन प्रतियोगिता में कार्मिकों ने नैतिक प्रथाओं पर अपने दृष्टिकोण साझा किए, ईमानदारी और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया।
- रंगोली निर्माण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सत्यनिष्ठा के सार को दर्शाने वाली अनूठी रंगोलियां बनाकर रचनात्मकता प्रदर्शित की।
- क्विज प्रतियोगिता के आकर्षक प्रारूप ने त्वरित सोच और टीमवर्क को बढ़ावा दिया, जिसमें टीमों ने सतर्कता और नैतिक आचरण का ज्ञान एक जीवंत, यादगार माहौल में प्रदर्शित किया।
- पेंटिंग प्रतियोगिता में सभी उम्र के परिवार के सदस्यों का स्वागत किया गया, जिसमें निवलता का प्रतीक बनने वाले जीवंत परिदृश्यों से लेकर ईमानदारी और नैतिक व्यवहार पर जोर देने वाली चित्रकारी तक शामिल थी।
- गुरुग्राम के इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक ने भावनात्मक संवादों और आकर्षक कथाओं के माध्यम से जनता में सत्यनिष्ठा के बारे में जागरूकता बढ़ाई, नैतिक मूल्यों को प्रेरित किया।
- संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में खरीद, नैतिकता, प्रणालियां, साइबर स्वच्छता, स्वचालित प्रणालियां और सीडीए नियम शामिल थे, जो इन-हाउस और बाहरी विशेषज्ञों द्वारा इंटरैक्टिव व्याख्यान और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ आयोजित किए गए।
- रायपुर, कोलकाता और जम्मू और कश्मीर में मैराथन और वॉकथॉन में छात्रों, एथलीटों और आरईसी कार्मिकों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रशंसनीय ऊर्जा के साथ जागरूकता को बढ़ावा दिया।
- आरईसी स्कूलों में सत्यनिष्ठा क्लबों को बढ़ावा देता है ताकि बच्चों में नैतिक मूल्यों को स्थापित किया जा सके, सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिकों को बढ़ावा दिया जा सके और भारत में भ्रष्टाचार से निपटने में मदद मिले।

इसके अलावा, 1 अप्रैल, 2024 तक, सतर्कता प्रभाग में 1 शिकायत प्रक्रियाधीन थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 17 और शिकायतें प्राप्त हुईं। कुल 18 शिकायतों में से, 17 शिकायतों का निपटारा वित्तीय वर्ष के दौरान किया गया और शेष 1 शिकायत समीक्षा के अधीन है।

19. राजभाषा कार्यान्वयन

आधिकारिक कार्य में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार कंपनी द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

आरईसी के कार्यालयों में राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के अनुपालन में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति(या) गठित की गई हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग की समीक्षा के लिए समितियों की बैठकें आयोजित की गईं। आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के



लिए देश भर के आरईसी कार्यालयों में हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

3 अगस्त, 2024 को विद्युत मंत्रालय के तत्वावधान में आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में एक अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें देश भर के विभिन्न विद्युत सीपीएसई के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, 16 और 17 अक्टूबर, 2024 को वाराणसी में दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें आरईसी के कॉर्पोरेट कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के नोडल हिंदी अधिकारियों ने भाग लिया।

14 सितंबर, 2024 से 28 सितंबर, 2024 तक आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया, जिसमें कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदी भाषण, हिंदी टिप्पण-प्रारूपण, अंत्याक्षरी और निबंध लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में कार्मिकों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई और विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कंपनी के सभी क्षेत्रीय/राज्य कार्यालयों में भी हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। आरईसी के कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के उपयोग के प्रति जागरूकता का भाव उत्पन्न करने के लिए 4 अक्टूबर, 2024 को कॉर्पोरेट कार्यालय में हिंदी कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, संसदीय राजभाषा समिति ने कंपनी के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों, जैसे भुवनेश्वर, गुवाहाटी, चेन्नई और पंचकुला में निरीक्षण किए। इन निरीक्षणों ने कार्मिकों में आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के लिए जागरूकता का भाव उत्पन्न किया। इसके अलावा, विद्युत मंत्रालय के अधिकारियों के एक दल ने 16 मई, 2024, 26 अप्रैल, 2024 और 10 जनवरी, 2025 को क्रमशः जयपुर, लखनऊ और तिरुवनंतपुरम के आरईसी क्षेत्रीय कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की।

आरईसी की हिंदी पत्रिका 'उर्जायन' को 20 दिसंबर, 2024 को गुरुग्राम में गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कॉर्पोरेट कार्यालय परिसर में लगाए गए डिजिटल बॉर्ड के माध्यम से 'आज का विचार' हिंदी में प्रदर्शित किया गया। वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से भी हिंदी के उपयोग को बढ़ावा दिया।

20. ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा आय व व्यय के विवरण

20.1 ऊर्जा संरक्षण और प्रौद्योगिकी अवशोषण

चूंकि आपकी कंपनी के पास कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण और प्रौद्योगिकी अवशोषण से संबंधित कोई महत्वपूर्ण विवरण नहीं है।

गुरुग्राम में स्थित आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय भवन को ऊर्जा कुशल फैकट और रेडिएंट कूलिंग स्लैब का उपयोग करके डिज़ाइन और निर्मित किया गया है ताकि भवन में एचवीएससी लोड की आवश्यकता को लगभग 30% कम किया जा सके और ऊर्जा संरक्षित की जा सके। ऊर्जा संरक्षण के लिए भवन में ऊर्जा कुशल उपकरण और एलईडी लाइट्स का उपयोग किया जा रहा है। ऊर्जा संरक्षण को बढ़ाने के लिए प्रकाश प्रबंधन प्रणाली को भी लागू किया गया है।

वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत का उपयोग करने के लिए, भवन के शीर्ष पर (सौर पैनल संरचना द्वारा समर्थित) 979 केडब्ल्यूपी सौर संयंत्र स्थापित किया गया है ताकि स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत का उपयोग करके आरईसी कार्यालय की लोड आवश्यकता को पूरा किया जा सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान इस सौर संयंत्र ने 13.37 लाख यूनिट विद्युत उत्पन्न की।

20.2 विदेशी मुद्रा आय और व्यय

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी को कोई विदेशी मुद्रा आय प्राप्त नहीं हुई। इसके अलावा, ब्याज, मूलधन पुनर्भुगतान, वित्तीय शुल्क और अन्य खर्चों के कारण वित्तीय वर्ष में कुल 45,501.20 करोड़ का विदेशी मुद्रा व्यय हुआ।

21. सहायक कंपनियां

आरईसीपीडीसीएल [सीआईएन: U40101DL2007GOI165779], आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, विद्युत क्षेत्र में परियोजना कार्यान्वयन और परामर्श सेवाओं के व्यवसाय में रत है, जैसे वितरण प्रणाली सुदृढीकरण कार्यों का कार्यान्वयन, पारेषण परियोजनाओं का कार्यान्वयन, ग्रिड/ऑफ-ग्रिड सौर (पीवी) परियोजनाओं का कार्यान्वयन, स्मार्ट मीटर स्थापना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, तृतीय-पक्ष निरीक्षण, प्री-डिस्पैच सामग्री निरीक्षण और डीडीयूजीजेवाई, आईपीडीएस आदि जैसे राज्य/केंद्रीय वित्त पोषित योजनाओं के कुछ परियोजनाओं में परियोजना प्रबंधन सलाहकार/



आरईसी द्वारा वित्त-पोषित अडानी पावर झारखंड लिमिटेड, गोड्डा, झारखंड का टर्बाइन जनरेटर (2x800 मेगावाट)



आरईसी द्वारा वित्त-पोषित 2x600 मेगावाट बक्सर थर्मल संयंत्र, बिहार

परियोजना प्रबंधन एजेंसी के रूप में कार्य करना। यह राष्ट्रीय फीडर निगरानी प्रणाली (एनएफएमएस) के कार्यान्वयन का भी नेतृत्व कर रही है। यह उन्नत क्लाउड-आधारित आईटी मंच देश भर के विद्युत वितरण सब-स्टेशनों के 33/22/11 केवी आउटगोइंग वितरण फीडरों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस अत्याधुनिक अनुप्रयोग को राष्ट्रीय विद्युत पोर्टल के साथ एकीकृत करके और मशीन-टू-मशीन (एम2एम) डाटा ट्रांसमिशन विधियों का उपयोग करके, एनएफएमएस कुशल और सटीक डाटा संग्रह सुनिश्चित करता है, जिससे मैन्युअल प्रक्रियाओं से जुड़ी त्रुटियों को काफी हद तक कम किया जाता है। इसके अलावा, आरईसीपीडीसीएल टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के माध्यम से पारेषण सेवा प्रदाताओं के चयन के लिए 'बोली प्रक्रिया समन्वयक' के रूप में भी कार्य करता है, जो विद्युत मंत्रालय और राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर सौंपे गए स्वतंत्र अंतर-राज्य और अंतरा-राज्य पारेषण परियोजनाओं के लिए है। प्रत्येक आवंटित स्वतंत्र अंतर-राज्य/अंतरा-राज्य पारेषण परियोजना के विकास को शुरू करने के लिए, आरईसीपीडीसीएल एक परियोजना-विशिष्ट विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में अधिनिर्गमित करता है, जो आरईसी की सहायक कंपनी भी बन जाती है। टीबीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार सफल बोलीदाता के चयन के बाद, ऐसी सहायक कंपनियों को आरईसीपीडीसीएल द्वारा सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों के साथ सफल बोलीदाता को हस्तांतरित कर दिया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसीपीडीसीएल ने 29 परियोजना-विशिष्ट एसपीवी को सफल बोलीदाताओं को हस्तांतरित किया, जिनके नाम निम्नवत हैं:

क्र. सं.	एसपीवी का नाम	एसपीवी के हस्तांतरण की तिथि
1	कल्लम ट्रांसको लिमिटेड	5 अप्रैल, 2024
2	जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	5 अप्रैल, 2024
3	मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	6 अप्रैल, 2024
4	खावड़ा IV-E2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 मई, 2024
5	एनईआरईएस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 मई, 2024

क्र. सं.	एसपीवी का नाम	एसपीवी के हस्तांतरण की तिथि
6	एनईआरजीएस-I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 जुलाई, 2024
7	राजस्थान IV C पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	19 अगस्त, 2024
8	राजस्थान IV E पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	19 अगस्त, 2024
9	राजस्थान IV A पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	21 अगस्त, 2024
10	भदला-III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	अगस्त 28, 2024
11	खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 अगस्त, 2024
12	खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 अगस्त, 2024
13	टुमकूर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	3 सितंबर, 2024
14	राजस्थान IV H1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	15 अक्टूबर, 2024
15	बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	11 नवंबर, 2024
16	बीकानेर बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	11 नवंबर, 2024
17	ईआरईएस-XXXIX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	14 नवंबर, 2024
18	खावड़ा वी-ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	19 नवंबर, 2024
19	राजस्थान IV 4A पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 दिसंबर, 2024
20	राजस्थान IV 4B पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	30 दिसंबर, 2024
21	राजस्थान पार्ट I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	20 जनवरी, 2025



क्र. सं.	एसपीवी का नाम	एसपीवी के हस्तांतरण की तिथि
22	लकड़िया बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	14 फरवरी, 2025
23	खावड़ा वी-बी1बी2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	18 फरवरी, 2025
24	बीदर ट्रांसको लिमिटेड	18 फरवरी, 2025
25	रतले किरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	24 मार्च, 2025
26	बनासकांठा ट्रांसको लिमिटेड	24 मार्च, 2025
27	कुरनूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड	24 मार्च, 2025
28	राजस्थान V पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	24 मार्च, 2025
29	महान ट्रांसमिशन लिमिटेड	26 मार्च, 2025

31 मार्च, 2025 तक, आरईसीपीडीसीएल के पास विभिन्न अंतर-राज्यीय/अंतरा-राज्यीय परियोजनाओं के लिए निम्नलिखित परियोजना-विशिष्ट एसपीवी थे:

क्र. सं.	एसपीवी का नाम	सीआईएन
1	चांडिल ट्रांसमिशन लिमिटेड	U40108DL2018GOI330905
2	दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड	U40300DL2018GOI331490
3	मंदार ट्रांसमिशन लिमिटेड	U40101DL2018GOI331526
4	कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड	U40300DL2018GOI331192
5	लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U40109DL2022GOI406286
6	शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2023GOI415590
7	कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2023GOI424011
8	तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2024GOI438404
9	डब्ल्यूआरएनईएस तलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2024GOI438750
10	राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2024GOI440359
11	जेजुरी हिंजेवाडी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2025GOI445342
12	वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	U42202DL2025GOI445416

टिप्पणी: क्र. सं. 8 से 12 तक के एसपीवी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अधिनिगमित किया गया था।

* डब्ल्यूआरएनईएस तलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड को 30 मई, 2025 को सफल बोलीदाता को हस्तांतरित किया गया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, खावड़ा II-D ट्रांसमिशन लिमिटेड, परियोजना-विशिष्ट एसपीवी को 6 जुलाई, 2024 को कंपनियों के रजिस्ट्रार से हटा दिया गया है।

इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत के बाद और 24 जुलाई, 2025 तक, आरईसीपीडीसीएल और आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के रूप में 12 नए एसपीवी को अधिनिगमित किया गया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसीपीडीसीएल ने 551.57 करोड़ की आय दर्ज की, जो किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक की

सर्वोच्च आय है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की 390.64 करोड़ की आय की तुलना में 41% की वृद्धि दर्शाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर पश्चात लाभ उल्लेखनीय 261.65 करोड़ रहा, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 149.64 करोड़ की तुलना में 75% की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, 31 मार्च, 2025 को आरईसीपीडीसीएल का निवल मूल्य 738.19 करोड़ था, जबकि 31 मार्च, 2024 को यह 567.17 करोड़ था।

22. गिफ्ट सिटी

कंपनी गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी, गांधीनगर, गुजरात में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में वित्त कंपनी के रूप में अनुमत गतिविधियों में व्यवहार करने के लिए आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को अधिनिगमित करने की प्रक्रिया में है। वित्त कंपनी को मौजूदा एफईएमए नियमों के तहत अनिवार्य निकाय माना जाएगा और इसे एकीकृत नियामक, अर्थात् अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण द्वारा शासित किया जाएगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 3 मई, 2024 के अपने पत्र के माध्यम से प्रस्तावित इकाई की स्थापना के लिए "अनापत्ति प्रमाणपत्र" प्रदान किया है। कंपनी को अभी विद्युत मंत्रालय से प्रस्तावित निकाय को अधिनिगमित करने की आवश्यक स्वीकृति प्राप्त होनी है।

23. संयुक्त उद्यम और एसोसिएट कंपनी

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी के पास निवेश के अलावा कोई संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनी नहीं है, जैसा कि इस वार्षिक रिपोर्ट में निहित वित्तीय विवरणों में उल्लेख किया गया है। इसके अतिरिक्त, संयुक्त उद्यम भागीदारों अर्थात् एनटीपीसी लिमिटेड, आरईसी लिमिटेड, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बीच निष्पादित समझौते के अनुसार, ईईएसएल इंड-एस ड्रांचे के तहत एक संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई नहीं रह गई है।

24. समेकित वित्तीय विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 और उसके तहत बनाए गए नियमों और भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समेकित इंड एस वित्तीय विवरण तैयार किए हैं, जिसमें इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अर्थात् आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (लेखापरीक्षित) शामिल है। इसे कंपनी के एकल वित्तीय विवरण के साथ आगामी 56वीं वार्षिक आम बैठक के समक्ष भी रखा जाएगा।

अधिनियम की धारा 129 (3) के अनुपालन में, फॉर्म एओसी-1 में सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों की मुख्य विशेषताओं वाला एक विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग है। विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) कंपनियों के वित्तीय विवरण, जो आरईसीपीडीसीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां हैं, आरईसी के वित्तीय विवरणों के साथ समेकित नहीं हैं क्योंकि ऐसी कंपनियों में निवेश/हित बिक्री के लिए धारित किया जाता है और इसलिए, ऐसे एसपीवी में हित कंपनियों का लेखांकन इंड-एस 105 के अनुसार है।

कंपनी की सहायक कंपनियों के समेकित इंड-एस वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षित लेखाओं सहित लेखापरीक्षित इंड-एस वित्तीय विवरण कंपनी की वेबसाइट अर्थात् www.recindia.nic.in पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, इन दस्तावेजों को किसी भी सदस्य या डिबेंचर धारकों के लिए किसी ट्रस्टी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से निरीक्षण के लिए खुला रखा जाएगा। कंपनी के किसी सदस्य द्वारा विशिष्ट अनुरोध पर कंपनी ई-मेल के माध्यम से इसकी प्रति भी उपलब्ध कराएगी।

25. निदेशक, केएमपी और तत्संबंधी नीतिगत ढांचे से संबंधित

कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 2(45) के अर्थ के भीतर एक सरकारी कंपनी होने के नाते और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 91 के अनुसार, आरईसी के बोर्ड के सभी निदेशकों को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के

माध्यम से कार्य करते हुए भारत के राष्ट्रपति द्वारा नामित/नियुक्त/पुनर्नियुक्त किया जाता है।

कंपनी के बोर्ड में निदेशकों का नामांकन/नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति और उनके पात्रता मानदंड, योग्यता, अनुभव और चयन प्रक्रिया आदि भी कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), लोक उद्यम विभाग (डीपीई), लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) आदि, के समय-समय पर यथालागु निर्धारित मानदंडों के अधीन है, जिसका अनुपालन प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा सुनिश्चित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, एक सीपीएसई होने के चलते, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों सहित कंपनी के कार्यात्मक निदेशकों, प्रमुख प्रबंधन कर्मियों और अन्य कार्मिकों का पारिश्रमिक, वेतन, अनुलाभ, भत्ते आदि का निर्धारण समय-समय पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) और/या भारत सरकार द्वारा जारी मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाता है। गैर-कार्यपालक निदेशकों (स्वतंत्र निदेशकों सहित) को बोर्ड या उसकी समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों के अनुसार है। सरकार द्वारा नामित निदेशक भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार कंपनी से कोई बैठक शुल्क प्राप्त करने का हकदार नहीं है।

कंपनी ने बोर्ड की विविधता और कौशल, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की नियुक्ति के लिए मानदंड और निदेशकों, केएमपी और अन्य कार्मिकों के पारिश्रमिक के संबंध में एक नीति अपनाई है, जिसे

<https://recindia.nic.in/disclosures-under-regulation-46-of-sebi> पर देखा जा सकता है।

इसके अलावा, एक एनबीएसई होने के नाते, अन्य बातों के साथ-साथ, आरईसी में निदेशकों की नियुक्ति भी नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा उचित विचार के अधीन है, जो कंपनी की नीति के अनुसार निदेशकों की उपयुक्तता और उचित मानदंड के अनुसार है, जिसे <https://recindia.nic.in/disclosures-under-regulation-46-of-sebi> पर देखा जा सकता है।

कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार, कंपनी के निदेशक मण्डल ने अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी), निदेशक (वित्त), निदेशक (परियोजना) और कंपनी सचिव को कंपनी के प्रमुख प्रबंधन कर्मियों (केएमपी) के रूप में नामित किया है।

एक सरकार कंपनी होने के चलते कंपनी के सीईओ की भूमिका सीएमडी द्वारा निभाई जा रही है और सीएफओ की भूमिका कंपनी के निदेशक (वित्त) द्वारा अदा की जाती है।

कंपनी के निदेशकों और केएमपी तथा वर्ष के दौरान और बाद में इनमें परिवर्तन का विवरण नीचे दिया गया है:

25.1 सीएमडी और पूर्णकालिक निदेशक

- विद्युत मंत्रालय के दिनांक 14 मई, 2024 के आदेश के अनुसार, श्री हर्ष बवेजा (डीआईएन: 09769272) को 14 मई, 2024 से आरईसी के निदेशक (वित्त) और सीएफओ (केएमपी) के रूप में नियुक्त किया गया है।
- विद्युत मंत्रालय के दिनांक 20 मार्च, 2025 के आदेश के अनुसार, श्री विवेक कुमार देवांगन (डीआईएन: 01377212) का आरईसी के सीएमडी के रूप में कार्यकाल 20 मार्च, 2025 को पूरा हो गया और तदनुसार, वे 21 मार्च, 2025 से सीएमडी और केएमपी नहीं रहे।
- विद्युत मंत्रालय के दिनांक 20 मार्च, 2025 के आदेश के अनुसार, श्रीमती परमिंदर चोपड़ा (डीआईएन: 08530587), सीएमडी, पीएफसी को 21 मार्च, 2025 से आरईसी के सीएमडी के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एससीसी) द्वारा 18 अप्रैल, 2025 को जारी संचार के साथ विद्युत मंत्रालय के दिनांक 21 अप्रैल, 2025 के आदेश के अनुसार, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (डीआईएन: 06817799) को 22 अप्रैल, 2025 से आरईसी के बोर्ड पर अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (अपर निदेशक), केएमपी के रूप में नियुक्त किया गया। इसके परिणामस्वरूप, श्रीमती परमिंदर

चोपड़ा, सीएमडी, पीएफसी, 22 अप्रैल, 2025 से आरईसी की सीएमडी और केएमपी नहीं रही।

- श्री विजय कुमार सिंह (डीआईएन: 02772733), जो आरईसी के निदेशक (परियोजना) के पद पर थे, 30 जून, 2025 को कंपनी की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए और तदनुसार, 1 जुलाई, 2025 से निदेशक और केएमपी नहीं रहे।
- विद्युत मंत्रालय के दिनांक 27 जून, 2025 के आदेश के अनुसार, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, आई.ए.एस. (डीआईएन: 06817799), सीएमडी को 1 जुलाई, 2025 से 3 महीने की अवधि के लिए या निदेशक (परियोजना) के नियमित पदधारक की नियुक्ति तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, निदेशक (परियोजना) के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

25.2 स्वतंत्र निदेशक

- डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319) और श्री मनोज मनोहर पांडे (डीआईएन: 09388430), कंपनी के अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशकों ने 14 नवंबर, 2024 को अपना कार्यकाल पूरा किया और तदनुसार, 15 नवंबर, 2024 से स्वतंत्र निदेशक नहीं रहें।
- डॉ. दुर्गेश नंदिनी (डीआईएन: 09398540), कंपनी की अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक ने 26 दिसंबर, 2024 को अपना कार्यकाल पूरा किया और तदनुसार, 27 दिसंबर, 2024 से स्वतंत्र निदेशक नहीं रहें।
- विद्युत मंत्रालय के दिनांक 21 मई, 2025 के निवलिपत्र के साथ पठित दिनांक 17 अप्रैल, 2025 के आदेश के साथ के अनुसार, डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319) और डॉ. दुर्गेश नंदिनी (डीआईएन: 09398540) को 17 अप्रैल, 2025 से आरईसी के अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में फिर से नियुक्त किया गया है, जो उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए है।

25.3 प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों

26 अक्टूबर, 2024 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में पारित संकल्प के अनुसार, वर्तमान में कार्यपालक निदेशक (वित्त-बॉण्ड) श्री राजेश कुमार को 26 अक्टूबर, 2024 से कंपनी के केएमपी के रूप में नामित किया गया है।

25.4 निदेशक जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सेवानिवृत्त हो रहे हैं और नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति का अनुरोध कर रहे हैं

अधिनियम और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 91(iv) के प्रावधानों के अनुसार, श्री शशांक मिश्र, सरकारी नामित निदेशक, कंपनी की आगामी 56वीं वार्षिक आम बैठक में चक्रानुक्रम न द्वारा सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने के नाते, अपनी पुनर्नियुक्ति की पेशकश करते हैं। निदेशक मंडल उनकी पुनर्नियुक्ति की सिफारिश करता है।

इसके अलावा, सूचीकरण विनियमों के विनियम 17(1ग) के अनुसार, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, आई.ए.एस. को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ. गंभीर सिंह और डॉ. दुर्गेश नंदिनी को अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति को भी आगामी वार्षिक आम बैठक में शेरधारकों के समक्ष उनकी मंजूरी के लिए रखा जा रहा है। निदेशक मंडल उनकी नियुक्ति की सिफारिश करता है।

श्री शशांक मिश्र, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, आई.ए.एस., डॉ. गंभीर सिंह और डॉ. दुर्गेश नंदिनी का संक्षिप्त जीवन-वृत्त और अन्य विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग होने वाली वार्षिक आम बैठक की सूचना के साथ संलग्न हैं।

25.5 कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी

श्री जे.एस. अमिताभ कंपनी के कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी हैं।



26. निदेशक मण्डल/स्वतंत्र निदेशकों का मूल्यांकन

सांविधिक प्रावधानों के अनुसार, एक सूचीबद्ध कंपनी को अपने बोर्ड की रिपोर्ट में एक विवरण प्रकट करना होता है जिसमें बोर्ड, उसकी समितियों और पृथक् निदेशकों के निष्पादन के औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन की रीति और नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा यथा निर्धारित इसके स्वतंत्र निदेशकों का निष्पादन मूल्यांकन के मानदंड दिए गए हों।

तथापि, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने 5 जून, 2015 की अपनी अधिसूचना के माध्यम से, अन्य बातों के साथ, सरकारी कंपनियों को उपरोक्त आवश्यकता से छूट दी है, यदि निदेशकों का मूल्यांकन प्रशासनिक रूप से प्रभावी केंद्र सरकार के मंत्रालय या विभाग द्वारा अपनी मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया जाता है तो। इसके अलावा एमसीए ने 5 जुलाई, 2017 की अधिसूचना द्वारा यह भी निर्धारित किया कि कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची IV में निर्धारित स्वतंत्र निदेशकों के निष्पादन की समीक्षा और मूल्यांकन तंत्र से संबंधित प्रावधान सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होते हैं।

तदनुसार, एक सरकारी कंपनी होने के नाते, उपरोक्त अधिसूचनाओं के संदर्भ में आरईसी को अन्य बातों के साथ-साथ छूट दी गई है, क्योंकि कंपनी के बोर्ड के सभी सदस्यों के निष्पादन का मूल्यांकन प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् विद्युत मंत्रालय और/या लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी के गैर-कार्यपालक निदेशकों का निष्पादन मूल्यांकन प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा अपने आंतरिक दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया था।

इसके अलावा, आपकी कंपनी डीपीई द्वारा जारी एमओयू दिशानिर्देशों में निर्धारित ढांचे के तहत अपनी धारक कंपनी, पीएफसी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी करती है। एमओयू विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के परामर्श से अंतिम रूप दिए गए कंपनी के लिए प्रमुख निष्पादन मापदंडों को निर्धारित करता है और कंपनी के निष्पादन का मूल्यांकन एमओयू मापदंडों के अनुसार किया जाता है।

27. निदेशकों का उत्तरदायित्व कथन

धारा 134(5) के संदर्भ में, यह पुष्टि की जाती है कि:

- 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखे तैयार करते समय, लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन किया गया है और उनसे कोई महत्वपूर्ण विपथन नहीं किया गया है;
- ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया गया और उन्हें सतत रूप में लागू किया गया (सिवाय वित्तीय विवरणों की लेखे की टिप्पणियों में यथाप्रकट नए प्रभावी भारतीय लेखांकन मानक के अंगीकरण के) तथा ऐसे निर्णय लिए गए व अनुमान तैयार किए गए हैं जोकि उचित और विवेकसम्मत थे, ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के कार्यकलापों की स्थिति का और उक्त तिथि को समाप्त अवधि के लिए लाभ का सही और उचित परिदृश्य प्रस्तुत किया जा सके;
- कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने और धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार पर्याप्त लेखाकरण रिकॉर्डों का अनुरक्षण करने के लिए उचित और पर्याप्त ध्यान रखा गया है;
- चालू प्रतिष्ठानों के वार्षिक आधार पर लेखे तैयार किए गए हैं;
- कंपनी द्वारा अनुसरण किए जाने वाले आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए गए हैं और ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं एवं प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं;
- निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था विकसित की है और यह व्यवस्था पर्याप्त है एवं प्रभावी रूप से कार्य कर रही है।

28. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत उपलब्धियां

समझौता ज्ञापन (एमओयू) का तंत्र एक प्रमुख नीतिगत पहल के रूप में कार्य करता है, जिसके माध्यम से भारत सरकार डीपीई के जरिए सीपीएसई के नियमित प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिससे निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और सीपीएसई के प्रदर्शन स्तरों में वृद्धि होती है। आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए "उत्कृष्ट" रेटिंग प्राप्त की है और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, डीपीई द्वारा अंतिम मूल्यांकन के अधीन, "उत्कृष्ट" रेटिंग की प्रत्याशा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समेकित एमओयू दिशानिर्देश डीपीई की वेबसाइट <https://डीपीई.gov.in/en/consolidated-mou-Guidelines-year-2024-25> पर उपलब्ध है। डीपीई के एमओयू दिशानिर्देशों के अनुसार नीचे गणना समेकित आधार पर प्रस्तुत की गई है। एमओयू 2024-25 के लक्ष्यों के प्रति प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

मानदण्ड	वित्तीय वर्ष 2024-25	मानदण्ड	वित्तीय वर्ष 2024-25
प्रचालनों से राजस्व	₹356,367 करोड़	परिसंपत्ति टर्नओवर अनुपात	9.18%
राजस्व के प्रतिशत के रूप में ईबीटीडीए	35.69 %	कुल निधियों के प्रति संवितरित ऋण	100.00%
निवल मूल्य पर प्रतिफल	21.04 %	कुल ऋण के प्रति अतिदेय ऋण	0.16%
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	11.09 %	कुल ऋण के प्रति एनएनपीए	0.39%
जीईएम खरीद	98.06 %	प्रति शेयर अर्जन	₹59.55

आरईसी ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए समय पर चालान छूट की सुविधा प्रदान करने के लिए सभी प्रचालनशील ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (ट्रेडस) पोर्टल्स पर स्वयं को ऑनबोर्ड किया है। इसके अलावा, कंपनी ने खरीद को सुव्यवस्थित करने के लिए अपनी उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) प्रणाली को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के साथ एकीकृत किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत निर्धारित 45 दिनों की समय सीमा के भीतर एमएसएमई विक्रेताओं से संबंधित 2,438 बीजकों का भुगतान किया गया और वर्ष के अंत में 26 चालान लंबित थे, जिनके लिए 45 दिन की अवधि समाप्त नहीं हुई थी।

आरईसी ने भारत सरकार की लागू खरीद दिशानिर्देशों/निर्देशों/नीतियों के अनुरूप माल और सेवाओं की खरीद की है। कंपनी ने एमएसई विक्रेताओं से 44.82%, अनु.जा./अनु.ज.जा. एमएसई विक्रेताओं से 1.11% और महिला एमएसई विक्रेताओं से 3.83% माल और सेवाओं की खरीद की और इसे एमएसएमई के संबद्ध पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

29. 'थिंक ग्रीन, गो ग्रीन' पहल

कंपनी अधिनियम, 2013 कंपनियों को अपने सदस्यों को उनके पंजीकृत ईमेल पते पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वार्षिक आम बैठक की सूचना, वार्षिक रिपोर्ट आदि जैसे दस्तावेज भेजने की अनुमति देता है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, कंपनी ने कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) की 'हरित पहल' के कार्यान्वयन का सक्रिय रूप से समर्थन किया है और ईमेल आईडी पंजीकृत होने वाले शेयरधारकों को सूचना और वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी को प्रभावी किया है। ऐसे शेयरधारकों को लाभांश (अंतरिम/अंतिम) की सूचना भी

इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजी जा रही है। इसके अतिरिक्त, कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के अनुसार, कंपनी सभी शेयरधारकों को ई-मतदान सुविधा प्रदान कर रही है ताकि वे वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना में निर्धारित संकल्पों पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना मत दे सकें। कंपनी इस वर्ष एजीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों से भी आयोजित करेगी। शेयरधारक एजीएम की सूचना में दिए गए अनुसार एजीएम में ई-मतदान और इलेक्ट्रॉनिक भागीदारी के लिए विस्तृत निर्देशों को देख सकते हैं। जिन शेयरधारकों ने अब तक अपने ई-मेल पते पंजीकृत नहीं किए हैं उनसे अनुरोध है कि वे अपने ई-मेल पते कंपनी के रजिस्टार और शेयर अंतरण एजेंट (आर एंड टीए) या अपने संबंधित डिपॉजिटरी भागीदार (डीपी) के साथ पंजीकृत करें और हरित पहल में भाग लें।

आरईसी ने सतत और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद की है। यह कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हरित पर्यावरण में योगदान देने के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है। इन ईवी की प्रचालन लागत काफी कम है और ऊर्जा दक्षता में वृद्धि हुई है।

आरईसी नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान आयोजित करता है और इसने सभी अपशिष्ट के पुनर्चक्रण और निपटान के लिए एजेंसियों के साथ साझेदारी की है। बोर्ड रूम में शून्य प्लास्टिक उपयोग को अपनाने के लिए कांच की बोतलों से सुसज्जित किया गया है। महिलाओं का स्वास्थ्य और स्वच्छता हमेशा आरईसी में प्राथमिकता रही है। आरईसी की महिला कर्मिकों के कुशलक्षेम में सुधार के लिए, कॉर्पोरेट कार्यालय में 3 सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई हैं।

30. स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता

आरईसी ने स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता कार्य योजना और स्वच्छता ही सेवा अभियानों के तहत स्वच्छता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की हैं, जैसे अनाथालयों या विशेष रूप से सक्षम केंद्रों को सफाई सामग्री दिए जाने का अभियान, सार्वजनिक स्थानों पर डस्टबिन स्थापना, वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य और स्वच्छता शिविर, दयालुता की दीवार की स्थापना, कर्मिकों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला या संगोष्ठी, सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई अभियान और स्वच्छता के बारे में जागरूकता के लिए सार्वजनिक स्थान पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन।

31. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 ('आरटीआई अधिनियम) का उद्देश्य नागरिकों को लोक प्राधिकारियों से सूचना प्राप्त करने और उनके कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में सक्षम बनाना है। आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों के निस्तारण के लिए कंपनी में एक आरटीआई प्रकोष्ठ मौजूद है। कंपनी ने आरटीआई आवेदनों का उत्तर देने के लिए एक मुख्य लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और आरटीआई अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आरटीआई प्रथम अपील पर निर्णय करने के लिए एक प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (आरटीआई) को नामित किया है। आरटीआई प्रकोष्ठ में एक सहायक लोक सूचना अधिकारी भी शामिल है। आरटीआई प्रकोष्ठ के पूरे कामकाज और आरईसी में आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी पारदर्शिता अधिकारी द्वारा की जाती है। आरईसी भारत सरकार, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल <https://rtionline.gov.in> से भी जुड़ा है, जो भारत के नागरिकों को भुगतान गेटवे के साथ आरटीआई आवेदन/प्रथम अपील ऑनलाइन दर्ज करने में सक्षम बनाता है। 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के दौरान आरटीआई प्रकोष्ठ द्वारा प्राप्त आवेदनों और अपीलों की संख्या से संबंधित सूचना नीचे दी गई है:

क्र. सं.	आरटीआई का विवरण	संख्या
1	प्राप्त आवेदन	547
2	निपटान किए गए आवेदन	547
3	अपीलीय अधिकारी, आरईसी द्वारा प्राप्त प्रथम अपील	47
4	अपीलीय अधिकारी, आरईसी द्वारा निपटाई गई प्रथम अपील	47
5	केन्द्रीय सूचना आयोग से प्राप्त दूसरी	1
6	केन्द्रीय सूचना आयोग द्वारा निपटान की गई दूसरी अपील	1

इसके अलावा, आरईसी ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा निर्दिष्ट आवश्यकताओं के अनुपालन में अपेक्षित जानकारी को अपनी वेबसाइट पर रखा है। इसके अलावा, उक्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में, जो किसी अन्य पक्ष द्वारा स्व-प्रेरणा प्रकटीकरण की वार्षिक संपरीक्षा का प्रावधान करते हैं, आरटीआई प्रकटीकरण का अन्य-पक्ष ऑडिट किया गया है और रिपोर्ट आरईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।



स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत वृद्धाश्रम में आयोजित स्वास्थ्य शिविर



32. सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति के तहत रिपोर्टिंग

भारत सरकार ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति, 2012 को अधिसूचित किया है ताकि उनके द्वारा उत्पादित उत्पादों और प्रदान की गई सेवाओं के विपणन का समर्थन किया जा सके। हालांकि, नीति प्रतिस्पर्धात्मकता के मूल सिद्धांत पर आधारित है, जो उचित खरीद प्रथाओं और आपूर्ति के निष्पादन का पालन करती है, जो निष्पक्ष, समान, पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और लागत प्रभावी प्रणाली के अनुरूप है। नीति के अनुपालन में, वार्षिक खरीद योजना को एमएसई के लाभ के लिए आरईसी की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है और एमएसएमई 'संबंध' पोर्टल पर मासिक खरीद विवरण नियमित रूप से अद्यतन किए जा रहे हैं।

एमएसई को निविदा शुल्क और बयाना जमा राशि से छूट, खरीद प्राथमिकता जैसे लाभ प्रदान किए जाते हैं, अर्थात् एमएसई जो एल1+15% की मूल्य सीमा के भीतर मूल्य उद्धृत करते हैं, जब एल1 किसी गैर-एमएसई से होता है, तो उन्हें एल1 मूल्य पर कम से कम 25% निविदा मूल्य की आपूर्ति करने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते एमएसई द्वारा मूल्य को एल1 तक कम किया जाए, जहां विभाजन संभव हो।

दिनांक 9 नवंबर, 2018 के राजपत्र अधिसूचना (का.आ.5670(अ)) के अनुसार, सभी केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों/विभागों/ सीपीएसई के लिए अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 25% एमएसई से करना अनिवार्य है, जिसमें अनु.जा./अनु.ज.जा. उद्यमियों द्वारा स्वामित्व वाले एमएसई से 4% और महिला उद्यमियों द्वारा स्वामित्व वाले एमएसई से 3% शामिल हैं।

एमएसएमई मंत्रालय द्वारा 25 मार्च, 2022 को जारी संशोधित एफएक्यू के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया है कि वार्षिक खरीद के 25% लक्ष्य में से (विशिष्ट निविदा में नहीं), अनु.जा./अनु.ज.जा. उद्यमियों द्वारा स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद के लिए 4% और महिला उद्यमियों द्वारा स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद के लिए 3% का उप-लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हालांकि, यदि ऐसे एमएसई निविदा प्रक्रिया में भाग लेने या निविदा आवश्यकताओं और एल1 मूल्य को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो अनु.जा./अनु.ज.जा. उद्यमियों द्वारा स्वामित्व वाले एमएसई के लिए निर्धारित 4% और महिला उद्यमियों के लिए निर्धारित 3% उप-लक्ष्य को अन्य एमएसई से भी पूरा किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी द्वारा दी गई कुल खरीद 99.62 करोड़ थी, जिसमें सरकारी कार्यक्रमों के लिए पीआईए (कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी) के रूप में दिए गए 28.03 करोड़ के अनुबंध, जीईएम में उपलब्ध नहीं (जीएआर आईडी) के साथ 19.33 करोड़ के अनुबंध और जीईएम के माध्यम से मूल्य खोज और विक्रेताओं के पैनलमैट से संबंधित 0.79 करोड़ के अनुबंध शामिल नहीं हैं। उपरोक्त उप-श्रेणी को छोड़कर जीईएम पोर्टल से दिए गए कुल अनुबंध की राशि 97.58 करोड़ थी (95% के लक्ष्य से अधिक प्राप्त) और एमएसई (अनु.जा./अनु.ज.जा. और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई सहित) से खरीद 43.73 करोड़ थी (25% के लक्ष्य से अधिक प्राप्त), जिसमें अनु.जा./अनु.ज.जा. उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से 0.52 करोड़ और महिला उद्यमियों द्वारा स्वामित्व वाले एमएसई से 3.71 करोड़ की खरीद शामिल थी। वित्तीय वर्ष के दौरान, एमएसई को 1,301 अनुबंध दिए गए, जिनमें से 17 अनु.जा./अनु.ज.जा. श्रेणी के थे और 246 महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले थे। अनु.जा./अनु.ज.जा. और महिला उद्यमियों से खरीद, निविदा प्रक्रिया में उनकी भागीदारी या निविदा आवश्यकताओं और एल1 मूल्य को पूरा करने पर अत्यधिक निर्भर करती है, जिस पर खरीदार का कोई नियंत्रण नहीं है।

कंपनी ने अपने सभी पैन-इंडिया कार्यालयों के लिए जीईएम पर उपलब्ध सामान्य उपयोग के माल और सेवाओं की 100% खरीद को जीईएम के माध्यम से अनिवार्य रूप से खरीदने के लिए अनिवार्य कर दिया है। आरईसी ने दो ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से विक्रेता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिनमें एनएसआईसी अनु.जा.-अनु.ज.जा. हब, जीईएम, ट्रेड्स, ईएसजी के अधिकारियों ने भी भाग

लिया और प्रतिभागियों द्वारा इनकी व्यापक रूप से प्रशंसा की गई। यह भी उल्लेखनीय है कि एमएसई बोलीदाताओं को भुगतान अनुबंध की सहमति शर्तों (45 दिनों से अधिक नहीं) के अनुसार पहले से ही समय पर संसाधित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, भुगतान प्रक्रिया को तेज करने के लिए, आरईसी ने आरबीआई द्वारा अनुमोदित तीन ट्रेड्स प्लेटफॉर्म, अर्थात् M1xchange, Invoicemart और Receivables Exchange of India के साथ पंजीकरण कराया है और यदि एमएसएमई विक्रेता ट्रेड्स के माध्यम से बीजक भेजता है तो भुगतान ट्रेड्स के माध्यम से संसाधित किए जाते हैं। एमएसएमई समाधान पोर्टल के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान एमएसईs भुगतानों के संबंध में आरईसी के खिलाफ कोई मामला लंबित नहीं है।

33. महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिक्रिया) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत प्रकटीकरण

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिक्रिया) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच अधिनियम) के उपबंधों के अनुरूप, कंपनी में महिला कर्मिकों के लैंगिक उत्पीड़न के खिलाफ शिकायतों के निवारण के लिए एक 'आंतरिक शिकायत समिति' का गठन किया गया है। समिति का लक्ष्य महिला कर्मिकों को जागरूक बनाना और उन्हें कार्य के लिए एक स्वास्थ्यकर और सौहार्दपूर्ण परिवेश प्रदान करना है। समिति की अध्यक्षता कंपनी की एक वरिष्ठ महिला अधिकारी करती है और इसमें सदस्य के रूप में से एक किसी एनजीओ का प्रतिनिधि शामिल होता है। कंपनी के लैंगिक उत्पीड़न-रोधी रुख को आरईसी (आचरण, अनुशासन और अपील) नियमों में भी रेखांकित किया गया है।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिक्रिया) अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उक्त अधिनियम के अंतर्गत शिकायतों के संबंध में प्रकटीकरण निम्नवत है:

क्र. सं.	विवरण	शिकायतों की संख्या
1	वर्ष के दौरान प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या	शून्य
2	वर्ष के दौरान प्राप्त निपटान की गई शिकायतों की संख्या	शून्य
3	90 दिवस से अधिक के लिए लंबित मामलों की संख्या	शून्य

34. वार्षिक विवरणी

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी की वार्षिक विवरणी कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के साथ दाखिल की गई और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रारूप वार्षिक विवरणी, कंपनी की वेबसाइट <https://www.recindia.nic.in/annual-returns> पर उपलब्ध है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एमसीए के साथ वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के बाद, उक्त को उसी वेबलिंग पर वेबसाइट में अपलोड किया जाएगा।

35. संबंधित पक्षकों के साथ सविदाओं या समझौतों का विवरण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए फॉर्म एओसी-2 में प्रकट किए जाने हेतु अपेक्षित संबंधित पक्ष संव्यवहार के विवरण, इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

36. लेखापरीक्षक

36.1 सांविधिक लेखापरीक्षक

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली (फर्म पंजीकरण संख्या: 112318W) और मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट, नई दिल्ली (फर्म पंजीकरण संख्या: 000235N/N500089) को भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (सी एंड एजी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आपकी कंपनी के

सांविधिक लेखापरीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। सांविधिक लेखापरीक्षकों ने मार्च 31, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है।

इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा अभी की जानी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए (सीएंडएजी) द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सांविधिक लेखापरीक्षकों के पारिश्रमिक को निर्धारित करने के लिए निदेशक मण्डल को अधिकृत करने हेतु आगामी एजीएम में सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त की जाएगी।

36.2 सचिवीय लेखापरीक्षक

मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी की सचिवीय लेखापरीक्षा करने के लिए सचिवीय लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। अधिनियम की धारा 204 और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की है और यह इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

36.3 लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट(ओं) पर प्रबंधन की टिप्पणियां

सांविधिक लेखापरीक्षकों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी के एकल और समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है और बिना किसी अर्हता, आरक्षण, प्रतिकूल टिप्पणी या अस्वीकरण के अपनी रिपोर्ट दी है। लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग होती है।

सचिवीय लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का मत निम्नानुसार है:

क्र. सं.	सचिवीय लेखापरीक्षकों की टिप्पणी	प्रबंधन का उत्तर
1.	14 मई, 2024 से स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यक संख्या की अनुपलब्धता के कारण सूचीकरण विनियमों के विनियम 17, अधिनियम की धारा 149 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1.4 के साथ गैर-अनुपालन। इसके अलावा, 27 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के दौरान, कंपनी के बोर्ड में कोई महिला स्वतंत्र निदेशक नहीं थी।	आरईसी एक सरकारी कंपनी है और कंपनी के संगम अनुच्छेदों के अनुच्छेद 91 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार भारत के राष्ट्रपति के पास है, जो प्रशासनिक मंत्रालय, अर्थात् विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से कार्य करते हैं, और कंपनी की बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति में कोई भूमिका नहीं है और यह कंपनी के नियंत्रण से बाहर है कि वह स्वतंत्र निदेशकों सहित निदेशकों की नियुक्ति स्वयं करे। इसके अलावा, कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यक संख्या की अनुपलब्धता के कारण, उक्त अवधि के दौरान लेखापरीक्षा समिति तथा नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना में स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यक संख्या शामिल नहीं थी।
2.	सूचीकरण विनियमों के विनियम 18 और 19, अधिनियम की धारा 177 और 178, और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.1.1 और 5.1 के साथ गैर-अनुपालन, क्योंकि 27 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के दौरान लेखापरीक्षा समिति और नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना में स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यक संख्या शामिल नहीं थी।	कंपनी समय-समय पर विद्युत मंत्रालय से अपने बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यक संख्या की नियुक्ति के लिए अनुरोध और अनुवर्ती कार्रवाई कर रही है।

37. भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सी एंड एजी) ने 25 जुलाई, 2025 के पत्र(ओं) के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(क) के अंतर्गत 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर 'शून्य' टिप्पणी दी है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों को इस वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के साथ रखा गया है।

38. डिबेंचर ट्रस्टी

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अनुपालन में, समय-समय पर जारी किए गए अपने बॉण्डों/डिबेंचर की विभिन्न श्रृंखलाओं के लिए कंपनी द्वारा नियुक्त डिबेंचर ट्रस्टियों के विवरण वाली एक सूची इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

39. सांविधिक प्रकटीकरण

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी के व्यवसाय की प्रकृति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कोई सार्वजनिक जमा स्वीकार नहीं किया है और कंपनी के निदेशक मण्डल ने आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुपालन में इस संबंध में अपेक्षित संकल्प पारित किया है।
- नियामकों या अदालतों या अधिकरणों द्वारा ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था जिससे भविष्य में कंपनी की चालू प्रतिष्ठान की स्थिति और कंपनी के संचालन प्रभावित होते हो।
- कंपनी आंतरिक नियंत्रण की एक पर्याप्त प्रणाली बनाए रखती है, जिसमें विभिन्न लेनदेन की सटीक और समय पर वित्तीय रिपोर्टिंग, संचालन की दक्षता और वैधानिक कानूनों, विनियमों और कंपनी नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त निगरानी प्रक्रियाएं शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया इस रिपोर्ट के साथ संलग्न 'प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट' देखें।
- वर्ष के दौरान आयोजित बोर्ड और इसकी समितियों की संरचना, विचारार्थ विषय और बैठकों की संख्या, सतर्कता तंत्र/व्हिसल ब्लोअर नीति की स्थापना और निदेशकों के परिचयात्मक कार्यक्रमों के लिए वेब-लिक, संबंधित पक्ष लेनदेन की भौतिकता संबंधी नीति और संबंधित पक्ष संव्यवहार, भौतिक सहायक कंपनियों का निर्धारण करने के लिए नीति, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को प्रतिकर, समय-समय पर संशोधित सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और कॉर्पोरेट अभिशासन संबंधी डीपीई दिशानिर्देश, 2010 के प्रावधानों के अनुपालन में तैयार की गई 'कॉर्पोरेट अभिशासन संबंधी रिपोर्ट' में निदेशकों को बैठक शुल्क और आईईपीएफ आदि के बारे में विवरण प्रदान किए गए हैं, जो इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग है।
- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 (11) के अनुसार, दिए गए ऋण, दी गई गारंटी प्रदान की गई प्रतिभूतियां या कंपनियों के वित्तपोषण के व्यवसाय में लगी कंपनी द्वारा किया गया निवेश या अपने व्यवसाय के सामान्य चालन में ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना, कंपनी पर लागू नहीं हैं अतः कोई प्रकटीकरण करने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, निवेश का विवरण एकल वित्तीय विवरणों के लेखाओं की टिप्पणियों की टिप्पणी संख्या 11 में दर्शाया गया है।
- अधिनियम की धारा 197 के उपबंध और प्रबंधकीय पारिश्रमिक से संबंधित उसके अंतर्गत बनाए गए नियम सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होते हैं।
- कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले ऐसे कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं हैं जो वित्तीय वर्ष के



अंत अर्थात 31 मार्च, 2025 और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच हुई है।

- झ) कंपनी ने कंपनी के निदेशकों या किसी कार्मिक को कोई स्टॉक विकल्प जारी नहीं किया है।
- ञ) संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 24 जनवरी 2018 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार यथालागू सतर्कता मामलों, लेखापरीक्षा आपत्तियों के उत्तर और आरटीआई मामलों आदि से संबंधित विवरण, इस रिपोर्ट में विधिवत रूप से शामिल किए गए हैं।
- ट) केंद्र सरकार ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के तहत केंद्र सरकार द्वारा विहित कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखापरीक्षा) संशोधन नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 के अंतर्गत कंपनी के उत्पादों/सेवाओं के लिए लागत रिकॉर्ड के रखरखाव को निर्धारित नहीं किया है। तदनुसार, कंपनी द्वारा लागत लेखाओं और रिकॉर्ड को बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है।
- ठ) समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, सांविधिक लेखापरीक्षकों/सचिवालय लेखापरीक्षकों ने लेखापरीक्षा समिति को कंपनी के अधिकारियों या कार्मिकों द्वारा की गई धोखाधड़ी के किसी मामले की सूचना नहीं दी है।
- ड) कंपनी भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों का अनुपालन करती है।
- ढ) कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों को प्रशासनिक मंत्रालय, अर्थात विद्युत मंत्रालय के माध्यम से कार्य करते हुए भारत के राष्ट्रपति द्वारा नामित/नियुक्त किया जाता है। तदनुसार, नियुक्ति प्राधिकारी नामित/नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति की सत्यनिष्ठा, विशेषज्ञता और अनुभव पर विचार करता है। बोर्ड की राय में, वर्ष के दौरान नियुक्त स्वतंत्र निदेशक, सत्यनिष्ठा वाले व्यक्ति हैं और कंपनी में प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता, दक्षता और अनुभव रखते हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान, सभी स्वतंत्र निदेशक अधिनियम की धारा 149(6) के तहत निर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करते हैं और प्रत्येक स्वतंत्र निदेशक से यथा-अपेक्षित आवश्यक घोषणा भी प्राप्त कर ली गई थी।
- ण) वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं।
- त) आरईसी के विरुद्ध न तो कोई आईबीसी (दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता) लंबित है, और न ही हमें कंपनी के विरुद्ध किसी भी आईबीसी कार्यवाही शुरू करने के लिए कोई सूचना प्राप्त हुई है।
- थ) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, ऐसी कोई घटना नहीं हुई है जो एकमुश्त निपटान के समय किए गए मूल्यांकन की राशि और बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण लेते समय किए गए मूल्यांकन के बीच अंतर के संबंध में विवरण की रिपोर्टिंग को उत्पन्न करे।
- द) कंपनी ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के उपबंधों का अनुपालन किया है।

40. बोर्ड की रिपोर्ट के अनुबंध

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और अन्य लागू सांविधिक प्रावधानों के उपबंधों के संदर्भ में, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट, कॉर्पोरेट अभिशासन संबंधी रिपोर्ट, व्यापार उत्तरदायित्व और धारणीयता रिपोर्ट समाविष्ट होने वाले पृथक खंड इस बोर्ड की रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं।

अधिनियम, सूचीकरण विनियम, सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन संबंधी डीपीई दिशानिर्देश, 2010 और अन्य लागू सांविधिक उपबंधों के अनुसार विभिन्न सांविधिक रिपोर्टें, सूचना, प्रमाण पत्र आदि, बोर्ड की रिपोर्ट के साथ निम्नानुसार संलग्न हैं:

विवरण	अनुबंध
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट	I
कॉर्पोरेट अभिशासन संबंधी रिपोर्ट	II
कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का प्रमाण-पत्र	III
व्यापार उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्टिंग	IV
सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट	V
संबंधित पक्षकारों के साथ संविदाओं या व्यवस्थाओं का विवरण	VI
सीएसआर संबंधी वार्षिक रिपोर्ट	VII
डिबेंचर न्यासियों के विवरण	VIII

41. आभार

निदेशक विद्युत मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, नीति आयोग, निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग, लोक उद्यम विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बीएसई लिमिटेड, नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड तथा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक का कंपनी को उनके अमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हैं। निदेशक, धारक कंपनी पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड का भी उनके निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

निदेशक कंपनी में विश्वास बनाए रखने के लिए सभी शेयरधारकों, निवेशकों, ऋणदाताओं और प्रतिभूति धारकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। निदेशक, राज्य सरकारों, राज्य विद्युत बोर्डों, राज्य विद्युत उपयोगिताओं और स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों सहित सभी ग्राहकों और ऋण लेने वालों को उनका विश्वास जताने और कंपनी के साथ अपने सहयोग को जारी रखने के लिए धन्यवाद देते हैं।

निदेशक, सांविधिक लेखापरीक्षकों, सचिवीय लेखापरीक्षकों और कंपनी से जुड़े अन्य पेशेवरों के प्रबंधन को दिए गए उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं। अंत में हम, निदेशक मण्डल प्रति उनकी अथक प्रतिबद्धता के लिए कार्मिकों और स्टाफ के प्रति आभार करते व्यक्त हैं।

कृते निदेशक मण्डल और उनकी ओर से

जितेन्द्र श्रीवास्तव

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और

निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)

डीआईएन: 06817799

स्थान: गुरुग्राम

दिनांक : 25 जुलाई, 2025

हरित बॉण्ड के लिए वार्षिक प्रभाव रिपोर्टिंग - वित्तीय वर्ष 2024-25

क. 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर हरित बॉण्ड

क्र. सं.	स्थान	क्षमता (मेगावाट में)	श्रेणी	ऋण स्वीकृति तिथि	31 मार्च, 2025 को वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एमडब्ल्यूएच में	स्वीकृत ऋण (₹ करोड़ में)	31 मार्च, 2025 को बकाया ऋण (₹ करोड़ में)
1	करीमनगर, तेलंगाना	15	सौर ऊर्जा	11-11-2016	19,710	89.84	47.36
2	जागटियाल, तेलंगाना	30	सौर ऊर्जा	21-09-2016	69,088	179.62	99.90
3	सिरसिल्ला, तेलंगाना	30	सौर ऊर्जा	21-09-2016	46,706	179.62	100.12
4	वारंगल, तेलंगाना	15	सौर ऊर्जा	11-11-2016	20,693	89.84	47.49
5	अनंतपुर, आंध्र प्रदेश	500	सौर ऊर्जा	24-02-2016	7,00,457	2,480.00	1,300.97
6	करीमनगर, तेलंगाना	15	सौर ऊर्जा	11-11-2016	23,742	89.84	47.34
7	रंगा रेड्डी, तेलंगाना	5	सौर ऊर्जा	27-01-2016	6,889	26.90	14.35
8	मेदक, तेलंगाना	7	सौर ऊर्जा	26-11-2015	2,239	39.90	20.61
9	करीमनगर, तेलंगाना	15	सौर ऊर्जा	11-11-2016	24,460	89.84	47.36
10	चित्रदुर्गा, कर्नाटक	30	सौर ऊर्जा	17-04-2017	32,883	150.39	80.85
11	मुंबई, महाराष्ट्र	लागू नहीं	निम्न-कार्बन परिवहन	31-12-2018	निर्माणाधीन परियोजना	29,985.32	1,574.14
12	मंदसौर, मध्य प्रदेश	20	पवन ऊर्जा	28-01-2016	18,032	86.63	35.27
कुल					9,64,899	33,487.74	3,415.76

ख. 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर हरित बॉण्ड

क्र. सं.	स्थान	क्षमता (मेगावाट में)	श्रेणी	ऋण स्वीकृति तिथि	31 मार्च, 2025 को वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एमडब्ल्यूएच में	स्वीकृत ऋण (₹ करोड़ में)	31 मार्च, 2025 को बकाया ऋण (₹ करोड़ में)
1	मुंबई, महाराष्ट्र	लागू नहीं	निम्न कार्बन परिवहन	27-05-2022	निर्माणाधीन परियोजना	29,985.32	521.84
2	तृतीकोरिन, थूथुकुडी, तमिलनाडु	540	पवन ऊर्जा	28-05-2021	निर्माणाधीन परियोजना	2,564.73	2,561.68
3	धारापुरम, तिरुपुर, तमिलनाडु	270	पवन ऊर्जा	19-07-2021	निर्माणाधीन परियोजना	647.00	647.00
4	गदग, कर्नाटक	560	सौर-पवन हाइब्रिड पावर परियोजना	24-06-2023	निर्माणाधीन परियोजना	3,081.30	2,636.30
कुल						36,278.35	6,366.82

ग. 61.10 बिलियन जापानी येन हरित बॉण्ड

क्र. सं.	स्थान	क्षमता (मेगावाट में)	श्रेणी	ऋण स्वीकृति तिथि	31 मार्च, 2025 को वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एमडब्ल्यूएच में	स्वीकृत ऋण (₹ करोड़ में)	31 मार्च, 2025 को बकाया ऋण (₹ करोड़ में)
1	गदग, कर्नाटक	560	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - हाइब्रिड	24-06-2023	निर्माणाधीन परियोजना	3,081.30	198.79
2	बांका, बिहार	50	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	26-07-2023	77,271	220.52	197.35
3	जैसलमेर, राजस्थान	900	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	20-12-2023	निर्माणाधीन परियोजना	4,751.50	3,520.00



क्रं. सं.	स्थान	क्षमता (मेगावाट में)	श्रेणी	ऋण स्वीकृति तिथि	31 मार्च, 2025 को वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एमडब्ल्यूएच में	स्वीकृत ऋण (₹ करोड़ में)	31 मार्च, 2025 को बकाया ऋण (₹ करोड़ में)
4	रायसर, राजस्थान	300	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	10-03-2021	2,08,365	1,519.00	1.68
5	कच्छ, गुजरात	167	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	20-12-2023	1,72,918	845.75	640.00
6	मुंबई, महाराष्ट्र	लागू नहीं	निम्न कार्बन परिवहन	27-05-2022	निर्माणाधीन परियोजना	29,985.32	607.68
कुल					4,58,554	40,403.39	5,165.50

घ. 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर हरित बॉण्ड

क्रं. सं.	स्थान	क्षमता (मेगावाट में)	श्रेणी	ऋण स्वीकृति तिथि	31 मार्च, 2025 को वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एमडब्ल्यूएच में	स्वीकृत ऋण (₹ करोड़ में)	31 मार्च, 2025 को बकाया ऋण (₹ करोड़ में)
1	कडपा, आंध्र प्रदेश	50	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	निर्माणाधीन परियोजना	241.00	209.12
2	मुक्तसर, पंजाब	28	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	42,306	155.00	142.29
3	नागपुर, महाराष्ट्र	7	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	11,028	29.00	26.42
4	जोधपुर, राजस्थान	130	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	2,86,235	568.00	552.78
5	जलौन, उत्तर प्रदेश	40	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	65,980	248.86	163.19
6	तुमकुर, कर्नाटक	100	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	2,27,410	357.00	348.11
7	भावनगर, गुजरात	260	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	29-01-2024	5,01,543	884.00	861.99
8	कच्छ, गुजरात	900	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	16-07-2024	निर्माणाधीन परियोजना	5,302.30	1,550.85
9	नीमच, मध्य प्रदेश	1,440	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - पंप्ड स्टोरेज	15-11-2022	निर्माणाधीन परियोजना	7,910.85	3,611.00
10	तूतीकोरिन, तमिलनाडु	540	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - पवन	16-06-2021	निर्माणाधीन परियोजना	2,886.00	180.00
11	जालना, महाराष्ट्र	126	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	25-06-2024	निर्माणाधीन परियोजना	354.88	148.85
12	नांदेड़, महाराष्ट्र	285	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	25-06-2024	निर्माणाधीन परियोजना	802.70	304.22
13	हैदराबाद, तेलंगाना	लागू नहीं	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - ई-वाहन	21-11-2023	लागू नहीं - ई-मोबिलिटी	494.55	211.28
14	मुंबई, महाराष्ट्र	लागू नहीं	निम्न कार्बन परिवहन	27-05-2022	लागू नहीं - ई-मोबिलिटी	29,985.32	500.00

क्र. सं.	स्थान	क्षमता (मेगावाट में)	श्रेणी	ऋण स्वीकृति तिथि	31 मार्च, 2025 को वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एमडब्ल्यूएच में	स्वीकृत ऋण (₹ करोड़ में)	31 मार्च, 2025 को बकाया ऋण (₹ करोड़ में)
15	जैसलमेर, राजस्थान	300	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	26-03-2021	2,08,365	1,519.48	6.26
16	झांसी, उत्तर प्रदेश	600	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर पार्क अवसंरचना	27-10-2022	लागू नहीं - सौर पार्क अवसंरचना	140.47	64.08
17	पुणे, महाराष्ट्र	लागू नहीं	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - बायोमास	16-01-2024	लागू नहीं - सीबीजी परियोजना	52.75	10.01
18	नीलगिरी, तमिलनाडु	500	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - जलविद्युत	30-06-2023	निर्माणाधीन परियोजना	1,207.82	229.50
19	अकोला, महाराष्ट्र	204	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - सौर	25-06-2024	निर्माणाधीन परियोजना	574.56	215.27
20	एलुरु, आंध्र प्रदेश	960	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - जलविद्युत	28-02-2017	निर्माणाधीन परियोजना	3,965.11	2,450.74
21	किश्तवाड़, जम्मू और कश्मीर	624	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - जलविद्युत	29-02-2024	निर्माणाधीन परियोजना	883.07	631.57
22	बेलगावी, कर्नाटक	1600	नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन - पंपड स्टोरेज	12-12-2023	निर्माणाधीन परियोजना	8,536.00	1,334.20
कुल					13,42,867	67,098.72	13,751.73

टिप्पणी: मुंबई - महाराष्ट्र के लिए स्वच्छ परिवहन हेतु ₹29,985.32 करोड़, गदग, कर्नाटक के लिए हाइब्रिड परियोजनाओं हेतु 3,081.30 करोड़ और रायसर, राजस्थान के लिए सौर परियोजना हेतु 1,519 करोड़ की ऋण स्वीकृति राशि का उपयोग 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर बॉण्ड, 61.10 बिलियन जापानी येन बॉण्ड और 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की आय से आंशिक रूप से किया गया है, जैसा कि तालिका ख, ग और घ में विस्तारपूर्वक दिया गया है।



आरईसी द्वारा वित्तपोषित खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क, गुजरात



प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

कंपनी का प्रबंधन वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान व्यवसाय परिवेश और उद्योग परिदृश्य, उद्योग जोखिमों, अवसरों और कंपनी के वित्तीय और प्रचलानात्मक कार्य-निष्पादन पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है।

व्यवसाय परिवेश

वैश्विक व्यवसाय परिवेश

वैश्विक अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। अभूतपूर्व झटकों के एक लंबे और चुनौतीपूर्ण दौर के बाद, 2024 के अधिकांश समय में स्थिरता के संकेत दिखाई दे रहे थे। मुद्रास्फीति कई दशकों के उच्चतम स्तर से नीचे आई थी, श्रम बाजार सामान्य हो गए थे, और बेरोजगारी और रिक्तियों की दरें महामारी-पूर्व स्तर पर लौट आई थीं। हालाँकि, दुनिया भर की सरकारों द्वारा नीतिगत प्राथमिकताओं को पुनर्व्यवस्थित करने और अनिश्चितताओं के नए शिखर पर पहुँचने के साथ, परिदृश्य बदल गया है।

प्रमुख नीतिगत बदलाव वैश्विक व्यापार प्रणाली को रीसेट कर रहे हैं और अनिश्चितता को जन्म दे रहे हैं जो एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लचीलेपन का परीक्षण कर रहा है। फरवरी 2025 से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने व्यापारिक भागीदारों के खिलाफ टैरिफ की कई लहरों की घोषणा की है, जिनमें से कुछ ने प्रतिवादों को लागू किया है। बाजारों ने पहले तो इन घोषणाओं को ज्यादातर सहजता से लिया, लेकिन 2 अप्रैल, 2025 को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा टैरिफ को लगभग सार्वभौमिक रूप से लागू करने की घोषणा के बाद, प्रमुख इंडिटी सूचकांकों में ऐतिहासिक गिरावट और बॉण्ड प्रतिफल में उछाल आया। व्यापार और वित्तीय संबंधों के साथ-साथ व्यापक भू-राजनीतिक संबंधों के माध्यम से संरक्षणवादी उपायों के जोखिम के आधार पर, देशों में उछाल की डिग्री अलग-अलग होती है। व्यापार तनावों में तेजी से वृद्धि और नीतिगत अनिश्चितता के अत्यधिक उच्च स्तर का वैश्विक आर्थिक गतिविधि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की आशा है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अप्रैल, 2025 की विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक विकास दर 2024 में 3.3% से गिरकर 2025 में 2.8% होने का अनुमान है, तथा उसके बाद 2026 में 3% तक पहुँचने का अनुमान है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए, विकास दर 2024 में 1.8% से गिरकर 2025 में 1.4% और 2026 में 1.5% होने का अनुमान है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए, विकास दर 2024 में 4.3% से गिरकर 2025 में 3.7% होने का अनुमान है, तथा 2026 में बढ़कर 3.9% हो जाएगी।

आईएमएफ: विश्व आर्थिक परिदृश्य अनुमान

वैश्विक वृद्धि	अनुमान		
	2024	2025	2026
विश्व	3.3	2.8	3.0
1. उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ (ईई)	1.8	1.4	1.5
यूएस	2.8	1.8	1.7
यूरोपीय संघ क्षेत्र	0.9	0.8	1.2
यूके	1.1	1.1	1.4
जापान	0.1	0.6	0.6
2. उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ	4.3	3.7	3.9
भारत	6.5	6.2	6.3
चीन	5.0	4.0	4.0
ब्राज़ील	3.4	2.0	2.0
उप-सहारा अफ्रीका	4.0	3.8	4.2
मध्य पूर्व और मध्य एशियाई	2.4	3.0	3.5

वैश्विक हेडलाइन मुद्रास्फीति 2025 में 4.3% से घटकर और 2026 में 3.6% होने की आशा है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति के पहले के लक्ष्य पर लौटने का अनुमान है, जो 2026 में 2.2% तक हो जाएगी, जबकि उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह इसी अवधि में घटकर 4.6% रह जाएगी। विशेष रूप से, विभिन्न देशों में हाल ही में लगाए गए टैरिफ का मुद्रास्फीति पर प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि टैरिफ अस्थायी हैं या स्थायी, कंपनियाँ बढ़ी हुई आयात लागत की भरपाई के लिए मार्जिन को किस हद तक समायोजित करती हैं और आयात का बिल अमेरिकी डॉलर में है या स्थानीय मुद्रा में। विभिन्न देशों पर इसके प्रभाव भी अलग-अलग होंगे।

अगले पाँच वर्षों तक वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 3.2% पर कम रहने का अनुमान है, जो 2000-2019 के 3.7% के औसत से कम है। इस सुस्त परिदृश्य का एक प्रमुख कारक जनसांख्यिकी है, जहाँ बढ़ती उम्र के साथ जनसंख्या उत्पादकता, श्रमशक्ति भागीदारी और समग्र विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है।

वैश्विक बिजली क्षेत्र बढ़ती मांग और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के तेजी से विस्तार के कारण महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इस गति को दर्शाते हुए, वैश्विक बिजली खपत वर्षों में अपनी सबसे तेज़ वृद्धि का अनुभव कर रही है, और 2027 तक मांग में भारी वृद्धि का अनुमान है। 2024 में वैश्विक बिजली की मांग में 4.3% की वृद्धि हुई और 2027 तक लगभग 4% वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखने की आशा है। इसका अर्थ है कि अगले तीन वर्षों में वैश्विक बिजली खपत में 3,500 टीडब्ल्यूएच की अभूतपूर्व वृद्धि होगी। इस वृद्धि के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें औद्योगिक उत्पादन का विस्तार, एयर कंडीशनिंग का बढ़ता उपयोग, विभिन्न क्षेत्रों में विद्युतीकरण में तेज़ी और दुनिया भर में डेटा केंद्रों की बढ़ती ऊर्जा मांग शामिल हैं।

इस बढ़ती मांग को पूरा करने में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत तेजी से प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। 2025 में, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से वैश्विक स्तर पर कुल बिजली का एक-तिहाई से ज्यादा उत्पादन होने का अनुमान है, जो पहली बार कोयले से भी ज्यादा होगा। कुल मिलाकर, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली की मांग में लगभग 95% वृद्धि पूरी होने की उम्मीद है, जिसमें सौर पीवी और पवन ऊर्जा इस विस्तार का नेतृत्व करेंगे और जीवाश्म ईंधन से उत्पादन को विस्थापित करेंगे। साथ ही, परमाणु ऊर्जा उत्पादन भी बढ़ रहा है, जिसके 2025 में एक नए शिखर पर पहुँचने और आने वाले वर्षों में भी बढ़ने की आशा है।

यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि इस क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, विशेषकर मौसम की घटनाओं के बढ़ते प्रभाव से संबंधित। 2024 में, तूफान, सूखे और लू के कारण व्यापक बिजली आपूर्ति बाधित हुई, जिससे ग्रिड की मजबूती बढ़ाने की अहम ज़रूरत पर ज़ोर दिया गया। चूँकि बिजली की आपूर्ति और माँग दोनों ही मौसम के प्रभाव से तेज़ी से प्रभावित हो रही हैं, इसलिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन प्रभावों के प्रति मजबूती बनाना बेहद ज़रूरी है।

भारतीय व्यवसाय परिवेश

भारत एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, और आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि अगले दो वर्षों में यह सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। आईएमएफ की विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के अप्रैल, 2025 संस्करण के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.2% और 2026 में 6.3% की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जिससे वैश्विक और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों पर एक ठोस बढ़त बनी रहेगी। मजबूत बुनियादी ढाँचे और रणनीतिक सरकारी पहलों के बल पर, देश आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है और भारत बुनियादी ढाँचे, नवाचार और वित्तीय समावेशन में सुधारों के साथ वैश्विक आर्थिक गतिविधि के एक प्रमुख चालक के रूप में अपनी भूमिका को लगातार बढ़ा रहा है।

आर्थिक विकास और दृष्टिकोण

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.5% की दर से बढ़ेगा, जबकि पिछले वर्ष यह 9.2% की वृद्धि दर पर था। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.5% रहने का अनुमान है, जिसमें पहली तिमाही के लिए 6.5%, दूसरी तिमाही के लिए 6.7%, तीसरी तिमाही के लिए 6.6% और चौथी तिमाही के लिए 6.3% का अनुमान है। स्वस्थ जलाशय स्तर और मजबूत फसल उत्पादन के कारण कृषि क्षेत्र की संभावनाएँ सकारात्मक बनी हुई हैं। विनिर्माण गतिविधि में सुधार के संकेत दिख रहे हैं और सेवा क्षेत्र लचीला बना हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों से निरंतर मांग, शहरी खपत में अपेक्षित पुनरुद्धार, बढ़े हुए सरकारी पूंजीगत व्यय से सहायता प्राप्त स्थिर पूंजी निर्माण में सुधार, उच्च क्षमता उपयोग और स्वस्थ कॉर्पोरेट और बैंक बैलेंस शीट जैसे कारकों से विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

मुद्रास्फीति के रुझान

खाद्य मुद्रास्फीति में तीव्र सुधार के बाद, जनवरी-फरवरी, 2025 के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति में कमी आई। रबी फसलों को लेकर अनिश्चितताएँ कम होने और दूसरे अग्रिम अनुमानों के रिकॉर्ड गेहूँ उत्पादन की ओर इशारा करने के साथ, खाद्य मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान सकारात्मक हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति 4% रहने का अनुमान है, जिसमें पहली तिमाही 3.6%, दूसरी तिमाही 3.9%, तीसरी तिमाही 3.8% और चौथी तिमाही 4.4% रहेगी। वर्तमान मुद्रास्फीति के बारे में परिवारों की धारणा घटकर 7.8% रह गई और अगले तीन महीनों और एक वर्ष के लिए मुद्रास्फीति की उम्मीदें भी कम हो गईं। मुद्रास्फीति के बढ़ने के जोखिम बने हुए हैं, जिनमें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं और प्रतिकूल मौसम संबंधी आपूर्ति व्यवधानों की चिंताएँ शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन

भारत जलवायु परिवर्तन के साथ तालमेल बिठाते हुए उससे होने वाले जोखिमों को कम करने की दिशा में तत्परता से काम कर रहा है। ऊर्जा संरक्षण के लिए भारत की जलवायु संबंधी गतिविधियाँ अन्य उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से ऊर्जा-कुशल बन रही है, ऊर्जा की तीव्रता 2014-15 में 0.27 मेगा जूल/रुपये से घटकर 2023-24 में 0.22 मेगा जूल/रुपये हो गई है। सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे प्रमुख ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रमों में ऊर्जा-प्रधान उद्योगों के लिए प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना; ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा उपकरणों के लिए मानक और लेबलिंग योजना; सभी के लिए किफायती एलईडी द्वारा उन्नत ज्योति (उजाला) योजना और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाना शामिल है।

लचीलापन और भविष्य का दृष्टिकोण

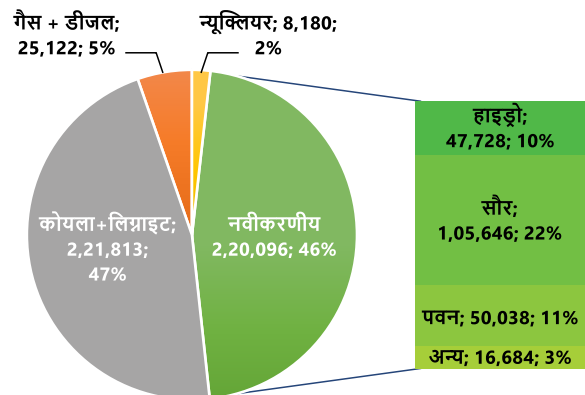
वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लचीलापन प्रदर्शित करती है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 6 जून, 2025 को नीतिगत रेपो दर को 50 आधार अंकों की कटौती के साथ 5.50% करने का निर्णय लिया, जो मुद्रास्फीति पर सतर्कता बनाए रखते हुए विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। भारत का बाह्य क्षेत्र मजबूत बना हुआ है, जिसमें लचीले सेवा निर्यात और स्थिर विदेशी मुद्रा भंडार शामिल हैं। आरबीआई चुस्त और निर्णायक नीतिगत उपायों के माध्यम से वृहद आर्थिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर देता है।

उद्योग संरचना और विकास

उद्योग अवलोकन

बढ़ती मांग और ऊर्जा परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत के विद्युत क्षेत्र ने उल्लेखनीय गतिविधि प्रदर्शित की। प्रमुख संकेतकों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल बिजली उत्पादन में 5% की वृद्धि शामिल है, जो 1,830 बिलियन यूनिट (बीयू) तक पहुँच गया। गैर-जीवाश्म स्रोतों ने एक बड़ी भूमिका निभाई, उनके उत्पादन में सालाना 12% की वृद्धि हुई और कुल मिश्रण में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 25% हो गई। बुनियादी ढाँचे का भी विस्तार हुआ, जिसमें लगभग 33 गीगावाट (नवीकरणीय ऊर्जा में रिकॉर्ड 30 गीगावाट सहित) जोड़ा गया, जिससे मार्च 2025 तक कुल स्थापित क्षमता 475 गीगावाट हो गई। इस वृद्धि ने गैर-जीवाश्म क्षमता की हिस्सेदारी 45% से बढ़ाकर 48% कर दी। इस अवधि में बिजली की शीर्ष मांग 250 गीगावाट के नए रिकॉर्ड को छू गई, जो समग्र क्षेत्र में मजबूत वृद्धि का संकेत है।

31 मार्च, 2025 तक स्थापित क्षमता: 4,75,211 मेगावाट



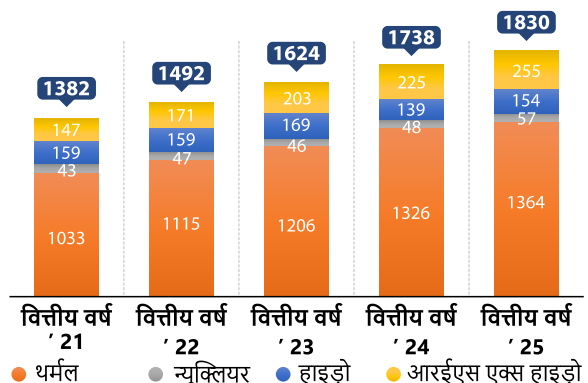
उद्योग संरचना

उत्पादन

31 मार्च, 2025 तक, देश में स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 475 गीगावाट थी, जिसमें केंद्रीय क्षेत्र में 106 गीगावाट, राज्य क्षेत्र में 112 गीगावाट और निजी क्षेत्र में 257 गीगावाट शामिल थे। निश्चित प्रकार के अनुसार उत्पादन क्षमता के संदर्भ में, पारंपरिक तापीय/जीवाश्म क्षमता 247 गीगावाट, जलविद्युत 48 गीगावाट, परमाणु 8 गीगावाट और जलविद्युत को छोड़कर नवीकरणीय ऊर्जा 172 गीगावाट थी। देश भर के ताप विद्युत संयंत्रों के लिए प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) पिछले वर्ष की तुलना में 69.07% से बढ़कर 69.47% हो गया। केंद्रीय क्षेत्र के ताप विद्युत स्टेशनों ने 75.09% का पीएलएफ हासिल किया, जबकि राज्य क्षेत्र और आईपीपी क्षेत्र ने क्रमशः 64.81% और 67.47% का पीएलएफ हासिल किया।

भारत का कुल बिजली उत्पादन वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,830 बीयू तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5% की वृद्धि दर्शाता है। जबकि थर्मल जेनरेशन (कोयला, लिग्नाइट और गैस सहित) में 3% की मामूली वृद्धि देखी गई, समग्र उत्पादन मिश्रण में इसका योगदान 1% कम हो गया। इसके विपरीत, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की हिस्सेदारी 1% बढ़कर कुल उत्पादित बिजली का 25% हो गई। यह बदलाव सभी गैर-जीवाश्म क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि से प्रेरित था: परमाणु उत्पादन में 19% की वृद्धि हुई, बड़े हाइड्रो (भूतान से आयात सहित) में 11% की वृद्धि हुई और अन्य नवीकरणीय (बड़े हाइड्रो को छोड़कर) में 13% की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। आगे की ओर देखते हुए, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,725 बीयू का उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है।

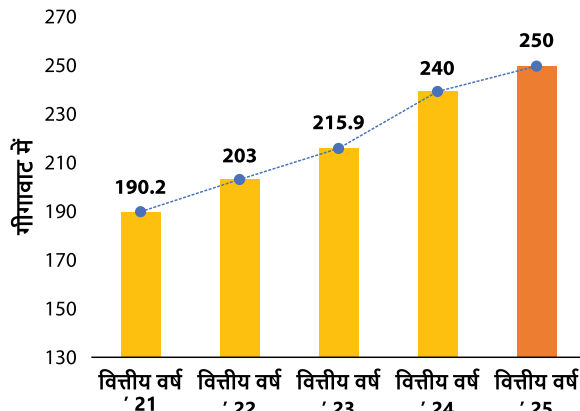
अखिल भारतीय ऊर्जा उत्पादन परिदृश्य (बीयू में)



विकास के एक सतत पैटर्न को रेखांकित करते हुए, भारत की अधिकतम बिजली की मांग मई 2024 में 250 गीगावाट के एक नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गई, जो सितंबर 2023 में स्थापित 240 गीगावाट के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई। 20वें विद्युत सर्वेक्षण की मध्यावधि समीक्षा के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश की अखिल भारतीय अधिकतम मांग 277 गीगावाट होने का अनुमान है। देश को मौजूदा और निर्माणाधीन क्षमताओं के इष्टतम उपयोग के साथ इस अनुमानित मांग को पूरा करने का विश्वास है। कुल बिजली उत्पादन में वृद्धि और अधिकतम मांग में नई ऊँचाईयाँ भारतीय अर्थव्यवस्था के स्वस्थ प्रदर्शन के साथ दृढ़ता से सहसंबद्ध हैं।



अखिल भारतीय स्तर पर बढ़ती मांग में प्रतिस्पर्धा



कोयला

भारत सरकार ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात कम करने के लिए वाणिज्यिक कोयला खनन, नियमों को सुव्यवस्थित करने, कैप्टिव खानों को अपने उत्पादन का एक हिस्सा बेचने की अनुमति देने और मिशन कोकिंग कोल आदि सहित कई पहलों को लागू किया है। इन प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 5% की वार्षिक वृद्धि हुई है, क्योंकि घरेलू कोयला उत्पादन 1,048 मीट्रिक टन के रिकॉर्ड वार्षिक उत्पादन तक पहुंच गया है। वाणिज्यिक और कैप्टिव और अन्य संस्थाओं के उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 198 मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष दर्ज 154 मीट्रिक टन से 28% अधिक है। कोयला प्रेषण ने वन बीटी का आंकड़ा पार कर लिया है, और कुल प्रेषण वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,025 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के 973 मीट्रिक टन से 5% अधिक है। कुल प्रेषित कोयले में से 843 मीट्रिक टन (अर्थात 82%) अकेले विद्युत क्षेत्र की उपयोगिताओं को भेजा गया है।

भारत का कोयला क्षेत्र तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को सहारा देने में अहम भूमिका निभाता है, जहाँ कोयला बिजली उत्पादन, इस्पात उत्पादन और सीमेंट निर्माण जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए प्राथमिक ऊर्जा स्रोत के रूप में काम करता है। हालाँकि, देश को अपनी घरेलू कोयला माँग, विशेष रूप से कोकिंग कोल और उच्च-श्रेणी के तापीय कोयले की माँग को पूरा करने में एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी देश के भंडारों में कमी है। परिणामस्वरूप, इस्पात उत्पादन सहित प्रमुख क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयले का आयात महत्वपूर्ण रहा है।

कोयला मंत्रालय घरेलू उत्पादन को मजबूत करने और सुरक्षित कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उपायों को लागू कर रहा है,

जो भारत के कोयला आयात को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लक्ष्यों के अनुरूप है। घरेलू कोयला उत्पादन को प्राथमिकता देकर, सरकार दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले एक आत्मनिर्भर, टिकाऊ ऊर्जा ढाँचे का निर्माण करके विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहती है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत

भारत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अपनी नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता में ऐतिहासिक वृद्धि हासिल की है, जिसमें रिकॉर्ड 30 गीगावाट की वृद्धि हुई है। इससे वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग 220 गीगावाट हो गई। यह मजबूत प्रदर्शन 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर निरंतर प्रगति को दर्शाता है, जो इसके 'पंचामृत' लक्ष्यों के अंतर्गत एक प्रमुख प्रतिबद्धता है।

सौर ऊर्जा ने इस विस्तार में अग्रणी भूमिका निभाई, जिसने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 24 गीगावाट नई क्षमता का योगदान दिया, जो पिछले वर्ष जोड़े गए 15 गीगावाट से काफी ज़्यादा है। इससे कुल स्थापित सौर क्षमता 106 गीगावाट (जिसमें 81 गीगावाट ग्राइंड माउंटेड, 17 गीगावाट रूफटॉप, 3 गीगावाट हाइब्रिड परियोजनाओं और 5 गीगावाट ऑफ-ग्रिड शामिल हैं) हो गई, जो उपयोगिता-स्तरीय और वितरित सौर ऊर्जा दोनों क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है।

पवन ऊर्जा ने भी निरंतर प्रगति दिखाई, वर्ष के दौरान 4 गीगावाट नई क्षमता (पहले 3 गीगावाट से बढ़कर) जोड़कर, इसकी कुल संचयी स्थापित क्षमता 50 गीगावाट तक पहुँच गई। इसके साथ ही, बड़ी पनबिजली क्षमता 48 गीगावाट (0.8 गीगावाट की वृद्धि) तक पहुँच गई, लघु पनबिजली 5 गीगावाट पर रही और जैव ऊर्जा (अपशिष्ट से ऊर्जा सहित) 12 गीगावाट पर रही। सामूहिक रूप से, इन प्रगतियों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (संभावित रूप से रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के आधार पर बड़ी पनबिजली सहित) को लगभग 220 गीगावाट तक पहुँचाने में योगदान दिया।

पारेषण और वितरण

पारेषण

भारत की विद्युत वितरण प्रणाली के लिए पारेषण अवसंरचना मूलभूत है, जो भौगोलिक रूप से फैले उत्पादन स्रोतों को लाखों उपभोक्ताओं से जोड़ती है। यह महत्वपूर्ण नेटवर्क अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) के माध्यम से बिजली के बड़े पैमाने पर हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है, जिसका प्रबंधन मुख्य रूप से केंद्रीय पारेषण उपयोगिता (सीटीयू) द्वारा किया जाता है और इसे राज्य पारेषण उपयोगिताओं (एसटीयू) द्वारा संचालित अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणालियों (आईएनएसटीएस) के माध्यम से राज्यों के भीतर वितरित किया जाता है। भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने, बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने और सभी क्षेत्रों में समान विद्युत वितरण सुनिश्चित करने के लिए, अंतर-राज्यीय ग्रिड का समान रूप से सुदृढ़ीकरण आवश्यक है।

भारतीय प्रसारण की वर्तमान स्थिति यहां रेखांकित की गई है:

31 मार्च, 2025 तक ट्रांसमिशन स्थिति	एचवीडीसी				ईएचवी एसी		कुल
	± 800 केवी	± 500 केवी	± 320 केवी	765 केवी	400 केवी	230/220 केवी	
वित्तीय वर्ष 2024-25 में जोड़ी गई लाइनें (सीकेएम में)	शून्य	शून्य	शून्य	2,158	2,954	3,718	8,830
वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत में कुल लाइन लंबाई (सीकेएम में)	9,655	9,432	288	56,955	2,06,792	2,11,252	4,94,374
वित्तीय वर्ष 2024-25 में जोड़ी गई रूपांतर क्षमता (एमवीए में)	शून्य	शून्य	शून्य	21,000	40,540	24,893	86,433
वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत में कुल परिवर्तन क्षमता (एमवीए में)	18,000	13,500	2,000	3,15,700	4,98,473	4,89,840	13,37,513

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के पारेषण नेटवर्क का निरंतर विस्तार हुआ। जहाँ पारेषण लाइनों (8,830 सीकेएम) की वृद्धि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 33% कम हुई, वहीं रूपांतरण क्षमता में भी साल-दर-साल 22% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 86,433 एमवीए तक पहुँच गई। 31 मार्च, 2025 तक, देश के संचयी पारेषण बुनियादी ढाँचे में 4,94,374 सीकेएम पारेषण लाइनें और 13,37,513 एमवीए रूपांतरण क्षमता शामिल थी।

भविष्य को देखते हुए, सीईए ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता और वर्ष 2032 तक 600 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के संचरण के उद्देश्य से विभिन्न हितधारकों के परामर्श से विस्तृत राष्ट्रीय विद्युत योजना (संचरण) तैयार की है।

राष्ट्रीय विद्युत योजना के अनुसार, 2022-23 से 2031-32 तक की दस वर्षों की अवधि (220 केवी और उससे अधिक वोल्टेज स्तर पर) के दौरान 1,91,000 सीकेएम से अधिक पारेषण लाइनें और 1,270 जीवीए परिवर्तन क्षमता जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, 33 गीगावाट एचवीडीसी द्वि-ध्रुव लिंक की भी योजना है। अंतर-क्षेत्रीय पारेषण क्षमता को वर्तमान 119 गीगावाट से बढ़ाकर 2027 तक 143 गीगावाट और 2032 तक 168 गीगावाट करने की योजना है। इस योजना में भंडारण प्रणालियों की आवश्यकता को भी ध्यान में रखा गया है, जैसे कि 47 गीगावाट की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियाँ और 31 गीगावाट के पंप भंडारण संयंत्र, जिन्हें नवीकरणीय ऊर्जा के साथ विकसित किया जाएगा। मुंद्रा, कांडला, गोपालपुर, पारादीप, तूतीकोरिन, विजाग, मैंगलोर आदि तटीय स्थानों पर ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया विनिर्माण केंद्रों को बिजली पहुंचाने के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की भी योजना बनाई गई है।

ट्रांसमिशन प्लान हाइब्रिड सब-स्टेशनों, मोनोपोल स्ट्रक्चर्स, इंसुलेटेड क्रॉस आर्म्स, डायनेमिक लाइन रेटिंग, उच्च प्रदर्शन कंडक्टर और अधिकतम ऑपरेटिंग वोल्टेज को 1,200 केवी एसी के साथ-साथ ट्रांसमिशन सेक्टर में कौशल विकास जैसे ट्रांसमिशन सेक्टर में नए प्रौद्योगिकी विकल्पों पर प्रकाश डालता है। निर्माणाधीन कई ट्रांसमिशन योजनाओं के साथ, बोली लगाने के तहत कई ट्रांसमिशन योजनाएं और पाइपलाइन में कई अन्य ट्रांसमिशन योजनाएं, ट्रांसमिशन योजना 2032 तक ट्रांसमिशन सेक्टर में ₹9,15,000 करोड़ से अधिक के बड़े पैमाने पर निवेश के अवसर के निवेशकों को दृश्यता प्रदान करती है।

वितरण

विद्युत वितरण विद्युत आपूर्ति मूल्य शृंखला की अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है जो सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ी होती है। इन वर्षों में, भारत के विद्युत वितरण क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति की गुणवत्ता के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, बिजली की आपूर्ति की संख्या में वृद्धि और बिजली की आपूर्ति के लिए अवसंरचना में सुधार करने की दिशा में भी वृद्धि हुई है। बिजली वितरण क्षेत्र का प्रदर्शन सुधार बिजली मंत्रालय (एमओपी) की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। बिजली वितरण क्षेत्र ने पिछले दशक में एमओपी से बहुत ध्यान आकर्षित किया है और वितरण उपयोगिताओं (डीआईएससीओएम) की वित्तीय व्यवहार्यता में सुधार के लिए विभिन्न सुधारों के उपायों/नियमों को सूचित किया गया है। बिजली वितरण क्षेत्र के लिए एमओपी की कुछ प्रमुख पहलों में एकीकृत बिजली विकास योजना (आईपीडीएस, 2014) शामिल हैं, जिन्होंने इसे और ईआरपी सिस्टम को डिस्कॉम में पेश किया, यूज्वाल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय, 2015) जो राज्य सरकारों द्वारा डिस्कॉम कर्ज के क्रमिक अधिग्रहण के लिए प्रदान करता है, जो कि सुधार के साथ-साथ सुधारक। उपभोक्ता) नियम 2020, बिजली देर से भुगतान अधिभार और संबंधित मामले (एलपीएस नियम) 2022, ग्रीन ओपन एक्सेस नियम 2022, बिजली वितरण (खाते और अतिरिक्त प्रकटीकरण) नियम 2024,

सब्सिडी लेखांकन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं, ईंधन लागत के माध्यम से पास-लागत, संसाधन पर्याप्तता, समय-दिन टैरिफ और सूची जारी है।

चूंकि इन सभी सुधार उपायों का उद्देश्य काफी हद तक डिस्कॉम के वित्तीय स्वास्थ्य में सुधार करना था, जो अंततः पावर जनरेशन कंपनियों (जेनको) को बकाया बकाया राशि में कमी का कारण बना। जेनको के लिए डिस्कॉम के बकाया बकाया राशि से गिरावट आई है। 3 जून, 2022 को ₹ 1,39,947 करोड़, 1 अप्रैल, 2025 को, 22,209 करोड़ से लेकर बिजली क्षेत्र के समग्र स्वास्थ्य में जोड़ने की उम्मीद है। देर से भुगतान अधिभार नियमों ने जनरेशन और ट्रांसमिशन कंपनियों को पेबल्स में कमी की। वित्तीय वर्ष 2022-23 में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 118 दिनों से प्राप्य 118 दिनों से कम हो गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान एटी एंड सी नुकसान 15.3% से बढ़कर 16.3% हो गया, संग्रह दक्षता में 1.2% अंक में कमी, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 86.9% तक 86.9% तक 86.8% तक 86.8% तक 86.8% तक बढ़ गई और संग्रह की दक्षता 97.3% तक बढ़ गई।

2030 तक लोड को पूरा करने के लिए वितरण अवसंरचना की आवश्यकता के महत्व को महसूस करते हुए, वितरण उपयोगिताओं के परामर्श से सीईए ने डिस्कॉम से प्राप्त जानकारी के आधार पर वित्तीय वर्ष 2029-30 तक वितरण परिप्रेक्ष्य योजना तैयार की। इस योजना में वित्तीय वर्ष 2029-30 द्वारा अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए डिस्कॉम द्वारा नियोजित डिस्कॉम वाइज और ऑल इंडिया लेवल डिस्ट्रीब्यूशन इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। स्मार्ट वितरण की शुरुआत के लिए उपलब्ध नई तकनीकों का विवरण और वितरण उपयोगिताओं के लिए क्षमता निर्माण पर एक अध्याय को वितरण उपयोगिताओं के मार्गदर्शन के लिए शामिल किया गया है। डीपीपी ने देशव्यापी 71 डिस्कॉम के लिए वर्ष 2030 तक एटी एंड सी लॉस रिडक्शन ट्रेक्टरी को भी शामिल किया है।

यह अनुमान लगाया गया है कि 2022-2027 की अवधि के दौरान वितरण अवसंरचना उन्नयन के लिए धन की आवश्यकता होगी ₹ 4.28 लाख करोड़, जिनमें से ₹ 1.89 लाख करोड़ आरडीएसएस सहित विभिन्न स्रोतों से डिस्कॉम के साथ उपलब्ध होंगे। 2027-30 की अवधि के लिए ₹ 2.86 लाख करोड़ अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता है।

बिजली क्षेत्र की नीति वातावरण

भारत ने सीओपी26 में प्रधान मंत्री द्वारा घोषित महत्वाकांक्षी ऊर्जा संक्रमण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। इन लक्ष्यों में 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा और 2030 तक अक्षय स्रोतों से 50% की हिस्सेदारी प्राप्त करने का लक्ष्य शामिल है। सरकार ने 2070 तक निवल-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का भी वादा किया है, जो सतत विकास को बढ़ावा देने और देश के कार्बन पदचिह्न को कम करने के अपने दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उभरते ऊर्जा संक्रमण के रुझानों को कैप्चर करने पर एक प्रमुख ध्यान केंद्रित किया गया था - नवीकरण से हाइड्रोजन और यहां तक कि स्मार्ट मीटरिंग तक।

इसके अलावा, हाल के केंद्रीय बजट 2025-26 ने विकसीट भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा करके परमाणु क्षेत्र को आगे बढ़ाकर देश के ऊर्जा संक्रमण में गति को आगे बढ़ाने में मदद की, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन पर विचार किया जाएगा।
- ₹20,000 करोड़ के परिव्यय के साथ लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान एवं विकास के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की स्थापना की जाएगी, 2033 तक 5 स्वदेशी रूप से विकसित एसएमआर चालू हो जाएंगे।

सरकार ने देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने और स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं,



जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भारत सरकार ("जीओआई") ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने के लिए ₹24,000 करोड़ के बजट परिव्यय के साथ उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है। आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मज़बूत कदम के रूप में, भारत की सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता मार्च, 2024 के 38 गीगावाट से लगभग दोगुनी होकर मार्च, 2025 में 74 गीगावाट हो गई है, जबकि सौर पीवी सेल निर्माण क्षमता 9 गीगावाट से तिगुनी होकर 25 गीगावाट हो गई है। इसके अतिरिक्त, देश की पहली इंगोट-वेफर निर्माण सुविधा (2 गीगावाट) ने वित्तीय वर्ष 2025 में उत्पादन शुरू कर दिया है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर, 2023 में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) के विकास में सहायता के लिए व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) योजना को मंजूरी दी। इस योजना के अनुसार, 2023-26 के दौरान स्वीकृत बीईएसएस के लिए वीजीएफ सहायता प्रदान की जाएगी। बैटरी की कीमतों में गिरावट के साथ, योजना की क्षमता ₹3,760 करोड़ के स्वीकृत बजटीय आवंटन के भीतर रहते हुए 4,000 मेगावाट घंटा से बढ़ाकर 13,200 मेगावाट घंटा कर दी गई है। इसके अलावा, सरकार ने 30 गीगावाट घंटा क्षमता वाली नई स्टैंडअलोन बीईएसएस प्रणाली के लिए सहायता हेतु जून, 2025 में वीजीएफ योजना का दूसरा चरण शुरू किया है।
- सरकार ने डिस्कॉम के लिए नवीकरणीय खरीद दायित्व लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिसमें प्रगतिशील लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, अर्थात् वित्तीय वर्ष 2025 में 29.91% से वित्तीय वर्ष 2030 तक 43.33% तक।
- भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणालियाँ विकसित करने हेतु हरित ऊर्जा गलियारे स्थापित किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध दस राज्यों में नवीकरणीय ऊर्जा निकासी हेतु पारेषण अवसंरचना की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। वर्तमान में, अंतर-क्षेत्रीय पारेषण क्षमता 112 गीगावाट है, जिसे वर्ष 2027 तक 144 गीगावाट तक विस्तारित करने का लक्ष्य है ताकि देश के किसी भी भाग में निर्बाध नवीकरणीय ऊर्जा निकासी और हस्तांतरण सुनिश्चित किया जा सके।
- सरकार ने देश में सौर ऊर्जा से विकेन्द्रीकृत उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पीएम-कुसुम, रूफटॉप सोलर कार्यक्रम जैसी योजनाएं शुरू की हैं।
- भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए, भारत सरकार ने ₹19,744 करोड़ के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया है।

इन योजनाओं और नीतियों के माध्यम से भारत सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है।

पुनर्जीवित वितरण क्षेत्र योजना

केंद्र सरकार ने एक पुनर्जीवित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस), एक सुधार-आधारित और परिणाम-लिंकड योजना को मंजूरी दी है, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 से पांच साल की अवधि में 3,03,758 करोड़ की अवधि के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 से एक वित्तीय वर्ष के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्ता, विश्वसनीयता और शक्ति की आपूर्ति में सुधार करने के उद्देश्य से है। डिस्कॉम/पावर डिपार्टमेंट्स प्री-पेड स्मार्ट मीटरिंग, सिस्टम मीटरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्क्स के लिए फंड्स को फंड एक्सेस लॉस में कमी और आधुनिकीकरण के लिए एक्सेस करने में सक्षम होंगे। योजना के उद्देश्य हैं:

- आर्थिक रूप से टिकाऊ और परिचालन कुशल वितरण क्षेत्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सामर्थ्य में सुधार करने के लिए।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 तक 12-15% के पैन-इंडिया स्तरों को एटी एंड सी नुकसान को कम करने के लिए

ग) वित्तीय वर्ष 2024-25 तक एसीएस-एआरआर अंतर को शून्य तक कम करना।

यह योजना एटीएंडसी घाटे, एसीएस-एआरआर अंतराल, अवसंरचना के उन्नयन के प्रदर्शन, उपभोक्ता सेवाओं, आपूर्ति के घंटे, कॉर्पोरेट प्रशासन आदि सहित पूर्वनिर्धारित और सहमत प्रदर्शन प्रक्षेप पथों के आधार पर डिस्कॉम के प्रदर्शन का वार्षिक मूल्यांकन प्रदान करती है। डिस्कॉम को उस वर्ष योजना के तहत वित्त पोषण के लिए पात्र होने के लिए न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करने और कुछ मापदंडों के संबंध में न्यूनतम बार को पार करना होगा। योजना के कार्यान्वयन से सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) मोड में लागू किए जाने वाले प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग के माध्यम से उपभोक्ता सशक्तीकरण होगा और सिस्टम मीटर, प्रीपेड स्मार्ट मीटर सहित सूचना प्रौद्योगिकी और परिचालन प्रौद्योगिकी (आईटी/ओटी) उपकरणों के माध्यम से उत्पन्न आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लाभ उठाकर हर महीने सिस्टम जनित ऊर्जा लेखा रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

आरडीएसएस, सिस्टम मीटर और प्रीपेड स्मार्ट मीटर सहित आईटी/ओटी उपकरणों के माध्यम से उत्पन्न डेटा का विश्लेषण करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने पर विशेष जोर देता है, ताकि भागीदारी और परामर्श का लाभ उठाकर, विद्युत वितरण में एआई/एमएल (कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग) जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को शुरू करने के परिकल्पित लक्ष्य को साकार किया जा सके।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

माननीय प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹75,021 करोड़ के कुल परिव्यय वाली प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य एक करोड़ घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाना और हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जी ने इस योजना का शुभारंभ 13 फरवरी, 2024 को किया था।

इस योजना के तहत 2 किलोवाट क्षमता वाले सिस्टम के लिए सिस्टम लागत का 60% और 2 से 3 किलोवाट क्षमता वाले सिस्टम के लिए अतिरिक्त सिस्टम लागत का 40% केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान की जाती है। सीएफए की सीमा 3 किलोवाट होगी। वर्तमान मानक मूल्यों पर, इसका अर्थ होगा 1 किलोवाट सिस्टम के लिए ₹30,000, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए ₹60,000 और 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले सिस्टम के लिए ₹78,000 की सब्सिडी। विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए सब्सिडी सामान्य राज्यों की तुलना में अधिक है, जो पहले 2 किलोवाट क्षमता वाले आरटीएस के लिए ₹33,000/किलोवाटपी और 1 किलोवाट क्षमता की अतिरिक्त आरटीएस के साथ ₹19,800/किलोवाटपी है।

इस उद्देश्य के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल (<https://pmsuryaghar.gov.in>) विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से परिवार सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकते हैं और रूफटॉप सोलर लगाने के लिए उपयुक्त विक्रेता का चयन कर सकेंगे। आवासीय आरटीएस सिस्टम लगाने के लिए परिवारों को बिना किसी जमानत के कम ब्याज दर वाले ऋण उत्पाद प्राप्त होंगे।

प्रस्तावित योजना से आवासीय क्षेत्र में रूफटॉप सौर ऊर्जा के माध्यम से 30 गीगावाट की सौर क्षमता में वृद्धि होने का अनुमान है, जिससे 1,000 बीयू बिजली पैदा होगी और इसके परिणामस्वरूप रूफटॉप प्रणालियों के 25 वर्ष के जीवनकाल में 720 मिलियन टन सीओ₂ समतुल्य उत्सर्जन में कमी आएगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में प्रभावशाली प्रगति देखी गई, जिससे 31 मार्च, 2025 तक 11.05 लाख से अधिक परिवारों को लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत, सीएफए के रूप में ₹5,437.21 करोड़ वितरित किए गए हैं, जिससे रूफटॉप सोलर को अपनाने को काफी बढ़ावा मिला है।

योजना के "आदर्श सौर ग्राम" घटक के अंतर्गत, पूरे भारत में प्रत्येक जिले में एक आदर्श सौर ग्राम स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना और ग्रामीण समुदायों को ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाना है।

इस घटक के लिए ₹800 करोड़ का आवंटन निर्धारित किया गया है, जिसमें से प्रत्येक चयनित आदर्श सौर ग्राम को ₹1 करोड़ प्रदान किए जाएंगे।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले (जनवरी, 2023 में) ₹19,744 करोड़ के आवंटन के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक सालाना 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है, जिसका उद्देश्य भारत को दुनिया में हरित हाइड्रोजन का अग्रणी उत्पादक और आपूर्तिकर्ता बनाना है। मिशन के परिचय में हरित हाइड्रोजन संक्रमण कार्यक्रम (एसआईजीएचटी) के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप हेतु ₹17,490 करोड़, पायलट परियोजनाओं के लिए ₹1,466 करोड़, अनुसंधान एवं विकास के लिए ₹400 करोड़ और अन्य मिशन घटकों के लिए ₹388 करोड़ शामिल हैं।

भारत के हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 1,500 मेगावाट प्रतिवर्ष इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण के लिए ₹2,220 करोड़ के प्रोत्साहन प्रदान किए गए, जबकि 4,50,000 टन प्रतिवर्ष (टीपीए) हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए अतिरिक्त ₹2,239 करोड़ आवंटित किए गए। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत, इस्पात क्षेत्र को कार्बन-मुक्त करने के लिए सात पायलट परियोजनाओं को ₹454 करोड़ से वित्त पोषित किया गया। इसके अतिरिक्त, परिवहन क्षेत्र में ₹208 करोड़ के वित्त पोषण वाली पाँच पायलट परियोजनाओं के तहत 37 हाइड्रोजन-ईंधन वाले वाहन और नौ हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम)

मार्च 2019 में शुरू की गई, पीएम-कुसुम योजना, सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई प्रणालियों, जिनमें सौर पंप और ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं, की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके किसानों का समर्थन करती है। सौर ऊर्जा को अपनाकर, यह योजना कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ग्रामीण कृषि क्षेत्रों में ऊर्जा की पहुँच में सुधार करने में भी मदद करती है। इस योजना के तहत, केंद्र सरकार स्टैंडअलोन सौर पंपों की स्थापना और मौजूदा ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरीकरण के लिए कुल लागत का 30% या 50% तक सब्सिडी देती है। इस योजना में तीन घटक शामिल हैं:

- घटक- क: 10,000 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत ग्राउंड माउंटेड ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्र।
- घटक- ख: 14 लाख एकल सौर ऊर्जा संचालित कृषि पंपों की स्थापना।
- घटक- ग: 35 लाख मौजूदा ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों का सौरीकरण।

31 मार्च, 2025 तक पीएम-कुसुम योजना के तहत 563 मेगावाट क्षमता के ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं और 7.71 लाख स्टैंडअलोन कृषि पंपों का सौरीकरण किया जा चुका है तथा फीडर लेवल सोलराइजेशन के तहत 3.33 लाख कृषि पंपों का सौरीकरण किया जा चुका है।

पीएम-कुसुम योजना में रिकॉर्ड प्रगति देखी गई। घटक 'ख' में, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.4 लाख पंप स्थापित किए गए, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 4.2 गुना वृद्धि है। घटक 'ग' में, 2.6 लाख पंपों का सौर ऊर्जाकरण किया गया, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में 25 गुना अधिक है। इस योजना के तहत स्थापित/सौर ऊर्जाकरण किए गए सौर पंपों की कुल संख्या अब 10 लाख से अधिक हो गई है। पीएम-कुसुम के लिए वित्तीय व्यय बढ़कर ₹2,680 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 268% अधिक है।

कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना

उत्सर्जन तीव्रता में कमी लाने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप, भारत सरकार जून, 2023 में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना, 2023 (सीसीटीएस) को

पहले ही अधिसूचित कर चुकी है और भारतीय कार्बन बाज़ार के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससीआईसीएम) सहित संस्थागत ढाँचे की स्थापना करके भारतीय कार्बन बाज़ार (आईसीएम) की नींव रख चुकी है। दिसंबर, 2023 में, स्वैच्छिक जलवायु शमन परियोजनाओं के माध्यम से गैर-बाध्यकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम करने वाले ऑफसेट तंत्र को लागू करने के लिए योजना में संशोधन किया गया।

विद्युत मंत्रालय के तहत बीईई को योजना प्रशासक के रूप में नामित किया गया है और उसे क्षेत्रों की पहचान करने, लक्ष्य निर्धारित करने, कार्बन क्रेडिट जारी करने, बाज़ार स्थिरता तंत्र विकसित करने और सत्यापन एजेंसियों को मान्यता देने के लिए ज़िम्मेदार बनाया गया है।

सरकार ने जुलाई, 2024 में सीसीटीएस के तहत अनुपालन तंत्र के लिए विस्तृत प्रक्रिया अधिसूचित की है और एल्युमीनियम, सीमेंट, स्टील, कागज़, क्लोर-क्षार, उर्वरक, रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल और वस्त्र सहित नौ ऊर्जा-प्रधान क्षेत्रों को सीसीटीएस के अनुपालन तंत्र के अंतर्गत शामिल करने का आदेश दिया है।

कार्बन बाज़ार की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, भारत सरकार ने अब ऑफसेट तंत्र के लिए विस्तृत प्रक्रिया और ऑफसेट तंत्र के अंतर्गत आठ विभिन्न कार्यप्रणालियों को मंजूरी दे दी है, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा (जलविद्युत और पंप भंडारण सहित), हरित हाइड्रोजन उत्पादन, औद्योगिक ऊर्जा दक्षता, लैंडफिल मीथेन रिकवरी और मैग्रोव वनरोपण एवं पुनर्वनरोपण के लिए कार्यप्रणालियाँ शामिल हैं। यह आईसीएम के अंतर्गत ऑफसेट तंत्र के संचालन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

ऑफसेट तंत्र, ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने, हटाने या टालने वाली परियोजनाओं के विकास हेतु संस्थाओं की स्वैच्छिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा। यह तंत्र हमारे देश को उन क्षेत्रों से जलवायु परिवर्तन शमन का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा जो अनुपालन तंत्र के अंतर्गत नहीं आते हैं और ऐसे क्षेत्रों में कार्रवाई को प्रोत्साहित कर सकता है।

भारतीय अवसंरचना की प्रमुख संभावनाएँ

अवसंरचना क्षेत्र भारत की आर्थिक वृद्धि और समग्र विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे देश एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, मजबूत अवसंरचना की आवश्यकता तेजी से स्पष्ट होती जा रही है। हाल ही में प्रस्तुत 2025-26 का केंद्रीय बजट निम्नलिखित घोषणाओं के माध्यम से परमाणु क्षेत्र को आगे बढ़ाकर देश के ऊर्जा परिवर्तन की गति को आगे बढ़ाने में मदद करता है:

- **जहाज निर्माण:** जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति में सुधार किया जाएगा और एक निर्दिष्ट आकार से बड़े बड़े जहाजों को बुनियादी ढाँचे के अनुरूप मास्टर सूची में शामिल किया जाएगा।
- **समुद्री विकास निधि:** ₹25,000 करोड़ की निधि वाला एक समुद्री विकास निधि स्थापित किया जाएगा, जिसमें 49% तक का योगदान सरकार द्वारा और शेष बंदरगाहों और निजी क्षेत्र द्वारा किया जाएगा।
- **उड़ान - क्षेत्रीय संपर्क योजना:** एक संशोधित उड़ान योजना की घोषणा की गई है जिसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाना और 4 करोड़ यात्रियों को ले जाना है और साथ ही पहाड़ी, पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैड और छोटे हवाई अड्डों का समर्थन करना है।
- **शहरी चुनौती निधि:** 'शहरों को विकास केंद्र के रूप में', 'शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास' और 'जल एवं स्वच्छता' के प्रस्तावों को क्रियान्वित करने के लिए ₹1 लाख करोड़ के शहरी चुनौती कोष की घोषणा की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹10,000 करोड़ का आवंटन प्रस्तावित है।



एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर, भारत का बुनियादी ढाँचा "मेक इन इंडिया" पहल की कुंजी है। सरकार परिवहन, रसद और शहरी सुविधाओं को बढ़ाने और एक कुशल एवं टिकाऊ भारत के निर्माण के लिए भारतमाला, सागरमाला, स्मार्ट सिटी मिशन और पीएम गति शक्ति जैसी परियोजनाओं का नेतृत्व कर रही है। यह महत्वाकांक्षा अटल सुरंग, चिनाब पुल, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और जोजिला सुरंग जैसे इंजीनियरिंग चमत्कारों के साथ-साथ नए माल ढुलाई गलियारों, हवाई अड्डों और नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिडों के माध्यम से प्रदर्शित होती है। यह एकीकृत दृष्टिकोण निवेश, रोजगार और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और वैश्विक विनिर्माण एवं रसद केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत कर रहा है।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी): यह विश्वस्तरीय औद्योगिक अवसंरचना विकसित करने और पूरे भारत में नियोजित शहरीकरण को बढ़ावा देने की एक पहल है। स्मार्ट तकनीकों और बहु-मॉडल कनेक्टिविटी को एकीकृत करके, इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र बनाना, आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देना है। इन औद्योगिक गलियारों का विकास राज्य सरकारों के सहयोग से कुशल नियोजन के लिए किया जा रहा है।

- अगस्त 2024 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एनआईसीडीपी के तहत 10 राज्यों में 12 नए औद्योगिक क्षेत्रों को मंजूरी दी, जिसमें ₹28,602 करोड़ का निवेश होगा।
- छह प्रमुख गलियारों के साथ नियोजित ये औद्योगिक नोड भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेंगे और इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देंगे।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान: मेक इन इंडिया को समर्थन देने के लिए 2021 में लॉन्च किया गया, यह डिजिटल प्लेटफॉर्म विश्व स्तरीय अवसंरचना के लिए 16 मंत्रालयों का समन्वय करता है, रसद में सुधार और परियोजना में देरी को कम करने के लिए भू-स्थानिक मानचित्रण का उपयोग करता है; ₹500 करोड़ से अधिक की सभी परियोजनाओं की समीक्षा नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है।

- 13 मार्च, 2025 तक, इस पहल के तहत 115 राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़क परियोजनाओं (लगभग 13,500 किमी, ₹6.38 लाख करोड़ निवेश) का मूल्यांकन किया गया है, जिससे अधिक कुशल अवसंरचना का विकास होगा।

भारतमाला परियोजना: 2017 में स्वीकृत यह योजना आर्थिक गलियारों और एक्सप्रेसवे के साथ महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करके भारत के अवसंरचना को बढ़ा रही है, औद्योगिक विकास के लिए रसद और कनेक्टिविटी में सुधार करके "मेक इन इंडिया" का समर्थन कर रही है।

- 28 फरवरी, 2025 तक 26,425 किलोमीटर की परियोजनाएं प्रदान की गईं (34,800 किलोमीटर की योजनाबद्ध परियोजनाओं में से) और 19,826 किलोमीटर का निर्माण किया गया, जिसका कुल व्यय ₹4,92,562 करोड़ था।
- फरवरी, 2025 तक 6,669 किलोमीटर हाई-स्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर आवंटित किए गए और 4,610 किलोमीटर पूरे हो गए।

राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क: पिछले एक दशक में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में उल्लेखनीय बदलाव आया है, जो उच्च बजट आवंटन और त्वरित निर्माण के कारण संभव हुआ है। 2014 में यह नेटवर्क 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2024 में 1,46,145 किलोमीटर हो गया है, जो 60% की वृद्धि दर्शाता है। इस विस्तार से कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, यात्रा का समय कम हुआ है और देश भर में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।

सागरमाला: 2015 में शुरू किया गया सागरमाला कार्यक्रम बंदरगाह-आधारित विकास को बढ़ावा देकर "मेक इन इंडिया" का समर्थन करता है। यह भारत के समुद्र तट और जलमार्गों का उपयोग करके रसद लागत कम करता है, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देता है। इसके प्रमुख क्षेत्रों में बंदरगाह के बुनियादी ढाँचे में सुधार, कनेक्टिविटी और तटीय आर्थिक क्षेत्रों का निर्माण शामिल है। रो-पैक्स फेरी और कौशल विकास जैसी पहलों

को आगे बढ़ाया जाएगा। एक आत्मनिर्भर समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, जिससे भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

19 मार्च, 2025 तक, सागरमाला कार्यक्रम ने ₹5.79 लाख करोड़ मूल्य की 839 परियोजनाओं की पहचान की है, जिनमें से ₹1.41 लाख करोड़ मूल्य की 272 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, ताकि समुद्री व्यापार दक्षता में सुधार के लिए बंदरगाह संपर्क और तटीय अवसंरचना को बढ़ाया जा सके।

रेलवे: भारत का रेल अवसंरचना तेजी से आगे बढ़ रहा है, वंदे भारत ट्रेनों और मेट्रो विस्तार से "मेक इन इंडिया" पहल के तहत कनेक्टिविटी और शहरी गतिशीलता को बढ़ावा मिल रहा है।

वंदे भारत: 2019 में शुरू की गई, 18 मार्च, 2025 तक 136 वंदे भारत ट्रेनें पूरे भारत में चल रही हैं, जो स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमता का प्रदर्शन करती हैं। ये सीमी-हाई-स्पीड ट्रेनें प्रीमियम सुविधाएं, उन्नत सुरक्षा और कम यात्रा समय प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट ने 15 जनवरी, 2025 को मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर सफलतापूर्वक परीक्षण पूरा कर लिया है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा में सुधार का वादा किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना: यह भारतीय रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की एक दीर्घकालिक योजना है, जिसका उद्देश्य यात्री सुविधाओं, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और समग्र बुनियादी ढाँचे को बेहतर बनाने के लिए निरंतर विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें आधुनिक पारगमन केंद्रों में बदलना है। 12 मार्च, 2025 तक, 1,337 स्टेशनों को उन्नत बनाने के लिए चिह्नित किया गया है, ताकि बेहतर पहुँच, सुविधाएं और यात्रा अनुभव सुनिश्चित किया जा सके।

मेट्रो: भारत की मेट्रो रेल प्रणाली ने शहरी परिवहन में महत्वपूर्ण बदलाव ला दिया है, जो 2014 में 248 किलोमीटर से बढ़कर मार्च 2025 तक 1,011 किलोमीटर हो गई है और अब 20 से ज्यादा शहरों को कवर करती है। इसके अलावा, रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की शुरुआत, जिसका उदाहरण दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर भारत की पहली नमो भारत ट्रेन है, क्षेत्रीय संपर्क को और मजबूत करती है।

विमानन: भारत के विमानन क्षेत्र ने अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है और यह विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाज़ार बन गया है। यह विस्तार कई प्रमुख उपलब्धियों से स्पष्ट है: 2014 में 74 हवाई अड्डों की तुलना में मार्च 2025 तक 159 हवाई अड्डे परिचालन में हैं, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 17 नवंबर, 2024 को एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ, जब एक ही दिन में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 5 लाख को पार कर गई।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा काफी हद तक इसके अवसंरचना में सुधार पर निर्भर करती है, जो रहने योग्य, जलवायु-लचीले और समावेशी शहरों को बढ़ावा देने के लिए आधारशिला है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं।

अवसर और ताकत

अवसर

- आरईसी भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन और भारत के विद्वत क्षेत्र के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में ऊर्जा की बढ़ती मांग भविष्य में व्यापार वृद्धि के लिए शुभ संकेत है।
- सीईए की उत्पादन क्षमता विस्तार योजना रिपोर्ट के अनुसार, महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है। वित्तीय वर्ष 2027 के अंत तक स्थापित उत्पादन क्षमता 610 गीगावाट होने का अनुमान है, जिसके लिए 2022-27 की अवधि में ₹14.54 लाख करोड़ के निवेश की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2032 तक, स्थापित क्षमता 900 गीगावाट होने की उम्मीद है, जो 2027-32 की अवधि के दौरान ₹19.06 लाख करोड़ की अतिरिक्त निधि की आवश्यकता के अनुरूप है।
- आरडीएसएस जैसी योजनाओं में प्रति-भाग वित्तपोषण।

- विद्युत मंत्रालय ने आरईसी को कुछ सीमाओं के साथ बुनियादी ढाँचा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को भी ऋण देने की अनुमति दे दी है। इससे आरईसी के लिए वित्तपोषण के और भी व्यापक अवसर खुल गए हैं।

शक्ति

- विद्युत क्षेत्र के वित्तपोषण और भारत सरकार की नीतियों और प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में आरईसी की भूमिका को देखते हुए, आरईसी एक रणनीतिक स्थान रखता है।
- मजबूत वित्तीय स्थिति और समुचित/पर्याप्त पूंजीकृत
- आरईसी के पास विविध परिसंपत्ति पोर्टफोलियो है, जिसमें किसी भी उधारकर्ता के पास 10% से अधिक परिसंपत्ति पोर्टफोलियो नहीं है।
- आरईसी के पास अनुभवी प्रतिभाओं का समूह और व्यवसाय के लिए आवश्यक कौशल उपलब्ध हैं।
- केंद्र और राज्य सरकार के हितधारकों के साथ मजबूत संबंध और नेटवर्क।

खतरे, जोखिम और चिंताएँ

- बिजली, अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अन्य बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्रतिस्पर्धा के कारण अच्छी दरों पर ऋण देने की आवश्यकता हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप मार्जिन स्थिर रहेगा।
- विकसित होते नियामक प्रावधान चिंता का विषय हैं।

खंड-वार या उत्पाद-वार प्रदर्शन

आरईसी एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जिसे आरबीआई द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो संपूर्ण विद्युत क्षेत्र मूल्य श्रृंखला की वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करती है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं के लिए कुल ₹3,37,179 करोड़ की ऋण सहायता स्वीकृत की। इसमें पारंपरिक उत्पादन परियोजनाओं के लिए ₹89,632 करोड़, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं (बड़ी जलविद्युत सहित) के लिए ₹1,05,259 करोड़, परिवहन एवं विकास परियोजनाओं के लिए ₹85,040 करोड़, अवसंरचना एवं रसद परियोजनाओं के लिए ₹43,239 करोड़ और अल्पकालिक एवं मध्यम अवधि के ऋणों जैसे अन्य ऋणों के लिए ₹14,009 करोड़ शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने कुल ₹1,91,185 करोड़ के ऋण वितरित किए, जिसमें उत्पादन परियोजनाओं के लिए ₹27,478 करोड़, नवीकरणीय ऊर्जा (जलविद्युत सहित) परियोजनाओं के लिए ₹26,186 करोड़, एटीएंडसी परियोजनाओं के लिए ₹1,07,841 करोड़, बुनियादी ढाँचा और रसद परियोजनाओं के लिए ₹18,621 करोड़ और अल्पकालिक ऋण और मध्यम अवधि के ऋण आदि जैसे अन्य ऋणों के लिए ₹11,059 करोड़ शामिल हैं।

आउटलुक

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिससे बिजली की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। इसे पूरा करने के लिए, पारंपरिक, नवीकरणीय, पारेषण और वितरण क्षेत्रों में क्षमता वृद्धि अत्यंत आवश्यक है। जहाँ नवीकरणीय ऊर्जा के नए उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है, वहीं ताप विद्युत निकट भविष्य में भी महत्वपूर्ण बनी रहेगी, जिसमें जल विद्युत और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा परिवर्तन में प्रमुख चालक बनने के लिए तैयार हैं।

उत्पादन

देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों और देश की विकास गति को बनाए रखने के लिए बढ़ती ऊर्जा मांग को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने अपनी राष्ट्रीय विद्युत योजना (उत्पादन), 2022-32 में अनुमान

लगाया है कि वर्ष 2032 तक स्थापित क्षमता 900 गीगावाट तक पहुँचने की संभावना है, जिसमें 284 गीगावाट ताप विद्युत क्षमता, 20 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता और जल विद्युत सहित 596 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता शामिल है। इसके अलावा, देश की अधिकतम मांग लगातार बढ़ रही है और वर्ष 2032 तक 250 गीगावाट के वर्तमान स्तर से बढ़कर 366 गीगावाट तक पहुँचने की संभावना है।

राष्ट्र के विकास के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु इस अनुमानित विद्युत मांग को पूरा करने के लिए निम्नलिखित क्षमताएं निर्माणाधीन हैं तथा शेष क्षमताओं को बाद के चरणों में क्रियान्वित किए जाने की संभावना है:

- तापीय क्षमता: 34,560 मेगावाट तापीय क्षमता निर्माणाधीन है
- जल विद्युत क्षमता: वर्तमान में 25 जल विद्युत परियोजनाएं (25 मेगावाट से अधिक) निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल क्षमता 13,037.5 मेगावाट है।
- परमाणु: सरकार ने वित्तीय वर्ष 2031-32 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 8,180 मेगावाट से बढ़ाकर 22,480 मेगावाट करने के लिए कदम उठाए हैं। इस विस्तार में गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 8,000 मेगावाट क्षमता वाले दस रिएक्टरों का निर्माण और कमीशनिंग शामिल है। इसके अतिरिक्त, दस और रिएक्टरों के लिए परियोजना-पूर्व गतिविधियाँ शुरू हो गई हैं, जिन्हें वित्तीय वर्ष 2031-32 तक क्रमिक रूप से पूरा करने की योजना है। सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित होगी।
- नवीकरणीय ऊर्जा: भारत में 169 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ कार्यान्वयनाधीन हैं और 65 गीगावाट के लिए निविदाएँ पहले ही जारी की जा चुकी हैं। इसमें हाइड्रो प्रणालियों, राउंड-द-क्लॉक (आरटीसी) बिजली, पीकिंग पावर और थर्मल + नवीकरणीय ऊर्जा बंडलिंग परियोजनाओं जैसे उभरते समाधानों से 65 गीगावाट शामिल हैं।

ये सभी बातें विद्युत क्षेत्र की सकारात्मक गति को इंगित करती हैं तथा भारतीय विद्युत क्षेत्र में उत्पादन खंड में पर्याप्त निवेश की आवश्यकता को भी इंगित करती हैं।

ट्रांसमिशन और वितरण

नवीकरणीय ऊर्जा समृद्ध क्षेत्रों से देश के बाकी हिस्सों में बिजली पहुँचाने के लिए व्यापक पारेषण योजना और क्रियान्वयन भी प्रगति पर है। सीईए के अनुमान के अनुसार, 2022-27 की अवधि के दौरान देश में अतिरिक्त पारेषण अवसंरचना के विस्तार के लिए ₹4.25 लाख करोड़ की आवश्यकता होने का अनुमान है। बेहतर बुनियादी ढाँचे, वित्तीय स्थिति और एटीएंडसी हानि प्रक्षेपवक्र के साथ आने वाले दिनों में वितरण क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। सीईए ने 2022-2027 की अवधि के दौरान वितरण अवसंरचना उन्नयन के लिए ₹4.28 लाख करोड़ की निधि की आवश्यकता का भी अनुमान लगाया है।

नवीन एवं स्वच्छ ऊर्जा खंड

ऊर्जा भंडारण: उपयोगिता-स्तरीय ऊर्जा भंडारण और पंप हाइड्रो भंडारण परियोजनाएँ इस प्रणाली के लचीलेपन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सीईए का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक लगभग 14 गीगावाट पंप हाइड्रो और 41 गीगावाट बीईएसएस परियोजनाएँ जुड़ने की संभावना है।

पंप हाइड्रो संयंत्र ऊर्जा परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये ऑफ-पीक घंटों के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को ऊँचे जलाशयों में पानी के रूप में संग्रहित करने की अनुमति देते हैं। इस संग्रहित ऊर्जा का उपयोग गैर-सौर घंटों की पीक मांग अवधि के दौरान किया जा सकता है, जिससे एक विश्वसनीय, सुसंगत और लचीली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होती है।



4.7 गीगावाट की स्थापित पंप जल भंडारण क्षमता के अलावा, वर्तमान में 10 गीगावाट की 8 परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं और लगभग 3 गीगावाट की 3 परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर सहमति बन चुकी है। इसके अतिरिक्त, 66 गीगावाट की 49 परियोजनाएँ सर्वेक्षण और जाँच के अधीन हैं।

एमओयू रेटिंग और पुरस्कार

समझौता ज्ञापन (एमओयू) एक प्रमुख नीतिगत साधन के रूप में कार्य करता है जिसके माध्यम से भारत सरकार सीपीएसई के नियमित निष्पादन मूल्यांकन का कार्य करती है, तथा निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार कंपनी का प्रदर्शन "उत्कृष्ट" रहने की संभावना है, जो डीपीई द्वारा अंतिम मूल्यांकन के अधीन है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, आरईसी को उसके उत्कृष्ट वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन के कारण "उत्कृष्ट" रेटिंग दी गई है।

वित्तीय वर्ष के दौरान, आरईसी को वित्तीय, परिचालन, शासन, स्थिरता, सीएसआर आदि जैसे विभिन्न मापदंडों पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न पुरस्कारों और प्रशंसाओं से सम्मानित किया गया है।

पर्यावरण, सामाजिक और शासन

आरईसी की पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) रणनीति हमारे मूल्य-सृजन रोडमैप और उद्यम जोखिम संरचना में अंतर्निहित है, जो बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी नीति ढाँचे द्वारा संचालित है। चरणबद्ध, डेटा-आधारित कार्यक्रम-समावेशी अंतराल विश्लेषण, वैश्विक बेंचमार्किंग, विज्ञान-आधारित लक्ष्य निर्धारण और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा तिमाही निगरानी, अनुशासित कार्यान्वयन और मापनीय परिणामों को सुनिश्चित करती है।

पर्यावरण

भारत की पंचामृत प्रतिबद्धताओं और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के अनुरूप, आरईसी सक्रिय रूप से अपने परिचालनों को डीकार्बोनाइज करने और अपने ग्रीन फाइनेंसिंग फुटप्रिंट का विस्तार करने के लिए काम कर रहा है। लक्षित उत्सर्जन में कमी की पहलों की नींव रखते हुए, स्कोप 1 और 2 जीएचजी उत्सर्जन का आधारभूत मूल्यांकन वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूरा किया गया था। इस पहल के हिस्से के रूप में, आरईसी अपनी सहायक कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड के साथ मिलकर आरईसी के कॉर्पोरेट कार्यालय में मौजूदा 979 केडब्ल्यूपी रूफटॉप सोलर प्लांट के अलावा 1 मेगावाट पी कैपेवि सौर ऊर्जा सुविधा विकसित कर रहा है। इस पहल से बिजली से संबंधित उत्सर्जन में काफी कमी आने की उम्मीद है, जो वर्तमान में हमारे समग्र परिचालन कार्बन फुटप्रिंट का लगभग 85% है। इसके अलावा, ऊर्जा दक्षता सुधारों में एक स्वचालित प्रकाश व्यवस्था और भवन ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली शामिल है जो अधिभोग के आधार पर ऊर्जा उपयोग को अनुकूलित करती है। ये प्रयास हमारी चरणबद्ध बेड़े विद्युतीकरण रणनीति द्वारा पूरित हैं, जिसके तहत हमारे 76% आधिकारिक वाहन अब इलेक्ट्रिक हैं, जिन्हें ऑन-साइट चार्जिंग स्टेशनों द्वारा समर्थित किया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति आरईसी की प्रतिबद्धता उसके वित्तीय कार्यों तक फैली हुई है, जहाँ हमने नवीकरणीय ऊर्जा वितरण में 63% वार्षिक वृद्धि और हमारे नवीकरणीय ऊर्जा ऋण पोर्टफोलियो में 49% की वृद्धि देखी है। इन प्रयासों ने विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पीसीएफ पद्धति के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 6.1 मिलियन टन सीओ₂ उत्सर्जन से बचने में योगदान दिया है। ये उपलब्धियाँ न केवल आरईसी को भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी बनाती हैं, बल्कि देश के ऊर्जा

क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने में हमारी रणनीतिक भूमिका को भी उजागर करती है।

सामाजिक

सामाजिक स्थिरता आरईसी की रणनीति का अभिन्न अंग बनी हुई है, जो समावेशिता को बढ़ावा देते हुए व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। हम निष्पक्षता, पारदर्शिता और सहयोग पर जोर देते हुए हितधारकों - कार्मिकों, ग्राहकों, विक्रेताओं और व्यापक समुदाय - के साथ जुड़ते हैं। हमारी सामाजिक पहलों में आईएसओ 45001 मानकों के अनुरूप एक व्यापक व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (ओएचएस) नीति का कार्यान्वयन, साथ ही आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी) के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं, जो स्वास्थ्य, मानवाधिकारों और विविधता, समानता और समावेश पर 18,935 मानव-दिवसों की शिक्षा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, आरईसी ने अपने आंतरिक स्वास्थ्य अवसंरचना का विस्तार किया है, जिसमें ऑन-साइट जिम, योग सत्र, आहार विशेषज्ञ और चिकित्सकों तक पहुँच प्रदान की गई है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कार्मिकों के कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। हितधारक जुड़ाव के संदर्भ में, आरईसी ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए एक बहु-चैनल फीडबैक तंत्र को संस्थागत रूप दिया है। इसके अतिरिक्त, आरईसी ने शून्य अनसुलझे शिकायतों और शून्य डेटा उल्लंघनों के साथ उपभोक्ता अधिकारों को बरकरार रखा है, जो जिम्मेदार सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सुशासन

नैतिक मानकों और मज़बूत जोखिम प्रबंधन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, शासन उत्कृष्टता आरईसी के संचालन का मूल आधार बनी हुई है। आरईसी प्रमुख हितधारकों के लिए सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं के सटीक, पारदर्शी और समय पर प्रकटीकरण पर पूरी लगन से ध्यान केंद्रित करता है। ईएसजी मानदंडों को हमारी ऋण मूल्यांकन प्रणाली, विक्रेता पूर्व-योग्यता प्रक्रियाओं और खरीद मूल्यांकन में पूरी तरह से एकीकृत किया गया है। यह सुनिश्चित करता है कि निर्णय लेने के हर स्तर पर पर्यावरणीय और सामाजिक, दोनों प्रभावों पर विचार किया जाए। हमारी शासन संबंधी प्रगति को बाहरी स्तर पर मान्यता मिली है, और आरईसी को कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता आरईसी की ईमानदारी, पारदर्शिता और स्थायी प्रथाओं के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

भविष्य की ओर

आरईसी अपने हरित निवेशों विशेष रूप से वितरित सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण जैसे उभरते क्षेत्रों में विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। परिचालन दृष्टि से, हम नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद, वाहनों के विद्युतीकरण और ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढाँचे के उन्नयन द्वारा समर्थित शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम लक्षित कार्मिक सहभागिता, लैंगिक समानता पहलों और सामुदायिक-केंद्रित सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप सामाजिक समानता को भी बढ़ावा दे रहे हैं। शासन को और सुदृढ़ बनाने के लिए, आरईसी अनुपालन निगरानी को बेहतर बनाने हेतु डिजिटल निरीक्षण उपकरण लागू करने की योजना बना रहा है, जिससे नैतिकता-प्रधान नेतृत्व और कुशल शासन प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और प्रबल होगी।

आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ और उनकी पर्याप्तता

कंपनी अपने परिचालनों के आकार, पैमाने और जटिलता के अनुरूप आंतरिक नियंत्रण की एक पर्याप्त प्रणाली बनाए रखती है, जिसमें विभिन्न लेनदेन की सटीक और समय पर वित्तीय रिपोर्टिंग, परिचालन की दक्षता और लागू कानूनों, विनियमों, दिशानिर्देशों और कंपनी की नीतियों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त निगरानी प्रक्रियाएँ शामिल हैं। एकसमान अनुपालन के लिए लेखांकन हेतु शक्तियों का उचित प्रत्यायोजन और दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। न्यूनतम मैनुअल हस्तक्षेप के साथ आईटी आधारित संचालन सुनिश्चित करने के लिए आरईसी में ईआरपी समाधान और एनआईसी ई-ऑफिस प्रणाली भी है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पर्याप्त

जाँच और संतुलन मौजूद हैं और आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ प्रभावी बनी रहें, इसके लिए कंपनी अपने विभिन्न प्रभागों और कार्यालयों की नियमित और विस्तृत आंतरिक लेखा परीक्षा कराती है, या तो आंतरिक आंतरिक लेखा परीक्षा प्रभाग के माध्यम से या बाहरी पेशेवर लेखा परीक्षा फर्मों के माध्यम से।

इसके अलावा, बाहरी पेशेवर फर्मों द्वारा किए गए ऑडिट के बाद के वर्ष के दौरान, आंतरिक आंतरिक ऑडिट टीम द्वारा क्षेत्रीय और राज्य कार्यालयों की समीक्षा ऑडिट की जाती है। वार्षिक आंतरिक ऑडिट कार्यक्रम के अनुसार, आंतरिक ऑडिट में कंपनी के सभी प्रमुख परिचालन क्षेत्र शामिल होते हैं, जिनमें चिन्हित महत्वपूर्ण और जोखिम वाले क्षेत्र भी शामिल हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार, ऑडिट समिति द्वारा महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है।

इसके अलावा, कंपनी ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम-आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा (आरबीआईए) ढांचा लागू किया है, जिसमें स्वतंत्र जोखिम आकलन, लेखा परीक्षा ब्रह्मांड की पहचान, जोखिम मैट्रिक्स का विकास, वार्षिक आरबीआईए योजना की तैयारी और नीति में परिभाषित आवृत्ति के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षा का निष्पादन शामिल है।

वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कंपनी की एकल परिचालन आय ₹55,911.12 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष (अर्थात ₹47,146.3 करोड़) से 18.59% अधिक थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर-पूर्व लाभ ₹19,859.78 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष (अर्थात ₹17,780.64 करोड़) से 11.69% अधिक था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निवल लाभ ₹15,713.21 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष (अर्थात ₹14,019.21 करोड़) से 12.08% अधिक था। 31 मार्च, 2025 तक नेटवर्थ ₹77,637.97 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष (अर्थात ₹68,783.15 करोड़) की तुलना में 12.87% अधिक थी।

कंपनी मूलधन, ब्याज आदि के अपने बकाया की समय पर वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने मानक परिसंपत्तियों (चरण I और II) के लिए ब्याज सहित, वसूली के लिए देय कुल राशि ₹1,80,907.83 करोड़ के मुकाबले ₹1,79,694.70 करोड़ की वसूली की, जिससे 99.33% की वसूली दर हासिल हुई।

कंपनी के वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए जाते हैं, जिन्हें समय-समय पर संशोधित कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमों के साथ पढ़ा जाता है।

प्रमुख वित्तीय अनुपात:

कंपनी के लिए लागू और विशिष्ट प्रमुख वित्तीय अनुपातों में परिवर्तनों का विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
ब्याज कवरेज अनुपात (गुना)	1.58	1.59
ऋण इक्विटी अनुपात (गुना)	6.29	6.37
परिचालन लाभ मार्जिन (%)	35.40	37.57
निवल लाभ सीमा (%)	28.07	29.69
सकल ऋण क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियां (चरण-III) (%)	1.35	2.71
निवल ऋण क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियां (चरण-III) (%)	0.38	0.86
नेट वर्थ पर रिटर्न (पीएटी/ओसत नेट वर्थ) (%)	21.46	22.17

पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रमुख वित्तीय अनुपातों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ।

मानव संसाधन / औद्योगिक संबंध

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी की कुल मानवशक्ति 575 कार्मिक थी, जिसमें 556 अधिकारी और 19 गैर-अधिकारी शामिल हैं। औद्योगिक संबंध परिदृश्य सौहार्दपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बना रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, औद्योगिक अशांति के कारण किसी भी मानव-दिवस की हानि नहीं हुई।

कार्मिक प्रशिक्षण और विकास पर प्रमुख ध्यान केंद्रित किया जाता रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी के कुल 416 कार्मिकों ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, वेबिनार आदि में भाग लिया, जिससे कुल 2,346 प्रशिक्षण मानव-दिवस प्राप्त हुए।

कार्मिकों को पेशेवर रूप से तैयार करने के लिए 68 अधिकारियों को विदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भेजा गया।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आरईसी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों का मुख्य उद्देश्य समुदाय-आधारित, सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करना है। आरईसी अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियाँ 'आरईसी फाउंडेशन' के माध्यम से संचालित करता है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी है। आरईसी फाउंडेशन का संचालन आरईसी के नामित अधिकारियों से युक्त एक शासी निकाय द्वारा किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, बोर्ड ने स्वास्थ्य देखभाल (बुजुर्गों और विशेष क्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए), सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता सुविधाओं, रोजगार बढ़ाने वाले व्यावसायिक कौशल, शिक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता, ग्रामीण विकास परियोजनाओं आदि के क्षेत्र में विभिन्न नई सीएसआर पहलों के लिए ₹288.48 करोड़ का सीएसआर बजट अनुमोदित किया। सीएसआर परियोजनाओं का कार्यान्वयन स्पष्ट उद्देश्यों, आधारभूत सर्वेक्षण, कार्यान्वयन योजना, विशिष्ट समयसीमा, पहचाने गए मील के पथर, प्रगति की निगरानी और प्रभाव आकलन के साथ परियोजना मोड में किया जाता है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने आवंटित बजट को पार कर लिया, कई विषयगत क्षेत्रों में कुल ₹294.01 करोड़ (पिछले वित्तीय वर्ष से ₹5.15 करोड़ के अतिरिक्त खर्च सहित) खर्च किए। उल्लेखनीय योगदान में पीएम केयर्स फंड में ₹50 करोड़, स्वच्छ गंगा फंड में ₹35 करोड़ और स्वच्छ भारत कोष में ₹31 करोड़ शामिल हैं।

जोखिम प्रबंधन ढांचा

कंपनी के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक एकीकृत जोखिम प्रबंधन नीति है, जिसमें ऋण जोखिम, परिचालन जोखिम, तरलता जोखिम और बाजार जोखिम शामिल हैं। कंपनी ने एक जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है, जिसका मुख्य कार्य संगठन के विभिन्न जोखिमों की पहचान और निगरानी करना तथा उनके निवारण हेतु सुझाव देना है। इसके अतिरिक्त, कंपनी में आरबीआई के मानदंडों के अनुसार एक मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) भी है।

आरईसी के सामने आने वाले जोखिमों को वर्गीकृत किया गया है और उनकी व्यवस्थित रूप से निगरानी की जा रही है। ऋण जोखिम, वित्तपोषण उद्योग का एक अंतर्निहित जोखिम है। इसमें उधारकर्ता की ऋण गुणवत्ता में कमी से होने वाली हानि का जोखिम और ऋण या अग्रिम के तहत अनुबंधित पुनर्भुगतान में उधारकर्ता द्वारा चूक का जोखिम शामिल है। दूसरी ओर, परिचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं से उत्पन्न होता है। तरलता जोखिम, देनदारियों को समय पर पूरा करने में संभावित असमर्थता और परिसंपत्तियों में वृद्धि के लिए धन जुटाने, वित्तपोषण स्रोतों में अनियोजित परिवर्तनों का प्रबंधन करने और आवश्यकता पड़ने पर दायित्वों को पूरा करने में असमर्थता का जोखिम है। बाजार जोखिम को ब्याज दरों या प्रतिभूतियों की कीमतों में परिवर्तन, विदेशी मुद्रा में परिवर्तन और परिवर्तनों की अस्थिरता के कारण कंपनी की आय और पूंजी को होने वाले जोखिम के रूप में परिभाषित किया गया है। ईएसजी जोखिम, कंपनी के संचालन, वित्तीय प्रदर्शन और प्रबंधन पर पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक कारकों के कारण होता है।



ऋण जोखिम को कम करने के लिए, कंपनी इकाई मूल्यांकन और परियोजना मूल्यांकन प्रक्रियाओं का पालन करती है, जिसमें विस्तृत मूल्यांकन पद्धति, जोखिमों की पहचान, उपयुक्त संरचना और शमन शामिल हैं। परिचालन जोखिमों को एक व्यापक जोखिम रजिस्टर के माध्यम से 'उच्च', 'मध्यम' या 'निम्न' के रूप में मापा और वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें सभी कार्यात्मक क्षेत्र, जैसे व्यवसाय, अनुपालन, वित्त, मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी, कानूनी, परिचालन आदि शामिल हैं। कंपनी अपने तरलता जोखिम का प्रबंधन विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से करती है, जिसमें अनुमानित संवितरण और परिपक्व होने वाले दायित्वों के आधार पर दूरदेशी संसाधन जुटाना शामिल है। कंपनी की एकीकृत जोखिम प्रबंधन नीति में परिसंपत्ति देयता प्रबंधन और हेजिंग नीति शामिल है। प्रासंगिक ईएसजी जोखिमों को कम करने के लिए, कंपनी ने एक ईएसजी नीति तैयार और कार्यान्वित की है, जिसमें जलवायु परिवर्तन रणनीति, कॉर्पोरेट प्रशासन आदि सहित अन्य फोकस क्षेत्रों को शामिल किया गया है। कंपनी की एकीकृत जोखिम प्रबंधन नीति, इसके जोखिम प्रबंधन संचालन और कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए स्थापित की गई है, और जोखिम क्षमता ढाँचा विकसित किया गया है ताकि यह स्थापित किया जा सके कि कंपनी अपनी व्यावसायिक रणनीति और उद्देश्यों की प्राप्ति में किन जोखिमों को स्वीकार्य मानती है। जोखिम भूख विवरण को लिखित जोखिम उद्देश्यों और जोखिम सीमाओं/सीमाओं के एक सेट के रूप में परिभाषित किया गया है, जो परिमाणित और गैर-मात्रात्मक दोनों हैं, जो कंपनी के व्यापक भौतिक जोखिमों को दर्शाता है।

व्यावसायिक रणनीति

आरईसी भारत की सभी विद्युत अवसंरचना खंडों - उत्पादन, पारेषण और वितरण सहित पारंपरिक और नवीकरणीय - के साथ-साथ कोयला ब्लॉक लिंकेज, प्रदूषण नियंत्रण (जैसे, एफजीडी स्थापना), सुपर-क्रिटिकल थर्मल प्लांट, सौर और पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और अमोनिया जैसे संबंधित क्षेत्रों में क्षमता वृद्धि को वित्तपोषित करना जारी रखे हुए है।

भारत की बढ़ती आर्थिक वृद्धि और अवसंरचना पर खर्च के साथ, आरईसी गैर-विद्युत अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स उप-क्षेत्रों, जैसे हवाई अड्डों, मेट्रो रेल, सड़कों और राजमार्गों, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों, बंदरगाहों और स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना के वित्तपोषण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि और ढलान पर खर्च के साथ, आरईसी गैर-विद्युत गोदाम और लॉजिस्टिक्स उप-क्षेत्रों, जैसे हवाई अड्डे, मेट्रो रेल, राजमार्ग और राजमार्ग, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, बंदरगाह और स्वास्थ्य सेवा पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

कृते निदेशक मण्डल और उनकी ओर से

जितेन्द्र श्रीवास्तव

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और
निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन: 06817799

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक : 25 जुलाई, 2025



आरईसी की सीएसआर पहल के तहत प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण शिविरों का समर्थन करके खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभा को बढ़ावा

कॉर्पोरेट सुशासन संबंधी रिपोर्ट

अपनी स्थापना के बाद से ही, आरईसी लिमिटेड (आरईसी) भारत के ऊर्जा परिवर्तन की आधारशिला रही है, जिसका प्रारंभिक ध्यान शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण के वित्तपोषण पर केंद्रित था। आरईसी एक गतिशील वित्तीय संस्थान के रूप में स्थापित है, जो विद्युत उत्पादन, परीक्षण और वितरण प्रणालियों के निर्माण और आधुनिकीकरण हेतु विद्युत अवसंरचना और उससे आगे के क्षेत्रों में पूँजी का प्रवाह करता है। इसकी पहुँच अवसंरचना और रसद जैसे गैर-विद्युत क्षेत्रों तक फैली हुई है, जो नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देने वाले अनुकूलित वित्तीय समाधानों के साथ प्रगति को गति प्रदान करती है।

आरईसी का शासन निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित निष्ठा का एक आदर्श है। एक सरकारी कंपनी होने के नाते, आरईसी को सार्वजनिक निधियों का प्रबंधन और रणनीतिक राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने का दायित्व सौंपा गया है, जो पारदर्शिता और नैतिक आचरण पर अधिक ज़ोर देता है। आरईसी ने एक शासन ढाँचा अपनाया है जो कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम"), सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम") और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देश ("कॉर्पोरेट प्रशासन पर डीपीई दिशानिर्देश"), भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक ("सचिवीय मानक") और आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुरूप है, जिसमें भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अन्य लागू निर्देश/दिशानिर्देश शामिल हैं, जो वैधानिक और क्षेत्र-विशिष्ट दोनों मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। इसके अतिरिक्त, आरईसी इन न्यूनतम आवश्यकताओं से आगे बढ़कर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्धारित अधिकांश गैर-अनिवार्य दिशानिर्देशों को पूरा करता है।

आरईसी अपने सभी हितधारकों, जिनमें शेयरधारक, अन्य प्रतिभूति धारक,

ग्राहक, विक्रेता, कार्मिक, समुदाय और आम जनता शामिल हैं, के लिए मूल्य सृजन का प्रयास करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसी को इंस्टीट्यूट ऑफ़ डायरेक्टर्स (आईओडी) द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता के लिए 'गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कॉर्पोरेट सुशासन की शर्तों के अनुपालन के संबंध में एक रिपोर्ट नीचे दी गई है, जिसके बाद कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा कॉर्पोरेट सुशासन पर एक प्रमाणपत्र भी जारी किया गया है।

1. कॉर्पोरेट सुशासन पर कंपनी का सिद्धांत

आरईसी में, कॉर्पोरेट सुशासन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण है, जिसमें नैतिक प्रबंधन को संधारणीयता और पर्यावरण जागरूकता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के साथ शामिल किया गया है। कंपनी निरंतर हितधारकों के साथ संधारणीय मूल्य सृजन को प्राथमिकता देती है, जबकि नियामक दिशानिर्देशों में पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करती है। कंपनी के निवेश संबंधी निर्णय कार्यनीतिक तौर पर हरित ऊर्जा और नवीकरणीय संसाधनों के प्रति हमारे समर्पण से प्रेरित होते हैं, जिनमें ऊर्जा संरक्षण और दक्षता पर जोर दिया जाता है। परिवर्तनशील व्यावसायिक परिवेश की चुनौतियों का सामना करने के लिए कंपनी की प्रणालियों, नीतियों और रूपरेखा की नियमित रूप से समीक्षा और उन्नयन किया जाता है।

आरईसी का कॉर्पोरेट सुशासन कार्यवाही का निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों आधारित है:

- कानून, नियमों और विनियमों का पूर्ण रूप से अनुपालन;



आरईसी लिमिटेड को आईओडी द्वारा कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए 'गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया



- अपने सभी हितधारकों के हितों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए उपयुक्त प्रणालियां और परिपाटियां; तथा
- सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं के पारदर्शी और समयबद्ध प्रकटीकरण के माध्यम से विभिन्न हितधारकों के बीच विश्वास और भरोसे का वातावरण बनाना।

उपयुक्त सिद्धांत निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करते हैं:

- शेयरधारकों के मूल्य का संरक्षण और वृद्धि करने में;
- अन्य सभी हितधारकों जैसे ग्राहकों, कार्मिकों और बड़े पैमाने पर समाज के हितों की रक्षा करने में;
- संचार में पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करने और सभी संबंधितों को पूर्ण, सटीक और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने में;
- प्रदर्शन और ग्राहक सेवा के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने और सभी स्तरों पर उत्कृष्टता प्राप्त करने में; और
- अन्यों के लिए अनुकरणीय उच्चतम स्तर का कॉर्पोरेट नेतृत्व प्रदान करने में।

एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बने रहने के रूप में, आरईसी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार अपने स्वयं के "कॉर्पोरेट सुशासन संबंधी आंतरिक दिशानिर्देश" स्थापित किए हैं। ये दिशानिर्देश कॉर्पोरेट सुशासन के प्रति कंपनी के दृष्टिकोण को संहिताबद्ध करते हुए, इसके सिद्धांत, संरचना और रूपरेखा को रेखांकित करते हैं। कॉर्पोरेट सुशासन संबंधी आंतरिक दिशानिर्देशों को <https://recindia.nic.in/policies> पर प्राप्त किया जा सकता है।

2. निदेशक मण्डल

आरईसी के संगम-अनुच्छेदों के अनुसार, कंपनी के निदेशकों की संख्या 3 (तीन) से कम और 15 (पंद्रह) से अधिक नहीं होनी चाहिए। 31 मार्च, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, आरईसी के निदेशक मण्डल में 6 (छह) निदेशक हैं, जिनमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), जो; निदेशक (परियोजना) का अतिरिक्त कार्य देख रहे हैं; निदेशक (वित्त); प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार से एक सरकारी नामित निदेशक; पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) द्वारा नामित निदेशक, जो कंपनी की बहुसंख्यक इकिटी का धारक है; और 1 (एक) अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं।

इसके अलावा, 1 जुलाई, 2025 तक, आरईसी के निदेशक मंडल में 7 (सात) निदेशक शामिल थे, जिनमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

("सीएमडी"), निदेशक (वित्त), एक सरकारी नामित निदेशक; पीएफसी का एक नामित निदेशक और 3 (तीन) अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित) शामिल थे।

कंपनी अधिनियमकी धारा 2(45) के तात्पर्य से एक सीपीएसई और सरकारी कंपनी होने के नाते, आरईसी के बोर्ड में निदेशकों को नियुक्त करने की कार्यपालक शक्ति प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति में निहित है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत में, आरईसी का बोर्ड सूचीबद्ध विनियमन के विनियम 17 का अनुपालन कर रहा था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, श्री हर्ष बवेजा को 14 मई, 2024 से निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया था और दो स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल 14 नवंबर, 2024 को समाप्त हो गया था और एक स्वतंत्र निदेशक का कार्यकाल 26 दिसंबर, 2024 को समाप्त हो गया था, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2025 तक आरईसी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या कम हो गई थी।

इसके अलावा, 17 अप्रैल, 2025 से, विद्युत मंत्रालय ने डॉ. गंभीर सिंह और डॉ. दुर्गेश नंदिनी को आरईसी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है और शेष अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का मामला विद्युत मंत्रालय में सक्रिय रूप से विचाराधीन है। एक बार अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति हो जाने के बाद, कंपनी सभी लागू वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करेगी।

आरईसी के निदेशक कंपनी के संचालन को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से चलाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से सुसज्जित हैं। वे कंपनी के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक रणनीतिक दिशा और समर्थन प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

आरईसी की "बोर्ड की विविधता और कौशल, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की नियुक्ति के मानदंड और निदेशकों, केएमपी और अन्य कार्मिकों के पारिश्रमिक" पर एक नीति है। इसके अतिरिक्त, आरबीआई के मास्टर निर्देशों का पालन करते हुए और एनआरसी की सिफारिश के आधार पर, बोर्ड ने "निदेशकों के लिए उपयुक्त और उपयुक्त मानदंड पर नीति" भी लागू की है, जो निदेशकों की योग्यता, विशेषज्ञता, ट्रैक रिकॉर्ड, ईमानदारी और अन्य प्रासंगिक कारकों का आकलन करने की आंतरिक प्रक्रिया को रेखांकित करती है ताकि निदेशक के रूप में उनकी उपयुक्तता का निर्धारण किया जा सके। नीतियों को <https://recindia.nic.in/policies> पर देखा जा सकता है।

(क) बोर्ड की संरचना

01 जुलाई, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, बोर्ड की संरचना के ब्यौरे और अन्य प्रासंगिक विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	कंपनी में पद
पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक)			
1	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव	06817799	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, 22 अप्रैल, 2025 से और निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार) 1 जुलाई, 2025 से
2	श्री हर्ष बवेजा	09769272	निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ
गैर-कार्यपालक निदेशक (नामित निदेशक)			
3	श्री शशांक मिश्र	08364288	सरकारी नामित निदेशक
4	श्री मनोज शर्मा	06822395	पीएफसी के नामित निदेशक
गैर-कार्यपालक निदेशक (स्वतंत्र निदेशक)			
5	श्री नारायणन तिरुपति	10063245	स्वतंत्र निदेशक
6	डॉ. गंभीर सिंह	02003319	स्वतंत्र निदेशक (17 अप्रैल 2025 से)
7	डॉ. दुर्गेश नंदिनी	09398540	स्वतंत्र निदेशक (17 अप्रैल 2025 से)

31 मार्च, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, बोर्ड की संरचना के ब्यौरे और अन्य प्रासंगिक विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	कंपनी में पद	अन्य कंपनियों में धारित अन्य निदेशक पद की संख्या	अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं में धारित निदेशक पद, निदेशक पद की श्रेणी	अन्य कंपनियों में धारित समिति पदों की संख्या	
						अध्यक्ष	सदस्य
पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक)							
1	श्रीमती परमिंदर चोपड़ा	08530587	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) (21 मार्च, 2025 से 21 अप्रैल, 2025 तक)	4	पीएफसी (सरकारी नामिति निदेशक)	-	-
2	श्री विजय कुमार सिंह	02772733	निदेशक (परियोजना)	2	-	-	-
3	श्री हर्ष बवेजा	09769272	निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी	3	-	-	-
गैर-कार्यपालक निदेशक (नामित निदेशक)							
4	श्री शशांक मिश्र	08364288	सरकारी नामित निदेशक	1	पीएफसी (सरकारी नामिति निदेशक)	2	-
5	श्री मनोज शर्मा	06822395	पीएफसी के नामित निदेशक	7	पीएफसी (पूर्णकालिक निदेशक)	-	1
गैर-कार्यपालक निदेशक (स्वतंत्र निदेशक)							
6	श्री नारायणन तिरूपति	10063245	स्वतंत्र निदेशक	-	-	-	-

सूचियन विनियमावली के विनियम 26 के अनुसार, भारतीय पब्लिक लिमिटेड कंपनियों (आरईसी के अलावा) में केवल लेखा परीक्षा समिति और हितधारक संबंध समिति में अध्यक्षता/सदस्यता को ध्यान में रखा गया है। इसके अलावा, कोई भी निदेशक 10 (दस) से अधिक ऐसी समितियों का सदस्य नहीं है और न ही ऐसी 5 (पांच) से अधिक समितियों के अध्यक्ष है।

(ख) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बोर्ड की संरचना में परिवर्तन

- 14 मई, 2024 के विद्युत मंत्रालय के आदेश के अनुसार, श्री हर्ष बवेजा (डीआईएन: 09769272) को 14 मई, 2024 से आरईसी का निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी (केएमपी) नियुक्त किया गया है।
- कंपनी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319) और श्री मनोज मनोहर पांडे (डीआईएन: 09388430) ने 14 नवंबर, 2024 को अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है और तदनुसार, वे 15 नवंबर, 2024 से आरईसी के स्वतंत्र निदेशक नहीं रह गए हैं।
- कंपनी की अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक डॉ. दुर्गेश नंदिनी (डीआईएन: 09398540) ने 26 दिसंबर, 2024 को अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है और तदनुसार, वे 27 दिसंबर, 2024 से आरईसी की स्वतंत्र निदेशक नहीं रह गई हैं।
- 20 मार्च, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश के अनुसार, श्री विवेक कुमार देवांगन (डीआईएन: 01377212) का आरईसी के सीएमडी के रूप में कार्यकाल 20 मार्च, 2025 को पूरा हो गया और तदनुसार, वे 21 मार्च, 2025 से आरईसी के सीएमडी और केएमपी नहीं रह गए हैं।
- 20 मार्च, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश के अनुसार, श्रीमती परमिंदर चोपड़ा (डीआईएन: 08530587), सीएमडी, पीएफसी को 21 मार्च, 2025 से सीएमडी, आरईसी के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।
- (डीआईएन: 09398540) को 17 अप्रैल, 2025 से उनकी पुनर्नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, आरईसी के अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में नियुक्त किया गया है।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा 18 अप्रैल, 2025 को जारी एक पत्र के अनुसार, जिसे 21 अप्रैल, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश के साथ पढ़ा जाए, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (डीआईएन: 06817799) को 22 अप्रैल, 2025 से आरईसी के बोर्ड में केएमपी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त निदेशक) के रूप में नियुक्त किया गया है। परिणामस्वरूप, पीएफसी की सीएमडी श्रीमती परमिंदर चोपड़ा 22 अप्रैल, 2025 से आरईसी की सीएमडी एवं केएमपी नहीं रह गई हैं।
- श्री विजय कुमार सिंह (डीआईएन: 02772733), जो आरईसी में निदेशक (परियोजना) के पद पर थे, 30 जून, 2025 को कंपनी की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए हैं और तदनुसार, 1 जुलाई, 2025 से आरईसी के निदेशक और केएमपी नहीं रह गए हैं।

(ग) 31 मार्च, 2024 के बाद बोर्ड की संरचना में परिवर्तन

- दिनांक 17 अप्रैल, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश के अनुसार, दिनांक 21 मई, 2025 के निवलिपत्र के साथ पठित, डॉ. गंभीर सिंह (डीआईएन: 02003319) और डॉ. दुर्गेश नंदिनी
- 27 जून, 2025 के विद्युत मंत्रालय के आदेश के अनुसार, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, आईएएस (डीआईएन: 06817799), सीएमडी को 1 जुलाई, 2025 से 3 महीने की अवधि के लिए या निदेशक (परियोजना) के पद पर नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, निदेशक (परियोजना)



के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

(घ) बोर्ड और उसकी समितियों के संबंध में अन्य प्रावधान

(i) बोर्ड प्रक्रियाएं

कंपनी अधिकतम भागीदारी, कागज रहित वातावरण को बढ़ावा देने और वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बोर्ड और समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण का पालन करती है। कंपनी बोर्ड और समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया के साथ कार्य करती है। सभी निदेशकों की पूर्ण भागीदारी और उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए, सभी निदेशकों के साथ परामर्श के माध्यम से बैठक की तारीखों पर पहले ही सहमति बना ली जाती है। निदेशक की प्राथमिकता के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक या भौतिक तरीकों का उपयोग करके, प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर निदेशकों को कार्यसूची टिप्पणी भेजे जाते हैं। अतिरिक्त सुविधा के लिए और कागज रहित वातावरण को बढ़ावा देने हेतु, कंपनी निदेशकों को इलेक्ट्रॉनिक कार्यसूची टिप्पणी भेजने के लिए एक सुरक्षित प्लेटफॉर्म का उपयोग करती है। इसके अतिरिक्त, गोपनीयता बनाए रखने के लिए, अप्रत्याशित कीमत संवेदनशील सूचना पासवर्ड (यूपीएसआई) सुरक्षित पीडीएफ फॉर्मेट में निदेशक मंडल के साथ साझा की जाती है, जिससे सुरक्षित संचार चैनल सुनिश्चित होता है।

व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार यथापेक्षित प्रस्तावों को परिचालित करके पारित किया जाता है, और अगली बोर्ड बैठक में दर्ज किया जाता है। अत्यावश्यक व्यावसायिक आवश्यकताओं के मामलों में, निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अल्प सूचना पर बैठकें बुलाई जा सकती हैं।

कंपनी राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार ई-ऑफिस एप्लिकेशन का उपयोग करती है, जिसमें कि अन्य के साथ-साथ यूपीएसआई से संबंधित सभी अनुमोदनों को संबंधित व्यक्तियों के साथ साझा किया जाता है और ऑडिट ट्रेल्स और टाइम स्टैम्प का रख-रखाव किया जाता है। उक्त ई-ऑफिस में केवल संबंधित उपयोगकर्ता ही लॉग इन कर सकता है और इसमें 2 स्तरीय प्रमाणीकरण के साथ उच्चतम सुरक्षा है।

लेखापरीक्षा समिति और बोर्ड बैठक के कार्यसूची प्रबंधन को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की जाती है और उसके बाद उसे सुरक्षित प्लेटफॉर्म/पासवर्ड सुरक्षित फाइलों में निदेशकों/संबंधित अधिकारियों के साथ साझा की जाती है और उसका पासवर्ड अलग से साझा किया जाता है।

बोर्ड या समिति की बैठकों की कार्यसूची में किसी भी मद को शामिल करना एक स्थापित आंतरिक प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित किया जाता है, और इसे सीएमडी द्वारा निर्धारित किया जाता है। कार्यसूची टिप्पणी में अनुमोदित किए जाने वाले मसौदा प्रस्ताव के साथ एक मानक प्रारूप में एक कार्यपालक सारांश, साथ ही प्रस्ताव के बारे में विस्तृत जानकारी शामिल होती है।

बोर्ड और समिति की बैठकें आमतौर पर दिल्ली/गुरुग्राम में पंजीकृत/कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित की जाती हैं और भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तकनीक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। जब भी आवश्यक हो, वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों को उपस्थित होने और प्रस्तुतीकरण देने या किसी कार्यसूची मद पर अतिरिक्त अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रत्येक बैठक के बाद कृत कार्यवाई रिपोर्ट (एटीआर) के रूप में अनुवर्ती कार्यवाई की एक व्यापक प्रणाली कार्यान्वित की जाती है, जो बोर्ड या

समितियों द्वारा पहले के निर्णयों और चर्चाओं के आधार पर उठाए गए कदमों का विवरण देती है। कंपनी भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा जारी सचिवीय मानकों का कड़ाई से पालन करती है।

(ii) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठकों का विवरण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निम्नलिखित तारीखों को निदेशक मण्डल की कुल 15 (पंद्रह) बैठकें आयोजित की गईं:

पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
30-अप्रैल-2024	27-जुलाई-2024	26-अक्टूबर-2024	6-फरवरी-2025
31-मई-2024	20-अगस्त-2024	30-नवंबर-2024	15-फरवरी-2025
29-जून-2024	2-सितंबर-2024	6-दिसंबर-2024	7-मार्च-2025
	30-सितंबर-2024	24-दिसंबर-2024	19-मार्च-2025
		30-दिसंबर-2024	26-मार्च-2025

*30 दिसंबर, 2024 को आयोजित स्थगित बोर्ड बैठक 24 दिसंबर, 2024 को आयोजित मूल बोर्ड बैठक का हिस्सा थी।

**15 फरवरी, 2025 को आयोजित स्थगित बोर्ड बैठक 6 फरवरी, 2025 को आयोजित मूल बोर्ड बैठक का हिस्सा थी।

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित किन्हीं दो बोर्ड बैठकों के बीच न्यूनतम और अधिकतम अंतराल क्रमशः 5 (पाँच) दिन और 37 (सैंतीस) दिन था। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली बोर्ड बैठक और वित्तीय वर्ष 2023-24 की अंतिम बोर्ड बैठक के बीच 33 (तैंतीस) दिन का अंतराल था।

(iii) निदेशक मण्डल के समक्ष रखी गई सूचना

निदेशक मंडल को विनियामक आवश्यकताओं से परे, व्यापक कंपनी जानकारी तक पूर्ण और अप्रतिबंधित पहुँच प्राप्त है। बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी में वार्षिक योजनाएँ, वित्तीय अद्यतन, धन उगाहने के प्रस्ताव, वित्तीय परिणाम, समिति के कार्यवृत्त, सहायक कंपनियों की बोर्ड बैठकों के कार्यवृत्त और वरिष्ठ प्रबंधन नियुक्तियाँ, प्रमुख प्रबंधकीय पदों में परिवर्तन और अन्य प्रकटीकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें कानूनी नोटिस, दुर्घटनाएँ, चूक, देयता दावे, संयुक्त उद्यम, महत्वपूर्ण लेनदेन, श्रम/जनशक्ति मुद्दे, परिसंपत्ति बिक्री, नियामक अनुपालन और निवेशक रिपोर्ट, यदि कोई हो, से संबंधित जानकारी शामिल है। बोर्ड को विभिन्न पहलुओं पर तिमाही रिपोर्ट प्राप्त होती हैं, जैसे विदेशी मुद्रा जोखिम, धोखाधड़ी की स्थिति की रिपोर्टिंग, विभिन्न वैधानिक प्रावधानों की अनुपालन रिपोर्ट, शेयर पूंजी, उधार, निवेश, दी गई छूट और संशोधन। अर्धवार्षिक रिपोर्ट में दीर्घकालिक निवेश, व्हिसलब्लोअर नीति, व्यावसायिक संचालन की स्थिति और निष्पक्ष व्यवहार अनुपालन शामिल हैं। आवधिक रिपोर्ट में शक्तियों का प्रत्यायोजन और पूर्व निर्णयों पर की गई कार्यवाई शामिल होती है। अन्य प्रासंगिक जानकारी भी समय-समय पर बोर्ड को प्रस्तुत की जाती है।

(iv) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठकों और वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निदेशकों की उपस्थिति का विवरण।

क्र. सं.	निदेशक का नाम	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		30-अप्रैल-2024	31-मई-2024	29-जून-2024	27-जुलाई-2024	20-अगस्त-2024	2-सितंबर-2024	30-सितंबर-2024	26-अक्टूबर-2024	30-नवंबर-2024	6-दिसंबर-2024
1	श्री विवेक कुमार देवांगन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (20 मार्च 2025 तक)	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤
2	श्रीमती परमिंदर चोपड़ा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (21 मार्च, 2025 से 21 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	👤	👤	👤	👤	👤	👤	📺	👤	👤	👤
4	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त) (14 मई 2024 से)	लागू नहीं	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤
5	श्री शशांक मिश्र सरकारी नामित निदेशक	👤	लागू नहीं	👤	👤	👤	👤	👤	📺*	👤	📺
6	श्री मनोज शर्मा पीएफसी नामित निदेशक	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	📺
7	श्री नारायणन तिरुपति स्वतंत्र निदेशक	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	📺
8	डॉ. गंभीर सिंह स्वतंत्र निदेशक (14 नवंबर, 2024 तक और 17 अप्रैल, 2025 से पुनः नियुक्त)	👤	👤	📺	👤	👤	📺	📺	👤	लागू नहीं	लागू नहीं
9	डॉ. दुर्गेश नंदिनी स्वतंत्र निदेशक (26 दिसंबर, 2024 तक और 17 अप्रैल, 2025 से पुनः नियुक्त)	👤	👤	👤	👤	👤	📺	👤	👤	👤	📺
10	डॉ. मनोज मनोहर पांडे स्वतंत्र निदेशक (14 नवंबर, 2024 तक)	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	👤	लागू नहीं	लागू नहीं

Ⓜ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित 📺 वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित एन. ए. लागू नहीं एलओए अनुपस्थिति की अनुमति

*श्री शशांक मिश्र 26 अक्टूबर, 2024 को आयोजित बोर्ड बैठक में केवल दो एजेंडा मदों के लिए उपस्थित थे।

**30 दिसंबर, 2024 को आयोजित बोर्ड बैठक, 24 दिसंबर, 2024 को आयोजित मूल बोर्ड बैठक का हिस्सा थी। इसलिए, उपस्थिति की गणना के उद्देश्य से इसे अलग बैठक नहीं माना गया।

***15 फरवरी, 2025 को आयोजित बोर्ड बैठक, 6 फरवरी, 2025 को आयोजित मूल बोर्ड बैठक का हिस्सा थी। इसलिए, उपस्थिति की गणना के उद्देश्य से इसे अलग बैठक नहीं माना गया।



बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति							बैठकों की कुल संख्या			20 अगस्त 2024 को आयोजित 55वीं वार्षिक आम बैठक में उपस्थिति
11	12	13	14	15	कार्यकाल के दौरान आयोजित	निदेशक की उपस्थिति	उपस्थिति का %			
24-दिसंबर-2024	30-दिसंबर-2024 (स्थगित)**	6 फरवरी 2025	7-मार्च-2025	19-मार्च-2025	19-मार्च-2025	26-मार्च-2025				
						लागू नहीं	14	14	100	
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं		1	1	100	लागू नहीं
							15	15	100	
							14	14	100	
					एलओए		15	13	86.67	
							15	15	100	
							15	15	100	
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	8	8	100	
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	11	11	100	
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	8	8	100	

(v) आगामी 56वीं वार्षिक आम बैठक में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्ति

अधिनियम के प्रावधानों और कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेद 91 (iv) के अनुसार, श्री शशांक मिश्र, सरकार द्वारा नामित निदेशक, कंपनी की आगामी 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने पर, पुनर्नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं। श्री शशांक मिश्र का संक्षिप्त बायोडाटा, जिसमें विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता और अन्य प्रासंगिक जानकारी शामिल है, 56वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना में प्रदर्शित है जो इस वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

(vi) निदेशक का बायोडाटा

एजीएम में नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति चाहने वाले निदेशक(यों) का संक्षिप्त बायोडाटा एजीएम बुलाने की सूचना के साथ संलग्न है।

(vii) निदेशकों के बीच पारस्परिक संबंध

कंपनी के निदेशकों के बीच कोई पारस्परिक संबंध नहीं है।

(viii) गैर-कार्यपालक निदेशकों द्वारा धारित शेयर और परिवर्तनीय लिखत

31 मार्च, 2025 तक, किसी भी गैर-कार्यपालक निदेशक के पास कंपनी में कोई शेयर या परिवर्तनीय लिखत नहीं थी।

(ix) स्वतंत्र निदेशकों से संबंधित जानकारी

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, किसी भी स्वतंत्र निदेशक ने आरईसी के बोर्ड से इस्तीफा नहीं दिया है। आरईसी के सभी स्वतंत्र निदेशक

भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान द्वारा बनाए गए स्वतंत्र निदेशकों के डेटाबेस में पंजीकृत हैं। इसके अलावा, सभी स्वतंत्र निदेशकों ने अपेक्षित घोषणापत्र प्रस्तुत किए हैं कि वे अधिनियम की धारा 149(6) और लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 16(1)(बी) के तहत निर्दिष्ट स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।

बोर्ड के अनुसार, कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों का नैतिक चरित्र मजबूत है और कंपनी में बहुमूल्य योगदान देने और प्रबंधन से किसी भी बंधन या संपर्क से मुक्त होने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव उनके पास है।

(x) स्वतंत्र निदेशकों की अलग बैठक

लिस्टिंग विनियमों और अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, आरईसी के स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक 19 अक्टूबर, 2024 को आयोजित की गई, जिसमें कंपनी के सभी तत्कालीन स्वतंत्र निदेशकों ने भाग लिया।

(xi) बोर्ड के प्रमुख कौशल, विशेषज्ञता, दक्षताएं और विशेषताएं

आरईसी के निदेशक मंडल में अत्यधिक अर्हक व्यक्ति शामिल हैं जिनके पास कंपनी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और बोर्ड और इसकी समितियों में मूल्यवान योगदान देने के लिए आवश्यक कौशल, विशेषज्ञता और क्षमता है। बोर्ड के सदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि आरईसी कॉर्पोरेट सुशासन के उच्चतम मानकों का पालन करता है।

आरईसी के व्यवसाय और वृहतर विद्युत क्षेत्र की जटिलताओं के मद्देनजर, बोर्ड ने प्रमुख कौशल, विशेषज्ञता, दक्षताओं और विशेषताओं की पहचान की है जो इसके प्रभावी कार्यकरण के लिए महत्वपूर्ण हैं:

कौशल या विशेषज्ञता का क्षेत्र	विवरण
वित्तीय प्रबंधन	 वित्तीय गतिविधियों की योजना, आयोजन, निर्देशन और नियंत्रण, जिसमें निधि जुटाना और उनका उपयोग, वित्तीय लेखांकन और प्रबंधन नियंत्रण प्रणाली, वित्तीय योजना, चलनिधि और निधि प्रबंधन, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, कोषागार और विदेशी मुद्रा प्रबंधन, कर योजना और वित्तीय संस्थानों के साथ आदि शामिल हैं।
विद्युत क्षेत्र में प्रक्षेत्र विशेषज्ञता	 प्रौद्योगिकी में प्रचुर पृष्ठभूमि और विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र तथा भारत और विदेशों में विद्युत क्षेत्र की चुनौतियों/पहलुओं/बारीकियों के विभिन्न तत्वों में गहन अंतर्दृष्टि, तकनीकी प्रवृत्तियों का अनुमान लगाने का ज्ञान, विदारी नवाचार उत्पन्न करना और नए व्यवसाय मॉडल का विस्तार या निर्माण करना।
परियोजना मूल्यांकन	 किसी परियोजना के तकनीकी मानकों, सामाजिक प्रभाव, आर्थिक, पर्यावरणीय, वित्तीय और अन्य ऐसे पहलुओं की व्यवस्थित और व्यापक समीक्षा, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या यह अपने उद्देश्यों को पूरा करती है।
कॉर्पोरेट योजना और कार्यनीति	 प्रबंधन गतिविधियाँ, जिनका अनुप्रयोग प्राथमिकताएँ निर्धारित करने, ऊर्जा और संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करने, प्रचालन को सुदृढ़ करने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि कार्मिक और अन्य हितधारी आशयित परिणामों/नतीजों पर सहमति बनाकर, मूल लक्ष्यों की दिशा में काम कर रहे हैं, के लिए किया जाता है; और परिवर्तनशील परिवेश के प्रति संगठन के निर्देशों का मूल्यांकन और समायोजन करना।
जोखिम प्रबंधन	 परिचालन जोखिम, ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, ब्याज दर जोखिम, चलनिधि जोखिम, विदेशी मुद्रा जोखिम और अन्य वित्तीय जोखिमों के पूर्वानुमान और मूल्यांकन के साथ-साथ उनके प्रभाव से बचने या कम करने के लिए प्रक्रियाओं की पहचान करना। निवेश/वित्तपोषण प्रक्रिया के दौरान हो सकने वाले किसी भी संभावित खतरों की पहचान करना और उनका शमन करना। साइबर सुरक्षा और आईटी परिवेश से संबंधित जोखिमों का शमन।
नेतृत्व	 संगठनात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने और प्राप्त करने तथा ऐसे लक्ष्यों की उपलब्धि के लिए कार्यवाई करने सहित स्पष्ट दृष्टिकोण स्थापित करने, उस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मार्गदर्शन, ज्ञान और तरीके प्रदान करने के लिए विस्तृत नेतृत्व अनुभव।
बोर्ड परिपाटियाँ और सुशासन	 बोर्ड और प्रबंधन की जवाबदेही बनाए रखने, शेयरधारकों के हितों की रक्षा करने और उचित सुशासन परिपाटियों का पालन करने के बारे में अंतर्दृष्टि विकसित करने में अनुभव।
व्यवसाय विकास	 ऋणकर्ताओं/निवेशकों, बाजारों और अन्य सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करके व्यवसाय और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने, ब्रांड जागरूकता बनाने और कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कार्यनीति विकसित करने का अनुभव।



कौशल या विशेषज्ञता का क्षेत्र	विवरण
पर्यावरण और समाज	 स्थिरता केवल अनुपालन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक अनिवार्यता है जो दीर्घकालिक मूल्य और लचीलेपन को बढ़ावा देती है। ईएसएस विशेषज्ञता वाले निदेशक यह सुनिश्चित करते हैं कि कंपनी अपने संचालन में स्थायी प्रथाओं को एकीकृत करे, पर्यावरणीय प्रभाव, पारिस्थितिक संवेदनशीलता को कम करे और कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व को बढ़ावा दे। वे जलवायु कार्रवाई, नैतिक स्रोत, कार्बन फुटप्रिंट न्यूनीकरण और स्थायी व्यावसायिक मॉडल से संबंधित नीतियों की देखरेख करते हैं। सामाजिक मोर्चे पर, बोर्ड के सदस्य विविधता, समानता और समावेशन के साथ-साथ नैतिक श्रम प्रथाओं जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देते हैं। वे सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संगठन अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करे।
हितधारक जुड़ाव	 इसमें हितधारकों से केवल परामर्श करने के बजाय उनके साथ सक्रिय रूप से सहयोग करना शामिल है। प्रभावी जुड़ाव से कंपनी की प्रतिष्ठा में सुधार होता है और निवेशकों का विश्वास बढ़ता है।
मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम)	 मानव संसाधन प्रबंधन विशेषज्ञता नेतृत्व विकास, प्रतिभा अधिग्रहण, उत्तराधिकार नियोजन और कार्मिक जुड़ाव जैसे प्रमुख क्षेत्रों में योगदान देती है। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि संगठन एक सकारात्मक कार्यस्थल संस्कृति को बढ़ावा दे, शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करे और प्रमुख कार्मिकों को बनाए रखे। इसके अतिरिक्त, वे कार्यपालक पारिश्रमिक और नैतिक कार्यस्थल प्रथाओं की देखरेख करते हैं, और मानव संसाधन रणनीतियों को कॉर्पोरेट प्रशासन के साथ संरेखित करते हैं।

निम्नलिखित सारणी में, दिनांक 31 मार्च, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, बोर्ड के अलग-अलग सदस्यों और इसके बाद नियुक्त किए गए बोर्ड के सदस्यों के विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है:

निदेशक का नाम	बोर्ड की प्रमुख अर्हताएं विशेषज्ञता का क्षेत्र										
											
	वित्तीय प्रबंधन	विद्युत क्षेत्र की प्रमुख विशेषज्ञता	परियोजना मूल्यांकन	कॉर्पोरेट योजना और कार्यनीति	जोखिम प्रबंधन	नेतृत्व	बोर्ड परिपाटियां और सुशासन	व्यवसाय विकास	पर्यावरण और समाज	हितधारक जुड़ाव	मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम)

31 मार्च, 2025 तक बोर्ड के सदस्यों की संख्या											
श्रीमती परमिंदर चोपड़ा ¹	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
श्री विजय कुमार सिंह	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
श्री हर्ष बवेजा	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
श्री शशांक मिश्र	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
श्री मनोज शर्मा	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
श्री नारायणन तिरुपति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
31 मार्च, 2025 के बाद नियुक्त बोर्ड सदस्य											
श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव ²	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
डॉ. दुर्गेश नंदिनो ³	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
डॉ. गंभीर सिंह ⁴	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

¹21 मार्च, 2025 से 21 अप्रैल, 2025 तक नियुक्त।

²22 अप्रैल, 2025 से नियुक्त।

³ और ⁴17 अप्रैल, 2025 से पुनः नियुक्त।

किसी सदस्य के नाम के आगे सही का निशान न होने का यह अर्थ नहीं है कि उक्त सदस्य के पास संबंधित कौशल नहीं है।

3. निदेशक मण्डल की समितियां

निदेशक मण्डल या तो पूर्ण बोर्ड के रूप में या व्यवसाय और सुशासन के विशिष्ट क्षेत्रों की निगरानी के लिए गठित विभिन्न समितियों के माध्यम से कार्य करता है। प्रत्येक समिति, बोर्ड, जो इनकी संरचना, कार्यक्षेत्र और शक्तियां निर्धारित करता है, द्वारा अनुमोदित विचारार्थ विषयों के अनुसार कार्य करती है। समिति को प्रत्यायोजित प्राधिकारों के भीतर उन्हें सौंपे गए कार्य क्षेत्रों के तहत सुविज्ञ निर्णय लेने के लिए इनकी बैठकें नियमित रूप से और आवश्यकता के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

01 जुलाई, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, बोर्ड में निम्नलिखित समितियां थीं:-

1. लेखापरीक्षा समिति	2. नामांकन और पारिश्रमिक समिति	3. हितधारक संबंध समिति	4. जोखिम प्रबंधन समिति
श्री नारायणन तिरुपति (सी)	डॉ. गंभीर सिंह (सी)	डॉ. दुर्गेश नंदिनी (सी)	डॉ. गंभीर सिंह (सी)
डॉ. दुर्गेश नंदिनी (एम)	डॉ. दुर्गेश नंदिनी (एम)	निदेशक (परियोजना) (एम)	निदेशक (परियोजना) (एम)
श्री मनोज शर्मा (एम)	श्री नारायणन तिरुपति (एम)	निदेशक (वित्त) (एम)	निदेशक (वित्त) (एम)
			श्री नारायणन तिरुपति (एम)
5. सीएसआर समिति	6. अधिशेष निधियों के निवेश/ उपयोग के लिए समिति	7. परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति	8. आईटी कार्यनीति समिति
डॉ. गंभीर सिंह (सी)	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (सी)	श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (सी)	श्री नारायणन तिरुपति (सी)
निदेशक (परियोजना) (एम)	निदेशक (परियोजना) (एम)	निदेशक (परियोजना) (एम)	निदेशक (परियोजना) (एम)
निदेशक (वित्त) (एम)	निदेशक (वित्त) (एम)	निदेशक (वित्त) (एम)	निदेशक (वित्त) (एम)
9. 'मेक इन इंडिया' के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उप-समिति		10. विलफुल डिफॉल्टर पर समीक्षा समिति	
श्री शशांक मिश्र (सी)		श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव (सी)	
श्री हर्ष बवेजा (एम)		डॉ. दुर्गेश नंदिनी (सी)	
श्री मनोज शर्मा (एम)		डॉ. गंभीर सिंह (सी)	

सी. अध्यक्ष, एम. सदस्य

टिप्पणी: उपरोक्त समितियों में से कुछ में स्थायी/अन्य आमंत्रित सदस्य शामिल हैं

कंपनी के संगम अनुच्छेदों के अनुच्छेद 105 और लागू सांविधिक अपेक्षाओं के संदर्भ में, सभी समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त को सूचना और टिप्पणियों के लिए बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। प्रत्येक समिति के विस्तृत विचारार्थ विषय, इनकी बैठकों, उपस्थिति आदि के ब्यौरे अनुवर्ती पैराग्राफों में दर्शाए गए हैं।

3.1 लेखापरीक्षा समिति

कंपनी ने अधिनियम की धारा 177, सूचियन विनियमावली के विनियम 18 और कॉर्पोरेट सुशासन के संबंध में डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसरण में एक लेखापरीक्षा समिति की गठन किया है। लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार हैं:

- क) समय-समय पर संशोधित कंपनी (बोर्ड की बैठकें और उसकी शक्तियां) नियम, 2014 के साथ पठित अधिनियम की धारा 177 के अनुसार आवश्यकताओं का अनुपालन करना;
- ख) सूचियन विनियमावली, समय-समय पर यथासंशोधित, में परिकल्पित लेखापरीक्षा समिति संबंधी अपेक्षाओं का अनुपालन करना;

- ग) डीपीई द्वारा अधिसूचित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट सुशासन पर दिशानिर्देशों, 2010, समय-समय पर यथासंशोधित, का अनुपालन; तथा
- घ) लेखापरीक्षा समिति से संबंधित किन्हीं अन्य लागू प्रावधानों, समय-समय पर संशोधित, का अनुपालन।

लेखापरीक्षा समिति अपने विचारार्थ विषयों के अनुसार अपनी भूमिका का निर्वहन करती है और लागू सांविधिक प्रावधानों के अधीन निर्दिष्ट जानकारी की समीक्षा करती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा समिति की 8 (आठ) बैठकें हुईं। लेखापरीक्षा समिति की संरचना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित इसकी बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार था:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	समिति में पद	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति								बैठकों की कुल संख्या		
			30-अप्रैल-2024	31-मई-2024	28-जून-2024	27-जुलाई-2024	26-अक्टूबर-2024	13-नवंबर-2024	6-दिसंबर-2024	6-फरवरी-2025	कार्यकाल के दौरान आयोजित	निदेशक की उपस्थिति	उपस्थिति का %
1	श्री नारायणन तिरुपति	अध्यक्ष (26 नवंबर, 2024 से प्रभावी)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	🗨️	👤	2	2	100
	स्वतंत्र निदेशक												
2	डॉ. गंभीर सिंह	अध्यक्ष (14 नवंबर, 2024 तक)	👤	👤	🗨️	👤	👤	👤	लागू नहीं	लागू नहीं	6	6	100
	स्वतंत्र निदेशक												



क्रं. सं.	निदेशक का नाम	समिति में पद	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति							बैठकों की कुल संख्या			
			30-अप्रैल-2024	31-मई-2024	28-जून-2024	27-जुलाई-202	26-अक्टूबर-2024	13-नवंबर-2024	6-दिसंबर-2024	6-फरवरी-2025	कार्यकाल के दौरान आयोजित	निदेशक की उपस्थिति	उपस्थिति का %
3	डॉ. दुर्गेश नंदिनी स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (26 दिसंबर, 2024 तक और पुनः नियुक्त 17 अप्रैल, 2025 से)	👤	👤	👤	👤	👤	📺	📺	लागू नहीं	7	7	100
4	श्री मनोज शर्मा पीएफसी नामित निदेशक	सदस्य	👤	👤	📺	👤	👤	📺	📺	👤	8	8	100
5	श्री शशांक मिश्र सरकारी नामित निदेशक	सदस्य (27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	👤 *	1	1	100
👤	व्यक्तिगत रूप से उपस्थित		📺 वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित							एन.ए. लागू नहीं			

* श्री शशांक मिश्र 6 फरवरी, 2025 को आयोजित लेखा परीक्षा समिति की बैठक में एक एजेंडा आइटम के लिए उपस्थित थे।

लेखापरीक्षा समिति की किन्हीं दो बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं था।

लेखा परीक्षा समिति की बैठकों के लिए कोरम दो सदस्यों या कुल सदस्यों की संख्या का एक तिहाई, जो भी अधिक हो, का होता है, जिसमें कम से कम दो स्वतंत्र निदेशक उपस्थित हों। इसके अलावा, निदेशक (वित्त), आंतरिक लेखा परीक्षा प्रमुख और कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों के प्रतिनिधियों को भी आवश्यकतानुसार लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में आमंत्रित किया जाता है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

लेखा परीक्षा समिति के सभी सदस्य वित्तीय रूप से साक्षर हैं और लेखा परीक्षा समिति के कम से कम एक सदस्य के पास लेखा या संबंधित वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञता है। इसके अलावा, लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष शेयरधारकों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए 20 अगस्त, 2024 को आयोजित अंतिम वार्षिक आम बैठक में उपस्थित थे।

3.2 नामांकन और पारिश्रमिक समिति

आरईसी एक सीपीएसई होने के नाते और कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, सीएमडी और अन्य निदेशकों सहित पूर्णकालिक निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक भारत के राष्ट्रपति द्वारा तय किया जाता है और प्रशासनिक मंत्रालय यानी एमओपी द्वारा सूचित किया जाता है।

कंपनी ने अधिनियम की धारा 178, लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 19, एनबीएफसी के लिए आरबीआई के मानदंडों और कॉर्पोरेट प्रशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार एक नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) का गठन किया है। एनआरसी के संदर्भ की शर्तें, आरईसी पर लागू सीमा तक, इस प्रकार हैं:

- कंपनी (बोर्ड की बैठकें और उसकी शक्तियां) नियम, 2014, समय-समय पर यथासंशोधित, के साथ पठित अधिनियम की धारा 178 के अनुसार अपेक्षाओं का अनुपालन;
- सूचियन विनियमावली, समय-समय पर यथासंशोधित, में परिकल्पित नामांकन और पारिश्रमिक समिति संबंधी अपेक्षाओं का अनुपालन; और
- पूर्णकालिक निदेशकों, कार्यपालकों और गैर-संघीय पर्यवेक्षकों को निर्धारित सीमा के भीतर वार्षिक बोनस, परिवर्तनीय वेतन का परिमाण और ईएसओपी स्कीम, पेंशन स्कीम के लिए नीति आदि सहित डीपीई द्वारा यथाअधिसूचित और समय-समय पर यथासंशोधित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट सुशासन पर दिशानिर्देशों, 2010 का अनुपालन।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की 5 (पांच) बैठकें हुईं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना तथा इसकी आयोजित बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार था:

क्रं. सं.	निदेशक का नाम	समिति में पद	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति					बैठकों की कुल संख्या		
			29-अप्रैल-2024	31-मई-2024	24-दिसंबर-2024	5-फरवरी-2025	26-मार्च-2025	कार्यकाल के दौरान	उपस्थिति	उपस्थिति %
1	डॉ. गंभीर सिंह	अध्यक्ष (17 अप्रैल, 2025 से प्रभावी और सदस्य 14 नवंबर, 2024 तक)	👤	👤	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2	2	100
	स्वतंत्र निदेशक									

क्र. सं.	निदेशक का नाम	समिति में पद	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति					बैठकों की कुल संख्या		
			29- अप्रैल- 2024	31- मई- 2024	24- दिसंबर -2024	5- फरवरी- 2025	26- मार्च- 2025	कार्यकाल के दौरान	उपस्थिति	उपस्थिति %
2	डॉ. मनोज मनोहर पांडे स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (14 नवंबर, 2024 तक)	ॐ	ॐ	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2	2	100
3	डॉ. दुर्गेश नंदिनी स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (26 दिसंबर, 2024 तक और पुनः नियुक्त 17 अप्रैल, 2025 से)	ॐ	ॐ	ॐ	लागू नहीं	लागू नहीं	3	3	100
4	श्री नारायणन तिरुपति स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (25 नवंबर, 2024 तक और 26 नवंबर, 2024 से अध्यक्ष के रूप में नियुक्त और 17 अप्रैल, 2025 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	5	5	100
5	श्री मनोज शर्मा पीएफसी नामित निदेशक	सदस्य (26 नवंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	ॐ	ॐ	ॐ	3	3	100
6	श्री शशांक मिश्र सरकारी नामित निदेशक	सदस्य (27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	ॐ	2	1	50
ॐ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित			एन.ए.	लागू नहीं	एलओए	अनुपस्थिति की अनुमति				

नामांकन और पारिश्रमिक समिति की बैठकों के लिए गणपूर्ति (कोरम), समिति के अध्यक्ष सहित दो सदस्य होती है। इसके अलावा, निदेशक (वित्त), निदेशक (परियोजना) और कार्यपालक निदेशक (मा. सं.)/ विभाग प्रमुख (मा. सं.) नामांकन और पारिश्रमिक समिति की बैठकों में स्थायी रूप से आमंत्रित होते हैं। कंपनी सचिव, समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने 5 जून 2015 की अधिसूचना के माध्यम से सरकारी कंपनियों को योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं, स्वतंत्रता और निदेशकों के वार्षिक मूल्यांकन और निदेशकों के पारिश्रमिक से संबंधित नीति के निर्धारण के लिए मानदंड तैयार करने की आवश्यकता से छूट दी थी। इसके अलावा, एमसीए ने 5 जुलाई, 2017 की अधिसूचना के माध्यम से निर्धारित किया था कि अधिनियम की अनुसूची IV में निर्धारित स्वतंत्र निदेशकों और मूल्यांकन तंत्र के प्रदर्शन की समीक्षा से संबंधित प्रावधान भी सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होते हैं। कंपनी के गैर-कार्यपालक निदेशकों का प्रदर्शन मूल्यांकन प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा अपने आंतरिक दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया था। इसके अतिरिक्त, कंपनी अपनी होल्डिंग कंपनी, पीएफसी के साथ वित्तीय वर्ष के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित करती है, जिसके प्रमुख मापदंडों को विद्युत मंत्रालय के परामर्श से अंतिम

रूप दिया जाता है। कंपनी के प्रदर्शन का मूल्यांकन, डीपीई द्वारा जारी समझौता-ज्ञापन संबंधी दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित रूपरेखा के अनुसार, समझौता-ज्ञापन मानकों की तुलना में किया जाता है।

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम होने के नाते, वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों सहित कंपनी के कार्यात्मक निदेशकों, मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों और अन्य कार्मिकों का पारिश्रमिक, समय-समय पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) और/या भारत सरकार द्वारा जारी वेतन, अनुलाभ, भत्ते आदि संबंधी मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित किया जाता है। गैर-कार्यपालक निदेशक (स्वतंत्र निदेशकों सहित), बोर्ड या उसकी समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए अधिनियम के तहत यथानिर्धारित सीमा के भीतर बैठक शुल्क प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। सरकार द्वारा नामित निदेशक भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार, कंपनी से कोई बैठक शुल्क प्राप्त करने का हकदार नहीं है। नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर, बोर्ड ने अन्य बातों के साथ-साथ बोर्ड की विविधता और कौशल, निदेशकों, मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों की नियुक्ति के लिए मानदण्ड तथा निदेशकों, मुख्य प्रबंधन कर्मियों और कार्मिकों के पारिश्रमिक पर एक नीति अपनाई है, जो <https://recindia.nic.in/upएलओएds/files/Amended---Policy-on-Board-Diversity--Other-matters-dt-150722.pdf> पर उपलब्ध है।



वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी के कार्यात्मक निदेशकों को भुगतान किए गए पारिश्रमिक के बारे में विवरण नीचे दिया गया है:

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	नाम और पदनाम	वेतन और भत्ते	निष्पादन संबंध प्रोत्साहन	अनुलाभ	फॉर्म-16 में शामिल किए गए अन्य हितलाभ	छुट्टी नकदीकरण	सीपीएफ में अंशदान	पेंशन निधि में अंशदान	कुल
1	श्री विवेक कुमार देवांगन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (1 अप्रैल, 2024 से 20 मार्च, 2025)	41,40,180	-	-	97,350	-	-	-	42,37,530
2	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	63,39,532	29,40,939	38,412	40,000	23,91,227	5,34,181	5,34,181	1,28,18,472
3	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ (14 मई, 2024 से प्रभावी)	53,15,063	22,24,644	65,540	1,07,434	-	4,50,774	4,50,774	86,14,229

टिप्पणियाँ:

- आरईसी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने कार्यकाल के दौरान श्रीमती परमिंदर चोपड़ा, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), आरईसी को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया है।
- फॉर्म 16 में शामिल अन्य लाभों में वर्दी, मनोरंजन, बिजली, पानी और परिचारक शुल्क की प्रतिपूर्ति शामिल नहीं है और विकित्सा व्यय/प्रतिपूर्ति पर छूट शामिल नहीं है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में, पेंशन अंशदान एनपीएस खाते में जमा किया गया था। इसलिए, नियोक्ता पेंशन अंशदान फॉर्म 16 में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) के तहत वेतन का हिस्सा है।
- कुल पारिश्रमिक में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के तहत छूट प्राप्त भत्ते शामिल हैं और बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर आरईसी ग्रेच्युटी फंड में नियोक्ता का अंशदान शामिल नहीं है।
- कंपनी ने कोई स्टॉक विकल्प नहीं दिया है। इसके अलावा, निदेशकों की नियुक्ति और नियुक्ति की शर्तें, जिनमें पारिश्रमिक, सूचना अवधि, विच्छेद शुल्क आदि (यदि कोई हो) शामिल हैं, भारत के राष्ट्रपति द्वारा तय की जाती हैं।

गैर-कार्यपालक निदेशकों का पारिश्रमिक

गैर-कार्यपालक निदेशकों को निदेशक मण्डल की प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिए ₹40,000/- और इसकी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए प्रत्येक बैठक के लिए 30,000/- के बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है, जो कि अधिनियम और इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के तहत निर्धारित सीमाओं के भीतर है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान गैर-कार्यपालक निदेशकों को बैठक शुल्क (जीएसटी को छोड़कर) के रूप में संदत्त पारिश्रमिक के ब्यौरे निम्नानुसार थे:-

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	गैर-कार्यपालक निदेशक का नाम	बैठक शुल्क		कुल
		बोर्ड की बैठकें	समिति की बैठकें	
1	श्री मनोज शर्मा* पीएफसी के नामित निदेशक	6,00,000	4,50,000	10,50,000
2	डॉ. गंभीर सिंह स्वतंत्र निदेशक (1 अप्रैल, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक)	3,20,000	4,80,000	8,00,000
3	डॉ. मनोज मनोहर पांडे स्वतंत्र निदेशक (1 अप्रैल, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक)	3,20,000	4,20,000	7,40,000
4	डॉ. दुर्गेश नंदिनी स्वतंत्र निदेशक (1 अप्रैल, 2024 से 26 दिसंबर, 2024 तक)	4,40,000	5,40,000	9,80,000
5	श्री नारायणन तिरूपाति स्वतंत्र निदेशक	6,00,000	4,20,000	10,20,000
	कुल	22,80,000	23,10,000	45,90,000

* पीएफसी के नामित निदेशक आरईसी की बोर्ड और समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क प्राप्त करने के हकदार हैं, जिसका भुगतान पीएफसी को किया जाता है।

उपरोक्त के अलावा, बोर्ड या इसकी समितियों की बैठक में भाग लेने के संबंध में एयर टिकट, होटल आवास, वाहन किराए पर लेना, फुटकर व्यय, स्थानीय परिवहन आदि, यदि लागू हों, को छोड़कर, गैर-कार्यपालक निदेशकों का कंपनी के साथ कोई भी महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध या संव्यवहार नहीं है। इसके अतिरिक्त, सरकार नामित निदेशक भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार कंपनी से कोई भी बैठक शुल्क लेने के लिए हकदार नहीं हैं।

वरिष्ठ प्रबंधन

31 मार्च, 2025 तक वरिष्ठ प्रबंधन का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	नाम
मुख्य सतर्कता अधिकारी (सी वी ओ)	
1	श्रीमती रश्मिता झा
कार्यपालक निदेशक	
2	श्री टी.एस.सी. बोष
3	श्री जे.एस. अमिताभ
4	श्री रामेश्वर प्रसाद वैष्णव
5	श्रीमती वल्ली नटराजन
6	श्री राहुल द्विवेदी
7	श्री राजेश कुमार
8	श्री एन. वेंकटेशन
9	श्री अरूण कुमार त्यागी
10	श्री कुलदीप राय
11	श्री सौरभ रस्तोगी
12	श्री धर्मेन्द्र नागपाल
13	श्री प्रभात कुमार सिंह
14	श्री जे.के. नायक
15	श्री प्रदीप फैलोज़
16	श्री द. ब. लोंधे
17	श्री एम. एल. कुमावत
18	श्री सुब्रत आइच (मुख्य जोखिम अधिकारी)
19	श्री नरेन्द्र कुमार मौर्य
20	श्री चन्द्र शेखर सखामुरी
21	श्रीमती सरस्वती
मुख्य महाप्रबंधक	
22	श्री हेमंत कुमार (मुख्य अनुपालन अधिकारी)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान परिवर्तन:

क्र. सं.	नाम	तिथि में परिवर्तन	परिवर्तन का कारण
1	श्री जे.के. नायक	15 मई, 2024	पदोन्नति
2	श्री सुभाष चंद्र गर्ग	01 जून 2024	पदोन्नति
3	श्री फुज़ैल अहमद	01 जून 2024	सेवा-निवृत्ति
4	श्री प्रदीप फैलोज़	14 अगस्त, 2024	पदोन्नति
5	श्री दलजीत सिंह खत्री	14 अगस्त, 2024	पृथक्करण
6	श्री एम. एल. कुमावत	01 अक्टूबर 2024	पदोन्नति
7	श्री डी. बी. लोंडे	01 अक्टूबर 2024	पदोन्नति
8	श्री संजय कुमार	01 अक्टूबर 2024	सेवा-निवृत्ति
9	श्रीमती तरुणा गुप्ता सेवा-निवृत्ति	01 अक्टूबर 2024	सेवा-निवृत्ति
10	श्री वीरेंद्र कुमार अधाना	28 अक्टूबर 2024	कार्यकाल पूरा होने पर
11	श्री सुब्रत आइच	01 नवंबर 2024	पदोन्नति
12	श्री सुभाष चंद्र गर्ग	01 नवंबर 2024	सेवा-निवृत्ति
13	श्रीमती रश्मिता झा	29 नवंबर 2024	नियुक्ति
14	श्रीमती मालती सुंदरराजन	01 दिसंबर 2024	सेवा-निवृत्ति
15	श्री नरेंद्र कुमार मौर्य	01 दिसंबर 2024	पदोन्नति
16	श्री चंद्र शेखर सखामुरी	14 जनवरी 2025	नियुक्ति
17	श्रीमती सरस्वती	01 फरवरी 2025	पदोन्नति
18	श्री अजय माथुर	01 फरवरी 2025	सेवा-निवृत्ति

3.3 हितधारक संबंध समिति

कंपनी ने अधिनियम की धारा 178, सूचियन विनियमावली के विनियम 20 और अन्य लागू कानूनों के प्रावधानों के संदर्भ में एक हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) का गठन किया है। हितधारक संबंध समिति विशेष रूप से शेयरधारकों, ऋणपत्रधारकों (डिबेंचरहोल्डर) आदि सहित विभिन्न प्रतिभूति धारकों से प्राप्त अनुरोधों, शिकायतों या परिवादों जैसे लाभांश क्रेडिट/वॉरंट का प्राप्त न होना, ऋणपत्रों (डिबेंचर) पर ब्याज/कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट का प्राप्त न होना से संबंधित मामलों के निवारण पर ध्यान देती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हितधारक संबंध समिति समिति की 2 (दो) बैठकें हुईं। हितधारक संबंध समिति की संरचना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित इसकी बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार था:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	समिति में धारित पद	बैठक की तिथि और उसमें उपस्थिति		बैठकों की कुल संख्या		
			29-अप्रैल-2024	29-नवंबर-2024	कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति	उपस्थिति का प्रतिशत
1	डॉ. दुर्गेश नन्दिनी स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (26 दिसंबर, 2024 तक और 17 अप्रैल, 2025 से पुनः नियुक्त)	✗	✗	2	2	100
2	श्री मनोज शर्मा नामित निदेशक, पीएफसी	सदस्य (14 मई, 2024 तक और आगे 27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त)	✗	लागू नहीं	1	1	100



क्र. सं.	निदेशक का नाम	समिति में धारित पद	बैठक की तिथि और उसमें उपस्थिति		बैठकों की कुल संख्या		
			29-अप्रैल-2024	29-नवंबर-2024	कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति	उपस्थिति का प्रतिशत
3	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	सदस्य (30 जून, 2025 तक)	👤	📺	2	2	100
4	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त)	सदस्य (14 मई 2024 से)	लागू नहीं	👤	1	1	100

👤 व्यक्तिगत रूप से उपस्थित 📺 वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित एन.ए. लागू नहीं

टिप्पणी: श्री नारायणन तिरुपति, स्वतंत्र निदेशक 27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक एसआरसी के सदस्य थे।

कंपनी सचिव, समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है। वह लिस्टिंग विनियमों के संदर्भ में कंपनी का अनुपालन अधिकारी भी होता है।

हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) की बैठकों के लिए (कोरम) के लिए समिति के अध्यक्ष सहित दो सदस्य हैं। इसके अलावा, कंपनी द्वारा शेयरों, ऋणपत्रों (डिबेंचर), बंधपत्रों (बॉण्ड) आदि सहित विभिन्न प्रतिभूतियों के लिए नियुक्त पंजीयक एवं अंतरण अभिकर्ता हितधारक संबंध समिति की बैठकों में स्थायी तौर पर आमंत्रित होते हैं। समिति के अध्यक्ष, प्रतिभूति धारकों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए 20 अगस्त, 2024 को आयोजित कंपनी की अंतिम एजीएम में उपस्थित थे।

शेयरधारकों/ऋणपत्र-धारकों (डिबेंचर होल्डर) के अनुरोध और शिकायतें

शेयरधारकों और ऋणपत्र-धारकों के अनुरोधों या शिकायतों का तुरंत निवारण करने के लिए, कंपनी ने त्रिस्तरीय तंत्र अर्थात्, संबंधित पंजीयक से सहायता सेवा, अंतःपरिसर निवेशक प्रकोष्ठ और हितधारक संबंध समिति द्वारा प्रत्यक्ष निगरानी की स्थापना की है, जिसके परिणामस्वरूप सभी शिकायतों को समयबद्ध निवारण सुनिश्चित हुआ।

एनएसई और बीएसई की एक वेब-आधारित शिकायत निवारण प्रणाली है और सेबी का स्कोर्स (सेबी शिकायत निवारण प्रणाली) नाम एक पृथक प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से निवेशक अपनी शिकायतों के लिए किसी कंपनी के विरुद्ध शिकायत कर सकते हैं। प्रत्येक शिकायत की स्थिति और उस पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) को ऑनलाइन देखा जा सकता है, और यदि आवश्यक हो, तो निवेशक शिकायतों के लिए अनुस्मारक भेज सकता है। इस प्रणाली के माध्यम से, निवेशक शिकायतों की स्थिति

की जांच करने में सक्षम होते हैं, जैसे कि किसके पास शिकायत लंबित है, किस पर जिम्मेदारी तय की गई है और शिकायत कितने समय से लंबित है। कोई निवेशक जो स्कोर्स या एनएसई और बीएसई वेब आधारित प्रणाली से परिचित नहीं है या जिसकी स्कोर्स पर एक्सेस नहीं है, भौतिक रूप में शिकायत कर सकता है या वैकल्पिक रूप से कंपनी के आरएंडटीए तथा कंपनी को शिकायत के निवारण के लिए ई-मेल भेज सकता है।

सेबी ने 31 जुलाई, 2023 और 4 अगस्त, 2023 के परिपत्रों के माध्यम से, मास्टर परिपत्र (समय-समय पर अद्यतन) के साथ पठित, भारतीय प्रतिभूति बाजार में उत्पन्न होने वाले विवादों के समाधान के लिए एक सामान्य ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल ("ओडीआर पोर्टल") स्थापित किया है। उपर्युक्त परिपत्रों के अनुसार, आरटीए/कंपनी के साथ सीधे और मौजूदा स्कोर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी शिकायतों का समाधान करने के विकल्प समाप्त होने के बाद, निवेशक ओडीआर पोर्टल (<https://smartodr.in/login>) के माध्यम से विवाद समाधान शुरू कर सकते हैं और इसे कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/smart-odr-portal> के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है।

कंपनी और इसका आरएंडटीए सभी निवेशकों के अनुरोधों और शिकायतों पर निवेशकों की संतुष्टि तक तुरंत और शीघ्रता के आधार पर कार्रवाई करता है। निवेशकों के अनुरोधों और शिकायतों की स्थिति के संबंध में तिमाही रूप से अद्यतन जानकारी स्टॉक एक्सचेंज में दर्ज की जाती है और बोर्ड के समक्ष भी प्रस्तुत की जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, सूचियन विनियमावली के विनियम 13(3) के अनुसरण में शेयरधारकों/निवेशकों से प्राप्त शिकायतों और अनुरोधों की स्थिति निम्नानुसार थी:

अनुरोध/शिकायत का विवरण	इकिटी शेयर	सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूति	कुल
1 अप्रैल, 2024 तक की स्थिति के अनुसार लंबित	0	0	0
वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त	21	287	308
वित्तीय वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतें	21	287	308
31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार निपटाई न गई शेष शिकायतें	0	0	0

3.4 जोखिम प्रबंधन समिति

संगठन के समेकित जोखिम के प्रबंधन के लिए, सूचियन विनियमावली के विनियम 21 के प्रावधानों के अनुरूप जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। जोखिम प्रबंधन समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार हैं:

- समेकित जोखिम का प्रबंधन करना;
- विभिन्न संभावित जोखिमों की पहचान करना, चलनिधि जोखिम सहित कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले समग्र जोखिमों का मूल्यांकन करना, कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली जोखिम प्रबंधन योजना, नीतियों और प्रथाओं की समय-समय पर निगरानी और समीक्षा करना;
- विभिन्न जोखिमों के शमन की निगरानी करना और जोखिम प्रबंधन संबंधी अन्य सभी प्रकार्यों, जिसमें साइबर सुरक्षा भी शामिल हो, का निष्पादन करना; तथा
- समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, और/या किन्हीं अन्य एजेंसियों द्वारा जारी किए गए लागू सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन के लिए यथाअपेक्षित किसी भी अन्य प्रकार्य का निष्पादन करना।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, जोखिम प्रबंधन समिति की 4 (चार) बैठकें हुईं। जोखिम प्रबंधन समिति की संरचना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित इसकी बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	समिति में धारित पद	बैठक की तिथि और उसमें उपस्थिति				बैठकों की कुल संख्या		
			9-मई-2024	22-जुलाई-2024	25-अक्टूबर-2024	19-फरवरी-2025	कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति	उपस्थिति का %
1	श्री विवेक कुमार देवांगन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष (20 मार्च, 2025 तक)	👤	👤	📺	👤	4	4	100
2	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	सदस्य (30 जून, 2025 तक)	👤	👤	📺	👤	4	4	100
3	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त)	सदस्य (14 मई, 2024 से प्रभावी)	लागू नहीं	👤	📺	👤	3	3	100
4	डॉ. मनोज मनोहर पांडे स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (14 नवंबर, 2024 तक)	📺	📺	📺	लागू नहीं	3	3	100
5	डॉ. गंभीर सिंह स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (14 नवंबर, 2024 तक)	📺	📺	📺	लागू नहीं	3	3	100
6	श्री नारायणन तिरुपति स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (26 नवंबर, 2024 से प्रभावी)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	👤	1	1	100
7	श्री मनोज शर्मा पीएफसी नामित निदेशक	सदस्य (26 नवंबर, 2024 से 25 जून, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	👤	1	1	100
👤 व्यक्तिगत रूप से उपस्थित			📺 वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित			एन.ए.	लागू नहीं		

टिप्पणियाँ:

- डॉ. गंभीर सिंह, स्वतंत्र निदेशक को 25 जून, 2025 से समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 22 अप्रैल, 2025 से 24 जून, 2025 तक समिति के अध्यक्ष रहेंगे।
- श्रीमती परमिंदर चोपड़ा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 21 मार्च, 2025 से 21 अप्रैल, 2025 तक समिति की अध्यक्ष रहेंगी।

कंपनी ने आरबीआई द्वारा निर्धारित एक मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) नियुक्त किया है। सीआरओ आरएमसी के संयोजक के रूप में कार्य करता है।

जोखिम प्रबंधन समिति की बैठकों के लिए कोरम तीन सदस्यों का है, जिसमें समिति के अध्यक्ष भी शामिल हैं। इसके अलावा, विभिन्न प्रभागों के विभिन्न कार्यपालक निदेशक जोखिम प्रबंधन समिति की बैठकों में स्थायी आमंत्रित सदस्य होते हैं।

3.5 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति

अधिनियम की धारा 135 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधी दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के निदेशक मण्डल ने एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति (सीएसआर समिति) का गठन किया है, जिसके विचारार्थ विषय निम्नानुसार हैं:

- अधिनियम की अनुसूची VII में यथानिर्दिष्ट कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को दर्शाने वाली कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति तैयार करना और बोर्ड को इसकी अनुशंसा करना;
- कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति की समय-समय पर निगरानी करना;

- खंड (क) में निर्दिष्ट गतिविधियों पर व्यय की जाने वाली राशि की अनुशंसा करना;
- अधिनियम की अनुसूची VII के दायरे में आने वाली सीएसआर परियोजनाओं/ कार्यक्रमों/प्रस्तावों की अनुशंसा/समीक्षा करना ;
- कंपनी द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों/ गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एक पारदर्शी निगरानी तंत्र स्थापित करना ;
- कंपनी की सीएसआर पहलों पर कार्यनीति तैयार करने के लिए निदेशक मण्डल की सहायता करना;
- अन्य बातों के साथ-साथ यह जिम्मेदारी विवरण, कि सीएसआर नीति का कार्यान्वयन और निगरानी, सीएसआर उद्देश्यों और कंपनी की नीति के अनुरूप है, सहित नियमों में दिए गए प्रपत्र के अनुसार सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट की सामग्री को अनुमोदित करना;
- निदेशक मण्डल की जानकारी, विचार और आवश्यक निर्देशों के लिए उनके समक्ष समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना; तथा
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के संबंध में समय-समय पर संशोधित अन्य अपेक्षाओं का अनुपालन करना।



समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, सीएसआर समिति की 12 (बारह) बैठकें हुई। सीएसआर समिति की संरचना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित इसकी बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार था:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	समिति में धारित पद	बैठक की तिथि और उसमें उपस्थिति												बैठकों की कुल संख्या	
			29 अप्रैल 2024	31 मई 2024	28 जून 2024	26 जुलाई 2024	20 अगस्त 2024	30 सितंबर 2024	19 अक्टूबर 2024	13 नवंबर 2024	29 नवंबर 2024	23 दिसंबर 2024	5 फरवरी 2025	7 मार्च 2025	कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति का %
1	श्री मनोज शर्मा पीएफसी नामित निदेशक	अध्यक्ष (27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2	100
2	डॉ. दुर्गेश नंदिनी स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (14 मई, 2024 तक और पुनः 26 नवंबर, 2024 से 26 दिसंबर, 2024 तक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	3	100
3	डॉ. मनोज मनोहर पांडे स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (14 नवंबर, 2024 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	8	100
4	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	सदस्य (30 जून, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	12	100
5	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त)	सदस्य (14 मई, 2024 से प्रभावी)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	11	100
6	श्री नारायणन तिरुपति स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2	100

लागू व्यक्तिगत रूप से उपस्थित ☐ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित एन.ए. लागू नहीं

टिप्पणी: डॉ. गंभीर सिंह, स्वतंत्र निदेशक, 17 अप्रैल, 2025 से सीएसआर समिति के अध्यक्ष हैं।

सीएसआर समिति की बैठकों के लिए समिति के अध्यक्ष सहित दो सदस्यों की आवश्यकता होती है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं। कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्थिरता नीति <https://recindia.pic.in/policies> पर उपलब्ध है।

3.6 अधिशेष निधियों के निवेश/उपयोग के लिए समिति

अधिशेष निधियों के निवेश/नियोजन हेतु समिति का गठन किसी भी समय जमा प्रमाणपत्रों में ₹1,000 करोड़ और उससे अधिक या म्यूचुअल फंड और सावधि जमाओं में ₹2,000 करोड़ और उससे अधिक की अल्पकालिक अधिशेष निधियों के निवेश/नियोजन को मंजूरी देने के उद्देश्य से किया गया है। समिति में अध्यक्ष के रूप में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (परियोजना) और निदेशक (वित्त) सदस्य हैं। उक्त समिति की बैठकों के लिए कोरम दो सदस्यों का है, जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भी शामिल हैं। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 26 अप्रैल, 2024, 18 जुलाई, 2024, 1 मार्च, 2025 और 19 मार्च, 2025 को कुल 4 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें सभी निदेशकों ने भाग लिया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, एएलसीओ की 5 (पाँच) बैठकें हुईं। एएलसीओ की संरचना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित इसकी बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	नाम और पदनाम	समिति में धारित पद	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति					बैठकों की कुल संख्या		
			09-अप्रैल-2024	24-मई-2024	19-सितंबर-3024	12-दिसंबर-2024	26-मार्च-2025	कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति	उपस्थिति का %
1	श्रीमती परमिंदर चोपड़ा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष (21 मार्च, 2025 से 21 अप्रैल, 2025 तक)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	२	1	1	100
2	श्री विवेक कुमार देवांगन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष (20 मार्च, 2025 तक)	२	२	२	२	लागू नहीं	4	4	100
3	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	सदस्य (30 जून, 2025 तक)	२	२	२	२	२	5	5	100
4	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त)	सदस्य	लागू नहीं	एलओए	२	२	२	4	3	75
२ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित			एलओए	अनुपस्थिति की अनुमति		एन.ए.	लागू नहीं			

टिप्पणियाँ:

- श्री जितेंद्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, 22 अप्रैल, 2025 से समिति के अध्यक्ष हैं।
- इसके अलावा, विभिन्न कार्यपालक निदेशक और सीआरओ भी समिति के सदस्य हैं और उन्होंने ए एल सी ओ की उपरोक्त सभी बैठकों में भाग लिया है।

एएलसीओ की बैठकों के लिए गणपूर्ति (कोरम), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त) सहित तीन सदस्य हैं। कार्यपालक निदेशक/विभाग प्रमुख (एएलएम) एएलसीओ के संयोजक के रूप में कार्य करते हैं। कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी आवश्यकता के अनुसार एएलसीओ की बैठकों में आमंत्रित किया जाता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अपनी अनुपस्थिति में किसी पूर्णकालिक निदेशक को एएलसीओ की बैठक की अध्यक्षता करने के लिए प्राधिकृत कर सकते हैं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आवश्यकता पड़ने पर, प्रत्येक सदस्य और एएलसीओ के संयोजक के लिए किसी बैंकअप कार्यपालक को भी प्राधिकृत कर सकते हैं।

3.8 आईटी कार्यनीति समिति

एनबीएफसी के लिए आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुपालन में, निदेशक मंडल ने एक बोर्ड स्तरीय आईटी रणनीति समिति

3.7 परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ)

एनबीएफसी के लिए परिसंपत्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) प्रणाली के संबंध में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसरण में, कंपनी ने एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति का गठन किया है। एएलसीओ, एएलएम सहायता समूह - जो चलनिधि अंतर विश्लेषण, ब्याज दर संवेदनशीलता विश्लेषण और विदेशी मुद्रा संचलन आदि पर विभिन्न रिपोर्ट प्रदान करता है - की मदद से चलनिधि, ब्याज दरों और मुद्रा दरों से संबंधित जोखिमों की निगरानी करती है। उपरोक्त जोखिमों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एएलसीओ की प्रत्येक तिमाही में बैठक आयोजित की जाती है। एएलसीओ की अध्यक्षता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा की जाती है तथा सदस्यों में निदेशक (वित्त), निदेशक (परियोजना) और कंपनी के वित्त और प्रचालन प्रभागों के विभागाध्यक्ष शामिल हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आईटीएससी की 3 (तीन) बैठकें हुईं।

(आईटीएससी) का गठन किया है। आईटीएससी समिति का पुनर्गठन 26 नवंबर, 2024 को किया गया, जिसमें एक स्वतंत्र निदेशक अध्यक्ष, निदेशक (परियोजना) और निदेशक (वित्त) सदस्य होंगे। आईटीएससी की भूमिका में रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक आईटी संसाधनों का निर्धारण करने के तरीकों की निगरानी करना और आईटी संसाधनों की सोर्सिंग और उपयोग के लिए उच्च-स्तरीय दिशा-निर्देश प्रदान करना, साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना, आंतरिक नियंत्रण, शासन, आईटी रणनीति, नीति दस्तावेजों और सर्वोत्तम प्रथाओं को मंजूरी देना शामिल है, जिनकी परिकल्पना आरबीआई के मास्टर निर्देशों के तहत की गई है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आईटीएससी की 3 (तीन) बैठकें हुईं।



आईटीएससी की संरचना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित इसकी बैठकों में उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

क्रं. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम/पद	समिति में धारित पद	बैठक की तारीख और उसमें उपस्थिति			बैठकों की कुल संख्या		
			10-जून-2024	28-सितंबर-2024	28-जनवरी-2025	कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति	उपस्थिति का %
1	श्री नारायणन तिरूपाति	अध्यक्ष	👤	👤	👤	3	3	100
	स्वतंत्र निदेशक							
2	डॉ. गंभीर सिंह	सदस्य	👤	📺	लागू नहीं	2	2	100
	स्वतंत्र निदेशक	(14 नवंबर, 2024 तक)						
3	श्री विजय कुमार सिंह	सदस्य	लागू नहीं	👤	👤	3	2	66.67
	निदेशक (परियोजना)	(30 जून, 2025 तक)						
4	श्री हर्ष बवेजा	सदस्य	लागू नहीं	लागू नहीं	📺	1	1	100
	निदेशक (वित्त)	(26 नवंबर, 2024 से प्रभावी)						
👤 व्यक्तिगत रूप से उपस्थित			📺 वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित			एन.ए. लागू नहीं	एलओए	अनुपस्थिति की अनुमति

टिप्पणी: कार्यपालक निदेशक (आईटी) (सीआईओ), मुख्य महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष (आईटी) (सीटीओ) और विभागाध्यक्ष (सीआईएसओ) भी 25 नवंबर, 2024 तक समिति के सदस्य थे और आईटीएससी की उपरोक्त सभी बैठकों में उपस्थित रहे हैं। इसके अतिरिक्त, 26 नवंबर, 2024 से समिति के पुनर्गठन के बाद, कार्यपालक निदेशक (आईटी) (सीआईओ), मुख्य महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष (आईटी) (सीटीओ) समिति के आमंत्रित सदस्य होंगे और विभागाध्यक्ष (सीआईएसओ) स्थायी आमंत्रित सदस्य होंगे।

3.9 'मेक इन इंडिया' के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उप-समिति

आरईसी के बोर्ड ने, अन्य बातों के साथ, आरईसी या उसकी सहायक कंपनियों द्वारा जब कभी भी ₹250 करोड़ या उससे अधिक मूल्य के जारी किए जाने पर निविदा सूचनाएं की संवीक्षा/समीक्षा के लिए 'मेक इन इंडिया' के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उप-समिति का गठन किया है, जिसमें अध्यक्ष के रूप में सरकार द्वारा नामित निदेशक तथा इसके सदस्यों के रूप में निदेशक (वित्त) और पीएफसी द्वारा नामित निदेशक शामिल हैं। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उक्त उप-समिति की कोई भी बैठक आयोजित नहीं की गई थी।

3.10 विलफुल डिफॉल्टर पर समीक्षा समिति

आरईसी के बोर्ड ने भारतीय रिज़र्व बैंक के 1 जुलाई, 2015 के विलफुल डिफॉल्टर पर मास्टर निर्देश के अनुपालन में, सीएमडी की अध्यक्षता में दो स्वतंत्र निदेशकों के साथ विलफुल डिफॉल्टर पर समीक्षा समिति का गठन किया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विलफुल डिफॉल्टर पर समीक्षा समिति की 2 (दो) बैठकें हुईं। पहली बैठक 6 अगस्त, 2024 को और दूसरी बैठक 29 अक्टूबर, 2024 को हुई। बैठकों की अध्यक्षता श्री विवेक कुमार देवांगन ने की और डॉ. गंभीर सिंह एवं डॉ. दुर्गेश नंदिनी समिति के सदस्य के रूप में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

4. अन्य समितियां

उपरोक्त समितियों के अतिरिक्त, विशिष्ट मामलों की निगरानी के लिए निदेशक मण्डल द्वारा कुछ अतिरिक्त समितियों का भी गठन किया गया है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

4.1 स्थायी ऋण लिखत समिति

बोर्ड द्वारा अनुमोदित "स्थायी ऋण लिखत नीति" के अनुरूप, कंपनी ने जनवरी, 2021 में ₹ 558.40 करोड़ के स्थायी ऋण लिखत जुटाए हैं, जो अप्रतिभूत, अधीनस्थ, असंपरिवर्तनीय लिखत हैं। उक्त नीति के अनुपालन में, विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए स्थायी ऋण लिखत पर कूपन के भुगतान/गैर-भुगतान पर निर्णय लेने के लिए सीएमडी, निदेशक (वित्त) और निदेशक (परियोजना) की एक समिति का गठन किया गया है। समिति की बैठकों के लिए गणपूर्ति (कोरम) कम से कम दो सदस्य हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 19 नवंबर, 2024 को स्थायी ऋण लिखत समिति की 1 (एक) बैठक हुई, जिसमें सीएमडी, निदेशक (परियोजना) और निदेशक (वित्त) ने भाग लिया।

4.2 शेयर स्थानांतरण समिति

शेयर अंतरण समिति, भौतिक खंड के तहत प्रत्येक मामले में प्रति व्यक्ति 500 से अधिक इक्विटी शेयरों के संप्रेषण, प्रतिस्थापन, विखंडन और समेकन के अनुरोधों और डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्र जारी करने के अनुरोधों पर विचार करती है। दिनांक 31 मार्च, 2025 तक, शेयर अंतरण समिति में कंपनी सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल थे। तथापि, वित्तीय वर्ष, 2024-25 के दौरान उक्त समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं की गई।

5. अनुषंगी कंपनियां

आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी नामतः आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) (पूर्व में आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) है। आरईसीपीडीसीएल, अन्य बातों के साथ-साथ, विद्युत मंत्रालय और राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर सौंपी गई स्वतंत्र अंतर-राज्यीय और अंतरा-राज्य पारेषण परियोजनाओं के लिए प्रशुल्क (टैरिफ) आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के माध्यम से पारेषण सेवा प्रदाताओं के चयन के लिए "बोली प्रक्रिया समन्वयक" के रूप में भी कार्य करता है। प्रत्येक स्वतंत्र अंतर-राज्यीय/अंतरा-राज्य पारेषण परियोजना के विकास को आरंभ करने के लिए, आरईसीपीडीसीएल, परियोजना विशिष्ट विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के रूप में शामिल करता है।

ऐसी परियोजना-विशिष्ट एसपीवी भी भारतीय लेखा मानक 110 के प्रावधानों के अनुसार आरईसी की सहयोगी हैं। इसके अलावा, आरईसीपीडीसीएल की सहायक कंपनियां भी अधिनियम की धारा 2(87) के अनुसार आरईसी की सहायक कंपनियां हैं। टीबीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार सफल बोलीदाता के चयन के बाद, ऐसी सहायक कंपनियों को सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों के साथ सफल बोलीदाता को हस्तांतरित कर दिया जाता है।

एसपीवी/अनुषंगी कंपनियों के बारे में विस्तृत सूचना बोर्ड की रिपोर्ट में दी गई है, जो इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग है।

सभी सहायक कंपनियों की बोर्ड बैठकों के कार्यवृत्त आरईसी के निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं। गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण, विशेष रूप से उनके द्वारा किए गए निवेश, की समीक्षा आरईसी की लेखा परीक्षा समिति द्वारा की जाती

है। आरईसीपीडीसीएल और अन्य सहायक कंपनियों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और संबंधित जानकारी कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/recpdcl> पर उपलब्ध है।

लिस्टिंग विनियमों के तहत परिभाषित कंपनी की कोई "महत्वपूर्ण सहायक कंपनी" नहीं है। इसके अलावा, कंपनी ने उक्त विनियमों के तहत आवश्यक सहायक कंपनियों की महत्वपूर्णता पर एक नीति तैयार की है। उक्त नीति <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

6. आम सभा बैठकें

कंपनी की पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) और उनमें पारित संकल्पों का विवरण नीचे दिया गया है:-

वित्तीय वर्ष	एजीएम का दिनांक	समय	स्थान
2021-22	16-सितंबर-2022	11:00 बजे पूर्वाह्न	वीसी/ओएवीएम के माध्यम से
2022-23	6-सितंबर-2023	11:00 बजे पूर्वाह्न	वीसी/ओएवीएम के माध्यम से
2023-24	20-अगस्त-2024	11:00 बजे पूर्वाह्न	वीसी/ओएवीएम के माध्यम से

एजीएम में प्रस्तुत किए गए सभी संकल्प सदस्यों के अपेक्षित बहुमत से रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से पारित किए गए थे। पिछली तीन एजीएम में पारित किए गए विशेष प्रस्ताव इस प्रकार हैं:

एजीएम सं.	पारित किए गए विशेष संकल्प
53 ^{वाँ}	- कंपनी की समग्र उधार सीमा में वृद्धि करना। - कंपनी की सभी या किसी भी चल और/या अचल संपत्ति पर बंधक और/या भार स्थापित करना। - प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के लिए अनुमोदन
54 ^{वाँ}	- श्री नारायणन थिरुपथी (डीआईएन: 10063245) की गैर-कार्यपालक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति। - कंपनी की समग्र उधार सीमा में वृद्धि करना। - कंपनी की सभी या किसी भी चल और/या अचल संपत्ति पर बंधक और/या भार बनाना। - प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के लिए अनुमोदन।
55 ^{वाँ}	- कंपनी की समग्र उधार सीमा में वृद्धि करना। - कंपनी की सभी या किसी भी चल और/या अचल संपत्ति पर बंधक और/या भार स्थापित करना। - प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के लिए अनुमोदन।

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने परिपत्र सं. 09/2024, दिनांक 19 सितंबर, 2024 जारी किया है और सेबी ने परिपत्र दिनांक 3 अक्टूबर, 2024 जारी किया है, जिसके अनुसरण में आरईसी की आगामी 55^{वीं} एजीएम 27 अगस्त, 2025 को वीसी/ओएवीएम मोड के माध्यम से आयोजित की जाएगी। कंपनी शेयरधारकों को उक्त एजीएम के लिए इलेक्ट्रॉनिक भागीदारी और ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान करेगी, जिसका प्रासंगिक विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा होने वाली 56^{वीं} एजीएम की सूचना में दिया गया है।

इसके अलावा, सेबी के 5 जनवरी, 2024 के परिपत्र के साथ पठित उक्त एमसीए सामान्य परिपत्र के आलोक में, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट उन शेयरधारकों और गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतिधारकों को सॉफ्ट कॉपी में भेजी जा रही है, जिनके ई-मेल पते कंपनी/ रजिस्ट्रार/ डिपॉजिटरी/ डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास दर्ज हैं।

असाधारण सामान्य बैठकें (ईजीएम)

2024-25 वर्ष के दौरान, कोई भी असाधारण आम बैठक नहीं की गई।

7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दस्तावेजों की प्रदायगी

आरईसी वित्तीय वर्ष 2010-11 से ऐसे शेयरधारकों को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना, वार्षिक रिपोर्ट आदि जैसे दस्तावेजों की इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी कर रहा है, जिनकी ईमेल आईडी संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों (डीपी) या पंजीयक और आरटीए के साथ पंजीकृत हैं। ऐसे शेयरधारकों, जिनके ईमेल आईडी पंजीकृत हैं, को इलेक्ट्रॉनिक रूप से लाभांश जमा (अंतरिम या अंतिम) और टीडीएस कटौती, यदि कोई हो, की सूचना भी भेजी जा रही है।

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक रिपोर्ट के साथ कंपनी की 56^{वीं} वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना, उन सभी सदस्यों को ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी, जिनके ई-मेल आईडी कंपनी के साथ पंजीकृत हैं।

कंपनी ने भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयर धारित किए हुए शेयरधारकों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए, उन्हें ईमेल आईडी पंजीकृत करने या अपडेट करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किए हैं। ऐसे शेयरधारक जिन्होंने अभी तक अपनी ई-मेल आईडी को पंजीकृत या अद्यतन नहीं किया है, वे ई-मेल आईडी के पंजीकरण और आगामी एजीएम में मतदान के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्ति के लिए 56^{वीं} वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना में उल्लिखित प्रक्रिया का पालन कर सकते हैं।

7.1 पोस्टल बैलेट

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कोई पोस्टल बैलेट नहीं लिया गया।

इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान डाक मतपत्र के माध्यम से कोई विशेष प्रस्ताव पारित किए जाने का प्रस्ताव/उम्मीद नहीं है।

8. सचिवीय लेखापरीक्षा

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी की सचिवीय लेखापरीक्षा मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सेक्रेटरीज द्वारा की गई है और उन्होंने अपनी रिपोर्ट कंपनी को सौंप दी है। सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति हितधारकों की जानकारी के लिए इस वार्षिक रिपोर्ट में संलग्न है। इसके अलावा, सचिवीय लेखापरीक्षक की टिप्पणियां और उन पर प्रबंधन का उत्तर, इस वार्षिक रिपोर्ट के भाग के रूप में बोर्ड की रिपोर्ट में दिया जा रहा है।

9. संबंधित पक्षकार के साथ संव्यवहार

कंपनी ने सेबी एलओडीआर विनियमों के नवीनतम प्रावधानों के अनुसार संबंधित पक्षकार के साथ संव्यवहार (लेनदेन) और संबंधित पक्षकार के साथ संव्यवहार (लेनदेन) को संभालने के महत्व के संबंध में एक नीति तैयार की है। उक्त नीति के अनुसार, संबंधित पक्षकार के साथ सभी संव्यवहार (लेन-देन) लेखा परीक्षा समिति और/या निदेशक मण्डल या शेयरधारकों, जैसा भी मामला हो, द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं। अधिनियम के लागू प्रावधानों के अनुसार संबंधित पक्षकारों के साथ संव्यवहार (लेनदेन) को लेखाओं की टिप्पणियों में शामिल किया गया है। यह नीति <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, संबंधित पक्ष संव्यवहारों का ब्यौरा बोर्ड की रिपोर्ट के साथ संलग्न एओसी-2 में दिया गया है।



10. प्रकटन

1. पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजारों से संबंधित गैर-अनुपालन का कोई मामला सामने नहीं आया है और कंपनी ने लिस्टिंग विनियमों, अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों, आईसीएसआई और डीपीई द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया गया है, की सभी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, सिवाय बोर्ड की संरचना और उसकी समितियों से संबंधित, जो एक निश्चित अवधि के लिए कंपनी के बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण थीं।

उपरोक्त गैर-अनुपालन के कारण, एनएसई और बीएसई ने जुर्माना लगाया है, जिसका विवरण कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। हालाँकि, आरईसी ने एनएसई और बीएसई से जुर्माने में छूट का अनुरोध किया है, क्योंकि आरईसी एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति की शक्ति भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है, जो प्रशासनिक मंत्रालय यानी एमओपी के माध्यम से कार्य करते हैं। कंपनी नियुक्ति प्राधिकारी यानी एमओपी से अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का अनुरोध कर रही है और कंपनी की निदेशकों की नियुक्ति या अपने बोर्ड की संरचना को बनाए रखने में कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि यह कंपनी के नियंत्रण से बाहर है।

2. सांविधिक प्रावधानों के तहत यथाअपेक्षित, सभी विवरणियाँ, रिपोर्ट और प्रकटन स्टॉक एक्सचेंजों और अन्य प्राधिकरणों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर दाखिल कराए गए थे।

3. कंपनी सूचियन नियमों के विनियम 17 से 27 की समय-समय पर यथासंशोधित बोर्ड, समितियों और कॉर्पोरेट सुशासन से संबंधित अपेक्षाओं और सूचियन विनियमावली के विनियम 46 के तहत कंपनी की वेबसाइट का रख-रखाव करने और अद्यतन करने से संबंधित अपेक्षाओं का, जहाँ कंपनी के पास उपर्युक्त बिन्दु 1 में यथावर्णित अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशक नहीं हैं, को छोड़कर अनुपालन किया है।

कंपनी सूचियन विनियमावली की अनुसूची V के भाग ग के अनुसार कॉर्पोरेट सुशासन संबंधी रिपोर्ट के तहत प्रकटीकरण अपेक्षाओं का भी अनुपालन किया है। इसके अतिरिक्त, सूचियन विनियमावली के विनियम 46 और विनियम 62 के अनुपालन में, कंपनी ने अन्य बातों के साथ-साथ अपनी वेबसाइट <https://recindia.nic.in/disclosures-under-regulation-46-of-sebi> पर संगत सूचना का प्रकटन किया है।

4. कंपनी बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक जोखिम प्रबंधन नीति का अनुपालन करती है, जिसमें विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम को कम करने के लिए तैयार की गई हेजिंग नीति शामिल है। इस नीति में विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के प्रबंधन के लिए एक कार्यवाहक स्थापित किया गया है जिससे विदेशी मुद्रा मूल्यवर्ग की परिसंपत्तियों, देयताओं और ऑफ-बैलेंस शीट व्यवस्थाओं के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विभिन्न हेजिंग तकनीकें इस जोखिम के प्रभावी ढंग से प्रबंधन के लिए उपयोग की गई हैं।

विदेशी मुद्रा जोखिमों के संबंध में उपर्युक्त प्रकटन लेखाओं की टिप्पणियों में दिए गए हैं, जो लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं। कंपनी के व्यवसाय की प्रकृति ऐसी नहीं है, जिससे कि किसी भी कमोडिटी कीमत जोखिम में वृद्धि हो सकती है।

5. कंपनी ने जोखिम मूल्यांकन और शमन के बारे में बोर्ड को सूचित करने की प्रक्रिया निर्धारित की है। कंपनी का निदेशक मण्डल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है कि समेकित जोखिमों को एक उचित निर्धारित फ्रेमवर्क के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, बोर्ड की एक जोखिम प्रबंधन समिति भी मौजूद है।

6. निदेशकों और अधिकारियों को क्षतिपूर्ति करने के लिए, कंपनी ने एक 'निदेशक और अधिकारी (डी एंड ओ) देयता बीमा पॉलिसी' प्राप्त की है, जो कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों के प्रति उत्पन्न होने वाली देयताओं को व्यापक रूप से कवर करती है। बीमा पॉलिसी में कंपनी के स्वतंत्र निदेशक, कंपनी सचिव, अन्य प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक तथा सभी प्रबंधक और उनसे ऊपर के स्तर के अधिकारी सहित आरईसी के निदेशक मण्डल को कवर किया जाता है।
7. संबंधित पक्षकारों अर्थात् प्रमोटरों, निदेशकों या प्रबंधन के साथ कंपनी के हितों के विपरीत कोई महत्वपूर्ण लेन-देन नहीं किया गया था। इसके अलावा, स्वतंत्र निदेशकों के पास कंपनी का कोई इक्विटी शेयर नहीं है।
8. कंपनी ने निदेशक (निदेशकों) या प्रबंधन या उनके रिश्तेदारों या कंपनियों और फर्मों आदि के साथ कोई महत्वपूर्ण, वित्तीय या वाणिज्यिक संव्यवहार (लेन-देन) नहीं किया है, जिसमें उन्हें या तो प्रत्यक्ष रूप से या अपने रिश्तेदारों के माध्यम से निदेशक और/या भागीदारों के रूप में लाभ मिला हो।
9. वरिष्ठ प्रबंधन के सभी सदस्यों ने बोर्ड के समक्ष सभी महत्वपूर्ण, वित्तीय और वाणिज्यिक संव्यवहारों (लेन-देन) से संबंधित प्रकटीकरण किया है, जिनमें उनके व्यक्तिगत हित हैं जो संभवतः बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के विरोधाभासी (उदाहरण के लिए, कंपनी के शेयरों में संव्यवहार करना, प्रबंधन और उनके रिश्तेदारों आदि की शेयरधारिता वाले निकायों के साथ वाणिज्यिक संव्यवहार) हो सकते हैं और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विरोधाभास का ऐसा कोई मामला नहीं था।
10. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों ने उन फर्मों और कंपनियों को ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम प्रदान नहीं किया, जिनमें निदेशकों के हित हैं।
11. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रशासनिक और कार्यालय व्यय पिछले वित्तीय वर्ष के ₹164.21 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹185.97 करोड़ हो गए हैं, जो कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों में सामान्य वृद्धि के अनुरूप मामूली बदलाव है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में प्रशासनिक और कार्यालय व्यय 0.51% थे (पिछले वित्तीय वर्ष में 0.56%)।
12. कंपनी ने ऐसा कोई भी व्यय नहीं किया है जो व्यवसाय के उद्देश्य के लिए नहीं है। इसके अलावा, कोई भी ऐसा व्यय नहीं किया गया जो प्रकृति में व्यक्तिगत था और निदेशक मण्डल और शीर्ष प्रबंधन के लिए किया गया था।
13. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), लाभ और हानि विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और नकदी प्रवाह विवरण, कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 ("इंड एसए"), यथासंशोधित, और भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत अन्य लेखांकन सिद्धांतों के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं।
14. वित्तीय वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी रिपोर्ट में सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा कोई लेखा परीक्षा आपत्ति नहीं की गई है। इसके अलावा, कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया है कि सांविधिक लेखा परीक्षकों ने सूचियन विनियमावली के प्रावधान के अनुरूप, बिना संशोधित राय के स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
15. कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कोई स्टॉक विकल्प/ईएसओपी जारी नहीं किया है।
16. कॉर्पोरेट सुशासन के संबंध में डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, डीपीई के माध्यम से विद्युत मंत्रालय को तिमाही अनुपालन

रिपोर्ट निर्धारित समय के भीतर प्रस्तुत की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान डीपीई को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने का ब्यौरा इस प्रकार है:

समाप्त तिमाही के लिए रिपोर्ट	रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तिथि
30 जून, 2024	15 जुलाई, 2024
30 सितंबर, 2024	10 अक्टूबर, 2024
31 दिसंबर, 2024	06 जनवरी, 2025
31 मार्च, 2025	07 अप्रैल, 2025

इसके अतिरिक्त, चार तिमाहियों के स्कोर के आधार पर वार्षिक स्कोर (चार तिमाहियों का समेकित स्कोर) को सम्मिलित करते हुए, अब डीपीई की वेबसाइट पर स्वचालित रूप से सृजित है।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की सभी तिमाहियों के लिए निर्धारित समय के भीतर सूचियन विनियमावली के विनियम 27(2)(क) के तहत कॉर्पोरेट सुशासन संबंधी तिमाही अनुपालन रिपोर्ट स्टॉक एक्सचेंजों को भी प्रस्तुत की है।

17. महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिरोध) अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुरूप, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उक्त अधिनियम के तहत शिकायतों के संबंध में प्रकटीकरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	विवरण	शिकायतों की संख्या
1.	वित्तीय वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	शून्य
2.	वित्तीय वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	शून्य
3.	वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	शून्य

18. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान और पिछले तीन वर्षों में, कंपनी को कोई राष्ट्रपति के निर्देश नहीं मिले हैं।

19. आरईसी अधिनियम की धारा 2(45) के अर्थ में एक सीपीएसई और सरकारी कंपनी होने के नाते, आरईसी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति करने की शक्ति भारत के राष्ट्रपति के पास प्रशासनिक मंत्रालय यानी एमओपी के माध्यम से निहित है। जब भी आरईसी के बोर्ड में नए स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति की जाती है, कंपनी अपने स्वतंत्र निदेशक को व्यवसाय और संचालन की प्रकृति, कंपनी की रणनीति और प्रदर्शन, स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों और समय-समय पर अन्य प्रासंगिक विषयों से परिचित कराती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने अपने स्वतंत्र निदेशकों के लिए 2 (दो) ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, कंपनी ने उन्हें कंपनी की प्रक्रियाओं और प्रथाओं से परिचित कराने के लिए आवश्यक दस्तावेज, रिपोर्ट, आंतरिक नीतियां आदि भी प्रदान कीं।

इसके अलावा, बोर्ड और समिति की बैठकों में प्रस्तुतीकरणों की सहायता से, निदेशकों, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मिकों और कंपनी के अन्य अधिकारियों के साथ नियमित संवाद, स्वतंत्र निदेशकों को सभी प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों के लिए आयोजित परिचय कार्यक्रमों का विवरण <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-famlriztn-prgrme-indpndt-dirctr-dt040625.pdf> पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, कॉर्पोरेट सुशासन के संबंध में डीपीई के दिशानिर्देशों की अपेक्षा के अनुसार, कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए एक नीति तैयार की है। बोर्ड के सदस्य अपनी आवश्यकता के आधार पर समय-समय पर विभिन्न सेमिनारों, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेते हैं।

20. कंपनी ने सभी अनिवार्य मदों (बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों को छोड़कर) को अपनाया है; और कंपनी ने सूचियन विनियमावली के तहत निर्धारित कॉर्पोरेट सुशासन पर कुछ गैर-अनिवार्य मदों को भी अपनाया है, जिसकी स्थिति निम्नानुसार है:

- क) बोर्ड: कंपनी के प्रमुख, एक कार्यपालक अध्यक्ष हैं;
- ख) शेयरधारक के अधिकार: कंपनी शेयरधारकों/निवेशकों को सभी प्रासंगिक जानकारी यथासमय उपलब्ध करा रही है, ताकि उन्हें कंपनी के प्रमुख निर्णयों के बारे में पर्याप्त रूप से सूचित किया जा सके;
- ग) लेखापरीक्षा रिपोर्ट में संशोधित राय: वित्तीय वर्ष 2024-25 से संबंधित कोई लेखा परीक्षा आपत्ति/संशोधित राय नहीं है और कंपनी सदैव आपत्तिरहित वित्तीय विवरणों को बनाए रखने का प्रयास करती है;
- घ) अध्यक्ष और एमडी या सीईओ के अलग-अलग पद: अध्यक्ष और सीईओ के कोई अलग पद नहीं हैं;
- ङ) आंतरिक लेखापरीक्षक की रिपोर्टिंग: कंपनी के आंतरिक लेखापरीक्षा प्रकाय के प्रमुख, सीधे लेखापरीक्षा समिति को रिपोर्ट करते हैं और उन्हें लेखापरीक्षा समिति की बैठकों में आमंत्रित किया जाता है।

21. सूचियन विनियमावली के विनियम 32(7क) और विनियम 52(7) के तहत निर्दिष्ट अधिमानी आबंटन या योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट के माध्यम से जुटाई गई धनराशि के उपयोग का विवरण समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लागू नहीं था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2024-25 में बॉण्डों के निजी प्लेसमेंट के निर्गम आय के उपयोग में कोई भिन्नता नहीं थी।

22. आरईसी की क्रेडिट रेटिंग नीचे दी गई है:

विवरण	क्रेडिट रेटिंग
घरेलू दीर्घावधिक उधारियां	क्रिसिल एएए, आईसीआरए एएए, केयर एएए, इंड एएए
घरेलू दीर्घावधिक मूलधन संरक्षित बाजारों से जुड़े डिबेंचर	क्रिसिल पीपी-एमएलडी एएए, आईसीआरए पीपी-एमएलडी एएए
घरेलू सतत बॉण्ड	क्रिसिल एएए, केयर एएए
घरेलू अल्पावधिक उधारियां	क्रिसिल ए1+, आईसीआरए ए1+, केयर ए1+, इंड ए1+
अंतर्राष्ट्रीय दीर्घावधिक जारीकर्ता रेटिंग	बीबीबी- (फिच), बीएए3 (मूडीज), बीबीबी+ (जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी)

23. वार्षिक आधार पर, कंपनी प्रत्येक निदेशक से अन्य कंपनियों में उनके द्वारा बोर्ड और समिति में धारित पदों और उनमें परिवर्तन, यदि कोई हो, का विवरण प्राप्त करती है। इसके अतिरिक्त, मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सेक्रेटरीज, ने यह पुष्टि करते हुए एक प्रमाण पत्र प्रदान किया है कि कंपनी के बोर्ड में किसी भी निदेशक को सेबी, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय या किसी अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने या पद पर बने रहने से वंचित या अयोग्य



नहीं ठहराया गया है। उक्त प्रमाण पत्र की प्रति इस रिपोर्ट के अनुलग्नक-क पर दी गई है।

24. विशिष्ट प्रचालन क्षेत्रों की निगरानी के लिए, कंपनी के निदेशक मण्डल ने विभिन्न बोर्ड-स्तरीय समितियों का गठन किया है और इन समितियों को कुछ प्रकार्य सौंपे हैं। संबंधित समिति (समितियाँ) अपने नियत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं और सुविज्ञ निर्णय लेती हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर, निदेशक मण्डल द्वारा आगे विचार किए हेतु सिफारिशें करती हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निदेशक मण्डल द्वारा कंपनी की किसी बोर्ड-स्तरीय समिति की ओर से की गई सिफारिश को स्वीकार न किए जाने का कोई मामला नहीं था।
25. उपलब्ध सूचना के अनुसार, सूचियन विनियमावली की अनुसूची-III के भाग क के पैरा क के खंड 5 के अंतर्गत उसमें उल्लिखित पक्षकारों द्वारा कोई करार नहीं किया गया है।

11. लागू कानूनों का अनुपालन

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने अप्रैल 2022 में एनबीएफसी के लिए 'अनुपालन कार्य' और मुख्य अनुपालन अधिकारी (सीसीओ) की भूमिका पर दिशानिर्देश जारी किए हैं। तदनुसार, एक समर्पित अनुपालन प्रभाग स्थापित किया गया है, जिसका नेतृत्व सीसीओ करते हैं। सीसीओ को अनुपालन जोखिम की पहचान और प्रबंधन के समन्वय और अनुपालन कार्य की गतिविधियों का पर्यवेक्षण करने की समग्र जिम्मेदारी सौंपी गई है और वह सीएमडी/बोर्ड को रिपोर्ट करते हुए स्वतंत्र रूप से कार्य करता है।

कंपनी के पास एक व्यापक बोर्ड-अनुमोदित अनुपालन नीति है, जो अनुपालन प्रभाग की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करती है और अनुपालन संबंधी जोखिम पहचान, मापन, निगरानी, समीक्षा, मूल्यांकन और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक ढांचा प्रदान करती है। इस ढाँचे के अनुसार, अनुपालन प्रभाग कंपनी पर लागू सभी कानूनों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, वैधानिक, नीतिगत और संबंधित प्रक्रियात्मक अनुपालनों की स्थिति को संकलित करता है और आवधिक समीक्षा के लिए वरिष्ठ प्रबंधन/बोर्ड को प्रस्तुत करता है। कंपनी के पास लागू कानूनों, संबंधित वैधानिक और प्रक्रियात्मक अनुपालनों के अनुपालन की निगरानी के लिए इन-हाउस वर्कफ़्लो-आधारित ईआरपी प्रणाली मौजूद है।

आरबीआई की आवश्यकताओं के अनुसार, कंपनी को आरबीआई पोर्टल जैसे कि दक्ष- रिज़र्व बैंक पर्यवेक्षी अग्रिम निगरानी प्रणाली और केंद्रीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली (सीआईएमएस) पर पोर्टल के माध्यम से विभिन्न रिटर्न/अनुपालन प्रस्तुत करने के लिए जोड़ा गया है।

12. बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यवसाय आचार एवं नीति संहिता

कंपनी में "बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यवसाय आचार और नीति संहिता" मौजूद है, जो कंपनी के सभी निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों पर लागू होती है। उक्त संहिता कंपनी के मिशन/विजन और उद्देश्यों के अनुरूप है और इसका लक्ष्य कंपनी के मामलों के प्रबंधन में नैतिक और पारदर्शी प्रक्रिया को बढ़ावा देना है।

यह संहिता <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf> पर उपलब्ध है।

बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों से प्राप्त अभिप्राय के आधार पर, कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा उक्त संहिता के अनुपालन के संबंध में की गई घोषणा अनुलग्नक ख में है।

13. नामित व्यक्तियों और उनके रिश्तेदारों द्वारा व्यवसाय के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग तथा उचित प्रकटीकरण के लिए आचार संहिता

कंपनी में "नामित व्यक्तियों और उनके निकट संबंधियों द्वारा व्यवसाय के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग तथा उचित प्रकटीकरण के लिए आचार संहिता" मौजूद है, जो इस उद्देश्य से तैयार की गई है कि नामित व्यक्ति और उनके निकट संबंधियों रिश्तेदार, जैसा कि उक्त संहिता में परिभाषित किया गया है, कंपनी के बारे में अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई), जो सार्वजनिक डोमेन में नहीं है और इस प्रकार आंतरिक जानकारी का भाग है, तक पहुंच और उसके परिग्रह के जरिए कोई लाभ प्राप्त नहीं करते हैं या कोई लाभ प्राप्त करने के लिए दूसरों की सहायता नहीं करते हैं। कंपनी सचिव को कंपनी का अनुपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है; और वह उक्त संहिता के पालन के लिए उत्तरदायी है। उक्त संहिता कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

उक्त संहिता में यूपीएसआई के प्रकटीकरण की रोकथाम के उद्देश्य के लिए नीतियां और प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं और संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए आंतरिक नियंत्रण के पर्याप्त तंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें यूपीएसआई के उचित प्रकटीकरण और वैध उद्देश्यों को निर्दिष्ट करने के लिए अपनाई जाने वाली परिपाटियों, प्रक्रियाओं और मानदंडों को भी निर्धारित किया गया है, जिसके अधीन यूपीएसआई को आरईसी के किसी भी हितधारी या व्यवसाय भागीदार के साथ साझा किया जा सकता है। संहिता में कंपनी के इकिटी शेयरों/प्रतिभूतियों में संव्यवहार करते समय पालन की जाने वाली प्रक्रियाओं और किए जाने वाले प्रकटीकरण तथा गैर-अनुपालन के परिणामों को निर्दिष्ट किया गया है।

उक्त संहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप, जब भी किसी यूपीएसआई को तिमाही परिणामों पर विचार सहित विचार और अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, तो ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई थी और ट्रेडिंग विंडो को बंद करने की सूचना नामित कार्मिकों और संबंधित व्यक्तियों को अग्रिम रूप से जारी की गई थी। इसके अतिरिक्त, जब ट्रेडिंग विंडो बंद की जाती है, तो उन्हें और उनके परिवार के आश्रित सदस्यों को कंपनी की सूचीबद्ध प्रतिभूतियों में व्यवसाय करने से रोकते हुए, कंपनी की वेबसाइट के साथ-साथ स्टॉक एक्सचेंजों, जिनमें कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, पर भी उचित घोषणाएं की जाती हैं।

14. धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति

कंपनी में धोखाधड़ी की गतिविधियों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए, संगठन में पारदर्शी कार्यों और नैतिक आचरण सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण स्थापित करने हेतु एक मजबूत धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति है। इस नीति में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है, जिनमें धोखाधड़ी का पता लगाने और रोकथाम में प्रबंधन की जिम्मेदारियां तय करना, धोखाधड़ी की गतिविधियों में कार्मिकों और हितधारकों को शामिल होने से रोकने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश प्रदान करना और धोखाधड़ी क्रियाकलापों का संदेह होने पर की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई का उल्लेख करना शामिल है। इसमें किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी क्रियाकलाप की पूरी तरह से जांच करने के साथ-साथ नामित नोडल अधिकारी को धोखाधड़ी की सूचना देने के लिए समयसीमा और निर्दिष्ट ब्यौरे के लिए अधिदेशित किया गया है। इसके अतिरिक्त, आरईसी में कंपनी के विरुद्ध किसी भी रूप में धोखाधड़ी के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण है। उक्त नीति <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

15. व्हिसल ब्लोअर नीति

कंपनी में अधिनियम के प्रावधानों, सूचियन विनियमावली और कॉर्पोरेट सुशासन के संबंध में डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार, एक "व्हिसल ब्लोअर नीति" है। व्हिसल ब्लोअर नीति में आरईसी और/या उसकी सहायक कंपनियों के निदेशकों/कार्मिकों को किसी भी कथित कदाचार या दुराचार, जो कंपनी के व्यवसाय या प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकती है, के बारे में मामला उठाने के लिए अधिकारी दिया गया है। शिकायत करने के तरीका और सक्षम प्राधिकारी के बारे में नीति में उल्लेख किया गया है। यह नीति <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

इसके अलावा, यह पुष्टि की जाती है कि किसी भी कार्मिक को लेखा परीक्षा समिति तक पहुँच से वंचित नहीं किया गया है। व्हिसल ब्लोअर नीति के अनुसार समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई और जहाँ भी आवश्यक हो, शिकायतकर्ता को सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक व्यवस्था लागू की गई है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, आरईसी ने केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा 17 मई, 2004 के कार्यालय आदेश के तहत जारी व्हिसल ब्लोअर नीति (पीआईडीपीआई संकल्प) को भी अपनाया है और इसे कंपनी की "सतर्कता पुस्तिका" में शामिल किया गया है।

16. लेखापरीक्षकों को भुगतान किया गया कुल शुल्क

आरईसी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा आरईसी के सांविधिक लेखापरीक्षकों और नेटवर्क फर्म/नेटवर्क इकाई, जिसके सांविधिक लेखापरीक्षक एक भाग हैं, में सभी संस्थाओं को सभी सेवाओं के लिए, समेकित आधार पर, भुगतान किए गए कुल शुल्क का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	विवरण	₹ करोड़ में)	
		वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
क.	सांविधिक लेखापरीक्षक को भुगतान किया गया शुल्क:		
(i)	लेखापरीक्षक के रूप में	0.68	0.68
(ii)	कराधान मामलों के लिए	0.16	0.16
(iii)	कंपनी विधि के मामलों के लिए (सीमित समीक्षा शुल्क सहित)	0.37	0.36
(iv)	अन्य सेवाओं के लिए:	0.18	0.38
(v)	खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए	0.20	0.05
उप जोड़		1.59	1.63
ख.	लेखापरीक्षकों को भुगतान किए गए शुल्क के संबंध में गैर-वसूली योग्य कर क्रेडिट	0.13	0.13
कुल (लेखापरीक्षक शुल्क और व्यय)		1.72	1.76

17. संचार के साधन

कंपनी, सभी हितधारकों के साथ प्रासंगिक सूचनाओं के सम्योचित संचार को कंपनी के समग्र कॉर्पोरेट सुशासन फ्रेमवर्क के प्रमुख घटकों के रूप में मान्यता देती है। कंपनी एक व्यापक और समावेशी पहुँच सुनिश्चित करते हुए, शेयरधारकों, बॉण्डधारकों और अन्य हितधारकों के साथ विभिन्न प्लेटफार्मों पर व्याप्त संचार के विभिन्न माध्यमों से संसूचित करती है।

परंपरागत विधियों जैसे समाचार-पत्र और पत्रिका विज्ञापनों, आयोजनों और प्रदर्शनियों तथा प्रेस बैठकों से कंपनी की सूचना का व्यापक और प्रभावी प्रचार किया जाता है। कंपनी निवेशक समुदाय में पारदर्शिता

और विश्वास बनाए रखने के लिए मीडिया वार्ताओं और निवेशक बैठकों का भी आयोजन करती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी सोशल मीडिया पर भी नियमित रूप से हितधारकों के साथ जुड़ी है, ताकि अपने हितधारकों के साथ अधिक व्यक्तिगत और शीघ्रता से जुड़ सके। कंपनी अपने सभी हितधारकों के साथ सशक्त और खुली वार्ता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवीनतम अपडेट और समय-समय पर स्टॉक एक्सचेंजों में किए गए प्रासंगिक कॉर्पोरेट प्रकटीकरण, तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम, शेयरधारिता पैटर्न, वार्षिक रिपोर्ट और आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति और संस्थागत निवेशकों या विश्लेषकों को किए गए परिणाम प्रस्तुतीकरण सहित अन्य प्रासंगिक जानकारी आरईसी की वेबसाइट अर्थात् <https://recindia.nic.in/disclosuresunder-regulation-46-of-sebi> पर निवेशक खंड के अंतर्गत उपलब्ध है। इसके अलावा, कंपनी के वित्तीय परिणाम राष्ट्रीय समाचार पत्रों जैसे इकोनॉमिक टाइम्स (अंग्रेजी और हिंदी), मिट (अंग्रेजी), फाइनेंशियल एक्सप्रेस (अंग्रेजी), हिंदुस्तान नवभारत टाइम्स (हिंदी), हिंदुस्तान टाइम्स (हिंदी) और जनसत्ता (हिंदी) आदि में प्रकाशित किए जाते हैं।

कंपनी ने अपने शेयरधारकों और बॉण्डधारकों के प्रश्नों के समाधान के लिए निर्दिष्ट दूरभाष नंबर और ई-मेल आईडी है। ये विवरण <https://recindia.nic.in/investors-contact> पर प्राप्त किए जा सकते हैं।

18. सीईओ/सीएफओ प्रमाणन

सूचियन विनियमावली के विनियम 17(8) के अनुसार, बोर्ड के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग और आंतरिक नियंत्रण के संबंध में कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जिनके पास निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार है, द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र के साथ-साथ दिनांक 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के वार्षिक लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों को दिनांक 08 मई, 2025 को आयोजित बोर्ड बैठक में बोर्ड के समक्ष रखा गया था। उक्त प्रमाण पत्र की एक प्रति इस रिपोर्ट के अनुलग्नक-ग पर संलग्न है।

19. शेयरधारकों के संबंध में सामान्य जानकारी

i. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक आम बैठक

शेयरधारकों की आगामी 56वीं वार्षिक आम बैठक निम्नलिखित दिन, दिनांक और समय पर वीडियो कांफ्रेंसिंग/अन्य श्रव्य-दृश्य माध्यमों से आयोजित की जाएगी:-

दिन, दिनांक	मंगलवार, 27 अगस्त, 2025
समय	11:00 बजे पूर्वाह्न (भारतीय मानक समय)

उक्त बैठक में भाग लेने से संबंधित विवरण और अन्य प्रासंगिक जानकारी कंपनी की 56वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना, जो इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग है, में दर्शायी गई है।

ii. वित्तीय कैलेंडर (वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए)

पिछले/पूर्ण वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में अगले/आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वित्तीय कैलेंडर निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष लेखांकन अवधि	वित्तीय वर्ष 2024-25		वित्तीय वर्ष 2025-26	
	1-अप्रैल-2024 से 31-मार्च-2025		1-अप्रैल-2025 से 31-मार्च-2026	
वित्तीय परिणामों की घोषणा	पहली तिमाही	27-जुलाई-2024	पहली तिमाही	तिमाही के अंत से 45 दिनों के भीतर
	दूसरी तिमाही	26-अक्टूबर-2024	दूसरी तिमाही	
	तीसरी तिमाही	6-फरवरी-2025	तीसरी तिमाही	
	चौथी तिमाही एवं वार्षिक	8-मई-2025	चौथी तिमाही एवं वार्षिक	वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 60 दिनों के भीतर
वार्षिक आम बैठक की तिथि	अगस्त 27, 2025		अगस्त, 2026	



iii. लाभांश

(क) लाभांश वितरण नीति

कंपनी ने सेबी एलओडीआर विनियमों के विनियम 43क के अनुपालन में एक लाभांश वितरण नीति तैयार की है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उन वित्तीय मानकों सहित ऐसे बाहरी और आंतरिक कारकों को निर्दिष्ट किया गया है, जिन पर लाभांश की घोषणा करते समय विचार किया जाएगा और जिन परिस्थितियों में कंपनी के शेयरधारकों लाभांश की उम्मीद कर सकती है या नहीं सकते हैं। यह नीति <https://recindia.nic.in/policies> पर उपलब्ध है।

(ख) वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लाभांश

अधिनियम की धारा 123 और समय-समय पर संशोधित कंपनी (लाभांश की घोषणा और भुगतान) नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी के संगम अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन) के अनुच्छेद 114 के अनुसरण में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निम्नानुसार अंतरिम लाभांश का भुगतान किया और अंतिम लाभांश की सिफारिश की है:

(राशि ₹ में)		
विवरण	लाभांश भुगतान की तारीख	लाभांश प्रति इक्विटी शेयर (रुपए में)
पहला अंतरिम लाभांश	23-अगस्त-2024	3.50/-
दूसरा अंतरिम लाभांश	29 नवंबर, 2024	4.00/-
तीसरा अंतरिम लाभांश	6 मार्च, 2025	4.30/-
चौथा अंतरिम लाभांश	16-Apr-2025	3.60/-
अंतिम लाभांश	घोषणा की तिथि से 30 दिवस*	2.60/-
कुल		18.00/-

*56वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधधीन

पिछले पांच वित्तीय वर्षों के लिए लाभांश का विवरण

वित्तीय वर्ष	रिकार्ड तिथि को कुल संदत्त पूंजी (₹ करोड़ में)	भुगतान किए गए लाभांश की कुल राशि (₹ करोड़ में)	लाभांश की दर (%)	भुगतान की तिथि	लाभांश प्रति ₹10/- वाले इक्विटी शेयर
2019-20	1,974.92	2,172.41	110.00	24-फरवरी-2020	अंतरिम लाभांश (₹11.00)
2020-21	1,974.92	2,510.12	127.10	3-दिसंबर-2020	पहला अंतरिम लाभांश (₹6.00)
				30-मार्च-2021	अंतरिम लाभांश (₹5.00)
				21-अक्टूबर-2021	अंतिम लाभांश (₹1.71)
2021-22	1,974.92	3,021.63	153.00	2-सितम्बर-2021	पहला अंतरिम लाभांश (₹2.00)
				25-नवंबर-2021	अंतरिम लाभांश (₹2.50)
				3-मार्च-2022	अंतरिम लाभांश (₹6.00)
				13-अक्टूबर-2022	अंतिम लाभांश (₹4.80)
2022-23	2,633.22	3,317.86	126.00	24-नवंबर-2022	पहला अंतरिम लाभांश (₹5.00)
				28-फरवरी-2023	अंतरिम लाभांश (₹3.25)
				05-अक्टूबर-2023	अंतिम लाभांश (₹4.35)
2023-24	2,633.22	4,213.16	160.00	24-अगस्त-2023	पहला अंतरिम लाभांश (₹3.00)
				30-नवंबर-2023	अंतरिम लाभांश (₹3.50)
				16-अप्रैल-2024	अंतरिम लाभांश (₹4.50)
				18-सितम्बर-2024	अंतिम लाभांश (₹5.00)

(ग) अप्रदत्त/दावा न किए गए लाभांश के संबंध में इक्विटी शेयरों और अप्रदत्त/दावा न किए गए मूलधन/ब्याज के संबंध में डिबेंचर आदि और इक्विटी शेयरों और डिबेंचर के मूलधन और ब्याज को निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में अंतरित कर दिया गया है।

आईईपीएफ में अंतरित राशि

अधिनियम, की धारा 124(5) के अनुसरण में, ऋण प्रतिभूतियों के संबंध में लाभांश राशि और मूलधन और ब्याज की राशि, जो सात वर्षों की अवधि के लिए प्रदत्त/अदावाकृत हैं, को केंद्रीय सरकार के निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में अंतरित कर दिया गया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आईईपीएफ में अंतरण के लिए लाभांश की निम्नलिखित राशियां देय हो गईं, जिन्हें नीचे दिए गए

विवरण के अनुसार जमा किया गया था:

विवरण	आईईपीएफ अंतरण की तिथि	राशि (₹ में)
अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016-17	2-अप्रैल-2024	57,54,889
अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016-17	20-नवंबर-2024	35,36,912
कुल		92,91,801

टिप्पणी: उपरोक्त के अतिरिक्त, 4 अप्रैल, 2025 को वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए अंतरिम लाभांश के रूप में ₹68,86,248 भी आईईपीएफ में स्थानांतरित कर दिए गए हैं।

कंपनी समय-समय पर समाचार पत्रों में सूचनाएँ जारी करती रही है ताकि शेयरधारकों का ध्यान अवैतनिक/अदावाकृत लाभांश

के लिए अपने दावे प्रस्तुत करने हेतु आकर्षित किया जा सके। सभी शेयरधारकों को पुनः सलाह दी जाती है कि वे लाभांश से संबंधित अपने वारंट तुरंत भुना लें या पुराने वारंट के स्थान पर पुनर्वैधीकरण या डिमांड ड्राफ्ट जारी करने या ऑनलाइन भुगतान के लिए कंपनी के आरटीए को लिखें।

आईईपीएफ अधिनियम की धारा 125 और आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखापरीक्षा, हस्तांतरण एवं वापसी) नियम, 2016 (आईईपीएफ नियम) के अनुसार, सभी परिपक्व डिबेंचर और उन पर अर्जित ब्याज, जो भुगतान की तिथि से सात वर्ष की अवधि तक दावा रहित और अप्रदत्त रहे हैं, आईईपीएफ को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में डिबेंचर पर दावा रहित मूलधन/ब्याज के संबंध में निम्नलिखित राशि आईईपीएफ को हस्तांतरित कर दी गई है:

विवरण	आईईपीएफ में अंतरण की तिथि	राशि रुपये में
मूलधन अवसंरचना बॉण्ड	18-अप्रैल-2024	3,240
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	19-अप्रैल-2024	24,904
मूलधन और ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	22-मई-2024	4,03,487
मूलधन और ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	29-अगस्त-2024	15,97,644
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	25-सितम्बर-2024	1,42,915
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	24-अक्टूबर-2024	45,600
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	11-नवंबर-2024	45,000
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	24-दिसम्बर-2024	3,00,000
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	13-जनवरी-2025	53,975
ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	24-फरवरी-2025	2,34,658
मूलधन और ब्याज 54 ईसी बॉण्ड	28-मार्च-2025	17,74,439
कुल		46,25,862

आईईपीएफ में अंतरित इक्विटी शेयर

आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखांकन, लेखा परीक्षा, अंतरण और धनवापसी) नियम, 2016 (आईईपीएफ नियम) के नियम 6 के साथ पठित अधिनियम की धारा 124(6) के प्रावधानों के अनुसार, ऐसे सभी शेयरों, जिनके संबंध में लगातार सात वर्षों के लिए लाभांश का दावा नहीं किया गया, को कंपनी द्वारा आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में अंतरित करना अपेक्षित है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निम्नलिखित आईईपीएफ शेयर आईईपीएफ में अंतरण के लिए देय बन गए, जिन्हें निम्नलिखित ब्योरे के अनुसार अंतरित कर दिया गया है:

विवरण	आईईपीएफ अंतरण की तिथि	राशि (₹)
अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016-17	11-अप्रैल-2024	16,612
अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016-17	20-नवंबर-2024	33,499
कुल		50,111

टिप्पणी: उपरोक्त के अतिरिक्त, 16,033 इक्विटी शेयर वित्तीय वर्ष 2017-18 के अंतरिम लाभांश के रूप में 4 अप्रैल, 2025 को हस्तांतरित किए गए हैं।

31 मार्च 2025 तक की स्थिति के अनुसार, आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में रखे गए आरईसी लिमिटेड के इक्विटी शेयरों की संख्या 2,55,153 थी।

जिन सदस्यों का उपरोक्त लाभांश और/या शेयरों या ब्याज और/या डिबेंचर के मूलधन पर दावा है, वे एक पात्रता पत्र जारी करने की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए complianceofficer@recindia.com पर एक ई-मेल भेज सकते हैं। पात्रता पत्र में 7 वर्ष पूरे होने पर कंपनी द्वारा आईईपीएफ को हस्तांतरित राशि/लाभांश राशि और/या शेयर की जानकारी होगी। पात्रता पत्र जारी होने के बाद, वेबसाइट www.iepf.gov.in पर उपलब्ध निर्धारित फॉर्म संख्या आईईपीएफ-5 में एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा और फॉर्म, चालान, क्षतिपूर्ति बॉण्ड और अन्य सभी की स्व-सत्यापित भौतिक प्रति दी जाएगी। फॉर्म संख्या आईईपीएफ-5 में उल्लिखित अपेक्षित दस्तावेज, शेयरों और/या लाभांश के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय में कंपनी सचिव और डिबेंचर के लिए ब्याज और/या मूलधन के लिए कार्यपालक निदेशक (वित्त) - संसाधन को "आईईपीएफ प्राधिकरण से धनवापसी के लिए दावा" अंकित किए हुए एक लिफाफे में भेजे जाएंगे।

सभी पहलुओं में पूर्ण दावा प्रपत्रों का सत्यापन किया जाएगा और कंपनी की सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर, आईईपीएफ प्राधिकरण द्वारा दावेदारों के आधार से जुड़े बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक अंतरण और डीमैट खाते में शेयरों के क्रेडिट के माध्यम से धनवापसी (रिफंड) जारी की जाएगी। अधिनियम के उपबंधों के अनुसार, आईईपीएफ प्राधिकरण को अंतरित लाभांश/शेयरों के संबंध में कंपनी के सापेक्ष कोई दावा नहीं किया जाएगा।

नोडल/उप-नोडल अधिकारी

आईईपीएफ नियमों के नियम 7(2 क) के अनुसार, आईईपीएफ मामलों के संबंध में निम्नलिखित व्यक्ति कंपनी के नोडल/उप नोडल अधिकारी हैं:

विवरण	नाम और पदनाम
नोडल अधिकारी	श्री जे. एस. अमिताभ कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव
डिबेंचर/बॉण्ड के लिए उप नोडल अधिकारी	श्री राजेश कुमार कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री अवनीश कुमार भारती महाप्रबंधक (वित्त)
इक्विटी शेयरों के लिए उप नोडल अधिकारी	श्री दिनेश गर्ग महाप्रबंधक (कंपनी सचिव)

कंपनी, वार्षिक आम बैठक के 60 दिन के भीतर अपनी वेबसाइट पर नाम, पता, आईईपीएफ में अंतरित की जाने वाली राशि और आईईपीएफ में राशि के अंतरण की नियत तारीख जैसी जानकारी के साथ कंपनी के शेयरधारकों/बॉण्डधारकों से संबंधित अदावाकृत/प्रदत्त राशियों का विवरण अपनी वेबसाइट <https://recindia.nic.in/unpaid-dividend> पर अपलोड करेगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी द्वारा पहले ही आईईपीएफ में अंतरित की जा चुकी राशियों और शेयरों का शेयरधारक-वार विवरण भी आरईसी की वेबसाइट अर्थात् <https://recindia.nic.in/iepf-details> पर भी उपलब्ध है। कंपनी ने नाम, पता, आईईपीएफ को अंतरित की जाने वाली राशि और आईईपीएफ को राशि के अंतरण की देय तिथि जैसी जानकारी वाली कंपनी के शेयरधारकों/बॉण्डधारकों से संबंधित दावा न की गई/भुगतान न की गई राशियों का विवरण अपनी वेबसाइट <https://recindia.nic.in/iepf-details> पर भी अपलोड किया है। कंपनी द्वारा आईईपीएफ को पहले ही अंतरित की जा चुकी राशियों और शेयरों का निवेशक-वार विवरण आरईसी की वेबसाइट अर्थात् <https://recindia.nic.in/iepf-details> पर भी उपलब्ध है।



iv. इकिटी शेयरों और ऋण प्रतिभूतियों का सूचियन (लिस्टिंग)

आरईसी के इकिटी शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

विवरण	एनएसई	बीएसई
स्क्रिप कोड	आरईसीएलटीडी	532955
पता	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, सी-1, ब्लॉक जी बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400051	बीएसई लिमिटेड फ़िरोज़ जीजीभाय टावर्स, दलाल स्ट्रीट मुंबई -400001
दूरभाष	+91-22-2659 8100/8114	+91-22-2272 1233/34
ईमेल	cmli@nse.co.in	corp.comm@bseindia.com
वेबसाइट	www.nseindia.com	www.bseindia.com

इसके अतिरिक्त, कंपनी की विभिन्न ऋण प्रतिभूतियां भी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, जिनका विवरण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक में दिया गया है।

v. अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन)

आरईसी के इकिटी शेयरों का आईएसआईएन INE020B01018 है। इसके अलावा, कंपनी द्वारा जारी विभिन्न ऋण प्रतिभूतियों के आईएसआईएन का विवरण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक के रूप में दिया गया है।

vi. रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट (आर एंड टीए) का संपर्क विवरण

इकिटी शेयर के लिए आरटीए	
पता	अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड 205-208, अनारकली काम्प्लेक्स, इंडेवालान एक्सटेंशन नई दिल्ली - 110055
दूरभाष	011-42541234
ई-मेल	rta@alankit.com
वेबसाइट	www.alankitassignments.com

विभिन्न ऋण प्रतिभूतियों के लिए आरटीए		
पता	केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट 31 और 32 गाचीबॉवली, फाइनेशियल डिस्ट्रिक्ट नानकरामगुडा हैदराबाद-500 032, भारत	बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (पी) लिमिटेड बीटल हाउस, तीसरा तल 99 मदनगौर, स्थानीय शॉपिंग सेंटर के पीछे, नई दिल्ली-110062
	दूरभाष	1-800-309-4001
ई-मेल	einward.ris@kfintech.com	recbonds3@gmail.com
	gopalakrishna.kvs@kfintech.com	beetal@beetalfinancial.com
वेबसाइट	https://www.kfintech.com/	https://www.beetalfinancial.com/

अप्रैल से जुलाई 2024 की अवधि के दौरान जारी कुछ ऋण प्रतिभूतियों के लिए अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को आरटीए नियुक्त किया गया था। इन निर्गमों के लिए आरटीए को अब केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में बदल दिया गया है और इलेक्ट्रॉनिक डेटा स्थानांतरित कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आरटीए में परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों को दे दी गई है और इस संबंध में जानकारी कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी गई है।

1 अप्रैल, 2025 को या उसके बाद जारी ऋण प्रतिभूतियों के लिए, आरटीए केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (पी) लिमिटेड ही रहेंगे।

vii. शेयर अंतरण प्रणाली

सेबी ने अपने 25 जनवरी, 2022 के परिपत्र के तहत सेवा अनुरोध यथा डुप्लिकेट प्रतिभूति प्रमाणपत्र जारी करने; प्रतिभूति प्रमाणपत्र के नवीनीकरण/परिवर्तन; पृष्ठांकन; प्रतिभूति प्रमाणपत्र के उप-विभाजन/पृथक्करण; प्रतिभूति प्रमाणपत्रों/फोलियो के समेकन; स्थानांतरण और हस्तांतरण पर कार्रवाई करते समय केवल डीमटेरियलाइज्ड फॉर्म में ही प्रतिभूतियां जारी करने के लिए सूचीबद्ध कंपनियों को अधिदेश दिया है। इसके अलावा सेबी ने अपने 18 मई, 2022 के परिपत्र के तहत, प्रक्रिया को सरल बनाया है और प्रतिभूतियों के हस्तांतरण के लिए दस्तावेजों के प्रारूप मानकीकृत किए हैं। तदनुसार, सदस्यों से अनुरोध है कि वे एक विधिवत दाखिल और हस्ताक्षरित फॉर्म आईएसआर-4 प्रस्तुत करके सेवा अनुरोध करें, जिसका फॉर्म कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/forms> पर और कंपनी के आरटीए अलंकित असाइनमेंट की वेबसाइट पर <https://alankitassignments.com/investor-charter> उपलब्ध है। यह उल्लेखनीय है कि कोई भी सेवा अनुरोध, तभी आगे किया जा सकता है, जब फोलियो का केवाईसी पूरा हो।

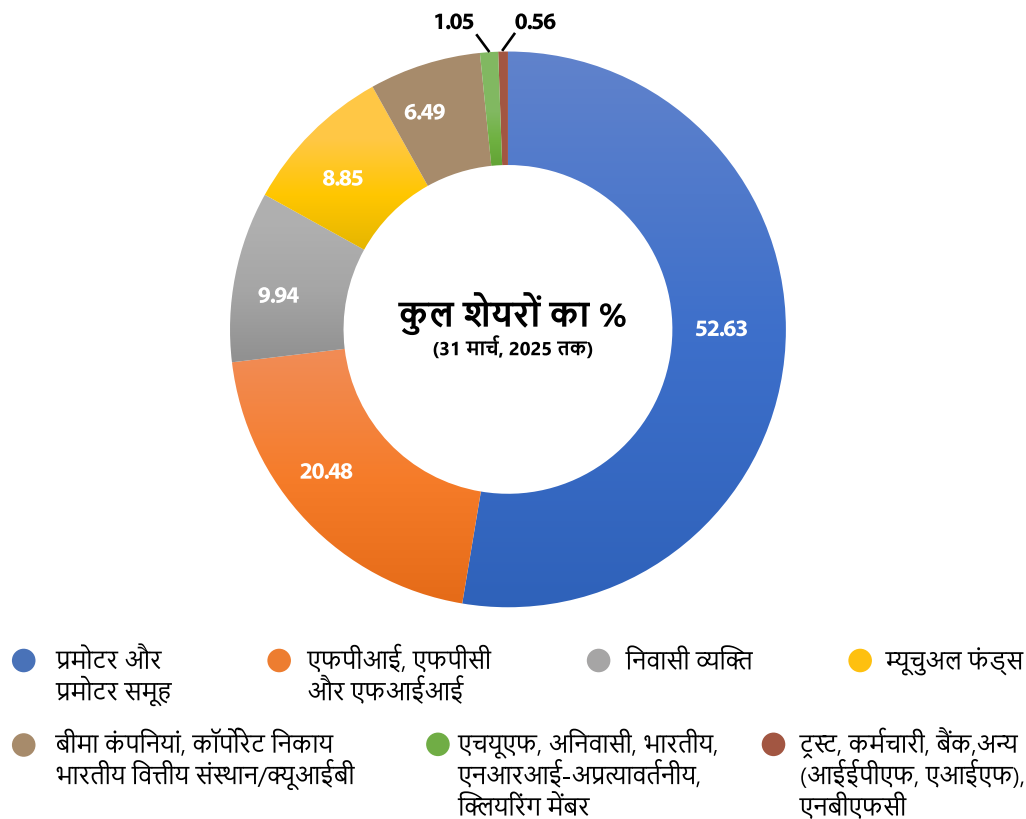
इसके अलावा, सेबी के दिनांक 16 मार्च, 2023 के परिपत्र के अनुसार, कंपनी ने उन शेयरधारकों को सूचना भेजी है, जिनके पास फिजिकल रूप में शेयर हों ताकि पैन्, ई-मेल पता, मोबाइल नंबर, बैंक खाता और नामांकन का ब्योरा प्रस्तुत/अद्यतन हो सके और उक्त सूचना स्टॉक एक्सचेंजों को प्रसारित करने के लिए भी भेजी गई है।

viii. शेयरधारिता का पैटर्न/शेयरधारिता का विभाजन

(क) स्वामित्व के आधार पर शेयरधारिता पैटर्न

पिछले वर्ष अर्थात 31 मार्च, 2024 की स्थिति की तुलना में 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार कंपनी का श्रेणी-वार शेयरधारिता पैटर्न निम्नानुसार था:

विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
	शेयर की संख्या	कुल शेयरों का %	शेयर की संख्या	कुल शेयरों का %
प्रमोटर और प्रमोटर समूह	1,38,59,93,662	52.63	1,38,59,93,662	52.63
एफपीआई, एफपीसी और एफआईआई	53,92,73,627	20.48	52,44,89,512	19.92
निवासी व्यक्ति	26,17,12,630	9.94	25,44,62,707	9.66
म्यूचुअल फंड्स	23,29,29,477	8.85	24,97,60,921	9.48
बीमा कंपनी	11,78,46,570	4.48	11,76,17,199	4.47
कॉर्पोरेट निकाय	2,69,31,041	1.02	3,19,34,601	1.21
भारतीय वित्तीय संस्थान/क्यूआईबी	2,59,26,865	0.99	1,79,26,960	0.68
एचयूएफ	1,09,48,616	0.41	1,13,73,727	0.43
अनिवासी भारतीय	97,75,783	0.37	95,55,526	0.36
एनआरआई-अप्रत्यावर्तनीय	47,85,082	0.18	51,34,770	0.20
क्लयरिंग सदस्य	22,74,626	0.09	16,32,232	0.06
ट्रस्ट	14,36,059	0.05	12,99,237	0.05
कार्मिक	4,60,499	0.02	5,19,354	0.02
बैंक	22,64,068	0.09	1,39,218	0.01
अन्य (आईईपीएफ, एआईएफ)	1,06,02,071	0.40	2,13,62,115	0.82
एनबीएफसी	63,324	नगण्य	22,259	नगण्य
कुल	2,63,32,24,000	100	2,63,32,24,000	100





(ख) 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार शेयरधारिता का वितरण

31 मार्च, 2025 को धारित शेयरों की संख्या के आधार पर शेयरधारिता का वितरण निम्नानुसार था:

विवरण	शेयरधारकों की संख्या	शेयरधारकों का %	धारित शेयरों की संख्या	कुल शेयरों का %
1-5,000	11,18,680	99.30	19,01,43,158	7.22
5,001 -10,000	3,883	0.35	2,76,34,911	1.05
10,001-20,000	1,814	0.16	2,57,48,490	0.98
20,001-30,000	496	0.04	1,22,65,598	0.47
30,001-40,000	268	0.03	92,72,893	0.35
40,001-50,000	181	0.02	82,51,546	0.31
50,001-1,00,000	391	0.03	2,82,98,811	1.07
1,00,001 तथा उससे अधिक	805	0.07	2,33,16,08,593	88.55
कुल	11,26,518	100.00	2,63,32,24,000	100.00

टिप्पणी: शेयरधारकों के पास एक ही पैन के अंतर्गत कई डीमैट खाते हो सकते हैं जिसके कारण शेयरधारकों की कुल संख्या में अंतर हो सकता है। पैन के आधार पर समेकित शेयरधारकों की कुल संख्या 10,82,798 है।

ix. चलनिधि

कंपनी के शेयर अनिवार्य डीमैटरियलाइज्ड सेगमेंट में हैं और नेशनल सिक्क्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) दोनों डिपॉजिटरी की प्रणाली के अंतर्गत ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं। डिपॉजिटरी के पत्राचार का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	एनएसडीएल	सीडीएसएल
पता	तीसरी मंजिल, नमन चैंबर, प्लॉट सी-32, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र - 400 051	मैराथन फ्यूचरएक्स ए-विंग, 25वां तल, एनएम जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013
दूरभाष	+91-22- 4886 7000	1-800-21-09911
ईमेल	relations@nsdl.com info@nsdl.com	helpdesk@cdslindia.com complaints@cdslindia.com
वेबसाइट	www.nsdl.co.in	www.cdslindia.com

दिनांक 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, डीमैटरियलाइज्ड और भौतिक रूप में धारित शेयरों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	शेयरधारकों की संख्या	धारित शेयरों की संख्या	कुल शेयरों का प्रतिशत
एनएसडीएल (डीमैट)	3,34,542	2,48,10,31,943	94.22
सीडीएसएल (डीमैट)	7,81,715	15,21,73,284	5.78
भौतिक	10,261	18,773	नगण्य
कुल	11,26,518	2,63,32,24,000	100.00

टिप्पणी: शेयरधारक एक ही पैन के अंतर्गत कई डीमैट खाते रख सकते हैं, जिससे शेयरधारकों की कुल संख्या में अंतर आ सकता है। पैन के आधार पर शेयरधारकों की कुल संख्या 10,82,798 है।

x. शेयरपूंजी लेखापरीक्षा रिपोर्ट का मिलान

सेबी (डिपॉजिटरीज़ एंड पार्टिसिपेंट्स) विनियम, 2018 के विनियम 76 के अनुसार, मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज, ने एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ कंपनी की कुल स्वीकृत, जारी और सूचीबद्ध शेयर पूंजी का मिलान करने हेतु ऑडिट करने के बाद, वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रत्येक तिमाही के लिए शेयर पूंजी समायोजन ऑडिट रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्टों ने पुष्टि की कि कुल जारी/चुकता शेयर पूंजी, भौतिक रूप में शेयरों की कुल संख्या और एनएसडीएल और सीडीएसएल के पास रखे गए कुल डीमैट शेयरों की संख्या के अनुरूप है। कंपनी द्वारा उक्त रिपोर्ट निर्धारित समय के भीतर स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत की गई।

xi. डीमैट उचित खाते का विवरण

सूचियन विनियमावली के विनियम 34(3) और अनुसूची V के भाग च की अपेक्षाओं के अनुसार, डीमैट उचित खाते में कंपनी के इक्विटी शेयरों का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	मामलों की संख्या	शामिल शेयरों की संख्या
1 अप्रैल, 2024 की स्थिति के अनुसार कुल शेयरधारकों और उचित खाते में बकाया अदावाकृत शेयरों की संख्या।	32	6,644
वित्तीय वर्ष के दौरान उचित खाते से अदावाकृत शेयरों के अंतरण के लिए कंपनी से संपर्क करने वाले शेयरधारकों की संख्या।	शून्य	शून्य

विवरण	मामलों की संख्या	शामिल शेषों की संख्या
वित्तीय वर्ष के दौरान उन शेयरधारकों की संख्या जिन्हें उचित खाते से अदावाकृत शेयर अंतरित किए गए थे।	शून्य	शून्य
दिनांक 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार शेयरधारकों और उचित खाते में बकाया अदावाकृत शेयरों की कुल संख्या	32	6,644

टिप्पणी: 31 मार्च, 2025 तक सस्येस खाते में बकाया शेयरों पर मतदान अधिकार तब तक स्थगित रहेंगे जब तक कि ऐसे शेयरों के वास्तविक स्वामी उन पर दावा नहीं करते और उपरोक्त सभी मामले आईपीओ से संबंधित हैं और एफपीओ से संबंधित कोई दावा न किए गए शेयरों का मामला नहीं है।

xii. बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई परिवर्तनीय लिखत, परिवर्तनीय तिथियां और इक्विटी पर संभावित प्रभाव

कंपनी द्वारा कोई जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई परिवर्तनीय लिखत जारी नहीं किया गया है।

xiii. स्टॉक एक्सचेंजों को वार्षिक सूचियन शुल्क

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड को अपनी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के संबंध में वार्षिक सूचियन शुल्क का भुगतान कर दिया है।

xiv. डिपॉजिटरी को वार्षिक अभिरक्षा शुल्क

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नेशनल सिक्क्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड को वार्षिक अभिरक्षा शुल्क का भुगतान कर दिया है।

xv. संयंत्रों की अवस्थिति

आरईसी एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है जिसे इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशियल कंपनी (आईएफसी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इसका कोई संयंत्र स्थान नहीं है।

तथापि, नई दिल्ली में पंजीकृत कार्यालय और गुरुग्राम, हरियाणा में कॉर्पोरेट कार्यालय के अलावा, कंपनी के देश भर में विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालय तथा राज्य कार्यालय और हैदराबाद में एक प्रशिक्षण संस्थान नामतः आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी) है, जिनका विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट के अंत में दिया गया है।

xvi. कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन)

कंपनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) L40101DL1969GOI005095 है।

xvii. विधिक निकाय पहचानकर्ता

कंपनी की विधिक निकाय पहचानकर्ता संख्या 335800B4YRYWAMIJZ374 है।

xviii. कॉर्पोरेट वेबसाइट

कंपनी की कॉर्पोरेट वेबसाइट www.recindia.nic.in है।

xix. पत्र व्यवहार हेतु पता

कंपनी के साथ पत्राचार के लिए पते और संपर्क विवरण निम्नानुसार हैं:

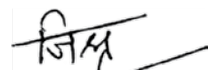
	पंजीकृत कार्यालय	कॉर्पोरेट कार्यालय
पता	कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003	आरईसी वर्ल्ड हेडक्वार्टर्स प्लॉट नंबर आई-4, सेक्टर 29, गुरुग्राम, हरियाणा -122001
दूरभाष	+91-11-4309 1500 +91-11-4309 1501	+91-124-271 1000 +91-124-444 1300
ई-मेल	contactus@recindia.com	

xx. अनुपालन अधिकारी और लोक प्रवक्ता

कंपनी के अनुपालन अधिकारी और लोक प्रवक्ता का नाम और संपर्क विवरण निम्नानुसार हैं:

नाम	श्री जे. एस. अमिताभ
	कार्यपालक निदेशक और कंपनी सचिव
पता	आरईसी लिमिटेड आरईसी वर्ल्ड हेडक्वार्टर्स प्लॉट नंबर आई-4, सेक्टर 29, गुरुग्राम, हरियाणा -122001
दूरभाष	+91-124-444 1331
ई-मेल	complianceofficer@recindia.com jsamitabh@recindia.com

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से



(जितेन्द्र श्रीवास्तव)
निदेशक (परियोजनाएं) (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन: 06817799

स्थान : गुरुग्राम
दिनांक : 25 जुलाई, 2025



निदेशकों की अयोग्यता का प्रमाण पत्र

[सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 34(3) और अनुसूची V पैरा ग खंड (10) (i) के अनुसार]

सेवा में,
आरईसी लिमिटेड के सदस्य,
कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स,
7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

हमने कंपनी द्वारा बनाए गए प्रासंगिक रजिस्ट्रों, अभिलेखों, प्रपत्रों, रिटर्न और आरईसी लिमिटेड के निदेशकों से प्राप्त प्रकटीकरण की जांच की है, जिसका सीआईएन: L40101DL1969GOI005095 है और जिसका पंजीकृत कार्यालय कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में है (जिसे आगे 'कंपनी' कहा जाएगा), जो कंपनी द्वारा इस प्रमाण पत्र को जारी करने के उद्देश्य से हमारे समक्ष प्रस्तुत किया गया था, जो कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 की अनुसूची V पैरा- ग खंड 10 (i) के साथ पठित विनियम 34(3) के अनुसार है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और आवश्यक समझे गए सत्यापनों (पोर्टल www.mca.gov.in पर निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) स्थिति सहित) और कंपनी और उसके अधिकारियों द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरण/अभ्यावेदन और संबंधित निदेशक(ओं) से प्राप्त घोषणाओं के अनुसार, हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए नीचे बताए गए अनुसार कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय या किसी अन्य ऐसे वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त होने या जारी रखने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	नियुक्ति की तिथि	समाप्ति की तिथि
1	श्री विवेक कुमार देवांगन	01377212	17 मई, 2022	21 मार्च, 2025
2	श्रीमती परमिंदर चोपड़ा [^]	08530587	21 मार्च, 2025	जारी
3	श्री विजय कुमार सिंह	02772733	15 जुलाई, 2022	जारी
4	श्री हर्ष बवेजा	09769272	14 मई, 2024	जारी
5	श्री शशांक मिश्र	08364288	21 अगस्त, 2023	जारी
6	श्री मनोज शर्मा	06822395	11 जुलाई, 2023	जारी
7	श्री नारायणन तिरुपति	10063245	6 मार्च, 2023	जारी
8	डॉ. गंभीर सिंह ^{^^}	02003319	15 नवंबर, 2021	15 नवंबर, 2024
9	डॉ. (श्रीमती) दुर्गेश नंदिनी ^{^^}	09398540	30 दिसंबर, 2021	27 दिसंबर, 2024
10	डॉ. मनोज मनोहर पांडे	09388430	15 नवंबर, 2021	15 नवंबर, 2024

[^]22 अप्रैल, 2025 से निदेशक नहीं रहेंगे। ^{^^}17 अप्रैल, 2025 से पुनः नियुक्त किए जाएंगे।

बोर्ड में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति/निरंतरता के लिए पात्रता सुनिश्चित करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सत्यापन के आधार पर इस पर अपनी राय व्यक्त करें। यह प्रमाणपत्र न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही प्रबंधन द्वारा कंपनी के कार्यों के संचालन की दक्षता या प्रभावशीलता का।

अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स,
कंपनी सचिवों के लिए,
आईसीएसआई विशिष्ट कोड: P2003DE049100
सहकर्मी समीक्षा प्रमाणपत्र सं: 2725/2022

ह/-
सीएस सचिन अग्रवाल
पार्टनर
एफसीएस सं: 5774
सी.पी. सं: 5910

यूडीआईन: F005774G000423510

दिनांक: 23 मई, 2025

स्थान: नई दिल्ली

बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता के अंतर्गत घोषणा

सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के 'बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता' के अनुपालन की पुष्टि की है।

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 16 मई, 2025

ह/-
जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईन: 06817799

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 17(8) के अंतर्गत प्रमाणपत्र यह प्रमाणित किया जाता है कि:

- क. हमने वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों और नकदी प्रवाह विवरण की समीक्षा की है और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार:
- (1) हमने वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों और नकदी प्रवाह विवरण की समीक्षा की है और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार:
 - (2) ये विवरण मिलकर कंपनी के मामलों का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और मौजूदा लेखांकन मानकों, लागू कानूनों और विनियमों के अनुरूप हैं।
- ख. हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, वर्ष के दौरान सूचीबद्ध इकाई द्वारा कोई भी ऐसा लेनदेन नहीं किया गया है जो धोखाधड़ीपूर्ण, अवैध या कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला हो।
- ग. हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और हमने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और हमने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन या संचालन में कमियाँ, यदि कोई हो, के बारे में बताया है, जिनके बारे में हम जानते हैं और इन कमियों को दूर करने के लिए हमने जो कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव रखते हैं।
- घ. हमने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को सूचित किया है:
- (1) वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन;
 - (2) वर्ष के दौरान लेखांकन नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में उनका खुलासा किया गया है; और
 - (3) महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के मामले जिनके बारे में हमें जानकारी मिली है और उनमें प्रबंधन या किसी कार्मिक की संलिप्तता, यदि कोई हो, जिसकी वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है।

ह/-
(हर्ष बवेजा)
निदेशक (वित्त)
डीआईन: 09769272
दिनांक: 8 मई, 2025

ह/-
(जितेन्द्र श्रीवास्तव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईन: 06817799

बोर्ड की रिपोर्ट का अनुलग्नक-III

कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन पर प्रमाणपत्र वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए

सेवा में
सदस्यगण, आरईसी लिमिटेड,
कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स,
7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

हमने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम") और सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश ("डीपीई दिशानिर्देश") के तहत निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को प्रमाणित करने के उद्देश्य से आरईसी लिमिटेड ("कंपनी") के सभी प्रासंगिक रिकॉर्ड की जांच की है। हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार प्रमाणीकरण के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जाँच प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन की समीक्षा तक ही सीमित थी। यह प्रमाणपत्र न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही प्रबंधन द्वारा कंपनी के कार्यों के संचालन की प्रभावशीलता या प्रभावशीलता का।

प्रस्तुत अभिलेखों, स्पष्टीकरणों और दी गई जानकारी की हमारी जांच के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, निम्नलिखित के अधीन, लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की सभी शर्तों का अनुपालन किया है:

1. कंपनी ने 14 मई, 2024 से अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17(1) और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1.4 के प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया है। इसके अलावा, 27 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान, कंपनी के बोर्ड में कोई महिला स्वतंत्र निदेशक नहीं थी।
2. कंपनी ने लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 18 और 19 के प्रावधानों और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.1.1 और 5.1 का अनुपालन नहीं किया है क्योंकि 27 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान लेखा परीक्षा समिति और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की संरचना में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशक शामिल नहीं थे।

अग्रवाल एस. एंड
एसोसिएट्स,
कंपनी सचिवों के लिए,
आईसीएसआई विशिष्ट कोड: P2003DE049100
सहकर्म समीक्षा प्रमाणपत्र सं: 2725/2022

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 जून, 2025

ह/-
सीएस सचिन अग्रवाल
पार्टनर
एफसीएस सं.: 5774
सी.पी. सं.: 5910
यूडीआईन: F005774G000594881



कारोबार दायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट

खंड क: सामान्य प्रकटीकरण

I. सूचीबद्ध संस्था का विवरण

1.	सूचीबद्ध संस्था की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन)	L40101DL1969GOI005095
2.	सूचीबद्ध संस्था का नाम	आरईसी लिमिटेड
3.	निगमन का वर्ष	1969
4.	पंजीकृत कार्यालय पता	कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
5.	कॉर्पोरेट कार्यालय पता	प्लॉट नं. I-4, सेक्टर 29, गुरुग्राम-122001
6.	ईमेल	complianceofficer@recindia.com
7.	दूरभाष	+91-124-444 1300
8.	वेबसाइट	https://recindia.nic.in/
9.	वह वित्तीय वर्ष जिसके लिए रिपोर्टिंग की जा रही है	1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक
10.	स्टॉक एक्सचेंज का नाम, जहां शेयर सूचीबद्ध हैं	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) बीएसई लिमिटेड (बीएसई)
11.	संदत्त पूंजी	₹2,633.22 करोड़
12.	उस व्यक्ति का नाम और संपर्क विवरण (दूरभाष, ईमेल पता) जिससे बीआरएसआर रिपोर्ट पर किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क किया जा सकता है	श्री हर्ष बवेजा (डीआईएन: 09769272) निदेशक (वित्त) +91-124-4441319 df@recindia.com
13.	रिपोर्टिंग सीमा - क्या इस रिपोर्ट के अंतर्गत प्रकटीकरण स्टैंडअलोन आधार पर (अर्थात केवल संस्था के लिए) किए गए हैं या समेकित आधार पर (अर्थात संस्था और सभी संस्थाओं के लिए, जो इसके समेकित वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं, एक साथ लिए गए हैं)।	इस रिपोर्ट में प्रकटीकरण समेकित आधार पर किए गए हैं
14.	आश्वासन प्रदाता का नाम	मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स
15.	प्राप्त आश्वासन का प्रकार	उचित आश्वासन

II. उत्पाद/सेवाएं

16. व्यावसायिक गतिविधियों का विवरण (टर्नओवर का 90% हिस्सा):

क्र.सं.	मुख्य गतिविधि का विवरण	व्यावसायिक गतिविधि का विवरण	संस्था के टर्नओवर का %
1	वित्तीय और बीमा सेवा	वित्तीय और ऋण पट्टे गतिविधियाँ	99.88%

17. संस्था द्वारा बेचे गए उत्पाद/सेवाएं (संस्था के टर्नओवर का 90% हिस्सा):

क्र.सं.	उत्पाद/सेवा	एनआईसी कोड	कुल टर्नओवर का % योगदान
1	अन्य वित्तीय सेवाएँ और गतिविधियाँ - अन्य ऋण प्रदान करना	64920	98.88%

III. प्रचालन

18. उन अवस्थितियों की संख्या जहां संस्था के संयंत्र और/या प्रचालन/कार्यालय स्थित हैं:

अवस्थिति	संयंत्रों की संख्या	कार्यालयों की संख्या	कुल
राष्ट्रीय	0	33*	33
अंतरराष्ट्रीय	0	0	0

*इसमें आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय, हमारी सहायक कंपनी और आरईसी क्षेत्रीय कार्यालय शामिल हैं, जो देश भर में 23 स्थानों पर स्थित हैं। इन स्थानों की विस्तृत सूची वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है। इसके अतिरिक्त, आरईसीपीडीसीएल के कार्यालय पूरे भारत में 10 स्थानों पर कार्यरत हैं।

19. संस्था द्वारा सेवा बाजार:

क. अवस्थितियों की संख्या

अवस्थिति	संख्या
राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या)	28
अंतर्राष्ट्रीय (देशों की संख्या)	0

ख. संस्था के कुल टर्नओवर में निर्यात का योगदान प्रतिशत के रूप में क्या है?

लागू नहीं।

ग. ग्राहकों के प्रकारों पर संक्षिप्त जानकारी

भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में मान्यता प्राप्त आरईसी लिमिटेड, देश के बिजली क्षेत्र और व्यापक बुनियादी ढाँचे के विकास पहलों को आगे बढ़ाने में एक अभिन्न भूमिका निभाती है। बढ़ती ऊर्जा और बुनियादी ढाँचे की माँगों का समर्थन करने के लिए स्थापित, आरईसी ने विभिन्न हितधारकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए वित्तीय उत्पादों का एक व्यापक समूह विकसित किया है। इन पेशकशों में दीर्घकालिक, मध्यम अवधि और अल्पकालिक ऋण शामिल हैं जो विशेष रूप से पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के साथ-साथ बिजली संचरण और वितरण के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को शामिल करते हुए, परियोजनाओं की एक विस्तृत शृंखला के वित्तपोषण के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

बिजली तक पहुँच बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप, आरईसी ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजनाओं का सक्रिय रूप से समर्थन करता है, जो वंचित समुदायों में जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक अवसरों में सुधार के लिए आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ई-मोबिलिटी बुनियादी ढाँचे के विकास के वित्तपोषण में अग्रणी है, जो स्थायी परिवहन समाधानों की ओर संक्रमण को सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत में गतिशील और बढ़ते बुनियादी ढाँचे के परिदृश्य को समझते हुए, आरईसी ने रणनीतिक रूप से अपने पोर्टफोलियो

को बिजली क्षेत्र से परे विविधीकृत किया है। इस विस्तार में विभिन्न महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, जैसे हवाई अड्डे, मेट्रो रेल प्रणालियाँ, प्रमुख सुड़कें और राजमार्ग, बंदरगाह और अन्य आवश्यक बुनियादी ढाँचा विकास, जो राष्ट्रीय आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी में योगदान करते हैं, के लिए वित्तपोषण शामिल है।

आरईसी द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले प्रमुख ग्राहक वर्गों में शामिल हैं:

- सरकारी संस्थाएँ:** इस वर्ग में राज्य सरकारें और केंद्र/राज्य विद्युत उपयोगिताएँ दोनों शामिल हैं, जो आरईसी की वित्तीय सहायता के प्राथमिक प्राप्तकर्ता हैं। ये संस्थाएँ विभिन्न बिजली और बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ चलाती हैं जो सार्वजनिक कल्याण और आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- स्वतंत्र विद्युत उत्पादक (आईपीपी):** आरईसी ऊर्जा परिदृश्य में निजी क्षेत्र की भागीदारी के महत्व को पहचानता है। इस प्रकार, स्वतंत्र विद्युत उत्पादक - विद्युत उत्पादन में लगी निजी कंपनियाँ - आरईसी के ग्राहक आधार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो परियोजना आरंभ और निष्पादन को सक्षम बनाने वाले अनुकूलित वित्तपोषण समाधानों से लाभान्वित होते हैं।
- निजी क्षेत्र के उधारकर्ता:** इस श्रेणी में बुनियादी ढाँचा और बिजली परियोजनाओं में भाग लेने वाले निजी उद्यमों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है, जो समग्र बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए विविध हितधारकों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए आरईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संक्षेप में, आरईसी लिमिटेड भारत के बिजली और बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है। ग्राहकों और परियोजनाओं की एक विस्तृत शृंखला को आवश्यक वित्तपोषण और सहायता प्रदान करके, यह आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और राष्ट्र को उसके स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है।

IV. कार्मिक

20. वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर विवरण:

क. कार्मिक एवं श्रमिक (दिव्यांगों सहित):

क्रं.सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख / क)	संख्या (ग)	% (ग / क)
कार्मिक						
1.	स्थायी (घ)	573*	490	85.51	83	14.49
2.	स्थायी को छोड़कर (ङ)	580	506	87.24	74	12.76
3.	कुल कार्मिक (घ + ङ)	1153	996	86.38	157	13.62
श्रमिक						
4.	स्थायी (च)		लागू नहीं			
5.	स्थायी के अलावा (छ)					
6.	कुल श्रमिक (च + छ)					

*प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत दो कार्मिकों को स्थायी कार्मिकों के अलावा अन्य श्रेणी में शामिल किया गया है।

टिप्पणी: हालाँकि हमारे हालिया नियुक्ति प्रयासों का ध्यान लैंगिक विविधता में सुधार पर केंद्रित रहा है, फिर भी महिला कार्मिकों की सेवानिवृत्ति की संख्या में वृद्धि सहित कई कारकों के संयोजन के कारण समग्र महिला अनुपात में थोड़ी कमी देखी गई है। हम अपने महिला कार्यबल के अनुपात में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।



ख. दिव्यांग कार्मिक और श्रमिक:

क्रं.सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख / क)	संख्या (ग)	% (ग / क)
दिव्यांग कार्मिक						
1.	स्थायी (घ)	14	13	92.86	1	7.14
2.	स्थायी को छोड़कर (ङ)	0	0	0	0	0
3.	कुल दिव्यांग कार्मिक (घ + ङ)	14	13	92.86	1	7.14
दिव्यांग श्रमिक						
4.	स्थायी (च)					
5.	स्थायी को छोड़कर (छ)			लागू नहीं		
6.	कुल दिव्यांग श्रमिक (च + छ)					

21. महिलाओं की भागीदारी/समावेश/प्रतिनिधित्व

	कुल (क)	महिलाओं की संख्या एवं प्रतिशत	
		संख्या (ख)	% (ख / क)
निदेशक मंडल	6	1	16.66
मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक	5	1	20.00

22. स्थायी कार्मिकों और श्रमिकों के लिए टर्नओवर दर (पिछले 3 वर्षों के रुझान का प्रकटीकरण)

	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24			वित्तीय वर्ष 2022-23		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कार्मिक	6.06%	6.21%	6.08%	6.35%	4.23%	6.03%	10.57%	10.37%	10.54%
स्थायी श्रमिक					लागू नहीं				

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 33 कार्मिक कंपनी से अलग हुए, जिनमें से 27 सेवानिवृत्ति के कारण और 6 अन्य कारणों से अलग हुए।

23. (क) धारक / सहायक / सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के नाम

क्रं.सं.	धारक / सहायक / सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों का नाम (क)	बताएं कि क्या यह धारक/ सहायक/ सहयोगी/संयुक्त उद्यम है	सूचीबद्ध संस्था द्वारा धारित शेयरों का %	क्या कॉलम क में दर्शाई गई संस्था सूचीबद्ध संस्था की व्यावसायिक जिम्मेदारी पहल में भाग लेती है? (हाँ/नहीं)
1	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	धारक	52.63 (पीएफसी के पास आरईसी में 52.63% शेयर हैं)	हाँ
2	आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल)	सहायक	100	हाँ
आरईसीपीडीसीएल सहायक कंपनियां				
3	शॉगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
4	चांडिल ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
5	दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
6	कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
7	मंदार ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
8	लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
9	कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
10	डब्ल्यूआरएनईएस तलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
11	तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
12	राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
13	जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
14	वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सहायक	100	नहीं

V. सीएसआर विवरण

24. (i) क्या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार सीएसआर लागू है: (हां/नहीं): हां

(ii) टर्नओवर (₹ में) : 56,367 करोड़*

(iii) निवल संपत्ति (₹ में): 78,376 करोड़*

*आंकड़े समेकित आधार पर हैं

VI. पारदर्शिता और प्रकटीकरण अनुपालन

25. जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के तहत किसी भी सिद्धांत (सिद्धांत 1 से 9) पर शिकायतें/परिवाद:

हितधारक समूह, जिससे शिकायत प्राप्त हुई है	शिकायत निवारण तंत्र लागू है। हाँ/नहीं (यदि हाँ, तो शिकायत निवारण नीति का वेब लिंक प्रस्तुत करें)	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
		वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी
समुदाय	हाँ https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf	180	4	1 मई, 2025 तक, कोई भी शिकायत समाधान के लिए लंबित नहीं है	88	12	वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंत तक लंबित 12 शिकायतों का भीबाद में निपटान कर दिया गया है
निवेशक (शेयरधारकों को छोड़कर)	हाँ https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf	272	0	-	494	0	-
शेयरधारक	हाँ https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf	21	0	इन शिकायतों के अलावा, कंपनी को इकिटी शेयरधारकों से 1590 अनुरोध/स्पष्टीकरण/प्रश्न प्राप्त हुए हैं, जिनका समाधान/उत्तर वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान किया गया, सिवाय सात अनुरोध/स्पष्टीकरण/प्रश्नों के, जिनका समाधान 31 मार्च, 2025 के बाद किया गया।	30	0	इन शिकायतों के अलावा, कंपनी को इकिटी शेयरधारकों से 363 अनुरोध/स्पष्टीकरण/प्रश्न प्राप्त हुए हैं, जिनका समाधान वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किया गया, सिवाय सात अनुरोध/स्पष्टीकरण/प्रश्नों के जिनका समाधान 31 मार्च, 2024 के बाद किया गया।
कार्मिक और श्रमिक	हाँ https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf	0	0	-	1	0	-



हितधारक समूह, जिससे शिकायत प्राप्त हुई है	शिकायत निवारण तंत्र लागू है। हाँ/नहीं (यदि हाँ, तो शिकायत निवारण नीति का वेब लिंक प्रस्तुत करें)	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
		वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी
ग्राहक	हाँ https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf	0	0	-	0	0	-
आपूर्तिकर्ताओं	हाँ https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf	1	1	आपूर्तिकर्ता द्वारा उठाई गई शिकायत का समाधान कर दिया गया है।	3	0	विवाद से विश्वास के अंतर्गत 2 दावे, 1 जेम के स्वतंत्र बाह्य मॉनिटर द्वारा।

26. संस्था के महत्वपूर्ण जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण मुद्दों का अवलोकन:

कृपया पर्यावरणीय और सामाजिक मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण और सततता के मुद्दों को इंगित करें जो आपके व्यवसाय के लिए जोखिम या अवसर प्रस्तुत करते हैं, उन्हें पहचानने का तर्क, जोखिम को कम करने या अनुकूलित करने के दृष्टिकोण के साथ-साथ इसके वित्तीय निहितार्थ निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार बताएं।

क्र.सं.	अभिचिहित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
1	जलवायु जोखिम प्रबंधन	अवसर	जलवायु परिवर्तन आरईसी को अपने ऋण पोर्टफोलियो में विविधता लाने, दीर्घावधि में परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार करने और हरित बॉण्ड और स्थिरता से जुड़े उपकरणों जैसे नए प्रकार की पूंजी का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। आरईसी अगली पीढ़ी के अवसंरचना जैसे हरित अमोनिया, कार्बन कैप्चर और स्मार्ट ग्रिड के वित्तपोषण के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति हो सकती है। यह कार्बन-गहन जोखिमों से जोखिम को कम करने और एक स्थिर, भविष्य-सुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो बनाने के लिए एक रणनीतिक खिड़की प्रदान करता है। हरित वित्तपोषण को आगे बढ़ाकर, आरईसी कम लागत वाली ईएसजी पूंजी तक पहुँच सकता है, नियामक आवश्यकताओं से आगे निकल सकता है और भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में अपनी स्थिति को मजबूत कर सकता है - एक वैश्विक जोखिम को प्रतिस्पर्धी ताकत में परिवर्तित कर सकता है।	-	सकारात्मक: हरित वित्त को अपनाकर, आरईसी अपने ऋण पोर्टफोलियो में विविधता ला सकता है, कार्बन जोखिम को कम कर सकता है और कम लागत वाली ईएसजी पूंजी तक पहुँच प्राप्त कर सकता है। इससे आरईसी भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढाँचे को वित्तपोषित करने, नियामकीय माँगों को पूरा करने और भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने में सक्षम होगा, जिससे जलवायु जोखिम एक रणनीतिक लाभ में बदल जाएगा।

क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
2	ऊर्जा एवं उत्सर्जन प्रबंधन	अवसर	भारत के महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्य, हरित और ऊर्जा-कुशल वित्तपोषण के लिए एक विशाल, विस्तारित बाजार का निर्माण करते हैं। ऊर्जा क्षेत्र के एक अग्रणी वित्तपोषक के रूप में, आरईसी इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए आदर्श स्थिति में है।	-	सकारात्मक: उच्च-मांग वाले हरित क्षेत्रों में पर्याप्त ऋण पुस्तिका वृद्धि को सक्षम करके और सस्ते, विशिष्ट हरित पूंजी बाजारों तक पहुँच के माध्यम से अपने वित्तपोषण में विविधता लाकर आरईसी की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाता है। यह लचीली परियोजनाओं को वित्तपोषित करके परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार करता है, जिससे एनपीए में कमी आती है और दीर्घकालिक लाभप्रदता में वृद्धि होती है।
3	सामुदायिक विकास	अवसर	सामुदायिक सहभागिता और विकास कंपनी के प्रचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस, प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक सततता को प्रभावित कर सकता है। स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर, आरईसी सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देता है, सामुदायिक चिंताओं को संबोधित करता है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, परियोजना स्वीकृति में वृद्धि करता है और सामाजिक जोखिमों को कम करता है। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक विकास पहलों में निवेश सामाजिक सततता, प्रतिभा प्रतिधारण और समग्र व्यावसायिक सफलता में योगदान दे सकता है।	-	सकारात्मक: जोखिमों का प्रबंधन और परियोजना का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करना। स्थानीय विकास में निवेश से संचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस में वृद्धि, प्रतिभा प्रतिधारण में सहायता और ब्रांड प्रतिष्ठा में मजबूती, दीर्घकालिक मूल्य और सतत विकास को बढ़ावा मिलता है।
4	ग्राहक संतुष्टि	अवसर	ग्राहक संतुष्टि आरईसी की प्रतिष्ठा, बाजार स्थिति और लाभ का एक मूलभूत चालक है। प्रतिस्पर्धी और बदलते बुनियादी ढाँचे के वित्तीय परिवेश में, संस्थागत ग्राहकों को बनाए रखने और नए ग्राहकों को प्राप्त करने के लिए जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा की गुणवत्ता आवश्यक है। ग्राहक संबंध निर्माण केवल सेवा वितरण का मामला नहीं है, बल्कि इसका सौदे की निरंतरता, पोर्टफोलियो स्थिरता और दीर्घकालिक ग्राहक विश्वास पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अपने संचालन में ग्राहक-केंद्रित प्रथाओं को शामिल करके, आरईसी वफादारी को बढ़ावा देता है, परियोजना चक्रों में घर्षण को कम करता है और बिजली और बुनियादी ढाँचे के बाजारों में एक विश्वसनीय वित्तीय भागीदार के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है।	-	सकारात्मक: ग्राहक संतुष्टि प्रतिक्रियाशीलता, पारदर्शिता और सेवा गुणवत्ता के माध्यम से, आरईसी ग्राहक प्रतिधारण को बढ़ावा देता है, अपनी बाजार प्रतिष्ठा को मजबूत करता है और पोर्टफोलियो स्थिरता सुनिश्चित करता है। यह दृष्टिकोण दीर्घकालिक विश्वास को बढ़ावा देता है, परियोजना की रुकावट को कम करता है और निरंतर विकास को बढ़ावा देता है, आरईसी को बुनियादी ढाँचा वित्त क्षेत्र में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है।



क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
5	विविधता और समावेशन	अवसर	विविधता और समावेशन न केवल कॉर्पोरेट मूल्य हैं, बल्कि रणनीतिक परिसंपत्तियाँ भी हैं जिनका संगठनात्मक प्रदर्शन और लचीलेपन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। आरईसी के लिए, एक विविध कार्मिक आधार का निर्माण विचारों, कौशल और अनुभवों की एक व्यापक श्रृंखला तक पहुँच सुनिश्चित करता है और इससे अधिक नवाचार और निर्णय लेने में मदद मिलती है। समावेशन प्रतिनिधित्व से आगे तक फैला हुआ है; यह सभी स्तरों पर कार्मिकों को सशक्त, सम्मानित और संलग्न महसूस कराता है। इसके परिणामस्वरूप बेहतर सहयोग, उत्पादकता में वृद्धि और कम अपघटन होता है। चूँकि आरईसी एक तेज़ी से बदलते व्यावसायिक माहौल में काम कर रहा है, संस्कृति में विविधता और समावेशन को एकीकृत करना सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने, अनुकूली सोच को उत्प्रेरित करने और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बनाए रखने की कुंजी है।	-	सकारात्मक: आरईसी संस्कृति में विविधता और समावेशन को एकीकृत करने से एक व्यापक प्रतिभा पूल तक पहुँच साकार करती है, जो नवाचार को बढ़ावा देती है और विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाती है। यह कार्मिकों की उच्चतर भागीदारी को बढ़ावा देता है, कार्मिकों की संख्या में कमी को कम करता है और ब्रांड प्रतिष्ठा को मजबूत करता है, जिससे आरईसी एक अधिक आकर्षक और विश्वसनीय नियोज्य बन जाता है। विविधता को प्राथमिकता देकर, आरईसी सहयोग में सुधार करता है और तेज़ी से बदलते व्यावसायिक परिवेश में अनुकूलनशीलता और लचीलापन सुनिश्चित करता है, जिससे अंततः एक निरंतर प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त होता है।
6	मानव पूंजी विकास	अवसर	मानव पूंजी आरईसी के दीर्घकालिक प्रदर्शन और संस्थागत लचीलेपन का एक प्रमुख चालक है। किसी फर्म की प्रतिभा को आकर्षित करने, बनाए रखने और निर्माण करने की क्षमता सीधे तौर पर परिचालन प्रभावशीलता, नवाचार और सेवा वितरण को प्रभावित करती है। एक उच्च प्रदर्शन करने वाला समर्पित कार्यबल अच्छी संस्कृति का एक संयोग नहीं है, बल्कि यह कार्मिकों के कल्याण, क्षमता विकास और समावेशी नेतृत्व में रणनीतिक निवेश का एक अपेक्षित परिणाम है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सहायता पहल अनुपस्थिति और कार्मिकों के स्थानांतरण को कम करती हैं और लक्षित प्रशिक्षण कार्मिकों को बदलती उद्योग आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव करने में सक्षम बनाता है। कार्यबल विकास को व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ संरेखित करने से न केवल उत्पादकता बढ़ती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित होता है कि आरईसी की मानव पूंजी सतत विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का एक प्रमुख चालक बनी रहे।	-	सकारात्मक: आरईसी का मानव पूंजी में निवेश एक रणनीतिक कदम है जिससे तेज़ी से विकसित हो रहे उद्योग में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलती है। कौशल उन्नयन भविष्य के लिए तैयार कार्यबल सुनिश्चित करता है, जबकि कल्याणकारी पहल और समावेशी नेतृत्व उत्पादकता को बढ़ावा देते हैं और कार्मिकों की संख्या में कमी लाते हैं। ये सिर्फ सकारात्मक परिणाम ही नहीं हैं, ये दीर्घकालिक प्रदर्शन और अनुकूलनशीलता को बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
7	सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	अवसर	सतत खरीद, आरईसी के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक उपकरण है जो पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों के प्रबंधन में सहायक है, जो इसकी मूल्य श्रृंखला में अंतर्निहित हैं। खरीद निर्णयों में ईएसजी कारकों को शामिल करके, आरईसी विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के बीच जिम्मेदार मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कर सकता है ताकि अनुपालन, प्रतिष्ठा और संचालन जोखिमों को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त, एमएसएमई और वंचित व्यावसायिक क्षेत्रों के पक्ष में अधिमान्य खरीद रणनीतियों को अपनाकर, आरईसी न केवल आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देता है, बल्कि व्यवहार्य स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाएँ भी स्थापित करता है। ऐसी रणनीति हितधारकों के विश्वास को मजबूत करती है, नियामक अनुपालन को सुगम बनाती है और दीर्घकालिक साझा मूल्य उत्पन्न करती है, जिससे आरईसी एक जिम्मेदार और दूरदर्शी संस्था बन जाती है।		सकारात्मक: आरईसी की सतत प्रक्रिया रणनीति पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों को कम करती है, नियामक संरक्षण सुनिश्चित करती है और प्रतिष्ठा और परिचालन संबंधी कमज़ोरियों को कम करती है। ईएसजी मानदंडों को एकीकृत करके और एमएसएमई और कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों से अधिमान्य सोर्सिंग का लाभ उठाकर, आरईसी आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ाता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देता है और दीर्घकालिक हितधारक मूल्य उत्पन्न करता है।
8	डिजिटल परिवर्तन और नवाचार	अवसर	डिजिटलीकरण आरईसी के लिए दक्षता को बढ़ावा देने, सेवाओं की डिलीवरी को बेहतर बनाने और उभरते हुए बुनियादी ढाँचे के वित्त परिदृश्य में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने का एक प्रमुख चालक है। प्रौद्योगिकी को अपनाने से अधिक सुव्यवस्थित संचालन, त्वरित निर्णय लेने और अधिक व्यक्तिगत ग्राहक अनुभव संभव होता है। नवाचार उधारकर्ताओं की ज़रूरतों, विनियमन और बाज़ार में व्यवधान में बदलाव के प्रति आरईसी की लचीलापन को बढ़ाता है। यह नई वित्तपोषण योजनाएँ बनाने और जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने की संभावना भी खोलता है। डिजिटल क्षमताओं में निवेश के माध्यम से, आरईसी न केवल परिचालन लचीलापन बढ़ाता है, बल्कि स्थायी वित्त के क्षेत्र में एक दूरदर्शी, आधुनिक संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को भी मजबूत करता है।		सकारात्मक: आरईसी के लिए, डिजिटलीकरण कार्यों को सुव्यवस्थित करेगा, ग्राहक सेवा को बेहतर बनाएगा और लाभप्रदता को बढ़ावा देगा। स्वचालन और विश्लेषण के साथ, आईटी प्रणालियाँ ऋण उत्पत्ति, अंडरराइटिंग, संग्रह और ग्राहक ऑनबोर्डिंग में सुधार करेंगी, जिससे दक्षता बढ़ेगी और लागत कम होगी। इससे आरईसी की प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत होगी और अधिक सुचारू, अधिक प्रतिक्रियाशील सेवाएँ सुनिश्चित होंगी।
9	आर्थिक विकास	अवसर	आर्थिक विकास, बुनियादी ढाँचे की माँग को बढ़ाकर, विशेष रूप से विद्युत क्षेत्र में, आरईसी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, ऊर्जा की बढ़ती खपत और औद्योगीकरण के कारण अधिक उत्पादन, पारेषण और वितरण परियोजनाओं की आवश्यकता बढ़ रही है, जिससे आरईसी के वित्तपोषण के अवसर सीधे तौर पर बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, सतत और समावेशी विकास पर सरकार का ध्यान स्मार्ट ग्रिड और ग्रामीण विद्युतीकरण की माँग को बढ़ाता है, जिससे राष्ट्रीय प्रगति के एक प्रमुख वित्तीय प्रवर्तक के रूप में आरईसी की भूमिका और मजबूत होती है।		सकारात्मक: यह अवसर सीधे तौर पर ऋण पुस्तिका में वृद्धि और मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की ओर ले जाता है क्योंकि बढ़ती अर्थव्यवस्था में आरईसी की मुख्य वित्तीय सेवाओं की माँग बढ़ रही है।



क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
10	सतत वित्त	अवसर	हरित ऋण और बॉण्ड जैसे सतत वित्त उपकरणों को प्रोत्साहित करना, आरईसी को पूंजी को जलवायु और विकास प्राथमिकताओं से जोड़ने का एक मज़बूत माध्यम प्रदान करता है। अपने ग्रीन बॉण्ड फ्रेमवर्क के माध्यम से, आरईसी नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, स्वच्छ परिवहन और प्रदूषण नियंत्रण जैसे उच्च-प्रभाव वाले क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण को निर्देशित करता है, जिससे राष्ट्रीय जलवायु उद्देश्यों के साथ-साथ सतत बुनियादी ढाँचे के विकास को भी संभव बनाया जा सकता है। ये उपकरण न केवल आरईसी के पूंजी आधार का विस्तार करते हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धी कीमतों पर वैश्विक ईएसजी पूंजी तक पहुँच में भी सुधार करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्थिरता से जुड़े वित्तीय उत्पादों का एक बड़ा पोर्टफोलियो होने से आरईसी को अनुपालन से आगे बढ़कर हरित बदलाव के वित्तपोषण में सक्रिय रूप से अग्रणी भूमिका निभाने में मदद मिलती है, जिससे पर्यावरणीय और सामाजिक मूल्य के साथ-साथ मज़बूत वित्तीय रिटर्न भी प्राप्त होता है।	-	सकारात्मक: जलवायु और विकास लक्ष्यों के साथ बेहतर तालमेल, वैश्विक ईएसजी पूंजी तक व्यापक पहुँच और सतत बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण में अग्रणी भूमिका। हरित वित्त साधनों का लाभ उठाकर, आरईसी अपनी वित्तीय ताकत बढ़ाता है, राष्ट्रीय जलवायु पहलों का समर्थन करता है और सामाजिक प्रभाव और ठोस वित्तीय लाभ दोनों प्रदान करता है।
11	जिम्मेदार उधार	अवसर	ईएसजी विचारों को ऋण देने में शामिल करने से आरईसी को जोखिम प्रबंधन और हितधारक संरेखण में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है। निवेशक, नियामक, समुदाय और साझेदार ऋणदाताओं से दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक विचारों को ध्यान में रखने की अपेक्षा करते हैं। ईएसजी द्वारा सूचित ऋण निर्णय आरईसी को नियामक परिवर्तन, पर्यावरणीय व्यय या स्थानीय प्रतिरोध जैसे जोखिमों की पहले ही पहचान करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे देरी, हानि और प्रतिष्ठा को नुकसान का जोखिम कम होता है। यह रणनीति न केवल पोर्टफोलियो की मज़बूती को बढ़ाती है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता उद्देश्यों के अनुरूप और प्रभाव-संचालित पूंजी को आकर्षित करते हुए एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार ऋणदाता के रूप में आरईसी की प्रतिष्ठा को भी बढ़ाती है।	-	सकारात्मक: बेहतर जोखिम प्रबंधन, बेहतर पोर्टफोलियो लचीलापन और एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार ऋणदाता के रूप में मज़बूत प्रतिष्ठा। ऋण देने में ईएसजी विचारों को शामिल करके, आरईसी को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है, वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाता है और संभावित परियोजना विलंब, हानि और प्रतिष्ठा संबंधी जोखिमों को कम करते हुए प्रभाव-संचालित पूंजी आकर्षित करता है।
12	ईएसजी शासन और बोर्ड निगरानी।	अवसर	निर्णय लेने के उच्चतम स्तर पर पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों के सतत कार्यान्वयन से, आरईसी नियामक परिवर्तनों का पूर्वानुमान लगाने, निवेशकों की अपेक्षाओं का अनुपालन करने और दीर्घकालिक जोखिमों को बेहतर ढंग से संसाधित करने की अपनी क्षमता का अनुकूलन करता है।	-	सकारात्मक: बेहतर रणनीतिक दूरदर्शिता और मज़बूत दीर्घकालिक जोखिम प्रबंधन, निर्णय लेने की क्षमता। आरईसी निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप है और स्थायी और जिम्मेदार विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है।

क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
13	ईएसएमएस (पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन प्रणाली फोकस)	अवसर	ईएसएमएस कंपनी को अपनी ऋण प्रक्रिया में स्थिरता को मुख्यधारा में लाने की अनुमति देता है ताकि आरईसी के साथ वित्तपोषित परियोजनाएँ राष्ट्रीय नियामक आवश्यकताओं और पर्यावरण एवं सामाजिक शासन में अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को पूरा कर सकें। ईएसएमएस, समावेशी और सतत बुनियादी ढाँचे के विकास के वित्तपोषण और संवर्धन के प्रति आरईसी की ज़िम्मेदारी का संकेत है।		सकारात्मक: यह आरईसी को अपनी मुख्य ऋण प्रथाओं में स्थिरता को शामिल करने में सक्षम बनाता है, यह सुनिश्चित करता है कि वित्तपोषित परियोजनाएँ राष्ट्रीय नियमों और वैश्विक ईएसजी मानकों दोनों का अनुपालन करें। यह आरईसी की ज़िम्मेदारीपूर्ण वित्तपोषण के प्रति प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है, परियोजना की विश्वसनीयता को बढ़ाता है और समावेशी, पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बुनियादी ढाँचे के विकास का समर्थन करता है।
14	जलवायु परिवर्तन	जोखिम	जलवायु परिवर्तन भौतिक जोखिम (बाढ़, सूखा, चक्रवात), संक्रमण जोखिम (कार्बन कर, स्वच्छ ऊर्जा मानक) और ईएसजी अपेक्षाओं से जुड़े प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम उत्पन्न करता है। इनसे परियोजनाओं में रुकावट आ सकती है, ऋण जोखिम बढ़ सकता है और आरईसी की पूँजी तक पहुँचने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। आरईसी इसका समाधान परियोजना मूल्यांकन में जलवायु जोखिम को शामिल करके, नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप और हरित वित्तपोषण को बढ़ाकर कर रहा है।	आरईसी अपनी ईएसजी यात्रा और निजी उधारकर्ताओं की ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में एकीकृत ई एंड एस मूल्यांकन को आगे बढ़ा रहा है। हम जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों पर आरबीआई के प्रारूप ढाँचे के साथ प्रकटीकरण को संरक्षित करने की प्रक्रिया में हैं। आरईसी का लक्ष्य भारत के ऊर्जा परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, कंपनी ने नवीकरणीय ऋण पुस्तिका में 49% और नवीकरणीय संवितरण में 63% की वार्षिक वृद्धि हासिल की है, जो हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।	नकारात्मक: जलवायु जोखिम के कारण परिसंपत्ति के फंसने की संभावना।
15	परिचालन पर्यावरण दक्षता	जोखिम	भारत के बिजली क्षेत्र में एक प्रमुख वित्तपोषक के रूप में, आरईसी की वित्तीय स्थिति और प्रतिष्ठा उसके द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रदर्शन से जुड़ी है। वित्तपोषित परिसंपत्तियों में खराब पर्यावरणीय दक्षता से प्रतिष्ठा को नुकसान, बढ़ी हुई नियामक जाँच, संभावित अवरुद्ध परिसंपत्तियाँ और हरित वित्त तक सीमित पहुँच हो सकती है।	इस समस्या को कम करने के लिए, आरईसी ने अपने निवेश और संचालन को निर्देशित करने के लिए एक व्यापक ईएसजी नीति अपनाई है। यह नीति परियोजना मूल्यांकन में ईएसजी की उचित तत्परता को बढ़ाती है, नवीकरणीय और ऊर्जा-कुशल परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण को प्राथमिकता देती है और हरित वित्तीय उत्पाद विकसित करती है। यह आंतरिक क्षमता का निर्माण भी करती है और उधारकर्ताओं में पर्यावरण-कुशल प्रौद्योगिकियों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देती है, जिससे सतत विकास और राष्ट्रीय पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ संरेखण सुनिश्चित होता है।	नकारात्मक: उल्लंघन के मामले में संभावित जुर्माना/दंड।



क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
16	डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा	जोखिम	संवेदनशील वित्तीय और परियोजना-संबंधी जानकारी रखने वाले एक सार्वजनिक उपक्रम के रूप में, आरईसी के लिए डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा के उल्लंघन की स्थिति में भारी जोखिम है। कोई भी साइबर हमला या डेटा उल्लंघन संचालन को बाधित कर सकता है, नियामक दंड का कारण बन सकता है और हितधारकों के विश्वास को कम कर सकता है। जैसे-जैसे अधिक से अधिक डिजिटलीकरण हो रहा है, खतरे का स्तर भी बढ़ रहा है, इसलिए कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करना और नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण हो जाता है। इसकी उपेक्षा करने से न केवल व्यवसाय की निरंतरता को खतरा होता है, बल्कि एक सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन के रूप में आरईसी की विश्वसनीयता और जवाबदेही भी कम हो जाती है।	भारत सरकार की एक प्रमुख कंपनी होने के नाते, आरईसी संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा और परिचालन लचीलापन बनाए रखने के लिए डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा को अत्यंत तत्परता से प्राथमिकता देती है। कंपनी ने अपनी सूचना संपत्तियों की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) लागू की है, जो राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा ढाँचों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है। अपने मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) के नेतृत्व में, आरईसी निरंतर प्रशिक्षणों, सूचनात्मक सत्रों, आंतरिक संदेशों, सोशल मीडिया अभियानों और यहाँ तक कि डेस्कटॉप वॉलपेपर के माध्यम से साइबर सुरक्षा जागरूकता की संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा देती है। यह प्रतिबद्धता एक व्यापक डेटा गोपनीयता नीति द्वारा और भी पुष्ट होती है जो सभी हितधारकों के व्यक्तिगत और संवेदनशील डेटा की सख्ती से सुरक्षा करती है, नियमित सुरक्षा ऑडिट और उन्नत तकनीकों को अपनाने से पूरित होती है ताकि विकसित हो रहे साइबर खतरों को कम किया जा सके, जिससे विश्वास मजबूत होता है और इसके महत्वपूर्ण वित्तीय और परिचालन अवसरचना की सुरक्षा होती है।	नकारात्मक: उल्लंघन के मामले में संभावित जुर्माना/दंड।

क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
17	कॉर्पोरेट सुशासन और व्यावसायिक नैतिकता	जोखिम	आरईसी के लिए, खराब कॉर्पोरेट सुशासन और नैतिक कदाचार न केवल प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम हैं - बल्कि ये प्रणालीगत जोखिम भी हैं जो रणनीतिक निर्णय लेने, निवेशकों के विश्वास और दीर्घकालिक मूल्य सृजन को प्रभावित कर सकते हैं। वर्तमान नियामकीय माहौल में, भ्रष्टाचार या गैर-अनुपालन का कोई भी मामला कानूनी प्रतिबंधों का कारण बन सकता है और हितधारकों के विश्वास को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा, सभी स्तरों पर मजबूत प्रशासन के बिना, कॉर्पोरेट व्यवहार और हितधारक अपेक्षाओं के बीच असरेखण का खतरा बना रहता है। इस प्रकार, जवाबदेही और ईमानदारी की संस्कृति कोई विलासिता नहीं है, बल्कि आरईसी के सतत विकास के लिए एक आवश्यकता है।	आरईसी का कॉर्पोरेट प्रशासन ढांचा इसके संचालन की आधारशिला है, जो भारत सरकार की कंपनी होने के अपने दर्जे को दर्शाता है। कंपनी सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों का, कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के साथ-साथ, कड़ाई से पालन करती है। इसके अलावा, आरईसी का सतर्कता विभाग केंद्रीय सतर्कता आयोग के तहत स्वतंत्र रूप से कार्य करता है, जो सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुसार सतर्कता गतिविधियों को सुनिश्चित करता है। पारदर्शी, जवाबदेह और नैतिक प्रथाओं के प्रति यह प्रतिबद्धता, जिसकी देखरेख सरकार द्वारा नामित निदेशकों वाले बोर्ड द्वारा की जाती है, सभी हितधारकों के बीच विश्वास का निर्माण करती है और एक सार्वजनिक संस्था के रूप में कंपनी की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करती है।	नकारात्मक: उल्लंघन के मामले में संभावित जुर्माना/दंड।
18	विनियामक अनुपालन	जोखिम	आरईसी, एक सरकारी स्वामित्व वाला उद्यम होने के नाते, सख्त कानूनी और विनियामकीय अनुपालन के अधीन है। संबंधित कानूनों, वित्तीय नियमों या उद्योग नियमों का पालन न करने पर कंपनी को दंड, मुकदमे और व्यावसायिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। वित्तीय प्रभावों के अलावा, विनियामकीय उल्लंघन आरईसी की एक विश्वसनीय और अनुपालन करने वाले संगठन के रूप में प्रतिष्ठा को काफी हद तक कम कर सकते हैं। एक मजबूत विनियमित पारिस्थितिकी तंत्र में, सख्त अनुपालन न केवल कानूनी रूप से आवश्यक है, बल्कि रणनीतिक रूप से भी अनिवार्य है - हितधारकों का विश्वास बनाए रखने, सुचारू संचालन सुनिश्चित करने और आरईसी के भविष्य के विकास और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण।	भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) के रूप में, आरईसी का नियामक जोखिम के प्रति दृष्टिकोण अंतर्निहित रूप से इसके सार्वजनिक अधिदेश से जुड़ा हुआ है। यह एक अत्यधिक सतर्क अनुपालन प्रभाग रखता है जो विद्युत मंत्रालय, आरबीआई और सेबी जैसी संस्थाओं के सभी सरकारी निर्देशों, नीतियों और वैधानिक परिवर्तनों की सक्रिय रूप से निगरानी करता है। यह न केवल मौजूदा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करता है, बल्कि नए मानदंडों के साथ त्वरित अनुकूलन भी सुनिश्चित करता है, जिससे राष्ट्रीय विद्युत क्षेत्र के विकास और वित्तीय स्थिरता में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका की रक्षा होती है।	नकारात्मक: उल्लंघन के मामले में संभावित जुर्माना/दंड।



क्र.सं.	अभिचिह्नित महत्वपूर्ण मुद्दा	बताएं कि क्या यह जोखिम है या अवसर	जोखिम/अवसर की पहचान करने का तर्क	जोखिम की स्थिति में अनुकूलन या शमन के लिए दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ बताएं)
19	जोखिम प्रबंधन	जोखिम	जोखिम प्रबंधन में उन जोखिमों की पहचान, आकलन और उनका शमन शामिल है जो केवल विशिष्ट परियोजनाओं या निवेशों के बजाय पूरे संगठन या उद्योग को प्रभावित करते हैं। जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन करके, आरईसी वित्तीय स्थिरता, प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक व्यवहार्यता की रक्षा कर सकता है।	मज़बूत जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को लागू करने से अनिश्चितताओं का सामना करने में लचीलापन सुनिश्चित होता है, निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है और हितधारकों का विश्वास बना रहता है। यह वित्तीय और आर्थिक तनाव से उत्पन्न होने वाले झटकों को सहने और उद्योग में कंपनियों की जटिलता और परस्पर संबद्धता से संबंधित सख्त विनियामक आवश्यकताओं को पूरा करने की आरईसी की क्षमता को भी दर्शाता है।	नकारात्मक प्रभाव

खंड ख: प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य व्यवसायों को एनजीआरबीसी सिद्धांतों और मूल तत्वों को अपनाने के लिए स्थापित संरचनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने में सहायता करना है।

प्रकटीकरण संबंधी प्रश्न	पी1	पी2	पी 3	पी4	पी 5	पी 6	पी7	पी8	पी 9
नीति और प्रबंधन प्रक्रियाएँ									
1. क. क्या आपकी संस्था की नीति/नीतियां एनजीआरबीसी के प्रत्येक सिद्धांत और उसके मुख्य तत्वों को कवर करती हैं। (हां/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
ख. क्या नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? (हां/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
ग. नीतियों का वेब लिंक, यदि उपलब्ध हो	कृपया रिपोर्ट का अनुलग्नक देखें								
2. क्या संस्था ने नीति को प्रक्रियाओं में परिवर्तित किया है। (हां/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3. क्या सूचीबद्ध नीतियां आपके मूल्य श्रृंखला भागीदारों पर भी लागू होती हैं? (हां/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
4. आपकी संस्था द्वारा अपनाए गए और प्रत्येक सिद्धांत से मैप किए गए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड/प्रमाणन/लेबल/मानकों के नाम।	आईएसओ 27001: 2013								
5. संस्था द्वारा निर्धारित विशिष्ट प्रतिबद्धताएं, उद्देश्य और लक्ष्य, यदि कोई हो, परिभाषित समयसीमा के साथ।	एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम होने के नाते, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आरईसी के प्रचालन और वित्तीय लक्ष्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के एमओयू दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित किए गए थे। समझौता ज्ञापन की रूपरेखा में 12 मापदंड हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए अधिकतम 100 अंक आवंटित किए गए हैं। समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में कई अनुपालनों को भी स्पष्ट किया गया है, जिनके गैर-अनुपालन के लिए नकारात्मक अंक दिए जाएंगे। समझौता ज्ञापन ढांचे को नियंत्रित करने वाले दिशानिर्देश डीपीई वेबसाइट: https://dpe.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं। समझौता ज्ञापन दस्तावेज़ निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है https://recindia.nic.in/mou								
6. विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, उद्देश्यों और लक्ष्यों के प्रति संस्था का प्रदर्शन तथा इनके पूरा न होने की स्थिति में कारण।	आरईसी ने अपनी धारक कंपनी पीएफसी के साथ सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी एमओयू दिशा-निर्देशों में निर्धारित रूपरेखा के तहत एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। एमओयू में कंपनी के लिए प्रमुख प्रदर्शन मापदंडों को रेखांकित किया गया है, जिन्हें भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया है और कंपनी के प्रदर्शन का मूल्यांकन एमओयू मापदंडों के आधार पर किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अपने उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन के कारण, आरईसी को डीपीई द्वारा "उत्कृष्ट" रेटिंग दी गई है और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, कंपनी को फिर से उत्कृष्ट रेटिंग मिलने की उम्मीद है, जो एमओपी/डीपीई द्वारा अंतिम मूल्यांकन के अधीन है।								

अभिशासन, नेतृत्व और निगरानी

7. व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार निदेशक का वक्तव्य, जिसमें ईएसजी से संबंधित चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

आरईसी में, स्थिरता एक बाद की सोच नहीं, बल्कि हमारे सभी कार्यों में अंतर्निहित एक रणनीतिक प्राथमिकता है। जैसे-जैसे भारत तेज़ी से आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि विकास पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समावेशन और मज़बूत शासन के साथ-साथ हो। आरईसी बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति हमें पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों को हमारे मुख्य निर्णय लेने में व्यवस्थित रूप से एकीकृत करने के लिए मार्गदर्शन करती है, जिससे हम देश के सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करते हुए हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित कर पाते हैं।

चुनौतियाँ और रणनीतिक लक्ष्य

ईएसजी को बड़े पैमाने पर लागू करने से बुनियादी ढाँचे में कमियाँ, तकनीक अपनाना, हितधारकों का समन्वय और निरंतर अनुपालन एवं निगरानी की आवश्यकता जैसी प्रमुख चुनौतियाँ सामने आती हैं। इन बाधाओं के बावजूद, आरईसी ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिनमें सबसे उल्लेखनीय है हमारे ऋण पोर्टफोलियो में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना। हमारी प्रतिबद्धता नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाली सुविधाओं, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से हमारे संचालन को हरित बनाने तक फैली हुई है। इसके अलावा, हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल ग्रामीण और वंचित समुदायों में हमारे सकारात्मक प्रभाव का विस्तार कर रही हैं।

प्रमुख उपलब्धियाँ

आरईसी ने अपनी ईएसजी प्रतिबद्धताओं को उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ाया है, 1 मेगावाट पीक कैप्टिव सौर संयंत्र के साथ नेट जीरो की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है और इसके 76% वाहन बेड़े अब इलेक्ट्रिक हैं। आरईसी ने डीएचबीवीएन के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए हमारे कॉर्पोरेट कार्यालय को 100% हरित ऊर्जा की आपूर्ति के लिए सहमति व्यक्त की है, जिससे अनुमान है कि भारत के पंचामृत लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता में स्कोप 1 और 2 के लगभग 85% उत्सर्जन से बचा जा सकेगा। भारत के पंचामृत लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रतिबद्धता के तहत, नवीकरणीय ऋण वितरण में साल-दर-साल 63% की प्रभावशाली वृद्धि हुई और ऋण पुस्तिका में 49% की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप अनुमानित 6.1 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन से बचा जा सका। सामाजिक रूप से, आरईसी ने एक नई व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा नीति पेश की और शून्य डेटा उल्लंघन और शून्य ग्राहक शिकायतें हासिल कीं। ऋण मूल्यांकन और खरीद में ईएसजी को एकीकृत करके शासन को मज़बूत किया गया।

शासन और आगे की राह

शासन हमारे स्थायित्व एजेंडे का आधार बना हुआ है। हम पारदर्शिता, नैतिक खरीद और ईएसजी से जुड़ी मूल्य श्रृंखला सहभागिता सुनिश्चित करते हैं, जिससे हमारी मूल्य श्रृंखला में अखंडता मज़बूत होती है। एक मज़बूत शासन संरचना और स्पष्ट ईएसजी रोडमैप के साथ, आरईसी न केवल भारत के ऊर्जा और बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों के वित्तपोषक के रूप में, बल्कि देश के हरित और समावेशी परिवर्तन के एक सक्रिय प्रवर्तक के रूप में भी स्थापित है। आगे बढ़ते हुए, हमारा लक्ष्य नवाचार को अपनाकर, हितधारकों की सहभागिता को गहरा करके और अपनी ईएसजी प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाकर अपने प्रभाव को बढ़ाना है।

(आरईसी में ईएसजी पर व्यापक अवलोकन के लिए सीएमडी संदेश अनुभाग भी देखें)

8. व्यवसाय उत्तरदायित्व नीति(यों) के कार्यान्वयन और निरीक्षण के लिए जिम्मेदार सर्वोच्च प्राधिकारी का विवरण।

निदेशक मंडल

हाँ।

9. क्या संस्था में सततता से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार बोर्ड/निदेशक की एक निर्दिष्ट समिति है? (हाँ/नहीं)। यदि हाँ, तो विवरण प्रस्तुत करें।

श्री हर्ष बवेजा
(डीआईएन: 09769272)
निदेशक (वित्त)
+91-124-4441319
df@recindia.com

10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण:

समीक्षा का विषय	बताएं कि क्या निदेशक / बोर्ड की समिति / किसी अन्य समिति द्वारा समीक्षा की गई थी									आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/त्रैमासिक/कोई अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)								
	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
उपरोक्त नीतियों के अनुरूप निष्पादन और अनुवर्ती कार्रवाई	हां, बोर्ड की समिति द्वारा समीक्षा की गई थी									त्रैमासिक एवं वार्षिक आधार पर								
सिद्धांतों से संबंधित वैधानिक आवश्यकताओं का अनुपालन और किसी भी गैर-अनुपालन का सुधार	हां, बोर्ड की समिति द्वारा समीक्षा की गई थी									त्रैमासिक एवं वार्षिक आधार पर								

11. क्या संस्था ने अपनी नीतियों के कामकाज का किसी बाहरी एजेंसी से स्वतंत्र मूल्यांकन/आकलन करवाया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो एजेंसी का नाम बताएं।

पी1 पी2 पी3 पी4 पी5 पी6 पी7 पी8 पी9
निदेशक मंडल सभी नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है और वरिष्ठ प्रबंधन समय-समय पर इन प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है।

टिप्पणी: प्रासंगिक स्पष्टीकरण/सूचना/लिंक इस रिपोर्ट के अनुलग्नक में उल्लिखित हैं



12. यदि उपरोक्त प्रश्न (1) का उत्तर "नहीं" है अर्थात सभी सिद्धांत नीतियों के अंतर्गत कवर नहीं किए गए हैं, तो कारण बताएं:

प्रकटीकरण संबंधी प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
संस्था, सिद्धांतों को अपने व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण नहीं मानती (हां/नहीं)									
संस्था, उस स्तर पर नहीं है जहां वह निर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियां तैयार करने और उन्हें लागू करने की स्थिति में हो (हां/नहीं)									
संस्था के पास कार्य के लिए वित्तीय या/और मानव एवं तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं (हां/नहीं)						लागू नहीं			
इसे अगले वित्तीय वर्ष में पूरा करने की योजना है (हां/नहीं)									
कोई अन्य कारण (कृपया बताएं)									

खंड ग: सिद्धांत-वार कार्य-निष्पादन संबंधी प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य संस्थाओं को सिद्धांतों और मुख्य तत्वों को मुख्य प्रक्रियाओं और निर्णयों के साथ एकीकृत करने में उनके कार्य-निष्पादन को प्रदर्शित करने में मदद करना है। मांगी गई जानकारी को "आवश्यक" और "नेतृत्व" के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जबकि आवश्यक संकेतकों का प्रकटीकरण ऐसी प्रत्येक संस्था द्वारा किया जाना अपेक्षित है जिसे यह रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अधिकृत किया गया है, नेतृत्व संकेतकों का प्रकटीकरण, ऐसी संस्थाओं द्वारा स्वेच्छा से किया जा सकता है जो सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक रूप से जिम्मेदार होने की अपनी खोज में उच्च स्तर पर प्रगति करने की आकांक्षा रखती हैं।

सिद्धांत 1 - व्यवसायों को सत्यनिष्ठा और नैतिक, पारदर्शी एवं जवाबदेह तरीके से अपना प्रचालन और अभिशासन करना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा कवरेज का प्रतिशत:

खंड	आयोजित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल विषय/सिद्धांत और उनका प्रभाव	जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले संबंधित श्रेणी के व्यक्तियों की आयु का %
निदेशक मंडल	9	- स्कोप कार्यालय, नई दिल्ली में उद्योग विशेषज्ञ द्वारा उत्तरदायी व्यावसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश (एनजीआरबीसी)। - ऊटी, तमिलनाडु में भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान द्वारा आयोजित "निदेशक प्रमाणन मास्टर क्लास"। - आईआईएम बैंगलोर में भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान द्वारा आयोजित "प्रभावी जोखिम प्रशासन और बोर्ड कार्यक्रम"। - रॉटरडैम में विश्व ऊर्जा परिषद में विभिन्न सत्र।	100
मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक	7	- स्कोप कार्यालय, नई दिल्ली में उत्तरदायी व्यावसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश (एनजीआरबीसी)। - ऊटी, तमिलनाडु में भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान द्वारा आयोजित "निदेशक प्रमाणन मास्टर क्लास"। - कोलकाता में भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) द्वारा जलवायु कार्रवाई को सुदृढ़ बनाने में जलवायु सह-लाभ पद्धतियों की भूमिका। - रॉटरडैम में विश्व ऊर्जा परिषद में विभिन्न सत्र। उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त, कई अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।	100

खंड	आयोजित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल विषय/सिद्धांत और उनका प्रभाव	जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले संबंधित श्रेणी के व्यक्तियों की आयु का %
निदेशक मंडल और केएमपी के अलावा कार्मिक	105	आरईसी निरंतर सीखने और विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्मिक कौशल को बढ़ाने, एक जिम्मेदार व्यावसायिक संस्कृति को बढ़ावा देने और प्रमुख ईएसजी विचारों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए प्रशिक्षण की व्यापक श्रेणियाँ, जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों (एनजीआरबीसी) सिद्धांतों की भावना के अनुरूप, नीचे दी गई हैं: I. नैतिक आचरण, शासन और जोखिम प्रबंधन (पी1: नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही; पी2: सतत और सुरक्षित उत्पाद; पी4: हितधारक जवाबदेही; पी7: जिम्मेदार नीति जुड़ाव) कॉर्पोरेट सुशासन और अनुपालन: एनजीआरबीसी, निदेशकों के प्रमाणन, आरईसी आचरण नियम (भ्रष्टाचार विरोधी और रिश्वतखोरी सहित) और रोजगार और सार्वजनिक खरीद से संबंधित कानूनी अनुपालन पर प्रशिक्षण। नैतिकता और अखंडता: नैतिक आचरण, सतर्कता जागरूकता और भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए समर्पित सत्र। जोखिम प्रबंधन: उद्यम-व्यापी जोखिम प्रबंधन (आईएसओ 31000 सहित), बाज़ार और परिचालन जोखिम, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता पर व्यापक प्रशिक्षण। सतत व्यावसायिक व्यवहार: खरीद, उत्पाद जीवनचक्र और समग्र व्यावसायिक संचालन में स्थिरता को एकीकृत करने पर प्रशिक्षण। II. कार्मिक कल्याण, मानवाधिकार और समावेशिता (पी3: कार्मिक कल्याण; पी5: मानवाधिकार; पी8: समावेशी विकास और समतामूलक विकास) स्वास्थ्य एवं सुरक्षा: व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर नियमित जागरूकता सत्र। मानव अधिकार और विविधता: मानवाधिकारों, यौन उत्पीड़न निवारण (पीओएसएच) और विभिन्न समूहों (एससी, एसटी, ओबीसी, पूर्व सैनिक, पीडबल्यूबीडी, ईडबल्यूएस) के लिए आरक्षण और समावेशिता को बढ़ावा देने वाली नीतियों पर प्रशिक्षण। कार्मिक विकास एवं कल्याण: कल्याण, तनाव प्रबंधन, कार्य-जीवन संतुलन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और नेतृत्व विकास पर केंद्रित कार्यक्रम। विविधता एवं समावेशिता: विभिन्न कार्मिक समूहों के लिए समावेशिता पर विशेष रूप से केंद्रित कार्यशालाएँ। III. पर्यावरण प्रबंधन और जलवायु कार्रवाई (पी6: पर्यावरणीय उत्तरदायित्व) जलवायु परिवर्तन और स्थिरता: जलवायु सह-लाभ पद्धतियों, कार्बन प्रबंधन, ग्रीनहाउस गैस लेखांकन, कार्बन फुटप्रिंटिंग और हरित जलवायु वित्त सुविधाओं पर प्रशिक्षण। ऊर्जा संक्रमण और स्मार्ट प्रणालियाँ: स्मार्ट वितरण प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा और हाइड्रोजन पर सत्र। पर्यावरण उपचार: पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत प्रथाओं पर केंद्रित राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यक्रम। IV. व्यावसायिक संचालन, वित्त और डिजिटल परिवर्तन (सामान्य व्यावसायिक कुशलता और दक्षता) वित्तीय कुशल: बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के वित्तपोषण, कॉर्पोरेटों को ऋण देने और गैर-वित्त अधिकारियों के लिए वित्त पर प्रशिक्षण। उन्नत विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: उन्नत एक्सेल, डेटा विश्लेषण और कार्यस्थल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अनुप्रयोग पर सत्र। परिचालन उत्कृष्टता: रणनीतिक सोर्सिंग, अनुबंध प्रबंधन, ई-खरीद और जोखिम-आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा को कवर करने वाले कार्यक्रम। संचार और नेतृत्व: व्यावसायिक प्रस्तुतियों, सार्वजनिक भाषण और प्रशासनिक नेतृत्व में प्रशिक्षण। उपरोक्त के अलावा, आरईसी ने दिसंबर 2024 के दूसरे सप्ताह में ईएसजी जागरूकता सप्ताह मनाया। इस प्रभावशाली कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्र, वरिष्ठ नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी, इंटरैक्टिव प्रतियोगिताएँ, आकर्षक नुक्कड़ नाटक (नुक्कड़ नाटक), प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ और एक गतिशील सोशल मीडिया अभियान शामिल थे। इस पहल ने हमारे कार्मिकों और हितधारकों के बीच जागरूकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया और स्थायी प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा दिया।	99
श्रमिक		लागू नहीं	



2. वित्तीय वर्ष में विनियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थाओं के साथ कार्यवाही (संस्था द्वारा या निदेशकों/केएमपी द्वारा) में संदुत्त जुर्माने/अर्थदंड/दंड/एवार्ड/शमन शुल्क/निपटान राशि का निम्नलिखित प्रारूप में विवरण (टिप्पणी: संस्था सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 में निर्दिष्ट और संस्था की वेबसाइट पर उल्लिखित महत्व के आधार पर प्रकटीकरण करेगी):

मौद्रिक					
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	नियामक/ प्रवर्तन एजेंसी/ न्यायिक संस्थान का नाम	राशि (₹ में)	मामले का सार	क्या कोई अपील की गई है? (हां/नहीं)
अर्थदंड/जुर्माना*	कोई नहीं	कोई नहीं*	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
समझौता	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
शमन शुल्क	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

गैर-मौद्रिक				
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	नियामक/ प्रवर्तन एजेंसी/ न्यायिक संस्थान का नाम	मामले का सार	क्या कोई अपील की गई है? (हां/नहीं)
कारावास	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
दंड	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

*टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, एनएसई और बीएसई ने कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की अनुपलब्धता के कारण लिस्टिंग विनियमों के तहत निर्धारित बोर्ड और विभिन्न बोर्ड स्तरीय समितियों की संरचना के संबंध में प्रावधानों का पालन न करने पर ₹29,02,800/- का जुर्माना लगाया है। यह उल्लेख करना उचित है कि कंपनी के बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति करने की शक्ति भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है, जो प्रशासनिक मंत्रालय यानी विद्युत मंत्रालय (एमओपी) के माध्यम से कार्य करते हैं। कंपनी स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की नियुक्ति के लिए नियुक्ति प्राधिकारी यानी एमओपी से अनुरोध कर रही है और कंपनी की निदेशकों की नियुक्ति या अपने बोर्ड की संरचना को बनाए रखने में कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि यह कंपनी के नियंत्रण से परे है।

3. उपरोक्त प्रश्न 2 में प्रकट किए गए मामलों में, उन मामलों में प्रस्तुत अपील/संशोधन का विवरण जहां मौद्रिक या गैर-मौद्रिक कार्रवाई के लिए अपील की गई है:

मामले का विवरण	नियामक/प्रवर्तन एजेंसियों / न्यायिक संस्थान का नाम
कोई नहीं	कोई नहीं

4. क्या संस्था में भ्रष्टाचार विरोधी या रिश्त विरोधी नीति है? यदि हाँ, तो संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें और नीति का वेब-लिंक, यदि उपलब्ध हो, प्रस्तुत करें:

हाँ, आरईसी के पास रिश्तखोरी और भ्रष्टाचार जैसे सामाजिक मुद्दों से निपटने के लिए नीतियाँ और दिशानिर्देश हैं। आरईसी के आचरण, अनुशासन और अपील (सीडीए) नियम सभी कार्मिकों के लिए आचार संहिता निर्धारित करते हैं, जो रिश्तखोरी, भ्रष्टाचार और अन्य कदाचार के कृत्यों को सिद्ध होने पर आपराधिक अपराध मानते हैं। कंपनी की एक धोखाधड़ी निवारण नीति भी है, जो धोखाधड़ी, रिश्तखोरी और भ्रष्टाचार के सभी कृत्यों की रोकथाम, पता लगाने और रिपोर्टिंग से संबंधित है। इसके अलावा, आरईसी भ्रष्टाचार-विरोधी और रिश्त-विरोधी सीवीसी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करता है, जिसमें पीआईडीपीआई संकल्प (जनहित प्रकटीकरण और मुखबिरों के संरक्षण पर भारत सरकार का संकल्प) शामिल है, जो भ्रष्टाचार या पद के दुरुपयोग के किसी भी आरोप के प्रकटीकरण के लिए शिकायतों से संबंधित है, जिसमें सीवीसी एक नामित एजेंसी है। उपरोक्त के अलावा, आरईसी ने एक व्हिसल ब्लोअर नीति भी अपनाई है। आरईसी के नीति दस्तावेज़ इस लिंक पर देखे जा सकते हैं: <https://recindia.nic.in/policies>। इन नीति दस्तावेज़ों के लिंक निम्नलिखित हैं:

<https://recindia.nic.in/uploads/files/co-fin-coord-rec-fraud-prevention-policy-dt011223.pdf>

https://recindia.nic.in/uploads/files/Whistle_Blower_Policy.pdf

<https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf>

5. ऐसे निदेशकगण/मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों (केएमपी)/कार्मिकों/श्रमिकों की संख्या जिनके विरुद्ध रिश्तखोरी/भ्रष्टाचार के आरोप में किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई:

	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
निदेशक	0	0
मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)	0	0
कार्मिक	0	0
श्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं

6. हितों के टकराव से संबंधित शिकायतों का विवरण:

	वित्तीय वर्ष 2024-25		वित्तीय वर्ष 2023-24	
	संख्या	अभ्युक्ति	संख्या	अभ्युक्ति
निदेशकों के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	-	0	-
केएमपी के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	-	0	-

7. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों पर जुर्माना/दंड/नियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थाओं द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें।

लागू नहीं

8. निम्नलिखित प्रारूप में संदेय लेखाओं के दिनों की संख्या [(संदेय लेखा *365) / खरीदी गई वस्तुओं/सेवाओं की लागत]:

	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
संदेय लेखाओं के दिनों की संख्या	24*	11*

* पिछले वर्ष की तुलना में देय खातों की संख्या में वृद्धि मुख्यतः आरडीएसएस जैसे सरकारी कार्यक्रमों के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में हमारी भूमिका से संबंधित दो कारकों के कारण है। पहला, विशेष रूप से स्मार्ट मीटरिंग के लिए, खरीद मात्रा (हर) में लगभग 40% की उल्लेखनीय कमी आई। दूसरा, इन परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से भुगतान की प्रतीक्षा में देय खातों (अंश) में वृद्धि हुई। ये समय अंतर सरकारी योजनाओं में निहित हैं और किसी भी अक्षमता को नहीं दर्शाते हैं। हम कठोर वित्तीय प्रबंधन बनाए रखते हैं, धन प्राप्ति पर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करते हैं, जो हमारे मजबूत शासन और ईएसजी उद्देश्यों के अनुरूप है।

ऑकड़े पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत हैं।

9. व्यापार का खुलापन:

व्यापारिक घरानों, डीलरों और संबंधित पक्षकारों के साथ खरीद और बिक्री की सघनता का विवरण, साथ ही संबंधित पक्षकारों के साथ ऋण और अग्रिम तथा निवेश का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रस्तुत करें:

मापदंड	मेट्रिक्स	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
खरीद की सघनता	क. कुल खरीद के प्रतिशत के रूप में व्यापारिक घरानों से खरीद	0	0
	ख. ऐसे व्यापारिक घरानों की संख्या, जहां से खरीदारी की जाती है	0	0
	ग. व्यापारिक घरानों से कुल खरीद के प्रतिशत के रूप में शीर्ष 10 व्यापारिक घरानों से खरीद	0	0
बिक्री की सघनता	क. कुल बिक्री के % के रूप में डीलर/वितरक को बिक्री	लागू नहीं	लागू नहीं
	ख. ऐसे डीलरों / वितरकों की संख्या, जिन्हें बिक्री की गई	लागू नहीं	लागू नहीं
	ग. डीलर/वितरक को कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में शीर्ष 10 डीलर/वितरक को बिक्री	लागू नहीं	लागू नहीं
आरपीटी का हिस्सा	क. खरीद (संबंधी पक्षकारों से खरीद / कुल खरीद)	0	0
	ख. बिक्री (संबंधित पक्षकारों को बिक्री / कुल बिक्री)	लागू नहीं	लागू नहीं
	ग. ऋण और अग्रिम (संबंधित पक्षकारों को दिया गया ऋण एवं अग्रिम / कुल ऋण और अग्रिम)	0*	0*
	घ. निवेश (संबंधित पक्षकारों को निवेश/कुल निवेश)	0	0

* वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संबंधित पक्ष के साथ कुल ऋण और अग्रिम ₹13 लाख और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ₹30 लाख है: ये राशियाँ कंपनी की मानक नीति के तहत निदेशकों/केएमपी को प्रदान किए गए कार्मिक अग्रिमों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो सभी कार्मिकों के लिए उपलब्ध है। ये लेनदेन व्यवसाय या वाणिज्यिक प्रकृति के नहीं हैं।

नेतृत्व संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर मूल्य शृंखला भागीदारों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम:

आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल विषय/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत कवर किए गए मूल्य शृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार)
1	आरईसी ने सार्वजनिक खरीद में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की क्षमता और भागीदारी बढ़ाने के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान सक्रिय रूप से केंद्रित विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के एक प्रमुख घटक में समर्पित ईएसजी सत्र शामिल थे। इन सत्रों का उद्देश्य विक्रेताओं को बीआरएसआर सिद्धांतों, आरईसी की स्थिरता खरीद नीति और अपने विक्रेता भागीदारों से आरईसी की विशिष्ट ईएसजी अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील बनाना था।	100
2	आरईसीआईपीएमटी के माध्यम से, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान हमारे कार्मिकों और हितधारकों के साथ-साथ अन्य निजी प्रतिभागियों के लिए कुल 18,935 मानव-दिवसों का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। इसमें आरईसी के सभी ग्राहक शामिल हैं और वित्तीय वर्ष 2024-25 में, अधिकांश राज्य/संयुक्त क्षेत्र के उधारकर्ताओं ने विद्युत सुरक्षा, विद्युत उपयोगिताओं के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, परिवर्तन प्रबंधन, नेतृत्व और टीम निर्माण पर आरईसी द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण प्राप्त किया है।	87*

* राज्य/संयुक्त क्षेत्र के उधारकर्ताओं की ऋण पुस्तिका अनुपात के आधार पर 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार अनुमानित, क्योंकि इन उधारकर्ताओं ने केवल आरईसी-प्रायोजित प्रशिक्षणों का ही लाभ उठाया।



2. क्या संस्था में बोर्ड के सदस्यों से संबंधित हितों के टकराव से बचने/प्रबंधित करने के लिए प्रक्रियाएं हैं? (हां/नहीं) यदि हां, तो उसका विवरण प्रस्तुत करें।

बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आरईसी व्यावसायिक आचार संहिता और आचार संहिता, हितों के टकराव के प्रबंधन की प्रक्रिया को संबोधित करती है। आचार संहिता के अनुसार, बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन को निम्नलिखित कार्य करने होंगे:

- ऐसे मामलों में निर्णय लेने में भाग नहीं लेना चाहिए जहाँ हितों का टकराव मौजूद हो या उत्पन्न हो सकता हो।
- बोर्ड के समक्ष ऐसे किसी भी महत्वपूर्ण वित्तीय और वाणिज्यिक लेन-देन का खुलासा न करें जिसमें उनका व्यक्तिगत हित हो और जो कंपनी के हितों के साथ संभावित रूप से टकराव कर सकता हो।
- बोर्ड के समक्ष ऐसे मामलों पर चर्चा, मतदान या अन्यथा निर्णयों को प्रभावित करने से बचें जिनमें हितों का टकराव या संभावित टकराव शामिल हो।
- बिना पूर्व अनुमोदन के ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल होने से बचें—जैसे परामर्श सेवाएँ प्रदान करना, व्यवसाय चलाना, या रोजगार स्वीकार करना—जो कंपनी के प्रति उनके कर्तव्यों या जिम्मेदारियों में हस्तक्षेप कर सकती हो। उन्हें किसी भी प्रकार के निवेश या किसी भी प्रकार के सहयोग से भी बचना चाहिए।

कोड <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf> पर उपलब्ध है

सिद्धांत 2 - व्यवसायों को वस्तुओं और सेवाओं को ऐसे तरीके से उपलब्ध कराना चाहिए जो सतत और सुरक्षित हो।

आवश्यक संकेतक

1. संस्था द्वारा किए गए कुल अनुसंधान एवं विकास और कैपेक्स निवेश में क्रमशः उत्पादों और प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को बेहतर बनाने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास तथा पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) निवेश का प्रतिशत।

	राशि	प्रतिशत	पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों में सुधार का विवरण
अनुसंधान एवं विकास	0	0	लागू नहीं
कैपेक्स	0	0	लागू नहीं

2. क. क्या संस्था में सतत सोर्सिंग के लिए प्रक्रियाएं हैं? (हां/नहीं)

आरईसी एक मजबूत और व्यापक सतत खरीद नीति के लिए प्रतिबद्ध है जो हमारे मूल मूल्यों के साथ सहजता से संरेखित हो। यह नीति न केवल आर्थिक, सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय मानकों को बनाए रखने के हमारे समर्पण को रेखांकित करती है, बल्कि हमारी खरीद प्रक्रियाओं से जुड़े संभावित जोखिमों को पहचानने और उनका समाधान करने के महत्व पर भी जोर देती है।

पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) जागरूकता बढ़ाने के हमारे प्रयासों में, हम अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ते हैं, उन्हें सतत प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम सहयोग की शक्ति में विश्वास करते हैं और अपने आपूर्तिकर्ताओं को कौशल संवर्धन और सतत तरीकों को अपनाने पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समर्थन देने का लक्ष्य रखते हैं। स्थायित्व के प्रति एक सतत प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए, हम अपने सभी आपूर्तिकर्ताओं से हमारी सतत खरीद नीतियों का पालन करने की अपेक्षा करते हैं। हम अपने आपूर्तिकर्ता आचार संहिता का भी पालन करने की अपेक्षा करते हैं, जो हमारे द्वारा बनाए गए नैतिक मानकों को रेखांकित करती है। आपूर्तिकर्ताओं को अनुरोध किए जाने पर आरईसी को प्रासंगिक ईएसजी डेटा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे हमारी आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।

हमारी वरिष्ठ प्रबंधन टीम इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और हमारी सतत खरीद नीति के कार्यान्वयन की निगरानी में सक्रिय रुचि लेती है। यह भागीदारी सुनिश्चित करती है कि स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता केवल एक बयान नहीं है, बल्कि हमारी परिचालन प्रथाओं में एकीकृत एक सक्रिय दृष्टिकोण है।

यह नीति <https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Sustainable-Procurement-policy-060624.pdf> पर उपलब्ध है।

ख. यदि हाँ, तो कितने प्रतिशत इनपुट सतत रीति में प्राप्त किए गए?

100% इनपुट स्थायी रूप से प्राप्त किए जाते हैं। सभी संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से ईएसजी अनिवार्य घोषणा ली जाती है।

3. (क) प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) (ख) ई-अपशिष्ट (ग) खतरनाक अपशिष्ट और (घ) अन्य अपशिष्ट के संबंध में अपने उत्पादों को पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और उपयोगी काल के अंत में निपटान के लिए सुरक्षित रूप से पुनःप्राप्त करने के लिए मौजूद प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

अपशिष्ट का प्रकार	तंत्र
प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित)	हमारे व्यवसाय और परिचालन प्रक्रियाओं की प्रकृति के कारण, हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हम प्लास्टिक कचरा, इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई-कचरा), या अन्य प्रकार का कचरा बहुत अधिक मात्रा में उत्पन्न नहीं करते हैं। हमारे संचालन खतरनाक कचरे के उत्पादन को न्यूनतम रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। जहाँ ई-कचरा और प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, वहाँ उसका प्रबंधन जिम्मेदारी से और पर्यावरणीय मानकों के अनुसार किया जाता है। स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हम अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के साथ साझेदारी करते हैं।
ई - अपशिष्ट	
खतरनाक अपशिष्ट	
अन्य अपशिष्ट	

4. क्या संस्था की गतिविधियों पर विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) लागू है (हां/नहीं)। यदि हां, तो क्या अपशिष्ट संग्रहण योजना प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को प्रस्तुत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) योजना के अनुरूप है? यदि नहीं, तो इसे संबोधित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएं।

नहीं, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) आरईसी पर लागू नहीं होता है, क्योंकि कंपनी पूरी तरह से एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में कार्य करती है। इसकी व्यावसायिक गतिविधियाँ वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने तक सीमित हैं और इसमें ईपीआर विनियमों के दायरे में आने वाली उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन, संचालन या वितरण शामिल नहीं है। इसलिए, आरईसी के संचालन के लिए ईपीआर-संबंधी प्रावधानों का अनुपालन आवश्यक नहीं है।

नेतृत्व संकेतक

1. क्या संस्था ने अपने किसी उत्पाद (विनिर्माण उद्योग के लिए) या अपनी सेवाओं (सेवा उद्योग के लिए) के लिए उपयोगी-काल परिप्रेक्ष्य/मूल्यांकन (एलसीए) आयोजित किया है? यदि हाँ, तो निम्नलिखित प्रारूप में विवरण प्रस्तुत करें:

एनआईसी कोड	उत्पाद/सेवा का नाम	अंशदत्त कुल टर्नओवर का %	वह सीमा जिसके लिए उपयोगी काल परिप्रेक्ष्य/मूल्यांकन आयोजित किया गया	क्या स्वतंत्र बाह्य एजेंसी द्वारा संचालित किया गया (हां/नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में संप्रेषित परिणाम, (हां/नहीं) यदि हां, तो वेब-लिंक प्रस्तुत करें।

लागू नहीं। आरईसी अपने वित्तीय उत्पादों के लिए जीवन चक्र मूल्यांकन (एलसीए) उसी तरह नहीं करता है जैसे एक विनिर्माण कंपनी भौतिक उत्पादों के लिए करती है।

हालांकि, आरईसी अपनी परियोजना मूल्यांकन और वित्तपोषण प्रक्रियाओं में पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) पहलुओं को सक्रिय रूप से शामिल करता है। यह रणनीति एलसीए के समान ही उद्देश्य पूरा करती है, क्योंकि यह उन परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन और शमन करती है जिनका वित्तपोषण वे अपने पूरे जीवन चक्र में करते हैं।

2. यदि आपके उत्पादों/सेवाओं के उत्पादन या निपटान से कोई महत्वपूर्ण सामाजिक या पर्यावरणीय सरोकार और/या जोखिम उत्पन्न होते हैं, जैसा कि उपयोगी-काल परिप्रेक्ष्य/मूल्यांकन (एलसीए) में या किसी अन्य माध्यम से पाया गया है, तो उन्हें कम करने के लिए की गई कार्रवाई के साथ-साथ उनका संक्षेप में वर्णन करें:

उत्पाद / सेवा का नाम	जोखिम/सरोकार का विवरण	कृत कार्रवाई

आरईसी ऐसी क्षमता में कार्य करती है जो स्वाभाविक रूप से विनिर्माण या भौतिक उत्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण सामाजिक या पर्यावरणीय जोखिमों से बचती है। एक वित्तीय इकाई के रूप में, कंपनी ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होती है जो सीधे तौर पर पारिस्थितिक क्षरण या सामाजिक क्षति में योगदान देती हों।

फिर भी, आरईसी पर्यावरणीय अखंडता को प्राथमिकता देने वाली जिम्मेदार वित्तपोषण प्रथाओं को बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अपनी सम्पूर्ण परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान, कंपनी उन विद्युत परियोजनाओं से जुड़े पर्यावरणीय जोखिमों का व्यवस्थित मूल्यांकन करती है जिन्हें वह वित्तपोषित करने के लिए चुनती है। इस मूल्यांकन में सावधानीपूर्वक उचित परिश्रम शामिल है, जिसमें सभी प्रासंगिक पर्यावरणीय अनुपालन नियमों की व्यापक समीक्षा और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मंजूरीयाँ शामिल हैं कि परियोजनाएँ स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप हों।

इन प्रथाओं के अलावा, आरईसी पर्यावरण संरक्षण को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकारी पहलों का सक्रिय रूप से समर्थन करती है। कंपनी ताप विद्युत संयंत्रों में उन्नत प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी), सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स (ESP) जैसी महत्वपूर्ण प्रणालियों की स्थापना के लिए वित्तपोषण शामिल है। ये प्रौद्योगिकियाँ हानिकारक उत्सर्जन को उल्लेखनीय रूप से कम करने के लिए आवश्यक हैं, जिससे इन विद्युत संयंत्रों के आसपास के समुदायों के लिए वायु गुणवत्ता में सुधार और स्वस्थ वातावरण में योगदान मिलता है।

3. उत्पादन (विनिर्माण उद्योग के लिए) या सेवाएं प्रदान करने (सेवा उद्योग के लिए) में प्रयुक्त कुल सामग्री (मूल्य के अनुसार) में पुनर्नवीनीकृत या पुनःप्रयुक्त इनपुट सामग्री का प्रतिशत।

इनपुट सामग्री	कुल सामग्री के लिए पुनर्चक्रित या पुनः उपयोग की गई इनपुट सामग्री
वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24

लागू नहीं। चूंकि प्रचालन की प्रकृति ऋण प्रदान करने पर केंद्रित है, इसलिए कोई प्रमुख इनपुट सामग्री का उपयोग नहीं किया जाता है, इसके अलावा, कंपनी द्वारा उपयोग की जाने वाली पुनर्चक्रित या पुनः उपयोग की गई इनपुट सामग्री का प्रतिशत नगण्य है।

4. उत्पादों और पैकेजिंग के उपयोगी-काल के अंत में पुनःप्राप्त, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और सुरक्षित रूप से निपटान की गई मात्रा (मीट्रिक टन में):

	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	पुनः उपयोग	पुनर्चक्रण	सुरक्षित निपटान	पुनः उपयोग	पुनर्चक्रण	सुरक्षित निपटान
प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित)	लागू नहीं, आरईसी किसी भी उत्पाद का निर्माण नहीं करता है; इसलिए, कोई उत्पाद या पैकेजिंग सामग्री पुनःप्राप्त नहीं की जाती है।					
ई-अपशिष्ट						
खतरनाक अपशिष्ट						
अन्य अपशिष्ट						

5. प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए पुनःप्राप्त उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री (बचे गए उत्पादों के प्रतिशत के रूप में)।

उत्पाद श्रेणी	संबंधित श्रेणी में बचे गए कुल उत्पादों के प्रतिशत के रूप में पुनःप्राप्त उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री

लागू नहीं, आरईसी किसी भी उत्पाद का निर्माण नहीं करता है; इसलिए, कोई उत्पाद या पैकेजिंग सामग्री पुनः प्राप्त नहीं है।



सिद्धांत 3 - व्यवसायों को अपनी मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल कार्मिकों सहित सभी कार्मिकों के कल्याण का सम्मान और संवर्धन करना चाहिए।
आवश्यक संकेतक

1. क. कार्मिकों के कल्याण हेतु उपायों का विवरण:

श्रेणी	इसके अंतर्गत आने वाले कार्मिकों का प्रतिशत										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		सुविधाएँ	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)	संख्या (घ)	% (घ / क)	संख्या (ङ)	% (ङ / क)	संख्या (च)	% (च / क)
स्थायी कार्मिक											
पुरुष	490	490	100	490	100	लागू नहीं	लागू नहीं	490	100	490	100
महिला	83	83	100	83	100	83	100	लागू नहीं	लागू नहीं	83	100
कुल	573	573	100	573	100	83	100	490	100	573	100
स्थायी कार्मिकों को छोड़कर अन्य											
पुरुष	506	506	100	506	100	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0	0	0
महिला	74	74	100	74	100	74	100	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0
कुल	580	580	100	580	100	74	100	0	0	0	0

ख. श्रमिकों के कल्याण हेतु उपायों का विवरण:

श्रेणी	इसके अंतर्गत आने वाले श्रमिकों का प्रतिशत										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		सुविधाएँ	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)	संख्या (घ)	% (घ / क)	संख्या (ङ)	% (ङ / क)	संख्या (च)	% (च / क)
स्थायी श्रमिक											
पुरुष	लागू नहीं										
महिला											
कुल											
स्थायी श्रमिको को छोड़कर अन्य											
पुरुष	लागू नहीं										
महिला											
कुल											

ग. निम्नलिखित प्रारूप में कार्मिकों और श्रमिकों (स्थायी और गैर-स्थायी सहित) के कल्याण हेतु उपायों पर व्यय का ब्यौरा:

	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
कंपनी के कुल राजस्व के प्रतिशत के रूप में स्वास्थ्य संबंधी उपायों पर व्यय की गई लागत।	0.023	0.023

2. सेवानिवृत्ति हितलाभों का विवरण:

हितलाभ	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	कुल कार्मिकों के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए कार्मिकों की संख्या	कुल श्रमिकों के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए श्रमिकों की संख्या	कटौती की गई और प्राधिकरण के पास जमा कर दी गई (हां/नहीं/लागू नहीं)	कुल कार्मिकों के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए कार्मिकों की संख्या	कुल श्रमिकों के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए श्रमिकों की संख्या	कटौती की गई और प्राधिकरण के पास जमा कर दी गई (हां/नहीं/लागू नहीं)
भविष्य निधि	100	लागू नहीं	हां	100	लागू नहीं	हां
उपदान	100	लागू नहीं	हां	100	लागू नहीं	हां
ईएसआई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अन्य-एनपीएस/ पीआरएमएस आदि	100	लागू नहीं	हां	100	लागू नहीं	हां

टिप्पणी: उपरोक्त आंकड़े स्थायी कार्मिकों से संबंधित हैं।

3. कार्यस्थलों पर पहुंच:

क्या संस्था के परिसर/कार्यालय दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार दिव्यांग कार्मिकों और श्रमिकों के लिए सुलभ है? यदि नहीं, तो क्या संस्था द्वारा इस संबंध में कोई कदम उठाए जा रहे हैं:

आरईसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं कि उसके परिसर दिव्यांग कार्मिकों के लिए पूरी तरह से सुलभ हों। सुविधाओं में व्हीलचेयर के लिए डिज़ाइन किए गए विशाल लिफ्ट, साथ ही ग्रेब बार और पर्याप्त गतिशीलता स्थान जैसी सुविधाओं से सुसज्जित सुलभ शौचालय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए स्वतंत्र नेविगेशन की सुविधा के लिए पूरे भवन में प्रमुख स्थानों पर ब्रेल साइनेज रणनीतिक रूप से लगाए गए हैं।

भौतिक पहुँच से परे, आरईसी की कॉर्पोरेट वेबसाइट वर्ल्ड वाइड वेब कंसोर्टियम (डब्ल्यू3सी) द्वारा स्थापित वेब सामग्री अभिगम्यता दिशानिर्देश (डब्ल्यूसीएजी) 2.0, स्तर ए का पालन करके समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह समर्पण गारंटी देता है कि दृष्टिबाधित व्यक्ति विभिन्न सहायक तकनीकों का उपयोग करके वेबसाइट के साथ प्रभावी ढंग से इंटरैक्ट कर सकते हैं, जिनमें जेएडब्ल्यूएस, एनवीडीए, एसएएफए, सुपरनोवा और विडो-आईज़ जैसे उन्नत स्क्रीन रीडर शामिल हैं। इस प्रकार के सॉफ्टवेयर के साथ संगतता सुनिश्चित करके, आरईसी एक ऐसे डिजिटल वातावरण को प्रश्रय देता है जहाँ सभी उपयोगकर्ता आसानी और आत्मविश्वास के साथ अपने ऑनलाइन संसाधनों को नेविगेट करने में सक्षम होते हैं।

इसके बारे में अधिक जानकारी <https://recindia.nic.in/screen-reader-access> पर देखी जा सकती है।

4. क्या संस्था में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार समान अवसर नीति है? यदि हाँ, तो नीति का वेब-लिंक प्रस्तुत करें:

हाँ, कंपनी की एक समान अवसर नीति है। यह नीति <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-equalopportunity-policy-dt230424.pdf> पर उपलब्ध है।

5. पितृत्व अवकाश लेने वाले स्थायी कार्मिकों और श्रमिकों की काम पर वापसी और प्रतिधारण दर:

लिंग	स्थायी कार्मिक		स्थायी श्रमिक	
	काम पर वापसी दर	प्रतिधारण दर	काम पर वापसी दर	प्रतिधारण दर
पुरुष	100%	100%		
महिला		लागू नहीं*		लागू नहीं
कुल	100%	100%		

*वित्तीय वर्ष 2024-25 में पितृत्व अवकाश लेने के बाद किसी भी महिला कार्मिक को काम पर लौटने की आवश्यकता नहीं है।

6. क्या निम्नलिखित श्रेणियों के कार्मिकों और श्रमिकों के लिए शिकायतें प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए कोई तंत्र उपलब्ध है? यदि हाँ, तो तंत्र का संक्षिप्त विवरण दें:

हां/नहीं (यदि हाँ, तो संक्षेप में तंत्र का विवरण दें)	
स्थायी श्रमिक	
स्थायी श्रमिकों को छोड़कर अन्य	लागू नहीं
स्थायी कार्मिक	हाँ, आरईसी में कार्मिकों की शिकायतें प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए शिकायत निवारण तंत्र है।
स्थायी कार्मिकों को छोड़कर अन्य	कार्मिक, रिपोर्टिंग मैनेजर के पास शिकायत दर्ज करा सकता है। रिपोर्टिंग मैनेजर 7 दिनों के भीतर शिकायत का समाधान करने का प्रयास करेगा। यदि कार्मिक निवारण से संतुष्ट नहीं है, तो वह 15 दिनों के भीतर संबंधित विभागाध्यक्ष को शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। विभागाध्यक्ष 7 दिनों के भीतर शिकायत का समाधान करने का प्रयास करेंगे। यदि कार्मिक अभी भी निर्णय से संतुष्ट नहीं है या निर्धारित समय सीमा के भीतर उसे प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं होता है, तो वह शिकायत निवारण समिति के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। समिति का निर्णय कार्मिक को 45 दिनों के भीतर सूचित किया जाएगा। असाधारण मामलों में, व्यथित कार्मिक, जो समिति के निर्णय से भी संतुष्ट नहीं होता है, उसके पास शिकायत समिति से निर्णय प्राप्त होने की तारीख से 10 दिनों के भीतर सीएमडी को अपील करने का विकल्प होगा। सीएमडी 30 दिनों के भीतर निर्णय लेंगे और उसे सूचित करेंगे। सभी प्राप्त शिकायतों पर नियमित अंतराल पर नज़र रखी जाती है और उनकी निगरानी की जाती है। भविष्य के रिकॉर्ड के लिए निर्णय संबंधी टिप्पणी भी बनाए जाते हैं।

7. सूचीबद्ध संस्था द्वारा मान्यता प्राप्त संघों या यूनियनों में कार्मिकों और श्रमिकों की सदस्यता:

हाँ, आरईसी ने अपने गैर-पर्यवेक्षी स्थायी कार्मिकों के एक संघ और अपने अधिकारियों के एक संघ को मान्यता दी है। सदस्यता का विवरण नीचे दिया गया है:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	संबंधित श्रेणी में कुल कार्मिक / श्रमिक (क)	संबंधित श्रेणी में कार्मिकों/ श्रमिकों की संख्या, जो संघ(संघों) या यूनियन का हिस्सा हैं (ख)	% (ख/क)	संबंधित श्रेणी में कुल कार्मिक / श्रमिक (ग)	संबंधित श्रेणी में कार्मिकों/ श्रमिकों की संख्या, जो संघ(संघों) या यूनियन का हिस्सा हैं (घ)	% (घ/ग)
कुल स्थायी कार्मिक						
पुरुष	490	490	100	434	434	100
महिला	83	83	100	78	78	100
कुल	573	573*	100	512	512**	100



श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	संबंधित श्रेणी में कुल कार्मिक / श्रमिक (क)	संबंधित श्रेणी में कार्मिकों/ श्रमिकों की संख्या, जो संघ(संघों) या यूनियन का हिस्सा हैं (ख)	% (ख/क)	संबंधित श्रेणी में कुल कार्मिक / श्रमिक (ग)	संबंधित श्रेणी में कार्मिकों/ श्रमिकों की संख्या, जो संघ(संघों) या यूनियन का हिस्सा हैं (घ)	% (घ/ग)
कुल स्थायी श्रमिक						
पुरुष						
महिला						
कुल						

लागू नहीं

8. कार्मिकों एवं श्रमिकों को दिए गए प्रशिक्षण का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25					वित्तीय वर्ष 2023-24*				
	कुल (क)	स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों पर		कौशल उन्नयन पर		कुल (घ)	स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों पर		कौशल उन्नयन पर	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)		संख्या (ड)	% (ड/घ)	संख्या (च)	% (च/घ)
कार्मिक										
पुरुष	996	980	98	969	97	833	799	96	725	87
महिला	157	153	97	151	96	147	142	97	132	90
कुल	1,153	1,133	98	1,120	97	980	941	96	857	87
श्रमिक										
पुरुष										
महिला										
कुल										

लागू नहीं

9. कार्मिकों और श्रमिकों के कार्य-निष्पादन और कैरियर विकास समीक्षा का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	कुल (क)	संख्या (ख)	% (ख / क)	कुल (ग)	संख्या (घ)	% (घ / ग)
कार्मिक						
पुरुष	490	490	100	434	434	100
महिला	83	83	100	78	78	100
कुल	573	573	100	512	512	100
श्रमिक						
पुरुष						
महिला						
कुल						

लागू नहीं

टिप्पणी: विवरण स्थायी कार्मिकों से संबंधित है।

10. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली:

क. क्या संस्था द्वारा व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है? (हां/नहीं)। यदि हां, तो ऐसी प्रणाली का कवरेज:

आरईसी ने अपने कार्मिकों के लिए एक मज़बूत व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली स्थापित की है। हालाँकि एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में आरईसी के संचालन की प्रकृति आमतौर पर व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कोई बड़ा ख़तरा पैदा नहीं करती, फिर भी संगठन अपने कार्मिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाता है।

कार्यस्थल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए, आरईसी ने कई उपाय लागू किए हैं, जिनमें व्यापक निरीक्षण और आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरणों का सावधानीपूर्वक रखरखाव शामिल है। इसमें अग्निशामक यंत्रों की नियमित जाँच, यह सुनिश्चित करना कि अग्नि निकास मार्ग बिना किसी रुकावट के और सुलभ हों और यह सत्यापित करना शामिल है कि प्राथमिक चिकित्सा किट पूरी तरह से स्टॉक में हों और आसानी से उपलब्ध हों। इसके अतिरिक्त, विद्युत और अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन की पुष्टि के लिए कठोर नियमित निरीक्षण किए जाते हैं, और किसी भी चिन्हित समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाता है ताकि जोखिमों को कम किया जा सके।

अपने कार्मिकों के बीच जागरूकता और तैयारी को बढ़ावा देने के लिए, आरईसी समय-समय पर आंतरिक संचार आयोजित करता है जो सुरक्षा प्रोटोकॉल पर जोर देता है, साथ ही सूचनात्मक सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित करता है। इन प्रशिक्षण सत्रों में अग्नि सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्राथमिक चिकित्सा तकनीकों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कार्मिक आपात स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। तैयारियों को और बेहतर बनाने के लिए, कंपनी संभावित आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण करते हुए मॉक निकासी अभ्यास भी आयोजित करती है।

कार्मिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए, आरईसी वार्षिक स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर आयोजित करता है, जिससे कार्मिकों को स्वास्थ्य मूल्यांकन और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों तक पहुँच के अवसर मिलते हैं। ये पहल संगठन के भीतर स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देने की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं।

इसके अलावा, आरईसी ने अपने कार्मिकों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए एक व्यापक चिकित्सा नीति बनाई है। यह नीति चिकित्सा व्यय कवरेज प्रदान करती है और चिकित्सा अवकाश तक पहुँच की सुविधा प्रदान करती है, जिससे कंपनी की अपने कार्मिकों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत होती है। कार्मिक इस नीति के बारे में विस्तृत जानकारी अपने संदर्भ के लिए आसानी से उपलब्ध पा सकते हैं।

ख. कार्य-संबंधी खतरों की पहचान करने तथा संस्था द्वारा नियमित और गैर-नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन करने के लिए कौन-सी प्रक्रियाएँ अपनाई जाती हैं?

व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए यह प्रत्यक्षतः लागू नहीं होता है। हालाँकि, आरईसी कार्यस्थल का नियमित निरीक्षण करता है। इसके अलावा, आरईसी ने विद्युत और अग्नि संबंधी खतरों को दूर करने के लिए एक सख्त प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया गतिविधियों के लिए नियमित परीक्षण और प्रशिक्षण शामिल हैं। विद्युत और अग्नि संबंधी सुरक्षा मापदंडों का आकलन करने के लिए नियमित संपरीक्षा की जाती है, जिसमें आपातकालीन निकास और संबंधित उपकरणों की दैनिक जाँच शामिल है। हम तिमाही रूप से मॉक फायर ड्रिल और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण भी आयोजित करते हैं।

ग. क्या आपकी संस्था में श्रमिकों के लिए कार्य-संबंधित खतरों की रिपोर्ट करने तथा ऐसे जोखिमों से स्वयं को दूर रखने की प्रक्रिया है। (हां/नहीं)

हां। आरईसी में कार्य-संबंधी खतरों की रिपोर्ट करने की एक प्रक्रिया विद्यमान है।

घ. क्या संस्था के कार्मिकों/श्रमिकों को गैर-व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है? (हां/नहीं)।

हाँ, आरईसी कार्मिकों के स्वास्थ्य की देखरेख के लिए नियमित स्वास्थ्य जाँच, चिकित्सा शिविर और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ सत्र आयोजित करता है। कंपनी हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर और जीवनशैली से जुड़ी अन्य बीमारियों सहित गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर केंद्रित विभिन्न जागरूकता पहल करती है। इसके अतिरिक्त, सभी कार्मिकों और उनके आश्रितों को एक व्यापक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के अंतर्गत कवर किया जाता है, जो उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल और उनकी स्वास्थ्य सेवा संबंधी ज़रूरतों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

11. सुरक्षा संबंधी घटनाओं का विवरण:

सुरक्षा संबंधी घटना/संख्या	श्रेणी*	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
प्रति दस लाख व्यक्ति कार्य घंटे पर नष्ट समय अभिघात आवर्ती दर (एलटीआईआरएफआर)	कार्मिक	शून्य	शून्य
	श्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल रिकॉर्ड योग्य कार्य-संबंधी चोटें	कार्मिक	शून्य	शून्य
	श्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं
मृतकों की संख्या	कार्मिक	शून्य	शून्य
	श्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं
उच्च परिणाम वाली कार्य-संबंधी अभिघात या अस्वस्थता (मृत्यु को छोड़कर)	कार्मिक	शून्य	शून्य
	श्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं

12. सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए संस्था द्वारा उठाए गए उपायों का वर्णन करें:

आरईसी अपने सभी कार्मिकों और संविदाकारों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने के महत्व को स्वीकार करता है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय अपनाए हैं कि समय-समय पर विद्युत और अग्नि सुरक्षा मापदंडों की जाँच की जाए और समय पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। कार्मिकों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, ऑनसाइट चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए चिकित्सकों की अंशकालिक सेवाएँ ली जाती हैं। हम विशेषज्ञ वक्ताओं के साथ सत्र आयोजित करते हैं और कार्मिकों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। मनोरंजन और स्वस्थ जीवन शैली की सुविधा के लिए, परिसर में कार्मिकों के लिए एक व्यायामशाला (जिम) उपलब्ध है। कार्मिकों के लिए कंपनी द्वारा नियमित रूप से विभिन्न योग कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाते हैं।

13. कार्मिकों और श्रमिकों द्वारा निम्नलिखित के संबंध में की गई शिकायतों की संख्या:

	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतें	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	अभ्युक्ति	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतें	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	अभ्युक्ति
काम करने की स्थिति	0	0	कोई शिकायत नहीं	0	0	कोई शिकायत नहीं
स्वास्थ्य और सुरक्षा	0	0	कोई शिकायत नहीं	0	0	कोई शिकायत नहीं

14. वर्ष के लिए मूल्यांकन:

आपके ऐसे संयंत्रों और कार्यालयों का प्रतिशत, जिनका मूल्यांकन किया गया (संस्था या वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्ष द्वारा)

स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाएँ	आरईसी कार्यस्थल के परिवेश को स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ रखने का प्रयास करता है, कार्मिकों की गरिमा को बनाए रखता है। सभी कार्यालयों की आंतरिक संपरीक्षा के माध्यम से समय-समय पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपाय के विभिन्न पहलुओं तथा संबंधित कार्य परिस्थितियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन किया जाता है।
काम करने की स्थिति	



15. सुरक्षा संबंधी घटनाओं (यदि कोई हो) तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रथाओं और कार्य परिस्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को संबोधित करने के लिए की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें:

लागू नहीं। आरईसी अपने परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय करता है। स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और कार्य स्थितियों के आंतरिक मूल्यांकन से कोई महत्वपूर्ण जोखिम/चिंता उत्पन्न नहीं हुई है।

नेतृत्व संकेतक

1. क्या संस्था (क) कार्मिकों (हां/नहीं); (ख) श्रमिकों (हां/नहीं) की मृत्यु की स्थिति में कोई जीवन बीमा या कोई प्रतिपूरक पैकेज प्रदान करती है।

(क) कार्मिक-हां, कंपनी कार्मिक और/या उसके परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता के मामले में कार्मिक द्वारा घोषित पुनर्वास पैकेज प्रदान करती है।

(ख) श्रमिक - लागू नहीं।

2. संस्था द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों का विवरण प्रस्तुत करें कि मूल्य श्रृंखला भागीदारों द्वारा वैधानिक बकाया राशि काट ली गई है और जमा कर दी गई है:

एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में, आरईसी अपने उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण समझौतों में विशिष्ट नियम और शर्तें शामिल करती है। ये नियम और शर्तें आवश्यक दायित्वों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती हैं, जिनमें वैधानिक बकाया का समय पर भुगतान और आवश्यक वैधानिक मंजूरी प्राप्त करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, उधारकर्ताओं को लागू वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार अन्य समान दायित्वों को पूरा करने के लिए उत्तरदायी ठहराया जाता है। ऋण अवधि के दौरान अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, उधारकर्ताओं को अपने समझौते के विभिन्न चरणों में आरईसी को इन शर्तों के पालन का प्रमाण प्रदान करना होगा। यह व्यवस्थित दृष्टिकोण न केवल उधारकर्ताओं की ज़िम्मेदारियों को पुष्ट करता है, बल्कि विनियामक मानकों और परिचालन अखंडता के प्रति आरईसी की प्रतिबद्धता के अनुरूप भी है।

3. ऐसे कार्मिकों/श्रमिकों की संख्या बताएं, जिन्हें गंभीर परिणाम वाली कार्य-संबंधी अभिघात/बीमारी/मृत्यु (जैसा कि ऊपर आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 11 में बताया गया है) का सामना करना पड़ा है, जिनका पुनर्वास किया गया है और उन्हें उपयुक्त रोजगार में रखा गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार में रखा गया है:

	प्रभावित कार्मिकों/श्रमिकों की कुल संख्या		उन कार्मिकों/श्रमिकों की संख्या जिन्हें पुनर्वास प्रदान किया गया है और उपयुक्त रोजगार में रखा गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार में रखा गया है	
	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
कार्मिक	0	0	0	0
श्रमिक	लागू नहीं			

4. क्या संस्था निरंतर रोजगार की सुविधा और सेवानिवृत्ति या रोजगार की समाप्ति के परिणामस्वरूप कैरियर समाप्ति के प्रबंधन के लिए परिवर्तन सहायता कार्यक्रम प्रदान करती है? (हां/नहीं)

हाँ, आरईसी एक मज़बूत और बहुआयामी ढाँचा प्रदान करता है जो अपने कार्मिकों के कैरियर विकास और समग्र कल्याण को सक्रिय रूप से समर्थन प्रदान करता है, जब वे सेवानिवृत्ति के करीब पहुँचते हैं और सेवानिवृत्ति के बाद के चरण में भी। एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) के रूप में, आरईसी डीपीई द्वारा निर्धारित रोजगार दिशानिर्देशों का, विशेष रूप से सेवानिवृत्ति और रोजगार समाप्ति की प्रक्रियाओं के संबंध में, सावधानीपूर्वक पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हालांकि आरईसी के पास सेवानिवृत्ति के बाद रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से "संक्रमण सहायता कार्यक्रम" नामक कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, संगठन कार्मिक के पूरे कैरियर में निरंतर कौशल संवर्धन पर जोर देता है। प्रत्येक वर्ष, कार्मिक आंतरिक संसाधनों और बाहरी संस्थानों, दोनों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण अवसरों में भाग लेते हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उनके कौशल वर्तमान और प्रासंगिक बने रहें। व्यावसायिक विकास के प्रति यह निरंतर प्रतिबद्धता न केवल व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देती है, बल्कि उनकी सक्रिय सेवा के वर्षों के दौरान अनुकूलन क्षमता को भी बढ़ाती है।

कैरियर विकास के अलावा, आरईसी अपने सेवानिवृत्त कार्मिकों के कल्याण को भी बहुत महत्व देता है। कंपनी उनके स्वास्थ्य और कल्याण के लिए डिज़ाइन किए गए कई महत्वपूर्ण सेवानिवृत्ति-पश्चात लाभ प्रदान करती है। इनमें व्यापक सेवानिवृत्ति-पश्चात चिकित्सा लाभ और विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम शामिल हैं, जो आरईसी के अपने कार्मिकों की सक्रिय रोजगार समाप्ति होने के बाद भी उनकी देखभाल के प्रति समर्पण को दर्शाते हैं।

5. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन के संबंध में विवरण:

**ऐसे मूल्य श्रृंखला भागीदारों का %
(ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार) जिनका मूल्यांकन किया गया**

स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाएँ काम करने की स्थिति	जनवरी 2025 से, आरईसी ने निजी क्षेत्र के उधारकर्ताओं के लिए अपनी ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) आकलन को एकीकृत करना शुरू कर दिया है। यह रणनीतिक कदम यह सुनिश्चित करता है कि उधारकर्ताओं का आवश्यक ईएसजी मानदंडों के आधार पर कठोर मूल्यांकन किया जाए, जिससे आरईसी संभावित जोखिमों की प्रभावी पहचान कर सके और उनका समाधान कर सके, साथ ही इन आकलनों को अपने व्यापक स्थिरता उद्देश्यों के साथ संरेखित कर सके। उधारकर्ताओं के लिए इस महत्वपूर्ण विकास के अलावा, आरईसी ने अपने विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को शामिल करने के लिए अपने ईएसजी मूल्यांकन के दायरे का भी विस्तार किया है। वर्तमान में, इसके लगभग 30% मूल्य श्रृंखला भागीदार इन महत्वपूर्ण आकलनों से गुजर रहे हैं, जो आरईसी की अपने संचालन और साझेदारियों में स्थिरता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

6. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और कार्य परिस्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए या चल रहे किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें:

लागू नहीं

सिद्धांत 4 - व्यवसायों को अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. संस्था के प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान करने की प्रक्रियाओं का वर्णन करें:

आरईसी ने अपने विभिन्न हितधारकों की पहचान, उनके साथ सहभागिता और प्रबंधन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए एक विस्तृत और सुव्यवस्थित हितधारक सहभागिता नीति विकसित की है। यह नीति कई प्रमुख घटकों पर आधारित है:

हितधारकों की परिभाषा: आरईसी के संदर्भ में, हितधारकों में विविध प्रकार के व्यक्ति और समूह शामिल हैं जो कंपनी के संचालन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। इसमें न केवल वे लोग शामिल हैं जिनकी आरईसी की गतिविधियों में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी है, बल्कि वे भी शामिल हैं जिनका इसकी सफलता में निहित स्वार्थ है या इसके परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता है।

प्रमुख हितधारक समूह: आरईसी अपने चल रहे व्यावसायिक प्रयासों के लिए हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को महत्वपूर्ण मानता है। इन समूहों को दो मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: आंतरिक हितधारक, जिनमें मुख्य रूप से वे कार्मिक शामिल हैं जो कंपनी की संस्कृति और उत्पादकता में योगदान करते हैं और बाहरी हितधारक, जिनमें विभिन्न व्यावसायिक सहयोगी शामिल हैं। बाहरी हितधारकों में आपूर्तिकर्ता, विक्रेता, साझेदार और सेवा प्रदाता, साथ ही शेयरधारक और निवेशक, जिनमें बॉण्डधारक और लेनदार शामिल हैं, शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उधारकर्ताओं और बैंकिंग संस्थानों, नियामक निकायों और सरकारी एजेंसियों - जैसे राज्य सरकारें, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई), कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय (एमसीए), भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंज (अर्थात एनएसई और बीएसई) को भी मान्यता दी गई है। ग्राहक और पड़ोसी समुदाय आरईसी के हितधारक नेटवर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि कंपनी की गतिविधियाँ सीधे उन पर प्रभाव डालती हैं।

सतत हितधारक पहचान: हितधारकों की पहचान एक बार की घटना नहीं है, बल्कि एक सतत और विकसित होती प्रक्रिया है। आरईसी एक अनुकूली दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है जो इसे अपने हितधारकों की बदलती जरूरतों और अपेक्षाओं के प्रति सजग रहने में सक्षम बनाता है। यह सक्रिय रवैया सुनिश्चित करता है कि कंपनी उन लोगों के हितों के अनुरूप बनी रहे जिनकी वह सेवा करती है और जिनके साथ बातचीत करती है।

जुड़ाव और संबंध निर्माण: खुले संचार के महत्व को पहचानते हुए, आरईसी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ता है ताकि उनकी चिंताओं और अपेक्षाओं की गहरी समझ हासिल की जा सके। कंपनी इन मुद्दों के समाधान को प्राथमिकता देती है, जिससे संभावित जोखिमों को कम करने में मदद मिलती है। अपने हितधारकों के साथ मज़बूत, दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देकर, आरईसी का लक्ष्य एक ऐसा वातावरण विकसित करना है जो इसकी समग्र सफलता में योगदान दे। हितधारकों की विविध आवश्यकताओं की निरंतर निगरानी और उन पर प्रतिक्रिया देने की अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से, आरईसी अपने व्यावसायिक संचालन को बढ़ाने, जोखिमों को कम करने और पारस्परिक रूप से लाभकारी एवं स्थायी साझेदारियाँ स्थापित करने की आकांक्षा रखता है। यह व्यापक दृष्टिकोण न केवल कंपनी की स्थिति को मज़बूत करता है, बल्कि उस व्यापक समुदाय और आर्थिक वातावरण का भी समर्थन करता है जिसमें यह संचालित होता है।

2. आपकी संस्था के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले हितधारक समूहों की सूची और प्रत्येक हितधारक समूह के साथ सहभागिता की आवृत्ति:

हितधारक समूह	क्या कमजोर एवं अधिकारहीन समूह के रूप में अभिचिह्नित है (हां/नहीं)	संचार के चैनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पत्र, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, सूचना बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	सहभागिता की आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/त्रैमासिक/अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)	सहभागिता के दौरान उठाए गए प्रमुख विषय और चिंताओं सहित सहभागिता का उद्देश्य और दायरा
शेयरधारकों	नहीं	ईमेल/एसएमएस/वेबसाइट/पत्र/दूरभाष/समाचार पत्र/स्टॉक एक्सचेंज तंत्र आदि के माध्यम से सूचना का प्रसार	त्रैमासिक	आवश्यकतानुसार वित्तीय परिणामों का संप्रेषण, वित्तीय विवरणों का अंगीकरण और साधारण एवं विशेष व्यवसाय का संचालन। आवश्यकतानुसार शेयरधारकों के अनुरोधों और शिकायतों का समाधान करना।
बॉण्डधारकों	नहीं	ईमेल/वेबसाइट/स्टॉक एक्सचेंज तंत्र के माध्यम से सूचना का प्रसार	त्रैमासिक	आवंटन, ब्याज सेवा, मोचन भुगतान, बॉण्ड प्रमाणपत्र/डीमैट क्रेडिट। समय-समय पर बॉण्डधारकों के अनुरोधों/शिकायतों का समाधान करना।
कार्मिकों	नहीं	ईमेल/सूचना बोर्ड/वेबसाइट	आवश्यकता आधारित	संगठन के भीतर प्रमुख विकासों के बारे में बताएं, कंपनी की परिचालन और वित्तीय दोनों मोर्चों पर प्रगति पर प्रकाश डालें। ईएसजी पहलुओं, एनजीआरबीसी सिद्धांतों, कार्मिक कल्याण और विकास, साथ ही मानवाधिकारों, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर चर्चा करें।



हितधारक समूह	क्या कमजोर एवं अधिकारहीन समूह के रूप में अभिचिह्नित है (हां/नहीं)	संचार के चैनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पत्र, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, सूचना बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	सहभागिता की आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/त्रैमासिक/अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)	सहभागिता के दौरान उठाए गए प्रमुख विषय और चिंताओं सहित सहभागिता का उद्देश्य और दायरा
समुदाय	हां	सर्वेक्षण/प्रभाव आकलन/सीएसआर गतिविधियां/व्यक्तिगत संविदा/परियोजना आधारित चर्चाएं	आवश्यकता आधारित	सामुदायिक विकास और सीएसआर परियोजनाएं
विक्रेतागण	नहीं	ईमेल/एसएमएस/बैठकें/पत्र/दूरभाष	आवश्यकता आधारित	वस्तुओं और सेवाओं की खरीद निविदा प्रक्रिया और जेम पोर्टल प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है, साथ ही विक्रेताओं की शिकायतों का समाधान भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
ग्राहक	नहीं	ईमेल/एसएमएस/वेबसाइट/पत्र/दूरभाष	दैनिक आधार पर (क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ-साथ कॉर्पोरेट कार्यालय)	ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण

हालाँकि उल्लिखित अधिकांश हितधारक समूहों को आमतौर पर कमजोर या हाशिए पर रहने वाले के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है, फिर भी इन बड़े समूहों के भीतर कुछ विशिष्ट वर्ग हैं जो इन वर्गीकरणों में आते हैं। इनमें आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के व्यक्ति, निम्न आय वर्ग के लोग, साथ ही महिलाएँ, बच्चे और विकलांग लोग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और अनुसूचित जाति (अ ज) और अनुसूचित जनजाति (अ ज जा) के सदस्यों के स्वामित्व वाले व्यवसाय, साथ ही महिला उद्यमी भी इन हाशिए पर रहने वाले वर्गों में शामिल हैं। आरईसी व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करके और उनकी उन्नति के समान अवसरों को बढ़ावा देकर समाज के इन कमजोर वर्गों का समर्थन और उत्थान करने के लिए समर्पित है।

नेतृत्व संकेतक

1. **आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों और बोर्ड के बीच परामर्श के लिए प्रक्रियाओं का विवरण प्रस्तुत करें या यदि परामर्श प्रत्यायोजित किया जाता है, तो बोर्ड को ऐसे परामर्शों से प्राप्त फीडबैक कैसे प्रदान किया जाता है।**

आरईसी अपने सभी हितधारकों के साथ पारदर्शी और प्रभावी संचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही अपने संचालन को नियंत्रित करने वाले प्रासंगिक नियामक ढाँचों का कड़ाई से पालन भी करता है। कंपनी अपने हितधारकों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने वाले निर्णयों के बारे में समय पर और प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। साथ ही, आरईसी यह सुनिश्चित करता है कि संवेदनशील व्यावसायिक रणनीतियों और स्वामित्व संबंधी जानकारी को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने के लिए गोपनीय रखा जाए।

उत्तरदायी शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए, आरईसी ने कई बोर्ड-अनुमोदित नीतियाँ स्थापित की हैं जो इसके संचालन के आवश्यक आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक आयामों को व्यापक रूप से संबोधित करती हैं। ये नीतियाँ प्रमुख हितधारकों के परामर्श से सावधानीपूर्वक तैयार की जाती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप हों और किसी भी चिंता का समाधान करें। इस प्रयास की आधारशिला व्यापक पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) नीति है, जिसे आरईसी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह नीति कंपनी की ईएसजी-संबंधी पहलों का मार्गदर्शन करने वाले एक आधारभूत ढाँचे के रूप में कार्य करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे व्यापक रणनीतिक उद्देश्यों के साथ अच्छी तरह से संरेखित हों।

आरईसी में हितधारक जुड़ाव केवल एक बार की घटना नहीं है, बल्कि यह कंपनी की व्यावसायिक प्रक्रियाओं का एक अभिन्न अंग है और इसे एक सतत प्रयास के रूप में देखा जाता है। इन जुड़ावों का नेतृत्व मुख्य रूप से विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के पास होता है, हालाँकि वरिष्ठ प्रबंधन आवश्यकता पड़ने पर सक्रिय रूप से भाग लेता है। इन जुड़ावों के परिणामों की व्यवस्थित रूप से निदेशक मंडल को रिपोर्ट की जाती है, जिससे सूचित निगरानी में सुविधा होती है और हितधारकों के हितों और चिंताओं को प्रभावी ढंग से ध्यान में रखते हुए रणनीतिक दिशाएँ तैयार करने में सहायता मिलती है।

2. **क्या पर्यावरण और सामाजिक विषयों की पहचान और प्रबंधन में सहायता के लिए हितधारकों से परामर्श का उपयोग किया जाता है (हां/नहीं)। यदि हां, तो ऐसे उदाहरणों का विवरण प्रस्तुत करें कि इन विषयों पर हितधारकों से प्राप्त इनपुट को संस्था की नीतियों और गतिविधियों में कैसे शामिल किया गया।**

पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते समय आरईसी कार्मिकों, उधारकर्ताओं, सरकारी संस्थाओं और स्थानीय समुदायों सहित विविध हितधारकों के साथ व्यापक संवाद में सक्रिय रूप से शामिल होता है। संगठन का दृढ़ विश्वास है कि इन विविध दृष्टिकोणों को सक्रिय रूप से सुनकर, यह जनता की अपेक्षाओं के साथ बेहतर तालमेल बिठा सकता है और सतत विकास प्रथाओं को बढ़ावा दे सकता है।

इन व्यावहारिक चर्चाओं के जवाब में, आरईसी ने एक जटिल पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) नीति विकसित की है। यह नीति एक मार्गदर्शक ढाँचे के रूप में कार्य करती है, जिससे कंपनी पर्यावरणीय प्रबंधन और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्राथमिकता देने वाले सूचित निर्णय लेने में सक्षम होती है। उदाहरण के लिए, परियोजना समीक्षाओं के प्रारंभिक चरणों के दौरान, आरईसी अपने द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करता है। यह मूल्यांकन इसकी परिचालन रणनीतियों, वित्तीय नियोजन और जोखिम प्रबंधन ढाँचों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिम्मेदार ऋण देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाने के लिए, आरईसी अपने ऋण समझौतों में पर्यावरण की रक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा और स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किए गए विशिष्ट प्रावधानों को शामिल करता है। स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढाँचे से संबंधित परियोजनाओं में इस पर विशेष रूप से जोर दिया जाता है, जहाँ आरईसी लागू पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों का पालन करने के लिए अत्यधिक तत्परता बरतता है।

हितधारकों के साथ संवाद की खुली व्यवस्था बनाए रखने और उनकी प्रतिक्रिया पर सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया देने के द्वारा, आरईसी यह सुनिश्चित करता है कि उसके कार्य सार्थक, जिम्मेदार और समाज की उभरती ज़रूरतों को प्रतिबिंबित करते रहें।

3. कमजोर/अधिकारहीन हितधारक समूहों की चिंताओं को दूर करने के लिए की गई कार्रवाई और उनके साथ सहभागिता के उदाहरणों का विवरण प्रस्तुत करें।

आरईसी विचारशील नीतियों, जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं और सक्रिय आउटरीच प्रयासों के संयोजन के माध्यम से कमजोर और हाशिए पर पड़े हितधारकों के लिए एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छोटे व्यवसायों, विशेष रूप से सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को सशक्त बनाने पर काफ़ी जोर दिया जाता है। विक्रेताओं, विशेष रूप से छोटे आपूर्तिकर्ताओं को पारदर्शिता, दक्षता और समय पर भुगतान की सुविधा प्रदान करने के लिए, आरईसी कई सरकारी प्लेटफार्मों पर पंजीकृत है, जिनमें जीईएम (सरकारी ई-मार्केटप्लेस), संबंध, समाधान और टीआरडीएस (व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली) शामिल हैं। सभी आरईसी कार्यालय, अपनी क्षेत्रीय शाखाओं सहित, सभी विक्रेताओं के लिए निष्पक्ष व्यवहार और पहुँच सुनिश्चित करने के लिए इन प्लेटफार्मों का लगातार उपयोग करते हैं।

अपनी खरीद प्रक्रिया में, आरईसी एमएसई को प्राथमिकता देता है, उन्हें विशेष वरीयता देता है और स्थापित दिशानिर्देशों के अनुरूप विभिन्न लाभ प्रदान करता है। यह पहल छोटे उद्यमों के लिए एक अधिक न्यायसंगत खेल का मैदान बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो अंततः अर्थव्यवस्था के इन महत्वपूर्ण घटकों के लिए आर्थिक समावेशन और सतत विकास को बढ़ावा देती है।

विक्रेता जुड़ाव के अलावा, आरईसी सक्रिय रूप से व्यक्तिगत निवेशकों, जिनमें इक्विटी शेयरधारक और बॉण्डधारक शामिल हैं, तक पहुँचता है, जो अधोषिक्त किए गए लाभंश या मोचन राशियों से अनजान हो सकते हैं। कंपनी इन हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से संवाद करने की पहल करती है ताकि उन्हें उनके उचित बकाया राशि प्राप्त करने में सहायता मिल सके, यह सुनिश्चित करते हुए कि किसी भी व्यक्ति को ज्ञान की कमी या आवश्यक जानकारी तक पहुँच के अभाव में अनदेखा न किया जाए।

इसके अलावा, आरईसी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान पर केंद्रित हैं। ये पहल व्यापक हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, स्वच्छता और विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता सहित प्रमुख क्षेत्रों को लक्षित करती हैं। गरीब, वंचित और दिव्यांग व्यक्तियों की विविध आवश्यकताओं को सीधे संबोधित करके, आरईसी सक्रिय रूप से सामाजिक समानता और समावेशन को बढ़ावा देता है, जिससे जिन समुदायों की वह सेवा करता है, उनमें एक ठोस बदलाव आता है।

सिद्धांत 5 - व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान और संवर्धन करना चाहिए।।

आवश्यक संकेतक

1. निम्नलिखित प्रारूप में उन कार्मिक और श्रमिक का विवरण, जिन्हें संस्था के मानवाधिकार मुद्दों और नीतियों पर प्रशिक्षण दिया गया है:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	कुल (क)	कवर किए गए कार्मिकों/श्रमिकों की संख्या (ख)	% (ख / क)	कुल (ग)	कवर किए गए कार्मिकों/श्रमिकों की संख्या (घ)	% (घ / ग)
कार्मिक						
स्थायी	573*	565	98.60	512**	467	91.21
स्थायी को छोड़कर अन्य	580	550	94.83	468	414	88.46
कुल	1,153	1,115	96.70	980	881	89.90
श्रमिक						
स्थायी						
स्थायी को छोड़कर अन्य						
कुल						

लागू नहीं

2. कार्मिकों और श्रमिकों को दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25					वित्तीय वर्ष 2023-24				
	कुल (क)	न्यूनतम वेतन के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम वेतन के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक	
		संख्या (ख)	% (ख / क)	संख्या (ग)	% (ग / क)		संख्या (ङ)	% (ङ / घ)	संख्या (च)	% (च / घ)
कार्मिक										
स्थायी										
पुरुष	490	0	0	490	100	434	0	0	434	100
महिला	83	0	0	83	100	78	0	0	78	100
स्थायी को छोड़कर अन्य										
पुरुष	506	124	24.51	382	75.49	399	19	4.76	380	95.24
महिला	74	6	8.11	68	91.89	69	2	2.90	67	97.10



श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25				वित्तीय वर्ष 2023-24					
	कुल (क)	न्यूनतम वेतन के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम वेतन के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक	
		संख्या (ख)	% (ख / क)	संख्या (ग)	% (ग / क)		संख्या (ङ)	% (ङ / घ)	संख्या (च)	% (च / घ)

श्रमिक									
स्थायी									
पुरुष									
महिला									
स्थायी को छोड़कर अन्य									
पुरुष									
महिला									

लागू नहीं

टिप्पणी: न्यूनतम वेतन स्तर पर कार्मिकों के प्रतिशत में वृद्धि कम कुशल कार्यों के लिए संविदा कार्मिकों को नियुक्त करने की हमारी परिचालन आवश्यकता से प्रेरित है, जिनका पारिश्रमिक वैधानिक न्यूनतम वेतन के अनुरूप है।

3. पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी का विवरण:

क. मध्य पारिश्रमिक/मजदूरी:

(राशि ₹ में)

	पुरुष		महिला	
	संख्या	संबंधित श्रेणी का औसत पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी	संख्या	संबंधित श्रेणी का औसत पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी
निदेशक मंडल (बीओडी)	2	1,02,07,673	1 [^]	0
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)	4	93,76,185	1	0
निदेशक मंडल और केएमपी को छोड़कर अन्य कार्मिक	488	25,67,256	83	28,16,037

श्रमिक	लागू नहीं

* प्रस्तुत पारिश्रमिक विवरण में केवल अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक और पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक शामिल है। चूंकि गैर-कार्यपालक निदेशकों को केवल बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है, जिसे पारिश्रमिक नहीं माना जाता है।

[^] 31 मार्च, 2025 तक, महिला निदेशक अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जिनका अतिरिक्त प्रभार पावर फाइनैस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को दिया गया है और उनके कार्यकाल के दौरान कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है।

ख. संस्था द्वारा संदत्त कुल वेतन के प्रतिशत के रूप में महिलाओं को संदत्त सकल वेतन:

	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
संस्था द्वारा संदत्त कुल वेतन के प्रतिशत के रूप में महिलाओं को संदत्त सकल वेतन	13.37	14.18

टिप्पणी: महिलाओं को दिए जाने वाले वेतन के अनुपात में यह बदलाव महिला कार्यबल में अस्थायी कमी के कारण हुआ है, जिसका मुख्य कारण महिलाओं की अपेक्षा से अधिक संख्या में सेवानिवृत्ति है। हमारी पारिश्रमिक प्रथाएँ पूरी तरह से लिंग-तटस्थ हैं, और समान अवसर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के पूर्ण अनुपालन में, भूमिका और अनुभव के आधार पर पारिश्रमिक निर्धारित किया जाता है। हम लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए लक्षित भर्ती और प्रतिधारण रणनीतियों को सक्रिय रूप से लागू कर रहे हैं, जो निष्पक्ष रोजगार प्रथाओं और ईएसजी की सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ हमारे समर्पण को रेखांकित करता है।

4. क्या आपकी संस्था में कोई केंद्र बिंदु (व्यक्ति/समिति) है जो व्यवसाय द्वारा उत्पन्न या इसमें हस्तक्षेप करने वाले मानवाधिकार प्रभावों या मुद्दों को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार है?

हाँ।

5. मानवाधिकार मुद्दों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए मौजूद आंतरिक तंत्र का वर्णन करें।

आरईसी अपने संचालन के सभी आयामों में मानवाधिकारों को बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और एक व्यापक नीति स्थापित की है जो कंपनी से जुड़े प्रत्येक हितधारक पर लागू होती है। इसमें न केवल हमारे पूर्णकालिक और संविदा कार्मिक शामिल हैं, बल्कि बाहरी ठेकेदार, आपूर्तिकर्ता, साझेदार और सलाहकार भी शामिल हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि सभी हितधारकों को आरईसी के साथ अपने संबंधों में मौलिक मानवाधिकार सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। एक न्यायसंगत और नैतिक वातावरण बनाए रखने के लिए, आरईसी अपने संचालन और अपनी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में मानव तस्करी, जबरन श्रम और बाल श्रम की किसी भी घटना पर सख्ती से प्रतिबंध लगाता है। इसके अलावा, हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करने तक फैली हुई है कि सभी व्यक्तियों को समान मूल्य के काम के लिए समान वेतन मिले, जिससे भेदभाव से मुक्त कार्यस्थल का निर्माण हो। हम लिंग, आयु, धर्म, विकलांगता, यौन अभिविन्यास या कानूनी रूप से संरक्षित किसी भी अन्य विशेषता के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव का सक्रिय रूप से निषेध करते हैं।

मानवाधिकार उल्लंघन के किसी भी आरोप या रिपोर्ट का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए, आरईसी ने एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया है। यह प्रणाली कुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी और सुलभ होने के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी हितधारक अपनी चिंताओं को व्यक्त कर सकें। यह शिकायतों की व्यवस्थित निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया की अनुमति देता है, जिससे प्रभावित लोगों को प्रभावी समाधान प्रदान किया जा सकता है। किसी भी मानवाधिकार संबंधी मुद्दे की रिपोर्ट करने के इच्छुक व्यक्ति आरईसी की निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, आसानी से नामित शिकायत निवारण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

हमारी शिकायत निवारण प्रणाली आंतरिक और बाहरी दोनों हितधारकों को अपनी शिकायतें, चिंताएँ और शिकायतें व्यक्त करने के लिए एक सुव्यवस्थित और न्यायसंगत प्रक्रिया प्रदान करती है। हमारी नीति के प्रति जवाबदेही और अनुपालन बनाए रखने के लिए, आरईसी अपनी और अपने मूल्य श्रृंखला भागीदारों की प्रथाओं का नियमित रूप से लेखांकन और मूल्यांकन करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी पक्ष स्थापित मानवाधिकार मानकों के अनुरूप बने रहें। इन उपायों के माध्यम से, आरईसी एक ऐसा कार्यस्थल और समुदाय बनाने का प्रयास करता है जो सभी के लिए सम्मान और गरिमा को प्राथमिकता देता हो।

6. कार्मिकों और श्रमिकों द्वारा निम्नलिखित के संबंध में की गई शिकायतों की संख्या:

	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतें	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	अभ्युक्ति	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतें	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	अभ्युक्ति
लैंगिक उत्पीड़न	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
कार्यस्थल पर भेदभाव	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
बाल श्रम	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
जबरन श्रम/अनैच्छिक श्रम	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
वेतन	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
अन्य मानवाधिकार संबंधी मुद्दे	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं

7. महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत दर्ज शिकायतों का निम्नलिखित प्रारूप में विवरण:

	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच) के अंतर्गत दर्ज कुल शिकायतें	0	0
महिला कार्मिकों/श्रमिकों के प्रतिशत के रूप में पीओएसएच के संबंध में शिकायतें	0	0
पीओएसएच के संबंध में ऐसी शिकायतें, जिन्हें सही पाया गया	0	0

8. भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों में शिकायतकर्ता को होने वाले प्रतिकूल परिणामों को रोकने के लिए तंत्र:

आरईसी एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है जहाँ सभी व्यक्तियों के साथ निष्पक्ष व्यवहार किया जाता है, चाहे उनकी भूमिका, पृष्ठभूमि या पहचान कुछ भी हो। कंपनी नैतिकता, मानवाधिकारों के सम्मान और कार्यस्थल पर समान अवसर प्रदान करने पर जोर देती है। आरईसी में करियर की उन्नति पूरी तरह से प्रतिभा, प्रदर्शन और योग्यता पर आधारित है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि भेदभाव या उत्पीड़न से संबंधित चिंताओं का उचित समाधान किया जाए, आरईसी ने शिकायत लेकर आने वाले लोगों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए स्पष्ट और सुरक्षित तंत्र स्थापित किए हैं। यौन उत्पीड़न के मामलों में, आरईसी कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का पालन करता है। ऐसे मामलों को अत्यंत संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ संभाला जाता है। शिकायतों की शीघ्र और निष्पक्ष जाँच के लिए समर्पित आंतरिक समितियाँ मौजूद हैं, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाता है कि पूरी प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता की पहचान और गरिमा की रक्षा की जाए।

इसके अलावा, कंपनी उन व्यक्तियों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई पर सख्ती से रोक लगाती है जो सन्द्धानुपूर्वक भेदभाव, उत्पीड़न या अन्य उल्लंघनों की रिपोर्ट करते हैं। इस सुरक्षा में कार्मिकों को धमकियों, बर्खास्तगी, पदावनति या किसी भी प्रकार के व्यावसायिक नुकसान से बचना शामिल है। इस प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए, आरईसी ने एक व्हिसल ब्लोअर नीति लागू की है जो कार्मिकों और हितधारकों को गोपनीयता से और नकारात्मक परिणामों के डर के बिना अपनी चिंताओं को व्यक्त करने की अनुमति देती है। यह नीति सुनिश्चित करती है कि शिकायतों की एक स्वतंत्र समिति द्वारा समीक्षा की जाए और आवश्यकता पड़ने पर उचित सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त, जहाँ आवश्यक हो, शिकायतकर्ता की पहचान की सुरक्षा और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को रोकने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जाते हैं। व्हिसल ब्लोअर नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/Whistle_Blower_Policy.pdf पर उपलब्ध है।

9. क्या मानवाधिकार आवश्यकताएं आपके व्यावसायिक करारों और संविदाओं में शामिल होती हैं? (हां/नहीं)

हाँ।

10. वर्ष के लिए मूल्यांकन:

आपके उन संयंत्रों और कार्यालयों का %, जिनका मूल्यांकन किया गया (संस्था या वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्ष द्वारा)	
बाल श्रम	100
जबरन/अनैच्छिक श्रम	100
लैंगिक उत्पीड़न	100
कार्यस्थल पर भेदभाव	100
वेतन	100
अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	लागू नहीं



11. उपरोक्त प्रश्न 10 में दिए गए आकलनों से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें:

लागू नहीं, क्योंकि कोई समस्या चिन्हित नहीं हुई।

नेतृत्व संकेतक

1. मानवाधिकार शिकायतों के समाधान के परिणामस्वरूप संशोधित/प्रवर्तित की जा रही व्यावसायिक प्रक्रिया का विवरण:

पुरे रिपोर्टिंग वर्ष में, हमें मानवाधिकार उल्लंघन से संबंधित कोई शिकायत या शिकायत नहीं मिली। हालाँकि, मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता केवल समस्याओं के उत्पन्न होने पर उनका जवाब देने तक ही सीमित नहीं है। हम अपने सभी कार्यों में मानवाधिकारों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के उद्देश्य से निरंतर उचित परिश्रम प्रक्रियाओं को सख्ती से लागू करके एक सक्रिय रुख अपनाते हैं। इसमें हमारी मानवाधिकार नीति को हमारी दैनिक व्यावसायिक प्रथाओं में सहजता से एकीकृत करना और हमारे हितधारकों के साथ मज़बूत संबंध विकसित करना शामिल है। ऐसा करके, हम संभावित जोखिमों को पहचानने और उनका समाधान करने का प्रयास करते हैं, इससे पहले कि वे गंभीर समस्याएँ बन जाएँ, जिससे सभी व्यक्तियों के लिए सम्मान और गरिमा का वातावरण बनता है।

2. किसी भी मानवाधिकार संबंधी जांच के दायरे और कवरेज का विवरण:

आरईसी अपने संचालन के सभी पहलुओं और हितधारकों के साथ अपने संबंधों में मानवाधिकारों को बनाए रखने पर ज़ोर देता है। हमने एक व्यापक मानवाधिकार नीति विकसित की है जो न केवल हमारी प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करती है, बल्कि उन सभी व्यक्तियों और संगठनों पर भी लागू होती है जिनके साथ हम जुड़ते हैं, जिनमें कार्मिक, ग्राहक, विक्रेता और सामुदायिक भागीदार शामिल हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन मानकों का निरंतर पालन किया जाए, हम अपने विक्रेताओं से स्थापित मानवाधिकार सिद्धांतों के अनुपालन की पुष्टि करने वाली औपचारिक घोषणाएँ प्रदान करने की अपेक्षा करते हैं। यह पहल एक नैतिक आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने और ज़िम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के हमारे व्यापक प्रयास का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, जनवरी 2025 से, हमने उधारकर्ताओं और विक्रेताओं दोनों के लिए अपनी मूल्यांकन प्रक्रियाओं में मानवाधिकार आकलन को शामिल करके अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार किया है। यह एकीकरण हमारे व्यापक पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक मूल्यांकन का एक प्रमुख घटक है, जो सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार निवेश और ऋण प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर ज़ोर देता है।

आंतरिक रूप से, हम अपने कॉर्पोरेट कार्यालयों में कड़े मानवाधिकार अनुपालन को बनाए रखने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। यह हमारे समर्पित ईएसजी प्रभाग द्वारा किए जाने वाले नियमित मूल्यांकन और निरंतर निगरानी के माध्यम से प्राप्त होता है। हमारे निगरानी प्रयास स्पष्ट रूप से परिभाषित आंतरिक तिमाही लक्ष्यों द्वारा निर्देशित होते हैं, जो न केवल हमारी प्रगति का मूल्यांकन करने में मदद करते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि हम अपने मानवाधिकार प्रथाओं में निरंतर सुधार करते रहें। इन लक्ष्यों को निर्धारित करके, हमारा उद्देश्य स्वयं को उत्तरदायी बनाना और अपने पूरे संगठन में मानवाधिकारों के प्रति सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है।

3. क्या संस्था के परिसर/कार्यालय दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार दिव्यांग आगंतुकों के लिए सुलभ हैं?

कॉर्पोरेट कार्यालय परिसर दिव्यांग आगंतुकों के लिए सुलभ है, जिसमें लिफ्ट और रैंप, व्हीलचेयर सुलभ शौचालय और विभिन्न बिंदुओं पर ब्रेल में दिशा संकेत हैं। इसके अलावा, आरईसी लिमिटेड की कॉर्पोरेट वेबसाइट वर्ल्ड वाइड वेब कंसोर्टियम (डब्ल्यू3सी) वेब कंटेंट एक्सेसिबिलिटी गाइडलाइन्स (डब्ल्यूसीएजी) 2.0 लेवल एए का अनुपालन करती है। इससे दृष्टिबाधित लोग स्क्रीन रीडर जैसी सहायक तकनीकों का उपयोग करके वेबसाइट तक पहुंच सकेंगे। वेबसाइट पर दी गई जानकारी जेएडब्ल्यूएस, एनवीडीए, एसएएफए, सुपरनोवा और विंडो-आईज़ जैसे विभिन्न स्क्रीन रीडर्स के साथ सुलभ है। इसके बारे में अधिक जानकारी <https://recindia.nic.in/screen-reader-access> पर देखी जा सकती है।

4. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन पर विवरण:

ऐसे मूल्य श्रृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार) जिनका मूल्यांकन किया गया

लैंगिक उत्पीड़न	आरईसी ने निजी क्षेत्र के उधारकर्ताओं के लिए अपनी ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) आकलनों को एकीकृत करना शुरू कर दिया है, जो जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। यह पहल सुनिश्चित करती है कि उधारकर्ताओं का मूल्यांकन आवश्यक ईएसजी मानदंडों के आधार पर किया जाए, जिससे संभावित जोखिमों का प्रभावी ढंग से समाधान हो और उनकी कार्यप्रणाली आरईसी के व्यापक स्थिरता सिद्धांतों के अनुरूप हो। इसके अतिरिक्त, आरईसी ने अपने विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के लिए इन महत्वपूर्ण ईएसजी आकलनों के अनुप्रयोग का विस्तार किया है, और इसके लगभग 30% मूल्य श्रृंखला भागीदारों का मूल्यांकन किया जा रहा है।
कार्यस्थल पर भेदभाव	
बाल श्रम	
जबरन श्रम/अनैच्छिक श्रम	
वेतन	

5. उपरोक्त प्रश्न 4 में मूल्यांकन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें:

लागू नहीं।

सिद्धांत 6 व्यवसायों को पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए तथा पर्यावरण की सुरक्षा और बहाली के लिए प्रयास करना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. कुल ऊर्जा खपत (गीगाजूल: जीजे) और ऊर्जा गहनता का विवरण:

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल बिजली खपत (क) (जीजे)	4,964	4,965
कुल ईंधन खपत (ख) (जीजे)	0	0
अन्य स्रोतों से ऊर्जा की खपत (ग) (जीजे)	0	0
नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा खपत (क+ख+ग) (जीजे)	4,964	4,965

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
गैर नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल बिजली खपत (घ) (जीजे)	9,292*	7,930
कुल ईंधन खपत (ड) (जीजे)	3,146	2,119
अन्य स्रोतों से ऊर्जा की खपत (च) (जीजे)	0	0
गैर-नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा खपत (घ+ड+च) (जीजे)	12,438	10,049
कुल ऊर्जा खपत (क+ख+ग+घ+ड+च)	17,402	15,014
प्रति करोड़ टर्नओवर पर ऊर्जा गहनता	0.31	0.32
(कुल ऊर्जा खपत-गीगाजूल में / प्रचालन से राजस्व-करोड़ में)		
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति करोड़ टर्नओवर पर ऊर्जा गहनता	6.38	6.45
(कुल ऊर्जा खपत-गीगाजूल / पीपीपी के लिए समायोजित प्रचालन से राजस्व-करोड़ में)		
भौतिक आउटपुट के संदर्भ में ऊर्जा गहनता	15.09	15.32
ऊर्जा गहनता (वैकल्पिक) – प्रासंगिक माप-इकाई का चयन संस्था द्वारा किया जा सकता है।	लागू नहीं	लागू नहीं

*स्वचालित प्रकाश व्यवस्था और नियमित एसी रखरखाव सहित निरंतर ऊर्जा दक्षता उपायों के बावजूद, आरईसी की बिजली खपत सालाना आधार पर बढ़ी है। यह वृद्धि मुख्य रूप से हमारे स्थिरता-संचालित निर्णय के कारण है, जिसमें हमने तीसरे पक्ष के पारंपरिक वाहनों की जगह 48 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का बेड़ा अपने यहाँ स्थापित किया है। इस बदलाव के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना आवश्यक था, जिसमें लगभग 400 मेगावाट घंटा (1440 गीगा जूल) बिजली की खपत हुई।

टिप्पणी: बताएँ कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर के मुख्य मापदंडों के लिए उचित आश्वासन प्राप्त किया है।

2. क्या संस्था के पास भारत सरकार की प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत नामित उपभोक्ता (डीसी) के रूप में अभिचिह्नित कोई साइट/सुविधाएँ हैं? हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो बताएं कि क्या पीएटी योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य हासिल किए गए हैं। यदि लक्ष्य हासिल नहीं किए गए हैं, तो क्या कोई सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो, की गई है:

लागू नहीं।

3. जल से संबंधित निम्नलिखित प्रकटीकरणों का विवरण प्रस्तुत करें:

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
स्रोत द्वारा जल निकासी (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल	0	0
(ii) भूजल	0	0
(iii) तृतीय पक्ष जल	27,565.48	38,121.17
(iv) समुद्री जल / अलवणीकृत जल	0	0
(v) अन्य	0	0
जल निकासी की कुल मात्रा (किलोलीटर में) (i + ii + iii + iv + v)	27,565.48	38,121.17
जल खपत की कुल मात्रा (किलोलीटर में)	20,176.48	31,771.17
प्रति करोड़ टर्नओवर पर जल गहनता	0.36	0.80
(कुल जल खपत-किलोलीटर में / प्रचालन से राजस्व-करोड़ में)		
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति करोड़ टर्नओवर पर जल गहनता (कुल जल खपत- किलोग्राम में / पीपीपी के लिए समायोजित प्रचालन से राजस्व- करोड़ में)	7.40	13.66
भौतिक आउटपुट के संदर्भ में जल गहनता	17.50	32.42
जल गहनता (वैकल्पिक) - प्रासंगिक माप-इकाई का चयन संस्था द्वारा किया जा सकता है।	लागू नहीं	लागू नहीं

*केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की 24 दिसंबर, 2009 की रिपोर्ट के आधार पर, यह माना जाता है कि निकाले गए कुल पानी का 80% क्षेत्रीय कार्यालयों में छोड़ा जाता है, शेष 20% को उपभोग किया गया पानी माना जाता है।

टिप्पणी: बताएँ कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएँ। - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर के मुख्य मापदंडों के लिए उचित आश्वासन प्राप्त किया है।

4. निस्सरित जल से संबंधित निम्नलिखित विवरण प्रस्तुत करें:

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
गंतव्य और शोधन के स्तर के अनुसार जल निस्सरण (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल	शून्य	शून्य
कोई शोधन नहीं		
शोधन सहित – कृपया शोधन के स्तर का उल्लेख करें		



मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
(ii) भूजल कोई शोधन नहीं शोधन सहित – कृपया शोधन के स्तर का उल्लेख करें	शून्य	शून्य
(iii) समुद्री जल कोई शोधन नहीं शोधन सहित – कृपया शोधन के स्तर का उल्लेख करें	शून्य	शून्य
(iv) तीसरे पक्ष को प्रेषित कोई शोधन नहीं शोधन सहित – कृपया शोधन के स्तर का उल्लेख करें	शून्य	शून्य
(v) अन्य (सीवेज निस्सारण)* कोई शोधन नहीं शोधन सहित – कृपया शोधन के स्तर का उल्लेख करें	7,389*	6,350*
कुल निस्सारित जल (किलोलीटर में)	7,389	6,350

आरईसी एक एनबीएफसी है, इसलिए पानी का निकास बहुत कम है, हालाँकि आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय को शून्य जल निकास के लिए डिज़ाइन किया गया है, क्योंकि वर्षा जल और तृतीय पक्ष (हुडा) से एकत्रित पानी का भवन में पूर्ण उपयोग किया जा रहा है, जिसमें एसटीपी के माध्यम से अपशिष्ट जल (सीवेज जल) का पुनर्चक्रण और पुनः बागवानी और फ्लशिंग में उसका उपयोग शामिल है।

* क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए, यह माना जाता है कि 80% पानी शौचालय के सीवर के माध्यम से निकलता है।

टिप्पणी: बताएँ कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं। - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर के मुख्य मापदंडों के लिए उचित आश्वासन प्राप्त किया है।

5. क्या संस्था ने शून्य तरल निस्सारण के लिए कोई तंत्र लागू किया है? यदि हाँ, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का विवरण प्रस्तुत करें:

हाँ, आरईसी, एक एनबीएफसी होने के नाते, शून्य द्रव निर्वहन तंत्र लागू करने के लिए बाध्य नहीं है। हालाँकि, गुरुग्राम स्थित आरईसी का कॉर्पोरेट कार्यालय भवन, एक शून्य द्रव निर्वहन भवन है, जिसे रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) से निकलने वाले अपशिष्ट जल और सौर ऊर्जा से सफाई, एचवीएसी/चिलर, शौचालय, फर्श धुलाई और जल निकायों के लिए उपयोग किए जाने वाले वर्षा जल का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, भवन को बागवानी और फ्लशिंग के लिए एसटीपी द्वारा उपचारित जल का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

6. कृपया संस्था द्वारा वायु उत्सर्जन (जीएचजी उत्सर्जन के अलावा) का विवरण प्रस्तुत करें:

मापदंड	कृपया इकाई निर्दिष्ट करें	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
नाइट्रोजन ऑक्साइड	टन	0.006175	0.004833
सल्फर ऑक्साइड	टन	0.000794	0.000670
पार्टिकुलेट मैटर (पीएम)	टन	0.001105	0.000856
कार्बन मोनोऑक्साइड	टन	0.001547	0.000766

टिप्पणी: बताएं कि क्या किसी बाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बाह्य एजेंसी का नाम बताएं। - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर मूल मापदंडों के लिए उचित आश्वासन लिया है।

7. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी गहनता का विवरण प्रस्तुत करें:

मापदंड	इकाई	वित्तीय वर्ष 2024-25		वित्तीय वर्ष 2023-24*	
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन	CO2 समतुल्य मीट्रिक टन	306.46	555.37		
(ग्रीनहाउस गैसों का कार्बन डाई ऑक्साइड-CO2, मीथेन- CH4, नाइट्रस ऑक्साइड-N2O, हाइड्रोफ्लूरोकार्बन-HFCs, पीएफसी-PFCs, सल्फरहेक्साफ्लोरोइड-SF6, नाइट्रोजन ट्राइफ्लोरोइड-NF3 में गैस-वार विवरण, यदि उपलब्ध हो)	tCO ₂	209.74	tCO ₂	140.03	
	CH ₄ - tCO ₂ e	0.74	CH ₄ - tCO ₂ e	0.68	
	N ₂ O - tCO ₂ e	0.38	N ₂ O - tCO ₂ e	0.46	
	HFCs - tCO ₂ e	95.60	HFCs - tCO ₂ e	414.20	
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन	CO2 समतुल्य मीट्रिक टन	1876.53	1577.17		
(ग्रीनहाउस गैसों का कार्बन डाई ऑक्साइड-CO2, मीथेन- CH4, नाइट्रस ऑक्साइड-N2O, हाइड्रोफ्लूरोकार्बन - HFCs, पीएफसी - PFCs, सल्फरहेक्साफ्लोरोइड-SF6, नाइट्रोजन ट्राइफ्लोरोइड-NF3 में गैस-वार विवरण, यदि उपलब्ध हो)	tCO ₂	1876.53*	tCO ₂	1577.17	
	CH ₄ - tCO ₂ e	0	CH ₄ - tCO ₂ e	0	
	N ₂ O - tCO ₂ e	0	N ₂ O - tCO ₂ e	0	
	HFCs - tCO ₂ e	0	HFCs - tCO ₂ e	0	
प्रति करोड़ टर्नओवर पर कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन गहनता	CO2 समतुल्य मीट्रिक टन/ भारतीय रुपया	0.0387	0.045		
(कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन- मीट्रिक टन में/ प्रचालन से राजस्व-करोड़ में)					

मापदंड	इकाई	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24*
क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति करोड़ टर्नओवर पर उत्सर्जन गहनता कुल स्कोप 1 और स्कोप 2	CO2 समतुल्य मीट्रिक टन/अमरीकी डॉलर	0.800	0.92
(कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन / पीपीपी के लिए समायोजित प्रचालन से राजस्व करोड़ में)			
भौतिक आउटपुट के संदर्भ में कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन गहनता	CO2 समतुल्य मीट्रिक टन/एफटीई	1.893	2.175
कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन गहनता (वैकल्पिक)			लागू नहीं

– प्रासंगिक माप-इकाई का चयन संस्था द्वारा किया जा सकता है।

****ऊर्जा दक्षता पहलों जैसे स्वचालित प्रकाश व्यवस्था और नियमित एसी रखरखाव के बावजूद, स्कोप 2 उत्सर्जन में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मुख्यतः निम्नलिखित कारणों से हुई है: (1) 48 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की आंतरिक लीजिंग, जिससे चार्जिंग के लिए लगभग 400 मेगावाट घंटा (1,440 गीगा जूल) बिजली की खपत बढ़ी; और (2) ग्रिड उत्सर्जन कारक में 0.716 से 0.726 की वृद्धि, जिससे परिकलित उत्सर्जन में वृद्धि हुई।**

टिप्पणी: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/ना) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर के मुख्य मापदंडों के लिए उचित आश्वासन प्राप्त किया है।

8. क्या संस्था के पास ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हाँ, तो विवरण प्रस्तुत करें:

हाँ, आरईसी अपने मुख्य व्यावसायिक संचालन और आंतरिक पहलों के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण रूप से शामिल है।

आरईसी का प्राथमिक योगदान भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन के एक प्रमुख वित्तपोषक के रूप में इसकी भूमिका से उपजा है। आरईसी सौर, पवन और अन्य गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित बिजली उत्पादन स्रोतों सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए पर्याप्त ऋण प्रदान करता है। यह पारंपरिक, उत्सर्जन-गहन स्रोतों से उत्पन्न बिजली को सीधे विस्थापित करता है। उदाहरण के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरईसी ने ₹1,05,259 करोड़ की प्रभावशाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को मंजूरी दी, साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा ऋण वितरण में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सालाना आधार पर 63% की पर्याप्त वृद्धि देखी गई।

ग्रीन बॉण्ड जारी करना: हरित पहलों को और अधिक समर्थन देने के लिए, आरईसी नियमित रूप से अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन बॉण्ड जारी करता है। इन बॉण्ड से जुटाई गई धनराशि विशेष रूप से "पात्र हरित परियोजनाओं" में लगाई जाती है जो कड़े पर्यावरणीय मानदंडों को पूरा करती हैं और सीधे तौर पर आरईसी ग्रीन फाइनेंस फ्रेमवर्क के अनुसार कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान देती हैं।

ऊर्जा दक्षता में वृद्धि: नवीकरणीय ऊर्जा के अलावा, आरईसी पावर ग्रिड की दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से परियोजनाओं का भी समर्थन करता है, जैसे स्मार्ट मीटरिंग और वितरण सुधार। हालाँकि ये प्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस कटौती परियोजनाएँ नहीं हैं, लेकिन इन पहलों से ऊर्जा की हानि कम होती है और परिणामस्वरूप, बिजली क्षेत्र से उत्सर्जन कम होता है।

आरईसी अपने स्वयं के कार्बन पदचिह्न को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है: आरईसी अपने परिसर में रूफटॉप सौर संयंत्र संचालित करता है, जिससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,379 मेगावाट बिजली उत्पन्न हुई, जिससे 1,002 टन CO2 उत्सर्जन से बचा जा सका।

निवल शून्य संचालन: आरईसी अपने प्रत्यक्ष संचालन में निवल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता के तहत, इसने अपने बिजली वितरण कंपनियों के साथ 100% हरित बिजली आपूर्ति के लिए सहमति व्यक्त की है, जिससे इसके आंतरिक उत्सर्जन में 85% की कमी आने का अनुमान है।

संक्षेप में, आरईसी हरित ऊर्जा परिवर्तन को वित्तपोषित करके पूरे भारत में बड़े पैमाने पर ग्रीनहाउस गैसों में कमी लाने में सक्रिय रूप से सक्षम है, साथ ही अपने स्वयं के संचालन को कार्बन-मुक्त करने के लिए मजबूत उपायों को लागू कर रहा है।

9. संस्था द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण निम्नलिखित प्रारूप में उपलब्ध कराएं:

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
कुल उत्पन्न अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
प्लास्टिक अपशिष्ट (क)	0	0.55
ई-अपशिष्ट (ख)	1.50	0.53
जैव-चिकित्सा अपशिष्ट (ग)	0	0
निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (घ)	0	0
बैटरी अपशिष्ट (ङ)	0	0
रेडियोधर्मी अपशिष्ट (च)	0	0
अन्य खतरनाक अपशिष्ट। यदि कोई हो तो कृपया बताएं। (छ)	0	0
उत्पन्न अन्य गैर-खतरनाक अपशिष्ट (ज)	40.68	35.45
कुल (क+ख+ग+घ+ङ+च+छ+ज)	42.18	36.53



मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
प्रति करोड़ टर्नओवर पर अपशिष्ट गहनता (कुल उत्पन्न अपशिष्ट मीट्रिक टन में / राजस्व से प्रचालन करोड़ में)	0.00075	0.00077
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति करोड़ टर्नओवर पर अपशिष्ट गहनता (कुल उत्पन्न अपशिष्ट-मीट्रिक टन में / पीपीपी के लिए समायोजित प्रचालन से राजस्व-करोड़ में)	0.01544	0.0157
भौतिक आउटपुट के संदर्भ में अपशिष्ट गहनता	0.036	0.037
अपशिष्ट गहनता (वैकल्पिक) – संस्था द्वारा प्रासंगिक माप-इकाई का चयन किया जा सकता है।	लागू नहीं	लागू नहीं
उत्पन्न अपशिष्ट की प्रत्येक श्रेणी के लिए, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग या अन्य पुनर्प्राप्ति कार्यों के माध्यम से पुनर्प्राप्त कुल अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
अपशिष्ट की श्रेणी: ई-अपशिष्ट		
(i) पुनर्चक्रित	1.50	0.53
(ii) पुनः उपयोग	-	-
(iii) अन्य पुनर्प्राप्ति कार्य	-	-
कुल	1.50	0.53
अपशिष्ट की श्रेणी - अन्य गैर-खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न		
(i) पुनर्चक्रित	19.80	16.20
(ii) पुनः उपयोग	-	-
(iii) अन्य पुनर्प्राप्ति कार्य – कम्पोस्टिंग	20.88	19.80
कुल	42.18	36.53

उत्पन्न अपशिष्ट की प्रत्येक श्रेणी के लिए, निपटान विधि की प्रकृति के अनुसार निपटाया गया कुल अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
अपशिष्ट की श्रेणी		
(i) भस्मीकरण	शून्य	शून्य
(ii) लैंडफिलिंग	हमने अपने सभी कार्यालय अपशिष्ट प्रबंधन के लिए, सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, एक सरकारी अधिकृत तृतीय-पक्ष अपशिष्ट प्रबंधन विक्रेता को नियुक्त किया है।	
(iii) अन्य निपटान कार्य		
कुल		

टिप्पणी: एक एनबीएफसी होने के नाते, हमारे कार्यालय संचालन से उत्पन्न होने वाला कचरा मुख्य रूप से हमारे परिसर से उत्पन्न होता है, जिसमें सामान्य कार्यालय कचरा और बागवानी कचरा दोनों शामिल हैं। कचरे के उत्पादन में हालिया वृद्धि, कार्मिकों की बढ़ती उपस्थिति और बगीचे के कचरे में मौसमी वृद्धि का प्रत्यक्ष परिणाम है। हमने एक पंजीकृत अपशिष्ट प्रबंधन विक्रेता के साथ साझेदारी की है और लैंडफिल में शून्य अपशिष्ट के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहे हैं।

टिप्पणी: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर के मुख्य मापदंडों के लिए उचित आश्वासन प्राप्त किया है।

10. अपने प्रतिष्ठानों में अपनाई गई अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का संक्षेप में वर्णन करें। अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं में खतरनाक और विषैले रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए आपकी कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यनीति और ऐसे अपशिष्टों के प्रबंधन के लिए अपनाई गई प्रथाओं का वर्णन करें:

एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में, आरईसी के प्रतिष्ठानों में मुख्य रूप से एक कॉर्पोरेट कार्यालय और संभवतः छोटे क्षेत्रीय कार्यालय शामिल हैं। यह एक विनिर्माण उद्योग के रूप में ऐसे उत्पादों का निर्माण या ऐसी प्रक्रियाओं में संलग्न नहीं है जिनमें आमतौर पर खतरनाक और विषैले रसायनों का बड़े पैमाने पर उत्पादन या उपयोग शामिल हो।

हमारे अपशिष्ट प्रबंधन कार्यप्रणालियाँ ऐसे वातावरण में उत्पन्न अपशिष्ट को संभालने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जो अपशिष्टों में कमी, पृथक्करण और ज़िम्मेदारी से निपटान पर केंद्रित हैं। हम अपनी ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से "कागज़ रहित कार्यालय" को बढ़ावा देते हैं और हमने अपशिष्ट के ज़िम्मेदारी से निपटान के लिए एक अधिकृत अपशिष्ट प्रबंधन विक्रेता के साथ साझेदारी की है। ई-कचरे के रूप में पहचाने गए पुराने, अनुपयोगी और अप्रचलित आईटी उपकरणों का निपटान, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भारत सरकार और राज्य प्रदूषण नियंत्रण समिति/इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट बोर्ड के तहत पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं/पुनःप्रसंस्करणकर्ताओं के माध्यम से, आरईसी के खरीद दिशानिर्देशों के तहत परिभाषित प्रक्रिया का पालन करते हुए किया जाता है।

हमारा दृष्टिकोण हमारे प्रशासनिक कार्यों से न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करता है।

11. यदि संस्था का प्रचालन/कार्यालय पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियमन क्षेत्र आदि) में/इनके आसपास है, जहां पर्यावरणीय अनुमोदन/मंजूरी की आवश्यकता है, तो कृपया निम्नलिखित प्रारूप में विवरण निर्दिष्ट करें:

क्र.सं.	प्रचालन/कार्यालयों का स्थान	प्रचालनों का प्रकार	क्या पर्यावरणीय अनुमोदन/मंजूरी की शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है? (हां/नहीं)
			यदि नहीं, तो इसके कारण तथा की गई सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है?

लागू नहीं। कोई भी प्रचालन/कार्यालय पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में/इनके आसपास नहीं है।

12. चालू वित्तीय वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर संस्था द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन का विवरण:

परियोजना का नाम एवं संक्षिप्त विवरण	ईआईए अधिसूचना संख्या	तारीख	क्या स्वतंत्र बाह्य एजेंसी द्वारा संचालित किया गया है (हां/नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में संप्रेषित परिणाम (हां/नहीं)	प्रासंगिक वेब लिंक

आरईसी एक एनबीएफसी होने के नाते, अवसंरचना परियोजनाओं को वित्तपोषित करता है, किंतु किसी भी परियोजना का स्वामित्व या निष्पादन/कार्यान्वयन नहीं करता है। आरईसी द्वारा वित्तपोषित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए, कंपनी को उधारकर्ताओं की ओर से लागू नियमों और विनियमों के अनुसार पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव आकलन (ईएसआईए) प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता होती है।

13. क्या संस्था भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियम/दिशानिर्देशों, जैसे जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और इनके तहत बनाए गए नियमों का अनुपालन करती है। हां/नहीं। यदि नहीं, तो निम्नलिखित प्रारूप में ऐसे सभी गैर-अनुपालनों का विवरण प्रस्तुत करें:

क्र.सं.	उस कानून/विनियम/दिशानिर्देश को निर्दिष्ट करें जिसका अनुपालन नहीं किया गया	गैर-अनुपालन का विवरण प्रस्तुत करें	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या न्यायालय जैसी नियामक एजेंसियों द्वारा अधिरोपित कोई जुर्माना/अर्थदंड/कार्रवाई	की गई सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो

आरईसी अपने परिसर और प्रचालन के संबंध में सभी लागू पर्यावरण नियमों का अनुपालन करता है। कंपनी अपने द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की उचित जांच में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को भी शामिल करती है।

नेतृत्व संकेतक

1. जल संकट वाले क्षेत्रों में जल निकासी, खपत और निस्सरण (किलोलीटर में):

जल संकट वाले क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक सुविधा/संयंत्र के लिए निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करें:

- क्षेत्र का नाम: लागू नहीं
- प्रचालन की प्रकृति: अन्य वित्तीय सेवाएं और गतिविधियां - अन्य ऋण प्रदान करना
- जल निकासी, खपत और निस्सरण: लागू नहीं

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
स्रोत द्वारा जल निकासी (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल		
(ii) भूजल		
(iii) तृतीय पक्ष जल		
(iv) समुद्री जल / अलवणीकृत जल		
(v) अन्य		लागू नहीं
जल निकासी की कुल मात्रा (किलोलीटर में)		
जल खपत की कुल मात्रा (किलोलीटर में)		
प्रति रुपया टर्नओवर में जल गहनता (जल खपत / टर्नओवर)		
जल गहनता (वैकल्पिक) - प्रासंगिक माप-इकाई का चयन संस्था द्वारा किया जा सकता है।		
गंतव्य और शोधन के स्तर के अनुसार जल निस्सरण (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल में		
- कोई शोधन नहीं		
- शोधन सहित - कृपया शोधन का स्तर निर्दिष्ट करें		
(ii) भूजल में		
- कोई शोधन नहीं		
- शोधन सहित - कृपया शोधन का स्तर निर्दिष्ट करें		
(iii) समुद्री जल में		
- कोई शोधन नहीं		
- शोधन सहित - कृपया शोधन का स्तर निर्दिष्ट करें		लागू नहीं
(iv) तृतीय पक्ष को प्रेषित		
- कोई शोधन नहीं		
- शोधन सहित - कृपया शोधन का स्तर निर्दिष्ट करें		
(v) अन्य		
- कोई शोधन नहीं		
- शोधन सहित - कृपया शोधन का स्तर निर्दिष्ट करें		
कुल निस्सरित जल (किलोलीटर में)		

टिप्पणी: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? - हां, आरईसी ने बीआरएसआर मूल मापदंडों के लिए उचित आश्वासन दिया है।



2. कृपया कुल स्कोप 3 उत्सर्जन और इसकी गहनता का विवरण प्रस्तुत करें:

मापदंड	संस्था	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24*
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन (ग्रीनहाउस गैसों का कार्बन डाई ऑक्साइड-CO ₂ , मीथेन-CH ₄ , नाइट्रस ऑक्साइड-N ₂ O, हाइड्रोफ्लूरोकार्बन-HFCs, पीएफसी-PFCs, सल्फरहेक्साफ्लूरोइड-SF ₆ , नाइट्रोजन ट्राइफ्लूरोइड-NF ₃ में गैस-वार विवरण, यदि उपलब्ध हो)	मीट्रिक टन CO ₂ समतुल्य	10,752.00*	10,295.23
प्रति करोड़ टर्नओवर पर कुल स्कोप 3 उत्सर्जन	मीट्रिक टन CO ₂ समतुल्य/भारतीय रुपया - करोड़ में	0.19	0.22
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन गहनता (वैकल्पिक) - प्रासंगिक माप-इकाई का चयन संस्था द्वारा किया जा सकता है।	-	लागू नहीं	लागू नहीं

* इसमें श्रेणी 15 को छोड़कर, सभी लागू स्कोप 3 उत्सर्जन शामिल हैं।

टिप्पणी: बताएँ कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/ना) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएँ। - हाँ, आरईसी ने मैसर्स कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स से बीआरएसआर के मुख्य मापदंडों के लिए उचित आश्वासन प्राप्त किया है।

3. उपरोक्त आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 10 में बताए गए पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में, ऐसे क्षेत्रों में जैव विविधता पर संस्था के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव का विवरण प्रस्तुत करें, साथ ही रोकथाम और उपचारात्मक गतिविधियों का विवरण भी प्रस्तुत करें:

लागू नहीं।

4. यदि संस्था ने संसाधन दक्षता में सुधार करने, या उत्सर्जन / अपशिष्ट निस्सरण / उत्पन्न अपशिष्ट के कारण होने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कोई विशिष्ट पहल की है या नवीन प्रौद्योगिकी या समाधान का उपयोग किया है, तो कृपया निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार इसके विवरण के साथ-साथ ऐसी पहलों के परिणाम भी प्रस्तुत करें:

क्र.सं.	की गई पहल	पहल का विवरण (यदि कोई हो तो सारांश सहित वेब-लिंक उपलब्ध कराया जाए)	पहल का परिणाम
1	ऊर्जा कुशल अग्रभाग और विकिरण शीतलन स्लेब का उपयोग	गुरुग्राम स्थित आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय भवन में ऊर्जा संरक्षण के लिए लगभग 30% एचवीएसी लोड आवश्यकता को कम करने के लिए ऊर्जा कुशल अग्रभाग और रेडिएंट कूलिंग स्लेब का उपयोग करके डिजाइन और निर्मित किया गया है।	एचवीएसी लोड आवश्यकता में ~30% की कमी
2	सौर संयंत्र	आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में रूफटॉप सौर संयंत्र 979 किलोवाट पावर के हैं और आरईसीआईपीएमटी में 40 किलोवाट पावर के हैं, जो स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके आरईसी कार्यालय की लोड आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।	1000 टन CO ₂ उत्सर्जन से बचाव
3	कागज की खपत कम करना	कागज की खपत को कम करने के लिए, आरईसी देश भर में अपने सभी कार्यालयों में 'ई-ऑफिस' प्रणाली का उपयोग करता है। आरईसी ने अपने कार्मिकों के स्वास्थ्य के लिए सावधानी बरतते हुए, विशेष रूप से महामारी की शुरुआत के बाद, सुरक्षित आईटी सिस्टम और प्रक्रियाओं के माध्यम से दूरस्थ कार्य पद्धतियों का सक्रिय रूप से उपयोग किया है।	-
4	मौजूदा डीजल जनरेटर को द्वि-ईंधन जनरेटर में परिवर्तित करना	जीएचजी उत्सर्जन को न्यूनतम करने के लिए आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में मौजूदा 1010 केवीए डीजल जनरेटर सेट को द्वि-ईंधन (70% पीएनजी और 30% डीजल) जनरेटर में परिवर्तित किया गया।	वायु उत्सर्जन नगण्य होगा
5	स्वचालित प्रकाश व्यवस्था प्रबंधन प्रणाली	आरईसी कॉर्पोरेट कार्यालय में एक स्वचालित प्रकाश प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की गई है, जिससे काफी मात्रा में ऊर्जा की बचत होने की उम्मीद है	जिससे लगभग 10%-20% ऊर्जा की बचत होगी।
6	वाहनों का ईवी में परिवर्तन	आरईसी ने कार्यालयों के सम्पूर्ण पारंपरिक वाहनों को ईवी वाहनों में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा है, जिसके तहत 48 नए ईवी वाहन पेश किए जाएंगे, जो 76% रूपांतरण दर दर्शाता है।	-

5. क्या संस्था में व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना विद्यमान है? 100 शब्दों में विवरण / वेब लिंक प्रस्तुत करें:

आरईसी ने अप्रत्याशित संकटों का सामना करने में संगठनात्मक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई एक व्यापक व्यावसायिक निरंतरता और आपदा पुनर्प्राप्ति योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है। अपनी टीमों को प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए, हम कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं जो विभिन्न आपातकालीन परिदृश्यों को कवर करते हैं।

इसके अलावा, हम नियमित रूप से आपदा अभ्यास आयोजित करते हैं जो वास्तविक दुनिया की आपात स्थितियों का अनुकरण करते हैं, जिससे हमें योजना में उल्लिखित हमारी स्थापित प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है। इन अभ्यासों का सर्ट-इन द्वारा प्रमाणित बाहरी पेशेवरों द्वारा सावधानीपूर्वक लेखांकन किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी प्रथाएँ उद्योग मानकों को पूरा करती हैं। इन लेखांकन से प्राप्त प्रतिक्रिया मूल्यवान है; यह निरंतर सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक अभिन्न अंग है, जिससे हमें अपनी रणनीतियों को परिष्कृत करने और अपनी प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने में मदद मिलती है।

इसके अलावा, व्यावसायिक निरंतरता योजना की समय-समय पर समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह नवीनतम विकास के साथ अद्यतित रहे। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, प्रबंधन और बोर्ड दोनों को किसी भी बदलाव या प्रगति के बारे में सूचित रखा जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारा दृष्टिकोण मजबूत और अनुकूलनीय बना रहे।

6. संस्था की मूल्य शृंखला से पर्यावरण पर उत्पन्न होने वाले किसी भी महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव का प्रकटीकरण करें। इस संबंध में संस्था द्वारा क्या शमन या अनुकूलन उपाय किए गए हैं?

आरईसी सरकार द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार, ताप विद्युत संयंत्रों में उन्नत प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों की स्थापना के वित्तपोषण में सक्रिय रूप से संलग्न है। इस पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणालियों, चयनात्मक उत्प्रेरक न्यूनीकरण (एससीआर) प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ईएसपी) की तैनाती है। ये प्रणालियाँ विद्युत उत्पादन के दौरान उत्पन्न होने वाले हानिकारक उत्सर्जन और कणिकीय पदार्थों को महत्वपूर्ण रूप से कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पूरे वित्तीय वर्ष में, आरईसी ने विशेष रूप से एफजीडी स्थापित करने के उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी देकर इस पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन परियोजनाओं के लिए आवंटित कुल राशि ₹5,441 करोड़ है, जो वायु गुणवत्ता में सुधार और कड़े पर्यावरणीय नियमों का पालन करने के लिए आरईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रदूषण नियंत्रण उपायों के अलावा, आरईसी अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजनाओं को भी वित्तपोषित कर रहा है। ये परियोजनाएँ पारंपरिक ताप विद्युत संयंत्रों की तुलना में अपनी बेहतर तापीय दक्षता के लिए विशिष्ट हैं, जो कम ईंधन खपत और कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान करती हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, आरईसी ने कुल 5 अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल राशि ₹11,755 करोड़ है। यह निवेश भारत में सतत ऊर्जा विकास के प्रति आरईसी के दूरदर्शी दृष्टिकोण और समर्पण को दर्शाता है।

7. उन मूल्य शृंखला भागीदारों का प्रतिशत (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार) जिनका पर्यावरणीय प्रभावों के लिए मूल्यांकन किया गया:

आरईसी एक एनबीएफसी है, इसलिए यह परियोजनाओं का स्वामित्व या निष्पादन/कार्यान्वयन नहीं करती है। आरईसी द्वारा वित्तपोषित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए, कंपनी को अपने उधारकर्ताओं से लागू नियमों और विनियमों के अनुसार पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव आकलन (ईएसआईए) प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

8. कितने ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न या प्राप्त किए गए हैं:

क. सूचीबद्ध इकाई द्वारा

आरईसी ने अपने इन-हाउस रूफटॉप सौर प्रतिष्ठानों से कुल 1,379 मेगावाट-घंटे (MWh) स्वच्छ सौर ऊर्जा उत्पन्न करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिनकी संयुक्त क्षमता 1,019 किलोवाट पीक (kWp) है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त इस उत्पादन से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है, विशेष रूप से 1,002 टन CO₂ की बचत हुई है। इस कमी को 1,002 कार्बन क्रेडिट के उत्पादन के रूप में मापा जा सकता है, जो आरईसी की स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अपने पर्यावरणीय प्रभाव को और बढ़ाने के लिए, आरईसी अपने सभी प्रत्यक्ष परिचालनों में निवल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के अपने लक्ष्य का सक्रिय रूप से अनुसरण कर रहा है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन करने के लिए, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 100% हरित ऊर्जा की आपूर्ति प्राप्त करने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (डीएचबीवीएनएल) के साथ सहमति व्यक्त की है। इस रणनीतिक पहल से आरईसी के कुल उत्सर्जन में लगभग 85% की कमी आने की उम्मीद है, जिससे इसमें उल्लेखनीय कमी आएगी।

इसके अतिरिक्त, आरईसी ने चालू वित्तीय वर्ष में एक स्वचालित प्रकाश व्यवस्था प्रबंधन प्रणाली को चालू करके अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में ऊर्जा दक्षता में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस प्रणाली का उद्देश्य अधिभोग और प्राकृतिक प्रकाश के स्तर के अनुसार प्रकाश व्यवस्था को स्वचालित रूप से समायोजित करके ऊर्जा उपयोग को अनुकूलित करना है, जिससे संगठन के सतत विकास प्रयासों में और अधिक योगदान मिलेगा।

ख. शीर्ष दस द्वारा (क्रमशः खरीद, बिक्री और मूल्य शृंखला भागीदारों के मूल्य के संदर्भ में)

चूँकि आरईसी के संचालन की आधारशिला परियोजना वित्त में निहित है, इसलिए संगठन ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के अपने पोर्टफोलियो के माध्यम से पर्यावरणीय प्रभाव में उल्लेखनीय प्रगति की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरईसी द्वारा वित्तपोषित शीर्ष दस नवीकरणीय परियोजनाओं ने कुल 48,39,745 टन CO₂ उत्सर्जन को सफलतापूर्वक रोका। यह उल्लेखनीय उपलब्धि 48,39,745 कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने के बराबर है, जो इन परियोजनाओं द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने में किए गए सकारात्मक योगदान को दर्शाता है।

आरईसी द्वारा वित्त पोषित सभी नवीकरणीय परियोजनाओं को शामिल करने के लिए दायरा बढ़ाने पर, संचयी परिहार्य उत्सर्जन लगभग 1,07,28,074 टन CO₂ तक पहुँच जाता है, जो 0.1 बिलियन टन के बराबर है। अधिक सटीक निर्धारण के लिए पीसीएएफ (कार्बन लेखा वित्तीय साझेदारी) पद्धति का उपयोग करते हुए, इन परिहार्य उत्सर्जनों में आरईसी का प्रत्यक्ष योगदान 61,14,045 टन CO₂ है। यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक वित्तपोषण के माध्यम से सतत विकास को आगे बढ़ाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में आरईसी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

सिद्धांत 7 - व्यवसायों को लोक और विनियामक नीति लागू करते समय उत्तरदायी और पारदर्शी तरीका अपनाना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. क व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों से संबद्धता की संख्या: 5 (पांच) संबद्धताएँ



ख. उन शीर्ष 10 व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों (ऐसे निकाय के कुल सदस्यों के आधार पर निर्धारित) की सूची प्रस्तुत करें, जिनकी संस्था सदस्य है/संबद्ध है।

क्र.सं.	व्यापार एवं उद्योग मंडलों/संघों का नाम	व्यापार एवं उद्योग मंडलों/संघों की पहुंच (राज्य/राष्ट्रीय)
1	विश्व आर्थिक मंच (डबल्यूईसी) अंतर्राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय
2	विश्व ऊर्जा परिषद (डबल्यूईसी), भारत	राष्ट्रीय
3	सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन (स्कोप)	राष्ट्रीय
4	केंद्रीय सिंचाई एवं विद्युत बोर्ड (सीबीआईपी)	राष्ट्रीय
5	प्रेस क्लब ऑफ इंडिया	राष्ट्रीय

2. नियामक प्राधिकरणों के प्रतिकूल आदेशों के आधार पर, संस्था द्वारा प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण से संबंधित किसी भी मुद्दे पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें:

प्राधिकरण का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
नियामक प्राधिकरणों की ओर से कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया गया।		

नेतृत्व संकेतक

1. संस्था द्वारा समर्थित लोक नीति पदों का विवरण:

क्र.सं.	लोक नीति का पक्षसमर्थन	इस तरह के पक्षसमर्थन के लिए अपनाई गई विधि	क्या जानकारी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है? (हां/नहीं)	बोर्ड द्वारा समीक्षा की आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/त्रैमासिक/ अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)	वेब लिंक, यदि उपलब्ध हो

आरईसी लिमिटेड: सतत ऊर्जा और अवसंरचना विकास के लिए सार्वजनिक नीति को उत्प्रेरित करना

आरईसी लिमिटेड, एक "महारत्न" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई), भारत के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक अग्रणी अवसंरचना वित्त कंपनी के रूप में कार्य करता है। यह देश की ऊर्जा और अवसंरचना नीतियों के विकास और समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विद्युत मंत्रालय की एक रणनीतिक शाखा के रूप में, आरईसी देश भर में विद्युत अवसंरचना को बढ़ावा देने और विकसित करने वाली सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। अपने राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप, आरईसी नीतिगत वकालत और कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जिसका ध्यान सतत ऊर्जा को बढ़ावा देने, समान पहुंच सुनिश्चित करने और देश भर में अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर केंद्रित है।

1. भारत के हरित ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु लक्ष्यों में तेजी लाना

नीतिगत उद्देश्य: पेरिस समझौते के तहत भारत की पंचामृत जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करना, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण, स्वच्छ प्रौद्योगिकी संवर्धन और ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

पक्षसमर्थन विधियाँ:

▪ **रणनीतिक वित्तपोषण के माध्यम से प्रदर्शन:**

आरईसी के नवीकरणीय ऊर्जा ऋण पोर्टफोलियो में साल-दर-साल 49% की वृद्धि हुई, जिससे स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के वित्तपोषण में कंपनी की भूमिका और मज़बूत हुई और क्षेत्रीय विकास के लिए मानक स्थापित हुए।

▪ **विचार नेतृत्व और उद्योग जुड़ाव:**

आरईसी प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों में भाग लेकर, स्थिति पत्र प्रकाशित करके और क्षेत्र के हितधारकों के साथ सहयोग करके नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता की सक्रिय रूप से वकालत करता है।

सार्वजनिक डोमेन: हाँ (रिपोर्ट आरईसी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं)

2. प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से रूफटॉप सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना

नीतिगत उद्देश्य: आवासीय रूफटॉप सौर प्रणालियों को अपनाने में तेज़ी लाना, परिवारों के लिए ऊर्जा की पहुँच और सामर्थ्य में सुधार करना।

पक्षसमर्थन विधियाँ:

राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन भूमिका: आरईसी, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (कुल परिव्यय: ₹75,021 करोड़) के लिए एक राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (एनपीआईए) है, जिसका उद्देश्य है:

- 1 करोड़ घरों को कवर करना
- प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना

कार्यान्वयन की उपलब्धि: वित्तीय वर्ष 2024-25 तक, आरईसी ने 10 लाख से अधिक रूफटॉप सौर कनेक्शनों की सुविधा प्रदान की है, जिससे 3 गीगावाट वितरित नवीकरणीय क्षमता का योगदान हुआ है।

सार्वजनिक डोमेन: हाँ (आरईसी वेबसाइट और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की विज्ञप्तियों पर रिपोर्ट)।

3. सार्वभौमिक विद्युतीकरण और ग्रिड आधुनिकीकरण

नीतिगत उद्देश्य: सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त करना और विश्वसनीयता, सामर्थ्य और स्थिरता के लिए बिजली वितरण प्रणालियों में परिवर्तन करना।

पक्षसमर्थन विधियाँ:

■ नोडल एजेंसी के रूप में कार्यान्वयन नेतृत्व:

वर्तमान में, आरईसी को भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं, पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के लिए 19 राज्यों में नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है, जो ग्रिड उन्नयन, हानि न्यूनीकरण और स्मार्ट मीटरिंग में सहायता प्रदान करती है।

■ जन जागरूकता और आउटरीच अभियान:

आरईसी, आरडीएसएस के लिए जन संचार का नेतृत्व करता है, और विद्युत मंत्रालय की ओर से जनसंचार माध्यमों और जमीनी स्तर पर सक्रियता के माध्यम से स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग जैसी पहलों को बढ़ावा देता है।

सार्वजनिक डोमेन: योजना दस्तावेज़, आरईसी वेबसाइट और विद्युत मंत्रालय के संचार

4. विद्युत क्षेत्र के प्रशासन और उपभोक्ता सेवाओं को सुदृढ़ बनाना

नीतिगत उद्देश्य: विद्युत मूल्य शृंखला में प्रशासन को बढ़ावा देना, डिस्कॉम के प्रदर्शन में सुधार लाना और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ाना।

पक्षसमर्थन विधियाँ:

■ **सार्वजनिक नीति की वकालत:** उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सामर्थ्य में सुधार, नियामक अनुपालन को बढ़ावा देना और डिस्कॉम के प्रदर्शन और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा देना।

■ **पक्षसमर्थन विधियाँ:** नीति परामर्श और अनुसंधान: आरईसी, विद्युत मंत्रालय को नीति निर्माण और नियामक अनुपालन पर सलाह देता है। इसमें शामिल हैं:

- डिस्कॉम्स की उपभोक्ता सेवा रेटिंग (सीएसआरडी) रिपोर्ट प्रकाशित करना, जो 4 प्रमुख मापदंडों के 23 पूर्व-निर्धारित उप-मापदंडों पर आधारित है:
 - परिचालन विश्वसनीयता
 - कनेक्शन और अन्य सेवाएँ
 - मीटरिंग, बिलिंग और संग्रहण
 - दोष सुधार और शिकायत निवारण

(उदाहरण के लिए, वित्तीय वर्ष 2024 में, 6 डिस्कॉम्स ए+ थे, 15 ए श्रेणी में) ताकि परिचालन विश्वसनीयता, कनेक्शन, मीटरिंग, बिलिंग और शिकायत निवारण में सुधार को प्रोत्साहित किया जा सके। (वेब लिंक: <https://recindia.nic.in/consumer-service-rating-of-discoms>)

■ पावरथॉन (चरण I फरवरी 2022 में लॉन्च) जैसे ढांचे विकसित करना, डिस्कॉम समस्या समाधान (उदाहरण के लिए, एटीएंडसी हानियाँ, लोड पूर्वानुमान) के लिए एआई/एमएल का लाभ उठाना। पिछले वर्ष विद्युत मंत्रालय द्वारा पावरथॉन कार्यक्रम का चरण II लॉन्च किया गया था जिसमें आरडीएसएस के तहत सरकारी अनुदान और सहायता प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं:

- पावरथॉन-2024 के अंतर्गत सहायता के लिए कुल 40 प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाताओं (टीएसपी) की योजना बनाई गई है।
- प्रत्येक टीएसपी कार्यक्रम के तहत स्वीकृत अनुदान के लिए पात्र होगा।
- क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (टीबीआई) टीएसपी को अनुदान वितरण के साथ-साथ इनक्यूबेशन सहायता भी प्रदान करेंगे।
- कार्यक्रम के तहत गठित एक विशेषज्ञ और तकनीकी समिति प्रगति की निगरानी करेगी और टीएसपी को अनुदान स्वीकृत करेगी।

लक्षित प्रमुख समस्या क्षेत्र:

- सटीक मांग/भार पूर्वानुमान/विद्युत क्रय लागत अनुकूलन
- मांग पक्ष प्रबंधन- विद्युत गुणवत्ता में सुधार
- वितरण प्रणाली में नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण
- ऊर्जा मीटर पुनर्चक्रण
- डिजिटल ट्विन
- स्मार्ट मीटरिंग
- वितरण परिसंपत्ति प्रबंधन

(वेब लिंक: <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-ursi-Powerthon-2024-dt-050225.pdf>)

■ विद्युत मंत्रालय की ओर से पहली बार आरईसी द्वारा वितरण उपयोगिता रैंकिंग रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, जिसमें सीएसआरडी, पीएफसी द्वारा प्रकाशित एकीकृत रिपोर्ट और विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित अन्य मापदंडों से प्राप्त इनपुट शामिल हैं। रैंकिंग निम्नलिखित 6 मानकों के विशिष्ट भार पर आधारित है:

- पीएफसी द्वारा जारी डिस्कॉम की वार्षिक एकीकृत रेटिंग और रैंकिंग (35%)
- डिस्कॉम की उपभोक्ता सेवा रेटिंग (35%)
- आरपीओ उपलब्धि (5%)
- संचार प्रणाली मीटरिंग (5%)



- मांग पक्ष प्रतिक्रिया (5%)
- संसाधन पर्याप्तता (15%)

रिपोर्ट यहाँ देखी जा सकती है (वेब लिंक: <https://recindia.nic.in>)

- विद्युत उपयोगिताओं के प्रमुख नियामक मानकों पर रिपोर्ट प्रकाशित करना। (वेब लिंक: <https://recindia.nic.in/RegulatoryParameters>)
- विद्युत मंत्रालय पहलों का कार्यान्वयन: ऊर्जा लेखांकन और लेखा परीक्षा जैसी विद्युत मंत्रालय की अन्य पहलों को क्रियान्वित करना।

सार्वजनिक डोमेन: हाँ (आरईसी वेबसाइट और विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट)।

क्रॉस-कटिंग एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म

विशिष्ट कार्यक्रम संबंधी हस्तक्षेपों के अलावा, आरईसी का रणनीतिक नीतिगत प्रभाव निम्नलिखित माध्यमों से भी प्रसारित होता है:

- विश्व ऊर्जा परिषद (डब्ल्यूईसी) - भारत अध्याय:**

आरईसी की सदस्यता, विद्युत मंत्रालय के सचिव के नेतृत्व में उच्च-स्तरीय संवादों में भागीदारी को सक्षम बनाती है, जिससे वैश्विक और राष्ट्रीय ऊर्जा विमर्श में अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है।

- नियामक परामर्श:**

आरईसी के बोर्ड के सदस्य और वरिष्ठ प्रबंधन समय-समय पर संबंधित मंत्रालयों के कार्य समूहों में नियमित रूप से शामिल होते हैं और नियामक प्राधिकरणों को इनपुट प्रदान करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि नीति निर्माण के दौरान क्षेत्रीय चिंताओं का समाधान किया जाए।

- आरईसी के वरिष्ठ अधिकारी चयनित वितरण कंपनियों के बोर्ड में बैठते हैं, जहाँ भारत सरकार की नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित की जाती है और राज्य नीतियाँ बनाई जाती हैं।**

- आरईसीपीडीसीएल क्षेत्र-स्तरीय प्रतिक्रिया:**

आरईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, आरईसीपीडीसीएल, निम्नलिखित जैसी जमीनी स्तर की परियोजनाओं को क्रियान्वित करती है:

- स्मार्ट मीटरिंग परिनियोजन
- 11 केवी ग्रामीण फीडर निगरानी योजना
- लद्दाख ग्रिड अवसंरचना विकास
- राष्ट्रीय फीडर निगरानी प्रणाली (आरडीएसएस के अंतर्गत)

ये पहल अनुभवजन्य साक्ष्य और परिचालन प्रतिक्रिया प्रदान करती हैं, जिससे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के आधार पर नीतिगत ढाँचों को परिष्कृत करने में मदद मिलती है।

निष्कर्ष: राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप पक्षसमर्थन

आरईसी का सार्वजनिक नीति सहभागिता मॉडल बहुआयामी है जो विचार नेतृत्व, डेटा पारदर्शिता, प्रत्यक्ष योजना निष्पादन और रणनीतिक वित्तपोषण पर आधारित है। यह एकीकृत दृष्टिकोण आरईसी को क्षेत्रीय सुधारों को गति देने, जलवायु और ऊर्जा पहुँच लक्ष्यों का समर्थन करने और एक लचीले, टिकाऊ बिजली क्षेत्र के भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करता है।

सिद्धांत 8 - व्यवसायों को समावेशी विकास और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

- चालू वित्तीय वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर संस्था द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) का विवरण:

परियोजना का नाम एवं संक्षिप्त विवरण	एसआईए अधिसूचना संख्या	अधिसूचना की तिथि	क्या स्वतंत्र बाह्य एजेंसी द्वारा संचालित किया गया है (हां/नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में संप्रेषित परिणाम (हां/नहीं)	प्रासंगिक वेब लिंक
लागू नहीं					

- उन परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत करें जिनके लिए आपकी संस्था द्वारा पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) का कार्य किया जा रहा है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम जिसके लिए आर एंड आर किया जा रहा है	राज्य	जिला	परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएफ) की संख्या	आरएंडआर द्वारा कवर किए गए परियोजना प्रभावित परिवारों का प्रतिशत	वित्तीय वर्ष में परियोजना प्रभावित परिवारों को भुगतान की गई राशि (₹ में)
लागू नहीं						

- समुदाय की शिकायतें प्राप्त करने और उनके निवारण के तंत्र का वर्णन करें:

शिकायत प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की सरकार की पहल के जवाब में, आरईसी ने अपने लोक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ को केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के साथ एकीकृत करके एक महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा प्रबंधित यह व्यापक राष्ट्रीय मंच विभिन्न क्षेत्रों में शिकायतों को दर्ज करने और उनका समाधान करने के लिए एक केंद्रीकृत केंद्र के रूप में कार्य करता है।

सीपीजीआरएएमएस के माध्यम से, नागरिकों को विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के संबंध में शिकायतें दर्ज करने का अवसर मिलता है, जिनमें आरईसी

के संचालन और सेवाओं से सीधे संबंधित सेवाएँ भी शामिल हैं। यह एकीकरण सुनिश्चित करता है कि सीपीजीआरएमएस के माध्यम से प्रस्तुत सभी शिकायतों का स्थापित राष्ट्रीय मानकों के अनुसार और निर्धारित समय-सीमा के भीतर सावधानीपूर्वक समाधान किया जाए, जो समय पर और प्रभावी समाधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आरईसी का शिकायत निवारण प्रकोष्ठ प्राप्त शिकायतों पर व्यवस्थित रूप से नज़र रखकर और उनका प्रबंधन करके इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह दृष्टिकोण न केवल शिकायत निवारण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, बल्कि जनता के लिए पहुँच को भी बढ़ाता है। नागरिक आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, अपनी शिकायतों की स्थिति की निगरानी कर सकते हैं और अपनी चिंताओं के समाधान के लिए की गई कार्रवाई पर समय पर अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। कुल मिलाकर, यह पहल जवाबदेही को बढ़ावा देने और आरईसी के साथ बातचीत करने वाले हितधारकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

4. आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री का प्रतिशत (मूल्य के अनुसार कुल इनपुट में इनपुट):

	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
एमएसएमई/लघु उत्पादकों से सीधे प्राप्त	44.83%	29.51%
सीधे भारत के भीतर से	100%	100%

टिप्पणी: संबंधित आंकड़ा पोर्टल पर उपलब्ध है।

5. छोटे शहरों में रोजगार सृजन - निम्नलिखित अवस्थितियों पर कार्यरत व्यक्तियों (स्थायी या गैर-स्थायी / संविदा के आधार पर कार्यरत कर्मिकों या श्रमिकों सहित) को कुल वेतन लागत के प्रतिशत के रूप में संदत्त वेतन का प्रकटीकरण करें:

अवस्थिति	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
ग्रामीण	0%	0%
अर्ध शहरी	0%	0%
शहरी	13.84 %	8.53%
महानगर	86.16 %	91.47%

नेतृत्व संकेतक

1. सामाजिक प्रभाव आकलन में अभिचिह्नित किसी भी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव को कम करने के लिए की गई कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करें (संदर्भ: आवश्यक संकेतकों का उपरोक्त प्रश्न 1):

अभिचिह्नित नकारात्मक सामाजिक प्रभाव का विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
लागू नहीं	

2. सरकारी निकायों द्वारा चिह्नित आकांक्षी जिलों में आपकी संस्था द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं पर निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करें:

क्र.सं.	राज्य	आकांक्षी जिला	खर्च की गई राशि ₹
1	महाराष्ट्र	वाशिम	15,76,574
2	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थनगर	1,85,95,800
3	आंध्र प्रदेश	कडपा	63,83,108
4	बिहार	मुजफ्फरपुर	73,91,368
5	बिहार	बांका	1,84,39,920
6	छत्तीसगढ़	सुकमा	56,61,356

"आकांक्षी जिला" भारत सरकार द्वारा निर्धारित एक नाम है जिसका उद्देश्य अपेक्षाकृत अविकसित जिलों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति (स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास) में सुधार करना है।

3. (क) क्या आपकी संस्था में कोई अधिमाम्य खरीद नीति है जिसके तहत आप अधिकारहीन/कमजोर समूहों के आपूर्तिकर्ताओं से खरीद को प्राथमिकता देते हैं? (हां/नहीं)

हां, आरईसी में एमएसएमई से सार्वजनिक खरीद का समर्थन करने की नीति है। यह नीति <https://recindia.nic.in/uploads/files/RECPolicy-for-MSME-11022022.pdf> पर उपलब्ध है।

(ख) आप कौन-से अधिकारहीन/कमजोर समूहों से खरीदारी करते हैं?

आरईसी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसयू) होने के नाते, भारत सरकार की सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति, 2012 (लिंक: <https://dcmsme.gov.in/pppm.htm.aspx>) का पालन करने के लिए अधिकृत है। इस नीति में, जिसे समय के साथ संशोधित किया गया है और नीति में नवीनतम संशोधनों के अनुसार, सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को एमएसई से निम्नलिखित लक्ष्यों को प्रतिवर्ष पूरा करना आवश्यक है:

- वस्तुओं और सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद का 25%।
- अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद के लिए 25% के भीतर 4% का उप-लक्ष्य।



3) महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद के लिए 25% के भीतर 3% का उप-लक्ष्य।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, हमने अपनी आंतरिक नीति को इस प्रकार से तैयार किया है कि ₹10 लाख तक मूल्य की सामान्य रूप से प्रयुक्त वस्तुओं और सेवाओं की खरीद केवल एमएसई विक्रेताओं से ही की जाए। यह पहल हमारी आपूर्ति श्रृंखला में उनके विकास और भागीदारी को बढ़ावा देने में मदद करती है।

हमने एमएसई की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपाय लागू किए हैं:

- मूल्य वरीयता: यदि कोई गैर- एमएसई विक्रेता सबसे कम बोली (एल1) प्रस्तुत करता है, तो भी एमएसई को एल1 मूल्य के बराबर बोली लगाकर अनुबंध प्रदान किया जा सकता है, बशर्ते उनकी प्रारंभिक बोली एल1 मूल्य के 15% के भीतर हो। यह प्रावधान तब लागू होता है जब किसी ऑर्डर को कई विक्रेताओं के बीच विभाजित किया जा सकता है।
- वित्तीय बाधाओं में कमी: पंजीकृत एमएसई को निविदा दस्तावेज़ निःशुल्क प्राप्त होते हैं और उन्हें बयाना राशि जमा करने से छूट दी जाती है, जिससे उनके लिए हमारे अनुबंधों पर बोली लगाना आसान हो जाता है।
- विक्रेता विकास कार्यक्रम (वीडीपी): हम एमएसई को अपने खरीदारों से जोड़ने, उन्हें हमारी आवश्यकताओं को समझने में मदद करने और उन्हें प्रतिस्पर्धी आपूर्तिकर्ता बनने के लिए तैयार करने हेतु वीडपी का आयोजन करते हैं। इन सहायक उपायों को लागू करके, हम एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत खरीद वातावरण बना रहे हैं जो एमएसई क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देता है।

इन सहायक उपायों को लागू करके, हम एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत खरीद वातावरण बना रहे हैं जो एमएसई क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देता है।

(ग) यह कुल खरीद (मूल्य के अनुसार) का कितना प्रतिशत है?

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एमएसई से आरईसी की खरीद उल्लेखनीय रूप से 44.83% रही, जो अनिवार्य न्यूनतम से कहीं अधिक है। हालांकि, इसमें कंपनी की भूमिका सीमित है, क्योंकि आरईसी को सरकारी खरीद लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए विक्रेताओं द्वारा अपने स्वयं के विविधता दावों की रिपोर्ट करने पर निर्भर रहना पड़ता है।

4. पारंपरिक ज्ञान के आधार पर (चालू वित्तीय वर्ष में) आपकी संस्था के स्वामित्व वाली या उसके द्वारा अर्जित बौद्धिक संपदा से प्राप्त और साझा किए गए लाभों का विवरण:

क्र.सं.	पारंपरिक ज्ञान पर आधारित बौद्धिक संपदा	स्वामित्व/अर्जित (हां/ नहीं)	लाभ साझा किया गया (हां / नहीं)	हिस्सेदारी की गणना का आधार
लागू नहीं।				

5. बौद्धिक संपदा से संबंधित विवादों में किसी प्रतिकूल आदेश के आधार पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाइयों का विवरण, जिसमें पारंपरिक ज्ञान का उपयोग शामिल हो:

प्राधिकरण का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
बौद्धिक संपदा संबंधी विवादों के संबंध में कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया गया।		

6. सीएसआर परियोजनाओं के लाभार्थियों का विवरण:

क्र.सं.	सीएसआर परियोजना	सीएसआर परियोजनाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	कमजोर और अधिकारहीन समूहों के लाभार्थियों का प्रतिशत
1	सीखें और कमाएँ - आरईसी फाउंडेशन की एक पहल, जिसके तहत तीन वर्षों की अवधि में 300 युवाओं को परिधान निर्माण और उद्यमिता में स्नातक की उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी।	300	100
2	बेंगलुरु में मनोरोग पुनर्वास सेवाओं का आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण।	170	100
3	7 सरकारी स्कूलों में प्रयोगशाला उपकरण, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण और बुनियादी ढाँचे का नवीनीकरण करके विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ बनाना, 60 सरकारी स्कूलों में 60 कक्षाओं को डिजिटल कक्षाओं में परिवर्तित करना और सिकंदराबाद, हैदराबाद के 43 सरकारी स्कूलों में 50 एलपीएच रिवर्स ऑस्मोसिस जल उपचार प्रणाली की स्थापना।	32,062	80
4	1,000 स्कूल बैच, 1,250 बंक बेड और प्लास्टिक कचरे से बनी 5,000 आरपीईटी (पुनर्नवीनीकृत पॉलिएस्टर) टी-शर्ट उपलब्ध कराना।	7,500	80
5	ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में 1,650 सौर स्ट्रीट लाइटें स्थापित करना।	17,57,611	100
6	पूर्व सैनिकों, शहीदों और उनकी विधवाओं के बच्चों को शिक्षा अनुदान प्रदान करने के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान।	12,500	100
7	मैसूर (कर्नाटक) और बरेली (उत्तर प्रदेश) की शहरी मलिन बस्तियों में लिंग-आधारित हिंसा की व्यापकता को कम करना।	11,028	100
8	हावेरी जिले के हंगल तालुका के मल्लिगर गाँव में राष्ट्रीय विद्या केंद्र सीबीएसई स्कूल की स्थापना।	728	100
9	हीलिंग लिटिल हार्ट्स - एक आरईसी पहल जो पूरे भारत में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 1,000 बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान करती है।	1,000	100
10	पूर्णिया क्लस्टर में बायोमासगैसिफायर आधारित विकेन्द्रीकृत विद्युत प्रणाली के माध्यम से नवोन्मेषी जूट प्रसंस्करण भागीदारी मॉडल की स्थापना।	3,500	80

क्र.सं.	सीएसआर परियोजना	सीएसआर परियोजनाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	कमजोर और अधिकारहीन समूहों के लाभार्थियों का प्रतिशत
11	कांगड़ा जिले में 15 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों, 1 सरकारी उच्च विद्यालय और 1 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अवसंरचना को उन्नत करके स्कूली शिक्षा में बदलाव लाना। कक्षाओं की मरम्मत, नवीनीकरण, रसोईघर, चारदीवारी का पुनर्निर्माण, बिजली के तार/इंटरनेट की व्यवस्था, वाटर कूलर, अलमारी, कटलरी की खरीद, कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित करना, खेल के उपकरण, स्कूल पुस्तकालय, विज्ञान/गणित प्रयोगशाला उपलब्ध कराना।	1,041	100
12	बाड़मेर के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा उपकरण, एम्बुलेंस, एयर कंडीशनर, आरओ वाटर प्लांट, जनरेटर सेट, लैपटॉप, प्रोजेक्टर और कार्यालय कुर्सियाँ उपलब्ध कराकर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना।	12,00,000	100
13	भारत में खेलों का व्यापक आधार और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।	5,000+	80
14	भोजपुर के आरा (और जगदीशपुर), बरहरा और कोइलवर ब्लॉक के गाँवों में विकास कार्य।	5,000+	80
15	वाशिम के जिला महिला अस्पताल के लिए एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराना।	6,44,270 महिलाएं (अनुमानित)	100
16	स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत झुग्गी-झोपड़ियों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए एक झुग्गी-झोपड़ी को गोद लेना - पेयजल, स्वच्छता, शौचालय, सूचना एवं संचार तकनीक अभियान आदि।	500	100
17	आरईसी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आरईसी-इटीग्रिटी क्लब।	98	100
18	बालासोर में एक महीने तक चलने वाले खेल प्रतिभा पहचान एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन।	37,000	80
19	ग्रामीण विकास कार्य जैसे सामुदायिक भवन, पीसीसी सड़क, नाली, यात्री शेड का निर्माण, एलईडी लाइटें, आरओ संयंत्र आदि की स्थापना।	10,000	100
20	वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान एसवीए के अंतर्गत द्वितीय किशत में आरईसी द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, तेलंगाना और मध्य प्रदेश सहित पाँच राज्यों में निर्मित 1,681 शौचालयों की मरम्मत/सुधार।	15,000	80
21	उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (स्मार्ट) के अंतर्गत स्नातकोत्तर छात्रों के लिए फर्नीचर, फिक्स्चर, लैंडस्केपिंग, बाह्य प्रकाश व्यवस्था और पहुँच मार्ग सहित 80 स्टूडियो अपार्टमेंट के लिए छात्रावास टावरों (जी+8) का निर्माण और ग्रिड से जुड़े 100 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पीवी पैनल की स्थापना।	72	60
22	उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के 300 सरकारी स्कूलों में तीन चरणों में 300 जिज्ञासा (जॉयफुल लर्निंग रिसोर्स लैब के साथ सौर ऊर्जा से संचालित स्मार्ट क्लासेस) की स्थापना, प्रत्येक चरण में 100 स्कूल होंगे, जिनका कार्यान्वयन यूएनआईएसईडी द्वारा किया जाएगा।	8,779	100
23	भारत माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और श्रीमती सिरिकुंवरदेवी मोहता विद्यालय, हिंगणघाट, वर्धा, महाराष्ट्र में 13 नए कक्षाओं का निर्माण।	लागू नहीं	लागू नहीं
24	रसोई, भोजन कक्ष और स्टोर रूम का निर्माण और 12 स्कूलों में रिवर्स ऑस्मोसिस जल उपचार संयंत्र की स्थापना। आंध्र प्रदेश के कडपा में पुलिवेंदुला ग्रामीण, पुलिवेंदुला शहरी, लिंगाला और थौंडूर मंडल में सरकारी उच्च विद्यालय।	3,081	100
25	शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में एक इनडोर बैडमिंटन कोर्ट (डबल) का निर्माण।	150 खिलाड़ी प्रत्येक वर्ष	80
26	जिला अस्पताल, दौसा में चिकित्सा उपकरणों की खरीद।	2,54,000	80
27	वांगोई, इंफाल पश्चिम, मणिपुर में 17 ओपन जिम का निर्माण।	इम्फाल के निवासी	80
28	हीलिंग लिटिल हार्ट्स 2.0 - जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान करने हेतु एक आरईसी पहल।	1,100	100
29	पूरे भारत में कृत्रिम अंग, कैलिपर और अन्य सहायक उपकरण प्रदान करके 8,000 विकलांग लोगों का पुनर्वास।	4,000	100
30	कश्मीर और लद्दाख में जैव विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण प्रयोगशाला एवं प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना।	लागू नहीं	लागू नहीं
31	मणिपुर के सेनापति जिले के असुफी पुनर्नामेई माओ में सामुदायिक भवन का निर्माण।	असुफिल पुनर्नामेई माओ में पूरा गांव	100
32	पंजाब के 5 जिलों में 18 ग्रामीण अकाल अकादमियों (कलगीधर ट्रस्ट द्वारा संचालित) में डिजिटल अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला के लिए उपकरणों की खरीद।	12,500	100



क्र.सं.	सीएसआर परियोजना	सीएसआर परियोजनाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	कमजोर और अधिकारहीन समूहों के लाभार्थियों का प्रतिशत
33	राज्य विद्युत उपयोगिताओं/शहरी पार्को, आस-पास के क्षेत्रों आदि में आरईसी सीओ/आरबकायाओ द्वारा 54 पौधों/वृक्षों के रोपण हेतु खरीद।	3,000+	100
34	पूर्व सैनिकों, शहीदों और उनकी विधवाओं के बच्चों को शिक्षा अनुदान प्रदान करने हेतु सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान।	12,500	100
35	मणिपुर के उखरुल जिले में थिंगंगपोकपी से लाईकोइचिंग तक 12 किलोमीटर सड़क का निर्माण।	10,000+	80
36	पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और अबोहर जिलों में बीएसएफ जवानों के कार्यस्थलों पर 500 शौचालयों का निर्माण।	34,000	80
37	भोपाल स्थित मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) परिसर में छात्रों के परिवहन के लिए चार ई-बसों और दो चार्जिंग स्टेशनों की खरीद।	6,000 छात्रों (अनुमानित)	100
38	संबलपुर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर 0.25 मेगावाट एसपीवी प्रणाली और एलईडी लाइटों की स्थापना।	लागू नहीं	लागू नहीं
39	भारत भर के विभिन्न जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तीन वर्षों की अवधि के लिए 100 एमएमयू की खरीद, संचालन और रखरखाव, जिसका कार्यान्वयन भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी/किंसी अन्य विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा किया जाएगा।	98,496	100
40	पीएम केयर्स फंड में योगदान।	लागू नहीं	लागू नहीं
41	स्वच्छ गंगा कोष में योगदान	लागू नहीं	लागू नहीं
42	गुजरात उद्यमिता उत्कृष्टता फाउंडेशन के कोष में तीन वर्षों की अवधि के लिए ₹20 करोड़ का योगदान, अर्थात प्रति वर्ष ₹6.66 करोड़	1,000+	100
43	बिहार के भोजपुर जिले के सभी 14 प्रखंडों में तीन वर्षों से अधिक की अवधि के लिए 10 मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिकों की खरीद, संचालन और रखरखाव।	61,211	60
44	अरुणाचल प्रदेश के 5 जिलों में 1,000 एलईडी सौर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना और कमीशनिंग 12 महीनों की अवधि में की जाएगी।	3,25,000	100
45	लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली परियोजना, "लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 500 15-वाट एलईडी स्ट्रीट लाइटों की खरीद, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव" के लिए ₹1.74 करोड़ की सहायता।	1,00,000+	80
46	उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में सेवार्थ संस्थान सेठ बिमल कुमार जैन ट्रॉमा एवं फिजियोथेरेपी धर्मार्थ समिति द्वारा स्थापित ट्रॉमा सेंटर में लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन की खरीद के लिए ₹14 करोड़ की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता प्रदान की गई है। इसका कार्यान्वयन एसएसबी, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाएगा।	4,00,000	80
47	आरईसी फाउंडेशन और सिपना शिक्षण प्रसारक मंडल (एसएसपीएम) फॉर आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज, चिखलदरा, जिला अमरावती, महाराष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से आईसीटी, स्मार्ट क्लास रूम और प्रयोगशाला उपकरण/यंत्र, पुस्तकें, ई-पुस्तकें और ई-जर्नल (शिक्षण संसाधन पुस्तकालय) की खरीद और स्थापना का कार्य किया जाएगा।	8,000	80
48	50 आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) का नवीनीकरण और खाद्यान्न भंडारण के लिए कंटेनर उपलब्ध कराना, एलपीजी गैस कनेक्शन और 1125 आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रसवपूर्व देखभाल केंद्र स्थापित करना।	2,500	100
49	3 वर्षों में 2 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 250 स्कूलों में नई शिक्षा नीति के अनुरूप "आरईसी फाउंडेशन-रूपांतर रोल मॉडल स्कूल" बनाने के लिए सीएसआर सहायता।	45,000+	80
50	परियोजना के लिए ₹4.61 करोड़ की सहायता, "बांका के सदर अस्पताल में लेप्रोस्कोपी, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन और नेत्र माइक्रोस्कोप मशीनों व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ पूरी तरह से मॉड्यूलर नेत्र ओ.टी. की खरीद और स्थापना और बिहार के बांका जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरैया और बेलहर में एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ मॉड्यूलर सामान्य ओ.टी. की खरीद और स्थापना" को 12 महीनों में (जिला स्वास्थ्य समिति बांका (सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव जिला स्वास्थ्य समिति बांका (सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव) द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।	लागू नहीं	लागू नहीं
51	वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा वाराणसी की 25 ग्राम पंचायतों में 25 सामुदायिक भवनों का निर्माण चार चरणों में किया जाएगा।	1,16,328	70
52	उत्तराखंड के बद्रीनाथ में स्मार्ट हिल टाउन के मास्टर प्लान के तहत, बद्रीनाथ शहर में अलकनंदा नदी पर पैदल पुल का निर्माण।	लागू नहीं	लागू नहीं

क्र.सं.	सीएसआर परियोजना	सीएसआर परियोजनाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	कमजोर और अधिकारहीन समूहों के लाभार्थियों का प्रतिशत
53	उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में 1,000 लोगों की क्षमता वाले सभागार का निर्माण, जिला नागरिक सामाजिक उत्तरदायित्व संघ द्वारा किया जाएगा।	लागू नहीं	लागू नहीं
54	नई दिल्ली स्थित एम्स - आरईसी आश्रय में आरईसी प्रतीक्षालय का निर्माण।	1,09,312	100
55	स्वच्छ भारत कोष में योगदान।	लागू नहीं	लागू नहीं
56	"सभी के लिए नेत्र देखभाल" परियोजना के लिए ₹6 करोड़ की सीएसआर सहायता - मोतियाबिंद सर्जरी के लिए 8,000 लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने की एक पहल, जिसका क्रियान्वयन शंकर नेत्र अस्पताल, पम्मल, चेन्नई द्वारा किया जाएगा।	8,000	100
57	देश के विभिन्न जिलों/राज्यों में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण (25 शिविर)।	1,350+	100
58	श्री चैतन्य स्वास्थ्य एवं देखभाल ट्रस्ट द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली परियोजना "भक्तिवेदांत अस्पताल, बरसाना, मथुरा में 5,000 फेकोइमप्लांटेशन, सर्जरी" के लिए ₹4.15 करोड़ की सीएसआर सहायता।	1,250	100
59	सिक्किम के प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त अवसंरचना का पुनर्वास, पुनर्वास आदि।	1,95,050	100
60	जगरमुंडा में हाई स्कूल भवन (जी+1) का निर्माण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में 18 पावर इन्वर्टर उपलब्ध कराना, जिला अस्पताल में अभिकर्मक के साथ हीमेटोलॉजी एनालाइजर-सीबीएस उपलब्ध कराना और 5 की खरीद। सीएससी और जिला अस्पताल में श्रेडर मशीन की स्थापना।	74,885	100
61	छत्तीसगढ़ में पोषण सुरक्षा और आजीविका सृजन हेतु बाजरा आधारित पाक परंपरा का पुनरुद्धार" नामक एक कार्यक्रम का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता प्रतिष्ठान द्वारा किया जाएगा।	13,400	100
62	प्रधानमंत्री इंटरनेट योजना के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता।	लागू नहीं	लागू नहीं
आरईसीपीडीसीएल			
63	लेह के सरकारी एसएनएम अस्पताल में चिकित्सा उपकरण प्राप्त करके स्वास्थ्य	50,000	80
64	अवसंरचना में सुधार और नवीनीकरण कार्य हेतु चिकित्सा अधीक्षक को सीएसआर सहायता	75,000	70
65	श्रीनगर के स्वास्थ्य विभाग, श्रीनगर, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के प्रशासनिक नियंत्रण में स्वास्थ्य संस्थानों के लिए उन्नत चिकित्सा उपकरणों की खरीद के माध्यम से स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार हेतु सीएसआर सहायता	30,000	60
66	बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के एम.सी.एच. के लिए चिकित्सा उपकरण प्राप्त करके स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार हेतु ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, बिल्हा, बिलासपुर को सीएसआर सहायता	360	70
67	बिसूली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के खोरा कॉलोनी में त्वरित निदान और अनुवर्ती सेवाओं के माध्यम से खोरा कॉलोनी की आबादी में एनीमिया उन्मूलन हेतु सीएसआर सहायता	30,000	100
68	चेतना हिमाचल प्रदेश को विशेष शिक्षा सुविधा के विकास/संवर्धन हेतु खुली छत पर छत का निर्माण हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास केंद्र का निर्माण	160	100

*यहां एन.ए. का अर्थ है - जिसका पता नहीं लगाया जा सकता।

सिद्धांत 9 - व्यवसायों को अपने उपभोक्ताओं के साथ जिम्मेदारीपूर्वक सहभागिता करनी चाहिए और मूल्य प्रदान करना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. उपभोक्ता शिकायतों और फीडबैक को प्राप्त करने और उनका उत्तर देने के लिए मौजूद तंत्र का वर्णन करें:

एक एनबीएफसी होने के नाते, कंपनी ने वैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप एक निष्पक्ष व्यवहार संहिता अपनाई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित निष्पक्ष व्यवहार संहिता, विशेष रूप से उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन की गई एक व्यापक शिकायत निवारण प्रणाली की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। यह ढाँचा व्यक्तियों को सेवाओं या प्रथाओं से संबंधित कोई भी शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाता है। निदेशक मंडल इस प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि वे निष्पक्ष व्यवहार संहिता के अनुपालन का आकलन करने के लिए समय-समय पर गहन समीक्षा करते हैं। इस समीक्षा में इस संहिता के तहत दर्ज की गई शिकायतों का मूल्यांकन शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, यह उल्लेखनीय है कि संगठन को निष्पक्ष व्यवहार संहिता से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई, जो उच्च स्तर की



उपभोक्ता संतुष्टि और स्थापित प्रथाओं के पालन का संकेत देता है। निष्पक्ष व्यवहार संहिता में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल की समीक्षा करने में रुचि रखने वाले लोग <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-GROOrder-Fair-Practice-Code-30-05-2024.pdf> पर जा सकते हैं।

2. सभी उत्पादों/सेवाओं के टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में उत्पादों और/सेवाओं का टर्नओवर, जिसमें निम्नलिखित के बारे में जानकारी हो:

	कुल टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में
उत्पाद से संबंधित पर्यावरणीय और सामाजिक मापदंड	लागू नहीं
सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग	100%
पुनर्चक्रण और/या सुरक्षित निपटान	लागू नहीं

3. निम्नलिखित के संबंध में उपभोक्ता शिकायतों की संख्या:

	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित	अभ्युक्ति	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित	अभ्युक्ति
डाटा प्राइवेसी	0	0	लागू नहीं	0	0	लागू नहीं
विज्ञापन	0	0	लागू नहीं	0	0	लागू नहीं
साइबर सुरक्षा	0	0	लागू नहीं	0	0	लागू नहीं
आवश्यक सेवाओं की प्रदायगी	0	0	लागू नहीं	0	0	लागू नहीं
प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाएँ	0	0	लागू नहीं	0	0	लागू नहीं
अनुचित व्यापार प्रथाएँ	0	0	लागू नहीं	0	0	लागू नहीं
अन्य	1	1	जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिष्ठान, सिरसा में शिकायत दर्ज की गई। आरईसी का उत्तर दाखिल कर दिया गया है।	1	1	जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिष्ठान, जयपुर में शिकायत दर्ज की गई। आरईसी का उत्तर दाखिल कर दिया गया है।

4. सुरक्षा मुद्दों के कारण उत्पाद वापस मंगाए जाने के मामलों का विवरण:

	संख्या	वापस बुलाने के कारण
स्वैच्छिक रूप से	लागू नहीं	लागू नहीं
अनिवार्य रूप से	लागू नहीं	लागू नहीं

5. क्या संस्था में साइबर सुरक्षा और डाटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों के संबंध में कोई रूपरेखा/नीति है? (हां/नहीं) यदि हां, तो नीति का वेब-लिंक प्रस्तुत करें:

हां, यह नीति कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Data-Privacy-Policy-060624.pdf> पर उपलब्ध है।

6. विज्ञापन और आवश्यक सेवाओं की प्रदायगी से संबंधित मुद्दों के संबंध में की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई; ग्राहकों की साइबर सुरक्षा और डाटा गोपनीयता; उत्पाद वापसी की घटनाओं की पुनरावृत्ति; उत्पादों / सेवाओं की सुरक्षा पर नियामक प्राधिकरणों द्वारा की गई कार्रवाई / अधिरोपित जुर्माना का विवरण प्रस्तुत करें:

शून्य। आईटी विभाग ने भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) द्वारा सूचीबद्ध एक सुरक्षा एजेंसी को सक्रिय रूप से नियुक्त किया है। इस एजेंसी को आरईसी के आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) बुनियादी ढाँचे की व्यापक साइबर सुरक्षा लेखांकन की एक शृंखला आयोजित करने का कार्य सौंपा गया है। इन लेखांकन का उद्देश्य सुरक्षा स्थिति का आकलन करना, कमजोरियों की पहचान करना और संगठन के समग्र साइबर सुरक्षा ढाँचे को बेहतर बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करना है।

7. डाटा उल्लंघनों से संबंधित निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करें:

क. डाटा उल्लंघन के मामलों की संख्या: शून्य

ख. ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी से जुड़े डाटा उल्लंघनों का प्रतिशत: शून्य

ग. डाटा उल्लंघन का प्रभाव, यदि कोई हो: शून्य

नेतृत्व संकेतक

1. चैनल/प्लेटफॉर्म जहां संस्था के उत्पादों और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है (यदि उपलब्ध हो, तो वेब लिंक प्रस्तुत करें):

आरईसी वित्तीय उत्पादों और सेवाओं का एक विविध और व्यापक समूह प्रदान करता है, जो विशेष रूप से बिजली, बुनियादी ढाँचा और रसद क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह व्यापक पेशकश संपूर्ण मूल्य शृंखला को संबोधित करती है और बिजली उत्पादन, परिष्करण और वितरण के लिए आवश्यक प्रणालियों के विकास को बढ़ाती है। परिचालन दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करके, आरईसी इन उद्योगों में नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन को सुगम बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आरईसी द्वारा प्रस्तुत वित्तीय समाधान ग्राहकों की एक विस्तृत शृंखला के लिए तैयार किए गए हैं। इसमें न केवल राज्य विद्युत उपयोगिताएँ और राज्य सरकारें, बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी क्षेत्र के डेवलपर भी शामिल हैं। ये वित्तीय उत्पाद बाजार के प्रत्येक खंड की विशिष्ट

आवश्यकताओं और चुनौतियों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किए गए हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि ऊर्जा और बुनियादी ढाँचा परिदृश्य के सभी हितधारक विकास और स्थिरता के लिए आवश्यक पूंजी तक पहुँच सकें।

हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी के लिए, जिसमें विशिष्ट ब्याज दरें और अन्य संबंधित वित्तीय जानकारी शामिल है, इच्छुक पक्षों को कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जहाँ वर्तमान और संभावित ग्राहकों के लिए संसाधन आसानी से उपलब्ध हैं। <https://recindia.nic.in/financial-products>. हमारी व्यावसायिक प्रोफाइल का विवरण <https://recindia.nic.in/business-profile> पर देखा जा सकता है।

2. उत्पादों और/या सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित और शिक्षित करने के लिए उठाए गए कदम:

आरईसी पूरे भारत में व्यापक उपस्थिति रखता है, जिसके क्षेत्रीय कार्यालय देश भर के विभिन्न राज्यों में रणनीतिक रूप से स्थित हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय का पर्यवेक्षण एक वरिष्ठ मुख्य कार्यक्रम प्रबंधक या मुख्य कार्यक्रम प्रबंधक (सीपीएम) द्वारा किया जाता है, जो संबंधित राज्य के उधारकर्ताओं के लिए प्राथमिक संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करता है। कंपनी द्वारा प्रदान किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत शृंखला से संबंधित किसी भी चिंता का समाधान करने के लिए यह पद महत्वपूर्ण है। प्रत्यक्ष सहायता या जानकारी चाहने वालों के लिए, प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय और संबंधित वरिष्ठ सीपीएम/सीपीएम की विस्तृत संपर्क जानकारी <https://recindia.nic.in/contact> पर देखी जा सकती है।

उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देने और जनता को अपनी पेशकशों के बारे में शिक्षित करने के लिए, आरईसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट <https://recindia.nic.in/financial-products> पर उपभोक्ता जागरूकता साहित्य की एक शृंखला उपलब्ध कराई है। यह पहल पारदर्शिता और उपभोक्ता जुड़ाव के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

इन पहलों के अलावा, आरईसी के पास एक आंतरिक प्रशिक्षण संस्थान भी है जिसे आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी) के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान न केवल भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विद्युत क्षेत्र के संगठनों के इंजीनियरों और प्रबंधकों की प्रशिक्षण और विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित है। आरईसीआईपीएमटी विद्युत सुरक्षा, डिस्कॉम प्रदर्शन में तकनीकी-व्यावसायिक सुधार और विद्युत उपयोगिताओं की स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित विविध प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

3. आवश्यक सेवाओं में व्यवधान/बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने के लिए मौजूद तंत्र:

आरईसी, जो एक परियोजना वित्त एनबीएफसी है और प्रत्यक्ष उपयोगिता प्रदाता नहीं है, के लिए "उपभोक्ताओं" और "आवश्यक सेवाओं" की अवधारणा को बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण के संदर्भ में समझा जाना चाहिए, न कि सीधे बिजली प्रदान करने के संदर्भ में। आवश्यक सेवा बिजली और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का वित्तपोषण है। "उपभोक्ता" बड़ी सरकारी और निजी बिजली उपयोगिताएँ हैं, न कि बिजली के अंतिम उपयोगकर्ता।

इसलिए, अपनी आवश्यक सेवा (वित्तपोषण) में व्यवधान/बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में हितधारकों को सूचित करने के तंत्र मुख्य रूप से पारदर्शिता, नियामक अनुपालन और अपने संस्थागत उधारकर्ताओं और वित्तीय बाजार के साथ सीधे संवाद पर केंद्रित हैं। प्रत्यक्ष तंत्रों में नियामक प्रकटीकरण, स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग, उधारकर्ताओं के साथ सीधा संवाद और क्रेडिट रेटिंग शामिल हैं।

4. क्या संस्था उत्पाद पर स्थानीय कानूनों के अनुसार अधिदेशित जानकारी के अतिरिक्त उत्पाद जानकारी प्रदर्शित करती है? (हां/नहीं/लागू नहीं)। यदि हाँ, तो संक्षेप में विवरण प्रस्तुत करें। क्या आपकी संस्था ने संस्था के प्रमुख उत्पादों/सेवाओं, संस्था के प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थानों या समग्र रूप से संस्था से संबंधित उपभोक्ता संतुष्टि के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया है? (हां/नहीं) :

हाँ, संस्था कानूनी आवश्यकताओं से परे उत्पाद जानकारी प्रदान करती है।

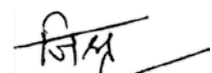
एक थोक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में, कंपनी मुख्य रूप से राज्य उपयोगिताओं को वित्तीय उत्पाद प्रदान करती है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, विस्तृत ऋण नियम, शर्तें और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी इसकी कॉर्पोरेट वेबसाइट पर उपलब्ध है। वेबसाइट के अलावा, कंपनी निम्नलिखित माध्यमों से अपने उत्पादों का सक्रिय रूप से विज्ञापन करती है:

- कार्यशालाएँ: उदाहरण के लिए, उधारकर्ताओं को शिक्षित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्नत मीटरिंग अवसंरचना (एएमआई) पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- निवेशक और उधारकर्ता बैठकें: ये कार्यक्रम प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए आयोजित किए जाते हैं।
- क्षेत्रीय कार्यालय: आरईसी के राज्य कार्यालय उधारकर्ताओं के छोटे समूहों को उपलब्ध उत्पादों और सेवाओं के बारे में शिक्षित करते हैं।

इसके अतिरिक्त, आरईसी लगातार ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण आयोजित करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। ये सर्वेक्षण ऋण लेनदेन प्रक्रिया के दौरान कई टचपॉइंट्स पर रणनीतिक रूप से लागू किए जाते हैं, जिसमें आवेदन, अनुमोदन, संवितरण और समापन चरण शामिल हैं। हम अपने उधारकर्ताओं से सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया प्राप्त करते हैं, जो हमारी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करती है। यह प्रतिक्रिया सेवा वितरण में सुधार के हमारे निरंतर प्रयासों को सूचित करती है और हमें अपने कार्मिकों के प्रशिक्षण और विकास पर अधिक प्रभावी ढंग से ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है, जिसका अंतिम लक्ष्य एक असाधारण ग्राहक अनुभव प्रदान करना है।

एक एनबीएफसी के रूप में, हम भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित निष्पक्ष व्यवहार संहिता का कड़ाई से पालन करते हैं। यह संहिता उधारकर्ताओं के साथ हमारी बातचीत में अपनाई जाने वाली नैतिक ऋण प्रथाओं को रेखांकित करती है, जिसमें ऋण जीवनचक्र के विभिन्न चरण शामिल हैं, जिनमें आवेदन प्रक्रिया, ऋणों की स्वीकृति और मंजूरी, संवितरण, संवितरण के बाद पर्यवेक्षण और एक स्थापित शिकायत निवारण तंत्र शामिल हैं। हमारी निष्पक्ष व्यवहार संहिता का पूरा पाठ <https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-GRO-Order-FairPractice-Code-30-05-2024.pdf> पर उपलब्ध है, जो यह सुनिश्चित करता है कि हमारे ग्राहकों को उनके अधिकारों और हमारे द्वारा बनाए गए मानकों के बारे में अच्छी जानकारी हो।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से



जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं
निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन: 06817799

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 25 जुलाई, 2025



व्यवसाय उत्तरदायित्व और सततता रिपोर्ट का अनुलग्नक

पी1	व्यवसायों को सत्यनिष्ठा और नैतिक, पारदर्शी एवं जवाबदेह तरीके से अपना प्रचालन और अभिशासन करना चाहिए। आरईसी अपनी व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च महत्व देते हुए करता है। इस संबंध में तैयार की गई विभिन्न नीतियों, संहिताओं और नियमों में निम्नलिखित शामिल हैं: -																				
	<table border="1"> <thead> <tr> <th data-bbox="220 415 598 444">नीति का नाम</th><th data-bbox="598 415 1503 444">वेब लिंक</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td data-bbox="220 444 598 517">कॉर्पोरेट अभिशासन पर आंतरिक दिशानिर्देश</td><td data-bbox="598 444 1503 517">https://recindia.nic.in/uploads/files/Final---Internal-Guidelines-on-Corporate-Governance.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 517 598 589">धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति</td><td data-bbox="598 517 1503 589">https://recindia.nic.in/uploads/files/co-fin-coord-rec-fraud-prevention-policy-dt011223.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 589 598 619">सूचना प्रदाता (व्हिसल ब्लोअर) नीति</td><td data-bbox="598 589 1503 619">https://www.recindia.nic.in/uploads/files/Whistle_Blower_Policy.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 619 598 691">व्यावसायिक आचार एवं नैतिकता संहिता</td><td data-bbox="598 619 1503 691">https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 691 598 764">निष्पक्ष व्यवहार संहिता</td><td data-bbox="598 691 1503 764">https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-GRO-Order-Fair-Practice-Code-30-05-2024.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 764 598 859">संबंधित पक्षकार लेनदेन की महत्ता और संबंधित पक्ष लेनदेन से निपटने की नीति</td><td data-bbox="598 764 1503 859">https://recindia.nic.in/uploads/files/RPT-Policy-of-REC-dated-150722.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 859 598 988">नामित व्यक्तियों और उनके निकटतम रिश्तेदारों द्वारा व्यापार के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग तथा निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए आचार संहिता</td><td data-bbox="598 859 1503 988">https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-insider-trading-code-submitted-to-stock-exchanges-dt240725.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 988 598 1061">निदेशकों के 'उचित एवं उपयुक्त' मानदंड पर नीति</td><td data-bbox="598 988 1503 1061">https://recindia.nic.in/uploads/files/Amended---Policy-on-Fit--Proper-Criteria.pdf</td></tr> <tr> <td data-bbox="220 1061 598 1090">आरईसी ईएसजी नीति</td><td data-bbox="598 1061 1503 1090">https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-RECESGPolicy-060624.pdf</td></tr> </tbody> </table>	नीति का नाम	वेब लिंक	कॉर्पोरेट अभिशासन पर आंतरिक दिशानिर्देश	https://recindia.nic.in/uploads/files/Final---Internal-Guidelines-on-Corporate-Governance.pdf	धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-fin-coord-rec-fraud-prevention-policy-dt011223.pdf	सूचना प्रदाता (व्हिसल ब्लोअर) नीति	https://www.recindia.nic.in/uploads/files/Whistle_Blower_Policy.pdf	व्यावसायिक आचार एवं नैतिकता संहिता	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf	निष्पक्ष व्यवहार संहिता	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-GRO-Order-Fair-Practice-Code-30-05-2024.pdf	संबंधित पक्षकार लेनदेन की महत्ता और संबंधित पक्ष लेनदेन से निपटने की नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/RPT-Policy-of-REC-dated-150722.pdf	नामित व्यक्तियों और उनके निकटतम रिश्तेदारों द्वारा व्यापार के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग तथा निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए आचार संहिता	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-insider-trading-code-submitted-to-stock-exchanges-dt240725.pdf	निदेशकों के 'उचित एवं उपयुक्त' मानदंड पर नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/Amended---Policy-on-Fit--Proper-Criteria.pdf	आरईसी ईएसजी नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-RECESGPolicy-060624.pdf
नीति का नाम	वेब लिंक																				
कॉर्पोरेट अभिशासन पर आंतरिक दिशानिर्देश	https://recindia.nic.in/uploads/files/Final---Internal-Guidelines-on-Corporate-Governance.pdf																				
धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-fin-coord-rec-fraud-prevention-policy-dt011223.pdf																				
सूचना प्रदाता (व्हिसल ब्लोअर) नीति	https://www.recindia.nic.in/uploads/files/Whistle_Blower_Policy.pdf																				
व्यावसायिक आचार एवं नैतिकता संहिता	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf																				
निष्पक्ष व्यवहार संहिता	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-GRO-Order-Fair-Practice-Code-30-05-2024.pdf																				
संबंधित पक्षकार लेनदेन की महत्ता और संबंधित पक्ष लेनदेन से निपटने की नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/RPT-Policy-of-REC-dated-150722.pdf																				
नामित व्यक्तियों और उनके निकटतम रिश्तेदारों द्वारा व्यापार के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग तथा निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए आचार संहिता	https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-insider-trading-code-submitted-to-stock-exchanges-dt240725.pdf																				
निदेशकों के 'उचित एवं उपयुक्त' मानदंड पर नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/Amended---Policy-on-Fit--Proper-Criteria.pdf																				
आरईसी ईएसजी नीति	https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-RECESGPolicy-060624.pdf																				
	उपरोक्त के अतिरिक्त, अन्य नीतियां और नियम भी हैं, जो कंपनी के आंतरिक दस्तावेज हैं और इंटरनेट पर कंपनी के कार्मिकों के लिए सुलभ हैं।																				
पी2	व्यवसायों को ऐसी वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए जो सुरक्षित हों तथा अपने पूरे उपयोगी-काल में सततता में योगदान दें। कंपनी एक एनबीएफसी है जो वित्तीय उत्पाद प्रदान करती है, जिसमें पर्यावरणीय स्थायित्व के लिए नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को ऋण शामिल हैं। कंपनी के उत्पादों और सेवाओं का विवरण https://recindia.nic.in/financial-products पर उपलब्ध है। इसके अलावा, कंपनी की सीएसआर नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/REC-CSR-Policy-07-12-2021.pdf पर उपलब्ध है। आरईसी की एक सतत खरीद नीति भी है जिसमें आपूर्तिकर्ताओं के लिए ईएसजी दिशानिर्देश और मानवाधिकार आवश्यकताओं को रेखांकित किया गया है। यह नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Sustainable-Procurement-policy-060624.pdf पर उपलब्ध है।																				
पी3	व्यवसायों को सभी कार्मिकों के कल्याण का संवर्धन करना चाहिए। कंपनी ने सामान्य कानूनों, विनियमों और सुदृढ़ नैतिक प्रथाओं के अनुरूप विभिन्न कार्मिक-उन्मुख नीतियों को अपनाया है। ऐसी नीतियों को आमतौर पर निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है और कंपनी के कार्मिकों के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। हमारी ईएसजी नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-RECESGPolicy-060624.pdf पर उपलब्ध है।																				
पी4	व्यवसायों को सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए, विशेष रूप से उन लोगों के प्रति जो वंचित, कमजोर और अधिकारहीन हैं। कंपनी अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करती है, जिनमें वंचित, कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोग भी शामिल हैं। हमारी हितधारक सहभागिता नीति और हितधारक शिकायत निवारण नीति क्रमशः https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Stakeholder-engagement-policy-060624.pdf और https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-ESG-Grievance-Redressal-Mechanism-Document-050525.pdf लिंक पर उपलब्ध हैं। कंपनी निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित अपनी सीएसआर नीति के माध्यम से समावेशी विकास की दिशा में कार्य करती है। सीएसआर नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/REC-CSR-Policy-07-12-2021.pdf पर उपलब्ध है।																				
पी5	व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान और संवर्धन करना चाहिए। आरईसी हर संभव तरीके से मानवाधिकारों की रक्षा और उन्हें बनाए रखने का प्रयास करता है। आरईसी की मानवाधिकार नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Human-Rights-Policy-060624.pdf पर उपलब्ध है। कंपनी में अपने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक व्यावसायिक आचार और नैतिकता संहिता विद्यमान है, जो अन्य बातों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्यों पर मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण को ध्यान में रखने और किसी भी आधार पर भेदभाव से बचने के लिए नैतिक अनिवार्यता अधिरोपित करती है। उक्त संहिता https://recindia.nic.in/uploads/files/co-cs-Code-of-Business-Conduct-Policy-10032025.pdf पर उपलब्ध है।																				

पी6	व्यवसायों को पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए तथा पर्यावरण की सुरक्षा और बहाली के लिए प्रयास करना चाहिए। विद्युत क्षेत्र में एक वित्तीय संस्थान के रूप में, आरईसी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास को लगातार समर्थन दे रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए आरईसी के वित्तपोषण मानदंड https://recindia.nic.in/loan-policy-circular पर उपलब्ध हैं। हमारी ईएसजी नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-RECESGPolicy-060624.pdf पर उपलब्ध है।
पी7	जब व्यवसाय सार्वजनिक और नियामक नीतियों को प्रभावित करने में लगे हों, तो उन्हें ऐसा ज़िम्मेदारी से करना चाहिए। आरईसी सार्वजनिक और नियामक नीति से संबंधित मामलों में एक सक्रिय और ज़िम्मेदार भूमिका निभाता है। इसके अलावा, आरईसी की आम जनता से बातचीत को इसके विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से देखा जा सकता है। हमारी ज़िम्मेदार वकालत नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Responsible-Advocacy-Policy-060624.pdf पर उपलब्ध है।
पी8	व्यवसायों को समावेशी विकास और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिए। आरईसी में अपने सभी हितधारकों के समावेशी विकास और समान विकास का समर्थन करने के लिए विभिन्न नीतियां मौजूद हैं, जिनमें एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/RECPolicy-for-MSME-11022022.pdf, अपने कार्मिकों के लिए समान अवसर नीति (आरईसी इंटरनेट पर उपलब्ध), हरित-ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आकर्षक उधार दरें https://recindia.nic.in/loan-policy-circular और सीएसआर नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/REC-CSR-Policy-07-12-2021.pdf शामिल हैं।
पी9	व्यवसायों को अपने उपभोक्ताओं के साथ जिम्मेदारीपूर्वक सहभागिता करनी चाहिए और मूल्य प्रदान करना चाहिए। आरईसी में बोर्ड द्वारा अनुमोदित 'निष्पक्ष व्यवहार संहिता' विद्यमान है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कंपनी अपने ऋण प्रचालनों में ग्राहकों के साथ व्यवहार करते समय निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार का पालन करती है। यह संहिता https://recindia.nic.in/uploads/files/co-hr-GRO-Order-Fair-Practice-Code-30-05-2024.pdf पर उपलब्ध है। हमारी डाटा गोपनीयता नीति https://recindia.nic.in/uploads/files/CO-BDM-Data-Privacy-Policy-060624.pdf पर उपलब्ध है।

सभी नीतियों एवं प्रक्रियाओं की समय-समय पर निदेशक मंडल/वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा समीक्षा की जाती है।



कारगिल, लद्दाख में डबल सर्किट टावर पर ट्रांस से पदुम तक 220 केवी सिंगल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन का कार्यान्वयन आरईसीपीडीसीएल द्वारा किया जा रहा है



बीआरएसआर (9) के तहत किए गए खुलासों पर स्वतंत्र उचित आश्वासन रिपोर्ट, आरईसी लिमिटेड के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट में मुख्य विशेषताएं

सेवा में,
निदेशक मंडल
आरईसी लिमिटेड
कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स,
7, लोधी रोड, नई दिल्ली- 110003

परिचय

हमें आरईसी लिमिटेड ("कंपनी") द्वारा 11 नवंबर, 2024 के सेबी मास्टर सर्कुलर संख्या एसईबीआई/एचओ/सीएफडी/पीओडी2/सीआईआर/पी/0155 ("सेबी बीआरएसआर कोर एश्योरेंस सर्कुलर") के तहत प्रदान की गई मूल्य श्रृंखला के लिए आश्वासन और ईएसजी प्रकटीकरण के लिए बीआरएसआर कोर-फ्रेमवर्क के अनुसार, व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट ("बीआरएसआर") में बीआरएसआर कोर विशेषताओं के तहत कंपनी के प्रकटीकरणों का एक स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के उद्देश्य से नियुक्त किया गया है। यह अवधि 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 ("वित्तीय वर्ष 2024-25") तक है।

प्रबंधन और हमारी जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन बीआरएसआर में डेटा और अन्य आवश्यक जानकारी को एकत्रित करने, उसका विश्लेषण करने, उसे प्रमाणित करने और प्रकट करने के लिए जिम्मेदार है और प्रकटीकरण की अखंडता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार है ताकि वे किसी भी भौतिक गलतफहमी या चूक से मुक्त हों। प्रबंधन बीआरएसआर तैयार करते समय जिस डेटा और अन्य जानकारी पर निर्भर रहा है, उस तक पूर्ण पहुँच प्रदान करने के लिए भी जिम्मेदार है।

हमारी जिम्मेदारी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करना और अपेक्षित साक्ष्य प्राप्त करना है ताकि कंपनी के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बीआरएसआर कोर एश्योरेंस सर्कुलर में सेबी बीआरएसआर कोर एश्योरेंस सर्कुलर में दिए गए बीआरएसआर कोर विशेषताओं के संबंध में किए गए खुलासों पर उचित आश्वासन व्यक्त किया जा सके।

दायरा और सीमा

दायरा

हमारी सहभागिता के दायरे में निम्नलिखित बीआरएसआर कोर विशेषताओं का एक स्वतंत्र उचित स्तर का आश्वासन शामिल है, जैसा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सेबी बीआरएसआर कोर एश्योरेंस परिपत्र में प्रदान किया गया है।

क्रं सं	विशेषता	सिद्धांत	मुख्य निष्पादन संकेतक
1	ग्रीनहाउस गैस पदचिह्न	सिद्धांत 6, प्रश्न 7	- कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (यदि उपलब्ध हो तो ग्रीनहाउस गैसों का सीओ₂, सीएच₄, एन₂ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ₆, एनएफ₃ में विभाजन) - कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (यदि उपलब्ध हो तो ग्रीनहाउस गैसों (सीओ₂ई) का सीओ₂, सीएच₄, एन₂ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ₆, एनएफ₃ में विभाजन) - ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (स्कोप 1+2)
2	जल पदचिह्न	सिद्धांत 6, प्रश्न 3	- कुल जल उपभोग (मिलियन लीटर या किलोलीटर में) - जल उपभोग तीव्रता (मिलियन लीटर या किलोलीटर में)/रुपये में (पीपीपी के लिए समायोजित) - जल उपभोग तीव्रता (मिलियन लीटर/उत्पाद या सेवा में)
		सिद्धांत 6, प्रश्न 4	गंतव्य के अनुसार जल निर्वहन और मिलियन लीटर या किलोलीटर में उपचार का स्तर
3	ऊर्जा पदचिह्न	सिद्धांत 6, प्रश्न 1	- जूल या गुणज में खपत की गई कुल ऊर्जा - नवीकरणीय स्रोतों से खपत की गई ऊर्जा का % - प्रतिशत के संदर्भ में ऊर्जा तीव्रता - जूल या गुणज में ऊर्जा तीव्रता/ पीपीपी के लिए समायोजित रुपया - जूल या गुणज में ऊर्जा तीव्रता/ उत्पाद या सेवा
4	अपशिष्ट प्रबंधन	सिद्धांत 6, प्रश्न 9	- इकाई द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट से संबंधित विवरण (श्रेणीवार) - अपशिष्ट तीव्रता - उत्पन्न अपशिष्ट की प्रत्येक श्रेणी, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग या अन्य पुनर्प्राप्ति कार्यों के माध्यम से पुनर्प्राप्त कुल अपशिष्ट - उत्पन्न अपशिष्ट की प्रत्येक श्रेणी के लिए, निपटान विधि की प्रकृति के अनुसार निपटाया गया कुल अपशिष्ट
5	कार्मिकों की भलाई और सुरक्षा में सुधार	सिद्धांत 3, प्रश्न 1(सी)	कार्मिकों और श्रमिकों (स्थायी और गैर-स्थायी सहित) की भलाई के उपायों पर खर्च की गई लागत
		सिद्धांत 3, प्रश्न 11	सुरक्षा संबंधी घटनाओं का विवरण

क्रं सं	विशेषता	सिद्धांत	मुख्य निष्पादन संकेतक
6	व्यवसाय में लैंगिक विविधता को सक्षम बनाना	सिद्धांत 5, प्रश्न 3(ख) सिद्धांत 5, प्रश्न 7	संस्था द्वारा भुगतान की गई कुल मजदूरी के % के रूप में महिलाओं को भुगतान की गई सकल मजदूरी पॉश पर शिकायतें
7	समावेशी विकास को सक्षम बनाना	सिद्धांत 8, प्रश्न 4 सिद्धांत 8, प्रश्न 5	एमएसएमई/छोटे उत्पादकों और भारत के भीतर से प्राप्त इनपुट सामग्री कुल खरीद के % के रूप में छोटे शहरों में रोजगार सृजन - छोटे शहरों में कार्यरत व्यक्तियों को भुगतान की जाने वाली मजदूरी (स्थायी या अस्थायी/अनुबंध पर) कुल मजदूरी लागत के प्रतिशत के रूप में
8	ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ निष्पक्षता	सिद्धांत 9, प्रश्न 7 सिद्धांत 1, प्रश्न 8	कुल डेटा उल्लंघनों या साइबर सुरक्षा घटनाओं के प्रतिशत के रूप में ग्राहकों के डेटा की हानि/उल्लंघन से संबंधित घटनाएं देय खातों के दिनों की संख्या
9	व्यापार का खुलापन	सिद्धांत 1, प्रश्न 9	- व्यापारिक घरानों, डीलरों और संबंधित पक्षों के साथ की गई खरीद-बिक्री का संकेंद्रण - संबंधित पक्षों के साथ ऋण और अग्रिम और निवेश

आश्वासन पद्धति

आश्वासन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, हमने निम्नलिखित पर भरोसा किया है:

फ्रेमवर्क

- सेबी बीआरएसआर कोर एश्योरेंस परिपत्र।
- सेबी द्वारा जारी बीआरएसआर कोर की रिपोर्टिंग पर उद्योग मानक, परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी-पीओडी-1/पी/सीआईआर/2024/177 दिनांक 20 दिसंबर, 2024 ("बीआरएसआर उद्योग मानक")।
- ग्रीनहाउस गैस प्रोटोकॉल पद्धति।
- केंद्रीय भूजल बोर्ड (केंद्रीय) दिशानिर्देश।
- आश्वासन अनुबंध पर अंतर्राष्ट्रीय मानक ("आईएसएई") 3000- ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी के ऑडिट या समीक्षा के अलावा अन्य आश्वासन अनुबंध।

कार्यप्रणाली

आश्वासन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, हमने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- बीआरएसआर (9) मुख्य विशेषताओं के अंतर्गत प्रकटीकरणों की समीक्षा की गई, जिसमें (9) ईएसजी विशेषताओं के अंतर्गत प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के एक सेट से युक्त आश्वासन के लिए रूपरेखा शामिल है।
- डेटा, दस्तावेजों और अन्य सूचनाओं की समीक्षा की गई जिसके आधार पर गणना और रिपोर्टिंग की गई है।
- डेटा एकत्र करने, मिलान करने और रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को समझने के लिए स्थिरता, पर्यावरणीय सामाजिक शासन (ईएसजी) और सलाहकार और उनकी टीम के लिए जिम्मेदार प्रबंधन के संबंधित कर्मियों का साक्षात्कार लिया।
- रिपोर्ट किए जा रहे आंकड़ों की पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यालयों के समेकन की जांच की गई।
- डेटा परीक्षण और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं में एकरूपता का आकलन करने के लिए ऑन-साइट ऑडिट किए गए। इसमें रिकॉर्ड का मूल्यांकन और नमूना डेटा की पुनर्गणना सहित परीक्षण शामिल थे।
- कंपनी द्वारा प्रयुक्त विभिन्न मान्यताओं, आकलनों और भौतिकता सीमाओं की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया गया।
- जहां भी आवश्यक हुआ, हमने डेटा और सूचना की नमूना-आधारित समीक्षा की है।

हमारी राय

हमें प्रदान की गई जानकारी और दस्तावेजों, हमारे द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर, हमारा यह मानना है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के बीआरएसआर में प्रकट की गई बीआरएसआर कोर विशेषताएँ, सेबी बीआरएसआर कोर एश्योरेंस सर्कुलर और बीआरएसआर उद्योग मानकों में उल्लिखित आवश्यकताओं के अनुसार रिपोर्ट की गई हैं।

स्वतंत्रता का वक्तव्य

सेबी बीआरएसआर कोर एश्योरेंस सर्कुलर के अनुसार, हम एतद्वारा पुष्टि करते हैं कि न तो हमने और न ही हमारे किसी सहयोगी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी या उसकी समूह संस्थाओं को परामर्श सेवाओं सहित कोई भी गैर-लेखापरीक्षा / गैर-आश्वासन संबंधी सेवाएँ प्रदान की हैं, जिससे हितों का टकराव हो।

उपयोग या वितरण पर प्रतिबंध

यह आश्वासन कथन, जिसमें निष्कर्ष भी शामिल है, केवल कंपनी के अनुरोध पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बीआरएसआर में किए गए प्रकटीकरणों के संबंध में वैधानिक दायित्वों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। हमारी रिपोर्ट का उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए या कंपनी के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए। हम किसी अन्य उद्देश्य के लिए या किसी अन्य पक्ष के प्रति, जिसे हमारी रिपोर्ट दिखाई जाती है या जिसके हाथों में यह आती है, हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना, न तो कोई देखभाल या दायित्व स्वीकार करते हैं और न ही ग्रहण करते हैं।



सीमाएँ

इस आश्वासन अनुबंध के अंतर्गत हमारा प्रदर्शन निम्नलिखित सीमाओं के अधीन है:

- i. कंपनी के साथ सहमत दायरे के आधार पर, उचित आश्वासन की सीमा कंपनी और उसकी सभी सहायक कंपनियों के सभी कार्यालयों में संचालन को कवर करती है। इसके अलावा, यह आश्वासन केवल वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बीआरएसआर कोर विशेषताओं के अंतर्गत किए गए प्रकटीकरणों के लिए दिया जा रहा है।
- ii. आश्वासन अनुबंध के दौरान, हमने कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा और जानकारी पर भरोसा किया है। हमने यह मान लिया है कि कंपनी ने हमें आश्वासन के निष्पादन के लिए आवश्यक पूर्ण और प्रामाणिक डेटा और अन्य जानकारी प्रदान की है। कुछ मामलों में, कंपनी ने तृतीय-पक्ष डेटा स्रोतों पर भरोसा किया है, हमने उस डेटा स्रोत की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है।
- iii. गैर-वित्तीय सूचना का मूल्यांकन और माप करने के लिए स्थापित मानकों के एक महत्वपूर्ण निकाय की अनुपस्थिति, भिन्न लेकिन स्वीकार्य माप तकनीकों की अनुमति देती है, जो संस्थाओं के बीच तुलना को प्रभावित कर सकती है।
- iv. बीआरएसआर तैयार करना कंपनी की ज़िम्मेदारी है। हम कंपनी के किसी भी वित्तीय डेटा/प्रदर्शन के मूल्यांकन या आकलन में शामिल नहीं रहे हैं। हमने वित्तीय डेटा की सत्यता के लिए पूरी तरह से कंपनी की ऑडिट की गई वित्तीय रिपोर्टों पर भरोसा किया है।
- v. यह आश्वासन जीएचजी प्रोटोकॉल के अनुसार अनुमान/माप त्रुटियों और चूक के लिए भौतिकता सीमा के आधार पर $\pm 5\%$ की अनिश्चितता पर विचार करता है।
- vi. यह आश्वासन कंपनी के उन वक्तव्यों को कवर नहीं करता है जो किसी भी प्रकार की राय, दावे, विश्वास, आकांक्षाएं, अपेक्षाएं, उद्देश्य या भविष्य के इरादे, यदि कोई हों, को व्यक्त करते हैं।
- vii. इस आश्वासन में बीआरएसआर कोर विशेषता के संबंध में किए गए प्रकटीकरणों के संबंध में कानूनी अनुपालन की समीक्षा शामिल नहीं है।

कॉर्पोरेट पेशेवरों के लिए

ह/-
पवन कुमार विजय
संस्थापक एवं साझेदार

ह/-
सुकृति कश्यप
वरिष्ठ सहयोगी- ईएसजी एवं सस्टेनेबिलिटी समाधान

दिनांक: 24 जून, 2025
स्थान: नई दिल्ली

फॉर्म संख्या एमआर -3 सचिवालयी लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) के अनुसार कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 का नियम 9

आरईसी लिमिटेड

के सदस्यों के लिए

पंजीकृत कार्यालय का पता: कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स,
7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

हमने आरईसी लिमिटेड (सीआईएन: L40101DL1969GOI005095) द्वारा लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और अच्छी कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन का सचिवीय ऑडिट किया है। (जिसे आगे "कंपनी" या "आरईसी" कहा जाएगा)। सचिवीय लेखा परीक्षा इस प्रकार से की गई जिससे हमें कॉर्पोरेट आचरण/वैधानिक अनुपालनों का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उचित आधार प्राप्त हुआ।

कंपनी की पुस्तकों, कागजातों, मिनट बुक, दाखिल किए गए फॉर्म और रिटर्न और कंपनी द्वारा बनाए गए अन्य रिकॉर्डों के हमारे सत्यापन और सचिवीय ऑडिट के संचालन के दौरान कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, हम एतद्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली ऑडिट अवधि के दौरान नीचे सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि कंपनी के पास उचित बोर्ड-प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र मौजूद हैं, जो इस सीमा तक, तरीके से और इसके बाद की गई रिपोर्टिंग के अधीन हैं:

हमने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी द्वारा रखी गई पुस्तकों, कागजातों, मिनट बुक, दाखिल किए गए फॉर्म और रिटर्न और अन्य रिकॉर्डों की जांच निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार की है:

- कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") और उसके तहत बनाए गए नियम;
- प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 ("एससीआरए") और उसके तहत बनाए गए नियम;
- डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और उसके अंतर्गत बनाए गए विनियम और उपनियम;
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम और विनियम, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाह्य वाणिज्यिक उधार की सीमा तक;
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ("सेबी अधिनियम") के तहत निर्धारित निम्नलिखित विनियम और दिशानिर्देश, जैसा लागू हो:

- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम");
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण) विनियम, 2011;
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंदरूनी व्यापार का निषेध) विनियम, 2015;
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूंजी निर्गम और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2018;
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कार्मिक लाभ और स्वेट इकिटी) विनियम, 2021. (समीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(च) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021;

(छ) कंपनी अधिनियम और ग्राहकों के साथ व्यवहार के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गम रजिस्टार और शेयर हस्तांतरण एजेंट) विनियम, 1993; (समीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(ज) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इकिटी शेयरों की डीलिंग) विनियम, 2021; (समीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(झ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद) विनियम, 2018; और (समीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(ञ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिपॉजिटरी और प्रतिभागी) विनियम, 2018

(vi) कंपनी के लिए अन्य विशिष्ट लागू कानूनों (जैसा कि उद्योग पर लागू होता है) के तहत अनुपालन / प्रक्रियाएं / प्रणालियां कंपनी के निदेशक मंडल को प्रस्तुत आंतरिक अनुपालन प्रणाली के तहत आवधिक प्रमाणपत्रों के आधार पर भरोसा की जा रही हैं।

हमने निम्नलिखित के अनुपालन की भी जांच की है:

- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक, समय-समय पर संशोधित, जैसा लागू हो;
- लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकता के अनुसार कंपनी और स्टॉक एक्सचेंजों यानी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एनएसई") और बीएसई लिमिटेड ("बीएसई") के बीच लिस्टिंग समझौता किया गया।
- सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश ("डीपीई दिशानिर्देश")।
- भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (आईएफसी), गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) के लिए समय-समय पर आरबीआई द्वारा जारी नियम, विनियम, दिशानिर्देश और निर्देश।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

1. 14 मई, 2024 से अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17, अधिनियम की धारा 149 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1.4 का अनुपालन न करना। साथ ही, 27 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान, कंपनी के बोर्ड में कोई महिला स्वतंत्र निदेशक नहीं थी।

2. लिस्टिंग विनियमों के विनियम 18 और 19, अधिनियम की धारा 177 और 178 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.1.1 और 5.1 का अनुपालन न करना, क्योंकि 27 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान लेखा परीक्षा समिति और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की संरचना में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशक शामिल नहीं थे।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी के निदेशक मंडल का गठन अधिनियम, लिस्टिंग विनियमों के प्रावधानों के अनुसार किया गया है और डीपीई



दिशानिर्देश, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, के अनुसार लागू होंगे। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में हुए परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे।

बोर्ड की बैठकों की समय-सारणी बनाने के लिए सभी निदेशकों को पर्याप्त सूचना दी गई। एजेंडा और एजेंडा पर विस्तृत सूचना भी पर्याप्त रूप से भेजे गए और बैठक से पहले एजेंडा मदों पर और अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा निदेशकों की बैठक में सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

बोर्ड/समिति की बैठक(ओं) में लिए गए सभी निर्णय बैठक के दौरान उपस्थित अपेक्षित निदेशकों/सदस्यों की सहमति से लिए गए थे और असहमति, यदि कोई हो, को संबंधित कार्यवृत्त में विधिवत रूप से दर्ज/शामिल किया गया है, जहां भी लागू हो।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी के आकार और संचालन के अनुरूप कंपनी में पर्याप्त प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ हैं जो लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के अनुपालन की निगरानी और सुनिश्चित करती हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि एनएसई और बीएसई ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17(1) का अनुपालन न करने पर ₹2,83,200/- का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा, 31 दिसंबर, 2024 और 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए, एनएसई और बीएसई ने प्रत्येक पर ₹6,13,600/- का जुर्माना लगाया है। लिस्टिंग विनियमों के विभिन्न प्रावधानों का पालन न करने पर क्रमशः ₹5,54,600 का जुर्माना लगाया गया है। इसके जवाब में, कंपनी ने स्टॉक पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने का अनुरोध प्रस्तुत किया है। चूंकि आईसीएसई एक सरकारी कंपनी है, इसलिए इसके बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति करने की शक्ति प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के माध्यम से कार्य करने वाले भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है और इसलिए, कंपनी की इसमें कोई भूमिका नहीं है। इसके बोर्ड में निदेशकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा, जुर्माना माफ करने के संबंध में स्टॉक एक्सचेंजों के जवाब का इंतजार है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, निम्नलिखित विशिष्ट घटनाएं/कार्रवाईयां हुईं जिनका उपरोक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर प्रमुख प्रभाव पड़ा, दिशानिर्देश, मानक आदि:

- कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के साथ पठित अधिनियम की धारा 180(1)(सी) के अनुसार, 20 अगस्त, 2024 की बैठक में शेयरधारकों की सहमति समग्र उधार सीमा बढ़ाने के लिए ली गई थी। कंपनी की, बशर्ते कि किसी भी समय उधार ली गई और बकाया कुल

राशि भारतीय रुपए में ₹6,00,000 करोड़ (केवल छह लाख करोड़ रुपए) के बराबर राशि से अधिक नहीं होगी, जैसा कि शेयरधारकों द्वारा पहले अनुमोदित किया गया था और किसी भी विदेशी मुद्रा में 24 बिलियन अमरीकी डॉलर (केवल चौबीस बिलियन अमरीकी डॉलर) के बराबर होगी।

- अधिनियम की धारा 180(1)(क) और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, कंपनी के व्यवसाय के उद्देश्य से या अधिनियम की आवश्यकताओं के अनुसार अन्यथा कंपनी की किसी भी चल और/या अचल संपत्ति पर भार, दृष्टिबंधक, बंधक बनाने के लिए 20 अगस्त, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में शेयरधारकों की सहमति ली गई थी।
- अधिनियम की धारा 42 और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, 20 अगस्त, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में शेयरधारकों की सहमति से ₹1,45,000 करोड़ तक के असुरक्षित/सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय बॉण्ड/डिबेंचर के निजी प्लेसमेंट के माध्यम से धन जुटाने के लिए ऐसे नियमों और शर्तों पर सहमति ली गई थी, जिन्हें बोर्ड या बोर्ड की किसी विधिवत गठित समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऐसे अन्य प्राधिकरण द्वारा अंतिम रूप दिया जा सकता है।
- कंपनी ने नीचे सूचीबद्ध विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए विभिन्न ऋण उपकरणों को जारी करके दीर्घकालिक/अल्पकालिक निधियां जुटाई हैं:

क्र. स.	ऋण उपकरणों के प्रकार	राशि (₹ करोड़ में)
(क)	दीर्घकालिक उधार	
1.	54 ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड	7,634.75
2.	संस्थागत बॉण्ड/अधीनस्थ बॉण्ड	55,512.00
3.	बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से सावधि ऋण	2,900.00
4.	विदेशी मुद्रा उधार	32,147.07
(ख)	अल्पकालिक उधार	
5.	एफसीएनआर (बी) ऋण	42,410.17
6.	बैंकों से ऋण (अवधि 6 महीने से अधिक)	1,600.00
	अवधि के दौरान जुटाई गई कुल धनराशि	1,42,203.99

अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स,
कंपनी सचिवों के लिए,

आईसीएसआई विशिष्ट कोड: P2003DE049100
सहकर्मी समीक्षा प्रमाणपत्र संख्या: 2725/2022

दिनांक: 13 जून, 2025
स्थान: नई दिल्ली

ह/-
सीएस सचिन अग्रवाल
साझेदार एफसीएस संख्या: 5774
सी.पी. संख्या: 5910
यूडीआईएन: F005774G000594802

इस रिपोर्ट को हमारे सम दिनांक के पत्र के साथ पढ़ा जाना है, जो "अनुलग्नक क" के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

सेवा में
आरईसी लिमिटेड के सदस्यों
पंजीकृत कार्यालय का पता: कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7,
लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

इस पत्र के साथ हमारी सम तिथि की रिपोर्ट भी पढ़ी जाए।

1. सचिवीय अभिलेखों का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। हमारा दायित्व है कि हम लेखापरीक्षा के लिए हमारे समक्ष प्रस्तुत अभिलेखों के निरीक्षण के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर अपनी राय व्यक्त करें।
2. हमने सचिवीय अभिलेखों की विषय-वस्तु की सत्यता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त लेखापरीक्षा पद्धतियों और प्रक्रियाओं का पालन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य दर्शाए गए हैं, सत्यापन परीक्षण के आधार पर किया गया था। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाएँ और पद्धतियाँ हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों की सत्यता और उपयुक्तता की पुष्टि नहीं की है और हमारी रिपोर्ट में अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा पहले ही बताई गई टिप्पणियों/टिप्पणियों/कमजोरियों को शामिल नहीं किया गया है।
4. जहां भी आवश्यक हुआ, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं के घटित होने आदि के बारे में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
5. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। हमारी जाँच परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन और यह राय देने तक सीमित थी कि कंपनी में उचित बोर्ड प्रक्रियाएँ और अनुपालन तंत्र मौजूद हैं या नहीं।
6. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिवों के लिए,
आईसीएसआई विशिष्ट कोड: P2003DE049100
सहकर्मि समीक्षा प्रमाणपत्र संख्या: 2725/2022

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 13 जून, 2025

ह/-
सीएस सचिन अग्रवाल
पार्टनर
एफसीएस संख्या: 5774
सी.पी. संख्या: 5910



प्रपत्र संख्या एओसी-2

(अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (एच) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसरण में।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों/व्यवस्थाओं के विवरणों के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र, जिसमें तीसरे प्रावधान के तहत कुछ निश्चित लेन-देन भी शामिल हैं।

1. अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन-देन का विवरण जो आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं है।

संबंधित पक्ष का नाम एवं संबंध की प्रकृति	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेन की अवधि	अनुबंधों या व्यवस्थाओं की मुख्य शर्तें या लेनदेन, जिसमें मूल्य भी शामिल है, यदि कोई हो	ऐसे अनुबंधों, व्यवस्थाओं या लेन-देन में प्रवेश करने का औचित्य	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(तारीखें)	अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो	वह तिथि जिस दिन धारा 188 के प्रथम प्रावधान के अंतर्गत सामान्य बैठक में विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) के लागू प्रावधानों को आकर्षित करने वाला कोई लेनदेन नहीं हुआ।

2. आर्म्स लेंथ आधार पर भौतिक अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेनदेन का विवरण

संबंधित पक्ष का नाम एवं संबंध की प्रकृति	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेन की अवधि	अनुबंधों या व्यवस्थाओं की मुख्य शर्तें या लेनदेन, जिसमें मूल्य भी शामिल है, यदि कोई हो	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(तारीखें)	अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी द्वारा किसी भी संबंधित पक्ष के साथ कोई महत्वपूर्ण अनुबंध, व्यवस्था या लेनदेन नहीं किया गया।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और
निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन: 06817799

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 25 जुलाई, 2025

सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा:

कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 135 और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुरूप अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति तैयार की है। आरईसी की सीएसआर नीति को कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियमों में संशोधनों के अनुपालन में समय-समय पर संशोधित किया गया है। सीएसआर नीति की प्रति कंपनी की वेबसाइट <https://recindia.nic.in/csr-sustainability-policy> और आरईसी फाउंडेशन (आरईसी का सीएसआर स्कंध) से <https://www.recfoundation.in> पर देखी जा सकती है।

अधिनियम की धारा 135 के अनुरूप, तत्काल पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के दौरान किए गए कंपनी के औसत निवल लाभ का कम से कम 2% कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति के अनुसरण में खर्च किया जाना आवश्यक है।

कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि सीएसआर परियोजनाएं अधिनियम की अनुसूची VII के तहत निर्धारित गतिविधियों और इस संबंध में जारी दिशानिर्देशों/परिपत्रों के अनुरूप की जाती हैं। सीएसआर परियोजनाओं का चयन समाज के समावेशी विकास से संबंधित गतिविधियों में किया जाता है, जिसमें समाज के कमजोर वर्गों और देश के पिछड़े जिलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

आरईसी पंजीकृत सोसायटी, आरईसी फाउंडेशन सहित पंजीकृत निकायों के माध्यम से अपनी सीएसआर गतिविधियां चलाता है। यह फाउंडेशन शासी निकाय द्वारा शासित है जिसमें आरईसी के नामित अधिकारी शामिल हैं।

सीएसआर परियोजनाएं:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, ₹331.81 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ 44 सीएसआर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई और सीएसआर परियोजनाओं पर ₹294.01 करोड़ (पिछले वर्ष से कैरी फॉरवर्ड किए गए ₹5.15 करोड़ के अतिरिक्त खर्च सहित) की राशि खर्च की गई थी।

वित्तीय वर्ष के दौरान, सीएसआर सहायता को मोटे तौर पर निम्नलिखित प्रमुख परियोजनाओं के लिए दिया गया है:

- हीलिंग लिटिल हार्ट्स-जन्मजात हृदय रोग वाले 2,100 बच्चों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए आरईसी की पहल।
- छत्तीसगढ़ के 4 जिलों में 4 मोबाइल मेडिकल यूनिटों, पंजाब के 4 जिलों में 4 मोबाइल मेडिकल यूनिटों, तमिलनाडु के 7 जिलों में 7 मोबाइल मेडिकल यूनिटों और उत्तराखंड के 3 जिलों में 5 मोबाइल मेडिकल यूनिटों की खरीद और तैनाती।
- बाड़मेर में विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा उपकरण, एम्बुलेंस, एयर कंडीशनर, आरओ वाटर प्लांट, जनरेटर सेट, लैपटॉप, प्रोजेक्टर और कार्यालय कुर्सियां प्रदान करके स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।
- जिला अस्पताल, दौसा में चिकित्सा उपकरणों की खरीद।
- पूरे भारत में कृत्रिम अंग, कैलीपर्स और अन्य सहायक उपकरण प्रदान करके 8,000 दिव्यांगजनों का पुनर्वास।
- पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और अबोहर जिले में बीएसएफ जवानों के कार्यस्थल पर 500 शौचालय ब्लॉकों का निर्माण।
- उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में सेवार्थ संस्थान सेठ, बिमल कुमार जैन ट्रॉमा और फिजियोथेरेपी धर्मार्थ समिति द्वारा स्थापित ट्रॉमा सेंटर में रेखिक त्वरक मशीन की खरीद के लिए सीएसआर सहायता।
- परियोजना के लिए सीएसआर सहायता, "सदर अस्पताल बांका में लेप्रोस्कोपी, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन और पूरी तरह से मॉड्यूलर आई ओटी के साथ मॉड्यूलर जनरल ओटी और ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप मशीनों और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ मॉड्यूलर जनरल ओटी की खरीद और स्थापना जिला स्वास्थ्य सोसाइटी बांका, सिविल सर्जन



ईट से ईट, आशा बढ़ जाती है" केदारनाथ में आरईसी सीएसआर की अस्पताल परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य को आकार दे रही है।



तमिलनाडु के राजभवन में तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल, श्री थिरु आर. एन. रवि द्वारा 7 मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्घाटन कार्यक्रम।

- सह सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य सोसाइटी बांका और सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव द्वारा बांका जिला, बिहार के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धौरेया और बेलहर प्रत्येक में कार्य केन्द्र और अन्य आवश्यक उपकरण मशीनें स्थापित की गई हैं।
- ix. "सभी के लिए नेत्र का देखभाल" परियोजना के लिए सीएसआर सहायता - पम्मल, चेन्नई में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए 8,000 लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने की एक पहल।
 - x. भारतीय कृत्रिम अंग विनिर्माण निगम द्वारा कार्यान्वित देश के विभिन्न जिलों/राज्यों में विकलांग व्यक्तियों (25 शिविरों) को सहायक यंत्रों और सहायक उपकरणों का वितरण।
 - xi. भक्तिवेदांत अस्पताल, बरसाना, मथुरा में 5,000 फेकोएमल्सीफिकेशन सर्जरी के लिए सीएसआर सहायता।
 - xii. मल्लीगर गांव, हंगल तालुक, हावेरी जिला, बंगलौर में राष्ट्रीय विद्या केन्द्र सीबीएसई स्कूल की स्थापना।
 - xiii. भारत माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और श्रीमती सिरिकुवरदेवी मोहता विद्यालय, हिंगनघाट, वर्धा, महाराष्ट्र में 13 नए कक्षाओं का निर्माण।
 - xiv. कश्मीर और लद्दाख में जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण प्रयोगशाला और प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना।
 - xv. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल के परिसर में छात्रों के परिवहन के लिए चार ई-बसों की खरीद, दो चार्जिंग स्टेशन।
 - xvi. अलकनंदा नदी पर बद्रीनाथ शहर में पैदल यात्री पुल का निर्माण, स्मार्ट हिल टाउन, बद्रीनाथ, उत्तराखंड के मास्टर प्लान का हिस्सा।
 - xvii. भारत में खेलों का व्यापक आधार और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
 - xviii. पूर्व सैनिकों, शहीदों और उनकी विधवाओं के बच्चों के लिए शिक्षा अनुदान प्रदान करने के लिए सशस्त्र सेना इंडा दिवस कोष में योगदान।
 - xix. सिक्किम के प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त अवसंरचना का पुनर्वास, पुनर्स्थापन आदि।

2) सी एस आर समिति की संरचना:

अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुरूप सीएसआर समिति का गठन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान इसकी संरचना और बैठकों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	पदनाम	वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या (कार्यकाल के दौरान आयोजित)	वित्तीय वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या
1	श्री मनोज शर्मा नामित निदेशक, पीएफसी	अध्यक्ष (27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	2	2
2	श्री विजय कुमार सिंह निदेशक (परियोजना)	सदस्य (30 जून, 2025 तक)	12	12
3	श्री हर्ष बवेजा निदेशक (वित्त)	सदस्य (14 मई, 2024 से लागू)	11	11

क्र. सं.	निदेशक का नाम	पदनाम	वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या (कार्यकाल के दौरान आयोजित)	वित्तीय वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या
4	डॉ. दुर्गेश नंदिनी स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (14 मई तक, 2024 और फिर से 26 नवंबर, 2024 से 26 दिसंबर, 2024 तक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया)	3	3
5	श्री नारायणन तिरुपति स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (27 दिसंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2025 तक)	2	2
6	डॉ. मनोज मनोहर पांडे स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (14 नवंबर, 2024 तक)	8	8

टिप्पणी: डॉ. गंभीर सिंह, स्वतंत्र निदेशक 17 अप्रैल, 2025 से सीएसआर समिति के अध्यक्ष हैं।

3. बोर्ड द्वारा सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का विवरण हेतु वेब-लिंक:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं का विवरण कंपनी की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध कराया गया है: <https://www.recindia.nic.in/our-csr-initiatives>

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण:

22 जनवरी, 2021 से प्रभावी सीएसआर संशोधन नियमों के अनुसार उन परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन किया गया था, जिनका परिव्यय एक करोड़ रुपये या उससे अधिक है और जिन्हें प्रभाव अध्ययन शुरू करने से पहले एक वर्ष से कम समय में पूरा नहीं किया गया है।

नीचे दी गई तालिका परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण और सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव के प्रमुख निष्कर्ष प्रदान करती है:

क्र.सं.	परियोजना विवरण	परियोजना के प्रभाव के मुख्य निष्कर्ष
1	महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 के प्रकोप के मद्देनजर लॉकडाउन के कारण निर्माण/सब स्टेशनों में लगे प्रवासी मजदूरों/परिवार के सदस्यों, गरीब लोगों, दिहाड़ी मजदूरों आदि को भोजन की व्यवस्था।	- उच्च प्रभाव। - अत्यधिक लक्षित हस्तक्षेप महत्वपूर्ण और तत्काल आवश्यकता को संबोधित करते हुए। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी और कुशल।
2	देश के विभिन्न जिलों में 25 स्थानों पर शिविर आयोजित करके लगभग 9,000 विकलांग व्यक्तियों को सहायता और सहायक उपकरणों का वितरण।	- उच्च प्रभाव - एक महत्वपूर्ण अंतर को प्लग करने के उद्देश्य से अत्यधिक लक्षित हस्तक्षेप। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।
3	असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए 4,300 सहायक यंत्रों और उपकरणों का प्रावधान।	- उच्च प्रभाव - एक महत्वपूर्ण अंतर को प्लग करने के उद्देश्य से अत्यधिक लक्षित हस्तक्षेप - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।
4	9 नए स्टीम स्टरलाइजर्स की खरीद और टर्न-की आधार पर 9 पुराने स्टरलाइजर्स की खरीद के साथ एम्स के केंद्रीय बाँझ आपूर्ति विभाग इकाई के लिए उपकरणों का नवीकरण और प्रावधान।	- उच्च प्रभाव - लक्षित हस्तक्षेप जिसका उद्देश्य एक महत्वपूर्ण परिणाम को पूरा करना था। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।
5	ओडिशा के 30 जिलों में सिकल सेल रोगों और थैलेसीमिया के नियंत्रण के लिए समुदाय आधारित कार्यक्रम के लिए आंशिक वित्तपोषण।	- उच्च प्रभाव। - अत्यधिक लक्षित हस्तक्षेप महत्वपूर्ण और तत्काल आवश्यकता को संबोधित करते हुए। - अत्यधिक प्रासंगिक और सुसंगत। महत्वपूर्ण रूप से प्रभावी के रूप में प्रमुख उद्देश्यों को पूरा किया गया था। कोविड-19 के प्रभाव के कारण मध्यम रूप से कुशल। संभावित रूप से टिकाऊ लेकिन स्थिरता अनुवर्ती परियोजनाओं और सरकारी सहायता सहित कारकों पर निर्भर करती है।
6	चिकित्सा विभाग के लिए स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण/विस्तार और कफिर जिला, नागालैंड के शिक्षकों के लिए मॉड्यूलर प्रीफैब्रिकेटेड हाउसिंग (क्वार्टर)।	- उच्च प्रभाव। - लक्षित हस्तक्षेप जिसका उद्देश्य स्थानीय जरूरतों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं दोनों को पूरा करना था। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।



क्र.सं.	परियोजना विवरण	परियोजना के प्रभाव के मुख्य निष्कर्ष
7	मिजोरम में मामित में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और नवीकरण और निर्माण।	- उच्च प्रभाव। - लक्षित हस्तक्षेप जिसका उद्देश्य सामुदायिक, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर जरूरतों को पूरा करना था। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।
8	केलवाड़ा (कुम्भलगढ़) गांव में अनुसूचित जनजातियों/समाज के कमजोर/कमजोर वर्गों के लिए छात्रावास भवन का निर्माण।	- उच्च प्रभाव। - लक्षित हस्तक्षेप जिसका उद्देश्य सीमांत (एसटी) परिवारों के बच्चों की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करना है। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।
9	महाराष्ट्र के सुखा प्रवण वैजापुर और औरंगाबाद ब्लॉकों के छोटे और सीमांत किसानों को परियोजना मुक्त बीज (रबी मौसम) का वितरण।	- उच्च प्रभाव। - लक्षित हस्तक्षेप जिसका उद्देश्य एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय आवश्यकता को पूरा करना था। - अत्यधिक प्रासंगिक, सुसंगत, प्रभावी, कुशल और टिकाऊ।
10	विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय आधारित हस्तक्षेपों के लिए सहायता।	- उच्च प्रभाव प्रदर्शित करने वाली कुछ परियोजनाओं के साथ मध्यम समग्र प्रभाव। - मुख्य रूप से नरम परियोजनाओं का उद्देश्य मात्रात्मक सामाजिक परिणामों के बजाय बेहतर योग्यता योग्य है। - अत्यधिक प्रासंगिक, मध्यम सुसंगत, मध्यम प्रभावी, आंशिक रूप से कुशल और मध्यम टिकाऊ।
11	मुंडेरी, कन्नूर, केरल में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सभागार के निर्माण के लिए ₹2.69 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	- किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, जिला पंचायत कन्नूर और आरईसी लिमिटेड द्वारा शुरू की गई परियोजना को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। - लाभार्थियों ने संतोष व्यक्त किया, विशेष रूप से स्कूल के अवसंरचना में वृद्धि और विस्तार की सराहना की। - हालांकि, समग्र सकारात्मक प्रतिक्रिया के बावजूद, यह टिप्पणी किया गया कि सभागार का उद्घाटन किया जाना बाकी है।
12	झांसी, उत्तर प्रदेश में 2 विद्युत सह गैस संचालित (हाइब्रिड) शवदाह गृह की स्थापना के लिए ₹3.91 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	झांसी में हाइब्रिड इलेक्ट्रिकल और गैस संचालित श्मशान का उद्देश्य पारंपरिक श्मशान प्रथाओं से वायु प्रदूषण को कम करना है। स्थानीय वायु गुणवत्ता अक्सर 'बहुत खराब' (71%) या 'खराब' (16%) मानी जाती है। नया श्मशान स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके वायु गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना चाहता है। हालांकि, तकनीकी कार्मिकों की नियुक्ति के इंतजार में इस सुविधा का उपयोग अभी तक नहीं किया जा सका है।
13	सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल अस्पताल, बीकानेर, राजस्थान में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए यूरो साईंस सेंटर के उन्नयन के लिए ₹5.00 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	राजस्थान के बीकानेर में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए यूरो साईंस सेंटर को अपग्रेड करने की परियोजना का उद्देश्य उन्नत किडनी ट्रांसप्लांट सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करना है। अवसंरचना, उपकरण और कार्मिकों को बढ़ाकर, परियोजना पूरे राजस्थान में किडनी रोग के रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना चाहती है। हालांकि, चिकित्सा शिक्षा निदेशालय से लंबित अनुमोदन के कारण सुविधाएं अभी तक कार्यात्मक नहीं हैं।
14	उत्तर प्रदेश में 30 सरकारी संस्थानों में 1,800 छात्रों और 150 शिक्षकों को वैचारिक अनुसंधान अनुभव के माध्यम से युवा नवप्रवर्तकों को बढ़ाने के लिए ₹1.49 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	- यह परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा, बायोटेक और कृषि विज्ञान/प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्रों के लिए व्यावहारिक, व्यावहारिक सीखने के अनुभवों में अंतर को दूर करने के लिए शुरू की गई थी। - परियोजना ने टीम वर्क, संचार और अनुसंधान क्षमताओं पर जोर दिया। - प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और कैरियर की संभावनाओं में वृद्धि की सूचना दी। 94% प्रतिभागियों ने अनुसंधान करने में अधिक कुशल महसूस किया। 75% प्रतिभागियों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया गया था। - कार्यक्रम ने व्यक्तिगत विकास, कैरियर लचीलापन और आर्थिक योगदान में सुधार किया।
15	तीन राज्यों यानी पंजाब, तेलंगाना और राजस्थान के 15 गांवों में ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल सुविधा प्रदान करने के लिए ₹2.17 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	- आरईसी लिमिटेड की सुरक्षित पेयजल पहल ने ग्रामीण तेलंगाना, राजस्थान और पंजाब में जीवन में सुधार किया है। - परियोजना स्वच्छ, किफायती पेयजल प्रदान करती है। - लाभों में कम जल जनित बीमारियां, स्कूल में उपस्थिति में वृद्धि और बेहतर आजीविका शामिल हैं। - जल केंद्रों द्वारा बनाए गए रोजगार के अवसरों ने आर्थिक कल्याण को बढ़ाया है।

क्र.सं.	परियोजना विवरण	परियोजना के प्रभाव के मुख्य निष्कर्ष
16	उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में कुंभ मेला 2019 के आयोजन स्थल और भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित स्थानों पर 20 वाटर एटीएम मशीनों की स्थापना के लिए ₹2.10 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	- आरईसी लिमिटेड की वाटर एटीएम परियोजना को कार्यान्वयन के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे व्यापक प्रभाव मूल्यांकन में बाधा उत्पन्न हुई। - प्रभाव मूल्यांकन टीम निर्दिष्ट स्थानों पर पानी के एटीएम का पता नहीं लगा सकी। - उनके स्थानांतरण के बारे में जानकारी की कमी ने ऑनसाइट सर्वेक्षण और प्रत्यक्ष प्रभाव माप को रोका। - संभावित लाभों के बावजूद, ये मुद्दे प्रभावी परियोजना प्रबंधन और पारदर्शिता की आवश्यकता को उजागर करते हैं।
17	वाराणसी, उत्तर प्रदेश के 14 वार्डों में मशीनीकृत सफाई की स्थापना, नगरीय ठोस अपशिष्ट के एकत्रण और परिवहन के लिए ₹1000 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	हालांकि सीएसआर परियोजनाओं के द्वितीयक अनुसंधान से पता चलता है कि परियोजना आरईसी की सीएसआर नीति के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई थी और अनुदान के प्राप्तकर्ता की जरूरतों को उपयुक्त रूप से संबोधित करती है। हालांकि, बार-बार प्रयासों के बाद प्रभाव मूल्यांकन टीम कार्यान्वयन एजेंसी के साथ संपर्क स्थापित नहीं कर सकी। इसलिए परियोजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को समझने के लिए स्थल का दौरा नहीं किया जा सका।
18	मणिपुर के चंदेल जिले में प्रोजेक्टर, पानी की सुविधा, फर्नीचर, व्हाइट बोर्ड और मार्कर, स्कूलों और छात्रावासों में अवसंरचना का समर्थन, विज्ञान प्रयोगशालाओं में सुधार आदि प्रदान करके स्कूली शिक्षा को बदलने के लिए ₹3.87 करोड़ की धनराशि प्रदान की गई।	हालांकि सीएसआर परियोजनाओं के द्वितीयक अनुसंधान से पता चलता है कि परियोजना आरईसी की सीएसआर नीति के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई थी और अनुदान के प्राप्तकर्ता की जरूरतों को उपयुक्त रूप से संबोधित करती है। हालांकि, प्रभाव मूल्यांकन टीम मणिपुर में प्रचलित सामाजिक मुद्दों और कर्प्सू के कारण परियोजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को समझने के लिए साइट का दौरा करने में असमर्थ थी।

टिप्पणी: क्र.सं. 1 से 10 तक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन मैसर्स डाटामेशन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया था और क्र.सं. 11 से 18 के लिए मैसर्स नांगिया एंड कंपनी एलएलपी द्वारा किया गया था।

विस्तृत प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट <https://recindia.nic.in/impact-assessment-reports> पर उपलब्ध है।

5. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीएसआर आवंटन:

	(₹ करोड़ में)
(क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ	: 14,424.22
(ख) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	: 288.48
(ग) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष	: शून्य
(घ) वित्तीय वर्ष के लिए सेट-ऑफ की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो	: 5.15
(ङ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व [(ख) + (ग) - (घ)]	: 283.33



सभी के लिए नेत्र देखभाल - मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी प्रदान करके वंचितों के लिए गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित करना।



चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता - समुदाय के लिए मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं।



6. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सीएसआर व्यय:

		(₹ करोड़ में)
(क)	सीएसआर परियोजनाओं (चालू परियोजना और चालू परियोजना के अलावा दोनों) पर खर्च की गई राशि जैसा कि अनुलग्नक-क में बताया गया है	279.38
(ख)	प्रशासनिक ओवरहेड्स में खर्च की गई राशि	9.20
(ग)	प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो	0.28
(घ)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि [(क)+(ख)+(ग)]	288.86
(ङ)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई या अप्रयुक्त सीएसआर राशि:	

वित्तीय वर्ष के लिए कुल व्यय राशि (करोड़ रुपये में)	खर्च न की गई राशि (₹ करोड़ में)				
	धारा 135(6) के अनुसार अप्रयुक्त सीएसआर खाते में स्थानांतरित कुल राशि		धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी निधि में स्थानांतरित राशि		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	निधि का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
288.86	शून्य	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं

(च) सेट-ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो:

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹ करोड़ में)
(1)	(2)	(3)
(i)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत	288.48
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (पिछले वर्ष से ₹ 5.15 करोड़ के अग्रेषित अधिशेष के समायोजन सहित)	294.01
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	5.53
(iv)	पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न होने वाला अधिशेष, यदि कोई	0
(v)	सफल वित्तीय वर्षों में सेट ऑफ के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	5.53

7. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि का विवरण:

क्र. सं.	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में स्थानांतरित राशि (₹ करोड़ में)	रिपोर्टिंग में खर्च की गई राशि वित्तीय वर्ष (₹ करोड़ में)	धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी निधि में अंतरित राशि, यदि कोई हो	फंड का नाम	कुल धनराशि (₹ करोड़ में)	स्थानांतरण की तिथि	आगामी वित्तीय वर्षों में खर्च की जाने वाली शेष राशि (₹ करोड़ में)
1	वित्तीय वर्ष 2021-22	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2	वित्तीय वर्ष 2022-23	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	वित्तीय वर्ष 2023-24	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

8. क्या वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि के माध्यम से कोई पूंजीगत परिसम्पत्तियां सृजित अथवा अजत की गई हैं।
9. कारण निर्दिष्ट करें, यदि कंपनी धारा 135 (5) के अनुसार औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है: कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने सीएसआर दायित्व को पूरी तरह से खर्च कर दिया है।

ह/-
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (परियोजना)
(अतिरिक्त प्रभार)

ह/-
स्वतंत्र निदेशक और
सीएसआर समिति के अध्यक्ष

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक: 25 जुलाई, 2025

अनुलग्नक-क: वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सीएसआर व्यय का विवरण:

क्र. सं.	परियोजनाओं का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मदे	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजनाओं का स्थान	
				जिला (ओं)	राज्य (ओं)
1	2	3	4	5(क)	5(ख)
1	आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण का मनोरोगों का पुनर्वास सेवाएं	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	बेंगलुरु	कर्नाटक
2	मैसूर और बरेली की शहरी मलिन बस्तियों में लिंग आधारित हिंसा के प्रसार को कम करने का लक्ष्य	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	मैसूर और बरेली	कर्नाटक और उत्तर प्रदेश
3	हीलिंग लिटिल हार्ट्स-भारत भर में जन्मजात हृदय रोग वाले 1,000 बच्चों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए आरईसी की पहल	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	छत्तीसगढ़, हरियाणा, महाराष्ट्र
4	विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा उपकरण, एम्बुलेंस, एयर कंडीशनर, आरओ वाटर प्लांट, जनरेटर सेट, लैपटॉप, प्रोजेक्टर और कार्यालय कुर्सियां प्रदान करके स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	बाड़मेर	राजस्थान
5	जिला महिला अस्पताल के लिए एम्बुलेंस उपलब्ध कराना	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	वाशिम	महाराष्ट्र
6	स्वच्छता कार्य योजना के तहत झुग्गी-पीने का पानी, स्वच्छता, शौचालय, आईईसी अभियान आदि की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए झुग्गी को गोद लेना	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
7	स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत किशत-2 में आरईसी द्वारा निर्मित 1,681 शौचालयों की मरम्मत/सुधार	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, तेलंगाना और मध्य प्रदेश
8	पुलिवेंदुला ग्रामीण, पुलिवेंदुला शहरी, लिंगाला और थौंडूर मंडलों के 12 सरकारी उच्च विद्यालयों में रसोईघर, भोजन कक्ष और स्टोर रूम का निर्माण और रिवर्स ऑस्मोसिस जल उपचार संयंत्र की स्थापना	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	कडपा	आंध्र प्रदेश
9	जिला अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों की खरीद	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	दौसा	राजस्थान
10	17 ओपन जिम का निर्माण	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	इम्फाल पश्चिम	मणिपुर
11	हीलिंग लिटिल हार्ट्स 2.0- जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए आरईसी की पहल	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	छत्तीसगढ़, हरियाणा, महाराष्ट्र
12	कृत्रिम अंग, कैलिपर्स और अन्य सहायक उपकरण प्रदान करके 8,000 विकलांग लोगों का पुनर्वास	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
13	पिंगांगपोकपी से लाइकोइचिंग तक 12 किलोमीटर सड़क का निर्माण	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	उखरुल	मणिपुर
14	बीएसएफ जवानों के कार्यस्थल पर 500 शौचालय ब्लॉकों का निर्माण	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और अभीहर	पंजाब
15	4 जिलों में 4 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की खरीद और तैनाती	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	छत्तीसगढ़
16	4 जिलों में 4 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की खरीद और तैनाती	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	पंजाब



परियोजनाओं के लिए खर्च की गई राशि (₹ करोड़ में)	कार्यान्वयन का तरीका- प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका- कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
		कार्यान्वयन/नोडल एजेंसी	सीएसआर पंजीकरण सं.
6	7	8	9
0.17	नहीं	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस, बेंगलुरु, कर्नाटक	CSR00006218
0.09	नहीं	पब्लिक हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मैसूर और आरईसी फाउंडेशन	CSR00011722
4.50	नहीं	श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट	CSR00001048
0.17	नहीं	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बाड़मेर	Not Applicable
0.16	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
0.02	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
2.51	नहीं	भारत सेवाश्रम संघ/आरईसी	CSR00000812
0.64	नहीं	जिला कलेक्टर, कडप्पा	Not Applicable
1.37	नहीं	राज मेडिकेयर रिलीफ सोसाइटी, दौसा, राजस्थान	CSR00052440
2.68	नहीं	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, इम्फाल पश्चिम	CSR00068295
14.49	नहीं	श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट	CSR00001048
2.95	नहीं	श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर	CSR00001480
(0.01)	नहीं	उत्तर पूर्वी क्षेत्र सामुदायिक संसाधन प्रबंधन सोसायटी	CSR00040556
2.25	नहीं	सीमा सुरक्षा बल, पंजाब	CSR00048288
0.97	नहीं	आईआरसीएस छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर	CSR00064721
0.73	नहीं	आईआरसीएस पंजाब राज्य शाखा, चंडीगढ़	CSR00067502

क्र. सं.	परियोजनाओं का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मर्दें	स्थानीय क्षेत्र (हाँ / नहीं)	परियोजनाओं का स्थान	
				जिला (ओं)	राज्य (ओं)
1	2	3	4	5(क)	5(ख)
17	7 जिलों में 7 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की खरीद और तैनाती	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	तमिलनाडु
18	3 वर्षों के लिए 3 जिलों में 5 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की खरीद और तैनाती	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	विभिन्न जिले	उत्तराखंड
19	तीन वर्षों से अधिक की अवधि के लिए बिहार के भोजपुर जिले के सभी 14 ब्लॉकों में 10 मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिकों की खरीद, संचालन और रखरखाव	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	भोजपुर	बिहार
20	सेवार्थ संस्थान सेठ बिमल कुमार जैन ट्रॉमा एवं फिजियोथेरेपी धर्मार्थ समिति द्वारा स्थापित ट्रॉमा सेंटर में लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन की खरीद हेतु सहायता	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	फिरोजाबाद	उत्तर प्रदेश
21	50 आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) का नवीनीकरण और खाद्यान्न भंडारण के लिए कंटेनर उपलब्ध कराना, एलपीजी गैस कनेक्शन और 1,125 आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रसवपूर्व देखभाल कोनों की स्थापना करना।	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	मुजफ्फरपुर	बिहार
22	परियोजना के लिए सहायता, सदर अस्पताल बांका में लेप्रोस्कोपी, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन के साथ मॉड्यूलर जनरल ओ.टी. और नेत्र माइक्रोस्कोप मशीनों और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ पूरी तरह से मॉड्यूलर आई ओ.टी. की खरीद और स्थापना और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरैया और बेलहर में एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ मॉड्यूलर जनरल ओ.टी.	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	बांका	बिहार
23	एम्स में आरईसी प्रतीक्षालय का निर्माण अर्थात् 'आरईसी आश्रय, नई दिल्ली'	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	नई दिल्ली	नई दिल्ली
24	'सभी के लिए नेत्र देखभाल' परियोजना के लिए सहायता - मोतियाबिंद सर्जरी के लिए 8,000 लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने की पहल	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पम्मल, चेन्नई	तमिलनाडु
25	व्यक्तियों को सहायता और सहायक उपकरणों का वितरण विभिन्न जिलों/राज्यों में विकलांगता (25 शिविर)	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
26	भक्तिवेदांत अस्पताल में 5,000 फेकोएमल्सीफिकेशन सर्जरी के लिए सहायता	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	बरसाना, मथुरा	उत्तर प्रदेश
27	पोषण सुरक्षा और आजीविका सृजन के लिए बाजरा आधारित पाक परंपरा का पुनरुद्धार	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	भिलाई	छत्तीसगढ़
28	स्वच्छ गंगा कोष में योगदान	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
29	स्वच्छ गंगा कोष में योगदान	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
30	स्वच्छ भारत कोष में योगदान	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
31	स्वच्छ भारत कोष में योगदान	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
32	पीएम केयर्स फंड में योगदान	स्वास्थ्य देखभाल	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
33	सीखें और कमाएँ - आरईसी फाउंडेशन की एक पहल, जिसके तहत तीन वर्षों की अवधि में 300 युवाओं को परिधान निर्माण और उद्यमिता में स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी।	पढ़ाई	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया



परियोजनाओं के लिए खर्च की गई राशि (₹ करोड़ में)	कार्यान्वयन का तरीका- प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका- कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
6	7	कार्यान्वयन/नोडल एजेंसी	सीएसआर पंजीकरण सं.
1.41	नहीं	आईआरसीएस तमिलनाडु राज्य शाखा, चेन्नई	CSR00004593
0.98	नहीं	सीएससी अकादमी	CSR00006887
1.49	नहीं	आपके लिए डॉक्टर	CSR00000608
11.20	नहीं	सेवार्थ संस्थान सेठ, बिमल कुमार जैन ट्रॉमा और फिजियोथेरेपी धर्मार्थ समिति	CSR00006617
0.74	नहीं	डीसी मुजफ्फरपुर	लागू नहीं
1.84	नहीं	जिला स्वास्थ्य समिति (सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव), बांका	CSR00063966
5.81	नहीं	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	CSR00028135
1.35	नहीं	शंकरा आई हॉस्पिटल	CSR00004033
2.23	नहीं	भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम	CSR00000532
0.93	नहीं	श्री चैतन्य हेल्थ एंड केयर ट्रस्ट	CSR00065035
1.11	नहीं	छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय ग्रामीण प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के लिए फाउंडेशन	CSR00057408
20.00	नहीं	भारत सरकार	लागू नहीं
15.00	नहीं	भारत सरकार	लागू नहीं
10.00	हाँ	भारत सरकार	लागू नहीं
21.00	हाँ	भारत सरकार	लागू नहीं
50.00	हाँ	भारत सरकार	लागू नहीं
3.95	नहीं	परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र	CSR00000938

क्र. सं.	परियोजनाओं का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मर्दे	स्थानीय क्षेत्र (हाँ / नहीं)	परियोजनाओं का स्थान	
				जिला (ओं)	राज्य (ओं)
1	2	3	4	5(क)	5(ख)
34	प्रयोगशाला उपकरण, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण प्रदान करके विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करना और 7 सरकारी स्कूलों में अवसंरचना का नवीनीकरण, 60 सरकारी स्कूलों में 60 कक्षाओं को डिजिटल कक्षाओं में परिवर्तित करना और 43 सरकारी स्कूलों में 50 एलपीएच रिवर्स ऑस्मोसिस जल उपचार प्रणाली की स्थापना।	शिक्षा	लागू नहीं	हैदराबाद	तेलंगाना
35	1,000 स्कूल बैच, 1,250 बंक बेड, प्लास्टिक कचरे से बनी 5,000 (पुनर्नवीनीकरण पॉलिएस्टर) टी-शर्ट उपलब्ध कराना	शिक्षा	लागू नहीं	जोधपुर	राजस्थान
36	राष्ट्रीय विद्या केंद्र सीबीएसई की स्थापना पाठशाला	शिक्षा	लागू नहीं	विभिन्न जिले	कर्नाटक
37	15 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों, 1 सरकारी उच्चतर विद्यालय और 1 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अवसंरचना को उन्नत करके स्कूली शिक्षा में बदलाव लाना। इसके लिए कक्षाओं की मरम्मत, नवीनीकरण, रसोईघर, चारदीवारी का पुनः डिजाइन, बिजली की वायरिंग/इंटरनेट की व्यवस्था, वाटर कूलर, अलमारी, कटलरी की खरीद, कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित करना, खेल के उपकरण, स्कूल पुस्तकालय, विज्ञान/गणित प्रयोगशाला उपलब्ध कराना शामिल है।	शिक्षा	लागू नहीं	कांगड़ा	हिमाचल प्रदेश
38	स्नातकोत्तर छात्रों के लिए फर्नीचर, फिक्स्चर, हैंडस्केपिंग, बाहरी प्रकाश व्यवस्था और पहुँच मार्ग सहित 80 स्टूडियो अपार्टमेंट के लिए छात्रावास टावरों (G+8) का निर्माण और चिकित्सा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय के अंतर्गत ग्रीड से जुड़े 100 किलोवाट रूफ टॉप सौर पीवी पैनल की स्थापना।	शिक्षा	लागू नहीं	कानपुर	उत्तर प्रदेश
39	300 सरकारी स्कूलों में 300 जिज्ञासा (आनंददायक शिक्षण संसाधन प्रयोगशाला के साथ सौर ऊर्जा संचालित स्मार्ट कक्षाएं) की स्थापना	शिक्षा	लागू नहीं	सिद्धार्थ नगर	उत्तर प्रदेश
40	भारत माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और श्रीमती सिरैकुंवरदेवी मोहता विद्यालय में 13 नए कक्षाओं का निर्माण	शिक्षा	लागू नहीं	वर्धा	महाराष्ट्र
41	आरईसी कॉर्पोरेट सोशल के तहत आरईसी-इटीग्रीटी क्लब उत्तरदायित्व	शिक्षा	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
42	5 जिलों में 18 ग्रामीण अकाल अकादमियों में डिजिटल अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला के लिए उपकरणों की खरीद	शिक्षा	लागू नहीं	विभिन्न जिले	पंजाब
43	आईसीटी, स्मार्ट क्लास रूम की खरीद और स्थापना और प्रयोगशाला उपकरण/उपकरण, किताबें, ई-पुस्तकें & ई-पत्रिकाओं (शिक्षण संसाधन पुस्तकालय)	शिक्षा	लागू नहीं	अमरावती	महाराष्ट्र
44	आरईसी फाउंडेशन-रूपंतर भूमिका" बनाने के लिए सहायता मॉडल स्कूल" नई शिक्षा नीति के साथ संरेखित करने के लिए 3 साल में 2 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 250 स्कूल	शिक्षा	लागू नहीं	विभिन्न जिले	जम्मू और कश्मीर, असम और छत्तीसगढ़



परियोजनाओं के लिए खर्च की गई राशि (₹ करोड़ में)	कार्यान्वयन का तरीका- प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका- कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
6	7	कार्यान्वयन/नोडल एजेंसी	सीएसआर पंजीकरण सं.
0.75	नहीं	जिला कलेक्टर, हैदराबाद	लागू नहीं
0.58	नहीं	जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन, आईआईटी जोधपुर	CSR00047105
3.81	नहीं	राष्ट्रोत्थाना परिषद, बैंगलोर	CSR00004658
(0.02)	नहीं	उपायुक्त, कांगड़ा	लागू नहीं
1.24	नहीं	आईआईटी कानपुर	CSR00004774
1.16	नहीं	विज्ञान और शैक्षिक विकास की इकाई	CSR00011913
0.64	नहीं	प्रगतिशील शिक्षा सोसायटी	CSR00000052
0.03	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
1.79	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
0.35	नहीं	आरईसी फाउंडेशन और कला, विज्ञान और वाणिज्य कॉलेज के लिए सिपना शिक्षण प्रसारक मंडल	CSR00009563
1.03	नहीं	श्री अरबिंदो सोसायटी	CSR00000200

क्र. सं.	परियोजनाओं का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मदे	स्थानीय क्षेत्र (हाँ / नहीं)	परियोजनाओं का स्थान	
				जिला (ओं)	राज्य (ओं)
1	2	3	4	5(क)	5(ख)
45	जगरमुंडा में हाई स्कूल भवन (जी+1) का निर्माण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में 18 पावर इन्वर्टर उपलब्ध कराना, जिला अस्पताल में अभिकर्मक के साथ हीमेटोलॉजी विश्लेषक-सीबीएस उपलब्ध कराना और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में 5 श्रेडर मशीन की खरीद	शिक्षा	लागू नहीं	सुकमा	छत्तीसगढ़
46	प्रधानमंत्री इंटरनेट योजना के लिए सहायता	शिक्षा	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
47	ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में 1,650 सौर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	नाशिक	महाराष्ट्र
48	पूर्णिया क्लस्टर में बायोमास-गैसीफायर आधारित विकेन्द्रीकृत विद्युत प्रणाली के माध्यम से नवोन्मेषी जूट प्रसंस्करण भागीदारी मॉडल की स्थापना	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	कूच बिहार	पश्चिम बंगाल
49	जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण की स्थापना प्रयोगशाला और प्रशिक्षण केंद्र	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	विभिन्न जिले	कश्मीर और लद्दाख
50	राज्य विद्युत उपयोगिताओं/शहरी पार्कों, आस-पास के क्षेत्रों में आरईसी सीओ/आरबकायाओ द्वारा 54 पौधों/वृक्षों के रोपण हेतु खरीद	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
51	मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर में छात्रों के परिवहन के लिए चरि ई-बसों और दो चार्जिंग स्टेशनों की खरीद	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	भोपाल	मध्य प्रदेश
52	संबलपुर विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर 0.25 मेगावाट एसपीवी प्रणाली और एलईडी लाइटों की स्थापना	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	संबलपुर	ओडिशा
53	5 जिलों में 1,000 एलईडी सौर स्ट्रीट लाइट की स्थापना और कमीशनिंग	पर्यावरण स्थिरता	लागू नहीं	विभिन्न जिले	अरुणाचल प्रदेश
54	परियोजना के लिए सहायता: 15-वाट की 500 एलईडी स्ट्रीट लाइटों की खरीद, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
55	25 ग्राम पंचायतों में 25 सामुदायिक भवनों का निर्माण	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
56	बद्रीनाथ शहर में अलकनंदा नदी पर पैदल पुल का निर्माण	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	स्मार्ट हिल टाउन	उत्तराखंड
57	1,000 बैठने की क्षमता के सभागार का निर्माण	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	सिद्धार्थ नगर	उत्तर प्रदेश
58	आरा, जगदीशपुर, बड़हरा से कोइलवर प्रखंड के गांवों में विकास कार्य	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	भोजपुर	बिहार
59	ग्रामीण विकास कार्य जैसे निर्माण सामुदायिक हॉल, पीसीसी रोड, नाली, यात्री शेड, एलईडी लाइटों, आरओ संयंत्रों आदि की स्थापना।	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	भोजपुर	बिहार
60	असूफी पुनामई में सामुदायिक भवन का निर्माण माओ	ग्रामीण विकास	लागू नहीं	सेनापति	मणिपुर
61	भारत में खेलों का व्यापक आधार और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना	खेल-कूद	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया



परियोजनाओं के लिए खर्च की गई राशि (₹ करोड़ में)	कार्यान्वयन का तरीका- प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका- कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
6	7	कार्यान्वयन/नोडल एजेंसी	सीएसआर पंजीकरण सं.
0.57	नहीं	जिला कलेक्टर, सुकमा, छत्तीसगढ़	लागू नहीं
0.01	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
0.38	नहीं	डीसी नासिक और रील	लागू नहीं
0.22	नहीं	ऊर्जा संसाधन संस्थान	लागू नहीं
0.23	नहीं	अटल इनक्यूबेशन सेंटर-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद	CSR00014767
0.00 (निरपेक्ष ₹49,518/-)	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
4.16	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
(0.01)	नहीं	संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा	लागू नहीं
0.89	नहीं	अरुणाचल प्रदेश ऊर्जा विकास एजेंसी	CSR00047578
1.12	नहीं	लखनऊ विकास प्राधिकरण	CSR00000608
3.98	नहीं	वाराणसी विकास एजेंसी	CSR00057116
4.55	नहीं	श्री केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट	CSR00009855
0.70	नहीं	जिला सिविल सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एसोसिएशन	CSR00009393
0.80	नहीं	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
0.08	नहीं	एनएचपीसी लिमिटेड, नई दिल्ली	लागू नहीं
0.47	नहीं	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, मणिपुर	CSR00031715
38.00	नहीं	राष्ट्रीय खेल विकास निधि, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार	CSR00016457

क्र. सं.	परियोजनाओं का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मढ़ें	स्थानीय क्षेत्र (हाँ / नहीं)	परियोजनाओं का स्थान	
				जिला (ओं)	राज्य (ओं)
1	2	3	4	5(क)	5(ख)
62	माह भर चलने वाले खेल प्रतिभा पहचान एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन	खेल-कूद	लागू नहीं	बालासोर	ओडिशा
63	राजकीय नागार्जुन पीजी कॉलेज ऑफ साइंस में एक इंडोर बैडमिंटन कोर्ट (डबल) का निर्माण	खेल-कूद	लागू नहीं	रायपुर	छत्तीसगढ़
64	पूर्व सैनिकों, शहीदों और उनकी विधवाओं के बच्चों के लिए शिक्षा अनुदान प्रदान करने के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान	सशस्त्र बलों के लाभ	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
65	पूर्व सैनिकों, शहीदों और उनकी विधवाओं के बच्चों के लिए शिक्षा अनुदान प्रदान करने के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान	सशस्त्र बलों के लाभ	लागू नहीं	पैन इंडिया	पैन इंडिया
66	3 वर्षों की अवधि में गुजरात फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेन्योरियल एक्सीलेंस के कॉर्पस में योगदान	इन्क्यूबेटर्स	लागू नहीं	लागू नहीं	गुजरात
67	प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त अवसंरचना का पुनर्वास, पुनर्वास आदि	आपदा प्रबंधन	लागू नहीं	विभिन्न जिले	सिक्किम
सीएसआर परियोजनाओं में कुल संवितरण					
प्रभाव आकलन लागत					
वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान व्यवस्थापक व्यय					
2024-25 के दौरान कुल सीएसआर व्यय					



आरईसी की सीएसआर पहल के तहत सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष को ₹20 करोड़ की वित्तीय सहायता



परियोजनाओं के लिए खर्च की गई राशि (₹ करोड़ में)	कार्यान्वयन का तरीका- प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका- कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
6	7	कार्यान्वयन/नोडल एजेंसी	सीएसआर पंजीकरण सं.
0.56	हाँ	आरईसी फाउंडेशन	CSR00005016
0.42	नहीं	जीएनपीजी कॉलेज ऑफ साइंस, रायपुर, छत्तीसगढ़	CSR00048721
1.50	नहीं	केंद्रीय सैनिक बोर्ड	CSR00011199
15.00	नहीं	केंद्रीय सैनिक बोर्ड	CSR00011199
6.66	नहीं	आईक्रिएट - जीएफईई	CSR00018338
4.99	नहीं	राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सिक्किम सरकार	CSR00061025
279.38			
0.28			
9.20			
288.86			



आरईसी की सीएसआर पहलों के तहत प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण शिविरों का समर्थन करके खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभा का पोषण करना

31 मार्च, 2025 तक विभिन्न बॉण्ड श्रृंखलाओं के लिए कंपनी द्वारा नियुक्त डिबेंचर न्यासियों के विवरण।

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 53 के अनुसार

क्र. स.	डिबेंचर न्यासी का नाम	संपर्क ब्यौरा	आईएसआईएन	श्रृंखला संख्या
1	आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड यूनिवर्सल इश्योरेस बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर सर पी एम रोड, फोर्ट, मुंबई - 400001	श्री सुमित पंजाबी फ़ोन: +91-22-40807178 ईमेल: sumit@idbitrustee.com वेबसाइट: www.idbitrustee.com	आईएनई020बी08427	94
			आईएनई020बी08443	95-II
2	विस्टा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड आईएल एंड एफएस फाइनेंशियल सेंटर जी ब्लॉक, प्लॉट सी-22 बीकेसी रोड, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स बांद्रा पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र-400051	आईटीसीएल अनुपालन अधिकारी फ़ोन: +91-22-26593644 ईमेल: itclcomplianceofficer@vistra.com वेबसाइट: www.vistraitcl.com	आईएनई020बी08724	इंफ्रा बॉण्ड श्रृंखला - II (2011-12)
			आईएनई020बी08732	
			आईएनई020बी0जीएच7	2011-12 पब्लिक इश्यू ट्रेच-1
3	एसबीआईसीएपी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड मिस्त्री भवन, चौथी मंजिल, 122 दिनशाँ वाचा रोड, चर्चगेट, मुंबई-400020	श्री अर्धेंद्र मुखोपाध्याय (सीएफओ) फ़ोन: +91-22-43025566 ईमेल: corporate@sbicaptrustee.com dt@sbicaptrustee.com वेबसाइट: www.sbicaptrustee.com	आईएनई020बी07जीवी8	2012-13 निजी प्लेसमेंट
			आईएनई020बी07जीएक्स4	2012-13 पब्लिक इश्यू ट्रेच-1
			आईएनई020बी07जीजेड9	2012-13 पब्लिक इश्यू ट्रेच-2
			आईएनई020बी07एचएन3	2013-14 प्राइवेट प्लेसमेंट-1
			आईएनई020बी07एचपी8	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-1
			आईएनई020बी07एचएस2	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-1
			आईएनई020बी07एचक्यू6	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-1
			आईएनई020बी07एचटी0	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-1
			आईएनई020बी07एचवी6	2013-14 प्राइवेट प्लेसमेंट-2
			आईएनई020बी07आईडी2	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-2
			आईएनई020बी07आईजी5	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-2
			आईएनई020बी07आईई0	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-2
			आईएनई020बी07आईएच3	2013-14 पब्लिक इश्यू ट्रेच-2
			आईएनई020बी07जे07	2015-16 निजी प्लेसमेंट
			आईएनई020बी07जेपी4	2015-16 पब्लिक इश्यू ट्रेच -1
			आईएनई020बी07जेक्यू2	2015-16 पब्लिक इश्यू ट्रेच -1
			आईएनई020बी07जेआर0	2015-16 पब्लिक इश्यू ट्रेच -1
			आईएनई020बी07जेएस8	2015-16 पब्लिक इश्यू ट्रेच -1
			आईएनई020बी07जेटी6	2015-16 पब्लिक इश्यू ट्रेच -1
			आईएनई020बी07जेयू4	2015-16 पब्लिक इश्यू ट्रेच -1
			आईएनई020बी08930	133
			आईएनई020बी08963	136
			आईएनई020बी08एए3	140
			आईएनई020बी08एसी9	142
			आईएनई020बी08एच8	147
			आईएनई020बी08एक्यू9	156
			आईएनई020बी08एक्स5	भारत सरकार-आई



प्रतिभूतित/ अप्रतिभूतित	मोचन तिथि	कूपन दर	पर सूचीबद्ध		रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
			एनएसई	बीएसई	
अप्रतिभूतित	09-06-2025	8.75%	हाँ	नहीं	बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (पी) लिमिटेड बीटल हाउस, तीसरी मंजिल, 99, मदनगिर, एलएससी के पीछे, दादा हरसुखदास मंदिर के सामने, नई दिल्ली - 110062 संपर्क सूत्र: श्री संजय रस्तोगी दूरभाष: +91-11-2996-1281-83 ईमेल: recbonds4@gmail.com वेबसाइट: www.beetalfinancial.com
अप्रतिभूतित	14-07-2025	8.75%	हाँ	नहीं	
अप्रतिभूतित	15-02-2027	9.15 %	हाँ	नहीं	
प्रतिभूतित	29-03-2027	8.12% / 8.32%	नहीं	हाँ	केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नंबर 31 और 32 विंतीय जिला नानकरामगुडा सेरिलिंगमपल्ली मंडल, हैदराबाद - 500032 दूरभाष: 1-800-309-4001 ईमेल: gopalakrishna.kvs@kfintech.com वेबसाइट: www.kfintech.com
प्रतिभूतित	22-11-2027	7.38%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	19-12-2027	7.38% / 7.88%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	25-03-2028	7.04% / 7.54%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	29-08-2028	8.46%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-09-2028	8.46%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-09-2028	8.46% / 8.71%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-09-2033	8.37%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-09-2033	8.37% / 8.62%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	11-10-2028	8.54%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-03-2029	8.63%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-03-2029	8.63% / 8.88%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-03-2034	8.61%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	24-03-2034	8.61% / 8.86%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	23-07-2025	7.17%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	05-11-2025	6.89%	नहीं	हाँ	
प्रतिभूतित	05-11-2025	6.89% / 7.14%	नहीं	हाँ	
प्रतिभूतित	05-11-2030	7.09%	नहीं	हाँ	
प्रतिभूतित	05-11-2030	7.09% / 7.34%	नहीं	हाँ	
प्रतिभूतित	05-11-2035	7.18%	नहीं	हाँ	
प्रतिभूतित	05-11-2035	7.18% / 7.43%	नहीं	हाँ	
अप्रतिभूतित	10-04-2025	8.30%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	07-10-2025	8.11%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	07-11-2026	7.52%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-12-2026	7.54%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	12-03-2027	7.95%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	10-12-2027	7.70%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	21-03-2028	8.09%	हाँ	हाँ	

क्र. स.	डिबेंचर न्यासी का नाम	संपर्क ब्यौरा	आईएसआईएन	शृंखला संख्या
			आईएनई020बी08एवाई3	भारत सरकार-II
			आईएनई020बी08एजेड0	भारत सरकार-III
			आईएनई020बी07एलएस4	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलटी2	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलयू0	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलवी8	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलडब्लू6	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलएक्स4	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलवाई2	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एलजेड9	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एमए0	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एमबी8	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एमसी6	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एमडी4	54ईसी शृंखला XIV (2020-21)
			आईएनई020बी07एमई2	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमएफ9	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमजी7	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमएच5	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमआई3	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमजे1	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमके9	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमएल7	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमएम5	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमएन3	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमओ1	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमपी8	54ईसी शृंखला XV (2021-22)
			आईएनई020बी07एमक्यू6	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमआर4	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमएस2	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमटी0	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमयू8	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमवी6	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमडब्लू4	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमएक्स2	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमवाई0	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एमजेड7	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एनए8	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एनबी6	54ईसी शृंखला XVI (2022-23)
			आईएनई020बी07एनसी4	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनके7	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)



प्रतिभूतित/ अप्रतिभूतित	मोचन तिथि	कूपन दर	पर सूचीबद्ध		रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
			एनएसई	बीएसई	
अप्रतिभूतित	24-03-2028	8.01%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	27-03-2028	8.06%	हाँ	हाँ	
प्रतिभूतित	30-04-2025	5.75%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-05-2025	5.75%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-06-2025	5.75%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-07-2025	5.75%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-08-2025	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-09-2025	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-10-2025	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-11-2025	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-12-2025	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-01-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	28-02-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-03-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-04-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-05-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-06-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-07-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-08-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-09-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-10-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-11-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-12-2026	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-01-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	28-02-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-03-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-04-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-05-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-06-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-07-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-08-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-09-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-10-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-11-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-12-2027	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-01-2028	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	29-02-2028	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-03-2028	5.00%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-04-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-05-2028	5.25%	नहीं	नहीं	

क्र. स.	डिबेंचर न्यासी का नाम	संपर्क ब्यौरा	आईएसआईएन	शृंखला संख्या
4	बीकन ट्रस्टीशिप लिमिटेड 7ए एंड बी, सिद्धिविनायक चेम्बरस गांधी नगर, एमआईजी क्रिकेट क्लब के सामने बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051	श्री कौस्तुभ कुलकर्णी फोन: +91-22-26558759 ईमेल: compliance@beacontrustee.co.in वेबसाइट: www.beacontrustee.co.in	आईएनई020बी07एनएल5	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनजे9	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनजी5	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनआई1	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनएच3	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनएफ7	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनडी2	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनई0	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनएन1	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनएम3	54ईसी शृंखला XVII (2023-24)
			आईएनई020बी07एनपी6	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनओ9	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनक्यू4	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनआर2	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनएस0	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनटी8	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनयू6	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनवी4	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनडब्ल्यू2	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनएक्स0	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनवाई8	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी07एनजेड5	54ईसी शृंखला XVIII (2024-25)
			आईएनई020बी08बीए1	162
			आईएनई020बी08बीबी9	163
			आईएनई020बी08बीजी8	168
			आईएनई020बी08बीएच6	169
			आईएनई020बी08बीपी9	175
			आईएनई020बी08बीक्यू7	176
			आईएनई020बी08बीएस3	178
			आईएनई020बी08बीयू9	180-बी
			आईएनई020बी08बीडब्ल्यू5	182
			आईएनई020बी08बीएक्स3	183
			आईएनई020बी08ईएन8	184-ए (आंशिक रूप से भुगतान किया गया)
			आईएनई020बी08सीआई2	188-बी
			आईएनई020बी08सीजे0	189
			आईएनई020बी08सीपी7	192
			आईएनई020बी08सीयू7	197
			आईएनई020बी08सीडब्ल्यू3	198बी
			आईएनई020बी08सीएक्स1	199
			आईएनई020बी08डीए7	201बी
			आईएनई020बी08डीबी5	202ए



प्रतिभूतित/ अप्रतिभूतित	मोचन तिथि	कूपन दर	पर सूचीबद्ध		रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
			एनएसई	बीएसई	
प्रतिभूतित	30-06-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-07-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-08-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-09-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-10-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-11-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-12-2028	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-01-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	28-02-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-03-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-04-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-05-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-06-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-07-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-08-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-09-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-10-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	30-11-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-12-2029	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-01-2030	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	28-02-2030	5.25%	नहीं	नहीं	
प्रतिभूतित	31-03-2030	5.25%	नहीं	नहीं	
अप्रतिभूतित	09-08-2028	8.55%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	25-08-2028	8.63%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	29-11-2028	8.56%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	07-12-2028	8.37%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	28-03-2029	8.97%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	16-04-2029	8.85%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	14-05-2029	8.80%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	25-06-2029	8.30%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	22-08-2034	8.18%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	16-09-2034	8.29%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	26-09-2029	8.25%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-03-2030	7.89%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-03-2030	7.92%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	28-02-2030	7.50%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	11-05-2030	7.55%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	21-05-2030	7.79%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	15-06-2030	7.96%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-03-2031	6.90%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-09-2030	7.25%	हाँ	हाँ	

क्र. स.	डिबेंचर न्यासी का नाम	संपर्क ब्यौरा	आईएसआईएन	शृंखला संख्या
			आईएनई020बी08डीई9	203ए
			आईएनई020बी08डीएफ6	203बी
			आईएनई020बी08डीजी4	204ए
			आईएनई020बी08डीएच2	204बी
			आईएनई020बी08डीके6	205बी
			आईएनई020बी08डीएल4	206-पीडीआई
			आईएनई020बी08डीएम2	207
			आईएनई020बी08डीओ8	208
			आईएनई020बी08डीटी7	211
			आईएनई020बी08डीवी3	213
			आईएनई020बी08डीडब्ल्यू1	214-ए
			आईएनई020बी08डीएक्स9	214-बी
			आईएनई020बी08डीएक्स9	214-बी (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08डीजेड4	215
			आईएनई020बी08ईए5	216 ए
			आईएनई020बी08ईबी3	216 बी
			आईएनई020बी08ईसी1	217
			आईएनई020बी08ईडी9	218-ए
			आईएनई020बी08ईई7	218-बी
			आईएनई020बी08ईएफ4	219
			आईएनई020बी08ईएच0	220 ए
			आईएनई020बी08ईजी2	220 बी
			आईएनई020बी08ईआई8	221
			आईएनई020बी08ईजे6	222-पीडीआई
			आईएनई020बी08सीआई2	188-बी (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08डीवी3	213 (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08ईएल2	223-ए
			आईएनई020बी08ईके4	223-बी
			आईएनई020बी08ईएम0	225
			आईएनई020बी08ईओ6	226 - पीडीआई
			आईएनई020बी08ईपी3	227-ए
			आईएनई020बी08ईक्यू1	227-बी
			आईएनई020बी08ईएस7	228-ए
			आईएनई020बी08ईआर9	228-बी
			आईएनई020बी08ईटी5	229-ए
			आईएनई020बी08ईयू3	229-बी
			आईएनई020बी08ईडब्ल्यू9	230-ए
			आईएनई020बी08ईवी1	230-बी
			आईएनई020बी08ईएक्स7	231-ए



प्रतिभूति/अप्रतिभूति	मोचन तिथि	कूपन दर	पर सूचीबद्ध		रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
			एनएसई	बीएसई	
अप्रतिभूति	20-12-2030	6.80%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	20-12-2025	5.85%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-01-2031	6.90%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-12-2025	5.81%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-01-2026	5.94%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	स्थायी जब तक कॉल विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है	7.97%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-01-2036	7.02%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	15-03-2036	7.40%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-10-2031	6.23%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	20-03-2032	6.92%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	28-02-2026	7.32%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	28-02-2033	7.50%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	28-02-2033	7.50%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-11-2037	7.65%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-03-2028	7.55%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-11-2037	7.67%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-03-2033	7.53%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-06-2026	7.56%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-01-2033	7.69%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	28-02-2026	7.60%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-03-2028	7.77%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-03-2033	7.69%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-07-2026	7.51%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	स्थायी जब तक कॉल विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है	7.98%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-03-2030	7.89%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	20-03-2032	6.92%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-04-2026	7.44%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-06-2028	7.46%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-06-2026	7.64%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	स्थायी जब तक कॉल विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है	8.03%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-09-2026	7.77%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-10-2033	7.71%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-05-2026	7.80%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-11-2033	7.71%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	29-11-2025	7.79%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-11-2038	7.67%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	26-02-2027	7.71%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	31-01-2034	7.64%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूति	30-04-2027	7.64%	हाँ	हाँ	

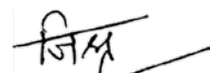
क्र. स.	डिबेंचर न्यासी का नाम	संपर्क ब्यौरा	आईएसआईएन	शृंखला संख्या
			आईएनई020बी08ईवाई5	231-बी
			आईएनई020बी08एफए2	232-ए
			आईएनई020बी08ईजेड2	232-बी
			आईएनई020बी08एफबी0	233
			आईएनई020बी08डीए7	201 (बी) (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08एफसी8	234-ए
			आईएनई020बी08एफडी6	234-बी
			आईएनई020बी08एफई4	235
			आईएनई020बी08एफजी9	236-ए
			आईएनई020बी08एफएफ1	236-ख
			आईएनई020बी08एफएच7	237
			आईएनई020बी08एफए2	232-ए (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08एफआई5	238
			आईएनई020बी08एफजे3	239
			आईएनई020बी08एफके1	240-ए
			आईएनई020बी08एफएल9	240-बी
			आईएनई020बी08एफएम7	241
			आईएनई020बी08एफके1	240-ए (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08एफएन5	242
			आईएनई020बी08ईडब्ल्यू9	230-ए (पुनः जारी)
			आईएनई020बी08एफओ3	243
			आईएनई020बी08एफपी0	244
			आईएनई020बी08एफआर6	245-ए
			आईएनई020बी08एफक्यू8	245-बी
			आईएनई020बी08बीसी7	भारत सरकार-IV
			आईएनई020बी08बीई3	भारत सरकार-V
			आईएनई020बी08बीजे2	भारत सरकार-VI
			आईएनई020बी08बीएल8	भारत सरकार-VII
			आईएनई020बी08बीओ2	भारत सरकार-VIII
			आईएनई020बी08सीओ0	भारत सरकार-IX
			आईएनई020बी08सीआर3	भारत सरकार-X
			आईएनई020बी08सीएस1	भारत सरकार-XI
			आईएनई020बी08डीआई0	भारत सरकार-XII
			आईएनई020बी08डीएन0	भारत सरकार-XIII
			आईएनई020बी08डीक्यू3	भारत सरकार-XIV

* सतत ऋण उपकरण



प्रतिभूतित/ अप्रतिभूतित	मोचन तिथि	कूपन दर	पर सूचीबद्ध		रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
			एनएसई	बीएसई	
अप्रतिभूतित	28-02-2034	7.47%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-05-2027	7.59%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	29-04-2034	7.45%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-05-2034	7.53%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-03-2031	6.90%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-08-2026	7.70%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-05-2029	7.58%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-07-2034	7.35%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-08-2035	7.45%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-08-2027	7.56%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-10-2026	7.55%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-05-2027	7.59%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-09-2039	7.31%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	03-11-2034	0.00%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-11-2039	7.09%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-04-2030	7.34%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-04-2035	7.10%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	30-11-2039	7.09%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	15-01-2035	7.20%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	26-02-2027	7.71%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	20-02-2040	7.28%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	लागू नहीं*	7.99%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	29-02-2028	7.44%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	28-02-2035	7.32%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	28-09-2028	8.70%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	15-11-2028	8.54%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	22-01-2029	8.80%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	08-03-2029	8.60%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	25-03-2029	8.30%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	02-03-2030	7.14%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	26-03-2030	8.25%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	31-03-2030	7.20%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	07-01-2031	6.45%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	28-01-2031	6.63%	हाँ	हाँ	
अप्रतिभूतित	26-03-2031	6.50%	हाँ	हाँ	

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से



जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
और निदेशक (परियोजना) (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन: 06817799

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
आरईसी लिमिटेड के सदस्य
स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के संबंध में रिपोर्ट

राय

हमने आरईसी लिमिटेड ("कंपनी") के स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार स्टैंडअलोन तुलन पत्र तथा लाभ और हानि (अन्य व्यापक आय सहित) क विवरण, इकिटी में परिवर्तन का विवरण और तब समाप्त हुए वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं (इसके पश्चात "स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों" के रूप में संदर्भित) सहित स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर टिप्पणी शामिल हैं।

हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") द्वारा जिस प्रकार से अपेक्षित हो, इस प्रकार से सूचना देते हैं और कंपनी की दिनांक 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार स्टैंडअलोन लाभ (अन्य व्यापक आय सहित), इकिटी में स्टैंडअलोन परिवर्तन और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए उसके स्टैंडअलोन नकद प्रवाह तथा इसके सार की स्टैंडअलोन स्थिति का भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

राय का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत उल्लिखित लेखापरीक्षा संबंधी मानकों (एसएएस) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारी जिम्मेदारी का आगे हमारी रिपोर्ट के स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के दायित्वों में उल्लेख किया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार इस समूह से स्वतंत्र हैं और हमने इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अपने अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमारा विश्वास है कि लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य को हमने प्राप्त किया है तथा हमारे विचार के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले ("केएएम") वे मामले हैं जो, हमारे पेशेवर निर्णय के अनुसार, वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में, और उन पर हमारी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर अलग से कोई राय नहीं देते हैं। हमने नीचे वर्णित निम्नलिखित मामलों को अपनी रिपोर्ट में संप्रेषित किए जाने वाले प्रमुख लेखापरीक्षा मामले निर्धारित किए हैं:

क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामले	लेखापरीक्षक की प्रतिक्रिया
1.	ऋण परिसंपत्तियों का हानि भत्ता - (लेखांकन नीति सं. 3.12 के साथ पठित स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 50.1.3 के संदर्भ में) कंपनी एक निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित कार्यप्रणाली का पालन करती है, जिसमें भत्ते का मूल्यांकन, हानि के साक्ष्य के स्तर एवं क्रेडिट जोखिम के आधार पर विभिन्न चरणों में परिसंपत्तियों को वर्गीकृत करने वाले कुछ मानदंड/रूपरेखा पर आधारित हानि के लिए एक बाह्य एजेंसी द्वारा किया जाता है। हानि भत्ते को डिफॉल्ट संभावना के उत्पाद, डिफॉल्ट में प्रकटन तथा हानि भत्ते के मूल्यांकन हेतु मुख्य मापदंड के नाते में दी गई डिफॉल्ट हानि के रूप में मापा जाता है। हानि भत्ते के मूल्यांकन हेतु अंतर्निहित मुख्य संकेतकों को प्रबंधन द्वारा नियमित आधार पर मूल्य निरूपित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रबंधन ने अंगीकृत उपरोक्त मॉडल के अलावा एक कार्यप्रणाली को अपनाया है, जिससे प्रत्येक मामले के अनुसार और छानबीन की जाती है तथा हानि प्रभाव में परिवर्तन करने की आवश्यकता होने पर, उसे वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाता है।	इस संबंध में, हमने निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को लागू किया है क) ऋण परिसंपत्तियों की निगरानी के संबंध में प्रमुख आंतरिक नियंत्रण तंत्र का मूल्यांकन और परीक्षण, प्रासंगिक डेटा गुणवत्ता के परीक्षण सहित ऋण हानि का आकलन, और दर्ज किए गए वास्तविक डेटा की समीक्षा। ख) हमने बाहरी एजेंसी की रिपोर्ट प्राप्त कर ली है और हानि भत्ते के संबंध में कंपनी के आंतरिक दिशा-निर्देशों और प्रक्रियाओं के साथ-साथ विभिन्न नियामक अपडेट के साथ मानदंड/ढांचे का सत्यापन कर लिया है। ग) वसूली/निष्पादन पहलुओं की निगरानी के संबंध में कुल ऋण के बड़े हिस्से को शामिल करते हुए नमूना जांच के आधार पर ऋण परिसंपत्तियों का सत्यापन और उस पर प्रबंधन की धारणा पर विचार करते हुए ऋण हानि का आकलन। घ) वसूली के स्तर का पता लगाने के लिए मानक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए वसूली सत्यापित की जाती है। ऋण शेष की पुष्टि की जाती है और प्रमुख नियंत्रण मापदंडों के साथ उधारकर्ता की गुणवत्ता का मूल्यांकन और परीक्षण किया जाता है। ङ) ऋण परिसंपत्तियों के कार्यनिष्पादन के आधार पर हानि का आकलन हमें उपलब्ध कराए गए अभिलेख पर संबंधित साक्ष्यों के आधार पर किया जाता है। च) हमने प्रबंधन के साथ, जहाँ भी अंतर्निहित कमजोरी देखी गई है, चर्चा की है और ऐसे मामलों में प्रबंधन मूल्यांकन को गहन रूप से किया जाता है।
2.	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्यांकन (टिप्पणी संख्या 8 को लेखांकन नीति संख्या 3.11 के साथ पठित स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरण देखें) कंपनी अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार अपनी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए आरबीआई दिशा-निर्देशों के अनुसार डेरिवेटिव अनुबंध में प्रवेश करती है। व्युत्पन्न अनुबंधों को या तो लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर या नकदी प्रवाह बचाव(हेज अकाउंटिंग) के तहत वर्गीकृत किया जाता है। एफवीटीपीएल में वर्गीकृत व्युत्पन्न पर मार्क टू मार्केट लाभ/हानि को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है और नकदी प्रवाह हेज को अन्य व्यापक आय में मान्यता दी गई है। वित्तीय विवरणों को ध्यान में रखते हुए हमने व्युत्पन्न इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्यांकन को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामला माना है।	हमने इस संबंध में निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रिया लागू की है : क) प्रबंधन की धारणा पर चर्चा करना और समझना और जोखिम प्रबंधन के लिए कंपनी की नीति का अध्ययन करना। ख) इंड एस 109 की अवधि में व्युत्पन्न के उचित मूल्य का सत्यापन। ग) व्युत्पन्न उपकरणों के वर्गीकरण पर प्रमुख आंतरिक नियंत्रण का मूल्यांकन। घ) कंपनी प्रतिपक्ष बैंकों से व्युत्पन्न का उचित मूल्य प्राप्त करती है। हमारी प्रक्रिया में 31 मार्च, 2025 तक बकाया विभिन्न वित्तीय व्युत्पन्न अनुबंधों के विवरण और उस पर उचित मूल्य का मूल्यांकन शामिल है। ङ) इसके अतिरिक्त हमने नकदी प्रवाह हेज के तहत व्युत्पन्न अनुबंधों के मामले में लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय के विवरण में व्युत्पन्न अनुबंधों के मार्क टू मार्केट आधार पर लाभ या हानि के लेखांकन का सत्यापन किया। च) इंडएस 109 के अनुसार प्रबंधन द्वारा प्रकटीकरण की उपयुक्तता और पर्याप्तता की समीक्षा की गई।



स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण और उस पर लेखापरीक्षक से भिन्न सूचना

कंपनी के निदेशक मण्डल अन्य जानकारी के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में वार्षिक रिपोर्ट में निदेशक की रिपोर्ट, निगमित सुशासन की रिपोर्ट, व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट और प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण आदि शामिल है, किंतु इसमें स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण और उन पर हमारी रिपोर्ट सम्मिलित नहीं है। हमें ऐसी अन्य जानकारी, इस लेखापरीक्षक रिपोर्ट की तिथि के उपरांत प्राप्त होना प्रत्याशित है।

स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को संबंध में हमारे विचार में अन्य सूचना शामिल नहीं होती है और हम उस पर आश्वासन संबंधी निष्कर्ष के किसी रूप को व्यक्त नहीं करते।

स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी ऊपर में पहचान की गई अन्य सूचना, जब यह उपलब्ध हो जाए, को पढ़ना है और ऐसा करते हुए इस तथ्य पर भी विचार करना है कि क्या अन्य सूचना वास्तविक रूप से स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के अनुरूप है अथवा इस लेखापरीक्षा में प्राप्त की गई जानकारी अथवा अन्य प्रकार से उसका वस्तुगत रूप से गलत उल्लेख किया गया प्रतीत होता हो।

यदि, हमने जो कार्य किया है उसके आधार पर हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें वस्तुगत रूप से गलत उल्लेख किया गया है तब यह अपेक्षित होता है कि हम इस मामले को शासन जिसे यह जिम्मेदारी दी गई है, को सूचित करें।

स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारी व्यक्तियों के दायित्व

कंपनी का प्रबंधन एवं निदेशक मण्डल इन स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में अधिनियम की धारा 134 (5) में उल्लिखित मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो यथासंशोधित कंपनी ("भारतीय लेखांकन मानक") नियमावली 2015 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसरण में कंपनी वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य निष्पादन (अन्य व्यापक आय सहित), इकटि में परिवर्तन और नकदी प्रवाह की एक पारदर्शी और सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। इस दायित्व में कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा करने, जालसाजी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उसका पता लगाने, उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन करने और उनका प्रयोग करने; उन निर्णयों और अनुमानों जो उचित और विवेकपूर्ण हो, को तय करने; और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को तैयार करने और इसका अनुरक्षण करने, जो वित्तीय दस्तावेजों की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप में कार्य कर रहे हों, और जो स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने में संगत हों, जो एक सही और सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, तथा जो वास्तविक गलत कथन से मुक्त हों, चाहे वह जालसाजी अथवा त्रुटि के कारण हुआ हो, की सुरक्षा के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप समुचित वित्तीय रिकार्डों का अनुरक्षण भी शामिल है।

स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, कंपनी की वर्तमान चिंता के रूप में जारी रखने के लिए, जहां भी लागू हो, उसका प्रकटीकरण करने के लिए, वर्तमान चिंता से संबंधित मामलों और लेखांकन के वर्तमान चिंता के आधार का उपयोग करते हुए इस समूह की क्षमता का आकलन करने के लिए प्रबंधन एवं निदेशक मण्डल जिम्मेदार हैं, यदि प्रबंधन का उद्देश्य इस समूह का परिसमापन नहीं करने का हो अथवा इसके प्रचालनों को बंद करने का हो अथवा ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं हो।

निदेशक मण्डल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी उत्तरदायी है।

स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक का दायित्व

हमारा उद्देश्य इसके संबंध में समुचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या सम्पूर्ण रूप में स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों वस्तुपरक गलत सूचना से मुक्त हैं, चाहे वह जालसाजी अथवा किसी त्रुटि के कारण हुआ हो और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट, जिसमें हमारा विचार शामिल है, को जारी करने के लिए स्वतंत्र है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार की गई लेखापरीक्षा में हमेशा वस्तुपरक गलत सूचना का पता लगा लिया जाएगा जब यह होता हो। गलत कथन जालसाजी अथवा त्रुटि के कारण होता है और इसे वास्तविक माना जाता है यदि इसे अलग-अलग रूप में अथवा कुल मिलाकर देखा जाए, उसके कारण उचित रूप से उन स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णयों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

एसएएस के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम व्यवसायिक निर्णय लेते हैं और पूरी लेखापरीक्षा के दौरान व्यवसायिक संशयवाद बनाए रखते हैं। हम निम्नलिखित भी करते हैं:

- स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के वस्तुपरक गलत कथन के जोखिमों चाहे वह किसी जालसाजी अथवा त्रुटि के कारण हुआ हो, की पहचान करते हैं और उसका आकलन करते हैं, उन जोखिमों पर प्रभाव डालने वाली लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का डिज़ाइन बनाते हैं और उसका कार्य निष्पादन करते हैं तथा लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य, जो हमारे विचार के लिए आधार उपलब्ध कराने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हों, प्राप्त करते हैं। किसी जालसाजी के कारण उत्पन्न होने वाले वस्तुपरक गलत कथन का पता नहीं लगाने का खतरा उस खतरे की तुलना में अधिक होता है जो किसी त्रुटि के कारण होता हो क्योंकि जालसाजी में मिलीभगत, गलत दस्तावेज प्रस्तुत करना, जानबूझकर चूक करना, गलत बयानी करना अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना करना शामिल हो सकते हैं।
- लेखापरीक्षा से संबंधित प्रक्रियाओं जो इन परिस्थितियों में उपयुक्त हों, का डिज़ाइन करने के उद्देश्य से लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण के बारे में जानकारी प्राप्त करना। इस अधिनियम की धारा 143 (3) (i) के अंतर्गत, हम इसके संबंध में अपने विचार को व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली सक्रिय है और इस प्रकार के नियंत्रणों की प्रचालन संबंधी प्रभावोत्पादकता कार्य कर रही है।
- प्रबंधन द्वारा लेखांकन अनुमानों की उपयुक्तता और उसके संबंध में किया गया प्रकटीकरण तथा उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन के वर्तमान चिंता के आधार और प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य के आधार पर प्रबंधन की उपयुक्तता के बारे में निष्कर्ष निकालना, चाहे कोई वास्तविक अनिश्चितता उन घटनाओं अथवा स्थितियों के संबंध में मौजूद हो, जो वर्तमान चिंता के रूप में जारी रखने के लिए इस समूह अथवा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनी की क्षमता पर बहुत अधिक संदेह उत्पन्न करता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वास्तविक अनिश्चितता मौजूद है तब यह अपेक्षित है कि हम स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण के बारे में अपने लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करें और यदि इस प्रकार का प्रकटीकरण हमारे विचार में संशोधन करने के लिए पर्याप्त नहीं हो तब भी हम उनका ध्यान आकर्षित करें। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्यों के आधार पर हैं। हालांकि, भावी घटनाएं अथवा स्थितियां इस समूह और इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनी के लिए वर्तमान चिंता के रूप में जारी रहने से रोकने के लिए स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं।
- प्रकटीकरण सहित स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुती, ढांचा और विषय-वस्तु का मूल्यांकन करना और यह कि स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों अंतर्निहित व्यवसायों को दर्शाती हो और इसके साथ ही उस तरीके से घटनाओं को दर्शाती हो जिसे उचित रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में गलतबयानी का वह परिमाण, जिससे एकल या सामूहिक रूप से, यह संभावना उत्पन्न होती है कि स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के किसी उचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं, महत्वपूर्ण होता है। हम (i) अपने लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में किसी भी अभिचिह्नित गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक महत्व और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम शासन का उत्तरदायित्व दिए गए सभी व्यक्तियों को, अन्य मामलों के साथ-साथ, योजनाबद्ध कार्यक्षेत्र और लेखापरीक्षा की अवधि और आंतरिक नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण खामियों जिनकी हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचान करते हैं सहित, महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा संबंधी निष्कर्षों की सूचना देते हैं।

हम उन व्यक्तियों जिन्हें शासन का दायित्व दिया गया है, को ऐसा कथन भी उपलब्ध कराते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में संबंधित नैतिक अपेक्षाओं का पालन किया है और उन्हें सभी संबंधों और अन्य मामलों जिनके बारे में उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर प्रभाव पड़ने के बारे में सोचा जा सकता हो और जहां भी लागू हो, उससे संबंधित सुरक्षात्मक उपायों की भी सूचना देते हैं।

उन व्यक्तियों जिन्हें शासन का दायित्व दिया गया है, को सूचित किए गए मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि की स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सर्वाधिक महत्व रखते थे और इस कारण से पूरी लेखापरीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मामले होते हैं। हम इन मामलों का उल्लेख अपनी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में करते हैं, यदि कानून अथवा विनियमन उस मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से प्रकटीकरण करने पर रोक लगाता हो अथवा जब अत्यधिक असाधारण परिस्थितियों में हम यह निर्धारण करते हैं कि इस मामले की सूचना अपनी रिपोर्ट में नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने का प्रतिकूल परिणाम इस प्रकार की सूचना के सार्वजनिक हित से संबंधित लाभों पर उचित रूप से और अधिक झुकाव होने की आशा होगी।

अन्य विधिक और नियामक अपेक्षाओं के संबंध में रिपोर्ट

- अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") की आवश्यकता के अनुसार, हमने आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक बयान अनुलग्नक-क में प्रस्तुत किया है।

2. कंपनी द्वारा हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के आधार पर, हमने अधिनियम की धारा 143(5) के संदर्भ में भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा जारी निर्देशों/उप-निर्देशों पर **अनुलग्नक-ख** के रूप में अपनी रिपोर्ट संलग्न की है।
3. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा यथा अपेक्षित, हम सूचित करते हैं कि:
 - क) हमने उन समस्त जानकारीयों और स्पष्टीकरणों को प्राप्त कर लिया है, जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार उपर्युक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं।
 - ख) हमारी राय में, विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियों का रखरखाव कंपनी द्वारा किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा की गई उन बहियों की जांच और अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट से प्रतीत होता है।
 - ग) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलनपत्र, लाभ और हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित) इकिटी और नकद प्रवाह का विवरण में परिवर्तन के विवरण, जिन पर इस रिपोर्ट में विचार किया गया है, वे लेखा बहियों से मेल खाते हैं।
 - घ) हमारी राय में, उपर्युक्त स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन वित्तीय विवरण, कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 यथा संशोधित के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का पालन करते हैं।
 - च) कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 463(ई) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार, निदेशकों की अयोग्यता के संबंध में अधिनियम की धारा 164(2), कंपनी पर लागू नहीं है, क्योंकि यह एक सरकारी कंपनी है।
 - छ) कंपनी के स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के संबंध में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, **“अनुलग्नक-ग”** में हमारी पृथक रिपोर्ट देखें;
 - ज) कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 463(ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, अधिनियम की धारा 197 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं, चूंकि यह एक सरकारी कंपनी है।
 - झ) यथा संशोधित कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार:
 - (i) कंपनी ने अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में अपनी स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन वित्तीय विवरणों में, अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव को प्रकट किया है - स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 42 के संदर्भ में;
 - (ii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के पास व्युत्पन्न अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं है, जिसमें कोई महत्वपूर्ण पूर्वानुमान योग्य हानि हों;
 - (iii) कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में, हस्तांतरित किए जाने के लिए अपेक्षित अंतरण राशियों में कोई विलंब नहीं हुआ है।

- (iv) क) प्रबंधन ने उल्लेख (टिप्पणी संख्या 10.5 देखें) किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं (मध्यवर्तियों) सहित किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को इस समझ, चाहे लिखित रूप में लेखबद्ध किया गया हो या अन्यथा, के साथ कि मध्यवर्ती, कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से अभिचिह्नित किसी व्यक्ति या संस्था को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ऋण देगा या में निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा, किसी भी निधि (जो एकल या सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हो) का अग्रिम या ऋण या निवेश (उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार की निधि से) नहीं किया गया है;
- ख) प्रबंधन ने उल्लेख (टिप्पणी संख्या 10.5 देखें) किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं (“वित्तपोषक पक्षकार”) सहित किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से इस समझ, चाहे लिखित रूप में लेखबद्ध किया गया हो या अन्यथा, के साथ कि कंपनी, वित्तपोषक पक्षकार (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से अभिचिह्नित किसी व्यक्ति या संस्था को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ऋण देगा या में निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा, किसी भी निधि (जो एकल या सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हो) प्राप्त नहीं की गई है;
- ग) लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं, जिन्हें परिस्थितियों के अनुसार संगत और उपयुक्त माना गया है, के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिसने हमें यह विश्वास दिलाया हो कि कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 (ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत यथासंशोधित और उपरोक्त (क) और (ख) के तहत उपलब्ध कराए गए अभ्यावेदनों में कोई भी महत्वपूर्ण गलत विवरण शामिल है।
- (v) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया लाभांश कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 123 के अनुपालन में हैं
- (vi) हमारी जांच के आधार पर जिसमें परीक्षण जांच भी शामिल है, कंपनी ने अपने खाता बही को बनाए रखने के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा को रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेन-देन के लिए पूरे वर्ष संचालित होता है। इसके अलावा, हमारी लेखापरीक्षा के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल फीचर के साथ छेड़छाड़ का कोई उदाहरण नहीं मिला है।

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
आईसीआईएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTK6157

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 8 मई 2025

मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.
सनदी लेखाकार,
आईसीआईएआई फर्म पंजीकरण: 000235N/N500089

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMLQC4247



स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक-क

(31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर आरईसी लिमिटेड को उसी तिथि की स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 1 में संदर्भित)

हमारी सर्वोत्तम जानकारी और कंपनी द्वारा हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों तथा सामान्य लेखापरीक्षा में हमारे द्वारा जांची गई लेखा बहियों और अभिलेखों के अनुसार, हम उल्लेख करते हैं कि:

- i. कंपनी की परिसंपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर, संपत्ति के उपयोग का अधिकार और अमूर्त परिसंपत्तियों के संबंध में:
 - (क) (i) कंपनी के पास उचित रिकॉर्ड है जिसमें संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर के मात्रात्मक विवरण और स्थिति तथा उपयोग योग्य परिसंपत्ति के संबंधित विवरण सहित पूर्ण विवरण दिए गए हैं।
 - (ii) कंपनी ने अमूर्त परिसंपत्ति का पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित अभिलेख बनाए रखे हैं।
 - (ख) कंपनी का संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर के भौतिक सत्यापन का एक कार्यक्रम है ताकि सभी परिसंपत्तियों को चरणबद्ध तरीके से कवर किया जा सके, जो हमारी राय में, कंपनी के आकार और इसकी संपत्ति की प्रकृति के संबंध में तर्कसंगत है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस तरह के सत्यापन में कोई महत्वपूर्ण विसंगतियां नहीं पाई गई।
 - (ग) कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि निम्नलिखित को छोड़कर, संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर के अंतर्गत शामिल वित्तीय विवरण में यथा-प्रकट सभी अचल संपत्तियों (ऐसी संपत्तियों के अलावा जहां कंपनी पट्टेदार है और पट्टा करारों को पट्टेदार के पक्ष में विधिवत निष्पादित किया गया है) के स्वामित्व विलेख कंपनी के नाम पर रखे गए हैं।

(₹ करोड़ में)

संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य	जिसके नाम पर धारित है	प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कार्मिक	जिस अवधि से धारित है	कंपनी के नाम पर न होने का कारण
भवन	4.59	शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के अधीन भूमि एवं विकास अधिकारी	नहीं	1990	भूमि एवं विकास अधिकारी से लंबित औपचारिकताओं के कारण स्कोप (केंद्र सरकार का परिसर) में कंपनी को आबंटित कार्यालय भवन कंपनी के नाम से पंजीकृत नहीं है।

- (घ) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर (उपयोग के अधिकार सहित) और अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।
- (ङ) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, वर्ष के दौरान 31 मार्च, 2025 तक कंपनी के विरुद्ध बेनामी संव्यवहार (प्रतिषेध) अधिनियम, 1988 (वर्ष 2016 में संशोधित) और इसके अधीन बनाए गए नियम के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित नहीं है।
- ii. (क) कंपनी की कोई इन्वेंट्री नहीं है और इसलिए आदेश के खंड 3 (ii) (क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
 - (ख) हमें सूचित किया गया है कि कंपनी को वर्ष के दौरान बैंकों या वित्तीय संस्थान से कुल मिलाकर पांच करोड़ रुपये से अधिक की अप्रतिभूत कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत की गई है। चूंकि, सीमाओं को अप्रतिभूत के रूप में स्वीकृत किया गया है, आदेश के खंड 3(ii)(ख) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- iii. वर्ष के दौरान कंपनी ने, कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता साझेदारी फर्मों या किसी अन्य पक्षकार में/को प्रतिभूत/प्रतिभूत, निवेश किया है, गारंटी प्रदान की है और ऋण की प्रकृति में ऋण/अग्रिम प्रदान किया है। इस संबंध में हम निम्नानुसार रिपोर्ट करते हैं:
 - (क) कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ एक पंजीकृत एनबीएफसी है, जिसका मुख्य व्यवसाय ऋण देना है, इसलिए आदेश का खंड 3 (iii) (क) लागू नहीं है।
 - (ख) हमारी राय में, वर्ष के दौरान किए गए निवेश, प्रदान की गई गारंटी तथा ऋण और गारंटी की प्रकृति में प्रदान किए गए सभी ऋणों और अग्रिमों की निबंधन और शर्तें, प्रथम दृष्टया, कंपनी के हितों के प्रतिकूल नहीं हैं।
 - (ग) एक पंजीकृत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) होने के नाते, कंपनी मूलधन और ब्याज की चुकौती के लिए निर्धारित निबंधनों और शर्तों पर अपने ऋण की अदायगी करती है। ऋणग्रस्त परिसंपत्तियों को छोड़कर, ऋण परिसंपत्तियों के संबंध में, मूलधन की चुकौती और ब्याज की प्राप्ति आमतौर पर नियमानुसार नियमित हैं।
 - (घ) ऋणों की प्रकृति में ऋणों और अग्रिमों के संबंध में, 90 दिनों से अधिक के लिए अतिदेय कुल राशि इस प्रकार है। कंपनी अपनी निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार मूलधन और ब्याज की वसूली के लिए जो कदम उठाती है, जो हमारी राय में उचित है।

(₹ करोड़ में)

मामलों की संख्या	अतिदेय मूल राशि	अतिदेय ब्याज*	कुल अतिदेय	टिप्पणी (यदि कोई हो)
12	4,525.06	15,207.46	19,732.52	-

- (ङ) आदेश के खंड 3 (iii) (घ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है, क्योंकि कंपनी का मुख्य व्यवसाय के लिए ऋण प्रदान करना है।
- (च) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने लेखापरीक्षा के अधीन वर्ष के दौरान ऋण की प्रकृति में कोई भी ऋण या अग्रिम, मांग पर चुकाने योग्य या किसी भी शर्तों या चुकौती की अवधि को निर्दिष्ट किए बिना प्रदान नहीं किया है। इसलिए, खंड 3(iii) (घ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- iv. हमारी राय में और अधिनियम की धारा 185 के उपबंधों के संबंध में हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने धारा 185 के तहत कोई ऋण या गारंटी प्रदान नहीं की है।

इसके अतिरिक्त, हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी, एक एनबीएफसी होने के नाते, अधिनियम की धारा 186 के उपबंधों तथा ऋण और गारंटी के संबंध में संगत नियमों से छूट प्राप्त है। निवेश के संबंध में, कंपनी ने अधिनियम की धारा 186(1) के उपबंधों का अनुपालन किया है।
- v. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किया है, जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 से 76 के उपबंध या के अन्य प्रासंगिक उपबंध और इसके तहत बनाए गए नियम लागू होते हैं।
- vi. एक एनबीएफसी कंपनी होने के नाते, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट कंपनी (लागत अभिलेख और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 के तहत लागत अभिलेख बनाए रखने के संबंध में आदेश का खंड 3 (vi) लागू नहीं होता है।

- vii. (क) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों की जांच के आधार पर, कंपनी आमतौर पर भविष्य निधि, कर्मिक राज्य बीमा, आयकर, माल और सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, बिक्री कर, सेवा कर, उपकर और अन्य लागू वैधानिक बकाया सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया को उचित प्राधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा करती रही है।

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, माल और सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, बिक्री कर, सेवा कर, उपकर और अन्य भौतिक वैधानिक बकाया के संबंध में कोई भी अविवादित राशि 31 मार्च, 2025 तक देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया नहीं थी।

- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, तथा हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों की जांच के आधार पर, 31 मार्च 2025 तक आयकर, माल और सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर और उपकर की बकाया राशि, जो किसी विवाद के कारण जमा नहीं की गई है, वे इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

संवधि का नाम	देय राशि की प्रकृति	विवादित राशि	समायोजित भुगतान की गई राशि / धनवापसी	अदत्त निवल राशि	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम, जिसमें विवाद लंबित है
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	0.30	0.30	-	2007-08	दिल्ली उच्च न्यायालय
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	0.83	0.83	-	2011-12	दिल्ली उच्च न्यायालय
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	0.76	-	0.76	2016-17	सीआईटी (ए), एनएफएसी दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	87.68	87.68	-	2017-18	आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	4.01	-	4.01	2017-18	सीआईटी (ए), एनएफएसी दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	75.44	35.51	39.93	2018-19	आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	20.13	20.13	-	2019-20	आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	1.66	1.66	-	2020-21	आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	15.06	-	15.06	2021-22	सीआईटी (ए), एनएफएसी दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर और ब्याज	3.06	-	3.06	2022-23	सीआईटी (ए), एनएफएसी दिल्ली
आयकर अधिनियम, 1961	टीडीएस	0.01	-	0.01	कई वर्षों	सीपीसी, टीडीएस (ट्रेसेज के अनुसार)
वस्तु और सेवा कर अधिनियम 2017	वस्तु और सेवा कर का भुगतान	17.89	17.89	-	2017-18	विशेष आयुक्त (अपील), सीजीएसटी दिल्ली अपील
वस्तु और सेवा कर अधिनियम 2017	वस्तु और सेवा कर का भुगतान	0.01	-	0.01	2017-18	आयुक्त (अपील), एसजीएसटी दिल्ली अपील
वस्तु और सेवा कर अधिनियम 2017	वस्तु और सेवा कर का भुगतान	2.79	0.14	2.65	2019-20	आयुक्त (अपील), डीजीएसटी दिल्ली अपील
वस्तु और सेवा कर अधिनियम 2017	वस्तु और सेवा कर का भुगतान	0.02	-	0.02	2020-21	अपील दायर नहीं की गई*
कुल		229.65	164.14	65.51		

* कंपनी को वित्तीय वर्ष 2020-21 से संबंधित सीजीएसटी/डीजीएसटी/आईजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 73 के अंतर्गत दिनांक 23 फरवरी, 2025 को एक माँग आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें सहायक आयुक्त ने ₹0.02 लाख की माँग की है। उक्त अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, अपील दायर करने की निर्धारित समय-सीमा आदेश की तिथि से 90 दिन है। चूंकि उक्त समय-सीमा अभी समाप्त नहीं हुई है और प्रबंधन ने पुष्टि की है कि वे वैधानिक समय-सीमा के भीतर अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं, इसलिए उक्त राशि को विवादित देयता के रूप में वर्गीकृत किया गया है और तदनुसार उपरोक्त तालिका में इसका खुलासा किया गया है।

- viii. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पित या प्रकट की गई विगत अलेखबद्ध आय के संबंध में कोई लेन-देन नहीं था।

- ix. (क) हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण तथा लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर हमारा यह अभिमत है कि कंपनी ने ऋण अथवा अन्य उधारियों की चुकौती अथवा किसी उधारदाता को उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।

- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या किसी अन्य ऋणदाता द्वारा सुविचारित चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

- (ग) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, सावधि ऋण उसी उद्देश्य के लिए प्रयोग किए गए थे जिसके लिए ऋण प्राप्त किए गए थे।

- (घ) हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार एवं हमारे द्वारा की गई प्रक्रियाओं तथा कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के आधार पर, अल्पावधि आधार पर जुटाई गई निधियों का उपयोग वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा समग्र आधार पर दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया है।



- (ड) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी संस्था या व्यक्ति से कोई निधि प्राप्त नहीं की है।
- (च) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में धारित प्रतिभूतियों के रेहन पर कोई ऋण नहीं जुटाया है।
- x. (क) कंपनी ने वर्ष के दौरान आरंभिक सार्वजनिक पेशकश या अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से कोई निधि नहीं जुटाई है। हमें सूचित किया गया है और हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर हमारा यह मत है कि कंपनी द्वारा ऋण लिखतों के माध्यम से जुटाई गई राशि का उपयोग उन उद्देश्यों के लिए किया गया है जिनके लिए इसे जुटाया गया है।
- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के अभिलेखों की हमारे द्वारा की गई जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या पूर्ण या आंशिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र का कोई अधिमाम्य आबंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है।
- xi. हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और कंपनी द्वारा हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरण और लेखापरीक्षा के सामान्य पाठ्यक्रम में हमारे द्वारा जांच की गई खाता बही और रिकॉर्ड के अनुसार, हम कहते हैं कि:
- (क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा या कंपनी पर कोई धोखाधड़ी नहीं पाई गई है।
- (ख) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत कोई रिपोर्ट लेखापरीक्षकों द्वारा केंद्र सरकार के साथ कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत निर्धारित फॉर्म एडीटी-4 में दायर नहीं की गई है।
- (ग) जैसा कि हमें सूचित किया गया है कि वर्ष के दौरान कंपनी को किसी व्हिसल ब्लोअर (सूचना प्रदाता) से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
- xii. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3 (xii) (क) से (ग) कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
- xiii. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के अभिलेखों की हमारे द्वारा की गई जांच के आधार पर, संबंधित पक्षकारों के साथ संव्यवहार, अधिनियम की धारा 177 और 188, जहां लागू हो, के अनुपालन में हैं और स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण आदि में लागू लेखांकन मानकों द्वारा यथा-अपेक्षित आवश्यक प्रकटीकरण किए गए हैं।
- xiv. (क) हमारी राय में कंपनी में व्यापक तौर पर अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली मौजूद है।
- (ख) हमने अपनी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा का निर्धारण करने में, वर्ष के दौरान और इस तारीख तक, कंपनी को लेखापरीक्षा के अधीन वर्ष के लिए जारी की गई आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर विचार किया है।
- xv. हमारी राय में वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या अपने निदेशकों से जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकदी संव्यवहार नहीं किया है, इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के उपबंध, कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
- xvi. (क) हमें सूचित किया गया है कि कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45- आईए के तहत एक गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के रूप में पंजीकृत है। कंपनी को जारी पंजीकरण संख्या 14.000011 है।
- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक से वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र के बिना कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय या आवासन वित्त गतिविधियों का संचालन नहीं किया है।
- (ग) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है, जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों में परिभाषित किया गया है, इसलिए आदेश के खंड 3 (xvi) (ग) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।
- (घ) हमारी राय में, समूह में कोई मुख्य निवेश कंपनी (जैसा कि कोर निवेश कंपनियां (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 में परिभाषित किया गया है) शामिल नहीं है और तदनुसार आदेश के खंड 3 (xvi) (घ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।
- xvii. कंपनी को हमारी लेखापरीक्षा द्वारा कवर किए गए वित्तीय वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान नकद हानि नहीं हुई है।
- xviii. वर्ष के दौरान कंपनी के किसी सांविधिक लेखापरीक्षक ने त्यागपत्र नहीं दिया है।
- xix. वित्तीय अनुपात, वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति और वित्तीय देनदारियों के भुगतान की पुरानी तथा अपेक्षित तिथियों, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी तथा निदेशक मण्डल एवं प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी के आधार पर और पूर्वानुमानों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की हमारे द्वारा की गई जांच के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें यह विश्वास हो कि लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख को कोई ऐसी महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद है, जो यह दर्शाती है कि कंपनी तुलनपत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर तुलनपत्र में मौजूद अपनी देनदारियों, जब वे देय हों, को पूरा करने में सक्षम नहीं है।
- हालांकि, हम उल्लेख करते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम यह भी उल्लेख करते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो ऐसी कोई गारंटी देते हैं और न ही ऐसा कोई आश्वासन देते हैं कि तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देनदारियों, जब वे देय होती हैं, को कंपनी द्वारा अदा कर दिया जाएगा।
- xx. हमें सूचित किया गया है कि चल रही परियोजनाओं या चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई अव्ययित राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xx) (क) और (ख) के तहत रिपोर्टिंग वर्ष के लिए लागू नहीं है।
- xxi. आदेश का खंड 3 (xxi) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर लागू नहीं है, इसलिए कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTK6157

मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.
सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 000235N/N500089

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMMLQC4247

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 8 मई 2025

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक-ख

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के लेखाओं पर हमारी उसी दिनांक की रिपोर्ट के खंड 'अन्य विधिक और नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट' के अंतर्गत पैराग्राफ 2 के संदर्भ में।

अनुलग्नक-1

क्र. सं.	दिशा-निर्देश	कृत कार्यवाई	स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर प्रभाव
1.	क्या कंपनी में आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेन-देनों की प्रक्रिया करने के लिए कोई प्रणाली है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव सहित लेखाओं की सत्यनिष्ठा पर आईटी प्रणाली से बाहर लेखांकन लेन-देनों की प्रक्रियाओं के प्रभाव बताए जाएं।	आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेन-देन को संसाधित करने के लिए कंपनी के पास ऑडिट ट्रेल सुविधा सहित ओरेकल ईआरपी आर12 संस्करण है। विभिन्न कार्यालयों में संगठन का सारा लेखा-जोखा केंद्रीकृत ईआरपी प्रणाली के माध्यम से किया जाता है।	स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं है।
2.	क्या ऋण का पुनर्भुगतान करने में कंपनी की असमर्थता के कारण कंपनी को उधारदाता द्वारा दिए गए मौजूदा ऋण/ब्याज की छूट/बट्टे खाते में डालने के मामलों का कोई पुनर्निर्धारण है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव बताया जाए। क्या ऐसे मामलों का ठीक से लेखाबद्ध किया जाता है? (अगर, ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो क्या यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षक के लिए भी लागू होता है)।	ऐसा कोई मामला नहीं था और कंपनी लगातार अपने ऋण तथा उधार के दायित्वों को पूरा करती आ रही है।	स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं है।
3.	क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों (अनुदान/ सब्सिडी आदि) का समुचित रूप से हिसाब रखा गया था/निबंधन एवं शर्तों के अनुसार उसका उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	कंपनी को केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए कोई निधि (अनुदान/सब्सिडी) नहीं मिली है। हालाँकि, कंपनी को संबंधित योजनाओं के तहत विभिन्न एजेंसियों को आगे संवितरण के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत केंद्र सरकार से निधि प्राप्त होती है।	स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं है।

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTK6157

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 8 मई 2025

मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.
सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 000235N/N500089

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMLQC4247



अनुलग्नक-II

अनुपालन प्रमाण पत्र

हमने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा जारी निर्देशों/उप निर्देशों के अनुसार हमने **आरईसी लिमिटेड** के वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की और प्रमाणित किया कि हमने जारी किए गए सभी निर्देशों/उप-निर्देशों का अनुपालन किया है।

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी

सनदी लेखाकार,

आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान

भागीदार

सदस्यता संख्या: 167453

यूडीआईएन: 25167453BMLKTK6157

मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.

सनदी लेखाकार,

आईसीएआई फर्म पंजीकरण:000235N/N500089

अभिनव खोसला

भागीदार

सदस्यता संख्या: 087010

यूडीआईएन: 25087010BMMLQC4247

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 8 मई 2025

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक-ग

अधिनियम 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने वर्ष समाप्ति की तिथि के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर की गई हमारी लेखापरीक्षा के संयोजन में 31 मार्च, 2025 के अनुसार आरईसी लिमिटेड कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

कंपनी का प्रबंधन, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के संबंध में दिशानिर्देश टिप्पणी में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य अंगभूतों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों से संबंधित आंतरिक नियंत्रण के आधार पर, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्थापना करने एवं उनका रखरखाव करने के लिए उत्तरदायी है। इन उत्तरदायित्वों में, ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्प, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो इसके व्यवसाय का सुव्यवस्थित और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालन कर रहे थे। इसमें, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा अपेक्षित कंपनी की नीतियों का अनुपालन करना, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा करना, धोखाधड़ियों एवं त्रुटियों का पता लगाना एवं उनका निवारण करना, लेखांकन अभिलेखों पर निवलता और संपूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी को समय पर तैयार करना शामिल है।

लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व, हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक अभिमत व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्ग-निर्देशन टिप्पणी ("मार्ग-निर्देशन टिप्पणी") तथा आईसीएआई द्वारा जारी और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित समझे गए लेखापरीक्षा पर मानकों के अनुसार, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लागू सीमा तक, जो आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा में दोनों के लिए लागू है तथा, दोनों को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किया गया है, क्रियान्वित की है। इन मानकों और मार्ग-दर्शन टिप्पणी में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं और योजना का अनुपालन करें तथा लेखापरीक्षा का निष्पादन करें ताकि वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को स्थापित एवं अनुरक्षित किया गया था तथा यदि ऐसे नियंत्रणों को सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में प्रभावी ढंग में प्रचालित किया गया, के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त किया जा सके।

हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और उनकी प्रचालन प्रभावकारिता के संबंध में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादन प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की वचनबद्धता प्राप्त करना, ऐसे जोखिम का मूल्यांकन करना जिसमें कोई महत्वपूर्ण कमजोरी मौजूद हो, तथा मूल्यांकित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण के अभिकल्प और प्रचालन प्रभावकारिता का परीक्षण एवं मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित क्रियाविधियां लेखापरीक्षक के निर्णय पर आधारित हैं, जिसमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथन, वह चाहे कपटवश हो या भूलवश हो, के जोखिमों का मूल्यांकन शामिल है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य, वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखापरीक्षा अभिमत के लिए एक आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्टिंग पर किसी कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, सामान्यतया स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने और वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करने हेतु डिज़ाइन की गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में ऐसी नीतियां और क्रियाविधियां शामिल हैं जोकि:

- (क) ऐसे अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित हैं जो, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेन-देनों और स्वभावों का उपयुक्त ब्योरा, परनिवलता एवं निष्पक्षता प्रदर्शित करती है;
- (ख) उपयुक्त आश्वासन प्रदान करती हैं जो साधारणतया स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की अनुमति हेतु अनिवार्य रूप से अभिलेखबद्ध हैं, तथा जिनकी प्राप्ति और कंपनी के व्ययों को केवल कंपनी के प्रबंधन तथा निदेशकों के प्राधिकारों के अनुसार क्रियान्वित किया जा रहा है; और
- (ग) कंपनी की ऐसी परिसंपत्तियों, जिनसे वित्तीय विवरणों पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, के उपयोग या प्रकृति, अनधिकृत अधिग्रहण का सामयिक पता लगाने अथवा निवारण करने के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करती हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित परिसीमाएं

नियंत्रणों के अनुचित प्रबंधन उल्लंघन या मिलीभगत की संभावना सहित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित परिसीमाओं के कारण, कपटवश या भूलवश महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हुए और उनका पता नहीं लगाया जा सका। साथ ही, भावी अवधियों के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन के प्रक्षेपण ऐसे जोखिम के अधीन हैं जो वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो जाता है, या नीतियों अथवा क्रियाविधियों के अनुपालन का स्तर बढ़ जाता है।

राय

हमारे राय में, कंपनी के सभी वास्तविक पहलुओं को छोड़कर समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग में ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा के संबंध में मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार प्रभावी रूप से प्रचालित हो रहे थे।

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी

सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान

भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTK6157

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 8 मई 2025

मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.

सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 000235N/N500089

अभिनव खोसला

भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMLQC4247



31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
निदेशक मण्डल,
आरईसी लिमिटेड कोर-4,
स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003

- यह रिपोर्ट कंपनी पर लागू सीमा तक उक्त निर्देशों के अध्याय- II के पैरा 3 (क) और 3 (ग) में निर्दिष्ट मामलों पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिसूचना संख्या एनबीएस.पीपीडी.03/66.15.001/ 2016-17 दिनांक 29 सितंबर 2016 को जारी "गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की लेखापरीक्षक रिपोर्ट (रिजर्व बैंक) दिशानिर्देश, 2016" के अनुसार जारी की गई है।
- हमने आरईसी लिमिटेड ("कंपनी") के संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2025 तक स्टैंडअलोन तुलन पत्र, लाभ और हानि का स्टैंडअलोन विवरण और नकदी प्रवाह का स्टैंडअलोन विवरण और इकिटी में परिवर्तन का स्टैंडअलोन विवरण तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है (इसके बाद "स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित)।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

- कंपनी का निदेशक मण्डल भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार, अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानक (इंड एस) सहित, कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक नियम), 2015, संशोधित के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 134 (5) में बताए गए मामलों के लिए कंपनी के इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में वित्तीय स्थिति का उचित और निष्पक्ष दृष्टिकोण देने, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह के लिए जिम्मेदार है इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त और डिज़ाइन रिकॉर्ड का रखरखाव; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिज़ाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो उचित और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और वास्तविक गलत विवरण से मुक्त होते हैं, चाहे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण, भी शामिल है
- प्रबंधन भारतीय रिजर्व बैंक (इसके बाद आरबीआई या बैंक) अधिनियम, 1934 और समय-समय पर संशोधित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों पर लागू अन्य प्रासंगिक आरबीआई परिपत्रों और दिशानिर्देशों के अनुपालन और सभी आवश्यक जानकारी आरबीआई को प्रदान करने के लिए भी जिम्मेदार है।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

- आरबीआई मास्टर परिपत्र ("निर्देश") में समेकित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी लेखापरीक्षक रिपोर्ट (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार, 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की लेखापरीक्षित बुक और रिकॉर्ड तथा कंपनी पर लागू सीमा तक निर्देशों में निर्दिष्ट मामले पर हमारी रिपोर्ट की जांच करना हमारी जिम्मेदारी है।
- हमने अपनी जांच इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी विशेष प्रयोजन के लिए रिपोर्ट या प्रमाणपत्रों पर मार्गदर्शन टिप्पणी (संशोधित 2016) और कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानक के अनुसार आयोजित की है, जो कि इस प्रमाणपत्र के प्रयोजन के लिए लागू है। इस मार्गदर्शन टिप्पणी के लिए आवश्यक है कि हम आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता की नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें।

- हमने गुणवत्ता नियंत्रण मानक (एसक्यूसी) 1, महत्वपूर्ण वित्तीय जानकारी की लेखापरीक्षा और समीक्षा करने वाली फर्मों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण और अन्य आश्वासन और संबंधित सेवा अनुबंधों की प्रासंगिक लागू आवश्यकता का अनुपालन किया है। इसके अलावा हमारी जांच कानूनी या मालिकाना प्रकृति के किसी अन्य भाग और पहलू तक विस्तारित नहीं हुई।

राय

- 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की लेखापरीक्षित बुक और अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि -

क. कंपनी का पंजीकरण भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 45-आईए के तहत दिनांक 10 फरवरी, 1998 को पंजीकरण प्रमाणपत्र सं. 14.000011 के तहत किया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पूर्व के प्रमाणपत्र के एवज में दिनांक 17 सितंबर, 2010 को नया प्रमाणपत्र जारी किया, जिसमें आरईसी को दिनांक 12 फरवरी, 2010 के आरबीआई के परिपत्र सीसी संख्या 168 में निहित अनुदेशों के संदर्भ में इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया। कंपनी का नाम रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड से आरईसी लिमिटेड हो जाने के परिणामस्वरूप, भारतीय रिजर्व बैंक ने आरईसी लिमिटेड के नाम से दिनांक 28 नवंबर, 2018 को पंजीकरण सं. 14.000011 के तहत नया प्रमाणपत्र जारी किया है।

ख. कंपनी, 31 मार्च, 2025 के अनुसार अपनी परिसंपत्ति/आय प्रतिरूप के संदर्भ में ऐसे पंजीकरण को नियमित रूप से धारित करने के पात्र हैं।

ग. कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी पर लागू निवल स्वामित्व वाली निधि की आवश्यकता को पूरा कर रही है, जैसा कि मास्टर निर्देश- भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-स्केल आधारित विनियमन) दिशानिर्देश, 2023 दिनांक 19 अक्टूबर 2023 में निर्धारित किया गया है।

घ. कंपनी के निदेशक मंडल ने 09 मार्च, 2023 को आयोजित अपनी बैठक में, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए किसी सार्वजनिक जमा राशि को स्वीकार न करने के संबंध में एक संकल्प पारित किया है।

ङ. कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कोई सार्वजनिक जमा राशि स्वीकार नहीं की है।

च. वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों को, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 और इसके तहत जारी संबंधित नियमों के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों के मान्य एवं माप सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया गया है। तदनुसार, अपनी ऋण परिसंपत्तियों और उनके वर्गीकरण के प्रावधानीकरण के समक्ष इम्पेयरमेंट भत्ते की गणना के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित कार्यप्रणाली का पालन कर रही है। कंपनी के वित्तीय विवरणों को तैयार करने संबंधी कोई प्रणाली को अपनाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के नियामक अनुपालन को ध्यान में रखते हुए मास्टर निर्देश 2016 के निर्देश के संदर्भ में अशोध और संदिग्ध ऋण के लिए आय मान्यता, लेखांकन मानक, परिसंपत्ति वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण (आईआरएसीपी मानदंड) से संबंधित विवेकपूर्ण मानदंडों

का पालन नहीं कर सकी। फिर भी कंपनी ने भारतीय रिजर्व बैंक की दिनांक 13 मार्च, 2020 की अधिसूचना संख्या डीओआर (एनबीएफसी) सीसी.पीडी.सं.109/22.10.106/2019-20 के तहत इस संबंध में कंपनी के आईआरएसीपी मानदंड और ईसीएल कार्यप्रणाली के बीच प्रावधान में अंतर के पालन के निर्देशों का पालन कर रही है।

- छ. क) हमारी राय में, फॉर्म एनबीएस-7 (डीएनबीएस03) में भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुत रिटर्न में प्रकट किया गया पूंजी पर्याप्तता अनुपात अनंतिम वित्तीय विवरणों के आधार पर उचित प्रकार से प्राप्त हुआ

है और ऐसा अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम सीआरएआर का अनुपालन करता है।

- ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार पूंजीगत निधि, जोखिम परिसंपत्ति/जोखिम ऋण और जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (एनबीएस-7 रिटर्न) के वार्षिक विवरण को कंपनी द्वारा अनंतिम वित्तीय परिणामों के आधार पर 21 अप्रैल, 2025 को जमा कर दिया गया है।

मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी

सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान

भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTK6157

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 8 मई 2025

मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.

सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण:000235N/N500089

अभिनव खोसला

भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMLQC4247



कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6)(ख) के तहत 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों को तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139 (5) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक, अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। यह उनके द्वारा दिनांक 08 मई, 2025 की उनकी संशोधित लेखापरीक्षा रिपोर्ट में व्यक्त है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से अधिनियम की धारा 143 (6) (क) के तहत 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। इस अनुपूरक लेखापरीक्षा को सांविधिक लेखापरीक्षकों के वर्किंग पेपर्स तक पहुंच के बगैर स्वतंत्र रूप से किया गया है और यह मुख्य रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछ-ताछ तथा कुछ लेखाकरण दस्तावेजों की चयनित जांच तक सीमित है।

मेरी अनुपूरक लेखापरीक्षा के आधार पर, मेरी जानकारी में कुछ ऐसा महत्वपूर्ण बिन्दु नहीं आया है जिसके कारण अधिनियम की धारा 143 (6) (ख) के तहत संशोधित सांविधिक लेखापरीक्षक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी या अनुपूरक टिप्पणी की जानी आवश्यक हो।

कृते एवं भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से

तनुजा मित्तल

महानिदेशक लेखापरीक्षा (ऊर्जा)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 25.07.2025

31 मार्च, 2025 तक तुलन पत्र

		(₹ करोड़ में)		
क्र.सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	परिसंपत्तियां			
(1)	वित्तीय परिसंपत्तियां			
(क)	नकदी एवं नकदी के समतुल्य	6	54.69	46.26
(ख)	उपरोक्त (क) के अलावा अन्य बैंक शेष	7	1,695.15	2,452.44
(ग)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	8	17,432.18	12,482.02
(घ)	प्राप्य	9		
	- ट्रेड प्राप्य		-	-
	- अन्य प्राप्य		1.99	2.78
(ङ)	ऋण	10	5,59,088.08	4,99,192.05
(च)	निवेश	11	6,641.62	5,320.31
(छ)	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	12	24,603.68	24,421.74
	कुल-वित्तीय परिसंपत्तियां (1)		6,09,517.39	5,43,917.60
(2)	गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां			
(क)	चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)	13	398.98	294.42
(ख)	आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	14	2,852.75	2,485.46
(ग)	निवेश परिसंपत्ति	15	48.24	-
(घ)	संपत्तियां, संयंत्र एवं उपस्कर	16	578.16	630.21
(ङ)	पूँजीगत चालू- कार्य	16	76.01	23.59
(च)	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां	16	1.84	0.52
(छ)	अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां	17	82.10	88.54
	कुल - गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां (2)		4,038.08	3,522.74
(3)	बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियां	18	0.01	0.05
	कुल परिसंपत्तियां (1+2+3)		6,13,555.48	5,47,440.39
	देयताएं और इकिटी			
	देयताएं			
(1)	वित्तीय देयताएं			
(क)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	8	1,670.06	759.70
(ख)	प्राप्य	19		
	ट्रेड प्राप्य			
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया		0.12	0.16
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य ऋणदाताओं का कुल बकाया		10.68	7.23
	अन्य प्राप्य			
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया		6.52	2.83
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य ऋणदाताओं का कुल बकाया		17.28	8.69
(ग)	ऋण प्रतिभूतियां	20	2,92,474.93	2,66,109.92
(घ)	उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	21	1,94,300.16	1,72,092.05
(ङ)	अधीनस्थ देयताएं	22	9,514.16	7,412.21
(च)	अन्य वित्तीय देयताएं	23	37,524.66	31,821.75
	कुल-वित्तीय देयताएं (1)		5,35,518.57	4,78,214.54
(2)	गैर-वित्तीय देयताएं			
(क)	चालू कर देयताएं (निवल)	24	-	66.51
(ख)	प्रावधान	25	136.79	136.57
(ग)	अन्य गैर-वित्तीय देयताएं	26	262.15	239.62
	कुल - गैर-वित्तीय देयताएं (2)		398.94	442.70
(3)	इकिटी			
(क)	इकिटी शेयर पूंजी	27	2,633.22	2,633.22
(ख)	इन्स्ट्रुमेंट्स पूर्णतया इकिटी प्रकृति के हैं	28	558.40	558.40
(ग)	अन्य इकिटी	29	74,446.35	65,591.53
	कुल - इकिटी (3)		77,637.97	68,783.15
	कुल - देयताएं और इकिटी (1+2+3)		6,13,555.48	5,47,440.39
	कंपनी सिंहावलोकन और आवश्यक लेखांकन नीतियां	1 से 5		

संलग्न टिप्पणी 1 से 72 स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण का अभिन्न अंग हैं।

x

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जीतेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
	प्रचालनों से राजस्व			
(i)	ब्याज आय	30	55,070.11	46,410.11
(ii)	लाभांश आय	31	99.05	25.68
(iii)	शुल्क एवं कमीशन आय	32	393.74	236.03
(iv)	उचित मूल्य परिवर्तन पर निवल लाभ/(हानि)	37	348.22	474.48
I.	प्रचालनों से कुल राजस्व (i से v)		55,911.12	47,146.30
II.	अन्य आय	33	68.50	67.85
III.	कुल आय (I+II)		55,979.62	47,214.15
	व्यय			
(i)	वित्तीय लागत	34	34,134.98	29,949.27
(ii)	निवल अंतरण/लेन-देन विनिमय हानि	35	208.15	166.57
(iii)	शुल्क एवं कमीशन व्यय	36	13.66	24.26
(iv)	वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स संबंधी इम्पेयरमेंट	38	1,019.41	(1,358.39)
(v)	कार्मिक हितलाभ व्यय	39	244.80	214.01
(vi)	मूल्यहास एवं परिशोधन	40	24.39	23.72
(vii)	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यय	41	288.48	249.86
(viii)	अन्य व्यय	42	185.97	164.21
IV.	कुल व्यय (i से viii)		36,119.84	29,433.51
V.	कर पूर्व लाभ (III-IV)		19,859.78	17,780.64
VI.	कर व्यय	43		
(i)	वर्तमान कर			
-	चालू वर्ष		4,011.49	3,293.00
-	पूर्व वर्ष		0.05	2.09
(ii)	आस्थगित कर		135.03	466.34
	कुल कर व्यय (i+ii)		4,146.57	3,761.43
VII.	अवधि के लिए लाभ (V-VI)		15,713.21	14,019.21
	अन्य व्यापक आय/(हानि)			
(i)	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
(क)	परिभाषित हितलाभ योजनाओं संबंधी पुनःमापन लाभ/(हानि)		0.76	(0.99)
-	उपरोक्त पर कर प्रभाव		(0.19)	0.25
(ख)	अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इकिटी उपकरणों के उचित मूल्य में परिवर्तन		(23.85)	96.34
-	उपरोक्त पर कर प्रभाव		-	(4.86)
	उप-जोड़ (i)		(23.28)	90.74
(ii)	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत किया जाएगा			
(क)	नकदी प्रवाह हेजेज में हेजिंग उपकरणों पर लाभ और हानि का प्रभावी हिस्सा		1,223.51	(3,269.97)
-	उपरोक्त पर कर प्रभाव		(307.93)	822.99
(ख)	हेजिंग आरक्षित निधि की लागत		(3,219.35)	4,544.19
-	उपरोक्त पर कर प्रभाव		810.25	(1,143.68)
	उप-जोड़ (ii)		(1,493.52)	953.53
VIII.	वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि) (i+ii)		(1,516.80)	1,044.27
IX.	वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (VII+VIII)		14,196.41	15,063.48
X.	प्रत्येक ₹ 10 प्रति इकिटी शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (₹ में)	44		
(1)	जारी प्रचालनों के लिए		59.55	53.11
(2)	बंद प्रचालनों के लिए		-	-
(3)	जारी और बंद प्रचालनों के लिए		59.55	53.11
	कंपनी सिंहावलोकन और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	1 से 5		

संलग्न टिप्पणी 1 से 72 स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं।

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जीतेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं. : 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं. : 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए इकिटी में परिवर्तन का विवरण

क. इकिटी शेयर पूंजी

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
वर्ष के आरंभ में शेष	2,633.22	2,633.22
वर्ष के दौरान इकिटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-
वर्ष के अंत में शेष	2,633.22	2,633.22

विवरण के लिए टिप्पणी 27 देखें

ख. इन्स्ट्रुमेंट्स की प्रकृति पूर्णतया इकिटी है

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
वर्ष के आरंभ में शेष	558.40	558.40
वर्ष के दौरान इकिटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-
वर्ष के अंत में शेष	558.40	558.40

विवरण के लिए टिप्पणी 28 देखें

ग. अन्य इकिटी

आरक्षित निधि एवं अधिशेष											(₹ करोड़ में)
विवरण	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (iii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (iv)(a) के तहत अशोध और संचित ऋणों के लिए आरक्षित निधि	भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45 -आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय	एफवीओसीआई-इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स	हेज नकदी प्रवाह का प्रभावी भाग	हेजिंग रिजर्व की लागत	कुल
31 मार्च 2023 के अनुसार शेष	24,977.89	-	8,025.15	1,577.53	(790.44)	11,978.44	9,930.77	(101.47)	600.05	(1,709.87)	54,488.05
वर्ष के लिए लाभ	-	-	-	-	-	-	14,019.21	-	-	-	14,019.21
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन (करों का निवल)	-	-	-	-	-	-	(0.74)	-	-	-	(0.74)
अन्य व्यापक आय (करों का निवल) के माध्यम से मान्यता	-	-	-	-	-	-	-	91.48	(2,446.98)	3,400.51	1,045.01
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	-	-	-	14,018.47	91.48	(2,446.98)	3,400.51	15,063.48

ग. अन्य इकिटी (जारी..)

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष										कुल
	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (i) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (i) (ii) के तहत अशोध और सदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय	एफवीओसीआई-इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स	हेज नकदी प्रवाह का प्रभावी भाग	हेजिंग रिजर्व की लागत	
प्रतिधारित आय में(से) अंतरण	3,066.94	687.76	2,803.84	-	-	-	(6,558.54)	-	-	-	-
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एफवीओसीआई इकिटी इन्स्ट्रुमेंट (करों का निवला) की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनः वर्गीकरण	-	-	-	-	-	-	48.00	(48.00)	-	-	-
वर्ष के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक मदों पर विदेशी मुद्रा अनुवाद हानि/लाभ	-	-	-	-	(85.73)	-	-	-	-	-	(85.73)
वर्ष के दौरान परिशोधन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	201.03
इन्स्ट्रुमेंट कूपन भुगतान की प्रकृति पूर्णतया इकिटी है (स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स) (करों का निवला)	-	-	-	-	-	-	(33.30)	-	-	-	(33.30)
उप - जोड़	3,066.94	687.76	2,803.84	-	115.30	-	(6,543.84)	(48.00)	-	-	82.00
लाभांश	-	-	-	-	-	-	(4,042.00)	-	-	-	(4,042.00)
उप- जोड़ - स्वामियों के साथ लेन-देन	-	-	-	-	-	-	(4,042.00)	-	-	-	(4,042.00)
31 मार्च 2024 के अनुसार शेष	28,044.83	687.76	10,828.99	1,577.53	(675.14)	11,978.44	13,363.40	(57.99)	(1,846.93)	1,690.64	65,591.53



ग. अन्य इक्विटी (जारी..)
(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष										कुल
	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत असाध्य और संचित विशेष आरक्षित निधि	भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय	एफवीओसीआई-इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स	हेज नकदी प्रवाह का प्रभावी भाग	हेजिंग रिजर्व की लागत	
31 मार्च 2024 के अनुसार शेष	28,044.83	687.76	10,828.99	1,577.53	(675.14)	11,978.44	13,363.40	(57.99)	(1,846.93)	1,690.64	65,591.53
वर्ष के लिए लाभ	-	-	-	-	-	-	15,713.21	-	-	-	15,713.21
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन (करों का निवल)	-	-	-	-	-	-	0.57	-	-	-	0.57
अन्य व्यापक आय (करों का निवल) के माध्यम से मान्यता	-	-	-	-	-	-	-	(23.85)	915.58	(2,409.10)	(1,517.37)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	-	-	-	15,713.78	(23.85)	915.58	(2,409.10)	14,196.41
प्रतिधारित आय में/(से) अंतरण	3,550.57	841.80	3,142.64	-	-	750.00	(8,285.01)	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में/से स्थानांतरित	-	(687.76)	-	-	-	687.76	-	-	-	-	-
एफवीओसीआई इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट (करों का निवल) की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनः वर्गीकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान दीर्घवधिक मौद्रिक मदों संबंधी विदेशी मुद्रा अंतरण हानि / लाभ	-	-	-	-	(120.43)	-	-	-	-	-	(120.43)
वर्ष के दौरान ऋण परिशोधन	-	-	-	-	183.92	-	-	-	-	-	183.92

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष						
	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (iii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (iii) के तहत अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय
इन्स्ट्रुमेंट कूपन भुगतान की प्रकृति पूर्णतया इकिटी है (स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स) (करोड़ का निर्वह)	-	-	-	-	-	-	(33.30)
उप- जोड़	3,550.57	154.04	3,142.64	-	63.49	1,437.76	(8,318.31)
लाभांश	-	-	-	-	-	-	(5,371.78)
उप- जोड़ - स्वामियों के साथ लेन-देन	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2025 के अनुसार शेष	31,595.40	841.80	13,971.63	1,577.53	(611.65)	13,416.20	15,387.09
							(81.84)
							(931.35)
							(718.46)
							(5,371.78)
							74,446.35

आरक्षित निधि से आहरण/अंतरण से संबंधित विवरण के लिए टिप्पणी संख्या 29.1 देखें

संलग्न टिप्पणी 1 से 72 स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण का अभिन्न अंग हैं।

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिवकृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्य बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272जीतेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 06817799कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318Wसौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं. : 167453कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089अधिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं. : 087010

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण

		(₹ करोड़ में)	
क्र. सं.	विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
क.	प्रचालनात्मक क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह:		
	कर पूर्व निवल लाभ	19,859.78	17,780.64
	निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
1.	संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर (निवल) की मान्यता समाप्त करने पर हानि/(लाभ)	7.61	5.56
2.	बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों (निवल) की मान्यता समाप्त करने पर हानि/(लाभ)	(6.03)	(1.32)
3.	मूल्यहास एवं परिशोधन	24.39	23.72
4.	वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर इम्पेयरमेंट संबंधित हानि	1,019.41	(1,358.39)
5.	उचित मूल्य परिवर्तन (निवल) पर हानि/(लाभ)	(346.30)	(471.88)
6.	ऋण परिसंपत्तियों और उधारियों के मामले में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर)	214.60	(34.51)
7.	कमर्शियल पेपर पर ब्याज	-	135.64
8.	जीरो कूपन बॉण्ड पर अर्जित ब्याज	83.14	-
9.	अवास्तविक विदेशी मुद्रा अंतरण हानि/ (लाभ)	(2,131.32)	(993.07)
10.	निवेश पर ब्याज	(36.65)	(42.65)
	प्रचालनात्मक परिसंपत्तियों और देयताओं में परिवर्तन से पूर्व प्रचालनात्मक लाभ /हानि	18,688.63	15,043.74
	निम्नलिखित के कारण अंतर्प्रवाह/(बहिर्प्रवाह):		
1.	ऋण परिसंपत्तियां	(59,996.87)	(75,017.32)
2.	व्युत्पन्न	643.90	(343.67)
3.	अन्य वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां	(568.16)	(1,544.16)
4.	अन्य वित्तीय और गैर-वित्तीय देयताओं और प्रावधान	6,202.86	7,194.23
	प्रचालनों से नकदी प्रवाह	(35,029.65)	(54,667.18)
1.	भुगतान किया गया आयकर (टीडीएस सहित)	(4,152.50)	(3,218.04)
	परिचालन गतिविधियों से निवल नकदी प्रवाह	(39,182.15)	(57,885.22)
(ख)	निवेशात्मक क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह		
1.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री/(खरीद)	(3.96)	0.07
2.	बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों की बिक्री	6.07	1.61
3.	संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर में निवेश (सीडब्ल्यूआईपी और पूंजीगत अग्रिम राशि सहित)	(77.16)	(32.81)
4.	अमूर्त परिसंपत्तियों में निवेश (विकास और पूंजीगत अग्रिम के अंतर्गत अमूर्त परिसंपत्तियों सहित)	(1.61)	-
5.	पूंजीकृत वित्त लागत	(3.02)	(0.53)
6.	इकिटी शेयरों में बिक्री/(निवेश)	-	67.39
7.	उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्तियों (एचक्यूएलए) (निवल) में विमोचन/(निवेश)	(1,418.90)	(997.94)
8.	एचक्यूएलए (निवल) के अलावा अन्य ऋण प्रतिभूतियों में विमोचन/(निवेश)	352.22	(912.98)
	निवेशात्मक क्रियाकलापों से निवल नकदी प्रवाह	(1,146.36)	(1,875.19)
ग.	वित्तीय क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह		
1.	रूपे ऋण प्रतिभूतियां(निवल) का निर्गम / (विमोचन)	30,748.97	27,473.52
2.	कमर्शियल पेपर (निवल) का निर्गम/ (विमोचन)	-	(135.64)
3.	बैंकों/वित्तीय संस्थानों (निवल) से रूपे आवधिक ऋण / डब्ल्यूसीडीएल प्राप्त करना / (पुनर्भुगतान)	(23,558.76)	3,640.02
4.	विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां एवं उधारियां (निवल) प्राप्त करना / (पुनर्भुगतान)	36,501.65	30,921.49
5.	अधीनस्थ देयताएं प्राप्त करना/(विमोचन) (निवल)	1,995.01	590.00
6.	स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स पर कूपन भुगतान पूर्णतया इकिटी प्रकृति के है	(44.50)	(44.50)
7.	इकिटी शेयरों पर लाभांश का भुगतान	(5,608.77)	(2,857.05)
8.	पट्टा देयताओं का पुनर्भुगतान	-	(0.02)
	वित्तीय क्रियाकलापों से निवल नकदी प्रवाह	40,033.60	59,587.82
	नकदी एवं नकदी के समतुल्य में निवल वृद्धि/कमी	(294.91)	(172.59)
	वर्ष के आरंभ में नकदी एवं नकदी के समतुल्य	(221.18)	(48.59)
	वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी के समतुल्य	(516.09)	(221.18)

नकदी प्रवाह का उपरोक्त विवरण भारतीय लेखा मानक 7 'नकदी प्रवाह विवरण' में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधि के तहत तैयार किया गया है।

वर्ष के दौरान, कंपनी को ₹99.05 करोड़ (पिछले वर्ष ₹25.68 करोड़) का लाभांश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, वर्ष के दौरान, कंपनी ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए ₹288.86 करोड़ (पिछले वर्ष ₹247.30 करोड़) की राशि का भुगतान किया है।



वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी के समतुल्य के घटक निम्नलिखित हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- हस्तगत रोकड़ (अग्रदाय सहित)	0.02	0.02
- बैंकों में शेष राशि	26.22	46.24
- अनुसूचित बैंकों में अल्पावधि जमा	28.45	-
- बैंक ओवरड्राफ्ट	(570.78)	(267.44)
कुल नकदी एवं नकदी के समतुल्य	(516.09)	(221.18)

वित्त संबंधी क्रियाकलापों से उत्पन्न होने वाली देयताओं का मिलान

विवरण	प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह (निवल)	उपचित ब्याज में संचलन*	अन्य समायोजन		अंतिम शेष
				विनिमय अंतर	इंडएएस समायोजन	
31-03-2025 को समाप्त वर्ष						
रुपया ऋण प्रतिभूतियां	2,33,262.46	30,748.97	98.38	-	165.77	2,64,275.58
रुपया आवधिक ऋण/ डब्ल्यूसीडीएल /ओवरड्राफ्ट	80,168.38	(23,255.42)	(29.75)	-	-	56,883.21
रुपया आवधिक ऋण/ डब्ल्यूसीडीएल /ओवरड्राफ्ट	1,24,771.13	36,501.65	145.98	4,191.35	6.20	1,65,616.31
अधीनस्थ देयताएं	7,412.21	1,995.01	12.58	-	94.36	9,514.16
कुल	4,45,614.18	45,990.21	227.19	4,191.35	266.33	4,96,289.26
31-03-2024 को समाप्त वर्ष						
रुपया ऋण प्रतिभूतियां	2,04,258.45	27,473.52	1,541.71	-	(11.22)	2,33,262.46
कमर्शियल पेपर	-	(135.64)	-	-	135.64	-
रुपया आवधिक ऋण/ डब्ल्यूसीडीएल /ओवरड्राफ्ट	76,422.96	3,819.87	(74.45)	-	-	80,168.38
विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां	93,381.71	30,921.49	162.66	528.18	(222.91)	1,24,771.13
अधीनस्थ देयताएं	6,773.30	590.00	24.27	-	24.64	7,412.21
कुल	3,80,836.42	62,669.24	1,654.19	528.18	(73.85)	4,45,614.18

* उपचित ब्याज में संचलन को प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह के रूप में "प्रचालन संबंधी देयताओं" में विचार किया गया है।

टिप्पणी: जहां आवश्यक है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से व्यवस्थित किया गया है और उसे फिर से समूह में रखा गया है।

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

लेखा संबंधी टिप्पणियां

1. कंपनी सिंहावलोकन

आरईसी लिमिटेड ("आरईसी" या "कंपनी") की स्थापना वर्ष 1969 में की गई थी। यह कंपनी भारत में अधिवासित है एवं शेयरों द्वारा सीमित है और इसका पंजीकृत कार्यालय एवं व्यवसाय का मुख्य स्थान कोर-4, स्कोप कांफ्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003, भारत में स्थित है। कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के अलावा, लेखा बहियों और वित्तीय विवरणों का रखरखाव प्लॉट संख्या आई-4, सेक्टर-29, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित निगम कार्यालय से किया जाता है। कंपनी के कार्यालय देश भर में, मुख्य रूप से राज्यों की राजधानियों में और हैदराबाद में एक प्रशिक्षण केंद्र स्थित है।

यह कंपनी भारत सरकार का एक उद्यम है जो विद्युत क्षेत्र की मूल्य शृंखला में वित्तीय सहायता प्रदान करने में लगी हुई है तथा यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ व्यवस्थित ढंग में एक महत्वपूर्ण (नॉन-डिपेंडेंट एक्सेटिंग या होल्डिंग) गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) है। एनबीएफसी होने के नाते कंपनी का विनियमन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है।

कंपनी को वित्त मंत्रालय के अंतर्गत लोक उद्यम विभाग द्वारा 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का दर्जा दिया गया है।

आरईसी, भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक अवसंरचना वित्त कंपनी है और आरईसी के प्रमुख उत्पादों में राज्य विद्युत बोर्डों, राज्य विद्युत यूटिलिटीयों/राज्य विद्युत विभागों एवं निजी क्षेत्र को विद्युत अवसंरचना के सभी अंगभूतों के लिए ब्याज-युक्त ऋण प्रदान करना शामिल है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, आरईसी सड़क और एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल, हवाई अड्डे, आईटी संचार, सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना (शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल), बंदरगाह और इस्पात, रिफाइनरी इत्यादि जैसे विभिन्न अन्य क्षेत्रों के संबंध में इलेक्ट्रो-मैकेनिकल (ई एंड एम) कार्यों सहित गैर-विद्युत अवसंरचना क्षेत्र में भी विविधता लाया है।

कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं। इसके अलावा कंपनी की विभिन्न ऋण प्रतिभूतियां भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं।

2. अनुपालन का विवरण और तैयार करने का आधार

ये समेकित वित्तीय विवरण, कंपनी (भारतीय लेखाकरण मानक) नियम, 2015 (यथा संशोधित) के तहत अधिसूचित भारतीय लेखाकरण मानक, कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू उपबंधों और आरबीआई द्वारा जारी किए गए अन्य लागू/दिशानिर्देशों के तहत अधिसूचित इंड एसएस का अनुपालन करते हैं।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों को जारी करने हेतु निदेशक मण्डल द्वारा 08 मई, 2025 को अधिकृत एवं स्वीकृत किया गया।

3. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

समेकित वित्तीय विवरणों के तैयारी में प्रयुक्त महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को नीचे दिया गया है:

3.1 तैयारी और मापन का आधार

समेकित वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर लेखांकन की प्रोन्नत प्रणाली के बाद गोइंग कंसर्न के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें कुछ वित्तीय परिसंपत्तियां एवं वित्तीय देनदारियां शामिल नहीं हैं, जिन्हें संबंधित लेखाकरण नीतियों में यथा स्पष्टीकृत उचित मूल्यों पर मापा जाता है। इन नीतियों को समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए सतत रूप से लागू किया गया है।

कार्यात्मक एवं प्रस्तुत मुद्रा

समेकित वित्तीय विवरणों को भारतीय रुपयों ("आईएनआर"), जो कि समूह की कार्यात्मक मुद्रा भी है, में प्रस्तुत किया जाता है।

3.2 आय मान्यता

ब्याज आय

परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए, ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) का उपयोग करके दर्ज किया जाता है, अर्थात् वह दर जो वित्तीय परिसंपत्तियों के निवल वहन राशि के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों की प्रत्याशित अवधि के माध्यम से भविष्य की नकद प्राप्तियों का अनुमान लगाती है।

लाभ और हानि के जरिए उचित मूल्य पर मापी गई उत्तरवर्ती वित्तीय परिसंपत्तियों पर ब्याज को मान्यता संबंधित अनुबंध की शर्तों के अनुसार उपचित आधार पर दी जाती है और ब्याज आय शीर्षक के अंतर्गत अलग से प्रकट किया जाता है।

जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं किया जाता है, ऋणकर्ताओं से वसूलियों को निम्नलिखित क्रम में विनियोजित किया जाता है : (i) आरईसी की लागत

और खर्च (ii) ब्याज कर, यदि कोई है, सहित विलंबित और दांडिक ब्याज (iii) ब्याज कर, यदि कोई है, सहित अतिदेय ब्याज और (iv) मूलधन का पुनर्भुगतान; क्रेडिट इम्पेयरमेंट ऋण और वापस मांगे गए ऋणों को छोड़कर, सबसे पुराने होने के नाते उन्हें पहले समायोजित किया जा रहा है, जहां मूलधन की राशि को ब्याज कर, यदि कोई है, सहित अन्य लागतों, खर्चों, विलंबित और दांडात्मक ब्याज और अतिदेय ब्याज की पूर्ण वसूली के बाद ही विनियोजित किया जाता है। वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस)/इनसॉल्वेंसी एंड बैकरोप्सी कोड (आईबीसी) की कार्यवाही के तहत वसूली को पहले मूलधन की बकाया राशि और शेष वसूली के मद में विनियोजित किया जाता है, उसके बाद ब्याज और अन्य प्रभारों, यदि कोई हैं के मद में विनियोजित किया जाता है।

विवेक के मामले के रूप में क्रेडिट इम्पेयरमेंट ऋण परिसंपत्तियों पर आय को प्राप्त होने पर या संचय के आधार पर मान्यता दी जाती है जब अपेक्षित वसूली बकाया ऋण राशि से अधिक होती है।

उधारकर्ताओं द्वारा ब्याज के सामयिक भुगतान के कारण छूट को मान्यता, संबंधित अनुबंध की शर्तों के अनुसार, संपूर्ण ब्याज राशि का समय पर प्राप्त होने पर दी जाती है और यह तदनुसूची ब्याज आय के समक्ष निवल आय है।

सरकारी योजनाओं से आय

सरकारी योजनाओं पर एजेंसी शुल्क की आय प्रदान की गई सेवाओं और विद्युत मंत्रालय द्वारा स्वीकृत शुल्क की राशि के आधार पर मान्यता दी जाती है।

लाभांश आय

जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है तो कॉर्पोरेट निकायों और म्यूचुअल फंड की यूनिट्स के शेयरों पर लाभांश से आय को प्रोन्नत के आधार पर ध्यान में रखा जाता है।

बशर्त कि अंतिम लाभांश के मामले में, भुगतान प्राप्त करने के अधिकार को, केवल वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा लाभांश की मंजूरी प्रदान करने पर विचारा जाएगा।

लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर बाद में मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों पर लाभांश को मान्यता 'लाभांश आय' शीर्षक के अंतर्गत अलग से दी जाती है।

निवेश संपत्ति पर किराये से आय

निवेश संपत्ति से किराये की आय को पट्टे की अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर मान्यता दी जाती है।

अन्य सेवाएं

ऋण परिसंपत्तियों पर शुल्क/प्रभारों को, ईआईआर के लिए विचारित किसी समायोजन को छोड़कर, उपचित आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पूर्व-भुगतान प्रीमियम का हिसाब प्राप्ति वर्ष में कंपनी द्वारा किया जाता है।

3.3 उधार लागत

उधार लेने की लागत में ब्याज और ऐसी अन्य लागतें शामिल होती हैं, जिन्हें समूह निधियों की उधारी के संबंध में खर्च करता है। उधार लेने की लागतें, जो एक अर्हकारी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और/या निर्माण के लिए प्रत्यक्ष रूप से तब तक जिम्मेदार हैं जब तक कि ऐसी अर्हकारी परिसंपत्तियों अपने अभीष्ट उपयोग के लिए तैयार नहीं हो जाती, पूंजीकृत होती हैं। एक अर्हकारी परिसंपत्तियों वह है जो आवश्यक रूप से अपने अभीष्ट उपयोग के लिए तैयारी के संबंध में पर्याप्त समय लेती है।

अन्य सभी उधार लागतें, प्रभावी ब्याज दर पद्धति के अनुसार उपचित आधार पर लाभ और हानि के विवरण हेतु प्रभावरित हैं।

3.4 प्रति शेयर अर्जन

प्रति शेयर मूलभूत आय की गणना, अवधि के दौरान बकाया इकिटी शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा इकिटी शेयरधारकों (आरोप्य करों की कटौती के उपरांत) के लिए देय अवधि के संबंध में निवल लाभ या हानि को विभाजित करके की जाती है।

प्रति शेयर डाइल्यूटेड आय की गणना करने के लिए, अवधि के दौरान बकाया शेयरों की भारित औसत संख्या और इकिटी हेतु देय अवधि के लिए निवल लाभ या हानि को सभी घटाने योग्य संभावित इकिटी शेयरों के प्रभावों के लिए समायोजित किया जाता है।

3.5 विदेशी मुद्रा रूपांतरण

विदेशी मुद्रा लेन-देन और संतुलन

विदेशी मुद्रा लेन-देन को, लेन-देन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों का उपयोग करके समूह की कार्यात्मक मुद्रा में रूपांतरित किया जाता है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

इस तरह के लेन-देन के निपटान के फलस्वरूप विदेशी मुद्रा लाभ और हानियों और अवधि-अंत विनिमय दरों पर विदेशी मुद्रा में विभाजित मौद्रिक वस्तुओं के पुनः माप को मान्यता लाभ या हानि विवरण में दी जाती है। हालांकि, 1 अप्रैल 2018 से पूर्व समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यतकृत दीर्घकालिक मौद्रिक मदों के लिए, इस तरह के लाभ और हानि को "विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद अंतरण खाते" में संचित किया जाता है और ऐसी प्रत्येक अवधि में आय या व्यय के रूप में पहचान करने के द्वारा, इस प्रकार की दीर्घकालिक मौद्रिक मद की शेष अवधि में परिशोधित किया जाता है।

गैर-मौद्रिक वस्तुओं को अवधि के अंत में पुनः अंतरित नहीं किया जाता है और उनको ऐतिहासिक लागत (लेन-देन की तिथि को विनिमय दरों के उपयोग द्वारा रूपांतरित) पर मापा जाता है।

3.6 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

मान्यता और प्रारंभिक मापन

भूमि

उपयोग के लिए रखी गई भूमि को प्रारंभ में लागत पर मान्यता दी जाती है। भूमि के लिए, जैसा कि कोई परिमित उपयोगिता अवधि निर्धारित नहीं की जा सकती है, इसलिए संबंधित वहन की राशि को परिशोधित नहीं किया जाता है।

भूमि में वह भूमि भी शामिल है जिसे पट्टा समझौते के तहत उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति माना जाता है, जिसे पहले वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता था और पट्टा अवधि के दौरान उसका परिशोधन किया जाता था।

अन्य मूल परिसंपत्तियां

भूमि के अन्यत्र पीपीई को प्रारंभ में अधिग्रहण लागत या निर्माण लागत पर मान्यता दी जाती है, जिसमें ऐसी लागतें जो परिसंपत्तियों को स्थान पर लाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोप्य हैं और ऐसी शर्तें जो इसे कंपनी के प्रबंधन द्वारा अभीष्ट ढंग में प्रचालन करने में सक्षम हेतु अनिवार्य बनाती हैं, शामिल हैं।

उत्तरवर्ती लागतों को परिसंपत्तियों की वहन राशि शामिल किया जाता है या एक पृथक् परिसंपत्तियों के रूप में, यथा उपयुक्त, केवल उसी समय मान्यता दी जाती है, जब यह संभव है कि मद से जुड़े भावी आर्थिक लाभ एक वर्ष से अधिक कंपनी में प्रवाहित होंगे। पीपीई के अनुरक्षण या सर्विसिंग लागत को हुए लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

उत्तरवर्ती माप (मूल्यहास पद्धति, उपयोगिता अवधि, शेष मूल्य और इम्पेयरमेंट)

पीपीई को बाद में कम संचित मूल्यहास लागत और इम्पेयरमेंट हानियों पर मापा जाता है। पीपीई पर मूल्यहास को, कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II के भाग 'ग' के तहत निर्धारित परिसंपत्तियों के उपयोगी अवधि पर सीधी-रेखा पद्धति के अनुसार प्रदान किया जाता है।

वर्ष के दौरान खरीदी/बेची गई परिसंपत्तियों पर मूल्यहास को परिसंपत्तियों के 15 दिन से अधिक उपयोग होने पर पूरे महीने के लिए प्रभारित किया जाता है। वर्ष के दौरान खरीदी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यहास ₹5,000 / - तक 100% की दर से प्रदान किया जाता है।

शेष मूल्यों, उपयोगी अवधि और मूल्यहास की पद्धति की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है। भूमि के अन्यत्र पीपीई का इम्पेयरमेंट के लिए परीक्षण तब किया जाता है, जब घटनाओं या परिस्थितियों में परिवर्तन से यह इंगित होता है कि वहन राशि वसूली योग्य नहीं हो सकती है।

अमान्यकरण

पीपीई की एक मद तथा प्रारंभ में मान्यता प्राप्त किसी महत्वपूर्ण अंश को निपटान पर या भविष्य में इसके उपयोग या निपटान से कोई आर्थिक लाभ न होने की संभावना पर, अमान्यकृत किया जाता है। पीपीई की किसी मद के अमान्यकरण पर उत्पन्न किसी लाभ या हानि का निर्धारण, निवल निपटान आय और परिसंपत्तियों की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में किया जाता है तथा उसे लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

पूँजीगत कार्य में प्रगति

रिपोर्टिंग तिथि को निर्माणाधीन पीपीई की लागत को 'पूँजीगत कार्य में प्रगति' के रूप में प्रकट किया जाता है। लागत में क्रय मूल्य, पूँजीकरण मानदंड पूर्ण होने पर उधार लागत और परिसंपत्तियों को अभीष्ट उपयोग हेतु इसके कार्यशील स्थिति में लाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोप्य लागत शामिल होती है। व्यापार संबंधी किसी बट्टे एवं छूटों को खरीद मूल्य की प्राप्ति से घटा दिया जाता है। पीपीई के अधिग्रहण/निर्माण के लिए प्रदत्त अग्रिम, जो तुलन-पत्र की तारीख को बकाया हैं, को 'अग्रिम पूँजी' के तहत वर्गीकृत किया गया है।

3.7 निवेश संपत्ति

मान्यता और माप

निवेश संपत्ति वे संपत्तियां हैं जो किराया कमाने और/या पूँजी वृद्धि के लिए रखी जाती हैं।

निवेश संपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, जिसमें लेनदेन लागत भी शामिल है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यहास और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, घटाकर मापा जाता है। कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग 'ग' के तहत निर्धारित अनुसार परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा पद्धति पर मूल्यहास लगाया जाता है।

अमान्यकरण

निवेश संपत्तियों की मान्यता समाप्ति तब होती है जब उनका निपटान कर दिया जाता है या जब उन्हें स्थायी रूप से उपयोग से हटा लिया जाता है और उनके निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं होता है। निवल निपटान आय और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच अंतर को मान्यता समाप्ति की अवधि में लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है।

निवेश संपत्ति में से पुनर्वर्गीकरण

निवेश संपत्ति में (या उससे) हस्तांतरण केवल तभी किया जाता है जब उपयोग में कोई परिवर्तन होता है। निवेश संपत्ति और मालिक द्वारा अधिगृहीत संपत्ति के बीच हस्तांतरण से हस्तांतरित संपत्ति की वहन राशि में कोई परिवर्तन नहीं होता है और वे माप या प्रकटीकरण उद्देश्यों के लिए उस संपत्ति की लागत में कोई परिवर्तन नहीं करते हैं।

उचित मूल्य प्रकटीकरण

निवेश संपत्ति का उचित मूल्य टिप्पणी में प्रकट किया जाता है। उचित मूल्य का निर्धारण एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा किया जाता है, जिसके पास मान्यता प्राप्त और प्रासंगिक व्यावसायिक योग्यता होती है और जिसे मूल्यांकन की जा रही निवेश संपत्ति के प्रासंगिक स्थान और श्रेणी में हालिया अनुभव होता है।

3.8 अमूर्त परिसंपत्तियां

मान्यता और प्रारंभिक मापन

अमूर्त परिसंपत्तियों का आकलन प्रारंभ में लागत पर किया जाता है। जिसे शुरू में लागत पर मापा जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है, जिनमें यह संभावना है कि परिसंपत्तियों के कारण भावी आर्थिक लाभ समूह में प्रवाहित होंगे।

उत्तरवर्ती माप प्रक्रिया (परिशोधन विधि, उपयोगिता अवधि और शेष मूल्य)

परिमित उपयोगिता अवधि के साथ सभी अमूर्त परिसंपत्तियों को अनुमानित उपयोगिता अवधि से परे एक सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है और यदि अमूर्त परिसंपत्तियों को इम्पेयरमेंट होने का संकेत होता है तो संभावित हानि का आकलन किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए शेष मूल्य और उपयोगिता अवधि की समीक्षा की जाती है। परिवर्तन, यदि कोई हो तो, का लेखांकन प्राक्कलनों में परिवर्तन के रूप में हिसाब लगाया जाता है। प्रबंधन का अनुमान है कि अमूर्त परिसंपत्तियों की उपयोगिता अवधि पांच वर्ष होगी।

विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियां

ऐसे व्यय, जो अमूर्त परिसंपत्तियों के तहत पूँजीकरण के लिए पात्र हैं, को उनके अभीष्ट उपयोग हेतु तैयार होने तक 'विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियों' के रूप में रखा जाता है। अमूर्त संपत्ति के अधिग्रहण/विकास के लिए किया गया अग्रिम भुगतान जो तुलन पत्र की तिथि पर बकाया है 'उन्हें अग्रिम पूँजी' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

अमूर्त परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

किसी अमूर्त परिसंपत्तियों को निपटान के समय या उसके उपयोग या निपटान से कोई भावी आर्थिक लाभ न होने की प्रत्याशा पर अमान्यकृत कर दिया जाता है। किसी अमूर्त परिसंपत्तियों के अमान्यकरण से व्युत्पन्न लाभ या हानि, निवल निपटान आय और परिसंपत्तियों की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में मापित को परिसंपत्तियों को अमान्यकृत किए जाने पर लाभ एवं हानि के विवरण को मान्यता दी जाती है।

3.9 पट्टा लेखांकन:

सभी पूर्व परिचालन पट्टों के संबंध में उपयोग-अधिकार परिसंपत्ति और संबंधित पट्टा देयता को मान्यता दी गई है, सिवाय उनके जो अल्पकालिक या कम-मूल्य पट्टे के रूप में पहचाने गए हैं।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

संविदा की शुरुआत के समय ही इस बात का मूल्यांकन किया जाता है कि क्या कोई संविदापट्टा संविदा है या इसमें कोई पट्टा निहित है। किसी पट्टे को 'एक' ऐसी संविदा, या एक संविदा के भाग के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो परिसंपत्तियों (अंतर्निहित परिसंपत्तियों) को विचारण राशि के बदले में अवधि के लिए उपयोग करने का अधिकार प्रदान करता है।

इस परिभाषा को लागू करने के लिए समूह इस बात आकलन करता है कि क्या संविदा मूल्यांकन की तीन प्रमुख शर्तों को पूरा करती है या नहीं, जो कि क्या :

- संविदा में पहचान की गई एक ऐसी परिसंपत्तियों शामिल होती है, जिसे या तो संविदा में स्पष्ट रूप से मान्यता दी जाती है या यह स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाता है कि समूह द्वारा परिसंपत्तियों उपलब्ध कराई गई है।
- समूह को संविदा की निर्धारित सीमा के भीतर अपने अधिकारों पर विचार करते हुए उपयोग की अवधि में पहचान की गई परिसंपत्तियों के उपयोग से सभी आर्थिक लाभ प्राप्त करने का अधिकार है।
- समूह के पास यह अधिकार है कि वह इस्तेमाल की गई अवधि के दौरान पहचानी गई परिसंपत्तियों के उपयोग का निर्देश दे। समूह यह आकलन करता है कि क्या उसे यह निदेशित करने का अधिकार है कि उपयोग की संपूर्ण अवधि के दौरान परिसम्पत्ति का उपयोग "कैसे और किस उद्देश्य के लिए" किया जाता है।

पट्टा शुरू होने की तारीख को समूह अपने तुलन पत्र में राइट-ऑफ-यूज परिसम्पत्ति और पट्टा देयता को मान्यता देता है। राइट-ऑफ-यूज परिसम्पत्ति को उस लागत पर मापा जाता है, जो पट्टे की देयता के प्रारंभिक मापन, समूह द्वारा की गई किसी भी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतों, पट्टे की अवधि के समाप्ति पर परिसंपत्तियों को डिस्मैटल करने और हटाने के लिए किसी भी लागत अनुमान और पट्टा प्रारंभ तिथि (प्राप्त किसी भी प्रोत्साहन का निवल) के अग्रिम तौर पर किए गए किसी भी पट्टा भुगतान से मिलकर बनती है।

समूह पट्टा शुरू होने की तारीख से लेकर राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक या पट्टा अवधि की समाप्ति तक एक सीधी रेखा पद्धति के आधार पर राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्तियों का मूल्यहास करता है। समूह ऐसे संकेतक मौजूद होने पर क्षतिपूर्ति के लिए राइट-ऑफ-यूज परिसम्पत्ति का भी आकलन करता है।

प्रारंभ तिथि को समूह उस तिथि पर पट्टा भुगतानों के वर्तमान मूल्य पर पट्टा देयता का मापन पट्टा में निहित ब्याज दर का उपयोग करके रियायत देते हुए करता है, बशर्ते कि वह दर आसानी से उपलब्ध दर हो या फिर समूह की वृद्धिशील उधार दर हो।

पट्टा देयता के मापन में शामिल पट्टा भुगतान स्थिर भुगतानों (यथार्थ रूप में स्थिर को शामिल करते हुए), किसी सूचकांक या दर के आधार पर परिवर्ती भुगतानों, अवशिष्ट मूल्य गारंटी के तहत देय राशि और ऐसे अपेक्षित विकल्पों, जिनका प्रयोग किया जाना निश्चित है, से उत्पन्न भुगतानों को मिलाकर बनते हैं।

प्रारंभिक मापन के बाद, किए गए और ब्याज के लिए बढ़ाए गए भुगतानों के लिए देयता कम हो जाएगी। किसी भी पुनर्मूल्यांकन या संशोधन को प्रतिबिंबित करने के लिए या मूल रूप से निश्चित भुगतानों में कोई परिवर्तन होते हैं, तो इसे पुनः मापा जाता है।

जब पट्टा देयता को फिर से मापा जाता है, तो संबंधित समायोजन को राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्तियों में और यदि राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्तियों पहले से ही शून्य हो जाती है, तो इसे लाभ और हानि में दर्शाया जाता है।

3.10 बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियां

परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली उनके निरंतर उपयोग की बजाय बिक्री लेन-देन के माध्यम से मुख्य रूप से की जाएगी और अगर उनकी बिक्री की प्रबल संभावना है, तो परिसंपत्तियों का वर्गीकरण बिक्री के लिए रखी गयी परिसंपत्तियों के रूप में किया जाता है। एक बिक्री को प्रबल संभावना तब माना जाता है जब ऐसी परिसंपत्तियों को समूह द्वारा बेचे जाने का निर्णय लिया गया है; अपनी वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हैं; एक कीमत पर बिक्री के लिए सक्रिय रूप से विपणन किया जा रहा है और बिक्री पर सहमति हो गई है या वर्गीकरण की तारीख के एक वर्ष के भीतर समाप्त होने की उम्मीद है। ऐसी परिसंपत्तियों को कम वहन राशि या कम बिक्री लागत के उचित मूल्य पर मापा जाता है।

बिक्री के लिए रखी गयी परिसंपत्तियां तुलन पत्र में अन्य परिसम्पत्तियों से इतर दर्शायी जाती हैं। परिसंपत्तियों का मूल्यहास तब नहीं किया जाता है, जब उन्हें बिक्री के लिए रखी परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

3.11 वित्तीय दस्तावेज

वित्तीय दस्तावेज एक ऐसा अनुबंध है जो एक इकाई की वित्तीय परिसंपत्तियों और अन्य इकाई की वित्तीय देयता या इकिटी इंस्ट्रूमेंट को जन्म देता है।

प्रारंभिक मान्यता और मापन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को मान्यता तब दी जाती है जब समूह, वित्तीय साधन (इंस्ट्रूमेंट) के संविदात्मक उपबंधों के लिए एक पार्टी बन

जाता है और इसे प्रारंभ में लेन-देन की लागतों द्वारा समायोजित उचित मूल्य पर मापा जाता है, इसमें वे शामिल नहीं हैं जिन्हें लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर शुरू में मापा जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उत्तरवर्ती माप को नीचे वर्णित किया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का वर्गीकरण और उत्तरवर्ती मापन

उत्तरवर्ती मापन के प्रयोजनार्थ, वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभिक मान्यता पर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- ऋण-परिशोधित लागत
- लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां (एफवीटीपीएल)
- अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां (एफवीओसीआई)
- सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के इकिटी शेयरों में निवेश (भारतीय लेखा मानक 27 के अनुसार लागत पर)

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां, एफवीटीपीएल पर या एफवीओसीआई को छोड़कर, पहचान के लिए न्यूनतम प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में इम्पेयरमेंट हेतु समीक्षा के अधीन हैं चाहे इसमें कोई वित्तीय साक्ष्य, जो किसी वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय परिसंपत्तियों के किसी समूह का इम्पेयरमेंट हो। इम्पेयरमेंट का निर्धारण करने के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों की प्रत्येक क्षणी हेतु विभिन्न मानदंड लागू किए गए हैं, जिन्हें नीचे वर्णित किया गया है।

परिशोधित लागत

एक वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रभावी ब्याज दर (ईआरआर) के उपयोग द्वारा ऋण-परिशोधन लागत पर मापा जाता है, यदि निम्नलिखित दोनों निम्न शर्तें पूर्ण होती हैं:

- वित्तीय परिसंपत्तियों को एक ऐसे बिजनेस मॉडल में रखा जाता है, जिसका उद्देश्य वित्तीय परिसंपत्तियों को धारण करने हेतु संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करना है; तथा
- वित्तीय परिसंपत्तियों की संविदात्मक शर्तें नकदी प्रवाहों, जो बकाया मूल राशि पर मूलधन और ब्याज का भुगतान करते हैं, के लिए निर्दिष्ट तिथियों पर जन्म देती हैं।

मूल्यहास भत्ता (अपेक्षित ऋण हानि) परिशोधित लागत पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियों पर निर्धारित किया जाता है।

नकदी प्रवाहों का संशोधन

जब किसी वित्तीय परिसंपत्तियों के संविदात्मक नकदी प्रवाह परिवर्तित या अन्यथा संशोधित किए जाते हैं, और परिवर्तन या संशोधन से उक्त वित्तीय परिसंपत्तियों के अमान्यकरण में कोई प्रभाव नहीं डालते हैं, तो कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों की सकल वहन राशि की पुनःगणना करता है और लाभ या हानि में संशोधित लाभ या हानि की पहचान करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों की सकल वहन राशि की, पुनर्निधारित या संशोधित संविदात्मक नकदी प्रवाहों की वर्तमान मूल्य के रूप में पुनःगणना की जाएगी, जो वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल प्रभावी ब्याज दर पर छूट प्रदान करती है। खर्च हुई लागतें या शुल्क संशोधित वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि को समायोजित करते हैं और उनको संशोधित वित्तीय परिसंपत्तियों की शेष अवधि में परिशोधित किया जाता है।

एफवीटीपीएल में वित्तीय परिसंपत्तियां

एफवीटीपीएल में वित्तीय परिसंपत्तियों में, ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियां शामिल हैं जो या तो परिशोधित लागत वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं या वे ट्रेडिंग हेतु रखे गए इकिटी इंस्ट्रूमेंट हैं अथवा जो कुछ शर्तों को पूरा करती हैं और उन्हें प्रारंभिक मान्यता पर एफवीटीपीएल में नामोद्विष्ट किया गया है। सभी व्युत्पन्न वित्तीय इंस्ट्रूमेंट भी इस श्रेणी में आते हैं, नामोद्विष्ट एवं हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के रूप में प्रभावी को छोड़कर, जिनके लिए हेज लेखांकन अपेक्षाएं लागू हो सकती हैं। इस श्रेणी में परिसंपत्तियों को लाभ या हानि में मान्यताकृत लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। इस श्रेणी में वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को सक्रिय बाजार लेन-देन के संदर्भ में या कोई सक्रिय बाजार न होने की स्थिति में मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है।

अंतर्निहित व्युत्पन्न

एक अंतर्निहित व्युत्पन्न हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट का एक घटक है जिसमें एक गैर-व्युत्पन्न मेजबान अनुबंध भी इस प्रभाव से शामिल है कि संयुक्त इंस्ट्रूमेंट के कुछ नकदी प्रवाह एक स्टैंड-अलोन व्युत्पन्न के समान भिन्न होते हैं। एक अंतर्निहित व्युत्पन्न कुछ या सभी नकदी प्रवाह का कारण बनता है जो अन्यथा अनुबंध द्वारा निर्दिष्ट ब्याज दर, विदेशी विनिमय दर, या अन्य परिवर्तकों के अनुसार संशोधित करने की आवश्यकता होगी, बशर्ते कि गैर-वित्तीय परिवर्तकों के मामले में, यह एक पार्टी के अनुबंध के लिए विशिष्ट नहीं है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

सभी मेजबान अनुबंधों में अंतर्निहित व्युत्पन्न को अलग-अलग व्युत्पन्न के रूप में गिना जाता है और उचित मूल्य पर दर्ज किया जाता है यदि उनकी आर्थिक विशेषताएँ और जोखिम मेजबान अनुबंधों से निकटता से संबंधित नहीं हैं या यदि अंतर्निहित व्युत्पन्न सुविधा से जोखिम में वृद्धि होती है और हालाँकि लाभ या हानि पर मेजबान अनुबंध व्यापार के लिए आयोजित नहीं हैं या उचित मूल्य पर नामित नहीं हैं इन अंतर्निहित व्युत्पन्न को उचित मूल्य पर मापा जाता है जिसमें लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन होते हैं, जब तक कि प्रभावी हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया जाता है।

एफवीओसीआई में वित्तीय परिसंपत्तियाँ

एफवीओसीआई वित्तीय परिसंपत्तियों में उचित मूल्य पर मापे गए इकिटी इंस्ट्रूमेंट शामिल हैं। एफवीओसीआई के रूप में वर्गीकृत एक इकिटी निवेश को प्रारंभ में उचित मूल्य एवं लेन-देन लागतों पर मापा जाता है। लाभ एवं हानियों को, अन्य व्यापक आय और इकिटी के तहत एफवीओसीआई आरक्षित के अंतर्गत रिपोर्ट की गई राशि में मान्यता प्रदान की जाती है। इसमें लाभांश आय, जिसकी पहचान लाभ या हानि में की गई है, शामिल नहीं है। ओसीआई से लाभ एवं हानि के विवरण, यहां तक कि निवेश के अमान्यकरण से भी ऐसे लाभों और हानियों का कोई पुनर्वर्तन नहीं है। हालाँकि, समूह इकिटी के अंतर्गत उक्त का हस्तांतरण कर सकता है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

नियम एवं शर्तों के पर्याप्त संशोधन के कारण वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

कंपनी एक वित्तीय परिसंपत्तियों को अमान्य करता है, जैसे कि ग्राहक को ऋण देना, जब नियम एवं शर्तों को इस सीमा तक पुनर्निर्धारित किया जाता है कि, काफी हद तक, यह एक नया ऋण बन जाता है, और अंतर की एक अमान्यकरण लाभ या हानि के रूप में पहचान करना, जिसमें एक सीमा तक कि किसी इम्पेयरमेंट हानि को पूर्व में दर्ज नहीं किया गया है।

पर्याप्त संशोधन के अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

वित्तीय परिसंपत्तियों (या जहां लागू हो, वित्तीय परिसंपत्तियों का एक अंश या समान वित्तीय परिसंपत्तियों के एक समूह का अंश) को, वित्तीय परिसंपत्तियों से नकदी प्रवाह की प्राप्ति का संविदात्मक अधिकार समाप्त होने पर, या वित्तीय परिसंपत्तियों एवं पर्याप्त रूप से सभी जोखिम और पुरस्कार अंतरित किए जाने पर, अमान्यकृत किया जाता है (अर्थात् समूह के तुलन-पत्र से हटा दिया जाता है)। समूह वित्तीय परिसंपत्तियों को भी अमान्यकृत कर देता है, यदि उसने दोनों वित्तीय परिसंपत्तियों को हस्तांतरित और अमान्यकरण के लिए अंतरण अर्हता प्राप्त कर ली हो।

वित्तीय देयताओं का वर्गीकरण और उत्तरवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं को बाद में प्रभावी ब्याज पद्धति के उपयोग द्वारा ऋण-परिशोधन लागत पर मापा जाता है, इसमें ट्रेडिंग या एफवीटीपीएल में नामोद्विष्ट के लिए रखी वित्तीय देयताएं शामिल नहीं हैं, जिन्हें लाभ या हानि में मान्यकृत लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर बाद में ले जाया जाता है। सभी होस्ट अनुबंध जो वित्तीय दायित्व की प्रकृति के हैं और एम्बेडेड डेरिवेटिव से अलग हैं, उन्हें प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

वित्तीय देयताओं का अमान्यकरण

एक वित्तीय देयता को तब अमान्यकृत कर दिया जाता है जब देयता के तहत दायित्व का निर्वहन या रद्द या समाप्त हो जाता है। जब एक मौजूदा वित्तीय देयता को उसी ऋणदाता से मूलतः भिन्न शर्तों पर प्रतिस्थापित किया जाता है या किसी मौजूदा देयता की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन को मूल देयता के अमान्यकरण और नई देयता की मान्यता के रूप में विचारा जाता है। संबंधित वहन राशि में हुए अंतर को लाभ या हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

हेज लेखांकन

हेज लेखांकन के लिए अर्हक होने हेतु हेजिंग के संबंध में निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:

- हेज की गई मद और हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के बीच कोई आर्थिक संबंध है।
- क्रेडिट जोखिम का प्रभाव ऐसे मूल्य परिवर्तनों पर वर्चस्व कायम नहीं करता है, जो उस आर्थिक संबंध के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं।
- हेजिंग संबंध का हेज अनुपात ठीक वैसा ही है, जैसे कि हेज किए गए मद की मात्रा से उत्पन्न होता है, जितनी कंपनी वास्तविक रूप से हेज करती है और उस हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की मात्रा से उत्पन्न होता है, जिसका प्रयोग कंपनी वास्तविक रूप से हेज किए गए मद की उस मात्रा को हेज करने के लिए करती है।

हेज लेखांकन के अंतर्गत निर्धारित सभी व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों को आरंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को उचित

मूल्य पर बाद में रिपोर्ट की जाती है। उस सीमा तक जहां तक हेज प्रभावी है, नगदी प्रभाव हेज में हेजिंग लिखतों के रूप में निर्धारित व्युत्पन्नों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को अन्य वृहद आय शीर्ष के अंतर्गत दी जाती है और इकिटी में नगदी प्रवाह हेज रिजर्व में इसे शामिल किया जाता है। हेज संबंध में किसी भी अप्रभावशीलता को तत्काल लाभ अथवा हानि में मान्यता दी जाती है।

जब हेज किया गया मद लाभ अथवा हानि को प्रभावित करता है तो उस समय अन्य वृहद आय में पहले मान्यता प्राप्त किसी लाभ अथवा हानि को इकिटी से लाभ अथवा हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाता है और अन्य वृहद आय में एक पुनः वर्गीकृत समायोजन के रूप में इसे प्रस्तुत किया जाता है।

प्रत्येक हेजिंग संबंध की स्थापना के समय में कंपनी हेज संबंधों को कंपनी के जोखिम प्रबंधन लक्ष्य और रणनीतियों के अनुसार औपचारिक रूप से निर्धारित और प्रलेखित करती है। इस प्रलेखन में हेज की गई मद की पहचान, हेजिंग इंस्ट्रूमेंट, हेज किए जा रहे जोखिम (जोखिमों) की प्रकृति, हेज अनुपात और हेजिंग संबंध किस प्रकार से हेजिंग प्रभावशीलता की अपेक्षाओं को पूरा करता है, शामिल हैं।

उचित मूल्य हेजेज

लाभ और हानि के विवरण में हेजिंग उपकरणों के उचित मूल्य में परिवर्तन की मान्यता के अनुरूप, हेज की गई वस्तु के उचित मूल्य में परिवर्तन को जोखिम बचाव के कारण लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है। इस तरह के परिवर्तन हेज किए गए आइटम की अग्रणीत राशि में किए जाते हैं और जब हेजिंग इंस्ट्रूमेंट बाहर निकलना रुक जाता है तो प्रभावी ब्याज दर में उस अवधि में समायोजित किए जाते हैं। यदि हेज किए गए आइटम की मान्यता रद्द कर दी जाती है, तो लाभ और हानि के विवरण में बिना परिशोधित उचित मूल्य को तुरंत मान्यता दी जाती है।

3.12 वित्तीय परिसंपत्तियों का इम्पेयरमेंट

ऋण परिसंपत्तियाँ

यह कंपनी प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट गुणवत्ता में परिवर्तन के आधार पर अपेक्षित ऋण घाटा (ईसीएल) के रूप में हानि के लिए एक 'तीन- स्तरीय' मॉडल का अनुसरण करता है, जैसा कि नीचे संक्षेप में बताया गया है:

- स्तर-1 में ऐसी ऋण परिसंपत्तियां शामिल हैं, जिनमें प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है या जिनकी रिपोर्टिंग तिथि में कम क्रेडिट जोखिम है।
- स्तर-2 में ऐसी ऋण परिसंपत्तियां शामिल हैं, जिनमें प्रारंभिक मान्यता से ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन इसमें इम्पेयरमेंट के उद्देश्य का साक्ष्य नहीं है।
- स्तर-3 में ऐसी ऋण परिसंपत्तियां शामिल हैं, जिनमें रिपोर्टिंग तिथि में इम्पेयरमेंट के उद्देश्य का साक्ष्य मौजूद है।

प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) को चरण-1 ऋण परिसंपत्तियों के लिए 12-माह ईसीएल और चरण-2 के लिए लाइफटाइम ईसीएल और चरण-3 ऋण परिसंपत्तियों में मापा जाता है। ईसीएल डिफॉल्ट की संभावना, डिफॉल्ट पर एक्सपोजर और डिफॉल्ट के कारण हानि (लॉस गिवन डिफॉल्ट) का उत्पाद है, जिसे निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

डिफॉल्ट की संभावना (पीडी) – डिफॉल्ट की संभावना एक उधारकर्ता के अपने वित्तीय दायित्व, चाहे अगले 12 महीनों (12 महीने पीडी) से अधिक हो, या दायित्व के शेष उपयोग-काल (लाइफटाइम पीडी), पर डिफॉल्ट होने की संभावना को निरूपित करती है।

लॉस गिवेन डिफॉल्ट (एलजीडी) – एलजीडी डिफॉल्ट होने पर कंपनी के नुकसान की उम्मीद का प्रतिनिधित्व करता है। एलजीडी को प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है और यह राशि के उस अनुपात को दर्शाता है जो किसी चूक के मामले में वसूलियों के बाद वास्तविक रूप से डिफॉल्ट हो जाएगा।

एक्सपोजर एट डिफॉल्ट (ईएडी) – ईएडी ऐसी राशियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें बकाया मूलधन, संचित ब्याज और बकाया लेंटर ऑफ कंफर्ट शामिल होते हैं, जिसकी कंपनी का चूक के समय प्राप्ति होने की उम्मीद होती है।

दूरदेशी (फारवर्ड लुकिंग) आर्थिक जानकारी को 12 महीने एवं लाइफटाइम पीडी, और एलजीडी के निर्धारण में शामिल किया जाता है। प्रत्याशित क्रेडिट हानि के मुख्य पूर्वानुमानों की निगरानी और समीक्षा सतत् आधार पर की जाती है।

ऋण के अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

अपनी अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में, कंपनी यह आकलन करती है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से उन वित्तीय परिसंपत्तियों पर ऋण जोखिम पर्याप्त रूप से बढ़ गया है। यदि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है, तो समूह 12-महीने की प्रत्याशित क्रेडिट हानि के बराबर राशि पर, अथवा लाइफटाइम क्रेडिट हानियों के समतुल्य राशि पर नुकसान भत्ते को मापता है।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

उक्त मूल्यांकन करने के लिए, समूह वित्तीय परिसंपत्तियों पर होने वाले डिफॉल्ट के जोखिम की तुलना, प्रारंभिक मान्यता की तारीख को वित्तीय परिसंपत्तियों पर डिफॉल्ट रूप से घटित होने वाले जोखिम के साथ तुलना-पत्र की तिथि से करता है। कंपनी उचित और सहायक जानकारी पर भी विचार करती है, जो अदेय लागत या प्रयास के बिना उपलब्ध है, और जो प्रारंभिक पहचान के बाद से क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि की सूचक है। समूह मानता है कि वित्तीय परिसंपत्तियों पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के उपरांत पर्याप्त रूप से बढ़ा नहीं है यदि वित्तीय परिसंपत्तियों तुलना-पत्र की तारीख को निम्न क्रेडिट जोखिम का निर्धारण करती है।

बड़े खाते

वित्तीय परिसंपत्तियों को आंशिक रूप से या संपूर्ण रूप से बड़े खाते में तब डाला जाता है जब समूह ने वसूली करना बंद कर दिया हो या न्यायिक प्राधिकरण ने आदेश दिया हो।

राइट-ऑफ एक मान्यता समाप्ति घटना है। कंपनी राइट-ऑफ की गई वित्तीय परिसंपत्तियों पर प्रवर्तन गतिविधियां लागू कर सकती है/समझौता किए गए प्रतिफल के लिए एआरसी/बैंक/वित्तीय संस्थान को ऋण जोखिम सौंप सकती है/बेच सकती है।

कंपनी की प्रवर्तन गतिविधियों से होने वाली वसूली लाभ और हानि के विवरण में दर्ज की जाती है।

3.13 नकदी एवं नकदी समतुल्य

नकद और नकद समतुल्य में नकद रुपया एवं मांग जमा, अन्य अल्पावधि सहित, अत्यधिक लिक्विड निवेश (तीन महीने से कम की मूल परिपक्वता), जो नकदी की ज्ञात राशियों में आसानी से परिवर्तनीय हैं और जो मूल्य में परिवर्तनों के निरर्थक जोखिम के अधीन हैं, शामिल हैं।

3.14 लाभांश और इकिटी के रूप में वर्गीकृत लिखतों के धारकों को अन्य भुगतान

शेयरधारकों को देय प्रस्तावित लाभांशों और अंतरिम लाभांशों को उस अवधि, जिसमें उन्हें क्रमशः शेयरधारकों की बैठक और निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया है, के दौरान इकिटी में हुए परिवर्तनों के रूप में मान्यता दी जाती है। इंस्ट्रुमेंट धारकों को इकिटी के रूप में वर्गीकृत देयता को भुगतान के लिए उस अवधि में मान्यता दी जाती है जब समूह द्वारा ऐसे भुगतानों को भुगतान के लिए अधिकृत किया जाता है।

3.15 महत्वपूर्ण पूर्व अवधि त्रुटियां

महत्वपूर्ण पूर्व अवधि त्रुटियों को प्रस्तुत पूर्व अवधियों, जिसमें त्रुटि हुई है, के लिए तुलनात्मक राशियों को पुनःप्रस्तुत करने के द्वारा पूर्वव्यापी ढंग में सही किया जाता है। यदि त्रुटि प्रस्तुत पूर्व की अवधि से पहले हुई है तो, पूर्व अवधि के लिए प्रस्तुत परिसंपत्तियों के प्रारंभिक शेष, देनदारियों और इकिटी को पुनःप्रस्तुत किया जाता है।

3.16 पूर्व प्रदत्त व्यय

₹1,00,000/- तक के पूर्व प्रदत्त व्यय को प्रारंभिक मान्यता पर व्यय के रूप में मान्यता दी गई है।

3.17 कराधान

लाभ या हानि में मानकीकृत कर व्यय में आस्थगित कर और चालू कर का योग शामिल है। इसे लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी गई है, सिवाय इसके कि जब यह एक ऐसी मद से संबंधित हो, जिसे ओसीआई में या इकिटी में सीधे मान्यता प्राप्त है, तो ऐसे मामले में, कर को ओसीआई में या इकिटी में सीधे भी मान्यता प्रदान की जाती है।

चालू कर को, अधिनियमित या निश्चित रूप से अधिनियमित और रिपोर्टिंग तिथि को यथा लागू कर की दरों का उपयोग करते हुए, तथा पिछले वर्षों के संबंध में देय कर के समायोजनों को देखते हुए, वर्ष के लिए कर योग्य आय के संबंध में देय कर के रूप में निर्धारित किया जाता है।

आस्थगित कर को, समेकित वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि और कर योग्य आय की गणना में प्रयुक्त तदनुसंगी कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है। सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश से जुड़े अस्थायी अंतरों पर आस्थगित कर प्रदान नहीं किया जाता है, यदि इन अस्थायी अंतरों के प्रतिवर्तन को कंपनी द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है और यह संभव है कि निकट भविष्य में प्रतिवर्तन नहीं होगा।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों की गणना, छूट के बिना, उन कर दरों पर की जाती है, जिनके संबंधित अवधि की प्राप्ति के लिए लागू होने

की प्रत्याशा होती है, बशर्ते कि उन दरों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या निश्चित रूप से अधिनियमित किया जाए। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों ऑफसेट होती है यदि चालू कर देयताओं और परिसंपत्तियों को ऑफसेट करने के लिए कानूनी रूप से प्रवर्तनीय अधिकार है, और वे एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए आयकर से संबंधित हैं।

आस्थगित कर देयता, सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यकृत है। एक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस हद तक मान्यकृत किया जाता है कि यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा, जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकेगा। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा की जाती है और उनको इस सीमा तक कम किया जाता है कि अब यह संभावना नहीं है कि संबंधित कर लाभ की प्राप्ति होगी।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों या देनदारियों में परिवर्तनों को मान्यता लाभ या हानि में कर आय या व्यय के एक घटक के रूप में दी जाती है, सिवाय इसके कि वे उन मदों से संबंधित हैं जिन्हें अन्य व्यापक आय में या सीधे इकिटी में ऐसे मामले में मान्यता दी जाती है, जिनमें संबंधित आस्थगित कर को भी मान्यता क्रमशः अन्य व्यापक आय या इकिटी में दी जाती है।

3.18 कार्मिक हितलाभ

अल्पकालिक कार्मिक हितलाभ

अल्पकालिक कार्मिक हितलाभों में, वेतन, अल्पकालिक क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियों (अर्थात् प्रदत्त वार्षिक अवकाश) जहां ऐसी अवधि, जिसमें कार्मिकों ने संबंधित सेवा प्रस्तुत की है, की समाप्ति के उपरांत बारह महीनों के अंतर्गत अनुपस्थितियों का घटित होना प्रत्याशित है, और ऐसी अवधि, जिसमें कार्मिकों ने सेवा प्रस्तुत की है, की समाप्ति के उपरांत बारह महीनों के तहत देय लाभ सहभागिता एवं बोनस तथा वर्तमान कार्मिकों के लिए गैर-वित्तीय लाभ प्रत्याशित हैं और उन्हें बिना छूट देने के आधार पर मापा जाता है, शामिल हैं।

रोजगार पर्यन्त हितलाभ योजनाओं को निम्नानुसार परिभाषित हितलाभ योजनाओं और परिभाषित अंशदान योजनाओं में वर्गीकृत किया गया है:

परिभाषित अंशदान योजना

परिभाषित अंशदान योजना वह योजना है जिसके तहत समूह एक अलग निधि में कार्मिकों के संबंध में निश्चित अंशदान का भुगतान करता है। समूह पर ऐसी कोई विधिक या रचनात्मक दायित्व नहीं है कि वह अपने निर्धारित अंशदान के भुगतान के उपरांत कोई और अंशदान का भुगतान करे। परिभाषित अंशदान योजनाओं के समक्ष समूह द्वारा किए गए अंशदान को उस अवधि के लाभ या हानि से प्रभारित किया जाता है, जिससे अंशदान संबंधित हैं।

परिभाषित हितलाभ योजना

कंपनी के पास उपदान, सेवानिवृत्ति पर्यन्त चिकित्सा सुविधा (पीआरएमएफ) और अन्य परिभाषित सेवानिवृत्ति हितलाभ (ओडीआरबी) के प्रति दायित्व हैं, जिन्हें पात्र कार्मिकों को शामिल करने वाली परिभाषित हितलाभ योजना के रूप में विचारा जा रहा है। परिभाषित हितलाभ योजनाओं के तहत, एक कार्मिक को सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाली राशि को, कार्मिक के सेवाकाल, अंतिम वेतन और अन्य निश्चित मापदंडों के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है। किसी भी लाभ के लिए कानूनी दायित्व समूह का ही रहता है, भले ही परिभाषित लाभ योजना के वित्तपोषण के लिए योजना परिसंपत्तियों को अलग किया गया हो।

परिभाषित हितलाभ योजनाओं के प्रति कंपनी के दायित्व को परियोजित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है। परिभाषित हितलाभ योजनाओं के लिए वित्तीय स्थिति के विवरण में मान्यकृत दायित्व, रिपोर्टिंग तिथि पर निर्धारित हितलाभ लाभ (डीबीओ) का वर्तमान मूल्य है, जो योजना परिसंपत्तियों का कम उचित मूल्य है। प्रबंधन स्वतंत्र बीमांकिकों की सहायता से प्रतिवर्ष डीबीओ का अनुमान लगाता है।

देयता/परिसंपत्तियों के पुनःमापन के फलस्वरूप बीमांकिक लाभ/हानियां अन्य व्यापक आय में शामिल हैं।

अन्य दीर्घकालिक कार्मिक हितलाभ:

तुलना-पत्र की तारीख के उपरांत एक-वर्ष से अधिक समय के लिए प्राप्त किए जाने वाले देय या प्रत्याशित इम्पेयरमेंट अनुपस्थितियों के संबंध में देयता का अनुमान परियोजित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करते हुए एक स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर लगाया जाता है।

पिछले अनुभव और बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानियों को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है, जिसमें ऐसे लाभों और हानियों को निर्धारित किया गया है।



लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

कार्मिकों को रियायती दर पर ऋण

रियायती दर पर कार्मिकों को दिए गए ऋण को प्रारंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी गई है और तत्पश्चात् उसे परिशोधित लागत पर मापा जाता है। ऐसे ऋणों के प्रारंभिक उचित मूल्य और लेन-देन मूल्य के बीच अंतर को आस्थगित कार्मिक लाभ के रूप में मान्यता दी गई है, जिसे ऋण की प्रत्याशित शेष अवधि से परे सीधी-रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है। ऋण की प्रत्याशित शेष अवधि में परिवर्तन के मामले में, परिवर्तन की तिथि को अपरिशोधित आस्थगित कार्मिक लाभ को संभावित आधार पर ऋण की अद्यतन प्रत्याशित शेष अवधि से अधिक पर परिशोधित किया जाता है।

3.19 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

कंपनी के पास किसी पिछले वृत्तांत के परिणामस्वरूप वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व होने पर प्रावधानों को मान्यता दी जाती है; यह संभव है कि कंपनी से आर्थिक संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी और धनराशि का अनुमान विश्वसनीय तौर पर लगाया जा सकता है। बहिर्वाह का समय या राशि अभी भी अनिश्चित हो सकती है। वर्तमान दायित्व के साथ जुड़े जोखिमों और अनिश्चितताओं सहित, रिपोर्टिंग तिथि को उपलब्ध सबसे विश्वसनीय साक्ष्य के आधार पर, प्रावधानों को वर्तमान दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित अनुमानित खर्च पर मापा जाता है। प्रावधानों में उनके वर्तमान मूल्यों, जहां धन का समय मूल्य महत्वपूर्ण है।

निम्न हेतु आकस्मिक देयता को अनावृत किया गया है:

- संभावित दायित्व जिनकी पुष्टि केवल भावी घटनाओं द्वारा की जाएगी, कंपनी के पूर्णतया नियंत्रण में नहीं हैं या
- अतीत की घटनाओं से उत्पन्न वर्तमान दायित्व जहां यह संभव नहीं है कि दायित्व के निपटान के लिए संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी या दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

ऐसे मामलों में, जहां वर्तमान दायित्वों के परिणामस्वरूप आर्थिक संसाधनों का बहिर्वाह असंभव या दूरस्थ माना जाता है, वहां किसी दायित्व को मान्यकृत या प्रकट नहीं किया जाता है।

ऐसी किसी प्रतिपूर्ति को, जिसे दायित्व (जैसे कि बीमा से) से संबंधित अन्य पक्ष से एकत्र करने के लिए कंपनी को लगभग निर्धारित किया जा सकता है, एक पृथक परिसंपत्तियों के रूप में मान्यता दी गई है। हालांकि, यह परिसंपत्तियों संबंधित प्रावधान की राशि से अधिक नहीं हो सकती है।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी जाती है। हालांकि, आर्थिक हितलाभों के अंतर्वाह की संभावना पर, संबंधित परिसंपत्तियों को प्रकट किया जाता है।

3.20 उचित मूल्य मापन

कंपनी वित्तीय इंस्ट्रूमेंट, अर्थात् प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में उचित मूल्य पर व्युत्पन्नों को मापता है।

उचित मूल्य वह कीमत है जो किसी परिसंपत्तियों को बेचने पर प्राप्त की जाएगी या जिसका भुगतान मापन तिथि को बाजार भागीदारों के बीच एक व्यवस्थित लेन-देन में देयता को अंतरित करने के लिए किया जाएगा। उचित मूल्य मापन ऐसे पूर्वानुमान पर आधारित है जो परिसंपत्तियों को बेचने या निम्न हेतु देयता को अंतरित करने के संबंध में लेन-देन में होता है:

- परिसंपत्तियों या देयता के लिए मुख्य बाजार में, या
- मुख्य बाजार की अनुपस्थिति में, परिसंपत्तियों या देयता के लिए सबसे लाभप्रद बाजार में।

कंपनी द्वारा मुख्य या सबसे लाभप्रद बाजार में अभिगम्य होना चाहिए।

किसी परिसंपत्तियों या देनदारी के उचित मूल्य को उन पूर्वानुमानों का उपयोग करके मापा जाता है जिन्हें बाजार भागीदार परिसंपत्तियों या देयता, जिसमें जोखिम के बारे में धारणाएं शामिल होती हैं, जिनका मूल्य निर्धारण करने के समय उपयोग करते हैं, और यह मानते हैं कि बाजार प्रतिभागी अपने आर्थिक सर्वोत्तम हित में कार्य करते हैं। गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्य मापन में एक बाजार प्रतिभागी की परिसंपत्तियों को ध्यान में रखकर किया जाता है ताकि परिसंपत्तियों को उसके उच्चतम और श्रेष्ठतम उपयोग में अथवा उसे किसी अन्य बाजार प्रतिभागी, जो इस परिसंपत्तियों का उपयोग इसके उच्चतम एवं श्रेष्ठ समय में करेगा, को बेचने के द्वारा आर्थिक लाभ सृजित किया जा सके।

कंपनी ऐसी मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करती है, जो परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त हैं और जिसके लिए उचित मूल्य को मापने के लिए पर्याप्त डेटा उपलब्ध है, जिसमें प्रासंगिक अवलोकन योग्य इनपुटों के उपयोग को अधिकतम और अप्रचलित इनपुटों के उपयोग को कम किया जाता है।

सभी परिसंपत्तियाँ और देयताएं जिनके लिए समेकित वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य को मापा या प्रकट किया जाता है, को उचित मूल्य पदानुक्रम के भीतर वर्गीकृत किया गया है, जो निम्न स्तरीय इनपुट पर आधारित हैं, और जो संपूर्ण रूप से उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण हैं:

- स्तर 1 – समरूपी परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत (असमायोजित) बाजार मूल्य
- स्तर 2 – मूल्यांकन तकनीकों जिसके लिए सबसे कम स्तर का इनपुट, जो उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विचारणीय है
- स्तर 3 – मूल्यांकन तकनीक जिसके लिए सबसे कम स्तर का इनपुट, जो उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है, अविचारणीय है।

समेकित वित्तीय विवरणों में नियमित रूप से मान्यकृत परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए, समूह यह निर्धारित करता है कि क्या प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में श्रेणीकरण पुनर्मूल्यांकन (न्यूनतम स्तर इनपुट के आधार पर, जो संपूर्ण मूल्य के लिए महत्वपूर्ण है) द्वारा अनुक्रम में स्तरों के बीच अंतरण हुए हैं।

3.21 वित्तीय लिखतों की ऑफसेटिंग

यदि मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का वर्तमान में प्रवर्तन योग्य कानूनी अधिकार प्राप्त होता है और परिसंपत्तियों को मूर्त रूप देने तथा बाद में देयताओं का निराकरण करने के लिए निवल आधार पर उनका समाधान करने का कोई इरादा होता है, तो वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं को ऑफसेट किया जाता है और निवल राशि तुलनपत्र में रिपोर्ट की जाती है।

3.22 सामान्य नियंत्रण के तहत व्यवसाय कॉम्बिनेशन

एक व्यवसाय कॉम्बिनेशन, यदि कोई है, जिसमें सामान्य नियंत्रण में संस्थाएं या व्यवसाय शामिल हैं, एक व्यवसाय कॉम्बिनेशन है जिसमें सभी कॉम्बिनेशन संस्थाओं या व्यवसाय को अंततः एक ही पार्टी या पार्टियों द्वारा व्यवसाय कॉम्बिनेशन से पहले और बाद में नियंत्रित किया जाता है और यह नियंत्रण अस्थायी नहीं है।

सामान्य नियंत्रण के तहत संस्थाओं या व्यवसायों को शामिल करने वाले व्यवसाय कॉम्बिनेशन को निम्नानुसार ब्याज पद्धति के पूलिंग का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है:

- संयुक्त संस्थाओं की परिसंपत्ति और देनदारियां उनकी अग्रणीत राशियों में परिलक्षित होती हैं।
- उचित मूल्यों को प्रतिबिंबित करने, या नई परिसंपत्तियों या देनदारियों को पहचानने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता है। कॉम्बिनेशन केवल महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए किए जाते हैं।
- हस्तांतरणकर्ता के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली प्रतिधारित आय की शेष राशि को अंतरिती के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली संगत शेष राशि के साथ जोड़ दिया जाता है। रिज़र्व की पहचान संरक्षित है और अंतरणकर्ता के भंडार अंतरिती के रिज़र्व बन जाते हैं।

हस्तांतरणकर्ता के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित प्रतिधारित आय के शेष को हस्तांतरणकर्ता के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित संगत शेष के साथ जोड़ दिया जाता है। आरक्षित निधियों की पहचान सुरक्षित रहती है, और हस्तांतरणकर्ता के आरक्षित निधियाँ हस्तांतरणकर्ता की आरक्षित निधियाँ बन जाती हैं।

यदि कोई अंतर हो, जारी की गई शेयर पूंजी के रूप में दर्ज की गई राशि के साथ-साथ नकद या अन्य परिसंपत्तियों के रूप में कोई अतिरिक्त प्रतिफल और हस्तांतरणकर्ता की शेयर पूंजी की राशि को पूंजी आरक्षित में स्थानांतरित कर दिया जाता है और अन्य पूंजी रिज़र्व से अलग प्रस्तुत किया जाता है।

3.23 शेयरों के निर्गम पर व्यय

शेयरों के निर्गम पर व्यय, यदि कोई हो, प्रतिभूति प्रीमियम खाते में प्रभारित किया जाता है।

4. नए / संशोधित मानकों का कार्यान्वयन

वर्ष के दौरान, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने कुछ इंड-एएस में संशोधन जारी किए हैं। कंपनी ने इन संशोधनों के प्रभाव का विश्लेषण किया है, समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। इसके अलावा, एमसीए ने कंपनी पर लागू होने वाला कोई नया इंड-एएस जारी नहीं किया है।

5. लेखांकन नीतियों और अनिश्चितता के आकलन को लागू करने में महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय

कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन को निर्णय लेने, आकलन करने और ऐसे पूर्वानुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो राजस्व, व्यय, परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्टकृत राशियों और संबंधित प्रकटीकरण को प्रभावित करते हैं। अनुमान और अंतर्निहित धारणाएं

लेखा संबंधी टिप्पणियां

ऐतिहासिक अनुभव और अन्य प्रासंगिक कारकों पर आधारित हैं और इनकी निरंतर समीक्षा की जाती है। वास्तविक परिणाम इन आकलनों से अलग हो सकते हैं।

लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन - इस प्रकार के परिवर्तनों, यदि कोई हो, को उस अवधि में निर्धारित किया जाता है जब संशोधन केवल उस अवधि को प्रभावित करता है या संशोधन की अवधि और यदि यह वर्तमान और भविष्य दोनों अवधियों को प्रभावित करता है तो उसे संशोधित किया जाता है।

महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय

आस्थगित कर परिसंपत्तियों / देयताओं को मान्यता - वह सीमा, जिस हद तक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जा सकती है, यह भविष्य की कर योग्य आय की सम्भावना के आकलन पर आधारित है, जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों का सदुपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, कंपनी के प्रबंधन का आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के तहत बनाए गए और अनुरक्षित विशेष रिजर्व से निकासी करने का कोई इरादा नहीं है और इस प्रकार, बनाए गए और रखे गए विशेष रिजर्व प्रत्यावर्तित होने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए, समूह उक्त रिजर्व पर किसी भी तरह की कर देयता सृजित नहीं करता है।

परिसंपत्तियों की इम्पेयरमेंट के लिए संकेतकों का मूल्यांकन - परिसंपत्तियों की इम्पेयरमेंट के संकेतकों की प्रयोज्यता का मूल्यांकन करने के लिए कई बाहरी और आंतरिक कारकों का मूल्यांकन करने की आवश्यक है, जिसके परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों की वसूलनीय राशि में गिरावट हो सकती है।

क्रेडिट इम्पेयर्ड ऋणों पर ब्याज आय की गैर-मान्यता - विवेक के मामले के रूप में क्रेडिट इम्पेयर्ड ऋण परिसंपत्तियों पर आय को प्राप्त होने पर या संचय के आधार पर मान्यता दी जाती है जब अपेक्षित वसूली बकाया ऋण राशि से अधिक होती है।

महत्वपूर्ण आकलन

मूल्यहास/परिशोधन योग्य परिसंपत्तियों की उपयोगिता अवधि - प्रबंधन परिसंपत्तियों की प्रत्याशित उपयोगिता के आधार पर, प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मूल्यहास/परिशोधन योग्य परिसंपत्तियों की उपयोगिता अवधि के संबंध में अपने आकलन की समीक्षा करता है। इन आकलनों में अनिश्चितता, तकनीकी और आर्थिक अप्रचलन से संबंधित है जो परिसंपत्तियों की उपयोगिता को परिवर्तित कर सकती है।

परिभाषित हितलाभ दायित्व (डीबीओ) - डीबीओ के संबंध में प्रबंधन का आकलन कई अंतर्निहित पूर्वानुमानों जैसे मुद्रास्फीति, मृत्यु दर, छुट की दर और भावी वेतन-वृद्धियों की प्रत्याशा पर आधारित है। इन पूर्वानुमानों में भिन्नता डीबीओ राशि और वार्षिक सुनिश्चित हितलाभ व्ययों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है।

उचित मूल्य मापन - वित्तीय इंस्ट्रुमेंटों के उचित मूल्य (जहां सक्रिय बाजार की भाव-दरें उपलब्ध नहीं हैं) निर्धारित करने के लिए प्रबंधन मूल्यांकन तकनीकों को लागू करता है। इसमें ऐसे विकासशील आकलन और पूर्वानुमान शामिल हैं, जो बाजार भागीदारों इंस्ट्रुमेंट की कीमत तय करने के अनुरूप होंगे। किसी परिसंपत्तियों या देयता के उचित मूल्य का आकलन करने में, कंपनी बाजार-अवलोकनीय डेटा का उपयोग उसके उपलब्ध होने की सीमा तक करती है। बाजार-अवलोकनीय डेटा की अनुपलब्धता के मामले में, उचित मूल्यांकन के लिए स्तर 2 और स्तर 3 पदानुक्रम का उपयोग किया जाता है।

आयकर - आयकरों के प्रावधान को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण आकलन शामिल हैं, जिसमें अनिश्चित कर स्थितियों के लिए भुगतान की जाने वाली राशि/वसूल की जाती है और आस्थगित कर परिसंपत्तियों का आकलन करने के लिए अपेक्षित भावी लाभप्रदता भी शामिल है।

प्रत्याशित क्रेडिट हानि ('ईसीएल') - परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए प्रत्याशित क्रेडिट हानि भत्ते के मापन में जटिल मॉडल और भावी आर्थिक स्थितियों एवं क्रेडिट व्यवहार (अर्थात् डिफॉल्ट रूप से ग्राहकों की संभावना और परिणामी नुकसान) के बारे में महत्वपूर्ण पूर्वानुमानों की आवश्यकता होती है। ईसीएल का आकलन करने के लिए प्रत्याशित ऋण हानि का मूल्यांकन करते हुए समूह निम्नलिखित के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लेता है:

- क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए मापदंड का निर्धारण;
- प्रत्येक प्रकार के उत्पाद/बाजार और संबद्ध ईसीएल के लिए दूरदर्शी परिदृश्यों की संख्या और सापेक्ष भार की स्थापना करना; तथा
- ईसीएल को मापने के लिए समरूपी वित्तीय परिसंपत्तियों के समूहों की स्थापना करना;
- डिफॉल्ट की संभाव्यता और डिफॉल्ट फलस्वरूप हानि का आकलन करना (डिफॉल्ट के मामले में वसूल करने योग्य राशि का आकलन करना)।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

6. नकदी एवं नकदी के समतुल्य

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
हस्तगत रोकड़ (अग्रदाय सहित)	0.02	0.02
चालू खातों में बैंकों के पास शेष राशि	26.22	46.24
3 माह से कम की मूल परिपक्वता के साथ जमा	28.45	-
कुल	54.69	46.26

7. बैंकों में शेष (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
बैंकों में चिह्नित शेष		
- अप्रदत्त लाभांश के लिए	1,079.07	1,192.72
- अनुदान के रूप में आगे संवितरण के लिए सरकारी निधि के लिए	8.69	13.64
- चिह्नित सावधिक जमा राशि		
- न्यायालय आदेश के अनुपालन में जमा राशि	0.72	0.67
- 54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड के लंबित आवंटन के लिए बैंकों के पास शेष राशि उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है	595.88	1,245.41
3 महीने से अधिक की मूल परिपक्वता वाली बैंक जमा राशियाँ	10.79	-
कुल	1,695.15	2,452.44

*नकदी और नकदी के समतुल्य एवं बैंकों में शेष राशि के संबंध में 31 मार्च 2025 तक (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा) कोई रिपैट्रिएशन प्रतिबंध नहीं है (पिछले वर्ष शून्य)।

8. व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम और ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए डेरिवेटिव में प्रवेश करती है। जोखिम प्रबंधन उद्देश्यों के लिए रखे गए डेरिवेटिव में हेज शामिल हैं जिन्हें या तो हेज अकाउंटिंग आवश्यकताओं के तहत प्रभावी हेज के रूप में नामित किया गया है या हेज जो आर्थिक हेज हैं। नीचे दी गई तालिका में परिसंपत्तियों या देनदारियों के रूप में दर्ज किए गए डेरिवेटिव वित्तीय साधनों के उचित मूल्यों को उनकी काल्पनिक राशियों के साथ दिखाया गया है।

व्युत्पन्न के संबंध में जोखिम प्रबंधन प्रकटनों के लिए टिप्पणी संख्या 50 देखें।

भाग I

	(₹ करोड़ में)					
विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं
(i) मुद्रा व्युत्पन्न						
-मुद्रा स्वैप्स	3,209.30	87.12	-	3,126.52	43.34	38.13
-अन्य						
-सीगुल विकल्प	1,62,207.47	16,288.81	1,386.11	1,21,107.24	11,070.97	411.82
उप-जोड़ (i)	1,65,416.77	16,375.93	1,386.11	1,24,233.76	11,114.31	449.95
(ii) ब्याज दर व्युत्पन्न						
-अग्रिम दर करार एवं ब्याज दर स्वैप्स	1,07,505.58	1,056.25	283.95	72,128.13	1,367.71	309.75
उप-जोड़ (ii)	1,07,505.58	1,056.25	283.95	72,128.13	1,367.71	309.75
(iii) अन्य व्युत्पन्न						
-रिवर्स क्रॉस मुद्रा स्वैप	-	-	-	-	-	-
कुल-व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स (i + ii + iii)	2,72,922.35	17,432.18	1,670.06	1,96,361.89	12,482.02	759.70

लेखा संबंधी टिप्पणियां

भाग II

भाग - I में शामिल डेरिवेटिव्स ऐसे हैं जो हेजिंग और जोखिम प्रबंधन के प्रयोजन से धारित हैं, जो इस प्रकार हैं :

विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं
(i) उचित मूल्य हेजिंग						
- ब्याज दर व्युत्पन्न						
- अग्रिम दर करार एवं ब्याज दर स्वैप्स	13,995.70	22.92	76.48	15,950.70	-	297.73
उप-जोड़ (i)	13,995.70	22.92	76.48	15,950.70	-	297.73
(ii) नकदी प्रवाह हेजिंग						
- मुद्रा व्युत्पन्न						
- मुद्रा स्वैप्स	3,209.30	87.12	-	3,126.52	43.34	38.13
- अन्य						
- सीगुल विकल्प	1,62,207.47	16,288.80	1,386.11	1,21,107.24	11,070.96	411.82
- ब्याज दर व्युत्पन्न						
- अग्रिम दर करार एवं ब्याज दर स्वैप्स	86,809.88	645.85	207.47	49,477.43	905.30	12.02
उप-जोड़ (ii)	2,52,226.65	17,021.77	1,593.58	1,73,711.19	12,019.60	461.97
(iii) गैर- नामोदिष्ट व्युत्पन्न	6,700.00	387.49	-	6,700.00	462.42	-
कुल - व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स (i+ii+iii)	2,72,922.35	17,432.18	1,670.06	1,96,361.89	12,482.02	759.70

व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स को प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य पर मापा जाता है। प्रभावी नकदी प्रवाह हेज में हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तन अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त हैं। उचित मूल्य हेज के मामले में, हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ-साथ हेज किए गए मद की वहन राशि में उचित मूल्य परिवर्तन लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त हैं। अनिर्दिष्ट व्युत्पन्न के लिए, उचित मूल्य में परिवर्तन लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त हैं।

9. प्राप्य

कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 109 की आवश्यकताओं के अनुसार सभी प्राप्तियों को परिशोधित लागत पर वर्गीकृत किया है।

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
(क) ट्रेड प्राप्य				
(i) क्रेडिट इंपेयर्ड प्राप्य	26.84		26.94	
घटाएं: प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए भत्ता	(26.84)		(26.94)	
उप-जोड़ - (क)	-		-	
(ख) अन्य प्राप्य				
(i) अप्रतिभूत, शोध्य समझे गए	2.26		3.70	
घटाएं: प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए भत्ता	(0.27)		(0.92)	
उप-जोड़ - (ख)	1.99		2.78	
कुल प्राप्य (क+ख)	1.99		2.78	

9.1 ट्रेड प्राप्य आयु निर्धारण अनुसूची

विवरण	31 मार्च 2025 तक बकाया राशि					
	6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
(i) -निर्विवादित ट्रेड प्राप्य						
- शोध्य समझे गए	-	-	-	-	-	-
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-
- क्रेडिट इंपेयर्ड	-	-	-	-	26.84	26.84
उप-जोड़ (i)	-	-	-	-	26.84	26.84



लेखा संबंधी टिप्पणियां

		31 मार्च 2025 तक बकाया राशि					
विवरण		6 माह से कम	6 माह- 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
(ii) - निर्विवादित ट्रेड प्राप्य							
- शोध समझे गए		-	-	-	-	-	-
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		-	-	-	-	-	-
- क्रेडिट इंपेयर्ड		-	-	-	-	-	-
उप-जोड़ (ii)		-	-	-	-	-	-
कुल (i+ii)		-	-	-	-	26.84	26.84

(₹ करोड़ में)

		31 मार्च 2024 तक बकाया राशि					
विवरण		6 माह से कम	6 माह- 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
(i) - निर्विवादित ट्रेड प्राप्य							
- शोध समझे गए		-	-	-	-	-	-
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		-	-	-	-	-	-
- क्रेडिट इंपेयर्ड		-	-	-	-	26.94	26.94
उप-जोड़ (i)		-	-	-	-	26.94	26.94
(ii) - निर्विवादित ट्रेड प्राप्य							
- शोध समझे गए		-	-	-	-	-	-
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		-	-	-	-	-	-
- क्रेडिट इंपेयर्ड		-	-	-	-	-	-
उप-जोड़ (ii)		-	-	-	-	-	-
कुल (i+ii)		-	-	-	-	26.94	26.94

9.2 कंपनी या किसी फर्म या निजी कंपनी के निदेशकों या अन्य अधिकारियों से कोई ट्रेड या अन्य प्राप्य देय नहीं है, जिसमें कोई निदेशक भागीदार, निदेशक या सदस्य हो।

9.3 ट्रेड और अन्य प्राप्य पर इम्पेयरमेंट भत्ते का संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	ट्रेड प्राप्य	अन्य प्राप्य	ट्रेड प्राप्य	अन्य प्राप्य
प्रारंभिक राशि	26.94	0.92	48.63	0.92
जोड़ें: वर्ष के दौरान सृजित	-	-	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान रिवर्स/ समायोजित	0.10	0.65	21.69	-
जमा शेष	26.84	0.27	26.94	0.92

10. ऋण

कंपनी ने भारतीय-लेखांकन मानक 109 की अपेक्षाओं के अनुसार सभी ऋणों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(क) ऋण				
(i) सावधिक ऋण	5,03,711.30	5,06,320.65	4,62,090.27	4,63,975.61
(ii) कार्यशील पूंजीगत ऋण	63,171.99	63,563.19	47,280.68	47,596.96
कुल (क)- सकल ऋण	5,66,883.29	5,69,883.84	5,09,370.95	5,11,572.57
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(10,795.76)	(10,795.76)	(12,380.52)	(12,380.52)
कुल (क)- निवल ऋण	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(ख) प्रतिभूतिवार वर्गीकरण				
(i) मूर्त परिसंपत्तियों द्वारा प्रतिभूत	2,71,337.02	2,72,035.63	2,47,650.53	2,48,205.98
(ii) सरकारी गारंटी के अंतर्गत	2,54,317.95	2,56,407.38	2,24,500.49	2,25,967.86
(iii) अप्रतिभूत	41,228.32	41,440.83	37,219.92	37,398.72
कुल(ख) - सकल ऋण	5,66,883.29	5,69,883.84	5,09,370.95	5,11,572.57
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(10,795.76)	(10,795.76)	(12,380.52)	(12,380.52)
कुल(ख) - निवल ऋण	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05
(ग)(I) भारत में ऋण				
(i) सार्वजनिक क्षेत्र	4,94,578.16	4,97,757.68	4,54,647.08	4,56,894.28
(ii) निजी क्षेत्र	72,305.13	72,126.16	54,723.87	54,678.29
कुल (ग) (I) - सकल ऋण	5,66,883.29	5,69,883.84	5,09,370.95	5,11,572.57
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(10,795.76)	(10,795.76)	(12,380.52)	(12,380.52)
कुल (ग)(I) - निवल ऋण	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05
(ग) (II) भारत से बाहर ऋण				
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	-	-	-	-
कुल (ग) (II) - निवल ऋण	-	-	-	-
कुल (ग) (I) एवं (ग) (II)	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05

10.1 भारतीय-लेखांकन मानक के तहत सूचित किए गए आंकड़ों और ऋणों के संबंध में बकाया संविदा राशि के बीच समाधान:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
निवल ऋण	5,59,088.08	4,99,192.05
घटाएं: भारतीय- लेखांकन मानक के तहत उसी शीर्ष के अन्तर्गत वर्गीकृत ऋणों पर अर्जित ब्याज और बकाया राशि	(886.34)	(300.36)
घटाएं: भारतीय- लेखांकन मानक के तहत उसी शीर्ष के अन्तर्गत वर्गीकृत ऋणों पर अर्जित ब्याज और बिन बकाया राशि	(2,657.54)	(2,201.98)
जोड़ें: भारतीय- लेखांकन मानक के तहत बंद की गई संभावित ऋण हानि (ईसीएल) के लिए भत्ता	10,795.76	12,380.52
जोड़ें: प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पर शुल्क आधारित आय के संबंध में भारतीय- लेखांकन मानक समायोजन	543.33	300.72
सकल ऋण	5,66,883.29	5,09,370.95

10.2 ऋणों के संबंध में इंपेयरमेंट हानि भत्ते का संचलन :

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारम्भिक शेष	12,380.52	14,263.75
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्रदान किया गया इंपेयरमेंट हानि भत्ते (टिप्पणी 38 देखें)	899.78	(1,383.21)
घटाएं : ऋणों के राइट ऑफ हेतु प्रयुक्त भत्ते	(2,484.54)	(500.02)
अंतिम शेष	10,795.76	12,380.52

10.3 इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की कार्यवाही / वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस)/पुनर्गठन के तहत निपटान के संदर्भ में कंपनी ने ₹2484.54 करोड़ (पिछले वर्ष ₹500.02 करोड़) की राशि के ऋणों को रिटन-ऑफ किया है। चालू वर्ष के लिए राइट-ऑफ का विवरण निम्नानुसार है:

(i) चालू वर्ष के दौरान

- लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड के संबंध में 06 सितंबर 2024 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹836.11 करोड़ (₹721.34 करोड़ की नकदी और ₹114.77 करोड़ की वसूली योग्य के रूप में अन्य वित्तीय परिसंपत्ति) की वसूली के बाद ₹1378.10 करोड़ की राशि को बढ़े खाते में डाल दिया है, जिसके साथ ₹1406.47 करोड़ की ईसीएल को भी उलट दिया गया है।
- लिंक्स इंडिया लिमिटेड के संबंध में 21 अक्टूबर 2024 को निष्पादित एकमुश्त निपटान के अनुसार, कंपनी ने ₹1.02 करोड़ की नकद वसूली के साथ ₹1.96 करोड़ के ईसीएल के प्रत्यावर्तन के बाद ₹0.94 करोड़ की राशि बढ़े खाते में डाल दी है।
- नागाई पावर प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में 02 दिसंबर 2024 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹189.49 करोड़ (₹59.05 करोड़ की नकदी और ₹130.43 करोड़ की वसूली योग्य के रूप में अन्य वित्तीय परिसंपत्ति) की वसूली के बाद ₹371.50 करोड़ की राशि को बढ़े खाते में डाल दिया है, जिसके साथ ₹398.79 करोड़ के ईसीएल को भी वापस कर दिया गया है।
- कॉर्पोरेट पावर लिमिटेड के संबंध में 27 फरवरी 2025 को निष्पादित समाधान समझौते (एआरसी को सौंपे गए ऋण के माध्यम से) के अनुसार, आरबीआई के 7 जून 2019 के परिपत्र "तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचा" के तहत, कंपनी ने ₹63.00 करोड़ की नकद वसूली और ₹797.00 करोड़ के ईसीएल के प्रत्यावर्तन के बाद ₹734.00 करोड़ की राशि बढ़े खाते में डाल दी है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

(ड.) केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड के संबंध में 06 मार्च 2025 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹1361.09 करोड़ के ईसीएल के अनुरूप प्रत्यावर्तन के साथ ₹3572.82 करोड़ की नकद वसूली को विनियोजित करने के बाद ₹2596.36 करोड़ का संपूर्ण बकाया ऋण और बकाया ब्याज के रूप में ₹976.46 करोड़ वसूल कर लिए हैं।

(ii) पिछले वर्ष के दौरान

- (क) 07 जून 2019 को जारी आरबीआई परिपत्र "तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचा" के तहत डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में 21 दिसंबर 2023 को निष्पादित पुनर्गठन समझौते के अनुसार, कंपनी को ₹415.99 करोड़ (₹415.99 करोड़ का सावधि ऋण और वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर शून्य) की वसूली के साथ ₹40.17 करोड़ के ईसीएल के अनुरूप प्रत्यावर्तन के बाद ₹366.88 करोड़ का पूरा बकाया प्राप्त हुआ है।
- (ख) मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के संबंध में 10 अगस्त 2023 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹211.23 करोड़ (₹50.90 करोड़ की नकदी और ₹160.33 करोड़ के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी)) की वसूली के साथ ₹488.42 करोड़ के ईसीएल के अनुरूप प्रत्यावर्तन के बाद ₹499.61 करोड़ की राशि को बढ़े खाते में डाल दिया है।
- (ग) क्लासिक ग्लोबल लिमिटेड के संबंध में 20 नवंबर 2023 को निष्पादित एकमुश्त निपटान के अनुसार, कंपनी ने ₹2.50 करोड़ की नकद वसूली के साथ ₹ 2.91 करोड़ के ईसीएल को वापस करने के बाद ₹0.41 करोड़ की राशि को बढ़े खाते में डाल दिया है।

10.4 कंपनी तुलन पत्र की तिथि के अनुसार शेष राशि के लिए उधारकर्ताओं से शेष राशि की पुष्टि प्राप्त करती है। उधारकर्ताओं से प्राप्त शेष राशि की पुष्टि का सारांश इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	%	राशि	%	राशि
कंपनी की सकल ऋण बही		5,66,883.29		5,09,370.95
ऋण परिसंपत्तियां जिनके लिए उधारकर्ताओं से शेष राशि की पुष्टि प्राप्त हुई है	95%	5,41,262.29	94%	4,76,725.31
ऋण परिसंपत्तियां जिनके लिए उधारकर्ताओं से शेष राशि की पुष्टि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है जिसमें से,	5%	25,621.00	6%	32,645.64
मूर्त परिसंपत्ति द्वारा प्रतिभूत ऋण	50%	12,824.31	47%	15,457.53
सरकारी गारंटी के अंतर्गत आने वाले ऋण/सरकार को दिए जाने वाले ऋण	28%	7,271.98	34%	11,149.39
अप्रतिभूत ऋण	22%	5,524.71	19%	6,038.73

10.5 कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थों") सहित किसी भी अन्य व्यक्ति(व्यक्तियों) या इकाई(यों) को कोई भी धनराशि अग्रिम या उधार या निवेश नहीं की गई है (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार की निधि से ") इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ कंपनी (अंतिम लाभार्थियों) द्वारा या उसकी ओर से पहचानी गई पार्टी को उधार देगा या निवेश करेगा। कंपनी को इस समझ के साथ किसी भी पार्टी (फंडिंग पार्टी) से कोई निधि प्राप्त नहीं हुई है कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इनके जैसा कुछ प्रदान करें।

11. निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	परिशोधित लागत	उचित मूल्य पर				अन्य (लागत पर)	कुल
		अन्य व्यापक आय के माध्यम से	लाभ अथवा हानि के माध्यम से	लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर विनिर्दिष्ट	उप-जोड़		
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5= 1+2+3+4)	(6)	(7= 5+6)
31 मार्च, 2025 तक							
सरकारी प्रतिभूतियां	1,621.86	-	-	-	1,621.86	-	1,621.86
ऋण प्रतिभूतियां	3,577.32	-	968.18	-	4,545.50	-	4,545.50
इक्विटी दस्तावेज							
- सहायक कंपनियां	-	-	-	-	-	0.10	0.10
- अन्य	-	386.80	90.62	-	477.42	-	477.42
अधिमामित शेयर	28.72	-	-	-	28.72	-	28.72
कुल - सकल (क)	5,227.90	386.80	1,058.80	-	6,673.50	0.10	6,673.60
भारत से बाहर निवेश	-	-	-	-	-	-	-
भारत में निवेश	5,227.90	386.80	1,058.80	-	6,673.50	0.10	6,673.60
कुल - सकल (ख)	5,227.90	386.80	1,058.80	-	6,673.50	0.10	6,673.60
कुल निवेश	5,227.90	386.80	1,058.80	-	6,673.50	0.10	6,673.60
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता (ग)	(31.98)	-	-	-	(31.98)	-	(31.98)
कुल - निवल (घ=क-ग)	5,195.92	386.80	1,058.80	-	6,641.52	0.10	6,641.62

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	परिशोधित लागत	उचित मूल्य पर			उप-जोड़	अन्य (लागत पर)	कुल
		अन्य व्यापक आय के माध्यम से	लाभ अथवा हानि के माध्यम से	लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर विनिर्दिष्ट			
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5= 1+2+3+4)	(6)	(7= 5+6)
31 मार्च, 2024 तक							
सरकारी प्रतिभूतियां	1,624.08	-	-	-	1,624.08	-	1,624.08
ऋण प्रतिभूतियां	2,144.09	-	1,065.03	-	3,209.12	-	3,209.12
इक्विटी दस्तावेज							
- सहायक कंपनियां	-	-	-	-	-	0.10	0.10
- अन्य	-	410.64	76.37	-	487.01	-	487.01
अधिमामित शेयर	28.72	-	-	-	28.72	-	28.72
कुल - सकल (क)	3,796.89	410.64	1,141.40	-	5,348.93	0.10	5,349.03
भारत से बाहर निवेश	-	-	-	-	-	-	-
भारत में निवेश	3,796.89	410.64	1,141.40	-	5,348.93	0.10	5,349.03
कुल - सकल (ख)	3,796.89	410.64	1,141.40	-	5,348.93	0.10	5,349.03
कुल निवेश	3,796.89	410.64	1,141.40	-	5,348.93	0.10	5,349.03
घटाएं: इंवेयरमेंट हानि भत्ता (ग)	(28.72)	-	-	-	(28.72)	-	(28.72)
कुल - निवल (घ=क-ग)	3,768.17	410.64	1,141.40	-	5,320.21	0.10	5,320.31

11.1 निवेशों के ब्योरे

		(₹ करोड़ में)			
विवरण	पर मापे गए निवेश	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि
(क) कुल-केंद्र/राज्य सरकार की प्रतिभूतियां-उद्धृत (एचक्यूएलए)*	परिशोधित लागत	15,86,33,000	1,621.86	15,86,33,000	1,624.08
(ख) ऋण प्रतिभूतियां					
(i) कॉर्पोरेट बॉण्ड - उद्धृत (एचक्यूएलए)*			2,853.35		1,436.83
- 9.95% उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल)	परिशोधित लागत	3,700	335.15	3,700	373.32
- 9.62% आंध्र प्रदेश स्टेट बेवेरेज्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल)	परिशोधित लागत	1,235	127.30	1,235	127.86
- 9.70% उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल)	परिशोधित लागत	550	56.53	550	56.85
- केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के 8.49% ग्रीन बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	4,998	51.00	4,998	49.98
- केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के 9.10% घरेलू बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	69,846	699.31	49,994	500.56
- 9.50% दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल)	परिशोधित लागत	1,25,650	1,256.75	-	-
- महानगर दूरभाष निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के 8% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	1,000	102.97	1,000	102.98
- महानगर दूरभाष निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के 7.05% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	850	88.04	850	88.09
- भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के 6.65% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	20.60	200	20.61
- टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसी) के 7.19% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	250	26.27	250	26.30
- दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के 8.69% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	20.74	200	21.06
- पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के 7.30% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	21.73	200	21.98
- चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) के 5.78% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	150	15.61	150	15.62
- भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के 6.11% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	100	10.45	100	10.47
- एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएमडीसी) के 7.30% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	20.90	200	21.15
(ii) ऋण प्रतिभूतियां (एचक्यूएलए के अलावा)			1,692.15		1,772.29
- जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीजीआईएल) के 10% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर - उद्धृत	परिशोधित लागत	49,488	493.56	49,488	493.20



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	पर मापे गए निवेश	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि
- केनरा बैंक के 7.99% सतत बॉण्ड्स - उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	200	207.78	200	208.49
- यूको बैंक के 9.50% सतत बॉण्ड्स - उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	228	239.55	228	228.80
- पंजाब नेशनल बैंक के 8.55% सतत बॉण्ड्स - उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	500	520.85	500	510.65
- 3% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर - एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की श्रृंखला क - गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	-	-	15,22,63,003	81.30
- 3% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर - एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की श्रृंखला ख - गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	-	-	6,70,35,820	35.79
- वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर - एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की श्रृंखला ग - गैर-उद्धृत**	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	-	-	1,86,35,162	-
- मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के 0% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) - गैर-उद्धृत	परिशोधित लागत	2,50,95,356	189.65	2,50,95,356	169.01
- झाबुआ पावर लिमिटेड के 8.50% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) - गैर-उद्धृत	परिशोधित लागत	42,90,030	40.76	45,04,532	45.05
- आर.के.एम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड के 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) श्रृंखला क - गैर-उद्धृत **	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	21,38,03,170	-	21,38,03,170	-
- आर.के.एम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड की 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) श्रृंखला ख - गैर-उद्धृत**	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	63,03,032	-	63,03,032	-
- आर.के.एम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड की 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) श्रृंखला एआई- गैर-उद्धृत**	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	1,04,74,150	-	1,04,74,150	-
- डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) - गैर-उद्धृत **	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	2,13,75,000	-	2,13,75,000	-
कुल (ख) - ऋण प्रतिभूतियां (i+ii)			4,545.50		3,209.12
(ग) इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स					
(i) अनुषंगी (टिप्पणी संख्या 11.2 देखें)					
- आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड - गैर-उद्धृत #	अन्य (लागत पर)	94,90,500	0.10	85,500	0.10
कुल - अनुषंगी			0.10		0.10
(ii) अन्य					
- एनएचपीसी लिमिटेड- उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	1,04,69,555	86.06	1,04,69,555	93.91
- एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड- गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	21,81,00,000	120.39	21,81,00,000	136.50
- यूनिवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड- गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	1,60,00,000	-	1,60,00,000	-
- झाबुआ पावर लिमिटेड	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	2,78,85,211	171.51	2,78,85,211	177.72
- जेएसडब्ल्यू एनर्जी (उत्कल) लिमिटेड- गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	127	8.84	127	2.51
- रतन इंडिया पावर लिमिटेड- उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	9,25,68,105	90.62	9,25,68,105	76.37
- आर.के.एम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड- गैर-उद्धृत **	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	18,17,90,667	-	18,17,90,667	-
कुल - अन्य			477.42		487.01
कुल (ग) - इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स (i+ii)			477.52		487.11

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड ने प्रत्येक 1 (एक) इकिटी शेयर के लिए 110 (एक सौ दस) इकिटी शेयर के अनुपात में बोनस शेयरों के माध्यम से पूरी तरह से भुगतान किए गए ₹ 10 प्रत्येक के 94,05,000 इकिटी शेयर आवंटित किए हैं (पिछले वर्ष शून्य)।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	पर मापे गए निवेश	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि
(घ) अधिमानित शेयर - गैर-उद्धृत					
- प्रतिदेय, रतन इंडिया पावर लिमिटेड द्वारा जारी	परिशोधित लागत	2,87,20,978	28.72	2,87,20,978	28.72
- वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय, रतन इंडिया पावर लिमिटेड द्वारा जारी	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	4,33,03,616	-	4,33,03,616	-
कुल (घ) - अधिमानित शेयर			28.72		28.72
(ङ) कुल निवेश (क से घ)			6,673.60		5,349.03
(च) घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता			(31.98)		(28.72)
(छ) कुल - निवल (ङ-च)			6,641.62		5,320.31

उचित मूल्य पर दिखाए गए निवेश की मूल्यांकन तकनीक के लिए टिप्पणी संख्या 55.1 देखें

* उच्च गुणवत्ता वाली तरल संपत्ति (एचक्यूएलए) मास्टर निर्देश के अनुसार बनाए रखी जाती है - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023

** दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) कार्यवाही/एकमुश्त निपटान (ओटीएस)/पुनर्गठन के तहत निपटान के संदर्भ में ऋण के अस्थिर हिस्से के लिए प्राप्त।

11.2 सहायक कंपनी में निवेश का विवरण

कंपनी का नाम	व्यवसाय का मुख्य स्थान / निगमन का देश	स्वामित्व हित का अनुपात	
		31-03-2025	31-03-2024
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड	भारत	100.00%	100.00%

सहायक कंपनी में निवेश को भारतीय लेखा मानक 27 'पृथक वित्तीय विवरण' के प्रावधानों के अनुसार लागत पर मापा जाता है।

11.3 निवेश के संबंध में इंपेयरमेंट हानि भत्ते का संचलन:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक जमा	28.72	28.72
जोड़ें: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	3.26	-
घटाएँ: निवेश को राइट ऑफ करने के लिए उपयोग किया जाने वाला भत्ता	-	-
अंतिम शेष	31.98	28.72

11.4 दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) कार्यवाही / एकमुश्त निपटान (ओटीएस) / पुनर्गठन के तहत निपटान के संदर्भ में, कंपनी को निम्नलिखित निवेश प्राप्त हुए हैं:

(i) चालू वर्ष के दौरान:

(क) केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड के संबंध में आईबीसी कार्यवाही के तहत स्वीकृत समाधान योजना के अनुसार, आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड को 22 अप्रैल 2025 को इक्विटी धारक वित्तीय लेनदारों के पक्ष में ₹ 10/- अंकित मूल्य वाले 17,567 इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। इन इक्विटी शेयरों में कंपनी का हिस्सा 13.019% है।

(ii) पिछले वर्ष के दौरान:

(क) डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में पुनर्गठन समझौते के अनुसार, कंपनी को 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) की 2,13,75,000 संख्या आवंटित की गई है, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹ 100/- है।

(ख) मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के संबंध में आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी को 2,50,95,356 0% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) आवंटित किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹ 100/- है।

अधिक जानकारी के लिए टिप्पणी संख्या 10.3 देखें।

11.5 कंपनी ने कुछ इक्विटी इंस्ट्रुमेंट्स को एफवीओसीआई (अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य) में नामित करने के लिए एक अपरिवर्तनीय विकल्प चुना है। कंपनी के संचालन में केवल एक व्यावसायिक क्षेत्र शामिल है जैसे विद्युत, लॉजिस्टिक और अवसंरचना क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करना। इस प्रकार, इन इंस्ट्रुमेंट्स के मूल्य में उतार-चढ़ाव से लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण को अलग करने के लिए, प्रबंधन का मानना है कि यह उन्हें एफवीटीपीएल (लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य) में वर्गीकृत करने के बजाय अधिक सार्थक प्रेजेंटेशन प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान अमान्य किए गए एफवीओसीआई निवेशों का विवरण:

कंपनी का नाम	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	अमान्य शेयरों की संख्या	मान्यता रद्द होने के समय उचित मूल्य	मान्यता रद्द होने के समय संचयी लाभ/ (हानि)	अमान्य शेयरों की संख्या	मान्यता रद्द होने के समय उचित मूल्य	मान्यता रद्द होने के समय संचयी लाभ/ (हानि)
एनएचपीसी लिमिटेड				58,82,025	60.94	48.14
हुडको लिमिटेड		शून्य		3,47,429	6.45	4.37

कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोई इक्विटी शेयर नहीं बेचा है। पिछले वर्ष के दौरान, कंपनी ने बाजार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए एनएचपीसी लिमिटेड के 58,82,025 इक्विटी शेयर और हुडको लिमिटेड के पूरे 3,47,429 इक्विटी शेयर क्रमशः ₹60.94 करोड़ और ₹6.45 करोड़ के मूल्य पर स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से बेचे हैं। इस प्रकार शेयरों की पहचान रद्द कर दी गई है और इस तरह की बिक्री पर संचयी लाभ (कर के बाद निवल) को अन्य व्यापक आय से प्रतिधारित आय में स्थानांतरित कर दिया गया है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

11.6 कंपनी के निदेशक मंडल ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी), गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी ("जीआईएफटी"), गांधीनगर, गुजरात में एक वित्त कंपनी के रूप में अनुमय गतिविधियों में काम करने के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (डब्ल्यूओएस) को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त कंपनी को मौजूदा एफईएमए विनियमों के तहत एक अनिवासी इकाई माना जाएगा और एकीकृत नियामक यानी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) द्वारा शासित किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने 03 मई 2024 के अपने पत्र के माध्यम से प्रस्तावित इकाई की स्थापना के लिए "अनापत्ति प्रमाण पत्र" (एनओसी) प्रदान किया है। कंपनी को प्रस्तावित इकाई को शामिल करने के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय से अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त होना बाकी है।

12. अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

कंपनी ने इंडएस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप 'अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां' के अंतर्गत सभी घटकों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) कार्मिकों को ऋण (टिप्पणी संख्या 12.1 देखें)		78.07	57.99
(ख) कार्मिकों को अग्रिम		0.43	0.89
(ग) होल्डिंग कंपनी से वसूली योग्य		2.82	0.51
(घ) सहायक कंपनी से वसूली योग्य		7.18	6.96
(ङ) प्रतिभूति जमा		2.14	1.44
(च) भिन्नता मार्जिन के लिए अग्रिम भुगतान		0.63	-
(छ) भारत सरकार से वसूली योग्य			
- भारत सरकार के पूर्ण सेवा बॉण्ड के लिए (टिप्पणी संख्या 23.5 देखें)		24,318.29	24,319.40
(ज) वसूली योग्य अन्य राशियाँ		343.34	73.99
घटाएँ: क्षति हानि भत्ता (टिप्पणी संख्या 12.2 देखें)		(149.22)	(39.44)
वसूली योग्य अन्य राशियाँ		194.12	34.55
कुल (क से ज)		24,603.68	24,421.74

12.1 कार्मिकों को दिए गए ऋणों का विवरण (शोध समझे गए)

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप परिशोधित लागत में वर्गीकृत निर्दिष्ट शर्तों और पुनर्भुगतान शेड्यूल के साथ कार्मिकों को ऋण दिया है।

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) प्रतिभूत ऋण			
- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों को		0.01	0.06
- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के अलावा अन्य कार्मिकों को		36.33	37.38
उप - जोड़ (क)		36.34	37.44
(ख) अप्रतिभूत ऋण			
- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों को		0.12	0.24
- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के अलावा अन्य कार्मिकों को		41.61	20.31
उप - जोड़ (ख)		41.73	20.55
जोड़ (क + ख)		78.07	57.99

उपरोक्त आंकड़ों में ऐसे ऋणों पर उपचित ब्याज, जिसकी कुल राशि ₹ 12.92 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 10.3 करोड़) है, शामिल है।

12.2 वसूली योग्य अन्य राशियों पर हानि हानि भत्ते का स्थानांतरण

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रारम्भिक शेष		39.44	46.10
जोड़े: वर्ष के दौरान सृजित		129.91	8.68
घटाएँ: वर्ष के दौरान वापस किया गया / समायोजित किया गया		(20.13)	(15.34)
अंतिम शेष		149.22	39.44

13. चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
अग्रिम आयकर एवं टीडीएस		4,394.52	289.47
घटाएँ: आय कर हेतु प्रावधान		(4,000.49)	-
उप- जोड़ (1) (क)		394.03	289.47

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रतियोगिता की मांग के अंतर्गत आयकर पर जमा कर	5.20	5.20
प्रतियोगिता की मांग के अंतर्गत आयकर हेतु प्रावधान	(0.25)	(0.25)
उप- जोड़ (2) (ख)	4.95	4.95
चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)	398.98	294.42

14. आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	2,852.75	2,485.46

14.1 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताओं के महत्वपूर्ण घटक इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रारम्भिक शेष	लाभ या हानि में मान्य	ओसीआई में मान्य	अन्य	अंतिम राशि
आस्थगित कर परिसंपत्तियां					
अर्जित अवकाश के लिए प्रावधान	2,831.47	(269.40)	-	-	2,562.07
चिकित्सा अवकाश के लिए प्रावधान	8.42	1.39	-	-	9.81
अन्य व्यय के लिए प्रावधान	5.42	0.48	-	-	5.90
निवेशों का उचित मूल्यांकन	(1.67)	(8.67)	-	-	(10.34)
व्युत्पन्नों का उचित मूल्यांकन	161.25	35.75	502.31	-	699.31
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (क)	3,004.89	(240.45)	502.31	-	3,266.76
आस्थगित कर देयताएं					
मूल्यहास और परिशोधन	32.96	2.58	-	-	35.54
अपरिशोधित विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव	187.43	(19.09)	-	-	168.34
वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं को परिशोधित लागत पर मापा जाता है	243.36	(35.45)	-	-	207.91
ऋण प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन	55.68	(53.46)	-	-	2.22
कुल आस्थगित कर देयताएं (ख)	519.43	(105.42)	-	-	414.01
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल) (क - ख)	2,485.46	(135.03)	502.31	-	2,852.75

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताओं के महत्वपूर्ण घटक इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रारम्भिक शेष	लाभ या हानि में मान्य	ओसीआई में मान्य	अन्य	अंतिम राशि
आस्थगित कर परिसंपत्तियां					
प्रत्याशित ऋण हानियां	3,346.46	(514.99)	-	-	2,831.47
अर्जित अवकाश के लिए प्रावधान	6.92	1.50	-	-	8.42
चिकित्सा अवकाश के लिए प्रावधान	5.19	0.23	-	-	5.42
निवेशों का उचित मूल्यांकन	14.49	(11.66)	(4.50)	-	(1.67)
अन्य व्यय के लिए प्रावधान	446.46	35.48	(320.69)	-	161.25
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (क)	3,819.52	(489.44)	(325.19)	-	3,004.89
आस्थगित कर देयताएं					
मूल्यहास और परिशोधन	26.93	6.03	-	-	32.96
अपरिशोधित विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव	218.30	(30.87)	-	-	187.43
वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं को परिशोधित लागत पर मापा जाता है	232.11	11.25	-	-	243.36
ऋण प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन	65.19	(9.51)	-	-	55.68
कुल आस्थगित कर देयताएं	542.53	(23.10)	-	-	519.43
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	3,276.99	(466.34)	(325.19)	-	2,485.46



लेखा संबंधी टिप्पणियां

15. निवेश संपत्ति

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रारंभिक जमा	वर्ष के दौरान हस्तांतरण/जोड़	वर्ष के दौरान बिक्री/समायोजन	अंतिम शेष
31.03.2025 तक				
सकल वहन मूल्य	-	53.03	-	53.03
संचित मूल्यह्रास	-	(4.79)	-	(4.79)
निवल वहन मूल्य	-	48.24	-	48.24
31.03.2024 तक				
सकल वहन मूल्य	-	-	-	-
संचित मूल्यह्रास	-	-	-	-
निवल वहन मूल्य	-	-	-	-

15.1 कंपनी की निवेश संपत्तियों में दिल्ली और गुरुग्राम भारत में स्थित इमारतें शामिल हैं। इन निवेश संपत्तियों से वर्ष के दौरान किराये की आय ₹17.19 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) है। निवेश संपत्ति से कोई प्रत्यक्ष परिचालन व्यय उत्पन्न नहीं हुआ।

15.2 कंपनी के पास अपनी निवेश संपत्तियों की प्राप्ति पर कोई प्रतिबंध नहीं है और निवेश संपत्तियों को खरीदने, निर्माण या विकसित करने या मरम्मत, रखरखाव और संवर्द्धन के लिए कोई संविदात्मक दायित्व नहीं है।

15.3 निवेश संपत्ति का उचित मूल्य:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वाहक मूल्य	48.24	-
उचित मूल्य	192.50	-

ये मूल्यांकन एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा अपनी निवेश संपत्तियों के लिए कम से कम सालाना किए गए मूल्यांकन पर आधारित हैं। निवेश संपत्ति का उचित मूल्य आय दृष्टिकोण के आधार पर एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है। निवेश संपत्ति के लिए सभी परिणामी उचित मूल्य अनुमान स्तर 2 में शामिल हैं

विवरण	संपत्ति संयंत्र उपकरण										पूँजीगत कार्य प्रगति पर	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां	
	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	उपयोग के अधिकार वाली भूमि	भवन	संयंत्र उपकरण	फर्नीचर और फिक्स्चर	ईडीपी उपकरण	कार्यालय उपकरण	वाहन	कुल	अचल संपत्ति				
सकल वहन मूल्य														
31-03-2023 तक	110.39	1.59	456.90	20.06	67.35	23.98	24.79	0.54	705.60	2.72	-	-	14.67	
परिवर्धन	-	-	-	0.39	2.61	8.49	7.88	0.18	19.55	20.34	-	-	-	
उधार की लागत पूँजीकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0.53	-	-	-	
निपटान	-	-	-	-	(3.01)	(2.85)	(6.51)	(0.01)	(12.38)	-	-	-	(0.01)	
31-03-2024 तक (क)	110.39	1.59	456.90	20.45	66.95	29.62	26.16	0.71	712.77	23.59	-	-	14.66	
31-03-2024 तक	110.39	1.59	456.90	20.45	66.95	29.62	26.16	0.71	712.77	23.59	-	-	14.66	
परिवर्धन	-	-	-	-	4.59	11.92	11.17	0.25	27.93	49.40	-	-	1.61	
उधार की लागत पूँजीकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3.02	-	-	-	
निपटान/स्थानान्तरण	-	-	(53.03)	-	(4.81)	(5.53)	(10.21)	(0.46)	(74.04)	-	-	-	-	
31-03-2025 तक (ख)	110.39	1.59	403.87	20.45	66.73	36.01	27.12	0.50	666.66	76.01	-	-	16.27	
संचित मूल्यहास/ परिशोधन														
31-03-2023 तक	-	0.39	20.61	2.23	15.40	16.27	11.41	0.38	66.69	-	-	-	13.05	
वर्ष के लिए प्रभार	-	0.02	7.21	1.29	6.09	4.29	3.68	0.04	22.62	-	-	-	1.10	
निपटान के लिए समायोजन	-	-	-	-	(1.50)	(1.85)	(3.40)	-	(6.75)	-	-	-	(0.01)	
31-03-2024 तक (ग)	-	0.41	27.82	3.52	19.99	18.71	11.69	0.42	82.56	-	-	-	14.14	
31-03-2024 तक	-	0.41	27.82	3.52	19.99	18.71	11.69	0.42	82.56	-	-	-	14.14	
वर्ष के लिए प्रभार	-	0.09	6.42	1.30	6.09	5.20	4.16	0.04	23.30	-	-	-	0.29	
निपटान/स्थानान्तरण के लिए समायोजन	-	-	(3.99)	-	(3.06)	(3.57)	(6.35)	(0.39)	(17.36)	-	-	-	-	
31-03-2025 तक (घ)	-	0.50	30.25	4.82	23.02	20.34	9.50	0.07	88.50	-	-	-	14.43	
31-03-2024 तक निवल ब्लॉक (क-ग)	110.39	1.18	429.08	16.93	46.96	10.91	14.47	0.29	630.21	23.59	-	-	0.52	
31-03-2025 तक निवल ब्लॉक (ख-घ)	110.39	1.09	373.62	15.63	43.71	15.67	17.62	0.43	578.16	76.01	-	-	1.84	



लेखा संबंधी टिप्पणियां

16.1 कंपनी द्वारा अर्जित अचल संपत्ति के संबंध में स्वामित्व विलेख के पंजीकरण से संबंधित औपचारिकताएं अभी निष्पादित की जानी हैं। विवरण नीचे दिए गए हैं:

(क) 31.03. 2025 तक

(₹ करोड़ में)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का विवरण	सकल वहन मूल्य	निवल वहन मूल्य	के नाम पर स्वामित्व विलेख के नाम पर स्वामित्व विलेख	क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कार्मिक है	कब से कब तक रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
बिल्डिंग - कार्यालय कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003	4.59	1.83	शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के अधीन भूमि एवं विकास अधिकारी	नहीं	1990	भूमि एवं विकास अधिकारी की औपचारिकताएं पूरी होने तक, स्कोप कॉम्प्लेक्स में कंपनी को आवंटित कार्यालय स्थान कंपनी के नाम पर पंजीकृत नहीं किया गया है।

(ख) 31.03. 2024 तक

(₹ करोड़ में)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का विवरण	सकल वहन मूल्य	निवल वहन मूल्य	के नाम पर स्वामित्व विलेख के नाम पर स्वामित्व विलेख	क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कार्मिक है	कब से कब तक रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
बिल्डिंग - कार्यालय कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003	4.59	1.89	शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के अधीन भूमि एवं विकास अधिकारी	नहीं	1990	भूमि एवं विकास अधिकारी की औपचारिकताएं पूरी होने तक, स्कोप कॉम्प्लेक्स में कंपनी को आवंटित कार्यालय स्थान कंपनी के नाम पर पंजीकृत नहीं किया गया है।

16.2 नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कंपनी के सुरक्षित उधार के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में कुछ संपत्ति, संयंत्र और उपकरण गिरवी रखे गए हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
सकल वहन मूल्य	3.48	3.48
निवल वहन मूल्य	2.26	2.31

16.3 पूंजी कार्य प्रगति पर है

(क) सीडब्ल्यूआईपी सूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक					31-03-2024 तक				
	सीडब्ल्यूआईपी में अवधि के लिए राशि				कुल	सीडब्ल्यूआईपी में अवधि के लिए राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगति पर परियोजनाएं										
- गुरुग्राम में आरईसी टाउनशिप	52.42	20.87	1.24	1.48	76.01	20.87	1.24	0.08	1.40	23.59
कुल	52.42	20.87	1.24	1.48	76.01	20.87	1.24	0.08	1.40	23.59

रिपोर्टिंग वर्ष में कोई भी पूंजीगत कार्य प्रगति पर नहीं है, जहां गतिविधि निलंबित कर दी गई हो।

(ख) सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता सूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक					31-03-2024 तक				
	में पूरा किया जाना है				कुल	में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगति पर परियोजनाएं										
- गुरुग्राम में आरईसी टाउनशिप	76.01	-	-	-	76.01	-	23.59	-	-	23.59
कुल	76.01	-	-	-	76.01	-	23.59	-	-	23.59

लेखा संबंधी टिप्पणियां

- 16.4** वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों का कोई पुनर्मूल्यांकन नहीं किया गया है (पिछले वर्ष शून्य)।
- 16.5** प्रबंधन की राय में, ऐसी कोई घटना या परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं है जो भारतीय लेखा मानक 36 'परिसंपत्तियों की हानि' के संदर्भ में पीपीई और अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की हानि को इंगित करता हो। तदनुसार, हानि के लिए प्रावधान नहीं किया गया है।
- 16.6** जबकि कंपनी ने अर्हक परिसंपत्ति के निर्माण के लिए कोई विशिष्ट उधार नहीं लिया है, कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 23 'उधार लागत' के संदर्भ में कंपनी के लिए 7.13% (पिछले वर्ष 7.28%) की औसत उधार दर पर सामान्य उधार के कारण ₹3.02 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.53 करोड़) की उधार लागत की राशि को पूंजीकृत किया है।
- 16.7** आईएनडी-एस 38 "अमूर्त आस्तियों" के अंतर्गत अमूर्त आस्तियों के संबंध में प्रकटीकरण आवश्यक है
- परिशोधन दर 20% (यदि परिसंपत्ति की कुल लागत ₹5,000 या उससे कम है तो 100%)

17. अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
अप्रतिभूत, (शोध समझे गए)		
(क) पूंजीगत अग्रिम	-	0.17
(ख) अन्य अग्रिम	7.72	7.97
(ग) सरकारी प्राधिकारियों के साथ शेष	28.56	37.47
(घ) पूर्व-व्यय निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय	5.53	5.15
(ङ) प्रीपेड व्यय	15.71	21.96
(च) आस्थगित कार्मिक लागत	24.58	15.81
(छ) अन्य परिसंपत्तियां	-	0.01
कुल (क से छ)	82.10	88.54

18. बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों का वर्गीकरण

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
बिक्री-निर्माण के लिए रखी गई संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत	0.01	0.05
कुल	0.01	0.05

31.03.2025 तक बिक्री के लिए रखी गई ₹0.01 करोड़ की संपत्ति का परिणाम आने तक मुकदमा चल रहा है, संपत्ति की पुनः नीलामी नहीं की जा सकती (पिछले वर्ष ₹0.01 करोड़)।

- 18.1** अपनी निष्क्रिय परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करने के उद्देश्य से, वर्ष के दौरान कंपनी ने ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से एक आवासीय भवन इकाई का निपटान किया है, जिसका वहन मूल्य ₹0.04 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.29 करोड़) है, जिसे इंड -एस 105 के तहत "बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इस तरह की बिक्री से चालू वर्ष के दौरान ₹6.03 करोड़ का लाभ हुआ है (पिछले वर्ष ₹1.32 करोड़) (टिप्पणी संख्या 33 देखें)।

19. देय

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) ट्रेड देय		
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	0.12	0.16
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा कुल बकाया देयताएं	10.68	7.23
उप-जोड़ (क)	10.80	7.39
(ख) अन्य देय		
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया	6.52	2.83
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा कुल बकाया देयताएं	17.28	8.69
उप - जोड़ (ख)	23.80	11.52
जोड़ (क + ख)	34.60	18.91

19.1 व्यापार देयताओं की आयु निर्धारण अनुसूची

(₹ करोड़ में)							
विवरण	31.03.2025 तक						
	बिल रहित	बकाया नहीं	एक वर्ष से कम समय	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	तीन वर्ष से अधिक	कुल
(i) एमएसएमई							
विवादित	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	0.11	-	0.01	-	-	-	0.12
उप जोड़ (i)	0.11	-	0.01	-	-	-	0.12



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31.03.2025 तक						
	बिल रहित	बकाया नहीं	एक वर्ष से कम समय	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	तीन वर्ष से अधिक	कुल
(ii) एमएसएमई के अतिरिक्त							
विवादित	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	6.19	-	4.49	-	-	-	10.68
उप जोड़ (ii)	6.19	-	4.49	-	-	-	10.68
जोड़ (i+ii)	6.30	-	4.50	-	-	-	10.80

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2024 तक						
	बिल रहित	बकाया नहीं	1 वर्ष से कम का ऋण	1-2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
(i) एमएसएमई							
विवादित	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	0.08	-	0.08	-	-	-	0.16
उप जोड़ (i)	0.08	-	0.08	-	-	-	0.16
(ii) एमएसएमई के अतिरिक्त							
विवादित	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	6.40	-	0.83	-	-	-	7.23
उप जोड़ (ii)	6.40	-	0.83	-	-	-	7.23
जोड़ (i+ii)	6.48	-	0.91	-	-	-	7.39

19.2 एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 22 के अनुसार प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ताओं को देय मूल राशि	6.64	2.99
(ख) वर्ष के अंत तक आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान न की गई शेष राशि पर उपार्जित और देय ब्याज की राशि	-	-
(ग) एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार क्रेता द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि तथा प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	-	-
(घ) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और भुगतान योग्य ब्याज की राशि (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान नियत दिन से परे किया गया है) लेकिन एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
(ङ.) प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित और अप्रदत्त शेष ब्याज की राशि	-	-
(च) एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 23 के अंतर्गत कटौती योग्य व्यय की अस्वीकृति के प्रयोजनार्थ, आगामी वर्षों में बकाया और भुगतान योग्य शेष ब्याज की राशि, उस तिथि तक जब तक कि उपरोक्त देय ब्याज वास्तव में लघु उद्यम को भुगतान नहीं कर दिया जाता है।	-	-

20. ऋण प्रतिभूतियां

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी ऋण प्रतिभूतियों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(क) प्रतिभूत दीर्घावधि ऋण प्रतिभूतियां				
(i) संस्थागत बॉण्ड	-	-	1,955.00	2,052.46
(ii) 54 ईसी पूंजी लाभ कर मुक्त बॉण्ड	43,235.69	44,768.80	41,110.80	42,535.71
(iii) कर मुक्त बॉण्ड	8,998.71	9,328.33	8,998.71	9,326.50
(iv) 54 ईसी बॉण्ड आवेदन राशि आवंटन लंबित	595.88	594.63	1,245.41	1,244.57
उप-जोड़ (क)	52,830.28	54,691.76	53,309.92	55,159.24
(ख) अप्रतिभूत दीर्घावधि ऋण प्रतिभूतियां				
(i) संस्थागत बॉण्ड	2,00,803.29	2,06,783.97	1,72,275.29	1,78,093.90
(ii) अवसंरचना बॉण्ड	3.96	10.06	3.96	9.32
(iii) शून्य कूपन बॉण्ड	2,795.64	2,789.78	-	-
(iv) विदेशी मुद्रा बॉण्ड	28,286.04	28,199.36	32,963.75	32,847.46
उप - जोड़ (ख)	2,31,888.93	2,37,783.17	2,05,243.00	2,10,950.68

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(ग) अप्रतिभूत अल्पावधि ऋण प्रतिभूतियां				
(i) कमर्शियल पेपर	-	-	-	-
उप - जोड़ (ग)	-	-	-	-
कुल - ऋण प्रतिभूतियां (क+ख+ग)	2,84,719.21	2,92,474.93	2,58,552.92	2,66,109.92
भारत में/ से बाहर जारी ऋण प्रतिभूतियां				
(i) भारत में ऋण प्रतिभूतियां	2,56,433.17	2,64,275.57	2,25,589.17	2,33,262.46
(ii) विदेशों में ऋण प्रतिभूतियां	28,286.04	28,199.36	32,963.75	32,847.46
कुल-ऋण प्रतिभूतियां	2,84,719.21	2,92,474.93	2,58,552.92	2,66,109.92

अंकित मूल्य और परिशोधन लागत में दर्शाए गए आंकड़े के बीच पुनर्मितान के लिए टिप्पणी संख्या 22.2 देखें

20.1 प्रतिभूत दीर्घावधि ऋण प्रतिभूतियों का विवरण - प्रतिभूति के विवरण के लिए टिप्पणी 21.6 का संदर्भ ले

(i) संस्थागत बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
123-III बी श्रृंखला - 9.34% सममूल्य पर दिनांक 23.08.2024 को विमोचनीय	-	-	1,955.00	2,052.46
कुल-संस्थागत बॉण्ड	-	-	1,955.00	2,052.46

(ii) 54 ईसी पूंजी लाभ कर मुक्त बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
श्रृंखला XIII (2019-20) 5.75% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2024 -25 के दौरान विमोचनीय	-	-	6,157.82	6,422.49
श्रृंखला XIV (2020-21) 5.75% एवं 5% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान विमोचनीय	5,312.07	5,518.37	5,312.07	5,515.87
श्रृंखला XV (2021-22) 5% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान विमोचनीय	7,312.80	7,582.92	7,312.80	7,580.06
श्रृंखला XVI (2022-23) 5 % सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2027-28 के दौरान विमोचनीय	12,152.39	12,595.84	12,152.39	12,594.18
श्रृंखला XVII (2023-24) 5.25 % सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2028-29 के दौरान विमोचनीय	11,419.57	11,851.53	10,175.72	10,423.11
श्रृंखला XVIII (2024-25) 5.25 % सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2029-30 के दौरान विमोचनीय	7,038.86	7,220.14	-	-
कुल - 54 ईसी पूंजी लाभ कर मुक्त बॉण्ड	43,235.69	44,768.80	41,110.80	42,535.71

(iii) कर मुक्त बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
श्रृंखला 2015-16 खला 5 ए	300.00	306.48	300.00	306.50
7.17% वार्षिक देय, 23.07.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय				
श्रृंखला 2011-12	2,160.33	2,290.33	2,160.33	2,289.60
वार्षिक रूप से 8.12% से 8.32% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹2,160.33 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 27.03.2027 को विमोचनीय				
श्रृंखला 2012-13 श्रृंखला 2ए और 2बी	245.00	251.27	245.00	251.22
वार्षिक रूप से 7.38% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹245.00 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 22.11.2027 को विमोचनीय हैं।				
श्रृंखला 2012-13 भाग 1	852.04	872.71	852.04	872.59
वार्षिक रूप से 7.38% से 7.88 % की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹852.04 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 20.12.2027 को विमोचन				



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
शृंखला 2012-13 भाग 2	49.71	50.88	49.71	50.88
वार्षिक रूप से 7.04% से 7.54% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹49.71 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 27.03.2028 को विमोचनीय				
शृंखला 2013-14 शृंखला 3ए एवं 3बी	1,141.00	1,195.81	1,141.00	1,195.48
वार्षिक रूप से 8.46% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹1,141.00 करोड़ के बॉण्ड 29.08.2028 को विमोचनीय हैं।				
शृंखला 2013-14 शृंखला 4ए एवं 4बी	45.00	46.73	45.00	46.72
वार्षिक रूप से 8.54% की ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹45.00 करोड़ के बॉण्ड 11.10.2028 को विमोचनीय				
शृंखला 2013-14 भाग 1	2,865.55	2,941.57	2,865.55	2,940.91
वार्षिक रूप से 8.01% से 8.71% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹2,810.26 करोड़ 25.09.2028 को विमोचनीय हैं और ₹55.28 करोड़ 26.09.2033 को विमोचनीय				
शृंखला 2013-14 भाग 2	640.08	657.35	640.08	657.37
वार्षिक रूप से 8.19% से 8.88% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹530.42 करोड़ के बॉण्ड 23.03.2029 को विमोचनीय और ₹109.66 करोड़ के बॉण्ड 24.3.2034 को विमोचनीय				
शृंखला 2015-16 भाग 1	700.00	715.19	700.00	715.24
वार्षिक रूप से 6.89% से 7.43% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹105.93 करोड़ के बॉण्ड 05.11.2025 को विमोचनीय, ₹172.90 करोड़ के बॉण्ड 05.11.2030 को विमोचनीय और ₹421.17 करोड़ के बॉण्ड 05.11.2035 को विमोचनीय				
कुल - कर-मुक्त बॉण्ड	8,998.71	9,328.33	8,998.71	9,326.50

(iv) आवंटन के लिए लंबित बॉण्ड आवेदन राशि

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
54 ईसी पूंजी लाभ कर छूट बॉण्ड	595.88	594.63	1,245.41	1,244.57
5.25% आवंटन की मानित(डीमंड) तिथि से 5 वर्ष के बाद सममूल्य पर विमोचनीय				
कुल: आवंटन के लिए लंबित बॉण्ड आवेदन राशि	595.88	594.63	1,245.41	1,244.57

20.2 अप्रतिभूत दीर्घावधिक ऋण प्रतिभूतियों का विवरण

(i) संस्थागत बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
210वीं शृंखला - 5.74% 20.06.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	4,000.00	4,179.33
180ए शृंखला - 8.10% 25.06.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,018.00	1,080.60
191बी शृंखला - 6.99% 30.09.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,100.00	1,106.69
212वीं शृंखला - फ्लोटिंग (टी-बिल से जुड़ी) 31.10.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,500.00	2,579.54
186बी शृंखला - 8.30% 26.11.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,500.00	1,538.41
128वीं शृंखला - 8.57% 21.12.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,250.00	2,419.44
129वीं शृंखला - 8.23% 23.01.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,925.00	2,064.19
130वीं शृंखला - 8.27% 06.02.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,325.00	2,493.92
131वीं शृंखला - 8.35% 21.02.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,285.00	2,304.78
190ए शृंखला - 6.88% 20.03.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,500.00	2,515.30
201ए शृंखला - 5.90% 31.03.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	900.00	935.51
133वीं शृंखला - 8.30% 10.04.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,396.00	2,453.75	2,396.00	2,454.39

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
94वीं शृंखला - 8.75% 09.06.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,250.00	1,339.00	1,250.00	1,339.30
95-II शृंखला - 8.75% 14.07.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,800.00	1,913.49	1,800.00	1,913.92
136वीं शृंखला - 8.11% 07.10.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,585.00	2,672.14	2,585.00	2,672.18
229ए शृंखला - 7.79% 29.11.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,033.00	1,059.81	1,033.00	1,057.19
203बी शृंखला - 5.85% 20.12.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,777.00	2,822.16	2,777.00	2,821.52
204बी शृंखला - 5.81% 31.12.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,082.00	2,112.04	2,082.00	2,111.81
205बी शृंखला - 5.94% 31.01.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,022.91	2,000.00	2,010.05
214ए शृंखला - 7.32% 28.02.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	500.00	503.19	500.00	503.26
219वीं शृंखला - 7.60% 28.02.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,148.70	3,169.58	3,148.70	3,170.07
220बी शृंखला - 7.69% 31.03.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय और पुट विकल्प 31.03.2026 को प्रयोग योग्य	1,600.10	1,600.13	1,600.10	1,728.53
223ए शृंखला - 7.44% 30.04.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,167.71	3,000.00	3,177.84
228ए शृंखला - 7.80% 30.05.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,679.00	1,788.15	1,679.00	1,723.22
218ए शृंखला - 7.56% 30.06.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,170.55	3,000.00	3,170.45
225वीं शृंखला - 7.64% 30.06.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,210.00	2,336.85	2,210.00	2,314.55
221वीं शृंखला - 7.51% 31.07.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,848.00	2,990.60	2,848.00	2,990.53
234ए शृंखला - 7.70% 31.08.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,661.37	-	-
227ए शृंखला - 7.77% 30.09.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,670.00	2,773.48	2,670.00	2,750.77
211वीं शृंखला - 6.23% 31.10.2031 को सममूल्य पर विमोचन, पुट/कॉल विकल्प के साथ 31.10.2026 को प्रयोग योग्य	1,200.00	1,230.67	1,200.00	1,230.74
237वीं शृंखला - 7.55% 31.10.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,062.33	-	-
140वीं शृंखला - 7.52% 07.11.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,100.00	2,170.00	2,100.00	2,153.26
142वीं शृंखला - 7.54% 30.12.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,061.81	3,000.00	3,023.86
230-ए शृंखला- 7.71% 26-02-2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,685.00	3,720.31	1,000.00	1,015.57
147वीं शृंखला - 7.95% 12.03.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,745.00	2,757.74	2,745.00	2,721.28
231-ए शृंखला- 7.64% 30-04-2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,875.00	3,076.42	2,875.00	2,896.70
232-ए शृंखला- 7.59% 31.05.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,183.00	3,342.34	-	-
236-बी शृंखला- 7.56% 31.08.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,131.18	-	-
156वीं शृंखला - 7.70% 10.12.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,533.00	3,614.62	3,533.00	3,615.03
245 -ए शृंखला- 7.44 % 29.02.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,006.85	-	-
216ए शृंखला - 7.55% 31.03.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,701.50	1,701.39	1,701.50	1,829.71
220ए शृंखला - 7.77% 31.03.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,000.00	2,000.00	2,162.07
223बी शृंखला - 7.46% 30.06.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,993.60	3,160.35	2,993.60	3,170.48
162वीं शृंखला - 8.55% 09.08.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,637.48	2,500.00	2,637.66
163वीं शृंखला - 8.63% 25.08.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,628.12	2,500.00	2,628.32
168 वीं शृंखला - 8.56 % अर्ध-वार्षिक देय, 29.11.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,552.40	2,625.82	2,552.40	2,626.17
169वीं शृंखला - 8.37% अर्ध-वार्षिक देय, 07.12.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,554.00	2,621.12	2,554.00	2,621.46
176वीं शृंखला - 8.85% 16.04.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,600.70	1,736.01	1,600.70	1,735.93
178वीं शृंखला - 8.80% 14.05.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,097.00	1,174.17	1,097.00	1,172.67
234 बी शृंखला - 7.58 % 31.05.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,657.70	-	-
180बी शृंखला - 8.30% 25.06.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,070.90	2,180.89	2,070.90	2,176.90
184 ए शृंखला - 8.25 % 26.09.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,451.00	1,512.23	1,451.00	1,512.37
192वीं शृंखला - 7.50% 28.02.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,382.00	2,396.76	2,382.00	2,396.62
188बी शृंखला - 7.89% 30.03.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,100.00	3,138.62	3,100.00	3,368.55
189वीं शृंखला - 7.92% 30.03.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,054.90	3,055.11	3,054.90	3,296.98
240 बी शृंखला - 7.34 % 30.04.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,901.00	2,983.29	-	-
197वीं शृंखला - 7.55% 11.05.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,740.00	3,990.35	3,740.00	3,990.27



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
198वीं शृंखला - 7.79% 21.05.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,569.00	1,673.97	1,569.00	1,673.94
202ए शृंखला - 7.25% 30.09.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,500.00	3,627.08	3,500.00	3,627.41
203ए शृंखला - 6.80% 20.12.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	5,000.00	5,094.38	5,000.00	5,094.78
204ए शृंखला - 6.90% 31.01.2031 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,527.97	2,500.00	2,528.21
201बी शृंखला - 6.90% 31.03.2031 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,415.00	2,490.29	1,300.00	1,359.90
213वीं शृंखला - 6.92% 20.03.2032 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,380.00	3,335.48	3,380.00	3,329.95
218बी शृंखला - 7.69% 31.01.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,004.40	2,028.92	2,004.40	2,029.20
214बी शृंखला - 7.50% 28.02.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,947.60	4,949.83	4,947.60	4,948.08
217वीं शृंखला - 7.53% 31.03.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	500.00	500.04	500.00	548.48
227बी शृंखला - 7.71% 31.10.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,818.70	2,906.42	2,818.70	2,901.21
228बी शृंखला - 7.71% 30.11.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,899.69	2,972.65	2,899.69	2,974.14
230-बी शृंखला - 7.64% 31-01-2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,036.07	3,000.00	3,045.87
231-बी शृंखला - 7.47% 28-02-2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,514.83	2,500.00	2,517.73
232बी शृंखला - 7.45% 29.04.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,935.00	3,145.24	-	-
233 वीं शृंखला - 7.53% 31.05.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,196.63	-	-
235वीं शृंखला - 7.35% अर्ध-वार्षिक देय, 31.07.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,000.00	4,045.71	-	-
182वीं शृंखला - 8.18% 22.08.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	5,063.00	5,314.70	5,063.00	5,315.13
183 वीं शृंखला - 8.29% 16.09.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,028.00	3,163.28	3,028.00	3,163.58
242 वीं शृंखला - 7.20% 15.01.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,297.00	2,329.78	-	-
245 बी शृंखला - 7.32% 28.02.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,780.00	2,785.19	-	-
241 वीं शृंखला - 7.10% 30.04.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,620.00	1,651.47	-	-
236 ए शृंखला - 7.45% 31.08.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,127.08	-	-
207वीं शृंखला - 7.02% 31.01.2036 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,589.90	4,641.89	4,589.90	4,642.55
208 वीं शृंखला - 7.40 % 15.03.2036 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,613.80	3,625.57	3,613.80	3,625.52
215वीं शृंखला - 7.65% 30.11.2033, 30.11.2034, 30.11.2035, 30.11.2036 और 30.11.2037 को 5 समान किश्तों में विमोचनीय	3,889.00	3,988.08	3,889.00	3,988.60
216बी शृंखला - 7.67% 30.11.2037 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,050.80	2,000.00	2,051.06
229बी शृंखला - 7.67% 30.11.2038 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,539.40	3,627.19	3,539.40	3,618.67
238वीं शृंखला - 7.31% 30.09.2039 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,145.00	2,222.69	-	-
240 ए शृंखला - 7.09% 30.11.2039 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,575.00	3,663.83	-	-
243 वीं शृंखला - 7.28% 20.02.2040 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,595.00	2,616.32	-	-
कुल - संस्थागत बॉण्ड	2,00,803.29	2,06,783.97	1,72,275.29	1,78,093.90

(ii) अवसररचना बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
शृंखला-II (2011-12) - सममूल्य पर विमोचनीय	3.96	10.06	3.96	9.32
कुल : अवसररचना बॉण्ड	3.96	10.06	3.96	9.32

जारी किए गए अवसररचना बॉण्ड का विवरण इस प्रकार है:

15.02.2012 को आर्बिट्रट शृंखला II (2011-12)

(₹ करोड़ में)

ब्याज दर	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक	विमोचन का विवरण
9.15% संचयी	2.83	2.83	15.02.2027 को विमोचनीय अर्थात आवंटन की तिथि से 15 वर्ष
9.15% वार्षिक	1.13	1.13	
कुल	3.96	3.96	

राशियों को अंकित मूल्य पर दर्शाया गया है।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

(iii) शून्य कूपन बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
जेडसीबी - बॉण्ड श्रृंखला 239	2,795.64	2,789.78	-	-
अशोधित छूट के बाद, 5,00,000 बॉण्ड, प्रत्येक ₹1,00,000 अंकित मूल्य के, 03.11.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय				
कुल - शून्य कूपन बॉण्ड	2,795.64	2,789.78	-	-

* शून्य कूपन बॉण्ड जारी करने पर अशोधित (अमोर्टाइज्ड) छूट के अंकित मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है

(iv) विदेशी मुद्रा बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
3.375% यूएस \$650 मिलियन बॉण्ड - 25.07.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	5,419.30	5,450.24
3.50% यूएस \$500 मिलियन बॉण्ड - 11.12.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	4,168.70	4,210.34
2.25% यूएस \$500 मिलियन बॉण्ड - 01.09.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,279.07	4,282.25	4,168.70	4,168.48
2.75% यूएस \$400 मिलियन बॉण्ड - 13.01.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,423.26	3,440.91	3,334.96	3,350.67
3.875% यूएस \$450 मिलियन ग्रीन बॉण्ड - 07.07.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,851.16	3,715.94	3,751.83	3,547.96
4.625% यूएस \$300 मिलियन बॉण्ड - 22.03.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,567.44	2,464.82	2,501.22	2,366.73
5.625% यूएस \$750 मिलियन बॉण्ड - 11.04.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	6,418.61	6,579.48	6,253.04	6,406.68
1.76% जेपीवाई 31000 मिलियन बॉण्ड - 19.01.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,759.25	1,762.88	1,707.79	1,712.28
1.41% जेपीवाई 27400 मिलियन बॉण्ड - 19.04.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,554.95	1,534.10	1,509.47	1,484.82
4.75% यूएसडी 500 मिलियन बॉण्ड - 27.09.2029 को सममूल्य पर विमोचन योग्य	4,279.07	4,265.34	-	-
2.20% जेपीवाई 2700 मिलियन बॉण्ड - 19.01.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	153.23	153.64	148.74	149.26
कुल - विदेशी मुद्रा बॉण्ड	28,286.04	28,199.36	32,963.75	32,847.46

ग्लोबल मीडियम टर्म टिप्पणी (जीएमटीएन) प्रोग्राम

कंपनी के पास 10 बिलियन अमरीकी डॉलर का ग्लोबल मीडियम टर्म टिप्पणी (जीएमटीएन) प्रोग्राम है जो एसजीएक्स-एसटी (सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज - सिक्योरिटीज ट्रेडिंग) एलएसई-आईएसएम (लंदन स्टॉक एक्सचेंज - इंटरनेशनल सिक्योरिटीज मार्केट), इंडिया आईएनएक्स (इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज) का ग्लोबल सिक्योरिटीज मार्केट (जीएसएम) और एनएसई आईएफएससी (एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज) पर सूचीबद्ध है। जीएमटीएन कार्यक्रम के तहत जुटाई गई निधि का सारांश निम्नानुसार है:

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
जीएमटीएन प्रोग्राम के तहत वर्ष के दौरान जुटाई गई निधि	यूएसडी 0.50 बिलियन	यूएसडी 1.17 बिलियन
जीएमटीएन प्रोग्राम के तहत जुटाई गई संचयी राशि	यूएसडी 6.07 बिलियन	यूएसडी 5.57 बिलियन
जीएमटीएन प्रोग्राम के तहत जुटाई गई निधि में से बकाया राशि	यूएसडी 3.32 बिलियन	यूएसडी 3.97 बिलियन

वर्ष के दौरान जुटाई गई राशि का उपयोग ऑफरिंग सर्कुलर में उल्लिखित उद्देश्यों के लिए किया गया है। इसके अलावा, ऋण प्रतिभूतियों और उधारों के पुनर्भुगतान में तुलन पत्र की तिथि को कोई चूक नहीं हुई है और कंपनी ने वर्ष के दौरान अपने सभी ऋण सेवा दायित्वों, चाहे मूलधन या ब्याज, को पूरा किया है। इसके अलावा, तुलन पत्र की तिथि को ऋण करारों के अंतर्गत वित्तीय प्रसविदाओं का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

21. उधारियां (ऋण प्रतिभूतियां के अलावा)

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी उधारियों (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा) को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(क) अप्रतिभूत दीर्घावधि उधारियां				
(i) बैंकों से सावधिक ऋण	41,879.47	41,886.99	50,612.28	50,620.49
(ii) वित्तीय संस्थानों से सावधिक ऋण	2,500.00	2,500.00	8,050.00	8,072.29
(iii) विदेशी मुद्रा में सावधिक ऋण	94,571.40	94,216.65	67,205.64	66,772.38
(iv) एफसीएनआर (बी) ऋण	4,279.07	4,279.79	-	-
(v) भारत सरकार (एनएसएसएफ) से सावधिक ऋण	10,000.00	10,325.12	10,000.00	10,325.12
उप-जोड़ (क)	1,53,229.94	1,53,208.55	1,35,867.92	1,35,790.28



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(ख) अप्रतिभूत अल्पावधि उधारियां				
(i) एफसीएनआर (बी) ऋण	38,902.89	38,920.51	25,138.67	25,151.29
(ii) बैंकों से मांग पर अल्पावधि ऋण / ऋण प्रतिदेय	1,600.00	1,600.32	10,875.94	10,883.04
(iii) बैंकों से मांग पर ओवरड्राफ्ट्स / नकदी ऋण प्रतिदेय	570.78	570.78	267.44	267.44
उप-जोड़ (ख)	41,073.67	41,091.61	36,282.05	36,301.77
कुल- उधारियां(ऋण प्रतिभूतियां के अलावा) (क से ख)	1,94,303.61	1,94,300.16	1,72,149.97	1,72,092.05
भारत में / से बाहर उधारियां (ऋण प्रतिभूतियां के अलावा)				
(i) भारत में उधारियां	99,732.21	1,00,083.51	1,04,944.33	1,05,319.67
(ii) भारत से बाहर उधारियां	94,571.40	94,216.65	67,205.64	66,772.38
कुल - उधारियां (ऋण प्रतिभूतियां के अलावा)	1,94,303.61	1,94,300.16	1,72,149.97	1,72,092.05

कृपया अंकित मूल्य में प्रतिबिम्बित आंकड़ों और परिशोधित लागत के आंकड़ों के बीच पुनर्मिलान के लिए टिप्पणी संख्या 22.2 देखें

21.1 अप्रतिभूत दीर्घावधि उधारियों के विवरण

(i) बैंकों से सावधिक ऋण

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- कर्नाटक बैंक	499.97	499.97	499.98	499.98
₹499.98 करोड़ 15.05.2025 को प्रतिदेय				
- पंजाब एंड सिंध बैंक	-	-	499.91	499.91
09.8.2024 को ₹499.91 करोड़ चुकाए गए				
- जम्मू एवं कश्मीर बैंक	299.94	299.94	299.94	300.01
₹299.94 करोड़ 28.10.2026 को प्रतिदेय				
- ड्यूश बैंक	-	-	500.00	500.22
19.12.2024 को ₹500 करोड़ चुकाए गए				
- साउथ इंडियन बैंक	499.89	499.99	499.89	500.00
₹299.93 करोड़ 08.11.2026 को प्रतिदेय और ₹199.96 करोड़ 04.08.2027 को प्रतिदेय				
- बैंक ऑफ बड़ौदा	2,624.91	2,625.44	4,749.92	4,750.97
₹2,624.91 करोड़ 30.09.2025 से शुरू होने वाली 4 वार्षिक किस्तों में को प्रतिदेय और अंतिम किस्त 30.09.2028 को प्रतिदेय				
- भारतीय स्टेट बैंक	709.92	709.92	7,750.94	7,750.94
₹709.92 करोड़ 15.07.2025 को एक अर्द्धवार्षिक किस्तों में को प्रतिदेय				
- पंजाब नेशनल बैंक	8,962.44	8,963.76	7,529.29	7,530.17
₹663.31 करोड़ 31.08.2025 को प्रतिदेय, ₹1,999.64 करोड़ 11.11.2026 को प्रतिदेय, ₹999.64 करोड़ 29.03.2028 से शुरू होने वाले ₹200 करोड़ की 4 समान वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय और ₹199.64 करोड़ की अंतिम किस्त 29.12.2031 को, ₹1,199.99 करोड़ 03.11.2028 को प्रतिदेय, ₹1,999.99 करोड़ 26.12.2028 को प्रतिदेय, ₹2,099.87 करोड़ 20.06.2029 को प्रतिदेय।				
- सेंट्रल बैंक	899.99	899.99	899.99	899.99
₹499.99 करोड़ 30.03.2026 से शुरू होने वाली 7 वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय और अंतिम किस्त 30.03.2032 को और ₹400 करोड़ 17.11.2025 को प्रतिदेय				
- एचडीएफसी बैंक	17,850.00	17,853.65	17,850.00	17,853.86
₹850 करोड़ 17.11.2026 को प्रतिदेय, ₹2,000 करोड़ 31.03.2027 को प्रतिदेय, ₹2,000 करोड़ 07.09.2027 को प्रतिदेय, ₹2,500 करोड़ 29.12.2027 को प्रतिदेय, ₹2,500 करोड़ 27.02.2028 को प्रतिदेय, ₹1,000 करोड़ 27.06.2028 को प्रतिदेय, ₹1,500 करोड़ 29.06.2028 को प्रतिदेय, ₹4,000 करोड़ 30.09.2028 को प्रतिदेय और ₹1,500 करोड़ 28.12.2028 को प्रतिदेय।				

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	3,999.41	4,000.20	3,999.42	4,000.27
₹1,999.66 करोड़ का ऋण 31.03.2027 से शुरू होकर ₹400 करोड़ की 5 वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय और अंतिम किस्त 31.03.2031 को और ₹999.99 करोड़ 04.01.2026 को प्रतिदेय, ₹499.87 करोड़ का ऋण 29.09.2028 को चुकाया जाएगा और ₹499.89 करोड़ का ऋण होगा 05.11.2028 को प्रतिदेय				
- आईसीआईसीआई बैंक	5,533.00	5,534.13	5,533.00	5,534.17
₹4,000 करोड़ 23.01.2030 को को प्रतिदेय और ₹1,533 करोड़ 15.05.2028 को को प्रतिदेय				
कुल - बैंकों से अप्रतिभूत सावधिक ऋण	41,879.47	41,886.99	50,612.28	50,620.49

(ii) अन्य से सावधिक ऋण - वित्तीय संस्थान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
-इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल)	2,500.00	2,500.00	4,550.00	4,549.46
09.08.2026 को ₹1,000 करोड़ प्रतिदेय, और 11.12.2028 को ₹1,500 करोड़ प्रतिदेय				
09.08.2026 को ₹1,000 करोड़ प्रतिदेय, और 11.12.2028 को ₹1,500 करोड़ प्रतिदेय	-	-	3,500.00	3,522.83
13.11.2024 को ₹3,500 करोड़ चुकाए गए				
कुल - अन्य वित्तीय संस्थाओं से असुरक्षित अवधि ऋण	2,500.00	2,500.00	8,050.00	8,072.29

(iii) विदेशी मुद्रा उधारियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(1) ओडीए ऋण - भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत				
1.86% केएफडब्ल्यू-III ऋण - प्रतिदेय €5.26 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में, अंतिम किस्त 27.06.2024 को चुकाया गए	-	-	47.49	47.72
उप-जोड़ (1)	-	-	47.49	47.72
(2) ओडीए ऋण - सरकारी गारंटी के बिना				
केएफडब्ल्यू-IV ऋण - 15.11.2030 तक यूएस €12.00 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय, अगली किस्त 15.05.2025 को देय होगी	1,232.37	1,255.83	1,400.68	1,432.92
केएफडब्ल्यू-V ऋण - 15.05.2034 तक यूएस \$ 8.921 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय, पहली किस्त 15.05.2025 को देय होगी	1,450.60	1,479.93	1,026.78	1,050.41
केएफडब्ल्यू-VI ऋण - 15.05.2036 तक यूएस \$ 14.37 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय, पहली किस्त 15.05.2029 को देय होगी	622.63	629.63	-	-
उप-जोड़ (2)	3,305.60	3,365.39	2,427.46	2,483.33
(3) द्विपक्षीय/सिंडिकेटेड ऋण				
यूएस \$150 मिलियन - \$75 मिलियन 29.03.2024 को चुकाए गए और \$75 मिलियन 14.05.2024 को चुकाए गए	-	-	625.30	625.00
यूएस \$100 मिलियन - 01.07.2024 को चुकाए गए	-	-	833.74	847.51
एसजीडी \$72.07 मिलियन - 28.03.2025 को चुकाए गए	-	-	444.93	442.68
यूएस \$75 मिलियन - 02.04.2025 को प्रतिदेय	641.86	651.58	625.30	620.58
जेपीवाई\$ 10.519 बिलियन - 25.09.2025 को प्रतिदेय	596.95	595.88	579.49	575.93
यूएस \$170 मिलियन - \$100 मिलियन 26.03.2025 को चुकाए गए और \$ 70 मिलियन - 06.10.2025 को प्रतिदेय	599.07	600.57	1,417.36	1,421.43
यूएस \$425 मिलियन - 16.03.2026 को प्रतिदेय	3,637.21	3,634.16	3,543.39	3,528.67
यूएस \$600 मिलियन - 25.08.2026 को प्रतिदेय	5,134.88	5,137.56	5,002.43	4,991.65
यूएस \$75 मिलियन - 07.10.2026 को प्रतिदेय	641.86	656.56	625.30	640.98



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस \$1175 मिलियन - 29.12.2026 को प्रतिदेय	10,055.81	9,978.86	9,796.43	9,680.47
जेपीवाई\$ 37.506 बिलियन - 03.03.2027 को प्रतिदेय	2,128.50	2,115.64	2,066.24	2,045.33
यूएस \$100 मिलियन - 13.06.2027 को प्रतिदेय	855.81	853.04	833.74	829.15
यूएस \$45 मिलियन - 02.07.2027 को प्रतिदेय	385.12	386.94	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 28.07.2027 को प्रतिदेय	1,711.63	1,717.47	1,667.48	1,671.47
यूएस \$150 मिलियन - 13.09.2027 को प्रतिदेय	1,283.72	1,278.74	1,250.61	1,242.95
एसजीडी 213.21 मिलियन - 27.10.2027 को प्रतिदेय	1,358.36	1,353.58	1,316.19	1,309.63
€ 254.19 मिलियन - 31.10.2027 को प्रतिदेय	2,346.84	2,342.96	2,293.28	2,286.52
€ 349.83 मिलियन - 27.03.2028 को प्रतिदेय	3,229.79	3,199.82	3,156.09	3,117.13
जेपीवाई\$ 38.624 बिलियन - 20.04.2028 को प्रतिदेय	2,191.93	2,181.58	2,127.82	2,107.82
जेपीवाई 10.495 बिलियन - 26.06.2028 को प्रतिदेय	595.60	591.29	578.18	571.55
यूएस \$505 मिलियन - 03.08.2028 को प्रतिदेय	4,321.86	4,297.39	4,210.38	4,173.93
यूएस \$645 मिलियन - 31.08.2028 को प्रतिदेय	5,520.00	5,465.21	5,377.62	5,305.50
यूएस \$100 मिलियन - 14.09.2028 को प्रतिदेय	855.81	857.81	833.74	822.89
जेपीवाई\$ 68.485 बिलियन - 21.09.2028 को प्रतिदेय	3,886.54	3,824.80	3,772.85	3,694.73
यूएस \$100 मिलियन - 25.09.2028 को प्रतिदेय	855.81	843.90	833.74	818.56
जेपीवाई\$ 14.358 बिलियन - 09.01.2029 को प्रतिदेय	814.84	817.66	791.01	793.01
यूएस \$100 मिलियन - 06.02.2029 को प्रतिदेय	855.81	851.32	833.74	827.74
जेपीवाई\$ 22.101 बिलियन - 15.02.2029 को प्रतिदेय	1,254.23	1,240.19	1,217.54	1,199.30
यूएस \$200 मिलियन - 07.03.2029 को प्रतिदेय	1,711.63	1,688.89	1,667.48	1,639.25
जेपीवाई\$ 22.041 बिलियन - 19.03.2029 को प्रतिदेय	1,250.83	1,235.03	1,214.24	1,194.77
जेपीवाई\$ 14.847 बिलियन - 21.03.2029 को प्रतिदेय	842.57	835.43	817.92	809.35
यूएस \$225 मिलियन - 27.03.2029 को प्रतिदेय	1,925.58	1,893.38	1,875.91	1,836.80
जेपीवाई\$ 60.536 बिलियन - 25.04.2029 को प्रतिदेय	3,435.42	3,361.97	-	-
जेपीवाई\$ 9.376 बिलियन - 17.05.2029 को प्रतिदेय	532.07	532.09	-	-
यूएस \$300 मिलियन - 04.06.2029 को प्रतिदेय	2,567.44	2,581.13	-	-
यूएस \$90 मिलियन - 13.06.2029 को प्रतिदेय	770.23	774.23	-	-
जेपीवाई\$ 32.222 बिलियन - 28.06.2029 को प्रतिदेय	1,828.60	1,813.54	-	-
यूएस \$300 मिलियन - 10.07.2029 को प्रतिदेय	2,567.44	2,564.53	-	-
जेपीवाई\$ 31.964 बिलियन - 30.07.2029 को प्रतिदेय	1,813.96	1,820.99	-	-
यूएस \$125 मिलियन - 30.10.2029 को प्रतिदेय	1,069.77	1,082.36	-	-
जेपीवाई\$ 12.80 बिलियन - 13.11.2029 को प्रतिदेय	726.40	722.57	-	-
यूएस \$75 मिलियन - 05.12.2029 को प्रतिदेय	641.86	653.83	-	-
जेपीवाई\$ 45.02 बिलियन - 06.12.2029 को प्रतिदेय	2,554.86	2,518.16	-	-
यूएस \$250 मिलियन - 26.12.2029 को प्रतिदेय	2,139.54	2,144.83	-	-
यूएस \$320 मिलियन - 22.01.2030 को प्रतिदेय	2,738.60	2,732.25	-	-
यूएस \$250 मिलियन - 07.02.2030 को प्रतिदेय	2,139.54	2,123.61	-	-
जेपीवाई\$ 29.642 बिलियन - 19.03.2030 को प्रतिदेय	1,682.18	1,670.32	-	-
यूएस \$300 मिलियन - 02.06.2030 को प्रतिदेय	2,567.44	2,627.61	2,501.22	2,569.05
उप- जोड़ - (3)	91,265.80	90,851.26	64,730.69	64,241.33
कुल- विदेशी मुद्रा उधारियां (1+2+3)	94,571.40	94,216.65	67,205.64	66,772.38

(iv) एफसीएनआर (बी) ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस \$500 मिलियन - 10.12.2027 को प्रतिदेय	4,279.07	4,279.79	-	-
कुल- ' एफसीएनआर (बी) ऋण	4,279.07	4,279.79	-	-

लेखा संबंधी टिप्पणियां

(v) भारत सरकार से सावधि ऋण - राष्ट्रीय लघु बचत कोष (एनएसएसएफ)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
एनएसएसएफ से ऋण	10,000.00	10,325.12	10,000.00	10,325.12
13.12.2028 को ₹5,000 करोड़ प्रतिदेय एवं 04.10.2029 को ₹5,000 करोड़ प्रतिदेय				
कुल - सरकार से सावधिक ऋण	10,000.00	10,325.12	10,000.00	10,325.12

21.2 अप्रतिभूत अल्पावधि उधारियां

(i) एफसीएनआर (बी) ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस\$150 मिलियन - 03.04.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,251.45
यूएस\$150 मिलियन - 19.04.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,251.46
यूएस\$150 मिलियन - 19.04.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,251.50
यूएस\$150 मिलियन - 10.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.82
यूएस\$200 मिलियन - 14.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,667.48	1,667.76
यूएस\$150 मिलियन - 16.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.82
यूएस\$124.85 मिलियन - 24.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,040.92	1,041.62
यूएस\$75.15 मिलियन - 24.05.2024 को चुकाए गए	-	-	626.55	626.98
यूएस\$75 मिलियन - 07.06.2024 को चुकाए गए	-	-	625.30	625.73
यूएस\$44 मिलियन - 12.06.2024 को चुकाए गए	-	-	366.85	367.10
यूएस\$125 मिलियन - 05.07.2024 को चुकाए गए	-	-	1,042.17	1,042.37
यूएस\$150 मिलियन - 09.08.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.85
यूएस\$100 मिलियन - 20.09.2024 को चुकाए गए	-	-	833.74	833.90
यूएस\$200 मिलियन - 06.12.2024 को चुकाए गए	-	-	1,667.48	1,668.61
यूएस\$250 मिलियन - 12.12.2024 को चुकाए गए	-	-	2,084.35	2,085.79
यूएस\$100 मिलियन - 12.12.2024 को चुकाए गए	-	-	833.74	834.30
यूएस\$75 मिलियन - 13.12.2024 को चुकाए गए	-	-	625.30	625.74
यूएस\$200 मिलियन - 27.12.2024 को चुकाए गए	-	-	1,667.48	1,667.80
जेपीवाई\$ 34.229 बिलियन - 27.12.2024 को चुकाए गए	-	-	1,885.68	1,885.96
यूएस\$150 मिलियन - 14.02.2025 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.84
यूएस\$70 मिलियन - 14.02.2025 को चुकाए गए	-	-	583.62	584.04
यूएस\$100 मिलियन - 18.03.2025 को चुकाए गए	-	-	833.74	835.85
यूएस \$148.039 मिलियन - 03.04.2025 को प्रतिदेय	1,266.94	1,267.86	-	-
यूएस \$62.09 मिलियन - 03.04.2025 को प्रतिदेय	530.69	531.08	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 08.04.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.96	-	-
यूएस \$85.547 मिलियन - 17.04.2025 को प्रतिदेय	732.13	732.67	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 23.04.2025 को प्रतिदेय	855.81	855.98	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 25.04.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.97	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 02.05.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,711.96	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 06.05.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.97	-	-
यूएस \$240.103 मिलियन - 23.05.2025 को प्रतिदेय	2,054.84	2,055.17	-	-
यूएस \$124.098 मिलियन - 23.05.2025 को प्रतिदेय	1,062.06	1,062.84	-	-
यूएस \$75.15 मिलियन - 23.05.2025 को प्रतिदेय	643.14	643.62	-	-
यूएस \$75 मिलियन - 06.06.2025 को प्रतिदेय	641.86	642.33	-	-
यूएस \$44 मिलियन - 11.06.2025 को प्रतिदेय	376.56	376.84	-	-
यूएस \$49 मिलियन - 12.06.2025 को प्रतिदेय	419.35	419.63	-	-
यूएस \$119.793 मिलियन - 27.06.2025 को प्रतिदेय	1,025.20	1,025.20	-	-
यूएस \$120 मिलियन - 27.06.2025 को प्रतिदेय	1,026.98	1,027.14	-	-



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस \$125 मिलियन - 03.07.2025 को प्रतिदेय	1,069.77	1,069.97	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 09.07.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,711.95	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 17.07.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.96	-	-
यूएस \$250 मिलियन - 22.08.2025 को प्रतिदेय	2,139.54	2,139.91	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 04.09.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,711.92	-	-
यूएस \$60 मिलियन - 15.10.2025 को प्रतिदेय	513.49	513.83	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 16.10.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.94	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 07.11.2025 को प्रतिदेय	855.81	856.38	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 25.11.2025 को प्रतिदेय	855.81	855.96	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 26.11.2025 को प्रतिदेय	855.81	855.96	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 05.12.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,712.76	-	-
यूएस \$141 मिलियन - 11.12.2025 को प्रतिदेय	1,206.70	1,207.50	-	-
यूएस \$75 मिलियन - 12.12.2025 को प्रतिदेय	641.86	642.28	-	-
यूएस \$225 मिलियन - 17.12.2025 को प्रतिदेय	1,925.58	1,925.91	-	-
जेपीवाई 34.229 बिलियन - 27.12.2025 को चुकाए गए	1,942.50	1,942.50	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 14.01.2026 को प्रतिदेय	855.81	859.96	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 13.02.2026 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.94	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 18.03.2026 को प्रतिदेय	855.81	857.66	-	-
कुल-एफसीएनआर (बी) ऋण	38,902.89	38,920.51	25,138.67	25,151.29

(ii) अल्पावधि ऋण/बैंकों से मांग पर प्रतिदेय वाले ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- बैंक ऑफ इंडिया	-	-	524.94	525.04
29.05.2024 को ₹525 करोड़ चुकाए गए				
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	-	-	800.00	800.00
12.04.2024 को ₹800 करोड़ चुकाए गए				
-पंजाब नेशनल बैंक	-	-	1,500.00	1,500.30
15.04.2024 को ₹1000 करोड़ और 29.04.2024 को ₹500 करोड़ चुकाए गए				
-साउथ इंडियन बैंक	-	-	150.00	150.03
26.04.2024 को ₹150 करोड़ चुकाए गए				
-भारतीय स्टेट बैंक	-	-	2,501.00	2,506.82
01.05.2024 को ₹150 करोड़ चुकाए गए, 03.05.2024 को ₹425 करोड़ चुकाए गए, 15.04.2024 को ₹426 करोड़ चुकाए गए, 15.04.2024 को ₹700 करोड़ चुकाए गए और 09.04.2024 को ₹800 करोड़ चुकाए गए				
-यूको बैंक	-	-	500.00	500.10
08.04.2024 को ₹500 करोड़ चुकाए गए				
-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	-	-	750.00	750.16
26.04.2024 को ₹750 करोड़ चुकाए गए				
-इंडियन बैंक	-	-	1,000.00	1,000.00
02.04.2024 को ₹1000 करोड़ चुकाए गए				
-इंडसइंड बैंक	-	-	300.00	300.06
03.04.2024 को ₹220 करोड़ और 06.04.2024 को ₹80 करोड़ चुकाए गए				
-कर्नाटक बैंक	-	-	250.00	250.00
₹250 करोड़ 24.04.2024 को प्रतिदेय				
-एचडीएफसी बैंक	1,500.00	1,500.30	2,500.00	2,500.51
₹1500 करोड़ 26.11.2025 को प्रतिदेय				

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
केईबी हाना बैंक	100.00	100.02	100.00	100.02
₹100 करोड़ 13.11.2025 को प्रतिदेय				
कुल- अल्पावधि ऋण/बैंकों से मांग पर प्रतिदेय वाले ऋण	1,600.00	1,600.32	10,875.94	10,883.04

21.3 टिप्पणी संख्या 21.1 (i), (ii) तथा (iv) में उल्लिखित है कि बैंकों / वित्तीय संस्थाओं / सरकार से सावधिक ऋण 7.50% से 8.29% (पिछले वर्ष 7.50% से 8.29%) मासिक, तिमाही एवं अर्धवार्षिक ब्याज दरों पर देय है।

21.4 टिप्पणी संख्या 21.1(iii) में विदेशी मुद्रा उधारियां ओवरनाइट एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग दर) सहित बाहरी बेंचमार्क पर 13 बीपीएस से 210 बीपीएस (पिछले वर्ष 13 बीपीएस से 210बीपीएस) के दायरे में परिवर्तनीय ब्याज दरों पर बढ़ाया गया है जिसमें 3/6 महीने का टर्म एसओएफआर, एसओआरए (सिंगापुर ओवरनाइट रेट एवरेज), टीओएनएआर (टोक्यो ओवरनाइट एवरेज रेट), 3/6 महीने का ईयूआरआईबीओआर (यूरो इंटर बैंक ऑफर रेट) शामिल है और क्रेडिट एडजस्टमेंट स्प्रेड (सीएएस) जो नई बेंचमार्क दरों के ऋण के संचरण पर लागू होता है, उन मामलों को छोड़कर जहां दर का उल्लेख किया गया है।

21.5 कंपनी ने चालू परिसंपत्तियों की प्रतिभूति के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थाओं से कोई निधि उधार नहीं ली है।

21.6 ऋण प्रतिभूतियों एवं उधारियों की प्रतिभूति का सुरक्षा विवरण

कंपनी द्वारा जारी किए गए सभी सुरक्षित बॉण्ड और तुलन पत्र की तारीख के अनुसार बकाया के लिए, कुछ अचल संपत्तियों पर बंधक के रूप में 100% सुरक्षा कवर बनाए रखा गया है और/या कंपनी की प्राप्ति पर शुल्क लगाया गया है।

वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान जारी किए गए कर मुक्त बॉण्ड दुकान नंबर 12, ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक नंबर 35, चर्च रोड, मायलापुर, चेन्नई के परिसर में प्रथम पैरी पासु चार्ज और महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के ₹4,998.66 करोड़ की चुनिंदा ऋण संपत्तियों को विस्तार आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड (पूर्व में आईएल एंड एफएस ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड) के पक्ष में बंधक बनाकर सुरक्षित किए गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान जारी किए गए कर मुक्त बॉण्ड एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के पक्ष में कंपनी की बुक डेब्ट (विशेष रूप से उधारदाताओं / अन्य ट्रस्टियों को चार्ज / निर्धारित किए गए के अलावा) पर पहले पैरी पासु चार्ज द्वारा सुरक्षित हैं।

वित्तीय वर्ष 2012-13 और 2015-16 के दौरान जारी किए गए कर छूट बॉण्ड (ए) परिसर के बंधक पर उप प्लॉट नंबर 8, टीपीएस नंबर 2, एफपी नंबर 584पी, ग्राम सुभानपुरा, जिला वडोदरा में स्थित प्रथम पैरी पासु चार्ज द्वारा सुरक्षित किया गया है और (बी) एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के पक्ष में प्राप्य (उन संपत्तियों के अलावा जो ऋणदाताओं/अन्य ट्रस्टियों को विशेष रूप से चार्ज/निर्धारित की गई हैं) का बंधक।

54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड की बॉण्ड श्रृंखला XIV, XV, XVI, XVIII और XVII को एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के पक्ष में ऋण परिसंपत्तियों (उन संपत्तियों के अलावा जो विशेष रूप से उधारदाताओं / अन्य ट्रस्टियों के लिए चार्ज / निर्धारित किए गए हैं) के बंधक पर पैरी पासु चार्ज द्वारा सुरक्षित किए जाते हैं।

सुरक्षा के रूप में गिरवी रखी गई ऋण परिसंपत्तियों और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के अग्रणी मूल्य के लिए टिप्पणी संख्या 10 और 16.2 देखें।

21.7 संबंधित वैधानिक तिथि से परे कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) के साथ अभी तक कोई शुल्क या संतुष्टि दर्ज नहीं की गई है।

22. अधीनस्थ देयताएं

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी ऋण प्रतिभूतियों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

				(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
		अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
(i)	175वीं श्रृंखला – अधीनस्थ टियर-II बॉण्ड्स – 8.97% सममूल्य पर 28.03.2029 को विमोचनीय	2,151.20	2,136.98	2,151.20	2,091.95
(ii)	199वीं श्रृंखला – अधीनस्थ टियर-II बॉण्ड्स – 7.96% सममूल्य पर 15.06.2030 को विमोचनीय	1,999.50	2,093.18	1,999.50	2,041.60
(iii)	222वीं श्रृंखला - स्थायी टियर-I बॉण्ड्स- 30.04.2033 को कॉल विकल्प के साथ 7.98% और उसके बाद वार्षिक वर्षगांठ की तारीख पर	2,000.00	2,144.57	2,000.00	2,145.28
(iv)	222वीं श्रृंखला - स्थायी टियर-I बॉण्ड्स- 30.04.2033 को कॉल विकल्प के साथ 7.98% और उसके बाद वार्षिक वर्षगांठ की तारीख पर	1,090.00	1,132.65	1,090.00	1,133.38
(v)	244 वीं श्रृंखला - स्थायी टियर-I बॉण्ड्स- 28.02.2035 को कॉल विकल्प के साथ 7.99% और उसके बाद वार्षिक वर्षगांठ की तारीख पर	1,995.00	2,006.78	-	-
	कुल - अधीनस्थ देयताएं	9,235.70	9,514.16	7,240.70	7,412.21
	भारत में / बाहर अधीनस्थ देयताएं				
(i)	भारत में उधारियां	9,235.70	9,514.16	7,240.70	7,412.21
(ii)	भारत के बाहर उधारियां	-	-	-	-
	कुल - अधीनस्थ देयताएं	9,235.70	9,514.16	7,240.70	7,412.21

अंकित मूल्य और परिशोधन लागत में दर्शाए गए आंकड़ों के बीच समाधान के लिए टिप्पणी संख्या 22.2 देखें।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

22.1 वर्ष के दौरान क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई रेटिंग तथा रेटिंग में बदलाव

विवरण	रेटिंग
घरेलू दीर्घ-अवधि उधारियां	क्रिसिल एएए, आईसीआरए एएए, केयर एएए, आईएनडी एएए
घरेलू दीर्घावधि प्रिंसिपल प्रोटेक्टेड मार्केट लिंक्ड डिबेंचर	क्रिसिल पीपी-एमएलडी एएए, इक्रा पीपी-एमएलडी एएए
घरेलू स्थायी बॉण्ड	क्रिसिल एएए, केयर एए+
घरेलू अल्पावधि उधारियां	क्रिसिल ए1+, आईसीआरए ए1+, केयरए1+, आईएनडी ए1+
अंतर्राष्ट्रीय दीर्घावधि जारीकर्ता रेटिंग	बीबीबी- (फिच), बीएए3 (मूडीज), बीबीबी+ (जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी)

वर्ष के दौरान रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

22.2 उधारियों के संबंध में वहनीय मूल्य और बकाया संविदात्मक राशि के बीच समाधान:

विवरण	ऋण प्रतिभूतियां	अन्य उधारियां	अधीनस्थ देयताएं	कुल
31 मार्च 2025 तक				
इंड-एएस के तहत कुल राशि	2,92,474.93	1,94,300.16	9,514.16	4,96,289.25
घटाएं: इंड-एएस के तहत उसी शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत उधारियों पर अर्जित ब्याज	(8,293.10)	(952.79)	(333.79)	(9,579.68)
जोड़ें: ईआईआर सहित इंड-एएस समायोजन	537.37	956.24	55.33	1,548.94
कुल बकाया उधारियां	2,84,719.20	1,94,303.61	9,235.70	4,88,258.51
31 मार्च 2024 तक				
इंड-एएस के तहत कुल राशि	2,66,109.92	1,72,092.05	7,412.21	4,45,614.18
घटाएं: इंड-एएस के तहत उसी शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत उधारियों पर अर्जित ब्याज	(8,264.50)	(766.66)	(321.21)	(9,352.37)
जोड़ें: ईआईआर सहित इंड-एएस समायोजन	707.50	824.58	149.70	1,681.78
कुल बकाया उधारियां	2,58,552.92	1,72,149.97	7,240.70	4,37,943.59

22.3 कंपनी बैंकों / वित्तीय संस्थानों / सरकारी एजेंसियों से सावधिक ऋणों के मिश्रण और ऋण प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के माध्यम से विभिन्न अवधियों बॉण्ड के माध्यम से विभिन्न मुद्राओं में धन जुटाती है। वर्ष के दौरान जुटाई गई राशि का उपयोग प्रस्ताव लिखत / सूचना ज्ञापन में बताई गई वस्तुओं (प्रयोजनों) के लिए किया गया है। इसके अलावा, ऋण प्रतिभूतियों, उधारियों और अधीनस्थ देयताओं के पुनर्भुगतान में तुलन पत्र की तारीख की स्थिति के अनुसार कोई चूक नहीं हुई है और कंपनी ने अपने सभी ऋण चुकाने संबंधी सभी बाध्यताओं को पूरा किया है, चाहे वे वर्ष के दौरान मूलधन या ब्याज से संबंधित क्यों न रही हों। इसके अलावा, कंपनी द्वारा जारी ऋण प्रतिभूतियों, उधारियों तथा ऋण प्रतिभूतियों संबंधी प्रसंविदा का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

23. अन्य वित्तीय देयताएं

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) अप्रदत्त लाभांश (संदर्भ संख्या 23.1)	1,079.07	1,192.72
(ख) अप्रदत्त मूलधन एवं बॉण्ड पर ब्याज (संदर्भ संख्या 23.1)		
- परिपक्व बॉण्ड एवं उन पर उपचित ब्याज	26.99	22.42
- बॉण्ड पर ब्याज	13.03	10.52
उप-जोड़ (ख)	40.02	32.94
(ग) वेरिफेशन मार्जिन के लिए प्राप्त अग्रिम		
(घ) सब्सिडी/अनुदान (संचयी) के रूप में संवितरण के लिए भारत सरकार से प्राप्त निधियां		
जोड़ें: सब्सिडी/अनुदान पर ब्याज (वापसी का निवल)		
घटाएं: लाभार्थियों को संवितरित (संचयी)		
सब्सिडी/अनुदान के रूप में संवितरित की जाने वाली असंवितरित निधि		
(ङ) भारत सरकार द्वारा पूर्णतया सर्विसड प्रदत्त बॉण्ड हेतु देय	24,318.29	24,382.40
(च) अन्य देयताएं	1,494.51	1,558.52
कुल (क से च तक)	37,524.66	31,821.75

*इसमें उधारकर्ताओं से प्राप्त राशि शामिल है जो ऋण समझौते की संविदात्मक शर्तों के अनुसार विनियोजन के अधीन है।

23.1 अवैतनिक लाभांश, अवैतनिक मूलधन और बॉण्ड पर ब्याज में वे राशियां शामिल हैं, जिनका या तो निवेशकों द्वारा दावा नहीं किया गया है या जो निवेशकों के दावों आदि के अनुरूप औपचारिकताओं के लंबित रहने के कारण रोक दी गई हैं। 31 मार्च 2025 तक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में हस्तांतरित की जाने वाली राशि ₹0.83 करोड़ (31 मार्च 2024 तक ₹0.58 करोड़) है, जिसे निर्धारित समय सीमा के भीतर हस्तांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, अवैतनिक लाभांश में मार्च 2025 में कंपनी द्वारा घोषित अंतरिम लाभांश से संबंधित ₹947.96 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1,184.95 करोड़) की राशि भी शामिल है, जिसके लिए शेष राशि निर्धारित बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई है, लेकिन शेयरधारकों को भुगतान किया जाना बाकी है।

23.2 सब्सिडी अंडर एक्सेलेरेटेड जनरेशन एंड स्प्लाइ प्रोग्राम (एजीएंडएसपी) के तहत सब्सिडी:

कंपनी एक ब्याज सब्सिडी निधि खाता बनाए रखती है और उसे भारत सरकार द्वारा एजी एंड एसपी सब्सिडी (पात्र उधारकर्ताओं को संवितरण के लिए) दी गई थी, जिसकी गणना भारत सरकार के पत्र डी.ओ.सं. 32024/17/97-पीएफसी दिनांक 23.09.1997 और ओ.एम.सं. 32024/23/2001-पीएफसी दिनांक 07.03.2003 के अनुसार सांकेतिक दरों और वर्ष पर की गई निवल वर्तमान मूल्य पर की गई थी, भले ही पात्र योजनाओं के वास्तविक पुनर्भुगतान कार्यक्रम, स्थगन वर्ष और पुनर्भुगतान की अवधि

लेखा संबंधी टिप्पणियां

कुछ भी हो। निकासी के समय विचार किए गए सांकेतिक दर और वर्ष और वास्तविक के बीच अंतर का प्रभाव संबंधित योजनाओं के समाप्त होने के बाद ही पता लगाया जा सकता है।

31 मार्च 2025 तक ₹0.79 करोड़ की निवल राशि (31 मार्च 2024 तक ₹0.77 करोड़) ब्याज सब्सिडी निधि की शेष राशि को दर्शाती है, जिसे त्वरित उत्पादन और आपूर्ति कार्यक्रम (एजीएंडएसपी) के तहत उधारकर्ताओं को भविष्य में उत्पन्न होने वाली उनकी ब्याज देयता के विरुद्ध दिया जाना है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
ब्याज सब्सिडी निधि का आरंभिक शेष	0.77	0.75
जोड़े: वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	0.02	0.02
घटाएं : उधारकर्ता को दी गई ब्याज सब्सिडी	-	-
ब्याज सब्सिडी निधि का अंतिम शेष	0.79	0.77

23.3 भारत सरकार ने दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) और पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन के लिए आरईसी लिमिटेड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। योजनाओं के तहत विभिन्न एजेंसियों को संवितरण के लिए प्राप्त धनराशि को संबंधित अलग-अलग बैंक खातों में रखा जाता है। योजनाओं के लिए असंवितरित निधि (पूर्ववर्ती आरजीजीवीवाई योजना के तहत प्राप्त निधि सहित) को उस पर अर्जित ब्याज सहित "अन्य वित्तीय देयताओं" शीर्षक के तहत "सब्सिडी/अनुदान के रूप में वितरित की जाने वाली असंवितरित निधि" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

23.4 सब्सिडी/अनुदान पर ब्याज का संचलन निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
आरंभिक शेष	3.56	3.12
जोड़े: वर्ष के दौरान अर्जित/समायोजित ब्याज	0.16	0.65
घटाएं : वर्ष के दौरान सरकार को वापस/समायोजित की गई राशि	(0.10)	(0.21)
अंतिम शेष	3.62	3.56

23.5 डीडीयूजीजेवाई योजना के लिए भारत सरकार की वित्तपोषण आवश्यकता को पूरा करने के लिए, वर्ष के दौरान, कंपनी ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर ₹ 10 लाख के अंकित मूल्य के डिबेंचर की प्रकृति में असुरक्षित, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य बॉण्ड के माध्यम से कुल ₹ शून्य (पिछले वर्ष शून्य) की धनराशि जुटाई है। वित्त मंत्रालय (एमओएफ) के दिनांक 2 दिसंबर, 2020 और 3 मार्च, 2021 के पत्र के अनुसार, उपरोक्त बॉण्ड के मूलधन और ब्याज का पुनर्भुगतान भारत सरकार द्वारा विद्युत मंत्रालय की मांग में उपयुक्त बजट प्रावधान करके किया जाएगा। तदनुसार, ऐसे बॉण्ड की राशि ब्याज सहित कंपनी द्वारा भारत सरकार से वसूली योग्य प्रतीत हो रही है (टिप्पणी 12)।

भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से सेवाप्रदत्त जुटाये गए बॉण्ड्स का विवरण निम्नलिखित है:

(₹ करोड़ में)					
विवरण	कूपन दर	ब्याज की आवृत्ति	विमोचन की तिथि	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
भारत सरकार-I शृंखला	8.09%	अर्द्ध-वार्षिक	21.03.2028	1,837.00	1,837.00
भारत सरकार-II शृंखला	8.01%	अर्द्ध-वार्षिक	24.03.2028	1,410.00	1,410.00
भारत सरकार-III शृंखला	8.06%	अर्द्ध-वार्षिक	27.03.2028	753.00	753.00
भारत सरकार-IV शृंखला	8.70%	अर्द्ध-वार्षिक	28.09.2028	3,000.00	3,000.00
भारत सरकार-V शृंखला	8.54%	अर्द्ध-वार्षिक	15.11.2028	3,600.00	3,600.00
भारत सरकार-VI शृंखला	8.80%	अर्द्ध-वार्षिक	22.01.2029	2,027.00	2,027.00
भारत सरकार-VII शृंखला	8.60%	अर्द्ध-वार्षिक	08.03.2029	1,200.00	1,200.00
भारत सरकार-VIII शृंखला	8.30%	अर्द्ध-वार्षिक	25.03.2029	4,000.00	4,000.00
भारत सरकार-IX शृंखला	7.14%	अर्द्ध-वार्षिक	02.03.2030	1,500.00	1,500.00
भारत सरकार-X शृंखला	8.25%	अर्द्ध-वार्षिक	26.03.2030	532.30	532.30
भारत सरकार-XI शृंखला	7.20%	अर्द्ध-वार्षिक	31.03.2030	1,750.00	1,750.00
भारत सरकार-XII शृंखला	6.45%	अर्द्ध-वार्षिक	07.01.2031	1,000.00	1,000.00
भारत सरकार-XIII शृंखला	6.63%	अर्द्ध-वार्षिक	28.01.2031	1,000.00	1,000.00
भारत सरकार-XIV शृंखला	6.50%	अर्द्ध-वार्षिक	26.03.2031	500.00	500.00
कुल				24,109.30	24,109.30

24. चालू कर देयताएं (निवल)

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
आयकर के लिए प्रावधान	-	3,283.85
घटाएं : अग्रिम आयकर एवं टीडीएस	-	(3,217.34)
चालू कर देयताएं (निवल)	-	66.51



लेखा संबंधी टिप्पणियां

25. प्रावधान

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क)	निम्न के लिए प्रावधान		
	कार्मिक हितलाभ		
	उपदान	3.26	0.13
	अर्जित अवकाश देयता	38.98	33.45
	चिकित्सा अवकाश देयता	23.44	21.52
	निपटान भत्ता	2.56	2.40
	आर्थिक पुनर्वास योजना	6.70	4.92
	दीर्घ सेवा अवार्ड	5.17	4.51
	प्रोत्साहन	37.40	36.55
	अन्य	0.80	1.07
	उप-जोड़ (क)	118.31	104.55
(ख)	अन्य		
	सुविधा पत्रों पर अपेक्षित क्रेडिट हानि	18.48	32.02
	उप-जोड़ (ख)	18.48	32.02
	कुल (क + ख)	136.79	136.57

25.1 सुविधा पत्र पर अपेक्षित क्रेडिट हानि प्रावधान का संचलन

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
	आरंभिक शेष	32.02	15.87
	जोड़ें: वर्ष के दौरान सृजित	16.90	25.97
	घटाएं: वर्ष के दौरान वापस किया गया / समायोजित किया गया	(30.44)	(9.82)
	अंतिम शेष	18.48	32.02

25.2 कंपनी के पास ऋण जोखिम का अधिकतम जोखिम ₹7,990.22 करोड़ (पिछले वर्ष ₹5,961.13 करोड़) (क्षति हानि भते के बाद निवल) है, जो उधारकर्ताओं की ओर से वित्तीय गारंटी के रूप में बैंकों को जारी किए गए चुकौती आश्वासन पत्र (लेटर ऑफ कम्फर्ट) से संबंधित है।

26. अन्य गैर – वित्तीय देयताएं

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क)	सनड्राई देयताओं का लेखा (ब्याज पूंजीकरण)	46.67	47.80
(ख)	पूंजी खाते के प्रति देय देयता	48.38	48.38
(ग)	असंवितरित ऋणों पर अपरिशोधित शुल्क	75.14	85.38
(घ)	भारत सरकार की तरफ से सरकारी योजनाओं के संबंध में अग्रिम प्राप्य	0.08	-
(ङ)	सांविधिक देय	91.88	58.06
	कुल (क से ङ)	262.15	239.62

27. इक्विटी शेयर पूंजी

				(₹ करोड़ में)
विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
प्राधिकृत:				
प्रत्येक ₹ 10 के इक्विटी शेयर	5,00,00,00,000	5,000.00	5,00,00,00,000	5,000.00
निर्गमित, अभिदत्त और प्रदत्त:				
प्रत्येक ₹ 10 के पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22
कुल	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22

लेखा संबंधी टिप्पणियां

27.1 वर्ष के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
वर्ष के प्रारंभ में पूंजीगत शेयरों की संख्या	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22
जोड़े: वर्ष के दौरान जारी एवं आबंटित शेयर	-	-	-	-
वर्ष के अंत में पूंजीगत शेयर	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22

27.2 पिछले वर्ष और पिछले पांच वर्षों के दौरान बोनस शेयरों का आबंटन

चालू वर्ष और पिछले पांच वर्षों के दौरान, कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 को छोड़कर कोई बोनस शेयर जारी नहीं किए गए, जब कंपनी ने रिकॉर्ड तिथि यानी 18 अगस्त 2022 को बकाया प्रत्येक 3 (तीन) इक्विटी शेयर के अनुपात में बोनस शेयरों के माध्यम से पूरी तरह से भुगतान किए गए 65,83,06,000 इक्विटी शेयर आवंटित किए थे। 'सिक्योरिटीज प्रीमियम अकाउंट' में जमा राशि में से ₹658.30 करोड़ का पूंजीकरण किया गया।

27.3 कंपनी ने नकद में प्राप्त किए जा रहे भुगतान के बिना संविदा के अनुसरण में न तो कोई इक्विटी शेयर जारी किया है और न ही वर्तमान वर्ष और तुलन-पत्र की तिथि के पूर्व के पांच वर्षों में शेयरों की कोई बॉयबैक की है।

27.4 इक्विटी शेयर अधिकार, अधिमानित और प्रतिबंध से जुड़े

कंपनी के इक्विटी शेयरों के शेयरधारक कंपनी द्वारा घोषित किए जाने पर लाभांश के हकदार होते हैं और यदि किसी प्रस्ताव पर मतदान लिया जाता है तो उसमें उन्हें अनुपातिक मतदान का अधिकार होता है। इसके अलावा, शेयरधारकों को, यथास्थिति, सूचीबद्ध सरकारी कंपनी के शेयरों को, कंपनी अधिनियम 2013 तथा इसके अंतर्गत बनाये गये नियमों (लागू सीमा में), कंपनी अधिनियम, 1956 (लागू सीमा में), सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 और संस्था के ज्ञापन तथा एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार ऐसे सभी अधिकार प्राप्त हैं।

27.5 तुलन पत्र की तिथि के अनुसार पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों के 5% से अधिक शेयर धारण करने वाले शेयरधारक:

शेयरधारक का नाम	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	प्रतिशत	शेयरों की सं.	प्रतिशत
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	1,38,59,93,662	52.63%	1,38,59,93,662	52.63%

27.6 अनुषंगी और संबद्ध कंपनियों सहित कंपनी द्वारा धारित इक्विटी शेयरों का विवरण

कंपनी का नाम	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	प्रतिशत	शेयरों की सं.	प्रतिशत
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	1,38,59,93,662	52.63%	1,38,59,93,662	52.63%

27.7 प्रमोटर्स द्वारा धारित इक्विटी शेयरों का विवरण

प्रमोटर का नाम	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	शेयरों की सं.	प्रतिशत	% वर्ष के दौरान परिवर्तन	शेयरों की सं.	प्रतिशत	% परिवर्तन
भारत के राष्ट्रपति	-	-	-	-	-	-
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	1,38,59,93,662	52.63%	-	1,38,59,93,662	52.63%	-

28. पूर्ण इक्विटी प्रकृति के इंस्ट्रूमेंट

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि
₹ 10 लाख प्रत्येक के पूर्णतया देय स्थायी ऋण इंस्ट्रूमेंट की प्रकृति पूरी तरह से इक्विटी है	5,584	558.40	5,584	558.40
कुल	5,584	558.40	5,584	558.40

28.1 वर्ष के प्रारंभ और अंत में बकाया स्थायी प्रतिभूतियों की संख्या का समाधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31-03-2024 को समाप्त वर्ष के लिए	
	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
वर्ष के प्रारंभ में शेष	5,584	558.40	5,584	558.40
वर्ष के दौरान जोड़े/(घटाएँ)	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	5,584	558.40	5,584	558.40



लेखा संबंधी टिप्पणियां

28.2 तुलन पत्र की तिथि को इन्स्ट्रूमेंट धारक पूरी तरह से इक्विटी प्रकृति के 5% से अधिक के स्थायी ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स को धारित करते हैं :

(₹ करोड़ में)

शेयरधारक का नाम	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि
एचवीपीएनएल कार्मिक पेंशन फंड ट्रस्ट	665	11.91%	665	11.91%
एचपीजीसीएल कार्मिक पेंशन फंड ट्रस्ट	500	8.95%	500	8.95%

28.3 कंपनी ने ₹ 10 लाख के अंकित मूल्य के स्थायी ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स जारी किए हैं, जिनमें कोई परिपक्वता नहीं है और केवल 10 वर्षों के बाद कंपनी के विकल्प पर कॉल करने योग्य है। प्रतिभूतियों के धारकों के दावे होंगे (क) जारीकर्ता द्वारा जारी किए गए इक्विटी शेयरों के धारकों के बेहतर दावे; और (ख) जारीकर्ता के अन्य सभी लेनदारों के दावों के अधीनस्थ। 10 वर्षों के बाद नहीं बुलाए जाने पर इन्स्ट्रूमेंट्स में एक कदम बढ़ाने का प्रावधान है। कूपन के भुगतान को रद्द या कंपनी के विवेक पर निलंबित किया जा सकता है। प्रतिभूतियों का कूपन संचयी नहीं है, सिवाय इसके कि जहां जारीकर्ता करेगा कूपन का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा और कूपन के भुगतान को स्थगित कर सकता है, अगर (i) जारीकर्ता की पूंजी जोखिम परिसंपत्ति अनुपात ("सीआरएआर") आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम नियामक आवश्यकता से कम है; या (ii) आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम नियामक आवश्यकता जारीकर्ता के ऐसे भुगतान के प्रभाव में सीआरएआर नीचे गिरता या नीचे रहता है।

चूंकि ये प्रतिभूतियां प्रकृति में स्थायी हैं और कंपनी के पास कूपन का भुगतान पर कोई विमोचन दायित्व और विवेक नहीं है, इन्हें इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसके अलावा, सावधिक कूपन भुगतानों को तदनुसार प्रतिधारित आय के साथ समायोजित किया जाता है।

29. अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) अन्य आरक्षित निधि		
(i) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि	31,595.40	28,044.83
(ii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के अधीन अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	841.80	687.76
(iii) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के अधीन आरक्षित निधि	13,971.63	10,828.99
(iv) प्रतिभूति प्रीमियम	1,577.53	1,577.53
(v) विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर खाता	(611.65)	(675.14)
(vi) सामान्य आरक्षित निधि	13,416.20	11,978.44
(ख) प्रतिधारित आय	15,387.09	13,363.40
(ग) अन्य व्यापक आय (ओसीआई)		
अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी इन्स्ट्रूमेंट्स	(81.84)	(57.99)
नकदी प्रवाह हेजेज का प्रभावी भाग	(931.35)	(1,846.93)
हेजिंग आरक्षित निधि की लागत	(718.46)	1,690.64
कुल - अन्य इक्विटी (क+ख+ग)	74,446.35	65,591.53

अन्य इक्विटी के घटक में जोड़ या कटौती का प्रकटन 'इक्विटी में परिवर्तन के विवरण' में किया गया है।

29.1 आरक्षित निधि से निकासी/स्थानांतरण: विनियामक दिशानिर्देशों और विशिष्ट उद्देश्यों के लिए बनाए गए आरक्षित निधि के उपयोग के अनुसार, कंपनी ने विभिन्न आरक्षित निधि से सामान्य आरक्षित निधि में निम्नलिखित राशियां स्थानांतरित की हैं:

(i) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) (ग) के अंतर्गत अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि से ऋण परिसंपत्तियों और अन्य वसूली योग्य राशियों पर वास्तविक बढ़े खाते में डालने के कारण ₹687.76 करोड़ प्राप्त हुए।

(ii) वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रिजर्व से कोई राशि नहीं निकाली गई है

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान आरक्षित निधि से कोई राशि नहीं निकाली गई है।

29.2 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत बनाई गई विशेष रिजर्व कंपनी द्वारा बनाए रखी जाती है ताकि कंपनी को कर लाभ मिल सके। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अनुसार, कंपनी दीर्घकालिक वित्त गतिविधि से प्राप्त लाभ के 20% से अधिक कटौती के लिए पात्र नहीं है, बशर्ते कि ऐसी राशि को विशेष रिजर्व खाते में स्थानांतरित और बनाए रखा जाए।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	28,044.83	24,977.89
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	3,550.57	3,066.94
घटाएं: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	-	-
वर्ष के अंत में शेष	31,595.40	28,044.83

लेखा संबंधी टिप्पणियां

29.3 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii)(ग) के तहत अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii)(ग) के तहत खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए कंपनी द्वारा आरक्षित निधि रखी जाती है ताकि कंपनी को कर लाभ मिल सके। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii)(ग) के अनुसार, कंपनी खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए किए गए किसी भी प्रावधान/आरक्षित निधि के संबंध में कटौती का लाभ उठाने के लिए पात्र है, जो आयकर अधिनियम के अनुसार कुल आय का पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं है। इस प्रकार बनाए गए आरक्षित निधि का उपयोग मुख्य रूप से वास्तविक खराब ऋणों या उसके भाग के समायोजन के लिए किया जाएगा।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	687.76	-
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	841.80	687.76
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	(687.76)	-
वर्ष के अंत में शेष	841.80	687.76

29.4 भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के अंतर्गत सांविधिक आरक्षित निधि

कंपनी भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45आईसी के तहत आवश्यक आरक्षित निधि का सृजन कर रही है, जिसमें लाभांश की घोषणा से पहले निवल लाभ का कम से कम 20% स्थानान्तरण करना आवश्यक है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट उद्देश्य को छोड़कर, आरक्षित निधि से कोई भी विनियोग करने की अनुमति नहीं है, ऐसे किसी भी विनियोग की सूचना ऐसी वापसी की तारीख से 21 दिनों के भीतर भारतीय रिज़र्व बैंक को देनी होगी।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	10,828.99	8,025.15
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	3,142.64	2,803.84
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	-	-
वर्ष के अंत में शेष	13,971.63	10,828.99

29.5 प्रतिभूति प्रीमियम

प्रतिभूत प्रीमियम कंपनी द्वारा शेयरों और ऋण प्रतिभूतियों को जारी करने पर प्राप्त प्रीमियम को दर्शाता है। इसका प्रयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,577.53	1,577.53
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	-	-
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	-	-
वर्ष के अंत में शेष	1,577.53	1,577.53

29.6 विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर खाता

कंपनी ने पूर्ववर्ती लागू लेखांकन मानक 11 'विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन के प्रभाव' के पैरा 46 के अनुसार ऐसी मदों की बकाया अवधि में लंबी अवधि की विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव से नुकसान/लाभ के विमोचन के लिए एक स्थिर (अपरिवर्तनीय) विकल्प चुना था। कंपनी ने भारतीय लेखांकन मानक के प्रावधानों के अनुरूप 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों के परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर के संबंध में पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार इस तरह के विमोचन की नीति को जारी रखने का विकल्प चुना। इस खाते में बकाया राशि मोचित लाभ/(हानि) को दर्शाती है, जिन्हें पात्र दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक देयताओं की बकाया अवधि में मोचित किया जाएगा।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(675.14)	(790.44)
जोड़ें: वर्ष के दौरान दीर्घावधिक मौद्रिक मदों संबंधी विदेशी मुद्रा परिवर्तन लाभ/हानि(-)	(120.43)	(85.73)
घटाएँ: वर्ष के दौरान परिशोधन	183.92	201.03
वर्ष के अंत में शेष	(611.65)	(675.14)



लेखा संबंधी टिप्पणियां

29.7 सामान्य आरक्षित निधि

सामान्य आरक्षित निधि में कंपनी के मुनाफे से विनियोजित राशि और साथ ही सांविधिक आरक्षित निधियों से हस्तांतरित राशि भी शामिल होती है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	11,978.44	11,978.44
जोड़ें: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	750.00	-
जोड़ें: आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के अंतर्गत अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि से हस्तांतरित	687.76	-
वर्ष के अंत में शेष	13,416.20	11,978.44

29.8 अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स

समूह ने अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिटी प्रतिभूतियों में कुछ निवेशों के उचित मूल्य में बदलाव को मान्यता देने का चुनाव किया है। ये परिवर्तन इकिटी के भीतर ओसीआई आरक्षित निधि में जमा होते हैं। जब संबंधित इकिटी प्रतिभूतियों की मान्यता रद्द कर दी जाती है तो समूह इस आरक्षित निधि से राशि को बरकरार रखी गई आय में स्थानांतरित कर देता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(57.99)	(101.47)
जोड़ें: अन्य व्यापक आय के माध्यम से मान्यता (करों का निवल)	(23.85)	91.48
जोड़ें: एफवीओसीआई इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनर्वर्गीकरण (करों का निवल)	-	(48.00)
वर्ष के अंत में शेष	(81.84)	(57.99)

29.9 नकदी प्रवाह हेजेज का प्रभावी भाग

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिम और उधार पर जुड़े ब्याज दर से जुड़े जोखिम के प्रबंधन के लिए व्युत्पन्न इन्स्ट्रुमेंट्स का उपयोग करती है। विदेशी मुद्रा और ब्याज दर के जोखिम को कम करने के लिए कंपनी विदेशी मुद्रा वायदा संविदाओं, क्रॉस करेंसी स्वेप, विदेशी मुद्रा विकल्प संविदाओं और ब्याज दर स्वेप का उपयोग करती है। हेज लेखांकन के तहत निर्धारित व्युत्पन्न संविदाएं जिस सीमा तक प्रभावी हेज होती हैं, हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के उचित मूल्य में परिवर्तन को 'कैश फ्लो हेजिंग रिजर्व' में मान्यता दी जाती है। ऐसी आरक्षित निधि में मान्यता प्राप्त राशियों को लाभ या हानि विवरण में तब पुनः वर्गीकृत किया जाता है जब हेज किए गए आइटम लाभ या हानि को प्रभावित करता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(1,846.93)	600.05
जोड़ें: अन्य व्यापक आय के माध्यम से मान्यता (करों का निवल)	915.58	(2,446.98)
वर्ष के अंत में शेष	(931.35)	(1,846.93)

29.10 हेजिंग आरक्षित निधि की लागत

कंपनी विदेशी मुद्रा विकल्प अनुबंधों के आंतरिक मूल्य को 'कैश फ्लो हेज' संबंधों में हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के रूप में नामित करती है। किसी विकल्प के समय मूल्य के उचित मूल्य में परिवर्तन को ओसीआई में मान्यता दी जाती है और तर्कसंगत आधार पर लाभ और हानि के विवरण में परिशोधित किया जाता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,690.64	(1,709.87)
जोड़ें: अन्य व्यापक आय के माध्यम से मान्यता (करों का निवल)	(2,409.10)	3,400.51
वर्ष के अंत में शेष	(718.46)	1,690.64

29.11 वर्ष के दौरान प्रतिधारित आय में संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	13,363.40	9,930.77
जोड़ें: वर्ष के लिए लाभ	15,713.21	14,019.21
जोड़ें: परिभाषित हितलाभ योजनाओं (करों का निवल) का पुनःमापन	0.57	(0.74)
घटाएं: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	(750.00)	-
घटाएं: आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि में हस्तांतरित	(3,550.57)	(3,066.94)
घटाएं: आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के तहत अशोध्य ऋण और संदिग्ध ऋण में हस्तांतरित	(841.80)	(687.76)

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
घटाएं: भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत आरक्षित निधि निधि में हस्तांतरित	(3,142.64)	(2,803.84)
जोड़ें: एफवीओसीआई इकिटी दस्तावेज(करों का निवल) की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनः वर्गीकरण	-	48.00
घटाएं: इन्स्ट्रूमेंट पर कूपन भुगतान, पूर्णतया इकिटी प्रकृति के है (स्थायी ऋण इन्स्ट्रूमेंट) (करों का निवल)	(33.30)	(33.30)
घटाएं: वर्ष के दौरान लाभांश	(5,371.78)	(4,042.00)
वर्ष के अंत में शेष	15,387.09	13,363.40

29.12 कंपनी द्वारा प्रत्येक ₹10/- के इकिटी शेयरों के लिए प्रस्तावित/घोषित लाभांश

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	
	प्रति इकिटी शेयर पर लाभांश	लाभांश राशि	प्रति इकिटी शेयर पर लाभांश	लाभांश राशि
	(₹)	(₹ करोड़ में)	(₹)	(₹ करोड़ में)
वर्ष के अंत में इकिटी शेयर की संख्या	2,63,32,24,000		2,63,32,24,000	
अंतरिम लाभांश	15.40	4,055.16	11.00	2,896.55
अंतिम/प्रस्तावित लाभांश	2.60	684.64	5.00	1,316.61
कुल लाभांश	18.00	4,739.80	16.00	4,213.16

निदेशक मंडल ने 08 मई, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹ 2.60 प्रति इकिटी शेयर (प्रत्येक ₹ 10/- के अंकित मूल्य पर) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की, जो आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। वित्तीय वर्ष के लिए कुल लाभांश ₹ 18/- प्रति इकिटी शेयर (प्रत्येक ₹ 10/- के अंकित मूल्य पर) है, जिसमें ₹15.40 प्रति शेयर का कुल अंतरिम लाभांश शामिल है।

इंड-एएस 10 'रिपोर्टिंग अवधि के बाद के घटनाक्रम' की आवश्यकताओं के अनुसार, कंपनी को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद निदेशक मण्डल द्वारा प्रस्तावित लाभांश प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसा विनियोग अंतिम लाभांश के मामले में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में अनुमोदन के बाद किया जाता है।

30. ब्याज आय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष			31-03-2024 को समाप्त वर्ष		
	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन
	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)
(क) ऋण परिसंपत्तियों पर ब्याज						
(i) दीर्घावधि वित्तपोषण	-	49,611.60	-	-	42,941.50	-
(ii) अल्पावधि वित्तपोषण	-	4,414.82	-	-	2,717.24	-
उप-जोड़ (क)	-	54,026.42	-	-	45,658.74	-
(ख) निवेशों पर ब्याज आय						
(i) दीर्घावधि निवेशों पर ब्याज	-	408.91	81.43	-	187.89	69.16
उप-जोड़ (ख)	-	408.91	81.43	-	187.89	69.16
(ग) बैंकों के पास जमाओं पर ब्याज						
(i) जमाओं पर ब्याज	-	240.28	-	-	315.22	-
उप-जोड़ (ग)	-	240.28	-	-	315.22	-
(घ) अन्य ब्याज आय						
(i) उधारकर्ताओं द्वारा विलंबित भुगतान पर ब्याज	-	294.46	-	-	173.80	-
(ii) कार्मिकों को दिए गए अग्रिमों पर ब्याज	-	6.11	-	-	5.06	-
(iii) मोबलाइजेशन अग्रिमों पर ब्याज	-	0.14	-	-	0.24	-
(iv) तनावग्रस्त ऋण परिसंपत्तियों के कारण प्राप्य राशि की समाप्ति पर ब्याज	-	12.36	-	-	-	-
उप-जोड़ (घ)	-	313.07	-	-	179.10	-
कुल - ब्याज आय (क से घ)	-	54,988.68	81.43	-	46,340.95	69.16



लेखा संबंधी टिप्पणियां

31. लाभांश आय

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- दीर्घावधि निवेशों से लाभांश	90.63	23.40
अन्य निवेशों से लाभांश	8.42	2.28
कुल - लाभांश आय	99.05	25.68

31.1 अन्य निवेशों पर मान्यता प्राप्त लाभांश आय का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
इक्विटी निवेश पर लाभांश एफवीओसीआई पर मापा गया		
- वर्ष के अंत में धारित निवेशों पर	8.42	1.94
- वर्ष के दौरान अमान्य किए गए निवेशों पर	-	0.34
कुल	8.42	2.28

32. शुल्क एवं कमीशन आय

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
शुल्क आधारित आय	201.20	70.80
पूर्व अदायगी प्रीमियम	138.75	50.74
सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शुल्क	53.79	114.49
कुल - शुल्क एवं कमीशन आय	393.74	236.03

33. अन्य आय

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियों के निपटान पर निवल लाभ/(हानि)	6.03	1.32
बट्टे खाते में डाली गई वित्तीय परिसंपत्तियों के विरुद्ध वसूली	12.15	-
किराये से आय	17.34	17.85
देयताएं/प्रावधान वापस लिखित	2.35	21.69
आयकर रिफंड से ब्याज	1.34	12.33
विविध आय	29.29	14.66
कुल - अन्य आय	68.50	67.85

34. वित्तीय लागत

वित्तीय लागतें वित्तीय देयताओं पर खर्च की गई हैं और इनका मापन परिशोधित लागत पर किया गया है।

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) उधारियों पर ब्याज		
- भारत सरकार से ऋण (एनएसएसएफ)	822.50	822.50
- बैंकों/वित्तीय संस्थानों से ऋण	4,590.64	5,461.62
- बाह्य वाणिज्यिक उधारियां	6,602.12	4,774.11
उप-जोड़ (i)	12,015.26	11,058.23
(ii) ऋण प्रतिभूतियों पर ब्याज		
- घरेलू ऋण प्रतिभूतियां	17,776.73	15,090.00
- विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां	1,334.12	1,553.60
- कमर्शियल पेपर	-	135.64
उप-जोड़ (ii)	19,110.85	16,779.24
(iii) अधीनस्थ देयताओं पर ब्याज		
- अधीनस्थ बॉण्ड	687.76	631.89
उप-जोड़ (iii)	687.76	631.89
(iv) अन्य ब्याज व्यय		
- स्वैप प्रीमियम	1,796.86	1,368.64
- वेरिफेशन मार्जिन पर ब्याज	524.81	114.70

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- अग्रिम आयकर पर ब्याज	-	1.94
- कार्मिक लाभ के प्रति देयता पर ब्याज	2.46	(4.84)
उप-जोड़ (iv)	2,324.13	1,480.44
कुल - वित्तीय लागत	34,138.00	29,949.80
घटाएं: पूंजीकृत वित्तीय लागत	(3.02)	(0.53)
कुल - वित्तीय लागत (निवल)	34,134.98	29,949.27

35. निवल अंतरण / लेन-देन विनिमय हानि / (लाभ)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
निवल अंतरण / लेन-देन विनिमय हानि / (लाभ)	208.15	166.57
कुल	208.15	166.57

उपरोक्त आंकड़ों में 1 अप्रैल 2018 से पहले ₹183.92 करोड़ (पिछले वर्ष ₹201.03 करोड़) की राशि को वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर निवल परिवर्तन / लेनदेन विनिमय हानि/ (लाभ) का विमोचन शामिल है।

35.1 विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदें प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विद्यमान एफबीआईएल (फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) की संदर्भित दरों पर अंतरित की जाती हैं अथवा जहां एफबीआईएल संदर्भ दरें किसी मुद्रा के लिए उपलब्ध न हों, वहां ब्लूमबर्ग पर उल्लिखित उसी दर के लिए अंतिम दर पर अंतरित की जाती है। रिपोर्ट करने की तारीख को संबंधित दरें निम्नलिखितानुसार हैं:

विनिमय दर	यूएसडी /आईएनआर	जेपीवाई/आईएनआर	यूरो/ आईएनआर	एसजीडी/ आईएनआर
31 मार्च 2025 तक*	85.5814	0.5675	92.3246	63.7098
31 मार्च 2024 तक	83.3739	0.5509	90.2178	61.7319

*28 मार्च 2025 तक तथा 28 मार्च 2024 को अंतिम कार्य दिवस है।

36. शुल्क एवं कमीशन व्यय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) गारंटी शुल्क	0.14	1.71
(ii) सूचीकरण एवं ट्रस्टीशिप शुल्क	0.03	0.06
(iii) एजेंसी शुल्क	2.49	1.42
(iv) क्रेडिट रेटिंग व्यय	4.26	4.08
(v) अन्य वित्तीय प्रभार	6.74	16.99
कुल (i से v)	13.66	24.26

37. उचित मूल्य परिवर्तनों पर निवल लाभ / (हानि)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय लिखतों पर निवल लाभ / (हानि)		
(i) ट्रेडिंग पोर्टफोलियो पर	-	-
(ii) अन्य		
- व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तन	80.95	425.55
- दीर्घावधि निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तन	265.35	46.33
- अल्पावधि म्यूचुअल फंड निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तन	1.92	2.60
उप-जोड़ (ii)	348.22	474.48
कुल (क)	348.22	474.48
उचित मूल्य के परिवर्तनों का विवरण		
- वसूली की गयी	388.64	(217.04)
- वसूली नहीं की गयी	(40.42)	691.52
कुल-उचित मूल्य परिवर्तनों पर निवल लाभ / (हानि)	348.22	474.48

इस शेड्यूल में उचित मूल्य परिवर्तन उनसे इतर हैं, जो उपार्जित ब्याज आय/व्यय के कारण उत्पन्न होते हैं और ये ऐसी मितव्ययी हेजेज के रूप में नामित व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तनों को दर्शाते हैं जो हेज लेखांकन और अग्रभावी हेज के तहत नामित नहीं होते हैं।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

38. वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स पर इम्पेयरमेंट

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
	एफवीओसीआई पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स पर	परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स पर	एफवीओसीआई पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स पर	परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स पर
(i) ऋण*	-	886.24	-	(1,367.07)
(ii) निवेश	-	3.26	-	-
(iii) अन्य**	-	129.91	-	8.68
कुल (i+ii+iii)	-	1,019.41	-	(1,358.39)

*सुविधा पत्र पर इम्पेयरमेंट भत्ते के मद में ₹16.14 करोड़ (पिछले वर्ष ₹-13.54 करोड़) की राशि शामिल है।

** यह दबावग्रस्त ऋण परिसंपत्तियों के कारण वसूली योग्य अन्य पर हानि भत्ते का प्रतिनिधित्व करता है (उपरोक्त टिप्पणी संख्या 12 देखें)।

39. कार्मिक हितलाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- वेतन और भत्ते	150.85	132.76
- भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	32.97	32.44
- कार्मिकों के लिए आवासीय सुविधा संबंधी किराया	10.45	6.65
- कार्मिक कल्याण व्यय	50.53	42.16
कुल	244.80	214.01

40. मूल्यहास एवं परिशोधन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यहास	23.30	22.62
- निवेश संपत्ति पर मूल्यहास	0.80	-
- अमूर्त संपत्तियों पर परिशोधन	0.29	1.10
कुल	24.39	23.72

41. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- प्रत्यक्ष व्यय	279.00	241.77
- ओवरहेड	9.48	8.09
कुल	288.48	249.86

41.1 कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियमावली, 2014 को समय-समय पर संशोधित किया है। इन नियमों में अपेक्षा की गई है कि चालू परियोजना को छोड़कर अन्य किसी भी व्यय न की गई सीएसआर राशि को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छह महीने की अवधि के भीतर अनुसूची VII में विनिर्दिष्ट निधि में अंतरित किया जाना चाहिए। यदि ऐसी अव्ययित राशि किसी चालू परियोजना से संबंधित है तो उसे अगले वर्ष की 30 अप्रैल तक अव्ययित सीएसआर खते में अंतरित कर देना चाहिए। तथापि, यदि तीन वित्तीय वर्षों के भीतर ऐसी राशि का उपयोग नहीं किया जाता है तो उसे अनुसूची VII में विनिर्दिष्ट निधि में, तीसरे वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर अंतरित किया जाना अपेक्षित है। इसके अलावा, प्रभाव आकलन करने वाली कंपनियां उस वित्तीय वर्ष के लिए सीएसआर के लिए व्यय दर्ज कर सकती हैं, जो कुल सीएसआर व्यय के दो प्रतिशत या पचास लाख, जो भी अधिक हो, से अधिक नहीं होगा।

41.2 समूह द्वारा खर्च की जाने वाली अपेक्षित सकल राशि का विवरण:

- (क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली कुल राशि ₹288.48 करोड़ (पिछले वर्ष ₹249.86 करोड़) है।
- (ख) वर्ष के दौरान बोर्ड द्वारा खर्च की जाने वाली अनुमोदित राशि ₹288.48 करोड़ (पिछले वर्ष ₹249.86 करोड़)
- (ग) सीएसआर से संबंधित पक्ष लेन-देन के लिए टिप्पणी सं. 57 को देखें।
- (घ) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135(5) के अनुसार सीएसआर गतिविधियों पर खर्च की जाने वाली अपेक्षित राशि:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(क) प्रारंभिक शेष-खर्च की गई अतिरिक्त राशि	5.15	7.70
(ख) वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली अपेक्षित राशि	288.48	249.86
(ग) वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि*	288.86	247.31
(घ) अंतिम शेष-खर्च की गई अतिरिक्त राशि** (क-ख+ग)	5.53	5.15

* आरईसी फाउंडेशन (कार्यान्वयन एजेंसी) द्वारा अस्थायी रूप से पार्क की गई धनराशि पर अर्जित ब्याज से सीएसआर गतिविधियों पर खर्च की गई राशि को शामिल नहीं किया गया है, जो ₹ शून्य है (पिछले वर्ष ₹ शून्य)

** अगले तीन सफल वित्तीय वर्षों में समायोजित करने के लिए पात्र

लेखा संबंधी टिप्पणियां

41.3 वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि '(₹ करोड़ में):

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष			31-03-2024 को समाप्त वर्ष		
	नकद में	अभी प्रदत्त किया जाना है	कुल	नकद में	अभी प्रदत्त किया जाना है	कुल
(i) किसी परिसंपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	-	-	-	-	-	-
(ii) उपरोक्त (i) के अन्यत्र प्रयोजन पर						
स्वास्थ्य/स्वच्छता/अपशिष्ट प्रबंधन/पेयजल	128.78	-	128.78	67.41	-	67.41
शिक्षा/व्यावसायिक/कौशल विकास	15.88	-	15.88	10.09	-	10.09
पर्यावरणीय संधारणीयता	7.00	-	7.00	21.18	-	21.18
खेल-कूद	38.98	-	38.98	21.83	-	21.83
पीएम केयर फंड में योगदान	50.00	-	50.00	85.00	-	85.00
अन्य (ग्रामीण विकास, सशस्त्र बलों के लाभ / इनक्यूबेटर / आपदा प्रबंधन)	38.74	-	38.74	33.72	-	33.72
प्रभावी आकलन	0.28	-	0.28	0.13	-	0.13
प्रशिक्षण आदि सहित प्रशासनिक ओवरहेड्स	9.20	-	9.20	7.95	-	7.95
कुल (i+ii)	288.86	-	288.86	247.31	-	247.31

42. अन्य व्यय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
- यात्रा एवं वाहन सुविधा	29.36		20.51	
- प्रचार एवं पदोन्नति व्यय	29.87		31.74	
- मरम्मत और अनुरक्षण	34.93		23.40	
- किराया, दरें एवं बिजली की लागत	7.64		5.57	
-बीमा प्रभार	0.56		0.16	
-संप्रेषण लागत	7.18		2.32	
-प्रिंटिंग और स्टेशनरी	1.35		1.62	
-निदेशकों के बैठक	0.50		0.49	
-लेखापरीक्षकों का शुल्क एवं व्यय	1.72		1.76	
- विधिक एवं व्यावसायिक प्रभार	16.89		11.64	
- दान और परोपकार	0.01		-	
- परिसंपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर के निपटान पर निवल हानि	7.61		5.56	
- प्रशिक्षण और सम्मेलन व्यय	5.98		13.76	
- सरकारी योजना निगरानी व्यय	17.11		11.71	
- अन्य व्यय	25.26		33.97	
कुल	185.97		164.21	

42.1 लेखापरीक्षकों के शुल्क और व्यय के संबंध में प्रकटन

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
सांविधिक लेखापरीक्षकों को दिया गया शुल्क:				
- लेखापरीक्षा शुल्क के लिए	0.68		0.68	
- कराधान मामलों के लिए*	0.16		0.16	
- कंपनी के कानूनी मामलों/सीमित समीक्षा शुल्क के लिए	0.37		0.36	
- अन्य सेवाओं के लिए	0.18		0.38	
- व्ययों की प्रतिपूर्ति के लिए	0.20		0.05	
उप-जोड़	1.59		1.63	
लेखापरीक्षकों को प्रदत्त शुल्क के संबंध में गैर-वसूली योग्य कर जमा	0.13		0.13	
कुल - लेखापरीक्षकों के शुल्क और व्यय	1.72		1.76	



लेखा संबंधी टिप्पणियां

43. कर व्यय

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- चालू कर व्यय	4,011.49	3,293.00
- पिछले वर्षों से संबंधित चालू कर व्यय/ (लाभ)	0.05	2.09
उप-जोड़ - चालू कर	4,011.54	3,295.09
- आस्थगित कर व्यय/(क्रेडिट)	135.03	466.34
कुल	4,146.57	3,761.43

43.1 प्रभावी कर दर का समाधान

लाभ और हानि विवरण में रिपोर्ट किए गए आयकर व्यय के साथ वैधानिक आयकर दर पर अनुमानित आयकर व्यय का मिलान निम्नानुसार है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
कर पूर्व लाभ	19,859.78	17,780.64
सांविधिक आयकर दर	25.168%	25.168%
प्रत्याशित आय कर व्यय	4,998.31	4,475.03
आयकर समायोजनों का कर प्रभाव:		
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत कटौती के लाभ	(893.61)	(771.89)
सीएसआर व्यय की अनुमति न होना एवं अन्य समायोजन	72.01	63.47
कर मुक्त नहीं आय	(28.04)	-
अन्य गैर-कटौती योग्य व्यय	(2.15)	(1.30)
अग्रिम आयकर पर ब्याज की अनुमति नहीं	-	0.49
गैर कर योग्य आय	-	(6.46)
पिछले वर्षों के कर व्यय	0.05	2.09
कर व्यय	4,146.57	3,761.43

44. आय प्रति शेयर

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
न्यूमरेटर		
लाभ तथा हानि विवरण के अनुसार सतत प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़ में)*	15,679.91	13,985.91
लाभ तथा हानि विवरण के अनुसार बंद प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़ में)*	-	-
लाभ तथा हानि विवरण के अनुसार सतत तथा बंद प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़ में)*	15,679.91	13,985.91
डिनोमिनेटर		
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	2,63,32,24,000	2,63,32,24,000
प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (प्रत्येक ₹10 के इक्विटी शेयर के लिए ₹ में) (सतत संचालन के लिए)	59.55	53.11
प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (प्रत्येक ₹10 के इक्विटी शेयर के लिए ₹ में) (बंद परिचालन के लिए)	-	-
प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (प्रत्येक ₹10 के इक्विटी शेयर के लिए ₹ में) (सतत और बंद परिचालन के लिए)	59.55	53.11

* लाभ स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स पर ₹33.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹33.30 करोड़) के कूपन व्यय (करों का निवल) को घटाकर कर पश्चात लाभ को दर्शाता है, जो प्रकृति में पूरी तरह से इक्विटी है।

45. आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं:

45.1 निम्नलिखित के संबंध में आकस्मिक देयताएं प्रदान नहीं की गई हैं:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) कंपनी के विरुद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया	10.79	0.85
(ख) कराधान मांगें		
(i) - आयकर विभाग द्वारा उठाई गई मांगें	46.59	212.84

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(ii) - कंपनी को दी गई राहत के विरुद्ध आयकर विभाग द्वारा दायर अपील के विरुद्ध मांग	162.12	0.90
(iii) - जीएसटी के संबंध में उठाई गई मांगें	20.71	17.89
(ग) गारंटी	-	-
(घ) अन्य		
(i) - परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के माध्यम से मध्यस्थता कार्यवाही (₹41.66 करोड़ का प्रतिदावा (पिछले वर्ष ₹33.23 करोड़)	441.28	352.94
(ii) - स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा लगाया गया जुर्माना	0.18	
(iii) - सांवना पत्र	7,990.22	5,961.13

उपरोक्त 'क' में उल्लिखित राशि विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों के संबंध में है तथा न्यायालय के निर्णय पर निर्भर है।

उपरोक्त ख (i) में उल्लिखित राशि आयकर विभाग द्वारा की गई विभिन्न मांगों के विरुद्ध है। कंपनी इन मांगों का विरोध कर रही है और प्रबंधन का मानना है कि अपीलीय प्रक्रिया में उसका पक्ष बरकरार रखा जाएगा।

उपरोक्त ख(ii) में उल्लिखित राशि आयकर विभाग द्वारा आईटीएटी स्तर पर कंपनी को दी गई राहत के खिलाफ उच्च न्यायालय में दायर अपील के विरुद्ध है।

उपरोक्त ख (iii) में उल्लिखित राशि में कंपनी द्वारा दायर जीएसटी रिफंड अपील के लिए ₹17.89 करोड़ शामिल हैं। इसके अलावा, ₹2.81 करोड़ जीएसटी विभाग द्वारा की गई मांग के कारण हैं, जिसका कंपनी विरोध कर रही है और प्रबंधन का मानना है कि अपीलीय प्रक्रिया में उसका पक्ष बरकरार रखा जाएगा।

उपरोक्त ख(i)/(ii)/(iii) में उल्लिखित कुल ₹229.42 करोड़ की कराधान मांगों के विरुद्ध, कंपनी ने ₹163.91 करोड़ का भुगतान कर दिया है या न्यायनिर्णयन प्राधिकारी ने विरोध के तहत समायोजित कर दिया है और शेष ₹65.51 करोड़ 31 मार्च, 2025 तक अप्रदत्त हैं।

उपरोक्त घ (i) में उल्लिखित राशि ठेकेदार और कंपनी द्वारा नियुक्त पीएमसी के बीच मध्यस्थता के मामलों को दर्शाती है। पीएमसी द्वारा दावे का विरोध किया जा रहा है और कंपनी का मानना है कि मध्यस्थता प्रक्रिया में उसका पक्ष बरकरार रखा जाएगा। इस राशि में दावे की राशि पर 18% प्रति वर्ष ब्याज शामिल है।

उपरोक्त घ (ii) में उल्लिखित राशि, स्वतंत्र निदेशकों की अपर्याप्त संख्या के कारण बोर्ड/समिति की स्थिति/कोरम आवश्यकता के संबंध में सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकता के गैर-अनुपालन के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) द्वारा लगाए गए ₹0.18 करोड़ (जीएसटी सहित) के जुर्माने को दर्शाती है।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है क्योंकि कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है और निदेशक मंडल या कंपनी, कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं कर सकती। इस प्रकार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की ओर से कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। कंपनी को उम्मीद है कि स्टॉक एक्सचेंजों से किए गए उसके अनुरोध का भी अनुकूल परिणाम आएगा, जैसा कि एनएसई और बीएसई ने पहले इसी तरह के कारणों से आवश्यकता का पालन करने के बाद जुर्माना माफ किया था।

45.2 निम्नलिखित के संबंध में प्रतिबद्धताएं प्रदान नहीं की गई हैं:

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
- पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंध		
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए	25.64	94.85
- अन्य प्रतिबद्धताएँ		
- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व प्रतिबद्धताएँ	446.75	418.81

46. वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से प्राप्त पंजीकरण/लाइसेंस/प्राधिकार का ब्योरा:

विवरण	नियामक का नाम	पंजीकरण का ब्योरा
(i) कॉर्पोरेट पहचान संख्या	कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय	L40101DL1969GOI005095
(ii) पंजीकरण संख्या	भारतीय रिज़र्व बैंक	14.000011
(iii) लीगल एंटीटी आइडेंटिफायर (एलईआई) कोड	ग्लोबल लीगल एंटीटी आइडेंटिफायर फाउंडेशन (जीएलईआईएफ)	335800B4YRYWAMUJZ374
(iv) पंजीकरण संख्या	सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ़ सिक्क्योरिटीसेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्क्योरिटी इंटररेस्ट ऑफ़ इंडिया (सीईआरएसएआई)	L0012

47. भारत सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन

47.1 रूफटॉप सोलर प्रोग्राम (आरटीएस)

पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार द्वारा 29.02.2024 को एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर (आरटीएस) की स्थापना के लिए ₹75,021 करोड़ (₹65,700 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता सहित) के वित्तीय परिव्यय के साथ शुरू की गई थी और इसे वित्तीय वर्ष 2026-27 तक लागू किया जाना है। इस योजना का उद्देश्य 1 करोड़ आवासीय घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करना है, जो प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त या कम लागत वाली बिजली प्रदान करता है। यह स्थापित क्षमता से 1,000 बिलियन यूनिट नवीकरणीय बिजली के उत्पादन को लक्षित करता है, जिससे इन रूफटॉप सौर परियोजनाओं के 25 वर्ष के जीवनकाल में कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन में 720 मिलियन टन की कमी आने की उम्मीद है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

47.2 संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस)

भारत सरकार ने डिस्कॉम को परिणाम से संबद्ध वित्तीय सहायता प्रदान करके उनकी प्रचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता में सुधार करने में मदद करने के लिए संशोधित वितरण क्षेत्र (आरडीएसएस) अनुमोदित की है ताकि पूर्व-अर्हता मानदंडों को पूरा करने और बुनियादी न्यूनतम बेंचमार्क प्राप्त करने के आधार पर आपूर्ति अवसंरचना को सुदृढ़ किया जा सके। इस स्कीम के लिए 5 वर्षों में अर्थात् वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक ₹3,03,758 करोड़ का परिव्यय निर्धारित है, जिसमें ₹97,631 करोड़ की अनुमानित सरकारी बजटीय सहायता (जीबीएस) शामिल है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है:

- वर्ष 2024-25 तक अखिल भारतीय स्तर पर एटी एंड सी हानियों को कम करके 12-15% तक करना।
- वर्ष 2024-25 तक एसीएस-एआरआर अंतर को कम करके शून्य करना।
- वित्तीय रूप से सतत और प्रचालनात्मक रूप से कुशल वितरण क्षेत्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सामर्थ्य में सुधार।

स्कीम के घटक निम्नानुसार हैं:

भाग क – प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग और सिस्टम मीटरिंग तथा वितरण अवसंरचना के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता।

भाग ख – प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण तथा अन्य समर्थकारी और सहायक गतिविधियाँ।

47.3 राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ)

वित्तीय वर्ष 2012-13 से राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ), एक ब्याज सब्सिडी योजना, क्रियाशील हुई। योजना को वितरण क्षेत्र में पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया। यह योजना, विद्युत क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न पूंजीगत कार्यों के लिए सार्वजनिक और निजी विद्युत वितरण यूटिलिटीयों द्वारा लिए गए ऋणों पर, सुधारात्मक उपायों के संबंध में ब्याज सब्सिडी उपलब्ध करायेगी। राष्ट्रीय विद्युत निधि वर्ष 2012-13 और 2013-14 के दौरान अनुमोदित परियोजनाओं के समक्ष ऋण संवितरण के लिए 14 वर्षों से अधिक में विस्तारित ₹8,466 करोड़ की समग्र रूप पर ब्याज सब्सिडी (उधारकर्ताओं को ब्याज सब्सिडी, नोडल एजेंसी को सेवा प्रभार, स्वतंत्र मूल्यांककों को भुगतान तथा अन्य प्रासंगिक खर्चों सहित) प्रदान करेगी। संपूर्ण देश में राष्ट्रीय विद्युत निधि योजना को सक्रियतात्मक करने के लिए आरईसी को नोडल एजेंसी के रूप में नामोद्दिष्ट किया गया है।

47.4 प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य)

भारत सरकार ने अक्टूबर, 2017 के दौरान देश में सार्वभौमिक घरों के विद्युतीकरण के लिए “प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना” – सौभाग्य स्कीम शुरू की है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में सभी शेष गैर-विद्युतीकृत घरों को और शहरी क्षेत्रों में गरीब घरों को अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी और विद्युत के कनेक्शन प्रदान करने की परिकल्पना है। सौभाग्य स्कीम का पूंजीगत परिव्यय पूरी कार्यान्वयन अवधि के दौरान ₹12,320 करोड़ की कुल बजटीय सहायता सहित ₹16,320 करोड़ था। विद्युत मंत्रालय ने सौभाग्य स्कीम के प्रचालन के लिए आरईसी को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया है। यह स्कीम अपने अंतिम वर्ष वित्तीय वर्ष 2021-22 अर्थात् 31.03.2022 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई और बंद कर दी गई है।

47.5 दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई)

दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) ग्रामीण विद्युत वितरण की सभी पहलों को शामिल करने वाली भारत सरकार की अग्रणी योजना नवंबर 2014 को शुरू की गई है। इस स्कीम के तहत परियोजना लागत का 60 प्रतिशत (विशेष राज्यों के लिए 85 प्रतिशत) भारत सरकार के अनुदान के रूप में और निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने पर 15 प्रतिशत (विशेष राज्यों के लिए 5 प्रतिशत) का अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जाता है। डीडीयूजीजेवाई निम्नलिखित परियोजना घटकों के माध्यम से देश में ‘सभी के लिए 24x7 विद्युत’ हासिल करने के लिए सुविधा प्रदान करती है:

- ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति तथा गैर-कृषि उपभोक्ताओं को सतत विद्युत आपूर्तिकी सुविधा प्रदान करने वाले कृषि तथा गैर-कृषि फीडरों को पृथक् करना;
- वितरण ट्रांसफार्मर/फीडरों/उपभोक्ताओं की मीटरिंग सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उप-पारेषण तथा वितरण अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना और उसकी वृद्धि करना;
- माइक्रो-ग्रिड और ऑफ ग्रिड वितरण नेटवर्क;
- डीडीयूजीजेवाई में समाहित आरजीजीवीवाई 12वीं एवं 13वीं योजना के तहत ग्रामीण विद्युतीकरण घटक।

इस योजना ने संपूर्ण कार्यान्वयन अवधि के दौरान भारत सरकार से ₹63,027 करोड़ के बजटीय सहयोग सहित ₹75,893 करोड़ के परिव्यय का अनुमान लगाया था। डीडीयूजीजेवाई के तहत अतिरिक्त इन्फ्रा को ₹7,069 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ स्वीकृत किया गया था, जिसमें ₹5,302 करोड़ की बजटीय सहायता शामिल है। यह स्कीम अपने अंतिम वर्ष वित्तीय वर्ष 2021-22 अर्थात् 31.03.2022 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई और बंद कर दी गई है।

48. पूंजी प्रबंधन

यह कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूंजी का प्रबंधन करता है कि वह दावेदारों को अधिकतम आय करते हुए एक चलती हुई संस्था के रूप में जारी रहेगा। कंपनी की पूंजीगत संरचना में कंपनी द्वारा किए गए दीर्घावधि उधार तथा इक्विटी शामिल हैं।

प्रबंधन अत्यधिक वृद्धि से बचते हुए दक्ष समग्र वित्तपोषण संरचना बनाए रखने के लिए कंपनी की पूंजीगत आवश्यकताओं का मूल्यांकन करता है। यह कंपनी पूंजीगत संरचना का प्रबंधन करता है और गतिशील व्यापारिक पर्यावरण तथा क्षेत्र के अंतर्गत परिसमाप्यता की स्थिति के आलोक में उपयुक्त साधनों के माध्यम से निधियां जुटाता है। इसके अतिरिक्त, पूंजी पुनर्गठन के संबंध में कंपनी को अन्य बातों के साथ-साथ विनिवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएम), वित्त मंत्रालय, लोक उद्यम विभाग द्वारा बोनस शेयर, लाभांश वितरण, इक्विटी शेयरों का बाँय बैक आदि जारी करने के संबंध में जारी किए गए “केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का पूंजी पुनर्गठन” के संबंध में दिशा-निर्देशों से भी दिशानिर्देशित होता है। इस कंपनी ने बाहरी रूप से लगाई गई सभी पूंजीगत आवश्यकताओं का अनुपालन किया है।

समूह का ऋण-इक्विटी अनुपात निम्नलिखित है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
निवल ऋण	4,88,203.82	4,37,897.33
निवल मूल्य	77,637.97	68,783.15
ऋण - इक्विटी अनुपात	6.29	6.37

निवल ऋण बकाया मूल कम नकदी और उपलब्ध नकदी समतुल्य को दर्शाता है।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

लाभांश वितरण नीति

निदेशक मण्डल कंपनी के शेयरधारकों को लाभांश भुगतान की निगरानी करता है। कंपनी की लाभांश वितरण नीति विभिन्न कारकों पर केंद्रित है, जिनमें वर्तमान और भविष्य की पूंजी आवश्यकताएं, वित्तीय वर्ष के दौरान अर्जित लाभ, पूंजी से जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर), वैकल्पिक स्रोतों से धन जुटाने की लागत, नकदी प्रवाह की स्थिति और लागू कर, यदि कोई हो शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं और कंपनी की निवल संपत्ति, समय-समय पर लागू आरबीआई, डीआईपीएएम आदि द्वारा जारी परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अधीन है।

भारत सरकार के डीआईपीएएम द्वारा जारी मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी को न्यूनतम वार्षिक लाभांश पीएटी का 30% का भुगतान करना आवश्यक है। हालांकि कंपनी इन दिशानिर्देशों के अनुसार लाभांश घोषित करने का प्रयास करती है, कंपनी विभिन्न वित्तीय मापदंडों, नकदी प्रवाह की स्थिति और भविष्य के विकास के लिए आवश्यक धन के विश्लेषण के बाद कम लाभांश का प्रस्ताव कर सकती है।

अन्य नीतियाँ

कंपनी ने कंपनी के प्रबंधन के लिए विभिन्न नीतियां भी अपनाई हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति एवं व्हिसल ब्लोअर नीति, नामित व्यक्तियों और उनके निकटतम रिश्तेदारों द्वारा व्यापार के विनियमन, निगरानी एवं रिपोर्टिंग के लिए आचार संहिता और निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति, बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता, उचित व्यवहार संहिता, कॉर्पोरेट सुशासन पर आंतरिक दिशानिर्देश, निदेशकों के 'फिट और उचित' मानदंडों पर नीति, बोर्ड की विविधता और कौशल पर नीति, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की नियुक्ति के लिए मानदंड और निदेशकों, केएमपी और अन्य कार्मिकों को पारिश्रमिक आदि शामिल है।

49. जोखिम भारित परिसंपत्ति अनुपात में पूंजी

कंपनी समय-समय पर संशोधित आरबीआई द्वारा निर्धारित मास्टर निर्देशों/परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अनुसार पूंजी पर्याप्तता आवश्यकताओं का अनुपालन कर रही है। एक एनबीएफसी और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी-आईएफसी) होने के नाते, आरईसी को पूंजी पर्याप्तता अनुपात या पूंजी से जोखिम भारित परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) 15% (न्यूनतम टियर I पूंजी 10% के साथ) बनाए रखने की आवश्यकता होती है, जिसकी गणना जोखिम भारित परिसंपत्तियों द्वारा कंपनी की टियर-I और टियर-II पूंजी को विभाजित करके की जाती है।।

विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक			% % Variance**
	न्यूमेरेटर* (₹ करोड़ में)	डिनोमिनेटर* (₹ करोड़ में)	%	न्यूमेरेटर* (₹ करोड़ में)	डिनोमिनेटर* (₹ करोड़ में)	%	
(i) सीआरएआर	86,963.54	3,34,562.05	25.99%	73,859.00	2,86,046.00	25.82%	0.66%
सीआरएआर- टियर I पूंजी	79,491.30	3,34,562.05	23.76%	66,716.00	2,86,046.00	23.32%	1.89%
सीआरएआर- टियर II पूंजी	7,472.24	3,34,562.05	2.23%	7,143.00	2,86,046.00	2.50%	-10.80%
(ii) चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) टिप्पणी संख्या 50.2.4 (vi) देखें	4,214.07	2,809.00	150.02%	2,762.42	3,132.25	88.19%	70.11%

टियर-I पूंजी के स्थाई ऋण इन्स्ट्रूमेंट की राशि 7.10 % (पिछले वर्ष 5.47%) है।

* टियर-I और टियर-II पूंजी के अंश में मुख्य रूप से इक्विटी शामिल है (टिप्पणी संख्या 27, 28 और 29 देखें) और जोखिम भारित परिसंपत्ति होने के कारण न्यूमेरेटर मुख्य रूप से कंपनी के क्रेडिट एक्सपोज़र (जैसे ऋण) के भारित योग को दर्शाता है (टिप्पणी संख्या 10 देखें) और निवेश (टिप्पणी संख्या 11 देखें), समय-समय पर इस संबंध में आरबीआई द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार गणना की जाती है।

*एलसीआर न्यूमेरेटर के लिए - अंश कंपनी द्वारा धारित एचक्यूएलए है (टिप्पणी संख्या 11.1 देखें) और प्रत्येक अगले 30 दिनों में कुल निवल नकदी बहिर्वाह होगा, जिसकी गणना समय-समय पर इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्र (ओं) के अनुसार की जाएगी।

**एलसीआर में अंतर, कंपनी के बढ़ते व्यवसाय के साथ तालमेल बिठाने के लिए एचक्यूएलए सिक्वोरिटीज में तुलनात्मक वृद्धि के कारण है।

वर्ष के दौरान जुटाई गई टियर II पूंजी और स्थाई ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स का विवरण इस प्रकार है:

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
टियर-II पूंजी के रूप में जुटाई गई अधीनस्थ ऋण की राशि	-	-
टियर-I पूंजी के रूप में जुटाई गई स्थाई ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स की राशि	1,995.00	3,090.00

* अधीनस्थ देयताओं पर टिप्पणी संख्या 22 देखें।

50. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

इस कंपनी के निदेशक मण्डल के पास कंपनी के जोखिम प्रबंधन कार्यवाहों की स्थापना और नजर रखने की समग्र जिम्मेदारी है। कंपनी की एक एकीकृत जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ ऋण जोखिम, तरलता जोखिम, बाजार जोखिम, प्रचालनात्मक जोखिम और संगठन के अन्य जोखिम शामिल करती है। कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीतियां विभिन्न जोखिम श्रेणियों, स्वतंत्र जोखिम निगरानी और आवधिक निगरानी के लिए उपयुक्त सुपरिभाषित प्रणालियों और प्रक्रियाओं द्वारा निर्देशित होती हैं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में एक जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) का भी गठन किया गया है जिसका मुख्य कार्य संगठन के विभिन्न जोखिमों की पहचान करना और उनकी निगरानी करना तथा उन्हें कम करने के लिए अपेक्षित सुझाव देना है।

इस टिप्पणी में जोखिम के स्रोतों को स्पष्ट किया गया है जिनमें कंपनी सामने आती है और कंपनी कैसे वित्तीय विवरण में जोखिम तथा संबंधित प्रभाव का प्रबंधन करती है।

जोखिम	से उत्पन्न होने वाली स्थिति	मापन	प्रबंधन
ऋण जोखिम	नकदी एवं नकदी के समतुल्य, बैंक शेष (नकद और नकद समतुल्य के अलावा), ऋण, वित्तीय परिसंपत्ति, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश, राज्य विकास ऋण, ऋण प्रतिभूतियां और अधिमानित शेयर	पुराना विश्लेषण	बैंक जमा, परिसमाप्त निधियां, परिसंपत्ति आधार का विविधीकरण, ऋण सीमाएं एवं पारिश्वक
तरलता जोखिम	उधार, ऋण प्रतिभूतियां, सहायक देयताएं एवं अन्य वित्तीय देयताएं मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियां तथा भारतीय (आईएनएआर) में न बताई गई देयताएं	चल रहे नकद प्रवाह का पूर्वानुमान	प्रतिबद्ध ऋण लाइनों और उधार सुविधाओं की उपलब्धता
बाजार जोखिम - मुद्रा जोखिम	मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियां तथा भारतीय रुपये (आईएनएआर) में न बताई गई देयताएं	नकद प्रवाह का पूर्वानुमान	व्युत्पन्न अनुबंध



लेखा संबंधी टिप्पणियां

जोखिम	से उत्पन्न होने वाली स्थिति	मापन	प्रबंधन
बाजार जोखिम – ब्याज दर जोखिम	उधार, ऋण प्रतिभूतियां और परिवर्तनीय ब्याज दरों पर सहायक देयाताएं	सर्वेदनशीलता विश्लेषण	व्युत्पन्न अनुबंध
बाजार जोखिम – इक्विटी कीमत जोखिम	उल्लिखित इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश	सर्वेदनशीलता विश्लेषण	नीतिगत निवेशों पर जोर देकर पोर्टफोलियो का विविधीकरण

जोखिम के अत्यधिक संकेंद्रण से बचने के लिए कंपनी की नीतियों और प्रक्रियाओं में एक विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाए रखने पर जोर देने के लिए विशिष्ट दिशा-निर्देश शामिल हैं। ऋण जोखिमों के अभिज्ञात संकेंद्रणों का नियंत्रण एवं प्रबंधन तदनुसार किया जाता है।

इन जोखिमों के प्रबंधन के लिए कंपनी ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक एकीकृत उद्यम-व्यापी जोखिम प्रबंधन तंत्र स्थापित किया है कि इन जोखिमों की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाए और कुशलता से उनका प्रबंधन किया जाए। कंपनी में जोखिम प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ाने के लिए आरबीआई की दिनांक 16 मई, 2019 के अधिसूचना सं. डीएनबीआर (पीडी) सीसी. सं./099/03.10.001/2018-19 के उद्देश्य से निदेशक मण्डल ने एक मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) भी नियुक्त किया है जो जोखिमों की पहचान, माप और शमन की इस प्रक्रिया में शामिल है। जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण यानी कंपनी के उद्देश्यों, नीतियों और उपरोक्त जोखिमों में से प्रत्येक को मापने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया बाद के पैराग्राफ में निर्धारित की गई है।

आरबीआई ने सूचना प्रौद्योगिकी प्रशासन, जोखिम, नियंत्रण और आश्वासन प्रणाली पर अपने मास्टर निर्देश के तहत अपने निर्देश आरबीआई/2023-24/107 डीओएस. सीओ.सीएसआईटीईजी/एसईसी.7/31.01.015/2023-24 दिनांक 07 नवंबर, 2023 के तहत मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) की नियुक्ति को अनिवार्य कर दिया है। कंपनी ने आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुपालन में 16 जनवरी से सीआईएसओ नियुक्त किया है।

50.1 ऋण जोखिम

ऋण जोखिम उस जोखिम से संबंधित है जिसे प्रतिपक्ष अपने संविदागत दायित्वों के संबंध में चूक करेगा जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय हानियां होती हैं। कंपनी का ऋण जोखिम मुख्यतः नकदी और नकदी के समतुल्य, बैंक शेष (नकदी और नकदी के समतुल्य को छोड़कर), निवेश, ऋण परिसंपत्तियों, व्यवसाय प्राप्य राशियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों को परिशोधित लागत पर आकलित करने से प्रभावित होता है। यह कंपनी ग्राहकों तथा अन्य प्रतिपक्षकारों की चूकों की निरंतर निगरानी करता है और इस सूचना को अपने ऋण जोखिम नियंत्रण में शामिल करता है।

50.1.1 वित्तीय परिसंपत्तियां जो एंटीटी को ऋण जोखिम में दर्शाती है

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) वित्तीय रिपोर्टिंग तिथि पर कम ऋण जोखिम			
नकद और नकद समतुल्य		54.69	46.26
बैंक शेष (नकद और नकद समतुल्य के अलावा)		1,695.15	2,452.44
ऋण *		5,21,767.83	4,82,554.12
निवेश (इक्विटी निवेशों को छोड़कर)		6,167.36	4,833.20
ट्रेड और अन्य प्राप्य		1.99	2.78
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां		24,603.68	24,421.74
(ii) मध्यम ऋण जोखिम			
ऋण *		45,471.51	18,999.65
(iii) उच्च ऋण जोखिम			
ऋण *		7,652.65	13,810.33
अधिमानित शेयर में निवेश **		28.72	28.72
ट्रेड और अन्य प्राप्य		27.11	27.86
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां		149.22	39.44

* अपेक्षित क्रेडिट हानियों के लिए कटौती के बिना बकाया मूल (सुविधा पत्र के लिए असंवितरित राशि के साथ) को दर्शाता है

** रतन इंडिया पावर लिमिटेड के विमोचनीय अधिमानित शेयरों में निवेश के संबंध में अपेक्षित क्रेडिट हानि के लिए कटौती के बिना बकाया मूल को दर्शाता है।

नकदी एवं नकदी के समतुल्य तथा बैंक शेष

नकदी एवं नकदी के समतुल्य और बैंक शेष से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन निवेश ग्रेड रेटेड इन्स्ट्रूमेंट्स तथा अत्यधिक रेटेड बैंकों और पूरे देश में विभिन्न इन्स्ट्रूमेंट्स/बैंकों में निवेश कर जमा आधार का विविधीकरण करके भी पार्किंग निधियों से किया जाता है।

ऋण

उधारकर्ताओं से संबंधित ऋण जोखिम भावी परियोजना ऋण परिसंपत्तियों, प्राप्य, मालसूची अथवा अन्य किसी परिसंपत्ति, सरकारी गारंटी, निगम गारंटी आदि और अतिरिक्त रूप से सहायकों, जहां भी अपेक्षित हो, के दृष्टि बंधक द्वारा ऋणों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के माध्यम से कम किए जाते हैं। यह कंपनी उधारकर्ता की ऋण सीमाओं को परिभाषित करने और ऋण जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए व्यवस्थित संस्थागत तथा परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया विश्लेषण से बनाए गए सुपरिभाषित कंपनी मूल्यांकन दिशा-निर्देशों के माध्यम से संवर्धकों की ऋण योग्यता का बारीकी से मूल्यांकन करती है जिससे पूर्व परिकलित धनराशि का ऋण जोखिम सीमित होता है। इन प्रक्रियाओं में एक विस्तृत मूल्यांकन सिद्धांत, जोखिमों की पहचान और उपयुक्त संरचना तथा ऋण जोखिम कम करने के उपाय, पूर्व संवितरण शर्तों के रूप में शामिल होते हैं।

सरकारी प्रतिभूति, राज्य विकास ऋण और ऋण प्रतिभूतियों में निवेश

उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्तियों (एचक्यूएलए) में निवेश से संबंधित क्रेडिट जोखिम को सरकारी प्रतिभूतियों, राज्य विकास ऋणों और पीएसयू बॉण्ड में अच्छे वित्तीय स्वास्थ्य के साथ निवेश द्वारा प्रबंधित किया जाता है और विभिन्न परिपक्वता/क्षेत्र में निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और नियमित आधार पर वित्तीय स्वास्थ्य की निगरानी की जाती है।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

ऋणी संस्थाओं द्वारा ऋण निपटान / समाधान के समय जारी प्रतिभूतियों में निवेश

कंपनी या ऋणदाताओं के संघ द्वारा यथालागू अनुमोदित निपटान/समाधान योजना के हिस्से के रूप में उधारकर्ता संस्थाओं द्वारा जारी की गई विभिन्न प्रतिभूतियां और ऋणदाताओं की समिति और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा अनुमोदित दिवाला और अशोधन क्षमता संहिता 2016 के तहत संकल्प के मामले में प्राप्त हुई। इन प्रतिभूतियों से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन ऐसी राशियों की निरंतर वसूली की निगरानी करके किया जाता है।

ट्रेड और अन्य प्राप्य

परिशोधित लागत पर मापी गई व्यापार और अन्य प्राप्तियों में शुल्क आय और आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुल्क शामिल है। ऐसी प्राप्तियों से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन राशियों की वसूली की निरंतर निगरानी करके किया जाता है।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

परिशोधित लागत पर मापी गई अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में कार्मिकों तथा अनुषंगी कंपनियों को ऋण एवं अग्रिम, प्रतिभूति जमा तथा अन्य वसूली योग्य धनराशि, भारत सरकार से ली गई राशि सहित शामिल होते हैं। इन अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन ऐसी धनराशि को वसूली करने की क्षमता का निरंतर निगरानी कर प्रबंधन किया जाता है।

50.1.2 ऋणों एवं ट्रेड प्राप्यों को छोड़कर वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए प्रत्याशित ऋण हानियां (ईसीएल)

कंपनी किसी भी प्रकार की ऋण हानि की संभावना के लिए व्यक्तिगत वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स का आकलन करके ऋण और ट्रेड प्राप्य राशियों को छोड़कर अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान करती है:

- **नकदी एवं नकदी के समतुल्यों और बैंक शेषों के लिए (नकदी एवं नकदी के समतुल्यों के अलावा)** - चूंकि, कंपनी बैंकिंग प्रचालनों के लिए केवल हाई रेटेड बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के साथ कार्य करती है तथा निधियों की श्रेणी को अधिशेष निधियों के अल्पकालिक निवेश के लिए निरंतर उच्च रिकार्ड के साथ ऋण निधियों में परिसमाप्त करती है, अतः नकदी एवं नकदी के समतुल्यों, अन्य बैंक शेषों और बैंक जमाओं के संबंध में ऋण जोखिम बहुत कम मूल्यांकित किया जाता है।
- **ऋण निपटान/समाधान के समय उधारकर्ता संस्थाओं द्वारा जारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए** - ऐसी प्रतिभूतियों की पुनर्प्राप्ति के आधार पर क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन किया जाता है। जहां भी ऐसे निवेशों पर मध्यम या उच्च जोखिम का मूल्यांकन किया जाता है, उपयुक्त ईसीएल भत्ता प्रदान किया जाता है।
- **ट्रेड और अन्य प्राप्तियों के लिए** - क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन कंपनी की क्रेडिट योग्यता के ज्ञान और उन पक्षों से प्राप्तियों की वसूली के आधार पर किया जाता है।
- **अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए** - क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन उन पार्टियों की क्रेडिट योग्यता के बारे में कंपनी के ज्ञान के आधार पर किया जाता है और प्रारंभिक मान्यता पर 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि के लिए हानि भत्ता मापा जाता है और क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि पर जीवन भर अपेक्षित क्रेडिट हानि प्रदान की जाती है।

ऋण और ट्रेड प्राप्य के अलावा अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि का विवरण निम्नानुसार प्रकटन किया गया है:

विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	सकल धारित राशि (क)	ईसीएल (ख)	निवल धारित राशि (ग=क-ख)	सकल धारित राशि	ईसीएल (ड)	निवल धारित राशि (च=घ-ड)
नकदी एवं नकदी के समतुल्य	54.69	-	54.69	46.26	-	46.26
बैंक शेष(नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)	1,695.15	-	1,695.15	2,452.44	-	2,452.44
निवेश* (इक्विटी इन्स्ट्रूमेंट्स के अलावा)	6,199.34	31.98	6,167.36	4,861.92	28.72	4,833.20
ट्रेड और अन्य प्राप्य	29.10	27.11	1.99	30.64	27.86	2.78
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां **	24,752.90	149.22	24,603.68	24,461.18	39.44	24,421.74

* क्रेडिट-इम्पेयर्ड माने जाने वाले रतन इंडिया पावर लिमिटेड के 'विमोचनीय अधिमानित शेयरों में निवेश' पर हानि भत्ता पूर्ण रूप से प्रदान किया गया है।

** क्रेडिट-इम्पेयर्ड मानी जाने वाली 'अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों' पर हानि भत्ता पूर्ण रूप से प्रदान किया गया है।

50.1.3 ऋणों के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि

जोखिम प्रबंधन रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए, कंपनी क्रेडिट जोखिम के निम्नलिखित तत्वों पर विचार करती है और उन्हें समेकित करती है:

क्रेडिट डिफॉल्ट जोखिम: देनदार /जारीकर्ता द्वारा अपने ऋण दायित्वों का पूरा भुगतान करने की संभावना नहीं होने या किसी भी महत्वपूर्ण क्रेडिट दायित्व के कारण 90 दिन से अधिक समय बीत जाने से उत्पन्न होने वाले नुकसान का जोखिम; डिफॉल्ट जोखिम ऋण और प्रतिभूतियों सहित सभी क्रेडिट-संवेदनशील लेन-देन को प्रभावित कर सकता है।

संकेंद्रण जोखिम: किसी एक एक्सपोजर या एक्सपोजर के समूह से जुड़ा जोखिम जिसमें कंपनी के मुख्य संचालन को खतरे में डालने के लिए पर्याप्त बड़े नुकसान उत्पन्न करने की क्षमता हो।

(क) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम विभिन्न स्तरों पर प्रबंधित किया जाता है, जिसमें मूल्यांकन, संवितरण और संवितरण के बाद निगरानी शामिल हैं। कंपनी के पास "एकीकृत रेटिंग दिशानिर्देश" और "व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति" मौजूद है। क्रेडिट जोखिम को कम करने के लिए कंपनी क्रेडिट जोखिम के आकलन हेतु व्यवस्थित संस्थागत और परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुसरण करती है। इन प्रक्रियाओं में एक विस्तृत मूल्यांकन पद्धति, जोखिमों की पहचान और उपयुक्त संरचना और ऋण जोखिम कम करने जैसे उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, आवधिक आधार पर, ऋण परिसंपत्तियों की समीक्षा की जाती है और उन्हें ईसीएल पद्धति के आधार पर उच्च/मध्यम/निम्न के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। क्रेडिट जोखिम प्रबंधन की प्रक्रिया निम्नानुसार है:

- कंपनी के पास क्रेडिट मूल्यांकन, जोखिम ग्रेडिंग, संपार्श्विक आवश्यकताओं, रिपोर्टिंग, निधियों के अंतिम उपयोग की निगरानी आदि को शामिल करते हुए "एकीकृत रेटिंग दिशानिर्देश" उपलब्ध हैं। इसके अलावा, कानूनी जोखिम का प्रभावी प्रलेखन और शमन सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र ऋणदाता कानूनी परामर्शदाता नियुक्त किए जाते हैं।
- सभी मौजूदा निजी क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए, जहाँ कंपनी अग्रणी वित्तीय संस्थान है, कंपनी ऋणदाता के स्वतंत्र इंजीनियर्स (एलआईई), ऋणदाता के वित्तीय सलाहकार (एलएफए) और ऋणदाता के बीमा सलाहकार (एलआईए) नियोजित करती है, जो स्वतंत्र एजेंसियां हैं जो विभिन्न ऋणदाताओं और संघ सदस्यों की ओर से कार्य करती हैं। एलआईई ऋणकर्ता के साथ चर्चा और प्रासंगिक इंस्ट्रूमेंट्स की जांच / समीक्षा के बाद, परियोजना साइट का दौरा करती है और इसकी प्रगति



लेखा संबंधी टिप्पणियां

की स्थिति पर आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। एलएफए परियोजना में समय-समय पर निधि प्रवाह और धन के उपयोग के विवरण प्रस्तुत करता है। ऐसे मामलों में जहां कंपनी जहाँ कंपनी अग्रणी वित्तीय संस्थान नहीं है, एलआईई और एलएफए सेवाओं से संबंधित कार्यों को अग्रणी ऋणदाता के साथ समन्वित किया जा रहा है।

कंपनी वित्तपोषित की जाने वाली नई परियोजनाओं के लिए एक अलग परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) नियुक्त करने का भी प्रयास करती है, जो एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एलआईई / परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी), एलएफए और एलआईई के संपूर्ण कार्यों का निर्वाह करती है। परियोजना की प्रगति की निगरानी, ईपीसी / गैर-ईपीसी संविदाओं और बीजकों की समीक्षा, निधि के उपयोग और परियोजना के लिए बीमा सहित परियोजना की विभिन्न गतिविधियों को बारीकी से देख-रेख करने के लिए पीएमए परियोजना स्थल पर दिन-रात तैनात रहती है। पीएमए मूल उपस्कर विनिर्माता / आपूर्तिकर्ता के बिलों, ठेके दार के समग्र काम की पुष्टि करता है और संवितरण के लिए अपनी सिफारिश करता है। मूल परियोजना लागत और सीओडी सहित तकनीकी और वित्तीय मापदंडों की पवित्रता को बनाए रखते हुए पीएमए द्वारा प्रारंभिक अपेक्षित सतर्कता भी बरती जाती है।

दबावग्रस्त परियोजनाओं के लिए ट्रस्ट और रिटेंशन अकाउंट (टीआरए) की प्रभावी निगरानी के लिए मामले दर मामला आधार पर आरईसी / उधारदाताओं द्वारा विशेष निगरानी / नकदी प्रवाह निगरानी एजेंसियों के लिए समवर्ती लेखापरीक्षकों / एजेंसियों की भी नियुक्ति की जा रही है।

- (iii) कंपनी में क्रेडिट सुविधाओं के अनुमोदन और नवीनीकरण के लिए एक प्राधिकार अवसंरचना है। प्राधिकार सीमाएं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक / कार्यपालक समिति / ऋण समिति / निदेशक मण्डल के चरण पर यथा उपयुक्त जांच समिति की सिफारिश के आधार पर व्यापारिक प्रस्ताव के आकार के अनुरूप स्थापित की गई है।
- (iv) कंपनी में उपयुक्त ब्याज दरें और प्रतिभूति पैकेज लगाकर चूक के जोखिम की मात्रा के अनुसार उसके निपटानों की श्रेणी बनाने के लिए जोखिम ग्रेडिंग संरचना विकसित की है।
- (v) ऋण पोर्टफोलियो की ऋण गुणवत्ता संबंधी रिपोर्टें जोखिम प्रबंधन समिति तथा बोर्ड को दी जाती हैं जोकि की जाने वाली उपयुक्त सुधारात्मक कार्यवाही की मांग कर सकता है।
- (vi) ऋण जोखिम के प्रबंधन के लिए पूरी कंपनी में सर्वोत्तम परिपाटी संवर्धित करने के लिए विशेषज्ञ कौशल प्रदान करने के साथ-साथ व्यापारिक यूनिटों द्वारा अपनाए जा रहे दिशा-निर्देशों, नीति और विद्यमान परिपाटियों की समीक्षा करने के लिए समय-समय पर बाहरी एजेंसियां नियुक्त की जाती हैं।
- (vii) अलग-अलग और समूह ऋण एक्सपोजर का मूल्यांकन संबंधित व्यापारिक यूनिट द्वारा लेनदारों को सुविधाएं प्रतिबद्ध करने से पूर्व निर्धारित सीमाओं के विरुद्ध किया जाता है। अतिरिक्त सुविधाओं की स्वीकृति भी उसी समीक्षा प्रक्रिया के अध्वधीन होती है।
- (viii) कंपनी लगातार ऋणकर्ताओं और अन्य समकक्ष पक्षकारों के विलंब और / या चूक और उनकी वसूली क्षमता की निगरानी करती है। ऋणकर्ता के खाते में चूक की घटना होने पर कंपनी चूक को ठीक करने के लिए आवश्यक कदम उठाती है, जिसमें आगे वर्णित कार्यवाही (कार्यवाहियां) शामिल हो सकती है, लेकिन ये केवल इतने तक ही सीमित नहीं है, आरबीआई को रिपोर्टिंग के साथ विशेष उल्लेख खाता (एसएमए), क्रेडिट रिपोर्टिंग ऑफ़ इन्फॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिटर्स (सीआरआईएलसी) को जानकारी की रिपोर्टिंग, टीआरए खाते की निगरानी, ऋण समझौते के अनुसार इकिटी में ऋण के रूपांतरण, ऋण खाते के पुनर्गठन, ऋणकर्ता के साथ संकल्प योजना तैयार करने, स्वामित्व में परिवर्तन, कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस (सीआईआरपी), बकाया राशि वसूल करने के लिए गारंटी / प्रतिभूतियों के आह्वान सहित अन्य संस्थाओं / निवेशकों और अन्य वसूली तंत्रों को एक्सपोजर की बिक्री आदि।

(ख) क्रेडिट जोखिम मापन

ऋण परिसंपत्तियों पर इम्पेयरमेंट हानि भत्ते के लिए निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार भारतीय लेखांकन मानक इंड एस 109 के अनुसार प्रावधान किया जाता है, जो क्रेडिट गुणवत्ता में सुधार / गिरावट का आकलन करने के लिए प्रमुख वित्तीय और प्रचालन मापदंडों के आधार पर क्रेडिट जोखिम को मापता है। प्रबंधन मॉडल आउटपुट पर ओवरले, यदि कोई है, करता है, जिसे लेखापरीक्षा समिति द्वारा विधिवत दस्तावेजीकृत (प्रलेखित) और अनुमोदित किए जाते हैं। अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का मूल्यांकन एक स्वतंत्र एजेंसी, आईसीआरए एनालिटिक्स लिमिटेड (पूर्व में आईसीआरए ऑनलाइन लिमिटेड) द्वारा किया जाता है।

कंपनी के पास राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य विद्युत संस्थानों की ग्रेडिंग के लिए एक आंतरिक प्रणाली मौजूद है। हालाँकि, वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए कंपनी विद्युत मंत्रालय द्वारा रेटिंग की प्रक्रिया को तब अपनाता है, जब वे अद्यतन किए जाते हैं। इन रेटिंग्स को रेटिंग ट्रांजिशन मैट्रिक्स के हिस्से के रूप में विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रकाशित बाहरी रेटिंग ग्रेड के साथ मैप किया जाता है। निजी ऋणकर्ताओं के लिए कंपनी या तो विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रकाशित बाहरी रेटिंग का उपयोग करती है या फिर ऐसी रेटिंग उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में प्रॉक्सी जोखिम स्कोर का प्रयोग करती है। प्रॉक्सी जोखिम स्कोर मॉडल के अंतर्गत निम्नलिखित मापदंडों पर विचार किया जाता है:

मात्रात्मक कारक

ऋण/ईबीआईटीडीए (30% भार)

नियोजित पूंजी पर रिटर्न (15% भार)

ब्याज कवरेज (25% भार)

गियरिंग (ऋण / इकिटी) (30% भार)

गुणात्मक कारक

तिमाही-वार प्रचालनात्मक मानदंड, यथा पीपीए, पीएलएफ, एसीएस – एआरआर अंतर और एलएफए, सीयूएफ आदि

वास्तविक चूक की तिथि

परियोजना की स्थिति

(ग) अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का मापन

भारतीय लेखांकन मानक इंड एस 109 में नीचे संक्षेप में बताए गए अनुसार प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट गुणवत्ता में परिवर्तन के आधार पर हानि के लिए एक “तीन चरण” वाले मॉडल की रूपरेखा दी गई है :

- एक वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट जो प्रारंभिक मान्यता पर क्रेडिट इंपेयर्ड नहीं है और जिसका क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक चरण “चरण 1” के रूप में वर्गीकृत होने के बाद से बहुत अधिक नहीं बढ़ा है।
- यदि इस बात की पहचान हो जाती है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, तो वित्तीय लिखत को “चरण 2” में स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन अभी भी इसे मानद रूप से क्रेडिट क्षतिपूरित हुआ नहीं माना जाता है।
- यदि कोई वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट क्रेडिट इंपेयर्ड हुआ है, तो इसे “चरण 3” में ले जाया जाता है।
- चरण 1 में वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट का अपेक्षित क्रेडिट नुकसान के बराबर की राशि पर ईसीएल मापा जा चुका है, जो अगले 12 महीनों के भीतर संभावित चूक की घटनाओं के परिणामस्वरूप हो सकता है। चरण 2 या चरण 3 मानदंड में इन्स्ट्रुमेंट का ईसीएल आजीवन आधार पर मापा जाता है।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

(घ) ऋण जोखिम (एसआईसीआर) में महत्वपूर्ण वृद्धि

कंपनी का मानना है कि निम्नलिखित मामलों में किसी वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट पर ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

- जब किसी वित्तीय साधन पर भुगतान उसके संविदात्मक भुगतानों की देय तिथि से 30 दिन से अधिक हो गया हो,
- चरण 1 ऋण परिसंपत्ति पुनर्गठन योजना के अनुसार नियमित भुगतान के एक वर्ष तक पुनर्गठन के दौर से गुजर रही हो,
- उधारकर्ता की क्रेडिट रेटिंग में "सी" तक की गिरावट,
- परियोजना के वाणिज्यिक संचालन के प्रारंभ की तिथि में 4 वर्ष से अधिक का विलंब।

(ङ) डिफॉल्ट तथा क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों की परिभाषा

कंपनी डिफॉल्ट के रूप में वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट को परिभाषित करती है जो पूर्णतः हानियों वाले ऋण की परिभाषा के अनुरूप है जब ऋणखाता अपने संविदागत भुगतानों पर देय पिछले 90 दिनों से अधिक हो या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए परिपत्र के अनुसार कंपनी द्वारा दी गई कोई भी अवधि।

(च) ईसीएल का मापन – इनपुट, अवधारणाओं और अनुमानित तकनीकों की व्याख्या

अपेक्षित क्रेडिट हानि डिफॉल्ट की संभावना (पीडी), डिफॉल्ट पर एक्सपोजर (ईएडी) और डिफॉल्ट रूप से दी गई हानि (एलजीडी) का उत्पाद है, जिसे निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

- पीडी अगले 12 महीनों में या इन्स्ट्रूमेंट के शेष जीवनकाल में अपनी बाध्यता पर ऋणकर्ता की डिफॉल्ट की संभावना को दर्शाता है।
- ईएडी ऐसी राशियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें बकाया मूलधन, अर्जित ब्याज और बकाया सुविधा पत्र (एलओसी) शामिल होते हैं, जो कंपनी डिफॉल्ट के समय बकाया होने की उम्मीद करती है।
- एलजीडी कंपनी के नुकसान की ऐसी उम्मीद को दर्शाता है कि कोई डिफॉल्ट हो सकती है। एलजीडी प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है और यह उस राशि के अनुपात को दर्शाता है जो वास्तव में डिफॉल्ट के किसी मामले में वसूली के बाद समाप्त हो जाएगी।

चूक की संभावना (पीडी) का निर्धारण

कंपनी ने वार्षिक ट्रांजिशन मैट्रिक्स पर आधारित पीडी की गणना के लिए क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रकाशित रेटिंग ट्रांजिशन मैट्रिक्स का विश्लेषण किया है। ऋण की अवधि / मैच्योरिटी प्रोफाइल यानी जीवनपर्यंत पीडी द्वारा विभिन्न रेटिंग ग्रेड की चूक की आजीवन संभावना का पता लगाने के लिए इस वार्षिक ट्रांजिशन मैट्रिक्स को एक्स्ट्रापोलेटेड किया गया। हालांकि, राज्य वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए, कंपनी जब भी अद्यतन होती है, विद्युत मंत्रालय द्वारा रेटिंग अपनाती है।

लॉस गिवन डिफॉल्ट (एलजीडी) कम्प्यूटेशन मॉडल

ऐतिहासिक रुझान, अनुसंधान और उद्योग बेंचमार्किंग के आधार पर कंपनी ने एक एलजीडी मॉडल का निर्माण किया है। एलजीडी मॉडल में समीक्षा किए गए कारकों में प्रति यूनिट परियोजना लागत, पीपीए की स्थिति, एफएसए की स्थिति आदि शामिल हैं। आंतरिक अनुसंधान के आधार पर कंपनी ने निजी क्षेत्र में थर्मल, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए इन कारकों को बेंचमार्क किया है। निजी क्षेत्र के उधारकर्ताओं के मामले में, एलजीडी का पता लगाने के लिए परिसंपत्तियों के वास्तविक मूल्य का पता लगाने हेतु कंपनी द्वारा की गई मूल्यांकन रिपोर्टों, समाधान प्रक्रिया के परिणाम आदि सहित उचित अनुमानों का उपयोग किया गया। राज्य सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए कंपनी ने राज्य सहायता में उद्घाटित किया है और यह माना कि राज्य / केंद्र सरकारें अतीत में देखी गई राज्य क्षेत्र की संस्थानों (बिजली कंपनियों) के ऋण दायित्वों को चुकाने के लिए कदम उठाएंगी।

(छ) ईसीएल के मापन में उपयोग की जाने वाली प्रमुख धारणाएँ

- कंपनी प्रारंभिक मान्यता की तिथि को आधार तिथि मानती है जिससे क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि निर्धारित की जाती है।
- ईएडी उन राशियों को दर्शाता है, जिनमें बकाया मूल, अर्जित ब्याज और बकाया सुविधा पत्र शामिल हैं, जो कंपनी को डिफॉल्ट के समय बकाया होने की उम्मीद करता है।

(ज) क्रेडिट जोखिम एक्सपोजर

विभिन्न क्रेडिट रेटिंग वाले उधारकर्ताओं के संबंध में क्रेडिट जोखिम एक्सपोजर निम्नानुसार है

(₹ करोड़ में)

ऋण जोखिम श्रेणी (आंतरिक/ मैप की गई रेटिंग)	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल
प्रदर्शन करने वाले								
बहुत अच्छा (एएए एए ए सरकारी ऋण)	2,27,156.98	41,032.49	-	2,68,189.47	2,03,407.58	18,161.39	-	2,21,568.97
अच्छा (बीबीबी बीबी बी)	1,78,400.70	4,088.70	-	1,82,489.40	2,22,710.25	445.30	-	2,23,155.55
औसत (सी)	1,16,210.15	-	-	1,16,210.15	56,025.85	-	-	56,025.85
उचित (डी)	-	350.32	-	350.32	410.44	-	-	410.44
प्रदर्शन न करने वाले (डी)	-	-	7,652.65	7,652.65	-	392.96	13,810.33	14,203.29
सकल एक्सपोजर	5,21,767.83	45,471.51	7,652.65	5,74,891.99	4,82,554.12	18,999.65	13,810.33	5,15,364.10
हानि भत्ता (एलओसी सहित)	4,822.81	501.95	5,489.48	10,814.24	2,767.04	191.70	9,453.80	12,412.54
निवल एक्सपोजर	5,16,945.02	44,969.56	2,163.17	5,64,077.75	4,79,787.08	18,807.95	4,356.53	5,02,951.56

(झ) समपार्श्विक तथा अन्य ऋण वृद्धियां

कंपनी ऋण जोखिम को कम करने के लिए कई नीतियां और परिपाटियां लगाती है। इनमें से सबसे सामान्य संवितरित निधियों के लिए समपार्श्विक को स्वीकार करना है। कंपनी में समपार्श्विक अथवा ऋण जोखिम को कम करने की विशेष श्रेणियों की स्वीकार्यता के संबंध में आंतरिक नीतियां हैं। ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रमुख समपार्श्विक प्रकार निम्नलिखित हैं:

- अचल परिसंपत्तियों का बंधक
- चल संपत्ति का दृष्टि बंधक



लेखा संबंधी टिप्पणियां

- परियोजना संविदा दस्तावेजों को सौंपना
- इन्स्ट्रुमेंट्स का संकल्प जिसके माध्यम से प्रमोटर का अंशदान परियोजना में लगाया जाता है
- प्रमोटर की शेयरधारिता का संकल्प
- प्रमोटर की व्यक्तिगत तथा कॉर्पोरेट गारंटी

(ज) हानि भत्ता

उस अवधि में माना गया हानि भत्ता कई कारकों से प्रभावित होता है, जैसा कि नीचे वर्णित किया गया है:

- चरण 1 और चरण 2 या 3 के बीच वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स में क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि (या कमी) का अनुभव होने या अवधि में क्रेडिट-इम्पेयर्ड होने के कारण स्थानांतरण, और परिणामस्वरूप 12- माह के बीच "स्टेप अप" (या "स्टेप डाउन") और जीवनपर्यंत ईसीएल
- अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त नए वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए अतिरिक्त भत्ते, साथ ही अवधि में गैर-मान्यता प्राप्त वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए रिलीज़
- मॉडल में इनपुट के नियमित रिक्रेडिटिंग से उत्पन्न होने वाली अवधि में पीडी, ईएडी और एलजीडी में परिवर्तन के कारण ईसीएल की माप पर प्रभाव
- अवधि के दौरान अमान्य की गई वित्तीय परिसंपत्तियां और उस अवधि के दौरान रीटन ऑफ में डाली गई संपत्तियों से संबंधित भत्तों को राइट ऑफ में डालना

निम्नलिखित तालिकाएं ऋण परिसंपत्तियों में परिवर्तन (संवितरित न किए गए सुविधा पत्रों सहित) और रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ तथा अंत के बीच तद्वृषी ईसीएल भत्ते को स्पष्ट करती है।

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	चरण 1		चरण 2		चरण 3		कुल	
	सकल राशि	12 महीने ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
प्रारंभिक शेष	4,82,554.12	2,767.04	18,999.65	191.70	9,453.80	5,15,364.10	12,412.54	
					13,810.33			
12 महीने के ईसीएल में अंतरण	392.16	41.21	(392.16)	(41.21)	-	-	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं	(28,280.78)	(113.48)	28,280.78	113.48	-	-	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड	(14.89)	(1.03)	-	-	14.89	1.03	-	-
पीडी / एलजीडी में बदलाव के कारण अतिरिक्त प्रावधान	-	268.70	-	258.26	-	0.97	-	527.93
नई उत्पन्न अथवा खरीदी हुई वित्तीय परिसंपत्तियां (मौजूदा परिसंपत्तियों में अग्रिम संवितरण सहित)	1,95,040.20	2,321.88	1,888.35	7.80	-	-	1,96,928.55	2,329.68
वित्तीय परिसंपत्तियां जिन्हें अमान्य कर दिया है (मौजूदा परिसंपत्तियों में वसूली सहित)	(1,27,922.98)	(461.51)	(3,305.11)	(28.08)	(3,688.03)	(1,481.78)	(1,34,916.12)	(1,971.37)
राइट ऑफ	-	-	-	-	(2,484.54)	(2,484.54)	(2,484.54)	(2,484.54)
अंतिम शेष	5,21,767.83	4,822.81	45,471.51	501.95	7,652.65	5,489.48	5,74,891.99	10,814.24

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	चरण 1		चरण 2		चरण 3		कुल	
	सकल राशि	12 महीने ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
प्रारंभिक शेष	4,12,304.47	3,521.81	10,913.58	238.30	14,892.08	10,519.51	4,38,110.13	14,279.62
12 महीने के ईसीएल में अंतरण	9,954.90	(194.96)	(9,954.90)	194.96	-	-	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं	(18,708.02)	(75.05)	19,077.40	191.51	(369.38)	(116.46)	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड	-	-	-	-	-	-	-	-
पीडी / एलजीडी में बदलाव के कारण अतिरिक्त प्रावधान	-	(723.10)	-	(426.85)	-	(448.16)	-	(1,598.11)
नई उत्पन्न अथवा खरीदी हुई वित्तीय परिसंपत्तियां (मौजूदा परिसंपत्तियों में अग्रिम संवितरण सहित)	1,66,140.76	916.02	90.95	0.73	-	-	1,66,231.71	916.75
वित्तीय परिसंपत्तियां जिन्हें अमान्य कर दिया है (मौजूदा परिसंपत्तियों में वसूली सहित)	(87,137.99)	(677.68)	(1,127.38)	(6.95)	(212.35)	(1.07)	(88,477.72)	(685.70)

लेखा संबंधी टिप्पणियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	चरण 1		चरण 2		चरण 3		कुल	
	सकल राशि	12 महीने ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
राइट ऑफ	-	-	-	-	(500.02)	(500.02)	(500.02)	(500.02)
अंतिम शेष	4,82,554.12	2,767.04	18,999.65	191.70	13,810.33	9,453.80	5,15,364.10	12,412.54

(ट) चरण वार एक्सपोजर और इंपेयरमेंट हानि भत्ता का विवरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण I	चरण II	चरण III	कुल	चरण I	चरण II	चरण III	कुल
कुल एक्सपोजर	5,21,767.83	45,471.51	7,652.65	5,74,891.99	4,82,554.12	18,999.65	13,810.33	5,15,364.10
इंपेयरमेंट भत्ता	4,822.81	501.95	5,489.48	10,814.24	2,767.04	191.70	9,453.80	12,412.54
ईसीएल %	0.92%	1.10%	71.73%	1.88%	0.57%	1.01%	68.45%	2.41%

(ठ) क्रेडिट जोखिम का संकेंद्रण

कंपनी उस किस्म के उद्योग द्वारा क्रेडिट जोखिम (संवितरित न किए गए सुविधा पत्रों सहित ऋण परिसंपत्तियां) के संकेंद्रण की निगरानी करती है जिसमें लेनदार प्रचालन करते हैं जिसे लेनदार के प्रकार में आगे बांटा जाता है, भले ही वह राज्तीय हो या निजी।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	सकल राशि	ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
उद्योग द्वारा संकेंद्रण				
उत्पादन	1,55,078.89	6,762.83	1,45,871.05	9,871.35
नवीकरणीय ऊर्जा	63,665.96	1,013.41	42,312.34	567.57
ट्रांस्कोस	47,874.68	41.35	48,701.40	47.77
डिस्कॉम्स	2,34,130.98	2,942.82	2,19,983.23	1,732.67
पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर	50,953.11	43.35	45,875.48	170.51
इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लॉजिस्टिक्स	20,638.62	10.44	9,727.33	22.61
सरकारी ऋण	2,549.75	0.04	2,893.27	0.06
कुल	5,74,891.99	10,814.24	5,15,364.10	12,412.54
स्वामित्व द्वारा संकेंद्रण				
राज्य	4,94,580.49	4,612.58	4,54,702.64	2,598.19
निजी	80,311.50	6,201.66	60,661.46	9,814.35
कुल	5,74,891.99	10,814.24	5,15,364.10	12,412.54

(ड) क्षेत्रवार क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां – उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के चरण-III परिसंपत्तियों का प्रतिशत

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर	1.35%	2.71%
- विद्युत	1.35%	2.71%

(ढ) क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियों का संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) सकल अग्रिमों हेतु सकल क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां (%)	1.35%	2.71%
(ii) सकल अग्रिमों हेतु निवल क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां (%)	0.38%	0.86%
(iii) निवल अग्रिमों हेतु निवल क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां (%)	0.39%	0.88%
(iv) क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियों का संचलन (सकल)		
(क) प्रारम्भिक शेष	13,810.33	14,892.08
(ख) वर्ष के दौरान जुड़ाव	14.89	-
(ग) वर्ष के दौरान कटौतियां	(3,688.03)	(581.73)
(घ) वर्ष के दौरान राइट-ऑफ	(2,484.54)	(500.02)
(ड) अंतिम शेष	7,652.65	13,810.33



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(v) क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों का संचलन (निवल)		
(क) प्रारम्भिक शेष	4,356.53	4,372.57
(ख) वर्ष के दौरान जुड़ाव	12.89	448.16
(ग) वर्ष के दौरान कटौतिया	(2,206.25)	(464.20)
(घ) वर्ष के दौरान राइट-ऑफ	-	-
(ङ) अंतिम शेष	2,163.17	4,356.53
(vi) क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों हेतु प्रावधानों का संचलन		
(क) प्रारम्भिक शेष	9,453.80	10,519.51
(ख) वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	2.00	(448.16)
(ग) अतिरिक्त प्रावधानों को राइट-बैक	(1,481.78)	(1,17.53)
(घ) वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों पर रिटन ऑफ प्रावधान	(2,484.54)	(500.02)
(ङ) अंतिम शेष	5,489.48	9,453.80

(ण) दिनांक 13.03.2020 को एनबीएफसी द्वारा इंड-एस के कार्यान्वयन पर आरबीआई परिपत्र के अनुसार, ऋण को क्या अन्यथा एनपीए के रूप में वर्गीकृत करना आवश्यक था जैसे आईआरएसीपी मानदंडों के अनुसार माना जाता है, 31 मार्च 2025 को सकल एनपीए से सकल ऋण अनुपात 3.62% (पिछले वर्ष 3%) और निवल एनपीए से निवल ऋण 2.56 % (पिछले वर्ष 1.16 %) रहा था।

(त) राइट ऑफ नीति

कंपनी न्यायिक प्राधिकरण के आदेश के अनुसार या जब उसने सभी व्यावहारिक पुनर्प्राप्ति प्रयासों को समाप्त कर लिया है और यह निष्कर्ष निकाला है कि वसूली की कोई उचित उम्मीद नहीं है, तो वित्तीय परिसंपत्तियों को पूरी तरह या आंशिक रूप से राइट ऑफ में डाल देती है। जिन संकेतकों में वसूली की कोई उचित उम्मीद नहीं है, उनमें प्रवर्तन गतिविधि को रोकना शामिल है या जहां कंपनी की वसूली विधि संपाश्विक पर फौजदारी कर रही है और संपाश्विक का मूल्य ऐसा है कि पूरी तरह से वसूली की कोई उचित उम्मीद नहीं है।

(थ) व्यवसाय मॉडल पॉलिसी

कंपनी अपने व्यवसाय को उस चरण पर निर्धारित करती है जो यह दर्शाता है कि यह अपने व्यावसायिक उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों के समूहों का प्रबंधन कैसे करती है। कंपनी के व्यवसाय मॉडल का मूल्यांकन इस्टूमेंट-बाई-इस्टूमेंट आधार पर नहीं किया जाता है, बल्कि कुल पोर्टफोलियो के उच्च चरण पर किया जाता है।

कंपनी विद्युत क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य शृंखला में ऋण देने के व्यवसाय में लगी है और इस तरह के ऋणों को ऋण के कार्यकाल में संविदात्मक भुगतान (मूलधन और ब्याज सहित) एकत्रित करके नकदी प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रबंधित किया जाता है। इसके अलावा, ऋण निवेश की प्रकृति में निवेश और सहमत शर्तों के अनुसार संविदागत भुगतान एकत्रित करने के लिए कंपनी द्वारा निवेश और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां भी रखी जा सकती हैं।

अतः कंपनी का व्यवसाय मॉडल ऋणों, कुछ वित्तीय निवेशों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए "होल्ड टू कलेक्ट" के सिद्धांत पर आधारित है। यदि संविदागत शर्तें ऐसे नकदी प्रवाह को बढ़ावा देती हैं जो केवल मूलधन और बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान हैं, तो ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों को परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

(द) परिशोधित लागत व्यवसाय से बाहर बिक्री के लिए नीति

कंपनी अपने सामान्य व्यवसाय में ऋण परिसंपत्तियों सहित वित्तीय परिसंपत्तियों की बिक्री नहीं करती है।

हालांकि, कंपनी भारत में विनियामक ढांचे के अनुसार ऋण-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों के संबंध में देय राशि की वसूली के लिए आगे बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, ऋण अशोध्य ऋण को या तो आईबीसी कार्यवाही के हिस्से के रूप में पुनर्गठित/फिर से बातचीत की जा सकती है या अन्यथा निपटारा जा सकता है और इंड एस 109-वित्तीय इस्टूमेंट्स की आवश्यकताओं के अनुसार गैर-मान्यता के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

(ध) ऐसा कोई खाता नहीं है जिसमें 90 दिनों से अधिक की अतिदेयता हो, लेकिन उसे क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं माना जाएगा (पिछले वर्ष शून्य)

(न) मास्टर दिशानिर्देश - भारतीय रिजर्व बैंक (ऋण एक्सपोजर का स्थानांतरण) दिशानिर्देश, 2021 दिनांक 24 सितंबर 2021 के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछले वर्ष शून्य) के दौरान हस्तांतरित/अधिग्रहित ऋण का कोई रिपोर्ट करने योग्य मामला नहीं है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
खातों की संख्या	1	
कुल ऋणों को स्थानांतरित किया गया है	797.00	
हस्तांतरित ऋण के भारित औसत अवशिष्ट टेनर	2 वर्ष	
हस्तांतरित ऋणों का निवल पुस्तक मूल्य (हस्तांतरण के समय)	-	शून्य
कुल विचार	63.00	
पहले के वर्षों में हस्तांतरित खातों के संबंध में अतिरिक्त विचार	-	

लेखा संबंधी टिप्पणियां

(प) आरबीआई की आय मान्यता, परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान शर्तों (आईआरएसीपी) के अनुसार आवश्यक प्रावधान और इंड-एस के अनुसार इम्पेयरमेंट भत्ते के बीच तुलना

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	इंड-एस 109 के अनुसार वर्गीकृत परिसंपत्तियां	बकाया राशि	इंड-एस के अनुसार सकल धारित राशि	इंड-एस 109 के अधीन अपेक्षित हानि भत्ते (प्रावधान)	निवल धारित राशि	आईआरएसीपी मानदंड के अनुसार अपेक्षित प्रावधान	इंड-एस 109 प्रावधान एवं आईआरएसीपी मानदंड के मध्य विभिन्नता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)=(4)-(5)	(7)	(8)=(5)-(7)
प्रदर्शन करने वाले							
मानक	चरण 1	5,00,906.40	5,02,886.60	4,031.67	4,98,854.93	2,683.62	1,348.05
	चरण 2	45,471.51	46,488.16	501.95	45,986.21	181.89	320.06
उप जोड़ (1)		5,46,377.91	5,49,374.76	4,533.62	5,44,841.14	2,865.51	1,668.11
प्रदर्शन न करने वाले							
अवमानक परिसंपत्तियां							
	चरण 1	12,467.39	12,470.98	764.17	11,706.81	1,246.74	(482.57)
	चरण 3	13.77	13.77	2.75	11.02	1.28	1.47
अवमानक परिसंपत्तियां के लिए उप-जोड़		12,481.16	12,484.75	766.92	11,717.83	1,248.02	(481.10)
संदिग्ध परिसंपत्तिया							
1 से 3 वर्ष	चरण 3	1,512.43	1,512.43	754.87	757.56	480.16	274.71
3 वर्ष से अधिक	चरण 1	385.34	385.44	8.48	376.96	169.92	(161.44)
	चरण 2	-	-	-	-	-	-
	चरण 3	6,126.45	6,126.45	4,731.86	1,394.59	4,111.46	620.40
संदिग्ध परिसंपत्तियां के लिए उप जोड़		8,024.22	8,024.32	5,495.21	2,529.11	4,761.54	733.67
हानि परिसंपत्तियां							
	चरण 2	-	-	-	-	-	-
	चरण 3	-	-	-	-	-	-
हानि परिसंपत्तियां के लिए उप-जोड़		-	-	-	-	-	-
एनपीए के लिए उप-योग (2)		20,505.38	20,509.07	6,262.13	14,246.94	6,009.56	252.57
कुल ऋण परिसंपत्तियां		5,66,883.29	5,69,883.83	10,795.75	5,59,088.08	8,875.07	1,920.68
अन्य मदें जो इंड-एस 109 के दायरे में हैं लेकिन वर्तमान आईआरएसीपी मानदंडों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं							
- सुविधा पत्र*	चरण 1	8,008.70	8,008.70	18.48	7,990.22	-	18.48
उप-जोड़ (3)		8,008.70	8,008.70	18.48	7,990.22	-	18.48
कुल	चरण 1	5,21,767.83	5,23,751.72	4,822.80	5,18,928.92	4,100.28	722.52
	चरण 2	45,471.51	46,488.16	501.95	45,986.21	181.89	320.06
	चरण 3	7,652.65	7,652.65	5,489.48	2,163.17	4,592.90	896.58
	कुल	5,74,891.99	5,77,892.53	10,814.23	5,67,078.30	8,875.07	1,939.16

* इंडएस 109 के अनुसार सुविधा पत्र (एलओसी) के लिए सकल वहन राशि वित्तीय गारंटी के रूप में माने जाने वाले गैर-निधि आधारित एक्सपोजर को दर्शाती है।

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	इंड-एस 109 के अनुसार वर्गीकृत परिसंपत्तियां	बकाया राशि	इंड-एस के अनुसार सकल धारित राशि	इंड-एस 109 के अधीन अपेक्षित हानि भत्ते (प्रावधान)	निवल धारित राशि	आईआरएसीपी मानदंड के अनुसार अपेक्षित प्रावधान	इंड-एस 109 प्रावधान एवं आईआरएसीपी मानदंड के मध्य विभिन्नता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)=(4)-(5)	(7)	(8)=(5)-(7)
प्रदर्शन करने वाले							
मानक	चरण 1	4,75,471.73	4,77,502.34	2,712.85	4,74,789.49	2,470.03	242.82
	चरण 2	18,606.69	18,777.30	149.69	18,627.61	74.43	75.26
उप जोड़ (1)		4,94,078.42	4,96,279.64	2,862.54	4,93,417.10	2,544.46	318.08



लेखा संबंधी टिप्पणियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आरबीआई मानदंड के अनुसार वर्गीकृत परिसंपत्तियां	इंड-एस 109 के अनुसार वर्गीकृत परिसंपत्तियां	बकाया राशि	इंड-एस के अनुसार सकल धारित राशि	इंड-एस 109 के अधीन अपेक्षित हानि भत्ते (प्रावधान)	निवल धारित राशि	आईआरएसीपी मानदंड के अनुसार अपेक्षित प्रावधान	इंड-एस 109 प्रावधान एवं आईआरएसीपी मानदंड के मध्य विभिन्नता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)=(4)-(5)	(7)	(8)=(5)-(7)
प्रदर्शन न करने वाले अवमानक परिसंपत्तियां	चरण 1	1,029.43	1,029.73	20.94	1,008.79	102.94	(82.00)
संदिग्ध परिसंपत्तियां							
1 वर्ष तक	चरण 1	59.81	59.81	1.23	58.58	11.96	(10.73)
1 से 3 वर्ष	चरण 3	1,545.70	1,545.70	757.81	787.89	510.56	247.25
	चरण 2	392.16	392.27	41.21	351.06	172.93	(131.72)
3 वर्ष से अधिक	चरण 3	12,262.67	12,262.66	8,694.03	3,568.63	9,039.67	(345.64)
संदिग्ध परिसंपत्तियों के लिए उप जोड़		14,260.34	14,260.44	9,494.28	4,766.16	9,735.12	(240.84)
हानि परिसंपत्तियां	चरण 2	0.80	0.80	0.80	-	0.80	-
	चरण 3	1.96	1.96	1.96	-	1.96	-
		2.76	2.76	2.76	-	2.76	-
एनपीए के लिए उप-जोड़ (2)		15,292.53	15,292.93	9,517.98	5,774.95	9,840.82	(322.84)
कुल ऋण परिसंपत्तियां		5,09,370.95	5,11,572.57	12,380.52	4,99,192.05	12,385.28	(4.76)
अन्य मदें जो इंड-एस 109 के दायरे में हैं लेकिन वर्तमान आईआरएसीपी मानदंडों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं							
- सुविधा पत्र*	चरण 1	5,993.15	5,993.15	32.02	5,961.13	-	32.02
उप-जोड़ (3)		5,993.15	5,993.15	32.02	5,961.13	-	32.02
कुल	चरण 1	4,82,554.12	4,84,585.03	2,767.04	4,81,817.99	2,584.93	182.11
	चरण 2	18,999.65	19,170.37	191.70	18,978.67	248.16	(56.46)
	चरण 3	13,810.33	13,810.32	9,453.80	4,356.52	9,552.19	(98.39)
	कुल	5,15,364.10	5,17,565.72	12,412.54	5,05,153.18	12,385.28	27.26

* इंडएस 109 के अनुसार सुविधा पत्र (एलओसी) के लिए सकल वहन राशि वित्तीय गारंटी के रूप में माने जाने वाले गैर-निधि आधारित एक्सपोजर को दर्शाती है।

(V) जैसा कि कंपनी द्वारा रिपोर्ट किया गया है, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आरबीआई द्वारा किए गए पिछले वार्षिक निरीक्षण के दौरान मूल्यांकन किए गए परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान में कोई भिन्नता नहीं है (वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शून्य)

50.2 तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है जिसमें कंपनी को अपनी उन वित्तीय देयताओं से संबद्ध दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना होगा जिनका निपटान नकद अथवा अन्य वित्तीय परिसंपत्ति की सुपुर्दगी कर किया जाता है। परिसमापन का प्रबंधन करने में कंपनी का दृष्टिकोण यथासंभव सुनिश्चित करना है कि उसकी देयताएं देय होने पर उन्हें पूरा करने के लिए उसमें पर्याप्त समापन हो।

कंपनी मिश्रित कार्यनीतियों के माध्यम से अपने तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है जिनमें प्रस्तावित संवितरणों के आधार पर अग्रवर्ती संसाधन जुटाना और दायित्वों को पूरा करना शामिल है। कंपनी ने एक प्रभावी परिसंपत्ति देयता प्रबंधन प्रणाली लागू की है और साथ ही एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ("एएलसीओ") भी गठित की है जो तरलता अंतराल विश्लेषण की सहायता से तरलता जोखिम की निगरानी करती है।

कंपनी पर्याप्त बैंक शेष, अल्पावधि निवेश बनाए रखती है जो नकद तथा पर्याप्त उधार और निरंतर पूर्वानुमान तथा वास्तविक नकद प्रवाह की निगरानी करके ओवरड्राफ्ट सुविधाओं में तैयार रूप से बदले जा सकते हैं।

50.2.1 भविष्य के अनडिस्काउंटेड नकदी प्रवाह का परिपक्वता पैटर्न

वित्तीय देयताओं की मदों के लिए नकदी प्रवाह (भविष्य में अनडिस्काउंटेड नकदी प्रवाह मूलधन और ब्याज की ओर दर्शाना) निम्नानुसार है:

31 मार्च 2025 तक	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	(₹ करोड़ में) कुल
गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं :											
रूपे उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	2,396.00	52.58	206.41	1,829.60	3,123.67	17,681.45	75,127.23	50,515.99	1,05,500.25	2,56,433.18
- ब्याज	-	63.20	634.87	1,375.99	3,341.64	3,392.50	9,105.32	30,103.65	20,547.66	33,233.13	1,01,797.96
अन्य उधारियां											
- मूलधन	570.78	-	-	499.97	-	1,747.94	3,071.70	16,042.34	32,475.86	2,141.64	56,550.23
- ब्याज	299.75	3.78	135.82	276.83	499.78	844.35	1,912.70	6,661.98	2,819.78	249.66	13,704.43
अधीनस्थ देयताएं											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	-	-	2,151.20	7,084.50	9,235.70
- ब्याज	-	-	159.60	-	181.64	87.53	377.23	1,608.58	1,393.45	1,968.02	5,776.05
विदेशी मुद्रा उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	-	14,120.93	14,011.88	153.23	28,286.04
- ब्याज	-	180.03	-	-	-	350.31	530.50	1,809.13	519.13	13.47	3,402.57
अन्य उधारियां											
- मूलधन	2,439.49	1,283.72	2,871.66	6,934.43	3,489.95	8,513.23	19,203.59	34,127.57	55,053.09	3,836.63	1,37,753.36
- ब्याज	25.42	50.80	132.08	277.73	492.81	1,057.51	1,751.12	5,528.33	2,697.32	292.49	12,305.61
व्युत्पन्न देयताएं :											
ब्याज दर व्युत्पन्न	-	-	-	-	-	-	-	10.52	197.92	73.89	282.33
मुद्रा व्युत्पन्न	53.31	30.33	90.31	215.99	51.87	242.02	160.83	100.85	442.22	-	1,387.73

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 तक	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं:											
रूपे उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	-	391.12	459.10	5,431.49	4,646.73	19,487.39	60,218.77	52,456.46	82,498.11	2,25,589.17
- ब्याज	-	0.24	201.16	1,182.57	4,371.36	2,362.72	7,915.89	26,486.87	18,680.23	25,792.46	86,993.50
अन्य उधारियां											
- मूलधन	567.41	-	1,000.00	1,524.94	8,051.00	1,505.69	914.29	13,638.99	34,712.06	17,891.28	79,805.66
- ब्याज	309.37	-	183.90	479.74	482.01	1,397.56	2,706.54	10,007.92	6,407.24	1,766.55	23,740.83
अधीनस्थ देयताएं											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	-	-	2,151.20	5,089.50	7,240.70
- ब्याज	-	-	160.91	-	186.03	88.49	283.53	1,432.10	1,434.06	1,696.36	5,281.48
विदेशी मुद्रा उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	4,168.69	7,503.65	14,213.88	1,658.23	32,963.75
- ब्याज	-	176.35	-	-	73.15	269.76	427.14	1,368.56	753.32	16.34	3,084.62
अन्य उधारियां											
- मूलधन	1,250.61	-	2,501.22	6,561.53	1,039.64	3,960.26	13,436.01	22,894.62	37,367.25	3,333.17	92,344.31
- ब्याज	11.75	9.81	115.87	170.38	351.10	907.69	1,383.53	4,286.13	1,734.24	284.06	9,254.56
व्युत्पन्न देयताएं:											
ब्याज दर स्वेप्स	-	-	-	-	-	31.56	-	100.53	72.96	104.70	309.75
मुद्रा स्वेप्स	803	-	38.56	36.65	8.44	153.45	61.40	12.08	93.21	38.13	449.95

पुट एंड कॉल ऑप्शन वाले बॉण्ड्स को सबसे जल्दी क्रियान्वित की जाने वाली तारीख पर विचार करते हुए दर्शाया गया है। व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं के लिए तरलता विश्लेषण व्युत्पन्न संविदा के उचित मूल्यों पर आधारित है और परिपक्वता बकेट, संबंधित व्युत्पन्न संविदा के शेष कार्यकाल के आधार पर निकाली गई है।

वित्तीय देयताओं के लिए अपेक्षित पर्याप्त नकद प्रवाह का वित्तपोषण निम्नलिखित रूप में ऋणों से अनडिस्काउंटेड नकद प्रवाहों (मूलधन तथा ब्याज) के माध्यम से किया जाएगा:

विवरण	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च 2025 तक											
मूलधन	4,336.99	742.83	4,062.85	8,404.38	9,675.82	27,622.50	42,181.09	1,17,481.59	1,01,027.57	2,40,551.93	5,56,087.54
ब्याज	2,378.51	28.77	1,085.31	3,376.36	6,912.33	13,193.46	24,184.83	81,455.26	58,841.79	1,10,700.77	3,02,157.39
31 मार्च 2024 तक											
मूलधन	3,582.21	214.74	2,023.71	4,928.26	7,024.12	22,172.19	42,402.16	1,03,565.04	93,801.98	2,17,276.02	4,96,990.43
ब्याज	1,900.52	54.05	932.74	2,820.67	6,586.41	11,918.26	21,848.61	73,716.25	53,333.52	92,143.18	2,65,254.20

चरण III: परिसंपत्तियों से संबंधित मुख्य नकदी प्रवाह, अपेक्षित क्रेडिट हानि के निवल को घटाकर, परिपक्वता तिथि की परवाह किए बिना 5 वर्षों से अधिक की अवधि में विचारा गया है।



	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च 2025 तक											
ऋण परिसंपत्तियां	6,666.41	770.92	4,153.88	8,886.91	10,262.02	27,595.51	42,139.88	1,17,366.80	1,00,928.86	2,40,316.87	5,59,088.06
निवेश	-	-	-	-	60.15	56.34	39.49	770.91	1,393.89	4,320.82	6,641.60
रूपे उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां	-	2,453.75	719.15	1,348.32	4,344.42	5,012.63	19,449.81	75,148.60	50,470.25	1,05,328.66	2,64,275.59
अन्य उधारियां	574.71	-	85.21	499.97	81.28	1,747.94	3,234.26	16,042.34	32,475.86	2,141.64	56,883.21
अधीनस्थ देयताएं	2.11	-	146.92	-	126.46	43.88	14.41	-	2,134.86	7,045.51	9,514.15
विदेशी मुद्रा उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	250.21	13,837.70	13,958.48	152.97	28,199.36
अन्य उधारियां	2,453.53	1,291.16	2,953.17	7,059.27	3,658.32	8,716.31	19,210.69	33,912.39	54,330.33	3,831.76	1,37,416.93

	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च 2024 तक											
ऋण परिसंपत्तियां	5,409.37	222.11	2,363.18	4,928.26	7,352.45	22,172.19	42,401.51	1,03,557.69	93,798.08	2,16,987.21	4,99,192.05
निवेश	-	-	-	-	4.52	4.52	104.17	241.48	1,773.07	3,192.55	5,320.31
रूपे उधारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण प्रतिभूतियां	-	-	884.86	1,667.72	7,831.36	6,140.16	21,814.25	60,134.86	52,397.78	82,391.47	2,33,262.46
अन्य उधारियां	793.01	-	1,015.31	1,524.94	8,172.84	1,505.61	916.07	13,717.14	34,862.06	17,661.40	80,168.38
अधीनस्थ देयताएं	-	-	147.83	-	126.55	44.72	2.11	-	2,089.83	5,001.17	7,412.21
विदेशी मुद्रा उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य उधारियां	1,330.43	3.34	2,508.38	6,595.15	1,042.01	4,130.55	13,533.74	22,672.34	36,779.75	3,327.98	91,923.67



लेखा संबंधी टिप्पणियां

50.2.3 वित्तपोषण उपाय

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी के पास निम्नलिखित अनआहरित उधार सुविधाओं तक पहुंच थी:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
एक वर्ष के भीतर समाप्त हो रही		
- स्थाई दर	-	-
- अस्थायी दर	14,291.72	11,813.99
एक वर्ष के बाद समाप्त हो रही		
- स्थाई दर	-	-
- अस्थायी दर	1,222.19	386.44

50.2.4 तरलता जोखिम प्रबंधन पर मास्टर निर्देश - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023 के अनुसार अतिरिक्त प्रकटीकरण

कंपनी ने एक प्रभावी परिसंपत्ति देयता प्रबंधन प्रणाली लागू की है और साथ ही एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ("एएलसीओ") भी गठित की है जो तरलता अंतराल विश्लेषण की सहायता से तरलता जोखिम की निगरानी करता है। कंपनी लगातार अनुमानित और वास्तविक नकदी प्रवाह की निगरानी करती है और तदनुसार पर्याप्त बैंक शेष, ओवरड्राफ्ट सुविधाएं, अल्पावधि निवेश को बनाए रखती है जो नकदी में आसानी से परिवर्तनीय और पर्याप्त उधार योजनाएं हैं।

(i) महत्वपूर्ण प्रतिपक्ष (उधार) के आधार पर वित्तपोषण संकेन्द्रण

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
महत्वपूर्ण प्रतिपक्षों की संख्या*	15	14
राशि (₹ करोड़ में)	2,40,439.89	2,12,903.39
कुल देयताओं का %	44.87%	44.48%

(ii) शीर्ष 10 उधारियां

	विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	कुल उधारियों का %
	31-03-2025 तक		
1	एचडीएफसी बैंक से सावधिक ऋण	17,850.00	3.66%
2	54ईसी-शृंखला XVI (2022-23)	12,152.39	2.49%
3	54ईसी- शृंखला XVII (2023-24)	11,419.57	2.34%
4	विदेशी मुद्रा उधार-यूएस \$ 1175 मिलियन	10,055.81	2.06%
5	भारत सरकार से सावधिक ऋण-नेशनल स्मॉल सेविंग्स फंड (एनएसएसएफ)	10,000.00	2.05%
6	पंजाब नेशनल बैंक से सावधिक ऋण	8,962.44	1.84%
7	54 ईसी -शृंखला XV (2021-22)	7,312.80	1.50%
8	विदेशी मुद्रा बॉण्ड- यूएस \$ 750 मिलियन	6,418.61	1.31%
9	आईसीआईसीआई बैंक से सावधिक ऋण	5,533.00	1.13%
10	54 ईसी - शृंखला XVIII (2024-25)	7,038.86	1.44%
	कुल	96,743.48	19.81%

	विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	कुल उधारियों का %
	31-03-2024 तक		
1	एचडीएफसी बैंक से सावधिक ऋण	17,850.00	4.08%
2	54 ईसी - शृंखला XVI (2022-23)	12,152.39	2.77%
3	54 ईसी - शृंखला XVII (2023-24)	10,175.72	2.32%
4	54ईसी-शृंखला XVI (2022-23)	10,000.00	2.28%
5	भारत सरकार से सावधिक ऋण-नेशनल स्मॉल सेविंग्स फंड (एनएसएसएफ)	9,796.43	2.24%
6	विदेशी मुद्रा उधार-यूएस \$ 1175 मिलियन	7,750.94	1.77%
7	भारतीय स्टेट बैंक से सावधिक ऋण	7,529.29	1.72%
8	पंजाब नेशनल बैंक से सावधिक ऋण	7,312.80	1.67%
9	विदेशी मुद्रा बॉण्ड- यूएस \$ 750 मिलियन	6,253.04	1.43%
10	54 ईसी -शृंखला XIII (2019-20)	6,157.82	1.41%
	कुल	94,978.43	21.69%

लेखा संबंधी टिप्पणियां

(iii) महत्वपूर्ण इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद के आधार पर वित्तीय संकेंद्रण

महत्वपूर्ण इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद का नाम*	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	राशि (₹ करोड़ में)	कुल देयताओं का %	राशि (₹ करोड़ में)	कुल देयताओं का %
1 ऋण प्रतिभूतियां				
संस्थागत बॉण्ड	2,00,803.29	37.47%	1,74,230.29	36.40%
विदेशी मुद्रा बॉण्ड	28,286.04	5.28%	32,963.75	6.89%
54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड	43,831.57	8.18%	42,356.21	8.85%
टैक्स फ्री बॉण्ड	8,998.71	1.68%	8,998.71	1.88%
उप-जोड़ (1)	2,81,919.61	52.61%	2,58,548.96	54.02%
2 उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)				
बैंकों से सावधिक ऋण	41,879.47	7.81%	50,612.28	10.57%
विदेशी मुद्रा उधारियां	94,571.40	17.65%	67,205.64	14.04%
एफसीएनआर (बी) ऋण	43,181.96	8.06%	25,138.67	5.25%
भारत सरकार से सावधिक ऋण (एनएसएसएफ)	1,600.00	0.30%	10,875.94	2.27%
वित्तीय संस्थानों से सावधिक ऋण	10,000.00	1.87%	10,000.00	2.09%
उप-जोड़ (2)	2,500.00	0.47%	8,050.00	1.68%
उप-जोड़ (2)	1,93,732.83	36.16%	1,71,882.53	35.90%
3 अधीनस्थ देयताएं	9,235.70	1.72%	7,240.70	1.51%
कुल (1+2+3)	4,84,888.14	90.49%	4,37,672.19	91.43%

*महत्वपूर्ण प्रतिपक्ष / महत्वपूर्ण इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद को कंपनी के कुल देयताओं के 1% से अधिक के लिए एकीकृत रूप में जुड़े हुए अथवा संबद्ध प्रतिपक्षों के एकल प्रतिपक्ष / एकल इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद या समूह जुड़े या संबद्ध प्रतिपक्षों के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(iv) स्टॉक अनुपात

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	राशि (₹ करोड़ में)	सार्वजनिक निधि का %	कुल देयताओं का %	कुल परिसंपत्तियों का %	राशि (₹ करोड़ में)	सार्वजनिक निधि का %	कुल देयताओं का %	कुल परिसंपत्तियों का %
कमर्शियल पेपर	-	-	-	-	-	-	-	-
गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जिसमें एक वर्ष से कम की परिपक्वता है	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य अल्पावधि देयताएं	54,769.14	11.22%	10.22%	8.93%	44,305.04	10.12%	9.26%	8.09%

(v) कंपनी में तरलता जोखिम के प्रबंधन हेतु संस्थागत व्यवस्था के लिए टिप्पणी संख्या 50.2 देखें।

(vi) परिसमापन कवरेज अनुपात (एलसीआर)

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपने मास्टर निर्देश - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023, समय-समय पर संशोधित, के माध्यम से 01 दिसंबर, 2020 से ₹10,000 करोड़ से अधिक की परिसंपत्ति के आकार वाली जमा न करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा परिसमापन कवरेज अनुपात (एलसीआर) बनाए रखे जाना निर्धारित किया है। आरबीआई के इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कंपनी के पास बिना भार वाली उच्च गुणवत्ता वाली परिसमाप्त परिसंपत्तियों (एचक्यूएलए) का पर्याप्त स्टॉक है, जिसे काफी गंभीर परिसमापन दबाव के परिदृश्य में 30 कैलेंडर दिवस के होरिज़न के लिए अपनी परिसमापन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आसानी से और तत्काल नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है।

एलसीआर का प्रतिनिधित्व निम्न द्वारा किया जाता है:

उच्च-गुणवत्ता वाली तरल संपत्तियों का स्टॉक
कुल निवल नकदी बहिर्प्रवाह को अगले 30 कैलेंडर दिवसों में
जहां,

- कुल निवल नकदी बहिर्प्रवाह को अगले 30 कैलेंडर दिवसों के लिए कुल अपेक्षित नकदी बहिर्प्रवाह से कुल अपेक्षित नकदी अंतर्प्रवाह घटाने के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां नकदी प्रवाह को आरबीआई द्वारा निर्धारित एक पूर्वनिर्धारित दबाव प्रतिशत दिया गया है।
- उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति (एचक्यूएलए) का अर्थ है ऐसी तरल परिसंपत्ति जिसे आसानी से बेचा जा सकता है या बिना किसी मूल्य हानि के तुरंत नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है या विभिन्न दबाव परिदृश्यों में धन प्राप्त करने के लिए संपादित के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

एलसीआर की आवश्यकता 1 दिसंबर, 2020 से एनबीएफसी के लिए बाध्यकारी है, जिसमें न्यूनतम एचक्यूएलए एलसीआर का 50% होना चाहिए, जो 1 दिसंबर, 2024 तक उत्तरोत्तर 100% के आवश्यक चरण तक पहुंच जाना चाहिए।

वर्तमान में, एचक्यूएलए निवेश सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक)/राज्य विकास ऋण (एसडीएल) प्रतिभूतियों और मुख्य रूप से एएए/एए कॉर्पोरेट बॉण्ड के रूप में भारतीय रुपये में रखा जाता है। प्रबंधन का मानना है कि कंपनी के पास भविष्य की संभावित अल्पकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता कवर है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

एचक्यूएलए का गठन:

एचक्यूएलए के स्टॉक में से, सरकारी प्रतिभूतियां एचक्यूएलए का उच्चतम अनुपात है जिसके बाद एएए/एए कॉरपोरेट बॉण्ड और ऑटो स्वेप बैलेंस आते हैं। 31 मार्च, 2024 को एचक्यूएलए धारण की स्थिति निम्नलिखित है:

एचक्यूएलए मर्दे	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	समग्र का %	समग्र का %
हेयरकट के बिना परिसंपत्तियां	39.79%	57.23%
- जी-सेक एवं (एसडीएल)	39.79%	57.23%
15% हेयरकट वाली परिसंपत्तियां	59.96%	42.40%
- कॉर्पोरेट बॉण्ड	59.96%	42.40%
50% हेयरकट वाली परिसंपत्तियां	0.25%	0.37%
- कॉर्पोरेट बॉण्ड	0.25%	0.37%
कुल	100%	100%

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-12-2024 को समाप्त तिमाही										31-03-2024 को समाप्त तिमाही	
	01-10-2024 से 30-11-2024 तक					01-12-2024 से 31-12-2024 तक					30-09-2024 को समाप्त तिमाही	
	31-03-2025 को समाप्त तिमाही	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*
उच्च गुणवत्ता वाली तरलता परिसंपत्तिया												
कुल उच्च गुणवत्ता वाली तरलता परिसंपत्तिया (एचक्यूएलए)	4,648.08	4,214.07	4,541.98	4,106.98	4,476.11	4,040.97	4,186.72	3,796.12	3,478.96	3,234.58	2,907.45	2,762.42
- एए/एएए कॉर्पोरेट बॉण्ड	2,846.51	2,412.51	2,852.97	2,417.97	2,853.96	2,418.82	2,556.77	2,166.17	1,580.11	1,335.81	918.21	773.18
- जी-सेक बॉण्ड /राज्य विकास ऋण (एसडीएल)	1,593.99	1,593.98	1,594.34	1,594.34	1,596.72	1,596.72	1,580.43	1,580.43	1,569.01	1,568.93	1,618.28	1,618.28
- नकदी एवं नकदी के समतुल्य	207.58	207.58	94.67	94.67	25.43	25.43	49.52	49.52	329.84	329.84	370.96	370.96
नकदी बहिर्प्रवाह												
अन्य संविदात्मक वित्तपोषण दायित	9,573.09	11,009.00	9,076.58	10,438.00	8,370.37	9,626.00	6,656.00	7,654.00	9,472.00	10,893.00	10,559.67	12,144.00
अन्य आकस्मिक वित्तपोषण दायित	197.53	227.00	257.02	296.00	291.75	336.00	368.00	423.00	152.00	175.00	335.00	385.00
कुल नकदी बहिर्प्रवाह	9,770.62	11,236.00	9,333.60	10,734.00	8,662.12	9,962.00	7,024.00	8,077.00	9,624.00	11,068.00	10,894.67	12,529.00
नकदी अंतर्प्रवाह												
पूर्ण रूप से निष्पादित एक्सपोजर से अंतर्प्रवाह	14,246.58	10,685.00	11,442.65	8,582.00	16,092.85	12,070.00	11,713.00	8,785.00	10,378.00	7,784.00	11,800.70	8,851.00
अन्य नकदी अंतर्प्रवाह	16,202.92	12,152.00	9,902.70	7,427.00	7,861.12	5,896.00	10,321.00	7,741.00	10,026.00	7,520.00	10,652.37	7,989.00
कुल नकद अंतर्प्रवाह (प्रत्येक अवलोकन दिवस पर बहिर्प्रवाह के 75% तक सीमित)	30,449.50	8,427.00	21,345.35	8,050.50	23,953.98	7,471.50	22,034.00	6,057.75	20,404.00	8,301.00	22,453.07	9,396.75
कुल समायोजित मूल												
कुल एचक्यूएलए (क)		4,214.07		4,106.98		4,040.97		3,796.12		3,234.58		2,762.42
कुल निवल नकद बहिर्प्रवाह (ख)		2,809.00		2,683.50		2,490.50		2,019.25		2,767.00		3,132.25
तरलता कवरेज अनुपात (क/ख)		150.02%		153.05%		162.26%		188.00%		116.90%		88.19%
% विभिन्नता (पिछली अवधि से)		-4%		-17%				61%		33%**		

* संबंधित तिमाही के दौरान औसत दैनिक अवलोकन पर विचार किया गया है।

** 30.06.2024 को समाप्त तिमाही के लिए एचक्यूएलए की औसत होलिंग 116.90% थी जो उस तारीख तक 188% की नियामक आवश्यकता से ऊपर थी। 30.09.2024 को समाप्त तिमाही के दौरान, निवल नकदी बहिर्प्रवाह में वृद्धि के कारण अनुपात 85% रहा है, हालांकि यह 85% की नियामक आवश्यकता के भीतर है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

50.3 बाजार जोखिम – मुद्रा जोखिम

कंपनी को मुख्य रूप से यूएसडी, यूरो, जेपीवाई और एसजीडी में मूल्यवर्गित विभिन्न विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियों और उधारों से विदेशी मुद्रा जोखिम का सामना करना पड़ता है। कंपनी की एक जोखिम प्रबंधन नीति है जिसका उद्देश्य कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा में उधार लिए गए विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रबंधन करना है। कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रति अपने जोखिम को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाओं, वायदा अनुबंधों और क्रॉस करेंसी स्वेप के संयोजन का उपयोग करती है।

वर्तमान में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की अध्यक्षता में एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) कार्यरत है, जिसके सदस्य वित्त एवं परिचालन प्रभागों के कार्यात्मक निदेशक, कार्यपालक निदेशक और मुख्य महाप्रबंधक हैं। एएलसीओ विभिन्न व्युत्पन्न उपकरणों के माध्यम से प्रबंधित विनिमय दर और ब्याज दर के साथ विदेशी मुद्रा जोखिम की निगरानी करता है। कंपनी विदेशी मुद्रा वायदा अनुबंधों, मुद्रा विकल्पों, केवल मूलधन स्वेप और वायदा दर समझौतों जैसे विभिन्न उपकरणों के माध्यम से विनिमय दर को कवर करने के लिए विभिन्न व्युत्पन्न लेनदेन करती है। कंपनी ने विदेशी मुद्रा उधार से जुड़े जोखिमों के प्रबंधन के लिए ईयूआर, जेपीवाई और सीएचएफ में क्रॉस करेंसी स्वेप भी किए हैं। कंपनी द्वारा किए गए व्युत्पन्न लेनदेन हेजिंग उद्देश्य के लिए हैं, न कि ट्रेडिंग या सट्टा उद्देश्य के लिए।

31 मार्च 2025 तक विदेशी मुद्रा जोखिम की बकाया स्थिति निम्नानुसार है:

(विदेशी मुद्रा राशि मिलियन में, आईएनआर (भारतीय रुपये) समतुल्य ₹ करोड़ में)

मुद्रा	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	कुल एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र	कुल एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र
यूएसडी \$	14,904.99	14,832.24	72.75	11,950.15	11,827.00	123.15
आईएनआर के समतुल्य	1,27,559.03	1,26,936.40	622.63	99,633.09	98,606.31	1,026.78
जेपीवाई ¥	5,55,865.90	5,55,865.90	-	3,34,306.77	3,34,306.77	-
आईएनआर के समतुल्य	31,545.39	31,545.39	-	18,416.96	18,416.96	-
यूरो €	604.02	604.02	-	609.29	604.02	5.26
आईएनआर के समतुल्य	5,576.63	5,576.63	-	5,496.88	5,449.37	47.51
एसजीडी \$	213.21	213.21	-	285.29	285.29	-
आईएनआर के समतुल्य	1,358.36	1,358.36	-	1,761.13	1,761.13	-
कुल	1,66,039.41	1,65,416.78	622.63	1,25,308.06	1,24,233.77	1,074.29

संवेदनशील विश्लेषण

निम्नलिखित तालिका हेज न किए गए एक्सपोज़र पर आईएनआर के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय में 5 प्रतिशत परिवर्तन के लिए एफसीएमआईटीडीए (+ लाभ/(हानि)) सहित लाभ एवं हानि पर प्रभाव को दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अनुकूल	प्रतिकूल	अनुकूल	प्रतिकूल
यूएसडी/आईएनआर	23.30	(23.30)	38.42	(38.42)
जेपीवाई/आईएनआर	-	-	-	-
यूरो/आईएनआर	-	-	1.78	(1.78)

* अन्य सभी परिवर्तकों को स्थिर रखते हुए

50.4 बाजार जोखिम – ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है जो ब्याज दरों में बदलाव के कारण वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट के भावी नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न होगा। ब्याज दरें गतिशील और विभिन्न आंतरिक और बाहरी कारकों पर निर्भर होती हैं, जिनमें आरबीआई की नीति में बदलाव, बाजार में तरलता आदि शामिल हैं। कंपनी के कुछ उधार बाहरी बेंचमार्क ब्याज दर जोखिम के संपर्क में हैं, जिसमें फ्लोटिंग ब्याज दरें एलआईबीओआर (लंदन इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), ईयूआरआईबीओआर (यूरो इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), ओवरनाइट एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट), मीयादी एसओएफआर, एसओआरए (सिंगापुर ओवरनाइट रेट एवरेज), टीओएनएआर (टोक्यो ओवरनाइट एवरेज रेट), टी-बिल, रेपो रेट आदि से जुड़ी हैं। कंपनी ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने के लिए ब्याज दर स्वेप संविदाओं, वायदा ब्याज दर संविदाओं जैसे जैसी विभिन्न व्युत्पन्न संविदाओं के माध्यमों से अपनी ब्याज दर के जोखिम का प्रबंधन करती है। लागत में कमी की रणनीति के रूप में कंपनी विभिन्न मुद्राओं में ब्याज अंतर से लाभ उठाने के लिए क्रॉस-करेंसी ब्याज दर स्वेप का भी उपयोग करती है।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च 2025 को अस्थिर ब्याज दरों से जुड़ी देयताओं के लिए कंपनी के समग्र एक्सपोज़र को दर्शाती है:

(विदेशी मुद्रा राशि मिलियन में, आईएनआर (भारतीय रुपये) समतुल्य ₹ करोड़ में)

मुद्रा	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	अस्थिर ब्याज दर एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र	अस्थिर ब्याज दर एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र
आईएनआर उधारियां	44,379.47	-	44,379.47	61,162.28	-	61,162.28
यूएसडी \$	8,166.15	7,533.40	632.75	5,611.15	5,218.00	393.15
आईएनआर के समतुल्य	69,887.05	64,471.86	5,415.19	46,782.38	43,504.51	3,277.87
जेपीवाई ¥	4,85,390.31	4,51,161.24	34,229.07	2,73,206.75	-	2,73,206.75
आईएनआर के समतुल्य	27,545.90	25,603.40	1,942.50	15,050.96	-	15,050.96
यूरो €	604.02	-	604.02	604.02	-	604.02
आईएनआर के समतुल्य	5,576.63	-	5,576.63	5,449.37	-	5,449.37

लेखा संबंधी टिप्पणियां

मुद्रा	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	अस्थिर ब्याज दर एक्सपोजर	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोजर	अस्थिर ब्याज दर एक्सपोजर	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोजर
एसजीडी \$	213.21	-	213.21	285.29	72.08	213.21
आईएनआर के समतुल्य	1,358.36	-	1,358.36	1,761.13	444.93	1,316.20
कुल आईएनआर के समतुल्य	1,48,747.41	90,075.26	58,672.15	1,30,206.12	43,949.44	86,256.68

ब्याज दर संवेदनशीलता बेमेल को कम करने के लिए कंपनी ब्याज दर उधार पर उचित मूल्य जोखिम का प्रबंधन करने के लिए ब्याज दर स्वेप का भी उपयोग करती है। इस तरह के स्वेप के माध्यम से, 31 मार्च 2025 (पिछले वर्ष ₹15,950.70 करोड़) की स्थिति के अनुसार ₹13,955.70 करोड़ की निश्चित दर उधार को एमआईबीओआर से जुड़े ओवरनाइट इंटेक्सेड स्वेप के उपयोग के माध्यम से अस्थिर दर उधार में परिवर्तित कर दिया गया है।

कंपनी के ऋण पोर्टफोलियो में अर्ध-निर्धारित दर पर ब्याज मिलता है यानी उधारकर्ता के साथ 1/3/6/12/36/60/120 महीने के रीसेट विकल्प के साथ निश्चित ब्याज दर। कंपनी मौजूदा बाजार स्थितियों, उधार लेने की लागत, यील्ड, प्रसार, प्रतिस्पर्धियों की दरों, मंजूरी और संवितरण आदि के आधार पर समय-समय पर अपनी उधार दरों की समीक्षा करती है। पूर्व-भुगतान जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए, कंपनी उधारकर्ताओं से पूर्व-भुगतान प्रीमियम लेती है। ऋण का पूर्व भुगतान, ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन ब्याज दर संवेदनशीलता अंतर विवरण के विश्लेषण और निश्चित और अस्थिर ब्याज दरों के मिश्रण के साथ परिसंपत्तियों और देयताओं के निर्माण का मूल्यांकन करके किया जाता है।

कंपनी निम्नलिखित ऋण परिसंपत्तियों पर ब्याज दर जोखिम की स्थिति में है जो कि अर्ध-निर्धारित दरों पर हैं:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
रुपये ऋण	5,48,015.73	4,96,192.74

संवेदनशील विश्लेषण

निम्नलिखित तालिका 50 आधार अंकों की वृद्धि अथवा कमी के लिए अथवा हेज न किए गए एक्सपोजर की स्थितियों पर कंपनी की अस्थिर दर परिसंपत्तियों और देयताओं पर ब्याज दर में लाभ एवं हानि लाभ/ (हानि) पर प्रभाव को दर्शाती है:

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	वृद्धि	(गिरावट)	वृद्धि	(गिरावट)
अस्थिर दर ऋण देयताएं	(219.53)	219.53	(322.74)	322.74
ब्याज दर स्वेप्स	(52.37)	52.37	(59.68)	59.68
अस्थिर/अर्ध-निर्धारित दर ऋण परिसंपत्तियां	2,050.46	(2,050.46)	1,856.55	(1,856.55)

* अन्य सभी परिवर्तकों को स्थिर रखते हुए

उपर्युक्त 'संवेदनशील विश्लेषण यह मानते हुए तैयार किया गया है कि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया धनराशि पूरे वर्ष के लिए बकाया रहती है। 50 आधार अंक की वृद्धि अथवा गिरावट ब्याज दर में उपयुक्त रूप से संभावित परिवर्तन के प्रबंधन का मूल्यांकन दर्शाती है।

50.4.1 ब्याज दर निर्धारण सुधार (आईबीओआर) के संबंध में प्रकटन

कंपनी के पास विभिन्न बेंचमार्क से संबद्ध ब्याज दरों के साथ परिवर्तनीय ब्याज दर उधार है। विदेशी मुद्रा उधार के लिए ऐसे ब्याज दर बेंचमार्क में, 3/6 माह का ईयूआरआईबीओआर (यूरो इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), 3/6 माह का आवधिक एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट), 3/6 माह का आवधिक एसओएफआर,ओवरनाइट एसओआरए (सिंगापुर ओवरनाइट एवरेज रेट), ओवरनाइट टीओएनएआर (टोकियो ओवरनाइट एवरेज रेट), एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट) आदि शामिल हैं। अनुबंधित ब्याज दर बेंचमार्क के अनुसार 31 मार्च 2024 को ऐसी उधारियों का सारांश निम्नानुसार है:

बेंचमार्क	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	राशि (₹ करोड़ में)	राशि (यूएसडी मिलियन के समतुल्य)	राशि (₹ करोड़ में)	राशि (यूएसडी मिलियन के समतुल्य)
3 मिलियन सावधिक एसओएफआर	4,365.53	510.10	3,084.83	370.00
6 मिलियन सावधिक एसओएफआर	8,611.65	1,006.25	2,427.46	291.15
ओवरनाइट एसओएफआर	56,909.87	6,649.79	41,270.08	4,950.00
3 मिलियन ईयूआरआईबीओआर	2,346.84	274.22	2,293.28	275.06
6 मिलियन ईयूआरआईबीओआर	3,229.79	377.39	3,156.10	378.55
ओवरनाइट टीओएनए	27,545.90	3,218.68	15,050.96	1,805.24
ओवरनाइट एसओआरए	1,358.36	158.72	1,761.12	211.23
कुल	1,04,367.94	12,195.15	69,043.83	8,281.23

50.5 हेज लेखांकन

कंपनी नकदी प्रवाह हेजिंग में विदेशी मुद्रा जोखिम और ब्याज दर जोखिम के संबंध में कुछ डेरिवेटिव्स को हेजिंग उपकरण के रूप में नामित करती है। विकल्प अनुबंधों के लिए, कंपनी विकल्प के समय मूल्य को छोड़कर, केवल विकल्प अनुबंधों के आंतरिक मूल्य को हेज्ड मद के रूप में नामित करती है। विकल्प के संरक्षित समय मूल्य के उचित मूल्य में परिवर्तन अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त होते हैं और हेजिंग रिजर्व की लागत में संचित होते हैं। हेजिंग संबंध की शुरुआत में विकल्पों के समय मूल्य को सीधी रेखा के आधार पर लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

हेज अप्रभावशीलता हेज संबंध की शुरुआत में और समय-समय पर संभावित प्रभावशीलता के आकलन के माध्यम से यह सुनिश्चित करने के लिए कि हेज किए गए मद और हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के बीच एक आर्थिक संबंध मौजूद है, के माध्यम से निर्धारित की जाती है। कंपनी निम्नलिखित प्रभावशीलता परीक्षण रणनीतियां लागू करती है:

- क्रॉस करेंसी स्वेप और ब्याज दर स्वेप के लिए, जो कि हेज की गई मदों की शर्तों से पूरी तरह मेल खाता है, आर्थिक संबंध और हेज प्रभावशीलता महत्वपूर्ण टर्म मिलान विधि का उपयोग करते हुए गुणात्मक कारकों पर आधारित है।
- अन्य ब्याज दर स्वेप के लिए (देर से नामित के मामलों में), कंपनी काल्पनिक व्युत्पन्न का उपयोग करके डॉलर ऑफसेट विधि का उपयोग करती है, डॉलर ऑफसेट विधि एक मात्रात्मक विधि है जिसमें हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के उचित मूल्य या नकदी प्रवाह में परिवर्तन की तुलना हेज जोखिम के कारण हेज की गई मदों के उचित मूल्य या नकदी प्रवाह में परिवर्तन से की जाती है।
- विकल्प संरचनाओं के लिए कंपनी डॉलर ऑफसेट पद्धति के आधार पर कठोर प्रतिगमन विश्लेषण आधारित विधि का उपयोग करके हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट और हेज की गई मदों के व्यवहार का विश्लेषण करती है।

कंपनी ने हेजिंग संबंधों के लिए 1:1 का हेज अनुपात स्थापित किया है क्योंकि हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स का अंतर्निहित जोखिम और अनुमानित राशि हेजिंग मदों के समान है।

हेज लेखांकन का प्रभाव

(क) तुलन पत्र पर हेज लेखांकन का प्रभाव

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2025 तक	कल्पित राशि (मिलियन में)	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के अंतर्गत धारित राशि		परिपक्वता की तिथि	हेज़ अनुपात	भारित औसत स्ट्राइक मूल्य / दर	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	हेज प्रभावशीलता को मान्यता के आधार के रूप में उपयोग किए गए हेज मदों के मूल्य में परिवर्तन
हेज़ एवं जोखिम के प्रकार		परिसंपत्तियां	देयताएं					
नकदी प्रवाह हेज़								
विदेशी विनिमय एवं ब्याज दर जोखिम								
(i) विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाएं								
- सिंगुल स्ट्रक्चर	यूएसडी 14,457.24	10,721.55	1,105.39	अप्रैल 2025 - मई 2034	1:1	81.73	1,170.72	(1,170.72)
	यूरो 604.02	733.20	-	अक्टूबर 2027 - मार्च 2028	1:1	85.86	(101.88)	101.88
	एसजीडी 213.21	251.39	77.47	अक्टूबर 2027	1:1	63.01	19.47	(19.47)
	जेपीवाई 5,55,865.90	4,582.67	203.25	सितंबर 2025 - जनवरी 2034	1:1	0.56	(1,098.29)	1,098.29
(ii) केवल मूल स्वैप्स	यूएसडी 375.00	87.12	-	अप्रैल 2025 - जून 2030	1:1	75.41	(18.43)	18.43
	जेपीवाई -	-	-	जनवरी 2025 में परिपक्व	1:1	-	1.47	(1.47)
(iii) ब्याज दर स्वैप्स	यूएसडी 6,583.50	391.39	173.66	अप्रैल 2025 - मई 2034	1:1	3.67%	277.79	(277.79)
	जेपीवाई 4,38,361.30	254.46	8.42	सितंबर 2025 - मार्च 2030	1:1	1.57%	58.81	(58.81)
	एसजीडी -	-	-	मार्च 2025 में परिपक्व	1:1	-	(15.09)	15.09
	आईएनआर 55,280.00	-	25.39	जून 2025 - सितंबर 2034	1:1	8.44%	(10.40)	10.40

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 तक	कल्पित राशि (मिलियन में)	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के अंतर्गत धारित राशि		परिपक्वता की तिथि	हेज अनुपात	भारत औसत स्ट्राइक मूल्य / दर	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	हेज प्रभावशीलता को मान्यता के आधार के रूप में उपयोग किए गए हेज मदों के मूल्य में परिवर्तन
हेज एवं जोखिम के प्रकार		परिसंपत्तियां	देयताएं					
नकदी प्रवाह हेज								
विदेशी विनिमय एवं ब्याज दर जोखिम								
(i)	विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाएं							

लेखा संबंधी टिप्पणियां

31 मार्च 2024 तक हेज एवं जोखिम के प्रकार	कल्पित राशि (मिलियन में)	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के अंतर्गत धारित राशि		परिपक्वता की तिथि	हेज अनुपात	भारित औसत स्ट्राइक मूल्य / दर	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	हेज प्रभावशीलता को मान्यता के आधार के रूप में उपयोग किए गए हेज मदों के मूल्य में परिवर्तन
		परिसंपत्तियां	देयताएं					
- सिंगुल स्ट्रक्चर	यूएसडी 11,452.00	7,137.02	269.59	अप्रैल 2024 - नवंबर 2030	1:1	79.66	111.47	(111.47)
	यूरो 604.02	679.46	-	अक्टूबर 2027 - मार्च 2028	1:1	85.93	16.20	(16.20)
	एसजीडी 285.29	311.62	93.21	मार्च 2025 - अक्टूबर 2027	1:1	60.28	(3.51)	3.51
	जेपीवाई 3,34,306.79	2,942.85	49.01	दिसंबर 2024 - जनवरी 2034	1:1	0.58	(872.94)	872.94
- कॉल स्प्रेड	यूएसडी -	-	-	वर्ष के दौरान परिपक्व	1:1	-	3.68	(3.68)
(ii) केवल मूल स्वैप्स	यूएसडी 375.00	43.34	38.13	मार्च 2025 - जून 2030	1:1	75.41	(155.79)	155.79
(iii) ब्याज दर स्वैप्स	यूएसडी 5,218.00	834.11	12.02	मई 2023 - मार्च 2025	1:1	3.12%	1,237.36	(1,237.36)
	यूएसडी -	-	-	वर्ष के दौरान परिपक्व	-	-	(0.05)	0.05
	एसजीडी 72.075	18.08	-	अगस्त 2023	1:1	1.18%	(4.44)	4.44
	आईएनआर 55,280.00	53.11	-	मई 2023 - नवंबर 2030	1:1	8.44%	53.11	(53.11)

(ख) लाभ और हानि के विवरण पर नकदी प्रवाह हेज लेखांकन के प्रभाव

(₹ करोड़ में)

हेज के प्रकार	अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के मूल्य में परिवर्तन	मान्यता प्राप्त हेज अभावशीलता	अन्य व्यापक आय से पुनर्वर्गीकृत राशि	पुनर्वर्गीकरण पर प्रभावित लाइन मद
31-03-2025 को समाप्त वर्ष				
- मुद्रा जोखिम एवं ब्याज दर जोखिम	284.16	-	(4,076.86)	विदेशी मुद्रा अंतरण पर लाभ/ हानि
			1,796.86	वित्तीय लागत
31-03-2024 को समाप्त वर्ष				
- मुद्रा जोखिम एवं ब्याज दर जोखिम	385.09	-	(479.51)	विदेशी मुद्रा अंतरण पर लाभ/ हानि
			1,368.65	वित्तीय लागत

(ग) नकदी प्रवाह हेजिंग आरक्षित निधि और हेजिंग आरक्षित निधि की लागत में संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
नकदी प्रवाह हेजेज के प्रभावी भाग		
प्रारम्भिक शेष	(1,846.93)	600.05
मुद्रा व्युत्पन्न के आंतरिक मूल्य में परिवर्तन	7,304.05	(2,899.59)
ब्याज दर स्वैप्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	305.62	1,275.44
लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत राशियां	(6,386.16)	(1,645.82)
उपरोक्त से संबंधित आस्थगित कर (निवल)	(307.94)	822.99
अंतिम शेष	(931.35)	(1,846.93)
हेजिंग आरक्षित निधि की लागत		
प्रारम्भिक शेष	1,690.64	(1,709.87)
विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाओं में आस्थगित समय मूल्य में परिवर्तन	(7,325.51)	2,009.23
समय मूल्य का परिशोधन	4,106.16	2,534.96
उपरोक्त (निवल) से संबंधित आस्थगित कर	810.26	(1,143.68)
अंतिम शेष	(718.46)	1,690.64



लेखा संबंधी टिप्पणियां

(घ) उचित मूल्य हेजेज़

31 मार्च 2025 को, कंपनी के पास ₹13,995.70 करोड़ (पिछले वर्ष ₹15,950.70 करोड़) के बकाया ब्याज दर स्वेप करार हैं, जिसमें कंपनी ब्याज की एक नियत दर प्राप्त करती है और कल्पित राशि पर एक परिवर्तनीय दर पर ब्याज का भुगतान करती है। ऐसे करारों का उपयोग नियत दर वाली उधारियों के उचित मूल्य में परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए किया जा रहा है।

हेज की गई मद और हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के बीच एक आर्थिक संबंध है क्योंकि ब्याज दर स्वेप की शर्तें, नियत दर ऋण (अर्थात, कल्पित राशि, परिपक्वता, भुगतान और रीसेट तिथियां) की शर्तों से मेल खाती हैं। इस प्रकार, हेजिंग संबंधों के लिए 1:1 का हेज अनुपात स्थापित किया गया है क्योंकि ब्याज दर स्वेप का अंतर्निहित जोखिम, हेज जोखिम घटक के समान है।

तुलन पत्र पर हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट का प्रभाव इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	उचित मूल्य हेज	कल्पित राशि	धारित राशि*	तुलन पत्र में लाइन मद जहां हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स का प्रकटन किया है	हेज अप्रभावशीलता की गणना के लिए उचित मूल्य में परिवर्तन
31-03-2025 तक	- ब्याज दर स्वेप	13,995.70	(8.92)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	212.41
31-03-2024 तक	- ब्याज दर स्वेप	15,950.70	(221.33)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	57.69

* यहां वहन राशि में रिपोर्टिंग तिथि पर ऐसे व्युत्पन्न अनुबंध के तहत प्राप्य ब्याज शामिल नहीं है।

तुलन पत्र पर हेजिंग मद का प्रभाव इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	उचित मूल्य हेज	धारित राशि	संचयी उचित मूल्य समायोजन	तुलन पत्र में लाइन मद जिसमें हेज की गई मद शामिल है	हेज अप्रभावशीलता की गणना के लिए प्रयुक्त मूल्य में परिवर्तन
31-03-2025 तक	- अधीनस्थ देयताएं	4,230.16	(47.37)	अधीनस्थ देयताएं	96.40
	- संस्थागत बॉण्ड	10,012.46	38.45	ऋण प्रतिभूतियां - संस्थागत बॉण्ड	116.01
31-03-2024 तक	- अधीनस्थ देयताएं	4,133.55	(143.77)	अधीनस्थ देयताएं	34.39
	- संस्थागत बॉण्ड	11,960.91	(77.56)	ऋण प्रतिभूतियां - संस्थागत बॉण्ड	23.30

ब्याज दर स्वेप के उचित मूल्य में ₹212.41 करोड़ (पिछले वर्ष ₹57.69 करोड़) की वृद्धि की भरपाई संबंधित अधीनस्थ देयताओं और ऋण प्रतिभूतियों पर समान लाभ के साथ की गई है।

50.6 बाजार जोखिम - कीमत जोखिम

कंपनी उद्धृत इक्विटी शेयरों में निवेश से उत्पन्न होने वाले मूल्य जोखिमों की स्थिति में है। कंपनी का निवेश व्यापारिक उद्देश्यों के बजाय रणनीतिक उद्देश्यों के लिए रखा जाता है।

संवेदनशील विश्लेषण

नीचे दी गई तालिका सकल घरेलू उत्पाद के बाहर, कंपनी के इक्विटी निवेश पर संबंधित कीमतों में 5% की वृद्धि या कमी के लिए ओसीआई लाभ/(हानि) पर प्रभाव को दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	वृद्धि	(गिरावट)	वृद्धि	(गिरावट)
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) पर प्रभाव	4.30	(4.30)	4.70	(4.70)
लाभ एवं हानि लेखा (पीएल) पर प्रभाव	4.53	(4.53)	3.82	(3.82)

51 व्युत्पन्न से संबंधित अतिरिक्त प्रकटन

51.1 अग्रवर्ती दर अनुबंध/ब्याज दर स्वेप्स

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) स्वेप अनुबंधों का कल्पित मूल	1,07,505.58	72,128.13
(ii) हानियां, जोकि अनुबंधों के तहत उनकी बाध्यताओं को पूरा करने में प्रतिपक्षों के असफल होने पर घटित होगी	1,056.25	1,367.71
(iii) स्वेप्स में प्रविष्ट करने पर एनबीएफसी द्वारा अपेक्षित संपार्श्विक	शून्य	शून्य
(iv) स्वेप्स के कारण उत्पन्न हुए क्रेडिट जोखिम का संकेंद्रण	नीचे दिए गए टिप्पणी देखें	नीचे दिए गए टिप्पणी देखें
(v) स्वेप बही का उचित मूल	772.30	1057.96

"आरईसी ने एक एनबीएफसी होने के नाते भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार श्रेणी-1, प्राधिकृत डीलर बैंकों के साथ ही स्वेप करार किया है। बैंकों के साथ किए गए सभी स्वेप करार बोर्ड अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति में परिभाषित ऋण जोखिम सीमा के अंतर्गत हैं।"

लेखा संबंधी टिप्पणियां

51.2 कंपनी ने किसी भी एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर (आईआर) व्युत्पन्न में हिस्सा नहीं लिया है।

51.3 परिमाणात्मक प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	मुद्रा व्युत्पन्न *		ब्याज दर डेरिवेटिव्स **		अन्य व्युत्पन्न (रिवर्स क्रॉस करेंसी स्वेप)***	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) व्युत्पन्न (कल्पित मूल राशि)						
हेजिंग के लिए	1,65,416.77	1,24,233.76	1,07,505.58	72,128.13	-	-
(ii) मार्केट टू मार्केट स्थितियां						
क) परिसंपत्ति (+)	16,375.93	11,114.31	1,056.25	1,367.71	-	-
ख) देयता (-)	1,386.11	449.95	283.95	309.75	-	-
(iii) क्रेडिट एक्सपोज़र	12,527.27	9,156.47	1,237.73	973.15	-	-
(iv) अनहेज्ड एक्सपोज़र	622.63	1,074.29	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं

* इसमें पूरा हेज, मूल के वल स्वेप और कॉल स्प्रैड एवं सिंगल ऑप्शन शामिल हैं।

** इसमें लागत में कमी की एक कार्यनीति के रूप में ब्याज दर व्युत्पन्न शामिल हैं।

*** इसमें लागत में कमी की एक कार्यनीति के रूप में रिवर्स क्रॉस करेंसी स्वेप शामिल हैं।

51.4 डेरिवेटिव्स पर गुणात्मक प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 50.3 और 50.4 देखें तथा हेज अकाउंटिंग से संबंधित प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 50.5 देखें।

52. एनबीएफसी के लिए आरबीआई स्केल आधारित फ्रेमवर्क (एसबीआर)

आरबीआई ने 01 अक्टूबर, 2022 से प्रभावी एनबीएफसी के लिए स्केल आधारित फ्रेमवर्क (एसबीआर) पेश किया है, जिसमें एनबीएफसी को उनके आकार, गतिविधि और कथित जोखिम के आधार पर चार लेयर में वर्गीकृत किया गया है। आरबीआई ने 19 अक्टूबर, 2023 को "मास्टर निर्देश - भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) दिशानिर्देश, 2023 जारी किया है। कंपनी एक सरकारी कंपनी है, इसे एनबीएफसी - मिडिल लेयर और एनबीएफसीमिडिल लेयर के लिए मास्टर निर्देश में उल्लिखित दिशानिर्देशों/विनियमों के अधीन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

53. वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी का प्रकटीकरण

आरबीआई ने 15 जुलाई, 2024 से प्रभावी आरबीआई (एनबीएफसी में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन) निर्देश, 2024 पेश किया है। वर्ष के दौरान शून्य करोड़ रुपये (31 मार्च, 2024: ₹33.24 करोड़) की राशि के धोखाधड़ी के शून्य मामले (31 मार्च, 2024: 01 मामला) दर्ज किए गए।

54. एक्सपोज़र संबंधी प्रकटीकरण

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने दिनांक 17 सितंबर, 2010 के पत्र के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सी. सी. नं. 168 / 03.02.089/2009-10 दिनांक 12 फरवरी, 2010 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार आरईसी को इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (आईएफसी) के रूप में वर्गीकृत किया है। एक आईएफसी के रूप में, किसी एक उधारकर्ता के मामले में उधार देने और निवेश करने के लिए कुल अनुमत एक्सपोज़र टियर-1 पूंजी का क्रमशः 30% और उधारकर्ताओं के एक समूह के मामले में 50% है। आज की तिथि तक, उधारकर्ताओं को दिए गए बकाया ऋणों के संबंध में जोखिम निर्धारित मानदंडों के भीतर है।

54.1 रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश

31 मार्च 2025 तक कंपनी का रियल एस्टेट क्षेत्र में कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निवेश नहीं है (31 मार्च 2024 तक शून्य)।

54.2 पूंजीगत बाजार के लिए एक्सपोज़र

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) इकिटी शेयरों, परिवर्तनीय बॉण्डों, परिवर्तनीय डिबेंचरों और इकिटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में प्रत्यक्ष निवेश, जिसका कोष केवल कॉर्पोरेट ऋण में ही निवेश नहीं किया जाता है (इसमें वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय अधिमानी शेयरों में निवेश शामिल है)	477.52	604.20
(ii) शेयरों (आईपीओ/ईएसओपी सहित), परिवर्तनीय बॉण्ड, परिवर्तनीय डिबेंचर और इकिटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में निवेश के लिए शेयरों/बॉण्ड/डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों के खिलाफ या व्यक्तियों को पारदर्शिता के आधार पर अग्रिम	-	-
(iii) किसी अन्य उद्देश्य के लिए अग्रिम जहां शेयर या परिवर्तनीय बॉण्ड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों को प्राथमिक सुरक्षा के रूप में लिया जाता है	-	-
(iv) शेयरों या परिवर्तनीय बॉण्ड्स या परिवर्तनीय डिबेंचर या इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों की संपार्श्विक सुरक्षा द्वारा सुरक्षित सीमा तक किसी अन्य उद्देश्य के लिए अग्रिम, यानी जहां शेयर / परिवर्तनीय बॉण्ड / परिवर्तनीय डिबेंचर / इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों के अलावा प्राथमिक सुरक्षा होती है अग्रिमों को पूरी तरह से कवर नहीं किया गया	-	-
(v) स्टॉकब्रोकरों को सुरक्षित और असुरक्षित अग्रिम और स्टॉकब्रोकरों और बाजार निर्माताओं की ओर से जारी की गई गारंटी	-	-
(vi) संसाधनों को बढ़ाने की प्रत्याशा में नई कंपनियों की इकिटी में प्रमोटर के योगदान को पूरा करने के लिए शेयरों / बॉण्ड / डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों की सुरक्षा के खिलाफ या पारदर्शिता के आधार पर कॉर्पोरेट्स को ऋण स्वीकृत किया गया	-	-
(vii) अपेक्षित इकिटी प्रवाह/निर्गम के विरुद्ध कंपनियों को ऋण प्रदान करना	-	-
(viii) शेयरों या परिवर्तनीय बॉण्ड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों के प्राथमिक मुद्दे के संबंध में एनबीएफसी द्वारा ली गई अंडरराइटिंग प्रतिबद्धताएं	-	-



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(ix) मार्जिन ट्रेडिंग के लिए स्टॉक ब्रोकरों को वित्तपोषण	-	-
(x) वैकल्पिक निवेश निधियों के लिए सभी एक्सपोज़र	-	-
पूंजीगत बाजार के लिए कुल एक्सपोज़र	477.52	604.20

54.3 क्षेत्रीय एक्सपोज़र

(₹ करोड़ में)

क्षेत्र	31-03-2025 तक					31-03-2024 तक				
	बकाया मूल (एलओसी सहित)	उपचित ब्याज	डिफॉल्ट पर कुल एक्सपोज़र (ईएडी)	सकल एनपीए	ईएडी में सकल एनपीए का प्रतिशत	मूल बकाया (एलओसी सहित)	उपचित ब्याज	डिफॉल्ट पर कुल एक्सपोज़र (ईएडी)	सकल एनपीए	ईएडी में सकल एनपीए का प्रतिशत
उद्योग										
इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र को उधार										
- विद्युत	5,54,253.37	3,403.34	5,57,656.70	7,652.65	1.37%	5,05,636.77	2,449.98	5,08,086.75	13,810.33	2.72%
- इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लॉजिस्टिक्स	20,638.62	140.55	20,779.18	-	-	9,727.33	52.36	9,779.69	-	-
कुल एक्सपोज़र	5,74,891.99	3,543.89	5,78,435.88	7,652.65	1.32%	5,15,364.10	2,502.34	5,17,866.44	13,810.33	2.67%

उपर्युक्त प्रकटीकरण के प्रयोजन से किया गया एक्सपोज़र बकाया मूल, उपचित ब्याज और बकाया आश्वासन पत्र (एलओसी) को दर्शाता है।

54.4 अंतर-समूह जोखिम

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) अंतर-समूह जोखिम की कुल राशि		
- सहायक कंपनी के इक्विटी शेयरों में निवेश	0.10	0.10
(ii) शीर्ष 20 अंतर-समूह जोखिम की कुल राशि	0.10	0.10
(iii) कुल जोखिम में अंतर-समूह जोखिम का प्रतिशत	-	-

54.5 कंपनी के पास वर्तमान और पिछले वर्ष के दौरान मूल कंपनी के उत्पादों का कोई वित्तपोषण नहीं है।

54.6 अग्रिमों, प्रकटनों और क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों का संकेंद्रण

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) अग्रिमों का संकेंद्रण		
बीस बड़े उधारकर्ताओं हेतु कुल अग्रिम (₹ करोड़ में)	3,26,580.55	3,08,299.02
कंपनी के कुल अग्रिमों हेतु बीस बड़े उधारकर्ताओं के लिए अग्रिमों का प्रतिशत	57.61%	60.53%
(ii) एक्सपोज़र का संकेंद्रण*		
बीस बड़े उधारकर्ताओं के लिए कुल एक्सपोज़र (₹ करोड़ में)	3,29,045.94	3,10,056.72
कंपनी के कुल अग्रिमों हेतु बीस बड़े उधारकर्ताओं के लिए एक्सपोज़र का प्रतिशत	56.89%	59.87%
(iii) क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों का संकेंद्रण		
शीर्ष चार क्रेडिट - इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों के लिए कुल एक्सपोज़र (₹ करोड़ में)	6,175.48	8,645.97

* उपर्युक्त प्रकटीकरण के प्रयोजन से एक्सपोज़र बकाया मूल, उपचित ब्याज और बकाया आश्वासन पत्र (एलओसी) को दर्शाता है।

55. उचित मूल्य प्रकटीकरण

परिशोधन लागत और श्रेणी के अनुसार उचित मूल्य पर मापे गए वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स की धारित राशि इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	टिप्पणी संख्या	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
वित्तीय परिसंपत्तियों का उचित मूल्य पर मापन			
पर मापित व्युत्पन्न वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स			
(i) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)	8	17,044.69	12,019.60
(ii) लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल)	8	387.49	462.42
पर मापित निवेश*			

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	टिप्पणी संख्या	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)	11	386.80	410.64
(ii) लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल)	11	1,058.80	1,141.40
परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय परिसंपत्तियां			
नकदी एवं नकदी के समतुल्य	6	54.69	46.26
बैंक शेष (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)	7	1,695.15	2,452.44
ट्रेड और अन्य प्राप्य	9	1.99	2.78
ऋण परिसंपत्तियां	10	5,59,088.08	4,99,192.05
निवेश*#	11	5,195.92	3,768.17
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	12	24,603.68	24,421.74
कुल		6,09,517.29	5,43,917.50
वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य पर मापन			
पर मापित व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स			
(i) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)	8	1,670.06	759.70
(ii) लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल)	8	-	-
परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय देयताएं			
ट्रेड देय	19	34.6	18.91
ऋण प्रतिभूतियां	20	2,92,474.93	2,66,109.92
उधारियां (ऋणप्रतिभूति के अलावा)	21	1,94,300.16	1,72,092.05
अधीनस्थ देयताएं	22	9,514.16	7,412.21
अन्य वित्तीय देयताएं	23	37,524.66	31,821.75
कुल		5,35,518.57	4,78,214.54

*सहायक कंपनी में निवेश को भारतीय लेखा मानक 27, 'पृथक वित्तीय विवरण' के अनुसार लागत पर मापा जाता है, इसलिए इसे यहां प्रस्तुत नहीं किया गया है।

#इस राशि में रतनइंडिया पावर लिमिटेड के रिडीमेबल प्रेफरेंस शेयरों में निवेश शामिल है, जिसमें हानि की निवल राशि शामिल है।

55.1 उचित मूल्य पदानुक्रम

ऊपर उल्लिखित वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्य मूल्यांकन तकनीक में प्रयुक्त इनपुट के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। यह पदानुक्रम समान परिसंपत्तियों अथवा देयताओं [चरण-1 मापने] के लिए सक्रिय बाजारों में उल्लिखित कीमतों को उच्चतम प्राथमिकता और न लेने योग्य इनपुट [चरण-3 मापने] को निम्न प्राथमिकता देता है।

प्रयुक्त श्रेणियां निम्नलिखित हैं:

चरण 1: सक्रिय बाजार में समान इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए उल्लिखित कीमतें (असमायोजित);

चरण 2: चरण-1 इनपुट को छोड़कर प्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों के रूप में) अथवा अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों से व्युत्पन्न) लेने योग्य बाजार इनपुट; और

चरण 3: वे इनपुट जो लेने योग्य बाजार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (न लेने योग्य इनपुट)।

कंपनी की नीति, घटना की तारीख या स्थानांतरण का कारण बनने वाली परिस्थितियों में बदलाव के समय उचित मूल्य पदानुक्रम में अंतरण को मान्यता देना और उससे बाहर अंतरण को मान्यता देना है।

उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं – आवर्ती उचित मूल्य मापन

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल
एफवीओसीआई पर निवेश								
इक्विटी निवेश*	86.06	-	300.74	386.80	93.91	-	316.73	410.64
एफवीटीपीएल पर निवेश								
इक्विटी निवेश	90.62	-	-	90.62	76.37	-	-	76.37
स्टाई बॉण्ड	-	-	968.18	968.18	-	-	947.94	947.94
डिबेंचर	-	-	-	-	-	-	117.09	117.09
अधिमामित शेयर**	-	-	-	-	-	-	-	-
एफवीओसीआई पर परिसंपत्तियां								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	17,044.69	-	17,044.69	-	12,019.60	-	12,019.60
एफवीटीपीएल पर परिसंपत्तियां								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	387.49	-	387.49	-	462.42	-	462.42
एफवीओसीआई पर देयता								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	1,670.06	-	1,670.06	-	759.70	-	759.70

(₹ करोड़ में)



लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल
एफवीटीपीएल पर देयता								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	-	-	-	-	-	-	-

* इसमें यूनिवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड में ₹ 16.00 करोड़ के निवेश, उचित मूल्य शून्य पर किए गए निवेश शामिल हैं।

** रतन इंडिया पावर लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय संवर्धी विमोचनीय अधिमानित शेयरों (ओसीसीआरपीएस) में ₹43.30 करोड़ के निवेश को दर्शाता है, जिसका उचित मूल्य शून्य है।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के लिए मूल्यांकन तकनीक (चरण 1, चरण 2, चरण 3)

- (क) **उद्धृत इकिटी निवेश में निवेश - स्तर 1** - एनएचपीसी लिमिटेड और रतनइंडिया पावर लिमिटेड के सूचीबद्ध इकिटी उपकरणों में निवेश को बाजार में उनके आसानी से उपलब्ध उद्धृत मूल्य पर मापा जाता है।
- (ख) **व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट - स्तर 2** - उचित मूल्य उन बैंकों द्वारा प्रदान किए गए मार्क-टू-मार्केट मूल्य के आधार पर निर्धारित किया गया है जिन्होंने अंतर्निहित जोखिम को कम करने के लिए अनुबंध किया है। इस मूल्यांकन की गणना बाजार में देखी जा सकने वाली जानकारी को उपयोग करके की जाती है, जिसमें अग्रिम विनिमय दरें, अनुबंध की परिपक्वता के अनुरूप ब्याज दरें और निहित अस्थिरताएँ शामिल हैं।
- (ग) **स्थायी बॉण्ड में निवेश - स्तर 3** - कंपनी ने केनरा बैंक, यूको बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के सतत बॉण्ड में निवेश किया था, जो एनएसई/बीएसई पर उद्धृत हैं। कंपनी एनएसई/बीएसई पर उपलब्ध इन बॉण्ड के लिए सक्रिय बाजार लेनदेन (ट्रेडिंग डेटा) प्राप्त करती है और ट्रेडिंग मूल्य के साथ-साथ एफआईएमएमडीए के पास उपलब्ध परिपक्वता पर प्रतिफल दर(दरों) और निवेशित बैंकों की रेटिंग के आधार पर इन सतत बॉण्ड का मूल्यांकन करती है।
- (घ) **यूनिवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड (यूसीएक्स) के गैर-उद्धृत इकिटी में निवेश - स्तर 3** - यूसीएक्स के गैर-उद्धृत इकिटी शेयरों में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कंपनी द्वारा विशिष्ट कारणों से इसे शून्य मूल्य पर रखा गया है। यूसीएक्स को 2014 में बंद कर दिया गया था, जिससे यह एक चालू व्यवसाय के रूप में अस्तित्व में नहीं रहा।
- (ङ) **एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की गैर-उद्धृत इकिटी में निवेश - स्तर 3** - ईईएसएल के गैर-उद्धृत इकिटी शेयरों में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ईईएसएल 01 सितंबर, 2021 से एक संयुक्त उद्यम (जेवी) नहीं रह गया है। प्रबंधन ने ऐसे इकिटी शेयरों का मूल्यांकन स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर करने का निर्णय लिया है, जिसमें मूल्यांकन की मार्केट मल्टीपल विधि अर्थात् इंड एस 113 में शामिल मूल्यांकन तकनीक पर विचार किया गया है।
- (च) **झाबुआ पावर लिमिटेड (जेपीएल) और जेएसडब्ल्यू एनर्जी (उत्कल) लिमिटेड (जेएसडब्ल्यूईयूएल) की गैर-उद्धृत इकिटी में निवेश - स्तर 3** - जेपीएल और आईबीईयूएल के गैर-उद्धृत इकिटी शेयरों में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कंपनी को उधारकर्ता कंपनियों के इकिटी शेयर उनकी संबंधित समाधान योजनाओं के अनुसार आवंटित किए गए हैं। प्रबंधन ने इन इकिटी शेयरों का मूल्यांकन स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर करने का निर्णय लिया है, जिसने मूल्यांकन की मार्केट मल्टीपल विधि, अर्थात् इंड एस 113 में शामिल मूल्यांकन तकनीक, को ध्यान में रखा है।
- (छ) **गैर-उद्धृत वरीयता शेयरों में निवेश - स्तर 3** - रतनइंडिया पावर लिमिटेड (आरआईपीएल) के अनकोटेड ओसीसीआरपीएस में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कंपनी को 23 दिसंबर 2019 को निष्पादित एकमुश्त निपटान व्यवस्था के अनुसार उधारकर्ता कंपनी के ओसीसीआरपीएस आवंटित किए गए हैं। उचित मूल्य शून्य माना गया है क्योंकि ऐसे उपकरणों में भविष्य के नकदी प्रवाह अनिश्चित होते हैं। भविष्य के नकदी प्रवाह की प्रत्याशा में किसी भी परिवर्तन को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को दर्शाने के लिए समायोजित किया जाता है।
- (ज) **आर.के.एम. पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश - स्तर 3** - आर.के.एम. पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड के गैर-उद्धृत वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो उधारकर्ता के साथ पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर कंपनी को आवंटित किए गए हैं। (I) डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश - स्तर 3 - डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के गैर-उद्धृत वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसे उधारकर्ता के साथ पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर कंपनी को आवंटित किया गया है।
- (झ) **डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश - स्तर 3** - डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के गैर-उद्धृत वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) में निवेश भविष्य के नकदी प्रवाह की अपेक्षा में किसी भी परिवर्तन को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

55.2 चरण 3 इनपुट के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स का समाधान

निम्न तालिका उचित मूल्य पर मापी गई चरण 3 की वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं की शुरुआती और समापन मात्रा का समाधान दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए				
	एफवीटीपीएल (ii)				कुल
	स्थाई बॉण्ड में निवेश	अधिमानित शेयर में निवेश	ओसीडी में निवेश	गैर उद्धृत इकिटी शेयर में निवेश	
प्रारम्भिक शेष	947.94	-	117.09	316.73	1,381.76
ऋण समायोजन में प्राप्य (टिप्पणी 10.3 का संदर्भ लें)	-	-	-	-	-
निवेश / समायोजन	-	-	(347.93)	-	(347.93)
चरण 3 में अंतरण	-	-	-	-	-
चरण 3 से अंतरण	-	-	-	-	-
ब्याज आय (i)	20.24	-	-	-	20.24
उचित मूल्य परिवर्तन	-	-	230.84	(15.99)	214.85
अंतिम शेष	968.18	-	-	300.74	1,268.92
वर्ष के अंत में अप्राप्त लाभ(हानि)	20.25	-	-	(15.99)	4.26

लेखा संबंधी टिप्पणियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए				
	एफवीटीपीएल ⁽ⁱⁱ⁾			एफवीओसीआई ⁽ⁱⁱⁱ⁾	कुल
	स्थाई बॉण्ड में निवेश	अधिमानित शेयर में निवेश	ओसीडी में निवेश	गैर उद्धृत इकिटी शेयर में निवेश	
प्रारम्भिक शेष	437.26	-	125.08	314.48	876.82
ऋण समायोजन में प्राप्य (टिप्पणी 10.3 का संदर्भ लें)	-	-	-	-	-
निवेश / समायोजन	500.00	-	(18.92)	-	481.08
चरण 3 में अंतरण	-	-	-	-	-
चरण 3 से अंतरण	-	-	-	-	-
ब्याज आय (i)	10.68	2.73	10.93	-	24.34
उचित मूल्य परिवर्तन	-	(2.73)	-	2.25	(0.48)
अंतिम शेष	947.94	-	117.09	316.73	1,381.76
वर्ष के अंत में अप्राप्त लाभ(हानि)	19.94	-	10.94	(13.75)	17.13

वर्ष के दौरान गैर-मान्यता प्राप्त अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इकिटी शेयरों में निवेश के लिए टिप्पणी संख्या 11.5 देखें

* रतन इंडिया पावर लिमिटेड के 'विमोचनीय अधिमानित शेयर' में ₹43.30 करोड़ के निवेश को दर्शाता है, जिसका उचित मूल्य शून्य है

⁽ⁱ⁾ लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में लाइन मद 'ब्याज आय' का हिस्सा है।

⁽ⁱⁱ⁾ एफवीटीपीएल में निवेश पर उचित मूल्य लाभ/(हानि) लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में लाइन मद 'उचित मूल्य परिवर्तन पर निवल हानि/(लाभ)' का हिस्सा है।

⁽ⁱⁱⁱ⁾ एफवीओसीआई में निवेश पर उचित मूल्य लाभ/(हानि) लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में लाइन मद 'एफवीओसीआई इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स' के उचित मूल्य में परिवर्तन का हिस्सा है।

55.3 वर्ष के दौरान स्तर 1 और स्तर 2 के बीच कोई अंतरण नहीं हुआ

55.4 परिशोधित लागत पर मापे गए इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्य

परिशोधन लागत पर मापे गए इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्य, जिसके लिए उचित मूल्य का प्रकटीकरण किया गया है, इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	धारित मूल्य	उचित मूल्य	धारित मूल्य	उचित मूल्य
वित्तीय परिसंपत्तियां				
नकदी एवं नकदी के समतुल्य	54.69	54.69	46.26	46.26
बैंक शेष (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)	1,695.15	1,695.15	2,452.44	2,452.44
ट्रेड और अन्य प्राप्य	1.99	1.99	2.78	2.78
ऋण	5,59,088.08	5,59,417.16	4,99,192.05	4,99,309.15
निवेश	5,195.92	5,438.99	3,768.17	3,731.74
अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया	24,603.68	24,603.17	24,421.74	24,421.44
कुल	5,90,639.51	5,91,211.15	5,29,883.44	5,29,963.81
वित्तीय देयताएं				
ट्रेड प्रतिदेय	2,92,474.93	2,91,142.61	2,66,109.92	2,62,207.61
ऋण प्रतिभूतियां	1,94,300.16	1,94,412.84	1,72,092.05	1,72,017.85
उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	9,514.16	9,710.47	7,412.21	7,475.35
अधीनस्थ देयताएं	34.60	34.60	18.91	18.91
अन्य वित्तीय देयताएं	37,524.66	37,524.66	31,821.75	31,821.75
कुल	5,33,848.51	5,32,825.18	4,77,454.84	4,73,541.48

वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स की मूल्यांकन पद्धतियों को उचित मूल्य पर नहीं मापा गया है

उपरोक्त वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली पद्धतियां और धारणाएं नीचे दी गई हैं, जिन्हें कंपनी के वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य पर दर्ज और मापा नहीं जाता है। इन उचित मूल्यों की गणना केवल प्रकटीकरण उद्देश्यों के लिए की गई थी। नीचे दी गई पद्धतियां और धारणाएं केवल उपरोक्त तालिकाओं के इन्स्ट्रुमेंट्स से संबंधित हैं:

वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं के लिए जिनकी अल्पकालिक परिपक्वता (बारह माह से कम) है, वहन राशि, जो इंपेयरमेंट के निवल हैं, उनके उचित मूल्य का एक उचित अनुमान है। ऐसे इन्स्ट्रुमेंट्स में शामिल हैं: नकदी एवं नकदी के समतुल्य, नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा बैंक शेष, विशिष्ट परिपक्वता के बिना अनुबंध परिसंपत्ति और अनुबंध देयता।

ग्राहकों को ऋण और अग्रिम

ऋण परिसंपत्तियों के उचित मूल्यों की गणना पोर्टफोलियो-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके की जाती है, जहाँ तक संभव हो ऋणों को समान विशेषताओं के आधार पर समरूप समूहों में समूहित किया जाता है। इसके बाद कंपनी रियायती नकदी प्रवाह मॉडल का उपयोग करके पूरे पोर्टफोलियो के लिए उचित मूल्य की गणना और एक्सट्रपलेशन



लेखा संबंधी टिप्पणियां

करती है, जिसमें ऋण की सभी महत्वपूर्ण विशेषताओं पर विचार करते हुए ब्याज दर अनुमान शामिल होते हैं। जहां ऐसी जानकारी उपलब्ध नहीं है, कंपनी अपने सामूहिक इंपेयरमेंट मॉडल में उपयोग किए गए ऐतिहासिक अनुभव और अन्य जानकारी का उपयोग करती है।

परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

परिशोधन लागत पर मापी गई ऋण प्रतिभूतियों के उचित मूल्यों का अनुमान वास्तविक या अनुमानित यील्ड का उपयोग करके संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर रियायती नकदी प्रवाह मॉडल का उपयोग करके किया जाता है और समतुल्य के क्रेडिट जोखिम को शामिल करते हुए यील्ड में छूट दी जाती है।

जारी ऋण

कंपनी की निश्चित ब्याज वाली ऋण प्रतिभूतियों, उधारों और अधीनस्थ देयताओं का उचित मूल्य डिस्काउंटेड कैश फ्लो ('डीसीएफ') पद्धति को लागू करके, छूट दर का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में जारीकर्ता की उधार दर को दर्शाता है। 31 मार्च 2025 को स्वयं का गैर-निष्पादन जोखिम नगण्य आंका गया था।

सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) और राज्य विकास ऋण (एसडीएल) में निवेश

आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति बनाए रखने के लिए कंपनी ने जी-सेक और एसडीएल में निवेश किया है। भारत सरकार की प्रतिभूतियों और राज्य विकास ऋण का बाजार मूल्य रिपोर्टिंग तिथि पर उपलब्ध है और अंतिम कूपन तिथि से रिपोर्टिंग तिथि तक अर्जित ब्याज को बाजार मूल्य में जोड़ा जाता है।

पीएसयू बॉण्ड्स में निवेश

कंपनी ने आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति बनाए रखने के लिए पीएसयू बॉण्ड्स में निवेश किया है। कंपनी ने बाजार इनपुट का उपयोग करके उचित मूल्य की गणना की है अर्थात् औद्योगिक प्रणाली के अनुसार शेष परिपक्वता के लिए पीएसयू के लिए समान शेष परिपक्वता के लिए जी-सेक की यील्ड या शेष परिपक्वता के लिए क्रेडिट रेटिंग के अनुसार प्रसार।

ऋण समायोजन/समाधान के समय उधारकर्ता संस्थानों द्वारा जारी प्रतिभूतियों में निवेश

उचित मूल्य उधारकर्ताओं पर लागू ब्याज दर पर भविष्य के नकदी प्रवाह में छूट देकर वर्तमान मूल्य तकनीक द्वारा प्राप्त किया गया है। भविष्य के नकदी प्रवाह की प्रत्याशा में किसी भी बदलाव को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी द्वारा ली गई अन्य सभी ऋण प्रतिभूतियां, उधार और अधीनस्थ देयताएं परिवर्तनीय दर सुवर्धित हैं जो अंतरनहिती ब्याज दर सूचकांकों में परिवर्तन के अधीन हैं। इसके अलावा, इन सुवर्धितों पर क्रेडिट का प्रसार कंपनी की साख में बदलाव के साथ परिवर्तन के अधीन है। प्रबंधन का मानना है कि इन ऋणों पर ब्याज की वर्तमान दर कंपनी पर लागू बाजार दरों के करीब है। इसलिए, प्रबंधन का अनुमान है कि इन उधारों का उचित मूल्य उनके संबंधित मूल्यों के करीब है।

निवेश परिसंपत्ति

कंपनी अपनी निवेश संपत्तियों का वार्षिक स्वतंत्र मूल्यांकन करवाती है। निवेश संपत्तियों का उचित मूल्य एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है और मूल्यांकन तकनीक आय दृष्टिकोण अपनाई जाती है।

56. 31 मार्च 2025 तक (पिछले वर्ष शून्य) कोई भी सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऐसा नहीं है जिस पर कंपनी का 45 दिनों से अधिक का बकाया हो। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत प्रकट की जाने वाली यह जानकारी, कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर पहचाने गए ऐसे पक्षों की स्थिति के अनुसार निर्धारित की गई है।

57. संबंधित पक्षकार प्रकटीकरण:

57.1 संबंधित पक्षकारों की सूची

(1) मुख्य प्रबंधन कार्मिक	श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (22 अप्रैल, 2025 से नियुक्त)
	श्रीमती परमिंदर चोपड़ा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (21 मार्च, 2025 से नियुक्त और 22 अप्रैल, 2025 से सेवानिवृत्त)
	श्री विवेक कुमार देवांगन	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (21 मार्च, 2025 से समाप्त)
	श्री वी.के. सिंह	निदेशक (तकनीकी)
	श्री हर्ष बवेजा	निदेशक (वित्त) (14 मई, 2024 से नियुक्त)
	श्री शशांक मिश्र	सरकार द्वारा नामित निदेशक
	श्री मनोज शर्मा	पीएफसी द्वारा नामित निदेशक
	डॉ. गंभीर सिंह	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक (15 नवंबर, 2024 से समाप्त)
	डॉ. मनोज एम. पांडे	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक (15 नवंबर, 2024 से समाप्त)
	डॉ. दुर्गेश नंदिनी	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक (27 दिसंबर, 2024 से समाप्त)
	श्री नारायणन तिरुपति	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
	श्री जे.एस. अमिताभ	कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव
	श्री राजेश कुमार	कार्यपालक निदेशक (वित्त) (26 अक्टूबर, 2024 से केएमपी के रूप में नामित)
(2) प्रमुख धारक कंपनी	पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	
(3) सहायक कंपनी	आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड	
(4) आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड के सहयोगी	चंदिल ट्रांसमिशन लिमिटेड	एनईआरजीएस-1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
	दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड	कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

लेखा संबंधी टिप्पणियां

मंदार ट्रांसमिशन लिमिटेड	ईआरईएस-XXXIX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीकानेर बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
राजस्थान पार्ट I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजस्थान IV 4बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
एनईआरईएस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	डब्ल्यूआरएनईएस तलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा IV-ई 2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भादला-III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
कल्लम ट्रांसको लिमिटेड	लाकाडिया बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा II-डी ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीदर ट्रांसको लिमिटेड
खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	खावड़ा V-बी1बी 2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	रतले किरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा V-ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजस्थान V पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
राजस्थान IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	बनासकांठा ट्रांसको लिमिटेड
राजस्थान IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	कुरनूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड
राजस्थान IV एच 1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	महान ट्रांसमिशन लिमिटेड
राजस्थान IV ई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
तुमकुर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
(5) नियोजन हितलाभ न्यास / निधि	
आरईसी लिमिटेड अंशदान भविष्य निधि न्यास	
आरईसी उपदान निधि	
आरईसी कार्मिक अधिवर्षिता न्यास	
आरईसी कार्मिक हितैषी निधि	
आरईसी सेवानिवृत्त कार्मिक चिकित्सा न्यास	
(6) सीएसआर पहल करने के लिए पंजीकृत सोसायटी	
आरईसी फाउंडेशन	
(7) अन्य कंपनियाँ जिनमें प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक निदेशक हैं	
समर्पण अस्पताल प्राइवेट लिमिटेड	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक- डॉ. गंभीर सिंह-(15 नवंबर, 2024 से पदमुक्त)
(8) प्रमुख धारक कंपनी से जुड़े निम्नलिखित पक्षकार आरईसी के संबंधित पक्षकार के रूप में भी माने जाते हैं:	
(क) होल्डिंग कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	
श्रीमती परमिंदर चोपड़ा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (14 अगस्त, 2023 से) और डी(एफ) (13 अगस्त, 2023 तक)
श्री राजीव रंजन झा	निदेशक (परियोजना)
श्री मनोज शर्मा	निदेशक (वाणिज्यिक)
श्री संदीप कुमार	निदेशक (वित्त) (11 जुलाई, 2024 से नियुक्त)
श्री अजय तिवारी	सरकारी नामित निदेशक (25 जून, 2024 से समाप्त)
श्री शशांक मिश्र	सरकार द्वारा नामित निदेशक (25 जून, 2024 से नियुक्त)
एडवोकेट भास्कर भट्टाचार्य	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक सरकारी नामित निदेशक (23 दिसंबर, 2024 से समाप्त)
श्रीमती उषा संजीव नायर	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक सरकारी नामित निदेशक (23 दिसंबर, 2024 से समाप्त)
श्री प्रसन्न तंत्री	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक सरकारी नामित निदेशक (23 दिसंबर, 2024 से समाप्त)
श्री मनीष कुमार अग्रवाल	कंपनी सचिव
(ख) प्रमुख धारक कंपनी की अनुषंगी कंपनी	
पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (पीएफसीसीएल)	
पीएफसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड	
पीएफसी इंफ्रा फाइनेंस आईएफएससी लिमिटेड	
(ग) प्रमुख धारक कंपनी की सहयोगी कंपनी	
बिहार मेगा पावर लिमिटेड	सखीगोपाल इंटीग्रेटेड पावर कंपनी लिमिटेड
उड़ीसा इंटीग्रेटेड पावर लिमिटेड	घोगरपल्ली इंटीग्रेटेड पावर कंपनी लिमिटेड
झारखंड इंफ्रापावर लिमिटेड	ओडिशा इंफ्रापावर लिमिटेड
कोस्टल तमिलनाडु पावर लिमिटेड	देवघर मेगा पावर लिमिटेड



लेखा संबंधी टिप्पणियां

बिहार इंफ्रापावर लिमिटेड	चेयूर इंफ्रा लिमिटेड
देवघर इंफ्रा लिमिटेड	साउथ ओलपाड ट्रांसमिशन लिमिटेड
छतरपुर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सिओट ट्रांसमिशन लिमिटेड
जोडा बार्बिल ट्रांसमिशन लिमिटेड	गोला बी-रामगढ़ बी ट्रांसमिशन लिमिटेड
रामकनाली बी-पानागढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड	अंगुल सुंदरगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड
भुज II ट्रांसमिशन लिमिटेड	केपीएस III एचवीडीसी ट्रांसमिशन लिमिटेड
नेविनल ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीजापुर आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड
चित्रदुर्ग बेल्लारी आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड	कुडनकुलम आईएसटीएस ट्रांसमिशन लिमिटेड
जाम खंभालिया ट्रांसमिशन लिमिटेड	भड़ला और बीकानेर कॉम्प्लेक्स ट्रांसमिशन लिमिटेड
गडग II और कोप्पल II ट्रांसमिशन लिमिटेड	वहीपोरा और सल्लार ट्रांसमिशन लिमिटेड
भुज आईसीटी ट्रांसमिशन लिमिटेड	एमईएल पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
कांडला जीएचए ट्रांसमिशन लिमिटेड	कुरनूल III पीएस आरई ट्रांसमिशन लिमिटेड
राघनेस्डा आरई ट्रांसमिशन लिमिटेड	एनईआर एक्सपेंशन ट्रांसमिशन लिमिटेड
मुंद्रा I ट्रांसमिशन लिमिटेड	फतेनगढ़ II और बाड़मेर I पीएस ट्रांसमिशन लिमिटेड
अनंतपुर II आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड	काकीनाडा I ट्रांसमिशन लिमिटेड
एनईएस धाराशिव ट्रांसमिशन लिमिटेड	एनईएस नवी मुंबई ट्रांसमिशन लिमिटेड
एनईएस पुणे ईस्ट न्यू ट्रांसमिशन लिमिटेड	बाड़मेर I ट्रांसमिशन लिमिटेड
ब्यावर-मंदसौर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भड़ला-III और बीकानेर-III ट्रांसमिशन लिमिटेड
जामनगर ट्रांसमिशन लिमिटेड	खावड़ा PS1 और 3 ट्रांसमिशन लिमिटेड
पारादीप ट्रांसमिशन लिमिटेड	पुणे-III ट्रांसमिशन लिमिटेड
सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड	

57.2 संबंधित पक्षों से/को देय राशि :

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)		
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	2.82	0.51
अन्य वित्तीय देयताएँ - अप्रदत्त लाभांश	498.96	623.70
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल)		
ऋण प्रतिभूतियाँ	45.44	45.44
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	7.18	5.80
रोजगार लाभ ट्रस्ट/निधि		
ऋण प्रतिभूतियाँ	3.00	3.00
अधीनस्थ देयताएँ	3.70	2.70
अन्य वित्तीय देयताएँ - भारत सरकार द्वारा सेवा प्रदान किए गए बॉण्ड	29.30	29.30
प्रावधान	3.26	0.13
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	34.78	23.55
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)		
ऋण प्रतिभूतियाँ	0.05	0.05
कार्मिक ऋण और अग्रिम	0.13	0.30
अल्टीमेट होलिंग्स कंपनी (केएमपी-पीएफसी) के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक		
ऋण प्रतिभूतियों	0.15	0.15
आरईसी फाउंडेशन		
अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ (सीएसआर फाउंडेशन को अग्रिम)	1.67	1.25

कंपनी द्वारा निदेशकों या वरिष्ठ अधिकारी या उनके रिश्तेदारों या निदेशकों और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी संस्थाओं को स्वीकृत ऋण और अग्रिमों की कुल राशि शून्य (पिछले वर्ष शून्य) है, कंपनी के कार्मिकों के लिए सामान्य रूप से लागू योजनाओं के तहत प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) को स्वीकृत ₹0.74 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1.14 करोड़) के ऋण और अग्रिम को छोड़कर।

57.3 वर्ष के दौरान बकाया ऋण/अग्रिम/निवेश की अधिकतम राशि:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)		
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	3.83	3.83
अन्य वित्तीय देयताएँ- अवैतनिक लाभांश	623.70	623.70

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल)		
ऋण प्रतिभूतियां	45.44	57.44
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ - सहायक कंपनियों को ऋण और अग्रिम	7.18	8.34
निवेश	0.10	0.10
रोजगार लाभ ट्रस्ट/निधि		
ऋण प्रतिभूतियां	3.00	6.00
अधीनस्थ देयताएँ	3.70	2.70
अन्य वित्तीय देयताएँ- भारत सरकार द्वारा सेवा प्राप्त बॉण्ड	29.30	29.30
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)		
ऋण प्रतिभूतियां	0.05	0.16
कार्मिक ऋण और अग्रिम	0.41	0.55
अल्टीमेट होल्डिंग कंपनी (केएमपी-पीएफसी) के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक		
ऋण प्रतिभूतियों	0.15	0.17
आरईसी फाउंडेशन		
अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ (सीएसआर फाउंडेशन को अग्रिम)	11.31	35.47

57.4 संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन:

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)		
लाभांश भुगतान	2,952.17	1,503.80
निदेशकों का बैठक शुल्क	0.11	0.05
अन्य व्यय/प्रशासनिक व्यय का आबंटन	4.12	0.69
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल)		
कार्मिक लाभ और अन्य व्यय का आबंटन	17.35	18.39
लाभांश आय	90.63	23.40
किराया आय	2.22	3.89
अन्य आय	3.75	3.00
वित्तीय लागत - ब्याज भुगतान	3.70	3.71
अन्य व्यय	0.62	2.56
रोजगार लाभ ट्रस्ट/निधि		
कंपनी द्वारा किया गया योगदान	11.40	21.29
वित्तीय लागत - भुगतान किया गया ब्याज	3.04	2.87
कंपनी के बॉण्ड में अभिदान	1.00	2.00
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)		
कार्मिक ऋण और अग्रिमों की वसूली	0.22	0.23
कार्मिक ऋण और अग्रिमों का वितरण	-	0.35
कार्मिक ऋणों पर ब्याज आय	0.05	0.03
वित्तीय लागत - ब्याज भुगतान	0.00	0.00
कार्मिक लाभ व्यय - प्रबंधकीय पारिश्रमिक	3.78	3.51
निदेशकों का बैठक शुल्क	0.35	0.40
लाभांश का भुगतान	0.02	0.00
अल्टीमेट होल्डिंग कंपनी (केएमपी-पीएफसी) के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक		
वित्तीय लागत	0.01	0.01
आरईसी फाउंडेशन		
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय के लिए भुगतान	268.00	243.00



लेखा संबंधी टिप्पणियां

57.5 संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन की शर्तें और नियम

संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन निष्पक्ष आधार पर किए जा रहे हैं। प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक और स्टाफ ऋण एवं अग्रिम राशि कंपनी के सेवा नियमों के अनुरूप हैं। संबंधित पक्षों को भुगतान की जाने वाली वित्तीय लागत कंपनी की ऋण प्रतिभूतियों में उनके निवेश के कारण है। ऐसी ऋण प्रतिभूतियों पर देय ब्याज दर सभी बॉण्डधारकों पर समान रूप से लागू होती है। कंपनी अपनी सहायक कंपनी को स्थापना और प्रशासनिक व्यय के आवंटन के लिए अग्रिम राशि भी देती है, जिसकी वसूली तिमाही आधार पर की जाती है। यद्यपि वर्ष के अंत में सहायक कंपनी की बकाया राशि असुरक्षित है, फिर भी कंपनी ने संबंधित पक्षों द्वारा देय राशि से संबंधित प्राप्य राशि में कोई हानि दर्ज नहीं की है। यह आकलन दिए गए अग्रिमों की अल्पकालिक वसूली के आधार पर किया गया है।

57.6 प्रबंधकीय पारिश्रमिक

वर्ष के दौरान प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों (केएमपी) के पारिश्रमिक का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) अल्पकालिक कार्मिक लाभ	3.48	3.24
(ii) रोजगार के बाद के लाभ	0.30	0.27
कुल	3.78	3.51

चूंकि उपदान और क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति की देनदारियाँ प्रत्येक कार्मिक के बजाय समग्र कंपनी के लिए बीमाकिक आधार पर प्रदान की जाती हैं, इसलिए केएमपी से संबंधित राशियाँ विशेष रूप से ज्ञात नहीं हैं और इसलिए उन्हें उपरोक्त तालिका में शामिल नहीं किया गया है। उपदान और क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति को उपरोक्त तालिका में संबंधित वर्ष में वास्तविक भुगतान के आधार पर शामिल किया गया है।

57.7 एक ही सरकार के नियंत्रण में आने वाली संस्थाओं के संबंध में प्रकटीकरण (सरकार से संबंधित संस्थाएं)

सरकार से संबंधित संस्थाओं की सूची

समूह की संस्थाएँ/कंपनियाँ केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसयू) या राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं जिन पर केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण प्रभाव है। समूह ने जिन सरकारी संस्थाओं के साथ लेन-देन किया है, उनकी सूची में निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:

बिहार ग्रिड कंपनी लिमिटेड
दामोदर घाटी निगम
एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड
नबीनगर पावर जनरेटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड
एनटीपीसी तमिलनाडु एनर्जी कंपनी लिमिटेड
पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
टस्को लिमिटेड
एसजेवीएन थर्मल प्राइवेट लिमिटेड
एसजेवीएन लिमिटेड
एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल)
हिमाचल रिन्यूएबल्स लिमिटेड
चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
पावर फाउंडेशन ऑफ इंडिया

ऐसी सरकारी संस्थाओं के साथ कुल लेनदेन निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
ऋणों का वितरण	7,113.40	5,443.35
ब्याज आय की मान्यता	2,526.56	2,039.94
अन्य व्यय - पावर फाउंडेशन को आरईसी का योगदान	5.00	5.00

ऐसी सरकारी संबंधित संस्थाओं से बकाया कुल शेष राशि निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
ऋण परिसंपत्तियाँ	31,796.82	25,554.99
एलओयू और एलओसी (गैर निधि आधार)	2.33	-
अर्जित ब्याज	60.66	48.72

केंद्र सरकार के साथ भौतिक लेनदेन के संबंध में टिप्पणी संख्या 12, 21, 23, 35 और 49 देखें।

सरकारी संस्थाओं के साथ उपरोक्त लेन-देन व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। समूह ने अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) के साथ प्रशासनिक व्यय, सरकारी कार्यक्रमों पर व्यय आदि जैसे अन्य लेन-देन भी किए हैं। ये व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वहीन हैं, इसलिए इनका खुलासा नहीं किया गया है। सभी लेन-देन बाज़ार की शर्तों पर किए जाते हैं।

लेखा संबंधी टिप्पणियां

57.8 संबंधित पक्ष लेनदेन जहाँ अंतिम लाभार्थी सहायक कंपनी है, अर्थात आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड

(क) एनवीआईएल केबल्स प्राइवेट लिमिटेड

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
वचन पत्र की स्वीकृति	5.61	19.80
ऋण की स्वीकृति	119.71	119.71
ऋण का वितरण	33.51	83.79
ऋण की चुकौती	98.99	18.31

(ख) आरएस इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
ऋण स्वीकृति	-	57.96
ऋण वितरण	-	38.67
ऋण चुकौती	-	38.67

(ग) टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
ऋण स्वीकृति	-	48.06

(घ) ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
ऋण स्वीकृति	-	28.37

(ङ) ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
ऋण स्वीकृति	-	53.00

58. भारतीय लेखा मानक 116 'पट्टों' के संबंध में प्रकटीकरण

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान, अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय ₹12.44 करोड़ (पिछले वर्ष ₹8.23 करोड़) हैं। उपयोग-अधिकार परिसंपत्तियों सहित सभी पट्टों के लिए कुल नकद बहिर्वाह ₹12.44 करोड़ (पिछले वर्ष ₹8.25 करोड़) है।

नीचे पट्टा देयताओं (उधार के अंतर्गत शामिल) की वहन राशि और वर्ष के दौरान होने वाली गतिविधियां दी गई हैं:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रारंभिक राशि	-	0.02
वर्ष के दौरान अर्जित वित्तीय लागत	-	-
वर्ष के दौरान किए गए भुगतान	-	(0.02)
शेष राशि	-	-

59. भारतीय लेखा मानक 19 'कार्मिक लाभ' के अंतर्गत आवश्यक कार्मिक लाभ के लिए प्रकटीकरण:

59.1 परिभाषित अंशदान योजनाएँ

क परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति योजना

कंपनी पूर्व-निर्धारित दरों पर एनपीएस ट्रस्ट को सुपरएनुएशन योजना के लिए निश्चित अंशदान देती है, जो स्वीकृत प्रतिभूतियों में धनराशि का निवेश करता है। एनपीएस ट्रस्ट/अलग ट्रस्ट के पास शेष राशि में सदस्य के खाते में मासिक अंशदान और संचित प्रतिफल शामिल होते हैं। जब सदस्य को पेंशन देय हो जाती है, तो सदस्य के खाते में जमा राशि सदस्य द्वारा चुने गए संचय और वार्षिकी के लिए विनियोजित कर दी जाती है।

कंपनी ने परिभाषित अंशदान योजनाओं के लिए ₹11.08 करोड़ (पिछले वर्ष ₹8.95 करोड़) का व्यय निर्धारित किया है।

59.2 परिभाषित लाभ योजनाएँ - रोजगार-पश्चात लाभ

क. भविष्य निधि

कंपनी एक अलग पंजीकृत ट्रस्ट को पूर्व-निर्धारित दरों पर भविष्य निधि का एक निश्चित अंशदान देती है, जो इस निधि को अनुमत प्रतिभूतियों में निवेश करता है। ट्रस्ट, वर्ष के दौरान अपने निवेशों पर अर्जित प्रतिफल के आधार पर, कार्मिक भविष्य निधि संगठन द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम ब्याज दर के अधीन, सदस्यों के अंशदान पर ब्याज दर घोषित करता है। सदस्यों को ब्याज के भुगतान हेतु, ट्रस्ट के निवेशों पर अर्जित प्रतिफल और निर्दिष्ट ब्याज दर में किसी भी कमी की भरपाई कंपनी द्वारा की जाएगी। कंपनी का भविष्य निधि के प्रति दायित्व, कार्मिक लाभ पर इंड एस 19 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित और प्रदान किया जाता है। योजना परिसंपत्तियों और दायित्वों के उचित मूल्य का विवरण निम्नानुसार है:



लेखा संबंधी टिप्पणियां

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	313.04	297.79
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	317.40	298.03
निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	(4.36)	(0.24)

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रारंभिक राशि	297.79	276.16	298.03	281.00	(0.24)	(4.84)
लाभ या हानि में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	11.10	9.58	-	-	11.10	9.58
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-
ब्याज लागत/आय	24.01	22.63	24.17	23.12	(0.16)	(0.49)
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	35.11	32.21	24.17	23.12	10.94	9.09
ओसीआई में शामिल						
पुनर्मूल्यांकन हानि (लाभ)						
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	1.36	0.51	5.31	(4.57)	(3.95)	5.08
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	1.36	0.51	5.31	(4.57)	(3.95)	5.08
प्रतिभागियों द्वारा अंशदान	16.98	16.35	16.98	16.35	-	-
नियोक्ताओं द्वारा योगदान	-	-	11.10	9.58	(11.10)	(9.58)
अंतरित/अंतरित निवल देयता	9.97	14.80	9.97	14.80	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(48.16)	(42.24)	(48.16)	(42.25)	-	0.01
शेष राशि	313.05	297.79	317.40	298.03	(4.35)	(0.24)

ख उपदान

कंपनी की एक परिभाषित उपदान योजना है जिसका प्रबंधन एक अलग ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। प्रत्येक कार्मिक जिसने पाँच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा की है, वह सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन पर उपदान पाने का हकदार है, जो कि संशोधित उपदान भुगतान अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुसार, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, सेवा समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर अधिकतम ₹0.20 करोड़ तक हो सकती है। उपदान की देयता बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित की जाती है।

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	28.54	27.31
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	25.28	27.18
निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	3.26	0.13

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रारंभिक राशि	27.31	29.23	27.18	26.55	0.13	2.68
लाभ या हानि में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	1.34	1.08	-	-	1.34	1.08
पिछली सेवा लागत	2.73	-	-	-	2.73	-
ब्याज लागत/आय	1.78	1.99	1.93	1.94	(0.15)	0.05
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	5.85	3.07	1.93	1.94	3.92	1.13
ओसीआई में शामिल						

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पुनर्मूल्यांकन हानि (लाभ)						
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	0.76	0.40	-	-	0.76	0.40
- अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	(0.64)	(0.89)	-	-	(0.64)	(0.89)
ब्याज आय को छोड़कर योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल	-	-	0.78	0.51	(0.78)	(0.51)
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	0.12	(0.49)	0.78	0.51	(0.66)	(1.00)
नियोक्ता द्वारा अंशदान	-	-	0.13	2.68	(0.13)	(2.68)
भुगतान किए गए लाभ	(4.74)	(4.50)	(4.74)	(4.50)	-	-
शेष राशि	28.54	27.31	25.28	27.18	3.26	0.13

ग सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधा (पीआरएमएफ)

कंपनी के पास सेवानिवृत्त चिकित्सा सुविधा है जिसके अंतर्गत पात्र सेवानिवृत्त कर्मिकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कंपनी के नियमों के अनुसार कवर किया जाता है। इस योजना का वित्तपोषण कंपनी द्वारा किया जाता है और इसका प्रबंधन एक अलग ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। इसके लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित की जाती है।

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	176.86	171.28
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	211.64	194.83
निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	(34.78)	(23.55)

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में परिवर्तन

विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रारंभिक राशि	171.28	164.67	194.83	179.78	(23.55)	(15.11)
लाभ या हानि में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	6.60	5.10	-	-	6.60	5.10
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-
ब्याज लागत/आय	11.86	11.73	13.81	13.14	(1.95)	(1.41)
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	18.46	16.83	13.81	13.14	4.65	3.69
ओसीआई में शामिल						
पुनर्मूल्यांकन हानि (लाभ)						
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	(13.32)	(5.30)	-	-	(13.32)	(5.30)
- जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	14.65	8.28	-	-	14.65	8.28
ब्याज आय को छोड़कर योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल	-	-	2.89	1.85	(2.89)	(1.85)
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	1.33	2.98	2.89	1.85	(1.56)	1.13
प्रतिभागियों द्वारा योगदान	0.10	0.06	0.11	0.06	(0.01)	-
नियोक्ता द्वारा योगदान	-	-	-	-	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(14.31)	(13.26)	-	-	(14.31)	(13.26)
शेष राशि	176.86	171.28	211.64	194.83	(34.78)	(23.55)



लेखा संबंधी टिप्पणियां

घ आर्थिक पुनर्वास योजना (ईआरएस)

कंपनी के पास एक आर्थिक पुनर्वास योजना (ईआरएस) है जो किसी कार्मिक की सेवाकाल के दौरान स्थायी विकलांगता/मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। यह योजना वित्तपोषित नहीं है और देयता का निर्धारण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ईआरएस के लिए निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य		
- ईआरएस	6.70	4.92

ईआरएस के लिए निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में बदलाव

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक राशि	4.92	4.17
लाभ या हानि में शामिल		
वर्तमान सेवा लागत	0.39	0.30
ब्याज लागत/आय	0.33	0.28
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	0.72	0.58
ओसीआई में शामिल		
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	0.25	0.12
- अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	1.21	0.74
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	1.46	0.86
भुगतान किए गए लाभ	(0.40)	(0.69)
शेष राशि	6.70	4.92

59.2.1 जोखिम प्रकटन

अपनी परिभाषित लाभ योजनाओं के माध्यम से, कंपनी को कई जोखिमों का सामना करना पड़ता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण का विवरण नीचे दिया गया है:

(i) परिसंपत्ति अस्थिरता

योजना के अंतर्गत अधिकांश परिसंपत्ति निवेश सरकारी प्रतिभूतियों, उच्च रेटिंग वाली अन्य निश्चित आय प्रतिभूतियों और म्यूचुअल फंडों में हैं। इन परिसंपत्तियों का उचित मूल्य ब्याज दरों और अन्य बाजार एवं वृहद आर्थिक कारकों में परिवर्तन के कारण उतार-चढ़ाव के अधीन है।

(ii) छूट दर में परिवर्तन

परिभाषित लाभ योजना देनदारियों के वर्तमान मूल्य की गणना छूट दर का उपयोग करके की जाती है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्रतिफल के संदर्भ में निर्धारित होती है। छूट दर में कमी से परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में वृद्धि होगी, हालाँकि यह योजना के निवेशों के मूल्य में वृद्धि से आंशिक रूप से संतुलित हो जाएगी।

(iii) दीर्घायु जोखिम

परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य, योजना प्रतिभागियों की रोजगार के दौरान और उसके बाद मृत्यु दर के सर्वोत्तम अनुमान के आधार पर गणना की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से योजना की देयता भी बढ़ेगी।

(iv) वेतन जोखिम

परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य योजना प्रतिभागियों के भविष्य के वेतन के संदर्भ में गणना किया जाता है। इस प्रकार, योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि से योजना की देयता भी बढ़ जाएगी।

(v) कार्मिक टर्नओवर/निकासी जोखिम

परिभाषित लाभ योजना की देयता का वर्तमान मूल्य भविष्य में अपेक्षित निकासी दर के संदर्भ में परिकलित किया जाता है। इस प्रकार, यदि भविष्य में वास्तविक निकासी दर अपेक्षा से अधिक या कम होती है, तो इससे योजना की देयता में वृद्धि हो सकती है।

59.2.2 योजना परिसंपत्तियाँ

प्रत्येक श्रेणी के लिए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य निधि		उपदान		पीआरएमएफ	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
नकद और नकद समकक्ष	7.10	0.62	0.36	0.07	4.34	3.94
उद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ						
इकिटी उपकरण	23.81	20.53	1.02	0.99	-	-
राज्य सरकार ऋण प्रतिभूतियाँ	127.60	127.64	10.22	10.22	41.76	41.63
केंद्र सरकार ऋण प्रतिभूतियाँ	42.56	45.94	-	-	-	-
कॉर्पोरेट बॉण्ड/डिबेंचर	116.33	103.30	9.34	9.35	165.54	149.25
उप-योग - उद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ	310.30	297.41	20.58	20.56	207.30	190.88

लेखा संबंधी टिप्पणियां

विवरण	भविष्य निधि		उपदान		पीआरएमएफ	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
अउद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ						
अन्य - बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियाँ और टी-बिल	-	-	4.34	6.55	-	-
उप-योग - अउद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ	-	-	4.34	6.55	-	-
कुल	317.40	298.03	25.28	27.18	211.64	194.82

योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न ₹43.58 करोड़ है (पिछले वर्ष ₹40.56 करोड़)।

59.2.3 महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ

योजना परिसंपत्तियों का नवीनतम बीमांकिक मूल्यांकन और परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य 31 मार्च, 2025 तक मैसर्स ट्रांसवैल्यू कंसल्टेंट्स द्वारा किया गया। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य, और संबंधित वर्तमान सेवा लागत और पिछली सेवा लागत, अनुमानित इकाई ऋण पद्धति (पीयूसीएम) का उपयोग करके मापी गई। बीमांकिक मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त प्रमुख मान्यताएँ हैं:-

विवरण	भविष्य निधि		उपदान		पीआरएमएफ		ईआरएस	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रयुक्त विधि	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम
छूट दर	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल, यदि वित्त पोषित हो	8.26%	8.24%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%
भविष्य में वेतन वृद्धि / चिकित्सा मुद्रास्फीति			6.00%	6.00%	4.50%	5.50%	6.00%	6.00%
कार्मिकों का अपेक्षित औसत शेष कार्यकाल (वर्ष)			21.17	20.07	21.17	20.07	21.17	20.07
मृत्यु दर			आईएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएलएम (2012-14) अल्टीमेट
कार्मिक टर्नओवर / निकासी दर			0.01%	0.01%	0.01%	0.01%	0.01%	0.01%

मुख्य धारणाएँ छूट दर, वेतन वृद्धि दर और कार्मिकों के अपेक्षित औसत शेष कार्यकाल हैं। छूट दर आमतौर पर रिपोर्टिंग तिथि पर सरकारी बॉण्ड पर उपलब्ध बाजार प्रतिफल पर आधारित होती है, जिसकी अवधि देनदारियों से मेल खाती है और वेतन वृद्धि दर में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों को दीर्घकालिक आधार पर ध्यान में रखा जाता है। उपरोक्त जानकारी एक्चुअरी द्वारा प्रमाणित है।

59.2.4 संवेदनशीलता का विश्लेषण

अन्य मान्यताओं को स्थिर रखते हुए, प्रासंगिक बीमांकिक मान्यताओं में से किसी एक में रिपोर्टिंग तिथि पर यथोचित रूप से संभावित परिवर्तन, नीचे दर्शाई गई राशियों द्वारा परिभाषित लाभ दायित्व को प्रभावित करेगा:

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (0.50% परिवर्तन)				
- उपदान	(1.11)	1.21	(0.89)	0.97
- पीआरएमएफ	(8.87)	9.77	(9.23)	9.86
- ईआरएस	(0.36)	0.39	(0.20)	0.22
वेतन वृद्धि दर (0.50% वृद्धि)				
- उपदान	0.23	(0.15)	0.17	(0.17)
- पीआरएमएफ	-	-	-	-
- ईआरएस	0.24	(0.23)	0.18	(0.16)
चिकित्सा मुद्रास्फीति दर (0.50% उतार-चढ़ाव)				
- पीआरएमएफ	9.89	(9.04)	9.92	(9.06)
चिकित्सा लागत (10% वृद्धि)				
- पीआरएमएफ	17.64	(17.54)	17.24	(17.08)

उपरोक्त प्रस्तुत संवेदनशीलता विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है, क्योंकि यह असंभव है कि मान्यताओं में परिवर्तन एक दूसरे से अलग होकर घटित होगा, क्योंकि कुछ मान्यताएं सहसंबद्ध हो सकती हैं।

कंपनी सक्रिय रूप से निगरानी करती है कि निवेश की अवधि और अपेक्षित प्रतिफल, कार्मिक लाभ दायित्वों से उत्पन्न होने वाले अपेक्षित नकदी प्रवाह से कैसे मेल खा रहे हैं। निवेश अच्छी तरह से विविधीकृत हैं, जिससे किसी एक निवेश के विफल होने का समग्र परिसंपत्ति स्तर पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी द्वारा अपने जोखिमों के प्रबंधन हेतु प्रयुक्त प्रक्रिया में पूर्व अवधियों की तुलना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

59.2.5 भविष्य के वर्षों में परिभाषित लाभ योजनाओं की अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ में)

विवरण	उपदान		पीआरएमएफ		ईआरएस	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
1 वर्ष से कम	5.99	5.15	16.23	15.20	1.10	0.95
1 से 5 वर्ष तक	11.47	12.52	90.62	84.88	3.09	2.61
5 वर्ष से अधिक	44.85	37.67	422.40	329.93	6.30	5.21
कुल	62.31	55.34	529.25	430.01	10.49	8.77

59.2.6 अगले वर्ष के लिए प्रत्याशित अंशदान

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य निधि		उपदान		पीआरएमएफ	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रत्याशित अंशदान	-	-	5.14	1.48	-	-

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ योजना दायित्व की भारित औसत अवधि 12.51 वर्ष है (31.03.2024 तक 11.78 वर्ष है)।

59.3 अन्य दीर्घकालिक कार्मिक लाभ

59.3.1 अर्जित अवकाश और अर्ध-वेतन अवकाश

कंपनी कार्मिकों के खाते में अर्जित अवकाश लाभ और अर्ध-वेतन अवकाश लाभ प्रदान करती है, जो अर्ध-वार्षिक आधार पर क्रमशः 15 दिन और 10 दिन अर्जित होते हैं। सेवाकाल के दौरान किसी भी समय अधिकतम 300 दिन अर्जित अवकाश संचित किए जा सकते हैं, जबकि अर्ध-वेतन अवकाश के संचय की कोई सीमा नहीं है। इन कार्मिक लाभों पर कुल ₹ 10.85 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 8.58 करोड़) व्यय किए गए हैं और बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर लाभ-हानि विवरण में डेबिट किए गए हैं।

59.3.2 अन्य कार्मिक लाभ

दीर्घावधि सेवा पुरस्कार और निपटान भत्ते के लिए ₹ 1.27 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 2.15 करोड़) के व्यय को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर लाभ-हानि विवरण में डेबिट किया गया है।

59.4 कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी में प्रतिनियुक्ति/सेकंडमेंट आधार पर कार्यरत कार्मिकों के संबंध में उपदान, पीआरएमएफ, सेवांत लाभ, अवकाश नकदीकरण और अन्य कार्मिक लाभों सहित कार्मिक लाभ, कार्मिक लागत के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं।

59.5 कंपनी सभी सेवानिवृत्ति योजनाओं, अर्थात् अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ), उपदान, पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीएसएमबी/पीआरएमबी) का प्रबंधन समय-समय पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा निर्धारित समग्र सीमा के भीतर कर रही है।

60. राज्य विद्युत बोर्ड/यूटिलिटीज के विखंडन के बाद दस्तावेज़ीकरण की स्थिति

कुछ पूर्ववर्ती राज्य विद्युत बोर्ड (एसईबी), जिनके विरुद्ध ऋण बकाया थे या जिनकी ओर से गारंटी दी गई थी, का संबंधित राज्य सरकारों द्वारा पुनर्गठन किया गया था और पूर्व में नई संस्थाओं का गठन किया गया था। परिणामस्वरूप, पूर्ववर्ती राज्य विद्युत बोर्ड की देनदारियाँ नई संस्थाओं को हस्तांतरित हो गई हैं।

जम्मू और कश्मीर राज्य के पुनर्गठन के बाद दस्तावेज़ीकरण की स्थिति

जम्मू और कश्मीर राज्य के दो केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) - जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में विभाजन के बाद, पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य से संबंधित मौजूदा संस्थाओं का 23 अक्टूबर 2019 के विखंडन आदेश के तहत पुनर्गठन किया गया है। नए पुनर्गठित विभागों के साथ समझौतों के परिशिष्टों को अभी निष्पादित किया जाना है। ऐसे दस्तावेज़ों के निष्पादन तक, उत्पादन, टीएंडडी और सरकारी योजनाओं के लिए मौजूदा ऋणों का भुगतान/चुकाव मौजूदा ऋण समझौतों के अनुसार किया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश राज्य के पुनर्गठन के बाद दस्तावेज़ीकरण की स्थिति

पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश राज्य के पुनर्गठन के बाद, 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य का गठन किया गया। हालाँकि, परिसंपत्तियों और देनदारियों को औपचारिक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से संबंधित विद्युत उपयोगिताओं को हस्तांतरित किया जाना बाकी है।

दस्तावेज़ीकरण की स्थिति निम्नानुसार है:

- जहाँ भी पूर्ववर्ती एपीसीपीडीसीएल, एपीएनपीडीसीएल और एपीजीईएनसीओ को विभाजन से पहले ऋण स्वीकृत किए गए थे और दस्तावेज़ीकरण नहीं किया गया था, इन योजनाओं को नवगठित उपयोगिताओं के नाम पर पुनः स्वीकृत किया गया है और दस्तावेज़ीकरण औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और तदनुसार प्रभार को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) में पंजीकृत कर दिया गया है।
- जहाँ भी पूर्ववर्ती एपीसीपीडीसीएल, एपीएनपीडीसीएल के नाम पर विभाजन से पहले ऋण स्वीकृत किए गए थे और दस्तावेज़ीकरण औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई थीं और निकासी कर ली गई थी, इन योजनाओं में नाम परिवर्तित/नवगठित उपयोगिता से एक वचनबद्धता प्राप्त कर ली गई है और नई/नाम परिवर्तित उपयोगिता के नाम पर उधारकर्ता का नाम बदलकर नवगठित उपयोगिता को संवितरण कर दिया गया है।
- जहाँ भी पूर्ववर्ती एपीसीपीडीसीएल, एपीएनपीडीसीएल के नाम पर विभाजन से पहले ऋण स्वीकृत किया गया था और सरकारी गारंटी के साथ दस्तावेज़ीकरण औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई थीं और निकासी कर ली गई थी, इन योजनाओं के लिए आगे का दस्तावेज़ीकरण राजपत्र अधिसूचना द्वारा किया जाएगा।
- एक बार जब सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अंतिम हस्तांतरण योजना अधिसूचित कर दी जाती है, जिसमें विद्युत उपयोगिताओं के बीच परिसंपत्तियों और देनदारियों के हस्तांतरण का विधिवत उल्लेख होता है, तो नई/परिवर्तित नाम वाली उपयोगिताओं के सभी बकाया ऋणों के संबंध में दस्तावेज़ीकरण औपचारिकताओं के निष्पादन की कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी। तब तक, ब्याज/मूलधन के भुगतान की मांग को उपयोगिताओं द्वारा अलग किया जा रहा है और संबंधित भागों का भुगतान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की उपयोगिताओं द्वारा किया जा रहा है।

टीएनजीईडीसीओ के तीन भागों में विभाजन के बाद दस्तावेज़ीकरण की स्थिति

तमिलनाडु सरकार ने 24 जनवरी, 2024 के जी.ओ. संख्या 6 और जी.ओ. संख्या 7 के तहत टीएनजीईडीसीओ को तीन संस्थाओं में विभाजित करने का आदेश दिया, यानी (i) मौजूदा कंपनी टीएनजीईडीसीओ का नाम बदलकर तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनपीडीसीएल) कर दिया जाएगा और यह वितरण

लेखा संबंधी टिप्पणियां

व्यवसाय जारी रखेगी (ii) थर्मल और गैस पावर उत्पादन व्यवसाय के लिए तमिलनाडु पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (टीएनपीजीसीएल) का गठन और (iii) ग्रीन पावर उत्पादन व्यवसाय के लिए तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनजीईसीएल)। इसके अनुसरण में, दो नई संस्थाएँ, टीएनपीजीसीएल और टीएनजीईसीएल, क्रमशः 09.02.2024 और 10.02.2024 को गठित की गईं।

इसके बाद, तमिलनाडु सरकार ने 6 मार्च, 2024 के सरकारी आदेश संख्या 32 के तहत तीन कंपनियों, अर्थात् टीएनपीजीसीएल, टीएनजीईसीएल और टीएनपीडीसीएल के बीच परिसंपत्तियों और देनदारियों के अंतिम हस्तांतरण का आदेश दिया। आदेश के अनुसार, परिसंपत्तियों और देनदारियों का हस्तांतरण एक वर्ष के लिए अंतिम प्रकृति का है और परिसंपत्तियों और देनदारियों के अंतिम हस्तांतरण की सूचना बाद में दी जाएगी।

उपरोक्त अधिसूचनाओं के अनुसार, 29 मई 2024 को (i) आरईसी, टीएनजीईडीसीओ और टीएनजीईसीएल (पूर्ववर्ती टीएनजीईडीसीओ के हरित ऊर्जा ऋणों के संबंध में) और (ii) आरईसी, टीएनजीईडीसीओ और टीएनपीजीसीएल (पूर्ववर्ती टीएनजीईडीसीओ के तापीय और गैस विद्युत व्यवसाय के संबंध में) के बीच त्रिपक्षीय समझौते किए गए, जिसके तहत टीएनजीईसीएल और टीएनपीजीसीएल ने आरईसी द्वारा पूर्व टीएनजीईडीसीओ के साथ निष्पादित ऋण दस्तावेजों के अनुसार अपनी ऋण राशि के संबंधित हिस्से का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। नई संस्थाओं के साथ अंतिम दस्तावेजीकरण तमिलनाडु सरकार द्वारा जारी अंतिम अधिसूचना के आधार पर संबंधित संस्थाओं के साथ किया जाएगा।

61 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में संशोधन

कंपनी ने 31-03-2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान अपनाई गई उन्हीं लेखांकन नीतियों का पालन जारी रखा है और टिप्पणी संख्या 3.7 में निवेश संपत्ति और टिप्पणी संख्या 3.12 में बट्टे खाते में डाली गई वित्तीय परिसंपत्तियों से वसूली संबंधी लेखांकन नीतियों को जोड़ा है। इसके अलावा, कुछ लेखांकन नीतियों को और अधिक स्पष्टता लाने और कंपनी की कार्यप्रणाली के अनुरूप बनाने के लिए पुनःशब्दबद्ध किया गया है। लेखांकन नीतियों में किए गए ऐसे संशोधन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है।

62 प्रावधान, आकस्मिकताएं और हानि हानि भत्ते लाभ और हानि के समेकित विवरण में डेबिट किए गए

		(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
(i) ऋणों के लिए क्षति हानि भत्ता*	886.24	(1,367.07)	
(ii) निवेशों के लिए क्षति हानि भत्ता	3.26	-	
(iii) अन्य प्राप्तियों के लिए क्षति हानि भत्ता	129.91	8.68	
(iv) आयकर के लिए प्रावधान	4,146.57	3,761.43	

* इसमें सुविधा पत्र (लेटर ऑफ कम्फर्ट) पर क्षति भत्ते के लिए ₹ -13.54 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 16.14 करोड़) शामिल हैं।

63 कंपनी का संचालन केवल एक ही व्यावसायिक खंड - बिजली, रसद और बुनियादी ढाँचा क्षेत्र को ऋण प्रदान करने तक सीमित है। इसलिए, भारतीय लेखा मानक (इंड-एस) 108 "परिचालन खंड" के अनुसार कोई अन्य रिपोर्ट योग्य खंड नहीं है। इंड-एस 108 में परिभाषित "प्रबंधन दृष्टिकोण" के आधार पर, मुख्य परिचालन निर्णयकर्ता एक व्यावसायिक खंड के विभिन्न कारकों के विश्लेषण के आधार पर कंपनी के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है।

63.1 प्रमुख उत्पादों और सेवाओं से प्राप्त राजस्व के बारे में जानकारी

		(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
क ऋण परिसंपत्तियों से आय	54,660.83	45,954.08	
ख सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु शुल्क	53.79	114.49	
ग राजकोषीय परिचालनों से आय	730.62	572.27	
कुल	55,445.24	46,640.84	

63.2 समूह का कोई रिपोर्ट योग्य भौगोलिक क्षेत्र नहीं है क्योंकि समूह का प्राथमिक संचालन देश के भीतर ही किया जाता है।

63.3 वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2023-24 के दौरान किसी भी एक उधारकर्ता ने कंपनी के राजस्व में 10% या उससे अधिक का योगदान नहीं दिया है।

63.4 आरबीआई के स्केल आधारित विनियमों और कंपनी की लेखा नीति के अनुरूप और विवेकपूर्ण आधार पर, प्रावधान के बाद निवल ब्याज आय (चरण III) ऋण क्षतिग्रस्त ऋण आस्तियाँ (पिछले वर्ष ₹4,356.53 करोड़) मान्यता प्राप्त नहीं हैं।



लेखा संबंधी टिप्पणियां

64. परिसंपत्ति और देनदारियों के अंतर्गत प्रत्येक पंक्ति मद के लिए 12 महीने और उसके बाद वसूल/निपटान की जाने वाली अपेक्षित राशि

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	12 महीनों में	12 से अधिक महीनों में	12 महीनों में	12 से अधिक महीनों में
परिसंपत्तियाँ				
(1) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
क नकद और नकद समतुल्य	54.69	-	46.26	-
ख उपरोक्त (क) के अलावा अन्य बैंक शेष	1,695.15	-	2,452.44	-
ग व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण	2,637.20	14,794.98	1,995.61	10,486.41
घ व्यापार और अन्य प्राप्य राशियाँ	1.99	-	2.78	-
ङ ऋण	1,00,475.55	4,58,612.53	84,849.07	4,14,342.98
च निवेश	156.00	6,485.62	113.21	5,207.10
छ अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	432.51	24,171.17	267.42	24,154.32
कुल - वित्तीय परिसंपत्तियाँ (1)	1,05,453.09	5,04,064.30	89,726.79	4,54,190.81
(2) गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
क चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	-	398.98	-	294.42
ख आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	-	2,852.75	-	2,485.46
ग निवेश परिसंपत्ति	-	48.24	-	-
घ संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	-	578.16	-	630.21
ङ पूँजीगत कार्य प्रगति पर	-	76.01	-	23.59
च अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	1.84	-	0.52
छ अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ	82.10	-	88.54	-
कुल - गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ (2)	82.10	3,955.98	88.54	3,434.20
(3) बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियाँ	0.01	-	0.05	-
कुल परिसंपत्तियाँ (1+2+3)	1,05,535.20	5,08,020.28	89,815.38	4,57,625.01
देयताएँ				
(1) वित्तीय देयताएँ				
क व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण	844.66	825.40	338.08	421.62
ख व्यापार और अन्य देयताएँ	34.60	-	18.91	-
ग ऋण प्रतिभूतियाँ	33,578.27	2,58,896.66	48,241.27	2,17,868.65
घ उधार (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	51,565.83	1,42,734.33	43,071.37	1,29,020.68
ङ अधीनस्थ देयताएँ	333.79	9,180.37	321.21	7,091.00
च अन्य वित्तीय देयताएँ	13,415.36	24,109.30	7,712.45	24,109.30
कुल - वित्तीय देयताएँ (1)	99,772.52	4,35,746.05	99,703.29	3,78,511.25
(2) गैर-वित्तीय देयताएँ				
क वर्तमान कर देयताएँ (निवल)	-	-	66.51	-
ख प्रावधान	70.22	66.57	79.57	57.00
ग अन्य गैर-वित्तीय देयताएँ	175.29	86.86	145.55	94.07
कुल - गैर-वित्तीय देयताएँ (2)	245.51	153.43	291.63	151.07
कुल देयताएँ (1+2)	1,00,018.03	4,35,899.48	99,994.92	3,78,662.32

65. पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्गीकरण के अनुरूप पुनर्वर्गीकृत/पुनर्गठित किया गया है।

66. कंपनी द्वारा प्रायोजित कोई ऑफ-बैलेंस शीट एसपीवी नहीं है, जिसे लेखांकन मानदंडों के अनुसार समेकित किया जाना आवश्यक है।

67. कंपनी के पास विदेश में संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनियों के रूप में कोई विदेशी संपत्ति नहीं है।

68. मास्टर निर्देश - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023 के तहत आवश्यक खुलासे टिप्पणी संख्या 3, 8, 10, 11, 22.1, 28, 29.1, 46, 49, 50, 50.1.3 (एम), 50.1.3 (एन), 50.1.3 (ओ), 50.1.3 (पी), 50.1.3 (क्यू), 50.1.3 (आर), 50.1.3 (एस), 50.1.3 (टी), 50.1.3 (यू), 50.1.3 (वी), 50.2.2, 50.2.4, 50.3, 51, 52, 53, 54, 57, 61, 62, 63, 66 में किए गए हैं। 67, 69, 71.

लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

- 69.** 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान किसी भी नियामक द्वारा कंपनी पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है (पिछले वर्ष शून्य)। हालाँकि, वर्ष के दौरान, कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बीएसई लिमिटेड (बीएसई) से सूचनाएं प्राप्त हुए हैं, जिसमें स्वतंत्र निदेशकों की अपर्याप्त संख्या के कारण बोर्ड/समितियों की स्थिति/कोरम आवश्यकताओं के संबंध में सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 की कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकताओं का पालन न करने के लिए कुल ₹0.18 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.43 करोड़) (जीएसटी सहित) का जुर्माना लगाया गया है।
- कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है क्योंकि कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है और कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं कर सकता। इस प्रकार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की ओर से कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। कंपनी को उम्मीद है कि आवश्यकता का अनुपालन करने के बाद बीएसई और एनएसई द्वारा पहले की गई जुर्माना माफी के अनुरूप स्टॉक एक्सचेंजों को दिए गए उसके अनुरोध का अनुकूल परिणाम मिलेगा।
- 70.** वर्ष के दौरान, कंपनी का 31 मार्च 2025 तक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 के अंतर्गत बंद की गई कंपनियों के साथ कोई लेन-देन नहीं है (31 मार्च 2024 तक - शून्य)।
- 71.** 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी को ग्राहकों या लोकपाल कार्यालयों से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है (पिछले वर्ष शून्य)।
- 72.** जब तक स्पष्ट रूप से न कहा गया हो, में आंकड़ों को दो दशमलव के साथ निकटतम करोड़ में पूर्णांकित किया गया है।
- लेखा संबंधी टिप्पणियाँ 1 से 73 तुलन-पत्र और लाभ-हानि के विवरण का एक अभिन्न भाग हैं।

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



आरईसी लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय - कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003, सीआईएन: L40101DL1969GOI005095

31 मार्च 2025 तक की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के साथ संलग्न किया जाने वाला अनुलपक

(भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित)

(आरबीआई (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) दिशा-निर्देश दिनांक 19.10.2023 के अनुलपक-VIII में दिए गए विवरण, समय-समय पर अद्यतन किए गए हैं, जहां तक वे कंपनी पर लागू होते हैं)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
	बकाया राशि	अतिदेय राशि	बकाया राशि	अतिदेय राशि
देयता पक्ष:				
(1) एनबीएफसी द्वारा लिए गए ऋण और अग्रिम				
जिसमें उस पर उपचित लेकिन अदा न किया गया ब्याज शामिल हैं:				
(क) डिबेंचर/बॉण्ड:				
- प्रतिभूत	54,765.34	-	55,244.21	-
- अप्रतिभूत	2,47,816.42	-	2,19,135.12	-
(ख) सावधिक ऋण				
- एनएसएसएफ से अप्रतिभूत ऋण	10,325.12		10,325.12	
- बैंको से अप्रतिभूत ऋण	41,887.00		50,620.49	
- वित्तीय संस्थाओं से अप्रतिभूत ऋण	2,500.00		8,072.29	
(ग) कमर्शियल पेपर	-	-	-	-
(घ) अन्य ऋण				
- विदेशी मुद्रा उधारियां	95,172.85	-	67,597.00	-
- एफसीएनआर (बी) ऋण	43,200.30	-	25,151.29	-
- बैंक से ओवरड्राफ्ट्स	570.78	-	267.44	-
- अल्पावधि ऋण / मांग पर ऋण प्रतिदेय	1,600.32		10,883.04	
- पट्टा दायित्व	-		-	
परिसंपत्ति पक्ष:				
(2) प्राप्य बिलों सहित ऋणों और अग्रिमों का अलग-अलग ब्योरा				
(क) प्रतिभूत		5,25,654.96		4,72,151.03
(ख) अप्रतिभूत		41,228.32		37,219.92
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		(10,795.76)		(12,380.52)
ऋण और अग्रिम (प्रावधान का निवल)		5,56,087.52		4,96,990.43
(3) निवेश :				
लागत/परिशोधित लागत पर किया गया निवेश:				
उद्धृत:				
(i) शेयर: इक्विटी		-		-
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड		3,346.91		1,930.03
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		2.31		-
उद्धृत डिबेंचर और बॉण्ड (प्रावधान का निवल)		3,344.60		
(iii) सरकारी प्रतिभूतियां		1,621.86		1,624.08
गैर-उद्धृत :				
(i) शेयर: इक्विटी		0.10		0.10
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड्स		230.41		214.06
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		0.95		-
गैर-उद्धृत डिबेंचर और बॉण्ड (प्रावधान का निवल)		229.46		

विवरण	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
	बकाया राशि	अतिदेय राशि	बकाया राशि	अतिदेय राशि
(iii) सरकारी प्रतिभूतियां		-		-
(iv) अधिमानित शेयर		28.72		28.72
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		(28.72)		(28.72)
गैर-उद्धृत अधिमानित शेयर (प्रावधान का निवल)		-		-
उचित मूल्य पर मापित निवेश:				
उद्धृत :		176.68		170.28
(i) शेयर: इक्विटी		968.18		947.94
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड				
गैर-उद्धृत:				
(i) शेयर:इक्विटी		300.74		316.73
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड		-		117.09

(4) उपरोक्त (2) में वित्तपोषित परिसंपत्तियों के उधारकर्ता का समूह-वार वर्गीकरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रावधानों की निवल राशि			
	प्रतिभूत	अप्रतिभूत	प्रावधान	कुल
31.03.2025 तक				
1. संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
(क) अनुषंगी कंपनियां	-	-	-	-
(ख) एक ही समूह की कंपनियां	-	-	-	-
(ग) अन्य संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
2. संबंधित से भिन्न पक्षकार	5,25,654.96	41,228.32	(10,795.76)	5,56,087.52
कुल	5,25,654.96	41,228.32	(10,795.76)	5,56,087.52
31.03.2024 तक				
1. संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
(क) अनुषंगी कंपनियां	-	-	-	-
(ख) एक ही समूह की कंपनियां	-	-	-	-
(ग) अन्य संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
2. संबंधित से भिन्न पक्षकार	4,72,151.03	37,219.92	(12,380.52)	4,96,990.43
कुल	4,72,151.03	37,219.92	(12,380.52)	4,96,990.43

(5) शेयरों एवं प्रतिभूतियों (उद्धृत एवं गैर-उद्धृत दोनों) में निवेशों (चालू और दीर्घावधि) के निवेशक का समूह-वार वर्गीकरण:

(₹ करोड़ में)

श्रेणी	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
	बाजार मूल्य/ विवरण या उचित मूल्य या एनएवी	बही मूल्य (प्रावधान का निवल)	बाजार मूल्य/ विवरण या उचित मूल्य या एनएवी	बही मूल्य (प्रावधान का निवल)
1. संबंधित पक्षकार				
(क) अनुषंगी कंपनियां	0.10	0.10	0.10	0.10
2. संबंधित से भिन्न पक्षकार	6,884.59	6,641.52	5,283.78	5,320.21
कुल	6,884.69	6,641.62	5,283.88	5,320.31



(6) अन्य जानकारी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
(i) सकल क्रेडिट – इंपेयर्ड परिसंपत्तियां		
(क) संबंधित पक्षकार	-	-
(ख) संबंधित से भिन्न पक्षकार	7,652.65	13,810.33
(ii) निवल क्रेडिट – इंपेयर्ड परिसंपत्तियां		
(क) संबंधित पक्षकार	-	-
(ख) संबंधित से भिन्न पक्षकार	2,163.17	4,356.53
(iii) ऋण की संतुष्टि हेतु अधिगृहीत परिसंपत्तियां	130.43	394.18

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं. : 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं. : 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
आरईसी लिमिटेड के सदस्य
समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के संबंध में रिपोर्ट

राय

हमने आरईसी लिमिटेड (इसके पश्चात “धारक कंपनी” के रूप में संदर्भित) (धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियों को मिलाकर “समूह” के रूप में संदर्भित) कंपनी के समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को संलग्न किया है जिसमें 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि विवरणों (अन्य व्यापक आय सहित), इकिटी में परिवर्तन की समेकित विवरणों और तब समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित नकद प्रवाह विवरणों और समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के टिप्पणी जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार (इसके पश्चात “समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों” के रूप में संदर्भित) शामिल है, की लेखापरीक्षा की है।

हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों कंपनी अधिनियम, 2013 (“अधिनियम”) द्वारा जिस प्रकार से अपेक्षित हो, इस प्रकार से सूचना देती है और कंपनी की दिनांक 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार समेकित लाभ (अन्य व्यापक आय सहित), इकिटी में समेकित परिवर्तन और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए उसके समेकित नकद प्रवाह तथा इसके सार की समेकित स्थिति का भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

राय का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत उल्लिखित लेखापरीक्षा संबंधी मानकों (एसए) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारी जिम्मेदारी का आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के दायित्वों में उल्लेख किया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार इस समूह से स्वतंत्र हैं और हमने इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अपने अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमारा विश्वास है कि लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य को हमने प्राप्त किया है तथा हमारे विचार के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

मुख्य लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले (“केएएम”) वे मामले हैं जो हमारे व्यवसायिक निर्णय में, वर्तमान वर्ष की समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे अधिक महत्व रखते थे। इन मामलों का समाधान सम्पूर्ण रूप में समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उसके संबंध में अपनी राय बनाने में किया गया था और हम इन मामलों पर अलग से कोई विचार नहीं रखते हैं। हमने नीचे उल्लिखित निम्नलिखित मामलों का निर्धारण अपनी रिपोर्ट में संसूचित किए जाने के लिए मुख्य लेखापरीक्षा मामले के रूप में किया है:

क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामले	लेखापरीक्षक की प्रतिक्रिया
1.	ऋण परिसंपत्तियों का हानि भत्ता – (लेखांकन नीति सं. 3.14 के साथ पठित समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 52.1.3 के संदर्भ में) कंपनी एक निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित कार्यप्रणाली का पालन करती है, जिसमें भत्ते का मूल्यांकन, हानि के साक्ष्य के स्तर एवं क्रेडिट जोखिम के आधार पर विभिन्न चरणों में परिसंपत्तियों को वर्गीकृत करने वाले कुछ मानदंड/रूपरेखा पर आधारित हानि के लिए एक बाह्य एजेंसी द्वारा किया जाता है। हानि भत्ते को डिफॉल्ट संभावना के उत्पाद, डिफॉल्ट में प्रकटन तथा हानि भत्ते के मूल्यांकन हेतु मुख्य मापदंड के नाते में दी गई डिफॉल्ट हानि के रूप में मापा जाता है। हानि भत्ते के मूल्यांकन हेतु अंतर्निहित मुख्य संकेतकों को प्रबंधन द्वारा नियमित आधार पर मूल्य निरूपित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रबंधन ने अंगीकृत उपरोक्त मॉडल के अलावा एक कार्यप्रणाली को अपनाया है, जिससे प्रत्येक मामले के अनुसार और छानबीन की जाती है तथा हानि प्रभाव में परिवर्तन करने की आवश्यकता होने पर, उसे वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाता है।	इस संबंध में, हमने निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को लागू किया है: क) ऋण परिसंपत्तियों की निगरानी के संबंध में प्रमुख आंतरिक नियंत्रण तंत्र का मूल्यांकन और परीक्षण, प्रासंगिक डेटा गुणवत्ता के परीक्षण सहित ऋण हानि का आकलन, और दर्ज किए गए वास्तविक डेटा की समीक्षा। ख) हमने बाह्य एजेंसी की रिपोर्ट प्राप्त कर ली है और हानि भत्ते के संबंध में कंपनी के आंतरिक दिशा-निर्देशों और प्रक्रियाओं के साथ-साथ विभिन्न नियामक अपडेट के साथ मानदंड/ढाँचे का सत्यापन कर लिया है। ग) वसूली/निष्पादन पहलुओं की निगरानी के संबंध में कुल ऋण के बड़े हिस्से को शामिल करते हुए नमूना जांच के आधार पर ऋण परिसंपत्तियों का सत्यापन और उस पर प्रबंधन की धारणा पर विचार करते हुए ऋण हानि का आकलन। घ) वसूली के स्तर का पता लगाने के लिए मानक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए वसूली सत्यापित की जाती है। ऋण शेष की पुष्टि की जाती है और प्रमुख नियंत्रण मापदंडों के साथ उधारकर्ता की गुणवत्ता का मूल्यांकन और परीक्षण किया जाता है। ङ) ऋण परिसंपत्तियों के कार्यनिष्पादन के आधार पर हानि का आकलन हमें उपलब्ध कराए गए अभिलेख पर संबंधित साक्ष्यों के आधार पर किया जाता है। च) हमने प्रबंधन के साथ, जहाँ भी अंतर्निहित कमजोरी देखी गई है, चर्चा की है और ऐसे मामलों में प्रबंधन मूल्यांकन को गहन रूप से किया जाता है।
2.	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स का उचित मूल्यांकन (टिप्पणी संख्या 8 को लेखांकन नीति संख्या 3.13 के साथ पठित स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरण देखें) कंपनी अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार अपनी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए आरबीआई दिशा-निर्देशों के अनुसार डेरिवेटिव अनुबंध में प्रवेश करती है। व्युत्पन्न अनुबंधों को या तो लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर या नकदी प्रवाह बचाव(हेज अकाउंटिंग) के तहत वर्गीकृत किया जाता है। एफवीटीपीएल में वर्गीकृत व्युत्पन्न पर मार्क टू मार्केट लाभ/हानि को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है और नकदी प्रवाह हेज को अन्य व्यापक आय में मान्यता दी गई है। वित्तीय विवरणों को ध्यान में रखते हुए हमने व्युत्पन्न इन्स्ट्रूमेंट्स के उचित मूल्यांकन को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामला माना है।	हमने इस संबंध में निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रिया लागू की है : क) प्रबंधन की धारणा पर चर्चा करना और समझना और जोखिम प्रबंधन के लिए कंपनी की नीति का अध्ययन करना। ख) इंड एस 109 की अवधि में व्युत्पन्न के उचित मूल्य का सत्यापन। ग) व्युत्पन्न उपकरणों के वर्गिकरण पर प्रमुख आंतरिक नियंत्रण का मूल्यांकन घ) कंपनी प्रतिपक्ष बैंकों से व्युत्पन्न का उचित मूल्य प्राप्त करती है। हमारी प्रक्रिया में 31 मार्च, 2025 तक बकाया विभिन्न वित्तीय व्युत्पन्न अनुबंधों के विवरण और उस पर उचित मूल्य का मूल्यांकन शामिल है। ङ) इसके अतिरिक्त हमने नकदी प्रवाह हेज के तहत व्युत्पन्न अनुबंधों के मामले में लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय के विवरण में व्युत्पन्न अनुबंधों के मार्क टू मार्केट आधार पर लाभ या हानि के लेखांकन का सत्यापन किया। च) इंड एस 109 के अनुसार प्रबंधन द्वारा प्रकटीकरण की उपयुक्तता और पर्याप्तता की समीक्षा की गई।



आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्ववर्ती आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड), जो एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है, के वित्तीय विवरण पर संघटक लेखापरीक्षक द्वारा दिनांक 03 मई 2025 की उनकी रिपोर्ट के माध्यम से लेखापरीक्षा की राय के संबंध में निम्नलिखित मुख्य लेखापरीक्षा मामले संसूचित किए गए और हमारे द्वारा निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत किए गए हैं:

क्र. सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	लेखापरीक्षक की प्रतिक्रिया
1.	क) ऋण हानि के जोखिम को ध्यान में रखते हुए प्राप्य खाते का मूल्यांकन (टिप्पणी संख्या 44 “वित्तीय उपकरण” और टिप्पणी संख्या 12 “व्यापार प्राप्य” देखें) 31 मार्च, 2025 तक कंपनी के वित्तीय विवरणों में प्राप्य खाता एक महत्वपूर्ण मद है और प्राप्य पर ऋण हानि का अनुमान लगाने के लिए उपयोग की जाने वाली धारणाएं एक ऐसा क्षेत्र है जो प्रबंधन के निर्णय से प्रभावित होता है। कंपनी क्रेडिट जोखिम, परियोजना की स्थिति, पिछले इतिहास और ग्राहक के साथ नवीनतम चर्चा/पत्राचार के आधार पर अनुमानित क्रेडिट हानि का आकलन करती है। वित्तीय विवरणों में इन प्राप्य राशियों के सापेक्ष महत्व और प्राप्य राशियों की वसूली का आकलन करने के लिए शामिल लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति और सीमा को देखते हुए, हमने इसे एक महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामला माना है। ख) व्यापार देय शेष की सटीकता और पूर्णता शेष राशि के महत्व और संबद्ध जोखिम के कारण 31 मार्च 2025 तक देय व्यापार की सटीकता और पूर्णता को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामला माना गया।	प्रधान लेखापरीक्षा प्रक्रिया हमारी लेखापरीक्षा में प्राप्य राशियों के प्रावधान के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया को शामिल किया गया: - कंपनी की लेखांकन नीति को समझा और उसका मूल्यांकन किया। - हमने डिजाइन का मूल्यांकन किया तथा अनुमानित ऋण हानि के निर्धारण के संबंध में प्रमुख नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया। - प्राप्य राशि की संग्रहणीयता की स्थिति के संबंध में वरिष्ठ प्रबंधन से पूछताछ की गई। - सामग्री शेष के लिए, प्रबंधन के साथ प्रावधान के आधार पर चर्चा की गई। - समय के साथ क्रेडिट हानि प्रभार के स्तर पर विचार करके अपेक्षित क्रेडिट हानि का निर्धारण करने के लिए प्रबंधन द्वारा उपयोग की गई जानकारी का मूल्यांकन और चुनौती दी गई। - भौतिक अंतरों के लिए प्रबंधन द्वारा किए गए समाधान की समीक्षा करना।
2.	भारतीय लेखांकन मानक 115 “ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व” को अपनाने के मद्देनजर राजस्व और अन्य संबंधित शेष की मान्यता, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की सटीकता नए राजस्व लेखांकन मानक के अनुप्रयोग में विशिष्ट प्रदर्शन दायित्वों का अभिचिह्नन, अभिचिह्नित प्रदर्शन दायित्वों के लेन-देन मूल्य का निर्धारण, एक अवधि में स्वीकृत राजस्व को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले आधार की उपयुक्तता से संबंधित कुछ प्रमुख निर्णय शामिल हैं। वित्तीय विवरणों का टिप्पणी 3.2 और 39 देखें।	प्रमुख लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं हमने नये राजस्व लेखांकन मानक को अपनाने के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। हमने निम्नलिखित प्रक्रियाएं अपनाईं - नये राजस्व लेखांकन मानक के कार्यान्वयन से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन को समझना। - जारी और नए अनुबंधों के नमूने चुने गए और विशिष्ट निष्पादन दायित्वों की पहचान और लेनदेन मूल्य के निर्धारण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया। हमने इन नियंत्रणों के संचालन के संबंध में पूछताछ और अवलोकन, पुनः निष्पादन और साक्ष्यों के निरीक्षण से जुड़ी प्रक्रियाओं का एक संयोजन किया। - चल रही परियोजनाओं के पूरा होने के चरण और राजस्व के संबंध में, हमने कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों की रिपोर्टों पर भरोसा किया है क्योंकि हमारे पास वह तकनीकी विशेषज्ञता नहीं थी। - जारी और नए अनुबंधों का एक नमूना चुना गया और निम्नलिखित प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं: - इन अनुबंधों में विशिष्ट निष्पादन दायित्वों को पढ़ें, उनका विश्लेषण करें और उनकी पहचान करें। - इस निष्पादन दायित्व की तुलना कंपनी द्वारा पहचाने गए और दर्ज किए गए दायित्व से की गई। - विचार के आकलन के आधार का परीक्षण करने के लिए किसी भी परिवर्तनीय विचार सहित लेनदेन मूल्य निर्धारित करने के लिए अनुबंध की शर्तों पर विचार किया गया। - निश्चित मूल्य अनुबंधों से संबंधित नमूनों के संबंध में, रिकॉर्ड किए गए राजस्व की गणना करने के लिए उपयोग किए गए निष्पादन दायित्व की संतुष्टि की दिशा में प्रगति को कंपनी के परियोजना विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए अनुबंधों की शर्तों और कार्य की स्थिति के साथ सत्यापित किया गया था। - प्रकार और सेवा पेशकश के आधार पर अलग-अलग राजस्व के नमूने का परीक्षण अंतर्निहित अनुबंधों में निर्दिष्ट निष्पादन दायित्वों के साथ किया गया। - प्रकार और सेवा पेशकश के आधार पर प्रकट किए गए राजस्व की तर्कसंगतता के लिए विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों और उस पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट को छोड़कर सूचना

कंपनी के निदेशक मण्डल अन्य जानकारी के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में वार्षिक रिपोर्ट में निदेशक की रिपोर्ट, निगमित सुशासन की रिपोर्ट, व्यवसाय उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट और प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण आदि शामिल है, किंतु इसमें समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण और उन पर हमारी लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट सम्मिलित नहीं है। हमें ऐसी अन्य जानकारी, इस लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि के उपरांत प्राप्त होना प्रत्याशित है।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे विचार में अन्य सूचना शामिल नहीं होती है और हम उस पर आश्वासन संबंधी निष्कर्ष के किसी रूप को व्यक्त नहीं करेंगे।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी ऊपर में पहचान की गई अन्य सूचना, जब यह उपलब्ध हो जाए, को पढ़ना है और ऐसा करते हुए इस तथ्य पर भी विचार करना है कि क्या अन्य सूचना वास्तविक रूप से समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के अनुरूप है अथवा इस लेखापरीक्षा में प्राप्त की गई जानकारी अथवा अन्य प्रकार से उसका वस्तुगत रूप से गलत उल्लेख किया गया प्रतीत होता है।

यदि, हमने जो कार्य किया है उसके आधार पर हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें वस्तुगत रूप से गलत उल्लेख किया गया है तब यह अपेक्षित होता है कि हम इस तथ्य को रिपोर्ट करें।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का दायित्व

धारक कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मण्डल अधिनियम की अपेक्षाओं के संबंध में, इन समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने और उसे प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार है, जो समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय कार्य निष्पादन (अन्य व्यापक आय सहित), इकट्टी में समेकित परिवर्तन और यथासंशोधित ("भारतीय लेखांकन मानक") कंपनी नियमावली (भारतीय लेखांकन मानक), 2015 के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत उल्लिखित लेखांकन मानकों सहित भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार इस समूह के समेकित नकद प्रवाह का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हो। कंपनी के अलग-अलग निदेशक बोर्ड, जो इस समूह और जालसाजी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उसका पता लगाने तथा इस समूह की परिसंपत्तियों की रक्षा करने; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन करने और उनका प्रयोग करने; उन निर्णयों और अनुमानों जो उचित और विवेकपूर्ण हो, को तय करने; और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों जो भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देता हो तथा जो वास्तविक गलत कथन से मुक्त हो, चाहे वह जालसाजी अथवा त्रुटि के कारण हुआ हो और जिसका उपयोग ऊपर में उल्लेख किए गए अनुसार धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने के उद्देश्य से किया गया हो, को प्रस्तुत करने तथा तैयार करने से संबंधित लेखांकन रिकॉर्ड्स की सत्यता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर रहे थे, के डिज़ाइन, कार्यान्वयन और अनुरक्षण के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समुचित लेखांकन रिकॉर्ड्स का अनुरक्षण करने के लिए जिम्मेदार है।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, इस समूह में शामिल किए गए कंपनी के अलग-अलग निदेशक बोर्ड, वर्तमान चिंता के रूप में जारी रखने के लिए, जहां भी लागू हो, उसका प्रकटीकरण करने के लिए, वर्तमान चिंता से संबंधित मामलों और लेखांकन के वर्तमान चिंता के आधार का उपयोग करते हुए इस समूह की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं, यदि प्रबंधन का उद्देश्य इस समूह का परिसमापन नहीं करने का हो अथवा इसके प्रचालनों को बंद करने का हो अथवा ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं हो।

इस समूह और इसकी कंपनी के अलग-अलग निदेशक बोर्ड इस समूह और इसकी वित्तीय रिपोर्टिंग की प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए जिम्मेदार हैं।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की दायित्व

हमारा उद्देश्य इसके संबंध में अन्य समुचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या सम्पूर्ण रूप से समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों वस्तुपरक गलत सूचना से मुक्त है, चाहे वह जालसाजी अथवा किसी त्रुटि के कारण हुआ हो और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट, जिसमें हमारा विचार शामिल है, को जारी करने के लिए स्वतंत्र है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसएएस के अनुसार की गई लेखापरीक्षा में हमेशा वस्तुपरक गलत सूचना का पता लगा लिया जाएगा जब यह होता हो। गलत कथन जालसाजी अथवा त्रुटि के कारण होता है और इसे वास्तविक माना जाता है यदि इसे अलग-अलग रूप में अथवा कुल मिलाकर देखा जाए, आशा

है कि उसके कारण उचित रूप से उन समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णयों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

एसए के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम व्यवसायिक निर्णय लेते हैं और पूरी लेखापरीक्षा के दौरान व्यवसायिक संशयवाद बनाए रखते हैं। हम निम्नलिखित भी करते हैं:

- समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के वस्तुपरक गलत कथन के जोखिमों चाहे वह किसी जालसाजी अथवा त्रुटि के कारण हुआ हो, की पहचान करते हैं और उसका आकलन करते हैं, उन जोखिमों पर प्रभाव डालने वाली लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का डिज़ाइन बनाते हैं और उसका कार्य निष्पादन करते हैं तथा लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य, जो हमारे विचार के लिए आधार उपलब्ध कराने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हों, प्राप्त करते हैं। किसी जालसाजी के कारण उत्पन्न होने वाले वस्तुपरक गलत कथन का पता नहीं लगाने का खतरा उस खतरे की तुलना में अधिक होता है जो किसी त्रुटि के कारण होता हो क्योंकि जालसाजी में मिलीभगत, गलत दस्तावेज प्रस्तुत करना, जानबूझकर चूक करना, गलत बयानी करना अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना करना शामिल हो सकते हैं।
- लेखापरीक्षा से संबंधित प्रक्रियाओं जो इन परिस्थितियों में उपयुक्त हों, का डिज़ाइन करने के उद्देश्य से लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण के बारे में जानकारी प्राप्त करना। इस अधिनियम की धारा 143(3) (i) के अंतर्गत, हम इसके संबंध में अपने विचार को व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली सक्रिय है और इस प्रकार के नियंत्रणों की प्रचालन संबंधी प्रभावोत्पादकता कार्य कर रही है।
- प्रबंधन द्वारा लेखांकन अनुमानों की उपयुक्तता और उसके संबंध में किया गया प्रकटीकरण तथा उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन के वर्तमान चिंता के आधार और प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य के आधार पर प्रबंधन की उपयुक्तता के बारे में निष्कर्ष निकालना, चाहे कोई वास्तविक अनिश्चितता उन घटनाओं अथवा स्थितियों के संबंध में मौजूद हो, जो वर्तमान चिंता के रूप में जारी रखने के लिए इस समूह क्षमता पर बहुत अधिक संदेह उत्पन्न करता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वास्तविक अनिश्चितता मौजूद है तब यह अपेक्षित है कि हम समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण के बारे में अपने लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करें और यदि इस प्रकार का प्रकटीकरण हमारे विचार में संशोधन करने के लिए पर्याप्त नहीं हो तब भी हम उनका ध्यान आकर्षित करें। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्यों के आधार पर हैं। हालांकि, भावी घटनाएं अथवा स्थितियां इस समूह के लिए वर्तमान चिंता के रूप में जारी रहने से रोकने के लिए स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं।
- प्रकटीकरण सहित समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुती, ढांचा और विषय-वस्तु का मूल्यांकन करना और यह कि समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों अंतर्निहित व्यवसायों को दर्शाती हो और इसके साथ ही उस तरीके से घटनाओं को दर्शाती हो जिसे उचित रूप में प्रस्तुत किया जा सके।
- समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के बारे में विचार व्यक्त करने के लिए इस समूह में इन कंपनी की वित्तीय सूचना के बारे में सूचना के संबंध में पर्याप्त उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना। हम समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में शामिल की गई इस प्रकार की कंपनी की वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा जो स्वतंत्र लेखापरीक्षक हों, की दिशा, पर्यवेक्षण और कार्य निष्पादन के लिए जिम्मेदार हैं। समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में शामिल की गई अन्य कंपनी जिनकी लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, के लिए इस प्रकार के अन्य लेखापरीक्षक उनके द्वारा की गई लेखापरीक्षा की दिशा, पर्यवेक्षण और कार्य निष्पादन के लिए जिम्मेदार होते हैं। हम मुख्य रूप से अपनी लेखापरीक्षा से संबंधित राय के लिए जिम्मेदार होते हैं।

वित्तीय विवरणों में गलतबयानी का वह परिमाण, जिससे एकल या सामूहिक रूप से, यह संभावना उत्पन्न होती है कि वित्तीय विवरणों के किसी उचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं, महत्वपूर्ण होता है। हम (i) अपने लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) वित्तीय विवरणों में किसी भी अभिविहित गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक महत्व और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं। हम समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में शामिल की गई धारक कंपनी और इस प्रकार की अन्य कंपनियों का शासन का उत्तरदायित्व दिए गए व्यक्तियों को सूचित करते हैं जिसके अन्य मामलों के साथ-साथ योजनाबद्ध कार्यक्षेत्र और लेखापरीक्षा का समय तथा महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा संबंधी निष्कर्षों जिसमें आंतरिक नियंत्रण में किसी महत्वपूर्ण खामियां जिन्हें हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचान करते हैं, शामिल हैं, के संबंध में स्वतंत्र लेखापरीक्षक हैं।



हम उन व्यक्तियों जिन्हें शासन का दायित्व दिया गया है, को ऐसा कथन भी उपलब्ध कराते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में संबंधित नैतिक अपेक्षाओं का पालन किया है और उन्हें सभी संबंधों और अन्य मामलों जिनके बारे में उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर प्रभाव पड़ने के बारे में सोचा जा सकता हो और जहां भी लागू हो, उससे संबंधित सुरक्षात्मक उपायों की भी सूचना देते हैं।

उन व्यक्तियों जिन्हें शासन का दायित्व दिया गया है, को सूचित किए गए मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान वर्ष की समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सर्वाधिक महत्व रखते थे और इस कारण से पूरी लेखापरीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मामले होते हैं। हम इन मामलों का उल्लेख अपनी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में करते हैं, यदि कानून अथवा विनियमन उस मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से प्रकटीकरण करने पर रोक लगाता हो अथवा जब अत्यधिक असाधारण परिस्थितियों में हम यह निर्धारण करते हैं कि इस मामले की सूचना अपनी रिपोर्ट में नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने का प्रतिकूल परिणाम इस प्रकार की सूचना के सार्वजनिक हित से संबंधित लाभों पर उचित रूप से और अधिक झुकाव होने की आशा होगी।

अन्य मामले

- हमने अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की, जिसके वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2025 को ₹ 1000.76 करोड़ (31 मार्च, 2024 को ₹ 805.59 करोड़) की कुल परिसंपत्तियां, उक्त तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए ₹ 506.79 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 357.82 करोड़) का कुल राजस्व और उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 37.63 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 206.80 करोड़) का निवल नकदी प्रवाह दर्शाया गया है, जैसा कि समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है। समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में कर पश्चात निवल लाभ में अनुषंगी का भाग ₹ 261.65 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 149.64 करोड़) और समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों में ₹ 261.65 करोड़ की कुल व्यापक आय (पिछले वर्ष ₹ 149.64 करोड़) शामिल है। इन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षक द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है और समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह अनुषंगी कंपनी के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरण से संबंधित है, और अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11), जहां तक उपर्युक्त अनुषंगी से संबंधित है, के अनुसार हमारी रिपोर्ट पूरी तरह से अन्य लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर आधारित है। समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय और नीचे दी गई हमारी विधिक और नियामक अपेक्षाओं पर हमारी रिपोर्ट, प्रबंधन द्वारा अभिप्रमाणित वित्तीय विवरणों / वित्तीय जानकारी और अन्य लेखापरीक्षक की रिपोर्ट तथा किए गए कार्य पर हमारे विश्वास के संबंध में उपरोक्त मामलों में, संशोधित नहीं की गई है।

समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, और नीचे दी गई अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, किए गए कार्य और अन्य लेखापरीक्षक की रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों/प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय जानकारी पर हमारी निर्भरता के संबंध में उपरोक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक और नियामक अपेक्षाओं के संबंध में रिपोर्ट

- अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा यथा अपेक्षित, हम सूचित करते हैं कि:
 - हमने उन समस्त जानकारीयों और स्पष्टीकरणों को प्राप्त कर लिया है, जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं।
 - हमारी राय में, विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियों का रखरखाव कंपनी द्वारा किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा की गई उन बहियों की जांच और अन्य लेखापरीक्षक की रिपोर्ट से प्रतीत होता है।
 - इस रिपोर्ट में वर्णित समेकित तुलनपत्र, समेकित लाभ और हानि का विवरण, और समेकित इकिटि में परिवर्तन और समेकित नकदी प्रवाह का विवरण, समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने के प्रयोजनार्थ अनुरक्षित लेखा बहियों से मेल खाते हैं।
 - हमारी राय में, उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखांकन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का पालन करते हैं।

(ड) कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 463(ई) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार, निदेशकों की अयोग्यता के संबंध में अधिनियम की धारा 164(2), कंपनी पर लागू नहीं है, चूंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

(च) धारक कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, “अनुलग्नक-क” में हमारी पृथक रिपोर्ट देखें।

(छ) कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 463(ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, अधिनियम की धारा 197 के प्रावधान धारक/अनुषंगी कंपनी पर लागू नहीं होते हैं, चूंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

(ज) कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अन्य लेखापरीक्षक की पृथक वित्तीय विवरणों की रिपोर्ट और अनुषंगी कंपनियों की अन्य वित्तीय जानकारी पर भी विचार करने के आधार पर:

- समूह ने अपने समेकित वित्तीय विवरणों में अपनी समेकित वित्तीय स्थिति की लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव को प्रकट किया है - समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 47 के संदर्भ में।
- हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, समूह के पास व्युत्पन्न अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं है, जिसमें कोई महत्वपूर्ण पूर्वनिर्मान योग्य हानि हों।
- धारक कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों और कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में, हस्तांतरित किए जाने के लिए अपेक्षित, अंतरण राशियों में कोई विलंब नहीं हुआ है।
- (क) कंपनी और उसकी सहायक कंपनी के संबंधित प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है (नोट संख्या 10.5 देखें) कि, उनके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कोई भी निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से महत्वपूर्ण हैं) समूह द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को या उसमें (उधार ली गई निधियों या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या निधियों के प्रकार से) अग्रिम या ऋण नहीं दिया गया है या निवेश नहीं किया गया है, जिसमें विदेशी संस्था (“मध्यस्थ”) शामिल हैं, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समूह (“अंतिम लाभार्थियों”) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगा या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा;

(ख) कंपनी और उसकी सहायक कंपनी के संबंधित प्रबंधन (नोट संख्या 10.5 देखें), कि, उनके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, समूह द्वारा किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई भी निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से भौतिक है) प्राप्त नहीं की गई है, जिसमें विदेशी संस्था (“वित्त पोषण पक्ष”) शामिल है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि समूह, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्त पोषण पक्ष (“अंतिम लाभार्थी”) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगा या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा;

(ग) परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त मानी गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11(ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (ए) और (बी) के तहत संशोधित और प्रदान किया गया है, में कोई भी भौतिक गलत बयान शामिल है।

- (v) इस रिपोर्ट की तिथि तक होल्टिंग कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान घोषित, भुगतान और प्रस्तावित लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुरूप है।
- (vi) हमारी जाँच, जिसमें नमूना जाँच भी शामिल है, के आधार पर, कंपनी ने अपनी लेखा-बही के रखरखाव के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (लॉग संपादित करें) रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष संचालित रहा है। इसके अलावा, हमारी लेखापरीक्षा के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला और कंपनी द्वारा रिकॉर्ड रखने की वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार ऑडिट ट्रेल को संरक्षित रखा गया है।
2. कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश" / "सीएआरओ") के पैराग्राफ 3 के खंड (xxi) में निर्दिष्ट मामलों के संबंध में, अधिनियम की धारा 143(11) के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया, जिसे लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किया जाना है, हम रिपोर्ट करते हैं कि हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और कंपनी के लिए हमारे द्वारा जारी सीएआरओ रिपोर्ट और समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल इसकी सहायक कंपनी के लेखा परीक्षक द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर, अनुलग्नक-बी में बताए गए को छोड़कर ऐसी रिपोर्टों में कोई योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।

कृते मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTL7325

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

कृते मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.
सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 000235N/N500089

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMLQD6588



आरईसी लिमिटेड के समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर उसी तिथि को स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक- क

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च 2025 के अनुसार तथा उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर की गई हमारी लेखापरीक्षा के संयोजन में, आरईसी लिमिटेड (यहां इसके उपरांत इसे "धारक कंपनी" के रूप में संदर्भित किया है) तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों जो कि उक्त तिथि को, भारत में निगमित की गई कंपनियां हैं, के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियों जो कि भारत में निगमित कंपनियां हैं, का संबंधित निदेशक मण्डल, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के संबंध में दिशानिर्देश टिप्पणी में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य अंगभूतों पर विचार करते हुए समूह द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों से संबंधित आंतरिक नियंत्रण के आधार पर, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्थापना करने एवं उनका रखरखाव करने के लिए उत्तरदायी है। इन उत्तरदायित्वों में, ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्प, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो इसके व्यवसाय का सुव्यवस्थित और प्रभावी क्रियाव्ययन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालन कर रहे थे। इसमें, कंपनी अधिनियम के तहत यथा अपेक्षित कंपनी की नीतियों का अनुपालन करना, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा करना, धोखाधड़ी एवं त्रुटियों का पता लगाना एवं उनका निवारण करना, लेखांकन अभिलेखों पर निवलता और संपूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी को समय पर तैयार करना शामिल है।

लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व, हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में समूह तथा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटीटी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक अभिमत व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्ग-निर्देशन टिप्पणी ("मार्ग-निर्देशन टिप्पणी") तथा आईसीएआई द्वारा जारी और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित समझे गए लेखापरीक्षा पर मानकों के अनुसार, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लागू सीमा तक, जो आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा में दोनों के लिए लागू है तथा, दोनों को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किया गया है, क्रियान्वित की है। इन मानकों और मार्ग-दर्शन टिप्पणी में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं और योजना का अनुपालन करें तथा लेखापरीक्षा का निष्पादन करें ताकि वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को स्थापित एवं अनुरक्षित किया गया था तथा यदि ऐसे नियंत्रणों को सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में प्रभावी ढंग में प्रचालित किया गया, के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त किया जा सके।

हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और उनकी प्रचालन प्रभावकारिता के संबंध में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादन प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की वचनबद्धता प्राप्त करना, ऐसे जोखिम का मूल्यांकन करना जिसमें कोई महत्वपूर्ण कमजोरी मौजूद हो, तथा मूल्यांकित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण के अभिकल्प और प्रचालन प्रभावकारिता का परीक्षण एवं मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित क्रियाविधियां लेखापरीक्षक के निर्णय पर आधारित हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथन, वह चाहे कपटवश हो या भूलवश हो, के जोखिमों का मूल्यांकन शामिल है।

हमारा विश्वास है कि लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य जो हमने प्राप्त किया है और लेखापरीक्षा से संबंधित साक्ष्य जिसे भारत में निगमित अनुषंगी कंपनियों के लेखापरीक्षक

द्वारा नीचे दिए गए अन्य मामले से संबंधित पैराग्राफ में उल्लिखित उनकी रिपोर्ट के संबंध में प्राप्त किया गया था, समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के बारे में हमारी लेखापरीक्षा से संबंधित राय के लिए आधार उपलब्ध कराने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक समूह तथा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटीटी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, सामान्यतया स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने और वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करने हेतु डिज़ाइन की गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक समूह तथा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटीटी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में ऐसी नीतियां और क्रियाविधियां शामिल हैं जो कि:

(क) ऐसे अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित हैं जो, समूह तथा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटीटी की परिसंपत्तियों के लेन-देनों और स्वभावों का उपयुक्त ब्योरा, परिनिवलता एवं निष्पक्षता प्रदर्शित करती है;

(ख) उपयुक्त आश्वासन प्रदान करती हैं जो साधारणतया स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने की अनुमति हेतु अनिवार्य रूप से अभिलेखबद्ध हैं, तथा जिनकी प्राप्तियों और कंपनी के व्ययों को केवल समूह तथा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटीटी के प्रबंधन तथा निदेशकों के प्राधिकारों के अनुसार क्रियान्वित किया जा रहा है; और

(ग) समूह तथा इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित एंटीटी की ऐसी परिसंपत्तियों, जिनसे वित्तीय विवरणों पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, के उपयोग या प्रकृति, अनधिकृत अधिग्रहण का सामयिक पता लगाने अथवा निवारण करने के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करती हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित परिसीमाएं

नियंत्रणों के अनुचित प्रबंधन उल्लंघन या मिलीभगत की संभावना सहित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित परिसीमाओं के कारण, कपटवश या भूलवश महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हुए और उनका पता नहीं लगाया जा सका। साथ ही, भावी अवधियों के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन के प्रक्षेपण ऐसे जोखिम के अधीन हैं जो वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो जाता है, या नीतियों अथवा क्रियाविधियों के अनुपालन का स्तर बढ़ जाता है।

राय

हमारे विचार से, धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, सभी वास्तविक पहलुओं से एक समुचित आंतरिक वित्तीय प्रणाली है तथा अत्यधिक वित्तीय संसूचना पर इस प्रकार के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्राप्त करना जो 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी की गई वित्तीय संसूचना के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा से संबंधित मार्गदर्शन टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक संघटकों पर विचार करते हुए इस समूह द्वारा तय किए गए वित्तीय संसूचना मानदंडों के बारे में आंतरिक नियंत्रण के आधार पर प्रभावी रूप से कार्य कर रहे थे।

अन्य मामले

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों, जहां तक यह ऐसी अनुषंगी कंपनी से संबंधित है, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, की प्रचालन प्रभावकारिता और पर्याप्तता पर अधिनियम की धारा 143 (3) (i) के तहत हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट, ऐसी कंपनियों के लेखापरीक्षक की तदनुसूची रिपोर्ट के आधार पर है।

कृते मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी

सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 112318W

सौरभ चौहान

भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTL7325

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 8 मई 2025

कृते मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.

सनदी लेखाकार,
आईसीएआई फर्म पंजीकरण: 000235N/N500089

अभिनव खोसला

भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMQLD6588

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक-ख

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर आरईसी लिमिटेड को स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की आज की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 2 में संदर्भित)

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, भारत में निगमित और समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल निम्नलिखित कंपनियों ने कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("सीएआरओ") के तहत अपनी रिपोर्ट में कुछ टिप्पणियां शामिल की हैं, जिन्हें सीएआरओ पर मार्गदर्शन टिप्पणी की आवश्यकताओं के अनुसार पुनः प्रस्तुत किया गया है:

क्र. सं.	संस्था का नाम	सीआईएन	होल्डिंग कंपनी/सहायक कंपनी/संयुक्त उद्यम/सहयोगी	सीएआरओ की धारा संख्या रिपोर्ट जो प्रतिकूल है या योग्य या प्रतिकूल
1.	आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड	U40101DL2007GOI165779	सहायक कंपनी	खंड xiv(ख)*

कृते मैसर्स कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
आईसीआई फर्म पंजीकरण: 112318W

कृते मैसर्स एससीवी एंड कंपनी एलएलपी.
सनदी लेखाकार,
आईसीआई फर्म पंजीकरण:000235N/N500089

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता संख्या: 167453
यूडीआईएन: 25167453BMLKTL7325

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता संख्या: 087010
यूडीआईएन: 25087010BMMLQD6588

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143 (6)(ख) के तहत 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 139 (5) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक, अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143 (10) के तहत निर्धारित लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। यह उनके द्वारा दिनांक 08 मई 2025 की उनकी संशोधित लेखापरीक्षा रिपोर्ट में व्यक्त है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143 (6) (क) के तहत 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। हमने उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आरईसी लिमिटेड और आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की पूरक लेखापरीक्षा की है। इस अनुपूरक लेखापरीक्षा को सांविधिक लेखापरीक्षकों के वर्किंग पेपर्स तक पहुंच के बगैर स्वतंत्र रूप से किया गया है और यह मुख्य रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछ-ताछ तथा कुछ लेखाकरण दस्तावेजों की चयनित जांच तक सीमित है।

मेरी अनुपूरक लेखापरीक्षा के आधार पर, मेरी जानकारी में कुछ ऐसा महत्वपूर्ण बिन्दु नहीं आया है जिसके कारण अधिनियम की धारा 143 (6) (ख) के तहत संशोधित सांविधिक लेखापरीक्षक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी या अनुपूरक टिप्पणी की जानी आवश्यक हो।

कृते एवं भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 25.07.2025

तनुजा मित्तल
महानिदेशक लेखापरीक्षा (एनर्जी)

31 मार्च, 2025 तक समेकित तुलन पत्र

		(₹ करोड़ में)		
क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	परिसंपत्तियां			
(1)	वित्तीय परिसंपत्तियां			
(क)	नकदी एवं नकदी के समतुल्य	6	233.57	262.75
(ख)	उपरोक्त (क) के अलावा अन्य बैंक शेष	7	2,109.80	2,699.75
(ग)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	8	17,432.18	12,482.02
(घ)	प्राप्य	9		
	- ट्रेड प्राप्य		235.13	153.82
	- अन्य प्राप्य		1.99	2.78
(ङ)	ऋण	10	5,59,088.08	4,99,192.05
(च)	निवेश	11	6,673.64	5,352.32
(छ)	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	12	24,604.19	24,442.64
	कुल-वित्तीय परिसंपत्तियां (1)		6,10,378.58	5,44,588.13
(2)	गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां			
(क)	चालू कर परिसंपत्तियां(निवल)	13	407.07	309.68
(ख)	आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	14	2,868.70	2,500.96
(ग)	निवेश परिसंपत्ति	15	1.01	-
(घ)	संपत्तियां, संयंत्र एवं उपस्कर	16	625.99	630.98
(ङ)	पूँजीगत चालू- कार्य	16	76.01	23.59
(च)	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां	16	1.84	0.52
(छ)	अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां	17	138.75	117.03
	कुल - गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां (2)		4,119.37	3,582.76
(3)	बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियां	18	3.88	20.20
	कुल परिसंपत्तियां (1+2+3)		6,14,501.83	5,48,191.09
	देयताएं और इकिटी			
	देयताएं			
(1)	वित्तीय देयताएं	8	1,670.06	759.70
(क)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	19		
(ख)	प्राप्य			
	ट्रेड प्राप्य			
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया		0.12	0.16
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य ऋणदाताओं का कुल बकाया		133.75	97.74
	अन्य प्राप्य			
	सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया		6.52	2.83
	सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य ऋणदाताओं का कुल बकाया		17.28	8.69
(ग)	ऋण प्रतिभूतियां	20	2,92,428.27	2,66,063.24
(घ)	उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	21	1,94,300.16	1,72,092.05
(ङ)	अधीनस्थ देयताएं	22	9,514.16	7,412.21
(च)	अन्य वित्तीय देयताएं	23	37,646.72	31,940.58
	कुल-वित्तीय देयताएं (1)		5,35,717.04	4,78,377.20
(2)	गैर-वित्तीय देयताएं			
(क)	चालू कर देयताएं (निवल)	24	-	66.51
(ख)	प्रावधान	25	137.51	137.34
(ग)	अन्य गैर-वित्तीय देयताएं	26	271.22	259.79
	कुल - गैर-वित्तीय देयताएं (2)		408.73	463.64
(3)	इकिटी			
(क)	इकिटी शेयर पूंजी	27	2,633.22	2,633.22
(ख)	इन्स्ट्रुमेंट्स पूर्णतया इकिटी प्रकृति के हैं	28	558.40	558.40
(ग)	अन्य इकिटी	29	75,184.44	66,158.63
	कुल - इकिटी (3)		78,376.06	69,350.25
	कुल - देयताएं और इकिटी (1+2+3)		6,14,501.83	5,48,191.09
	कंपनी सिंहावलोकन और आवश्यक लेखांकन नीतियां	1 से 5		

संलग्न टिप्पणी 1 से 76 समेकित वित्तीय विवरण का अभिन्न अंग हैं।

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़ॉर्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का समेकित विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
	प्रचालनों से राजस्व			
(i)	ब्याज आय	30	55,105.20	46,431.44
(ii)	लाभांश आय	31	8.42	2.28
(iii)	शुल्क एवं कमीशन आय	32	393.74	236.03
(iv)	उचित मूल्य परिवर्तन पर निवल लाभ/(हानि)	38	348.22	474.48
(v)	सेवाओं की बिक्री	33	510.97	360.52
I.	प्रचालनों से कुल राजस्व (i से v)		56,366.55	47,504.75
II.	अन्य आय	34	67.48	66.48
III.	कुल आय (I+II)		56,434.03	47,571.23
	व्यय			
(i)	वित्तीय लागत	35	34,131.29	29,947.74
(ii)	निवल अंतरण/लेन-देन विनिमय हानि	36	208.15	166.57
(iii)	शुल्क एवं कमीशन व्यय	37	13.66	24.26
(iv)	वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स संबंधी इम्पेयरमेंट	39	1,021.58	(1379.58)
(v)	प्रदान की गई सेवाओं की लागत	40	162.62	168.06
(vi)	कार्मिक हितलाभ व्यय	41	268.13	238.20
(vii)	मूल्यहास एवं परिशोधन	42	24.70	23.99
(viii)	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यय	43	291.53	251.78
(ix)	अन्य व्यय	44	194.90	170.27
IV.	कुल व्यय (i से ix)		36,316.56	29,611.29
V.	कर पूर्व लाभ (III-IV)		20,117.47	17,959.94
VI.	कर व्यय	45		
(i)	वर्तमान कर			
	- चालू वर्ष		4,098.91	3,329.10
	- पूर्व वर्ष		(0.25)	3.97
(ii)	आस्थगित कर		134.58	481.41
	कुल कर व्यय (i+ii)		4,233.24	3,814.48
VII.	अवधि के लिए लाभ (V-VI)		15,884.23	14,145.46
VIII.	अन्य व्यापक आय/(हानि)			
(i)	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
(क)	परिभाषित हितलाभ योजनाओं संबंधी पुनःमापन लाभ/(हानि)		0.76	(0.99)
	- उपरोक्त पर कर प्रभाव		(0.19)	0.25
(ख)	अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इकिटी उपकरणों के उचित मूल्य में परिवर्तन		(23.85)	96.34
	- उपरोक्त पर कर प्रभाव		-	(4.86)
	उप-जोड़ (i)		(23.28)	90.74
(ii)	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत किया जाएगा			
(क)	नकदी प्रवाह हेजिंग में हेजिंग उपकरणों पर लाभ और हानि का प्रभावी हिस्सा		1223.51	(3269.97)
	-उपरोक्त पर कर प्रभाव		(307.93)	822.99
(ख)	हेजिंग आरक्षित निधि की लागत		(3,219.35)	4544.19
	-उपरोक्त पर कर प्रभाव		810.25	(1143.68)
	उप-जोड़ (ii)		(1,493.52)	953.53
	वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि) (i+ii)		(1,516.80)	1,044.27
IX.	वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (VII+VIII)		14,367.43	15,189.73
X.	प्रत्येक ₹ 10 प्रति इकिटी शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (₹ में)	46		
(1)	जारी प्रचालनों के लिए		60.20	53.59
(2)	बंद प्रचालनों के लिए		-	-
(3)	जारी और बंद प्रचालनों के लिए		60.20	53.59
	कंपनी सिंहावलोकन और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	1 से 5		

संलग्न टिप्पणी 1 से 76 समेकित वित्तीय विवरण का अभिन्न अंग हैं।

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए इकिटी में परिवर्तन का समेकित विवरण
क इकिटी शेयर पूंजी

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	(₹ करोड़ में)
अवधि के आरंभ में शेष	2,633.22	2,633.22	2,633.22
अवधि के दौरान इकिटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-	-
अवधि के अंत में शेष	2,633.22	2,633.22	2,633.22

विवरण के लिए टिप्पणी संख्या 27 देखें

ख इन्स्ट्रूमेंट्स की प्रकृति पूर्णतया इकिटी है

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	(₹ करोड़ में)
अवधि के आरंभ में शेष	558.40	558.40	558.40
अवधि के दौरान इकिटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-	-
अवधि के अंत में शेष	558.40	558.40	558.40

विवरण के लिए टिप्पणी 28 संख्या देखें

ग अन्य इकिटी

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष						कुल
	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (i) (viii) के तहत अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (i) (viii) के तहत अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	पूंजी रिजर्व	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	
31 मार्च 2023 के अनुसार शेष	24,977.89	-	8,025.15	1,577.53	-	(790.44)	54,928.89
वर्ष के लिए लाभ	-	-	-	-	-	10,313.78	(1,709.87)
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन	-	-	-	-	-	14,145.46	600.05
अन्य व्यापक आय (करों का निवल) के माध्यम से मान्यता	-	-	-	-	-	(0.74)	-
							14,145.46
							(0.74)
							3,400.51
							(2,446.98)
							91.48
							(2,446.98)
							15,189.73



(₹ करोड़ में)

आरक्षित निधि एवं अधिशेष														
विवरण	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) के तहत अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत विशेष आरक्षित निधि	भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	पूँजी रिज़र्व	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	इम्पेयरमेंट आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय	इकिटी पद्धति का उपयोग करते हुए संयुक्त उद्यम की अन्य व्यापक आय/(हानि) का हिस्सा	एफवीओसीआई-इकिटी इन्स्ट्रूमेंट्स	हेज नकदी प्रवाह का प्रभावी भाग	हेजिंग रिज़र्व की लागत	कुल
प्रतिधारित आय में/ (से) अंतरण	3,066.94	687.76	2,803.84	-	-	-	-	-	(6,558.54)	-	-	-	-	
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एफवीओसीआई इकिटी इन्स्ट्रूमेंट (करों का निवल) की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनः वर्गीकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	48.00	(48.00)	-	-	-	-
इस अवधि के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक मदों पर विदेशी मुद्रा अनुवाद हानि	-	-	-	-	-	(85.73)	-	-	-	-	-	-	-	(85.73)
अवधि के दौरान परिशोधन	-	-	-	-	-	201.03	-	-	-	-	-	-	-	201.03
इन्स्ट्रूमेंट कूपन भुगतान की प्रकृति पुनर्तया इकिटी है (स्थायी ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स) (करों का निवल)	-	-	-	-	-	-	-	-	(33.30)	-	-	-	-	(33.30)
उप - जोड़	3,066.94	687.76	2,803.84	-	-	115.30	-	-	(6,543.84)	-	(48.00)	-	-	82.00
लाभार्थ	-	-	-	-	-	-	-	-	(4,042.00)	-	-	-	-	(4,042.00)
उप- जोड़ - स्वामियों के साथ लेन-देन	-	-	-	-	-	-	-	-	(4,042.00)	-	-	-	-	(4,042.00)
31-03-2024 तक शेष	28,044.83	687.76	10,828.99	1,577.53	-	(675.14)	12,036.27	-	13,872.66	-	(57.99)	(1,846.93)	1,690.64	66,158.63

(₹ करोड़ में)

आरक्षित निधि एवं अधिशेष

विवरण	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (i) के तहत अशोध और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (ii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांख्यिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	पूंजी रिजर्व	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	इम्यूरमेंट आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय	इकिटी पद्धति का उपयोग करते हुए संयुक्त उद्यम की अन्य व्यापक आय/ (हानि) का हिस्सा	एफवीओसीआई-इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स	हेज नकदी प्रवाह का प्रभावी भाग	हेजिंग रिजर्व की लागत	कुल
31 मार्च 2024 के अनुसार शेष	28,044.83	687.76	10,828.99	1,577.53	-	(675.14)	12,036.27	-	13,872.66	-	(57.99)	(1,846.93)	1,690.64	66,158.63
वर्ष के लिए लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	15,884.23	-	-	-	-	15,884.23
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन	-	-	-	-	-	-	-	-	0.57	-	-	-	-	0.57
अन्य व्यापक आय (करों का निवेल) के माध्यम से मान्यता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	(23.85)	915.58	(2,409.10)	(1,517.37)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	-	-	-	-	-	15,884.79	-	(23.85)	915.58	(2,409.10)	14,367.42
प्रतिधारित आय में/ (से) अंतरण	3,550.57	841.80	3,142.64	-	-	-	750.00	-	(8,285.01)	-	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में/से स्थानांतरित	-	(687.76)	-	-	-	-	687.76	-	-	-	-	-	-	-
एफवीओसीआई इकिटी इन्स्ट्रुमेंट (करों का निवेल) की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनः वर्गीकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान दीर्घवर्षिक मौद्रिक मदों संबंधी विदेशी मुद्रा अंतरण हानि	-	-	-	-	-	(120.43)	-	-	-	-	-	-	-	(120.43)
वर्ष के दौरान ऋण परिशोधन	-	-	-	-	-	183.92	-	-	-	-	-	-	-	183.92

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष												
	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (a)(i) के तहत अशोध्य और संचित ऋणों के लिए आरक्षित निधि	भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत सांविधिक आरक्षित निधि	प्रतिभूति प्राथमिक खाता	पूंजी रिजर्व	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद का अंतरण खाता	सामान्य आरक्षित निधि	इम्पेयरमेंट आरक्षित निधि	प्रतिधारित आय	इंफिटी पद्धति का उपयोग करते हुए संयुक्त उद्यम की अन्य व्यापक आय/ (हानि) का हिस्सा	एफवीओसीआई-इंफिटी इन्स्ट्रूमेंट्स	हेज नकदी प्रवाह का प्रभावी भाग	कुल
इन्स्ट्रूमेंट कंपनी भुगतान की प्रकृति पूर्णतया इंफिटी है (स्थायी ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स) (करों का निवला)	-	-	-	-	-	-	-	-	(33.30)	-	-	-	(33.30)
उप - जोड़	3,550.57	154.04	3,142.64	-	-	63.49	1,437.76	-	(8,318.32)	-	-	-	30.18
लाभांश	-	-	-	-	-	-	-	-	(5,371.78)	-	-	-	(5,371.78)
उप- जोड़ - स्वामियों के साथ लेन-देन	-	-	-	-	-	-	-	-	(5,371.78)	-	-	-	(5,371.78)
31 मार्च 2024 के अनुसार शेष	31,595.40	841.80	13,971.63	1,577.53	-	(611.65)	13,474.03	-	16,067.34	-	(81.84)	(931.35)	75,184.44

आरक्षित निधि से आहरण/अंतरण से संबंधित विवरण के लिए टिप्पणी संख्या 29.1 देखें

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 1

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N5000089

अभिन्नव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का समेकित विवरण

		(₹ करोड़ में)	
क्र. सं.	विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
क.	प्रचालनात्मक क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह:		
	कर पूर्व निवल लाभ	20,117.47	17,959.94
	निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
1.	संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर (निवल) की मान्यता समाप्त करने पर हानि/(लाभ)	7.62	5.58
2.	बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों (निवल) की मान्यता समाप्त करने पर हानि/(लाभ)	(6.03)	(1.32)
3.	मूल्यहास एवं परिशोधन	24.70	23.99
4.	बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियों पर इम्पेयरमेंट भत्ता	-	(0.09)
5.	वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर इम्पेयरमेंट संबंधित हानि	1,021.59	(1,379.58)
6.	उचित मूल्य परिवर्तन (निवल) पर हानि/(लाभ)	(346.30)	(471.88)
7.	ऋण परिसंपत्तियों और उधारियों के मामले में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर)	214.60	(34.51)
8.	कमर्शियल पेपर पर ब्याज	-	135.64
9.	जीरो कूपन बॉण्ड पर अर्जित ब्याज	83.14	-
10.	अवास्तविक विदेशी मुद्रा अंतरण हानि/ (लाभ)	(2,131.32)	(993.07)
11.	निवेश और अन्य पर ब्याज	(36.65)	(42.65)
	प्रचालनात्मक परिसंपत्तियों और देयताओं में परिवर्तन से पूर्व प्रचालनात्मक लाभ	18,948.81	15,202.05
	निम्नलिखित के कारण अंतर्प्रवाह/(बहिर्प्रवाह) :		
1.	ऋण परिसंपत्तियां	(59,996.87)	(75,017.32)
2.	व्युत्पन्न	643.90	(343.67)
3.	अन्य वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां	(654.88)	(1,495.78)
4.	अन्य वित्तीय और गैर-वित्तीय देयताओं और प्रावधान	6,227.49	7,203.84
	प्रचालनों से नकदी प्रवाह	(34,831.56)	(54,450.88)
1.	भुगतान किया गया आयकर (टीडीएस सहित)	(4,232.52)	(3,271.76)
	प्रचालनात्मक क्रियाकलापों से निवल नकदी प्रवाह	(39,064.08)	(57,722.64)
ख.	निवेशात्मक क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह		
1.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री/(खरीद)	(3.96)	0.11
2.	बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों की बिक्री	6.07	1.61
3.	संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर में निवेश (सीडब्ल्यूआईपी और पूंजीगत अग्रिम राशि सहित)	(77.31)	(33.63)
4.	अमूर्त परिसंपत्तियों में निवेश (विकास और पूंजीगत अग्रिम के अंतर्गत अमूर्त परिसंपत्तियों सहित)	(1.61)	0.00
5.	पूंजीकृत वित्त लागत	(3.02)	(0.53)
6.	इकिटी शेयरों में बिक्री/(निवेश)	-	67.39
7.	उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्तियों (एचक्यूएलए) (निवल) में विमोचन/(निवेश)	(1,418.90)	(997.94)
8.	एचक्यूएलए (निवल) के अलावा अन्य ऋण प्रतिभूतियों में विमोचन/(निवेश)	352.22	(912.98)
9.	सहयोगी/सहायक कंपनियों के शेयरों की बिक्री/(निवेश) (निवल)	16.28	(15.75)
10.	निगम और सावधिक जमा की परिपक्वता/(निवेश)	(171.81)	60.75
	निवेशात्मक क्रियाकलापों से निवल नकदी प्रवाह	(1,302.04)	(1,830.96)
(ग)	वित्तीय क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह		
1.	रूपे ऋण प्रतिभूतियां(निवल) का निर्गम / (विमोचन)	30,748.97	27,473.52
2.	कमर्शियल पेपर (निवल) का निर्गम/ (विमोचन)	-	(135.64)
3.	बैंकों/वित्तीय संस्थानों (निवल) से रूपे आवधिक ऋण / डब्ल्यूसीडीएल प्राप्त करना / (पुनर्भुगतान)	(23,558.76)	3,640.02
4.	विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां एवं उधारियां (निवल) प्राप्त करना / (पुनर्भुगतान)	36,501.65	30,921.49
5.	अधीनस्थ देयताएं प्राप्त करना/(विमोचन) (निवल)	1,995.01	590.00
6.	स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स पर कूपन भुगतान पूर्णतया इकिटी प्रकृति के है	(44.50)	(44.50)
7.	इकिटी शेयरों पर लाभांश का भुगतान	(5,608.77)	(2,857.05)
8.	पट्टा देयताओं का पुनर्भुगतान	-	(0.02)
	वित्तीय क्रियाकलापों से निवल नकदी प्रवाह	40,033.60	59,587.82
	नकदी एवं नकदी के समतुल्य में निवल वृद्धि/कमी	(332.52)	34.21
	वर्ष के आरंभ में नकदी एवं नकदी के समतुल्य	(4.69)	(38.89)
	वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी के समतुल्य	(337.21)	(4.69)

नकदी प्रवाह का उपरोक्त विवरण भारतीय लेखा मानक 7 'नकदी प्रवाह विवरण' में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधि के तहत तैयार किया गया है।

वर्ष के दौरान, समूह को ₹ 8.42 करोड़ (पिछले वर्ष ₹2.28 करोड़) का लाभांश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, वर्ष के दौरान, समूह ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए ₹ 291.72 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 249.42 करोड़) की राशि का भुगतान किया है।



वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी के समतुल्य के घटक निम्नलिखित हैं:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- हस्तगत रोकड़ (अग्रदाय सहित)	0.02	0.02
- बैंकों में शेष राशि	51.47	67.65
- अनुसूचित बैंकों में अल्पावधि जमा	182.08	195.08
- बैंक ओवरड्राफ्ट	(570.78)	(267.44)
कुल नकदी एवं नकदी के समतुल्य	(337.21)	(4.69)

वित्त संबंधी क्रियाकलापों से उत्पन्न होने वाली देयताओं का मिलान

विवरण	प्रारम्भिक शेष	अवधि के दौरान नकदी प्रवाह (निवल)	उपचित ब्याज में संचलन*	अन्य समायोजन		अंतिम शेष
				विनिमय अंतर	इंडेएएस समायोजन	
31-03-2025 को समाप्त वर्ष						
रुपये ऋण प्रतिभूतियां	2,33,215.78	30,748.97	98.38	-	165.77	2,64,228.89
कमर्शियल पेपर	-	-	-	-	-	-
रुपये आवधिक ऋण/ डब्ल्यूसीडीएल	80,168.38	(23,255.42)	(29.75)	-	-	56,883.21
विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां एवं अन्य उधारियां	1,24,771.13	36,501.65	145.98	4,191.35	6.20	1,65,616.31
अधीनस्थ देयताएं	7,412.21	1,995.01	12.58	-	94.36	9,514.16
कुल	4,45,567.50	45,990.21	227.19	4,191.35	266.33	4,96,242.57
31-03-2024 को समाप्त वर्ष						
रुपये ऋण प्रतिभूतियां	2,04,211.79	27,473.52	1,541.71	-	(11.24)	2,33,215.78
कमर्शियल पेपर	-	(135.64)	-	-	135.64	-
रुपये आवधिक ऋण/ डब्ल्यूसीडीएल	76,422.96	3,819.87	(74.45)	-	-	80,168.38
विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां एवं अन्य उधारियां	93,381.71	30,921.49	162.66	528.18	(222.91)	1,24,771.13
अधीनस्थ देयताएं	6,773.30	590.00	24.27	-	24.64	7,412.21
कुल	3,80,789.76	62,669.24	1,654.19	528.18	(73.87)	4,45,567.50

* उपचित ब्याज में संचलन को प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह के रूप में "प्रचालन संबंधी देयताओं" में विचारा गया है।

टिप्पणी: जहां आवश्यक है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से व्यवस्थित किया गया है और उसे फिर से समूह में रखा गया है।

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)

डीआईएन-09769272

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

1. कंपनी सिंहावलोकन

आरईसी लिमिटेड ("आरईसी" या "कंपनी" या "धारक कंपनी") की स्थापना वर्ष 1969 में की गई थी। यह कंपनी भारत में अधिवासित है एवं शेयरों द्वारा सीमित है और इसका पंजीकृत कार्यालय एवं कारोबार का मुख्य स्थान कोर-4, स्कोप कांफ्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003, भारत में स्थित है। कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के अलावा, लेखा बहियों और वित्तीय विवरणों का रखरखाव प्लॉट संख्या आई-4, सेक्टर-29, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित निगम कार्यालय से किया जाता है। कंपनी के कार्यालय देश भर में, मुख्य रूप से राज्यों की राजधानियों में और हैदराबाद में एक प्रशिक्षण केंद्र स्थित है।

यह कंपनी भारत सरकार का एक उद्यम है जो विद्युत क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला में वित्तीय सहायता प्रदान करने में लगी हुई है तथा यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ व्यवस्थित ढंग में एक महत्वपूर्ण (नॉन-डिपॉजिट एक्सेटिंग या होल्डिंग) गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) है। एनबीएफसी होने के नाते कंपनी का विनियमन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है।

कंपनी को वित्त मंत्रालय के अंतर्गत लोक उद्यम विभाग द्वारा 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का दर्जा दिया गया है।

आरईसी, भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक अवसंरचना वित्त कंपनी है और आरईसी के प्रमुख उत्पादों में राज्य विद्युत बोर्डों, राज्य विद्युत यूटिलिटीयों/राज्य विद्युत विभागों एवं निजी क्षेत्र को विद्युत अवसंरचना के सभी अंगभूतों के लिए ब्याज-युक्त ऋण प्रदान करना शामिल है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, आरईसी सड़क और एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल, हवाई अड्डे, आईटी संचार, सामाजिक और वाणिज्यिक बुनियादी ढांचे (शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल), बंदरगाह और इस्पात, रिफाइनरी इत्यादि जैसे विभिन्न अन्य क्षेत्रों के संबंध में इलेक्ट्रो-मैकेनिकल (ई एंड एम) कार्यों सहित गैर-विद्युत बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भी विविधता लाया है।

समूह अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से इंजीनियरिंग परामर्श सेवाओं में भी लगा हुआ है। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार/राज्य सरकार, समय-समय पर कंपनी को बोली प्रक्रिया समन्वयक (बीपीसी) के रूप में काम करने के लिए स्वतंत्र ट्रांसमिशन परियोजनाएं आवंटित करती है, ताकि टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया (टीबीसीबी) के माध्यम से ट्रांसमिशन सेवा प्रदाता (टीएसपी) के रूप में डेवलपर्स का चयन किया जा सके। प्रत्येक ऐसी ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विकास को आरंभ करने के लिए, आरईसीपीडीसीएल एक परियोजना विशिष्ट विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में शामिल करता है और ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए अधिसूचित टीबीसीबी प्रक्रिया के माध्यम से सफल बोलीदाता के चयन के बाद, संबंधित परियोजना विशिष्ट एसपीवी को उसकी सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों के साथ सफल बोलीदाता को हस्तांतरित कर दिया जाता है।

आरईसीपीडीसीएल ग्रामीण विद्युतीकरण, एटीएंडसी हानि न्यूनीकरण रणनीतियों, जीआईएस एकीकरण के साथ डाटा सेंटर, ग्राहक सेवा केंद्र आदि की स्थापना सहित आईटी कार्यान्वयन कार्य, एएमआई के साथ स्मार्ट मीटरिंग को कवर करने वाली स्मार्ट ग्रिड परियोजनाओं के कार्यान्वयन, सौर पीवी संयंत्रों का निर्माण, एससीएडीए कार्यान्वयन, एमआरआई/एएमआर आधारित मीटर रीडिंग और बिलिंग कार्य, विद्युत वितरण परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयारी और परियोजना प्रबंधन परामर्श, विद्युत वितरण के सुदृढ़ीकरण कार्य, ऊर्जा दक्षता परियोजनाएं और निष्पादित कार्यों की गुणवत्ता और मात्रात्मक निगरानी/निरीक्षण के क्षेत्रों में परामर्श और शुल्क आधारित सेवा प्रदान कर रहा है।

कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं। इसके अलावा कंपनी की विभिन्न ऋण प्रतिभूतियां भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं।

अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ कंपनी को यहां इसके उपरांत 'समूह' के रूप में संदर्भित किया गया है।

2. अनुपालन का विवरण और तैयार करने का आधार

ये समेकित वित्तीय विवरण, कंपनी (भारतीय लेखाकरण मानक) नियम, 2015 (यथा संशोधित) के तहत अधिसूचित भारतीय लेखाकरण मानक, कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू उपबंधों और आरबीआई द्वारा जारी किए गए अन्य लागू/दिशानिर्देशों के तहत अधिसूचित इंड एसएस का अनुपालन करते हैं।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों को जारी करने हेतु निदेशक मण्डल द्वारा 08 मई, 2025 को अधिकृत एवं स्वीकृत किया गया।

3. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

समेकित वित्तीय विवरणों के तैयारी में प्रयुक्त महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को नीचे दिया गया है:

3.1 समेकन का आधार

अनुषंगी कंपनी

अनुषंगी कंपनी ऐसा निकाय है, जो समूह द्वारा होता है। समूह किसी निकाय अथवा इकाई को तब नियंत्रित करता है जब उसके पास निवेशकर्ता पर अधिकार (शक्ति) होती है, वह उस निकाय के साथ अपनी भागीदारी के माध्यम से परिवर्तनशील (चर) लाभ रिटर्न के बारे में परिचित होता है या उसका अधिकार उसके पास होता है और इकाई पर अपनी अधिकार के माध्यम से उन रिटर्न को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अनुषंगी कंपनी के वित्तीय विवरणों को उस तारीख से समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाता है जिससे उस पर उसका नियंत्रण शुरू होता है और जिससे उस पर उसका नियंत्रण समाप्त हो जाता है। समूह धारक कंपनी और अपनी अनुषंगी कंपनी के वित्तीय विवरणों को परिसंपत्तियों, देयताओं, इकिटी, आय और व्यय की समान मदों को लाइन बाई लाइन जोड़ कर समेकित करता है।

इकिटी खाते में निवेशकर्ता

इकिटी में समूह के हितों की गणना ऐसे निवेशकर्ताओं के लिए की जाती है, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम में जिनके हित शामिल होते हैं।

एक सहयोगी कंपनी, जिसमें एक गैर-निगमित इकाई भी शामिल है, एक ऐसी इकाई अथवा निकाय है, जिसके ऊपर कंपनी का महत्वपूर्ण प्रभाव है और यह न तो एक अनुषंगी कंपनी है और न ही किसी संयुक्त उद्यम में उसका कोई हित निहित होता है। सहयोगी कंपनियों में हितों की गणना इकिटी पद्धति का उपयोग करके की जाती है। इन हितों को शुरू में ऐसी लागत में मान्यता दी जाती है, जिसमें लेन-देन लागतें शामिल होती हैं। प्रारंभिक मान्यता के बाद, समेकित वित्तीय विवरणों में इकिटी-अकाउंटेड निवेशकर्ताओं के समूह के लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय (ओसीआई) का उस तारीख तक की हिस्सेदारी शामिल होती है, जिस तारीख तक महत्वपूर्ण प्रभाव समाप्त नहीं हो जाता है। हालांकि, अगर यह आकलन किया जाता है कि सहयोगी कंपनियों में निवेश / हित बिक्री के लिए रखा गया है, तो ऐसे मामलों में सहयोगी कंपनियों में हित की गणना भारतीय लेखांकन मानक (इंड एसएस) 105 के तहत की जाएगी।

एक संयुक्त उद्यम एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें समूह का संयुक्त नियंत्रण होता है और उसे अपनी देनदारियों के लिए अपनी परिसंपत्तियों और अपनी देयताओं की दायित्वों के अधिकारों के बजाय व्यवस्था की निवल परिसंपत्तियों पर अधिकार होता है।

संयुक्त उद्यम में हितों की गणना इकिटी पद्धति का उपयोग करके की जाती है। उन्हें शुरू में ऐसी लागत के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें लेन-देन लागतें शामिल होती हैं। प्रारंभिक मान्यता के बाद, समेकित वित्तीय विवरणों में इकिटी-अकाउंटेड निवेशकर्ताओं के समूह के लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय (ओसीआई) का उस तारीख तक की हिस्सेदारी शामिल होती है, जिस तारीख तक महत्वपूर्ण प्रभाव समाप्त नहीं हो जाता है।

3.2 समेकन पर समाप्त किए गए संयवहार

समूह के भीतर (इंटा-ग्रुप) बकाया राशियों और लेन-देन और समूह के भीतर लेन-देन से होने वाली किसी भी अधोषित आय और खर्च को समाप्त कर दिया जाता है। इकिटी अकाउंटेड निवेशकर्ताओं के साथ लेन-देन से उत्पन्न होने वाले अधोषित लाभ को निवेशकर्ता में समूह के हित की सीमा तक निवेश के लिए समाप्त कर दिया जाता है। अधोषित लाभ की तरह ही अधोषित हानि को भी उसी तरीके से समाप्त कर दिया जाता है, लेकिन केवल इस हद तक कि यहां इम्पैयरमेंट का कोई सबूत नहीं है।

3.3 तैयारी और मापन का आधार

समेकित वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर लेखांकन की प्रोद्भव प्रणाली के बाद गोइंग कंसर्न के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें कुछ वित्तीय परिसंपत्तियां एवं वित्तीय देनदारियां शामिल नहीं हैं, जिन्हें संबंधित लेखाकरण नीतियों में यथा स्पष्टीकृत उचित मूल्यों पर मापा जाता है। इन नीतियों को समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए सतत् रूप से लागू किया गया है।

कार्यात्मक एवं प्रस्तुत मुद्रा

समेकित वित्तीय विवरणों को भारतीय रुपयों ('आईएनआर'), जोकि समूह की कार्यात्मक मुद्रा भी है, में प्रस्तुत किया जाता है।

3.4 आय मान्यता

ब्याज आय

परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए, ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) का उपयोग करके दर्ज किया जाता है, अर्थात वह दर जो वित्तीय परिसंपत्तियों के निवल वहन राशि के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों की प्रत्याशित अवधि के माध्यम से भविष्य की नकद प्राप्तियों का अनुमान लगाती है। लाभ और हानि के जरिए उचित मूल्य पर मापी गई उत्तरवर्ती वित्तीय परिसंपत्तियों पर ब्याज को मान्यता संबंधित अनुबंध की शर्तों के अनुसार उपचित आधार पर दी जाती है और ब्याज आय शीर्षक के अंतर्गत अलग से प्रकट किया जाता है।

जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं किया जाता है, ऋणकर्ताओं से वसूलियों को



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

निम्नलिखित क्रम में विनियोजित किया जाता है : (i) आरईसी की लागत और खर्च (ii) ब्याज कर, यदि कोई है, सहित विलंबित और दंडित ब्याज (iii) ब्याज कर, यदि कोई है, सहित अतिदेय ब्याज और (iv) मूलधन का पुनर्भुगतान; क्रेडिट इम्पेयरमेंट ऋण और वापस मांगे गए ऋणों को छोड़कर, सबसे पुराने होने के नाते उन्हें पहले समायोजित किया जा रहा है, जहां मूलधन की राशि को ब्याज कर, यदि कोई है, सहित अन्य लागतों, खर्चों, विलंबित और दंडात्मक ब्याज और अतिदेय ब्याज की पूर्ण वसूली के बाद ही विनियोजित किया जाता है। वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस)/इनसॉल्वेंसी एंड बैकरोप्सी कोड (आईबीसी) की कार्यवाही के तहत वसूली को पहले मूलधन की बकाया राशि और शेष वसूली के मद में विनियोजित किया जाता है, उसके बाद ब्याज और अन्य प्रभारों, यदि कोई हैं के मद में विनियोजित किया जाता है।

विवेक के मामले के रूप में क्रेडिट इम्पेयरमेंट ऋण परिसंपत्तियों पर आय को प्राप्त होने पर या संयोज के आधार पर मान्यता दी जाती है जब अपेक्षित वसूली बकाया ऋण राशि से अधिक होती है।

उधारकर्ताओं द्वारा ब्याज के सामयिक भुगतान के कारण छूट को मान्यता, संबंधित अनुबंध की शर्तों के अनुसार, संपूर्ण ब्याज राशि का समय पर प्राप्त होने पर दी जाती है और यह तदनुसूची ब्याज आय के समक्ष निवल आय है।

सरकारी योजनाओं से आय

सरकारी योजनाओं पर एजेंसी शुल्क की आय प्रदान की गई सेवाओं और विद्युत मंत्रालय द्वारा स्वीकृत शुल्क की राशि के आधार पर मान्यता दी जाती है।

लाभांश आय

जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है तो कॉर्पोरेट निकायों और म्यूचुअल फंड की यूनिट्स के शेयरों पर लाभांश से आय को प्रोद्भवन के आधार पर ध्यान में रखा जाता है।

बशर्ते कि अंतिम लाभांश के मामले में, भुगतान प्राप्त करने के अधिकार को, केवल वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा लाभांश की मंजूरी प्रदान करने पर विचार जाएगा।

लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर बाद में मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों पर लाभांश को मान्यता 'लाभांश आय' शीर्ष के अंतर्गत अलग से दी जाती है।

निवेश परिसंपत्ति पर किराये की आय

निवेश परिसंपत्ति से प्राप्त किराये की आय को पट्टे की अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर मान्यता दी जाती है।

अन्य सेवाएं

ऋण परिसंपत्तियों पर शुल्क/प्रभारों को, ईआईआर के लिए विचारित किसी समायोजन को छोड़कर, उपचित आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पूर्व-भुगतान प्रीमियम का हिसाब प्राप्ति वर्ष में कंपनी द्वारा किया जाता है।

सेवाएं प्रदान करने (बिक्री) से राजस्व

राजस्व को इस हद तक मान्यता दी जाती है कि इस बात की संभावना बनी रहे है कि समूह को आर्थिक लाभ प्रवाहित होते रहेंगे और राजस्व को विश्वसनीयता के साथ मापा जा सकता है।

समूह भारतीय लेखांकन मानक (इंड एस) 115 द्वारा निर्धारित सिद्धांतों का उपयोग करता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि राजस्व को कितनी और कब मान्यता दी जानी है, राजस्व की प्रकृति, राशि, समय अनुसूची और अनिश्चितता आदि क्या है। उसी के अनुसार, राजस्व को पाँच चरण वाले दृष्टिकोण के माध्यम से मान्यता दी जाती है:

- ग्राहक के साथ संविदा (संविदाओं) की पहचान करना;
- संविदा में अलग-अलग कार्यनिष्पादन दायित्वों की पहचान करना;
- लेन-देन का मूल्य निर्धारित करना;
- कार्यनिष्पादन दायित्वों के लिए लेन-देन की कीमत आवंटित करना; तथा
- कार्यनिष्पादन दायित्वों से संतुष्ट होने पर राजस्व को मान्यता देना।

राजस्वों का मापन प्राप्त या प्राप्य विचारण, छूटों और अन्य अप्रत्यक्ष करों के निवल के उचित मूल्य पर किया जाता है।

कॉस्ट प्लस संविदाओं में - राजस्व को मान्यता संविदा के अनुसार व्ययों की पात्र संविदात्मक मदों और आनुपातिक मार्जिन को शामिल कर दी जाती है;

निर्धारित मूल्य संविदाओं में - राजस्व को मान्यता संविदा के पूरा होने के चरण के आधार पर दी जाती है। समूह ने आकलन किया है कि संविदा के पूरा होने के चरण का निर्धारण रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उस कार्यनिष्पादन दायित्वों को

पूरा करने के लिए अपेक्षित कुल समय के अनुपात के रूप में किया जाता है, जो भारतीय लेखांकन मानक (एस) 115 के अंतर्गत इन कार्यनिष्पादन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में प्रगति का एक उपयुक्त मापक है।

यदि परिस्थितियाँ बदलती हैं, तो राजस्व, लागत या पूर्ण होने की दिशा में प्रगति के अनुमानों को संशोधित किया जाता है। अनुमानित राजस्व या लागत में कोई भी परिणामी वृद्धि या कमी को उस अवधि में लाभ या हानि में दर्शाया जाता है, जिसमें संशोधन को जन्म देने वाली परिस्थितियाँ प्रबंधन द्वारा ज्ञात हो जाती हैं।

टैरिफ आधारित बोली प्रक्रिया के तहत परीक्षण परियोजनाओं के लिए चयनित बोलीदाताओं / डेवलपर्स से लिए जाने वाले व्यावसायिक प्रभारों की गणना उस वर्ष में की जाती है, जिसमें यह यथोचित रूप से निश्चित होता है कि व्यावसायिक प्रभारों का अंतिम संग्रहण किया जाएगा।

प्रस्तावों के लिए अनुरोध (आरएफपी) दस्तावेजों की बिक्री से होने वाली आय को संबंधित एसपीवी को क्रेडिट किया जाता है और अर्हता के लिए अनुरोध (आरएफक्यू) दस्तावेजों की बिक्री से होने वाली आय समूह द्वारा अपने पास रखी जाती है और इसकी गणना समूह की आय के रूप में की जाती है।

3.5 उधार लागत

उधार लेने की लागत में ब्याज और ऐसी अन्य लागतें शामिल होती हैं, जिन्हें समूह निधियों की उधारी के संबंध में खर्च करता है। उधार लेने की लागतें, जो एक अर्हकारी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और/या निर्माण के लिए प्रत्यक्ष रूप से तब तक जिम्मेदार हैं जब तक कि ऐसी अर्हकारी परिसंपत्तियों अपने अभीष्ट उपयोग के लिए तैयार नहीं हो जाती, पूंजीकृत होती हैं। एक अर्हकारी परिसंपत्तियों वह है जो आवश्यक रूप से अपने अभीष्ट उपयोग के लिए तैयारी के संबंध में पर्याप्त समय लेती है।

अन्य सभी उधार लागतें, प्रभावी ब्याज दर पद्धति के अनुसार उपचित आधार पर लाभ और हानि के विवरण हेतु प्रभारित हैं।

3.6 प्रति शेयर अर्जन

प्रति शेयर मूलभूत आय की गणना, अवधि के दौरान बकाया इकिटी शेयरों की भारत औसत संख्या द्वारा इकिटी शेयरधारकों (आरोप्य करों की कटौती के उपरांत) के लिए देय अवधि के संबंध में निवल लाभ या हानि को विभाजित करके की जाती है।

प्रति शेयर डायल्यूटेड आय की गणना करने के लिए, अवधि के दौरान बकाया शेयरों की भारत औसत संख्या और इकिटी हेतु देय अवधि के लिए निवल लाभ या हानि को सभी घटाने योग्य संभावित इकिटी शेयरों के प्रभावों के लिए समायोजित किया जाता है।

3.7 विदेशी मुद्रा रूपांतरण

विदेशी मुद्रा लेन-देन और संतुलन

विदेशी मुद्रा लेन-देन को, लेन-देन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों का उपयोग करके समूह की कार्यात्मक मुद्रा में रूपांतरित किया जाता है।

इस तरह के लेन-देन के निपटान के फलस्वरूप विदेशी मुद्रा लाभ और हानियों और अवधि-अंत विनिमय दरों पर विदेशी मुद्रा में विभाजित मौद्रिक वस्तुओं के पुनः माप को मान्यता लाभ या हानि विवरण में दी जाती है। हालांकि, 1 अप्रैल 2018 से पूर्व समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यतकृत दीर्घकालिक मौद्रिक मदों के लिए, इस तरह के लाभ और हानि को "विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद अंतरण खाते" में संचित किया जाता है और ऐसी प्रत्येक अवधि में आय या व्यय के रूप में पहचान करने के द्वारा, इस प्रकार की दीर्घकालिक मौद्रिक मद की शेष अवधि में परिशोधित किया जाता है।

गैर-मौद्रिक वस्तुओं को अवधि के अंत में पुनः अंतरित नहीं किया जाता है और उनको ऐतिहासिक लागत (लेन-देन की तिथि को विनिमय दरों के उपयोग द्वारा रूपांतरित) पर मापा जाता है।

3.8 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

मान्यता और प्रारंभिक मापन

भूमि

उपयोग के लिए रखी गई भूमि को प्रारंभ में लागत पर मान्यता दी जाती है। भूमि के लिए, जैसा कि कोई परिमित उपयोगिता अवधि निर्धारित नहीं की जा सकती है, इसलिए संबंधित वहन की राशि को परिशोधित नहीं किया जाता है।

भूमि में वह भूमि भी शामिल है जिसे पट्टा समझौते के तहत उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति माना जाता है, जिसे पहले वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता था और पट्टा अवधि के दौरान उसका परिशोधन किया जाता था।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

अन्य मूर्त परिसंपत्तियाँ

भूमि के अन्यत्र पीपीई को प्रारंभ में अधिग्रहण लागत या निर्माण लागत पर मान्यता दी जाती है, जिसमें ऐसी लागतें जो परिसंपत्तियों को स्थान पर लाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोप्य हैं और ऐसी शर्तें जो इसे कंपनी के प्रबंधन द्वारा अभीष्ट ढंग में प्रचालन करने में सक्षम हेतु अनिवार्य बनाती हैं, शामिल हैं।

उत्तरवर्ती लागतों को परिसंपत्तियों की वहन राशि शामिल किया जाता है या एक पृथक परिसंपत्तियों के रूप में, यथा उपयुक्त, केवल उसी समय मान्यता दी जाती है, जब यह संभव है कि मद से जुड़े भावी आर्थिक लाभ एक वर्ष से अधिक कंपनी में प्रवाहित होंगे। पीपीई के अनुरक्षण या सर्विसिंग लागत को हुए लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

उत्तरवर्ती माप (मूल्यहास पद्धति, उपयोगिता अवधि, शेष मूल्य और इम्पेयरमेंट)

पीपीई को बाद में कम संचित मूल्यहास लागत और इम्पेयरमेंट हानियों पर मापा जाता है। पीपीई पर मूल्यहास को, कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II के भाग 'ग' के तहत निर्धारित परिसंपत्तियों के उपयोगी अवधि पर सीधी-रेखा पद्धति के अनुसार प्रदान किया जाता है।

वर्ष के दौरान खरीदी/बेची गई परिसंपत्तियों पर मूल्यहास को परिसंपत्तियों के 15 दिन से अधिक उपयोग होने पर पूरे महीने के लिए प्रभाविता किया जाता है। वर्ष के दौरान खरीदी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यहास ₹5,000 / - तक 100% की दर से प्रदान किया जाता है।

शेष मूल्यों, उपयोगी अवधि और मूल्यहास की पद्धति की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है। भूमि के अन्यत्र पीपीई का इम्पेयरमेंट के लिए परीक्षण तब किया जाता है, जब घटनाओं या परिस्थितियों में परिवर्तन से यह इंगित होता है कि वहन राशि वसूली योग्य नहीं हो सकती है।

अमान्यकरण

पीपीई की एक मद तथा प्रारंभ में मान्यता प्राप्त किसी महत्वपूर्ण अंश को निपटान पर या भविष्य में इसके उपयोग या निपटान से कोई आर्थिक लाभ न होने की संभावना पर, अमान्यकृत किया जाता है। पीपीई की किसी मद के अमान्यकरण पर उत्पन्न किसी लाभ या हानि का निर्धारण, निवल निपटान आय और परिसंपत्तियों की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में किया जाता है तथा उसे लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

पूँजीगत कार्य में प्रगति

रिपोर्टिंग तिथि को निर्माणाधीन पीपीई की लागत को 'पूँजीगत कार्य में प्रगति' के रूप में प्रकट किया जाता है। लागत में क्रय मूल्य, पूँजीकरण मानदंड पूर्ण होने पर उत्थार लागत और परिसंपत्तियों को अभीष्ट उपयोग हेतु इसके कार्यशील स्थिति में लाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोप्य लागत शामिल होती है। व्यापार संबंधी किसी बट्टे एवं छूटों को खरीद मूल्य की प्राप्ति से घटा दिया जाता है। पीपीई के अधिग्रहण/निर्माण के लिए प्रदत्त अग्रिम, जो तुलन-पत्र की तारीख को बकाया हैं, को 'अग्रिम पूँजी' के तहत वर्गीकृत किया गया है।

3.9 निवेश संपत्ति

मान्यता और माप

निवेश संपत्ति वे संपत्तियाँ हैं जो किराया कमाने और/या पूँजी वृद्धि के लिए रखी जाती हैं।

निवेश संपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, जिसमें लेनदेन लागत भी शामिल है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यहास और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, घटाकर मापा जाता है। कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग 'सी' के तहत निर्धारित अनुसार परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा पद्धति पर मूल्यहास लगाया जाता है।

अमान्यकरण

निवेश संपत्तियों की मान्यता समाप्ति तब होती है जब उनका निपटान कर दिया जाता है या जब उन्हें स्थायी रूप से उपयोग से हटा लिया जाता है और उनके निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं होता है। शुद्ध निपटान आय और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर को मान्यता समाप्ति की अवधि में लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है।

निवेश संपत्ति में/से पुनर्वर्गीकरण

निवेश संपत्ति में (या उससे) हस्तांतरण केवल तभी किया जाता है जब उपयोग में कोई परिवर्तन होता है। निवेश संपत्ति और मालिक द्वारा अधिगृहीत संपत्ति के बीच हस्तांतरण से हस्तांतरित संपत्ति की वहन राशि में कोई परिवर्तन नहीं होता है और वे माप या प्रकटीकरण उद्देश्यों के लिए उस संपत्ति की लागत में कोई परिवर्तन नहीं करते हैं।

उचित मूल्य प्रकटीकरण

निवेश संपत्ति का उचित मूल्य नोटों में प्रकट किया जाता है। उचित मूल्य का निर्धारण एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा किया जाता है, जिसके पास मान्यता प्राप्त और प्रासंगिक व्यावसायिक योग्यता होती है और जिसे मूल्यांकन की जा रही निवेश संपत्ति के प्रासंगिक स्थान और श्रेणी में हालिया अनुभव होता है।

3.10 अमूर्त परिसंपत्तियाँ

मान्यता और प्रारंभिक मापन

अमूर्त परिसंपत्तियों का आकलन प्रारंभ में लागत पर किया जाता है। जिसे शुरू में लागत पर मापा जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है, जिनमें यह संभावना है कि परिसंपत्तियों के कारण भावी आर्थिक लाभ समूह में प्रवाहित होंगे।

उत्तरवर्ती माप प्रक्रिया (परिशोधन विधि, उपयोगिता अवधि और शेष मूल्य)

परिमित उपयोगिता अवधि के साथ सभी अमूर्त परिसंपत्तियों को अनुमानित उपयोगिता अवधि से परे एक सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है और यदि अमूर्त परिसंपत्तियों को इम्पेयरमेंट होने का संकेत होता है तो संभावित हानि का आकलन किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए शेष मूल्य और उपयोगिता अवधि की समीक्षा की जाती है। परिवर्तन, यदि कोई हो तो, का लेखांकन प्राक्कलनों में परिवर्तन के रूप में हिसाब लगाया जाता है। प्रबंधन का अनुमान है कि अमूर्त परिसंपत्तियों की उपयोगिता अवधि पांच वर्ष होगी।

विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

ऐसे व्यय, जो अमूर्त परिसंपत्तियों के तहत पूँजीकरण के लिए पात्र हैं, को उनके अभीष्ट उपयोग हेतु तैयार होने तक 'विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियों' के रूप में रखा जाता है। अमूर्त संपत्ति के अधिग्रहण/विकास के लिए किया गया अग्रिम भुगतान जो तुलन पत्र की तिथि पर बकाया हैं 'उन्हें अग्रिम पूँजी' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

अमूर्त परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

किसी अमूर्त परिसंपत्तियों को निपटान के समय या उसके उपयोग या निपटान से कोई भावी आर्थिक लाभ न होने की प्रत्याशा पर अमान्यकृत कर दिया जाता है। किसी अमूर्त परिसंपत्तियों के अमान्यकरण से व्युत्पन्न लाभ या हानि, निवल निपटान आय और परिसंपत्तियों की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में मापित को परिसंपत्तियों को अमान्यकृत किए जाने पर लाभ एवं हानि के विवरण को मान्यता दी जाती है।

3.11 पट्टा लेखांकन:

समूह अल्पकालिक या कम मूल्य के पट्टे के रूप में पहचाने गए पट्टों को छोड़कर सभी पहले से प्रचालनरत पट्टों के संबंध में उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति और संबंधित पट्टा देयता को मान्यता देता है।

समूह संविदा की शुरूआत के समय ही इस बात का मूल्यांकन करता है कि क्या कोई संविदापट्टा संविदा है या इसमें कोई पट्टा निहित है। किसी पट्टे को 'एक ऐसी संविदा, या एक संविदा के भाग के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो परिसंपत्तियों (अंतर्निहित परिसंपत्तियों) को विचारण राशि के बदले में अवधि के लिए उपयोग करने का अधिकार प्रदान करता है।'

इस परिभाषा को लागू करने के लिए समूह इस बात आकलन करता है कि क्या संविदा मूल्यांकन की तीन प्रमुख शर्तों को पूरा करती है या नहीं, जो कि क्या :

- संविदा में पहचान की गई एक ऐसी परिसंपत्तियों शामिल होती है, जिसे या तो संविदा में स्पष्ट रूप से मान्यता दी जाती है या यह स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाता है कि समूह द्वारा परिसंपत्तियों उपलब्ध कराई गई है।
- समूह को संविदा की निर्धारित सीमा के भीतर अपने अधिकारों पर विचार करते हुए उपयोग की अवधि में पहचान की गई परिसंपत्तियों के उपयोग से सभी आर्थिक लाभ प्राप्त करने का अधिकार है।
- समूह के पास यह अधिकार है कि वह इस्तेमाल की गई अवधि के दौरान पहचानी गई परिसंपत्तियों के उपयोग का निर्देश दे। समूह यह आकलन करता है कि क्या उसे यह निदेशित करने का अधिकार है कि उपयोग की संपूर्ण अवधि के दौरान परिसम्पत्ति का उपयोग "कैसे और किस उद्देश्य के लिए" किया जाता है।

पट्टा शुरू होने की तारीख को समूह अपने तुलन पत्र में राइट-ऑफ-यूज परिसम्पत्ति और पट्टा देयता को मान्यता देता है। राइट-ऑफ-यूज परिसम्पत्ति को उस लागत पर मापा जाता है, जो पट्टे की देयता के प्रारंभिक मापन, समूह द्वारा की गई किसी भी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतों, पट्टा कीवधि की समाप्ति पर परिसंपत्तियों को डिसमेंटल करने और हटाने के लिए किसी भी लागत अनुमान और पट्टा प्रारंभ तिथि (प्राप्त किसी भी प्रोत्साहन का निवल) के अग्रिम तौर पर किए गए किसी भी पट्टा भुगतान से मिलकर बनती है।

समूह पट्टा शुरू होने की तारीख से लेकर राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक या पट्टा अवधि की समाप्ति तक एक सीधी रेखा पद्धति के आधार पर राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्तियों का मूल्यहास करता है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

समूह ऐसे संकेतक मौजूद होने पर क्षतिपूर्ति के लिए राइट-ऑफ-यूज परिसम्पत्ति का भी आकलन करता है।

प्रारंभ तिथि को समूह उस तिथि पर पढ़ा भुगतानों के वर्तमान मूल्य पर पढ़ा देयता का मापन पढ़ा में निहित ब्याज दर का उपयोग करके रियायत देते हुए करता है, बशर्ते कि वह दर आसानी से उपलब्ध दर हो या फिर समूह की वृद्धिशील उधार दर हो।

पढ़ा देयता के मापन में शामिल पढ़ा भुगतान स्थिर भुगतानों (यथार्थ रूप में स्थिर को शामिल करते हुए), किसी सूचकांक या दर के आधार पर परिवर्ती भुगतानों, अवशिष्ट मूल्य गारंटी के तहत देय राशि और ऐसे अपेक्षित विकल्पों, जिनका प्रयोग किया जाना निश्चित है, से उत्पन्न भुगतानों को मिलाकर बनते हैं।

प्रारंभिक मापन के बाद, किए गए और ब्याज के लिए बढ़ाए गए भुगतानों के लिए देयता कम हो जाएगी। किसी भी पुनर्मूल्यांकन या संशोधन को प्रतिबिंबित करने के लिए या यदि इन-यथार्थ रूप से निश्चित भुगतानों में कोई परिवर्तन होते हैं, तो इसे फिर से मापा जाता है।

जब पढ़ा देयता को फिर से मापा जाता है, तो संबंधित समायोजन को राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्तियों में और यदि राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्तियों पहले से ही शून्य हो जाती है, तो इसे लाभ और हानि में दर्शाया जाता है।

3.12 बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियाँ

परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली उनके निरंतर उपयोग की बजाय बिक्री लेन-देन के माध्यम से मुख्य रूप से की जाएगी और अगर उनकी बिक्री की प्रबल संभावना है, तो परिसंपत्तियों का वर्गीकरण बिक्री के लिए रखी गयी परिसंपत्तियों के रूप में किया जाता है। एक बिक्री को प्रबल संभावना तब माना जाता है जब ऐसी परिसंपत्तियों को समूह द्वारा बेचे जाने का निर्णय लिया गया है; अपनी वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध है; एक कीमत पर बिक्री के लिए सक्रिय रूप से विपणन किया जा रहा है और बिक्री पर सहमति हो गई है या वर्गीकरण की तारीख के एक वर्ष के भीतर समाप्त होने की उम्मीद है। ऐसी परिसंपत्तियों का कम वहन राशि या कम बिक्री लागत के उचित मूल्य पर मापा जाता है।

बिक्री के लिए रखी गयी परिसंपत्तियाँ तुलन पत्र में अन्य परिसम्पत्तियों से इतर दर्शायी जाती हैं। परिसंपत्तियों का मूल्यहास तब नहीं किया जाता है, जब उन्हें बिक्री के लिए रखी परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

जहां समूह किसी इकाई के नियंत्रण के नुकसान से युक्त बिक्री योजना के लिए प्रतिबद्ध है, तो वह निकाय में निवेश (अर्थात् उस निकाय की सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों) को बिक्री के रखी गई परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत करता है।

3.13 वित्तीय दस्तावेज

वित्तीय दस्तावेज एक ऐसा अनुबंध है जो एक एंटीटी की वित्तीय परिसंपत्तियों और अन्य एंटीटी की वित्तीय देयता या इकिटी इंस्ट्रुमेंट को जन्म देता है।

प्रारंभिक मान्यता और मापन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को मान्यता तब दी जाती है जब समूह, वित्तीय साधन (इंस्ट्रुमेंट) के संविदात्मक उपबंधों के लिए एक पार्टी बन जाता है और इसे प्रारंभ में लेन-देन की लागतों द्वारा समायोजित उचित मूल्य पर मापा जाता है, इसमें वे शामिल नहीं हैं जिन्हें लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर शुरू में मापा जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उत्तरवर्ती माप को नीचे वर्णित किया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का वर्गीकरण और उत्तरवर्ती मापन

उत्तरवर्ती मापन के प्रयोजनार्थ, वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभिक मान्यता पर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- ऋण-परिशोधित लागत
- लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (एफवीटीपीएल)
- अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (एफवीओसीआई)

सभी वित्तीय परिसंपत्तियाँ, एफवीटीपीएल पर या एफवीओसीआई को छोड़कर, पहचान के लिए न्यूनतम प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में इम्पेयरमेंट हेतु समीक्षा के अधीन हैं चाहे इसमें कोई वित्तीय साक्ष्य, जो किसी वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय परिसंपत्तियों के किसी समूह का इम्पेयरमेंट हो। इम्पेयरमेंट का निर्धारण करने के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों की प्रत्येक क्षणी हेतु विभिन्न मानदंड लागू किए गए हैं, जिन्हें नीचे वर्णित किया गया है।

परिशोधित लागत

एक वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रभावी ब्याज दर (ईआरआर) के उपयोग द्वारा ऋण-परिशोधन लागत पर मापा जाता है, यदि निम्नलिखित दोनों निम्न शर्तें पूर्ण होती हैं:

क) वित्तीय परिसंपत्तियों को एक ऐसे बिजनेस मॉडल में रखा जाता है, जिसका उद्देश्य वित्तीय परिसंपत्तियों को धारण करने हेतु संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करना है; तथा

ख) वित्तीय परिसंपत्तियों की संविदात्मक शर्तें नकदी प्रवाहों, जो बकाया मूल राशि पर मूलधन और ब्याज का भुगतान करते हैं, के लिए निर्दिष्ट तिथियों पर जन्म देती हैं।

मूल्यहास भत्ता (अपेक्षित ऋण हानि) परिशोधित लागत पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियों पर निर्धारित किया जाता है।

नकदी प्रवाहों का संशोधन

जब किसी वित्तीय परिसंपत्तियों के संविदात्मक नकदी प्रवाह परिवर्तित या अन्यथा संशोधित किए जाते हैं, और परिवर्तन या संशोधन से उक्त वित्तीय परिसंपत्तियों के अमान्यकरण में कोई प्रभाव नहीं डालते हैं, तो कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों की सकल वहन राशि की पुनःगणना करता है और लाभ या हानि में संशोधित लाभ या हानि की पहचान करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों की सकल वहन राशि की, पुनर्निर्धारित या संशोधित संविदात्मक नकदी प्रवाहों की वर्तमान मूल्य के रूप में पुनःगणना की जाएगी, जो वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल प्रभावी ब्याज दर पर छूट प्रदान करती है। खर्च हुई लागतें या शुल्क संशोधित वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि को समायोजित करते हैं और उनको संशोधित वित्तीय परिसंपत्तियों की शेष अवधि में परिशोधित किया जाता है।

एफवीटीपीएल में वित्तीय परिसंपत्तियाँ

एफवीटीपीएल में वित्तीय परिसंपत्तियों में, ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियाँ शामिल हैं जो या तो परिशोधित लागत वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं या वे ट्रेडिंग हेतु रखे गए इकिटी इंस्ट्रुमेंट हैं अथवा जो कुछ शर्तों को पूरा करती हैं और उन्हें प्रारंभिक मान्यता पर एफवीटीपीएल में नामोद्दिष्ट किया गया है। सभी व्युत्पन्न वित्तीय इंस्ट्रुमेंट भी इस श्रेणी में आते हैं, नामोद्दिष्ट एवं हेजिंग इंस्ट्रुमेंट के रूप में प्रभावी को छोड़कर, जिनके लिए हेज लेखांकन अपेक्षाएं लागू हो सकती हैं। इस श्रेणी में परिसंपत्तियों को लाभ या हानि में मान्यताकृत लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। इस श्रेणी में वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को सक्रिय बाजार लेन-देन के संदर्भ में या कोई सक्रिय बाजार न होने की स्थिति में मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है।

अंतर्निहित व्युत्पन्न

एक अंतर्निहित व्युत्पन्न हाइब्रिड इंस्ट्रुमेंट का एक घटक है जिसमें एक गैर-व्युत्पन्न मेजबान अनुबंध भी इस प्रभाव से शामिल है कि संयुक्त इंस्ट्रुमेंट के कुछ नकदी प्रवाह एक स्टैंड-अलोन व्युत्पन्न के समान भिन्न होते हैं। एक अंतर्निहित व्युत्पन्न कुछ या सभी नकदी प्रवाह का कारण बनता है जो अन्यथा अनुबंध द्वारा निर्दिष्ट ब्याज दर, विदेशी विनिमय दर, या अन्य परिवर्तकों के अनुसार संशोधित करने की आवश्यकता होगी, बशर्ते कि गैर-वित्तीय परिवर्तकों के मामले में, यह एक पार्टी के अनुबंध के लिए विशिष्ट नहीं है।

सभी मेजबान अनुबंधों में अंतर्निहित व्युत्पन्न को अलग-अलग व्युत्पन्न के रूप में गिना जाता है और उचित मूल्य पर दर्ज किया जाता है यदि उनकी आर्थिक विशेषताएँ और जोखिम मेजबान अनुबंधों से निकटता से संबंधित नहीं हैं या यदि अंतर्निहित व्युत्पन्न सुविधा से जोखिम में वृद्धि होती है और हालांकि लाभ या हानि पर मेजबान अनुबंध व्यापार के लिए आयोजित नहीं हैं या उचित मूल्य पर नामित नहीं हैं इन अंतर्निहित व्युत्पन्न को उचित मूल्य पर मापा जाता है जिसमें लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन होते हैं, जब तक कि प्रभावी हेजिंग इंस्ट्रुमेंट के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया जाता है।

एफवीओसीआई में वित्तीय परिसंपत्तियाँ

एफवीओसीआई वित्तीय परिसंपत्तियों में उचित मूल्य पर मापे गए इकिटी इंस्ट्रुमेंट शामिल हैं। एफवीओसीआई के रूप में वर्गीकृत एक इकिटी निवेश को प्रारंभ में उचित मूल्य एवं लेन-देन लागतों पर मापा जाता है। लाभ एवं हानियों को, अन्य व्यापक आय और इकिटी के तहत एफवीओसीआई आरक्षित के अंतर्गत रिपोर्ट की गई राशि में मान्यता प्रदान की जाती है। इसमें लाभांश आय, जिसकी पहचान लाभ या हानि में की गई है, शामिल नहीं है। ओसीआई से लाभ एवं हानि के विवरण, यहां तक कि निवेश के अमान्यकरण से भी ऐसे लाभों और हानियों का कोई पुनर्चक्रण नहीं है। हालांकि, समूह इकिटी के अंतर्गत उक्त का हस्तांतरण कर सकता है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

नियम एवं शर्तों के पर्याप्त संशोधन के कारण वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

समूह एक वित्तीय परिसंपत्तियों को अमान्य करता है, जैसे कि ग्राहक को ऋण देना, जब नियम एवं शर्तों को इस सीमा तक पुनर्निर्धारित किया जाता है कि, काफी हद तक, यह एक नया ऋण बन जाता है, और अंतर की एक अमान्यकरण लाभ या हानि के रूप में पहचान करना, जिसमें एक सीमा तक कि किसी इम्पेयरमेंट हानि को पूर्व में दर्ज नहीं किया गया है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

पर्याप्त संशोधन के अन्यत्र वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यकरण

वित्तीय परिसंपत्तियों (या जहाँ लागू हो, वित्तीय परिसंपत्तियों का एक अंश या समान वित्तीय परिसंपत्तियों के एक समूह का अंश) को, वित्तीय परिसंपत्तियों से नकदी प्रवाह की प्राप्ति का संविदात्मक अधिकार समाप्त होने पर, या वित्तीय परिसंपत्तियों एवं पर्याप्त रूप से सभी जोखिम और पुरस्कार अंतरित किए जाने पर, अमान्यकृत किया जाता है (अर्थात् समूह के तुलन-पत्र से हटा दिया जाता है)। समूह वित्तीय परिसंपत्तियों को भी अमान्यकृत कर देता है, यदि उसने दोनों वित्तीय परिसंपत्तियों को हस्तांतरित और अमान्यकरण के लिए अंतरण अर्हता प्राप्त कर ली हो।

वित्तीय देयताओं का वर्गीकरण और उत्तरवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं को बाद में प्रभावी ब्याज पद्धति के उपयोग द्वारा ऋण-परिशोधन लागत पर मापा जाता है, इसमें टेंडिंग या एफवीटीपीएल में नामोद्दिष्ट के लिए रखी वित्तीय देयताएं शामिल नहीं हैं, जिन्हें लाभ या हानि में मान्यकृत लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर बाद में ले जाया जाता है।

वित्तीय देयताओं का अमान्यकरण

एक वित्तीय देयता को तब अमान्यकृत कर दिया जाता है जब देयता के तहत दायित्व का निर्वहन या रद्द या समाप्त हो जाता है। जब एक मौजूदा वित्तीय देयता को उसी ऋणदाता से मूलतः भिन्न शर्तों पर प्रतिस्थापित किया जाता है या किसी मौजूदा देयता की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन को मूल देयता के अमान्यकरण और नई देयता की मान्यता के रूप में विचारया जाता है। संबंधित वहन राशि में हुए अंतर को लाभ या हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

हेज लेखांकन

हेज लेखांकन के लिए अर्हक होने हेतु हेजिंग के संबंध में निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:

- हेज की गई मद और हेजिंग इंस्ट्रुमेंट के बीच कोई आर्थिक संबंध है।
- क्रेडिट जोखिम का प्रभाव ऐसे मूल्य परिवर्तनों पर वर्चस्व कायम नहीं करता है, जो उस आर्थिक संबंध के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं।
- हेजिंग संबंध का हेज अनुपात ठीक वैसा ही है, जैसे कि हेज किए गए मद की मात्रा से उत्पन्न होता है, जितनी कंपनी वास्तविक रूप से हेज करती है और उस हेजिंग इंस्ट्रुमेंट की मात्रा से उत्पन्न होता है, जिसका प्रयोग कंपनी वास्तविक रूप से हेज किए गए मद की उस मात्रा को हेज करने के लिए करती है।

हेज लेखांकन के अंतर्गत निर्धारित सभी व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों को आरंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को उचित मूल्य पर बाद में रिपोर्ट की जाती है। उस सीमा तक जहाँ तक हेज प्रभावी है, नगदी प्रभाव हेज में हेजिंग लिखतों के रूप में निर्धारित व्युत्पन्नों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को अन्य वृद्ध आय शीर्ष के अंतर्गत दी जाती है और इकिटी में नगदी प्रवाह हेज रिजर्व में इसे शामिल किया जाता है। हेज संबंध में किसी भी अप्रभावशीलता को तत्काल लाभ अथवा हानि में मान्यता दी जाती है।

जब हेज किया गया मद लाभ अथवा हानि को प्रभावित करता है तो उस समय अन्य वृद्ध आय में पहले मान्यता प्राप्त किसी लाभ अथवा हानि को इकिटी से लाभ अथवा हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाता है और अन्य वृद्ध आय में एक पुनः वर्गीकृत समायोजन के रूप में इसे प्रस्तुत किया जाता है।

प्रत्येक हेजिंग संबंध की स्थापना के समय में समूह हेज संबंधों को समूह के जोखिम प्रबंधन लक्ष्य और रणनीतियों के अनुसार औपचारिक रूप से निर्धारित और प्रलेखित करती है। इस प्रलेखन में हेज की गई मद की पहचान, हेजिंग इंस्ट्रुमेंट, हेज किए जा रहे जोखिम (जोखिमों) की प्रकृति, हेज अनुपात और हेजिंग संबंध किस प्रकार से हेजिंग प्रभावशीलता की अपेक्षाओं को पूरा करता है, शामिल हैं।

उचित मूल्य हेजेज

लाभ और हानि के विवरण में हेजिंग उपकरणों के उचित मूल्य में परिवर्तन की मान्यता के अनुरूप, हेज की गई वस्तु के उचित मूल्य में परिवर्तन को जोखिम बचाव के कारण लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है। इस तरह के परिवर्तन हेज किए गए आइटम की अग्रणीत राशि में किए जाते हैं और जब हेजिंग इंस्ट्रुमेंट बाहर निकलना रुक जाता है तो प्रभावी ब्याज दर में उस अवधि में समायोजित किए जाते हैं। यदि हेज किए गए आइटम की मान्यता रद्द कर दी जाती है, तो लाभ और हानि के विवरण में बिना परिशोधित उचित मूल्य को तुरंत मान्यता दी जाती है।

3.14 वित्तीय परिसंपत्तियों का इम्पेयरमेंट

ऋण परिसंपत्तियाँ

यह समूह प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट गुणवत्ता में परिवर्तन के आधार पर अपेक्षित ऋण घाटा (ईसीएल) के रूप में हानि के लिए एक 'तीन-स्तरीय' मॉडल का अनुसरण करता है, जैसा कि नीचे संक्षेप में बताया गया है:

- स्तर-1 में ऐसी ऋण परिसंपत्तियाँ शामिल हैं, जिनमें प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है या जिनकी रिपोर्टिंग तिथि में कम क्रेडिट जोखिम है।
- स्तर-2 में ऐसी ऋण परिसंपत्तियाँ शामिल हैं, जिनमें प्रारंभिक मान्यता से ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन इसमें इम्पेयरमेंट के उद्देश्य का साक्ष्य नहीं है।
- स्तर-3 में ऐसी ऋण परिसंपत्तियाँ शामिल हैं, जिनमें रिपोर्टिंग तिथि में इम्पेयरमेंट के उद्देश्य का साक्ष्य नहीं है।

प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) को चरण-1 ऋण परिसंपत्तियों के लिए 12-माह ईसीएल और चरण-2 के लिए लाइफटाइम ईसीएल और चरण-3 ऋण परिसंपत्तियों में मापा जाता है। ईसीएल डिफॉल्ट की संभावना, डिफॉल्ट पर एक्सपोजर और डिफॉल्ट के कारण हानि (लॉस गिवन डिफॉल्ट) का उत्पाद है, जिसे निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

डिफॉल्ट की संभावना (पीडी) – डिफॉल्ट की संभावना एक उधारकर्ता के अपने वित्तीय दायित्व, चाहे अगले 12 महीनों (12 महीने पीडी) से अधिक हो, या दायित्व के शेष उपयोग-काल (लाइफटाइम पीडी), पर डिफॉल्ट होने की संभावना को निरूपित करती है।

लॉस गिवेन डिफॉल्ट (एलजीडी) – एलजीडी डिफॉल्ट होने पर कंपनी के नुकसान की उम्मीद का प्रतिनिधित्व करता है। एलजीडी को प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है और यह राशि के उस अनुपात को दर्शाता है जो किसी चूक के मामले में वसूलियों के बाद वास्तविक रूप से डिफॉल्ट हो जाएगा।

एक्सपोजर एट डिफॉल्ट (ईएडी) – ईएडी ऐसी राशियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें बकाया मूलधन, संचित ब्याज और बकाया लेटर ऑफ कंपर्ट शामिल होते हैं, जिसकी कंपनी के चूक के समय प्राप्त होने की उम्मीद होती है।

दूरदेशी (फारवर्ड लुकिंग) आर्थिक जानकारी को 12 महीने एवं लाइफटाइम पीडी, और एलजीडी के निर्धारण में शामिल किया जाता है। प्रत्याशित क्रेडिट हानि के मुख्य पूर्वानुमानों की निगरानी और समीक्षा सतत आधार पर की जाती है।

ऋण के अन्यत्र वित्तीय परिसंपत्तियाँ

अपनी अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में, समूह यह आकलन करता है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से उन वित्तीय परिसंपत्तियों पर ऋण जोखिम पर्याप्त रूप से बढ़ गया है। यदि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है, तो समूह 12-महीने की प्रत्याशित क्रेडिट हानि के बराबर राशि पर, अथवा लाइफटाइम क्रेडिट हानियों के समतुल्य राशि पर नुकसान भत्ते को मापता है।

उक्त मूल्यांकन करने के लिए, समूह वित्तीय परिसंपत्तियों पर होने वाले डिफॉल्ट के जोखिम की तुलना, प्रारंभिक मान्यता की तारीख को वित्तीय परिसंपत्तियों पर डिफॉल्ट रूप से घटित होने वाले जोखिम के साथ तुलन-पत्र की तिथि से करता है। समूह उचित और सहायक जानकारी पर भी विचार करता है, जो अदेय लागत या प्रयास के बिना उपलब्ध है, और जो प्रारंभिक पहचान के बाद से क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि की सूचक है। समूह मानता है कि वित्तीय परिसंपत्तियों पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के उपरांत पर्याप्त रूप से बढ़ा नहीं है यदि वित्तीय परिसंपत्तियों तुलन-पत्र की तारीख को निम्न क्रेडिट जोखिम का निर्धारण करती है।

बढ़ते खाते

वित्तीय परिसंपत्तियों को आंशिक रूप से या संपूर्ण रूप से बढ़ते खाते में तब डाला जाता है जब समूह ने वसूली करना बंद कर दिया हो या न्यायिक प्राधिकरण ने आदेश दिया हो।

बढ़ते खाते में डालना एक मान्यता-विच्छेद घटना है। कंपनी बढ़ते खाते में डाली गई वित्तीय परिसंपत्तियों पर प्रवर्तन गतिविधियाँ लागू कर सकती है/समझौते के आधार पर एआरसी/बैंक/वित्तीय संस्थान को ऋण जोखिम सौंप/बेच सकती है।

कंपनी की प्रवर्तन गतिविधियों से होने वाली वसूली लाभ-हानि विवरण में दर्ज की जाती है।

3.15 नकदी एवं नकदी समतुल्य

नकद और नकद समतुल्य में नकद रुपया एवं मांग जमा, अन्य अल्पावधि सहित, अत्यधिक लिक्विड निवेश (तीन महीने से कम की मूल परिपक्वता), जो नकदी की ज्ञात राशियों में आसानी से परिवर्तनीय हैं और जो मूल्य में परिवर्तनों के निरर्थक जोखिम के अधीन हैं, शामिल हैं।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

3.16 लाभांश और इकिटी के रूप में वर्गीकृत लिखतों के धारकों को अन्य भुगतान

शेयरधारकों को देय प्रस्तावित लाभांशों और अंतरिम लाभांशों को उस अवधि, जिसमें उन्हें क्रमशः शेयरधारकों की बैठक और निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया है, के दौरान इकिटी में हुए परिवर्तनों के रूप में मान्यता दी जाती है। इंस्ट्रुमेंट धारकों को इकिटी के रूप में वर्गीकृत देयता को भुगतान के लिए उस अवधि में मान्यता दी जाती है जब समूह द्वारा ऐसे भुगतानों को भुगतान के लिए अधिकृत किया जाता है।

3.17 महत्वपूर्ण पूर्व अवधि त्रुटियाँ

महत्वपूर्ण पूर्व अवधि त्रुटियों को प्रस्तुत पूर्व अवधियों, जिसमें त्रुटि हुई है, के लिए तुलनात्मक राशियों को पुनः प्रस्तुत करने के द्वारा पूर्वव्यापी ढंग में सही किया जाता है। यदि त्रुटि प्रस्तुत पूर्व की अवधि से पहले हुई है तो, पूर्व अवधि के लिए प्रस्तुत परिसंपत्तियों के प्रारंभिक शेष, देनदारियों और इकिटी को पुनः प्रस्तुत किया जाता है।

3.18 पूर्व प्रदत्त व्यय

₹1,00,000/- तक के पूर्व प्रदत्त व्यय को प्रारंभिक मान्यता पर व्यय के रूप में मान्यता दी गई है।

3.19 कराधान

लाभ या हानि में मान्यकृत कर व्यय में आस्थगित कर और चालू कर का योग शामिल है। इसे लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी गई है, सिवाय इसके कि जब यह एक ऐसी मद से संबंधित हो, जिसे ओसीआई में या इकिटी में सीधे मान्यता प्राप्त है, तो ऐसे मामले में, कर को ओसीआई में या इकिटी में सीधे भी मान्यता प्रदान की जाती है।

चालू कर को, अधिनियमित या निश्चित रूप से अधिनियमित और रिपोर्टिंग तिथि को यथा लागू कर की दरों का उपयोग करते हुए, तथा पिछले वर्षों के संबंध में देय कर के समायोजनों को देखते हुए, वर्ष के लिए कर योग्य आय के संबंध में देय कर के रूप में निर्धारित किया जाता है।

आस्थगित कर को, समेकित वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि और कर योग्य आय की गणना में प्रयुक्त तदनुसूची कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों की गणना, छूट के बिना, उन कर दरों पर की जाती है, जिनके संबंधित अवधि की प्राप्ति के लिए लागू होने की प्रत्याशा होती है, बशर्ते कि उन दरों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या निश्चित रूप से अधिनियमित किया जाए। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों ऑफसेट होती है यदि चालू कर देयताओं और परिसंपत्तियों को ऑफसेट करने के लिए कानूनी रूप से प्रवर्तनीय अधिकार है, और वे एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए आयकर से संबंधित हैं।

आस्थगित कर देयता, सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यकृत है। एक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस हद तक मान्यकृत किया जाता है कि यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा, जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकेगा। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा की जाती है और उनको इस सीमा तक कम किया जाता है कि अब यह संभावना नहीं है कि संबंधित कर लाभ की प्राप्ति होगी।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों या देनदारियों में परिवर्तनों को मान्यता लाभ या हानि में कर आय या व्यय के एक घटक के रूप में दी जाती है, सिवाय इसके कि वे उन मदों से संबंधित हैं जिन्हें अन्य व्यापक आय में या सीधे इकिटी में ऐसे मामले में मान्यता दी जाती है, जिनमें संबंधित आस्थगित कर को भी मान्यता क्रमशः अन्य व्यापक आय या इकिटी में दी जाती है।

3.20 कार्मिक हितलाभ

अल्पकालिक कार्मिक हितलाभ

अल्पकालिक कार्मिक हितलाभों में, वेतन, अल्पकालिक क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियों (अर्थात् प्रदत्त वार्षिक अवकाश) जहां ऐसी अवधि, जिसमें कार्मिकों ने संबंधित सेवा प्रस्तुत की है, की समाप्ति के उपरांत बारह महीनों के अंतर्गत अनुपस्थितियों का घटित होना प्रत्याशित है, और ऐसी अवधि, जिसमें कार्मिकों ने सेवा प्रस्तुत की है, की समाप्ति के उपरांत बारह महीनों के तहत देय लाभ सहभागिता एवं बोनस तथा वर्तमान कार्मिकों के लिए गैर-वित्तीय लाभ प्रत्याशित हैं और उन्हें बिना छूट देने के आधार पर मापा जाता है, शामिल हैं।

रोजगार पर्यन्त हितलाभ योजनाओं को निम्नानुसार परिभाषित हितलाभ योजनाओं और परिभाषित अंशदान योजनाओं में वर्गीकृत किया गया है:

परिभाषित अंशदान योजना

परिभाषित अंशदान योजना वह योजना है जिसके तहत समूह एक अलग निधि में कार्मिकों के संबंध में निश्चित अंशदान का भुगतान करता है। समूह पर ऐसी कोई विधिक या रचनात्मक दायित्व नहीं है कि वह अपने निर्धारित अंशदान के भुगतान के उपरांत कोई और अंशदान का भुगतान करे। परिभाषित अंशदान योजनाओं के समक्ष समूह द्वारा किए गए अंशदान को उस अवधि के लाभ या हानि से प्रभारित किया जाता है, जिससे अंशदान संबंधित हैं।

परिभाषित हितलाभ योजना

समूह के पास उपदान, सेवानिवृत्ति पर्यन्त चिकित्सा सुविधा (पीआरएमएफ) और अन्य परिभाषित सेवानिवृत्ति हितलाभ (ओडीआरबी) के प्रति दायित्व है, जिन्हें पात्र कार्मिकों को शामिल करने वाली परिभाषित हितलाभ योजना के रूप में विचारा जा रहा है। परिभाषित हितलाभ योजनाओं के तहत, एक कार्मिक को सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाली राशि को, कार्मिक के सेवाकाल, अंतिम वेतन और अन्य निश्चित मापदंडों के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है। किसी भी लाभ के लिए कानूनी दायित्व समूह का ही रहता है, भले ही परिभाषित लाभ योजना के वित्तपोषण के लिए योजना परिसंपत्तियों को अलग किया गया हो।

परिभाषित हितलाभ योजनाओं के प्रति समूह के दायित्व को परियोजित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है। परिभाषित हितलाभ योजनाओं के लिए वित्तीय स्थिति के विवरण में मान्यकृत दायित्व, रिपोर्टिंग तिथि पर निर्धारित हितलाभ लाभ (डीबीओ) का वर्तमान मूल्य है, जो योजना परिसंपत्तियों का कम उचित मूल्य है। प्रबंधन स्वतंत्र बीमांकिकों की सहायता से प्रतिवर्ष डीबीओ का अनुमान लगाता है।

देयता/परिसंपत्तियों के पुनःमापन के फलस्वरूप बीमांकिक लाभ/हानियां अन्य व्यापक आय में शामिल हैं।

अन्य दीर्घकालिक कार्मिक हितलाभ:

तुलन-पत्र की तारीख के उपरांत एक-वर्ष से अधिक समय के लिए प्राप्त किए जाने वाले देय या प्रत्याशित इम्पेयरमेंट अनुपस्थितियों के संबंध में देयता का अनुमान परियोजित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करते हुए एक स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर लगाया जाता है।

पिछले अनुभव और बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानियों को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है, जिसमें ऐसे लाभों और हानियों को निर्धारित किया गया है।

कार्मिकों को रियायती दर पर ऋण

रियायती दर पर कार्मिकों को दिए गए ऋण को प्रारंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी गई है और तत्पश्चात उसे परिशोधित लागत पर मापा जाता है। ऐसे ऋणों के प्रारंभिक उचित मूल्य और लेन-देन मूल्य के बीच अंतर को आस्थगित कार्मिक लाभ के रूप में मान्यता दी गई है, जिसे ऋण की प्रत्याशित शेष अवधि से परे सीधी-रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है। ऋण की प्रत्याशित शेष अवधि में परिवर्तन के मामले में, परिवर्तन की तिथि को अपरिशोधित आस्थगित कार्मिक लाभ को संभावित आधार पर ऋण की अद्यतन प्रत्याशित शेष अवधि से अधिक पर परिशोधित किया जाता है।

3.21 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां

समूह के पास किसी पिछले वृत्तांत के परिणामस्वरूप वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व होने पर प्रावधानों को मान्यता दी जाती है; यह संभव है कि समूह से आर्थिक संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी और धनराशि का अनुमान विश्वसनीय तौर पर लगाया जा सकता है। बहिर्वाह का समय या राशि अभी भी अनिश्चित हो सकती है। वर्तमान दायित्व के साथ जुड़े जोखिमों और अनिश्चितताओं सहित, रिपोर्टिंग तिथि को उपलब्ध सबसे विश्वसनीय साक्ष्य के आधार पर, प्रावधानों को वर्तमान दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित अनुमानित खर्च पर मापा जाता है। प्रावधानों में उनके वर्तमान मूल्यों, जहां धन का समय मूल्य महत्वपूर्ण है।

निम्न हेतु आकस्मिक देयता को अनावृत किया गया है:

- संभावित दायित्व जिनकी पुष्टि केवल भावी घटनाओं द्वारा की जाएगी, समूह के पूर्णतया नियंत्रण में नहीं हैं या
- अतीत की घटनाओं से उत्पन्न वर्तमान दायित्व जहां यह संभव नहीं है कि दायित्व के निपटान के लिए संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी या दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

ऐसे मामलों में, जहाँ वर्तमान दायित्वों के परिणामस्वरूप आर्थिक संसाधनों का बहिर्वाह असंभव या दूरस्थ माना जाता है, वहाँ किसी दायित्व को मान्यकृत या प्रकट नहीं किया जाता है।

ऐसी किसी प्रतिपूर्ति को, जिसे दायित्व (जैसे कि बीमा से) से संबंधित अन्य पक्ष से एकत्र करने के लिए समूह को लगभग निर्धारित किया जा सकता है, एक पृथक परिसंपत्तियों के रूप में मान्यता दी गई है। हालांकि, यह परिसंपत्तियों संबंधित प्रावधान की राशि से अधिक नहीं हो सकती है।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी जाती है। हालांकि, आर्थिक हितलाभों के अंतर्वाह की संभावना पर, संबंधित परिसंपत्तियों को प्रकट किया जाता है।

3.22 उचित मूल्य मापन

समूह वित्तीय इंस्ट्रूमेंट, अर्थात् प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में उचित मूल्य पर व्युत्पन्नों को मापता है।

उचित मूल्य वह कीमत है जो किसी परिसंपत्तियों को बेचने पर प्राप्त की जाएगी या जिसका भुगतान मापन तिथि को बाजार भागीदारों के बीच एक व्यवस्थित लेन-देन में देयता को अंतरित करने के लिए किया जाएगा। उचित मूल्य मापन ऐसे पूर्वानुमान पर आधारित है जो परिसंपत्तियों को बेचने या निष्प्रेत देयता को अंतरित करने के संबंध में लेन-देन में होता है:

- परिसंपत्तियों या देयता के लिए मुख्य बाजार में, या
- मुख्य बाजार की अनुपस्थिति में, परिसंपत्तियों या देयता के लिए सबसे लाभप्रद बाजार में।

समूह द्वारा मुख्य या सबसे लाभप्रद बाजार में अभिगम्य होना चाहिए।

किसी परिसंपत्तियों या देनदारी के उचित मूल्य को उन पूर्वानुमानों का उपयोग करके मापा जाता है जिन्हें बाजार भागीदार परिसंपत्तियों या देयता, जिसमें जोखिम के बारे में धारणाएं शामिल होती हैं, जिनका मूल्य निर्धारण करने के समय उपयोग करते हैं, और यह मानते हैं कि बाजार प्रतिभागी अपने आर्थिक सर्वोत्तम हित में कार्य करते हैं। गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्य मापन में एक बाजार प्रतिभागी की परिसंपत्तियों को ध्यान में रखकर किया जाता है ताकि परिसंपत्तियों को उसके उच्चतम और श्रेष्ठतम उपयोग में अथवा उसे किसी अन्य बाजार प्रतिभागी, जो इस परिसंपत्तियों का उपयोग इसके उच्चतम एवं श्रेष्ठ समय में करेगा, को बेचने के द्वारा आर्थिक लाभ सृजित किया जा सके।

समूह ऐसी मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करता है, जो परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त हैं और जिसके लिए उचित मूल्य को मापने के लिए पर्याप्त डेटा उपलब्ध है, जिसमें प्रासंगिक अवलोकन योग्य इनपुटों के उपयोग को अधिकतम और अप्रचलित इनपुटों के उपयोग को कम किया जाता है।

सभी परिसंपत्तियाँ और देयताएँ जिनके लिए समेकित वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य को मापा या प्रकट किया जाता है, को उचित मूल्य पदानुक्रम के भीतर वर्गीकृत किया गया है, जो निम्न स्तरीय इनपुट पर आधारित हैं, और जो संपूर्ण रूप से उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण हैं:

- स्तर 1 – समरूपी परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत (असमायोजित) बाजार मूल्य
- स्तर 2 - मूल्यांकन तकनीकें जिसके लिए सबसे कम स्तर का इनपुट, जो उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विचारणीय है
- स्तर 3 - मूल्यांकन तकनीकें जिसके लिए सबसे कम स्तर का इनपुट, जो उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है, अविचारणीय है।

समेकित वित्तीय विवरणों में नियमित रूप से मान्यकृत परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए, समूह यह निर्धारित करता है कि क्या प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में श्रेणीकरण पुनर्मूल्यांकन (न्यूनतम स्तर इनपुट के आधार पर, जो संपूर्ण मूल्य के लिए महत्वपूर्ण है) द्वारा अनुक्रम में स्तरों के बीच अंतरण हुए हैं।

3.23 वित्तीय लिखतों की ऑफसेटिंग

यदि मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का वर्तमान में प्रवर्तन योग्य कानूनी अधिकार प्राप्त होता है और परिसंपत्तियों को मूर्त रूप देने तथा बाद में देयताओं का निराकरण करने के लिए निवल आधार पर उनका समाधान करने का कोई इरादा होता है, तो वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं को ऑफसेट किया जाता है और निवल राशि तुलनपत्र में रिपोर्ट की जाती है।

3.24 सामान्य नियंत्रण के तहत कारोबार कॉम्बिनेशन

एक कारोबार कॉम्बिनेशन, यदि कोई है, जिसमें सामान्य नियंत्रण में संस्थाएँ या कारोबार शामिल हैं, एक कारोबार कॉम्बिनेशन है जिसमें सभी कॉम्बिनेशन संस्थाओं या कारोबार को अंततः एक ही पार्टी या पार्टियों द्वारा कारोबार कॉम्बिनेशन से पहले और बाद में नियंत्रित किया जाता है और यह नियंत्रण अस्थायी नहीं है।

सामान्य नियंत्रण के तहत संस्थाओं या कारोबारों को शामिल करने वाले कारोबार कॉम्बिनेशन को निम्नानुसार ब्याज पद्धति के पूलिंग का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है:

- संयुक्त संस्थाओं की परिसंपत्ति और देनदारियाँ उनकी अग्रणीत राशियों में परिलक्षित होती हैं।
- उचित मूल्यों को प्रतिबिंबित करने, या नई परिसंपत्तियों या देनदारियों को पहचानने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता है। कॉम्बिनेशन केवल महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए किए जाते हैं।
- पूर्व अवधियों के संबंध में वित्तीय विवरणों में वित्तीय जानकारी को इस प्रकार पुनर्कथित किया जाता है जैसे कि वित्तीय विवरणों में कारोबार कॉम्बिनेशन पूर्ववर्ती अवधि की शुरुआत से हुआ हो, भले ही कॉम्बिनेशन की वास्तविक तिथि कुछ भी हो।

हस्तांतरणकर्ता के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली प्रतिधारित आय की शेष राशि को अंतरिती के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली संगत शेष राशि के साथ जोड़ दिया जाता है। रिज़र्व की पहचान संरक्षित है और अंतरणकर्ता के भंडार अंतरिती के रिज़र्व बन जाते हैं।

यदि कोई अंतर हो, जारी की गई शेयर पूंजी के रूप में दर्ज की गई राशि के साथ-साथ नकद या अन्य परिसंपत्तियों के रूप में कोई अतिरिक्त प्रतिफल और हस्तांतरणकर्ता की शेयर पूंजी की राशि को पूंजी आरक्षित में स्थानांतरित कर दिया जाता है और अन्य पूंजी रिज़र्व से अलग प्रस्तुत किया जाता है।

3.25 शेयरों के निर्गम पर व्यय

शेयरों के निर्गम पर व्यय, यदि कोई हो, प्रतिभूति प्रीमियम खाते में प्रभाषित किया जाता है।

4. नए / संशोधित मानकों का कार्यान्वयन

वर्ष के दौरान, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने कुछ इंड-एएस में संशोधन जारी किए हैं। कंपनी ने इन संशोधनों के प्रभाव का विश्लेषण किया है, समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। इसके अलावा, एमसीए ने कंपनी पर लागू होने वाला कोई नया इंड-एएस जारी नहीं किया है।

5. लेखांकन नीतियों और अनिश्चितता के आकलन को लागू करने में महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय

समूह के समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन को निर्णय लेने, आकलन करने और ऐसे पूर्वानुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो राजस्व, व्यय, परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्टकृत राशियों और संबंधित प्रकटीकरण को प्रभावित करते हैं। अनुमान और अंतर्निहित धारणाएँ ऐतिहासिक अनुभव और अन्य प्रासंगिक कारकों पर आधारित हैं और इनकी निरंतर समीक्षा की जाती है। वास्तविक परिणाम इन आकलनों से अलग हो सकते हैं।

लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन- इस प्रकार के परिवर्तनों, यदि कोई हो, को उस अवधि में निर्धारित किया जाता है जब संशोधन केवल उस अवधि को प्रभावित करता है या संशोधन की अवधि और यदि यह वर्तमान और भविष्य दोनों अवधियों को प्रभावित करता है तो उसे संशोधित किया जाता है।

महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय

आस्थगित कर परिसंपत्तियों / देयताओं को मान्यता - वह सीमा, जिस हद तक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जा सकती है, यह भविष्य की कर योग्य आय की सम्भावना के आकलन पर आधारित है, जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों का सदुपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, प्रबंधन का आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के तहत बनाए गए और अनुरक्षित विशेष रिज़र्व से निकासी करने का कोई इरादा नहीं है और इस प्रकार, बनाए गए और रखे गए विशेष रिज़र्व प्रत्यावर्तित होने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए, समूह उक्त रिज़र्व पर किसी भी तरह की कर देयता सृजित नहीं करता है।

समूह की कंपनियों के अवितरित रिज़र्व पर आस्थगित कर देयता की मान्यता - वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अपने शेयरधारकों के लिए घोषित लाभांश की सीमा तक इक्विटी निवेशों से लाभांश आय के संबंध में लागू कर कानूनों में प्रावधान उपलब्ध कराए जाते हैं। कंपनी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और लाभांश वितरण नीति को ध्यान में रखते हुए कंपनी समूह की कंपनियों के अवितरित रिज़र्व पर कोई कर देयता की उम्मीद तब नहीं करती है जब इस तरह के रिज़र्व वितरित कर दिए जाते हैं। इसलिए, कंपनी समूह कंपनियों के अवितरित रिज़र्व पर कोई आस्थगित कर देयता नहीं बनाती है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

परिसंपत्तियों की इम्पेयरमेंट के लिए संकेतकों का मूल्यांकन - परिसंपत्तियों की इम्पेयरमेंट के संकेतकों की प्रयोज्यता का मूल्यांकन करने के लिए कई बाहरी और आंतरिक कारकों का मूल्यांकन करने की आवश्यक है, जिसके परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों की वसूलनीय राशि में गिरावट हो सकती है।

एसपीवी में निवेश - पारेषण परियोजनाओं को भारत सरकार से आदेश के अनुसार प्रबंधित किया जाता है और समूह के पास इन परियोजनाओं की प्रासंगिक गतिविधियों को एकतरफा रूप से निर्देशित करने की व्यावहारिक क्षमता उपलब्ध नहीं है। इसलिए समूह संबंधित एसपीवी में अपने निवेश को महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाले सहयोगी कंपनियों के रूप में मानता है, जबकि उनकी प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी में कंपनी की शेयरधारिता 100% होती है।

क्रेडिट इम्पेयर्ड ऋणों पर ब्याज आय की गैर-मान्यता - विवेक के मामले के रूप में क्रेडिट इम्पेयर्ड ऋण परिसंपत्तियों पर आय को प्राप्त होने पर या संचय के आधार पर मान्यता दी जाती है जब अपेक्षित वसूली बकाया ऋण राशि से अधिक होती है।

महत्वपूर्ण आकलन

मूल्यहास/परिशोधन योग्य परिसंपत्तियों की उपयोगिता अवधि - प्रबंधन परिसंपत्तियों की प्रत्याशित उपयोगिता के आधार पर, प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मूल्यहास/परिशोधन योग्य परिसंपत्तियों की उपयोगिता अवधि के संबंध में अपने आकलन की समीक्षा करता है। इन आकलनों में अनिश्चितता, तकनीकी और आर्थिक अप्रचलन से संबंधित है जो परिसंपत्तियों की उपयोगिता को परिवर्तित कर सकती है।

परिभाषित हितलाभ दायित्व (डीबीओ) - डीबीओ के संबंध में प्रबंधन का आकलन कई अंतर्निहित पूर्वानुमानों जैसे मुद्रास्फीति, मृत्यु दर, छूट की दर और भावी वेतन-वृद्धियों की प्रत्याशा पर आधारित है। इन पूर्वानुमानों में भिन्नता डीबीओ राशि और वार्षिक सुनिश्चित हितलाभ व्ययों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है।

उचित मूल्य मापन - वित्तीय इंस्ट्रुमेंटों के उचित मूल्य (जहां सक्रिय बाजार की भाव-दरें उपलब्ध नहीं हैं) निर्धारित करने के लिए प्रबंधन मूल्यांकन तकनीकों को लागू करता है। इसमें ऐसे विकासशील आकलन और पूर्वानुमान शामिल हैं, जो बाजार भागीदारों इंस्ट्रुमेंट की कीमत तय करने के अनुरूप होंगे। किसी परिसंपत्तियों या देयता के उचित मूल्य का आकलन करने में, समूह बाजार-अवलोकनीय डेटा का उपयोग उसके उपलब्ध होने की सीमा तक करता है। बाजार-अवलोकनीय डेटा की अनुपलब्धता के मामले में, उचित मूल्यांकन के लिए स्तर 2 और स्तर 3 पदानुक्रम का उपयोग किया जाता है।

आयकर - आयकरों के प्रावधान को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण आकलन शामिल हैं, जिसमें अनिश्चित कर स्थितियों के लिए भुगतान की जाने वाली राशि/वसूल की जाती है और आस्थगित कर परिसंपत्तियों का आकलन करने के लिए अपेक्षित भावी लाभप्रदता भी शामिल है।

प्रत्याशित क्रेडिट हानि ('ईसीएल') - परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए प्रत्याशित क्रेडिट हानि भत्ते के मापन में जटिल मॉडल और भावी आर्थिक स्थितियों एवं क्रेडिट व्यवहार (अर्थात् डिफॉल्ट रूप से ग्राहकों की संभावना और परिणामी नुकसान) के बारे में महत्वपूर्ण पूर्वानुमानों की आवश्यकता होती है। ईसीएल का आकलन करने के लिए प्रत्याशित ऋण हानि का मूल्यांकन करते हुए समूह निम्नलिखित के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लेता है:

- क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए मापदंड का निर्धारण;
- प्रत्येक प्रकार के उत्पाद/बाजार और संबद्ध ईसीएल के लिए दूरदेशी परिदृश्यों की संख्या और सापेक्ष भार की स्थापना करना; तथा
- ईसीएल को मापने के लिए समरूपी वित्तीय परिसंपत्तियों के समूहों की स्थापना करना;
- डिफॉल्ट की संभाव्यता और डिफॉल्ट फलस्वरूप हानि का आकलन करना (डिफॉल्ट के मामले में वसूलनीय राशि का आकलन करना)।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

6. नकदी एवं नकदी के समतुल्य*

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
हस्तगत रोकड़ (अग्रदाय सहित)	0.02	0.02
चालू खातों में बैंकों में शेष राशि	51.47	67.65
3 माह से कम की मूल परिपक्वता के साथ जमा	182.08	195.08
कुल	233.57	262.75

7. बैंकों में शेष (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)*

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
बैंकों में चिन्हित शेष		
-अप्रदत्त लाभांश के लिए	1,079.07	1,192.72
-अनुदान के रूप में आगे संवितरण के लिए सरकारी निधि के लिए	60.13	69.55
चिन्हित सावधिक जमा राशि		
- न्यायालय आदेश के अनुपालन में जमा राशि	0.72	0.67
-54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड के लंबित आवंटन के लिए बैंकों के पास शेष राशि उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है	595.88	1,245.41
3 महीने से अधिक की मूल परिपक्वता वाली बैंक जमा राशियाँ	374.00	191.40
कुल	2,109.80	2,699.75

*नकदी और नकदी के समतुल्य एवं बैंकों में शेष राशि के संबंध में 31 मार्च 2025 तक (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा) कोई रिपैट्रिब्यूशन प्रतिबंध नहीं है (पिछले वर्ष शून्य)।

8. व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम और ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए व्युत्पन्न में प्रवेश करती है। जोखिम प्रबंधन उद्देश्यों के लिए अभियोजित किए गए व्युत्पन्न में हेज शामिल हैं जिन्हें या तो हेज अकाउंटिंग आवश्यकताओं के तहत प्रभावी हेज के रूप में नामित किया गया है या हेज जो आर्थिक हेज हैं। नीचे दी गई तालिका में परिसंपत्तियों या देनदारियों के रूप में दर्ज किए गए डेरिवेटिव वित्तीय साधनों के उचित मूल्यों को उनकी काल्पनिक राशियों के साथ दिखाया गया है।

व्युत्पन्न के संबंध में जोखिम प्रबंधन प्रकटनों के लिए टिप्पणी 52 देखें।

(भाग I)

	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
विवरण	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं
(i) मुद्रा व्युत्पन्न						
-मुद्रा स्वैप्स	3,209.30	87.12	-	3,126.52	43.34	38.13
-अन्य						
-सीगुल विकल्प	1,62,207.47	16,288.81	1,386.11	1,21,107.24	11,070.97	411.82
उप-जोड़ (i)	1,65,416.77	16,375.93	1,386.11	1,24,233.76	11,114.31	449.95
(ii) ब्याज दर व्युत्पन्न						
-अग्रिम दर करार एवं ब्याज दर स्वैप्स	1,07,505.58	1,056.25	283.95	72,128.13	1,367.71	309.75
उप-जोड़ (ii)	1,07,505.58	1,056.25	283.95	72,128.13	1,367.71	309.75
(iii) अन्य व्युत्पन्न	-	-	-	-	-	-
कुल-व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स (i + ii+iii)	2,72,922.35	17,432.18	1,670.06	1,96,361.89	12,482.02	759.70

भाग II

भाग- I में शामिल डेरिवेटिव्स ऐसे हैं जो हेजिंग और जोखिम प्रबंधन के प्रयोजन से धारित हैं, जो इस प्रकार हैं :

	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
विवरण	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियां	उचित मूल्य देयताएं
(i) उचित मूल्य हेजिंग						
-ब्याज दर व्युत्पन्न						
- अग्रिम दर करार एवं ब्याज दर स्वैप्स	13,995.70	22.92	76.48	15,950.70	-	297.73
उप-जोड़ (i)	13,995.70	22.92	76.48	15,950.70	-	297.73



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियाँ	उचित मूल्य देयताएं	कल्पित राशि	उचित मूल्य-परिसंपत्तियाँ	उचित मूल्य देयताएं
(ii) नकदी प्रवाह हेजिंग						
- मुद्रा व्युत्पन्न						
-मुद्रा स्वैप्स	3,209.30	87.12	-	3,126.52	43.34	38.13
-अन्य						
-सीगुल विकल्प	1,62,207.47	16,288.80	1,386.11	1,21,107.24	11,070.96	411.82
-ब्याज दर व्युत्पन्न						
- अग्रिम दर करार एवं ब्याज दर स्वैप्स	86,809.88	645.85	207.47	49,477.43	905.30	12.02
उप-जोड़ (ii)	2,52,226.65	17,021.77	1,593.58	1,73,711.19	12,019.60	461.97
(iii) गैर- नामोदिष्ट व्युत्पन्न	6,700.00	387.49	-	6,700.00	462.42	-
कुल - व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स (i+ii+iii)	2,72,922.35	17,432.18	1,670.06	1,96,361.89	12,482.02	759.70

व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स को प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य पर मापा जाता है। प्रभावी नकदी प्रवाह हेज में हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तन अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त हैं। उचित मूल्य हेज के मामले में, हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ-साथ हेज किए गए मद की वहन राशि में उचित मूल्य परिवर्तन लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त हैं। अनिर्दिष्ट व्युत्पन्न के लिए, उचित मूल्य में परिवर्तन लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त हैं।

9. प्राप्य

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
I ट्रेड प्राप्य			
(i) अप्रतिभूत, शोध समझे गए		179.93	115.13
घटाएं: प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए भत्ता		(1.89)	(8.83)
		178.04	106.30
(ii) ट्रेड प्राप्य जिसमें क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है		70.07	58.90
घटाएं: प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए भत्ता		(20.65)	(16.58)
		49.42	42.32
(iii) क्रेडिट इंपेयर्ड प्राप्य		73.48	66.40
घटाएं: प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए भत्ता		(65.81)	(61.20)
		7.67	5.20
उप-जोड़ -I (i+ii+iii)		235.13	153.82
II अन्य प्राप्य			
(i) अप्रतिभूत, शोध समझे गए		2.26	3.70
घटाएं: प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए भत्ता		(0.27)	(0.92)
		1.99	2.78
उप-जोड़ -II (ii)		1.99	2.78
कुल प्राप्य (I+II)		237.12	156.60

9.1 ट्रेड प्राप्य आयु निर्धारण अनुसूची

		(₹ करोड़ में)						
विवरण		31 मार्च 2025 तक बकाया राशि						कुल
		देय नहीं	6 माह से कम	6 माह- 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
(i) -निर्विवादित ट्रेड प्राप्य								
- शोध समझे गए		57.25	67.32	55.35	-	-	-	179.93
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		-	-	-	27.52	42.55	-	70.07
- क्रेडिट इंपेयर्ड		-	-	-	-	-	73.48	73.48
उप-जोड़ (i)		57.25	67.32	55.35	27.52	42.55	73.48	323.48
(ii) -निर्विवादित ट्रेड प्राप्य								
- शोध समझे गए		-	-	-	-	-	-	-
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		-	-	-	-	-	-	-
- क्रेडिट इंपेयर्ड		-	-	-	-	-	-	-
उप-जोड़ (ii)		-	-	-	-	-	-	-
कुल (i+ii)		57.25	67.32	55.35	27.52	42.55	73.48	323.48

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2024 तक बकाया राशि						
	देय नहीं	6 माह से कम	6 माह- 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
(i) -निर्विवादित ट्रेड प्राप्य							
- शोध समझे गए	55.48	29.88	29.76	-	-	-	115.12
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	50.10	8.80	-	58.91
- क्रेडिट इंपेयर्ड	-	-	-	-	-	66.40	66.40
उप-जोड़ (i)	55.48	29.88	29.76	50.10	8.80	66.40	240.43
(ii) -निर्विवादित ट्रेड प्राप्य							
- शोध समझे गए	-	-	-	-	-	-	-
- जिसके क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-
- क्रेडिट इंपेयर्ड	-	-	-	-	-	-	-
उप-जोड़ (ii)	-	-	-	-	-	-	-
कुल (i+ii)	55.48	29.88	29.76	50.10	8.80	66.40	240.43

9.2 एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष तक की व्यापारिक प्राप्तियों को ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि वाली प्राप्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तीन वर्ष से अधिक की व्यापारिक प्राप्तियों को ऋण क्षतिग्रस्त प्राप्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

9.3 कंपनी या किसी फर्म या निजी कंपनी के निदेशकों या अन्य अधिकारियों से कोई ट्रेड या अन्य प्राप्य देय नहीं है, जिसमें कोई निदेशक भागीदार, निदेशक या सदस्य हो।

9.4 ट्रेड और अन्य प्राप्य पर इम्पेयरमेंट भत्ते का संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	ट्रेड प्राप्य	अन्य प्राप्य	ट्रेड प्राप्य	अन्य प्राप्य
प्रारंभिक राशि	86.61	0.92	158.33	0.92
जोड़ें: वर्ष के दौरान सृजित	2.12	-	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान रिवर्स/ समायोजित	0.39	0.65	71.72	-
जमा शेष	88.35	0.27	86.61	0.92

10. ऋण

कंपनी ने भारतीय-लेखांकन मानक 109 की अपेक्षाओं के अनुसार सभी ऋणों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(क) ऋण				
(i) सावधिक ऋण	5,03,711.30	5,06,320.65	4,62,090.27	4,63,975.61
(ii) कार्यशील पूंजीगत ऋण	63,171.99	63,563.19	47,280.68	47,596.96
कुल (क)- सकल ऋण	5,66,883.29	5,69,883.84	5,09,370.95	5,11,572.57
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(10,795.76)	(10,795.76)	(12,380.52)	(12,380.52)
कुल (क)- निवल ऋण	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05
(ख) प्रतिभूति का ब्यौरा				
(i) मूर्त परिसंपत्तियों द्वारा प्रतिभूत	2,71,337.02	2,72,035.63	2,47,650.53	2,48,205.98
(ii) सरकारी गारंटी के अंतर्गत	2,54,317.95	2,56,407.38	2,24,500.49	2,25,967.86
(iii) अप्रतिभूत	41,228.32	41,440.83	37,219.92	37,398.72
कुल(ख)- सकल ऋण	5,66,883.29	5,69,883.84	5,09,370.95	5,11,572.57
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(10,795.76)	(10,795.76)	(12,380.52)	(12,380.52)
कुल(ख)- निवल ऋण	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05
(ग)(i) भारत में ऋण				
(i) सार्वजनिक क्षेत्र	4,94,578.16	4,97,757.68	4,54,647.08	4,56,894.28
(ii) निजी क्षेत्र	72,305.13	72,126.16	54,723.87	54,678.29
कुल (ग) (i) - सकल ऋण	5,66,883.29	5,69,883.84	5,09,370.95	5,11,572.57
घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(10,795.76)	(10,795.76)	(12,380.52)	(12,380.52)
कुल (ग) (i)- निवल ऋण	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(ग) भारत से बाहर ऋण	-	-	-	-
(II) घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	-	-	-	-
कुल (ग) (II) - निवल ऋण	-	-	-	-
कुल (ग) (I) एवं (ग) (II)	5,56,087.53	5,59,088.08	4,96,990.43	4,99,192.05

10.1 भारतीय-लेखांकन मानक के तहत सूचित किए गए आंकड़ों और ऋणों के संबंध में बकाया संविदा राशि के बीच समाधान:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
निवल ऋण	5,59,088.08	4,99,192.05
घटाएं: भारतीय- लेखांकन मानक के तहत उसी शीर्ष के अन्तर्गत वर्गीकृत ऋणों पर अर्जित ब्याज और बकाया राशि	(886.34)	(300.36)
घटाएं: भारतीय- लेखांकन मानक के तहत उसी शीर्ष के अन्तर्गत वर्गीकृत ऋणों पर अर्जित ब्याज और बिन बकाया राशि	(2,657.54)	(2,201.98)
जोड़ें: भारतीय- लेखांकन मानक के तहत बंद की गई संभावित ऋण हानि (ईसीएल) के लिए भत्ता	10,795.76	12,380.52
जोड़ें: प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पर शुल्क आधारित आय के संबंध में भारतीय- लेखांकन मानक समायोजन	543.33	300.72
सकल ऋण	5,66,883.29	5,09,370.95

10.2 ऋणों के संबंध में इंपेयरमेंट हानि भत्ते का संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारम्भिक शेष	12,380.52	14,263.75
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्रदान किया गया इंपेयरमेंट हानि भत्ते (टिप्पणी 39 देखें)	899.78	(1,383.21)
घटाएं : ऋणों के राइट ऑफ हेतु प्रयुक्त भत्ते	(2,484.54)	(500.02)
अंतिम शेष	10,795.76	12,380.52

10.3 इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की कार्यवाही / वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस)/पुनर्गठन के तहत निपटान के संदर्भ में कंपनी ने ₹ 2484.54 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 500.02 करोड़) की राशि के ऋणों को रिटन-ऑफ किया है। चालू वर्ष के लिए राइट-ऑफ का विवरण निम्नानुसार है:

(i) चालू वर्ष के दौरान

- लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड के संबंध में 06 सितंबर 2024 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹ 836.11 करोड़ (₹ 721.34 करोड़ की नकदी और ₹ 114.77 करोड़ की वसूली योग्य के रूप में अन्य वित्तीय परिसंपत्ति) की वसूली के बाद ₹ 1378.10 करोड़ की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया है, जिसके साथ ₹ 1406.47 करोड़ की ईसीएल को भी उलट दिया गया है।
- लिंक्स इंडिया लिमिटेड के संबंध में 21 अक्टूबर 2024 को निष्पादित एकमुश्त निपटान के अनुसार, कंपनी ने ₹ 1.02 करोड़ की नकद वसूली के साथ ₹ 1.96 करोड़ के ईसीएल के प्रत्यावर्तन के बाद ₹ 0.94 करोड़ की राशि बट्टे खाते में डाल दी है।
- नागाई पावर प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में 02 दिसंबर 2024 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹ 189.49 करोड़ (₹ 59.05 करोड़ की नकदी और ₹ 130.43 करोड़ की वसूली योग्य के रूप में अन्य वित्तीय परिसंपत्ति) की वसूली के बाद ₹ 371.50 करोड़ की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया है, जिसके साथ ₹ 398.79 करोड़ के ईसीएल को भी वापस कर दिया गया है।
- दिनांक 07 जून 2019 को जारी आरबीआई परिपत्र "तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचा" के अंतर्गत कॉर्पोरेट पावर लिमिटेड के संबंध में 27 फरवरी 2025 को निष्पादित समाधान समझौते (एआरसी को सौंपे गए ऋण के माध्यम से) के अनुसार, कंपनी ने ₹ 63.00 करोड़ की नकद वसूली को विनियोजित करने के बाद ₹ 797.00 करोड़ की ईसीएल के संगत प्रत्यावर्तन के बाद ₹ 734.00 करोड़ की राशि बट्टे खाते में डाल दी है।
- केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड के संबंध में 06 मार्च 2025 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹ 1361.09 करोड़ के ईसीएल के अनुरूप प्रत्यावर्तन के साथ ₹ 3572.82 करोड़ की नकद वसूली को विनियोजित करने के बाद ₹ 2596.36 करोड़ का संपूर्ण बकाया ऋण और बकाया ब्याज के रूप में ₹ 976.46 करोड़ वसूल कर लिए हैं।

(ii) पिछले वर्ष के दौरान

- 07 जून 2019 को जारी आरबीआई परिपत्र "तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचा" के तहत डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में 21 दिसंबर 2023 को निष्पादित पुनर्गठन समझौते के अनुसार, कंपनी को ₹ 415.99 करोड़ (₹ 415.99 करोड़ का सावधि ऋण और वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर शून्य) की वसूली के साथ ₹ 40.17 करोड़ के ईसीएल के अनुरूप प्रत्यावर्तन के बाद ₹ 366.88 करोड़ का पूरा बकाया प्राप्त हुआ है।
- मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के संबंध में 10 अगस्त 2023 को निष्पादित आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी ने ₹ 211.23 करोड़ (₹ 50.90 करोड़ की नकदी और ₹ 160.33 करोड़ के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी)) की वसूली के साथ ₹ 488.42 करोड़ के ईसीएल के अनुरूप प्रत्यावर्तन के बाद ₹ 499.61 करोड़ की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया है।
- क्लासिक ग्लोबल लिमिटेड के संबंध में 20 नवंबर 2023 को निष्पादित एकमुश्त निपटान के अनुसार, कंपनी ने ₹ 2.50 करोड़ की नकद वसूली के साथ ₹ 2.91 करोड़ के ईसीएल को वापस करने के बाद ₹ 0.41 करोड़ की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

10.4 कंपनी तुलन पत्र की तिथि के अनुसार शेष राशि के लिए उधारकर्ताओं से शेष राशि की पुष्टि प्राप्त करती है। उधारकर्ताओं से प्राप्त शेष राशि की पुष्टि का सारांश इस प्रकार है:

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	%	राशि	%	राशि
कंपनी की सकल ऋण बही		5,66,883.29		5,09,370.95
ऋण परिसंपत्तियां जिनके लिए उधारकर्ताओं से शेष राशि की पुष्टि प्राप्त हुई है	95%	5,41,262.29	94%	4,76,725.31
ऋण परिसंपत्तियां जिनके लिए उधारकर्ताओं से शेष राशि की पुष्टि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है जिसमें से,	5%	25,621.00	6%	32,645.64
मूर्त परिसंपत्ति द्वारा प्रतिभूत ऋण	50%	12,824.31	47%	15,457.53
सरकारी गारंटी के अंतर्गत आने वाले ऋण/सरकार को दिए जाने वाले ऋण	28%	7,271.98	34%	11,149.39
अप्रतिभूत ऋण	22%	5,524.71	19%	6,038.73

10.5 कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थों") सहित किसी भी अन्य व्यक्ति(व्यक्तियों) या इकाई(यों) को कोई भी धनराशि अग्रिम या उधार या निवेश नहीं की गई है (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार की निधि से) इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ कंपनी (अंतिम लाभार्थियों) द्वारा या उसकी ओर से पहचानी गई पार्टी को उधार देगा या निवेश करेगा। कंपनी को इस समझ के साथ किसी भी पार्टी (फंडिंग पार्टी) से कोई निधि प्राप्त नहीं हुई है कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इनके जैसा कुछ प्रदान करें।

11. निवेश

विवरण	परिशोधित लागत	उचित मूल्य पर			उप-जोड़	अन्य (लागत पर)	कुल
		अन्य व्यापक आय के माध्यम से	लाभ अथवा हानि के माध्यम से	लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर विनिर्दिष्ट			
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5= 1+2+3+4)	(6)	(7= 5+6)
31 मार्च, 2025 तक							
सरकारी प्रतिभूतियां	1,621.86	-	-	-	1,621.86	-	1,621.86
ऋण प्रतिभूतियां	3,609.44	-	968.18	-	4,577.62	-	4,577.62
इकिटी दस्तावेज							
- सहायक कंपनियां	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	-	386.80	90.62	-	477.42	-	477.42
अधिमानित शेयर	28.72	-	-	-	28.72	-	28.72
कुल - सकल (क)	5,260.02	386.80	1,058.80	-	6,705.62	-	6,705.62
भारत से बाहर निवेश	-	-	-	-	-	-	-
भारत में निवेश	5,260.02	386.80	1,058.80	-	6,705.62	-	6,705.62
कुल - सकल (ख)	5,260.02	386.80	1,058.80	-	6,705.62	-	6,705.62
कुल निवेश	5,260.02	386.80	1,058.80	-	6,705.62	-	6,705.62
घटाएं: इंवेयरमेंट हानि भत्ता (ग)	(31.98)	-	-	-	(31.98)	-	(31.98)
कुल - निवल (घ=क-ग)	5,228.04	386.80	1,058.80	-	6,673.64	-	6,673.64
31 मार्च, 2024 तक							
सरकारी प्रतिभूतियां	1,624.08	-	-	-	1,624.08	-	1,624.08
ऋण प्रतिभूतियां	2,176.20	-	1,065.03	-	3,241.23	-	3,241.23
इकिटी दस्तावेज							
- सहायक कंपनियां	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	-	410.64	76.37	-	487.01	-	487.01
अधिमानित शेयर	28.72	-	-	-	28.72	-	28.72
कुल - सकल (क)	3,829.00	410.64	1,141.40	-	5,381.04	-	5,381.04
भारत से बाहर निवेश	-	-	-	-	-	-	-
भारत में निवेश	3,829.00	410.64	1,141.40	-	5,381.04	-	5,381.04
कुल - सकल (ख)	3,829.00	410.64	1,141.40	-	5,381.04	-	5,381.04
कुल निवेश	3,829.00	410.64	1,141.40	-	5,381.04	-	5,381.04
घटाएं: इंवेयरमेंट हानि भत्ता (ग)	(28.72)	-	-	-	(28.72)	-	(28.72)
कुल - निवल (घ=क-ग)	3,800.28	410.64	1,141.40	-	5,352.32	-	5,352.32



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

11.1 निवेशों के ब्योरे

		(₹ करोड़ में)			
विवरण	पर मापे गए निवेश	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि
(क) कुल-केंद्र/राज्य सरकार की प्रतिभूतियां-उद्धृत (एचक्यूएलए)*	परिशोधित लागत	15,86,33,000	1,621.86	15,86,33,000	1,624.08
(ख) ऋण प्रतिभूतियां					
(i) कॉर्पोरेट बॉण्ड - उद्धृत (एचक्यूएलए)*			2,853.35		1,436.83
- 9.95% उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल)	परिशोधित लागत	3,700	335.15	3,700	373.32
- 9.62% आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेज्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल)	परिशोधित लागत	1,235	127.30	1,235	127.86
- 9.70% उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल)	परिशोधित लागत	550	56.53	550	56.85
- केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के 8.49% ग्रीन बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	4,998	51.00	4,998	49.98
- केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के 9.10% घरेलू बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	69,846	699.31	49,994	500.56
- 9.50% दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल)	परिशोधित लागत	1,25,650	1,256.75	-	-
- महानगर दूरभाष निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के 8% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	1,000	102.97	1,000	102.98
- महानगर दूरभाष निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के 7.05% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	850	88.04	850	88.09
- भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के 6.65% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	20.60	200	20.61
- टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसी) के 7.19% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	250	26.27	250	26.30
- दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के 8.69% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	20.74	200	21.06
- पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के 7.30% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	21.73	200	21.98
- चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) के 5.78% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	150	15.61	150	15.62
- भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के 6.11% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	100	10.45	100	10.47
- एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएमडीसी) के 7.30% बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	200	20.90	200	21.15
(ii) ऋण प्रतिभूतियां (एचक्यूएलए के अलावा)			1,724.27		1,804.40
- जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीजीआईएएल) के 10% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर - उद्धृत	परिशोधित लागत	49,488	493.56	49,488	493.20
- केनरा बैंक के 7.99% सतत बॉण्ड्स - उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	200	207.78	200	208.49
- यूको बैंक के 9.50% सतत बॉण्ड्स - उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	228	239.55	228	228.80
- पंजाब नेशनल बैंक के 8.55% सतत बॉण्ड्स - उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	500	520.85	500	510.65
- 3% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर - एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की शृंखला क - गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	-	-	15,22,63,003	81.30
- 3% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर - एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की शृंखला ख - गैर-उद्धृत	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	-	-	6,70,35,820	35.79
- वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर - एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की शृंखला ग - गैर-उद्धृत**	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	-	-	1,86,35,162	-
- मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के 0% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) - गैर-उद्धृत	परिशोधित लागत	2,50,95,356	189.65	2,50,95,356	169.01
- झाबुआ पावर लिमिटेड के 8.50% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) - गैर-उद्धृत	परिशोधित लागत	42,90,030	40.76	45,04,532	45.05
- आर.के.एम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड के 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) शृंखला क - गैर-उद्धृत **	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	21,38,03,170	-	21,38,03,170	-
- आर.के.एम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड की 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) शृंखला ख - गैर-उद्धृत**	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	63,03,032	-	63,03,032	-
- आर.के.एम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड की 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) शृंखला एआई- गैर-उद्धृत**	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	1,04,74,150	-	1,04,74,150	-
- डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) - गैर-उद्धृत **	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	2,13,75,000	-	2,13,75,000	-

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	पर मापे गए निवेश	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि
- आवास और शहरी विकास निगम (हुडको) के 15 वर्ष के प्रतिभूत प्रतिदेय गैर परिवर्तनीय पर 7.39% कर मुक्त बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	86,798	8.81	86,798	8.82
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण लिमिटेड (एनएचआई) के 7.35% कर मुक्त बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	42,855	4.60	42,855	4.60
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण लिमिटेड (एनएचआई) का 7.39% कर मुक्त	परिशोधित लागत	35,463	3.68	35,463	3.68
- भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरडीए) के 7.49% कर मुक्त बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	61,308	6.22	61,308	6.21
- भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) के 7.35% कर मुक्त बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	22,338	2.31	22,338	2.31
- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के 7.35% कर मुक्त बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	14,028	1.41	14,028	1.40
- आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) के 8.76% कर मुक्त बॉण्ड्स	परिशोधित लागत	50,000	5.09	50,000	5.09
कुल (ख) - ऋण प्रतिभूतियाँ (i+ii)			4,577.62		3,241.23
(ग) इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स					
(i) कुल - अनुषंगी					
(ii) अन्य					
- एनएचपीसी लिमिटेड- उद्धृत	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	1,04,69,555	86.06	1,04,69,555	93.91
- एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड- गैर-उद्धृत	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	21,81,00,000	120.39	21,81,00,000	136.50
- यूनिवर्सल क्मोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड- गैर-उद्धृत	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	1,60,00,000	-	1,60,00,000	-
- झाबुआ पावर लिमिटेड	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	2,78,85,211	171.51	2,78,85,211	177.72
- इंड बाराथ एनर्जी (उत्कल) लिमिटेड	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	127	8.84	127	2.51
- रतन इंडिया पावर लिमिटेड- उद्धृत	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	9,25,68,105	90.62	9,25,68,105	76.37
- आर.के.एम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड- गैर-उद्धृत **	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	18,17,90,667	-	18,17,90,667	-
कुल - अन्य			477.42		487.01
कुल (ग) - इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स (i+ii)			477.42		487.01
(घ) अधिमानित शेयर - गैर-उद्धृत					
- प्रतिदेय, रतन इंडिया पावर लिमिटेड द्वारा जारी	परिशोधित लागत	2,87,20,978	28.72	2,87,20,978	28.72
- वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय, रतन इंडिया पावर लिमिटेड द्वारा जारी	लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य	4,33,03,616	-	4,33,03,616	-
कुल - अधिमानित शेयर			28.72		28.72
(ङ) कुल निवेश (क से घ)			6,705.62		5,381.04
(च) घटाएं: इंपेयरमेंट हानि भत्ता			(31.98)		(28.72)
(छ) कुल - निवल (ङ-च)			6,673.64		5,352.32

उचित मूल्य पर दिखाए गए निवेश की मूल्यांकन तकनीक के लिए टिप्पणी 57.1 देखें

*उच्च गुणवत्ता वाली तरल संपत्ति (एचक्यूएलए) मास्टर निर्देश के अनुसार बनाए रखी जाती है - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023

** दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) कार्यवाही/एकमुश्त निपटान (ओटीएस)/पुनर्गठन के तहत निपटान के संदर्भ में ऋण के अस्थिर हिस्से के लिए प्राप्ता।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

11.2 निवेश के संबंध में इंपेयरमेंट हानि भत्ते का संचलन:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक जमा	28.72	28.72
जोड़ें: इंपेयरमेंट हानि भत्ता	3.26	-
घटाएँ: निवेश को राइट ऑफ करने के लिए उपयोग किया जाने वाला भत्ता	-	-
अंतिम शेष	31.98	28.72

11.3 दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) कार्यवाही / एकमुश्त निपटान (ओटीएस) / पुनर्गठन के तहत निपटान के संदर्भ में, कंपनी को निम्नलिखित निवेश प्राप्त हुए हैं:

(i) चालू वर्ष के दौरान:

(क) केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड के संबंध में आईबीसी कार्यवाही के तहत स्वीकृत समाधान योजना के अनुसार, आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड को 22 अप्रैल 2025 को इकिटी धारक वित्तीय लेनदारों के पक्ष में ₹ 10/- अंकित मूल्य वाले 17,567 इकिटी शेयर आवंटित किए गए हैं। इन इकिटी शेयरों में कंपनी का हिस्सा 13.019% है।

(ii) पिछले वर्ष के दौरान:

(क) डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में पुनर्गठन समझौते के अनुसार, कंपनी को 0.01% वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) की 2,13,75,000 संख्या आवंटित की गई है, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹ 100/- है।

(ख) मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के संबंध में आईबीसी कार्यवाही के तहत अनुमोदित समाधान योजना के अनुसार, कंपनी को 2,50,95,356 0% गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) आवंटित किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹ 100/- है।

अधिक जानकारी के लिए टिप्पणी संख्या 10.3 देखें।

11.4 कंपनी ने कुछ इकिटी इंस्ट्रुमेंट्स को एफवीओसीआई (अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य) में नामित करने के लिए एक अपरिवर्तनीय विकल्प चुना है। कंपनी के संचालन में केवल एक व्यावसायिक क्षेत्र शामिल है जैसे विद्युत, लॉजिस्टिक और अवसंरचना क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करना। इस प्रकार, इन इंस्ट्रुमेंट्स के मूल्य में उतार-चढ़ाव से लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण को अलग करने के लिए, प्रबंधन का मानना है कि यह उन्हें एफवीटीपीएल (लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य) में वर्गीकृत करने के बजाय अधिक सार्थक प्रेजेंटेशन प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान अमान्य किए गए एफवीओसीआई निवेशों का विवरण:

(₹ करोड़ में)

कंपनी का नाम	वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2023-24		
	अमान्य शेयरों की संख्या	मान्यता रद्द होने के समय उचित मूल्य	मान्यता रद्द होने के समय संचयी लाभ/ (हानि)	अमान्य शेयरों की संख्या	मान्यता रद्द होने के समय उचित मूल्य	मान्यता रद्द होने के समय संचयी लाभ/ (हानि)
एनएचपीसी लिमिटेड		शून्य		58,82,025	60.94	48.14
हुडको लिमिटेड				3,47,429	6.45	4.37

कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोई इकिटी शेयर नहीं बेचा है। पिछले वर्ष के दौरान, कंपनी ने बाजार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए एनएचपीसी लिमिटेड के 58,82,025 इकिटी शेयर और हुडको लिमिटेड के पूरे 3,47,429 इकिटी शेयर क्रमशः ₹ 60.94 करोड़ और ₹ 6.45 करोड़ के मूल्य पर स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से बेचे हैं। इस प्रकार शेयरों की पहचान रद्द कर दी गई है और इस तरह की बिक्री पर संचयी लाभ (कर के बाद निवल) को अन्य व्यापक आय से प्रतिधारित आय में स्थानांतरित कर दिया गया है।

11.5 कंपनी के निदेशक मंडल ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी), गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी ("जीआईएफटी"), गांधीनगर, गुजरात में एक वित्त कंपनी के रूप में अनुमेय गतिविधियों में काम करने के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (डब्ल्यूओएस) को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त कंपनी को मौजूदा एफईएमए विनियमों के तहत एक अनिवासी इकाई माना जाएगा और एकीकृत नियामक यानी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) द्वारा शासित किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने 03 मई 2024 के अपने पत्र के माध्यम से प्रस्तावित इकाई की स्थापना के लिए "अनापत्ति प्रमाण पत्र" (एनओसी) प्रदान किया है। कंपनी को प्रस्तावित इकाई को शामिल करने के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय से अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त होना बाकी है।

12. अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप 'अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां' के अंतर्गत सभी घटकों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) कार्मिकों को ऋण	78.07	57.99
(ख) कार्मिकों को अग्रिम	0.43	0.90
(ग) होल्टिंग कंपनी से वसूली योग्य	2.82	0.51
(घ) प्रतिभूति जमा राशि	2.46	1.55
(ङ) भिन्नता मार्जिन के लिए अग्रिम भुगतान	0.63	-
(च) भारत सरकार से वसूली योग्य		
भारत सरकार के पूर्णतया सेवा प्रदत्त बॉण्ड के संबंध में	24,318.29	24,319.40
(छ) अन्य वसूली योग्य राशि	351.20	102.22
घटाएँ : इंपेयरमेंट हानि भत्ता	(149.71)	(39.93)
अन्य वसूली योग्य राशि (निवल)	201.49	62.29
कुल (क से च)	24,604.19	24,442.64

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

12.1 कार्मिकों को दिए गए ऋणों का विवरण (शोध समझे गए)

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप परिशोधित लागत में वर्गीकृत निर्दिष्ट शर्तों और पुनर्भुगतान शेड्यूल के साथ कार्मिकों को ऋण दिया है।

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क)	प्रतिभूत ऋण		
	- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों को	0.01	0.06
	- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के अलावा अन्य कार्मिकों को	36.33	37.38
	उप - जोड़ (क)	36.34	37.44
(ख)	अप्रतिभूत ऋण		
	- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों को	0.12	0.24
	- मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के अलावा अन्य कार्मिकों को	41.61	20.31
	उप - जोड़ (ख)	41.73	20.55
	जोड़ (क + ख)	78.07	57.99

उपरोक्त आंकड़ों में ऐसे ऋणों पर उपचित ब्याज, जिसकी कुल राशि ₹ 12.92 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 10.3 करोड़) है, शामिल है।

12.2 अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर इंपेयरमेंट हानि भत्ते का संचलन

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	प्रारम्भिक शेष	39.93	46.59
	जोड़े : वर्ष के दौरान सृजित	129.91	8.68
	घटाएँ : वर्ष के दौरान वापस किया गया / समायोजित किया गया	(20.13)	(15.34)
	अंतिम शेष	149.71	39.93

13. चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	अग्रिम आयकर एवं टीडीएस	4,403.41	305.47
	घटाएँ: आय कर हेतु प्रावधान	(4,001.29)	(0.80)
	उप- जोड़ (1)	402.12	304.67
	प्रतियोगिता की मांग के अंतर्गत आयकर पर जमा कर	5.20	5.26
	प्रतियोगिता की मांग के अंतर्गत आयकर हेतु प्रावधान	(0.25)	(0.25)
	उप- जोड़ (2)	4.95	5.01
	चालू कर परिसंपत्तियाँ - निवल (1+2)	407.07	309.68

14. आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

		(₹ करोड़ में)	
	विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	2,868.70	2,500.96

14.1 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताओं के महत्वपूर्ण घटक इस प्रकार हैं:

		(₹ करोड़ में)			
	विवरण	प्रारम्भिक शेष	लाभ या हानि में मान्य	ओसीआई में मान्य	अंतिम राशि
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ				
	प्रत्याशित ऋण हानियाँ	2,846.62	(268.94)	-	2,577.68
	अर्जित अवकाश के लिए प्रावधान	8.51	1.38	-	9.89
	चिकित्सा अवकाश के लिए प्रावधान	5.42	0.48	-	5.90
	अन्य व्यय के लिए प्रावधान	(0.07)	0.03	-	(0.04)
	निवेशों का उचित मूल्यांकन	(1.67)	(8.67)	-	(10.34)
	व्युत्पन्नों का उचित मूल्यांकन	161.25	35.75	502.31	699.31
	कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (क)	3,020.06	(239.97)	502.31	3,282.40
	आस्थगित कर देयताएँ				
	मूल्यहास और परिशोधन	32.63	2.60	-	35.23
	अपरिशोधित विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव	187.43	(19.09)	-	168.34



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	प्रारम्भिक शेष	लाभ या हानि में मान्य	ओसीआई में मान्य	अन्य	अंतिम राशि
वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं को परिशोधित लागत पर मापा जाता है	243.36	(35.45)	-	-	207.91
ऋण प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन	55.68	(53.46)	-	-	2.22
कुल आस्थगित कर देयताएं (ख)	519.10	(105.40)	-	-	413.70
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल) (क - ख)	2,500.96	(134.58)	502.31	-	2,868.69

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताओं के महत्वपूर्ण घटक इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रारम्भिक शेष	लाभ या हानि में मान्य	ओसीआई में मान्य	अन्य	अंतिम राशि
आस्थगित कर परिसंपत्तियां					
प्रत्याशित ऋण हानियां	3,376.59	(529.97)	-	-	2,846.62
अर्जित अवकाश के लिए प्रावधान	6.80	1.71	-	-	8.51
चिकित्सा अवकाश के लिए प्रावधान	5.19	0.23	-	-	5.42
निवेशों का उचित मूल्यांकन	0.12	(0.19)	-	-	(0.07)
अन्य व्यय के लिए प्रावधान	14.49	(11.66)	(4.50)	-	(1.67)
व्युत्पन्नों का उचित मूल्यांकन	446.46	35.48	(320.69)	-	161.25
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (क)	3,849.65	(504.40)	(325.19)	-	3,020.06
आस्थगित कर देयताएं					
मूल्यहास और परिशोधन	26.49	6.14	-	-	32.63
अपरिशोधित विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव	218.30	(30.87)	-	-	187.43
वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं को परिशोधित लागत पर मापा जाता है	232.11	11.25	-	-	243.36
ऋण प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन	65.19	(9.51)	-	-	55.68
कुल आस्थगित कर देयताएं (ख)	542.09	(22.99)	-	-	519.10
कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियां - निवल (क-ख)	3,307.56	(481.42)	(325.19)	-	2,500.96

15. निवेश संपत्ति

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रारंभिक जमा	वर्ष के दौरान हस्तांतरण/जोड़	वर्ष के दौरान बिक्री/समायोजन	जमा शेष
31.03.2025 तक				
सकल वहन मूल्य	-	2.46	-	2.46
संचित मूल्यहास	-	(1.45)	-	(1.45)
निवल वहन मूल्य	-	1.01	-	1.01
31.03.2024 तक				
सकल वहन मूल्य	-	-	-	-
संचित मूल्यहास	-	-	-	-
निवल वहन मूल्य	-	-	-	-

15.1 कंपनी की निवेश संपत्तियों में दिल्ली, भारत में स्थित इमारतें शामिल हैं। इन निवेश संपत्तियों से वर्ष के दौरान किराये की आय ₹ 14.97 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) है। निवेश संपत्ति से कोई प्रत्यक्ष परिचालन व्यय उत्पन्न नहीं हुआ।

15.2 कंपनी के पास अपनी निवेश संपत्तियों की प्राप्ति पर कोई प्रतिबंध नहीं है और निवेश संपत्तियों को खरीदने, निर्माण या विकसित करने या मरम्मत, रखरखाव और संवर्द्धन के लिए कोई संविदात्मक दायित्व नहीं है।

15.3 निवेश संपत्ति का उचित मूल्य:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वाहक मूल्य	1.01	-
उचित मूल्य	163.00	-

ये मूल्यांकन एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा अपनी निवेश संपत्तियों के लिए कम से कम सालाना किए गए मूल्यांकन पर आधारित हैं। निवेश संपत्ति का उचित मूल्य आय दृष्टिकोण के आधार पर एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है। निवेश संपत्ति के लिए सभी परिणामी उचित मूल्य अनुमान स्तर 2 में शामिल हैं।

16. संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर, पूंजीगत कार्य-प्रगति और अन्य अमूर्त संपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)													
विवरण	संपत्ति संयंत्र उपकरण										पूँजीगत कार्य प्रगति पर	विकासार्थीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अन्य अमूर्त संपत्तियाँ
	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	उपयोग के अधिकार वाली भूमि	भवन	संयंत्र उपकरण	फर्नीचर और फिक्स्चर	ईडीपी उपकरण	कार्यालय उपकरण	वाहन	कुल	अचल संपत्ति	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	
सकल वहन मूल्य													
31-03-2023 तक	110.39	1.59	456.90	20.06	67.69	26.58	25.52	0.54	709.27	2.72	-	-	14.72
परिवर्धन	-	-	-	0.39	2.68	9.19	7.95	0.18	20.39	20.34	-	-	-
उधार की लागत पूँजीकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0.53	-	-	-
निपटान	-	-	-	-	(3.10)	(3.60)	(6.73)	(0.01)	(13.44)	-	-	-	(0.01)
31-03-2024 तक (क)	110.39	1.59	456.90	20.45	67.27	32.17	26.74	0.71	716.22	23.59	-	-	14.71
31-03-2024 तक	110.39	1.59	456.90	20.45	67.27	32.17	26.74	0.71	716.22	23.59	-	-	14.71
परिवर्धन	-	-	-	-	4.59	12.03	11.21	0.25	28.08	49.40	-	-	1.61
उधार की लागत पूँजीकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3.02	-	-	-
निपटान/स्थानान्तरण	-	-	(2.46)	-	(4.82)	(5.76)	(10.22)	(0.46)	(23.71)	-	-	-	-
31-03-2025 तक (ख)	110.39	1.59	454.44	20.45	67.04	38.44	27.74	0.50	720.58	76.01	-	-	16.32
संचित मूल्यहास/ परिशोधन													
31-03-2023 तक	-	0.39	20.61	2.23	15.71	18.70	12.08	0.38	70.10	-	-	-	13.09
वर्ष के लिए प्रभार	-	0.02	7.21	1.29	6.13	4.49	3.70	0.04	22.88	-	-	-	1.11
निपटान के लिए समायोजन	-	-	-	-	(1.59)	(2.55)	(3.60)	-	(7.74)	-	-	-	(0.01)
31-03-2024 तक (ग)	-	0.41	27.82	3.52	20.25	20.64	12.18	0.42	85.24	-	-	-	14.19
31-03-2024 तक	-	0.41	27.82	3.52	20.25	20.64	12.18	0.42	85.24	-	-	-	14.19
वर्ष के लिए प्रभार	-	0.09	6.42	1.30	6.10	5.47	4.18	0.04	23.61	-	-	-	0.29
निपटान/स्थानान्तरण के ल	-	-	(0.65)	-	(3.07)	(3.79)	(6.36)	(0.39)	(14.26)	-	-	-	-
31-03-2025 तक (घ)	-	0.50	33.59	4.82	23.27	22.31	10.00	0.07	94.58	-	-	-	14.48
31-03-2024 तक नेट ब्लॉक (क-ग)	110.39	1.18	429.08	16.93	47.02	11.53	14.56	0.29	630.98	23.59	-	-	0.52
31-03-2025 तक नेट ब्लॉक (ख-घ)	110.39	1.09	420.85	15.63	43.76	16.12	17.73	0.43	625.99	76.01	-	-	1.84



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

16.1 कंपनी द्वारा अर्जित अचल संपत्ति के संबंध में स्वामित्व विलेख के पंजीकरण से संबंधित औपचारिकताएं अभी निष्पादित की जानी हैं। विवरण नीचे दिए गए हैं:

(क) 31.03. 2025 तक

(₹ करोड़ में)

संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर का विवरण	सकल वहन मूल्य	निवल वहन मूल्य	के नाम पर स्वामित्व विलेख	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कार्मिक है	कब से कब तक रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
बिल्डिंग - कार्यालय कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003	4.59	1.83	शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के अधीन भूमि एवं विकास अधिकारी	नहीं	1990	भूमि एवं विकास अधिकारी की औपचारिकताएं पूरी होने तक, स्कोप कॉम्प्लेक्स में कंपनी को आवंटित कार्यालय स्थान कंपनी के नाम पर पंजीकृत नहीं किया गया है।

(ख) 31.03.2024 तक

(₹ करोड़ में)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का विवरण	सकल वहन मूल्य	निवल वहन मूल्य	के नाम पर स्वामित्व विलेख	क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कार्मिक है	कब से कब तक रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
बिल्डिंग - कार्यालय कोर 4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003	4.59	1.89	शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के अधीन भूमि एवं विकास अधिकारी	नहीं	1990	भूमि एवं विकास अधिकारी की औपचारिकताएं पूरी होने तक, स्कोप कॉम्प्लेक्स में कंपनी को आवंटित कार्यालय स्थान कंपनी के नाम पर पंजीकृत नहीं किया गया है।

16.2 नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कंपनी के सुरक्षित उधार के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में कुछ संपत्ति, संयंत्र और उपकरण गिरवी रखे गए हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
सकल वहन मूल्य	3.48	3.48
निवल वहन मूल्य	2.26	2.31

16.3 प्रगति पर पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)

(क) सीडब्ल्यूआईपी सूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक					31-03-2024 तक				
	की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल	की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगति पर परियोजनाएं										
- गुरुग्राम में आरईसी टाउनशिप	52.42	20.87	1.24	1.48	76.01	20.87	1.24	0.08	1.40	23.59
कुल	52.42	20.87	1.24	1.48	76.01	20.87	1.24	0.08	1.40	23.59

रिपोर्टिंग वर्ष में कोई भी पूंजीगत कार्य प्रगति पर नहीं है, जहां गतिविधि निलंबित कर दी गई हो।

(ख) सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता सूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक					31-03-2024 तक				
	में पूर्ण किया जाएगा				कुल	में पूर्ण किया जाएगा				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगति पर परियोजनाएं										
- गुरुग्राम में आरईसी टाउनशिप	76.01	-	-	-	76.01	-	23.59	-	-	23.59
कुल	76.01	-	-	-	76.01	-	23.59	-	-	23.59

16.4 वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों का कोई पुनर्मूल्यांकन नहीं किया गया है (पिछले वर्ष शून्य)।

16.5 प्रबंधन की राय में, ऐसी कोई घटना या परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं है जो भारतीय लेखा मानक 36 'परिसंपत्तियों की हानि' के संदर्भ में पीपीई और अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की हानि को इंगित करता हो। तदनुसार, हानि के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

- 16.6** जबकि कंपनी ने अर्हक परिसंपत्ति के निर्माण के लिए कोई विशिष्ट उधार नहीं लिया है, कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 23 'उधार लागत' के संदर्भ में कंपनी के लिए 7.13% (पिछले वर्ष 7.28%) की औसत उधार दर पर सामान्य उधार के कारण ₹ 3.02 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 0.53 करोड़) की उधार लागत की राशि को पूंजीकृत किया है।
- 16.7** इंड-एस 38 "अमूर्त आस्तियों" के अंतर्गत अमूर्त आस्तियों के संबंध में प्रकटीकरण आवश्यक है
परिशोधन दर 20% (यदि परिसंपत्ति की कुल लागत ₹ 5,000 या उससे कम है तो 100%)

17. अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
अप्रतिभूत, (शोध्य समझे गए)		
(क) पूंजीगत अग्रिम	-	0.17
(ख) अन्य अग्रिम	71.20	31.33
(ग) सरकारी प्राधिकारियों के साथ शेष	21.70	42.36
(घ) पूर्व-व्यय निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय	5.53	5.34
(ङ) प्रीपेड खर्च	15.74	22.01
(च) आस्थगित कार्मिक लागत	24.58	15.81
(छ) अन्य परिसंपत्तियां	-	0.01
कुल (क से छ)	138.75	117.03

18. बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों का वर्गीकरण

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) निपटान समूह		
(i) सहयोगी कंपनियों में निवेश	0.30	0.90
(ii) सहयोगी कंपनियों को ऋण	3.57	19.25
(iii) बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों पर इम्पेयरमेंट का प्रावधान	-	-
उप-जोड़ (i+ii+iii)	3.87	20.15
(ख) बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों का वर्गीकरण-भवन	0.01	0.05
कुल (ख)	0.01	0.05
कुल योग (क+ख)	3.88	20.20

31.03.2025 को बिक्री के लिए धारित परिसंपत्तियों में ₹ 0.01 करोड़ के मुकदमे के तहत की परिसंपत्ति का परिणाम लंबित होने तक, परिसंपत्ति की दोबारा नीलामी नहीं की जा सकती (पिछले वर्ष ₹ 0.01 करोड़)।

18.1 सहयोगी कंपनियों में निवेश

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
सहयोगी कंपनियों (पूर्णतया प्रदत्त) के इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स में निवेश		
प्रत्येक ₹10 के प्रति इकिटी शेयर		
लुहरि पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.05	0.05
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
नेरेस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
राजस्थान भाग 1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.05	0.05
कल्लम ट्रांस्को लिमिटेड	-	0.05
खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
खावड़ा IV-ई2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
खावड़ा V ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
राजस्थान IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
राजस्थान IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
राजस्थान IV ई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
राजस्थान IV एच1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.05	0.05
एनईआरजीएस I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
तुमकुर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.05	-
राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.05	-
वार्न्स टेल गॉन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.05	-
कुल	0.30	0.90

18.2 सहयोगी कंपनियों को ऋण

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
एसपीवी-अंडर इनकॉर्पोरेशन से प्राप्य	(0.22)	-
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	1.85
नेरेस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.91
लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	1.39	1.07
जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	3.83
राजस्थान पार्ट 1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.67
शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	1.30	0.56
खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.54
खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.41
खावड़ा IV ई2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.33
खावड़ा V-ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.43
राजस्थान IV-ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.41
राजस्थान IV-सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.34
राजस्थान IV-ई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.38
राजस्थान IV एच1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.51
कल्लम ट्रांसको लिमिटेड	-	6.41
एनईआरजीएस-1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.35
तुमकुर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.20
कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.01	-
ईआरईएस-XXXXIX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	0.05
तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.41	-
वार्न्स टेल गॉन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.29	-
राजगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	-
राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.17	-
वेलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.11	-
जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.11	-
कुल	3.57	19.25

18.3 प्रबंधन ने इन संस्थाओं को विद्युत मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित बोली प्रक्रिया के माध्यम से बेचने के उद्देश्य से शामिल किया था। ऐसी कोई संभावना नहीं है कि प्रबंधन को इन संस्थाओं को बेचने के अलावा उनसे कोई लाभ होगा, इसलिए इन सभी निवेशों (संबंधित परिसंपत्तियों और देयताओं के साथ) को 'बिक्री के लिए धारित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

18.4 अपनी निष्क्रिय परिसंपत्तियों को मौद्रिकृत करने के उद्देश्य से, वर्ष के दौरान कंपनी ने ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से एक आवासीय भवन इकाई का निपटान किया है, जिसका वहन मूल्य ₹ 0.04 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 0.29 करोड़) है, जिसे आईएनडी-एस 105 के तहत "बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इस तरह की बिक्री से चालू वर्ष के दौरान ₹ 6.03 करोड़ का लाभ हुआ है (पिछले वर्ष ₹ 1.32 करोड़) (टिप्पणी 33 देखें)।

19. देय

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) व्यापार देय		
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	0.12	0.16
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा कुल बकाया देयताएं	133.75	97.74
उप-जोड़ (क)	133.87	97.90

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(ख) अन्य देय		
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया	6.52	2.83
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा कुल बकाया देयताएं	17.28	8.69
उप - जोड़	23.80	11.52
जोड़ (क + ख)	157.67	109.42

19.1 व्यापार देयताओं की आयु निर्धारण अनुसूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक बकाया						कुल
	बिल रहित	बकाया नहीं	एक वर्ष कम समय	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	तीन वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई							
- विवादित	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	0.11	-	0.01	-	-	-	0.12
उप जोड़ (i)	0.11	-	0.01	-	-	-	0.12
(ii) एमएसएमई के अतिरिक्त							
- विवादित	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	6.19	-	115.40	9.69	2.46	0.01	133.75
उप जोड़ (ii)	6.19	-	115.40	9.69	2.46	0.01	133.75
जोड़ (i+ii)	6.30	-	115.41	9.69	2.46	0.01	133.87

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2024 तक बकाया						कुल
	बिल रहित	बकाया नहीं	1 वर्ष से कम का ऋण	1-2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई							
- विवादित	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	0.08	-	0.08	-	-	-	0.16
उप जोड़ (i)	0.08	-	0.08	-	-	-	0.16
(ii) एमएसएमई के अतिरिक्त							
- विवादित	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य	6.40	-	75.02	12.84	3.45	0.02	97.74
उप जोड़ (ii)	6.40	-	75.02	12.84	3.45	0.02	97.74
जोड़ (i+ii)	6.48	-	75.10	12.84	3.45	0.02	97.90

19.2 एमएसएमई अधिनियम, 2006 के धारा 22 के अनुसार प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
क) वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ताओं को देय मूल राशि	6.64	2.99
ख) वर्ष के अंत तक आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान न की गई शेष राशि पर उपार्जित और देय ब्याज की राशि	-	-
ग) एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार क्रेता द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि तथा प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	-	-
घ) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और भुगतान योग्य ब्याज की राशि (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान नियत दिन से परे किया गया है) लेकिन एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
ड.) प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित और अप्रदत्त शेष ब्याज की राशि	-	-
च) एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 23 के अंतर्गत कटौती योग्य व्यय की अस्वीकृति के प्रयोजनार्थ, आगामी वर्षों में बकाया और भुगतान योग्य शेष ब्याज की राशि, उस तिथि तक जब तक कि उपरोक्त देय ब्याज वास्तव में लघु उद्यम को भुगतान नहीं कर दिया जाता है।	-	-



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

20. ऋण प्रतिभूतियाँ

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी ऋण प्रतिभूतियों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
(क) प्रतिभूत दीर्घावधि ऋण प्रतिभूतियाँ				
(i) संस्थागत बॉण्ड	-	-	1,955.00	2,052.46
(ii) 54 ईसी पूंजी लाभ कर मुक्त बॉण्ड	43,235.69	44,768.80	41,110.80	42,535.71
(iii) कर मुक्त बॉण्ड	8,953.27	9,281.67	8,953.27	9,279.82
(iv) 54 ईसी बॉण्ड आवेदन राशि आवंटन लंबित	595.88	594.63	1,245.41	1,244.57
उप-जोड़ (क)	52,784.84	54,645.10	53,264.48	55,112.56
(ख) अप्रतिभूत दीर्घावधि ऋण प्रतिभूतियाँ				
(i) संस्थागत बॉण्ड	2,00,803.29	2,06,783.97	1,72,275.29	1,78,093.90
(ii) अवसंरचना बॉण्ड	3.96	10.06	3.96	9.32
(iii) शून्य कूपन बॉण्ड	2,795.64	2,789.78	-	-
(iv) विदेशी मुद्रा बॉण्ड	28,286.04	28,199.36	32,963.75	32,847.46
उप - जोड़ (ख)	2,31,888.93	2,37,783.17	2,05,243.00	2,10,950.68
(ग) अप्रतिभूत अल्पावधि ऋण प्रतिभूतियाँ				
(i) कमर्शियल पेपर	-	-	-	-
उप - जोड़ (ग)	-	-	-	-
कुल - ऋण प्रतिभूतियाँ (क+ख+ग)	2,84,673.77	2,92,428.27	2,58,507.48	2,66,063.24
भारत में/ से बाहर जारी ऋण प्रतिभूतियाँ				
(i) भारत में ऋण प्रतिभूतियाँ	2,56,387.73	2,64,228.89	2,25,543.73	2,33,215.78
(ii) विदेशों में ऋण प्रतिभूतियाँ	28,286.04	28,199.36	32,963.75	32,847.46
कुल-ऋण प्रतिभूतियाँ	2,84,673.77	2,92,428.27	2,58,507.48	2,66,063.24

अंकित मूल्य और परिशोधन लागत में दर्शाए गए आंकड़े के बीच पुनर्मिलान के लिए टिप्पणी संख्या 22.2 देखें

20.1 प्रतिभूत दीर्घावधि ऋण प्रतिभूतियों का विवरण – प्रतिभूति के विवरण के लिए टिप्पणी 21.6 का संदर्भ ले

(i) संस्थागत बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
123-III बी श्रृंखला – 9.34% सममूल्य पर दिनांक 23.08.2024 को विमोचनीय	-	-	1,955.00	2,052.46
कुल-संस्थागत बॉण्ड	-	-	1,955.00	2,052.46

(ii) 54 ईसी पूंजी लाभ कर मुक्त बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
श्रृंखला XII (2018-19) - 5.75% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान विमोचनीय	-	-	-	-
श्रृंखला XIII (2019-20) - 5.75% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विमोचनीय	-	-	6,157.82	6,422.49
श्रृंखला XIV (2020-21) - 5.75% एवं 5% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान विमोचनीय	5,312.07	5,518.37	5,312.07	5,515.87
श्रृंखला XV (2021-22) - 5% सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान विमोचनीय	7,312.80	7,582.92	7,312.80	7,580.06
श्रृंखला XVI (2022-23) - 5 % सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2027-28 के दौरान विमोचनीय	12,152.39	12,595.84	12,152.39	12,594.18
श्रृंखला XVII (2023-24) - 5.25 % सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2028-29 के दौरान विमोचनीय	11,419.57	11,851.53	10,175.72	10,423.11
श्रृंखला XVIII (2024-25) - 5.25 % सममूल्य पर वित्तीय वर्ष 2029-30 के दौरान विमोचनीय	7,038.86	7,220.14	-	-
कुल - 54 ईसी पूंजी लाभ कर मुक्त बॉण्ड	43,235.69	44,768.80	41,110.80	42,535.71

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(iii) कर मुक्त बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
शृंखला 2015-16 शृंखला 5 ए	300.00	306.48	300.00	306.50
7.17% वार्षिक देय, 23.07.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय				
शृंखला 2011-12	2,160.33	2,290.33	2,160.33	2,289.60
वार्षिक रूप से 8.12% से 8.32% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 2,160.33 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 27.03.2027 को विमोचनीय				
शृंखला 2012-13 शृंखला 2ए और 2बी	245.00	251.27	245.00	251.22
वार्षिक रूप से 7.38% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 245.00 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 22.11.2027 को विमोचनीय हैं।				
शृंखला 2012-13 भाग 1	842.04	862.47	842.04	862.34
वार्षिक रूप से 7.38% से 7.88 % की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 852.04 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 20.12.2027 को विमोचनीय				
शृंखला 2012-13 भाग 2	49.71	50.88	49.71	50.88
वार्षिक रूप से 7.04% से 7.54% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 49.71 करोड़ के बॉण्ड दिनांक 27.03.2028 को विमोचनीय				
शृंखला 2013-14 शृंखला 3ए एवं 3बी	1,141.00	1,195.81	1,141.00	1,195.48
वार्षिक रूप से 8.46% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 1,141.00 करोड़ के बॉण्ड 29.08.2028 को विमोचनीय हैं।				
शृंखला 2013-14 शृंखला 4ए एवं 4बी	45.00	46.73	45.00	46.72
वार्षिक रूप से 8.54% की ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 45.00 करोड़ के बॉण्ड 11.10.2028 को विमोचनीय				
शृंखला 2013-14 भाग 1	2,835.55	2,910.73	2,835.55	2,910.06
वार्षिक रूप से 8.01% से 8.71% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 2,810.26 करोड़ 25.09.2028 को विमोचनीय हैं और ₹ 55.28 करोड़ 26.09.2033 को विमोचनीय				
शृंखला 2013-14 भाग 2	638.08	655.29	638.08	655.31
वार्षिक रूप से 8.19% से 8.88% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 530.42 करोड़ के बॉण्ड 23.03.2029 को विमोचनीय और ₹ 109.66 करोड़ के बॉण्ड 24.3.2034 को विमोचनीय				
शृंखला 2015-16 भाग 1	696.56	711.67	696.56	711.72
वार्षिक रूप से 6.89% से 7.43% की परिवर्ती ब्याज दरों के साथ सममूल्य पर ₹ 105.93 करोड़ के बॉण्ड 05.11.2025 को विमोचनीय, ₹ 172.90 करोड़ के बॉण्ड 05.11.2030 को विमोचनीय और ₹ 421.17 करोड़ के बॉण्ड 05.11.2035 को विमोचनीय				
कुल - कर-मुक्त बॉण्ड	8,953.27	9,281.67	8,953.27	9,279.82

(iv) आवंटन के लिए लंबित बॉण्ड आवेदन राशि

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
54 ईसी पूंजी लाभ कर छूट बॉण्ड	595.88	594.63	1,245.41	1,244.57
5.25% आवंटन की डीमड तिथि से 5 वर्ष के बाद सममूल्य पर विमोचनीय				
कुल: आवंटन के लिए लंबित बॉण्ड आवेदन राशि	595.88	594.63	1,245.41	1,244.57



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

20.2 कुल: आवंटन के लिए लंबित बॉण्ड आवेदन राशि

(i) संस्थागत बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
210वीं शृंखला - 5.74% 20.06.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	4,000.00	4,179.33
180ए शृंखला - 8.10% 25.06.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,018.00	1,080.60
191बी शृंखला - 6.99% 30.09.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,100.00	1,106.69
212वीं शृंखला - फ्लोटिंग (टी-बिल से जुड़ी) 31.10.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,500.00	2,579.54
186बी शृंखला - 8.30% 26.11.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,500.00	1,538.41
128वीं शृंखला - 8.57% 21.12.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,250.00	2,419.44
129वीं शृंखला - 8.23% 23.01.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	1,925.00	2,064.19
130वीं शृंखला - 8.27% 06.02.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,325.00	2,493.92
131वीं शृंखला - 8.35% 21.02.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,285.00	2,304.78
190ए शृंखला - 6.88% 20.03.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	2,500.00	2,515.30
201ए शृंखला - 5.90% 31.03.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	900.00	935.51
133वीं शृंखला - 8.30% 10.04.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,396.00	2,453.75	2,396.00	2,454.39
94वीं शृंखला - 8.75% 09.06.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,250.00	1,339.00	1,250.00	1,339.30
95-II शृंखला - 8.75% 14.07.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,800.00	1,913.49	1,800.00	1,913.92
136वीं शृंखला - 8.11% 07.10.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,585.00	2,672.14	2,585.00	2,672.18
229ए शृंखला - 7.79% 29.11.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,033.00	1,059.81	1,033.00	1,057.19
203बी शृंखला - 5.85% 20.12.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,777.00	2,822.16	2,777.00	2,821.52
204बी शृंखला - 5.81% 31.12.2025 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,082.00	2,112.04	2,082.00	2,111.81
205बी शृंखला - 5.94% 31.01.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,022.91	2,000.00	2,010.05
214ए शृंखला - 7.32% 28.02.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	500.00	503.19	500.00	503.26
219 शृंखला - 7.60% 28.02.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,148.70	3,169.58	3,148.70	3,170.07
220बी शृंखला - 7.69% 31.03.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय और पुट विकल्प 31.03.2026 को प्रयोग योग्य	1,600.10	1,600.13	1,600.10	1,728.53
223ए शृंखला - 7.44% 30.04.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,167.71	3,000.00	3,177.84
228ए शृंखला - 7.80% 30.05.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,679.00	1,788.15	1,679.00	1,723.22
218ए शृंखला - 7.56% 30.06.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,170.55	3,000.00	3,170.45
225वीं शृंखला - 7.64% 30.06.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,210.00	2,336.85	2,210.00	2,314.55
221 शृंखला - 7.51% 31.07.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,848.00	2,990.60	2,848.00	2,990.53
234ए शृंखला - 7.70% 31.08.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,661.37	-	-
227ए शृंखला - 7.77% 30.09.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,670.00	2,773.48	2,670.00	2,750.77
211वीं शृंखला - 6.23% 31.10.2031 को सममूल्य पर विमोचन, पुट/कॉल विकल्प के साथ 31.10.2026 को प्रयोग योग्य	1,200.00	1,230.67	1,200.00	1,230.74
140वीं शृंखला - 7.52% 07.11.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,100.00	2,170.00	2,100.00	2,153.26
142वीं शृंखला - 7.54% 30.12.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,061.81	3,000.00	3,023.86
230-ए शृंखला- 7.71% 26-02-2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,685.00	3,720.31	1,000.00	1,015.57
147वीं शृंखला - 7.95% 12.03.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,745.00	2,757.74	2,745.00	2,721.28
231-ए शृंखला- 7.64% 30-04-2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,875.00	3,076.42	2,875.00	2,896.70
232-ए शृंखला- 7.59% 31.05.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,183.00	3,342.34	-	-
156वीं शृंखला - 7.70% 10.12.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,533.00	3,614.62	3,533.00	3,615.03
245 -ए शृंखला- 7.44 % 29.02.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,006.85	-	-
216ए शृंखला - 7.55% 31.03.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,701.50	1,701.39	1,701.50	1,829.71
220ए शृंखला - 7.77% 31.03.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,000.00	2,000.00	2,162.07
223बी शृंखला - 7.46% 30.06.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,993.60	3,160.35	2,993.60	3,170.48
162वीं शृंखला - 8.55% 09.08.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,637.48	2,500.00	2,637.66
163वीं शृंखला - 8.63% 25.08.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,628.12	2,500.00	2,628.32
168 वीं शृंखला - 8.56 % अर्ध-वार्षिक देय, 29.11.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,552.40	2,625.82	2,552.40	2,626.17

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
169वीं शृंखला - 8.37% अर्ध-वार्षिक देय, 07.12.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,554.00	2,621.12	2,554.00	2,621.46
176वीं शृंखला - 8.85% 16.04.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,600.70	1,736.01	1,600.70	1,735.93
178वीं शृंखला - 8.80% 14.05.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,097.00	1,174.17	1,097.00	1,172.67
234 बी शृंखला - 7.58 % 31.05.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,657.70	-	-
180बी शृंखला - 8.30% 25.06.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,070.90	2,180.89	2,070.90	2,176.90
184 ए शृंखला - 8.25 % 26 .09.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,451.00	1,512.23	1,451.00	1,512.37
192वीं शृंखला - 7.50% 28.02.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,382.00	2,396.76	2,382.00	2,396.62
188बी शृंखला - 7.89% 30.03.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,100.00	3,138.62	3,100.00	3,368.55
189वीं शृंखला - 7.92% 30.03.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,054.90	3,055.11	3,054.90	3,296.98
240 बी शृंखला - 7.34 % 30.04.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,901.00	2,983.29	-	-
197वीं शृंखला - 7.55% 11.05.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,740.00	3,990.35	3,740.00	3,990.27
198बी शृंखला - 7.79% 21.05.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,569.00	1,673.97	1,569.00	1,673.94
202ए शृंखला - 7.25% 30.09.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,500.00	3,627.08	3,500.00	3,627.41
203ए शृंखला - 6.80% 20.12.2030 को सममूल्य पर विमोचनीय	5,000.00	5,094.38	5,000.00	5,094.78
204ए शृंखला - 6.90% 31.01.2031 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,527.97	2,500.00	2,528.21
201बी शृंखला - 6.90% 31.03.2031 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,415.00	2,490.29	1,300.00	1,359.90
213वीं शृंखला - 6.92% 20.03.2032 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,380.00	3,335.48	3,380.00	3,329.95
218बी शृंखला - 7.69% 31.01.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,004.40	2,028.92	2,004.40	2,029.20
214बी शृंखला - 7.50% 28.02.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,947.60	4,949.83	4,947.60	4,948.08
217वीं शृंखला - 7.53% 31.03.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	500.00	500.04	500.00	548.48
227बी शृंखला - 7.71% 31.10.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,818.70	2,906.42	2,818.70	2,901.21
228बी शृंखला - 7.71% 30.11.2033 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,899.69	2,972.65	2,899.69	2,974.14
230-बी शृंखला - 7.64% 31-01-2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,036.07	3,000.00	3,045.87
231-बी शृंखला - 7.47% 28-02-2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,500.00	2,514.83	2,500.00	2,517.73
232बी शृंखला - 7.45% 29.04.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,935.00	3,145.24	-	-
233 वीं शृंखला - 7.53% 31.05.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,196.63	-	-
235वीं शृंखला - 7.35% अर्ध-वार्षिक देय, 31.07.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,000.00	4,045.71	-	-
236 ए शृंखला - 7.45 % 31.08.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,127.08	-	-
236 बी शृंखला - 7.56 % 31.08.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,000.00	3,131.18	-	-
237 वीं शृंखला - 7.55% 31.10.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,062.33	-	-
238 वीं शृंखला - 7.31 % 30 .09.2039 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,145.00	2,222.69	-	-
182वीं शृंखला - 8.18% 22.08.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	5,063.00	5,314.70	5,063.00	5,315.13
183 वीं शृंखला - 8.29% 16.09.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,028.00	3,163.28	3,028.00	3,163.58
242 वीं शृंखला - 7.20% 15.01.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,297.00	2,329.78	-	-
245 बी शृंखला - 7.32% 28.02.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,780.00	2,785.19	-	-
241 वीं शृंखला - 7.10% 30.04.2035 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,620.00	1,651.47	-	-
207वीं शृंखला - 7.02% 31.01.2036 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,589.90	4,641.89	4,589.90	4,642.55
208 वीं शृंखला - 7.40 % 15.03.2036 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,613.80	3,625.57	3,613.80	3,625.52
215वीं शृंखला - 7.65% 30.11.2033, 30.11.2034, 30.11.2035, 30.11.2036 और 30.11.2037 को 5 समान किश्तों में विमोचनीय	3,889.00	3,988.08	3,889.00	3,988.60
216बी शृंखला - 7.67% 30.11.2037 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,000.00	2,050.80	2,000.00	2,051.06
229बी शृंखला - 7.67% 30.11.2038 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,539.40	3,627.19	3,539.40	3,618.67
240 ए शृंखला - 7.09% 30.11.2039 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,575.00	3,663.83	-	-
243 वीं शृंखला - 7.28% 20.02.2040 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,595.00	2,616.32	-	-
कुल - संस्थागत बॉण्ड	2,00,803.29	2,06,783.97	1,72,275.29	1,78,093.90

* पीपी-एमएलडी- प्रिंसिपल प्रोटेक्टेड मार्केट लिक्विड डिबेंचर

** एसटीआरपीपी- अलग से हस्तांतरणीय विमोचनीय मूल भाग



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(ii) अवसररचना बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
शृंखला-II (2011-12) – सममूल्य पर विमोचनीय	3.96	10.06	3.96	9.32
कुल : अवसररचना बॉण्ड	3.96	10.06	3.96	9.32

जारी किए गए अवसररचना बॉण्ड का विवरण इस प्रकार है:

15.02.2012 को आर्बिट्रिट शृंखला II (2011-12)

(₹ करोड़ में)

ब्याज दर	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक	विमोचन का विवरण
9.15% संचयी	2.83	2.83	आवंटन की तारीख से 15 वर्ष की अवधि में 15.02.2027 को विमोचन
9.15% वार्षिक	1.13	1.13	
कुल	3.96	3.96	

राशियों को अंकित मूल्य पर दर्शाया गया है।

(iii) शून्य कूपन बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
जेडसीबी - बॉण्ड शृंखला 239	2,795.64	2,789.78	-	-
(अप्रभावित छूट के बाद, ₹ 1,00,000 अंकित मूल्य वाले 5,00,000 बॉण्ड, जो 03.11.2034 को सममूल्य पर विमोचन योग्य हैं)				
कुल - शून्य कूपन बॉण्ड	2,795.64	2,789.78	-	-

* शून्य कूपन बॉण्ड जारी करने पर अमोर्टाइज्ड छूट के अंकित मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है

(iv) विदेशी मुद्रा बॉण्ड

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
4.75% % यूएस \$500 मिलियन बॉण्ड - 19.05.2023 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	-	-
5.250% % यूएस \$700 मिलियन बॉण्ड - 13.11.2023 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	-	-
3.375% यूएस \$650 मिलियन बॉण्ड - 25.07.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	5,419.30	5,450.24
3.50% यूएस \$500 मिलियन बॉण्ड - 11.12.2024 को सममूल्य पर विमोचनीय	-	-	4,168.70	4,210.34
2.25% यूएस \$500 मिलियन बॉण्ड - 01.09.2026 को सममूल्य पर विमोचनीय	4,279.07	4,282.25	4,168.70	4,168.48
2.75% यूएस \$400 मिलियन बॉण्ड - 13.01.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,423.26	3,440.91	3,334.96	3,350.67
3.875% यूएस \$450 मिलियन ग्रीन बॉण्ड - 07.07.2027 को सममूल्य पर विमोचनीय	3,851.16	3,715.94	3,751.83	3,547.96
4.625% यूएस \$300 मिलियन बॉण्ड - 22.03.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	2,567.44	2,464.82	2,501.22	2,366.73
5.625% यूएस \$750 मिलियन बॉण्ड - 11.04.2028 को सममूल्य पर विमोचनीय	6,418.61	6,579.48	6,253.04	6,406.68
1.76% जेपीवाई 31000 मिलियन बॉण्ड - 19.01.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,759.25	1,762.88	1,707.79	1,712.28
1.41% जेपीवाई 27400 मिलियन बॉण्ड - 19.04.2029 को सममूल्य पर विमोचनीय	1,554.95	1,534.10	1,509.47	1,484.82
2.20% जेपीवाई 2700 मिलियन बॉण्ड - 19.01.2034 को सममूल्य पर विमोचनीय	153.23	153.64	148.74	149.26
4.75% यूएसडी 500 मिलियन बॉण्ड - 27.09.2029 को सममूल्य पर विमोचन योग्य	4,279.07	4,265.34	-	-
कुल - विदेशी मुद्रा बॉण्ड	28,286.04	28,199.36	32,963.75	32,847.46

ग्लोबल मीडियम टर्म टिप्पणी (जीएमटीएन) प्रोग्राम

कंपनी के पास 10 बिलियन अमरीकी डॉलर का ग्लोबल मीडियम टर्म टिप्पणी (जीएमटीएन) प्रोग्राम है जो एसजीएक्स-एसटी (सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज – सिक्योरिटीज ट्रेडिंग) एलएसई-आईएसएम (लंदन स्टॉक एक्सचेंज – इंटरनेशनल सिक्योरिटीज मार्केट), इंडिया आईएनएक्स (इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज) का ग्लोबल सिक्योरिटीज मार्केट (जीएसएम) और एनएसई आईएफएससी (एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज) पर सूचीबद्ध है। जीएमटीएन कार्यक्रम के तहत जुटाई गई निधि का सारांश निम्नानुसार है:

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
जीएमटीएन प्रोग्राम के तहत वर्ष के दौरान जुटाई गई निधि	यूएसडी 0.50 बिलियन	यूएसडी 1.17 बिलियन
जीएमटीएन प्रोग्राम के तहत जुटाई गई संचयी राशि	यूएसडी 6.07 बिलियन	यूएसडी 5.57 बिलियन
जीएमटीएन प्रोग्राम के तहत जुटाई गई निधि में से बकाया राशि	यूएसडी 3.32 बिलियन	यूएसडी 3.97 बिलियन

वर्ष के दौरान जुटाई गई राशि का उपयोग ऑफरिंग सर्कुलर में उल्लिखित उद्देश्यों के लिए किया गया है। इसके अलावा, ऋण प्रतिभूतियों और उधारों के पुनर्भुगतान में तुलन पत्र की तिथि को कोई चूक नहीं हुई है और कंपनी ने वर्ष के दौरान अपने सभी ऋण सेवा दायित्वों, चाहे मूलधन या ब्याज, को पूरा किया है। इसके अलावा, तुलन पत्र की तिथि को ऋण करारों के अंतर्गत वित्तीय प्रसविदाओं का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

21. उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी उधारियों (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा) को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(क) अप्रतिभूत दीर्घावधि उधारियां				
(i) बैंकों से सावधिक ऋण	41,879.47	41,886.99	50,612.28	50,620.49
(ii) वित्तीय संस्थानों से सावधिक ऋण	2,500.00	2,500.00	8,050.00	8,072.29
(iii) विदेशी मुद्रा में सावधिक ऋण	94,571.40	94,216.65	67,205.64	66,772.38
(iv) एफसीएनआर (बी) ऋण	4,279.07	4,279.79	-	-
(v) भारत सरकार (एनएसएसएफ) से सावधिक ऋण	10,000.00	10,325.12	10,000.00	10,325.12
उप-जोड़ (क)	1,53,229.94	1,53,208.55	1,35,867.92	1,35,790.28
(ख) अप्रतिभूत अल्पावधि उधारियां				
(i) एफसीएनआर (बी) ऋण	38,902.89	38,920.51	25,138.67	25,151.29
(ii) बैंकों से मांग पर अल्पावधि ऋण / ऋण प्रतिदेय	1,600.00	1,600.32	10,875.94	10,883.04
(iii) बैंकों से मांग पर ओवरड्राफ्ट्स / नकदी ऋण प्रतिदेय	570.78	570.78	267.44	267.44
उप-जोड़ (ख)	41,073.67	41,091.61	36,282.05	36,301.77
कुल- उधारियां(ऋण प्रतिभूतियों के अलावा) (क से ख)	1,94,303.61	1,94,300.16	1,72,149.97	1,72,092.05
भारत में / से बाहर उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)				
(i) भारत में उधारियां	99,732.21	1,00,083.51	1,04,944.33	1,05,319.67
(ii) भारत से बाहर उधारियां	94,571.40	94,216.65	67,205.64	66,772.38
कुल - उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	1,94,303.61	1,94,300.16	1,72,149.97	1,72,092.05

कृपया अंकित मूल्य में प्रतिबिम्बित आंकड़ों और परिशोधित लागत के आंकड़ों के बीच पुनर्मिलान के लिए टिप्पणी संख्या 22.2 देखें

21.1 अप्रतिभूत दीर्घावधि उधारियों के विवरण

(i) बैंकों से सावधिक ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- कर्नाटक बैंक	499.97	499.97	499.98	499.98
₹ 499.98 करोड़ 15.05.2025 को प्रतिदेय				
- पंजाब एंड सिंध बैंक	-	-	499.91	499.91
09.8.2024 को ₹ 499.91 करोड़ चुकाए गए				
- जम्मू एवं कश्मीर बैंक	299.94	299.94	299.94	300.01
₹ 299.94 करोड़ 28.10.2026 को प्रतिदेय				
- ड्यूश बैंक	-	-	500.00	500.22
19.12.2024 को ₹ 500 करोड़ चुकाए गए				
- साउथ इंडियन बैंक	499.89	499.99	499.89	500.00
₹ 299.93 करोड़ 08.11.2026 को प्रतिदेय और ₹ 199.96 करोड़ 04.08.2027 को प्रतिदेय				
- एचडीएफसी बैंक	17,850.00	17,853.65	17,850.00	17,853.86
17.11.2026 को ₹ 850 करोड़ प्रतिदेय, 31.03.2027 को ₹ 2,000 करोड़ प्रतिदेय, 07.09.2027 को ₹ 2,000 करोड़ प्रतिदेय, 29.12.2027 को ₹ 2,500 करोड़ प्रतिदेय, 27.02.2028 को ₹ 2,500 करोड़ प्रतिदेय, 27.06.2028 को ₹ 1,500 करोड़ प्रतिदेय, 29.06.2028 को ₹ 1,500 करोड़ प्रतिदेय, 30.09.2028 को ₹ 4,000 करोड़ प्रतिदेय, और 28.12.2028 को ₹ 1,500 करोड़ प्रतिदेय				
- बैंक ऑफ बड़ौदा	2,624.91	2,625.44	4,749.92	4,750.97
₹ 2,624.91 करोड़ 30.09.2025 से शुरू होने वाली 4 वार्षिक किस्तों में को प्रतिदेय और अंतिम किस्त 30.09.2028 को प्रतिदेय				
- आईसीआईसीआई बैंक	5,533.00	5,534.13	5,533.00	5,534.17
₹ 4,000 करोड़ 23.01.2030 को को प्रतिदेय और ₹ 1,533 करोड़ 15.05.2028 को को प्रतिदेय				



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- यूनिजन बैंक ऑफ इंडिया	3,999.41	4,000.20	3,999.42	4,000.27
₹ 1,999.66 करोड़ का ऋण 31.03.2027 से शुरू होकर ₹ 400 करोड़ की 5 वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय और अंतिम किस्त 31.03.2031 को और ₹ 999.99 करोड़ 04.01.2026 को प्रतिदेय, ₹ 499.87 करोड़ का ऋण 29.09.2028 को चुकाया जाएगा और ₹ 499.89 करोड़ का ऋण होगा 05.11.2028 को प्रतिदेय				
- भारतीय स्टेट बैंक	709.92	709.92	7,750.94	7,750.94
₹ 709.92 करोड़ 15.07.2025 को एक अर्द्धवार्षिक किस्तों में को प्रतिदेय				
- पंजाब नेशनल बैंक	8,962.44	8,963.76	7,529.29	7,530.17
₹ 663.31 करोड़ 31.08.2025 को चुकाने योग्य, ₹ 1,999.64 करोड़ 11.11.2026 को चुकाने योग्य, ₹ 999.64 करोड़ 29.03.2028 से शुरू होने वाले ₹ 200 करोड़ की 4 समान वार्षिक किस्तों में चुकाने योग्य और ₹ 199.64 करोड़ की अंतिम किस्त 29.12.2031 को, ₹ 1,199.99 करोड़ 03.11.2028 को चुकाने योग्य, ₹ 1,999.99 करोड़ 26.12.2028 को चुकाने योग्य, ₹ 2,099.87 करोड़ 20.06.2029 को चुकाने योग्य				
- सेंट्रल बैंक	899.99	899.99	899.99	899.99
₹ 499.99 करोड़ 30.03.2026 से शुरू होने वाली 7 वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय और अंतिम किस्त 30.03.2032 को और ₹ 400 करोड़ 17.11.2025 को प्रतिदेय				
कुल - बैंकों से अप्रतिभूत सावधिक ऋण	41,879.47	41,886.99	50,612.28	50,620.49

(ii) कुल - बैंकों से अप्रतिभूत सावधिक ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल)	2,500.00	2,500.00	4,550.00	4,549.46
09.08.2026 को ₹ 1,000 करोड़ प्रतिदेय, और 11.12.2028 को ₹ 1,500 करोड़ प्रतिदेय				
- नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी)	-	-	3,500.00	3,522.83
13.11.2024 को ₹ 3,500 करोड़ चुकाए गए				
कुल - अन्य वित्तीय संस्थाओं से अवधि ऋण-वित्तीय संस्थान	2,500.00	2,500.00	8,050.00	8,072.29

(iii) विदेशी मुद्रा उधारियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(1) ओडीए ऋण - भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत				
1.86% केएफडब्ल्यू-III ऋण - प्रतिदेय € 5.26 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में, अंतिम किस्त 27.06.2024 को चुकाया गए	-	-	47.49	47.72
उप-जोड़ (1)	-	-	47.49	47.72
(2) ओडीए ऋण - सरकारी गारंटी के बिना				
केएफडब्ल्यू-IV ऋण - 15.11.2030 तक यूएस € 12.00 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय, अगली किस्त 15.05.2025 को देय होगी	1,232.37	1,255.83	1,400.68	1,432.92
केएफडब्ल्यू-V ऋण - 15.05.2034 तक यूएस \$ 8.921 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय, पहली किस्त 15.05.2025 को देय होगी	1,450.60	1,479.93	1,026.78	1,050.41
केएफडब्ल्यू-VI ऋण - 15.05.2036 तक यूएस \$ 14.37 मिलियन की समान अर्ध-वार्षिक किस्तों में प्रतिदेय, पहली किस्त 15.05.2029 को देय होगी	622.63	629.63	-	-
उप-जोड़ (2)	3,305.60	3,365.39	2,427.46	2,483.33

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
(3) द्विपक्षीय/सिंडिकेटेड ऋण				
यूएस \$150 मिलियन - \$75 मिलियन 29.03.2024 को चुकाए गए और \$75 मिलियन 14.05.2024 को चुकाए गए	-	-	625.30	625.00
यूएस \$100 मिलियन - 01.07.2024 को चुकाए गए	-	-	833.74	847.51
एसजीडी \$72.07 मिलियन - 28.03.2025 को चुकाए गए	-	-	444.93	442.68
यूएस \$75 मिलियन - 02.04.2025 को प्रतिदेय	641.86	651.58	625.30	620.58
जेपीवाई\$ 10.519 बिलियन - 25.09.2025 को प्रतिदेय	596.95	595.88	579.49	575.93
यूएस \$170 मिलियन - \$100 मिलियन 26.03.2025 को चुकाए गए और \$ 70 मिलियन 06.10.2025 को प्रतिदेय	599.07	600.57	1,417.36	1,421.43
यूएस \$425 मिलियन - 16.03.2026 को प्रतिदेय	3,637.21	3,634.16	3,543.39	3,528.67
यूएस \$600 मिलियन - 25.08.2026 को प्रतिदेय	5,134.88	5,137.56	5,002.43	4,991.65
यूएस \$75 मिलियन - 07.10.2026 को प्रतिदेय	641.86	656.56	625.30	640.98
यूएस \$1175 मिलियन - 29.12.2026 को प्रतिदेय	10,055.81	9,978.86	9,796.43	9,680.47
जेपीवाई\$ 37.506 बिलियन - 03.03.2027 को प्रतिदेय	2,128.50	2,115.64	2,066.24	2,045.33
यूएस \$100 मिलियन - 13.06.2027 को प्रतिदेय	855.81	853.04	833.74	829.15
यूएस \$45 मिलियन - 02.07.2027 को प्रतिदेय	385.12	386.94	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 28.07.2027 को प्रतिदेय	1,711.63	1,717.47	1,667.48	1,671.47
यूएस \$150 मिलियन - 13.09.2027 को प्रतिदेय	1,283.72	1,278.74	1,250.61	1,242.95
एसजीडी 213.21 मिलियन - 27.10.2027 को प्रतिदेय	1,358.36	1,353.58	1,316.19	1,309.63
€ 254.19 मिलियन - 31.10.2027 को प्रतिदेय	2,346.84	2,342.96	2,293.28	2,286.52
€ 349.83 मिलियन - 27.03.2028 को प्रतिदेय	3,229.79	3,199.82	3,156.09	3,117.13
जेपीवाई\$ 38.624 बिलियन - 20.04.2028 को प्रतिदेय	2,191.93	2,181.58	2,127.82	2,107.82
जेपीवाई 10.495 बिलियन - 26.06.2028 को प्रतिदेय	595.60	591.29	578.18	571.55
यूएस \$505 मिलियन - 03.08.2028 को प्रतिदेय	4,321.86	4,297.39	4,210.38	4,173.93
यूएस \$645 मिलियन - 31.08.2028 को प्रतिदेय	5,520.00	5,465.21	5,377.62	5,305.50
यूएस \$100 मिलियन - 14.09.2028 को प्रतिदेय	855.81	857.81	833.74	822.89
जेपीवाई\$ 68.485 बिलियन - 21.09.2028 को प्रतिदेय	3,886.54	3,824.80	3,772.85	3,694.73
यूएस \$100 मिलियन - 25.09.2028 को प्रतिदेय	855.81	843.90	833.74	818.56
जेपीवाई\$ 14.358 बिलियन - 09.01.2029 को प्रतिदेय	814.84	817.66	791.01	793.01
यूएस \$100 मिलियन - 06.02.2029 को प्रतिदेय	855.81	851.32	833.74	827.74
जेपीवाई\$ 22.101 बिलियन - 15.02.2029 को प्रतिदेय	1,254.23	1,240.19	1,217.54	1,199.30
यूएस \$200 मिलियन - 07.03.2029 को प्रतिदेय	1,711.63	1,688.89	1,667.48	1,639.25
जेपीवाई\$ 22.041 बिलियन - 19.03.2029 को प्रतिदेय	1,250.83	1,235.03	1,214.24	1,194.77
जेपीवाई\$ 14.847 बिलियन - 21.03.2029 को प्रतिदेय	842.57	835.43	817.92	809.35
यूएस \$225 मिलियन - 27.03.2029 को प्रतिदेय	1,925.58	1,893.38	1,875.91	1,836.80
जेपीवाई\$ 60.536 बिलियन - 25.04.2029 को प्रतिदेय	3,435.42	3,361.97	-	-
जेपीवाई\$ 9.376 बिलियन - 17.05.2029 को प्रतिदेय	532.07	532.09	-	-
यूएस \$300 मिलियन - 04.06.2029 को प्रतिदेय	2,567.44	2,581.13	-	-
यूएस \$90 मिलियन - 13.06.2029 को प्रतिदेय	770.23	774.23	-	-
जेपीवाई\$ 32.222 बिलियन - 28.06.2029 को प्रतिदेय	1,828.60	1,813.54	-	-
यूएस \$300 मिलियन - 10.07.2029 को प्रतिदेय	2,567.44	2,564.53	-	-
जेपीवाई\$ 31.964 बिलियन - 30.07.2029 को प्रतिदेय	1,813.96	1,820.99	-	-
यूएस \$125 मिलियन - 30.10.2029 को प्रतिदेय	1,069.77	1,082.36	-	-
जेपीवाई\$ 12.80 बिलियन - 13.11.2029 को प्रतिदेय	726.40	722.57	-	-
यूएस \$75 मिलियन - 05.12.2029 को प्रतिदेय	641.86	653.83	-	-
जेपीवाई\$ 45.02 बिलियन - 06.12.2029 को प्रतिदेय	2,554.86	2,518.16	-	-
यूएस \$250 मिलियन - 26.12.2029 को प्रतिदेय	2,139.54	2,144.83	-	-



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस \$320 मिलियन - 22.01.2030 को प्रतिदेय	2,738.60	2,732.25	-	-
यूएस \$250 मिलियन - 07.02.2030 को प्रतिदेय	2,139.54	2,123.61	-	-
जेपीवाई\$ 29.642 बिलियन - 19.03.2030 को प्रतिदेय	1,682.18	1,670.32	-	-
यूएस \$300 मिलियन - 02.06.2030 को प्रतिदेय	2,567.44	2,627.61	2,501.22	2,569.05
उप- जोड़ - (3)	91,265.80	90,851.26	64,730.69	64,241.33
कुल- विदेशी मुद्रा उधारियां (1+2+3)	94,571.40	94,216.65	67,205.64	66,772.38

(iv) एफसीएनआर (बी) ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस \$500 मिलियन - 10.12.2027 को प्रतिदेय	4,279.07	4,279.79	-	-
कुल - एफसीएनआर (बी) ऋण	4,279.07	4,279.79	-	-

(v) भारत सरकार से सावधिक ऋण-नेशनल स्माल सेविंग्स फंड (एनएसएसएफ)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
एनएसएसएफ से ऋण	10,000.00	10,325.12	10,000.00	10,325.12
13.12.2028 को ₹ 5000 करोड़ प्रतिदेय एवं 04.10.2029 को ₹ 5000 करोड़ प्रतिदेय				
कुल - सरकार से सावधिक ऋण	10,000.00	10,325.12	10,000.00	10,325.12

21.2 अप्रतिभूत अल्पावधि उधारियां

(i) एफसीएनआर (बी) ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस\$150 मिलियन - 03.04.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,251.45
यूएस\$150 मिलियन - 19.04.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,251.46
यूएस\$150 मिलियन - 19.04.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,251.50
यूएस\$150 मिलियन - 10.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.82
यूएस\$200 मिलियन - 14.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,667.48	1,667.76
यूएस\$150 मिलियन - 16.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.82
यूएस\$124.85 मिलियन - 24.05.2024 को चुकाए गए	-	-	1,040.92	1,041.62
यूएस\$75.15 मिलियन - 24.05.2024 को चुकाए गए	-	-	626.55	626.98
यूएस\$75 मिलियन - 07.06.2024 को चुकाए गए	-	-	625.30	625.73
यूएस\$44 मिलियन - 12.06.2024 को चुकाए गए	-	-	366.85	367.10
यूएस\$125 मिलियन - 05.07.2024 को चुकाए गए	-	-	1,042.17	1,042.37
यूएस\$150 मिलियन - 09.08.2024 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.85
यूएस\$100 मिलियन - 20.09.2024 को चुकाए गए	-	-	833.74	833.90
यूएस\$200 मिलियन - 06.12.2024 को चुकाए गए	-	-	1,667.48	1,668.61
यूएस\$250 मिलियन - 12.12.2024 को चुकाए गए	-	-	2,084.35	2,085.79
यूएस\$100 मिलियन - 12.12.2024 को चुकाए गए	-	-	833.74	834.30
यूएस\$75 मिलियन - 13.12.2024 को चुकाए गए	-	-	625.30	625.74
यूएस\$200 मिलियन - 27.12.2024 को चुकाए गए	-	-	1,667.48	1,667.80
जेपीवाई\$ 34.229 बिलियन - 27.12.2024 को चुकाए गए	-	-	1,885.68	1,885.96
यूएस\$150 मिलियन - 14.02.2025 को चुकाए गए	-	-	1,250.61	1,250.84
यूएस\$70 मिलियन - 14.02.2025 को चुकाए गए	-	-	583.62	584.04

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
यूएस\$100 मिलियन - 18.03.2025 को चुकाए गए	-	-	833.74	835.85
यूएस \$148.039 मिलियन - 03.04.2025 को प्रतिदेय	1,266.94	1,267.86	-	-
यूएस \$62.09 मिलियन - 03.04.2025 को प्रतिदेय	530.69	531.08	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 08.04.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.96	-	-
यूएस \$85.547 मिलियन - 17.04.2025 को प्रतिदेय	732.13	732.67	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 23.04.2025 को प्रतिदेय	855.81	855.98	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 25.04.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.97	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 02.05.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,711.96	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 06.05.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.97	-	-
यूएस \$240.103 मिलियन - 23.05.2025 को प्रतिदेय	2,054.84	2,055.17	-	-
यूएस \$124.098 मिलियन - 23.05.2025 को प्रतिदेय	1,062.06	1,062.84	-	-
यूएस \$75.15 मिलियन - 23.05.2025 को प्रतिदेय	643.14	643.62	-	-
यूएस \$75 मिलियन - 06.06.2025 को प्रतिदेय	641.86	642.33	-	-
यूएस \$44 मिलियन - 11.06.2025 को प्रतिदेय	376.56	376.84	-	-
यूएस \$49 मिलियन - 12.06.2025 को प्रतिदेय	419.35	419.63	-	-
यूएस \$119.793 मिलियन - 27.06.2025 को प्रतिदेय	1,025.20	1,025.20	-	-
यूएस \$120 मिलियन - 27.06.2025 को प्रतिदेय	1,026.98	1,027.14	-	-
यूएस \$125 मिलियन - 03.07.2025 को प्रतिदेय	1,069.77	1,069.97	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 09.07.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,711.95	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 17.07.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.96	-	-
यूएस \$250 मिलियन - 22.08.2025 को प्रतिदेय	2,139.54	2,139.91	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 04.09.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,711.92	-	-
यूएस \$60 मिलियन - 15.10.2025 को प्रतिदेय	513.49	513.83	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 16.10.2025 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.94	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 07.11.2025 को प्रतिदेय	855.81	856.38	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 25.11.2025 को प्रतिदेय	855.81	855.96	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 26.11.2025 को प्रतिदेय	855.81	855.96	-	-
यूएस \$200 मिलियन - 05.12.2025 को प्रतिदेय	1,711.63	1,712.76	-	-
यूएस \$141 मिलियन - 11.12.2025 को प्रतिदेय	1,206.70	1,207.50	-	-
यूएस \$75 मिलियन - 12.12.2025 को प्रतिदेय	641.86	642.28	-	-
यूएस \$225 मिलियन - 17.12.2025 को प्रतिदेय	1,925.58	1,925.91	-	-
जेपीवाई\$ 34.229 बिलियन - 27.12.2025 को चुकाए गए	1,942.50	1,942.50	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 14.01.2026 को प्रतिदेय	855.81	859.96	-	-
यूएस \$150 मिलियन - 13.02.2026 को प्रतिदेय	1,283.72	1,283.94	-	-
यूएस \$100 मिलियन - 18.03.2026 को प्रतिदेय	855.81	857.66	-	-
कुल-एफसीएनआर (बी) ऋण	38,902.89	38,920.51	25,138.67	25,151.29

(ii) अल्पावधि ऋण/बैंकों से मांग पर प्रतिदेय वाले ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
- बैंक ऑफ इंडिया	-	-	524.94	525.04
29.05.2024 को ₹ 525 करोड़ चुकाए गए				
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	-	-	800.00	800.00
12.04.2024 को ₹ 800 करोड़ चुकाए गए				
-पंजाब नेशनल बैंक	-	-	1,500.00	1,500.30
15.04.2024 को ₹ 1000 करोड़ और 29.04.2024 को ₹ 500 करोड़ चुकाए गए				



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	मूल बकाया	परिशोधित लागत	मूल बकाया	परिशोधित लागत
-साउथ इंडियन बैंक	-	-	150.00	150.03
26.04.2024 को ₹ 150 करोड़ चुकाए गए				
-भारतीय स्टेट बैंक	-	-	2,501.00	2,506.82
01.05.2024 को ₹150 करोड़ चुकाए गए, 03.05.2024 को ₹425 करोड़ चुकाए गए, 15.04.2024 को ₹426 करोड़ चुकाए गए, 15.04.2024 को ₹700 करोड़ चुकाए गए और 09.04.2024 को ₹800 करोड़ चुकाए गए				
-यूको बैंक	-	-	500.00	500.10
08.04.2024 को ₹ 500 करोड़ चुकाए गए				
-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	-	-	750.00	750.16
26.04.2024 को ₹750 करोड़ चुकाए गए				
- इंडियन बैंक	-	-	1,000.00	1,000.00
02.04.2024 को ₹ 1000 करोड़ चुकाए गए				
- इंडसइंड बैंक	-	-	300.00	300.06
03.04.2024 को ₹ 220 करोड़ और 06.04.2024 को ₹ 80 करोड़ चुकाए गए				
- कर्नाटक बैंक	-	-	250.00	250.00
₹ 250 करोड़ 24.04.2024 को प्रतिदेय				
- एचडीएफसी बैंक	1,500.00	1,500.30	2,500.00	2,500.51
₹ 1500 करोड़ 26.11.2025 को प्रतिदेय				
केईबी हाना बैंक	100.00	100.02	100.00	100.02
₹ 100 करोड़ 13.11.2025 को प्रतिदेय				
कुल- अल्पावधि ऋण/बैंकों से मांग पर प्रतिदेय वाले ऋण	1,600.00	1,600.32	10,875.94	10,883.04

21.3 टिप्पणी संख्या 21.1 (i), (ii) तथा (iv) में उल्लिखित है कि बैंकों / वित्तीय संस्थाओं / सरकार से सावधिक ऋण 7.50% से 8.29% (पिछले वर्ष 7.50% से 8.29%) मासिक, तिमाही एवं अर्धवार्षिक ब्याज दरों पर देय है।

21.4 टिप्पणी संख्या 21.1(iii) में विदेशी मुद्रा उधारियां ओवरनाइट एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग दर) सहित बाहरी बेंचमार्क पर 13 बीपीएस से 210 बीपीएस (पिछले वर्ष 13 बीपीएस से 210बीपीएस) के दायरे में परिवर्तनीय ब्याज दरों पर बढ़ाया गया है जिसमें 3/6 महीने का टर्म एसओएफआर, एसओआरए (सिंगापुर ओवरनाइट रेट एवरेज), टीओएनएआर (टोक्यो ओवरनाइट एवरेज रेट), 3/6 महीने का ईयूआरआईबीओआर (यूरो इंटर बैंक ऑफर रेट) शामिल है और क्रेडिट एडजस्टमेंट स्प्रेड (सीएएस) जो नई बेंचमार्क दरों के ऋण के संचरण पर लागू होता है, उन मामलों को छोड़कर जहां दर का उल्लेख किया गया है।

21.5 कंपनी ने चालू परिसंपत्तियों की प्रतिभूति के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थाओं से कोई निधि उधार नहीं ली है।

21.6 ऋण प्रतिभूतियों एवं उधारियों की प्रतिभूति का सुरक्षा विवरण

कंपनी द्वारा जारी किए गए सभी सुरक्षित बॉण्ड और तुलन पत्र की तारीख के अनुसार बकाया के लिए, कुछ अचल संपत्तियों पर बंधक के रूप में 100% सुरक्षा कवर बनाए रखा गया है और/या कंपनी की प्राप्तियों पर शुल्क लगाया गया है।

वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान जारी किए गए कर मुक्त बॉण्ड दुकान नंबर 12, ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक नंबर 35, चर्च रोड, मायलापुर, चेन्नई के परिसर में प्रथम पैरी पासु चार्ज और महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के ₹ 4,998.66 करोड़ की चुनिंदा ऋण संपत्तियों को विस्तारा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड (पूर्व में आईएल एंड एफएस ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड) के पक्ष में बंधक बनाकर सुरक्षित किए गए हैं। “

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान जारी किए गए कर मुक्त बॉण्ड एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के पक्ष में कंपनी की बुक डेब्ट (विशेष रूप से उधारदाताओं / अन्य ट्रस्टियों को चार्ज / निर्धारित किए गए के अलावा) पर पहले पैरी पासु चार्ज द्वारा सुरक्षित हैं।

वित्तीय वर्ष 2012-13 और 2015-16 के दौरान जारी किए गए कर छूट बॉण्ड (ए) परिसर के बंधक पर उप प्लॉट नंबर 8, टीपीएस नंबर 2, एफपी नंबर 584पी, ग्राम सुभानपुरा, जिला वडोदरा में स्थित प्रथम पैरी पासु चार्ज द्वारा सुरक्षित किया गया है और (बी) एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के पक्ष में प्राप्य (उन संपत्तियों के अलावा जो ऋणदाताओं/अन्य ट्रस्टियों को विशेष रूप से चार्ज/निर्धारित की गई हैं) का बंधक।

54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड की बॉण्ड श्रृंखला XIV, XV, XVI, XVIII और XVII को एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के पक्ष में ऋण परिसंपत्तियों (उन संपत्तियों के अलावा जो विशेष रूप से उधारदाताओं / अन्य ट्रस्टियों के लिए चार्ज / निर्धारित किए गए हैं) के बंधक पर पैरी पासु चार्ज द्वारा सुरक्षित किए जाते हैं।

सुरक्षा के रूप में गिरवी रखी गई प्राप्य और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के अग्रणी मूल्य के लिए टिप्पणी संख्या 10 और 16.2 देखें।

21.7 संबंधित वैधानिक तिथि से परे कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) के साथ अभी तक कोई शुल्क या संतुष्टि दर्ज नहीं की गई है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

22. अधीनस्थ देयताएं

कंपनी ने इंड एस 109 की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी ऋण प्रतिभूतियों को परिशोधित लागत पर श्रेणीकृत किया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
(i) 115वीं श्रृंखला - अधीनस्थ टियर-II बॉण्ड्स - 8.06% सममूल्य पर 31.05.2023 को विमोचनीय	-	-	-	-
(ii) 175वीं श्रृंखला - अधीनस्थ टियर-II बॉण्ड्स - 8.97% सममूल्य पर 28.03.2029 को विमोचनीय	2,151.20	2,136.98	2,151.20	2,091.95
(iii) 199वीं श्रृंखला - अधीनस्थ टियर-II बॉण्ड्स - 7.96% सममूल्य पर 15.06.2030 को विमोचनीय	1,999.50	2,093.18	1,999.50	2,041.60
(iv) 222वीं श्रृंखला - स्थायी टियर-I बॉण्ड्स- 30.04.2033 को कॉल विकल्प के साथ 7.98% और उसके बाद वार्षिक वर्षगांठ की तारीख पर	2,000.00	2,144.57	2,000.00	2,145.28
(v) 226वीं श्रृंखला - स्थायी टियर-I बॉण्ड्स- 30.09.2033 को कॉल विकल्प के साथ 8.03% और उसके बाद वार्षिक वर्षगांठ की तारीख पर	1,090.00	1,132.65	1,090.00	1,133.38
(vi) 244 वीं श्रृंखला - स्थायी टियर-I बॉण्ड्स- 28.02.2035 को कॉल विकल्प के साथ 7.99% और उसके बाद वार्षिक वर्षगांठ की तारीख पर	1,995.00	2,006.78	-	-
कुल - अधीनस्थ देयताएं	9,235.70	9,514.16	7,240.70	7,412.21
भारत में / बाहर अधीनस्थ देयताएं				
(i) भारत में उधारियां	9,235.70	9,514.16	7,240.70	7,412.21
(ii) भारत के बाहर उधारियां	-	-	-	-
कुल - अधीनस्थ देयताएं	9,235.70	9,514.16	7,240.70	7,412.21

अंकित मूल्य और परिशोधन लागत में दर्शाए गए आंकड़ों के बीच समाधान के लिए टिप्पणी संख्या 22.2 देखें।

22.1 वर्ष के दौरान क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई रेटिंग तथा रेटिंग में बदलाव

विवरण	रेटिंग
घरेलू दीर्घ-अवधि उधारियां	क्रिसिल एएए, आईसीआरए एएए, केयर एएए, आईएनडी एएए
घरेलू दीर्घावधि प्रिंसिपल प्रोटेक्टेड मार्केट लिंक्ड डिबेंचर	क्रिसिल पीपी-एमएलडी एएए, इक्रा पीपी-एमएलडी एएए
घरेलू स्थायी बॉण्ड	क्रिसिल एएए, केयर एएए
घरेलू अल्पावधि उधारियां	क्रिसिल ए1+, आईसीआरए ए1+, केयरए1+, आईएनडी ए1+
अंतर्राष्ट्रीय दीर्घावधि जारीकर्ता रेटिंग	बीबीबी- (फिच), बीएए3 (मूडीज), बीबीबी+ (जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी)

वर्ष के दौरान रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

22.2 उधारियों के संबंध में वहनीय मूल्य और बकाया संविदात्मक राशि के बीच समाधान:

(₹ करोड़ में)

विवरण	ऋण प्रतिभूतियां	अन्य उधारियां	अधीनस्थ देयताएं	कुल
31 मार्च 2025 तक				
इंड-एस के तहत कुल राशि	2,92,428.27	1,94,300.16	9,514.16	4,96,242.59
"घटाएं: इंड-एस के तहत उसी शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत उधारियों पर अर्जित ब्याज "	(8,291.88)	(952.79)	(333.79)	(9,578.46)
जोड़ें: ईआईआर सहित इंड-एस समायोजन	537.37	956.24	55.33	1,548.94
कुल बकाया उधारियां	2,84,673.76	1,94,303.61	9,235.70	4,88,213.07
31 मार्च 2024 तक				
इंड-एस के तहत कुल राशि	2,66,063.24	1,72,092.05	7,412.21	4,45,567.50
"घटाएं: इंड-एस के तहत उसी शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत उधारियों पर अर्जित ब्याज "	(8,263.26)	(766.66)	(321.21)	(9,351.13)
जोड़ें: ईआईआर सहित इंड-एस समायोजन	707.50	824.58	149.70	1,681.78
कुल बकाया उधारियां	2,58,507.48	1,72,149.97	7,240.70	4,37,898.15

22.3 कंपनी बैंकों / वित्तीय संस्थानों / सरकारी एजेंसियों से सावधिक ऋणों के मिश्रण और ऋण प्रतिभूतियों के निजी प्लेसमेंट के माध्यम से विभिन्न अवधियों बॉण्ड के माध्यम से विभिन्न मुद्राओं में धन जुटाती है। वर्ष के दौरान जुटाई गई राशि का उपयोग प्रस्ताव लिखत / सूचना ज्ञापन में बताई गई वस्तुओं (प्रयोजनों) के लिए किया गया है। इसके अलावा, ऋण प्रतिभूतियों, उधारियों और अधीनस्थ देयताओं के पुनर्भुगतान में तुलन पत्र की तारीख की स्थिति के अनुसार कोई चूक नहीं हुई है और कंपनी ने अपने सभी ऋण चुकाने संबंधी सभी बाध्यताओं को पूरा किया है, चाहे वे वर्ष के दौरान मूलधन या ब्याज से संबंधित क्यों न रही हों। इसके अलावा, कंपनी द्वारा जारी ऋण प्रतिभूतियों, उधारियों तथा ऋण प्रतिभूतियों संबंधी प्रसविदा का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

23. अन्य वित्तीय देयताएं

		(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	
(क) अप्रदत्त लाभांश	1,079.07	1,192.72	
(ख) अप्रदत्त मूलधन एवं बॉण्ड पर ब्याज			
-परिपक्व बॉण्ड एवं उन पर उपचित ब्याज	26.99	22.42	
- बॉण्ड पर ब्याज	13.03	10.52	
उप-जोड़ (ख)	40.02	32.94	
(ग) वेरिश्न मार्जिन के लिए प्राप्त अग्रिम	10,579.60	4,638.80	
(घ) सब्सिडी/अनुदान (संचयी) के रूप में संवितरण के लिए भारत सरकार से प्राप्त निधियां	97,304.79	98,759.76	
जोड़ें: सब्सिडी/अनुदान पर ब्याज (वापसी का निवल)	8.29	31.68	
घटाएं: लाभार्थियों को संवितरित (संचयी)	(97,246.84)	(98,717.49)	
सब्सिडी/अनुदान के रूप में संवितरित की जाने वाली असंवितरित निधि	66.24	73.95	
(ङ) भारत सरकार द्वारा पूर्णतया सर्विसड प्रदत्त बॉण्ड हेतु देय	24,318.29	24,382.40	
(च) अन्य देयताएं	1,563.50	1,619.77	
कुल (क से च तक)	37,646.72	31,940.58	

*इसमें उधारकर्ताओं से प्राप्त राशियां शामिल हैं जो ऋण समझौते की संविदात्मक शर्तों के अनुसार विनियोजन के अधीन हैं।

23.1 अवैतनिक लाभांश, अवैतनिक मूलधन और बॉण्ड पर ब्याज में वे राशियां शामिल हैं, जिनका या तो निवेशकों द्वारा दावा नहीं किया गया है या जो निवेशकों के दावों आदि के अनुरूप औपचारिकताओं के लंबित रहने के कारण रोक दी गई हैं। 31 मार्च 2025 तक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईडीपीएफ) में हस्तांतरित की जाने वाली राशि ₹ 0.83 करोड़ (31 मार्च 2024 तक ₹ 0.58 करोड़) है, जिसे निर्धारित समय सीमा के भीतर हस्तांतरित कर दिया गया है।

इसके अलावा, अवैतनिक लाभांश में मार्च 2025 में कंपनी द्वारा घोषित अंतरिम लाभांश से संबंधित ₹ 947.96 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1,184.95 करोड़) की राशि भी शामिल है, जिसके लिए शेष राशि निर्धारित बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई है, लेकिन शेयरधारकों को भुगतान किया जाना बाकी है।

23.2 सब्सिडी अंडर एक्सेलरेटेड जनरेशन एंड सप्लाई प्रोग्राम (एजीएंडएसपी) के तहत सब्सिडी:

कंपनी एक ब्याज सब्सिडी निधि खाता बनाए रखती है और उसे भारत सरकार द्वारा एजी एंड एसपी सब्सिडी (पात्र उधारकर्ताओं को संवितरण के लिए) दी गई थी, जिसकी गणना भारत सरकार के पत्र डी.ओ.सं. 32024/17/97-पीएफसी दिनांक 23.09.1997 और ओ.एम.सं. 32024/23/2001-पीएफसी दिनांक 07.03.2003 के अनुसार सांकेतिक दरों और वर्ष पर की गई निवल वर्तमान मूल्य पर की गई थी, भले ही पात्र योजनाओं के वास्तविक पुनर्भुगतान कार्यक्रम, स्थगन वर्ष और पुनर्भुगतान की अवधि कुछ भी हो। निकासी के समय विचार किए गए सांकेतिक दर और वर्ष और वास्तविक के बीच अंतर का प्रभाव संबंधित योजनाओं के समाप्त होने के बाद ही पता लगाया जा सकता है।

31 मार्च 2025 तक ₹ 0.79 करोड़ की निवल राशि (31 मार्च 2024 तक ₹ 0.77 करोड़) ब्याज सब्सिडी निधि की शेष राशि को दर्शाती है, जिसे त्वरित उत्पादन और आपूर्ति कार्यक्रम (एजीएंडएसपी) के तहत उधारकर्ताओं को भविष्य में उत्पन्न होने वाली उनकी ब्याज देयता के विरुद्ध दिया जाना है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

		(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
ब्याज सब्सिडी निधि का आरंभिक शेष	0.77	0.75	
जोड़ें: वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	0.02	0.02	
घटाएं : उधारकर्ता को दी गई ब्याज सब्सिडी	-	-	
ब्याज सब्सिडी निधि का अंतिम शेष	0.79	0.77	

23.3 भारत सरकार ने दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) और पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन के लिए आरईसी लिमिटेड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। योजनाओं के तहत विभिन्न एजेंसियों को संवितरण के लिए प्राप्त धनराशि को संबंधित अलग-अलग बैंक खातों में रखा जाता है। योजनाओं के लिए असंवितरित निधि (पूर्ववर्ती आरजीजीवीवाई योजना के तहत प्राप्त निधि सहित) को उस पर अर्जित ब्याज सहित "अन्य वित्तीय देयताओं" शीर्षक के तहत "सब्सिडी/अनुदान के रूप में वितरित की जाने वाली असंवितरित निधि" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

23.4 सब्सिडी/अनुदान पर ब्याज का संचलन निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है:

		(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
आरंभिक शेष	31.68	24.17	
जोड़ें: वर्ष के दौरान अर्जित/समायोजित ब्याज	4.58	9.93	
घटाएं : वर्ष के दौरान सरकार को वापस/समायोजित की गई राशि	(27.97)	(2.42)	
अंतिम शेष	8.29	31.68	

23.5 डीडीयूजीजेवाई योजना के लिए भारत सरकार की वित्तपोषण आवश्यकता को पूरा करने के लिए, वर्ष के दौरान, कंपनी ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर ₹ 10 लाख के अंकित मूल्य के डिबेंचर की प्रकृति में असुरक्षित, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य बॉण्ड के माध्यम से कुल ₹ शून्य (पिछले वर्ष शून्य) की धनराशि जुटाई है। वित्त मंत्रालय (एमओएफ) के दिनांक 2 दिसंबर, 2020 और 3 मार्च, 2021 के पत्र के अनुसार, उपरोक्त बॉण्ड के मूलधन और ब्याज का पुनर्भुगतान भारत सरकार द्वारा विद्युत मंत्रालय की मांग में उपयुक्त बजट प्रावधान करके किया जाएगा। तदनुसार, ऐसे बॉण्ड की राशि ब्याज सहित कंपनी द्वारा भारत सरकार से वसूली योग्य प्रतीत हो रही है (टिप्पणी 12)।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से सेवाप्रदत्त जुटाये गए बॉण्ड्स का विवरण निम्नलिखित है:

(₹ करोड़ में)					
विवरण	कूपन दर	ब्याज की आवृत्ति	विमोचन की तिथि	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
भारत सरकार-I श्रृंखला	8.09%	अर्द्ध- वार्षिक	21.03.2028	1,837.00	1,837.00
भारत सरकार-II श्रृंखला	8.01%	अर्द्ध- वार्षिक	24.03.2028	1,410.00	1,410.00
भारत सरकार-III श्रृंखला	8.06%	अर्द्ध- वार्षिक	27.03.2028	753.00	753.00
भारत सरकार-IV श्रृंखला	8.70%	अर्द्ध- वार्षिक	28.09.2028	3,000.00	3,000.00
भारत सरकार-V श्रृंखला	8.54%	अर्द्ध- वार्षिक	15.11.2028	3,600.00	3,600.00
भारत सरकार-VI श्रृंखला	8.80%	अर्द्ध- वार्षिक	22.01.2029	2,027.00	2,027.00
भारत सरकार-VII श्रृंखला	8.60%	अर्द्ध- वार्षिक	08.03.2029	1,200.00	1,200.00
भारत सरकार-VIII श्रृंखला	8.30%	अर्द्ध- वार्षिक	25.03.2029	4,000.00	4,000.00
भारत सरकार- IX श्रृंखला	7.14%	अर्द्ध- वार्षिक	02.03.2030	1,500.00	1,500.00
भारत सरकार- X श्रृंखला	8.25%	अर्द्ध- वार्षिक	26.03.2030	532.30	532.30
भारत सरकार- XI श्रृंखला	7.20%	अर्द्ध- वार्षिक	31.03.2030	1,750.00	1,750.00
भारत सरकार- XII श्रृंखला	6.45%	अर्द्ध- वार्षिक	07.01.2031	1,000.00	1,000.00
भारत सरकार- XIII श्रृंखला	6.63%	अर्द्ध- वार्षिक	28.01.2031	1,000.00	1,000.00
भारत सरकार- XIV श्रृंखला	6.50%	अर्द्ध- वार्षिक	26.03.2031	500.00	500.00
कुल				24,109.30	24,109.30

24. चालू कर देयताएं (निवल)

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
आयकर के लिए प्रावधान	-	3,283.85
घटाएं : अग्रिम आयकर एवं टीडीएस	-	(3,217.34)
चालू कर देयताएं (निवल)	-	66.51

25. प्रावधान

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
निम्न के लिए प्रावधान		
(क) कार्मिक हितलाभ		
उपदान	3.26	0.13
अर्जित अवकाश देयता	39.29	33.81
चिकित्सा अवकाश देयता	23.44	21.52
निपटान भत्ता	2.56	2.40
आर्थिक पुनर्वास योजना	6.70	4.92
दीर्घ सेवा अवार्ड	5.17	4.51
प्रोत्साहन	37.81	36.96
अन्य	0.80	1.07
उप-जोड़ (क)	119.03	105.32
(ख) अन्य		
सुविधा पत्रों पर अपेक्षित क्रेडिट हानि	18.48	32.02
उप-जोड़ (ख)	18.48	32.02
कुल (क + ख)	137.51	137.34

25.1 सुविधा पत्र पर अपेक्षित क्रेडिट हानि प्रावधान का संचलन

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
आरंभिक शेष	32.02	15.87
जोड़ें: वर्ष के दौरान सृजित	16.90	25.97
घटाएं : वर्ष के दौरान वापस किया गया / समायोजित किया गया	(30.44)	(9.82)
अंतिम शेष	18.48	32.02

25.2 कंपनी के पास ऋण जोखिम का अधिकतम जोखिम ₹ 7,990.22 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 5,961.13 करोड़) (क्षति हानि भत्ते के बाद निवल) है, जो उधारकर्ताओं की ओर से वित्तीय गारंटी के रूप में बैंकों को जारी किए गए लेटर ऑफ कम्फर्ट से संबंधित है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

26. अन्य गैर – वित्तीय देयताएं

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) सनड्राई देयताओं का लेखा (ब्याज पूंजीकरण)	46.67	47.80
(ख) पूंजी खाते के प्रति देय देयता	48.38	48.38
(ग) असंवितरित ऋणों पर अपरिशोधित शुल्क	75.14	85.38
(घ) भारत सरकार की तरफ से सरकारी योजनाओं के संबंध में अग्रिम प्राप्प	0.08	-
(ङ) सांविधिक देय	100.95	78.23
कुल (क से ङ)	271.22	259.79

27. इक्विटी शेयर पूंजी

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
प्राधिकृत:				
प्रत्येक ₹ 10 के इक्विटी शेयर	5,00,00,00,000	5,000.00	5,00,00,00,000	5,000.00
निर्गमित, अभिदत्त और प्रदत्त:				
प्रत्येक ₹ 10 के पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22
कुल	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22

27.1 वर्ष के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
वर्ष के प्रारंभ में पूंजीगत शेयरों की संख्या	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22
जोड़े: वर्ष के दौरान जारी एवं आबंटित शेयर	-	-	-	-
वर्ष के अंत में पूंजीगत शेयर	2,63,32,24,000	2,633.22	2,63,32,24,000	2,633.22

27.2 पिछले वर्ष और पिछले पांच वर्षों के दौरान बोनस शेयरों का आबंटन

चालू वर्ष और पिछले पांच वर्षों के दौरान, कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 को छोड़कर कोई बोनस शेयर जारी नहीं किए गए, जब कंपनी ने रिकॉर्ड तिथि यानी 18 अगस्त 2022 को बकाया प्रत्येक 3 (तीन) इक्विटी शेयर के लिए 1 (एक) इक्विटी शेयर के अनुपात में बोनस शेयरों के माध्यम से पूरी तरह से भुगतान किए गए 65,83,06,000 इक्विटी शेयर आवंटित किए थे। 'सिक्वोरिटीज प्रीमियम अकाउंट' में जमा राशि में से ₹658.30 करोड़ का पूंजीकरण किया गया।

27.3 कंपनी ने नकद में प्राप्त किए जा रहे भुगतान के बिना संविदा के अनुसरण में न तो कोई इक्विटी शेयर जारी किया है और न ही वर्तमान वर्ष और तुलन-पत्र की तिथि के पूर्व के पांच वर्षों में शेयरों की कोई बाँयबैक की है।

27.4 इक्विटी शेयर के अधिकार, अधिमानित और प्रतिबंध

कंपनी के इक्विटी शेयरों के शेयरधारक कंपनी द्वारा घोषित किए जाने पर लाभांश के हकदार होते हैं और यदि किसी प्रस्ताव पर मतदान लिया जाता है तो उसमें उन्हें आनुपातिक मतदान का अधिकार होता है। इसके अलावा, शेयरधारकों को, यथास्थिति, सूचीबद्ध सरकारी कंपनी के शेयरों को, कंपनी अधिनियम 2013 तथा इसके अंतर्गत बनाये गये नियमों (लागू सीमा में), कंपनी अधिनियम, 1956 (लागू सीमा में), सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 और संस्था के ज्ञापन तथा एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार ऐसे सभी अधिकार प्राप्त हैं।

27.5 तुलन पत्र की तिथि के अनुसार पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों के 5% से अधिक शेयर धारण करने वाले शेयरधारक:

शेयरधारक का नाम	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	प्रतिशत	शेयरों की सं.	प्रतिशत
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	1,38,59,93,662	52.63%	1,38,59,93,662	52.63%

27.6 अनुषंगी और संबद्ध कंपनियों सहित कंपनी द्वारा धारित इक्विटी शेयरों का विवरण

कंपनी का नाम	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	शेयरों की सं.	प्रतिशत	शेयरों की सं.	प्रतिशत
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	1,38,59,93,662	52.63%	1,38,59,93,662	52.63%

27.7 प्रमोटर द्वारा धारित इक्विटी शेयरों का विवरण

प्रमोटर का नाम	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	शेयरों की सं.	प्रतिशत	% वर्ष के दौरान परिवर्तन	शेयरों की सं.	प्रतिशत	% परिवर्तन
भारत के राष्ट्रपति	-	-	-	-	-	-
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	1,38,59,93,662	52.63%	-	1,38,59,93,662	52.63%	-

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

28. इन्स्ट्रुमेंट्स की प्रकृति पूरी तरह से इक्विटी है

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि
₹ 10 लाख प्रत्येक के पूर्णतया देय स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट की प्रकृति पूरी तरह से इक्विटी है	5,584	558.40	5,584	558.40
कुल	5,584	558.40	5,584	558.40

28.1 वर्ष के प्रारंभ और अंत में बकाया स्थायी प्रतिभूतियों की संख्या का समाधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि
वर्ष के प्रारंभ में शेष	5,584	558.40	5,584	558.40
वर्ष के दौरान जोड़े/(घटाएँ)	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	5,584	558.40	5,584	558.40

28.2 तुलन पत्र की तिथि को इन्स्ट्रुमेंट धारक पूरी तरह से इक्विटी प्रकृति के 5% से अधिक के स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स को धारित करते हैं :

(₹ करोड़ में)

शेयरधारक का नाम	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि
एचवीपीएनएल कार्मिक पेंशन फंड ट्रस्ट	665	11.91%	665	11.91%
एचपीजीसीएल कार्मिक पेंशन फंड ट्रस्ट	500	8.95%	500	8.95%

28.3 कंपनी ने ₹ 10 लाख के अंकित मूल्य के स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स जारी किए हैं, जिनमें कोई परिपक्वता नहीं है और केवल 10 वर्षों के बाद कंपनी के विकल्प पर कॉल करने योग्य है। प्रतिभूतियों के धारकों के दावे होंगे (क) जारीकर्ता द्वारा जारी किए गए इक्विटी शेयरों के धारकों के बेहतर दावे; और (ख) जारीकर्ता के अन्य सभी लेनदारों के दावों के अधीनस्थ। 10 वर्षों के बाद नहीं बुलाए जाने पर इन्स्ट्रुमेंट्स में एक कदम बढ़ाने का प्रावधान है। कूपन के भुगतान को रद्द या कंपनी के विवेक पर निलंबित किया जा सकता है। प्रतिभूतियों का कूपन संचयी नहीं है, सिवाय इसके कि जहां जारीकर्ता करेगा कूपन का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा और कूपन के भुगतान को स्थगित कर सकता है, अगर (i) जारीकर्ता की पूंजी जोखिम परिसंपत्ति अनुपात ("सीआरएआर") आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम नियामक आवश्यकता से कम है; या (ii) आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम नियामक आवश्यकता जारीकर्ता के ऐसे भुगतान के प्रभाव में सीआरएआर नीचे गिरता या नीचे रहता है।

चूंकि ये प्रतिभूतियां प्रकृति में स्थायी हैं और कंपनी के पास कूपन का भुगतान पर कोई विमोचन दायित्व और विवेक नहीं है, इन्हें इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसके अलावा, सावधिक कूपन भुगतानों को तदनुसार प्रतिधारित आय के साथ समायोजित किया जाता है।

29. अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) अन्य आरक्षित निधि		
(i) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि	31,595.40	28,044.83
(ii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के अधीन अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि	841.80	687.76
(iii) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के अधीन आरक्षित निधि	13,971.63	10,828.99
(iv) प्रतिभूति प्रीमियम	1,577.53	1,577.53
(v) विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर खाता	(611.65)	(675.14)
(vi) सामान्य आरक्षित निधि	13,474.04	12,036.27
(ख) प्रतिधारित आय	16,067.34	13,872.66
(ग) अन्य व्यापक आय (ओसीआई)		
अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स	(81.84)	(57.99)
नकदी प्रवाह हेजेज़ का प्रभावी भाग	(931.35)	(1,846.93)
हेजिंग आरक्षित निधि की लागत	(718.46)	1,690.64
कुल - अन्य इक्विटी (क+ख+ग)	75,184.44	66,158.63

अन्य इक्विटी के घटक में जोड़ या कटौती का प्रकटन 'इक्विटी में परिवर्तन के विवरण' में किया गया है।

29.1 आरक्षित निधि से निकासी/स्थानांतरण: विनियामक दिशानिर्देशों और विशिष्ट उद्देश्यों के लिए बनाए गए आरक्षित निधि के उपयोग के अनुसार, कंपनी ने विभिन्न आरक्षित निधि से सामान्य आरक्षित निधि में निम्नलिखित राशियां स्थानांतरित की हैं:

(i) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii)(ग) के अंतर्गत अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि से ऋण परिसंपत्तियों और अन्य वसूली योग्य राशियों पर वास्तविक बढ़े खाते में डालने के कारण ₹687.76 करोड़ प्राप्त हुए।

(ii) वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रिजर्व से कोई राशि नहीं निकाली गई है



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

29.2 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत बनाई गई विशेष रिज़र्व कंपनी द्वारा बनाए रखी जाती है ताकि कंपनी को कर लाभ मिल सके। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अनुसार, कंपनी दीर्घकालिक वित्त गतिविधि से प्राप्त लाभ के 20% से अधिक कटौती के लिए पात्र नहीं है, बशर्ते कि ऐसी राशि को विशेष रिज़र्व खाते में स्थानांतरित और बनाए रखा जाए।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	28,044.83	24,977.89
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	3,550.57	3,066.94
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	-	-
वर्ष के अंत में शेष	31,595.40	28,044.83

29.3 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viiए)(ग) के तहत अशोध एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viiए)(ग) के तहत खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए कंपनी द्वारा आरक्षित निधि रखी जाती है ताकि कंपनी को कर लाभ मिल सके। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viiA)(c) के अनुसार, कंपनी खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए किए गए किसी भी प्रावधान/आरक्षित निधि के संबंध में कटौती का लाभ उठाने के लिए पात्र है, जो आयकर अधिनियम के अनुसार कुल आय का पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं है। इस प्रकार बनाए गए आरक्षित निधि का उपयोग मुख्य रूप से वास्तविक खराब ऋणों या उसके भाग के समायोजन के लिए किया जाएगा।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	687.76	-
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	841.80	687.76
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	(687.76)	-
वर्ष के अंत में शेष	841.80	687.76

29.4 भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के अंतर्गत सांविधिक आरक्षित निधि

कंपनी भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45आईसी के तहत आवश्यक आरक्षित निधि का सृजन कर रही है, जिसमें लाभांश की घोषणा से पहले निवल लाभ का कम से कम 20% स्थानान्तरण करना आवश्यक है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट उद्देश्य को छोड़कर, आरक्षित निधि से कोई भी विनियोग करने की अनुमति नहीं है, ऐसे किसी भी विनियोग की सूचना ऐसी वापसी की तारीख से 21 दिनों के भीतर भारतीय रिज़र्व बैंक को देनी होगी।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	10,828.99	8,025.15
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	3,142.64	2,803.84
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	-	-
वर्ष के अंत में शेष	13,971.63	10,828.99

29.5 प्रतिभूति प्रीमियम

प्रतिभूत प्रीमियम कंपनी द्वारा शेयरों और ऋण प्रतिभूतियों को जारी करने पर प्राप्त प्रीमियम को दर्शाता है। इसका प्रयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,577.53	1,577.53
जोड़े: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	-	-
घटाएँ: सामान्य आरक्षित निधि में हस्तांतरित	-	-
घटाएँ: इकिटी शेयरों के बोनस इश्यू के लिए उपयोग किया जाता है	-	-
घटाएँ: इकिटी शेयरों के बोनस इश्यू पर होने वाला खर्च	-	-
वर्ष के अंत में शेष	1,577.53	1,577.53

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

29.6 विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर खाता

कंपनी ने पूर्ववर्ती लागू लेखांकन मानक 11 'विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन के प्रभाव' के पैरा 46क के अनुसार ऐसी मदों की बकाया अवधि में लंबी अवधि की विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव से नुकसान/लाभ के विमोचन के लिए एक स्थिर (अपरिवर्तनीय) विकल्प चुना था। कंपनी ने भारतीय लेखांकन मानक के प्रावधानों के अनुरूप 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों के परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर के संबंध में पूर्ववर्ती जोएएपी के अनुसार इस तरह के विमोचन की नीति को जारी रखने का विकल्प चुना। इस खाते में बकाया राशि मोचित लाभ/(हानि) को दर्शाती है, जिन्हें पात्र दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक देयताओं की बकाया अवधि में मोचित किया जाएगा।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(675.14)	(790.44)
जोड़ें: वर्ष के दौरान दीर्घावधिक मौद्रिक मदों संबंधी विदेशी मुद्रा परिवर्तन लाभ/हानि(-)	(120.43)	(85.73)
घटाएं: वर्ष के दौरान परिशोधन	183.92	201.03
वर्ष के अंत में शेष	(611.65)	(675.14)

29.7 सामान्य आरक्षित निधि

सामान्य आरक्षित निधि में कंपनी के मुनाफे से विनियोजित राशि और साथ ही सांविधिक आरक्षित निधियों से हस्तांतरित राशि भी शामिल होती है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	12,036.27	12,036.27
जोड़ें: प्रतिधारित आय से हस्तांतरित	750.00	-
जोड़ें: आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के अंतर्गत अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए आरक्षित निधि से हस्तांतरित	687.76	-
वर्ष के अंत में शेष	13,474.03	12,036.27

29.8 अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स

समूह ने अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिटी प्रतिभूतियों में कुछ निवेशों के उचित मूल्य में बदलाव को मान्यता देने का चुनाव किया है। ये परिवर्तन इकिटी के भीतर ओसीआई आरक्षित निधि में जमा होते हैं। जब संबंधित इकिटी प्रतिभूतियों की मान्यता रद्द कर दी जाती है तो समूह इस आरक्षित निधि से राशि को बरकरार रखी गई आय में स्थानांतरित कर देता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(57.99)	(101.47)
जोड़ें: अन्य व्यापक आय के माध्यम से मान्यता (करों का निवल)	(23.85)	91.48
जोड़ें: एफवीओसीआई इकिटी इन्स्ट्रुमेंट्स की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनर्वर्गीकरण (करों का निवल)	-	(48.00)
वर्ष के अंत में शेष	(81.84)	(57.99)

29.9 नकदी प्रवाह हेजेज का प्रभावी भाग

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिम और उधार पर जुड़े ब्याज दर से जुड़े जोखिम के प्रबंधन के लिए व्युत्पन्न इन्स्ट्रुमेंट्स का उपयोग करती है। विदेशी मुद्रा और ब्याज दर के जोखिम को कम करने के लिए कंपनी विदेशी मुद्रा वायदा संविदाओं, क्रॉस करेंसी स्वेप, विदेशी मुद्रा विकल्प संविदाओं और ब्याज दर स्वेप का उपयोग करती है। हेज लेखांकन के तहत निर्धारित व्युत्पन्न संविदाएं जिस सीमा तक प्रभावी हेज होती हैं, हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के उचित मूल्य में परिवर्तन को 'कैश फ्लो हेजिंग रिजर्व' में मान्यता दी जाती है। ऐसी आरक्षित निधि में मान्यता प्राप्त राशियों को लाभ या हानि विवरण में तब पुनः वर्गीकृत किया जाता है जब हेज किए गए आइटम लाभ या हानि को प्रभावित करता है।

वर्ष के दौरान संचलन का विवरण:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(1,846.93)	600.05
जोड़ें: अन्य व्यापक आय के माध्यम से मान्यता (करों का निवल)	915.58	(2,446.98)
वर्ष के अंत में शेष	(931.35)	(1,846.93)

29.10 हेजिंग आरक्षित निधि की लागत

कंपनी विदेशी मुद्रा विकल्प अनुबंधों के आंतरिक मूल्य को 'कैश फ्लो हेज' संबंधों में हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के रूप में नामित करती है। किसी विकल्प के समय मूल्य के उचित मूल्य में परिवर्तन को ओसीआई में मान्यता दी जाती है और तर्कसंगत आधार पर लाभ और हानि के विवरण में परिशोधित किया जाता है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ
वर्ष के दौरान संचलन का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,690.64	(1,709.87)
जोड़ें: अन्य व्यापक आय के माध्यम से मान्यता (करों का निवल)	(2,409.10)	3,400.51
वर्ष के अंत में शेष	(718.46)	1,690.64

29.11 वर्ष के दौरान प्रतिधारित आय में संचलन का विवरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के प्रारंभ में शेष	13,872.66	10,313.78
जोड़ें: वर्ष के लिए लाभ	15,884.23	14,145.46
जोड़ें: परिभाषित हितलाभ योजनाओं (करों का निवल) का पुनःमापन	0.57	(0.74)
घटाएं : सामान्य रिजर्व में स्थानांतरित	(750.00)	-
घटाएं: आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि में हस्तांतरित	(3,550.57)	(3,066.94)
घटाएं: आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(vii) के तहत अशोध्य ऋण और संदिग्ध ऋण में हस्तांतरित	(841.80)	(687.76)
घटाएं: भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईसी के तहत आरक्षित निधि निधि में हस्तांतरित	(3,142.64)	(2,803.84)
जोड़ें: एफवीओसीआई इकिटी दस्तावेज(करों का निवल) की बिक्री/उन्मूलन पर लाभ/(हानि) का पुनः वर्गीकरण	-	48.00
घटाएं: इन्स्ट्रुमेंट पर कूपन भुगतान, पूर्णतया इकिटी प्रकृति के है (स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट) (करों का निवल)	(33.30)	(33.30)
घटाएं: वर्ष के दौरान लाभांश	(5,371.78)	(4,042.00)
वर्ष के अंत में शेष	16,067.34	13,872.66

29.12 कंपनी द्वारा प्रत्येक ₹10/- के इकिटी शेयरों के लिए प्रस्तावित/घोषित लाभांश

ब्याज का दर	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	
	प्रति इकिटी शेयर पर लाभांश	लाभांश राशि	प्रति इकिटी शेयर पर लाभांश	लाभांश राशि
	(₹)	(₹ करोड़ में)	(₹)	(₹ करोड़ में)
वर्ष के अंत में इकिटी शेयर की संख्या	2,63,32,24,000		2,63,32,24,000	
अंतरिम लाभांश	15.40	4,055.16	11.00	2,896.55
अंतिम/प्रस्तावित लाभांश	2.60	684.64	5.00	1,316.61
कुल लाभांश	18.00	4,739.80	16.00	4,213.16

निदेशक मंडल ने 08 मई, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹ 2.60 प्रति इकिटी शेयर (प्रत्येक ₹ 10/- के अंकित मूल्य पर) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की, जो आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। वित्तीय वर्ष के लिए कुल लाभांश ₹ 18/- प्रति इकिटी शेयर (प्रत्येक ₹ 10/- के अंकित मूल्य पर) है, जिसमें ₹15.40 प्रति शेयर का कुल अंतरिम लाभांश शामिल है।

इंड-एएस 10 'रिपोर्टिंग अवधि के बाद के घटनाक्रम' की आवश्यकताओं के अनुसार, कंपनी को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद निदेशक मण्डल द्वारा प्रस्तावित लाभांश प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसा विनियोग अंतिम लाभांश के मामले में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में अनुमोदन के बाद किया जाता है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

30. ब्याज आय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष			31-03-2024 को समाप्त वर्ष		
	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन	लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन
(क) ऋण परिसंपत्तियों पर ब्याज						
(i) दीर्घावधि वित्तपोषण	-	49,611.60	-	-	42,941.50	-
(ii) अल्पावधि वित्तपोषण	-	4,414.82	-	-	2,717.24	-
उप-जोड़ (क)	-	54,026.42	-	-	45,658.74	-
(ख) निवेशों पर ब्याज आय						
(i) दीर्घावधि निवेशों पर ब्याज	-	411.28	81.43	-	190.29	69.16
उप-जोड़ (ख)	-	411.28	81.43	-	190.29	69.16
(ग) बैंकों के पास जमाओं पर ब्याज						
(i) जमाओं पर ब्याज	-	270.22	-	-	331.51	-
उप-जोड़ (ग)	-	270.22	-	-	331.51	-
(घ) अन्य ब्याज आय						
(i) उधारकर्ताओं द्वारा विलंबित भुगतान पर ब्याज	-	294.46	-	-	173.80	-
(ii) कार्मिकों को दिए गए अग्रिमों पर ब्याज	-	6.11	-	-	5.06	-
(iii) मोबलाइजेशन अग्रिमों पर ब्याज	-	0.14	-	-	0.24	-
(iv) अनविन्डिंग ऑफ डिस्काउंट ऑफ सिक्योरिटी डिपॉजिट्स	-	-	-	-	0.10	-
(v) तनावग्रस्त ऋण परिसंपत्तियों के कारण प्राप्य राशि की निकासी पर ब्याज	-	12.36	-	-	-	-
(vi) एसपीवी से ब्याज	-	0.70	-	-	0.71	-
(vii) पक्षकारों को अग्रिमों पर ब्याज	-	2.08	-	-	1.83	-
उप-जोड़ (घ)	-	315.85	-	-	181.74	-
कुल - ब्याज आय (क से घ)	-	55,023.77	81.43	-	46,362.28	69.16

31. लाभांश आय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- दीर्घावधि निवेशों से लाभांश	8.42	2.28
कुल - लाभांश आय	8.42	2.28

31.1 अन्य निवेशों पर मान्य लाभांश का विवरण :

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
इक्विटी निवेश पर लाभांश एफवीओसीआई पर मापा जाता है		
- वर्ष के अंत में धारित निवेशों पर	8.42	1.94
-वर्ष के दौरान अमान्य किए गए निवेशों पर	-	0.34
कुल	8.42	2.28

32. शुल्क एवं कमीशन आय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
शुल्क आधारित आय	201.20	70.80
पूर्व अदायगी प्रीमियम	138.75	50.74
सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शुल्क	53.79	114.49
कुल - शुल्क एवं कमीशन आय	393.74	236.03



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

33. सेवाओं की बिक्री

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
कंसल्टेंसी इंजीनियरिंग सर्विसेज	510.97	360.52
कुल	510.97	360.52

34. अन्य आय

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मान्यता रद्द करने पर निवल लाभ/(हानि)	0.01	-
बिक्री हेतु वर्गीकृत परिसंपत्तियों के निपटान पर निवल लाभ/(हानि)	6.03	1.32
बड़े खाते में डाली गई वित्तीय परिसंपत्तियों के विरुद्ध वसूली	12.15	-
किराये से आय	15.12	13.96
देयताएं/प्रावधान वापस लिखित	2.89	23.90
प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से शुल्क	1.34	12.33
आयकर वापसी से ब्याज	0.64	0.28
विविध आय	29.30	14.69
कुल - अन्य आय	67.48	66.48

35. वित्तीय लागत

वित्तीय लागतें वित्तीय देयताओं पर खर्च की गई हैं और इनका मापन परिशोधित लागत पर किया गया है।

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) उधारियों पर ब्याज		
- भारत सरकार से ऋण (एनएसएसएफ)	822.50	822.50
- बैंकों/वित्तीय संस्थानों से ऋण	4,590.64	5,461.62
- बाह्य वाणिज्यिक उधारियां	6,602.12	4,774.11
उप-जोड़ (i)	12,015.26	11,058.23
(ii) ऋण प्रतिभूतियों पर ब्याज		
- घरेलू ऋण प्रतिभूतियां	17,773.04	15,086.29
- विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियां	1,334.12	1,553.60
- कमर्शियल पेपर	-	135.64
उप-जोड़ (ii)	19,107.16	16,775.53
(iii) अधीनस्थ देयताओं पर ब्याज		
- अधीनस्थ बॉण्ड	687.76	631.89
उप-जोड़ (iii)	687.76	631.89
(iv) अन्य ब्याज व्यय		
- स्वैप प्रीमियम	1,796.86	1,368.64
- वेरिफेशन मार्जिन पर ब्याज	524.81	114.70
- अग्रिम आयकर पर ब्याज	-	4.01
- कार्मिक लाभ के प्रति देयता पर ब्याज	2.46	(4.84)
- विविध ब्याज व्यय	-	0.11
उप-जोड़ (iv)	2,324.13	1,482.62
कुल - वित्तीय लागत	34,134.31	29,948.27
घटाएं: पूंजीकृत वित्तीय लागत	(3.02)	(0.53)
कुल - वित्तीय लागत (निवल)	34,131.29	29,947.74

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

36. निवल अंतरण / लेन-देन विनिमय हानि / (लाभ)

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
निवल अंतरण / लेन-देन विनिमय हानि / (लाभ)	208.15	166.57
कुल	208.15	166.57

उपरोक्त आंकड़ों में 1 अप्रैल 2018 से पहले ₹ 183.92 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 201.03 करोड़) की राशि को वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर निवल परिवर्तन / लेनदेन विनिमय हानि/(लाभ) का विमोचन शामिल है।

36.1 विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदें प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विद्यमान एफबीआईएल (फाइनेंशियल बैचमार्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) की संदर्भित दरों पर अंतरित की जाती हैं अथवा जहां एफबीआईएल संदर्भ दरें किसी मुद्रा के लिए उपलब्ध न हों, वहां ब्लूमबर्ग पर उल्लिखित उसी दर के लिए अंतिम दर पर अंतरित की जाती है। रिपोर्ट करने की तारीख को संबंधित दरें निम्नलिखितानुसार हैं:

विनिमय दर	यूएसडी /आईएनआर	जेपीवाई/आईएनआर	यूरो/ आईएनआर	एसजीडी/ आईएनआर
31 मार्च 2025 तक*	85.5814	0.5675	92.3246	63.7098
31 मार्च 2024 तक	83.3739	0.5509	90.2178	61.7319

* 28 मार्च 2025 एवं 28 मार्च 2024 को अंतिम कार्य दिवस है।

37. शुल्क एवं कमीशन व्यय

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) गारंटी शुल्क	0.14	1.71
(ii) सूचीकरण एवं ट्रस्टीशिप शुल्क	0.03	0.06
(iii) एजेंसी शुल्क	2.49	1.42
(iv) क्रेडिट रेटिंग व्यय	4.26	4.08
(v) अन्य वित्तीय प्रभार	6.74	16.99
कुल (i से v)	13.66	24.26

38. उचित मूल्य परिवर्तनों पर निवल लाभ / (हानि)

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय लिखतों पर निवल लाभ / (हानि)		
(i) ट्रेडिंग पोर्टफोलियो पर	-	-
(iii) अन्य		
- व्युत्पन्नों के उचित मूल्य में परिवर्तन	80.95	425.55
- दीर्घावधि निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तन	265.35	46.33
- अल्पावधि म्यूचुअल फंड निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तन	1.92	2.60
उप-जोड़ (ii)	348.22	474.48
कुल (क)	348.22	474.48
उचित मूल्य के परिवर्तनों का विवरण		
- वसूली की गयी	388.64	(217.04)
- वसूली नहीं की गयी	(40.42)	691.52
कुल-उचित मूल्य परिवर्तनों पर निवल लाभ / (हानि)	348.22	474.48

इस अनुसूची में उचित मूल्य परिवर्तन अर्जित ब्याज आय व्यय के कारण उत्पन्न होने वाले परिवर्तनों के अलावा हैं और इस प्रकार निर्दिष्ट व्युत्पन्न के उचित मूल्य में परिवर्तन का प्रति करते हैं। आर्थिक हेजेज को हेज लेखांकन और अप्रभावी हेज के अंतर्गत निर्दिष्ट नहीं किया गया है।

39. वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर इम्पेयरमेंट

	(₹ करोड़ में)			
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
	एफवीओसीआई पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर	परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर	एफवीओसीआई पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर	परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स पर
(i) ऋण*	-	886.24	-	(1,367.07)
(ii) निवेश	-	3.26	-	-
(iii) अन्य**	-	132.08	-	(12.51)
कुल (i+ii+iii)	-	1,021.58	-	(1,379.58)

*सुविधा पत्र पर इम्पेयरमेंट भत्ते के मद में ₹ 13.54 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ -16.14 करोड़) की राशि शामिल है।

** यह तनावग्रस्त ऋण परिसंपत्तियों के कारण वसूली योग्य अन्य पर हानि भत्ते का प्रतिनिधित्व करता है (ऊपर टिप्पणी 12 देखें)।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

40. प्रदान की गई सेवाओं की लागत

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
परियोजना व्यय	162.62	168.06
कुल	162.62	168.06

41. कार्मिक हितलाभ व्यय

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- वेतन और भत्ते	174.54	157.41
- भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	33.43	32.87
- कार्मिकों के लिए आवासीय सुविधा संबंधी किराया	10.45	6.65
- कार्मिक कल्याण व्यय	49.71	41.27
कुल	268.13	238.20

42. मूल्यहास एवं परिशोधन

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यहास	24.01	22.88
- निवेश संपत्ति पर मूल्यहास	0.40	-
- अमूर्त संपत्तियों पर परिशोधन	0.29	1.11
कुल	24.70	23.99

43. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यय

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- प्रत्यक्ष व्यय	282.05	243.69
- ओवरहेड्स	9.48	8.09
कुल	291.53	251.78

43.1 कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने कंपनी (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियमावली, 2014 को समय-समय पर संशोधित किया है। इन नियमों में अपेक्षा की गई है कि चालू परियोजना को छोड़कर अन्य किसी भी व्यय न की गई सीएसआर राशि को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छह महीने की अवधि के भीतर अनुसूची VII में विनिर्दिष्ट निधि में अंतरित किया जाना चाहिए। यदि ऐसी अव्ययित राशि किसी चालू परियोजना से संबंधित है तो उसे अगले वर्ष की 30 अप्रैल तक अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित कर देना चाहिए। तथापि, यदि तीन वित्तीय वर्षों के भीतर ऐसी राशि का उपयोग नहीं किया जाता है तो उसे अनुसूची VII में विनिर्दिष्ट निधि में, तीसरे वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर अंतरित किया जाना अपेक्षित है। इसके अलावा, प्रभाव आकलन करने वाली कंपनियां उस वित्तीय वर्ष के लिए सीएसआर के लिए व्यय दर्ज कर सकती हैं, जो कुल सीएसआर व्यय के दो प्रतिशत या पचास लाख रुपये, जो भी अधिक हो, से अधिक नहीं होगा।

43.2 समूह द्वारा खर्च की जाने वाली अपेक्षित सकल राशि का विवरण:

(क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली कुल राशि ₹291.53 करोड़ (पिछले वर्ष ₹251.78 करोड़) है।

(ख) वर्ष के दौरान बोर्ड द्वारा खर्च की जाने वाली अनुमोदित राशि ₹291.53 करोड़ (पिछले वर्ष ₹251.78 करोड़)

(ग) सीएसआर से संबंधित पक्ष लेन-देन के लिए टिप्पणी सं. 59 को देखें।

(घ) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135(5) के अनुसार सीएसआर गतिविधियों पर खर्च की जाने वाली अपेक्षित राशि:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(क) प्रारंभिक शेष-खर्च की गई अतिरिक्त राशि	5.34	7.70
(ख) वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली अपेक्षित राशि	291.53	251.78
(ग) वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि*	291.72	249.42
(घ) अंतिम शेष-खर्च की गई अतिरिक्त राशि** (क-ख+ग)	5.53	5.34

* आरईसी फाउंडेशन (कार्यान्वयन एजेंसी) द्वारा अस्थायी रूप से रखी गई निधियों पर अर्जित ब्याज से सीएसआर गतिविधियों पर व्यय की गई राशि शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य) शामिल नहीं किया गया है।

** अगले तीन सफल वित्तीय वर्षों में समायोजित करने के लिए पात्र

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

43.3 वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि (₹ करोड़ में):

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष			31-03-2024 को समाप्त वर्ष		
	नकद में	अभी प्रदत्त किया जाना है	कुल	नकद में	अभी प्रदत्त किया जाना है	कुल
(i) किसी परिसंपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	-	-	-	-	-	-
(ii) उपरोक्त (i) के अन्यत्र प्रयोजन पर						
स्वास्थ्य/स्वच्छता/अपशिष्ट प्रबंधन/पेयजल	129.50	-	129.50	68.55	-	68.55
शिक्षा/व्यावसायिक/कौशल विकास	16.31	-	16.31	10.72	-	10.72
पर्यावरणीय संधारणीयता	7.01	-	7.01	21.32	-	21.32
खेल-कूद	38.98	-	38.98	21.83	-	21.83
पीएम केयर फंड में योगदान	51.70	-	51.70	85.00	-	85.00
अन्य (ग्रामीण विकास, सशस्त्र बलों के लाभ / इनक्यूबेटर / आपदा प्रबंधन)	38.74	-	38.74	33.92	-	33.92
प्रभावी आकलन	0.28	-	0.28	0.13	-	0.13
प्रशिक्षण आदि सहित प्रशासनिक ओवरहेड्स	9.20	-	9.20	7.95	-	7.95
कुल (i + ii)	291.72	-	291.72	249.42	-	249.42

44. अन्य व्यय

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- यात्रा एवं वाहन सुविधा	31.24	23.01
- प्रचार एवं पदोन्नति व्यय	30.84	32.28
- मरम्मत और अनुरक्षण	36.36	26.55
- किराया, दरें एवं बिजली की लागत	8.63	7.74
- बीमा प्रभार	0.56	0.16
- संप्रेषण लागत	7.23	2.38
- प्रिंटिंग और स्टेशनरी	1.50	1.74
- निदेशकों के बैठक	0.50	0.49
- लेखापरीक्षकों का शुल्क एवं व्यय	1.84	1.84
- विधिक एवं व्यावसायिक प्रभार	21.30	13.76
- दान और चैरिटी	0.01	-
- परिसंपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर के निपटान पर निवल हानि	7.61	5.56
- प्रशिक्षण और सम्मेलन व्यय	5.98	13.76
- सरकारी योजना निगरानी व्यय	16.49	9.15
- अन्य व्यय	24.82	31.85
कुल	194.90	170.27

44.1 लेखापरीक्षकों के शुल्क और व्यय के संबंध में प्रकटन

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
सांविधिक लेखापरीक्षकों को दिया गया शुल्क:		
- लेखापरीक्षा शुल्क के लिए	0.79	0.75
-कराधान मामलों के लिए*	0.18	0.18
-कंपनी के कानूनी मामलों/सीमित समीक्षा शुल्क के लिए	0.37	0.36
- अन्य सेवाओं के लिए	0.18	0.38
- व्ययों की प्रतिपूर्ति के लिए	0.20	0.05
उप-जोड़	1.72	1.71
लेखापरीक्षकों को प्रदत्त शुल्क के संबंध में गैर-वसूली योग्य कर जमा	0.13	0.13
कुल - लेखापरीक्षकों के शुल्क और व्यय	1.85	1.84



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

45. कर व्यय

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
- चालू कर व्यय	4,098.91	3,329.10
- पिछले वर्षों से संबंधित चालू कर व्यय/ (लाभ)	(0.25)	3.97
उप-जोड़ - चालू कर	4,098.66	3,333.07
- आस्थगित कर व्यय/(क्रेडिट)	134.58	481.41
कुल	4,233.24	3,814.48

45.1 प्रभावी कर दर का समाधान

लाभ एवं हानि के विवरण में सूचित किए गए आयकर व्यय की सांविधिक आयकर दर पर अनुमानित आयकर व्यय का मिलान निम्नलिखित है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
कर पूर्व लाभ	20,117.47	17,959.94
सांविधिक आयकर दर	25.168%	25.168%
प्रत्याशित आय कर व्यय	5,063.16	4,520.16
आयकर समायोजनों का कर प्रभाव:		
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत कटौती के लाभ	(893.61)	(771.89)
सीएसआर व्यय की अनुमति न होना एवं अन्य समायोजन	72.01	63.47
कर योग्य नहीं आय	(28.04)	-
अन्य गैर-कटौती योग्य व्यय	(5.02)	(1.14)
अग्रिम आयकर पर ब्याज की अनुमति नहीं	-	0.49
गैर कर योग्य आय	22.81	(0.58)
पिछले वर्षों के कर व्यय	1.93	3.97
कर व्यय	4,233.24	3,814.48

46. आय प्रति शेयर

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
न्यूमरेटर		
लाभ तथा हानि विवरण के अनुसार सतत प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़ में)*	15,850.93	14,112.16
लाभ तथा हानि विवरण के अनुसार बंद प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़ में)*	-	-
लाभ तथा हानि विवरण के अनुसार सतत तथा बंद प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़ में)*	15,850.93	14,112.16
डिनोमिनेटर		
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	2,63,32,24,000	2,63,32,24,000
प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (प्रत्येक ₹10 के इक्विटी शेयर के लिए ₹ में) (सतत संचालन के लिए)	60.20	53.59
प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (प्रत्येक ₹10 के इक्विटी शेयर के लिए ₹ में) (बंद परिचालन के लिए)	-	-
प्रति शेयर मूल और डाइल्यूटेड आय (प्रत्येक ₹10 के इक्विटी शेयर के लिए ₹ में) (सतत और बंद परिचालन के लिए)	60.20	53.59

* लाभ स्थायी ऋण इन्स्ट्रुमेंट्स पर ₹ 33.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 33.30 करोड़) के कूपन व्यय (करों का निवल) को घटाकर कर पश्चात लाभ को दर्शाता है, जो प्रकृति में पूरी तरह से इक्विटी है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

47. आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं:

47.1 निम्नलिखित के संबंध में आकस्मिक देयताएं प्रदान नहीं की गई हैं:

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(क) कंपनी के विरुद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया		38.11	28.17
(ख) कराधान मांगें			
(i) - आयकर विभाग द्वारा उठाई गई मांगें		62.79	213.14
(ii) - कंपनी को दी गई राहत के विरुद्ध आयकर विभाग द्वारा दायर अपील के विरुद्ध मांग		162.12	0.90
(iii) - जीएसटी के संबंध में उठाई गई मांगें		48.84	17.97
(ग) गारंटी		4.45	15.21
(घ) अन्य			
(i) परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के माध्यम से मध्यस्थता कार्यवाही (₹ 41.66 करोड़ का प्रतिदावा (पिछले वर्ष ₹ 33.23 करोड़)		441.28	352.94
(ii) स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा लगाया गया जुर्माना		0.18	-
(iii) सात्वना पत्र		7,990.22	5,961.13

ऊपर 'क' में उल्लिखित राशि विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों के संबंध में है और अदालत के फैसले पर निर्भर है।

ऊपर ख (i) में उल्लिखित राशि आयकर विभाग द्वारा उठाई गई विभिन्न मांगों के विरुद्ध है। कंपनी इन मांगों का विरोध कर रही है और प्रबंधन का मानना है कि अपीलीय प्रक्रिया में उसकी स्थिति को बरकरार रखा जाएगा।

उपरोक्त ख(ii) में उल्लिखित राशि आयकर विभाग द्वारा आईटीएटी स्तर पर कंपनी को दी गई राहत के खिलाफ उच्च न्यायालय में दायर अपील के विरुद्ध है।

उपरोक्त ख (iii) में उल्लिखित राशि में कंपनी द्वारा दायर जीएसटी रिफंड अपील के लिए ₹17.89 करोड़ शामिल हैं। इसके अलावा, ₹2.81 करोड़ जीएसटी विभाग द्वारा की गई मांग के कारण हैं, जिसका कंपनी विरोध कर रही है और प्रबंधन का मानना है कि अपीलीय प्रक्रिया में उसका पक्ष बरकरार रखा जाएगा।

उपरोक्त ख(i)/(ii)/(iii) में उल्लिखित कुल ₹229.42 करोड़ की कराधान मांगों के विरुद्ध, कंपनी ने ₹163.91 करोड़ का भुगतान कर दिया है या न्यायनिर्णयन प्राधिकारी ने विरोध के तहत समायोजित कर दिया है और शेष ₹65.51 करोड़ 31 मार्च, 2025 तक अप्रदत्त हैं।

ऊपर घ (i) में उल्लिखित राशि कंपनी द्वारा नियुक्त कॉन्ट्रैक्टर और पीएमसी के बीच मध्यस्थता मामलों को दर्शाती है। दावे का पीएमसी द्वारा विरोध किया जा रहा है और कंपनी का मानना है कि मध्यस्थता प्रक्रिया में उसकी स्थिति को बरकरार रखा जाएगा। इस राशि में दावा राशि पर 18% वार्षिक ब्याज शामिल है।

उपरोक्त घ (ii) में उल्लिखित राशि, स्वतंत्र निदेशकों की अपर्याप्त संख्या के कारण बोर्ड/समिति की स्थिति/कोरम आवश्यकता के संबंध में सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकता के गैर-अनुपालन के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) द्वारा लगाए गए ₹ 0.18 करोड़ (जीएसटी सहित) के जुर्माने को दर्शाती है।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है क्योंकि कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है और निदेशक मंडल या कंपनी, कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं कर सकती। इस प्रकार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की ओर से कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। कंपनी को उम्मीद है कि स्टॉक एक्सचेंजों से किए गए उसके अनुरोध का भी अनुकूल परिणाम आएगा, जैसा कि एनएसई और बीएसई ने पहले इसी तरह के कारणों से आवश्यकता का पालन करने के बाद जुर्माना माफ किया था।

47.2 निम्नलिखित के संबंध में प्रतिबद्धताएं प्रदान नहीं की गई हैं:

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
- पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंध			
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए		25.64	94.85
- अमूर्त संपत्तियों की ओर		1.78	-
- अन्य प्रतिबद्धताएँ			
- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व प्रतिबद्धताएँ		448.71	418.89

48. वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से प्राप्त पंजीकरण/लाइसेंस/प्राधिकार का ब्योरा:

विवरण	नियामक का नाम	पंजीकरण का ब्योरा
(i) कॉर्पोरेट पहचान संख्या	कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय	L40101DL1969GOI005095
(ii) पंजीकरण संख्या	भारतीय रिज़र्व बैंक	14.000011
(iii) लीगल एंटीटी आइडेंटिफायर (एलईआई) कोड	ग्लोबल लीगल एंटीटी आइडेंटिफायर फाउंडेशन (जीएलईआईएफ)	335800B4YRYWAMIJZ374
(iv) पंजीकरण संख्या	सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ़ सिक्योरिटीसेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटररेस्ट ऑफ़ इंडिया (सीईआरएसएआई)	L0012

49. भारत सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन

49.1 रूफटॉप सोलर प्रोग्राम (आरटीएस)

पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार द्वारा 29.02.2024 को एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर (आरटीएस) लगाने के लिए शुरू की गई थी। इस योजना का वित्तीय परिचय्य ₹75,021 करोड़ (₹65,700 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता सहित) है और इसे वित्तीय वर्ष 2026-27 तक लागू किया जाना है। इस योजना का



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

उद्देश्य 1 करोड़ आवासीय घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाना है, जिससे प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त या कम लागत वाली बिजली उपलब्ध कराई जा सके। इसका लक्ष्य स्थापित क्षमता से 1,000 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन करना है, जिससे इन रूफटॉप सौर परियोजनाओं के 25 साल के जीवनकाल में कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन में 720 मिलियन टन की कमी आने की उम्मीद है। यह पहल वित्तीय वर्ष 2026-27 तक आवासीय क्षेत्र में 30 गीगावाट की रूफटॉप सौर क्षमता हासिल करने के लक्ष्य के साथ यूएनएफसीसीसी की तहत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।

49.2 पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस)

भारत सरकार ने डिस्कॉम कंपनियों (डिस्कॉम) को उनकी परिचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता में सुधार लाने में मदद करने के लिए पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) को मंजूरी दे दी है। इसके तहत उन्हें परिणाम-आधारित वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी ताकि पूर्व-योग्यता मानदंडों को पूरा करने और बुनियादी न्यूनतम मानकों को प्राप्त करने के आधार पर आपूर्ति अवसंरचना को मजबूत किया जा सके। इस योजना का परिचय 5 वर्षों, यानी वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक, ₹ 3,03,758 करोड़ है, जिसमें ₹ 97,631 करोड़ का अनुमानित सरकारी बजटीय समर्थन (जीबीएस) भी शामिल है।

इस योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- वित्तीय वर्ष 2024-25 तक एटी एंड सी घाटे को अखिल भारतीय स्तर पर 12-15% तक कम करना।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 तक एसीएस-एआरआर अंतर को शून्य तक कम करना।
- वित्तीय रूप से टिकाऊ और परिचालन कुशल वितरण क्षेत्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सामर्थ्य में सुधार।

इस योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

भाग क - प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग और सिस्टम मीटरिंग तथा वितरण अवसंरचना के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता।

भाग ख - प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण तथा अन्य सक्षम एवं सहायक गतिविधियाँ।

49.3 राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ)

वित्तीय वर्ष 2012-13 से राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ), एक ब्याज सब्सिडी योजना, क्रियाशील हुई। योजना को वितरण क्षेत्र में पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया। यह योजना, विद्युत क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न पूंजीगत कार्यों के लिए सार्वजनिक और निजी विद्युत वितरण यूटिलिटीयों द्वारा लिए गए ऋणों पर, सुधारात्मक उपायों के संबंध में ब्याज सब्सिडी उपलब्ध करायेगी। राष्ट्रीय विद्युत निधि वर्ष 2012-13 और 2013-14 के दौरान अनुमोदित परियोजनाओं के समक्ष ऋण संवितरण के लिए 14 वर्षों से अधिक में विस्तारित ₹ 8,466 करोड़ की समग्र रूप पर ब्याज सब्सिडी (उधारकर्ताओं को ब्याज सब्सिडी, नोडल एजेंसी को सेवा प्रभार, स्वतंत्र मूल्यांककों को भुगतान तथा अन्य प्रासंगिक खर्चों सहित) प्रदान करेगी। संपूर्ण देश में राष्ट्रीय विद्युत निधि योजना को सक्रियतात्मक करने के लिए आरईसी को नोडल एजेंसी के रूप में नामोद्दिष्ट किया गया है।

49.4 प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य)

भारत सरकार ने अक्टूबर 2017 में देश में सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए “प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना” - सौभाग्य योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शेष सभी गैर-विद्युतीकृत घरों और शहरी क्षेत्रों में गरीब परिवारों को अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी और बिजली कनेक्शन प्रदान करना था। सौभाग्य योजना का पूंजीगत परिचय ₹ 16,320 करोड़ था, जिसमें संपूर्ण कार्यान्वयन अवधि के दौरान ₹ 12,320 करोड़ का सकल बजटीय समर्थन शामिल था। विद्युत मंत्रालय ने सौभाग्य योजना के संचालन के लिए आरईसी को नोडल एजेंसी नामित किया है। यह योजना सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है और अपने अंतिम वर्ष वित्तीय वर्ष 2021-22, अर्थात् 31.03.2022 में समाप्त हो गई है।

49.5 दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई)

दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है जो ग्रामीण विद्युत वितरण के सभी पहलुओं को कवर करती है। इसकी शुरुआत नवंबर 2014 में हुई थी। इस योजना के तहत, परियोजना लागत का 60% (विशेष राज्यों के लिए 85%) भारत सरकार द्वारा अनुदान के रूप में प्रदान किया जाता है और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति पर 15% (विशेष राज्यों के लिए 5%) तक अतिरिक्त अनुदान दिया जाता है। डीडीयूजीजेवाई निम्नलिखित परियोजना घटकों के माध्यम से देश में ‘सभी के लिए 24x7 बिजली’ के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करती है:

- कृषि और गैर-कृषि फीडरों को अलग करना, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि को पर्याप्त बिजली आपूर्ति और गैर-कृषि उपभोक्ताओं को निरंतर बिजली आपूर्ति की सुविधा मिल सके;
- ग्रामीण क्षेत्रों में उप-पारेषण एवं वितरण अवसंरचना को सुदृढ़ एवं संवर्धित करना, जिसमें वितरण ट्रांसफार्मरों/फीडरों/उपभोक्ताओं की मीटरिंग शामिल है;
- माइक्रो-ग्रिड और ऑफ-ग्रिड वितरण नेटवर्क;
- आरजीजीवीवाई 12वीं और 13वीं योजना के अंतर्गत ग्रामीण विद्युतीकरण घटक को डीडीयूजीजेवाई में सम्मिलित कर दिया गया।

इस योजना ने संपूर्ण कार्यान्वयन अवधि के दौरान भारत सरकार से ₹ 63,027 करोड़ के बजटीय सहयोग सहित ₹ 75,893 करोड़ के परिचय का अनुमान लगाया था। डीडीयूजीजेवाई के तहत अतिरिक्त इन्फ्रा को ₹ 7,069 करोड़ के कुल परिचय के साथ स्वीकृत किया गया था, जिसमें ₹ 5,302 करोड़ की बजटीय सहायता शामिल है। यह स्कीम अपने अंतिम वर्ष वित्तीय वर्ष 2021-22 अर्थात् 31.03.2022 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई और बंद कर दी गई है।

49.6 प्रधानमंत्री विकास योजना (पीएमडीपी)

संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर सरकार और संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख सरकार ने अपनी-अपनी कंपनी/विभाग के माध्यम से आरईसीपीडीसीएल को परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) के रूप में नियुक्त किया है, जो कि प्रतिस्पर्धी बोलियों के माध्यम से प्राप्त की जाने वाली वास्तविक लागत के अनुसार नामांकन के आधार पर जम्मू और कश्मीर राज्य और लद्दाख में पीएमडीपी के तहत ट्रांसमिशन परियोजनाओं के निष्पादन के लिए सभी सामग्री और सेवा कार्यों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, खरीद, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए है।

49.7 11 केवी फीडर निगरानी योजना

विद्युत मंत्रालय ने 11 केवी फीडर निगरानी योजना को लागू करने के लिए आरईसीपीडीसीएल को नियुक्त किया है। इस योजना का उद्देश्य बिजली आपूर्ति निगरानी, अलर्ट, मीटर डेटा विश्लेषण, सूचना प्रसार और ऊर्जा लेखापरीक्षा के लिए वास्तविक समय के आधार पर सार्वजनिक पोर्टल सहित विभिन्न हितधारकों के लिए 66, 33/11 केवी सब स्टेशनों से सभी आउटगोइंग 11 केवी ग्रामीण फीडरों के विभिन्न आवश्यक मापदंडों के डेटा लॉगिंग के माध्यम से स्वचालित 11 केवी ग्रामीण फीडर निगरानी प्रणाली के लिए एक आत्मनिर्भर स्वतंत्र वेब आधारित प्रणाली विकसित करना और जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराना है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

50. पूंजी प्रबंधन

यह कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूंजी का प्रबंधन करता है कि वह दावेदारों को अधिकतम आय करते हुए एक चलती हुई संस्था के रूप में जारी रहेगा। कंपनी की पूंजीगत संरचना में कंपनी द्वारा किए गए दीर्घावधि उधार तथा इक्विटी शामिल हैं।

प्रबंधन अत्यधिक उत्तोलन से बचते हुए एक कुशल समग्र वित्तपोषण संरचना को बनाए रखने के लिए कंपनी की पूंजी आवश्यकताओं का आकलन करता है। कंपनी पूंजी संरचना का प्रबंधन करती है और क्षेत्र के भीतर गतिशील व्यवसायी माहौल और तरलता की स्थिति के प्रकाश में उपयुक्त उपकरणों के माध्यम से धन जुटाती है। इसके अलावा, पूंजीगत पुनर्गठन के संबंध में, कंपनी को भी निर्देशित किया जाता है, इंटर अलिया, "निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएम), वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए" केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की पूंजी पुनर्गठन "पर संशोधित दिशानिर्देशों द्वारा, बोनस शेयरों के मुद्दे के संबंध में सार्वजनिक उद्यमों के विभाग, लाभांश वितरण, इक्विटी शेयरों के साथ-साथ, कंपनी ने सभी बाहरी आवश्यकताओं को पूरा किया है।

समूह का ऋण-इक्विटी अनुपात निम्नलिखित है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
निवल ऋण	4,87,979.50	4,37,635.40
निवल मूल्य	78,376.06	69,350.25
ऋण - इक्विटी अनुपात	6.23	6.31

निवल ऋण बकाया मूल कम नकदी और उपलब्ध नकदी समतुल्य को दर्शाता है।

लाभांश वितरण नीति

निदेशक मंडल कंपनी के शेयरधारकों को लाभांश भुगतान की निगरानी करता है। कंपनी की लाभांश वितरण नीति विभिन्न कारकों पर केंद्रित है, जिनमें वर्तमान एवं भविष्य की पूंजीगत आवश्यकताएँ, वित्तीय वर्ष के दौरान अर्जित लाभ, पूंजी से जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर), वैकल्पिक स्रोतों से धन जुटाने की लागत, नकदी प्रवाह की स्थिति और लागू कर (यदि कोई हो) और कंपनी का निवल मूल्य शामिल हैं, जो समय-समय पर आरबीआई, दीपम आदि द्वारा जारी परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अधीन हैं।

भारत सरकार के दीपम द्वारा जारी मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी को कर पश्चात लाभ का न्यूनतम 30% वार्षिक लाभांश देना आवश्यक है। यद्यपि कंपनी इन दिशानिर्देशों के अनुसार लाभांश घोषित करने का प्रयास करती है, फिर भी कंपनी विभिन्न वित्तीय मापदंडों, नकदी प्रवाह की स्थिति और भविष्य के विकास के लिए आवश्यक धनराशि के विश्लेषण के बाद कम लाभांश का प्रस्ताव कर सकती है।

अन्य नीतियाँ

कंपनी ने कंपनी के प्रबंधन के लिए विभिन्न नीतियाँ भी अपनाई हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति, व्हिसल ब्लोअर नीति, नामित व्यक्तियों और उनके निकटतम रिश्तेदारों द्वारा व्यापार के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए आचार संहिता और निष्पक्ष प्रकटीकरण, धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए नीति, बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता, निष्पक्ष व्यवहार संहिता, कॉर्पोरेट प्रशासन पर आंतरिक दिशानिर्देश, निदेशकों के 'उपयुक्त और उचित' मानदंडों पर नीति, बोर्ड की विविधता और कौशल पर नीति, वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की नियुक्ति के लिए मानदंड और निदेशकों, केएमपी और अन्य कार्मिकों आदि को पारिश्रमिक।

51. जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात में पूंजी और तरलता कवरेज अनुपात

कंपनी समय-समय पर संशोधित आरबीआई द्वारा निर्धारित मास्टर निर्देशों/परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अनुसार पूंजी पर्याप्तता आवश्यकताओं का अनुपालन कर रही है। एक एनबीएफसी और इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी-आईएफसी) होने के नाते, आरईसी को पूंजी पर्याप्तता अनुपात या पूंजी से जोखिम भारित परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) 15% (न्यूनतम टियर I पूंजी 10% के साथ) बनाए रखने की आवश्यकता होती है, जिसकी गणना जोखिम भारित परिसंपत्तियों द्वारा कंपनी की टियर-I और टियर-II पूंजी को विभाजित करके की जाती है।

विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक			% विभिन्नता*
	न्यूमेरेटर* (₹ करोड़ में)	डिनोमिनेटर* (₹ करोड़ में)	%	न्यूमेरेटर* (₹ करोड़ में)	डिनोमिनेटर* (₹ करोड़ में)	%	
(i) सीआरएआर	86,963.54	3,34,562.05	25.99%	73,859.00	2,86,046.00	25.82%	0.66%
सीआरएआर- टियर I पूंजी	79,491.30	3,34,562.05	23.76%	66,716.00	2,86,046.00	23.32%	1.89%
सीआरएआर- टियर II पूंजी	7,472.24	3,34,562.05	2.23%	7,143.00	2,86,046.00	2.50%	-10.80%
(ii) तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) (टिप्पणी 52.2.4(vi) देखें)	4,214.07	2,809.00	150.02%	2,762.42	3,132.25	88.19%	70.11%

टियर-I पूंजी के सतत ऋण साधन की राशि 7.10% है (पिछले वर्ष 5.47%)

* सीआरएआर के लिए - अंश टियर-I और टियर-II पूंजी है जिसमें मुख्य रूप से इक्विटी (टिप्पणी संख्या 27, 28 और 29 देखें) शामिल है और हर जोखिम भारित संपत्ति है जो मुख्य रूप से कंपनी के ऋण जोखिम (ऋणों) जैसे ऋण (टिप्पणी संख्या 10 देखें) और निवेश (टिप्पणी संख्या 11 देखें) के भारित योग को दर्शाता है, जिसकी गणना समय-समय पर इस संबंध में आरबीआई द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार की जाती है।

*एलसीआर के लिए - अंश कंपनी द्वारा धारित एचक्यूएलए है (टिप्पणी संख्या 11.1 देखें) और हर अगले 30 दिनों में कुल निवल नकदी बहिर्वाह है, जैसा कि समय-समय पर इस संबंध में आरबीआई द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार गणना की जाती है।

** एलसीआर में अंतर, कंपनी के बढ़ते व्यवसाय के साथ तालमेल बिठाने के लिए एचक्यूएलए सिक्वोरिटीज में तुलनात्मक वृद्धि के कारण है।

वर्ष के दौरान जुटाई गई टियर II पूंजी और स्थाई ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स का विवरण इस प्रकार है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
टियर-II पूंजी के रूप में जुटाई गई अधीनस्थ ऋण की राशि	-	-
टियर-I पूंजी के रूप में जुटाई गई स्थाई ऋण इन्स्ट्रूमेंट्स की राशि	1,995.00	3,090.00

* अधीनस्थ देयताओं पर टिप्पणी संख्या 22 देखें।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

52. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

कंपनी के निदेशक मंडल की कंपनी जोखिम प्रबंधन ढाँचे की स्थापना और निगरानी की समग्र जिम्मेदारी है। कंपनी की एक एकीकृत जोखिम प्रबंधन नीति है, जो अन्य बातों के साथ-साथ, ऋण जोखिम, तरलता जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम और संगठन के अन्य जोखिमों को कवर करती है। कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीतियाँ विभिन्न जोखिम श्रेणियों, स्वतंत्र जोखिम निगरानी और आवधिक निगरानी के लिए उपयुक्त सुपरिभाषित प्रणालियों और प्रक्रियाओं द्वारा निर्देशित होती हैं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में एक बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) का भी गठन किया गया है, जिसका मुख्य कार्य संगठन के विभिन्न जोखिमों की पहचान और निगरानी करना तथा उनके निवारण हेतु सुझाव देना है।

इस टिप्पणी में जोखिम के स्रोतों को स्पष्ट किया गया है जिनमें कंपनी सामने आती है और कंपनी कैसे वित्तीय विवरण में जोखिम तथा संबंधित प्रभाव का प्रबंधन करती है।

जोखिम	से उत्पन्न होने वाली स्थिति	माप	प्रबंधन
ऋण जोखिम	नकदी एवं नकदी के समतुल्य, बैंक शेष (नकद और नकद समतुल्य के अलावा), ऋण, वित्तीय परिसंपत्ति, निवेश	पुराना विश्लेषण	बैंक जमा, परिसमाप्त निधियाँ, परिसंपत्ति आधार का विविधीकरण, ऋण सीमाएं एवं पार्श्विक
तरलता जोखिम	उधार, ऋण प्रतिभूतियाँ, सहायक देयताएं एवं अन्य वित्तीय देयताएं मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियाँ तथा भारतीय (आईएनएआर) में न बताई गई देयताएं	चल रहे नकद प्रवाह का पूर्वानुमान	बैंक जमा, परिसमाप्त निधियाँ, परिसंपत्ति आधार का विविधीकरण, ऋण सीमाएं एवं पार्श्विक
बाजार जोखिम - मुद्रा जोखिम	मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियाँ तथा भारतीय रुपये (आईएनएआर) में न बताई गई देयताएं	नकद प्रवाह का पूर्वानुमान	व्युत्पन्न अनुबंध
बाजार जोखिम - ब्याज दर जोखिम	उधार, ऋण प्रतिभूतियाँ और परिवर्तनीय ब्याज दरों पर सहायक देयताएं	सर्वेदनशीलता विश्लेषण	व्युत्पन्न अनुबंध
बाजार जोखिम - इक्विटी कीमत जोखिम	उल्लिखित इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश	सर्वेदनशीलता विश्लेषण	नीतिगत निवेशों पर जोर देकर पोर्टफोलियो का विविधीकरण

जोखिम के अत्यधिक संकेद्रण से बचने के लिए कंपनी की नीतियों और प्रक्रियाओं में एक विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाए रखने पर जोर देने के लिए विशिष्ट दिशा-निर्देश शामिल हैं। ऋण जोखिमों के अभिज्ञात संकेद्रणों का नियंत्रण एवं प्रबंधन तदनुसार किया जाता है।

इन जोखिमों के प्रबंधन के लिए कंपनी ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक एकीकृत उद्यम-व्यापी जोखिम प्रबंधन तंत्र स्थापित किया है कि इन जोखिमों की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाए और कुशलता से उनका प्रबंधन किया जाए। कंपनी में जोखिम प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ाने के लिए आरबीआई की दिनांक 16 मई, 2019 की अधिसूचना सं. डीएनबीआर (पीडी) सीसी. सं./099/03.10.001/2018-19 के उद्देश्य से निदेशक मण्डल ने एक मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) भी नियुक्त किया है जो जोखिमों की पहचान, माप और शमन की इस प्रक्रिया में शामिल है। जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण यानी कंपनी के उद्देश्यों, नीतियों और उपरोक्त जोखिमों में से प्रत्येक को मापने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया बाद के पैराग्राफ में निर्धारित की गई है।

आरबीआई ने सूचना प्रौद्योगिकी प्रशासन, जोखिम, नियंत्रण और आश्वासन प्रणाली पर दिनांक 07 नवंबर, 2023 के अपने मास्टर निर्देश-आरबीआई/2023-24/107 डीओएस.सीओ.सीएसआईटीईजी/एसईसी.7/31.01.015/2023-24 के माध्यम से मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) की नियुक्ति अनिवार्य कर दी है। कंपनी ने आरबीआई के निर्देशों के अनुपालन में 16 जनवरी, 2024 से सीआईएसओ की नियुक्ति की है।

52.1 ऋण जोखिम

ऋण जोखिम उस जोखिम से संबंधित है जिसे प्रतिपक्ष अपने संविदागत दायित्वों के संबंध में चूक करेगा जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय हानियाँ होती हैं। कंपनी का ऋण जोखिम मुख्यतः नकदी और नकदी के समतुल्य, बैंक शेष (नकदी और नकदी के समतुल्य को छोड़कर), निवेश, ऋण परिसंपत्तियों, व्यवसाय प्राप्य राशियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों को परिशोधित लागत पर आकलित करने से प्रभावित होता है। यह कंपनी ग्राहकों तथा अन्य प्रतिपक्षकारों की चूकों की निरंतर निगरानी करता है और इस सूचना को अपने ऋण जोखिम नियंत्रण में शामिल करता है।

52.1.1 वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो एंटीटी को ऋण जोखिम में दर्शाती है

		(₹ करोड़ में)	
विवरण		31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) वित्तीय रिपोर्टिंग तिथि पर कम ऋण जोखिम			
नकद और नकद समतुल्य		233.57	262.75
बैंक शेष (नकद और नकद समतुल्य के अलावा)		2,109.80	2,699.75
ऋण *		5,21,767.83	4,82,554.12
ट्रेड और अन्य प्राप्य		6,199.48	4,865.31
निवेश (इक्विटी निवेशों को छोड़कर)		182.19	118.83
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ		24,604.19	24,442.64
(ii) मध्यम ऋण जोखिम			
ऋण *		45,471.51	18,999.65
ट्रेड और अन्य प्राप्य		70.07	58.90
(iii) उच्च ऋण जोखिम			
ऋण *		7,652.65	13,810.33
अधिमानित शेयर में निवेश **		28.72	28.72
ट्रेड और अन्य प्राप्य		73.48	66.40
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ		149.71	39.93

* अपेक्षित क्रेडिट हानियों के लिए कटौती के बिना बकाया मूल (सुविधा पत्र के लिए असंवितरित राशि के साथ) को दर्शाता है

** रतन इंडिया पावर लिमिटेड के विमोचनीय अधिमानित शेयरों में निवेश के संबंध में अपेक्षित क्रेडिट हानि के लिए कटौती के बिना बकाया मूल को दर्शाता है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

नकदी एवं नकदी के समतुल्य तथा बैंक शेष

नकदी एवं नकदी के समतुल्य और बैंक शेष से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन निवेश ग्रेड रेटेड इन्स्ट्रुमेंट्स तथा अत्यधिक रेटेड बैंकों और पूरे देश में विभिन्न इन्स्ट्रुमेंट्स/बैंकों में निवेश कर जमा आधार का विविधीकरण करके भी पार्किंग निधियों से किया जाता है।

ऋण

उधारकर्ताओं से संबंधित ऋण जोखिम भावी परियोजना ऋण परिसंपत्तियों, प्राप्य, मालसूची अथवा अन्य किसी परिसंपत्ति, सरकारी गारंटी, निगम गारंटी आदि और अतिरिक्त रूप से सहायकों, जहां भी अपेक्षित हो, के दृष्टि बंधक द्वारा ऋणों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के माध्यम से कम किए जाते हैं। यह कंपनी उधारकर्ता की ऋण सीमाओं को परिभाषित करने और ऋण जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए व्यवस्थित संस्थागत तथा परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया विश्लेषण से बनाए गए 'क्रेडिट जोखिम' उस जोखिम को संदर्भित करता है जिसमें प्रतिपक्ष अपने संविदात्मक दायित्वों को पूरा करने में चूक करेगा, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय हानि होगी। कंपनी का क्रेडिट जोखिम मुख्य रूप से नकदी और नकदी समकक्षों, बैंक शेषों (नकदी और नकदी समकक्षों के अलावा), निवेशों, ऋण परिसंपत्तियों, व्यापार प्राप्तियों और परिशोधित लागत पर मापी गई अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से प्रभावित होता है। कंपनी ग्राहकों और अन्य प्रतिपक्षों की चूकों की निरंतर निगरानी करती है और इस जानकारी को अपने क्रेडिट जोखिम नियंत्रणों में शामिल करती है। कंपनी मूल्यांकन दिशा-निर्देशों के माध्यम से संवर्धकों की ऋण योग्यता का बारीकी से मूल्यांकन करती है जिससे पूर्व परिकलित धनराशि का ऋण जोखिम सीमित होता है। इन प्रक्रियाओं में एक विस्तृत मूल्यांकन सिद्धांत, जोखिमों की पहचान और उपयुक्त संरचना तथा ऋण जोखिम कम करने के उपाय, पूर्व संवितरण शर्तों के रूप में शामिल होते हैं।

सरकारी प्रतिभूतियों (जी-एसईसी), राज्य विकास ऋण और ऋण प्रतिभूतियों में निवेश

उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्तियों (एचक्यूएलए) में निवेश से संबंधित क्रेडिट जोखिम को सरकारी प्रतिभूतियों, राज्य विकास ऋणों और पीएसयू बॉण्ड में अच्छे वित्तीय स्वास्थ्य के साथ निवेश द्वारा प्रबंधित किया जाता है और विभिन्न परिपक्वता/क्षेत्र में निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और नियमित आधार पर वित्तीय स्वास्थ्य की निगरानी की जाती है।

ऋणी संस्थाओं द्वारा ऋण निपटान / समाधान के समय जारी प्रतिभूतियों में निवेश

कंपनी या ऋणदाताओं के संघ द्वारा यथालागू अनुमोदित निपटान/समाधान योजना के हिस्से के रूप में उधारकर्ता संस्थाओं द्वारा जारी की गई विभिन्न प्रतिभूतियां और ऋणदाताओं की समिति और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा अनुमोदित दिवाला और अशोधन क्षमता संहिता 2016 के तहत संकल्प के मामले में प्राप्त हुई। इन प्रतिभूतियों से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन ऐसी राशियों की निरंतर वसूली की निगरानी करके किया जाता है।

ट्रेड और अन्य प्राप्य

ट्रेड प्राप्य से संबंधित ऋण जोखिम देयताओं की ऋण योग्यता का मूल्यांकन करके कम किया जाता है और ऐसी धनराशि को वसूल करने योग्य स्थिति का निरंतर निगरानी कर प्रबंधन किया जाता है।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

परिशोधित लागत पर मापी गई अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में कार्मिकों तथा अनुषंगी कंपनियों को ऋण एवं अग्रिम, प्रतिभूति जमा तथा अन्य वसूली योग्य धनराशि, भारत सरकार से ली गई राशि सहित शामिल होते हैं। इन अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से संबंधित ऋण जोखिम का प्रबंधन ऐसी धनराशि को वसूली करने की क्षमता का निरंतर निगरानी कर प्रबंधन किया जाता है।

52.1.2 ऋणों एवं ट्रेड प्राप्यों को छोड़कर वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए प्रत्याशित ऋण हानियां (ईसीएल)

कंपनी किसी भी ऋण हानि की प्रत्याशा के लिए व्यक्तिगत वित्तीय साधनों का मूल्यांकन करके ऋण के अलावा अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान करती है:

- **नकदी एवं नकदी के समतुल्यों और बैंक शेषों के लिए (नकदी एवं नकदी के समतुल्यों के अलावा)** - चूंकि, कंपनी बैंकिंग प्रचालनों के लिए केवल हाई रेटेड बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के साथ कार्य करती है तथा निधियों की श्रेणी को अधिशेष निधियों के अल्पकालिक निवेश के लिए निरंतर उच्च रिकार्ड के साथ ऋण निधियों में परिसमाप्त करती है, अतः नकदी एवं नकदी के समतुल्यों, अन्य बैंक शेषों और बैंक जमाओं के संबंध में ऋण जोखिम बहुत कम मूल्यांकित किया जाता है।

- **सरकारी प्रतिभूति, राज्य विकास ऋण और ऋण प्रतिभूतियों में निवेश के लिए** - यह देखते हुए कि निवेश सरकारी प्रतिभूतियों/न्यूनतम निवेश ग्रेड रेटेड सरकारी/निजी कंपनियों सहित ऋण प्रतिभूतियों में है, क्रेडिट जोखिम को निम्न माना जाता है।

- **ऋण निपटान/समाधान के समय उधारकर्ता संस्थाओं द्वारा जारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए** - ऐसी प्रतिभूतियों की पुनर्प्राप्ति के आधार पर क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन किया जाता है। जहां भी ऐसे निवेशों पर मध्यम या उच्च जोखिम का मूल्यांकन किया जाता है, उपयुक्त ईसीएल भत्ता प्रदान किया जाता है।

- **ट्रेड और अन्य प्राप्तियों के लिए** - क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन कंपनी की क्रेडिट योग्यता के ज्ञान और उन पक्षों से प्राप्तियों की वसूली के आधार पर किया जाता है।

- **अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए** - क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन उन पार्टियों की क्रेडिट योग्यता के बारे में कंपनी के ज्ञान के आधार पर किया जाता है और प्रारंभिक मान्यता पर 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि के लिए हानि भत्ता मापा जाता है और क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि पर जीवन भर अपेक्षित क्रेडिट हानि प्रदान की जाती है।

ऋण के अलावा अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि का विवरण निम्नानुसार प्रकटन किया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	सकल धारित राशि	ईसीएल (ख)	निवल धारित राशि ग = (क - ख)	सकल धारित राशि (घ)	ईसीएल (ङ.)	निवल धारित राशि
नकदी एवं नकदी के समतुल्य	233.57	-	233.57	262.75	-	262.75
बैंक शेष(नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)	2,109.80	-	2,109.80	2,699.75	-	2,699.75
निवेश* (इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स के अलावा)	6,228.20	28.72	6,199.48	4,922.75	28.72	4,894.03
ट्रेड और अन्य प्राप्य #	325.74	88.62	237.12	244.13	87.53	156.60
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां **	24,753.90	149.71	24,604.19	24,482.57	39.93	24,442.64

* क्रेडिट-इम्पेयर्ड माने जाने वाले रतन इंडिया पावर लिमिटेड के 'विमोचनीय अधिमानित शेयरों में निवेश' पर हानि भत्ता पूर्ण रूप से प्रदान किया गया है।

** क्रेडिट-इम्पेयर्ड मानी जाने वाली 'अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों' पर हानि भत्ता पूर्ण रूप से प्रदान किया गया है।

इकाई ईसीएल पद्धति के तहत सरलीकृत दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए आरईसी की सहायक कंपनियों में से एक आरईसीपीडीसीएल के व्यापार प्राप्तियों के संबंध में आजीवन ऋण हानि के लिए प्रावधान करती है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	6 माह से कम	6 महीने - 1 वर्ष	1 वर्ष - 2 वर्ष	2 वर्ष - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च 2025 तक						
सकल वहन मूल्य	12,505.73	5,534.97	2,752.04	4,255.03	4,664.04	29,711.81
अपेक्षित हानि दर	0.54%	2.19%	21.55%	34.59%	83.56%	20.70%
अपेक्षित ऋण हानि (प्रावधान)	67.59	121.10	593.18	1,471.84	3,897.31	6,151.02
वहन राशि (क्षति के बाद निवल)	12,438.14	5,413.87	2,158.86	2,783.19	766.73	23,560.79
31 मार्च 2024 तक						
सकल वहन मूल्य	8,651.86	2,976.28	5,010.33	880.23	3,946.45	21,465.15
अपेक्षित हानि दर	3.18%	20.44%	24.83%	46.96%	86.82%	27.80%
अपेक्षित ऋण हानि (प्रावधान)	275.08	608.44	1,244.20	413.33	3,426.25	5,967.30
वहन राशि (क्षति के बाद निवल)	8,376.78	2,367.84	3,766.13	466.90	520.20	15,497.85

52.1.3 ऋण और निवेश के लिए अपेक्षित ऋण हानि

जोखिम प्रबंधन रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए, कंपनी क्रेडिट जोखिम के निम्नलिखित तत्वों पर विचार करती है और उन्हें समेकित करती है:

क्रेडिट डिफॉल्ट जोखिम: देनदार/जारीकर्ता द्वारा किसी भी महत्वपूर्ण ऋण दायित्व पर देय तिथि से 90 दिन से अधिक समय बाद अपने दायित्वों का पूर्ण भुगतान न कर पाने से उत्पन्न होने वाले नुकसान का जोखिम; डिफॉल्ट जोखिम ऋण और प्रतिभूतियों सहित सभी ऋण-संवेदनशील लेनदेन को प्रभावित कर सकता है।

संकेन्द्रण जोखिम: किसी एकल जोखिम या जोखिम के समूह से जुड़ा जोखिम, जिसमें कंपनी के मुख्य परिचालनों को खतरे में डालने के लिए पर्याप्त बड़ी हानि उत्पन्न करने की क्षमता होती है।

(क) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम विभिन्न स्तरों पर प्रबंधित किया जाता है, जिसमें मूल्यांकन, संवितरण और संवितरण के बाद निगरानी शामिल हैं। कंपनी के पास "एकीकृत रेटिंग दिशानिर्देश" और "व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति" मौजूद है। क्रेडिट जोखिम को कम करने के लिए कंपनी क्रेडिट जोखिम के आकलन हेतु व्यवस्थित संस्थागत और परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुसरण करती है। इन प्रक्रियाओं में एक विस्तृत मूल्यांकन पद्धति, जोखिमों की पहचान और उपयुक्त संरचना और ऋण जोखिम कम करने जैसे उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, आवधिक आधार पर, ऋण परिसंपत्तियों की समीक्षा की जाती है और उन्हें ईसीएल पद्धति के आधार पर उच्च/मध्यम/निम्न के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। क्रेडिट जोखिम प्रबंधन की प्रक्रिया निम्नानुसार है:

- कंपनी के पास क्रेडिट मूल्यांकन, जोखिम ग्रेडिंग, संपार्श्विक आवश्यकताओं, रिपोर्टिंग, निधियों के अंतिम उपयोग की निगरानी आदि को शामिल करते हुए "एकीकृत रेटिंग दिशानिर्देश" उपलब्ध हैं। इसके अलावा, कानूनी जोखिम का प्रभावी प्रलेखन और शमन सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र ऋणदाता कानूनी परामर्शदाता नियुक्त किए जाते हैं।
- सभी मौजूदा निजी क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए, जहाँ कंपनी अग्रणी वित्तीय संस्थान है, कंपनी ऋणदाता के स्वतंत्र इंजीनियर्स (एलआई), ऋणदाता के वित्तीय सलाहकार (एलएफए) और ऋणदाता के बीमा सलाहकार (एलआई) नियोजित करती है, जो स्वतंत्र एजेंसियां हैं जो विभिन्न ऋणदाताओं और संघ सदस्यों की ओर से कार्य करती हैं। एलआई ऋणकर्ता के साथ चर्चा और प्रासंगिक इंस्ट्रुमेंट्स की जांच / समीक्षा के बाद, परियोजना साइट का दौरा करती है और इसकी प्रगति की स्थिति पर आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। एलएफए परियोजना में समय-समय पर निधि प्रवाह और धन के उपयोग के विवरण प्रस्तुत करता है। ऐसे मामलों में जहाँ कंपनी जहाँ कंपनी अग्रणी वित्तीय संस्थान नहीं है, एलआई और एलएफए सेवाओं से संबंधित कार्यों को अग्रणी ऋणदाता के साथ समन्वित किया जा रहा है।
कंपनी वित्तपोषित की जाने वाली नई परियोजनाओं के लिए एक अलग परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) नियुक्त करने का भी प्रयास करती है, जो एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एलआई / परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी), एलएफए और एलआई के संपूर्ण कार्यों का निर्वहण करती है। परियोजना की प्रगति की निगरानी, ईपीसी / गैर-ईपीसी संविदाओं और बीजकों की समीक्षा, निधि के उपयोग और परियोजना के लिए बीमा सहित परियोजना की विभिन्न गतिविधियों को बारीकी से देख-रेख करने के लिए पीएमए परियोजना स्थल पर दिन-रात तैनात रहती है। पीएमए मूल उपस्कर विनिर्माता / आपूर्तिकर्ता के बिलों, ठेके दार के समग्र काम की पुष्टि करता है और संवितरण के लिए अपनी सिफारिश करता है। मूल परियोजना लागत और सीओडी सहित तकनीकी और वित्तीय मापदंडों की पवित्रता को बनाए रखते हुए पीएमए द्वारा प्रारंभिक अपेक्षित सतर्कता भी बरती जाती है।
तनावग्रस्त परियोजनाओं के लिए ट्रस्ट एवं प्रतिधारण खाते (टीआरए) की प्रभावी निगरानी के लिए आरईसी/ऋणदाताओं द्वारा मामले दर मामले आधार पर समवर्ती लेखा परीक्षकों/विशेष निगरानी एजेंसियों/नकदी प्रवाह निगरानी एजेंसियों की नियुक्ति की जा रही है।
- कंपनी के पास ऋण सुविधाओं के अनुमोदन और नवीनीकरण के लिए एक प्राधिकरण संरचना है। स्क्रैनिंग समिति की सिफारिशों के आधार पर, सीएमडी/कार्यपालक समिति/ऋण समिति/निदेशक मंडल द्वारा, व्यवसाय प्रस्ताव के आकार के अनुरूप, प्राधिकरण सीमाएँ निर्धारित की गई हैं।
- कंपनी में उपयुक्त ब्याज दरें और प्रतिभूति पैकेज लगाकर चूक के जोखिम की मात्रा के अनुसार उसके निपटानों की श्रेणी बनाने के लिए जोखिम ग्रेडिंग संरचना विकसित की है।
- ऋण पोर्टफोलियो की ऋण गुणवत्ता संबंधी रिपोर्टें जोखिम प्रबंधन समिति तथा बोर्ड को दी जाती हैं जो कि जाने वाली उपयुक्त सुधारात्मक कार्यवाही की मांग कर सकता है।
- ऋण जोखिम के प्रबंधन के लिए पूरी कंपनी में सर्वोत्तम परिपाटी संवर्धित करने के लिए विशेषज्ञ कौशल प्रदान करने के साथ-साथ व्यापारिक यूनिटों द्वारा अपनाए जा रहे दिशा-निर्देशों, नीति और विद्यमान परिपाटियों की समीक्षा करने के लिए समय-समय पर बाहरी एजेंसियां नियुक्त की जाती हैं।
- अलग-अलग और समूह ऋण एक्सपोजर का मूल्यांकन संबंधित व्यापारिक यूनिट द्वारा लेनदारों को सुविधाएं प्रतिबद्ध करने से पूर्व निर्धारित सीमाओं के विरुद्ध किया जाता है। अतिरिक्त सुविधाओं की स्वीकृति भी उसी समीक्षा प्रक्रिया के अध्वधीन होती है।
- कंपनी लगातार ऋणकर्ताओं और अन्य समकक्ष पक्षकारों के विलंब और / या चूक और उनकी वसूली क्षमता की निगरानी करती है। ऋणकर्ता के खाते में चूक की घटना होने पर कंपनी चूक को ठीक करने के लिए आवश्यक कदम उठाती है, जिसमें आगे वर्णित कार्यवाही (कार्यवाहियां) शामिल हो सकती है, लेकिन ये केवल इतने तक ही सीमित नहीं है, आरबीआई को रिपोर्टिंग के साथ विशेष उल्लेख खाता (एसएमए), क्रेडिट रिपोर्टिंग ऑफ़ इन्फॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिटर्स (सीआरआईएलसी) को जानकारी की रिपोर्टिंग, टीआरए खाते की निगरानी, ऋण समझौते के अनुसार इकिटी में ऋण के रूपांतरण, ऋण खाते के पुनर्गठन, ऋणकर्ता के साथ संकल्प योजना तैयार करने, स्वामित्व में परिवर्तन, कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस (सीआईआरपी), बकाया राशि वसूल करने के लिए गारंटी / प्रतिभूतियों के आह्वान सहित अन्य संस्थाओं / निवेशकों और अन्य वसूली तंत्रों को एक्सपोजर की बिक्री आदि।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(ख) क्रेडिट जोखिम मापन

ऋण परिसंपत्तियों पर इम्पेयरमेंट हानि भत्ते के लिए निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार भारतीय लेखांकन मानक इंड एस 109 के अनुसार प्रावधान किया जाता है, जो क्रेडिट गुणवत्ता में सुधार/ गिरावट का आकलन करने के लिए प्रमुख वित्तीय और प्रचालन मापदंडों के आधार पर क्रेडिट जोखिम को मापता है। प्रबंधन मॉडल आउटपुट पर ओवरले, यदि कोई है, करता है, जिसे लेखापरीक्षा समिति द्वारा विधिवत दस्तावेजीकृत (प्रलेखित) और अनुमोदित किए जाते हैं। अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का मूल्यांकन एक स्वतंत्र एजेंसी, आईसीआरए एनालिटिक्स लिमिटेड (पूर्व में आईसीआरए ऑनलाइन लिमिटेड) द्वारा किया जाता है।

कंपनी के पास राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य विद्युत संस्थानों की ग्रेडिंग के लिए एक आंतरिक प्रणाली मौजूद है। हालाँकि, वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए कंपनी विद्युत मंत्रालय द्वारा रेटिंग की प्रक्रिया को तब अपनाता है, जब वे अद्यतन किए जाते हैं। इन रेटिंग्स को रेटिंग ट्रांजिशन मैट्रिक्स के हिस्से के रूप में विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रकाशित बाहरी रेटिंग ग्रेड के साथ मैप किया जाता है। निजी ऋणकर्ताओं के लिए कंपनी या तो विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रकाशित बाहरी रेटिंग का उपयोग करती है या फिर ऐसी रेटिंग उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में प्रॉक्सी जोखिम स्कोर का प्रयोग करती है। प्रॉक्सी जोखिम स्कोर मॉडल के अंतर्गत निम्नलिखित मापदंडों पर विचार किया जाता है:

मात्रात्मक कारक

ऋण/ईबीआईटीडीए (30% भार)

नियोजित पूंजी पर रिटर्न (15% भार)

ब्याज कवरेज (25% भार)

गियरिंग (ऋण / इक्विटी) (30% भार)

गुणात्मक कारक

तिमाही-वार प्रचालनात्मक मानदंड, यथा पीपीए, पीएलएफ, एसीएस – एआरआर अंतर, एलएएफ सीयूएफ आदि

वास्तविक चूक की तिथि

परियोजना की स्थिति

(ग) अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का मापन

भारतीय लेखांकन मानक इंड एस 109 में नीचे संक्षेप में बताए गए अनुसार प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट गुणवत्ता में परिवर्तन के आधार पर हानि के लिए एक "तीन चरण" वाले मॉडल की रूपरेखा दी गई है :

- एक वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट जो प्रारंभिक मान्यता पर क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं है और जिसका क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक चरण " चरण 1" के रूप में वर्गीकृत होने के बाद से बहुत अधिक नहीं बढ़ा है।
- यदि इस बात की पहचान हो जाती है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, तो वित्तीय लिखत को " चरण 2" में स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन अभी भी इसे मानद रूप से क्रेडिट क्षतिपूर्ति हुआ नहीं माना जाता है।
- यदि कोई वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट क्रेडिट इम्पेयर्ड हुआ है, तो इसे "चरण 3" में ले जाया जाता है।
- चरण 1 में वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट का अपेक्षित क्रेडिट नुकसान के बराबर की राशि पर ईसीएल मापा जा चुका है, जो अगले 12 महीनों के भीतर संभावित चूक की घटनाओं के परिणामस्वरूप हो सकता है। चरण 2 या चरण 3 मानदंड में इन्स्ट्रूमेंट का ईसीएल आजीवन आधार पर मापा जाता है।

(घ) ऋण जोखिम (एसआईसीआर) में महत्वपूर्ण वृद्धि

कंपनी निम्नलिखित मामलों में किसी वित्तीय साधन में ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव करती है: -

- जब किसी वित्तीय साधन पर भुगतान उसके संविदात्मक भुगतानों की देय तिथि से 30 दिन से अधिक हो,
- चरण 1 ऋण परिसंपत्ति पुनर्गठन योजना के अनुसार नियमित भुगतान के एक वर्ष तक पुनर्गठन के दौर से गुजर रही हो,
- उधारकर्ता की क्रेडिट रेटिंग में "सी" तक की गिरावट,
- परियोजना के वाणिज्यिक संचालन के प्रारंभ की तिथि में 4 वर्ष से अधिक का विलंब।

(ङ) डिफॉल्ट तथा क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों की परिभाषा

कंपनी डिफॉल्ट के रूप में वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट को परिभाषित करती है जो पूर्णतः हानियों वाले ऋण की परिभाषा के अनुरूप है जब ऋणखता अपने संविदागत भुगतानों पर देय पिछले 90 दिनों से अधिक हो या भीरतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए परिपत्र के अनुसार कंपनी द्वारा दी गई कोई भी अवधि।

(च) ईसीएल का मापन – इनपुट, अवधारणाओं और अनुमानित तकनीकों की व्याख्या

अपेक्षित क्रेडिट हानि डिफॉल्ट की संभावना (पीडी), डिफॉल्ट पर एक्सपोज़र (ईएडी) और डिफॉल्ट रूप से दी गई हानि (एलजीडी) का उत्पाद है, जिसे निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

- पीडी अगले 12 महीनों में या इन्स्ट्रूमेंट के शेष जीवनकाल में अपनी बाध्यता पर ऋणकर्ता की डिफॉल्ट की संभावना को दर्शाता है।
- ईएडी ऐसी राशियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें बकाया मूलधन, अर्जित ब्याज और बकाया सुविधा पत्र (एलओसी) शामिल होते हैं, जो कंपनी डिफॉल्ट के समय बकाया होने की उम्मीद करती है।
- एलजीडी कंपनी के नुकसान की ऐसी उम्मीद को दर्शाता है कि कोई डिफॉल्ट हो सकती है। एलजीडी प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है और यह उस राशि के अनुपात को दर्शाता है जो वास्तव में डिफॉल्ट के किसी मामले में वसूली के बाद समाप्त हो जाएगी।

चूक की संभावना (पीडी) का निर्धारण

कंपनी ने वार्षिक ट्रांजिशन मैट्रिक्स पर आधारित पीडी की गणना के लिए क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रकाशित रेटिंग ट्रांजिशन मैट्रिक्स का विश्लेषण किया है। ऋण की अवधि / मैच्योरिटी प्रोफाइल यानी जीवनपर्यंत पीडी द्वारा विभिन्न रेटिंग ग्रेड की चूक की आजीवन संभावना का पता लगाने के लिए इस वार्षिक ट्रांजिशन मैट्रिक्स को एक्स्ट्रापोलेट किया गया। हालाँकि, राज्य वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए, कंपनी जब भी अद्यतन होती है, विद्युत मंत्रालय द्वारा रेटिंग अपनाती है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

लॉस गिवन डिफॉल्ट (एलजीडी) कम्प्यूटेशन मॉडल

ऐतिहासिक रुझान, अनुसंधान और उद्योग बेंचमार्किंग के आधार पर कंपनी ने एक एलजीडी मॉडल का निर्माण किया है। एलजीडी मॉडल में समीक्षा किए गए कारकों में प्रति यूनिट परियोजना लागत, पीपीए की स्थिति, एफएसए की स्थिति आदि शामिल हैं। आंतरिक अनुसंधान के आधार पर कंपनी ने निजी क्षेत्र में धर्मल, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए इन कारकों को बेंचमार्क किया है। निजी क्षेत्र के उधारकर्ताओं के मामले में, एलजीडी का पता लगाने के लिए परिसंपत्तियों के वास्तविक मूल्य का पता लगाने हेतु कंपनी द्वारा की गई मूल्यांकन रिपोर्टों, समाधान प्रक्रिया के परिणाम आदि सहित उचित अनुमानों का उपयोग किया गया। राज्य सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए कंपनी ने राज्य सहायता में उद्घाटित किया है और यह माना कि राज्य / केंद्र सरकारें अतीत में देखी गई राज्य क्षेत्र की संस्थानों (बिजली कंपनियों) के ऋण दायित्वों को चुकाने के लिए कदम उठाएंगी।

(छ) ईसीएल के मापन में उपयोग की जाने वाली प्रमुख धारणाएँ

- कंपनी प्रारंभिक मान्यता की तिथि को आधार तिथि मानती है जिससे क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि निर्धारित की जाती है।
- ईएडी उन राशियों को दर्शाता है, जिनमें बकाया मूल, अर्जित ब्याज और बकाया सुविधा पत्र शामिल हैं, जो कंपनी को डिफॉल्ट के समय बकाया होने की उम्मीद करता है।

(ज) क्रेडिट जोखिम एक्सपोज़र

विभिन्न क्रेडिट रेटिंग वाले उधारकर्ताओं के संबंध में क्रेडिट जोखिम एक्सपोज़र निम्नानुसार है

(₹ करोड़ में)

ऋण जोखिम श्रेणी (आंतरिक/मैप की गई रेटिंग)	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल
प्रदर्शन करने वाले								
बहुत अच्छा (एएए एए ए सरकारी ऋण)	2,27,156.98	41,032.49	-	2,68,189.47	2,03,407.58	18,161.39	-	2,21,568.97
अच्छा (बीबीबी बीबी बी)	1,78,400.70	4,088.70	-	1,82,489.40	2,22,710.25	445.30	-	2,23,155.55
औसत (सी)	1,16,210.15	-	-	1,16,210.15	56,025.85	-	-	56,025.85
उचित (डी)	-	350.32	-	350.32	410.44	-	-	410.44
प्रदर्शन न करने वाले (डी)	-	-	7,652.65	7,652.65	-	392.96	13,810.33	14,203.29
सकल एक्सपोज़र	5,21,767.83	45,471.51	7,652.65	5,74,892.00	4,82,554.12	18,999.65	13,810.33	5,15,364.10
हानि भत्ता (एलओसी सहित)	4,822.81	501.95	5,489.48	10,814.24	2,767.04	191.70	9,453.80	12,412.55
निवल एक्सपोज़र	5,16,945.02	44,969.56	2,163.17	5,64,077.76	4,79,787.08	18,807.95	4,356.53	5,02,951.56

(झ) समपार्श्विक तथा अन्य ऋण वृद्धिया

कंपनी ऋण जोखिम को कम करने के लिए कई नीतियां और परिपाटियां लगाती है। इनमें से सबसे सामान्य संवितरित निधियों के लिए समपार्श्विक को स्वीकार करना है। कंपनी में समपार्श्विक अथवा ऋण जोखिम को कम करने की विशेष श्रेणियों की स्वीकार्यता के संबंध में आंतरिक नीतियां हैं। ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रमुख समपार्श्विक प्रकार निम्नलिखित हैं:

- अचल परिसंपत्तियों का बंधक
- चल संपत्ति का दृष्टि बंधक
- परियोजना संविदा दस्तावेजों को सौंपना
- इन्स्ट्रुमेंट्स का संकल्प जिसके माध्यम से प्रमोटर का अंशदान परियोजना में लगाया जाता है
- प्रमोटर की शेयरधारिता का संकल्प
- प्रमोटर की व्यक्तिगत तथा कॉर्पोरेट गारंटी

(ञ) हानि भत्ता

उस अवधि में माना गया हानि भत्ता कई कारकों से प्रभावित होता है, जैसा कि नीचे वर्णित किया गया है:

- चरण 1 और चरण 2 या 3 के बीच वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स में क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि (या कमी) का अनुभव होने या अवधि में क्रेडिट-इम्पेयर्ड होने के कारण स्थानांतरण, और परिणामस्वरूप 12- माह के बीच "स्टेप अप" (या "स्टेप डाउन") और जीवनपर्यंत ईसीएल
- अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त नए वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए अतिरिक्त भत्ते, साथ ही अवधि में गैर-मान्यता प्राप्त वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए रिलीज़
- मॉडल में इनपुट के नियमित रिक्रेशिंग से उत्पन्न होने वाली अवधि में पीडी, ईएडी और एलजीडी में परिवर्तन के कारण ईसीएल की माप पर प्रभाव
- अवधि के दौरान अमान्य की गई वित्तीय परिसंपत्तियां और उस अवधि के दौरान रीटन ऑफ में डाली गई संपत्तियों से संबंधित भत्तों को राइट ऑफ में डालना

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

निम्नलिखित तालिकाएं ऋण परिसंपत्तियों में परिवर्तन (संवितरित न किए गए सुविधा पत्रों सहित) और रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ तथा अंत के बीच तद्वृत्त ईसीएल भत्ते को स्पष्ट करती है :

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	चरण 1		चरण 2		चरण 3		कुल	
	सकल राशि	12 महीने ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
प्रारंभिक शेष	4,82,554.12	2,767.04	18,999.65	191.70	13,810.33	9,453.80	5,15,364.10	12,412.54
12 महीने के ईसीएल में अंतरण	392.16	41.21	(392.16)	(41.21)	-	-	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं	(28,280.78)	(113.48)	28,280.78	113.48	-	-	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड	(14.89)	(1.03)	-	-	14.89	1.03	-	-
पीडी / एलजीडी में बदलाव के कारण अतिरिक्त प्रावधान	-	268.70	-	258.26	-	0.97	-	527.93
नई उत्पन्न अथवा खरीदी हुई वित्तीय परिसंपत्तियां (मौजूदा परिसंपत्तियों में अग्रिम संवितरण सहित)	1,95,040.20	2,321.88	1,888.35	7.80	-	-	1,96,928.55	2,329.68
वित्तीय परिसंपत्तियां जिन्हें अमान्य कर दिया है (मौजूदा परिसंपत्तियों में वसूली सहित)	(1,27,922.98)	(461.51)	(3,305.11)	(28.08)	(3,688.03)	(1,481.78)	(1,34,916.12)	(1,971.37)
राइट ऑफ	-	-	-	-	(2,484.54)	(2,484.54)	(2,484.54)	(2,484.54)
अंतिम शेष	5,21,767.83	4,822.81	45,471.51	501.95	7,652.65	5,489.48	5,74,891.99	10,814.24

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	चरण 1		चरण 2		चरण 3		कुल	
	सकल राशि	12 महीने ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	जीवनपर्यंत ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
प्रारंभिक शेष	4,12,304.47	3,521.81	10,913.58	238.30	14,892.08	10,519.51	4,38,110.13	14,279.62
12 महीने के ईसीएल में अंतरण	9,954.90	(194.96)	(9,954.90)	194.96	-	-	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं	(18,708.02)	(75.05)	19,077.40	191.51	(369.38)	(116.46)	-	-
जीवनपर्यंत ईसीएल में अंतरण से क्रेडिट इम्पेयर्ड	-	-	-	-	-	-	-	-
पीडी / एलजीडी में बदलाव के कारण अतिरिक्त प्रावधान	-	(723.10)	-	(426.85)	-	(448.16)	-	(1,598.11)
नई उत्पन्न अथवा खरीदी हुई वित्तीय परिसंपत्तियां (मौजूदा परिसंपत्तियों में अग्रिम संवितरण सहित)	1,66,140.76	916.02	90.95	0.73	-	-	1,66,231.71	916.75
वित्तीय परिसंपत्तियां जिन्हें अमान्य कर दिया है (मौजूदा परिसंपत्तियों में वसूली सहित)	(87,137.99)	(677.68)	(1,127.38)	(6.95)	(212.35)	(1.07)	(88,477.72)	(685.70)
राइट ऑफ	-	-	-	-	(500.02)	(500.02)	(500.02)	(500.02)
अंतिम शेष	4,82,554.12	2,767.04	18,999.65	191.70	13,810.33	9,453.80	5,15,364.10	12,412.54



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(ट) चरण वार एक्सपोजर और इंपेयरमेंट हानि भत्ता का विवरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण I	चरण II	चरण III	कुल	चरण I	चरण II	चरण III	कुल
कुल एक्सपोजर	5,21,767.83	45,471.51	7,652.65	5,74,892.00	4,82,554.12	18,999.65	13,810.33	5,15,364.10
इंपेयरमेंट भत्ता	4,822.81	501.95	5,489.48	10,814.24	2,767.04	191.70	9,453.80	12,412.55
ईसीएल %	0.92%	1.10%	71.73%	1.88%	0.57%	1.01%	68.45%	2.41%

(ठ) क्रेडिट जोखिम का संकेंद्रण

कंपनी उस किस्म के उद्योग द्वारा क्रेडिट जोखिम (संवितरित न किए गए सुविधा पत्रों सहित ऋण परिसंपत्तियां) के संकेंद्रण की निगरानी करती है जिसमें लेनदार प्रचालन करते हैं जिसे लेनदार के प्रकार में आगे बांटा जाता है, भले ही वह राज्तीय हो या निजी।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	सकल राशि	ईसीएल	सकल राशि	ईसीएल
उद्योग द्वारा संकेंद्रण				
उत्पादन	1,55,078.89	6,762.83	1,45,871.05	9,871.35
नवीकरणीय ऊर्जा	63,665.96	1,013.41	42,312.34	567.57
ट्रांस्कोस	47,874.68	41.35	48,701.40	47.77
डिस्कॉम्स	2,34,130.98	2,942.82	2,19,983.23	1,732.67
पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर	50,953.11	43.35	45,875.48	170.51
इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लॉजिस्टिक्स	20,638.62	10.44	9,727.33	22.61
सरकारी ऋण	2,549.75	0.04	2,893.27	0.06
कुल	5,74,891.99	10,814.24	5,15,364.10	12,412.54
स्वामित्व द्वारा संकेंद्रण				
राज्य	4,94,580.49	4,612.58	4,54,702.64	2,598.19
निजी	80,311.50	6,201.66	60,661.46	9,814.35
कुल	5,74,891.99	10,814.24	5,15,364.10	12,412.54

(ड) क्षेत्रवार क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां – उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के चरण-III परिसंपत्तियों का प्रतिशत

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र	1.35%	2.71%
- विद्युत	1.35%	2.71%

(ढ) क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियों का संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष
(i) सकल अग्रिमों हेतु सकल क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां (%)	1.35%	2.71%
(ii) सकल अग्रिमों हेतु निवल क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां (%)	0.38%	0.86%
(iii) निवल अग्रिमों हेतु निवल क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियां (%)	0.39%	0.88%
(iv) क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियों का संचलन (सकल)		
(क) प्रारम्भिक शेष	13,810.33	14,892.08
(ख) वर्ष के दौरान जुड़ाव	14.89	-
(ग) वर्ष के दौरान कटौतियां	(3,688.03)	(581.73)
(घ) वर्ष के दौरान राइट-ऑफ	(2,484.54)	(500.02)
(ङ) अंतिम शेष	7,652.65	13,810.33
(v) क्रेडिट-इंपेयर्ड परिसंपत्तियों का संचलन (निवल)		
(क) प्रारम्भिक शेष	4,356.53	4,372.57
(ख) वर्ष के दौरान जुड़ाव	12.89	448.16
(ग) वर्ष के दौरान कटौतियां	(2,206.25)	(464.20)

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष
(घ) वर्ष के दौरान राइट-ऑफ	-	-
(ङ) अंतिम शेष	2,163.17	4,356.53
(vi) क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों हेतु प्रावधानों का संचलन		
(क) प्रारम्भिक शेष	9,453.80	10,519.51
(ख) वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	2.00	(448.16)
(ग) अतिरिक्त प्रावधानों को राइट-बैक	(1,481.78)	(117.53)
(घ) वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों पर रिटर्न ऑफ प्रावधान	(2,484.54)	(500.02)
(ङ) अंतिम शेष	5,489.48	9,453.80

(ण) दिनांक 13.03.2020 को एनबीएफसी द्वारा इंड-एस के कार्यान्वयन पर आरबीआई परिपत्र के अनुसार, ऋण को क्या अन्यथा एनपीए के रूप में वर्गीकृत करना आवश्यक था जैसे आईआरएसीपी मानदंडों के अनुसार माना जाता है, 31 मार्च 2025 को सकल एनपीए से सकल ऋण अनुपात 3.62% (पिछले वर्ष 3%) और निवल एनपीए से निवल ऋण 2.56 % (पिछले वर्ष 1.16 %) रहा था।

(त) राइट ऑफ नीति

कंपनी न्यायिक प्राधिकरण के आदेश के अनुसार या जब उसने सभी व्यावहारिक पुनर्प्राप्ति प्रयासों को समाप्त कर लिया है और यह निष्कर्ष निकाला है कि वसूली की कोई उचित उम्मीद नहीं है, तो वित्तीय परिसंपत्तियों को पूरी तरह या आंशिक रूप से राइट ऑफ में डाल देती है। जिन संकेतकों में वसूली की कोई उचित उम्मीद नहीं है, उनमें प्रवर्तन गतिविधि को रोकना शामिल है या जहां कंपनी की वसूली विधि संपार्श्विक पर फौजदारी कर रही है और संपार्श्विक का मूल्य ऐसा है कि पूरी तरह से वसूली की कोई उचित उम्मीद नहीं है।

(थ) व्यवसाय मॉडल पॉलिसी

कंपनी अपने व्यवसाय को उस चरण पर निर्धारित करती है जो यह दर्शाता है कि यह अपने व्यावसायिक उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों के समूहों का प्रबंधन कैसे करती है। कंपनी के व्यवसाय मॉडल का मूल्यांकन इंस्ट्रूमेंट-बाई-इंस्ट्रूमेंट आधार पर नहीं किया जाता है, बल्कि कुल पोर्टफोलियो के उच्च चरण पर किया जाता है।

कंपनी विद्युत क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में ऋण देने के व्यवसाय में लगी है और इस तरह के ऋणों को ऋण के कार्यकाल में संविदात्मक भुगतान (मूलधन और ब्याज सहित) एकत्रित करके नकदी प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रबंधित किया जाता है। इसके अलावा, ऋण निवेश की प्रकृति में निवेश और सहमत शर्तों के अनुसार संविदागत भुगतान एकत्रित करने के लिए कंपनी द्वारा निवेश और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां भी रखी जा सकती हैं।

अतः कंपनी का व्यवसाय मॉडल ऋणों, कुछ वित्तीय निवेशों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए “होल्ड टू कलेक्ट” के सिद्धांत पर आधारित है। यदि संविदागत शर्तें ऐसे नकदी प्रवाह को बढ़ावा देती हैं जो केवल मूलधन और बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान हैं, तो ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों को परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

(द) परिशोधित लागत व्यवसाय से बाहर बिक्री के लिए नीति

कंपनी अपने सामान्य व्यवसाय में ऋण परिसंपत्तियों सहित वित्तीय परिसंपत्तियों की बिक्री नहीं करती है।

हालांकि, कंपनी भारत में विनियामक ढांचे के अनुसार ऋण-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों के संबंध में देय राशि की वसूली के लिए आगे बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, ऋण अशोध्य ऋण को या तो आईबीसी कार्यवाही के हिस्से के रूप में पुनर्गठित/फिर से बातचीत की जा सकती है या अन्यथा निपटारा जा सकता है और इंड एस 109-वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स की आवश्यकताओं के अनुसार गैर-मान्यता के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

(ध) ऐसा कोई खाता नहीं है जिसमें 90 दिनों से अधिक की अतिदेयता हो, लेकिन उसे क्रेडिट इम्पेयर्ड नहीं माना जाएगा (पिछले वर्ष शून्य)

(न) मास्टर दिशानिर्देश - भारतीय रिजर्व बैंक (ऋण एक्सपोजर का स्थानांतरण) दिशानिर्देश, 2021 दिनांक 24 सितंबर 2021 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 (पिछले वर्ष शून्य) के दौरान हस्तांतरित/अधिग्रहित ऋण का कोई रिपोर्ट करने योग्य मामला नहीं है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
खातों की संख्या	1	
हस्तांतरित ऋणों का कुल बकाया मूलधन	797.00	
हस्तांतरित ऋणों की भारित औसत अवशिष्ट अवधि	2 वर्ष	
हस्तांतरित ऋणों का निवल बही मूल्य (हस्तांतरण के समय)	-	शून्य
समग्र प्रतिफल	63.00	
पिछले वर्षों में हस्तांतरित खातों के संबंध में अतिरिक्त प्रतिफल प्राप्त हुआ	-	



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(प) आरबीआई की आय मान्यता, परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान शर्तों (आईआरएसीपी) के अनुसार आवश्यक प्रावधान और इंड-एएस के अनुसार इम्पेयरमेंट भत्ते के बीच तुलना

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	इंड-एएस 109 के अनुसार वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ	बकाया राशि	इंड-एएस के अनुसार सकल धारित राशि	इंड-एएस 109 के अधीन अपेक्षित हानि परिसंपत्ति (प्रावधान)	निवल धारित राशि	आईआरएसीपी मानदंड के अनुसार अपेक्षित प्रावधान	इंड-एएस 109 प्रावधान एवं आईआरएसीपी मानदंड के मध्य विभिन्नता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) = (4) - (5)	(7)	(8) = (5) - (7)
प्रदर्शन न करने वाले							
मानक	चरण 1	5,00,906.40	5,02,886.60	4,031.67	4,98,854.93	2,683.62	1348.05
	चरण 2	45,471.51	46,488.16	501.95	45,986.21	181.89	320.06
उप जोड़ (1)		5,46,377.91	5,49,374.76	4,533.62	5,44,841.14	2,865.51	1668.11
प्रदर्शन न करने वाले अवमानक परिसंपत्तियाँ							
	चरण 1	12,467.39	12,470.98	764.17	11,706.81	1,246.74	(482.57)
	चरण 3	13.77	13.77	2.75	11.02	1.28	1.47
अवमानक संपत्तियों के लिए उप-योग		12,481.16	12,484.75	766.92	11,717.83	1,248.02	(481.10)
संदिग्ध संपत्ति							
1 से 3 वर्ष	चरण 3	1,512.43	1,512.43	754.87	757.56	480.16	274.71
3 वर्ष से अधिक	चरण 1	385.34	385.44	8.48	376.96	169.92	(161.44)
	चरण 3	6,126.45	6,126.45	4,731.86	1,394.59	4,111.46	620.40
संदिग्ध परिसंपत्तियों के लिए उप-योग		8,024.22	8,024.32	5,495.21	2,529.11	4,761.54	733.67
हानि परिसंपत्ति							
	चरण 2	-	-	-	-	-	-
	चरण 3	-	-	-	-	-	-
हानि वाली परिसंपत्तियों के लिए उप-योग		-	-	-	-	-	-
एनपीए के लिए उप-जोड़ (2)		20,505.38	20,509.07	6,262.13	14,246.94	6,009.56	252.57
कुल ऋण परिसंपत्तियाँ		5,66,883.29	5,69,883.83	10,795.75	5,59,088.08	8,875.07	1920.68
अन्य मदें जो इंड-एएस 109 के दायरे में हैं लेकिन वर्तमान आईआरएसीपी मानदंडों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं							
- सुविधा पत्र*	चरण 1	8,008.70	8,008.70	18.48	7,990.22	-	18.48
उप-जोड़ (3)		8,008.70	8,008.70	18.48	7,990.22	-	18.48
कुल	चरण 1	5,21,382.49	5,23,366.28	4,814.32	5,18,551.96	3,930.36	883.96
	चरण 2	45,856.85	46,873.60	510.43	46,363.17	351.81	158.62
	चरण 3	7,652.65	7,652.65	5,489.48	2,163.17	4,592.90	896.58
	Total	5,74,891.99	5,77,892.53	10,814.23	5,67,078.30	8,875.07	1939.16

* इंडएएस 109 के अनुसार सुविधा पत्र (एलओसी) के लिए सकल वहन राशि वित्तीय गारंटी के रूप में माने जाने वाले गैर-निधि आधारित एक्सपोजर को दर्शाती है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	इंड-एस 109 के अनुसार वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ	बकाया राशि	इंड-एस के अनुसार सकल धारित राशि	भारतीय लेखा मानक 109 के अंतर्गत आवश्यक हानि भत्ते (प्रावधान)	निवल धारित राशि	आईआरएसीपी मानदंड के अनुसार अपेक्षित प्रावधान	इंड-एस 109 प्रावधान एवं आईआरएसीपी मानदंड के मध्य विभिन्नता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) = (4) - (5)	(7)	(8) = (5) - (7)
प्रदर्शन करने वाले							
मानक	चरण 1	4,75,471.73	4,77,502.34	2,712.85	4,74,789.49	2,470.03	242.82
	चरण 2	18,606.69	18,777.30	149.69	18,627.61	74.43	75.26
उप जोड़ (1)		4,94,078.42	4,96,279.64	2,862.54	4,93,417.10	2,544.46	318.08
प्रदर्शन न करने वाले							
अवमानक परिसंपत्तियाँ	चरण 1	1,029.43	1,029.73	20.94	1,008.79	102.94	(82.00)
संदिग्ध परिसंपत्तियाँ							
1 वर्ष तक	चरण 1	59.81	59.81	1.23	58.58	11.96	(10.73)
1 से 3 वर्ष	चरण 3	1,545.70	1,545.70	757.81	787.88	510.56	247.25
	चरण 2	392.16	392.27	41.21	351.06	172.93	(131.72)
3 वर्ष से अधिक	चरण 3	12,262.67	12,262.66	8,694.03	3,568.63	9,039.67	(345.64)
संदिग्ध परिसंपत्तियाँ के लिए उप जोड़		14,260.34	14,260.44	9,494.28	4,766.15	9,735.12	(240.84)
हानि परिसंपत्तियाँ	चरण 2	0.80	0.80	0.80	-	0.80	
	चरण 3	1.96	1.96	1.96	-	1.96	-
		2.76	2.76	2.76	-	2.76	-
एनपीए के लिए उप-जोड़ (2)		15,292.53	15,292.93	9,517.98	5,774.94	9,840.82	(322.84)
कुल ऋण परिसंपत्तियाँ		5,09,370.95	5,11,572.57	12,380.52	4,99,192.04	12,385.28	(4.76)
अन्य मदें जो इंड-एस 109 के दायरे में हैं लेकिन वर्तमान आईआरएसीपी मानदंडों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं							
- सुविधा पत्र*	चरण 1	5,993.15	5,993.15	32.02	5,961.13	-	32.02
उप-जोड़ (3)		5,993.15	5,993.15	32.02	5,961.13	-	32.02
कुल	चरण 1	4,82,554.12	4,84,585.03	2,767.04	4,81,817.99	2,584.93	182.11
	चरण 2	18,999.65	19,170.37	191.70	18,978.67	248.16	(56.46)
	चरण 3	13,810.33	13,810.32	9,453.80	4,356.51	9,552.19	(98.39)
	कुल	5,15,364.10	5,17,565.72	12,412.54	5,05,153.17	12,385.28	27.26

* इंडएस 109 के अनुसार सुविधा पत्र (एलओसी) के लिए सकल वहन राशि वित्तीय गारंटी के रूप में माने जाने वाले गैर-निधि आधारित एक्सपोजर को दर्शाती है।

(V) जैसा कि कंपनी द्वारा रिपोर्ट किया गया है, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आरबीआई द्वारा किए गए पिछले वार्षिक निरीक्षण के दौरान मूल्यांकन किए गए परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान में कोई भिन्नता नहीं है (वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शून्य)

52.2 तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है जिसमें कंपनी को अपनी वित्तीय देनदारियों से जुड़े दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा, जिनका निपटान नकदी या अन्य वित्तीय परिसंपत्ति प्रदान करके किया जाता है। तरलता प्रबंधन के प्रति कंपनी का दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करना है कि जहाँ तक संभव हो, उसके पास अपनी देनदारियों को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता उपलब्ध रहे।

कंपनी अपने तरलता जोखिम का प्रबंधन विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से करती है, जिसमें अनुमानित संवितरण और परिपक्व होने वाले दायित्वों के आधार पर भविष्योन्मुखी संसाधन जुटाना शामिल है। कंपनी ने एक प्रभावी परिसंपत्ति देयता प्रबंधन प्रणाली स्थापित की है और एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ("एल्को") का भी गठन किया है जो तरलता अंतराल विश्लेषण की सहायता से तरलता जोखिम की निगरानी करती है।

कंपनी पर्याप्त बैंक शेष, अल्पावधि निवेश बनाए रखती है जो नकद तथा पर्याप्त उधार और निरंतर पूर्वानुमान तथा वास्तविक नकद प्रवाह की निगरानी करके ओवरड्राफ्ट सुविधाओं में तैयार रूप से बदले जा सकते हैं।

52.2.1 भविष्य के अनडिस्काउंटेड नकदी प्रवाह का परिपक्वता पैटर्न

वित्तीय देयताओं की मदों के लिए नकदी प्रवाह (भविष्य में अनडिस्काउंटेड नकदी प्रवाह मूलधन और ब्याज की ओर दर्शाना) निम्नानुसार है:

31 मार्च 2025 तक	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
नैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं :											
रूपे उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	2,396.00	52.58	206.41	1,829.60	3,123.67	17,681.45	75,117.23	50,483.99	1,05,496.81	2,56,387.74
- ब्याज	-	63.20	634.87	1,375.99	3,341.64	3,392.50	9,105.32	30,103.65	20,547.66	33,233.13	1,01,797.96
अन्य उधारियां											
- मूलधन	570.78	-	-	499.97	-	1,747.94	3,071.70	16,042.34	32,475.86	2,141.64	56,550.23
- ब्याज	299.75	3.78	135.82	276.83	499.78	844.35	1,912.70	6,661.98	2,819.78	249.66	13,704.43
अधीनस्थ देयताएं											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	-	-	2,151.20	7,084.50	9,235.70
- ब्याज	-	-	159.60	-	181.64	87.53	377.23	1,608.58	1,393.45	1,968.02	5,776.05
विदेशी मुद्रा उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	-	14,120.93	14,011.88	153.23	28,286.04
- ब्याज	-	180.03	-	-	-	350.31	530.50	1,809.13	519.13	13.47	3,402.57
अन्य उधारियां											
- मूलधन	2,439.49	1,283.72	2,871.66	6,934.43	3,489.95	8,513.23	19,203.59	34,127.57	55,053.09	3,836.63	1,37,753.36
- ब्याज	25.42	50.80	132.08	277.73	492.81	1,057.51	1,751.12	5,528.33	2,697.32	292.49	12,305.61
व्युत्पन्न देयताएं :											
ब्याज दर व्युत्पन्न											
	-	-	-	-	-	-	-	10.52	197.92	73.89	282.33
मुद्रा व्युत्पन्न	53.31	30.33	90.31	215.99	51.87	242.02	160.83	100.85	442.22	-	1,387.73



(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 तक	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं:											
रुपये उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	-	391.12	459.10	5,431.49	4,646.73	19,487.39	60,218.77	52,414.46	82,494.67	2,25,543.73
- ब्याज	-	0.24	201.16	1,182.57	4,371.36	2,362.72	7,915.89	26,486.87	18,680.23	25,792.46	86,993.50
अन्य उधारियां											
- मूलधन	567.41	-	1,000.00	1,524.94	8,051.00	1,505.69	914.29	13,638.99	34,712.06	17,891.28	79,805.66
- ब्याज	309.37	-	183.90	479.74	482.01	1,397.56	2,706.54	10,007.92	6,407.24	1,766.55	23,740.83
अधीनस्थ देयताएं											
- मूलधन	-	-	-	-	-	-	-	-	2,151.20	5,089.50	7,240.70
- ब्याज	-	-	160.91	-	186.03	88.49	283.53	1,432.10	1,434.06	1,696.36	5,281.48
विदेशी मुद्रा उधारियां											
ऋण प्रतिभूतियां											
- मूलधन	-	-	-	-	-	5,419.30	4,168.69	7,503.65	14,213.88	1,658.23	32,963.75
- ब्याज	-	176.35	-	-	73.15	269.76	427.14	1,368.56	753.32	16.34	3,084.62
अन्य उधारियां											
- मूलधन	1,250.61	-	2,501.22	6,561.53	1,039.64	3,960.26	13,436.01	22,894.62	37,367.25	3,333.17	92,344.31
- ब्याज	11.75	9.81	115.87	170.38	351.10	907.69	1,383.53	4,286.13	1,734.24	284.06	9,254.56
व्युत्पन्न देयताएं:											
ब्याज दर स्वेप्स	-	-	-	-	-	31.56	-	100.53	72.96	104.70	309.75
मुद्रा स्वेप्स	8.03	-	38.56	36.65	8.44	153.45	61.40	12.08	93.21	38.13	449.95

पुट एंड कॉल ऑप्शन वाले बॉण्ड्स को सबसे जल्दी क्रियान्वित की जाने वाली तारीख पर विचार करते हुए दर्शाया गया है। व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं के लिए तरलता विश्लेषण व्युत्पन्न संविदा के उचित मूल्यों पर आधारित है और परिपक्वता बकेट, संबंधित व्युत्पन्न संविदा के शेष कार्यकाल के आधार पर निकाली गई है।

वित्तीय देयताओं के लिए अपेक्षित पर्याप्त नकद प्रवाह का वित्तपोषण निम्नलिखित रूप में ऋणों से अनडिस्काउंटेड नकद प्रवाहों (मूलधन तथा ब्याज) के माध्यम से किया जाएगा:

	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
विवरण											
31 मार्च 2025 तक											
मूल धन	4,336.99	742.83	4,062.85	8,404.38	9,675.82	27,622.50	42,181.09	1,17,481.59	1,01,027.57	2,40,551.93	5,56,087.54
ब्याज	2,378.51	28.77	1,085.31	3,376.36	6,912.33	13,193.46	24,184.83	81,455.26	58,841.79	1,10,700.77	3,02,157.39
31 मार्च 2025 तक											
मूल धन	3,582.21	214.74	2,023.71	4,928.26	7,024.12	22,172.19	42,402.16	1,03,565.04	93,801.98	2,17,276.02	4,96,990.43
ब्याज	1,900.52	54.05	932.74	2,820.67	6,586.41	11,918.26	21,848.61	73,716.25	53,333.52	92,143.18	2,65,254.20

चरण III। परिसंपत्तियों से संबंधित मुख्य नकदी प्रवाह, अपेक्षित क्रेडिट हानि के निवल को घटाकर, परिपक्वता तिथि की परवाह किए बिना 5 वर्षों से अधिक की अवधि में विचारा गया है।

(₹ करोड़ में)											
31 मार्च 2025 तक	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
ऋण परिसंपत्तियां	6,666.41	770.92	4,153.88	8,886.91	10,262.02	27,595.51	42,139.88	1,17,366.80	1,00,928.86	2,40,316.87	5,59,088.06
निवेश	-	-	-	-	60.15	56.34	39.49	770.91	1,392.43	4,354.30	6,673.62
रूपे उधारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण प्रतिभूतियां	-	2,453.75	719.15	1,348.32	4,344.42	5,012.63	19,449.81	75,138.36	50,435.89	1,05,326.60	2,64,228.93
अन्य उधारियां	574.71	-	85.21	499.97	81.28	1,747.94	3,234.26	16,042.34	32,475.86	2,141.64	56,883.21
अधीनस्थ देयताएं	2.11	-	146.92	-	126.46	43.88	14.41	-	2,134.86	7,045.51	9,514.15
विदेशी मुद्रा उधारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	250.21	13,837.70	13,958.48	152.97	28,199.36
अन्य उधारियां	2,453.53	1,291.16	2,953.17	7,059.27	3,658.32	8,716.31	19,210.69	33,912.39	54,330.33	3,831.76	1,37,416.93
(₹ करोड़ में)											

31 मार्च 2024 तक	1-7 दिन	8-14 दिन	15 दिनों से अधिक एवं 1 माह तक	1 माह से अधिक एवं 2 माह तक	2 माह से अधिक एवं 3 माह तक	3 माह से अधिक एवं 6 माह तक	6 माह से अधिक एवं 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक एवं 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
ऋण परिसंपत्तियां	5,409.37	222.11	2,363.18	4,928.26	7,352.45	22,172.19	42,401.51	1,03,557.69	93,798.08	2,16,987.21	4,99,192.05
निवेश	-	-	-	-	4.52	4.52	104.17	241.48	1,773.07	3,224.56	5,352.32
रूपे उधारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण प्रतिभूतियां	-	-	884.86	1,667.72	7,831.36	6,140.16	21,814.25	60,134.86	52,354.62	82,387.95	2,33,215.78
अन्य उधारियां	793.01	-	1,015.31	1,524.94	8,172.84	1,505.61	916.07	13,717.14	34,862.06	17,661.40	80,168.38
अधीनस्थ देयताएं	-	-	147.83	-	126.55	44.72	2.11	-	2,089.83	5,001.17	7,412.21
विदेशी मुद्रा उधारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण प्रतिभूतियां	-	166.10	-	-	44.18	5,526.47	4,166.17	7,491.45	13,823.91	1,629.18	32,847.46
अन्य उधारियां	1,330.43	3.34	2,508.38	6,595.15	1,042.01	4,130.55	13,533.74	22,672.34	36,779.75	3,327.98	91,923.67



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

52.2.3 वित्तपोषण उपाय

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी के पास निम्नलिखित अनआहरित उधार सुविधाओं तक पहुंच थी:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
एक वर्ष के भीतर समाप्त हो रही		
- स्थाई दर	-	-
- अस्थायी दर	14,291.72	11,813.99
एक वर्ष के बाद समाप्त हो रही		
- स्थाई दर	-	-
- अस्थायी दर	1,222.19	386.44

52.2.4 तरलता जोखिम प्रबंधन पर मास्टर निर्देश - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023 के अनुसार अतिरिक्त प्रकटीकरण

कंपनी ने एक प्रभावी परिसंपत्ति देयता प्रबंधन प्रणाली लागू की है और साथ ही एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ("एएलसीओ") भी गठित की है जो तरलता अंतराल विश्लेषण की सहायता से तरलता जोखिम की निगरानी करता है। कंपनी लगातार अनुमानित और वास्तविक नकदी प्रवाह की निगरानी करती है और तदनुसार पर्याप्त बैंक शेष, ओवरड्राफ्ट सुविधाएं, अल्पावधि निवेश को बनाए रखती है जो नकदी में आसानी से परिवर्तनीय और पर्याप्त उधार योजनाएं हैं।

(i) महत्वपूर्ण प्रतिपक्ष के आधार पर वित्तीय संकेंद्रण (उधारियां)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
महत्वपूर्ण प्रतिपक्षों की संख्या*	15	14
राशि (₹ करोड़ में)	2,40,439.89	2,12,903.39
कुल देयताओं का %	44.85%	44.46%

(ii) शीर्ष 10 उधारियां

विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	कुल उधारियों का %
31-03-2025 तक		
1 एचडीएफसी बैंक से सावधिक ऋण	17,850.00	3.66%
2 54ईसी-शृंखला XVI (2022-23)	12,152.39	2.49%
3 54ईसी- शृंखला XVII (2023-24)	11,419.57	2.34%
4 विदेशी मुद्रा उधार-यूएस \$ 1175 मिलियन	10,055.81	2.06%
5 भारत सरकार से सावधिक ऋण-नेशनल स्मॉल सेविंग्स फंड (एनएसएसएफ)	10,000.00	2.05%
6 पंजाब नेशनल बैंक से सावधिक ऋण	8,962.44	1.84%
7 54 ईसी - शृंखला XV(2021-22)	7,312.80	1.50%
8 विदेशी मुद्रा बॉण्ड - 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर	6,418.61	1.31%
9 आईसीआईसीआई बैंक से सावधिक ऋण	5,533.00	1.13%
10 54 ईसी - शृंखला XVIII(2024-25)	7,038.86	1.44%
कुल	96,743.48	19.82%

विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	कुल उधारियों का %
31-03-2024 तक		
1 एचडीएफसी बैंक से सावधि ऋण	17,850.00	4.08%
2 54ईसी- शृंखला XVI (2022-23)	12,152.39	2.77%
3 54ईसी- शृंखला XVII (2023-24)	10,175.72	2.32%
4 भारत सरकार से सावधि ऋण - राष्ट्रीय लघु बचत कोष (NSSF)	10,000.00	2.28%
5 विदेशी मुद्रा उधार - 1175 मिलियन अमेरिकी डॉलर	9,796.43	2.24%
6 भारतीय स्टेट बैंक से सावधि ऋण	7,750.94	1.77%
7 पंजाब नेशनल बैंक से सावधि ऋण	7,529.29	1.72%
8 54ईसी- शृंखला XV (2021-22)	7,312.80	1.67%
9 विदेशी मुद्रा बॉण्ड - 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर	6,253.04	1.43%
10 54ईसी- शृंखला XIII (2019-20)	6,157.82	1.41%
कुल	94,978.43	21.69%



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(iii) महत्वपूर्ण इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद के आधार पर वित्तीय संकेंद्रण

महत्वपूर्ण इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद का नाम*	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	राशि (₹ करोड़ में)	कुल देयताओं का %	राशि (₹ करोड़ में)	कुल देयताओं का %
1 ऋण प्रतिभूतियां				
संस्थागत बॉण्ड	2,00,803.29	37.45%	1,74,230.29	36.39%
विदेशी मुद्रा बॉण्ड	28,286.04	5.28%	32,963.75	6.88%
54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बॉण्ड	43,831.57	8.18%	42,356.21	8.85%
टैक्स फ्री बॉण्ड	8,953.27	1.67%	8,953.27	1.87%
उप-जोड़ (1)	2,81,874.17	52.58%	2,58,503.52	53.99%
2 उधारियां (ऋण प्रतिभूतियां के अलावा)				
बैंकों से सावधिक ऋण	41,879.47	7.81%	50,612.28	10.57%
विदेशी मुद्रा उधारियां	94,571.40	17.64%	67,205.64	14.04%
एफसीएनआर (बी) ऋण	43,181.96	8.05%	25,138.67	5.25%
बैंकों से मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण	1,600.00	0.30%	10,875.94	2.27%
भारत सरकार से सावधिक ऋण (एनएसएसएफ)	10,000.00	1.87%	10,000.00	2.09%
वित्तीय संस्थानों से सावधिक ऋण	2,500.00	0.47%	8,050.00	1.68%
उप-जोड़ (2)	1,93,732.83	36.14%	1,71,882.53	35.90%
3 अधीनस्थ देयताएं	9,235.70	1.72%	7,240.70	1.51%
कुल (1+2+3)	4,84,842.70	90.43%	4,37,626.75	91.39%

*महत्वपूर्ण प्रतिपक्ष / महत्वपूर्ण इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद को कंपनी के कुल देयताओं के 1% से अधिक के लिए एकीकृत रूप में जुड़े हुए अथवा संबद्ध प्रतिपक्षों के एकल प्रतिपक्ष / एकल इन्स्ट्रूमेंट / उत्पाद या समूह जुड़े या संबद्ध प्रतिपक्षों के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(iv) स्टॉक अनुपात

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	राशि (₹ करोड़ में)	सार्वजनिक निधि का %	कुल देयताओं का %	कुल परिसंपत्तियों का %	राशि (₹ करोड़ में)	सार्वजनिक निधि का %	कुल देयताओं का %	कुल परिसंपत्तियों का %
अन्य अल्पावधि देयताएं	55,031.52	11.27%	10.26%	8.96%	44,534.98	10.17%	9.30%	8.12%

(v) कंपनी में तरलता जोखिम के प्रबंधन हेतु संस्थागत व्यवस्था के लिए टिप्पणी 52.2 देखें।

(vi) परिसमापन कवरेज अनुपात (एलसीआर)

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपने मास्टर निर्देश - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023, समय-समय पर संशोधित, के माध्यम से 01 दिसंबर, 2020 से ₹ 10,000 करोड़ से अधिक की परिसंपत्ति आकार वाली गैर-जमा लेने वाली एनबीएफसी द्वारा तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) बनाए रखने का प्रावधान किया है। आरबीआई के इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कंपनी के पास पर्याप्त मात्रा में अप्रतिबंधित उच्च-गुणवत्ता वाली तरल संपत्ति (एचक्यूएलए) हो, जिसे नकदी में आसानी से और तुरंत परिवर्तित किया जा सके ताकि एक गंभीर तरलता तनाव परिदृश्य के तहत 30 कैलेंडर दिन के समय क्षितिज के लिए अपनी तरलता आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

एलसीआर का प्रतिनिधित्व निम्न द्वारा किया जाता है:

उच्च-गुणवत्ता वाली तरल संपत्तियों का स्टॉक

अगले 30 कैलेंडर दिनों में कुल शुद्ध नकदी बहिर्वाह

जहां,

- कुल निवल नकदी बहिर्प्रवाह को अगले 30 कैलेंडर दिनों के लिए कुल अपेक्षित नकदी बहिर्प्रवाह से कुल अपेक्षित नकदी अंतर्प्रवाह घटाने के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां नकदी प्रवाह को आरबीआई द्वारा निर्धारित एक पूर्वनिर्धारित दबाव प्रतिशत दिया गया है।
- उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति (एचक्यूएलए) का अर्थ है ऐसी तरल परिसंपत्ति जिसे आसानी से बेचा जा सकता है या बिना किसी मूल्य हानि के तुरंत नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है या विभिन्न दबाव परिदृश्यों में धन प्राप्त करने के लिए संपार्श्विक के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

एलसीआर की आवश्यकता 1 दिसंबर, 2020 से एनबीएफसी के लिए बाध्यकारी है, जिसमें न्यूनतम एचक्यूएलए एलसीआर का 50% होना चाहिए, जो 1 दिसंबर, 2024 तक उत्तरोत्तर 100% के आवश्यक चरण तक पहुंच जाना चाहिए।

वर्तमान में, एचक्यूएलए निवेश सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक)/राज्य विकास ऋण (एसडीएल) प्रतिभूतियों और मुख्य रूप से एए/एए कॉर्पोरेट बॉण्ड के रूप में भारतीय रुपये में रखा जाता है। प्रबंधन का मानना है कि कंपनी के पास भविष्य की संभावित अल्पकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता कवर है।

एचक्यूएलए का गठन:

एचक्यूएलए के स्टॉक में से, सरकारी प्रतिभूतियां एचक्यूएलए का उच्चतम अनुपात है जिसके बाद एए/एए कॉर्पोरेट बॉण्ड और ऑटो स्वेप बैलेंस आते हैं। 31 मार्च, 2024 को एचक्यूएलए धारण की स्थिति निम्नलिखित है:

एचक्यूएलए मदे	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
	समग्र का %	समग्र का %
हेयरकट के बिना परिसंपत्तियां	39.79%	57.23%
- जी-सेक एवं (एसडीएल)	39.79%	57.23%
15% हेयरकट वाली परिसंपत्तियां	59.96%	42.40%
- कॉर्पोरेट बॉण्ड	59.96%	42.40%
50% हेयरकट वाली परिसंपत्तियां	0.25%	0.37%
- कॉर्पोरेट बॉण्ड	0.25%	0.37%
कुल	100.00%	100.00%

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-12-2024 को समाप्त तिमाही										31-03-2024 को समाप्त तिमाही	
	31-03-2025 को समाप्त तिमाही		01-10-2024 से 30-11-2024 तक		01-12-2024 से 31-12-2024 तक		30-09-2024 को समाप्त तिमाही		30-06-2024 को समाप्त तिमाही		31-03-2024 को समाप्त तिमाही	
	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*	कुल अभारित मूल्य (औसत)*	कुल भारित मूल्य (औसत)*
उच्च गुणवत्ता वाली तरलता परिसंपत्तियाँ												
कुल उच्च गुणवत्ता वाली तरलता परिसंपत्तियाँ (एचक्यूएलए)	4,648.08	4,214.07	4,541.98	4,106.98	4,476.11	4,040.97	4,186.72	3,796.12	3,478.96	3,234.58	2,907.45	2,762.42
- एए/एएए कॉर्पोरेट बॉण्ड	2,846.51	2,412.51	2,852.97	2,417.97	2,853.96	2,418.82	2,556.77	2,166.17	1,580.11	1,335.81	918.21	773.18
- जी-सेक बॉण्ड /राज्य विकास ऋण (एसडीएल)	1,593.99	1,593.98	1,594.34	1,594.34	1,596.72	1,596.72	1,580.43	1,580.43	1,569.01	1,568.93	1,618.28	1,618.28
- नकदी एवं नकदी के समतुल्य	207.58	207.58	94.67	94.67	25.43	25.43	49.52	49.52	329.84	329.84	370.96	370.96
नकदी बहिर्प्रवाह												
अन्य संविदात्मक वित्तपोषण दायित्व	9,573.09	11,009.00	9,076.58	10,438.00	8,370.37	9,626.00	6,656.00	7,654.00	9,472.00	10,893.00	10,559.67	12,144.00
अन्य आकस्मिक वित्तपोषण दायित्व	197.53	227.00	257.02	296.00	291.75	336.00	368.00	423.00	152.00	175.00	335.00	385.00
कुल नकदी बहिर्प्रवाह	9,770.62	11,236.00	9,333.60	10,734.00	8,662.12	9,962.00	7,024.00	8,077.00	9,624.00	11,068.00	10,894.67	12,529.00
नकदी अंतर्प्रवाह												
पूर्ण रूप से निष्पादित एक्सपोजर से अंतर्प्रवाह	14,246.58	10,685.00	11,442.65	8,582.00	16,092.85	12,070.00	11,713.00	8,785.00	10,378.00	7,784.00	11,800.70	8,851.00
अन्य नकदी अंतर्प्रवाह	16,202.92	12,152.00	9,902.70	7,427.00	7,861.12	5,896.00	10,321.00	7,741.00	10,026.00	7,520.00	10,652.37	7,989.00
कुल नकद अंतर्प्रवाह (प्रत्येक अवलोकन दिवस पर बहिर्प्रवाह के 75% तक सीमित)	30,449.50	8,427.00	21,345.35	8,050.50	23,953.98	7,471.50	22,034.00	6,057.75	20,404.00	8,301.00	22,453.07	9,396.75
कुल समायोजित मूल												
कुल एचक्यूएलए (ए)		4,214.07		4,106.98		4,040.97		3,796.12		3,234.58		2,762.42
कुल निवल नकद बहिर्प्रवाह (बी)		2,809.00		2,683.50		2,490.50		2,019.25		2,767.00		3,132.25
तरलता करेज अनुपात (ए/बी)		150.02%		153.05%		162.26%		188.00%		116.90%		88.19%
% विभिन्नता (गिछली अवधि से)		-4%		-17%				61%		33%**		

* संबंधित तिमाही के दौरान औसत दैनिक अवलोकन पर विचार किया गया है।

** 30.06.2024 और 30.09.2024 को समाप्त तिमाही के लिए एचक्यूएलए की औसत होलिंग क्रमशः 116.90% और 188% थी, जो उस समय की 85% की नियामक आवश्यकता से अधिक थी। यह एचक्यूएलए निवेश प्रतिभूतियों में वृद्धि और निवल नकदी बहिर्गति में कमी के कारण हुआ है, हालाँकि यह 85% की नियामक आवश्यकता के भीतर है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

52.3 बाजार जोखिम – मुद्रा जोखिम

कंपनी को मुख्य रूप से यूएसडी, यूरो, जेपीवाई और एसजीडी में मूल्यवर्गित विभिन्न विदेशी मुद्रा उधारों से विदेशी मुद्रा जोखिम का सामना करना पड़ता है। कंपनी की एक जोखिम प्रबंधन नीति है जिसका उद्देश्य कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा में उधार लिए गए विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रबंधन करना है। कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रति अपने जोखिम को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाओं, वायदा अनुबंधों और क्रॉस करेंसी स्वेप के संयोजन का उपयोग करती है।

एक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) वर्तमान में सीएमडी की अध्यक्षता में कार्य कर रही है, जिसमें वित्त और परिचालन प्रभागों के कार्यात्मक निदेशक, कार्यपालक निदेशक और मुख्य महाप्रबंधक इसके सदस्य हैं। एएलसीओ विभिन्न डेरिवेटिव उपकरणों के माध्यम से प्रबंधित विनिमय दर और ब्याज दर के साथ विदेशी मुद्रा जोखिम की निगरानी करता है। कंपनी विदेशी मुद्रा वायदा अनुबंध, मुद्रा विकल्प, मूलधन केवल स्वेप और वायदा दर समझौतों जैसे विभिन्न इन्स्ट्रुमेंट्स के माध्यम से विनिमय दर को कवर करने के लिए विभिन्न व्युत्पन्न लेनदेन में प्रवेश करती है। ये व्युत्पन्न लेनदेन हेजिंग उद्देश्य के लिए किए जाते हैं, न कि व्यापार या कात्पनिक उद्देश्य के लिए।

विदेशी मुद्रा ऋण प्रतिभूतियों और उधारों के संबंध में, कंपनी ने विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र को हेज करने के लिए क्रॉस करेंसी स्वेप (मूलधन और/या ब्याज) भी निष्पादित किया है।

31 मार्च 2025 तक विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र की बकाया स्थिति इस प्रकार है:

(विदेशी मुद्रा राशि मिलियन में, आईएनआर (भारतीय रुपये) समतुल्य ₹ करोड़ में)

मुद्रा	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	कुल एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र	कुल एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र
यूएसडी \$	14,904.99	14,832.24	72.75	11,950.15	11,827.00	123.15
आईएनआर के समतुल्य	1,27,559.03	1,26,936.40	622.63	99,633.09	98,606.31	1,026.78
जेपीवाई ¥	5,55,865.90	5,55,865.90	-	3,34,306.77	3,34,306.77	-
आईएनआर के समतुल्य	31,545.39	31,545.39	-	18,416.96	18,416.96	-
यूरो	604.02	604.02	-	609.29	604.02	5.26
आईएनआर के समतुल्य	5,576.63	5,576.63	-	5,496.88	5,449.37	47.51
एसजीडी \$	213.21	213.21	-	285.29	285.29	-
आईएनआर के समतुल्य	1,358.36	1,358.36	-	1,761.13	1,761.13	-
कुल आईएनआर के समतुल्य	1,66,039.41	1,65,416.78	622.63	1,25,308.06	1,24,233.77	1,074.29

संवेदनशील विश्लेषण

निम्नलिखित तालिका हेज न किए गए एक्सपोज़र पर आईएनआर के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय में 5 प्रतिशत परिवर्तन के लिए एफसीएमआईटीडीए (+लाभ/(हानि)) सहित लाभ एवं हानि पर प्रभाव को दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	अनुकूल	प्रतिकूल	अनुकूल	प्रतिकूल
यूएसडी/आईएनआर	23.30	(23.30)	38.42	(38.42)
जेपीवाई/आईएनआर	-	-	-	-
यूरो/आईएनआर	-	-	1.78	(1.78)

* अन्य सभी परिवर्तकों को स्थिर रखते हुए

52.4 बाजार जोखिम – ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है जो ब्याज दरों में बदलाव के कारण वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट के भावी नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न होगा। ब्याज दरें गतिशील और विभिन्न आंतरिक और बाहरी कारकों पर निर्भर होती हैं, जिनमें आरबीआई की नीति में बदलाव, बाजार में तरलता, एएए बॉण्ड/जी-सेक थील्ड/एलआईबीओआर जैसे बाहरी बेंचमार्क की आवाजाही आदि शामिल हैं। कंपनी के कुछ उधार ब्याज दर जोखिम के संपर्क में हैं, जिसमें फ्लोटिंग ब्याज दरें एलआईबीओआर (लंदन इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), ईयूआरआईबीओआर (यूरो इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), ओवरनाइट एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट), मीयादी एसओएफआर, एसओआरए (सिंगापुर ओवरनाइट रेट एवरेज), टीओएनएआर (टोक्यो ओवरनाइट एवरेज रेट), टी-बिल, रेपो रेट आदि से जुड़ी हैं। कंपनी ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने के लिए ब्याज दर स्वेप संविदाओं, वायदा ब्याज दर संविदाओं जैसे जैसी विभिन्न व्युत्पन्न संविदाओं के माध्यमों से अपनी ब्याज दर के जोखिम का प्रबंधन करती है। लागत में कमी की रणनीति के रूप में कंपनी विभिन्न मुद्राओं में ब्याज अंतर से लाभ उठाने के लिए क्रॉस-करेंसी ब्याज दर स्वेप का भी उपयोग करती है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च 2025 को अस्थिर ब्याज दरों से जुड़ी देयताओं के लिए कंपनी के समग्र एक्सपोज़र को दर्शाती है:

(विदेशी मुद्रा राशि मिलियन में, आईएनआर (भारतीय रुपये) समतुल्य ₹ करोड़ में)

मुद्रा	31-03-2025 तक			31-03-2024 तक		
	अस्थिर ब्याज दर एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र	अस्थिर ब्याज दर एक्सपोज़र	व्युत्पन्न के माध्यम से हेज किया गया	हेज न किया गया एक्सपोज़र
आईएनआर उधारियां	44,379.47	-	44,379.47	61,162.28	-	61,162.28
यूएसडी \$	8,166.15	7,533.40	632.75	5,611.15	5,218.00	393.15
आईएनआर के समतुल्य	69,887.05	64,471.86	5,415.19	46,782.38	43,504.51	3,277.87
जेपीवाई ¥	4,85,390.31	4,51,161.24	34,229.07	2,73,206.75	-	2,73,206.75
आईएनआर के समतुल्य	27,545.90	25,603.40	1,942.50	15,050.96	-	15,050.96
यूरो	604.02	-	604.02	604.02	-	604.02
आईएनआर के समतुल्य	5,576.63	-	5,576.63	5,449.37	-	5,449.37
एसजीडी \$	213.21	-	213.21	285.29	72.08	213.21
आईएनआर के समतुल्य	1,358.36	-	1,358.36	1,761.13	444.93	1,316.20
कुल आईएनआर के समतुल्य	1,48,747.41	90,075.26	58,672.15	1,30,206.12	43,949.44	86,256.68

ब्याज दर संवेदनशीलता बेमेल को कम करने के लिए कंपनी ब्याज दर उधार पर उचित मूल्य जोखिम का प्रबंधन करने के लिए ब्याज दर स्वेप का भी उपयोग करती है। इस तरह के स्वेप के माध्यम से, 31 मार्च 2024 (पिछले वर्ष ₹ 15,950.70 करोड़) की स्थिति के अनुसार ₹ 15,950.70 करोड़ की निश्चित दर उधार को एमआईबीओआर से जुड़े ओवरनाइट इंडेक्सेड स्वेप के उपयोग के माध्यम से अस्थिर दर उधार में परिवर्तित कर दिया गया है।

कंपनी के ऋण पोर्टफोलियो में अर्ध-निर्धारित दर पर ब्याज मिलता है यानी उधारकर्ता के साथ 1/3/6/12/36/30/120 महीने के रीसेट विकल्प के साथ निश्चित ब्याज दर। कंपनी मौजूदा बाजार स्थितियों, उधार लेने की लागत, यील्ड, प्रसार, प्रतिस्पर्धियों की दरों, मंजूरी और संवितरण आदि के आधार पर समय-समय पर अपनी उधार दरों की समीक्षा करती है। पूर्व-भुगतान जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए, कंपनी उधारकर्ताओं से पूर्व-भुगतान प्रीमियम लेती है। ऋण का पूर्व भुगतान, ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन ब्याज दर संवेदनशीलता अंतर विवरण के विश्लेषण और निश्चित और अस्थिर ब्याज दरों के मिश्रण के साथ परिसंपत्तियों और देयताओं के निर्माण का मूल्यांकन करके किया जाता है।

कंपनी निम्नलिखित ऋण परिसंपत्तियों पर ब्याज दर जोखिम की स्थिति में है जो कि अर्ध-निर्धारित दरों पर हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
ऋण रुपये	5,48,015.73	4,96,192.74

संवेदनशील विश्लेषण

निम्नलिखित तालिका 50 आधार अंकों की वृद्धि अथवा कमी के लिए अथवा हेज न किए गए एक्सपोज़र की स्थितियों पर कंपनी की अस्थिर दर परिसंपत्तियों और देयताओं पर ब्याज दर में लाभ एवं हानि लाभ/ (हानि) पर प्रभाव को दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	वृद्धि	(गिरावट)	वृद्धि	(गिरावट)
अस्थिर दर ऋण देयताएं	(219.53)	219.53	(322.74)	322.74
ब्याज दर स्वेप्स	(52.37)	52.37	(59.68)	59.68
अस्थिर/अर्ध-निर्धारित दर ऋण परिसंपत्तियां	2,050.46	(2050.46)	1,856.55	(1856.55)

* अन्य सभी परिवर्तकों को स्थिर रखते हुए

उपयुक्त 'संवेदनशील विश्लेषण यह मानते हुए तैयार किया गया है कि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया धनराशि पूरे वर्ष के लिए बकाया रहती है। 50 आधार अंक की वृद्धि अथवा गिरावट ब्याज दर में उपयुक्त रूप से संभावित परिवर्तन के प्रबंधन का मूल्यांकन दर्शाती है।

52.4.1 ब्याज दर निर्धारण सुधार (आईबीओआर) के संबंध में प्रकटन

कंपनी के पास विभिन्न बेंचमार्क से संबद्ध ब्याज दरों के साथ परिवर्तनीय ब्याज दर उधार है। विदेशी मुद्रा उधार के लिए ऐसे ब्याज दर बेंचमार्क में 3/6 माह का अमेरिकी डॉलर एलआईबीओआर (लंदन इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), 3/6 माह का ईयूआरआईबीओआर (यूरो इंटर बैंक ऑफर्ड रेट), 3/6 माह का आवधिक एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनसिंग रेट), 3/6 माह का आवधिक एसओएफआर, एसओआरए (सिंगापुर ओवरनाइट एवरेज रेट), टीओएनएआर (टोकियो ओवरनाइट एवरेज रेट), एसओएफआर (सिक्वोर्ड ओवरनाइट फाइनसिंग रेट) आदि शामिल हैं। अनुबंधित ब्याज दर बेंचमार्क के अनुसार 31 मार्च 2025 को ऐसी उधारियों का सारांश निम्नानुसार है:

बेंचमार्क	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	राशि (₹ करोड़ में)	राशि (यूएसडी मिलियन के समतुल्य)	राशि (₹ करोड़ में)	राशि (यूएसडी मिलियन के समतुल्य)
3 मिलियन सावधिक एसओएफआर	4,365.53	510.10	3,084.83	370.00
6 मिलियन सावधिक एसओएफआर	8,611.65	1,006.25	2,427.46	291.15
ओवरनाइट एसओएफआर	56,909.87	6,649.79	41,270.08	4,950.00
3 मिलियन ईयूआरआईबीओआर	2,346.84	274.22	2,293.28	275.06
6 मिलियन ईयूआरआईबीओआर	3,229.79	377.39	3,156.10	378.55
ओवरनाइट टीओएनए	27,545.90	3,218.68	15,050.96	1,805.24
ओवरनाइट एसओआरए	1,358.36	158.72	1,761.12	211.23
कुल	1,04,367.94	12,195.15	69,043.83	8,281.23



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

52.5 हेज लेखांकन

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम और नकदी प्रवाह हेजेज में ब्याज दर जोखिम के संबंध में हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के रूप में कुछ व्युत्पन्न उत्पाद नामित करती है। वैकल्पिक संविदाओं के लिए कंपनी विकल्प के समय मूल्य को छोड़कर हेज मद के रूप में वैकल्पिक संविदाओं के केवल आंतरिक मूल्य को ही नामित करती है। विकल्प के सरिखित समय मूल्य के उचित मूल्य में परिवर्तन को अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है और हेजिंग आरक्षित निधि की लागत में संचित किया जाता है। हेजिंग संबंध की शुरुआत में विकल्पों का समय मूल्य एक सीधी रेखा के आधार पर लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।

हेज अप्रभावशीलता हेज संबंध की शुरुआत में और समय-समय पर संभावित प्रभावशीलता के आकलन के माध्यम से यह सुनिश्चित करने के लिए कि हेज किए गए मद और हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के बीच एक आर्थिक संबंध मौजूद है, के माध्यम से निर्धारित की जाती है। कंपनी निम्नलिखित प्रभावशीलता परीक्षण रणनीतियां लागू करती है:

- क्रॉस करेंसी स्वेप और ब्याज दर स्वेप के लिए, जो कि हेज की गई मदों की शर्तों से पूरी तरह मेल खाता है, आर्थिक संबंध और हेज प्रभावशीलता महत्वपूर्ण टर्म मिलान विधि का उपयोग करते हुए गुणात्मक कारकों पर आधारित है।
- अन्य ब्याज दर स्वेप के लिए (देर से नामित के मामलों में), कंपनी काल्पनिक व्युत्पन्न का उपयोग करके डॉलर ऑफसेट विधि का उपयोग करती है, डॉलर ऑफसेट विधि एक मात्रात्मक विधि है जिसमें हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के उचित मूल्य या नकदी प्रवाह में परिवर्तन की तुलना हेज जोखिम के कारण हेज की गई मदों के उचित मूल्य या नकदी प्रवाह में परिवर्तन से की जाती है।
- विकल्प संरचनाओं के लिए कंपनी डॉलर ऑफसेट पद्धति के आधार पर कठोर प्रतिगमन विश्लेषण आधारित विधि का उपयोग करके हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट और हेज की गई मदों के व्यवहार का विश्लेषण करती है।

कंपनी ने हेजिंग संबंधों के लिए 1:1 का हेज अनुपात स्थापित किया है क्योंकि हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स का अंतर्निहित जोखिम और अनुमानित राशि हेजिंग मदों के समान है।

हेज लेखांकन का प्रभाव

(क) तुलन पत्र पर हेज लेखांकन का प्रभाव

(₹ करोड़ में)								
31 मार्च 2025 तक	कल्पित राशि (मिलियन में)	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के अंतर्गत धारित राशि		परिपक्वता की तिथि	हेज़ अनुपात	भारित औसत स्ट्राइक मूल्य / दर	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	हेज प्रभावशीलता को मान्यता के आधार के रूप में उपयोग किए गए हेज मदों के मूल्य में परिवर्तन
हेज़ एवं जोखिम के प्रकार		परिसंपत्तियां	देयताएं					
नकदी प्रवाह हेज़								
विदेशी विनिमय एवं ब्याज दर जोखिम								
(i)	विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाएं							
	- सिंगुल स्ट्रक्चर	यूएसडी 14,457.24	10,721.55 1,105.39	अप्रैल 2025 - मई 2034	1:1	81.73	1,170.72	(1,170.72)
		ईयूआर 604.02	733.20 -	अक्टूबर 2027 - मार्च 2028	1:1	85.86	(101.88)	101.88
		एसजीडी 213.21	251.39 77.47	अक्टूबर 2027	1:1	63.01	19.47	(19.47)
		जेपीवाई 5,55,865.90	4,582.67 203.25	सितंबर 2025 - जनवरी 2034	1:1	0.56	(1,098.29)	1,098.29
(ii)	केवल मूल स्वेप्स	यूएसडी 375.00	87.12 -	अप्रैल 2025 - जून 2030	1:1	75.41	(18.43)	18.43
		जेपीवाई-	- -	जनवरी 2025 में परिपक्व	1:1	-	1.47	(1.47)
(iii)	ब्याज दर स्वेप्स	यूएसडी 6,583.50	391.39 173.66	अप्रैल 2025 - मई 2034	1:1	3.67%	277.79	(277.79)
		जेपीवाई 4,38,361.30	254.46 8.42	सितंबर 2025 - मार्च 2030	1:1	1.57%	58.81	(58.81)
		एसजीडी -	- -	मार्च 2025 में परिपक्व	1:1	-	(15.09)	15.09
		आई एन आर 55,280.00	- 25.39	जून 2025 - सितंबर 2034	1:1	8.44%	(10.40)	10.40

(₹ करोड़ में)								
31 मार्च 2024 तक	कल्पित राशि (मिलियन में)	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के अंतर्गत धारित राशि		परिपक्वता की तिथि	हेज अनुपात	भारित औसत स्ट्राइक मूल्य / दर	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	हेज प्रभावशीलता को मान्यता के आधार के रूप में उपयोग किए गए हेज मदों के मूल्य में परिवर्तन
हेज एवं जोखिम के प्रकार		परिसंपत्तियां	देयताएं					
नकदी प्रवाह हेज								
विदेशी विनिमय एवं ब्याज दर जोखिम								

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

31 मार्च 2024 तक हेज एवं जोखिम के प्रकार	कल्पित राशि (मिलियन में)	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के अंतर्गत धारित राशि		परिपक्वता की तिथि	हेज अनुपात	भारित औसत स्ट्राइक मूल्य / दर	हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	हेज प्रभावशीलता को मान्यता के आधार के रूप में उपयोग किए गए हेज मदों के मूल्य में परिवर्तन
		परिसंपत्तियां	देयताएं					
(i) विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाएं								
- सिंगुल स्ट्रक्चर	यूएसडी 11,452.00	7,137.02	269.59	अप्रैल 2024 - नवंबर 2030	1:1	79.66	111.47	(111.47)
	ईयूआर 604.02	679.46	-	अक्टूबर 2027 - मार्च 2028	1:1	85.93	16.20	(16.20)
	एसजीडी 285.29	311.62	93.21	मार्च 2025 - अक्टूबर 2027	1:1	60.28	(3.51)	3.51
	जेपीवाई 3,34,306.79	2,942.85	49.01	दिसंबर 2024 - जनवरी 2034	1:1	0.58	(872.94)	872.94
- कॉल स्प्रेड	यूएसडी -	-	-	वर्ष के दौरान परिपक्व	1:1	-	3.68	(3.68)
(ii) केवल मूल स्वैप्स	यूएसडी 375.00	43.34	38.13	मार्च 2025 - जून 2030	1:1	75.41	(155.79)	155.79
(iii) ब्याज दर स्वैप्स	यूएसडी 5,218.00	834.11	12.02	मई 2023 - मार्च 2025	1:1	3.12%	1,237.36	(1,237.36)
	यूएसडी -	-	-	वर्ष के दौरान परिपक्व	-	-	(0.05)	0.05
	एसजीडी 72.075	18.08	-	अगस्त 2023	1:1	1.18%	(4.44)	4.44
	आई एन आर 55,280.00	53.11	-	मई 2023 - नवंबर 2030	1:1	8.44%	53.11	(53.11)

(ख) लाभ और हानि के विवरण पर नकदी प्रवाह हेज लेखांकन के प्रभाव
(₹ करोड़ में)

हेज के प्रकार	अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के मूल्य में परिवर्तन	मान्यता प्राप्त हेज अप्रभावशीलता	नकदी प्रवाह हेज आरक्षित निधि से पुनर्वर्गीकृत राशि	पुनर्वर्गीकरण पर प्रभावित लाइन मद
31-03-2025 को समाप्त वर्ष				
-मुद्रा जोखिम एवं ब्याज दर जोखिम	284.16	-	(4,076.86)	विदेशी मुद्रा अंतरण पर लाभ/ हानि
			1,796.86	वित्तीय लागत
31-03-2024 को समाप्त वर्ष				
-मुद्रा जोखिम एवं ब्याज दर जोखिम	385.09	-	(479.51)	विदेशी मुद्रा अंतरण पर लाभ/ हानि
			1,368.65	वित्तीय लागत

(ग) नकदी प्रवाह हेजिंग आरक्षित निधि और हेजिंग आरक्षित निधि की लागत में संचलन
(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
नकदी प्रवाह हेजेज के प्रभावी भाग		
प्रारम्भिक शेष	(1,846.93)	600.05
मुद्रा व्युत्पन्न के आंतरिक मूल्य में परिवर्तन	7304.05	(2,899.59)
ब्याज दर स्वैप्स के उचित मूल्य में परिवर्तन	305.62	1275.44
लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत राशियां	(6,386.16)	(1,645.82)
उपरोक्त से संबंधित आस्थगित कर (निवल)	(307.94)	822.99
अंतिम शेष	(931.35)	(1,846.93)
हेजिंग आरक्षित निधि की लागत		
प्रारम्भिक शेष	1,690.64	(1,709.87)
विदेशी मुद्रा विकल्प संरचनाओं में आस्थगित समय मूल्य में परिवर्तन	(7,325.51)	2,009.23
समय मूल्य का परिशोधन	4,106.16	2,534.96
उपरोक्त (निवल) से संबंधित आस्थगित कर	810.26	(1,143.68)
अंतिम शेष	(718.46)	1,690.64



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(घ) उचित मूल्य हेजेज़

31 मार्च 2025 को, कंपनी के पास ₹ 15,950.70 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 15,950.70 करोड़) के बकाया ब्याज दर स्वेप करार हैं, जिसमें कंपनी ब्याज की एक नियत दर प्राप्त करती है और कल्पित राशि पर एक परिवर्तनीय दर पर ब्याज का भुगतान करती है। ऐसे करारों का उपयोग नियत दर वाली उधारियों के उचित मूल्य में परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए किया जा रहा है।

हेज की गई मद और हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट के बीच एक आर्थिक संबंध है क्योंकि ब्याज दर स्वेप की शर्तें, नियत दर ऋण (अर्थात्, कल्पित राशि, परिपक्वता, भुगतान और रीसेट तिथियाँ) की शर्तों से मेल खाती हैं। इस प्रकार, हेजिंग संबंधों के लिए 1:1 का हेज अनुपात स्थापित किया गया है क्योंकि ब्याज दर स्वेप का अंतर्निहित जोखिम, हेज जोखिम घटक के समान है।

तुलन पत्र पर हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट का प्रभाव इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	उचित मूल्य हेज	कल्पित राशि	धारित राशि*	तुलन पत्र में लाइन मद जहां हेजिंग इन्स्ट्रुमेंट्स का प्रकटन किया है	हेज अप्रभावशीलता की गणना के लिए उचित मूल्य में परिवर्तन
31-03-2025 तक	- ब्याज दर स्वेप	13,995.70	(8.92)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	212.41
31-03-2024 तक	- ब्याज दर स्वेप	15,950.70	(221.33)	व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	57.69

* यहाँ धारित राशि रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार ऐसे व्युत्पन्न संविदा के तहत प्राप्य ब्याज को छोड़कर है।

तुलन पत्र पर हेजिंग मद का प्रभाव इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	उचित मूल्य हेज	धारित राशि	संचयी उचित मूल्य समायोजन	तुलन पत्र में लाइन मद जिसमें हेज की गई मद शामिल है	हेज अप्रभावशीलता की गणना के लिए प्रयुक्त मूल्य में परिवर्तन
31-03-2025 तक	- अधीनस्थ देयताएं	4,230.16	(47.37)	अधीनस्थ देयताएं	96.40
	- संस्थागत बॉण्ड	10,012.46	38.45	ऋण प्रतिभूतियां - संस्थागत बॉण्ड	116.01
31-03-2024 तक	- अधीनस्थ देयताएं	4,133.55	(143.77)	अधीनस्थ देयताएं	34.39
	- संस्थागत बॉण्ड	11,960.91	(77.56)	ऋण प्रतिभूतियां - संस्थागत बॉण्ड	23.30

ब्याज दर स्वेप के उचित मूल्य में ₹ 57.69 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ (167.10 करोड़)) की वृद्धि की भरपाई संबंधित अधीनस्थ देयताओं और ऋण प्रतिभूतियों पर समान लाभ के साथ की गई है।

52.6 बाजार जोखिम - कीमत जोखिम

कंपनी उद्धृत इक्विटी शेयरों में निवेश से उत्पन्न होने वाले मूल्य जोखिमों की स्थिति में है। कंपनी का निवेश व्यापारिक उद्देश्यों के बजाय रणनीतिक उद्देश्यों के लिए रखा जाता है।

संवेदनशील विश्लेषण

नीचे दी गई तालिका सकल घरेलू उत्पाद के बाहर, कंपनी के इक्विटी निवेश पर संबंधित कीमतों में 5% की वृद्धि या कमी के लिए ओसीआई लाभ/(हानि) पर प्रभाव को दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	वृद्धि	(गिरावट)	वृद्धि	(गिरावट)
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) पर प्रभाव	4.30	(4.30)	4.70	(4.70)
लाभ एवं हानि लेखा (पीएल) पर प्रभाव	4.53	(4.53)	3.82	(3.82)

53. व्युत्पन्न से संबंधित अतिरिक्त प्रकटन

53.1 अग्रवर्ती दर अनुबंध/ब्याज दर स्वेप्स

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) स्वेप अनुबंधों का कल्पित मूल	1,07,505.58	72,128.13
(ii) हानियाँ, जोकि अनुबंधों के तहत उनकी बाध्यताओं को पूरा करने में प्रतिपक्षों के असफल होने पर घटित होगी	1,056.25	1,367.71
(iii) स्वेप्स में प्रविष्ट करने पर एनबीएफसी द्वारा अपेक्षित संपार्श्विक	शून्य	शून्य
(iv) स्वेप्स के कारण उत्पन्न हुए क्रेडिट जोखिम का संकेंद्रण	नीचे दिए गए टिप्पणी देखें	नीचे दिए गए टिप्पणी देखें
(v) स्वेप बही का उचित मूल	772.30	1057.96

आरईसी ने एक एनबीएफसी होने के नाते भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार श्रेणी-1, प्राधिकृत डीलर बैंकों के साथ ही स्वेप करार किया है। बैंकों के साथ किए गए सभी स्वेप करार बोर्ड अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति में परिभाषित ऋण जोखिम सीमा के अंतर्गत हैं।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

53.2 कंपनी ने किसी भी एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर (आईआर) व्युत्पन्नों में हिस्सा नहीं लिया है।

53.3 परिमाणात्मक प्रकटीकरण

विवरण	(₹ करोड़ में)					
	मुद्रा व्युत्पन्न *		ब्याज दर व्युत्पन्न **		अन्य व्युत्पन्न (रिवर्स क्रॉस करेंसी स्वेप)***	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) हेजिंग के लिए व्युत्पन्न (कल्पित मूल राशि)	1,65,416.77	1,24,233.76	1,07,505.58	72,128.13	-	-
(ii) मार्केट टू मार्केट स्थितियां						
(क) परिसंपत्ति (+)	16,375.93	11,114.31	1,056.25	1,367.71	-	-
(ख) देयता (-)	1,386.11	449.95	283.95	309.75	-	-
(iii) क्रेडिट एक्सपोजर	12,527.27	9,156.47	1,237.73	973.15	-	-
(iv) अनहेज्ड एक्सपोजर	622.63	1,074.29	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं

*इसमें पूरा हेज, मूल के वल स्वेप और कॉल स्रैड एवं सिंगल ऑप्शन शामिल हैं।

**इसमें लागत में कमी की एक कार्यनीति के रूप में ब्याज दर व्युत्पन्न शामिल हैं।

***इसमें लागत में कमी की एक कार्यनीति के रूप में रिवर्स क्रॉस करेंसी स्वेप शामिल हैं।

53.4 डेरिवेटिव्स पर गुणात्मक प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 52.3 और 52.4 देखें तथा हेज अकाउंटिंग से संबंधित प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 52.5 देखें।

54. एनबीएफसी के लिए आरबीआई स्केल आधारित फ्रेमवर्क (एसबीआर)

आरबीआई ने 01 अक्टूबर, 2022 से प्रभावी एनबीएफसी के लिए स्केल आधारित फ्रेमवर्क (एसबीआर) पेश किया है, जिसमें एनबीएफसी को उनके आकार, गतिविधि और कथित जोखिम के आधार पर चार लेयर में वर्गीकृत किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, आरबीआई ने 19 अक्टूबर, 2023 को "मास्टर निर्देश - भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) दिशानिर्देश, 2023 जारी किया है। कंपनी एक सरकारी कंपनी है, इसे एनबीएफसी - मिडिल लेयर और मिडिल लेयर के लिए मास्टर निर्देश में उल्लिखित दिशानिर्देशों/विनियमों के अधीन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

55. वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी का प्रकटीकरण

आरबीआई ने 15 जुलाई, 2024 से प्रभावी आरबीआई (एनबीएफसी में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन) निर्देश, 2024 पेश किया है। वर्ष के दौरान शून्य करोड़ रुपये (31 मार्च, 2024: ₹33.24 करोड़) की राशि के धोखाधड़ी के शून्य मामले (31 मार्च, 2024: 01 मामले) दर्ज किए गए।

56. एक्सपोजर संबंधी प्रकटीकरण

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने दिनांक 17 सितंबर, 2010 के पत्र के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सी. सी. नं. 168 दिनांक 12 फरवरी, 2010 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार आरईसी को इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (आईएफसी) के रूप में वर्गीकृत किया है। एक आईएफसी के रूप में, किसी एक उधारकर्ता के मामले में उधार देने और निवेश करने के लिए कुल अनुमत एक्सपोजर टियर-1 पूंजी का क्रमशः 30% और उधारकर्ताओं के एक समूह के मामले में 50% है।

56.1 रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक्सपोजर

31 मार्च, 2025 को कंपनी का रियल एस्टेट क्षेत्र में कोई प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष एक्सपोजर नहीं है (31 मार्च, 2024 को शून्य)।

56.2 पूंजीगत बाजार के लिए एक्सपोजर

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) इकिटी शेयरों, परिवर्तनीय बॉण्डों, परिवर्तनीय डिबेंचरों और इकिटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में प्रत्यक्ष निवेश, जिसका कोष केवल कॉर्पोरेट ऋण में ही निवेश नहीं किया जाता है (इसमें वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय अधिमानी शेयरों में निवेश शामिल है)	477.52	604.20
(ii) शेयरों (आईपीओ/आईएसओपी सहित), परिवर्तनीय बॉण्ड, परिवर्तनीय डिबेंचर और इकिटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में निवेश के लिए शेयरों/बॉण्ड/डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों के खिलाफ या व्यक्तियों को पारदर्शिता के आधार पर अग्रिम	-	-
(iii) किसी अन्य उद्देश्य के लिए अग्रिम जहां शेयर या परिवर्तनीय बॉण्ड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों को प्राथमिक सुरक्षा के रूप में लिया जाता है	-	-
(iv) शेयरों या परिवर्तनीय बॉण्ड्स या परिवर्तनीय डिबेंचर या इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों की संपार्श्विक सुरक्षा द्वारा सुरक्षित सीमा तक किसी अन्य उद्देश्य के लिए अग्रिम, यानी जहां शेयर / परिवर्तनीय बॉण्ड / परिवर्तनीय डिबेंचर / इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों के अलावा प्राथमिक सुरक्षा होती है अग्रिमों को पूरी तरह से कवर नहीं किया गया	-	-
(v) स्टॉकब्रोकरों को सुरक्षित और असुरक्षित अग्रिम और स्टॉकब्रोकरों और बाजार निर्माताओं की ओर से जारी की गई गारंटी	-	-
(vi) संसाधनों को बढ़ाने की प्रत्याशा में नई कंपनियों की इकिटी में प्रमोटर के योगदान को पूरा करने के लिए शेयरों / बॉण्ड / डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों की सुरक्षा के खिलाफ या पारदर्शिता के आधार पर कॉर्पोरेट्स को ऋण स्वीकृत किया गया	-	-
(vii) अपेक्षित इकिटी प्रवाह/निर्गम के विरुद्ध कंपनियों को ऋण प्रदान करना	-	-
(viii) शेयरों या परिवर्तनीय बॉण्ड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इकिटी उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों के प्राथमिक मुद्दे के संबंध में एनबीएफसी द्वारा ली गई अंडरराइटिंग प्रतिबद्धताएं	-	-



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(ix) मार्जिन ट्रेडिंग के लिए स्टॉक ब्रोकरों को वित्तपोषण	-	-
(x) वैकल्पिक निवेश निधियों के लिए सभी एक्सपोज़र	-	-
पूँजीगत बाजार के लिए कुल एक्सपोज़र	477.52	604.20

56.3 क्षेत्रीय एक्सपोज़र

(₹ करोड़ में)

क्षेत्र	31-03-2025 तक					31-03-2024 तक				
	बकाया मूल (एलओसी सहित)	उपचित ब्याज	डिफॉल्ट पर कुल एक्सपोज़र (ईएडी)	सकल एनपीए	ईएडी में सकल एनपीए का प्रतिशत	मूल बकाया (एलओसी सहित)	उपचित ब्याज	डिफॉल्ट पर कुल एक्सपोज़र (ईएडी)	सकल एनपीए	ईएडी में सकल एनपीए का प्रतिशत
उद्योग										
इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र को उधार										
- विद्युत	5,54,253.37	3,403.34	5,57,656.70	7,652.65	1.37%	5,05,636.77	2,449.98	5,08,086.75	13,810.33	2.72%
- इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लॉजिस्टिक्स	20,638.62	140.55	20,779.18	-	-	9,727.33	52.36	9,779.69	-	-
कुल एक्सपोज़र	5,74,891.99	3,543.89	5,78,435.88	7,652.65	1.32%	5,15,364.10	2,502.34	5,17,866.44	13,810.33	2.72%

उपयुक्त प्रकटीकरण के प्रयोजन से किया गया एक्सपोज़र बकाया मूल, उपचित ब्याज और बकाया आश्वासन पत्र (एलओसी) को दर्शाता है।

56.4 कंपनी के पास वर्तमान और पिछले वर्ष के दौरान मूल कंपनी के उत्पादों का कोई वित्तपोषण नहीं है।

56.5 अग्रिमों, प्रकटनों और क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों का संकेंद्रण

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
(i) अग्रिमों का संकेंद्रण		
बीस बड़े उधारकर्ताओं हेतु कुल अग्रिम (₹ करोड़ में)	3,26,580.55	3,08,299.02
कंपनी के कुल अग्रिमों हेतु बीस बड़े उधारकर्ताओं के लिए अग्रिमों का प्रतिशत	57.61%	60.53%
(ii) एक्सपोज़र का संकेंद्रण*		
बीस बड़े उधारकर्ताओं के लिए कुल एक्सपोज़र (₹ करोड़ में)	3,29,045.94	3,10,056.72
कंपनी के कुल अग्रिमों हेतु बीस बड़े उधारकर्ताओं के लिए एक्सपोज़र का प्रतिशत	56.89%	59.87%
(iii) क्रेडिट-इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों का संकेंद्रण		
शीर्ष चार क्रेडिट - इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों के लिए कुल एक्सपोज़र (₹ करोड़ में)	6,175.48	8,645.97

* उपयुक्त प्रकटीकरण के प्रयोजन से एक्सपोज़र बकाया मूल, उपचित ब्याज और बकाया आश्वासन पत्र (एलओसी) को दर्शाता है।

57. उचित मूल्य प्रकटीकरण

परिशोधन लागत और श्रेणी के अनुसार उचित मूल्य पर मापे गए वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स की धारित राशि इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	टिप्पणी संख्या	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
वित्तीय परिसंपत्तियों का उचित मूल्य पर मापन			
पर मापित व्युत्पन्न वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स			
(i) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)	8	17,044.69	12,019.60
(ii) लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल)	8	387.49	462.42
पर मापित निवेश*			
(i) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)	11	386.80	410.64
(ii) लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल)	11	1,058.80	1,141.40
परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय परिसंपत्तियां			
नगद एवं नगद समानताएँ	6	233.57	262.75
बैंक शेष (नकद और नकद समानताओं के अलावा)	7	2,109.80	2,699.75
व्यापार और अन्य प्राप्य	9	237.12	153.82
ऋण प्रतिभूतियां	10	5,59,088.08	4,99,192.05
निवेश	11	5,228.04	3,800.29
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	12	24,604.19	24,442.64
कुल		6,10,378.58	5,44,585.36

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	टिप्पणी संख्या	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य पर मापन			
पर मापित व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स			
(i) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)	8	1,670.06	759.70
(ii) लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल)	8	-	-
परिशोधित लागत पर मापित वित्तीय देयताएं			
ट्रेड प्राप्त्य	19	157.67	97.90
ऋण प्रतिभूतियां	20	2,92,428.27	2,66,063.24
उधारियां (ऋणप्रतिभूति के अलावा)	21	1,94,300.16	1,72,092.05
अधीनस्थ देयताएं	22	9,514.16	7,412.21
अन्य वित्तीय देयताएं	23	37,646.70	31,940.58
कुल		5,35,717.02	4,78,365.68

#उपरोक्त प्रकटीकरण के प्रयोजन के लिए एक्सपोजर बकाया मूलधन, अर्जित ब्याज और बकाया लेटर्स ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) को दर्शाता है

57.1 उचित मूल्य पदानुक्रम

ऊपर उल्लिखित वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्य मूल्यांकन तकनीक में प्रयुक्त इनपुट के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। यह पदानुक्रम समान परिसंपत्तियों अथवा देयताओं [चरण-1 मापने] के लिए सक्रिय बाजारों में उल्लिखित कीमतों को उच्चतम प्राथमिकता और न लेने योग्य इनपुट [चरण-3 मापने] को निम्न प्राथमिकता देता है।

प्रयुक्त श्रेणियां निम्नलिखित हैं:

चरण 1: सक्रिय बाजार में समान इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए उल्लिखित कीमतें (असमायोजित);

चरण 2: चरण-1 इनपुट को छोड़कर प्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों के रूप में) अथवा अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों से व्युत्पन्न) लेने योग्य बाजार इनपुट; और

चरण 3: वे इनपुट जो लेने योग्य बाजार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (न लेने योग्य इनपुट)।

कंपनी की नीति, घटना की तारीख या स्थानांतरण का कारण बनने वाली परिस्थितियों में बदलाव के समय उचित मूल्य पदानुक्रम में अंतरण को मान्यता देना और उससे बाहर अंतरण को मान्यता देना है।

उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं – आवर्ती उचित मूल्य मापन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक				31-03-2024 तक			
	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल	चरण 1	चरण 2	चरण 3	कुल
एफवीओसीआई पर निवेश								
इक्विटी निवेश*	86.06	-	300.74	386.80	93.91	-	316.73	410.64
एफवीटीपीएल पर निवेश								
इक्विटी निवेश	90.62	-	-	90.62	76.37	-	-	76.37
स्थाई बॉण्ड	-	-	968.18	968.18	-	-	947.94	947.94
डिबेंचर	-	-	-	-	-	-	117.09	117.09
प्राथमिकता शेयर**	-	-	-	-	-	-	-	-
एफवीओसीआई पर परिसंपत्तियां								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	17,044.69	-	17,044.69	-	12,019.60	-	12,019.60
एफवीटीपीएल पर परिसंपत्तियां								
एफवीओसीआई पर देयता	-	387.49	-	387.49	-	462.42	-	462.42
एफवीओसीआई पर देयता								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	1,670.06	-	1,670.06	-	759.70	-	759.70
एफवीटीपीएल पर देयता								
व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स	-	-	-	-	-	-	-	-

*इसमें यूनिवर्सल क्रेडिट लिमिटेड में ₹ 16.00 करोड़ के निवेश, उचित मूल्य शून्य पर किए गए निवेश शामिल हैं।

** रतन इंडिया पावर लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय संचयी विमोचनीय अधिमानित शेयरों (ओसीसीआरपीएस) में ₹ 43.30 करोड़ के निवेश को दर्शाता है, जिसका उचित मूल्य शून्य है।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के लिए मूल्यांकन तकनीक (चरण 1, चरण 2, चरण 3)

(क) **उद्धृत इक्विटी निवेश में निवेश - चरण 1** - एनएचपीसी लिमिटेड, हुडको लिमिटेड और रतन इंडिया पावर लिमिटेड के सूचीबद्ध इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स में निवेश को बाजार में उनके आसानी से उपलब्ध उद्धृत मूल्य पर मापा जाता है।

(ख) **व्युत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स - चरण 2** - उचित मूल्य उन बैंकों द्वारा प्रदान किए गए बाजार मूल्य के आधार पर निर्धारित किया गया है जिन्होंने अंतर्निहित जोखिम से बचाव के लिए अनुबंध किया है। इस तरह के मूल्यांकन की गणना आगे की विनिमय दरों, अनुबंध की परिपक्वता के अनुरूप ब्याज दरों और निहित अस्थिरता सहित बाजार अवलोकन योग्य इनपुट का उपयोग करके की जाती है।

(ग) **स्थाई बॉण्ड में निवेश - चरण 3** - कंपनी ने केनरा बैंक, यूको बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के स्थाई बॉण्ड में निवेश किया था जो एनएसई/बीएसई पर उद्धृत हैं। कंपनी ने इन बॉण्ड के लिए सक्रिय बाजार लेन-देन की जांच की थी। हालाँकि, कंपनी द्वारा रखे गए इन बॉण्ड में किसी भी बाजार गतिविधि का कोई इतिहास नहीं



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

था, और इसलिए, ऐसे बॉण्ड के लिए उद्धृत मूल्य उपलब्ध नहीं था। कंपनी ने निवेशित बैंकों की क्रेडिट रेटिंग में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव की जांच की थी, और यदि कोई बदलाव नहीं देखा गया है, तो रियायती नकदी प्रवाह पद्धति का उपयोग करके उचित मूल्य की गणना के लिए कूपन दर पर विचार किया जाता है।

- (घ) यूनिवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड (यूसीएक्स) का गैर उद्धृत इकिटी में निवेश - चरण 3 - यूसीएक्स के गैर उद्धृत इकिटी शेयरों में निवेश को चरण 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कंपनी द्वारा विशिष्ट कारणों से इसे शून्य मूल्य पर रखा गया है। यूसीएक्स को 2014 में बंद कर दिया गया था, जिससे एक चालू संस्था के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है।
- (ङ.) एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) का गैर उद्धृत इकिटी में निवेश - चरण 3 - ईईएसएल के गैर उद्धृत इकिटी शेयरों में निवेश को चरण 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ईईएसएल 01 सितंबर, 2021 से एक संयुक्त उद्यम (जेवी) नहीं रहेगा। उचित मूल्य निवेशित कंपनी के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय विवरण में बताए गए निवल परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) के आधार पर गणना की गई है।
- (च) झाबुआ पावर लिमिटेड (जेपीएल) और इंड भारत एनर्जी उत्कल लिमिटेड (आईबीईयूएल) का गैर उद्धृत इकिटी में निवेश - चरण 3 - जेपीएल और आईबीईयूएल के गैर उद्धृत इकिटी शेयरों में निवेश को चरण 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उनकी संबंधित समाधान योजनाओं के अनुसार कंपनी को उधारकर्ता कंपनियों के इकिटी शेयर आवंटित किए गए हैं। उनके संबंधित उचित मूल्य की गणना निवल परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) के आधार पर की गई है, जैसा कि इन निवेशित कंपनियों के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय विवरण में बताया गया है।
- (छ) गैर उद्धृत अधिमानित शेयरों में निवेश - चरण 3 - रतन इंडिया पावर लिमिटेड (आरआईपीएल) के गैर उद्धृत ओसीसीआरपीएस में निवेश को चरण 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कंपनी को 23 दिसंबर 2019 को निष्पादित वन टाइम सेटलमेंट व्यवस्था के अनुसार उधारकर्ता कंपनी का ओसीसीआरपीएस आवंटित किया गया है। उचित मूल्य शून्य माना गया है क्योंकि ऐसे इन्स्ट्रुमेंट्स में भविष्य में नकदी प्रवाह अनिश्चित है। भविष्य के नकदी प्रवाह की प्रत्याशा में किसी भी बदलाव को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।
- (ज) एस्सार पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश - चरण 3 - एस्सार पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के गैर-उद्धृत वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) में निवेश को चरण 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसे उधारकर्ता के साथ पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर कंपनी को आवंटित किया गया है। उचित मूल्य उधारकर्ताओं पर लागू ब्याज दर पर भविष्य के नकदी प्रवाह में छूट देकर वर्तमान मूल्य तकनीक द्वारा प्राप्त किया गया है। भविष्य के नकदी प्रवाह की प्रत्याशा में किसी भी बदलाव को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।
- (झ) डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश - चरण 3 - डैन्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के गैर-उद्धृत वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओसीडी) में निवेश को स्तर 3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो उधारकर्ता के साथ पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर कंपनी को आवंटित किए गए हैं। इनका उचित मूल्य शून्य माना गया है क्योंकि ऐसे डिबेंचर अस्थिर प्रकृति के होते हैं और भविष्य के नकदी प्रवाह अनिश्चित होते हैं। भविष्य के नकदी प्रवाह की प्रत्याशा में किसी भी परिवर्तन को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को दर्शाने के लिए समायोजित किया जाता है।

57.2 चरण 3 इनपुट के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स का समाधान

निम्न तालिका उचित मूल्य पर मापी गई चरण 3 की वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं की शुरुआती और समापन मात्रा का समाधान दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए				कुल
	एफवीटीपीएल (ii)			एफवीओसीआई (iii)	
	स्थायी बॉण्ड में निवेश	अधिमानित शेयर में निवेश	ओसीडी में निवेश	गैर उद्धृत इकिटी शेयर में निवेश	
प्रारम्भिक शेष	947.94	-	117.09	316.73	1,381.76
ऋण समायोजन में प्राप्य (टिप्पणी 10.3 का संदर्भ लें)	-	-	-	-	-
निवेश / समायोजन	-	-	(347.93)	-	(347.93)
चरण 3 में अंतरण	-	-	-	-	0.00
चरण 3 से अंतरण	-	-	-	-	-
ब्याज आय (i)	20.24	-	0.00	-	20.24
उचित मूल्य परिवर्तन	-	0.00	230.84	(15.99)	214.85
अंतिम शेष	968.18	-	0.00	300.74	1268.92
वर्ष के अंत में अप्राप्त लाभ(हानि)	20.25	0.00	0.00	(15.99)	4.26

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए				कुल
	एफवीटीपीएल (ii)			एफवीओसीआई (iii)	
	स्थायी बॉण्ड में निवेश	अधिमानित शेयर में निवेश	ओसीडी में निवेश	गैर उद्धृत इकिटी शेयर में निवेश	
प्रारम्भिक शेष	437.26	-	125.08	314.48	876.82
ऋण समायोजन में प्राप्य (टिप्पणी 10.3 का संदर्भ लें)	-	-	-	-	-
निवेश / समायोजन	500.00	-	(18.92)	-	481.08
चरण 3 में अंतरण	-	-	-	-	-
चरण 3 से अंतरण	-	-	-	-	-
ब्याज आय (i)	10.68	2.73	10.93	-	24.34
उचित मूल्य परिवर्तन	-	(2.73)	-	2.25	(0.48)
अंतिम शेष	947.94	-	117.09	316.73	1,381.76
वर्ष के अंत में अप्राप्त लाभ(हानि)	19.94	-	10.94	(13.75)	17.13

वर्ष के दौरान गैर-मान्यता प्राप्त अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इकिटी शेयरों में निवेश के लिए टिप्पणी संख्या 11.4 देखें

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

* रतन इंडिया पावर लिमिटेड के 'विमोचनीय अधिमानित शेयर' में ₹ 43.30 करोड़ के निवेश को दर्शाता है, जिसका उचित मूल्य शून्य है

^(a) लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में लाइन मद 'ब्याज आय' का हिस्सा है।

^(b) एफवीटीपीएल में निवेश पर उचित मूल्य लाभ/(हानि) लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में लाइन मद 'उचित मूल्य परिवर्तन पर निवल हानि/(लाभ)' का हिस्सा है।

^(c) एफवीओसीआई में निवेश पर उचित मूल्य लाभ/(हानि) लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में लाइन मद 'एफवीओसीआई इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स' के उचित मूल्य में परिवर्तन का हिस्सा है।

57.3 वर्ष के दौरान स्तर 1 और स्तर 2 के बीच कोई अंतरण नहीं हुआ

57.4 परिशोधित लागत पर मापे गए इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्य

परिशोधन लागत पर मापे गए इन्स्ट्रुमेंट्स का उचित मूल्य, जिसके लिए उचित मूल्य का प्रकटीकरण किया गया है, इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	धारित मूल्य	उचित मूल्य	धारित मूल्य	उचित मूल्य
वित्तीय परिसंपत्तियां				
नकदी एवं नकदी के समतुल्य	233.57	233.57	262.75	262.75
बैंक शेष (नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा)	2,109.80	2,109.80	2,699.75	2,699.75
ट्रेड प्राप्त्य	237.12	237.12	156.60	156.60
ऋण	5,59,088.08	5,59,417.16	4,99,192.05	4,99,309.15
निवेश	5,228.04	5,477.61	3,800.28	3,773.77
अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया	24,604.19	24,603.68	24,442.63	24,442.33
कुल	5,91,500.80	5,92,078.94	5,30,554.06	5,30,644.35
वित्तीय देयताएं				
ट्रेड प्रतिदेय	2,92,428.27	2,91,095.95	2,66,063.24	2,62,160.93
ऋण प्रतिभूतियां	1,94,300.16	1,94,412.84	1,72,092.05	1,72,017.85
उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	9,514.16	9,710.47	7,412.21	7,475.35
अधीनस्थ देयताएं	157.67	157.67	109.42	109.42
अन्य वित्तीय देयताएं	37,646.71	37,646.71	31,940.58	31,940.58
कुल	5,34,046.97	5,33,023.64	4,77,617.50	4,73,704.14

वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स की मूल्यांकन पद्धतियों को उचित मूल्य पर नहीं मापा गया है

उपरोक्त वित्तीय इन्स्ट्रुमेंट्स के लिए उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली पद्धतियां और धारणाएं नीचे दी गई हैं, जिन्हें कंपनी के वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य पर दर्ज और मापा नहीं जाता है। इन उचित मूल्यों की गणना केवल प्रकटीकरण उद्देश्यों के लिए की गई थी। नीचे दी गई पद्धतियां और धारणाएं केवल उपरोक्त तालिकाओं के इन्स्ट्रुमेंट्स से संबंधित हैं:

वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं के लिए जिनकी अल्पकालिक परिपक्वता (बारह माह से कम) है, वहन राशि, जो इंपेयरमेंट के निवल हैं, उनके उचित मूल्य का एक उचित अनुमान है। ऐसे इन्स्ट्रुमेंट्स में शामिल हैं: नकदी एवं नकदी के समतुल्य, नकदी एवं नकदी के समतुल्य के अलावा बैंक शेष, विशिष्ट परिपक्वता के बिना अनुबंध परिसंपत्ति और अनुबंध देयता।

ग्राहकों को ऋण और अग्रिम

ऋण परिसंपत्तियों के उचित मूल्यों की गणना पोर्टफोलियो-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके की जाती है, जहाँ तक संभव हो ऋणों को समान विशेषताओं के आधार पर समरूप समूहों में समूहित किया जाता है। इसके बाद कंपनी रियायती नकदी प्रवाह मॉडल का उपयोग करके पूरे पोर्टफोलियो के लिए उचित मूल्य की गणना और एक्सट्रपलेशन करती है, जिसमें ऋण की सभी महत्वपूर्ण विशेषताओं पर विचार करते हुए ब्याज दर अनुमान शामिल होते हैं। जहाँ ऐसी जानकारी उपलब्ध नहीं है, कंपनी अपने सामूहिक इंपेयरमेंट मॉडल में उपयोग किए गए ऐतिहासिक अनुभव और अन्य जानकारी का उपयोग करती है।

परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

परिशोधन लागत पर मापी गई ऋण प्रतिभूतियों के उचित मूल्यों का अनुमान वास्तविक या अनुमानित यील्ड का उपयोग करके संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर रियायती नकदी प्रवाह मॉडल का उपयोग करके किया जाता है और समतुल्य के क्रेडिट जोखिम को शामिल करते हुए यील्ड में छूट दी जाती है।

जारी ऋण

कंपनी की निश्चित ब्याज वाली ऋण प्रतिभूतियों, उधारों और अधीनस्थ देयताओं का उचित मूल्य डिस्काउंटेड कैश फ्लो ('डीसीएफ') पद्धति को लागू करके, छूट दर का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में जारीकर्ता की उधार दर को दर्शाता है। 31 मार्च 2024 को स्वयं का गैर-निष्पादन जोखिम नगण्य आंका गया था।

सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) और राज्य विकास ऋण (एसडीएल) में निवेश

आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति बनाए रखने के लिए कंपनी ने जी-सेक और एसडीएल में निवेश किया है। भारत सरकार की प्रतिभूतियों और राज्य विकास ऋण का बाजार मूल्य रिपोर्टिंग तिथि पर उपलब्ध है और अंतिम कूपन तिथि से रिपोर्टिंग तिथि तक अर्जित ब्याज को बाजार मूल्य में जोड़ा जाता है।

पीएसयू बॉण्ड्स में निवेश

कंपनी ने आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति बनाए रखने के लिए पीएसयू बॉण्ड्स में निवेश किया है। कंपनी ने बाजार इनपुट का उपयोग करके उचित मूल्य की गणना की है अर्थात औद्योगिक प्रणाली के अनुसार शेष परिपक्वता के लिए पीएसयू के लिए समान शेष परिपक्वता के लिए जी-सेक की यील्ड या शेष परिपक्वता के लिए क्रेडिट रेटिंग के अनुसार प्रसार।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

ऋण समायोजन/समाधान के समय उधारकर्ता संस्थानों द्वारा जारी प्रतिभूतियों में निवेश

उचित मूल्य उधारकर्ताओं पर लागू ब्याज दर पर भविष्य के नकदी प्रवाह में छूट देकर वर्तमान मूल्य तकनीक द्वारा प्राप्त किया गया है। भविष्य के नकदी प्रवाह की प्रत्याशा में किसी भी बदलाव को निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी द्वारा ली गई अन्य सभी ऋण प्रतिभूतियाँ, उधार और अधीनस्थ देयताएं परिवर्तनीय दर सुविधाएं हैं जो अंतर्निहित ब्याज दर सूचकांकों में परिवर्तन के अधीन हैं। इसके अलावा, इन सुविधाओं पर क्रेडिट का प्रसार कंपनी की साख में बदलाव के साथ परिवर्तन के अधीन है। प्रबंधन का मानना है कि इन ऋणों पर ब्याज की वर्तमान दर कंपनी पर लागू बाजार दरों के करीब है। इसलिए, प्रबंधन का अनुमान है कि इन उधारों का उचित मूल्य उनके संबंधित मूल्यों के करीब है।

निवेश संपत्ति

कंपनी अपनी निवेश संपत्तियों का वार्षिक स्वतंत्र मूल्यांकन करवाती है। निवेश संपत्तियों का उचित मूल्य एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है और मूल्यांकन तकनीक आय दृष्टिकोण अपनाई जाती है।

58. 31 मार्च 2025 तक (पिछले वर्ष शून्य) कोई भी सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऐसा नहीं है जिस पर कंपनी का 45 दिनों से अधिक का बकाया हो। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2005 के तहत प्रकट की जाने वाली यह जानकारी, कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर पहचाने गए ऐसे पक्षों की स्थिति के अनुसार निर्धारित की गई है।

59. संबंधित पक्षकार प्रकटीकरण:

59.1 संबंधित पक्षकारों की सूची

(1) मुख्य प्रबंधन कार्मिक	
श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (22 अप्रैल, 2025 से नियुक्त)
श्रीमती परमिंदर चोपड़ा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (21 मार्च, 2025 से नियुक्त और 22 अप्रैल, 2025 से समाप्त)
श्री विवेक कुमार देवांगन	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (21 मार्च, 2025 से समाप्त)
श्री वी.के. सिंह	निदेशक (तकनीकी)
श्री हर्ष बवेजा	निदेशक (वित्त) (14 मई, 2024 से नियुक्त)
श्री शशांक मिश्र	सरकारी नामित निदेशक
श्री मनोज शर्मा	पीएफसी नामित निदेशक
डॉ. गंभीर सिंह	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (15 नवंबर, 2024 से पदमुक्त)
डॉ. मनोज एम. पांडे	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (15 नवंबर, 2024 से पदमुक्त)
डॉ. दुर्गेश नंदिनी	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (27 दिसंबर, 2024 से पदमुक्त)
श्री नारायणन तिरुपति	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक
श्री जे.एस. अमिताभ	कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव
श्री राजेश कुमार	कार्यपालक निदेशक (वित्त) (26 अक्टूबर, 2024 से केएमपी के रूप में नामित)
(2) मुख्य धारक कंपनी	
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड	
(3) आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्व में आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) की अनुषंगी कंपनियां	
चंदिल ट्रांसमिशन लिमिटेड	एनईआरजीएस-1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड	कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
मंदर ट्रांसमिशन लिमिटेड	ईआरईएस-XXXX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीकानेर बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
राजस्थान पार्ट I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजस्थान IV 4A पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजस्थान IV 4B पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
नेरेस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	डब्ल्यूआरएनईएस तलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा IV-ई2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भड़ला-III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
कल्लम ट्रांसको लिमिटेड	लाकाडिया बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा II-डी ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीदर ट्रांसको लिमिटेड
खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	खावड़ा V-B1B2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा IVए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	रतले किरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
खावड़ा V-ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	राजस्थान V पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
राजस्थान IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	बनासकांठा ट्रांसको लिमिटेड
राजस्थान IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	कुरनूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

	राजस्थान IV एच1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	महान ट्रांसमिशन लिमिटेड
	राजस्थान IV ई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
	तुमकुर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
(4)	रोजगार लाभ ट्रस्ट/निधि	
	आरईसी लिमिटेड अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट	
	आरईसी ग्रेच्युटी फंड	
	आरईसी कार्मिक सेवानिवृत्ति ट्रस्ट	
	आरईसी कार्मिक कल्याण निधि	
	आरईसी सेवानिवृत्त कार्मिक चिकित्सा ट्रस्ट	
(5)	सीएसआर पहल के लिए पंजीकृत सोसायटी	
	आरईसी फाउंडेशन	
(6)	अन्य कंपनियाँ जिनमें प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक निदेशक हैं	
	समर्पण हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड	अंशकालिक गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक- डॉ. गंभीर सिंह-(15 नवंबर, 2024 से समाप्त)
(7)	अल्टीमेट होल्डिंग कंपनी के नीचे उल्लिखित संबंधित पक्षों को भी आरईसी के संबंधित पक्ष माना जाता है:	
(क)	होल्डिंग कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	
	श्रीमती परमिंदार चोपड़ा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (14 अगस्त, 2023 से प्रभावी) और निदेशक (वित्त) (13 अगस्त, 2023 तक)
	श्री राजीव रंजन झा	निदेशक (परियोजना)
	श्री मनोज शर्मा	निदेशक (वाणिज्यिक)
	श्री संदीप कुमार	निदेशक (वित्त) (11 जुलाई, 2024 से प्रभावी)
	श्री अजय तिवारी	सरकारी नामित निदेशक (25 जून, 2024 से प्रभावी)
	श्री शशांक मिश्र	सरकारी नामित निदेशक (25 जून, 2024 से प्रभावी)
	एडवोकेट भास्कर भट्टाचार्य	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (23 दिसंबर, 2024 से प्रभावी)
	श्रीमती उषा संजीव नायर	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (23 दिसंबर, 2024 से प्रभावी)
	श्री प्रसन्ना तंत्री	अंशकालिक गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक (23 दिसंबर, 2024 से प्रभावी)
	श्री मनीष कुमार अग्रवाल	कंपनी सचिव
(ख)	होल्डिंग कंपनी की सहायक कंपनियाँ	
	पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (पीएफसीसीएल)	
	पीएफसी प्रोजेक्ट लिमिटेड	
	पीएफसी इन्फ्रा फाइनेंस आईएफसी लिमिटेड	
(ग)	होल्डिंग कंपनी के सहयोगी	
	बिहार मेगा पावर लिमिटेड	सखीगोपाल इंटीग्रेटेड पावर कंपनी लिमिटेड
	उड़ीसा इंटीग्रेटेड पावर लिमिटेड	घोगरपल्ली इंटीग्रेटेड पावर कंपनी लिमिटेड
	झारखंड इंफ्रापावर लिमिटेड	ओडिशा इंफ्रापावर लिमिटेड
	कोस्टल तमिलनाडु पावर लिमिटेड	देवघर मेगा पावर लिमिटेड
	बिहार इंफ्रापावर लिमिटेड	चेयूर इंफ्रा लिमिटेड
	देवघर इंफ्रा लिमिटेड	साउथ ओलपाड ट्रांसमिशन लिमिटेड
	छतरपुर ट्रांसमिशन लिमिटेड	सियोट ट्रांसमिशन लिमिटेड
	जोडा बार्बिल ट्रांसमिशन लिमिटेड	गोला बी-रामगढ़ बी ट्रांसमिशन लिमिटेड
	रामकनाली बी-पानागढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड	अंगुल सुंदरगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड
	भुज II ट्रांसमिशन लिमिटेड	केपीएस III एचवीडीसी ट्रांसमिशन लिमिटेड
	नेविनल ट्रांसमिशन लिमिटेड	बीजापुर आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड
	चित्रदुर्ग बेल्लारी आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड	कुडनकुलम आईएसटीएस ट्रांसमिशन लिमिटेड
	जाम खंभालिया ट्रांसमिशन लिमिटेड	भड़ला और बीकानेर कॉम्प्लेक्स ट्रांसमिशन लिमिटेड
	गडग II और कोप्पल II ट्रांसमिशन लिमिटेड	वहीपोरा और सल्लार ट्रांसमिशन लिमिटेड
	भुज आईसीटी ट्रांसमिशन लिमिटेड	एमईएल पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड
	कांडला जीएचए ट्रांसमिशन लिमिटेड	कुरनूल III पीएस आरई ट्रांसमिशन लिमिटेड
	राघनेस्डा आरई ट्रांसमिशन लिमिटेड	एनईआर एक्सपेंशन ट्रांसमिशन लिमिटेड
	मुंद्रा I ट्रांसमिशन लिमिटेड	फतेनगढ़ II और बाड़मेर I पीएस ट्रांसमिशन लिमिटेड
	अनंतपुर II आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड	काकीनाडा I ट्रांसमिशन लिमिटेड
	एनईएस धाराशिव ट्रांसमिशन लिमिटेड	एनईएस नवी मुंबई ट्रांसमिशन लिमिटेड



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

एनईएस पुणे ईस्ट न्यू ट्रांसमिशन लिमिटेड	बाड़मेर I ट्रांसमिशन लिमिटेड
ब्यावर-मंदसौर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भड़ला-III और बीकानेर-III ट्रांसमिशन लिमिटेड
जामनगर ट्रांसमिशन लिमिटेड	खावड़ा पीएस1 और 3 ट्रांसमिशन लिमिटेड
पारादीप ट्रांसमिशन लिमिटेड	पुणे-III ट्रांसमिशन लिमिटेड
सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड	

59.2 संबंधित पक्षकारों से / को बकाया राशि:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)		
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	2.82	0.51
अन्य वित्तीय देयताएँ- अप्रदत्त लाभांश	498.96	623.70
सहयोगी/अनुषंगी		
ऋण	3.57	19.25
नियोजन हितलाभ न्यास / निधि		
ऋण प्रतिभूतियाँ	3.00	3.00
अधीनस्थ देयताएँ	3.70	2.70
अन्य वित्तीय देयताएँ- भारत सरकार के सर्विस्ड बॉण्ड	29.30	29.30
प्रावधान	3.26	0.13
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	34.78	23.55
मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)		
ऋण प्रतिभूतियाँ	0.05	0.05
कार्मिक ऋण एवं अग्रिम	0.13	0.30
मुख्य धारक कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी - पीएफसी)		
ऋण प्रतिभूतियाँ	0.15	0.15
आरईसी फाउंडेशन		
अन्य गैर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (सीएसआर फाउंडेशन को अग्रिम)	1.67	1.25
अन्य गैर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (वर्तमान सीएसआर व्यय)	5.53	5.15

कंपनी द्वारा निदेशकों या वरिष्ठ अधिकारी या उनके रिश्तेदारों या निदेशकों और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी संस्थाओं को स्वीकृत ऋण और अग्रिमों की कुल राशि शून्य (पिछले वर्ष शून्य) है, कंपनी के कार्मिकों के लिए सामान्य रूप से लागू योजनाओं के तहत प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) को स्वीकृत ₹0.74 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1.14 करोड़) के ऋण और अग्रिमों को छोड़कर।

59.3 वर्ष के दौरान बकाया ऋण/अग्रिम/निवेश की अधिकतम राशि:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)		
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	3.83	3.83
अन्य वित्तीय देयताएँ - अवैतनिक लाभांश	623.70	623.70
रोजगार लाभ ट्रस्ट/निधि		
ऋण प्रतिभूतियाँ	45.44	57.44
अधीनस्थ देयताएँ	7.18	8.34
अन्य वित्तीय देयताएँ - जीओआई सर्विस बॉण्ड	0.10	0.10
सहयोगी/अनुषंगी		
ऋण	19.25	19.25
देय	-	0.02
मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)		
ऋण प्रतिभूतियाँ	0.05	0.16
कार्मिक ऋण एवं अग्रिम	0.41	0.55
मुख्य धारक कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी - पीएफसी)		
ऋण प्रतिभूतियाँ	0.15	0.17
आरईसी फाउंडेशन		
अन्य गैर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (सीएसआर फाउंडेशन को अग्रिम)	11.31	35.47
अन्य गैर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (वर्तमान सीएसआर व्यय)	5.53	7.70

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ
59.4 संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)		
लाभांश भुगतान	2,952.17	1,503.80
निदेशकों की बैठक शुल्क	0.11	0.05
अन्य व्यय/प्रशासनिक व्यय का आवंटन	4.12	0.69
सहायक		
सलहाकरी संस्था का शुल्क	335.59	104.42
ब्याज आय	0.90	0.71
प्रतिपूर्ति/ व्यय प्रतिपूर्ति	17.36	11.39
किया गया निवेश	0.80	0.90
निवेश की बिक्री	1.45	0.45
रोजगार लाभ ट्रस्ट/निधि		
कंपनी द्वारा किए गए योगदान	11.40	21.29
वित्तीय लागत - भुगतान किया गया ब्याज	3.04	2.87
कंपनी के बॉण्डों की सदस्यता	1.00	2.00
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)		
कार्मिक ऋण और अग्रिम की वसूली	0.22	0.23
कार्मिकों के ऋण एवं और अग्रिमों का वितरण	-	0.35
स्टाफ ऋण पर ब्याज आय	0.05	0.03
वित्तीय लागत - भुगतान किया गया ब्याज	0.00	0.00
कार्मिक लाभ व्यय - प्रबंधकीय पारिश्रमिक	3.78	3.51
निदेशकों की बैठक शुल्क	0.35	0.40
लाभांश का भुगतान	0.02	0.00
अल्टीमेट होल्डिंग कंपनी (केएमपी-पीएफसी) के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक		
वित्तीय लागत	0.01	0.01
आरईसी फाउंडेशन		
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय के लिए भुगतान	268.00	243.00

59.5 संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन की शर्तें और नियम

संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन निष्पक्ष आधार पर किए जा रहे हैं। प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक और स्टाफ ऋण एवं अग्रिम राशि कंपनी के सेवा नियमों के अनुरूप हैं। संबंधित पक्षों को भुगतान की जाने वाली वित्तीय लागत कंपनी की ऋण प्रतिभूतियों में उनके निवेश के कारण है। ऐसी ऋण प्रतिभूतियों पर देय ब्याज दर सभी बॉण्डधारकों पर समान रूप से लागू होती है। कंपनी अपनी सहायक कंपनी को स्थापना और प्रशासनिक व्यय के आवंटन के लिए अग्रिम राशि भी देती है, जिसकी वसूली तिमाही आधार पर की जाती है। यद्यपि वर्ष के अंत में सहायक कंपनी की बकाया राशि असुरक्षित है, फिर भी कंपनी ने संबंधित पक्षों द्वारा देय राशि से संबंधित प्राप्य राशि में कोई हानि दर्ज नहीं की है। यह आकलन दिए गए अग्रिमों की अल्पकालिक वसूली के आधार पर किया गया है।

59.6 प्रबंधकीय पारिश्रमिक

वर्ष के दौरान प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों (केएमपी) को दिए गए पारिश्रमिक का विवरण निम्नानुसार है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) अल्पकालिक कार्मिक लाभ	3.48	3.24
(ii) रोजगार के बाद के लाभ	0.30	0.27
कुल	3.78	3.51

ट्रूक ग्रेच्युटी और क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति की देनदारियाँ प्रत्येक कार्मिक के बजाय समग्र कंपनी के लिए बीमांकिक आधार पर प्रदान की जाती हैं, इसलिए केएमपी से संबंधित राशियाँ विशेष रूप से ज्ञात नहीं हैं और इसलिए उन्हें उपरोक्त तालिका में शामिल नहीं किया गया है। ग्रेच्युटी और क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति को उपरोक्त तालिका में संबंधित वर्ष में वास्तविक भुगतान के आधार पर शामिल किया गया है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

59.7 एक ही सरकार के नियंत्रण में आने वाली संस्थाओं के संबंध में प्रकटीकरण (सरकार से संबंधित संस्थाएं)

सरकार से संबंधित संस्थाओं की सूची

समूह की संस्थाएँ/कंपनियाँ केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसयू) या राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं जिन पर केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण प्रभाव है। समूह ने जिन सरकारी संस्थाओं के साथ लेन-देन किया है, उनकी सूची में निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:

बिहार ग्रिड कंपनी लिमिटेड

दामोदर घाटी निगम

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड

नबीनगर पावर जनरेटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड

एनटीपीसी तमिलनाडु एनर्जी कंपनी लिमिटेड

पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

टस्को लिमिटेड

एसजेवीएन थर्मल प्राइवेट लिमिटेड

एसजेवीएन लिमिटेड

ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (ईईएसएल)

हिमाचल रिन्यूएबल्स लिमिटेड

चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

पावर फाउंडेशन ऑफ इंडिया

ऐसी सरकारी संस्थाओं के साथ कुल लेनदेन निम्नानुसार हैं:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
ऋण का वितरण	7,113.40	5,443.35
ब्याज आय मान्यता प्राप्त	2,526.56	2,039.94
अन्य व्यय- पावर फाउंडेशन को आरईसी का योगदान	5.00	5.00

ऐसी सरकारी संबंधित संस्थाओं से बकाया कुल शेष राशि निम्नानुसार है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
ऋण परिसंपत्तियाँ	31,796.82	25,554.99
एलओयू और एलओसी (गैर निधि आधारित)	2.33	-
अर्जित ब्याज	60.66	48.72

केंद्र सरकार के साथ भौतिक लेनदेन के संबंध में टिप्पणी संख्या 12, 21, 23, 35 और 49 देखें।

सरकारी संस्थाओं के साथ उपरोक्त लेन-देन व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। समूह ने अन्य सीपीएसयू के साथ प्रशासनिक व्यय, सरकारी कार्यक्रमों पर व्यय आदि जैसे अन्य लेन-देन भी किए हैं। ये व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वहीन हैं, इसलिए इनका खुलासा नहीं किया गया है। सभी लेन-देन बाज़ार की शर्तों पर किए जाते हैं।

60. भारतीय लेखा मानक 116 'पट्टों' के संबंध में प्रकटीकरण

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान, अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय ₹12.44 करोड़ (पिछले वर्ष ₹8.23 करोड़) हैं। उपयोग-अधिकार परिसंपत्तियों सहित सभी पट्टों के लिए कुल नकद बहिर्वाह ₹12.44 करोड़ (पिछले वर्ष ₹8.25 करोड़) है।

नीचे पट्टा देयताओं (उधार के अंतर्गत शामिल) की वहन राशि और वर्ष के दौरान होने वाली गतिविधियां दी गई हैं:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
प्रारंभिक जमा	-	0.02
वर्ष के दौरान अर्जित वित्तीय लागत	-	-
वर्ष के दौरान किए गए भुगतान	0.00	(0.02)
जमा शेष	-	-

61. भारतीय लेखा मानक 19 'कार्मिक लाभ' के अंतर्गत आवश्यक कार्मिक लाभ के लिए प्रकटीकरण:

61.1 परिभाषित योगदान योजनाएँ

क. परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति योजना

कंपनी पूर्व-निर्धारित दरों पर एनपीएस ट्रस्ट को सेवानिवृत्ति योजना के लिए निश्चित अंशदान देती है, जो स्वीकृत प्रतिभूतियों में धनराशि का निवेश करता है। एनपीएस ट्रस्ट/अलग ट्रस्ट के पास शेष राशि में सदस्य के खाते में मासिक अंशदान और संचित प्रतिफल शामिल होते हैं। जब सदस्य को पेंशन देय हो जाती है, तो सदस्य के खाते में जमा राशि सदस्य द्वारा चुने गए संवय और वार्षिकी के लिए विनियोजित कर दी जाती है।

समूह ने परिभाषित अंशदान योजनाओं के लिए ₹ 11.54 करोड़ (पिछले वर्ष ₹9.38 करोड़) का व्यय स्वीकार किया है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

61.2 परिभाषित लाभ योजनाएँ - रोज़गार-पश्चात लाभ

क) भविष्य निधि

कंपनी एक अलग पंजीकृत ट्रस्ट को पूर्व-निर्धारित दरों पर भविष्य निधि का एक निश्चित अंशदान देती है, जो स्वीकृत प्रतिभूतियों में निधियों का निवेश करता है। ट्रस्ट, वर्ष के दौरान अपने निवेशों पर अर्जित प्रतिफल के आधार पर, कार्मिक भविष्य निधि संगठन द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम ब्याज दर के अधीन, सदस्यों के अंशदान पर ब्याज दर घोषित करता है। सदस्यों को ब्याज के भुगतान के लिए, निर्दिष्ट ब्याज दर और ट्रस्ट के निवेशों पर अर्जित प्रतिफल में किसी भी कमी की भरपाई कंपनी द्वारा की जाएगी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से अपने कार्मिकों के लिए मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट में अंशदान को अब तक अपनाई जा रही परिभाषित अंशदान योजना के बजाय एक परिभाषित लाभ योजना के रूप में मानना शुरू किया। इस प्रकार, कंपनी के लाभ पर इसका कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ता है। कंपनी का भविष्य निधि के प्रति दायित्व कार्मिक लाभ पर इंड एस 19 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित और प्रदान किया जाता है। योजना परिसंपत्तियों और दायित्वों के उचित मूल्य का विवरण निम्नानुसार है:

आरईसीपीडीसीएल के मामले में कोई अलग ट्रस्ट नहीं है और कंपनियां निर्धारित अंशदान योजनाओं के तहत भविष्य निधि अंशदान करती हैं।

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	313.04	297.79
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	317.40	298.03
निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	(4.36)	(0.24)

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में परिवर्तन

	(₹ करोड़ में)					
विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक शेष	297.79	276.16	298.03	281.00	(0.24)	(4.84)
लाभ या हानि में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	11.10	9.58	-	-	11.10	9.58
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-
ब्याज लागत / आय	24.01	22.63	24.17	23.12	(0.16)	(0.49)
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	35.11	32.21	24.17	23.12	10.94	9.09
ओसीआई में शामिल						
पुनः मापन हानि (लाभ)						
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	1.36	0.51	5.31	(4.57)	(3.95)	5.08
- अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	-	-	-	-	-	-
ब्याज आय को छोड़कर योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल	-	-	-	-	-	-
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	1.36	0.51	5.31	(4.57)	(3.95)	5.08
नियोक्ताओं द्वारा योगदान	16.98	16.35	16.98	16.35	-	-
कार्मिकों द्वारा योगदान	-	-	11.10	9.58	(11.10)	(9.58)
निवल देयता स्थानांतरित इन/आउट	9.97	14.80	9.97	14.80	-	0.00
भुगतान किए गए लाभ	(48.16)	(42.24)	(48.16)	(42.25)	-	0.01
अंतिम शेष	313.05	297.79	317.40	298.03	(4.35)	(0.24)

ख) ग्रेच्युटी

कंपनी की एक परिभाषित ग्रेच्युटी योजना है जिसका प्रबंधन एक अलग ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। प्रत्येक कार्मिक जिसने पाँच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा की है, वह सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन पर ग्रेच्युटी पाने का हकदार है, जो कि संशोधित ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुसार, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, सेवा समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर अधिकतम ₹0.20 करोड़ तक हो सकती है। ग्रेच्युटी की देयता बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित की जाती है।

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	28.54	27.31
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	25.28	27.18
निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/देयता	3.26	0.13



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक शेष	27.31	29.23	27.18	26.55	0.13	2.68
लाभ या हानि में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	1.34	1.08	-	-	1.34	1.08
पिछली सेवा लागत	2.73	-	-	-	2.73	-
ब्याज लागत / आय	1.78	1.99	1.93	1.94	(0.15)	0.05
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	5.85	3.07	1.93	1.94	3.92	1.13
ओसीआई में शामिल						
पुनः मापन हानि (लाभ)						
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	0.76	0.40	-	-	0.76	0.40
- जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	(0.64)	(0.89)	-	-	(0.64)	(0.89)
- अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	-	-	0.78	0.51	(0.78)	(0.51)
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	0.12	(0.49)	0.78	0.51	(0.66)	(1.00)
नियोक्ताओं द्वारा योगदान	-	-	0.13	2.68	(0.13)	(2.68)
भुगतान किए गए लाभ	(4.74)	(4.50)	(4.74)	(4.50)	-	-
अंतिम शेष	28.54	27.31	25.28	27.18	3.26	0.13

ग) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधा (पीआरएमएफ)

कंपनी के पास सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधा है जिसके अंतर्गत पात्र सेवानिवृत्त कर्मिकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कंपनी के नियमों के अनुसार कवर किया जाता है। इस योजना का वित्तपोषण कंपनी द्वारा किया जाता है और इसका प्रबंधन एक अलग ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। इसके लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित की जाती है।

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	176.86	171.28
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	211.64	194.83
निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	(34.78)	(23.55)

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में परिवर्तन

विवरण	(₹ करोड़ में)					
	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक जमा	171.28	164.67	194.83	179.78	(23.55)	(15.11)
लाभ या हानि में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	6.60	5.10	-	-	6.60	5.10
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-
ब्याज लागत / आय	11.86	11.73	13.81	13.14	(1.95)	(1.41)
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	18.46	16.83	13.81	13.14	4.65	3.69
ओसीआई में शामिल						
पुनः मापन हानि (लाभ)						
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	(13.32)	(5.30)	-	-	(13.32)	(5.30)
- अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	14.65	8.28	-	-	14.65	8.28
ब्याज आय को छोड़कर योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल	-	-	2.89	1.85	(2.89)	(1.85)
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	1.33	2.98	2.89	1.85	(1.56)	1.13
प्रतिभागियों द्वारा योगदान	0.10	0.06	0.11	0.06	(0.01)	-
नियोक्ताओं द्वारा योगदान	-	-	-	-	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(14.31)	(13.26)	-	-	(14.31)	(13.26)
अंतिम शेष	176.86	171.28	211.64	194.83	(34.78)	(23.55)

घ आर्थिक पुनर्वास योजना (ईआरएस)

कंपनी के पास एक आर्थिक पुनर्वास योजना (ईआरएस) है जो किसी कार्मिक की सेवाकाल के दौरान स्थायी विकलांगता/मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। यह योजना वित्तपोषित नहीं है और देयता का निर्धारण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ईआरएस के लिए निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य		
- ईआरएस	6.70	4.92

ईआरएस के लिए निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति)/ देयता में बदलाव

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक जमा	4.92	4.17
लाभ या हानि में शामिल		
वर्तमान सेवा लागत	0.39	0.30
ब्याज लागत / आय	0.33	0.28
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त कुल राशि	0.72	0.58
ओसीआई में शामिल		
- वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	0.25	0.12
- अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक हानि (लाभ)	1.21	0.74
ओसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	1.46	0.86
भुगतान किए गए लाभ	(0.40)	(0.69)
जमा शेष	6.70	4.92

61.2.1 जोखिम प्रकटीकरण

अपनी परिभाषित लाभ योजनाओं के माध्यम से, कंपनी को कई जोखिमों का सामना करना पड़ता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण का विवरण नीचे दिया गया है:

(i) परिसंपत्ति अस्थिरता

योजना के अंतर्गत अधिकांश परिसंपत्ति निवेश सरकारी प्रतिभूतियों, उच्च रेटिंग वाली अन्य निश्चित आय प्रतिभूतियों और म्यूचुअल फंडों में हैं। इन परिसंपत्तियों का उचित मूल्य ब्याज दरों और अन्य बाजार एवं वृहद आर्थिक कारकों में परिवर्तन के कारण उतार-चढ़ाव के अधीन है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

(ii) छूट दर में परिवर्तन

परिभाषित लाभ योजना देनदारियों के वर्तमान मूल्य की गणना छूट दर का उपयोग करके की जाती है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्रतिफल के संदर्भ में निर्धारित होती है। छूट दर में कमी से परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में वृद्धि होगी, हालाँकि यह योजना के निवेशों के मूल्य में वृद्धि से आंशिक रूप से संतुलित हो जाएगी।

(iii) दीर्घायु जोखिम

परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य, योजना प्रतिभागियों की रोजगार के दौरान और उसके बाद मृत्यु दर के सर्वोत्तम अनुमान के आधार पर गणना की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से योजना की देयता भी बढ़ेगी।

(iv) वेतन जोखिम

परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य योजना प्रतिभागियों के भविष्य के वेतन के संदर्भ में गणना किया जाता है। इस प्रकार, योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि से योजना की देयता भी बढ़ जाएगी।

(v) कार्मिक टर्नओवर/निकासी जोखिम

परिभाषित लाभ योजना की देयता का वर्तमान मूल्य भविष्य में अपेक्षित निकासी दर के संदर्भ में परिकलित किया जाता है। इस प्रकार, यदि भविष्य में वास्तविक निकासी दर अपेक्षा से अधिक या कम होती है, तो इससे योजना की देयता में वृद्धि हो सकती है।

61.2.2 योजना परिसंपत्ति

प्रत्येक श्रेणी के लिए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य निधि		ग्रेच्युटी		पीआरएमएफ	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
नकद और नकद समकक्ष	7.10	0.62	0.36	0.07	4.34	3.94
उद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ						
इकिटी इंस्ट्रुमेंट्स	23.81	20.53	1.02	0.99	-	-
राज्य सरकार ऋण प्रतिभूतियाँ	127.60	127.64	10.22	10.22	41.76	41.63
केंद्र सरकार ऋण प्रतिभूतियाँ	42.56	45.94	-	-	-	-
कॉर्पोरेट बॉण्ड/डिबेंचर	116.33	103.30	9.34	9.35	165.54	149.25
उप-योग - उद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ	310.30	297.41	20.58	20.56	207.30	190.88
अनकोटेड योजना परिसंपत्तियाँ						
अन्य - बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियाँ और टी-बिल	-	-	4.34	6.55	-	-
उप-योग - अउद्धृत योजना परिसंपत्तियाँ	-	-	4.34	6.55	-	-
कुल	317.40	298.03	25.28	27.18	211.64	194.82

योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न ₹ 43.58 करोड़ है (पिछले वर्ष ₹ 40.56 करोड़)।

61.2.3 महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ

योजना परिसंपत्तियों का नवीनतम बीमांकिक मूल्यांकन और परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य 31 मार्च, 2025 तक मैसर्स ट्रांसवैल्यू कंसल्टेंट्स द्वारा किया गया। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य, और संबंधित वर्तमान सेवा लागत और पिछली सेवा लागत, अनुमानित इकाई ऋण पद्धति (पीयूसीएम) का उपयोग करके मापी गई। बीमांकिक मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त प्रमुख मान्यताएँ हैं:-

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य निधि		ग्रेच्युटी		पीआरएमएफ		ईआरएस	
	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
प्रयुक्त विधि	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम	पीयूसीएम
छूट की दर	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%
योजनागत परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल, यदि वित्तपोषित हो	8.26%	8.24%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%	6.75%	7.09%
भविष्य में वेतन वृद्धि / चिकित्सा मुद्रास्फीति			6.00%	6.00%	4.50%	5.50%	6.00%	6.00%
कार्मिकों का अपेक्षित औसत शेष कार्य जीवन (वर्षों में)			21.17	20.07	21.17	20.07	21.17	20.07
मृत्यु दर			आईएएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएएलएम (2012-14) अल्टीमेट	आईएएलएम (2012-14) अल्टीमेट
कार्मिक टर्नओवर / निकासी दर			0.01%	0.01%	0.01%	0.01%	0.01%	0.01%

मुख्य धारणाएँ छूट दर, वेतन वृद्धि दर और कार्मिकों के अपेक्षित औसत शेष कार्यकाल हैं। छूट दर आमतौर पर रिपोर्टिंग तिथि पर सरकारी बॉण्ड पर उपलब्ध बाजार प्रतिफल पर आधारित होती है, जिसकी अवधि देनदारियों से मेल खाती है और वेतन वृद्धि दर में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों को दीर्घकालिक आधार पर ध्यान में रखा जाता है। उपरोक्त जानकारी एकचुअरी द्वारा प्रमाणित है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

61.2.4 संवेदनशीलता का विश्लेषण

अन्य मान्यताओं को स्थिर रखते हुए, प्रासंगिक बीमांकिक मान्यताओं में से किसी एक में रिपोर्टिंग तिथि पर यथोचित रूप से संभावित परिवर्तन, नीचे दर्शाई गई राशियों द्वारा परिभाषित लाभ दायित्व को प्रभावित करेगा:

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	बढ़ोतरी	घटाना	बढ़ोतरी	घटाना
छूट दर (0.50% गति)				
- ग्रेच्युटी	(1.11)	1.21	(0.89)	0.97
- पीआरएमएस	(8.87)	9.77	(9.23)	9.86
- ईआरएस	(0.36)	0.39	(0.20)	0.22
वेतन वृद्धि दर (0.50% वृद्धि)				
- ग्रेच्युटी	0.23	(0.15)	0.17	(0.17)
- पीआरएमएस	-	-	-	-
- ईआरएस	0.24	(0.23)	0.18	(0.16)
चिकित्सा मुद्रास्फीति दर (0.50% की वृद्धि)				
- पीआरएमएस	9.89	(9.04)	9.92	(9.06)
चिकित्सा लागत (10% वृद्धि)				
- पीआरएमएस	17.64	(17.54)	17.24	(17.08)

उपरोक्त प्रस्तुत संवेदनशीलता विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है, क्योंकि यह असंभव है कि मान्यताओं में परिवर्तन एक दूसरे से अलग होकर घटित होगा, क्योंकि कुछ मान्यताएं सहसंबद्ध हो सकती हैं।

कंपनी सक्रिय रूप से निगरानी करती है कि निवेश की अवधि और अपेक्षित प्रतिफल, कार्मिक लाभ दायित्वों से उत्पन्न होने वाले अपेक्षित नकदी प्रवाह से कैसे मेल खा रहे हैं। निवेश अच्छी तरह से विविधीकृत हैं, जिससे किसी एक निवेश के विफल होने का समग्र परिसंपत्ति स्तर पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी द्वारा अपने जोखिमों के प्रबंधन हेतु प्रयुक्त प्रक्रिया में पूर्व अवधियों की तुलना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

61.2.5 भविष्य के वर्षों में परिभाषित लाभ योजनाओं की अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

विवरण	ग्रेच्युटी		पीआरएमएस		ईआरएस	
	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक	31-03-2025 तक	31-03-2024 तक
1 वर्ष से कम	5.99	5.15	16.23	15.20	1.10	0.95
1 से 5 वर्ष तक	11.47	12.52	90.62	84.88	3.09	2.61
5 वर्ष से अधिक	44.85	37.67	422.40	329.93	6.30	5.21
कुल	62.31	55.34	529.25	430.01	10.49	8.77

61.2.6 अगले वर्ष के लिए अपेक्षित योगदान

विवरण	भविष्य निधि		ग्रेच्युटी		पीआरएमएस	
	31-03-2025 समाप्त वर्ष	31-03-2024 समाप्त वर्ष	31-03-2025 समाप्त वर्ष	31-03-2024 समाप्त वर्ष	31-03-2025 समाप्त वर्ष	31-03-2024 समाप्त वर्ष
अपेक्षित योगदान	-	-	5.14	1.48	-	-

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ योजना दायित्व की भारित औसत अवधि 12.51 वर्ष है (31.03.2024 तक 11.78 वर्ष है)।

61.3 अन्य दीर्घकालिक कार्मिक लाभ

61.3.1 अर्जित अवकाश और अर्ध वेतन अवकाश

आरईसी कार्मिकों के खाते में अर्जित अवकाश लाभ और अर्ध-वेतन अवकाश लाभ प्रदान करता है, जो अर्ध-वार्षिक आधार पर क्रमशः 15 दिन और 10 दिन अर्जित होता है। सेवा के दौरान किसी भी समय अधिकतम 300 दिनों का अर्जित अवकाश संचित किया जा सकता है, जबकि अर्ध-वेतन अवकाश के संचय की कोई सीमा नहीं है। आरईसीपीडीसीएल के मामले में, कार्मिक केवल एक वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद अवकाश नकदीकरण के लिए पात्र होते हैं और अलग होने के समय पूरी राशि का भुगतान किया जाता है। इसके लिए देयता की पहचान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर की जाती है। इन कार्मिक लाभों के लिए कुल ₹ 10.79 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 8.67 करोड़) खर्च किए गए हैं और बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर लाभ और हानि विवरण में डेबिट किए गए हैं।

61.3.2 अन्य कार्मिक लाभ

दीर्घ सेवा पुरस्कार और निपटान भत्ते के लिए ₹ 1.27 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 2.15 करोड़) के व्यय को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर लाभ और हानि विवरण में डेबिट किया गया है।

61.4 कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी में प्रतिनियुक्ति/सेकंडमेंट आधार पर कार्यरत कार्मिकों के संबंध में ग्रेच्युटी, पीआरएमएस, टर्मिनल लाभ, अवकाश नकदीकरण और अन्य कार्मिक लाभ सहित कार्मिक लाभ, कार्मिक लागत के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं।

61.5 कंपनी सभी सेवानिवृत्ति योजनाओं अर्थात अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ), ग्रेच्युटी, पेंशन और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ (पीएसएमबी/पीआरएमबी) का प्रबंधन समय-समय पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा निर्धारित समग्र सीमा के भीतर कर रही है।



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

62. एसईबी/यूटिलिटीज के अनबंडलिंग के बाद दस्तावेजीकरण की स्थिति

कुछ पूर्ववर्ती राज्य विद्युत बोर्ड (एसईबी), जिनके विरुद्ध ऋण बकाया थे या जिनकी ओर से गारंटी दी गई थी, का पुनर्गठन संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया गया और पूर्व में नई संस्थाओं का गठन किया गया। परिणामस्वरूप, पूर्ववर्ती एसईबी की देनदारियाँ नई संस्थाओं को हस्तांतरित हो गईं।

जम्मू और कश्मीर राज्य के पुनर्गठन के बाद दस्तावेजीकरण की स्थिति

जम्मू और कश्मीर राज्य के दो केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) - जम्मू और कश्मीर यूटी और लद्दाख यूटी में विभाजन के बाद, पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य से संबंधित मौजूदा संस्थाओं का 23 अक्टूबर 2019 के अनबंडलिंग आदेश के तहत पुनर्गठन किया गया है। नए पुनर्गठित विभागों के साथ समझौतों के परिशिष्टों का निष्पादन अभी बाकी है। ऐसे दस्तावेजों के निष्पादन तक, उत्पादन, टीएडडी और सरकारी योजनाओं के लिए मौजूदा ऋणों का भुगतान/चुकाव मौजूदा ऋण समझौतों के अनुसार किया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश राज्य के पुनर्गठन के बाद दस्तावेजीकरण की स्थिति

पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश राज्य के पुनर्गठन के बाद 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य का गठन किया गया। हालाँकि, परिसंपत्तियों और देनदारियों को औपचारिक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से संबंधित विद्युत उपयोगिताओं को हस्तांतरित किया जाना बाकी है।

दस्तावेजीकरण की स्थिति निम्नानुसार है:

- जहां भी विभाजन से पहले पूर्ववर्ती एपीसीपीडीसीएल, एपीएनपीडीसीएल और एपीजीईएनसीओ को ऋण स्वीकृत किए गए थे और दस्तावेजीकरण नहीं किया गया था, इन योजनाओं को नवगठित उपयोगिताओं के नाम पर पुनः स्वीकृत किया गया है और दस्तावेजीकरण औपचारिकताएं पूरी की गई हैं और तदनुसार प्रभार को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के साथ पंजीकृत किया गया है।
- जहां भी विभाजन से पहले पूर्ववर्ती एपीसीपीडीसीएल, एपीएनपीडीसीएल के नाम पर ऋण स्वीकृत किए गए हैं और दस्तावेजी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और निकासी कर ली गई है, इन योजनाओं में नाम परिवर्तित/नवगठित उपयोगिता से एक वचनबद्धता प्राप्त की गई है और नई/नाम परिवर्तित उपयोगिता के नाम पर उधारकर्ता का नाम बदलकर नवगठित उपयोगिता को संवितरण किया गया है।
- जहां भी ऋण विभाजन से पहले पूर्ववर्ती एपीसीपीडीसीएल, एपीएनपीडीसीएल के नाम पर स्वीकृत किया गया है और सरकारी गारंटी और निकासी के साथ दस्तावेजी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं, इन योजनाओं के लिए आगे का दस्तावेजीकरण राजपत्र अधिसूचना पर किया जाएगा।
- एक बार जब सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अंतिम हस्तांतरण योजना अधिसूचित कर दी जाती है, जिसमें विद्युत उपयोगिताओं के बीच परिसंपत्तियों और देनदारियों के हस्तांतरण का विधिवत उल्लेख होता है, तो नई/परिवर्तित नाम वाली उपयोगिताओं के सभी बकाया ऋणों के संबंध में दस्तावेजीकरण औपचारिकताओं के निष्पादन की कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी। तब तक, ब्याज/मूलधन के भुगतान की मांग को उपयोगिताओं द्वारा अलग किया जा रहा है और संबंधित भागों का भुगतान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की उपयोगिताओं द्वारा किया जा रहा है।

टैनजैडको के त्रिविभाजन के बाद दस्तावेजीकरण की स्थिति

तमिलनाडु सरकार ने 24 जनवरी, 2024 के सरकारी आदेश संख्या 6 और सरकारी आदेश संख्या 7 के तहत टैनजैडको को तीन इकाइयों में विभाजित करने का आदेश दिया: (i) मौजूदा कंपनी टैनजैडको का नाम बदलकर तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनपीडीसीएल) कर दिया जाएगा और यह वितरण व्यवसाय जारी रखेगी। (ii) तापीय और गैस विद्युत उत्पादन व्यवसाय के लिए तमिलनाडु पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (टीएनपीजीसीएल) का गठन किया जाएगा और (iii) हरित विद्युत उत्पादन व्यवसाय के लिए तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) का गठन किया जाएगा। इसके अनुसरण में, दो नई इकाइयाँ, टीएनपीजीसीएल और टीएनजीईसीएल, क्रमशः 09.02.2024 और 10.02.2024 को गठित की गईं।

इसके बाद, तमिलनाडु सरकार ने 6 मार्च, 2024 के सरकारी आदेश संख्या 32 के तहत तीन कंपनियों, अर्थात् टीएनपीजीसीएल, टीएनजीईसीएल और टीएनपीडीसीएल के बीच परिसंपत्तियों और देनदारियों के अंतिम हस्तांतरण का आदेश दिया। आदेश के अनुसार, परिसंपत्तियों और देनदारियों का हस्तांतरण एक वर्ष के लिए अंतिम प्रकृति का है और परिसंपत्तियों और देनदारियों के अंतिम हस्तांतरण की सूचना बाद में दी जाएगी।

उपरोक्त अधिसूचनाओं के अनुसार, 29 मई 2024 को (i) आरईसी, टीएनजीईडीसीओ और टीएनजीईसीएल (पूर्ववर्ती टीएनजीईडीसीओ के हरित ऊर्जा ऋणों के संबंध में) और (ii) आरईसी, टीएनजीईडीसीओ और टीएनपीजीसीएल (पूर्ववर्ती टीएनजीईडीसीओ के तापीय और गैस विद्युत व्यवसाय के संबंध में) के बीच त्रिपक्षीय समझौते किए गए, जिसके तहत टीएनजीईसीएल और टीएनपीजीसीएल ने आरईसी द्वारा पूर्व टीएनजीईडीसीओ के साथ निष्पादित ऋण दस्तावेजों के अनुसार अपनी ऋण राशि के संबंधित हिस्से का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। नई संस्थाओं के साथ अंतिम दस्तावेजीकरण तमिलनाडु सरकार द्वारा जारी अंतिम अधिसूचना के आधार पर संबंधित संस्थाओं के साथ किया जाएगा।

63. सामग्री लेखांकन नीतियों में संशोधन

कंपनी ने 31-03-2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान अपनाई गई उन्हीं लेखांकन नीतियों का पालन जारी रखा है और टिप्पणी संख्या 3.9 में निवेश संपत्ति और टिप्पणी संख्या 3.14 में बट्टे खाते में डाली गई वित्तीय परिसंपत्तियों से वसूली संबंधी लेखांकन नीतियों को जोड़ा है। इसके अलावा, कुछ लेखांकन नीतियों को और अधिक स्पष्टता प्रदान करने और कंपनी की कार्यप्रणाली के अनुरूप बनाने के लिए पुनःशब्दबद्ध किया गया है। लेखांकन नीतियों में किए गए ऐसे संशोधनों का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है।

64. प्रावधान, आकस्मिकताएं और क्षति हानि भत्ते लाभ और हानि के समेकित विवरण में डेबिट किए गए

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
(i) ऋणों के लिए क्षति हानि भत्ता*	886.24	(1,367.07)
(ii) निवेश के लिए हानि हानि भत्ता	3.26	-
(iii) अन्य प्राप्तियों के लिए हानि हानि भत्ता	132.08	(12.51)
(iv) आयकर के लिए प्रावधान किया गया	4,233.24	3,814.48

* इसमें लेटर ऑफ कम्फर्ट पर क्षति भत्ते के लिए ₹ 13.54 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 16.14 करोड़) शामिल है।

65. कंपनी का संचालन केवल एक ही व्यावसायिक खंड - बिजली, रसद और बुनियादी ढाँचा क्षेत्र को ऋण प्रदान करने तक सीमित है। इसलिए, भारतीय लेखा मानक (इंड-एसएस) 108 "परिचालन खंड" के अनुसार कोई अन्य रिपोर्ट योग्य खंड नहीं है। इंड-एसएस 108 में परिभाषित "प्रबंधन दृष्टिकोण" के आधार पर, मुख्य परिचालन निर्णयकर्ता एक व्यावसायिक खंड के विभिन्न कारकों के विश्लेषण के आधार पर कंपनी के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है।

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

65.1 प्रमुख उत्पादों और सेवाओं से प्राप्त राजस्व के बारे में जानकारी

(₹ करोड़ में)			
विवरण	31-03-2025 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
(क) ऋण परिसंपत्तियों से आय	54,660.83	45,954.08	
(ख) सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए शुल्क	53.79	114.49	
(ग) राजकोषीय परिचालन से आय	762.93	590.96	
(घ) सेवाओं की बिक्री से राजस्व	510.97	360.52	
कुल	55,988.52	47,020.05	

65.2 समूह के पास कोई रिपोर्ट योग्य भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, क्योंकि समूह का प्राथमिक परिचालन देश के भीतर ही किया जाता है।

65.3 वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2023-24 के दौरान किसी भी एकल उधारकर्ता ने कंपनी के राजस्व में 10% या उससे अधिक का योगदान नहीं दिया है।

65.4 कंपनी के आरबीआई स्केल आधारित विनियमों और लेखा नीति के अनुरूप और विवेकपूर्ण आधार पर, प्रावधान क्रेडिट बिगड़ा ऋण परिसंपत्तियों (चरण III) के निवल ब्याज आय ₹2,163.17 करोड़ (पिछले वर्ष ₹4,356.53 करोड़) को मान्यता नहीं दी गई है।

66. समेकन के लिए विचार की जाने वाली सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनियां

क कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां:

(₹ करोड़ में)			
विवरण	व्यवसाय का स्थान/ निगमीकरण का देश	समूह द्वारा धारित स्वामित्व हित	
		31-03-25 तक	31-03-24 तक
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्व में आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड)	भारत	100%	100%

ख संयुक्त उद्यम- शून्य

ग सहायक

(₹ करोड़ में)			
इकाई का नाम	व्यवसाय का स्थान/ निगमीकरण का देश	समूह द्वारा धारित स्वामित्व हित	
		31-03-2025 तक	31-03-24 तक
चांडिल ट्रांसमिशन लिमिटेड**	भारत	100.00%	100.00%
दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड**	भारत	100.00%	100.00%
मंदार ट्रांसमिशन लिमिटेड**	भारत	100.00%	100.00%
कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड**	भारत	100.00%	100.00%
लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	100.00%
शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	100.00%
कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	100.00%
तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	-
वार्न्स तालेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	-
राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	-
जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	-
वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	100.00%	-
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
नेरेस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
राजस्थान पार्ट I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
खवड़ा IV-ई2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
राजस्थान IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
राजस्थान IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
राजस्थान IV एच1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
राजस्थान IV ई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	भारत	-	100.00%
एनईआरजीएस-आई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
तुमकुर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
एरेस-XXXIX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%
जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	भारत	-	100.00%



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

इकाई का नाम	व्यवसाय का स्थान/ निगमीकरण का देश	समूह द्वारा धारित स्वामित्व हित	
		31-03-2025 तक	31-03-24 तक
कल्लम ट्रांसको लिमिटेड *	भारत	-	100.00%
राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
राजस्थान IV 4बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
राजस्थान V पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
भड़ला III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
रैटल किरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
कुरनूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
महान ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
बीकानेर बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
लकड़िया बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
बीदर ट्रांसको लिमिटेड #	भारत	-	-
खावड़ा V-बी1बी2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	भारत	-	-
बनासकांठा ट्रांसको लिमिटेड #	भारत	-	-

* उपरोक्त एसपीवी वर्ष के दौरान बेची गई है

**उपर्युक्त एसपीवी को समाप्त करने की प्रक्रिया चल रही है।

#उपर्युक्त एसपीवी को वर्ष के दौरान निगमित और बेचा गया है

टिप्पणी: उपरोक्त निवेश भारत सरकार (जीओआई) के अधिदेश के अनुसार प्रबंधित किए जाते हैं और कंपनी के पास इन कंपनियों की संबंधित गतिविधियों को एकतरफा रूप से निर्देशित करने की व्यावहारिक क्षमता नहीं है। इसलिए, कंपनी संबंधित कंपनियों में अपने निवेश को सहयोगी कंपनियों के रूप में मानती है, जिनका महत्वपूर्ण प्रभाव है, भले ही कंपनी के पास उनकी 100% चुकता इक्विटी शेयर पूंजी हो।

67. कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के तहत आवश्यक समेकित संस्थाओं के संबंध में प्रकटीकरण

67.1 निवल परिसंपत्तियों में हिस्सा अर्थात कुल परिसंपत्तियां घटा कुल देयताएं

(₹ करोड़ में)

इकाई का नाम	31 मार्च, 2025 तक		31 मार्च, 2024 तक	
	समेकित निवल परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित निवल परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि
अभिभावक				
आरईसी लिमिटेड	99.06%	77,637.97	99.18%	68,783.15
सहायक कंपनियां - भारतीय				
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्व में आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड)	0.94%	738.19	0.82%	567.18
सहायक - भारतीय				
चांडिल ट्रांसमिशन लिमिटेड**	-	-	-	-
दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड**	-	-	-	-
मंदार ट्रांसमिशन लिमिटेड**	-	-	-	-
कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड**	-	-	-	-
लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.00%	0.05	0.00%	0.05
शोंगटोंग पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.00%	0.05	0.00%	0.05
कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.00%	0.05	0.00%	0.05
तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.00%	0.05	-	-
डब्ल्यूआरएनईएस तलेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.00%	0.05	-	-
राजगढ़ III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	0.00%	0.05	-	-
जेजुरी हिंजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	-	-	-
वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	-	-	-	-
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
एनईआरईएस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
राजस्थान पार्ट I पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
खावड़ा IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
खावड़ा IV-ई2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
खावड़ा IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

इकाई का नाम	31 मार्च, 2025 तक		31 मार्च, 2024 तक	
	समेकित निवल परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित निवल परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि
राजस्थान IV ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
राजस्थान IV सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
राजस्थान IV एच1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
राजस्थान IV ई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
खावड़ा V-ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
एनईआरजीएस-1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
तुमकुर-II आरईजेड पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
एस-XXXIX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
कल्लम ट्रांसको लिमिटेड*	-	-	0.00%	0.05
राजस्थान IV 4 ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
राजस्थान IV 4 बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
राजस्थान V पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
भादला III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
रतले किरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
कुरनूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
महान ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
बीकानेर बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
लकाडिया बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
बीदर ट्रांसको लिमिटेड #	-	-	-	-
खावड़ा V-बी1बी2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	-	-	-	-
बनासकांठा ट्रांसको लिमिटेड #	-	-	-	-
समायोजन और उन्मूलन प्रभाव	0.00%	(0.40)	0.00%	(1.02)
कुल	100.00%	78,376.06	100.00%	69,350.25

लाभ और हानि में हिस्सा

(₹ करोड़ में)

इकाई का नाम	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
	समेकित निवल लाभ के % के रूप में	राशि	समेकित निवल लाभ के % के रूप में	राशि
अभिभावक				
आरईसी लिमिटेड	98.92%	15,713.21	99.11%	14,019.21
सहायक कंपनियाँ - भारतीय				
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्व में आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड)	1.65%	261.65	1.06%	149.65
समायोजन और उन्मूलन प्रभाव	-0.57%	(90.63)	-0.17%	(23.40)
कुल	100.00%	15,884.23	100.00%	14,145.46

अन्य व्यापक आय में हिस्सा

(₹ करोड़ में)

इकाई का नाम	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि
अभिभावक				
आरईसी लिमिटेड	100.00%	(1,516.80)	100.00%	1044.27
सहायक कंपनियाँ - भारतीय				
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्व में आरईसी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड)				
समायोजन और उन्मूलन प्रभाव	-	-	-	-
कुल	100.00%	(1,516.80)	100.00%	1,044.27



लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ
कुल व्यापक आय में हिस्सा

(₹ करोड़ में)

इकाई का नाम	31-03-2025 को समाप्त वर्ष		31-03-2024 को समाप्त वर्ष	
	समेकित कुल व्यापक आय के % के रूप में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के % के रूप में	राशि
अभभावक				
आरईसी लिमिटेड	98.81%	14,196.41	99.17%	15,063.48
सहायक कंपनियों - भारतीय				
आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (पूर्व में आरईसी पावर डिसट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड)	1.82%	261.65	0.99%	149.65
समायोजन और उन्मूलन प्रभाव	-0.63%	(90.63)	-0.15%	(23.40)
कुल	100.00%	14,367.43	100.00%	15,189.73

68. परिसंपत्ति और देनदारियों के अंतर्गत प्रत्येक पंक्ति मद के लिए 12 महीने और उसके बाद वसूल/निपटान की जाने वाली अपेक्षित राशि

(₹ करोड़ में)

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	12 महीनों के भीतर	12 महीने से अधिक	12 महीनों के भीतर	12 महीने से अधिक
परिसंपत्ति				
(1) वित्तीय परिसंपत्ति				
(क) नकद और नकद के समान	233.57	-	262.75	-
(ख) उपरोक्त (क) के अलावा अन्य बैंक शेष	2,109.80	-	2,676.74	23.01
(ग) व्युत्पन्न वित्तीय साधनों	2,637.20	14,794.98	1,995.61	10,486.41
(घ) ट्रेड और अन्य प्राप्य	237.12	-	156.60	-
(ङ) ऋण	1,00,475.55	4,58,612.53	84,849.07	4,14,342.98
(च) निवेश	156.00	6,517.64	115.28	5,237.04
(छ) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	433.02	24,171.17	288.32	24,154.32
कुल - वित्तीय परिसंपत्तियाँ (1)	1,06,282.26	5,04,096.32	90,344.37	4,54,243.76
(2) गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(क) वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	8.09	398.98	8.72	300.96
(ख) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15.95	2,852.75	-	2,500.96
(ग) संपत्ति में निवेश	-	1.01	-	-
(घ) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	-	625.99	-	630.98
(ङ) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	-	76.01	-	23.59
(च) अन्य अमूर्त संपत्तियाँ	0.00	1.84	-	0.52
(छ) अन्य गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ	138.75	-	117.03	-
कुल - गैर-वित्तीय परिसंपत्तियाँ (2)	162.79	3,956.58	125.75	3,457.01
(3) बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियाँ को वर्गीकृत किया गया है	3.88	-	20.20	-
कुल परिसंपत्ति (1+2+3)	1,06,448.93	5,08,052.90	90,490.32	4,57,700.78
देयताएं				
(1) वित्तीय देयताएं				
(क) व्युत्पन्न वित्तीय साधन	844.66	825.40	338.08	421.62
(ख) ट्रेड एवं अन्य प्राप्य	157.67	-	109.42	-
(ग) ऋण प्रतिभूतियाँ	33,578.27	2,58,850.00	48,240.03	2,17,823.21
(घ) उधार (ऋण प्रतिभूतियों के अलावा)	51,565.83	1,42,734.33	43,071.37	1,29,020.68
(ङ) अधीनस्थ देयताएं	333.79	9,180.37	321.21	7,091.00
(च) अन्य गैर-वित्तीय देयताएं	13,545.08	24,101.64	7,831.28	24,109.30
कुल - वित्तीय देयताएँ (1)	1,00,025.31	4,35,691.73	99,911.39	3,78,465.81
(2) गैर-वित्तीय देयताएँ				
(क) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	-	-	66.51	-
(ख) प्रावधान	70.74	66.77	80.00	57.35
(ग) अन्य गैर-वित्तीय देयताएं	184.36	86.86	165.72	94.07
कुल - गैर-वित्तीय देयताएँ (2)	255.10	153.63	312.23	151.42

लेखा संबंधी समेकित टिप्पणियाँ

विवरण	31-03-2025 तक		31-03-2024 तक	
	12 महीनों के भीतर	12 महीने से अधिक	12 महीनों के भीतर	12 महीने से अधिक
कुल देयताएँ (1+2)	1,00,280.41	4,35,845.36	1,00,223.62	3,78,617.22

69. पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्गीकरण के अनुरूप पुनः वर्गीकृत/पुनर्गठित किया गया है।
70. कंपनी द्वारा प्रायोजित कोई ऑफ-बैलेंस शीट एसपीवी नहीं है, जिसे लेखांकन मानदंडों के अनुसार समेकित करने की आवश्यकता है।
71. कंपनी के पास विदेश में संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनियों के रूप में कोई विदेशी परिसंपत्ति नहीं है।
72. मास्टर निर्देश - भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) निर्देश, 2023 के तहत आवश्यक खुलासे टिप्पणी संख्या 3, 8, 10, 11, 22.1, 28, 29.1, 48, 51, 52, 52.1.3 (एम), 52.1.3 (एन), 52.1.3 (ओ), 52.1.3 (पी), 52.1.3 (क्यू), 52.1.3 (आर), 52.1.3 (एस), 52.1.3 (टी), 52.1.3 (यू), 52.1.3 (वी), 52.2.2, 52.2.4, 52.3, 53, 54, 55, 56, 58, 63, 64, 65, 70, 71, 73, 75 में किए गए हैं।
73. 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान किसी भी नियामक द्वारा कंपनी पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है (पिछले वर्ष शून्य)। हालाँकि, वर्ष के दौरान, कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बीएसई लिमिटेड (बीएसई) से सूचनाएं प्राप्त हुए हैं, जिसमें स्वतंत्र निदेशकों की अपर्याप्त संख्या के कारण बोर्ड/समितियों की स्थिति/कोरम आवश्यकताओं के संबंध में सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 की कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकताओं का पालन न करने के लिए कुल ₹ 0.18 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 0.43 करोड़) (जीएसटी सहित) का जुर्माना लगाया गया है।
- कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है क्योंकि कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है और कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं कर सकता। इस प्रकार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की ओर से कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। कंपनी को उम्मीद है कि स्टॉक एक्सचेंजों से किए गए उसके अनुरोध का भी अनुकूल परिणाम आएगा, जैसा कि बीएसई और एनएसई द्वारा पूर्व में की गई जुर्माना माफी के बाद किया गया था।
74. वर्ष के दौरान, कंपनी का 31 मार्च 2025 तक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 के तहत बंद की गई कंपनियों के साथ कोई लेनदेन नहीं है (31 मार्च 2024 तक - शून्य)।
75. 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी को ग्राहकों या लोकपाल कार्यालयों से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है (पिछले वर्ष शून्य)।
76. रुपए में आंकड़े दो दशमलव के साथ निकटतम करोड़ तक पूर्णांकित किए गए हैं, जब तक कि स्पष्ट रूप से न कहा गया हो।
- 1 से 76 तक के लेखा संबंधी टिप्पणिया समेकित वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं।

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W

सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089

अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



आरईसी लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय - कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003, सीआईएन: L40101DL1969GOI005095

31 मार्च 2025 तक की स्थिति के अनुसार समेकित तुलन-पत्र के साथ संलग्न किया जाने वाला अनुलग्नक (भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित)

(आरबीआई (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - स्केल आधारित विनियमन) दिशा-निर्देश दिनांक 19.10.2023 के अनुलग्नक-VIII में दिए गए विवरण, समय-समय पर अद्यतन किए गए हैं, जहां तक वे कंपनी पर लागू होते हैं)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
	बकाया राशि	अतिदेय राशि	बकाया राशि	अतिदेय राशि
देयताएँ पक्ष:				
(1) एनबीएफसी द्वारा लिए गए ऋण और अग्रिम				
उस पर अर्जित लेकिन भुगतान न किए गए ब्याज सहित:				
(क) डिबेंचर/बॉण्ड:				
- प्रतिभूत	54,718.68	-	55,197.53	-
- अप्रतिभूत	2,47,816.42	-	2,19,135.12	-
(ख) सावधिक ऋण				
- एनएसएसएफ से अप्रतिभूत ऋण	10,325.12	-	10,325.12	-
- बैंको से अप्रतिभूत ऋण	41,887.00	-	50,620.49	-
- वित्तीय संस्थाओं से प्रतिभूत ऋण	2,500.00	-	8,072.29	-
(ग) कर्मिश्यल पेपर	-	-	-	-
(घ) अन्य ऋण				
- विदेशी मुद्रा उधारियां	95,172.85	-	67,597.00	-
- एफसीएनआर (बी) ऋण	43,200.30	-	25,151.29	-
- बैंक से ओवरड्राफ्ट्स	570.78	-	267.44	-
- अल्पावधि ऋण / मांग पर ऋण प्रतिदेय	1,600.32	-	10,883.04	-
विवरण	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
परिसंपत्ति पक्ष:				
(2) प्राप्य बिलों सहित ऋणों और अग्रिमों का अलग-अलग ब्योरा				
(क) प्रतिभूत		5,25,654.96		4,72,151.03
(ख) अप्रतिभूत		41,228.32		37,219.92
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		(10,795.76)		(12,380.52)
ऋण और अग्रिम (प्रावधान का निवल)		5,56,087.52		4,96,990.43
(3) निवेश :				
लागत/परिशोधित लागत पर किया गया निवेश:				
उद्धृत:				
(i) शेयर: इक्विटी		-		-
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड्स		3,379.03		1,962.14
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		2.31		-
अउद्धृत डिबेंचर और बॉण्ड (प्रावधान का निवल)		3,376.72		1,962.14
(iii) सरकारी प्रतिभूतियां		1,621.86		1,624.08
गैर-उद्धृत :				
(i) शेयर:इक्विटी		-		-
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड		230.41		214.06
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		0.95		-
अउद्धृत डिबेंचर और बॉण्ड (प्रावधान का निवल)		229.46		214.06
(iii) अधिमानित शेयर		28.72		28.72
घटाएं: इम्पेयरमेंट हानि भत्ता		(28.72)		(28.72)
गैर-उद्धृत अधिमानित शेयर (प्रावधान का निवल)		-		-
उचित मूल्य पर मापित निवेश				
उद्धृत :				
(i) शेयर: इक्विटी		176.68		170.28
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड		968.18		947.94

विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
गैर-उद्धृत:		
(i) शेयर:इक्विटी	300.74	316.73
(ii) डिबेंचर और बॉण्ड	-	117.09

(4) उपरोक्त (2) में वित्तपोषित परिसंपत्तियों के उधारकर्ता का समूह-वार वर्गीकरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	प्रावधानों की निवल राशि			
	प्रतिभूत	अप्रतिभूत	प्रावधान	कुल
31.03.2025 तक				
1. संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
(क) अनुषंगी कंपनियां	-	-	-	-
(ख) एक ही समूह की कंपनियां	-	-	-	-
(ग) अन्य संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
2. संबंधित से भिन्न पक्षकार	5,25,654.96	41,228.32	(10,795.76)	5,56,087.52
कुल	5,25,654.96	41,228.32	(10,795.76)	5,56,087.52
31.03.2023 तक				
1. संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
(क) अनुषंगी कंपनियां	-	-	-	-
(ख) एक ही समूह की कंपनियां	-	-	-	-
(ग) अन्य संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
2. संबंधित से भिन्न पक्षकार	4,72,151.03	37,219.92	(12,380.52)	4,96,990.43
कुल	4,72,151.03	37,219.92	(12,380.52)	4,96,990.43

(5) शेयरों एवं प्रतिभूतियों (उद्धृत एवं गैर-उद्धृत दोनों) में निवेशों (चालू और दीर्घावधि) के निवेशक का समूह-वार वर्गीकरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
	बाजार मूल्य/ विवरण या उचित मूल्य या एनएवी	बही मूल्य (प्रावधान का निवल)	बाजार मूल्य/ विवरण या उचित मूल्य या एनएवी	बही मूल्य (प्रावधान का निवल)
1. संबंधित पक्षकार	-	-	-	-
2. संबंधित से भिन्न पक्षकार	6,923.31	6,673.64	5,325.91	5,352.32
कुल	6,923.31	6,673.64	5,325.91	5,352.32

(6) अन्य जानकारी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
(i) सकल क्रेडिट – इंपेयर्ड परिसंपत्तियां		
(क) संबंधित पक्षकार	-	-
(ख) संबंधित से भिन्न पक्षकार	7,652.65	13,810.33
(ii) निवल क्रेडिट – इंपेयर्ड परिसंपत्तियां		
(क) संबंधित पक्षकार	-	-
(ख) संबंधित से भिन्न पक्षकार	2,163.17	4,356.53
(iii) ऋण की संतुष्टि हेतु अधिगृहीत परिसंपत्तियां	130.43	394.18

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

हमारी इसी तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते कैलाश चंद जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 112318W
सौरभ चौहान
भागीदार
सदस्यता सं.: 167453

कृते एससीवी एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार,
फ़र्म पंजी. सं.: 000235N/N500089
अभिनव खोसला
भागीदार
सदस्यता सं.: 087010

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



फॉर्म एओसी-1

वर्ष 2024-25 के लिए सहायक कंपनियों/सहयोगियों/संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों की मुख्य विशेषताओं वाला विवरण
भाग क: सहायक कंपनियाँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	(I)
1 सहायक कंपनी का नाम	आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड
2 वह तिथि जब से सहायक कंपनी का अधिग्रहण किया गया	12-Jul-07
3 संबंधित सहायक कंपनी के लिए रिपोर्टिंग अवधि, यदि होल्डिंग कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि से भिन्न हो	लागू नहीं
4 विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में प्रासंगिक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि पर मुद्रा और विनिमय दर की रिपोर्टिंग करना।	लागू नहीं
5 शेयर पूंजी	9.49
6 भंडार और अधिशेष	728.70
7 कुल संपत्ति	1,000.76
8 कुल देनदारियाँ	262.57
9 निवेश	78.78
10 व्यवसाय	551.57
11 कर-पूर्व लाभ/(हानि)	348.32
12 कराधान के लिए प्रावधान	86.67
13 कराधान के बाद लाभ/(हानि)	261.65
14 प्रस्तावित लाभांश	32.76
15 शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत में)	100.00%

(1) उन सहायक कंपनियों के नाम जिन्होंने अभी तक परिचालन शुरू नहीं किया है - शून्य

(2) वर्ष के दौरान परिसमाप्त या बेची गई सहायक कंपनियों के नाम - शून्य

भाग ख : सहयोगी और संयुक्त उद्यम

सहयोगियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

सहयोगियों का नाम	कोडरमा ट्रांसमिशन लिमिटेड *	चांडिल ट्रांसमिशन लिमिटेड *	दुमका ट्रांसमिशन लिमिटेड *	मंदार ट्रांसमिशन लिमिटेड *	लुहरी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड *	शोंगटोंग ट्रांसमिशन लिमिटेड *	कांकाणी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड *	वार्न्स तालेगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	तूतीकोरिन पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड #	राजगढ़ III पीटी लिमिटेड #	जेजुरी हिजेवाड़ी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड ##	बेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड ##
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 नवीनतम ऑडिटेड बैलेंस शीट तिथि	31-मार्च-24	31-मार्च-24	31-मार्च-24	31-मार्च-24	31-मार्च-24	31-मार्च-24	31-Mar-24					
2 वह तिथि जिस दिन सहयोगी या संयुक्त उद्यम संबद्ध हुआ या अधिग्रहित हुआ	19.03.2018	14.03.2018	25.03.2018	26.03.2018	28.10.2022	14.06.2023	18.12.2023	16.11.2024	05.11.2024	24.12.2024	28.03.2025	28.03.2025
3 वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित सहयोगी या संयुक्त उद्यम के शेयर												
i. संख्या	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000		
ii. सहयोगियों या संयुक्त उद्यम में निवेश की राशि	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05		
iii. धारण की परिसीमा (%)	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%		
4 महत्वपूर्ण प्रभाव होने पर इसका विवरण							संदर्भ टिप्पणी 1					
5 सहयोगी या संयुक्त उद्यम के समेकित न होने का कारण*	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं		
6 नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार शेयरधारिता का आरोप्य निवल मूल्य	(0.01)	(0.01)	(0.01)	(0.01)	(1.36)	(1.25)	0.04	(0.24)	(0.37)	(0.13)		
7 वर्ष के लिए लाभ/(हानि)	(0.01)	(0.01)	(0.01)	(0.01)	(0.31)	(0.73)	(0.01)	(0.29)	(0.42)	(0.18)		
i. समेकन में विचार गया**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		
ii. समेकन में नहीं विचार गया	(0.01)	(0.01)	(0.01)	(0.01)	(0.31)	(0.73)	(0.01)	(0.29)	(0.42)	(0.18)		

* सहयोगियों के लिए उपलब्ध नवीनतम लेखापरीक्षित बैलेंस शीट इंड-एएस के आधार पर तैयार की गई है।

** सहयोगियों के लिए उपलब्ध नवीनतम प्रबंधन प्रमाणित बैलेंस शीट इंड-एएस के आधार पर तैयार की गई है।

सहयोगियों को बिक्री के लिए रखे गए के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और लागत या उचित बाजार मूल्य (बिक्री की लागत घटाकर) जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया गया है, इसलिए लाभ पर विचार नहीं किया गया है

चूंकि कंपनी 28.03.2025 को निगमित हुई है, इसलिए लेखा परीक्षक की नियुक्ति अगले वित्तीय वर्ष में की जाएगी

टिप्पणी: 1. कंपनी के पास 100% शेयर हैं, लेकिन इन निवेशों का प्रबंधन भारत सरकार के आदेश के अनुसार किया जाता है और कंपनी के पास इन कंपनियों की प्रासंगिक गतिविधियों को एकतरफा निर्देशित करने की व्यावहारिक क्षमता नहीं है, इसलिए इसे सहयोगी माना जाता है।

टिप्पणी: 2. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उन्नीस सहयोगियों को स्थानांतरित किया गया है।

संयुक्त उद्यम का विवरण: लागू नहीं

- (1) संबद्ध या संयुक्त उद्यम के नाम, जिनके प्रचालन अभी शुरू होने हैं - शून्य
- (2) संबद्ध या संयुक्त उद्यम के नाम, जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त या विक्रय कर दिया गया है।

वर्ष के दौरान व्यवसाय प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, निम्नलिखित सहयोगियों को बेचा गया है:

एसपीवी का नाम	विक्री की तिथि	विक्री की तिथि
मेरठ शामली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	14.12.2022	6.04.2024
एनईआरईएस XVI पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	10.01.2023	30.05.2024
राजस्थान पार्ट 1 ट्रांसमिशन लिमिटेड	30.04.2023	20.01.2025
खावड़ा आईवीसी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	27.09.2023	30.08.2024
खावड़ा IV ई2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	5.10.2023	30.05.2024
खावड़ा IVए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	09.10.2023	30.08.2024
राजस्थान IVए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	10.10.2023	21.08.2024
राजस्थान IVसी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	11.10.2023	19.08.2024
राजस्थान IV एच1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	13.10.2023	15.10.2024
राजस्थान IVई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	14.10.2023	19.08.2024
खावड़ा Vए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	10.10.2023	19.11.2024
एनईआरजी -1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	13.12.2023	30.07.2024
तुमकुर II पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	13.12.2023	03.09.2024
ईआरईएस XXXIX पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड	27.03.2024	14.11.2024
जलपुरा खुर्जा ट्रांसमिशन लिमिटेड	28.04.2023	05.04.2024
कल्लम ट्रांसको लिमिटेड	15.09.2023	05.04.2024
राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (6 अगस्त, 2024 से 30 दिसंबर 2024 तक)	06.08.2024	30.12.2024
राजस्थान IV 4बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (14 अगस्त, 2024 से 30 दिसंबर 2024 तक)	14.08.2024	30.12.2024
राजस्थान वी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (25 अक्टूबर, 2024 से 24 मार्च 2025 तक)	25.10.2024	24.03.2025
भड़ला III पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (9 अप्रैल, 2024 से 28 अगस्त 2024 तक)	09.04.2024	28.08.2024
रतले किरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (23 अक्टूबर, 2024 से 24 मार्च 2025 तक)	23.10.2024	24.03.2025
कुरनूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड (20 नवंबर, 2024 से 24 मार्च 2025 तक)	20.11.2024	24.03.2025
महान ट्रांसमिशन लिमिटेड (20 नवंबर, 2024 से 26 मार्च 2025 तक)	20.11.2024	26.03.2025
बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (14 मई, 2024 से 11 नवंबर 2024 तक)	14.05.2024	11.11.2024
बीकानेर बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (14 मई, 2024 से 11 नवंबर 2024 तक)	14.05.2024	11.11.2024
लकड़िया बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (29 अक्टूबर, 2024 से 14 फरवरी 2025 तक)	29.10.2024	14.02.2025
बीदर ट्रांसको लिमिटेड (05 नवंबर, 2024 से 18 फरवरी 2025 तक)	05.11.2024	18.02.2025
खावड़ा वी-बी1बी2 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (18 नवंबर, 2024 से 18 फरवरी 2025 तक)	18.11.2024	18.02.2025
बनासकांठा ट्रांसको लिमिटेड (25 अक्टूबर, 2024 से 24 मार्च 2025 तक)	25.10.2024	24.03.2025

जे.एस. अमिताभ
कार्यपालक निदेशक एवं कंपनी सचिव

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन-09769272

जितेन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन-06817799

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 8 मई 2025



हमारे कार्यालय

पंजीकृत कार्यालय	कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 ☎ +91-11-4309 1500 ✉ contactus@recindia.com		
कॉर्पोरेट कार्यालय	प्लॉट नंबर आई-4, सेक्टर 29, गुरुग्राम, हरियाणा - 122001 ☎ +91-124-444 1300 ✉ contactus@recindia.com		
प्रशिक्षण केंद्र	आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पॉवर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग आरईसीआईपीएमटी कैपस, एनपीए पोस्ट, शिवरामपल्ली, अरामघर क्रॉसरोड के पास, हैदराबाद - 500052 ☎ +91-40-2988 5851 / 5852; +91-40-2955 5901 ✉ recipmt@recindia.com		
क्षेत्रीय कार्यालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश	बे नं. 7-8, सेक्टर-2, पंचकूला - 134112 ☎ +91-172-2563 863 / 864 ☎ +91-172-2580 476 ✉ popanchkula@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय मध्य प्रदेश	हाल नं. 3, पश्चिमी ब्लॉक, द्वितीय तल, मेट्रो वॉक, बिट्टन मार्केट, भोपाल - 462016 ☎ +91-755-2460 006 ✉ recbhopal@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	आईबी-186, सेक्टर-III साल्ट लेक सिटी, कोलकाता - 700106 ☎ +91-33-2335 6989 / 6994 / 6998 ✉ zmkolkata@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा,	श्रद्धा, एम. जी. पथ, जी. एस. रोड, कॉसिंग सोहम/एसबीआई प्वाइंट, क्रिश्चियन बस्ती, गुवाहटी - 781005 ☎ +91-361-2343 713 ✉ poguwahati@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली	51-बी, मित्तल टॉवर, 5वां तल, नरीमन प्वाइंट, मुंबई - 400021 ☎ +91-22-2283 3068 / 3055 ✉ zmmumbai@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़	एफ-6 एवं एफ-7, ब्लॉक बी-1, प्रथम तल पुजारी चैबर्स, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पंचपेडीनाका, रायपुर - 492001 ☎ +91-771-2241 055 ✉ recraipur@recindia.com
राज्य कार्यालय हिमाचल प्रदेश	पंडित पदमदेव कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, फेज-II, प्रथम तल, द रिज, शिमला - 171001 ☎ +91-177-2653 411 ✉ poshimla@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय झारखंड	101 एवं 102, ओम श्री इन्क्लेव, लोयला स्कूल के बगल में, एयरपोर्ट रोड हिनू, रांची - 834002 ☎ +91-651-4667 947 ✉ soranchi@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू और कश्मीर, लद्दाख	157-ए, गांधी नगर, अप्सरा सिनेमा के पीछे, जम्मू - 180004 ☎ +91-191-2450 800 ✉ pojammu@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय ओडिशा	दीनदयाल भवन, पंचम तल, अशोक नगर, जनपथ, भुवनेश्वर - 751009 ☎ +91-674-2393 206 ☎ +91-674-2536 649 ✉ pobhubaneswar@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश	19/8 इंदिरा नगर एक्सटेंशन रिंग रोड, लखनऊ - 226016 ☎ +91-522-271 6324 / 7376 ☎ +91-522-434-9849 ✉ zmlucknow@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय कर्नाटक	प्लॉट नंबर 1/5, हलासुरु रोड, बेंगलुरु - 560042 ☎ +91-80-2555 0240 ✉ pobangalore@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय उत्तराखण्ड	44ए, भूतल, आईटी पार्क सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 ☎ +91-135-2650 799 ✉ sodehradun@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय तेलंगाना	आरईसीआईपीएमटी कैपस एनपीए पोस्ट, शिवरामपल्ली अरामघर क्रॉसरोड के पास हैदराबाद - 500052 ☎ +91-40-2988 6745 ✉ zmhyderabad@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय बिहार	मौर्य लोक कॉम्प्लेक्स, ब्लॉक- सी, चतुर्थ तल, न्यू डाक बंगला रोड, पटना - 800001 ☎ +91-612-4016 248 ✉ popatna@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय आंध्र प्रदेश	54-15-13, बीएसआर हिल व्यू, द्वितीय तल श्रीनिवास नगर बैक कालोनी, विजयवाड़ा - 520008 ☎ +91-866-2973 405 ✉ recro-vijay@recindia.com
क्षेत्रीय कार्यालय राजस्थान	जे-4-ए झालाना, डुंगरी, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जयपुर - 302004 ☎ +91-141-270 0161 ✉ pojaipur@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय केरल, लक्षद्वीप	ओ-5, चतुर्थ तल, सफालयम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, टीआरआईडीए भवन, पलायम तिरुवनंतपुरम - 695034 ☎ +91-471-2328 662 ✉ potrivandrum@recindia.com
राज्य कार्यालय गुजरात	प्लॉट नंबर 585, टी.पी. स्कीम सं. 2, पुष्टि कॉम्प्लेक्स के पीछे, आत्मा ज्योति आश्रम रोड, सुभानपुरा, वड़ोदरा - 390023 ☎ +91-265-2397 487 ✉ povadodara@recindia.com	क्षेत्रीय कार्यालय तमिलनाडु, पुडुचेरी	12 एवं 13, टी.एन.एच.बी. कॉम्प्लेक्स, 180 लूज चर्च रोड, मायलापुर, चेन्नई - 600004 ☎ +91-44-2467 2376 ☎ +91-44-2498 7960 ✉ pochennai@recindia.com



आरईसी के 56 वें स्थापना दिवस के कुछ चित्र



आर ई सी
REC

असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएँ
Endless energy. Infinite possibilities.

महारत्न कंपनी

पंजीकृत कार्यालय: कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 दूरभाष: +91-11-43091500
कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट नं. आई-4, सेक्टर-29, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 दूरभाष: + 91-124-4441300
ई-मेल: contactus@recindia.com वेबसाइट: www.recindia.nic.in सीआईएन: L40101DL1969GOI005095



वार्षिक रिपोर्ट 2024-25
डाउनलोड करने के लिए
इस क्यूआर कोड को
स्केन करें

हमें फॉलो करें: [f](#) [X](#) [@](#) [in](#) @reclindia



contactus@recindia.com



www.recindia.nic.in



हमारी वेबसाइट
देखने के लिए स्केन करें